परेम संदेसो

मालवी भासा

न्यू लैफ लिटरेचर
पोस्ट बोक्स ८४१५
बेंगलुरु ५६००८४

THE NEW TESTAMENT

Malvi

ISBN 81-87120-35-5

Joint Copyright © 2012
Malvoday
and
New Life Literature

First Edition
2012
Copies 1500

Malvoday
Post Box No. 18, Dewas, Madhya Pradesh 455001

Published by:
New Life Literature
Post Box 8415, Bangalore - 560 084

COPYRIGHT NOTICE

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means - electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise - without prior written permission from the publisher..

Typeset by: NLCI, Bangalore - 43

परेम संदेसो की किताबहुंण की सूची

आमुख I
अभार III
भूमिका V
मत्ती 1
मरकुस 73
लूका 118
योहन 196
परेरितहुंण 252
रोमिहुंण 324
कुरिन्थिहुंण 354
कुरिन्थिहुंण 382
गलातिहुंण 401
इफिसिहुंण 413
फिलिप्पिहुंण 424
कुलुस्सिहुंण 433
थिस्सलुनीकिहुंण 442
थिस्सलुनीकिहुंण 449
तीमुथियुस 454
तीमुथियुस 463
तीतुस 470
फिलेमोन 474
इबराणिहुंण 477
याकूब 502
पतरस 511
पतरस 521
योहन 527
योहन 536
योहन 538
यहूदा 540
दरसन 544
मालवी सबद् भण्डार 581

Illustrations on pages 4, 12, 16, 18, 24, 32, 33, 49, 53, 64, 79, 81, 98, 100, 123, 124, 138, 163, 166, 170, 172, 184, 190, 192, 200, 209, 210, 222, 229, 235, 243, 281, 293, 422, 460, 506, 519, 552
by Horace Knowles
© The British & Foreign Bible Society, 1954, 1967, 1972
Additions and amendments by Louise Bass
© The British & Foreign Bible Society, 1994.
Used with permission.

Illustrations on pages 6, 9, 20, 22, 45, 65, 67, 71, 105, 111, 114, 116, 132, 145, 148, 153, 167, 187, 193, 195, 226, 241, 244, 247, 249, 254, 254, 256, 259, 265, 273, 275, 279, 288, 307, 310, 315, 321, 361, 397, 425, 487, 551
are used by permission.
© David C. Cook Publishing Co., 1978

आमुख

दो सबद्

मालवी भासा माय "नवा नेम" को अनुवाद पेली कावा हुई र्‌यो हे। इको खास कारण यो हे, के या भासा धीरे-धीरे खतम होती जइरी हे पण इनी भासा का बोलवा वाळा खतम नी होया हे। हमारा मालवा का हर गांम माय अने सेर गांम माय जो गांम से अई के बसी ग्या आज बी अपणा-अपणा घर माय इनी भासा के बड़ा गरब का साते बोले हे। आज बी इनी भासा के परेम करवा वाळा अने इकापे गरब करवा वाळा जीवता हे, खास करिके उना लोगहुंण सरु जो थोड़ाक मसीही भई-बेनहुंण हे जिणने या मांग करी के मालवी भासा माय "नवो-नेम" होणो चइये। उणकी मांग अने पराथना से अने परभु की किरपा से आज यो "नवो-नेम" तम बांचवा वाळाहुंण का हात माय हे, गिणती माय करीब एक करोड़ अने चुम्मालीस लाख माळवी भासी मनखहुंण मालवा माय रे हे; जिणकी अपणी मातृ-भासा मालवी हे। धरम को ज्ञान अने भासा की उन्नती सरु आदर अने निवेदन समेत मालवा का आदरणी भई-बेनहुंण के यो "नवो-नेम" समरपित हे।

हमने इना नवा नेम का बांचवा वाळाहुंण सरु इके सरल अनुवाद करवा की कोसिस करी हे। फिर बी हम जाणा हे के इना अनुवाद माय कंई-कंई मामूली तोर से गलती हुई सकती हे। हम तमार से बिणती करां हे के अगर कंई गलती मिळे, तो हमारे जरुर बतई दिजो; ताके अगली कावा नवा-नेम के छापवा का बखथ भूल-चुक सुदारी सकां। इना नवा-नेम का आखरी माय "सबद् भण्डार" द्‌यो हे, ताके उका माय तमारे नरा सबदहुंण का अरथ को पतो चलेगा। अगर इके बांचवा बखत कइंका सबद को अरथ समज माय नी आय, तो सबद भण्डार देखी सकता हो।

परभु ईसु का जीवन चरित के उका चेलाहुंण ने जो उका गेले रेता था, उका काम देखता था, उका अचरजहुंण से अचम्बो करता था, अने उका परबचनहुंण के बड़ा ध्यान से सुणता था। परभु ईसु का बारामें यो बखाण पेली सदी माय लिखी द्‌यो थो। उणका मुजब परभु ईसु सिरप एक म्हातमा, एक म्हागरु, या एक धरम सीख देवा वाळोज नी थो, पण उ खुद अनादि-अनन्त परमेसर थो। मनख के परेम करवा अने उणके पाप से मुक्ती देणे सरु उने धरती पे जनम ल्यो थो। उको जनम निराळो थो, उका काम निराळा था, उका परबचन निराळा था, उको कुरुस पे मार्‌यो जाणो निराळो थो, उको गाड़्यो जाणो निराळो थो, अने उको मर्‌या माय से जी उठणो अने करीब पांच सो लोगहुंण के देखता-देखता सरग पे उठई ल्यो जाणो निराळो थो।

हज्जारो बरस पेलां परमेसर आड़ी से भविसबाणी (भविष्यकता) बोलवा वाळा मनखहुंण ने परभु ईसु का धरती पे जनम लेवा, कुरुस का अदरे बुरी तरा से दुःख उठाड़णे अने मार्‌यो जाणें, अने तीसरा दन मर्‌या माय से जीवतो हुई जाणें, का बारामें भबिसबाणिहुंण करी थी। ई सगळी भविसबाणिहुंण बखत आवा पे परभु ईसु माय वसी की वसीज पूरण हुई।

परभु ईसु की सीखहुंण घणी अदभुद थी। जसे के: "जो थारा सुदा गाल पे थापड़ मारे उका आड़ी दूसरो बी फेरी दे" (मत्ती ५.३९)। अने "अपणा बेरिहुंण से परेम राखो अने जो तमारे सताड़े उणका सरु पराथना करो" (मत्ती ५.४४)। परभु ईसु सिरप बोल्योज नी पण जो सीख उने दई उणकापे चल्यो अने आचरण बी कर्‌यो हे।

उने नरा अचरज का काम कर्‌या। जनम का एक आंदा के नगे आवा को बरदान दई के लोगहुंण के अचम्बा माय लाखिद्‌यो। पण जदे लाजर नामको एक मनख जे के मर्‌या होया चार दन हुई चुक्या था, अने उकी लास माय से बास अइरी थी, जसाके उकी बेन मरियम ईसु के बताड़ी री थी। उके परभु ईसु ने जीवाड़ी लाख्यो तो लोगहुंण ने यो बिसास कर्‌यो के यो सांचीमेज परमेसर को बेटो हे।

परभु ईसु आवा वाळा बखत माय जो घटणाहुंण घटेगा उणको बखाण असे करे हे - "तम लड़इहुंण की चरचा सुणोगा। जात, जात को बिरोद करेगा अने राज का बिरोद माय राज उठेगा।" (मत्ती २४.६, ७) अने यो बी लिख्यो हे के, "राज को यो समिचार आखा जगत माय परचार कर्‌यो जायगा के सगळी जातहुंण पे गवई रे, अने फेर जगत को अंत हुई जायगा" (मत्ती २४.१४)। ई बातहुंण आज असी की असीज पूरण हुइरी हे जो ईसु मसीह का परभु होवा को पक्को परमाण हे।

बाइबल को खास संदेस यो हे के "सगळा ने पाप कर्‌यो हे अने परमेसर की म्हेमा से रित्ता हे।" अने "पाप की मजुरी तो मोत हे; पण परमेसर को बरदान हमारा परभु ईसु माय अजर-अमर जीवन हे" (रोमिहुंण ३.२३; ६.२३)। उ जगत माय जीवताहुंण अने मर्‌याहुंण को न्याव करवा झट आवा वाळो हे।

परभु ईसु से हमारी बिणती हे के इना नवा-नेम के बांचवा अने समजवा से परभु तमारे अपणो दरसन दे, पाप से छुटकारो (उध्दार) करे, परमेसर तमारे अपणी सन्तान बणाय, अने सान्ती अने खुसी की घणी आसीस से तम भर्‌या-पुर्‌या सदा-सदा बाण्या रोजो। आमीन॥

परभु की सेवा माय

मालवी बाईबल अनुवादक दल

अभार

मालवी भासा माय "नवा नेम" को अनुवाद पेली कावा हुई र्‌यो हे। इको खास कारण यो हे, के या भासा धीरे-धीरे खतम होती जइरी हे पण इनी भासा का बोलवा वाळा खतम नी होया हे। हमारा मालवा का हर गांम माय अने सेर गांम माय जो गांम से अई के बसी ग्या आज बी अपणा-अपणा घर माय इनी भासा के बड़ा गरब का साते बोले हे। आज बी इनी भासा के परेम करवा वाळा अने इकापे गरब करवा वाळा जीवता हे, खास करिके उना लोगहुंण सरु जो थोड़ाक मसीही भई-बेनहुंण हे जिणने या मांग करी के मालवी भासा माय "नवो-नेम" होणो चइये। उणकी मांग अने पराथना से अने परभु की किरपा से आज यो "नवो-नेम" तम बांचवा वाळाहुंण का हात माय हे, गिणती माय करीब एक करोड़ अने चुम्मालीस लाख माळवी भासी मनखहुंण मालवा माय रे हे; जिणकी अपणी मातृ-भासा मालवी हे। धरम को ज्ञान अने भासा की उन्नती सरु आदर अने निवेदन समेत मालवा का आदरणी भई-बेनहुंण के यो "नवो-नेम" समरपित हे।

हमने इना नवा नेम का बांचवा वाळाहुंण सरु इके सरल अनुवाद करवा की कोसिस करी हे। फिर बी हम जाणा हे के इना अनुवाद माय कंई-कंई मामूली तोर से गलती हुई सकती हे। हम तमार से बिणती करां हे के अगर कंई गलती मिळे, तो हमारे जरुर बतई दिजो; ताके अगली कावा नवा-नेम के छापवा का बखथ भूल-चुक सुदारी सकां। इना नवा-नेम का आखरी माय "सबद् भण्डार" द्‌यो हे, ताके उका माय तमारे नरा सबदहुंण का अरथ को पतो चलेगा। अगर इके बांचवा बखत कइंका सबद को अरथ समज माय नी आय, तो सबद भण्डार देखी सकता हो।

परभु ईसु का जीवन चरित के उका चेलाहुंण ने जो उका गेले रेता था, उका काम देखता था, उका अचरजहुंण से अचम्बो करता था, अने उका परबचनहुंण के बड़ा ध्यान से सुणता था। परभु ईसु का बारामें यो बखाण पेली सदी माय लिखी द्‌यो थो। उणका मुजब परभु ईसु सिरप एक म्विलियम केरी भारत देस माय एक बड़ो मिसनरी हुई के आयो थो । उने १९२६ माय नवा-नेम को अनुवाद मालवी भाषा माय कर्‌यो थो, उना बखत कइंको मालवी इसई नी थो, तो इके काम माय भी नी ल्यो हे अने अबी उका अनुवाद की कइंकी परती बी नी है ।

परमेसर मालवी लोगहुंण का जीवन माय हमेस्या काम करतो र्‌यो हे । रेव्ह. केम्पबेल का आवा का बाद १९ वी सदी माय केनेडियन प्रेसबिटेरियन मिसन ने (१८७६-१८७७) काम सुरु कर्‌यो थो, उणने नरा हिनदुस्तानी लोगहुंण का गेले काम कर्‌यो तो नरा मालवी लोगहुंण ईसु मसीह के जाणवा लाग्या ।

हिन्दुस्तान जदे अजाद होयो तो बिदेसी मिसनरिहुंण के देस छोड़णो जरुरी हुई ग्यो । अने चर्च की बागडोर यां का रेवा वाळा लोगहुंण का हात माय अई गी । मालवा की मण्डळिहुंण

के एक करवा को काम १९५८ माय मालवा चर्च कौंसिल का रुप माय होयो, इका बाद मालवा चर्च कौंसिल उत्तर भारत की कलीसिया (चर्च ऑफ नार्थ इण्डिया, या सी एन आई) का साते मीळी गी ।

परमेसर मालवी लोगहुंण का जीवन माय काम करतो र्‌यो । नरा मालवी लोगहुंण ईसु के मानवा लाग्या अने बड़ा बड़ा सेर गांमहुंण माय मण्डळिहुंण परभु की अराधना करवा लागी । असाज बखत माय एक जुवान जेको नाम प्रकाश डी.मसीह थो उ बी ईसु के मानवा लाग्यो अने सी एन आई ने उके पादरी की सीख लेवा सरु १९८४ माय सेमनरी भेज्यो । अने बादमें सी एन आई को पादरी बण्यो । उ अपणा लोगहुंण के परेम करवा की वजा से ईसु को सन्देस सुणावा लाग्यो । उने एक दन फैसलो कर्‌यो के उ मालवी भाषा माय नवो-नेम अनुवाद करेगा उने खुद की कोसिस से मालवी भाषा माय योहन को सुब-समिचार अनुवाद कर्‌यो । सन् २००१ माय जदे देवास माय सेवा करी र्‌यो थो, ठीक इना बरस एन.एल.सी.आई. बैगलोर से एक सर्वे टीम अई, वी रेव्ह प्रकाश डी. मसीह से मिळ्या । असतरा नवा नेम का अनुवाद की योजना सुरु हुई । फिर उणके बाईबल अनुवाद की टिरेनिंग दईगी । दूसरा लोगहुंण बी उणका साते जरुरी साधन देवा सरु मिळ्या, जसे के लिखवा सरु कम्प्युटर, पाठ के जांचवा सरु, परामरस देवा वाळा से जांच, प्रूफ के जांचणो, बांचणो, टरेनिंग देणो, आरथिक मदद करनो, आदि । बखत का सात-सात नरा मालवी लोगहुंण, पास्टरहुंण इणका साते इना काम माय सामिल होया । यो नवो-नेम अण्

गिण्त्या लोगहुंण का काम को फळ है । परमेसर ने पेलांपेल रेव्ह. प्रकाश डी.मसीह का हिरदा माय या बात लाखी । इका सरु हम परमेसर के धन्यबाद दां हे ।

परमेसर को काम मालवी लोगहुंण का जीवन माय लगातार चली र्‌यो हे । हम बिसास करां हे के परमेसर ने मालवी भाषा माय अपणो बचन देवा की किरपा करी हे, अने इना बचन के मालवी मण्डलळिहुंण माय काम माय लेणो चलतो रेगा । हम बिसास करां के यो अनुवाद परमेसर का काम के हजु अगड़े बड़ायगा अने नरा लोगहुंण के उका राज का बारिस होवा सरु मदद करेगा ।

परभु की सेवा माय

मालवी बाईबल अनुवादक दल

भूमिका

नवो नेम-बिधान

नवो नेम-बिधान मसीही बाइबल को दूसरो हिस्सो हे। इका माय सत्तावीस किताबहुंण हे; जेका माय पुराणा नेम-बिधान की नरी बातहुंण को अने परमेसर का लोगहुंण का बारामें बखाण कर्‌यो हे। नवो नेम-बिधान के अंग्रेजी माय "न्यु टेस्टामेन्ट" के हे, अने यो सबद् लेटिन भासा से आयो हे अने जेको अरथ 'विल' याने 'बाचा,' 'करार,' 'सपथ,' 'वायदो' आदि हे। यूनानी (गिरिक) सबद् 'डाइथेके' जेको अरथ 'वसीयत नामो' या 'करार' हे। पुराणा नेम-बिधान माय परमेसर को करार उका चुण्या होया लोगहुंण इसराइलहुंण सरु थो। इना करार माय एक बड़ो हिस्सो मूसा के द्‌यो नेम-बिधान पे टिक्यो हे। वी जो परमेसर को हुकम अने नेम-बिधान का मुजब जीवन बिताड़े उका लोग हे। इकामाय ६०० सो बरस पेलां यरमियाह नबी ने परमेसर से नातो राखवा को एक "नवा करार" की अगमबाणी करी थी (यरमियाह ३१.३१-३४)। नवा नेम-बिधान का लिखवा वाळाहुंण ने असो लिख्यो हे के परमेसर ने मसीह माय नवो-करार कर्‌यो हे (१ कुरिन्थिहुंण ८.७-१३; ११.२५; १२.२४-२७)। पण पोलुस के हे, के नवा-करार को नेम-बिधान से नातो नी, पण परमेसर की आतमा से नवो जीवन मिळ्यो उका से नातो हे (२ कुरिन्थिहुंण ३.६-१५ गलातिहुंण ३.१०-१४)।

नवा नेम-बिधान की किताबहुंण ईसु मसीह का जावा का सो बरस का भितरे लिखी हे। नरी किताबहुंण ईसु नासरी का जीवन पे लिखी हे। जेके एक कुमारी नानी ने परमेसर का पवित्तर आ़त़मा से जन्म्यो, जो बादमें एक चुण्या होया मसीह का रुप माय मान्यो ग्यो हे । "ईसु" याने 'बचावा वाळो' या 'उध्दार करवा वाळो' (मरकुस ८.२९; १४.६१,६२ लूका २.११; योहन २०.३०,३१; परेरितहुंण ३.१८-२१)। चार सुब-समिचार (मत्ती, मरकुस, लूका, योहन) ईसु मसीह का जीवन अने उकी सीख पे लिख्यो हे। हरेक को उद्देस फरक हे। परेरितहुंण की किताब सुरु का दसक का परेरितहुंण का बारामें के हे, परेरितहुंण ने परभु ईसु को सुब-समिचार को परचार कसे कर्‌यो कसे फेलायो। अने जो चिठ्ठिहुंण नवा नेम-बिधान माय हे उणके परभु ईसु की सीख का मारग के, उका परबचन के समजी के जो ईसु ने सिखाड़्या अने परबचन द्‌या हे, लिख्या हे। सुरु का बरसहुंण माय ईसु मसीह का बारामें सुब-समिचार था जो उने इना जगत माय द्‌या था। सुरु का मसीहिहुंण ने बी यो बताड़्यो थो जेकी म्हायथी दरसन की किताब माय (जो नवा नेम-बिधान की अखरी किताब) मिळे हे, आखरी आस भविस माय परमेसर की मरजी, नवा असमान अने नवी धरती का बारामें कंई बताड़े हे।

नवा नेम-बिधान की किताबहुंण का बारा में वास्तविक दन बताणो मुसकिल हे। पण नरा बिदबानहुंण इनी बात माय सेमत हे के पोलुस की चिठ्ठिहुंण अने नवा नेम-बिधान का लेखहुंण कदे लिख्या था। सुब-समिचार अने परेरितहुंण बाद का लिख्या होया हे। मरकुस पेलो सुब-समिचार हे जो पेलांपेल उना बखत लिख्यो थो, जदे रोमी लोगहुंण मसीही लोगहुंण के यरुसलेम माय ए.डी. ७० माय सताड़ी र्‌या था।

ईसु अने उका चेलाहुंण अरामिक भासा बोलता था। नवा नेम-बिधान की किताबहुंण उना बखत की बोलचाल की यूनानी (गिरिक) भासा माय लिखी। जो लेखकहुंण था, वी बी यहूदिहुंण का सासत्तरहुंण के यूनानी (गिरिक) अनुवाद [इबराणी (हिबरु) भासा से यूनानी (गिरिक) भासा में अनुवाद] जाण्ता था। नरा उद्धारण सुदा यूनानी भासा के यो अनुवाद से नवा नेम-बिधान माय आया हे। जदे अन्य उद्धारण यहूदिहुंण का सासत्तर (जो इब्राणी माय थो), के यूनानी अनुवाद से ल्या हे। नवा नेम-बिधान की मूल परती पेलां से खतम हुई गी थी। पण हात से लिखी हुई किताब पाछी उनीज सदी माय लिखवा लाग्या। नवा नेम-बिधान की सुरु की परतिहुंण यूनानी माय लगभग चोथी सदी माय मिळी। नवा नेम-बिधान को पेलो हिस्सो लगभग ए.डी. १२५ को थो। बिदबानहुंण ने नवा नेम-बिधान के पेला, कोप्टिक, सीरिया अने लेटिन भासाहुंण माय अनुवाद कर्‌यो थो । आज का नवा नेम-बिधान की २७ किताबहुंण के मान्यता मिलणे में लग-भग ३०० बरस लाग्या था।

चारी सुब-समिचार अने परेरितहुंण को काम

चार सुब-समिचार (मत्ती, मरकुस, लूका, अने योहन) ईसु मसीह का उना बखत का जीवन पे हे, जदे उ जग माय थो अने यरुसलेम माय, अने रोमी सासन, अने उका ऐरे-मेरे का इलाका का लोगहुंण माय अचरज का काम दिखाड़तो, अने परबचन देतो थो; उका बारामें बताड़्यो हे।

सुब-समिचार ईसु मसीह के कुरुस चढ़ाया जावा का बाद ३० से ६० बरस का बाद लिख्यो थो। ईसु मसीह ने खुद कंई बी नी लिख्यो थो। सुब-समिचार की कहानिहुंण आंख देखी बातहुंण के जो लोग एक दूसरा से नरा बरस तक बोलता अई र्‌या था। तो उणने यो बिचार्‌यो के हमारा माय जो अबी हे जिणने ईसु का कामहुंण अने उका अचरजहुंण अने उकी सीखहुंण अने सताड़्या जावा के, अने मार्‌या जावा अने जी उठवा के अपणी आंखहुंण से देख्यो हे, थोड़ाक तो मरी ग्या अने जो जीवता हे उणके बी मरनो हे, तो इनी बातहुंण के जो मसीह माय घटी, लिखी लां के परमेसर ने ईसु मसीह माय कसा बड़ा काम कर्‌या था। तो उणने इके आवा वाळी पीड़ी सरु लिखी दी।

सुरु माय नरा सुब-समिचार लिखी के मण्डळिहुंण माय फेलावा लाग्या, पण सुरु की मण्डलिहुंण ने सिरप उण सुब-समिचार केज मण्डळिहुंण माय जगा दी जिणके उका चेलाहुंण ने लिख्यो अने लिखाड़्यो थो, जसे के मत्ती, मरकुस, लूका, अने योहन अने इणकासे जिणने ईसु का बारामें सुण्यो थो। मत्ती, मरकुस अने लूका के सुब-समिचार आपस माय नरा मिळता-जुलता हे इणके 'सिनोपटिक सुब-समिचार' के हे, जेको अरथ "एक साते देखी र्‌या"। मत्ती, मरकुस अने लूका बताड़े हे के ईसु को लोगहुंण का माय कसो जीवन थो अने उका अचरज का काम जो गलील का ऐरे-मेरे कर्‌या था, उका बारामें जादा ध्यान देवाड़े हे। अने योहन ने ईसु के यहूदिया के जीवन पे अने उकी सीख पे जादा ध्यान द्‌यो जसे के ईसु ने क्यो, "हूं जगत को

उजाळो हूं" (योहन ८.१२)। पेला तीन सुब-समिचारहुंण माय जो कहानिहुंण अने मिसालहुंण दई हे योहन ने अपणा सुब-समिचार माय नी दई हे।

परेरितहुंण को लिखवा वाळो बिदबान लोगहुंण यो माने हे के इको लिखवा वाळो लूकाज हे। क्योंके या दोई किताब थियुफिलुस के लिखी हे (लूका १.१-४ परेरितहुंण १.१) अने ई दोई का यूनानी भासा के लिखवा का तरीका एक जसा हे। या दोई 'सुब-समिचार' पे जादा जोर दे हे जो सगळा के हे (दोई यहूदिहुंण अने गेरयहूदिहुंण, आदमी अने बइरा, धणी अने गरीब-गुरबाहुंण)। इकामाय खास बात या हे के पराथना अने पवित्तर आतमा का काम जो ईसु मसीह का मानवा वाळाहुंण हे उके जीवन माय जादा हे।

पोलुस की चिठ्ठिहुंण

पोलुस की चिठ्ठिहुंण नवा नेम-बिधान माय सगळा से पुराणी हे। खास करिके इणको लिखवा को बखत ए.डी. ५० से ६० (सुब-समिचार, परेरितहुंण, अने दूसरी चिठ्ठिहुंण से पेलां) हे।

पोलुस ने यहूदिहुंण का धरम सासत्तर के एक फरीसी सरीको सिख्यो थो। यो समुदाय धारमिक अधार पे सीखतो अने नेम-बिधान का अधार पे रेतो थो (गलातिहुंण १.१४; फिलिप्पिहुंण ३.५)। उ अपणी चिठ्ठी माय लिखे हे के उने उणके जो ईसु मसीह का मानवा वाळा था, घणा सताड़्या था। क्योंके मण्डळी या जो बिसासी हे वी मूसा का नेम-बिधान का हक पे सवाल खड़ो करिके मसीह की सीख पे जोर देता था। पण पोलुस के जदे परमेसर ने बताड़्यो के ईसु वास्तव माय कुंण हे (गलातिहुंण १.१५,१६), तो फिर पोलुस ईसु मसीह का बारामें सुब-समिचार को परचार सुरु करवा लाग्यो।

नरा बिसय का बारामें पोलुस अपणी चिठ्ठिहुंण माय लिखे हे। जसे के, पोलुस का बिचार माय परमेसर ने "ईसु के हमारा सरु बलिदान" करवा अने बिना कइंका बदळा माय हमारा पाप को मोल चुकाड़वा सरु मोकल्यो थो (रोमिहुंण ३.२४-२६)। पोलुस को केणो यो बी पड़े हे, के यो हुई नी सके के नेम-बिधान का हुकम मानिके पाप से बची जावां (गलातिहुंण ३.११; रोमिहुंण ३.२३)। पण उ के हे "परमेसर उणकेज चावे हे जो ईसु मसीह पे बिसास करे हे" (गलातिहुंण २.१६)। जो उकापे बिसास राखे हे उके नी सिरप मसीह का बलिदान को फायदो मिळेगा पण उ मर्‌या बाद का जीवन माय बी नवा जीवन को हिस्सो बणेगा (रोमिहुंण ६.५-११)। पोलुस मसीहिहुंण से के हे परमेसर की आतमा से जीवो जो दूसरा के सेवा करवा को बरदान दे हे (रोमिहुंण १२.६-२१; १ कुरिन्थिहुंण १२-१३; गलातिहुंण ५.१६-२५) उ ईसु मसीह का आवा की बाट देखी र्‌यो थो (फिलिप्पिहुंण ३.२०; ४.५; १ थिस्सलुनीकिहुंण ४.१३-१८) उ ईसु का मानवा वाळाहुंण के जोस देवाड़ी र्‌यो थो के जो ईसु माय जीवता रेगा उणका सरु ईसु कइंका बी दन अई जायगा (१ थिस्सलुनीकिहुंण ५.१-८; १ कुरिन्थिहुंण ७.२९-३९)।

पोलुस परेरित का नाम से नवा नेम-बिधान माय आदी "किताबहुंण" हे। उका नाम से १३ "चिठ्ठिहुंण" नवा नेम-बिधान माय मिळे हे। पण नरा बिदबानहुंण को केणो हे के वास्तव माय ई सगळी उने नी लिखी हे। सगळा की इनी बात पे एकज राय हे के रोमिहुंण, १ अने २ कुरिन्थिहुंण, गलातिहुंण, फिलिप्पिहुंण, १ थिस्सलुनीकिहुंण, अने फिलेमोन पोलुस लिखी हे। तीन चिठ्ठिहुंण हे जो पोलुस की खास सीख अने उणकी रुपरेखा का तरीका की वजा से लागे के पोलुस ने नी लिखी हे। वी इफिसिहुंण, कुलुस्सिहुंण अने २ थिस्सलुनीकिहुंण हे। पण

तीन चिठ्ठिहुंण (१ अने २ तीमुथियुस, तीतुस) का बारा में सुरु की मण्डळी का अगुवाहुंण का पता से हे, तो बिदबानहुंण को यो केणो हे, के ई चिठ्ठिहुंण पोलुस का बाद की हे जो वां की जगा का लोगहुंण को होसलो बड़ावा सरु लिखी हे। तो परम्परा से यो चल्यो अई र्‌यो हे के ई चिठ्ठिहुंण पोलुस ने लिखी हे अने यो बी हुई सके के पोलुस का कइंका खास मनख ने जो उकी सीख अने चिठ्ठिहुंण को खास जाणकार हे उने लिखी क्योंके उना बखत पोलुस खुद मण्डळिहुंण की नरी उळजणहुंण माय उळजी र्‌यो थो।

पोलुस वास्तव माय सुरु की मण्डळी को एक असरदार अगुवो थो। उने नरी जगा माय परचार कर्‌यो थो जदे उ 'भूमध्य सागर' (मेडिटेरेनियन सागर) के किनारे से जातरा पे थो। थोड़ीक चिठ्ठिहुंण उने मण्डळिहुंण के लिख्खी उना लोगहुंण के जिणसे जातरा का बखत उ मिळ्यो थो अने जिणके सुब-समिचार सुणायो थो अने उणके बी जिणसे मिळवा की उके आस थी। पोलुस की चिठ्ठिहुंण माय सुरु की मण्डळिहुंण का मसीहिहुंण को अच्छो बखाण हे। जो जीवन का उतार-चड़ाव माय बी ईसु की सीख के जाणे याके इना जग अने आवा वाळा जग की सीख के पेचाणतो थो। पोलुस की सीख को असर रीति-रिवाज अने समाज पे होयो हे। अने वी जो यहूदिहुंण का सासत्तर के समझे अने यूनानी दरसन के जाणे हे। पोलुस हरेक तरीका से जिके उ जाणतो थो, उके सुब-समिचार सुणावा की अच्छी म्हायथी हुई गी थी। पोलुस को बिसास थो कि उ परमेसर से उका सुब-समिचार फेलाणे बले चुण्यो होयो हे।

थोड़िक हजु चिठ्ठिहुंण अने दरसन की किताब

बची हुई नवा नेम-बिधान की नो किताबहुंण अपणा तरीका की अलग किताबहुंण हे। पेली आठ (इबराणिहुंण से यहूदा तक) ई अकसर 'सादी चिठ्ठिहुंण' का रुप माय जाणी जाय हे, जो पोलुस की चिठ्ठिहुंण सरीकीज लागे हे। इकामाय याकूब, १ अने २ पतरस २ अने ३ योहन अने यहूदा सामिल हे। इबराणिहुंण बी इकामाय सामिल करी हे क्योंके इका आखिर माय व्यक्ती गत नमसकार मोकल्यो हे। इबराणिहुंण के बांचवा से असो लागे जसे परबचन बांची र्‌या हे। १ योहन का सुरु माय कइंको अभिवादन नी मिळे हे, पण व्यक्तीगत समजाइस दई हे जो एक दोस के दई जाय हे।

सुरु का मसीहिहुंण माय एक खास तरीका को गलत सिखाव पेदा हुई र्‌यो थो। आठ चिठ्ठिहुंण इनी बात सरु चेतावणी थी के नरा लोगहुंण ईसु का बारामें झुंटी सीख दई र्‌या था। (२ पतरस २.१-३; १ योहन २.१८-२६; ४.१,२; यहूदा ३-१३) अने उणके पवित्तर जीवन जीवा सरु जोस देवाड़ने को काम इनी चिट्टिहुण का जरिये हुई र्‌यो थो। (याकूब २.१४-२६; १ पतरस १.१३-१६; २ पतरस १.५-११) अने एक दूसरा से परेम राखो बी बताडे हे (इबराणिहुंण १३.१,२; १ योहन ३.११-१९ २ योहन ५,६)। चिट्ठिहुंण माय मसीही लोगहुंण के परमेसर का चुण्या के हे। (इबराणिहुंण ३.१; १ पतरस २.९,१०) अने या बी चेतावणी दई के जो चुण्या होया हे उणकापे दुःख अने सताव तो आयगा पण आवा वाळा बखत माय इनाम बी मिळेगा (इबराणिहुंण १३.३ याकूब १.१२ १ पतरस १.५-७; ३.१३-१७; ४.१२-१४) मसीही लोगहुंण पे पेली सदी माय सताव रोमिहुंण ने सुरु कर्‌यो थो उनाज बखत इनी चिठ्ठिहुंण ने मसीहिहुंण के बड़ावो द्‌यो।

मसीहिहुंण अने उणका दुसमनहुंण माय तनाव हे, उके दरसन की किताब उजागर करे हे। पतमुस टापू माय योहन दरसन के देखे अने लिखे हे अने नरी चिठ्ठिहुंण एसिया माइनर

की मण्डळिहुंण के लिखे हे (दरसन २.३)। दरसन की किताब आवा वाळा बखत के ध्यान माय राखी ने लिखी हे, जसा के पेलां का यहूदिहुंण का बखत माय दानियल अने यहेजकेल ने लिखी थी। जेका माय बताडे हे के परमेसर अने बुरई की ताकतहुंण का अदाड़ माय लड़ाई होयगा फिर आखरी जीत परमेसर की रेगा। अने इना बखत माय परमेसर का लोगहुंण ने लड़ई का बी दुःख झेल्या अने जो दुसमन का हाते मार्‌या ग्या हे, उणको जीवन अच्छो रेगा। अने दरसन की किताब माय नरा मिसाल बी हे, जसा १३ अधयाय माय जनावर (बुरा मनख) का बारा माय बताड़्यो हे। इकासरु परमेसर का लोगहुंण के पेलांसेज समजाड़ी द्‌यो हे, के वी आवा वाळा बखत माय अपणा दुसमन से उळजण माय नी रे। इना भेद की एक दूसरी मिसाल जूना नगर बेबीलोन की हे (दरसन १७.५-१८.२४)। योहन का बखत का जो मसीही था वी जाणता था के जो कंई बी लिख्यो हे उ सांची माय रोम सरु लिख्यो थो। क्योंके उका माय उने परमेसर का लोगहुंण के अने परमेसर का सगळा से बड़ा दुसमन के देख्यो थो।

दरसन की किताब माय अत्याचारिहुंण के परमेसर आड़ी से सजा हे। इनी किताब माय खास बात या हे के मसीही लोगहुंण एक नवी आस अने उणके होंसलो दे हे अने या बी बताड़े हे के इना मुसीबत का बखत माय बिसासलायक बण्या रो। अने आखरी का अध्याय माय या आस दे हे के परमेसर नवी जमीन अने नवो सरग आखिर माय लइने आयगा।

मत्ती
लिख्यो सुब-समिचार

लिखवा वाळो: मत्ती

लिखवा की वजा: ईसु करार को राजो

लिखवा को बखत: करीब ५०-६८ ईस्वी सन्

लिखवा वाळो: परभु ईसु मसीह को पेलो चेलो जेको नाम मत्ती थो; इके लेवी बी केता था। यो पलिसतीन देस माय कर वसुळवा को काम तदत्तक करतो र्‌यो जदत्तक के ईसु ने उके अपणो चेलो नी बणई ल्यो थो (मत्ती ९.९; मरकुस २.१४,१५)।

लिखवा को मकसद: मत्ती ने यो सुब-समिचार खास करिके यहूदिहुंण सरु लिख्यो उने ईसु के उणका सामे मसीह, याने के यहूदिहुंण का राजा का रुप माय परगट कर्‌यो। या पेली सुब-समिचार की पोथी "सरग का राज" का बारा माय बी के हे; इना "सरग का राज" के सिरप मत्तीज बताड़े हे। या पोथी 'पुराणा नेम' अने 'नवा नेम' का अदाड़ माय पुळ को काम करे हे। वी नबुवतहुंण जो ईसु मसीह का आवा का बारा माय पुराणा नेम माय नरी सदी पेलां करी थी परभु ईसु माय पूरण होय हे। ईसु का जनम से लई के तो उका दुःख उठाड़वा, मार्‌या जावा, गाड़्या जावा अने जी उठ्‌यावा को बखाण घणो ठीक तरीका से कर्‌यो हे। इनी पोथी के लिखवा को भेद पांच कावा इना कथन माय मिळे हे, "जदे ईसु ई बातहुंण करी चुक्यो" (७.२८, ११.१, १३.५३, १९.१, २६.१)

मसीह को परबचन: इना सुब-समिचार माय मसीह का परबचनहुंण को उद्देस घणो साफ हे। इनी पोथी माय ई परबचनहुंण हे जो उना करमहुंण से नातो राखे जेकी चायना राजो उना लोगहुंण की जिनगी से करे उका राज माय हिस्सो बटाणो चावे हे।

परबत पे द्‌या परबचन, (५.१-७.२९)
दस चेलाहुंण के मोकलनों (१०.१-४२)
सरग का राज की मिसाल (१३.१-५३)
मान अने मांफी को अरथ (१८.१-३५)
जेतून परबत पे द्‌यो परबचन (२४.१-२५.४६)

रुप-रेखा

१. राजा की पेचाण १.१-४.११
२. राजा की परजा को आचरण ४.१२-७.२९
३. राजा को काम ८.१-१९.२
४. राजा की यरुसलेम नगर जातरा १९.३-२६.२
५. राजा की मोत अने जी उठणो २६.३-२८.१५
६. राजा को आखरी हुकम २८.१६-२०

ईसु की बंसावली

(लूका 3.23–38)

१ इबराइम[a] की सन्तान, दाऊद की सन्तान[b], ईसु मसीह[c] की बंसावली की पोथी।

२इबराइम से इसाक पेदा होयो, इसाक से याकूब, अने याकूब से यहूदा अने उको भई पेदा होयो, ३अने यहूदा के अपणी बउ तामार से फिरिस अने जोरह पेदा होया, फिरिस से हिस्रोन अने हिस्रोन से एराम, ४अने एराम से अम्मीनादाब पेदा होयो, अम्मीनादाब से नहसोन अने नहसोन से सलमोन पेदा होयो, ५सलमोन अने राहाब[d] से बोअज पेदा होयो, बोअज अने रूत से ओबेद पेदा होयो अने ओबेद से यिसे,

६अने यिसे से दाऊद राजो पेदा होयो। ७दाऊद से सुलेमान उनी बइरा से पेदा होयो जो पेलां उरिय्याह की घराळी थी, सुलेमान से रहबाम पेदा होयो, अने रहबाम से अबियाह ने अबियाह से आसा, ८आसा से यहोसाफात पेदा होयो, अने यहोसाफात से योराम अने योराम से उज्जियाह, ९उज्जियाह से योताम पेदा होयो, अने योताम से आहाज अने आहाज से हिजकिय्याह, १०हिजकिय्याह से मनस्से पेदा होयो, अने मनस्से से आमोन अने आमोन से योसिय्याह: ११[†] अने बेबीलोन माय बन्दी होवा का बखत योसिय्याह से यकुन्याह अने उको भई पेदा होयो।

१२बेबीलोन माय बन्दी होवा का बाद यकुन्याह से सालतिएल पेदा होयो, अने सालतिएल से जरुब्बाबिल, अने १३जरुब्बाबिल से अबीहूद पेदा होयो, अबीहूद से इल्याकीम ने इल्याकीम से अजोर, १४अजोर से सदोक पेदा होयो, अने सदोक से अखीम अने अखीम से इलीहूद, १५इलीहूद से एलीयाजर पेदा होयो

---

[a] **१.१** इबराइम; इसराइल जात को मूळ पिता। [b] **१.१** दाऊद की सन्तान; दाऊद परभु ईसु से करीब एक हज्जार साल पेलां राज करतो थो। दाऊद से परमेसर ने यो करार कर्‌यो थो के थारी गद्दी कदी खाली नी रेगा। लोग दाऊद की सन्तान मसीहा की बाट जोई र्‌या था। [c] **१.१** मसीह; परमेसर आड़ी से अभिसेक कर्‌यो होयो। [d] **१.५** राहाब; यरीहो नगर माय रेवा वाळी राहाब बेस्या जेने इसराइल भेद्‌याहुंण के सरण दई अने यरीहो नगर का राजा से बचाड़्या।

[†] **१.११:** २ राजा २४.१४,१५; २ इतयास ३६.१०; यरमियाह २७.२०

अने एलीयाजर से मत्तान अने मत्तान से
याकूब, १६याकूब से यूसफ पेदा होयो जो
मरियम को घराळो थो, अने मरियम से
ईसु पेदा होयो जो मसीह केवाय हे।
१७असतरा से इबराइम से दाऊद तक
सगळी चवदा पीढ़ी हुई, अने दाऊद का
बखत से बेबीलोन की बन्धुवई तक चवदा
पीढ़ी अने बेबीलोन की बन्धुवई से मसीह
तक चवदा पीढ़ी हुई।

ईसु को जनम

(लूका २.१-७)

१८अने मसीह को जनम असतरा होयो
के जदे उकी मेतारी मरियम की सगई
यूसफ† का गेले हुई, तो उणका मिळवा
से पेलांज वा पवित्तर आतमा आड़ी से
गरभवती थी! १९उको धणी यूसफ धरमी
होवा की वजासे उके बदनाम नी करवा
की मरजी से छाने-छाने उके छोड़वा
को मनसुबो करी र्‌यो थो। २०पण जदे
उ सोंचीज र्‌यो थो तो सरग को एक
सरगदूत सपना माय उके यो केता नगे
आयो, "हे यूसफ दाऊद का बंसज, तू
मरियम के अपणी घराळी बणावा से डरे
मती, क्योंके जो उकी कोख माय हे उ
पवित्तर आतमा आड़ी से हे। २१वा बाळक
जणेगा अने तू उको नाम ईसु† राखजे,
क्योंके उ अपणा लोगहुंण के उणका
पापहुंण से तारी देगा।"
२२यो सगळो इकासरु होयो के परभु
ने जो बचन नबी से केवाड़्यो थो उ पूरो
होय: २३"देखो, एक कुंवारी गरभ धारण
करेगा, वा एक बाळक जणेगा अने उको
नाम इम्मानुएल† राख्यो जायगा।" जेको
अरथ 'परमेसर हमारा गेले'।
२४तो यूसफ नीन्द से जाग्यो अने
परमेसर का सरगदूत का हुकम से उके
ब्याव करी ने ल्यायो। २५† अने मरियम
कने तदत्तक नी ग्यो जदत्तक उने बाळक
नी जण्यो अने यूसफ ने उको नाम ईसु
राख्यो।

जोतिसीहुंण को आणो

२ राजा हेरोदेस जदे राज करी र्‌यो थो,
तो उका बखत माय यहूदिया का
इलाका का बेतलहम गांम माय ईसु को
जनम होयो। तो उगणूं आड़ी से जोतिसी
यरुसलेम माय पोंची के पुछवा लाग्या,
२"यहूदिहुंण को राजो जेको जनम होयो उ
कां हे? क्योंके हमने उगणूं माय उको तारो
देख्यो, अने उके धोक देवा आया हे।"
३जदे राजा हेरोदेस ने यो सुण्यो तो
उ अने उका गेले आखा यरुसलेम का
लोगहुंण घबराया। ४तो उने लोगहुंण का
सगळा म्हापुरोहितहुंण अने सासतरिहुंण
के भेळा करिके उणकासे पुछ्यो, "मसीह
को जनम कां होणो चइये?"
५उणने उकासे क्यो, "यहूदिया इलाका
का बेतलहम गांम माय, क्योंके नबी
आड़ी से असो लिख्यो:
६ †'हे बेतलहम गांम, तू जो यहूदा का
देस माय हे,
तू यहूदा का नगरहुंण माय
कइंका से नानो हयनी,

---

† **१.१८:** लूका १.२७ † **१.२१:** लूका १.३१ † **१.२३:** यसायाह ७.१४ † **१.२५:** लूका २.२१
† **२.६:** मीका ५.२

क्योंके थारा माय से एक सासक
हिटेगा,
जो म्हारी परजा इसराइल को
रखवाळो रेगा।' "

७राजा हेरोदेस ने जोतिसीहुंण के
छाने से बुलाड़ी के उणकासे इनी बात
को पतो लगाड़्यो के तारो ठीक कदे
नगे आयो थो। ८उने यो कई के उणके
बेतलहम मोकल्या, "जाव, उना बाळक
को पतो होसियारी से लगावजो, जदे उ
तमारे मिळी जाय तो म्हारे समिचार
दीजो के हूं बी जई के उके धोक
दइ-यउं।"

९राजा की बात सुणी के वी चली
पड़्या, अने असो होयो के, जेना तारा के
उणने उगणूं माय देख्यो थो, उ उणका
अगड़े-अगड़े चलतो र्‌यो अने उनी जगा
का अदरे जई के थमी ग्यो जां बाळक

जोतिसिहुंण की भेंट (MAT २.१०)

थो। १०वी उना तारा के देखी के घणा
खुस होया। ११उणने घर माय जई के
उना बाळक के उकी मेतारी मरियम
का गेले देख्यो, अने जमीन पे लोटी
के उके धोक द्‌यो। अने अपणो-अपणो
थेलो खोली के उके सुन्नो, लुबान अने
गन्धरस को चड़ावो चड़ायो।

१२तो सपना माय या चेतावणी पई
के, के हेरोदेस राजा कने पाछा मती
जावजो, वी दूसरा रस्ता से अपणा देस
चल्या ग्या।

बची के मिसर देस माय जाणो

१३जदे जोतिसीहुंण चल्या ग्या तो
देखो, परभु का दूत ने सपना माय अई
के यूसफ से क्यो, "उठ्‌या। अने बाळक
अने उकी मेतारी के लई के मिसर देस
चल्यो जा, अने जदत्तक हूं नी कूं वांज
रीजे, क्योंके हेरोदेस इना बाळक के ढुंडवा
पे हे के उके मरवई लाखे।"

१४उ रातेज उठी के बाळक अने उकी
मेतारी के लई के मिसर देस चल्यो ग्यो,
१५† अने हेरोदेस राजा का मर्‌या तक
वइंज र्‌यो, के जो बचन परभु ने नबी से
केवाड़्यो थो पूरण होयो, "म्हने अपणा
बेटा के जो मिसर देस माय थो उके
तेड़्यो।"

बाळकहुंण के मार्‌यो जाणो

१६जदे हेरोदेस ने देख्यो के
"जोतिसीहुंण ने म्हारा गेले दगो कर्‌यो
हे।" तो उने गुस्सा माय अई के हुकम
दई के जोतिसीहुंण से ते कर्‌या होया

† **२.१५:** होसे ११.१

बखत मुजब बेतलहम अने उका ऐरे-मेरे
की जगा का सगळा बाळकहुंण के जो दो
बरस या इका से कम था मरवई लाख्या।
१७तो जो बचन यरमियाह नबी आड़ी
से केवाड़्यो थो पूरण होयो:
१८ † "रामाह सेर-गांम[e] माय एक
चीख,
रोणो अने बिलखणो,
राहेल अपणा बाळकहुंण सरु घणी
रोइरी थी
अने चुप होणो नी चइरी थी,
क्योंके अबे वी र्‌या हयनी।"

मिसर देस से पाछो आणो

१९जदे हेरोदेस राजो मरी ग्यो, तो
मिसर देस माय परभु का एक दूत ने
यूसफ के सपना माय अई के क्यो,
२०"उठ्‌या अने बाळक अने उकी मेतारी
के लई के इसराइल का देस माय चल्यो
जा, क्योंके वी जो उके मारी लाखणो
चाता था, अबे वी मरी चुक्या हे।" **२१**तो
उ उठ्‌यो अने बाळक अने उकी मेतारी के
गेले लई के इसराइल देस माय आयो।
२२पण या सुणी के, के अरखिलाउस
राजो अपणा पिता हेरोदेस राजा की जगा
पे यहूदिया का इलाका माय राज करी
र्‌यो हे, वां जावा से डर्‌यो। फेर सपना
माय चेतावणी पई के, वी गलील का
इलाका माय चल्या ग्या। **२३**अने नासरत†
नामका एक नगर माय जई के रेवा
लाग्या, जेकासे के नबिहुंण से क्यो बचन
पूरण होय, "उ नासरी केवायगा।"

योहन बपतिसमा देवा वाळो

(मरकुस १.१–८; लूका ३.१–१८; योहन १.१९–२८)

३ उना दनहुंण माय योहन बपतिसमा[f]
देवा वाळो यहूदिया इलाका का
मांळ माय आयो। उ यो कई के परचार
कर्‌या करतो थो। **२**"पापहुंण की मांफी
सरु हिरदो बदळो, क्योंके सरग को
राज† कने अई ग्यो।" **३** † यो उज हे
यहूदिहुंण को पूराणो भविसबाणी केवा
वाळो यसायाह नबी, जेको बखाण यो
केता होयो कर्‌यो,
"मांळ माय एक हेला पाड़वा वाळा
को हेलो,
'परभु को मारग तय्यार करो
उकी बाट सुदी बणाव!'
४योहन खुद तो ऊंट का रुंवां का
लतरा पेर्‌यो अने कमर माय चामड़ा
को कमर पेटो बान्द्‌यो होयो थो† अने
टिडिड्‌हुंण अने सेत उको जिमणो थो।
५तो यरुसलेम नगर का, अने आखा
यहूदिया इलाका का अने यरदन नद्दी
का ऐरे-मेरे का इलाका का लोग उका
कने हिट्‌याया, **६**जसा-जसा उणने अपणा

---

[e] **२.१८** रामाह सेर-गांम; यरुसलेम नगर का धरउ आड़ी पांच कोस दूर छोटो सो गांम हे। यां से बाबुल का लोगहुंण ५८६ बी.सी. माय यहूदिहुंण के गुलामी माय लई ग्या था (यरमियाह ४०.१)। जदे ईसु का बखत हेरोदेस राजा बाळकहुंण के मारी र्‌यो थो तो बेतलहम माय बी असोज चिल्लाणो मची र्‌यो थो जसो रामाह सेर-गांम माय मच्यो होयो थो। इकासरु रामाह सेर-गांम को बखाण होयो हे।

[f] **३.१** बपतिसमा; सबद् भण्डार माय देखो।

† **२.१८:** यरमियाह ३१.१५ † **२.२३:** मरकुस १.२४; लूका २.३९; योहन १.४५

† **३.२:** मत्ती ४.१७; मरकुस १.१५ † **३.३:** यसायाह ४०.३ † **३.४:** २ राजा १.८

पाप के मान्या; उने उणके यरदन नद्दी
माय बपतिसमो द्यो।
७पण जदे उने नरा फरीसिहुंण अने
सदुकिहुंण[g] के बपतिसमो लेवा सरु
आता देख्यो तो उणकासे क्यो, "हे
सरप का कणाहुंण[†] तमारे केने चेतई
द्यो, अरे परमेसर आड़ी से आवा वाळा
करोध से दूरा भागो? ८इकासरु तम
साबित करी दो के तमारो हिरदो पाप
से बदळी ग्यो अने परमेसर आड़ी फिरी
ग्यो: ९[†] अने अपणा हिरदा माय या
मती बिचारो के, 'हमारो बाप इबराइम
हे,'[h] क्योंके हूं तमार से कूं के परमेसर
इना भाटाहुंण से बी इबराइम सरु
ओलाद पेदा करी सके हे। १०[†] कुराड़ो
अबे बी झाड़काहुंण की जड़ पे धर्‌यो
होयो हे, अने हरेक झाड़ जो अच्छो
फळ नी लावे, काट्‌यो अने लाय माय
झोंक्यो जायगा। ११हूं तो तमारे पाणी
से मन बदळवा को बपतिसमो दउं, पण
जो म्हारा पाछे अई र्‌यो हे - उ म्हार
से इतरो ताकत वाळो हे के हूं उकी
पन्नी उठाड़वा लायक बी हयनी - उ
खुद तमारे पवित्तर आतमा अने लाय
से बपतिसमो देगा। १२उको सुपड़ो उका
हात माय हे। उ अपणो आखो खळो
सोरेगा, अने अपणा गंउ के गल्ला माय
भेळा करेगा, पण सुक्ला के उनी लाय
माय बाळेगा जो बुजवा की हयनी।

ईसु को बपतिसमो

(मरकुस १.९–११; लूका ३.२१,२२)

१३तो उना बखत ईसु गलील इलाका
से यरदन का कराड़े योहन कने आयो
के उकासे बपतिसमो ले। १४पण योहन
या कई के उके रोकवा लाग्यो, "म्हारे
तो थार से बपतिसमो लेवा की जरुवत
हे, अने कंई तू म्हार से बपतिसमो
लेगा?"
१५पण ईसु ने जुवाब द्यो, "इना बखत
तो असोज होवा दे, क्योंके हमारा सरु
योज सई हे के असतरा परमेसर की
सगळी मरजी के पूरण करां।" तो योहन
ने उकी बात मानी ली।
१६बपतिसमो लेवा का बाद ईसु झट
पाणी से बायरे हिट्‌यो अने असो होयो
के, असमान खुल्यो, अने परमेसर
का आतमा के कबुतर सरीको उतरतो
अने अपणा अदरे आतो देख्यो। १७[†]
अने असी सरग-बाणी हुई: "यो म्हारो
परमिलो बेटो हे जेकासे हूं घणो खुस
हूं।"

ईसु के अजमायो जाणो

(मरकुस १.१२,१३; लूका ४.१-१३)

४ [†] तो परमेसर को आतमो ईसु के
मांळ माय लई ग्यो के सेतान से उकी
अजमाइस होय। २जदे उ चाळीस दन अने

---

[g] **३.१** फरीसिहुंण अने सदुकिहुंण; सबद् भण्डार माय देखो। [h] **३.९** यहूदिहुंण को माननो हे के हमारो बाप इबराइम; इसराइल जात को मूळ हे, अने हम छांट्‌या होया लोग हे इकासरु हमारा अदरे परमेसर की सजा नी आयगा।

[†] **३.७:** मत्ती १२.३४, २३.३३ [†] **३.९:** योहन ८.३३ [†] **३.१०:** मत्ती ७.१९

[†] **३.१७:** उत्पत्ती २२.२; भजन संहिता २.७; यसायाह ४२.१; मत्ती १२.१८, १७.५; मरकुस १.११; लूका ९.३५

[†] **४.१:** इबराणिहुंण २.१८, ४.१५

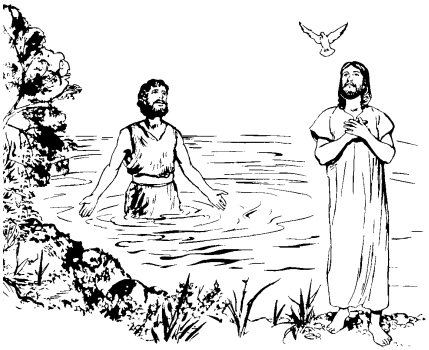

पवित्तर आतमा कबूतर का रुप
माय उतर्‌यो (MAT ३.१७)

चाळीस रात उपास करी चुक्यो तो उके
भूक लागी। ३अने अजमाइस करवा वाळा
सेतान ने कने अई के उकासे क्यो, "अगर
तू परमेसर को बेटो हे तो हुकम दई के
कइदे के, ई भाटाहुंण रोटा बणी जाय।"
४† पण उने जुवाब द्‌यो, परमेसर का
नेम-बिधान माय यो लिख्यो हे, 'मनख
सिरप रोटा सेज नी, पण हरेक बचन से
जो परमेसर का मुन्डा से हिटे हे, जीवतो
रेगा'।"
५तो सेतान उके पवित्तर नगर
यरुसलेम माय लई ग्यो अने मन्दर
की सगळा से उंची जगा पे उबो करिके,
६† उने उकासे क्यो, "अगर तू परमेसर
को बेटो हे तो खुद यां से कुदी जा;
क्योंके परमेसर का नेम-बिधान माय
लिख्यो हे,
"उ थारा बारा माय अपणा
सरगदूतहुंण के हुकम देगा,
अने वी थारे अदरे का अदरेज
झेली लेगा,
असो नी होय के थारा पगहुंण
माय भाटा से ठेस लागे '।"
७† ईसु ने उकासे क्यो, "यो बी परमेसर
का नेम-बिधान माय लिख्यो हे: 'परभु
अपणा परमेसर के अजमाजे मती।' "
८फेर सेतान उके एक नरा उंचा बळडा
पे लई ग्यो, अने जगत को आखो राज
अने उकी म्हानता दिखाड़ी के ९उने क्यो,
"अगर तू म्हारे सास्टांग परणाम करे तो
हूं यो सगळो-कंई थारे दई दूंवां।"
१०† तो ईसु ने उकासे क्यो, "हे सेतान,
दूरो चल्यो जा, क्योंके लिख्यो हे, 'तू
परभु अपणा परमेसर के सास्टांग परणाम
कर - अने सिरप उकीज उपासणा
करजे,।"
११तो सेतान उके छोड़ी के चल्यो ग्यो,
अने देखो, सरगदूत अई के उकी सेवा-
चाकरी करवा लाग्या।

ईसु का परबचन की सुरुआत

(मरकुस १.१४,१५; लूका ४.१४,१५)

१२† अने जदे ईसु ने सुण्यो के योहन
जो बपतिसमा द्‌या करतो थो उके बन्दी
बणई ल्यो हे, तो उ गलील परदेस चल्यो
ग्यो। १३† अने उ नासरत गांम के छोड़ी
के कफरनहूम सेर-गांम माय जो सरवर
का कराड़े जबूलून परदेस अने नप्ताली का
इलाका माय हे, रेवा लाग्यो। १४जेकासे के
वा बात जो यसायाह भविसबाणी करवा
वाळा से केवई गी थी पूरण हुई:

---

† **४.४:** नेम-बिधान ८.३ † **४.६:** भजन संहिता ९१.११-१२ † **४.७:** नेम-बिधान ६.१६
† **४.१०:** नेम-बिधान ६.१३ † **४.१२:** मत्ती १४.३; मरकुस ६.१७; लूका ३.१९–२०
† **४.१३:** योहन २.१२

१५ † के "जबूलून अने नप्ताली का देस,
सरवर का रस्ता से यरदन नद्दी
का पेलांपार,
गेर यहूदिहुंण को गलील!
१६ इना देसहुंण का मनख जो इन्दारा
माय बेठ्या था
उणने बड़ो उजाळो देख्यो।
जो मोत का देस अने छायळा माय
बेठ्या था,
उणका पे एक जोत चळकी।"

१७ † उना बखत से ईसु ने यो परचार करनों अने केणो सुरु कर्‌यो: "मन बदळो, क्योंके सरग को राज कने अई ग्यो हे।"

पेलांपेल चेलाहुंण के बुलाड़्यो जाणो

(मरकुस १.१६–२०; लूका ५.१-११)

१८ गलील देस का सरवर कराड़े चलता होया उने दो भईहुंण के याने सिमोन जो पतरस केवातो थो अने उको भई अन्द्रियास के सरवर माय जाळ लाखता देख्या; वी तो भोई था। **१९** ईसु ने उणका से क्यो, "म्हारा पाछे हुई जाव। हूं तमारे, मनखहुंण के परमेसर पे बिसास माय लावा वाळो बणउंवां।" **२०** वी झट जाळहुंण छोड़ी के उका पाछे चली पड़्या।

२१ वां से अगड़े बड़ी के उने दूसरा भईहुंण, याने जब्दी का बेटो याकूब अने उका भई योहन के देख्यो जो अपणा बाप जब्दी का गेले नाव पे जाळहुंण सांधी र्‌या था, उने उणके तेड़्या। **२२** वी झट अपणी नाव अने अपणा दाइजी के छोड़ी के ईसु का पछड़े चली पड़्या।

ईसु ने भीड़ माय से नरा के नज कर्‌या

(लूका ६.१७–१९)

२३ † ईसु आखा गलील परदेस माय डोलतो-फरतो यहूदिहुंण का पराथनाघरहुंण माय परबचन देतो, सरग-राज को सुब-समिचार परचार करतो, अने मनखहुंण की हरतरा की बेमारी अने हरतरा का दुःखहुंण के दूरो करतो फर्‌यो। **२४** अने उकी चरचा आखा सीरिया देस माय फेली गी अने लोग नरा बेमारहुंण के जो नरी-तरा की बेमारिहुंण अने दुःखहुंण माय पड़्या था, अने जिणका माय बायरबादा थी, मिरगी वाळा के, लकवा मार्‌या होया सगळा के, उका कने लाया, अने उने उणके नज कर्‌या। **२५** अने गलील इलाका अने दिकापुलिस नगर अने यरुसलेम नगर अने यहूदिया का इलाका अने यरदन नद्दी का पेलांपार से हुजुम को हुजुम उका पाछे चली पड़्यो।

परबत पे से परबचन

(लूका ६.२०–२३)

५ इनी भीड़ के देखी के ईसु परबत पे चड़ी ग्यो, अने जदे बेठी ग्यो तो उका चेलाहुंण उका कने आया। **२** तो उ उणके या साफ-साफ कई के परबचन देवा लाग्यो;

सांची खुसी

(लूका ६.२०-२३)

३ "धन्य हे वी जो मन का गरीब हे,

---

† **४.१५–१६:** यसायाह ९.१–२ † **४.१७: अ** दानियल २.४४; **ब** मत्ती ३.२.
† **४.२३:** मत्ती ९.३५; मरकुस १.३९

परबत पे से परबचन (MAT ५.२)

क्योंके सरग को राज उणकोज हे।
४ † धन्य हे वी जो परमेसर का काम
सरु दुःख्याहुंण हे,
क्योंके वी दिलासो पायगा।
५ † धन्य हे वी जो नरम्या हे,
क्योंके वी धरती का हाकिम रेगा।
६ † धन्य हे वी जो धरम-न्याव का
भूका अने तिरस्या हे,
क्योंके वी तिरप कर्‌या जायगा।
७ धन्य हे वी जो दयालु हे,
क्योंके उणका पे दया करी
जायगा।
८ † धन्य हे वी जिणका हिरदा साफ हे,
क्योंके वी परमेसर के देखेगा।
९ धन्य हे वी जो मेळ करवाणे वाळा हे,
क्योंके वी परमेसर का बेटा
केवायगा।
१० धन्य हे वी जो धरम-न्याव सरु†
सताड़्या जाय हे,
क्योंके सरग को राज उणकोज हे।
११ † धन्य हो तम, जदे लोग म्हारा सरु
तमारे कोसे, तमारे दुःख दे अने झुंटा
बोली-बोली के तमारा बिरोद माय सगळी
तरा की बातहुंण के १२ † खुस अने मगन
री जो, क्योंके सरग माय तमारा सरु
फळ बड़ो हे। उणने तो उना नबिहुंण के
बी जो तमार से पेलां आया था असतरा
सताड़्या था।

लूंण अने उजाळो

(मरकुस ९.५०; लूका १४.३४-३५)

१३ † तम धरती का लूंण हो। पण अगर
लूंण को सुवाद बिगड़ी[i] जाय तो उ पाछो
किकासे खारो कर्‌यो जायगा? उ कंई
काम को हयनी सिरप इका के बायरे
फेंक्यो जाय अने मनख का पग तळे
रोंदायो जाय।
१४ † तम जग का उजाळा हो। परबत पे
बस्यो होयो नगर छिपी नी सके। १५ † लोग
दीयो बाळी के टोपला का निच्चे नी पण

---

[i] **५.१३** सुवाद बिगड़ी; इसराइल माय लूंण का गेले बारीक रेत को धूळो बी अई जाय, जदे उके लूंण से इकाड़ी करे तो उ सिरप रेत को चूरो रे जेका माय सुवाद नी रे जो फेंकवा का काम आवे अने पग से रोंदायो जाय हे।

† **५.४:** यसायाह ६१.२ † **५.५:** भजन संहिता ३७.११ † **५.६:** यसायाह ५५.१–२
† **५.८:** भजन संहिता २४.३–४ † **५.१०:** १ पतरस ३.१४ † **५.११:** १ पतरस ४.१४
† **५.१२:** २ इतयास ३६.१६; परेरितहुंण ७.५२ † **५.१३:** मरकुस ९.५०; लूका १४.३४,३५.
† **५.१४:** योहन ८.१२, ९.५ † **५.१५:** मरकुस ४.२१; लूका ८.१६, ११.३३

अदरे धरे, अने उ घर का सगळा मनख
पे उजाळो करे हे। १६† तमारो उजाळो
मनखहुंण का सामे असतरा चळके के वी
तमारा अच्छा कामहुंण देखी के तमारा
पिता की, जो सरग माय हे, बड़ई करे।

परमेसर से द्या नेमहुंण को पूरण होणो

१७यो मती जाणो के हूं परमेसर से
द्यो नेम-बिधान अने भविसबाणी करवा
वाळाहुंण की पोथी के खतम करवा आयो।
खतम करवा नी, पण पूरण करवा आयो
हूं। १८† क्योंके हूं तमार से खास बात कूं
के जदत्तक असमान अने धरती टळी नी
जाय[j], परमेसर से मिळ्या नेम-बिधान माय
से एक हरुप अने टिपकी बी, जदत्तक के
सगळो कंई पूरण नी हुई जाय, नी टळेगा।
१९इकासरु जो बी इना नाना से नाना हुकम
के नी पाळेगा अने असोज सीखाड़ेगा, उ
परमेसर का राज माय नानो से नानो
केवायगा; पण जो उणको पाळण करे अने
दूसरा के बी सीखाड़ेगा, उ परमेसर का राज
माय बड़ो केवायगा। २०क्योंके हूं तमार से
कूं के जदत्तक तमारो धरमी पणो सासतरी
अने फरीसिहुंण का धरमी पणा से जादा
नी रेगा तो तम परमेसर का राज भित्तरे
कदी जई नी सकोगा।

घात

(लूका १२.५७-५९)

२१† "तम सुणी चुक्या हो के पूरखाहुंण
से क्यो थो, 'घात नी करनों' अने 'जो
घात करेगा, उ सजा का लायक रेगा।'
२२पण हूं तमार से कूं के हरेक जो
अपणा भई पे करोध करे[k] उ सजा का
लायक रेगा; अने जो कईं को अपणा भई
के निकम्मो केगा उ बड़ी सजा को दोषी
रेगा; अने जो कईं को केगा, 'अरे मूरख,'
उ नरक की लाय का सजा लायक रेगा।
२३इकासरु अगर तू अपणो चड़ावो बेदी
कने लाय अने वां थारे रियाद अई जाय
के म्हारा भई से मन मोटाव हे, २४तो
अपणो चड़ावो बेदी का सामे धर अने जई
के पेलां अपणा भई से नातो जोड़ी ले
अने पाछो अई के अपणो चड़ावो चड़ा।
२५जदके तू रस्ता मेंज अपणा बेरी
का गेले हे, तो उकासे झट मेळ-मिळाप
करी ले, कंई असो नी होय के बेरी
थारे न्यावधीस का सुपरद करी दे, अने
न्यावधीस थारे हाकिम का, अने तू
जेळखाना माय लाख्यो जाय। २६हूं थार
से सांची कूं जदत्तक तू पई-पई चुकई नी
लाखे तदत्तक वां से छुटी नी सकेगा।

ब्योबिचार

२७† "तम सुणी चुक्या हो के क्यो थो,
ब्योबिचार नी करनों, २८पण हूं तमार
से कूं के जो कईं को परई बइरा पे बुरी
नगे राखे उ अपणा हिरदा माय उकासे
ब्योबिचार करी चुक्यो। २९† अगर थारी
जीवणी आंख थार से पाप कराय तो तू
उके हेड़ी के फेंकी लाख, क्योंके थारा सरु
यो भलो के थारा अंगहुंण माय से एक

---

[j] **५.१८** असमान अने धरती टळी नी जाय; या सगळी सीख पूरण नी हुई जाय। [k] **५.२२** भई पे करोध करे; कई हात से लिख्या लेख माय असो हे जो कईं को बिना वजा करोध करे हे।

† **५.१६:** १ पतरस २.१२ † **५.१८:** लूका १६.१७ † **५.२१:** निरगमन २०.१३; नेम-बिधान ५.१७

† **५.२७:** निरगमन २०.१४; नेम-बिधान ५.१८ † **५.२९:** मत्ती १८.९; मरकुस ९.४७

नास होय, असो नी के थारी आखी काया
नरक माय लाखी जाय। ३०† अगर थारो
जीवणो हात थार से पाप कराय तो उके
काटी के दूरो फेंकी लाख क्योंके थारा सरु
योज भलो हे के थारो एक अंग नास हुई
जाय, असो नी होय के थारी आखी काया
नरक माय लाखी जाय।

फारकती

(मत्ती १९.९; मरकुस १०.११,१२; लूका १६.१८)

३१† "यो क्यो थो, 'जो कईं को अपणी
बइरा के फारकती देणो चाय उ उके
फारकती लिखी के दई दे।' ३२† पण
हूं तमार से कूं के हरेक जो ब्योबिचार
के छोड़ी के दूसरा कइंका कारण से
अपणी घराळी के फारकती दे, तो उ
उकासे ब्योबिचार कराय हे। अने जो कईं
को फारकती दई हुई से ब्याव करे, उ
ब्योबिचार करे हे।"

सोगन

३३† फेर, तम सुणी चुक्या हो के
पूरखाहुंण से क्यो थो, 'तम झुंटी सोगन
मती खावजो, पण परभु सरु अपणी
सोगनहुंण के पूरण करजो।' ३४† पण हूं
तमार से कूं के कदी सोगन मती खावजो;
नी तो सरग की, क्योंके उ परमेसर
को सिंगासण हे; ३५† नीज धरती की,
क्योंके वा उका पगहुंण की चोकी हे; नीज
यरुसलेम नगर की, क्योंके उ म्हाराजा
को नगर हे। ३६अपणा माथा की बी
सोगन मती खावजो, क्योंके तू अपणा
एक बाल के बी धोळो या काळो नी करी
सके। ३७पण तमारी बात हां की हां अने
नी की नी रे, क्योंके जो कंई इका से
जादा होय हे, सेतान आड़ी से होय हे।

बदळो

(लूका ६.२९–३०)

३८† तमने सुण्यो हे के क्यो थो, आंख
का मिसे आंख अने दांत का मिसे दांत
३९पण हूं तमार से कूं के बुरा को सामो
नी करनों पण जो थारा जीवणा गाल पे
झापट मारे तो उका आड़ी दूसरो फेरी
लाख। ४०अने अगर कईं को थार पे दावो
करिके थारो कुरतो लेणो चावे तो उके
कोट बी लई लेवा दे। ४१अने अगर थारे
कईं को जबरजस्ती एक कोस[1] लई जाय,
तो उका गेले दो कोस चल्यो जाजे। ४२जो
थार से मांगे उके दे, अने जो थार से
उदार लेणो चावे उकासे मुन्डो मती फेरजे।

बेरिहुंण से परेम

(लूका ६.२७,२८,३२–३६)

४३† तम सुणी चुक्या हो के क्यो थो,
'तू अपणा पड़ोसी से परेम राखजे अने

---

[1] **५.४१** एक कोस; या दो किलो मीटर।

† **५.३०:** मत्ती १८.८; मरकुस ९.४३ † **५.३१:** नेम-बिधान २४.१–४; मत्ती १९.७; मरकुस १०.४

† **५.३२:** मत्ती १९.९; मरकुस १०.११–१२; लूका १६.१८; १ कुरिन्थिहुंण ७.१०–११

† **५.३३:** लेव्यव्यवस्था १९.१२; गिणती ३०.२; नेम-बिधान २३.२१

† **५.३४:** याकूब ५.१२; यसायाह ६६.१; मत्ती २३.२२ † **५.३५:** यसायाह ६६.१; भजन संहिता ४८.२

† **५.३८:** निरगमन २१.२४; लेव्यव्यवस्था २४.२०; नेम-बिधान १९.२१

† **५.४३:** लेव्यव्यवस्था १९.१८

अपणा बेरी से बेर। ४४पण हूं तमार से कूं,
अपणा बेरिहुंण से परेम राखजो अने जो
तमारे सताड़े, उणका सरु बिणती करजो।
४५जेकासे के तम अपणा सरग पिता की
सन्तान बणी सको, क्योंके उ अपणो सूरज
भला अने बुराहुंण दोई पे उगाड़े हे, अने
धरमिहुंण अने अधरमिहुंण दोई पे पाणी
बरसावे हे। ४६क्योंके तम उणकासे परेम
राखो जो तमार से परेम राखे तो तमारे
कंई फळ मिळेगा? पण कर वसुळवा
वाळा बी असाज करे। ४७अगर तम सिरप
अपणा भई-बेनहुंण केज परणाम करो हो
तो कां को बड़ई को काम करो हो? कंई
जो परमेसर के नी जाणे वी असोज नी
करे? ४८† तो तम सिद्द बणो, जसो के
तमारो सरग पिता सिद्द हे।

दान-धरम

६ † "होसियार रो! तम अपणा धरम-
न्याव का काम मनख के दिखाड़वा
सरु मती करजो, नी तो अपणा सरग
पिता परमेसर से कइंज फळ नी पावगा।
२इकासरु जदे तू दान-धरम करे तो
अपणा अगड़े-अगड़े बाजो मती बजवाजे,
जसा ढोंगी लोग, सबाहुंण अने सेरीहुंण
माय करे हे के लोग उणको मान करे।
हूं तमार से सांची-सांची कूं के वी अपणो
फळ पूरण रुप से पई चुक्या हे। ३पण
जदे तू दान-धरम करे तो थारो जीवणो
हात नी जाणणे पाय के थारो डाबो हात
कंई करी र्‌यो हे। ४जेकासे थारो दान
गुपत रे, अने थारो परमेसर पिता जो
गुपत माय देखे थारे फळ देगा।

पराथना माय उठ्या हात (MAT ६.५)

पराथना

(लूका ११.२–४)

५† जदे तम पराथना करो तो ढोंगीहुंण
सरीका नी, क्योंके लोगहुंण के दिखाड़वा
सरु पराथनाघरहुंण अने बाट का मोड़हुंण
पे उबी के पराथना करनों उणके भाय
हे। हूं तमार से खास बात कूं के वी
अपणो पूरो फळ पई चुक्या हे। ६पण
जदे तू पराथना करे तो अपणी भित्तरे की
कोठड़ी माय जा अने कमांड़ बन्द करिके
अपणा परमेसर पिता से जो गुपत माय
हे पराथना कर, अने थारो पिता जो गुपत
माय देखे थारे फळ देगा।
७अने जदे तम पराथना करो तो
परमेसर के नी जाणणे वाळा सरीका
बेकार की बातहुंण घड़ी-घड़ी मती करो,
क्योंके वी सोंचे हे के बत्ती बोलवा से
उणकी सुणी जायगा। ८इकासरु उणका
सरीका नी बणणो, क्योंके तमारो परमेसर

† **५.४८:** लेव्यव्यवस्था १९.२; नेम-बिधान १८.१३ † **६.१:** मत्ती २३.५ † **६.५:** लूका १८.१०–१४

पिता मांगवा से पेलांज तमारी जरुवत
के जाणे हे। ९"तो तम असतरा पराथना
करजो:
'हे हमारा परमेसर पिता, तू जो
सरग माय हे,
थारो नाम पवित्तर मान्यो
जाय।
१० थारो राज आय।
थारी मरजी जसी सरग माय
पूरण होवे हे, असीज धरती पे
बी पूरण होय।
११ हमारा दन भर का रोटा आज[m]
हमारे दे।
१२ अने जसे हमने अपणा
कसूरवारहुंण के मांफ कर्‌या
असाज हमारा कसूरहुंण के मांफ
कर;
१३ अने हमारे अजमाइस माय मती
लाख
पण बुरई से बचाड़; क्योंके राज
पराकरम अने म्हेमा सदाज
थारी रे[n]। आमीन। '
१४[†] अगर तम मनख का कसूर मांफ
करोगा तो तमारो सरग पिता बी तमारे
मांफ करेगा। १५पण अगर तम मनखहुंण
का कसूर मांफ नी करोगा तो तमारो
परमेसर पिता बी तमारा कसूर मांफ नी
करेगा।

उपास का बारा माय सीख

१६जदे कदी तम उपास करो तो
ढोंगीहुंण सरीका उदास नगे मती
आवजो, क्योंके वी अपणो मुन्डो
कुमळायो होयो राखे जेकासे के मनख
के उपासी नगे आय। हूं तमार से खास
बात कूं के वी अपणो फळ पई चुक्या।
१७पण तू जदे उपास राखे तो अपणा
माथा पे तेल मळ अने मुन्डो धो,
१८जेकासे के तू मनखहुंण के उपासी
नगे नी आय, पण अपणा परमेसर पिता
के जो गुपत माय हे; अने गुपत माय
जो काम करो हो उके देखवा वाळो,
थारे इको फळ देगा।

सरग को धन

(लूका १२.३३–३४)

१९[†] अपणा सरु धरती पे धन भेळो
मती करजो, जां किड़ो अने उद्दीहुंण नास
करे अने जां चोळ्डो भींत खोदी के चोरी
करे। २०पण अपणा सरु सरग माय धन
भेळो करो, जां नी तो किड़ो अने नी उद्दी
नास करे अने नीज चोळ्डो खाद दई चोरी
करे, २१क्योंके जां थारो धन हे वांज थारो
मन बी लाग्यो रेगा।

काया को उजाळो

(लूका ११.३४–३६)

२२काया को दीयो आंख। इकासरु
अगर थारी आंख साफ हे, तो थारी आखी
काया माय उजाळो रेगा। २३पण अगर
थारी आंख खराब होय तो थारी आखी
काया इन्दारी रेगा। इकासरु जो उजाळो
थारा माय हे, अगर उज इन्दारो हे, तो
यो इन्दारो कसो डरावणो काळो रेगा!

---

[m] **६.११** आज; या आज सरु; या काल सरु। [n] **६.१३** राज पराकरम अने म्हेमा सदाज थारी रे; कई हात का लिख्या होया लेख माय असो हे तमारा सरु राज, अने पराकरम, म्हेमा हमेस्याज रे।
[†] **६.१४–१५:** मरकुस ११.२५–२६ [†] **६.१९:** याकूब ५.२–३

परमेसर अने धन दोई की सेवा-चाकरी नी करी सको हो

(लूका १६.१३; १२.२२-३१)

२४कईं कोज मनख दो मालेखहुंण की सेवा-चाकरी नी करी सके, क्योंके उ एक से बेर अने दूसरा से परेम राखेगा, या उ एक से मिळ्यो रेगा अने दूसरा के हळ्को जाणेगा। तम परमेसर अने धन दोई की सेवा-चाकरी नी करी सको हो।

२५इनी वजासे हूं तमार से कूं के अपणा पराण सरु यो सांसो मती करजो के हम कंई खावांगां, अने कंई पिवांगा, अने नीज अपणी काया सरु के कंई पेरांगां। कंई पराण भोजन से अने काया लतरा से बड़ी के हयनी? **२६**असमान का पखेरुहुंण के देखो के वी नी तो बोय, नी काटे अने नीज खळाहुंण माय भेळा करे, फेर बी तमारो सरग पिता उणके खवाड़े हे। कंई तमारो मोल उणकासे बड़ी के हयनी? **२७**तमारा माय से असो कुंण जो सांसो करिके अपणी उमर की एक घड़ी बी बड़ई सके[o]?

२८लतरा सरु तम कायलेणे सांसो करो? मांळ का फूलहुंण के देखो के वी कसे बदे! वी नी तो म्हेनत करे अने नी काते, **२९**[†] फेर बी हूं तमार से कूं के तमारो जूनो सुलेमान राजो बी, अपणा आखा वेभव माय उणका माय से एक का सरीका बी लतरा पेर्‌यो होयो नी थो। **३०**इकासरु अगर परमेसर मांळ की घांस के जो आज हे अने काल भाड़ माय झोंकी लाखेगा, असतरा सजावे, तो हे कमबिसासिहुंण, उ तमारे कायसरु नी पेरायगा?

३१इकासरु या कई के बिचार मती करजो के हम कंई खावांगां? या 'कंई पिवांगा? अने कंई पेरांगां?' **३२**क्योंके जो परमेसर के नी माने हे वी बड़ा जतन से इनी सगळी चीजहुंण की हेर माय रे, पण तमारो सरग पिता जाणे हे के तमारे इनी सगळी चीजहुंण की जरुवत हे। **३३**पण तम पेलां परमेसर का राज अने उका धरम-न्याव का ढुंडवा माय लाग्या रो तो ई सगळी चीजहुंण तमारे दई दी जायगा। **३४**इकासरु काल को बिचार मती करजो, क्योंके काल को दन अपणो बिचार खुद करी लेगा। आज का सरु आज कोज दुःख नरो हे।

दोष नी लगाड़नो'

(लूका ६.३७,३८,४१,४२)

७ दोष मती लगाड़ो जेकासे तमार पे बी दोष नी लगाड़्यो जाये। **२**[†] क्योंके जसतरा तम दोष लगाड़ो, असतरा तमार पे बी दोष लगाड़्यो जायगा। अने जेना मांप से तम मांपो, उणाज मांप से तमारा सरु बी मांप्यो जायगा। **३**तू कायसरु अपणा भई की आंख को तरकलो देखे, अने अपणी आंख को भारो थारे नी सुजे? **४**अने अपणा भई से कसे कई सके, 'आ,

---

[o] **६.२७** अपणी उमर की एक घड़ी बी बड़ई सके; या जीवन के लम्बो करी सके।

[†] **६.२९:** १ राजा १०.४–७; २ इतयास ९.३–६ [†] **७.२:** मरकुस ४.२४

हूं थारी आंख से तरकलो हेड़ी लाखुं,'
जदके भारो तो खुद थारी आंख माय
हे? ५हे ढोंगी, पेलां खुद की आंख को
भारो हेड़ी ले, फेर थारे अपणा भई
की आंख को तरकलो हेड़वा सरु साफ
सुजेगा।
६पवित्तर चीज कुतराहुंण के मती
लाखो, अने अपणा मोती सुंवल्डाहुंण का
अगड़े मती लाखो, कंई असो नी होय के
वी उणके पग तळे घुंदे अने पलटी के
तमारे फाड़ी लाखे।

परमेसर से मांगोगा तो मिळेगा

(लूका ११.९–१३)

७मांगोगा तो तमारे मिळेगा, ढुंडोगा
तो तमारे लादेगा, खटखटाड़ोगा तो
तमारा सरु कमांड़ खोल्यो जायगा।
८क्योंके हरेक जो मांगे, उके मिळे,
अने जो ढुंडे उ पाय, अने जो खटखटाड़े
उका सरु खोल्यो जायगा। ९तमारा माय
असो कुंण हे जो अपणा बेटा के जदे
उ रोटा मांगे तो उके भाटा दे? १०या
मच्छी मांगवा पे सरप दे? ११तो जदे
तम बुरा हुई के अपणा बाळकहुंण
के भली चीजहुंण देणो जाणो हो तो
तमारो परमेसर पिता जो सरग माय
हे अपणा मांगवा वाळाहुंण के भली
चीजहुंण हजु जादा कायसरु नी देगा?
१२† इकासरु जसा के तम चाव के
मनख तमारा गेले करे, तम बी उणका
गेले वसोज करो, क्योंके पवित्तर सासत्तर
को नेम अने भविसबाणी करवा वाळाहुंण
की सीख याज हे।

सांकड़ो अने चोड़ो फाटक

(लूका १३.२४)

१३सांकड़ा फाटक से भित्तरे जाव; क्योंके
मोटो हे उ फाटक अने चोड़ो हे उ मारग
जो नास आड़ी लई जाय हे, अने नरा हे
जो उका माय जाय हे। १४पण नानो हे
उ फाटक अने सांकड़ो हे उ मारग जो
जीवन आड़ी लई जाय अने थोड़ाज हे जो
उका माय जाय हे।

जसो झाड़ असो फळ

(लूका ६.४३–४४)

१५झुंटा भविसबाणी करवा वाळाहुंण
से होसियार री जो, जो गाडरहुंण का
भेस माय तमारा कने आवे हे, पण
भित्तरे से वी भूका, फाड़ी लाखणे वाळा
बरगड़ा सरीका हे। १६उणका फळहुंण से
तम उणके जाणी लोगा। कंई कांटाळी
झांडिहुंण से अंगूर अने कांटाहुंण से
अंजीर तोड़्या जाय? १७असतरा को हर
अच्छो झाड़ अच्छो फळ दे, पण बुरो
झाड़ बुरो फळ दे हे। १८अच्छो झाड़ बुरो
फळ नी दई सके अने नीज बुरो झाड़
अच्छो फळ दई सके। १९† हरेक झाड़
जो अच्छो फळ नी दे, काट्यो अने लाय
माय झोंकी लाख्यो जाय हे। २०† तो तम
उणका फळहुंण से उणके जाणी लोगा।

म्हने तमारे कदी नी जाण्या

(लूका १३.२५–२७)

२१हरेक जो म्हार से, 'हे परभु! हे परभु!
के हे, सरग का राज माय जई नी सके,

---

† **७.१२:** लूका ६.३१ † **७.१९:** मत्ती ३.१०; लूका ३.९ † **७.२०:** मत्ती १२.३३

पण जो म्हारा सरग पिता परमेसर की
मरजी पे चले, उज भित्तरे जई सकेगा।
२२उना दन नरा लोग म्हार से केगा, 'हे
परभु, हे परभु, कंई हमने थारा नाम से
भविसबाणी नी करी अने थारा नाम से
बुरी आतमाहुंण के नी हेड़ी अने थारा नाम
से नरा अचरज का काम नी कर्‌या?' २३†
तो हूं उणकासे साफ कुंवां, म्हने तमारे
कदी नी जाण्या; हे बुरा करम करण्याहुंण,
म्हार से दूरा चल्या जाव।

दो घर की नीम

(लूका ६.४७–४९)

२४इकासरु जो कईं को म्हारा इना
बचनहुंण के सुणी के उणका पे चले, उ
उना ज्ञानी मनख सरीको हे, जेने अपणो
घर सिल्ला पे बणायो। २५अने पाणी पड़्यो,
पूरहुंण अई, अन्दी-दंदवाळ चल्यो अने उना
घर से टकरायो; फेर बी उ घर नी पड़्यो,
क्योंके उकी नीम सिल्ला पे राखी थी।

२६पण जो कईं को म्हारा इना
बचनहुंण के सुणे अने उणको पाळण
नी करे, उ उना मूरख सरीको जेने
अपणो घर बाळू रेत पे बणायो। २७अने
पाणी पड़्यो, पूरहुंण अई, अन्दी-दंदवाळ
चल्यो अने उना घर से टकरायो; तो
उ पड़ी ग्यो।' अने पूरो नास हुई ग्यो'।

ईसु को हक

२८† इको असर यो होयो के जदे ईसु ई
बात कई चुक्यो तो भीड़ उका परबचन से
दंग रइगी, २९क्योंके उ उणके सासतरिहुंण
सरीको नी, पण हक से परबचन दई र्‌यो
थो।"

कोड़्या के नज करनों

(मरकुस १.४०–४५; लूका ५.१२–१६)

८ जदे उ परबत का अदरे से उतर्‌यो,
तो एक बड़ो हुजुम उका पाछे चली
पड़्यो। २अने देखो तो, एक कोड़्यो ईसु
कने आयो, अने परणाम करिके केवा
लाग्यो, "हे परभु अगर तू चावे तो म्हारे
सुद्द करी सके।"[p]

३ईसु ने हात अगड़े करिके उके
पकड़्यो अने क्यो, "हूं चउं तू सुद्द हुई
जा, "अने कोड़्यो झट सुद्द हुई ग्यो ४†
अने ईसु ने उकासे क्यो, देखतो, कइंका
से किजे मती, पण जई ने पुरोहित के
बताड़, अने मूसा ने जो चड़ावो चड़ावा
की रीति राखी चड़ई दे, के वी गवा
रे।"

सुबेदार को बिसास

(लूका ७.१–१०)

५अने जदे उ कफरनहूम नगर माय
आयो, तो एक रोमी सेना को सुबेदार
उका कने आयो अने बिणती करिके
६केवा लाग्यो, हे परभु, म्हारो सेवक
लकवा की बेमारी से घर माय पड़्यो
होयो घणा दरद से तड़फी र्‌यो हे।"

७ईसु ने उकासे क्यो, "हूं अई के उके
नज करुंवां।"

---

[p] **८.२** म्हारे सुद्द करी सके; इनी (कोड़) व्यादी से जो मनख हे, उके सासत्तर का मुताबिक असुद्द मान्यो जातो थो।

† **७.२३:** भजन संहिता ६.८ † **७.२८–२९:** मरकुस १.२२; लूका ४.३२

† **८.४:** लेव्यव्यवस्था १३.४९, १४.२-३२

म्हायाजक (MAT ८.४)

८पण सुबेदार ने जुवाब द्यो, "हे परभु, हूं इका लायक हयनी के तू म्हारा घरे आय, पण सिरप कइदे तो म्हारो सेवक नज हुई जायगा। ९क्योंके हूं बी सासन का हात निच्चे हूं, अने म्हारा हात निच्चे सिपईहुंण रे। जदे हूं एक से कूं, 'जा!' तो उ चल्यो जाय; अने जदे दूसरा से कूं आ तो उ आय हे अने जदे सेवक से कूं, 'यो कर!' तो उ करे।"

१०जदे ईसु ने यो सुण्यो तो अचम्बो कर्‌यो अने अपणा पाछे आवा वाळाहुंण से क्यो, "हूं तमारे खास बात कूं, म्हने परमेसर की छांटी इनी इसराइल जात का कइंका मनख मायज असो मोटो बिसास नी पायो। ११† हूं तमार से कूं, के उगणूं अने आथणूं से नरा लोगहुंण अई के इसराइल जात का मूळ पिता इबराइम, इसाक अने याकूब का गेले सरग राज माय खुसी का साते जिमवा बेठेगा, १२† पण इसराइल जात का जो अपणे खुद के परमेसर के बेटा समजे हे वी लोग बायरे इन्दारा माय फेंकी लाख्या जायगा; जां रोणो अने दांत पिसणो रेगा।" १३अने ईसु ने सुबेदार से क्यो, "चल्यो जा, थारा बिसास का मुजबज थारा सरु होय।"

अने सेवक उनीज घड़ी नज हुई ग्यो।

बेमारहुंण के नज करनों

(मरकुस १.२९–३४; लूका ४.३८–४१)

१४अने जदे ईसु पतरस का घरे आयो, तो पतरस की सासु के बुखार माय बिछावणा पे पड़ी देखी। १५ईसु ने उके हात लगाड़्यो अने उको बुखार उतरी ग्यो, अने वा उठी के उकी सेवा-चाकरी करवा लागी।

१६अने जदे दन अथणी ग्यो, तो कफरनहूम का लोगहुंण बायरबादा से भर्‌या होया नरा लोगहुंण के ईसु कने लाया अने सिरप उका बोलवा पेज बायरबादाहुंण हिटी जाती थी अने ईसु ने सगळा जो बेमार था उणके नज कर्‌या, १७† जेकासे के जो बचन यसायाह[१] भविस की बात केवा वाळो जो पुराणो नबी थो, से केवायो थो उ पूरण होय: "उने खुद हमारी कमजोरिहुंण के लई ली अने बेमारिहुंण के दूर करी लाखी।"

---

[१] **८.१७** यसायाह; ईसु से साड़े सात सो साल पुराणो नबी थो।

† **८.११:** लूका १३.२९ † **८.१२:** मत्ती २२.१३, २५.३०; लूका १३.२८ † **८.१७:** यसायाह ५३.४

ईसु का पाछे चलवा को मोल

(लूका ९.५७–६२)

१८ईसु ने जदे अपणा चारी-मेर बड़ीमेक भीड़ के देखी, तो उने गलील का पेलां पार जावा को हुकम द्यो। **१९**अने कइंका सासतरी ने अई के उके क्यो, "गरु, जां कंई तू जायगा, हूं थारा पछड़े चलुंवां।"

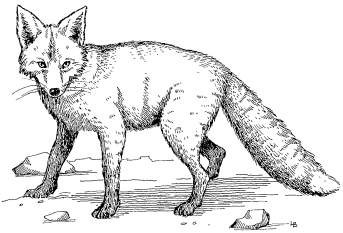

ब्याकसळी (MAT ८.२०)

२०ईसु ने उकासे क्यो, "ब्याकसळिहुंण की खो अने असमान का पखेरुहुंण का घोंसळा रे, पण हूं मनख का बेटा के माथो धरवा सरु बी कंई जगा हयनी।"

२१उका चेलाहुंण माय से कइंका ने उकासे क्यो, "परभु, पेलां म्हारे हुकम दे के हूं जई ने म्हारा पिता की आखरी किरिया-करम कर-यउं।

२२पण ईसु ने उकासे क्यो, म्हारा पाछे चल्यो आ अने मुरदाहुंण के मुरदा गाड़वा दे,।"

अन्दी-दंदवाळ के अने लेरहुंण के सांत करनों

(मरकुस ४.३५–४१; लूका ८.२२–२५)

२३जदे उ नाव पे चड़ी ग्यो तो ईसु का चेलाहुंण ने बी असोज कर्‌यो। **२४**अने देखो तो, गलील का सरवर माय बड़ो अन्दी-दंदवाळ उठ्‌यो जेकासे नाव लेरहुंण से ढंकी गी; पण उ सोइर्‌यो र्‌यो थो। **२५**वी उका कने आया अने उणने यो कई के उके जगाड़्यो, परभु, हमारे बचाड़! हम मर्‌या जई र्‌या हे।"

२६उने उणकासे क्यो, "हे कमबिसासिहुंण, तम कायसरु इतरा डर्‌या होया हो?" तो उठी के उने अन्दी-दंदवाळ अने सरवर के ललकार्‌यो, अने सगळो सांत हुई ग्यो।

२७अने वी अचरज करिके केवा लाग्या, "यो कसो मनख, के अन्दी-दंदवाळ अने सरवर बी उको हुकम माने?"

मनखहुंण माय से बायरबादा के हेड़णो

(मरकुस ५.१–२०; लूका ८.२६–३९)

२८अने जदे उ गलील का सरवर का दूसरा आड़ी गदरेनियो का इलाका माय पोंच्यो, तो दो मनख जिणका माय बायरबादाहुंण थी कबर से हिटी के उकासे मिळ्या, वी इतरा खतरनाक था के कईं को बी उना रस्ता से नी हिटी सकतो थो। **२९**अने देखो तो, उणने चिल्लाड़ी के क्यो, "हे परमेसर का बेटा, हमारे थार से कंई काम? कंई तू यां हमारे दुःख देवा आयो हे?"

३०थोड़ाक दूरा पे नरा सुंवल्डाहुंण को टोळो चरी र्‌यो थो। **३१**बायरबादाहुंण उकासे या कई के बिणती करवा लागी, अगर तू हमारे निकाळणो चावे तो हमारे सुंवल्डाहुंण का टोळा माय मोकली दे।"

३२उने उणकासे क्यो, "जाव!" अने वी हिटी के सुंवल्डाहुंण माय भरई गी, अने देखो, उ आखो टोळो जोर से कराड़ा पे

जई गलील का सरवर माय पड़ी ग्यो अने
डुबी मर्‌यो।
३३सुंवल्डाहुंण का ग्वाळा भागी के
नगर माय ग्या अने बायरबादा से भर्‌या
मनख पे जो कंई बित्यो थो अने इका
गेले-गेल आखो हाल कई सुणायो। **३४**अने
देखो तो, आखा नगर का लोग हिटी के
ईसु से मिळवा आया, अने जदे लोगहुंण
ने ईसु के देख्यो, तो उकासे बिणती करी
के हमारा इलाका से बायरे हिटी जा।

हूं मनख को बेटो पाप के मांफ करवा वाळो

(मरकुस २.१–१२; लूका ५.१७–२६)

९ अने ईसु नाव पे बेठ्‌यो, पेलांपार
उतरी के अपणा नगर[r] माय आयो।
२अने देखो, थोड़ाक लोग एक लकवा का
बेमार के खाट पे लाखी के उका कने
ल्याया। ईसु ने उणको बिसास देखी के
उना लकवा का बेमार से क्यो, "म्हारा
बेटा, हिम्मत राख, थारा पाप मांफ हुई
ग्या।"
३अने देखो, सासतरिहुंण माय से कंई-
कइंका माय-माय केवा लाग्या, "यो तो
परमेसर की बुरई करे।"
४ईसु ने उणका हिरदा का बिचार
जाणी के क्यो, "तम अपणा हिरदाहुंण
माय बुरो कायलेणे चितो हो? **५**सबगो
कंई हे? यो केणो, 'थारा पाप मांफ हुई
ग्या,' के यो, 'उठ्‌या अने चल्यो-फर'?
६पण इकासरु के तम जाणी लो के हूं
मनख का बेटा के धरती पे पाप मांफ
करवा को हक हे उने लकवा का मार्‌या
से क्यो, "उठ्‌या, अपणी खाट उठाड़ अने
घरे चल्यो जा।"
७तो उ उठी के अपणा घरे चल्यो
ग्यो। **८**जदे भीड़ ने यो देख्यो तो वी
डरी ग्या अने वी परमेसर की बड़ई
करवा लाग्या जेने मनखहुंण के असो
हक द्‌यो।

मत्ती के तेड़्यो जाणो

(मरकुस २.१३–१७; लूका ५.२७–३२)

९जसेज ईसु वां से अगड़े बड़्यो उने
मत्ती नामका एक मनख के चुंगी नाका
माय बेठ्‌यो देख्यो, अने उने उकासे क्यो,
"म्हारा पाछे हुई जा।"
उ उठ्‌यो अने उका पछड़े चली पड़्यो।
१०[†] फेर असो होयो के जदे उ मत्ती
का घरे[s] जिमवा बेठ्‌यो, तो नरा चुंगी
नाका वसुळवा वाळा अने दूसरा पापिहुंण
अई के ईसु अने उका चेलाहुंण का गेले
जिमवा बेठी ग्या। **११**अने जदे फरीसिहुंण
ने यो देख्यो तो उका चेलाहुंण से क्यो,
"तमारो गरु चुंगी नाका वसुळवा वाळा
अने दूसरा पापिहुंण का गेले कायसरु
खाय?"
१२पण जदे ईसु ने यो सुण्यो तो
क्यो, "अच्छा-भला के बेद की जरुवत
हयनी, पण बेमारहुंण के रे हे। **१३**पण
जाव अने इको अरथ सासत्तर माय ढुंडो:
हूं बलिदान नी पण दया चउं।[†] क्योंके
हूं धरमिहुंण के नी पण पापिहुंण के
तेड़वा आयो हूं।"

---

[r] **९.१** अपणा नगर; कफरनहूम (देखो ४.१३)।
[s] **९.१०** मत्ती का घरे; या उका (ईसु का) घर माय घर।
[†] **९.१०–११:** लूका १५.१–२
[†] **९.१३:** होसे ६.६

ईसु मत्ती का यां भोजन करे (MAT ९.११)

बरत का बारा माय सवाल

(मरकुस २.१८–२२; लूका ५.३३–३९)

१४तो योहन का चेलाहुंण ईसु कने अई के केवा लाग्या, "कंई वजा हे के हम अने फरीसी तो बरत राखां, पण थारा चेलाहुंण बरत नी राखे?"

१५ईसु ने उणकासे क्यो, "जदत्तक हूं लाड़ो बरात्याहुंण का गेले हूं, कंई वी दुःख मनई सके हे? पण वी दन आयगा जदे हूं लाड़ो उणकासे इकाड़ी कर्‌यो जउंवां अने जदे वी बरत राखेगा।

१६"जूना लतरा पे नवा लतरा को थेगळो कईं को नी लगाड़े, क्योंके नवो थेगळो जूना लतरा के खेंची ले हे, अने उ पेलां से बी घणो फाटी जाय हे। **१७**नीज वी लोग जूनी मसखहुंण[t] माय नवो अंगूर रस भरे, क्योंके असो करवा से मसखहुंण फाटी जाय अने अंगूर रस बइ जाय अने मसखहुंण खराब हुई जाये। पण नवो अंगूर रस नवी मसखहुंण माय भरे हे अने दोइज बणी रे।"

मरी नानी के जीवती अने बेमार बइरा के नज

(मरकुस ५.२१–४३; लूका ८.४०–५६)

१८जदे उ उणकासे या बात करीज र्‌यो थो तो इतरा माय पराथनाघर को एक हाकिम आयो अने उके परणाम करिके केवा लाग्यो, "म्हारी नानी अबी हाल मरी हे, पण चली के अपणो हात उका अदरे राखी दे तो वा जिन्दी हुई जायगा।"

१९ईसु उठ्‌यो अने पराथना घर का हाकिम का पछड़े चली पड़्‌यो अने उका चेलाहुंण ने बी असोज कर्‌यो।

२०अने देखो तो! एक बइरा जेके बारा बरस से लोई बिवा की बेमारी थी ईसु का पछड़े अई के उका चोळा की किनोर के हात लगाड़ी द्‌यो; **२१**क्योंके वा अपणा हिरदा माय बिचारती थी, "अगर हूं ईसु का लतरा केज हात लगाड़ी लुंवां तो नज हुई जउंवां।"

२२ईसु ने पलटी के उके देख्यो अने क्यो, "बेटी, हिम्मत राख, थारा बिसास ने थारे नज कर्‌यो।" वा बइरा उनी घड़ी नज हुइगी।

२३जदे ईसु उना हाकिम का घरे पोंच्यो तो उने बंसी बजावा वाळाहुंण अने भीड़ को मजमो देख्यो। **२४**उने उणकासे क्यो,

---

[t] **९.१७** मसखहुंण; चामड़ा से बण्यो होयो झोळा सरीको जेकासे भिस्तीहुंण पाणी भरे हे नवी बिचार धाराहुंण का साते पूराणी बिचार धारा को कंई अरथ।

"चल्या जाव क्योंके नानी मरी हयनी
पण सोइर्‌यो री हे।" इका पे वी उकी
हंसी उड़ावा लाग्या। २५पण जदे लोगहुंण
के बायरे हेड़ी लाख्या, तो ईसु भित्तरे
ग्यो अने उने हात पकड़ी के नानी के
उठाड़ी, अने नानी उठी के बेठी गी। २६यो
समिचार उना आखा इलाका माय फेली
ग्यो।

दो आंदा के नज करनों

२७जदे ईसु वां से अगड़े बड़्यो तो
दो आंदा उका पछड़े यो चिल्लाता अने
तेड़ता होया चल्या, "हे दाऊद राजा की
सन्तान,[u] हमार पे दया करजे!"
२८अने जदे उ घर माय जई चुक्यो
तो वी आंदा उका कने आया। ईसु ने
उणकासे क्यो, "कंई तम बिसास करो के
हूं यो करी सकूं?"
"हां परभु।" उणने ईसु से क्यो,
२९तो उने या कई के उणकी आंखहुंण
के हात लगाड़्यो, "तमारा बिसास
मुजब तमारा सरु हुई जाय।" ३०अने
उणकी आंखहुंण खुली गी। ईसु ने
उणके काठी चेतावणी देतो होयो
उणकासे क्यो, "देखो, यो कइंका के
बताड़ जो मती।"
३१पण उणने जई के आखा इलाका
माय उकी चरचा करी।

ईसु ने गुंगा के नज कर्‌यो

३२जदे उ अने उका चेला बायरे जई
र्‌या था, तो बायरबादा से भर्‌या गुंगा
के लोगहुंण ईसु कने लाया। ३३अने जदे
बायरबादा हेड़ी लाखी, तो गुंगो बोलवा
लाग्यो। इका पे भीड़ अचम्बो करिके केवा
लागी, "इसराइल जात माय असो कदी
नी देख्यो।"
३४[t] पण फरीसी केवा लाग्या, "ईसु
तो बायरबादाहुंण का सरदार का हक की
मदद से बायरबादाहुंण के हेड़े हे।"

ईसु को तरस लोगहुंण पे

३५[t] ईसु सगळा नगर अने गांमहुंण
माय जई के, उणका पराथनाघरहुंण माय
परबचन देतो अने सरग का राज को
सुब-समिचार[v] को परचार करतो अने नरा
तरा की बेमारी ने हरतरा की कमजोरी
के नज करतो र्‌यो। ३६[t] अने लोगहुंण
की भीड़ के देखी के ईसु के उण पे
तरस आयो, क्योंके वी बिना ग्वाळा की
गाडरहुंण सरीका दुःखी अने उदास था।
३७[t] तो उने अपणा चेलाहुंण से मिसाल
दई के क्यो, "पाकी फसल तो नरी हे,
पण मजुर्‌या थोड़ाक हे। ३८इकासरु
फसल का मालेख से बिणती करो के उ
फसल काटवा सरु मजुर्‌या मोकले।"

---

[u] **९.२७** दाऊद राजा की सन्तान; यहूदिहुंण की या चायना थी मसीह दाऊद राजा का कुळ माय से जनमेगा इकासरु तो आंदाहुंण ने चिल्लाड़ी के क्यो थो। [v] **९.३५** सरग का राज को सुब-समिचार; परमेसर को राज धरती पे कायम होय असो आनन्द को सुब-समिचार हे।

[t] **९.३४:** मत्ती १०.२५, १२.२४; मरकुस ३.२२; लूका ११.१५

[t] **९.३५:** मत्ती ४.२३; मरकुस १.३९; लूका ४.४४

[t] **९.३६:** गिणती २७.१७; १ राजा २२.१७; २ इतयास १८.१६; यहेजकेल ३४.५; मरकुस ६.३४

[t] **९.३७–३८:** लूका १०.२

ईसु अने बारा चेलाहुंण (MAT ९.३७)

बारा चेलाहुंण के सेवा सरु मोकलनों

(मरकुस ३.१३–१९; लूका ६.१२–१६)

१० तो ईसु ने अपणा बारा चेलाहुंण के बुलाड़ी के उणके बायरबादा के हेड़वा अने सगळी तरा की बेमारी अने सगळी तरा की कमजोरी के नज करवा को हक द्यो। [२]अबे बारा परेरितहुंण[w] को नाम यो हे: पेलो - सिमोन जो पतरस केवाय, अने उको भई अन्द्रियास; जब्दी को बेटो याकूब अने उको भई योहन; [३]फिलिप्पुस, बरतुलमे, थोमा अने नाको वसुळवा वाळो मत्ती; हलफई को बेटो याकूब अने तद्दे; [४]सिमोन कनानी (देस-भगत) अने यहूदा इस्करियोती, जेने ईसु के बाद माय पकड़वई लाख्यो थो।

बारा परेरितहुंण की योजना

(मरकुस ६.७–१३; लूका ९.१–६)

[५]इना बाराहुंण के ईसु ने यो कई के मोकल्या, "गेर यहूदिहुंण कने मती जाजो, अने नी सामरिहुंण की जात का कसाज नगर माय जावजो। [६]इका बजाय इसराइल जात का लोगहुंण के जो गाडर सरीका खोवाया हे उणका कने जाजो। [७]† अने जाता होया तम यो परचार करिके किजो, 'सरग को राज कने अई ग्यो।' [८]बेमारहुंण के नज करो, मर्‌या होया के जिवाड़ो, कोड़्याहुंण को कोड़ मिटाड़ो, बायरबादाहुंण के हेड़ो। तमारे फिरी माय मिळ्यो, तो फिरी माय दो। [९]अपणी कमर की आंटी माय नी सुन्नो, नी चांदी अने नी तांबो राखजो। [१०]† जातरा सरु नितो झोळो, यां तक के दो कुड़ता बी मती लो, अने नी पन्नी अने नी लाकड़ी राखो, क्योंके मजुर के जिमवा को हक हे।

[११]जेना कइंका नगर या गांम माय जाव तो पुछी-ताछिलो के वां कुंण लायक हे अने बिदा होवा तक वांज रो। [१२]जदे तम उका घर माय जाव तो सान्ती को आसिरबाद दो। [१३]अगर घर का लोग लायक रेगा तो तमारी सान्ती उना घर माय बणी रेगा, पण अगर नी हे तो सान्ती को तमारो परणाम तमारा कने अई जायगा। [१४]† जो तमारे माने हयनी अने तमारी बातहुंण पे कान नी धरे, जदे तम उना घर अने नगर से हिटो, तो अपणा पगहुंण को धूळो झटकी लाखजो। [१५]† हूं तमार से खास बात कूं के न्याव का दन उना नगर का बजाय सदोम नगर अने अमोरा नगर[x] को हाल जादा सेणे लायक रेगा।

---

[w] **१०.२** परेरितहुंण; सबद् भण्डार माय देखो। [x] **१०.१५** सदोम नगर अने अमोरा नगर; सदोम अने अमोरा नगरहुंण के उणका माय बस्या लोगहुंण का पापहुंण की वजासे परमेसर ने खतम करी लाख्या था (उत्पत्ती १९.२४-२८)।

† **१०.७–१५:** लूका १०.४–१२ † **१०.१०:** १ कुरिन्थिहुंण ९.१४; १ तीमुथियुस ५.१८

† **१०.१४:** परेरितहुंण १३.५१ † **१०.१५:** मत्ती ११.२४; उत्पत्ती १९.२४–२८

आवा वाळो कळेस

(मरकुस १३.९–१३; लूका २१.१२–१७)

१६† "देखो तो, हूं तमारे गाडरहुंण
सरीका बरगड़ाहुंण का माय मोकलुं।
इकासरु सरप सरीका चातर्‌या अने
कबुतर सरीका भोळा बणजो। **१७**† पण
मनखहुंण से होसियार री जो, क्योंके वी
तमारे कचेरीहुंण माय लई जायगा अने
अपणा पराथनाघरहुंण माय तमारे कोड़ा
मारेगा। **१८**तम म्हारा सरु राजपालहुंण
अने राजाहुंण का सामे उबा कर्‌या जावगा
के उणका पे अने गेर जात सरु गवा
बणो। **१९**पण जदे वी तमारे पकड़ाय तो
फिकर मती करजो के हम कंई अने
कसे कांगा, क्योंके जो कंई तमारे केणो
हे उनी घड़ी तमारे बतई द्‌यो जायगा।
२०क्योंके बोलवा वाळा तम नी, पण यो
तमारा परमेसर पिता को आतमो, जो
तमारा भित्तरे से बोले।

२१† "भई अपणा भई के अने बाप
अपणा छोरा-छोरी के मारी लाखवा सरु
देगा, 'अने ओलाद अपणा मां-बाप का
बिरोद माय उबा हुई के उणके मरवई
लाखेगा।' **२२**† म्हारा नाम सरु सगळा
तमार से घिरणा करेगा, पण जो आखरी
तक जिरना मारेगा उको उध्दार होयगा।
२३जदे कदी वी तमारे इना नगर माय
सताड़े तो दूसरा माय भागी जाजो, क्योंके
हूं तमार से खास बात कूं के इका पेलां
के तम इसराइल का सगळा नगरहुंण
माय फरनो बन्द करो, इतराक माय तो
हूं मनख को बेटो[y] अई जउंवां।[z]

२४† नी चेलो अपणा गरु से मोटो,
अने नी सेवक अपणा मालेख से मोटो
रे। **२५**† चेलो अपणा गरु सरीको अने
सेवक अपणा मालेख सरीको हुई जाय
योज नरो। अगर उणने घर का मालेख
के बालजबूल याने सेतान क्यो, तो घर
का मनखहुंण के कजा कंई-कंई केगा!

केका से डरां?

(लूका १२.२–७)

२६† "इकासरु उणकासे मती डरो,
क्योंके कंई ढांक्यो हयनी जेके उघाड़्यो
नी जायगा अने कंई छिप्यो हयनी जेके
जाण्यो नी जायगा। **२७**जो हूं तमार से
इन्दारा माय कूं उके तम उजाळा माय
कोजो, अने जो कंई तम काने-कान
सुणो, उके डागला पे चड़िके जोर से
परचार जो। **२८**उणकासे मती डरो जो
काया के नास करे पण आतमा के

---

[y] **१०.२३** मनख को बेटो; सबद् भण्डार माय देखो। [z] **१०.२३** इतराक माय ... अई जउंवां; ई बातहुंण समजणो बड़ो अबगो हे के तम अपणो मिसन पूरो बी नी करी सकोगा अने मनख को बेटो अई जायगा। असो लागे हे के इणको यो मिसन पूरो नी होयो थो इका बीच परभु को मर्‌या माय जी उठणो हुई ग्यो इका सरुज उ पाछो उणके परचार करवा मोकले हे (योहन २०.१९-२३ परेरितहुंण १.३-८)।

† **१०.१६:** लूका १०.३ † **१०.१७–२०:** मरकुस १३.९–११; लूका १२.११–१२, २१.१२–१५

† **१०.२१:** मरकुस १३.१२; लूका २१.१६ † **१०.२२:** मत्ती २४.९, १३; मरकुस १३.१३; लूका २१.१७

† **१०.२४:** लूका ६.४०; योहन १३.१६, १५.२०

† **१०.२५:** मत्ती ९.३४, १२.२४; मरकुस ३.२२; लूका ११.१५ † **१०.२६:** मरकुस ४.२२; लूका ८.१७

नास नी करी सके, पण परमेसर से
डरो जो आतमा अने काया दोई के

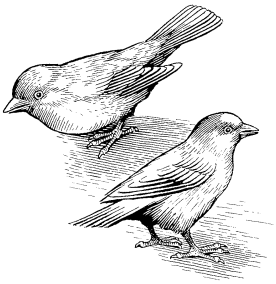

चिरकलिहुंण (MAT १०.२९)

नरक माय नास करी लाखे। २९कंई
एक पइसा माय दो चिरकली नी बिके?
फेर बी तमारा पिता की मरजी का
बिना एक बी धरती पे नी पड़ी सके।
३०तमारा माथा का बाल बी गिण्या
होया हे। ३१इकासरु डरो मती। तम नरी
चिरकलिहुंण से बी बत्ती मोल का हो।

ईसु की वजासे सरमाव मती

(लूका १२.८,९)

३२तो हरेक जो मनख का सामे म्हारे
मानी ले, हूं बी अपणा पिता परमेसर
का सामे, जो सरग माय हे, मानी
लुंवां। ३३† पण जो मनखहुंण का सामे
म्हारे नी माने, हूं बी उके अपणा पिता
परमेसर का सामे, जो सरग माय हे
नी मानुवां।

मेळ करावा नी, पण तरवार चलवाणे

(लूका १२.५१–५३; १४.२६,२७)

३४"या मती बिचारो के हूं धरती
पे मेळ-मिळाप करावा आयो। हूं मेळ
करावा नी, पण फूट लाखवा अने तरवार
चलवाणे आयो। ३५हूं तो इकासरु आयो
के छोरा के उका बाप, छोरी के उकी
मेतारी, अने लाड़ी के उकी सासु का
बिरोदी करी लाखुं; ३६† अने मनख का
बेरी उकाज घर का लोग रेगा।

३७"जो म्हार से बत्ती अपणा मां-बाप
से परेम राखे, उ म्हारा लायक हयनी।
जो म्हार से बत्ती अपणा छोरा-छोरी से
परेम राखे, उ म्हारा लायक हयनी, ३८†
अने जो अपणो कुरुस[a] उठई के म्हारा
पाछे नी चले, उ म्हारा लायक हयनी।
३९† जो अपणो पराण बचाड़े, उ उके
खोयगा, अने जो म्हारा सरु अपणो पराण
खोय उ उके बचाड़ेगा।

इनाम पावा वाळा

(मरकुस ९.४१)

४०† जो तमारे माने उ म्हारे माने, अने
जो म्हारे माने, उ म्हारा मोकलवा वाळा
परमेसर के माने। ४१जो नबी[b] के नबी
जाणी के माने उ नबी को फळ पावेगा,
अने जो धरमी के धरमी जण जाणी के
मानी ले उ धरमी को फळ पावेगा। ४२जो
इना छोटाहुंण माय से कइंका एक के

---

[a] **१०.३८** कुरुस; सबद् भण्डार माय देखो। [b] **१०.४१** नबी; सबद् भण्डार माय देखो।
† **१०.३३:** २ तीमुथियुस २.१२ † **१०.३६:** मीका ७.६
† **१०.३८:** मत्ती १६.२४; मरकुस ८.३४; लूका ९.२३
† **१०.३९:** मत्ती १६.२५; मरकुस ८.३५; लूका ९.२४, १७.३३; योहन १२.२५
† **१०.४०:** मरकुस ९.३७; लूका ९.४८, १०.१६; योहन १३.२०

चेलो जाणी के एक ठंडो गिलास पाणी
बी पीवा सरु दे तो हूं तमार से सांची कूं
के उ अपणो फळ कदीज नी खोयगा।"

ईसु अने योहन बपतिसमा देवा वाळो

(लूका ७.१८–३५)

११ असो होयो के जदे ईसु बारा
चेलाहुंण के समजई चुक्यो, तो वां
से उ उणका नगरहुंण माय सीख देवा
अने परचार करवा चल्यो ग्यो।

२जदे जेळखाना माय योहन ने मसीह
का कामहुंण की चरचा सुणी तो अपणा
चेलाहुंण के ईसु कने यो पुछवा मोकल्या,
३उणने पुछ्यो "कंई आवा वाळो मसीह
तूज हे, के हम कइंका दूसरा की बाट
जोवां?"

४ईसु ने उणके जुवाब द्यो, "जो कंई
तम सुणो अने देखो हो जई के उको
समिचार योहन के दई दो; ५† आंदा
देखी र्या, पांगळा चली र्या, कोड्या सुद्द
हुई र्या[c], अने बेर्याहुंण सुणे, मुरदाहुंण
जिवाड्या जाय अने गरीब-गुरबाहुंण के
सुब-समिचार सुणायो जई र्यो हे। ६अने
धन्य हे वी जो म्हारी वजासे ठोकर खावा
से बच्या रे हे।"

७योहन का चेलाहुंण का जाता बखत
ईसु भीड़ का लोगहुंण से केवा लाग्यो,
"तम मांळ माय† कंई देखवा ग्या था?
बायरा से हलता होया बरु के? ८तो फेर
तम कंई देखवा ग्या था? नरम लतरा
पेर्या होया मनख के? देखो तो, नरम
लतरा पेरवा वाळा राजम्हेल माय रे हे।
९फेर तम कायसरु ग्या था? कइंका नबी
के देखवा सरु? हां, अने हूं तमार से कूं
नबी से बी मोटा मनख के। १०† यो उज हे
जेका बारा माय लिख्यो हे, 'देख, हूं थार
से अगड़े अपणा दूत के मोकलुं, जो थारा
अगड़े थारो मारग तय्यार करेगा।' ११हूं
तमार से खास बात कूं के जो बइराहुंण से
जन्म्या हे योहन बपतिसमा देवा वाळा से
मोटो कोइंज नी होयो, फेर बी जो सरग
का राज माय नानो से नानो हे, उ योहन
से मोटो हे। १२† योहन बपतिसमा देवा
वाळा का दन से लई के तो अबी तक
सरग का राज माय जबरजस्ती भराता[d]
जई र्या अने ताकत वाळो मनख उका
पे हक जमई ले हे। १३क्योंके सगळा नबी
अने नेम-बिधान, योहन का आवा तक
भविसबाणी करता र्या हे। १४† अगर तम
नबी अने नेम-बिधान की बात के माननो
चाव तो योज योहन एलियाह नबी हे, जो
आवा वाळो थो। १५जिणका सुणवा का
कान होय उ सुणी ले।

१६"हूं इनी पीड़ी को मिलाण किकासे
करूं? ई लोग हाट-बजार माय बेठवा वाळा
बाळकहुंण सरीका हे, जो दूसरा बाळकहुंण
के तेड़े, १७अने के हे, 'हमने तमारा सरु
बंसी बजाड़ी, पण तम नाच्या हयनी: अने
हमने दुःख भर्या गीत गाया पण तमने
दुःख नी मनाड्यो।'[e] १८असोज योहन नी

---

[c] **११.५** सुद्द हुई र्या; देखो ८.२। [d] **११.१२** जबरजस्ती भराता; या दुःख भर्या उपद्रव से हमलो; या उपद्रव करता अई चुक्या। [e] **११.१७** मने तमारा सरु ... नी मनाड्यो; इनी मिसाल को अरथ :- ईसु कई र्यो हे तमारी म्हारा गेले सेमती हयनी।

† **११.५:** यसायाह ३५.५–६, ६१.१ † **११.७:** मत्ती ३.१ † **११.१०:** मलाकी ३.१

† **११.१२–१३:** लूका १६.१६ † **११.१४:** मलाकी ४.५; मत्ती १७.१०–१३; मरकुस ९.११–१३

तो खातो अने नी पीतो आयो, पण वी के
हे 'उका माय बुरी आतमा हे।' १९हूं मनख
को बेटो खातो-पितो आयो अने वी के
'देखो तो, पेटु अने पिय्यक्कड़, चुंगी लेवा
वाळाहुंण अने दूसरा पापिहुंण को दोस!'
फेर बी परमेसर को ज्ञान अपणा कामहुंण
से साबित होय हे।"

अबिसासिहुंण के धिक्कारनो

(लूका १०.१३–१५)

२०तो उ उना नगरहुंण के जिणका
माय नरा अचरज का काम कर्‌या था,
धिक्कारवा लाग्यो क्योंके उणने पसतावो
नी कर्‌यो थो। २१† "हे खुराजीन नगर,
धिक्कार हे थार पे! हे बेतसेदा नगर,
धिक्कार हे थार पे! क्योंके जो अचरज
का काम तमारा माय कर्‌या, अगर वी
गेर यहूदी सूर नगर अने सेदा नगर
माय कर्‌या जाता तो वी नरा पेलां दुःख
परगटवा सरु टाट ओड़ी के अने राखोड़ा
पे बेठी के पसतावो करी लेता। २२फेर
बी हूं तमार से कूं के न्याव का दन सूर
अने सेदा की हालत तमारा बजाय जादा
सेणे सरीकी रेगा। २३† अने हे कफरनहूम
नगर, कंई तू सरग तक अदरे उठाड़्यो
जायगा? तू तो नरक तक उतरेगा, क्योंके
जो अचरज का काम थारा माय कर्‌या,
अगर वी सदोम[f] नगर माय कर्‌या जाता,
तो उ आज तक बण्यो रेतो। २४† फेर बी
हूं थार से कूं, न्याव का दन थारी हालत
का बजाय सदोम नगर की हालत जादा
सेणे सरीकी रेगा।"

अराम देवा को करार

(लूका १०.२१-२२)

२५उना बखत ईसु ने क्यो, "हे
पिता, सरग अने धरती का परभु, हूं
थारे भजुं, के तने ई बातहुंण ज्ञानी अने
अकलमंदहुंण से छिपाड़ी के राखी अने
बाळकहुंण के बताड़ी हे। २६हां, पिता,
क्योंके थारे योज अच्छो लाग्यो।

२७† "म्हारा पिता ने म्हारे सगळो कंई
समळायो। पिता का अलावा बेटा के कईं
को नी जाणे, अने नी बेटा का अलावा
पिता के कईं को जाणे, सिरप बेटो अने
जिणका पे उ परगटणो चावे।

२८"हे सगळा काम करवा वाळा अने
भारी बजन से दब्या लोगहुंण म्हारा
कने आव, हूं तमारे अराम दूंवां। २९†
म्हारो जुड़ो अपणा अदरे उठई लो अने
म्हार से सीखो, क्योंके हूं नरम अने
हिरदा माय कोमल हूं अने तम अपणा
हिरदा माय अराम पावगा। ३०क्योंके
म्हारो जुड़ो सबगो अने म्हारो बजन
हळको हे।"

सबत् का दन को परभु

(मरकुस २.२३–२८; लूका ६.१–५)

१२ † तो ईसु सबत् का दन खेतहुंण
माय से हुई के हिट्‌यो; उका

---

[f] **११.२३** सदोम; परमेसर ने पुराणा बखत का सदोम के उका पाप की वजासे नास करी लाख्यो थो (उत्पत्ती १८.२४-२८)।

† **११.२१:** यसायाह २३.१–१८; यहेजकेल २६.१—२८.२६; योएल ३.४–८; आमोस १.९–१०; जकरियाह ९.२–४

† **११.२३:** यसायाह १४.१३–१५; उत्पत्ती १९.२४–२८ † **११.२४:** मत्ती १०.१५; लूका १०.१२

† **११.२७:** योहन ३.३५, १.१८, १०.१५ † **११.२९:** यरमियाह ६.१६ † **१२.१:** नेम-बिधान २३.२५

चेलाहुंण के भूक लागी अने वी उम्बी
तोड़ी-तोड़ी ने मसळी के खावा लाग्या।
२पण जदे फरीसिहुंण ने यो देख्यो तो
उकासे क्यो, "देखतो, थारा चेला उ काम
करी र्‌या हे जेके सबत् का दन करनों
ठीक हयनी।
३† इका पे उने उणकासे क्यो, "कंई
तमने नी बांच्यो के जदे दाऊद अने
उका सातिहुंण के भूक लागी तो उने
कंई कर्‌यो? ४† उने तो परमेसर का
मन्दर माय जई के चड़ावा का रोटाहुंण
खाया, जिणके खाणो नी तो उका सरु
ठीक थो अने नी उका सातिहुंण सरु,
पण सिरप पुरोहितहुंण सरु ठीक थो।
५† या कंई तमने नेम-बिधान माय नी
बांच्यो के पुरोहित सबत् का दन मन्दर
माय सबत् की रीति के तोड़े हे, फेर बी
निरदोस रे हे? ६पण हूं तमार से कूं के
यां हूं हे, जो मन्दर से बी बड़ी के हूं।
७अगर तम सासत्तर को अरथ समजता,
'हूं दया चउं हूं बलिदान नी,'† तो निरदोस
चेलाहुंण के दोषी नी ठेराड़ता। ८क्योंके
हूं मनख को बेटो सबत् का दन को बी
परभु हूं।"[g]

सुक्या हात को मनख

(मरकुस ३.१–६; लूका ६.६–११)

९वां से हिटी के उ उणका पराथनाघर
माय ग्यो। १०देखो वां एक सुक्या हात
को मनख थो। फरीसिहुंण ने ईसु पे
दोष लगावा की मन्सा से यो केता होया
सवाल कर्‌यो, "कंई सबत् का दन नज
करनों सई हे?"
११† उने उणकासे क्यो, "तमारा माय
असो कुंण हे, जेकी एक गाडर रे, अने
वा सबत् का दन खाड़ा माय पड़ी जाय
तो उ उके पकड़ी के बायरे नी हेड़े? १२तो
एक मनख को मोल, गाडर से कितरो
बड़ी के हे! इकासरु सबत् का दन भलो
करनों सई हे।" १३तो उने उना मनख से
क्यो, "अपणो हात अगड़े कर।"
उने हात अगड़े कर्‌यो, अने उ दूसरा
हात सरीको नज हुई ग्यो। १४तो फरीसी
बायरे हिट्‌या अने ईसु को बिरोद करवा
सरु सगळा की राय लई के, के उके कसे
नास करां।

परमेसर का छांट्‌या होया सेवक

१५पण ईसु यो जाणी के वां से हिटी
ग्यो। नरा लोग उका पाछे चली पड़्‌या,
अने उने सगळा के नज कर्‌या, १६अने
उणके चेताड़्‌यो के म्हारे नी परगटे।
१७जेकासे के यसायाह नबी से परमेसर ने
जो भविसबाणी करवई थी, वा पूरण होय:
१८ † "देखो, म्हारो दास जेके म्हने
छांट्‌यो,
म्हारो परमिलो जेकासे म्हारो
हिरदो घणो खुस हे।

---

[g] **१२.८** हूं मनख ... बी परभु हूं; ईसु मसीह सबत् को परभु हे। उ अपणा हक का बारा माय बताड़ी र्‌यो हे अने होसे नबी ६.६ का मुजब ईसु यो बी के, के परमेसर की मरजी दया करवा की हे याने सबत् को अरथज दया करनों हे असतरा ईसु अपणा चेलाहुंण पे जो भूका हे दया करवा की कई र्‌यो हे।

† **१२.३–४:** १ सेमुएल २१.१–६ † **१२.४:** लेव्यव्यवस्था २४.९ † **१२.५:** गिणती २८.९–१०
† **१२.७:** होसे ६.६ † **१२.११:** लूका १४.५ † **१२.१८–२१:** यसायाह ४२.१–४

हूं उका पे अपणो आतमो रेडुंवां
अने उ गेर यहूदिहुंण पे ठीक
न्याव को समिचार देगा।
१९उ नी तो झगड़ो करेगा अने नी
चिल्लायगा,
अने नी कईं को उकी अवाज
सेरी-गळी माय सुणेगा।
२०उ कुच्या होया बरु के नी
तोड़ेगा
अने धुंवांड़ो देती बाती के नी
बुजाड़ेगा,
जदत्तक के न्याव के नी जिताड़े।
२१ † अने उकाज नाम से सगळी गेर
जातहुंण आसा धरेगा।"

ईसु अने बुरी आतमाहुंण को सरदार

(मरकुस ३.२०–३०; लूका ११.१४–२३)

२२ईसु कने बायरबादा से भर्‌या मनख के लाया जो आंदो अने गुंगो थो, उने उके नज कर्‌यो। उ गुंगो बोलवा अने देखवा लाग्यो। **२३**इका पे आखी भीड़ अचरज करिके केवा लागी, "कंई यो मनख राजा दाऊद की सन्तान हुई सके?"

२४† पण जदे फरीसिहुंण ने यो सुण्यो तो क्यो, "यो मनख बायरबादाहुंण के सिरप उणका सरदार बालजबूल की मदद से हेड़े हे।"

२५उणका बिचार जाणी के उने क्यो, "जेका राज माय फूट भरई जाय उ नास हुई जाय हे, अने जेना नगर या घराणा माय फूट भरई जाय उ बण्यो नी रेगा। **२६**अगर सेतानीज सेतान के हेड़े तो उ अपणो बिरोदी हुई ग्यो हे, फेर उको राज कसे बण्यो रेगा? **२७**फेर अगर हूं बालजबूल की मदद से बायरबादाहुंण के हेडुं तो तमारा चेलाहुंण केकी मदद से हेड़े हे? इकासरु वीज तमारो न्याव करेगा। **२८**पण अगर हूं परमेसर का पवित्तर आतमा से बायरबादाहुंण के हेडुं, तो परमेसर को राज तमारा माय अई पोंच्यो।

२९"या कइंका ताकतवर मनख का घर माय भरई के उकी सम्पत्ती कसे उठई ली जाय जदत्तक के उ पेलां उना ताकतवर[h] के बान्दी नी लाखे। जेका बाद उ उको घर लुटेगा।

३०† "जो म्हारा गेले हयनी, उ म्हारो बिरोदी; अने जो म्हारा गेले भेळो नी करे, उ बेरे हे। **३१**इकासरु हूं तमार से कूं, मनख का हर पाप अने निंदा[i] मांफ कर्‌या जायगा, पण पवित्तर आतमा की निंदा मांफ नी करी जायगा। **३२**† अने जो कईं को हूं मनख का बेटा का बिरोद माय कइंकी बात केगा उको यो कसूर मांफ कर्‌यो जायगा, पण जो कईं को पवित्तर आतमा का बिरोद माय कंई केगा, उको यो कसूर नी तो इना जुग अने नी आवा वाळा जुग माय मांफ कर्‌यो जायगा।

---

[h] **१२.२९** उना ताकतवर; इनी मिसाल माय सेतान एक ताकतवर मनख हे पण जदे ईसु मसीह गुंगी अने बेरी आतमा के हेड़े तो यां ईसु खुद सेतान का घर माय भरई के उके लुटी र्‌यो हे याने ईसु सेतान से ज्यादा ताकतवर हे। [i] **१२.३१** निंदा; या परमेसर का बिरोद माय निंदा करनों।

† **१२.२१:** यसायाह ४२.१-४ † **१२.२४:** मत्ती ९.३४, १०.२५ † **१२.३०:** मरकुस ९.४०

† **१२.३२:** लूका १२.१०

सबद् से न्याव होयगा

(लूका ६.४३–४५)

३३† "या तो झाड़ के अच्छो को, अने
उका फळ के बी अच्छो को, या झाड़
के निकम्मो को तो उका फळ के बी
निकम्मो को, क्योंके झाड़ अपणा फळ
सेज पेचाण्यो जाय हे। **३४**† हे सरप का
कणाहुंण, तम बुरा होता होया अच्छी
बातहुंण कसे कई सको हो? क्योंके जो
हिरदा माय भर्‌यो रे, उज मुन्डा पे आय
हे। **३५**भलो मनख अपणा भला भण्डार
से भली बातहुंण हेड़े हे; अने बुरो मनख
अपणा बुरा भण्डार से बुरी बातहुंण हेड़े
हे।
३६हूं तमार से कूं, जो बी बुरी बात
मनख केगा, न्याव का दन वी उको लेखो
देगा। **३७**क्योंके तू अपणा सबद्‌हुंण से
निरदोस अने अपणा सबद्‌हुंण सेज दोषी
ठराड़्यो जायगा।"

सरग की सेलाणी

(मरकुस ८.११,१२; लूका ११.२९–३२)

३८† तो थोड़ाक सासतरी अने फरीसिहुंण
ने उकासे क्यो, "गरु, हम थार से कइंकी
सरग की सेलाणी देखवा चावां।"
३९† पण उने जुवाब द्‌यो, "या बुरी
अने ब्योबिचारिणी[j] पीड़ी सेलाणी देखवा
की मन्सा माय रे! फेर बी योना नबी
की सेलाणी का अलावा कइंकी सेलाणी
नी दई, **४०**क्योंके जसो योना तीन दन
अने तीन रात बड़ी मच्छी का पेट माय
र्‌यो,† वसोज हूं मनख को बेटो बी तीन
दन अने तीन राते धरती का गरभ माय
रुंवां। **४१**न्याव का दन नीनवे नगर का
लोग इनी पीड़ी का लोगहुंण का गेले
उठ्‌यायगा अने तमारे दोषी ठेरायगा,
क्योंके उणने योना को परचार सुणी के
पसतावो कर्‌यो;† अने देखो यां हूं हे जो
योना से बी बड़ी के हूं। **४२**न्याव का
दन दक्खणव की राणी इनी पीड़ी का
लोगहुंण का गेले उठ्‌यायगा अने तमारे
दोषी ठेरायगा, क्योंके वा सुलेमान को
ज्ञान सुणवा सरु धरती का कनारा से
अई।† देखो यां हूं हे जो सुलेमान से बी
बड़ी के हूं।

बुरी आतमा पाछी आय

(लूका ११.२४–२६)

४३"जदे बायरे की बायरबादा कइंका
मनख माय से हिटे, तो अराम ढुंडवा सरु
सुकी जगा पे भटक्या-फिरे, पण नी पाय।
४४तो वा के हे, 'जेना घर से हूं अई थी
उणाज घरे पाछी चली जउंवां।' अने जदे
वा पाछी आय तो उके रीतो, संजवारा से
सोर्‌यो, अने सज्यो-सजायो पाय। **४५**तो
वा जई के अपणा से बत्ती बुरी बायरे की
सात बायरबादाहुंण के ल्याय अने वी
घुसी के वां रेवा लागे; अने उना मनख
को पाछल्यो हाल पेलां से बी बुरो हुई
जाय। इनी बुरी पीड़ी का लोगहुंण का
गेले बी असोज होयगा।"

---

[j] **१२.३९** ब्योबिचारिणी; यूनानी माय, अबिसासी।

† **१२.३३:** मत्ती ७.२०; लूका ६.४४ † **१२.३४:** मत्ती ३.७, २३.३३, १५.१८; लूका ३.७, ६.४५

† **१२.३८:** मत्ती १६.१; मरकुस ८.११; लूका ११.१६ † **१२.३९:** मत्ती १६.४; मरकुस ८.१२

† **१२.४०:** योना १.१७ † **१२.४१:** योना ३.५ † **१२.४२:** १ राजा १०.१-१०

ईसु का भई-बेनहुंण अने उकी मेतारी

(मरकुस ३.३१–३५; लूका ८.१९–२१)

४६जदे ईसु भीड़ से बात-चित करी र्‌यो
थो, तो देखो, उकी मेतारी अने उका भई
बायरे उब्या था अने वी उकासे बात करनों
चाता था। **४७**अने कइंका ने ईसु से क्यो,
"देख तो, थारी मेतारी अने थारा भई बायरे
उब्या अने थार से बात-चित करनों चावे।"[k]
४८पण उना केवा वाळा के जुवाब देतो
होयो ईसु ने क्यो, "कुंण म्हारी मेतारी
अने कुंण म्हारा भई?" **४९**अने अपणा
चेलाहुंण आड़ी हात बड़ई के उने क्यो,
"देखो, म्हारी मेतारी अने म्हारा भई!
५०क्योंके जो कईं को म्हारा सरग पिता
की मरजी पूरण करे, उज म्हारो भई,
म्हारी बेन अने म्हारी मेतारी हे।"

बीज बोवा वाळा की मिसाल

(मरकुस ४.१–९; लूका ८.४–८)

१३ उना दन ईसु घर से बायरे हिटी के
सरवर का कराड़ पे जई बेठ्यो। **२**†
अने उका ऐरे-मेरे एक बड़ीमेक भीड़ भेळी
हुई गी, तो उ नाव पे चड़िके बेठी ग्यो अने
भीड़ कराड़ा पेज उबी री। **३**उने या केता
होया उणकासे मिसाल माय नरी बातहुंण
करी:

"देखो, एक बोणे वाळो किरसाण बीज
बोवा हिट्यो। **४**बोता बखत थोड़ाक बीज
रस्ता का मेरे पड़्या अने चिरकलिहुंण ने
अई के उणके चुगिल्या। **५**थोड़ाक भाटाळी
जमीन पे पड़्या जां उणके जादा गारो
नी मिळ्यो; अने उन्डो गारो नी मिळवा
की वजासे वी झट उग्याया। **६**पण दन
उगवा पे वी झुळसई ग्या अने जड़ नी
पकड़वा की वजासे सुखई ग्या। **७**अने
दूसरा बीज कांटाळी झांडिहुंण माय पड़्या
अने झांडिहुंण ने उणके पणपवा नी द्‌या।
८पण थोड़ाक बीज अच्छी जमीन पे
पड़्या अने फळ्या, कइंका सो गुणा,
कइंका साट गुणा, अने कइंका तीस
गुणा।
९जेका कने कान हे उ सुणी ले।"

ईसु मिसाल कायसरु दे?

(मरकुस ४.१०–१२; लूका ८.९,१०)

१०चेलाहुंण ने अई के उकासे क्यो, "तू
कायसरु उणकासे मिसालहुंण माय बात
करे?"
११ईसु ने उणके जुवाब द्‌यो, "तमारे
बरदान द्‌यो के सरग का राज का भेदहुंण
के जाणो, पण उणके नी द्‌यो। **१२**† क्योंके
जेका कने हे उके हजु बी द्‌यो जायगा,
अने उका कने आखो नरो हुई जायगा;
पण जेका कने हयनी, उकासे उ बी लई
ल्यो जायगा जो उको हे। **१३**इकासरु हूं
उणकासे मिसालहुंण माय बात करूं,
क्योंके वी देखता होया बी नी देखी सके
अने सुणता होया बी नी सुणी सके, अने
नीज वी समजे हे। **१४**† अने उणका बारा
माय यसायाह नबी की या भविसबाणी
पूरण होती जई री हे:

'तम कान से सुणता तो रोगा पण
समजोगा हयनी;

---

[k] **१२.४७** थोड़ाक हात का लिख्या होया लेख माय ४७ आयत नी हे।

† **१३.२:** लूका ५.१–३ † **१३.१२:** मत्ती २५.२९; मरकुस ४.२५; लूका ८.१८, १९.२६

† **१३.१४–१५:** यसायाह ६.९–१०

अने आंख से देखता तो रोगा,
पण तमारे सुजेगा हयनी।'
१५ † 'क्योंके इनी जात को हिरदो जाड़ो
हुई ग्यो,
अने अपणा कानहुंण से लोग
मुसकिल से सुणे,
अने उणने आंखहुंण मिची
लाखी
कंई असो नी होय के वी अपणी
आंखहुंण से देखे
अने कानहुंण से सुणे,
अने हिरदा से समजी ले,
अने बदळाव अई जाय,
अने हूं उणके नज करूं।'
१६ † "पण धन्य हे तमारी आंखहुंण क्योंके वी देखे, अने तमारा कानहुंण के वी सुणे। १७क्योंके हूं तमार से खास बात कूं के नरा नबिहुंण अने धरमी मनखहुंण ने यो चायो के जो तम देखी र्‌या हो उके देखे, पण उणने नी देख्यो; अने जो तम सुणी र्‌या हो सुणे पण उणने नी सुण्यो।

बीज बोवा वाळा की मिसाल को अरथ

(मरकुस ४.१३–२०; लूका ८.११–१५)

१८ "अबे बोणे वाळा किरसाण की मिसाल को अरथ सुणो: १९जदे कईं को मनख सरग-राज को बचन सुणाय अने सुणवा वाळो उके समजे हयनी तो उ सेतान अई के, जो कंई उका हिरदा माय बोयो थो, छुड़ई लई जाय। या रस्ता का कनारा की वा जमीन जेका पे बीज बोयो थो। २०अने भाटाळी जमीन जेका पे बीज बोयो थो, यो उ मनख हे जो बचन सुणे अने झट खुसी से मानी ले। २१फेर बी अपणा माय जड़ नी राखे हे इकासरु थोड़ाक बखत को रे हे, अने जदे कळेस अने सतावो आवे तो उ झट ठोकर खई जाय हे। २२अने कांटाळी झांडी माय बोयो बीज, उ मनख हे जो बचन तो सुणे पण इना संसार का जीवन को सांसो अने धन को धोको सुण्या होया बचन के दाबी लाखे अने उ बिना फळ को हुई जाय। २३अच्छी जमीन माय बोयो बीज, उ मनख हे जो बचन सुणी के अने समजी के सइमें फळ लाय, कईं को सो गुणो, कईं को साट गुणो, कईं को तीस गुणो।"

मांळ बीज की मिसाल

२४ईसु ने एक हजु मिसाल दई के क्यो, "सरग का राज को मिलाण उना मनख से कर्‌यो जई सके जेने अपणा खेत माय अच्छो बीज बोयो। २५पण जदे लोग सोइर्‌या था, तो उको दुसमन आयो अने गंउ का माय मांळ बीज बोई के चल्यो ग्यो। २६पण जदे बीज माय अंकुर्‌या फुट्या अने फेर उम्बी अई तो मांळ घांस बी नगे अई। २७तो सेवकहुंण ने अई के मालेख से क्यो, 'हे मालेख, कंई तने अपणी जमीन माय अच्छो बीज नी बोयो थो? फेर उका माय मांळ घांस कंय्यांड़ी से अई?' २८अने उने उणकासे क्यो, 'यो कइंका दुसमन को काम हे।' सेवकहुंण ने उकासे क्यो, 'कंई तू चावे के हम

---

† **१३.१५:** यसायाह ६.१० † **१३.१६–१७:** लूका १०.२३–२४

जई के उणके भेळा करी लां?' २९पण
मालेख ने क्यो, 'नी, असो नी होय के
मांळ घांस भेळा करता बखत तम उका
गेले गंउ बी उखाड़ी लाखो। ३०फसल
काटवा तक दोई के एक साते बदवा
दो, अने फसल काटवा का बखत हूं
काटवा वाळाहुंण से कुंवां "पेलां मांळ
घांस भेळो करिके बाळवा सरु भारा
बान्दी लो, पण गंउ के म्हारा खळा
माय भेळा करो"।' "

गउं काटणो (MAT १३.३०)

रंई का दाणा की मिसाल

(मरकुस ४.३०–३२; लूका १३.१८,१९)

३१ईसु ने एक हजु मिसाल दई उणकासे
क्यो, "सरग को राज रंई का दाणा सरीको
हे जेके एक मनख ने लई के अपणा
खेत माय बोई द्यो। ३२यो दूसरा सगळा
दाणाहुंण से नानो रे, पण पूरो बड़ी के
बाग का सगळा रोपाहुंण से मोटो हुई जाय
हे। असो झाड़ बणी जाय के असमान का
पखेरु अई के उकी डाळहुंण पे बसेरो करे।"

खमीर की मिसाल

(लूका १३.२०–२१)

३३उने एक हजु मिसाल उणकासे कई:
"सरग को राज खमीर सरीको हे जेके
एक बइरा तीन पसेरी आंटा माय तदत्तक
मिळाती री जदत्तक आंटो खमीर नी बणी
ग्यो।"

ईसु मिसाल मायज बोल्यो

(मरकुस ४.३३,३४)

३४ईसु ने ई सगळी बातहुंण भीड़ से
मिसाल माय कई, अने उ मिसाल का
अलावा उणकासे कइंनी केतो थो। ३५†
जेकासे के नबी आड़ी से जो बचन क्यो
थो उ पूरण होय:

"हूं मिसाल माय बोलवा सरु अपणो
मुन्डो खोलुंवां।
हूं उनी बातहुंण के कुंवां जो
जगत का बणता बखत से
गुपत थी।"

मांळ बीज की मिसाल के समजाड़नों

३६फेर ईसु भीड़ के छोड़ी के घरे आयो।
तो उका चेलाहुंण उका कने अई के केवा
लाग्या, "खेत का मांळ घांस की मिसाल
हमारे समजाड़।"

३७ईसु ने जुवाब द्यो, "जो अच्छो
बीज बोय उ मनख को बेटो हूं, ३८खेत
तो जगत हे। अच्छा बीज परमेसर का
राज की सन्तान। अने मांळ बीज सेतान
की सन्तान, ३९अने दुसमन जेने उणके
बोया उ सेतान हे। फसल काटणो इना

† **१३.३५:** भजन संहिता ७८.२

जुग को अंत अने फसल काटवा वाळा
सरगदूत हे। ४०"जसतरा मांळ घांस
भेळा करिके लाय का माय बाळी लाखे
उनीज तरा जुग का आखरी माय बी
असोज होयगा। ४१हूं मनख को बेटो
अपणा सरगदूत के मोकलुंवां जो म्हारा
राज माय से सगळी ठोकर की वजासे
अने बुरा काम करवा वाळाहुंण के भेळा
करेगा। ४२अने उणके लाय की भट्टी
माय लाखेगा। वां रोणो अने दांत पिसणो
रेगा। ४३तो धरमी अपणा पिता का राज
माय सूरज सरीका चळकेगा। जेका कान
होय उ कान धरे।

छिप्या धन की मिसाल

४४"सरग को राज खेत माय छिप्या
होया धन सरीको हे, जो कइंका मनख
के लाद्यो अने उने उके छिपाड़ी
लाख्यो, अने उका सरु खुस हुई के
उने अपणो सगळो कंई बेची लाख्यो
अने उना खेत के मोल लई ल्यो।

बेमोल रतन की मिसाल

४५"फेर सरग को राज सांचा मोतीहुंण
के ढुंडवा वाळा एक बेपारी सरीको हे।
४६जदे उके एक अनमोल मोती मिळ्यो
तो उने जई के अपणो सगळो कंई बेची
लाख्यो अने उना मोती के मोल लई
ल्यो।

जाळ की मिसाल

४७"फेर सरग को राज उना बड़ा
जाळ सरीको हे, जेके समन्दर माय

भोई जाळ मच्छीहुंण से
लबालब (MAT १३.४७)

लाख्यो अने नरी-तरा की मच्छीहुंण घेरी
लाय। ४८अने जदे जाळ भरई ग्यो तो
लोग उके कराड़ा पे खेंची लाया अने
उणने बेठिके अच्छी मच्छीहुंण के तो
टोपलाहुंण माय भेळी करी पण खराब
के फेंकी लाखी। ४९इना जुग का आखरी
माय असोज होयगा। सरगदूत अई के
बुराहुंण के धरमिहुंण से इकाड़ी करेगा,
५०अने उणके लाय का भट्टा माय
लाखेगा जां रोणो अने दांत पिसणो
रेगा।

नवी सीख अने जूनी सीख

५१"कंई तमारी समज माय ई सगळी
बातहुंण अई?"
उणने ईसु के जुवाब द्यो, "हां अई।"
५२अने ईसु ने उणकासे क्यो,
"इकासरु हरेक सासतरी[1] जो सरग
का राज की सीख पई चुक्यो, उना
घर का मालेख सरीको हे जो अपणा

[1] **१३.५२** सासतरी; जूना नेम-बिधान का जाणकार।

भण्डारघर से नवी अने जूनी चीज हेड़े हे।"

ईसु के नासरत से नकार्‌यो जाणो

(मरकुस ६.१–६; लूका ४.१६–३०)

५३अने असो होयो के जदे ईसु ई सगळी मिसाल दई चुक्यो तो वां से चल्यो ग्यो। **५४**अने उ अपणा नगर माय अई के लोगहुंण के उणका पराथनाघर माय असो परबचन देवा लाग्यो, के वी चकित हुई के केवा लाग्या के, "इना मनख ने असो ज्ञान अने असी अचरज भरी सकती कां से पई? **५५**कंई यो सुतार को बेटो हयनी? कंई इकी मेतारी को नाम मरियम अने इका भईहुंण को नाम याकूब, यूसफ, समोन अने यहूदा हयनी? **५६**अने कंई इकी सगळी बेनहुंण हमारा माय नी रे? तो इना मनख के यो सगळो ज्ञान कां से मिळ्यो?" **५७**† अने उकी वजासे लोगहुंण के ठोकर लागी।

पण ईसु ने उणकासे क्यो, "सिरप अपणा नगर अने घरीज माय नबी को मान नी रे।" **५८**अने लोगहुंण का अबिसास की वजासे उने अपणा गांम माय सामरत को जादा काम नी कर्‌यो।

योहन बपतिसमा देवा वाळा की घात

(मरकुस ६.१४–२९; लूका ९.७–९)

१४ उना बखत देस का चोथा हिस्सा का राजा हेरोदेस ने ईसु की चरचा सुणी, **२**अने अपणा दासहुंण से क्यो, "यो तो योहन बपतिसमा देवा वाळो हे। यो मर्‌या माय से जी उठ्‌यो हे, इकासरु ई ताकतहुंण उका माय काम करी री हे।"

३† हेरोदेस ने तो योहन के बन्दवई के जेळखाना माय लाख्यो थो। कारण यो के हेरोदेस ने अपणा भई फिलिप्पुस की घराळी हेरोदियास के अपणी बइरा बणई ली थी, **४**पण योहन हेरोदेस से क्या करतो थो, "हेरोदियास के राखणो थारा सरु ठीक हयनी।"† इनी वजासे उके जेळखाना माय लाख्यो थो। **५**अने जदके हेरोदेस उके मारी लाखणो चातो थो, फेर बी लोगहुंण से डरतो थो क्योंके वी उके नबी मानता था।

६पण जदे हेरोदेस को जनम दन आयो तो हेरोदियास की बेटी राजकुमारी ने खुसी से पांमणाहुंण का अदाड़ माय नाची के हेरोदेस राजा के घणो खुस करी लाख्यो। **७**इका पे सोगन खई के हेरोदेस ने बचन द्‌यो के जो कंई तू मांगे, हूं दूंवां।

८अने मेतारी का केणा पे उने क्यो, "एक परात माय योहन बपतिसमा देवा वाळा को माथो म्हारे अबीहाल यांज दे।"

९जदके हेरोदेस के दुःख होयो, फेर बी अपणी सोगन अने जिमवा बेठ्‌या पांमणाहुंण की वजासे, राजा ने हुकम द्‌यो के योहन को माथो काटिके द्‌यो जावे। **१०**उने कोइंके मोकली के जेळखाना माय योहन को माथो कटवई लाख्यो। **११**अने उको माथो परात माय लायो अने

---

† **१३.५७:** योहन ४.४४ † **१४.३–४:** लूका ३.१९–२० † **१४.४:** लेव्यव्यवस्था १८.१६, २०.२१

छोरी राजकुमारी के दई द्यो जेके वा
अपणी मेतारी कने लई गी। १२फेर योहन
का चेला अई के उका कट्या धड़ के लई
ग्या अने उणने उके गाड़ी लाख्यो। पाछा
जई के उणने ईसु के समिचार द्यो।

पांच हज्जार के जिमाड़णो

(मरकुस ६.३०–४४; लूका ९.१०–१७;
योहन ६.१–१४)

१३जदे ईसु ने यो सुण्यो, तो उ वां से
नाव पे चड़िके कइंकी बिराण जगा आड़ी
चल्यो ग्यो जां उ एखलो थो। पण या
सुणी के भीड़ का लोग नगर-नगर से
पगे-पग उका पाछे चली पड़्या। १४जदे उ
नाव से उतर्‌यो तो उने एक घणी बड़ीमेक
भीड़ देखी अने लोगहुंण पे तरस आयो
अने उणका बेमारहुंण के नज कर्‌या।

१५जदे सांज हुई तो ईसु का चेलाहुंण
उका कने अई के केवा लाग्या, "या सुनी
जगा हे अने दन अथणी ग्यो हे; इकासरु
भीड़ के बिदा कर, के लोग गांम माय
जई के अपणा सरु खाणो-पीणो मोल
लई ले।"

१६पण ईसु ने उणकासे क्यो, "उणके
जावा की जरुवत हयनी: तमीज उणके
खावा सरु दो।"

१७चेलाहुंण ने उकासे क्यो, "हमारा कने
सिरप पांच रोटा अने दो मच्छीहुंण हे।"

१८ईसु ने क्यो, "उणके म्हारा कने
ल्याव।" १९तो ईसु ने लोगहुंण के घांस
पे बेठाड़वा की कई के, पांच रोटा
अने दो मच्छीहुंण के लई अने सरग
आड़ी देखी के परमेसर के धन्यबाद
द्यो अने रोटा का बटका करी-करिके
चेलाहुंण के द्या अने चेलाहुंण ने
लोगहुंण के बांट्या। २०सगळा खई के
धाप्या। फेर बी चेलाहुंण ने बच्या होया
कोळ्याहुंण से बारा टोपळिहुंण भरिके
उठाड़ी। २१अने खावा वाळाहुंण, बइरा
अने बाळकहुंण के छोड़ी के मनखहुंण
की गिणती करीब पांच हज्जार थी।

पाणी पे ईसु चल्यो

(मरकुस ६.४५–५२; योहन ६.१५–२१)

२२तो उने झट अपणा चेलाहुंण के नाव
पे चड़वा सरु मजबुर कर्‌या के वी उकासे
पेलां उना पार जाय, हालाके उ खुदज
भीड़ के बिदा करवा लाग्यो। २३भीड़ के
बिदा करवा का बाद ईसु परबत पे एखलो
पराथना करवा सरु चल्यो ग्यो। जदे
सांज हुई तो उ वां एखलो थो। २४पण
नाव कराड़ा से थोड़ाक कोस दूर[m] लेर
माय झकोळ्या खइरी थी, क्योंके बायरो
सामे को थो।

२५रात का परोड़ा माय सरवर पे
चलतो होयो ईसु उणका कने आयो।
२६जदे चेलाहुंण ने उके सरवर का पाणी
पे चलतो होयो देख्यो तो वी घबरई के
केवा लाग्या, "यो तो कईं को भूत हे!"
अने डर का मारे चिल्लई उठ्या।

२७पण ईसु ने झट उणकासे बात करी
अने क्यो, "हिम्मत राखो! हूं हे। डरो
मती!"

२८तो पतरस ने ईसु से क्यो, "परभु,
अगर तूज हे तो म्हारे पाणी पे चली के
थारा कने आवा को हुकम दे।"

---

[m] **१४.२४** थोड़ाक कोस दूर; यूनानी नाप माय एक स्तादयोन करीब १८५ गज।

२९ईसु ने क्यो, "चल्यो आ!" अने
पतरस नाव से उतरी के पाणी पे चलतो
होयो ईसु आड़ी बड़्यो। **३०**पण बायरा के
देखी के उ डरी ग्यो, अने डुबवा लाग्यो
तो चिल्लाड़्यो, "परभु, म्हारे बचाड़!"
३१ईसु ने झट अपणो हात बड़ई के उके
थाम्यो अने क्यो, "हे कमबिसासी, तने
सक कायसरु कर्‌यो?"
३२अने जदे वी नाव पे चड़ी ग्या तो
बायरो थमी ग्यो। **३३**अने जो लोग नाव
माय था उणने उके परणाम कर्‌यो अने
क्यो, "तू सई मेंज परमेसर को बेटो हे!"

ईसु गन्नेसरत माय लोगहुंण के नज करे

(मरकुस ६.५३–५६)

३४वी पेलां पार हुई के गन्नेसरत का
इलाका माय पोंच्या, **३५**वां का लोगहुंण ने
जदे ईसु के ओळख्यो तो उणने ऐरे-मेरे
का इलाका माय समिचार मोकल्या, अने
लोग बेमारहुंण के उका कने लाया। **३६**वी
ईसु से बिणती करवा लाग्या के उ उणके
उका चोगा का कोर केज हात लगाड़ी
लेणे दे अने जितरा ने हात लगाड़्या, वी
सगळा नज हुई ग्या।

रीति-रिवाज पे सवाल

(मरकुस ७.१–१३)

१५ यरुसलेम नगर से थोड़ाक फरीसी
अने सासतरी ईसु कने अई के
केवा लाग्या, **२**"थारा चेलाहुंण पूरखाहुंण
की रीति के कायसरु नी माने? वी तो
रोटा खाता बखत रीति मुजब हात नी
धोय हे।"
३उने जुवाब द्‌यो, "अपणी रीति-रिवाज
सरु तम खुद परमेसर का हुकम को
उलांगो कायसरु करो? **४**[†] क्योंके परमेसर
ने क्यो, 'अपणा पिता अने अपणी मेतारी
को मान राखो,' अने 'जो अपणा पिता
अने मेतारी के बुरो के उ मारी लाख्यो
जाय।' **५**पण तम को हो के अगर कई
को अपणा पिता अने मेतारी से के हे
के, 'म्हार से जो बी फायदो तमारे पोंची
सकतो थो, उ परमेसर का करार मुजब
अरपण कर्‌यो जई चुक्यो,' **६**तो उके
अपणा पिता अने अपणी मेतारी[n] को
मान करवा की जरुवत हयनी। असतरा
तमने अपणी रीति-रिवाज सरु परमेसर
का बचन के बेकार करी लाख्यो। **७**हे
ढोंगीहुंण! यसायाह नबी ने तमारा बारा
माय या भविसबाणी ठीकज करी:

८[†] 'ई लोग होंटहुंण से तो म्हारो
मान करे,
पण इणका हिरदा म्हार से दूरा हे।
९ई बेकार म्हारी उपासणा करे,
अने मनखहुंण की सीख के धरम
को नेम करिके सीखाड़े हे!' "

सुद्द अने असुद्द

(मरकुस ७.१४–२३)

१०ईसु ने भीड़ के अपणा कने बुलाड़ी
के उणकासे क्यो, "सुणो अने समजी

---

[n] **१५.६** उके अपणा पिता अने अपणी मेतारी; थोड़ाक हात का लिख्या होया लेख माय 'उको पिता' लिख्यो हे।

[†] **१५.४:** निरगमन २०.१२, २१.१७; नेम-बिधान ५.१६; लेव्यव्यवस्था २०.९

[†] **१५.८,९:** यसायाह २९.१३.

लो: [११]जो मुन्डा माय जाय उ मनख के
असुद्द नी करे, पण जो मुन्डा से हिटे,
उज मनख के असुद्द करे।"
१२तो चेलाहुंण ने अई के उकासे क्यो,
"कंई तू जाणे के इनी बात के सुणी के
फरीसिहुंण ने ठोकर खई?"
१३पण उने जुवाब द्यो, "हरेक रोपो
जेके म्हारा सरग पिता ने नी रोप्यो,
उखाड़्यो जायगा। [१४]† उणके रेवा दो; वी
आंदा मारग देखवा वाळा हे अने आंदो
अगर आंदा के मारग बताड़े तो दोइज
खाड़ा माय पड़ेगा।"
१५यो सुणी के पतरस ने क्यो, "या
मिसाल हमारे समजाड़ी दे।"
१६उने क्यो, "कंई तम लोग बी अबी
तक नी समज्या? [१७]कंई तम नी जाणो
के जो कंई मुन्डा माय जाय, उ पेट माय
जई के मळ रस्ता से हिटी जाय? [१८]†
पण जो मुन्डा से बायरे आवे, उ हिरदा
से हिटे अने उज मनख के असुद्द करे।
[१९]क्योंके हिरदा सेज बुरा-बुरा बिचार,
हत्याहुंण, परई बइरा गेले रळ्योपणो,
ब्योबिचार, चोरीहुंण, झुंटी गवई अने
निंदा हिटे हे। [२०]इज बातहुंण हे जो
मनख के असुद्द करे, पण बिना हात
धोय जिमणो मनख के असुद्द नी करे।"

कनानी बइरा की नानी अने बायरबादा

(मरकुस ७.२४–३०)

२१ईसु वां से हिटी के सूर अने सेदा
का इलाका माय चल्यो ग्यो। [२२]अने
देखो, उना इलाका की एक कनानी बइरा
अई अने हेला पाड़ी के केवा लागी, "हे
परभु, दाऊद राजा की सन्तान, म्हार पे
दया करजे। म्हारी नानी बुरी तरा से
बायरबादा माय अइगी हे।"
२३पण उने उके कंई जुवाब नी द्यो।
चेलाहुंण उका कने अई के केवा लाग्या,
"इके मोकली दे, क्योंके या बेदा करिके
हमारा पाछे पड़ी हे।"
२४पण उने उणकासे क्यो, "हूं सिरप
इसराइल का घराणा की भुली-भटकी
गाडरहुंण कने मोकल्यो हूं।"
२५पण वा अई अने परणाम करिके
उकासे केवा लागी, "परभु, म्हारी मदद
कर।"
२६ईसु ने उकासे क्यो, "बाळकहुंण का
रोटा लई के कुतराहुंण का अगड़े लाखणो
अच्छो हयनी।"
२७इका पे उनी बइरा ने क्यो, "हां
परभु, पण कुतरा बी तो मालेख की परात
को बच्यो ऐंठवाड़ो खाय हे।"
२८तो ईसु ने क्यो, "हे नारी, थारो
बिसास बड़ो हे। जसो तू चावे वसोज
थारा सरु होय।" उकी नानी उनीज घड़ी
नज हुइगी।

ईसु ने नरा के नज कर्‌या

२९सूर अने सेदा का इलाका से चली
के ईसु गलील सरवर का कराड़े ग्यो अने
वां परबत पे चड़िके बेठी ग्यो। [३०]अने
घणी बड़ीमेक भीड़ उका कने अई अने
वी अपणा गेले पांगळा, लुला, आंदा,
गुंगा अने नरा दूसरा लोगहुंण के लई के
आया, अने उणके ईसु का पग कने लई
के पटकी द्या उने उणके नज कर्‌या।

---

† **१५.१४:** लूका ६.३९ † **१५.१८:** मत्ती १२.३४

३१इकासरु जदे भीड़ ने देख्यो के गुंगा
बोले, लुला नज होय, पांगळा चले अने
आंदा देखे हे, तो लोगहुंण ने अचम्बो
कर्‌यो अने उणने इसराइल का परमेसर
की म्हेमा करी।

चार हज्जार के जिमाड़णो

(मरकुस ८.१–१०)

३२ईसु ने अपणा चेलाहुंण के कने
बुलाड़ी के क्यो, "म्हारे भीड़ पे तरस
आय हे क्योंके ई लोग तीन दन से म्हारा
गेले हे अने इणका कने खावा सरु कइंज
नी हे। हूं इणके भूका नी मोकलनों चउं,
कंई असो नी होय के वी बाट मेंज बेहोंस
हुई जाय।"

३३चेलाहुंण ने उकासे क्यो, "हम इनी
सुनी जगा माय असी बड़ी भीड़ के खवाड़वा
सरु इतरा जादा रोटा कां से लावांगां?"

३४ईसु ने उणकासे क्यो, "तमारा कने
कितरा रोटा हे?"

उणने क्यो, "सात, अने जरासी
मच्छीहुंण बी हे।"

३५तो उने भीड़ के जमीन पे बेठवा को
हुकम द्‌यो। **३६**फेर उने सात रोटाहुंण अने
मच्छीहुंण के लई के परमेसर के धन्यबाद
द्‌यो अने उणके तोड़्या। अने चेलाहुंण के
देणो सुरु कर्‌यो, अने चेलाहुंण ने भीड़ के।
३७वी सगळा खई के धाप्या अने उणने
बच्या होया कोळ्याहुंण से भर्‌या सात
टोपला हजु उठाड़्या। **३८**जितरा ने जिम्या
उका माय बइरा अने बाळक का अलावा
चार हज्जार आदमी था।

३९अबे भीड़ के बिदा करिके उ नाव
पे चड़्यो अने मगदन का इलाका माय
आयो।

सरग सेलाणी की मांग

(मरकुस ८.११–१३; लूका १२.५४–५६)

१६ [†] फरीसिहुंण अने सदुकिहुंण ने
कने अई के ईसु के परखवा सरु
उकासे पुछ्‌यो, "हमारे परमेसर आड़ी से
असमान की कइंकी सेलाणी बताड़।"
२पण ईसु ने जुवाब द्‌यो, "जदे सांज
होय तो तम को हो, 'मोसम अच्छो रेगा,
क्योंके असमान लाल हे,' **३**अने सबेरे-
सबेरे को हो, 'आज तोफान आयगा,
क्योंके आज असमान लाल-धुंधळो अने
डरावणो हे।' तम असमान का लच्छणहुंण
के पेचाणणो तो जाणो हो, पण बखतहुंण[o]
की सेलाणी के नी पेचाणो। **४**इना जुग
की बुरी अने अबिसासी[p] पीड़ी सेलाणी ढुंडे
हे, पण योना की सेलाणी[†] का अलावा
इणके दूसरी कइंकी सेलाणी नी दई
जायगा।"

तो ईसु उणके छोड़ी के चल्यो ग्यो।

फरीसिहुंण अने सदुकिहुंण की सीख को खमीर

(मरकुस ८.१४–२१)

५फेर चेलाहुंण सरवर का उना पार
पोंच्या, पण वी रोटा लेणो भुली ग्या
था। **६**[†] ईसु ने उणकासे क्यो, "देखो तो
फरीसिहुंण अने सदुकिहुंण का खमीर से
होसियार री जो।"

---

[o] **१६.३** थोड़ाक हात का लिख्या होया लेखहुंण माय ईसु का बचन २-३ आयत माय नी हे।

[p] **१६.४** अबिसासी; यूनानी माय, ब्योबिचारिणी।

[†] **१६.१:** मत्ती १२.३८; लूका ११.१६ [†] **१६.४:** मत्ती १२.३९-४० [†] **१६.६:** लूका १२.१

७वी माय-माय बात-चित करता होया
केवा लाग्या, "ईसु इकासरु कई र्‌यो
क्योंके हम रोटा नी लाया।"
८पण ईसु ने यो जाणता होया क्यो,
"हे कमबिसासिहुंण, तम कायसरु माय-
माय बिवाद करी र्‌या हो के हमारा कने
रोटा हयनी? ९† कंई तम अबे बी नी
समज्या? तम या रियाद करता के जदे
पांच हज्जार लोगहुंण सरु पांच रोटा
अने दो मच्छी थी तो तमने कितरा
बच्या टोपला उठाड्या था? १०† अने जदे
चार हज्जार सरु सात रोटा था तो तमने
कितरा बच्या टोपला उठाड्या? ११तम
कायलेणे नी समजो, के म्हने तमार से
रोटा का बारामें नी क्यो थो, पण यो
के तम फरीसिहुंण अने सदुकिहुंण का
खमीर से होसियार री जो?"
१२तो उणकी समज माय आयो के
उने रोटा का खमीर का बारामें नी, पण
फरीसिहुंण अने सदुकिहुंण की सीख से
होसियार रेवा की क्यो थो।

पतरस ने ईसु के मसीह मान्यो

(मरकुस ८.२७–३०; लूका ९.१८–२१)

१३जदे ईसु केसरिया फिलिप्पी का
इलाका माय आयो तो अपणा चेलाहुंण
से पुछवा लाग्यो: "मनख को बेटो कुंण
हे? लोग म्हारा बारामें कंई के हे?"
१४† उणने क्यो, "कइंका तो योहन
बपतिसमा देवा वाळो के हे, अने कइंका
एलियाह नबी, अने दूसरा यरमियाह
नबी या नबिहुंण माय से कईं को एक।"
१५ईसु ने उणकासे क्यो, "पण तम
म्हारे कंई को हो? हूं कुंण हूं?"
१६† सिमोन पतरस ने जुवाब द्‌यो,
"तू जीवता परमेसर को बेटो मसीह[q]
हे।"
१७ईसु ने उकासे क्यो, "हे सिमोन,
योना का बेटा, तू धन्य हे, क्योंके कइंका
मनख ने[r] इके थार पे नी परगट्‌यो,
पण म्हारा पिता ने जो सरग माय हे
परगट्‌यो हे। १८हूं थार से या खास बात
बी कूं के तू पतरस हे अने इनी सिल्ला[s]
पे हूं अपणी मण्डळी बणउंवां, अने मोत
की ताकत[t] उका पे हावी नी रेगा। १९† हूं
थारे सरग राज की कुन्चीहुंण दूंवां,[u] अने
जो कंई तू धरती पे बान्देगा उ सरग
माय बन्देगा, अने जो कंई तू धरती पे
खोलेगा उ सरग माय खुलेगा।"
२०तो उने चेलाहुंण के चेतई द्‌या
था के वी कइंका से नी के, के हूं
मसीह हूं।

---

[q] **१६.१६** मसीह; सबद् भण्डार माय देखो। [r] **१६.१७** मनख ने; यूनानी माय, मांस अने लोई ने।
[s] **१६.१८** सिल्ला; परमेसर ईसु को सिल्ला कई र्‌यो हे (१ पतरस २.६-८)। अने नीम परमेसर को घर हे पतरस खास मनख हे जेको बिसास ईसु पे थो के ईसु मसीह जीवता परमेसर को बेटो मसीह हे। पतरस का बिसास की सिल्ला पे ईसु मण्डळी बणायगा। [t] **१६.१८** मोत की ताकत; यूनानी माय अधोलोक का फाटकहुंण। [u] **१६.१९** सरग राज की कुन्चीहुंण दूंवां; पतरस के सुब-समिचार करवा को हक रुपि कुन्ची दई यरुसलेम (परेरितहुंण २,३), अने केसरिया (परेरितहुंण १०) बिना परचार के सरग का बन्द कमांड़ नी खुलेगा।

† **१६.९:** मत्ती १४.१७–२१ † **१६.१०:** मत्ती १५.३४–३८
† **१६.१४:** मत्ती १४.१–२; मरकुस ६.१४–१५; लूका ९.७–८ † **१६.१६:** योहन ६.६८–६९
† **१६.१९:** मत्ती १८.१८; योहन २०.२३

ईसु अपणा दुःख अने मोत का बारामें बताड़वा लाग्यो

(मरकुस ८.३१–९.१; लूका ९.२२–२७)

२१उना बखत से ईसु अपणा चेलाहुंण के
बताड़वा लाग्यो: "जरुरी हे के हूं यरुसलेम
नगर आड़ी जउं अने बुड़ा-हाड़ाहुंण, मुख-
पुरोहितहुंण अने सासतरिहुंण से घणो
दुःख भोगुं अने मारी लाख्यो जउं अने
तीसरा दन जिवाड़्यो जउं।
२२इका पे पतरस उके इकाड़ी लई ग्यो
अने या कई के डांटवा लाग्यो: "हे परभु,
परमेसर नी करे! थारा गेले असो कदी
नी होय!"
२३तो ईसु ने पलटी के पतरस से क्यो,
"हे सेतान, म्हार से परे जा! तू म्हारा
सरु ठोकर की वजा हे, क्योंके तू परमेसर
की बात पे नी, पण मनख की बात पे
हिरदो लगाड़े हे।"
२४† तो ईसु ने अपणा चेलाहुंण से
क्यो, "अगर कईं को म्हारा पाछे आणो
चावे, तो अपणा खुद के नकारे अने
अपणो कुरुस उठई के[v] म्हारा पाछे हुई
जाय। **२५**† क्योंके जो कईं को अपणो
पराण बचाड़णो चावे उ उके गमायेगा,
पण जो कईं को म्हारा सरु अपणो पराण
गमायेगा उ उके पई जायगा। **२६**अगर
मनख आखा जग के पई ले अने अपणो
पराण खोय तो उके कंई फायदो? या
मनख अपणा पराण का एवज माय कंई
देगा? **२७**† "क्योंके हूं मनख को बेटो
अपणा सरगदूतहुंण का गेले पिता की
म्हेमा माय आवा वाळो हूं। फेर हूं हरेक
के उणका कामहुंण मुजब फळ दूंवां। **२८**हूं
तमार से खास बात कूं के यां उब्या
होया लोगहुंण माय से थोड़ाक, जदत्तक
हूं मनख का बेटा के म्हारा राज माय
आतो होयो नी देखी ले, मरेगा हयनी।"

ईसु को सरग रुप चेलाहुंण ने देख्यो

(मरकुस ९.२–१३; लूका ९.२८–३६)

१७ † ईसु छेः दन बाद पतरस अने
याकूब अने उका भई योहन के
अपणा गेले एकान्त माय एक उंचा
परबत पे लई ग्यो। **२**उणका सामे उको
रुप बदळ्यो। अने उको मुन्डो सूरज
सरीको चळकी उठ्यो, अने उका लतरा
उजाळा सरीका धोळा हुई ग्या। **३**अने
देखो तो, मूसा नबी अने एलियाह नबी
उका गेले बात करता होया उणके नगे
आया। **४**पतरस ने ईसु से क्यो, "हे परभु,
हमारा सरु यां रेणो अच्छो हे। अगर थारी
मरजी होय तो हूं यां तीन डेरा बणउं,
एक थारा सरु, एक मूसा सरु अने एक
एलियाह सरु।"
५† उ बोलिज र्‌यो थो के देखो एक
धोळा बादळा ने उणके छई ल्यो अने
बादळा माय से या अकासबाणी हुई: "यो
म्हारो परमिलो बेटो हे जेकासे हूं घणो
खुस हूं। इकी सुणो!"

---

[v] **१६.२४** अपणो कुरुस उठई के; सबद् भण्डार माय 'कुरुस' देखो।

† **१६.२४:** मत्ती १०.३८; लूका १४.२७ † **१६.२५:** मत्ती १०.३९; लूका १७.३३; योहन १२.२५

† **१६.२७:** मत्ती २५.३१; भजन संहिता ६२.१२; रोमिहुंण २.६ † **१७.१–५:** २ पतरस १.१७–१८

† **१७.५:** उत्पत्ती २२.२; नेम-बिधान १८.१५; भजन संहिता २.७; यसायाह ४२.१; मत्ती ३.१७, १२.१८; मरकुस १.११; लूका ३.२२

६जदे चेलाहुंण ने यो सुण्यो तो वी
ओंदा मुन्डा पड़ी ग्या क्योंके वी घणा डरी
ग्या था। **७**ईसु ने कने अई के उणके हात
लगाड़्यो अने क्यो, "उठ्याव, डरो मती।"
८तो चेलाहुंण ने अदरे नगे करी अने ईसु
का अलावा कइंका के नी देख्यो।

९जदे वी परबत से निच्चे उतरी र्या
था, तो ईसु ने उणके हुकम दई क्यो,
"जदत्तक हूं मनख का बेटा के जेके
परमेसर मर्या माय से जी नी उठाड़े,
तम इना दरसन का बारामें कइंका के
किजो मती।"

१०† फेर उका चेलाहुंण ने उकासे
पुछ्यो, "अबे सासतरी कायसरु के, के
एलियाह नबी के पेलां आणो जरुरी हे?"

११उने जुवाब द्यो, "एलियाह को
आणो जरुरी तो हे, अने उ सगळो कंई
सुदारेगा। **१२**† पण हूं तमार से कूं, के
एलियाह नबी अई चुक्यो अने लोगहुंण
ने उके नी पेचाण्यो। जो कंई उणने चायो
उका गेले कर्यो। असतरा हूं मनख को
बेटो बी उणका हाते दुःख उठउंवां।"

१३तो वी समजी ग्या के उने हमार से
योहन बपतिसमा देवा वाळा का बारामें
क्यो थो।

मिरगी का बेमार बाळक के नज करनों

(मरकुस ९.१४-२९; लूका ९.३७-४३अ)

१४जदे वी भीड़ कने आया तो एक
मनख ईसु कने आयो अने उका सामे
गोड़ा टेकी के केवा लाग्यो, **१५**"परभु,
म्हारा बेटा पे दया करजे, क्योंके उके
मिरगी आय अने घणो बेमार रे। उ घड़ी-
घड़ी लाय माय अने पाणी माय पड़ी
जाय। **१६**हूं उके थारा चेलाहुंण का कने
लायो थो पण वी उके अच्छो नी करी
सक्या।"

१७ईसु ने जुवाब द्यो, "हे कमबिसासी
अने खराब पीड़ी का लोगहुंण, हूं कदत्तक
तमारा गेले रुंवां? हूं कदत्तक तमारी
सउंवां? उना नाना के म्हारा कने ल्याव।"
१८ईसु ने बुरी आतमा के डांटी अने वा
उका माय से हिटी गी अने नानो उनीज
घड़ी नज हुई ग्यो।

१९तो चेलाहुंण ने एखला माय अई
के क्यो, "हम उके कायसरु हेड़ी नी
सक्या?"

२०† उने उणकासे क्यो, "तमारा बिसास
की कमती की वजासे। क्योंके हूं तमार से
खास बात कूं, के अगर तमारा माय रंई
को दाणो इतरो बी बिसास होय तो इना
बळडा से को, 'यां से सरकी के वय्यांड़ी
जा,' अने उ सरकी जायगा, अने तमारा
सरु कंई बी अबगो नी रेगा। **२१**(पण या
जात पराथना अने उपास का अलावा
कसा दूसरा उपाव से नी हिटे।)"[w]

ईसु अपणी मोत का बारामें पाछो बताड़वा लाग्यो

(मरकुस ९.३०-३२; लूका ९.४३ब-४५)

२२जदे वी गलील इलाका माय भेळा
हुई र्या था, तो ईसु ने उणकासे क्यो,
"हूं मनख को बेटो लोगहुंण का हाते
पकड़वायो जउंवां, **२३**अने वी म्हारे मारी

---

[w] **१७.२१** या आयत थोड़ाक हात का लिख्या होया मूळ लेख माय नी हे। (मरकुस ९.२९)।

† **१७.१०:** मलाकी ४.५ † **१७.१२:** मत्ती ११.१४

† **१७.२०:** मत्ती २१.२१; मरकुस ११.२३; १ कुरिन्थिहुंण १३.२

लाखेगा, पण तीसरा दन हूं जिवाड़्यो
जउंवां।"
इका पे चेलाहुंण घणा उदास होया।

मन्दर को कर चुकाड़णो

२४† जदे वी कफरनहूम नगर पोंच्या,
तो मन्दर का कर वसुळवा वाळाहुंण ने
पतरस कने अई के पुछ्यो, "कंई थारो
गरु मन्दर को कर नी चुकाड़े?"
२५उने क्यो "हां, चुकाड़े हे।"
जदे उ घरे आयो, तो ईसु ने पेलां उकासे
पुछ्यो, "सिमोन, तू कंई बिचारे? धरती
को राजो चुंगी अने कर किकासे ले, अपणा
नागरिकहुंण से के परदेसिहुंण से?"
२६पतरस का या केणा पे के,
"परदेसिहुंण से।"
ईसु ने उकासे क्यो, "फेर तो
नागरिकहुंण कर से छुट्या। **२७**पण असो
नी होय के हम उका सरु ठोकर की वजा
बणा, तू सरवर पे जई के बल्यो लाख,
अने जो मच्छी पेलां अदरे आय उके लई
के अने उको मुन्डो खोलवा पे थारे उका
माय एक सिक्को मिळेगा। उके हेड़ी के
थारा अने म्हारा सरु कर चुकाड़ी दे।"

सरग राज माय मोटो कुंण?

(मरकुस ९.३३–३७; लूका ९.४६–४८)

१८ † उना बखत चेलाहुंण ईसु कने अई
के पुछवा लाग्या, "सरग राज माय
सगळा से मोटो कुंण?"
२तो उने एक बाळक के अपणा कने
बुलाड़्यो अने उके अदाड़ माय उबो करिके
बोल्यो, **३**† "हूं तमारे खास बात कूं के
जदत्तक तम हिरदो नी बदळो अने बाळक
सरीका नी बणो, सरग का राज माय
जई नी सकोगा। **४**जो कईं को अपणा
खुद के इना बाळक सरीको भोळो बणाय
उज सरग का राज माय सगळा से मोटो
रेगा। **५**अने जो कईं को म्हारा चेला होवा
की वजासे असा एक बाळक के माने उ
म्हारे माने हे।

पाप अने मांफी

(मरकुस ९.४२–४८; लूका १७.१,२)

६पण जो कईं को इना नानाहुंण माय
से जो म्हार पे बिसास राखे हे, एक के
बी ठोकर खवाड़े तो उका पे धिक्कार हे,
इका से तो भलो यो के उका गळा माय
घट्टी को बजनदार भाटो लटकाड़ी के उके
समन्दर माय डुबाड़्यो जाय। **७**ठोकरहुंण
सरु जगत पे धिक्कार! ठोकरहुंण को
आणो तो जरुरी हे, पण धिक्कार उना
मनख पे जेकासे ठोकर लागे!
८† अगर थारो हात अने थारो पग
थारे ठोकर खवाड़े तो उके काटिके फेंकी
लाख; थारा सरु लुल्लो अने पांगळो हुई
के जीवन पाणो इका से घणो भलो हे, के
तू दो हात अने दो पग रेता होया नरक
की लाय माय लाख्यो जाय। **९**† अगर
थारी आंख थारे ठोकर खवाड़े तो उके हेड़ी
के फेंकी लाख; थारा सरु काणो हुई के
जीवन पाणो इका से कइंज अच्छो के, तू
दो आंख रेता होया नरक की लाय माय
लाख्यो जाय।

---

† **१७.२४:** निरगमन ३०.१३, ३८.२६ † **१८.१:** लूका २२.२४ † **१८.३:** मरकुस १०.१५; लूका १८.१७
† **१८.८:** मत्ती ५.३० † **१८.९:** मत्ती ५.२९

खोई हुई गाडर की मिसाल

(लूका १५.३-७)

१०"देखो तम इना छोटा माय से कइंका
के गिर्‌या होया मती जाण जो, क्योंके
हूं तमार से कूं के, सरग माय उणका
दूत म्हारा सरग पिता परमेसर को मुन्डो
सदाज देखता रे हे।
११(क्योंके हूं मनख को बेटो खोया होया
के बचाड़वा आयो हूं।)[x]
१२"तम कंई बिचारी र्‌या हो? अगर
कइंका मनख कने सो गाडर होय अने
एक खोवई जाय तो उ निन्याणु के छोड़ी
के अने उनी एक के बळडा पे ढुंडवा नी
जायगा जो भटकी री हे? **१३**अने असो
होय के उ उके ढुंडी ले, तो हूं तमार
से सांची बात कूं, के उ उका सरु उण
निन्याणु का बजाय जो खोवई नी थी
घणी खुसी मनावे हे। **१४**तो तमारा[y] पिता
की जो सरग माय हे असी मरजी हयनी
के इना छोटाहुंण माय से कईं को एक
बी नास होय।

बिसासी भई के सई रस्ता पे लाणो

१५[†] "अगर थारो भई पाप करे तो
एखला माय जई के उके समजाड़। अगर
उ थारी सुणे तो तने अपणा भई[z] के
पई ल्यो। **१६**[†] पण अगर उ थारी नी
सुणे तो अपणा गेले एक या दो जणा
हजु लई के जा, जेकासे के 'दो या तीन
गवाहुंण का मुन्डा से हरेक बात साबित
हुई जाय'। **१७**अगर उ उणकी बी नी सुणे
तो मण्डळी से के। अगर उ मण्डळी की
बी नी सुणे तो उ थारा सरु गेर जात
अने कर वसुळवा वाळा सरीको हुई ग्यो।

जसो बान्दोगा वसोज खुलेगा

१८[†] हूं तमार से खास बात कूं, जो
कंई तम धरती पे बान्दोगा उ सरग
माय बन्देगा, अने जो कंई तम धरती पे
खोलोगा, उ सरग माय खोल्यो जायगा।
१९"हूं तमार से पाछो कूं, के अगर
तमारा माय से दो जणा धरती पे एक
मन हुई के बिणती करे, तो वा म्हारा
सरग पिता आड़ी से उणका सरु पूरण
हुई जायगा। **२०**क्योंके जां दो अने तीन
म्हारा नाम से भेळा होय हे, वां हूं उणका
अदाड़ माय हूं।"

दया नी करवा वाळा सेवक की मिसाल

२१[†] तो पतरस ने कने अई के ईसु से
क्यो, "हे परभु, म्हारो भई कितरी कावा
म्हारा खिलाप कसूर करतो रे, के हूं उके
मांफ करूं? कंई सात कावा तक?"
२२[†] ईसु ने उकासे क्यो, "हूं थार से या
नी कूं के सात कावा तकिज, पण सात
कावा का सत्तर[a] गुणा तक। **२३**इकासरु
सरग राज को मिलाण कइंका असा राजा
से कर्‌यो जई सके जेने अपणा सेवकहुंण
से हिसाब लेणो चायो। **२४**जदे उ हिसाब

---

[x] **१८.११** या आयत थोड़ाक हात का लिख्या होया मूळ लेख माय नी हे। [y] **१८.१४** तमारा; कई लेखहुंण माय म्हारो। [z] **१८.१५** भई; ईसु का पाछे चलवा वाळा बिसासी। [a] **१८.२२** सात कावा का सत्तर; या सात का सत्योत्तर बखत।

[†] **१८.१५:** लूका १७.३ [†] **१८.१६:** नेम-बिधान १९.१५ [†] **१८.१८:** मत्ती १६.१९; योहन २०.२३

[†] **१८.२१–२२:** लूका १७.३–४ [†] **१८.२२:** उत्पत्ती ४.२४

लेवा लाग्यो तो उका सामे एक मनख के
लाया जेका पे लाक्खों रुप्या[b] को करजो
थो। २५पण जदे उका कने करजो चुकावा
सरु कइंनी थो तो राजा ने हुकम द्यो के
उके अने उकी बइरा के, छोरा-छोरी अने
जो कंई उका कने हे, सगळो बेची के
करजो वसुळ्यो जाय। २६"इका पे सेवक
उका पगे पड़ी ग्यो अने क्यो, 'मालेख,
जिरना मार, हूं सगळो कंई चुकई दूंवां।'
२७तो उना सेवक का मालेख ने तरस
खई के उके छोड़ी लाख्यो अने उको
करजो बी मांफ करी लाख्यो।

२८"पण जदे उ सेवक जेको करजो
मांफ हुई ग्यो थो बायरे हिट्यो तो उको
सामो उका गेले का सेवकहुंण माय का
एक से होयो जो उका सो रुप्या को
करजदार थो। उने इके पकड़्यो अने गळो
भिच्ची के क्यो, 'म्हारो करजो चुकाड़!'
२९इका पे उका गेले को सेवक पगे पड़ी
के बिणती करवा लाग्यो, 'जिरना मार,
हूं सगळो कंई चुकई दूंवां।' ३०फेर बी
उ नी मान्यो, अने उके तदत्तक जेळ
माय लाख्यो जदत्तक के उ करजो नी
चुकाड़ी दे। ३१"यो देखी के उका गेले का
सेवक घणा दुःखी होया अने उणने जई
के अपणा मालेख के यो हाल सुणायो।
३२तो उका मालेख ने उके तेड़ी के क्यो,
'हे दुस्ट सेवक! इकासरु के तने म्हार से
बिणती करी, म्हने थारो सगळो करजो
मांफ करी लाख्यो थो। ३३तो फेर म्हने
जसतरा थार पे दया करी, कंई वसेज
थारे बी अपणा गेले का सेवक पे दया नी
करनी चइये थी?' ३४अने राजा ने गुस्सा
माय अई के उके सजा देवा वाळाहुंण का
सुपरद करी लाख्यो के करजो चुकाड़ने
तक उणकाज हात माय रे।

३५"असतरा अगर तमारा माय से
हरेक अपणा भई के हिरदा से मांफ नी
करे तो म्हारो सरग पिता बी तमारा गेले
वसोज करेगा।"

फारकती देवा को सवाल

(मरकुस १०.१–१२)

१९ फेर असो होयो के जदे ईसु ई
बातहुंण कई चुक्यो तो गलील से
बिदा हुई के यरदन का पेलांड़ी उगणूं
आड़ी यहूदिया का इलाका माय आयो।
२तो एक बड़ीमेक भीड़ उका पाछे चली
पड़ी, अने उने उणके नज कर्‌या।

३फेर थोड़ाक फरीसिहुंण उके बात माय
फंसावा सरु उका कने आया अने केवा
लाग्या, "कंई आदमी सरु अपणी बइरा
के कइंकाज कारण से फारकती देणो सई
हे?"

४[†] उने जुवाब द्यो, "कंई तमने नी
बांच्यो के रचवा वाळा ने सुरु सेज
'उणके आदमी-बइरा करिके बणाया,' ५[†]
अने क्यो, 'इनी वजासे आदमी अपणा
मां-बाप से इकाड़ी रई के अपणी घराळी
से मिळ्यो रेगा अने वी दोई एक काया
रेगा?' ६इकासरु वी अबे दो हयनी पण
एक काया हे। जिणके परमेसर ने
जोड़्या, उणके कइंका मनख इकाड़ी
नी करे।"

---

[b] **१८.२२** लाक्खों रुप्या; या दस हज्जार चांदी का सिक्का।

[†] **१९.४:** उत्पत्ती १.२७ [†] **१९.५:** उत्पत्ती २.२४

७† तो फरीसिहुंण ने उकासे क्यो, "तो फेर मूसा ने कायलेणे हुकम द्यो के उके फारकती दई के छोड़ी लाखे?"

८उने उणकासे क्यो, "तमारा हिरदा का काठापण की वजासे मूसा ने घराळी के फारकती देवा की इजाजत तमारे दई, पण सुरु माय असो नी थो। **९**† अने हूं तमार से कूं, के जो कईं को ब्योबिचार का अलावा दूसरी कइंकी वजासे अपणी घराळी के छोड़ी के दूसरी से ब्याव करे, तो उ ब्योबिचार करे हे।" अने जो उनी छोड़ी हुई से ब्याव करे, उ बी ब्योबिचार करे हे।

१०चेलाहुंण ने उकासे क्यो, "अगर आदमी को नातो अपणी घराळी से असोज हे तो कुंवारो रेणोज भलो।

११पण ईसु ने क्यो, "इनी बात के सगळा नी, पण सिरप वीज धारी सके, जिणकी मदद परमेसर करे हे। **१२**क्योंके थोड़ाक हिजड़ा हे जो मां का पेट सेज असा जन्म्या। थोड़ाक हिजड़ा जिणके मनखहुंण ने बणई लाख्या, अने थोड़ाक असा बी हे जिणने सरग राज सरु ब्याव नी कर्‌यो हे। जो इके धारी सके, उज धारे।"

नाना बाळकहुंण के आसीस

(मरकुस १०.१३–१६; लूका १८.१५–१७)

१३तो थोड़ाक बाळकहुंण के उणका मां-बाप ईसु कने लाया, के उ उणका पे हात धरी के पराथना करे, पण चेलाहुंण ने उणके डांट्‌या। **१४**तो ईसु ने क्यो, "बाळकहुंण के म्हारा कने आवा दो। उणके मना मती करो, क्योंके सरग को राज आसाहुंण कोज हे।"

१५तो उणका पे हात धरवा का बाद उ वां से चल्यो ग्यो।

ईसु अने बाळकहुंण (MAT १९.१५)

मालदार जुवान

(मरकुस १०.१७–३१; लूका १८.१८–३०)

१६देखो, एक धणी मनख ने उका कने अई के क्यो, "हे गरु, हूं कां को भलो काम करूं के परमेसर का गेले सदा को जीवन पउं?"

१७उने क्यो, "म्हार से भला का बारामें कायलेणे पुछे? सिरप एकज हे जो भलो हे। अगर तू जीवन माय जाणो चावे तो हुकमहुंण को पाळण कर।"

---

† **१९.७:** नेम-बिधान २४.१–४; मत्ती ५.३१ † **१९.९:** मत्ती ५.३२; १ कुरिन्थिहुंण ७.१०–११

१८† उने पुछ्यो, "कां का हुकमहुंण?"
तो ईसु ने क्यो, "हत्या नी करनों,
ब्योबिचार नी करनों, चोरी नी करनों,
झुंटी गवई नी देणो, **१९**† अपणा पिता
अने अपणी मेतारी को मान राखणो,
अने अपणा पड़ोसी से अपणा सरीको
परेम राखणो।"
२०जुवान ने उकासे क्यो, "इना सगळा
हुकम के तो हूं नानपणा से पाळतो आयो
हूं; फेर म्हारा माय कंई कमकोती?"
२१ईसु ने उकासे क्यो, "अगर तू सिद्द
होणो चावे तो जा, अपणो धन बेची के
गरीब-गुरबाहुंण के दई दे, थारे सरग
माय धन मिळेगा। अने अई के म्हारा
पछड़े चल्यो चल।"
२२पण जदे जुवान ने यो सुण्यो तो
दुःखी हुई के चल्यो ग्यो, क्योंके उ घणो
मालदार थो।
२३तो ईसु ने अपणा चेलाहुंण से क्यो,
"हूं तमार से खास बात कूं के धणिहुंण
के सरग का राज माय जाणो कितरो
अबगो हे। **२४**हूं तमार से फेर कूं, के
कइंका धणिहुंण के परमेसर का राज
माय जावा का बजाय ऊंट के सुंई का
बेज माय से हिटणो सेज हे।"
२५जदे चेलाहुंण ने यो सुण्यो तो वी
घणा चोंक्या अने केवा लाग्या, "तो फेर
केको उध्दार हुई सकेगा?"
२६ईसु ने उणका आड़ी देखी के क्यो,
"मनख सरु जो अबगो हे, पण उ
परमेसर सरु सबगो हे।"
२७इका पे पतरस ने क्यो, "देख तो,
हम तो सगळो कंई छोड़ी के थारा पाछे
चली पड़्या। तो हमारे कंई मिळेगा?"
२८† ईसु ने उणकासे क्यो, "हूं तमार
से खास बात कूं के तम जो म्हारा पाछे
चल्या आया हो उना आवा वाळा जगत
माय जदे सगळो कंई पाछो नवो हुई
जायगा अने हूं मनख को बेटो अपणा
म्हेमावान सिंगासण पे बिराजुंवां तो तम
बी बारा सिंगासण पे बिराजी के इसराइल
का बारा गोत को न्याव करोगा। **२९**अने
हरेक जेने म्हारा नाम सरु घरहुंण अने
भई-बेनहुंण अने पिता अने मेतारी अने
छोरा-छोरीहुंण अने खेतहुंण छोड़ी लाख्या,
उ इका से नरो गुणो बत्ती पायगा अने
परमेसर का गेले सदा का जीवन को
हकदार रेगा। **३०**† पण नरा जो अगल्या
हे, वी पाछल्या रेगा, अने जो पाछल्या हे,
वी अगल्या रेगा।

अंगूर को बगीचो अने मजुर्याहुंण की मिसाल

२० "सरग को राज उना मालेख
सरीको जो दन उगे इकासरु
हिट्यो के मजुर्याहुंण के अपणा अंगूर
का बाग माय काम करवा सरु लगाड़े।
२उने हर मजुर के एक सिक्को[c] हरदन
की मजूरी ठेरई के उणके अपणा अंगूर
का बाग माय मोकल्या। **३**"फेर सवेरे
का करीब नो बज्या जदे उ बायरे आयो
तो दूसराहुंण के हाट माय फालतु उब्या

---

[c] **२०.२** एक सिक्को; यूनानी माय, एक दिनार। चांदी को एक सिक्को एक दन की मजुरी थी।
† **१९.१८:** निरगमन २०.१३–१६; नेम-बिधान ५.१७–२०
† **१९.१९:** निरगमन २०.१२-१६; नेम-बिधान ५.१६-२०; लेव्यव्यवस्था १९.१८
† **१९.२८:** मत्ती २५.३१; लूका २२.३० † **१९.३०:** मत्ती २०.१६; लूका १३.३०

देख्या, ४अने उणकासे क्यो, 'तम बी
अंगूर का बगीचा माय जाव जो ठीक रेगा
उज तमारे दूंवां।' अने वी चल्या ग्या।
५"फेर बारा बज्या अने तीन बज्या का
करीब उने बायरे हिटी के असोज कर्‌यो।
६करीब पांच बज्या पाछो बायरे हिटी के
उने दूसराहुंण के वां उब्या देख्या तो
क्यो, 'तम यां दन-भर फालतु कायसरु
उब्या र्‌या?' ७उणने उकासे क्यो, 'क्योंके
कइंका ने हमारे मजुरी पे नी लगाड़्यो।'
उने क्यो, 'तम बी अंगूर का बगीचा माय
जाव।'

८† "सांज होवा पे अंगूर का बाग का
मालेख ने मुनीम के बुलाड़ी के क्यो,
'मजुर्‌याहुंण के बुलाड़ अने पाछल्या आवा
आळाहुंण से सुरु करिके अगल्या आवा
वाळाहुंण तक सगळा के मजुरी दई दे।'
९"करीब पांच बज्या सांज बखत जो
मजुरी पे लगाड़्या था, जदे वी आया तो
उणके एक सिक्को मिळ्यो। १०जदे पेलां
लगाड़्या मजुर आया तो उणने समज्यो
के हमारे बत्ती मजुरी मिळेगा, पण उणके
बी एक सिक्को मिळ्यो। ११जदे उणके
सिक्को मिळ्यो तो वी या कई के मालेख
पे बड़बड़ावा लाग्या, १२'ई जो पाछे आया,
इणने तो एकज घड़ी काम कर्‌यो अने
तने इणके हमाराज इतरो दई द्‌यो
जिणने दन-भर को बजन उठाड़्यो अने
कड़ाका को तड़को सयो।

१३"पण उने उणका माय से एक के
जुवाब द्‌यो, 'दोस, हूं थारा सांते कईं को
अन्याव नी करी र्‌यो हूं। कंई तने म्हारा
गेले एक सिक्को मजुरी ते नी करी थी?
१४जो थारो हे उके लई ले अने चल्यो
जा। या म्हारी मरजी के जितरो थारे
द्‌यो उतरोज इका पाछे आवा वाळा के
बी दउं। १५कंई म्हारा सरु यो ठीक हयनी
के जो म्हारो हे उकासे जो चउं उ करूं?
कंई म्हारो उदार होणो थारी आंखहुंण
माय खटके हे?'

१६† "असतरा जो पाछल्या हे वी
अगल्या रेगा। अने जो अगल्या हे, वी
पाछल्या रेगा।"

पाछा जीवता होवा की भविसबाणी

(मरकुस १०.३२–३४; लूका १८.३१–३४)

१७जदे ईसु यरुसलेम जावा पे थो तो
बारा चेलाहुंण के एखला माय लइ-जई के
बाट माय उणकासे केवा लाग्यो, १८"देखो,
हम यरुसलेम नगर जई र्‌या हे। हूं मनख
को बेटो मुख-पुरोहितहुंण अने सासतरिहुंण
का हाते पकड़वायो जउंवां अने वी म्हारे
मोत की सजा का लायक ठेरायगा। १९वी
म्हारे गेर यहूदिहुंण का हात माय दई
देगा के वी म्हारो मजाक उड़ाय, कोड़ा
मारेगा, म्हारे कुरुस पे चड़ायगा, अने
तीसरा दन हूं जिवाड़्यो जउंवां।"

एक मेतारी की बिणती अपणा बेटाहुंण सरु

(मरकुस १०.३५–४५)

२०तो जब्दी का बेटाहुंण की मेतारी
अपणा बेटाहुंण का सांते ईसु कने अई
अने परणाम करिके याचना करवा लागी।

---

† **२०.८:** लेव्यव्यवस्था १९.१३; नेम-बिधान २४.१५

† **२०.१६:** मत्ती १९.३०; मरकुस १०.३१; लूका १३.३०

२१ईसु ने उकासे क्यो, "तू कंई चावे?"
वा केवा लागी, "हुकम दे के थारा राज
माय म्हारा ई दोई बेटा एक थारा जीवणा
आड़ी अने एक थारा डाबा आड़ी बेठे।"
२२पण ईसु ने उणके जुवाब द्यो, "तम
नी जाणो के कंई मांगी र्या हो। कंई तम
उ कटोरो पी सकोगा जेके हूं पीवा पे हूं?"
उणने क्यो, "हम पी सकांगा।"
२३उने उणकासे क्यो, "म्हारो कटोरो
तो तम प्योगा; पण अपणा जीवणा अने
डाबाड़ी बेठाणो म्हारा हक माय हयनी।
यो तो उणका सरु हे जिणका सरु म्हारा
पिता आड़ी से तय्यार कर्यो हे।"
२४या सुणी के दसी चेलाहुंण उना दोई
भई पे नाराज होया। **२५**[†] पण ईसु ने
उणके अपणा कने तेड़ी के क्यो, "तम
जाणो हो के गेर यहूदिहुंण का हाकिम
उणका पे राज करे, अने उणका बड़ा लोग
उणका पे हक जताड़े। **२६**[†] तमारा माय
असो नी होय। जो कई को तमारा माय
बड़ो बणणो चावे उ तमारो सेवक बणे,
२७अने जो तमारा माय परधान होणो
चावे उ तमारो सेवक बणे। **२८**जसतरा हूं
मनख को बेटो बी अपणी सेवा-चाकरी
कराणे नी पण सेवा करवा अने नरा के
छुड़ावा का मोल माय अपणो पराण देवा
आयो।

दो आंदाहुंण की आंख की जोत पाछी अई

(मरकुस १०.४६–५२; लूका १८.३५–४३)

२९जदे वी यरीहो से हिटी के जई र्या
था तो एक घणी मोटी भीड़ उका पाछे
चली पड़ी। **३०**अने देखो, बाट का मेरे
बेठ्या दो आंदा या सुणी के, के ईसु जई
र्यो हे, हेला पाड़ी के केवा लाग्या, "हे
परभु, दाऊद की सन्तान, हमार पे दया
करजे!"
३१भीड़ का लोगहुंण ने उणके डांटी के
क्यो के छाना रो, पण वी हजुज जोर
से चिल्लाड़ी के केवा लाग्या, "हे परभु,
दाऊद की सन्तान, हमार पे दया करजे।"
३२तो ईसु ने रुकी के उणके बुलाड़्या,
अने क्यो, "तम कंई चाव के हूं तमारा
सरु करूं?"
३३उणने उकासे क्यो, "परभु, हम चावां
के हमारी आंखहुंण खुली जाय।"
३४ईसु ने तरस खई के उणकी
आंखहुंण के हात लगाड़्यो, अने वी झटज
देखवा लाग्या अने उका पाछे चली पड़्या।

यरुसलेम माय जे जे कार को जुलुस

(मरकुस ११.१–११; लूका १९.२८–४०; योहन १२.१२–१९)

२१ जदे वी यरुसलेम नगर कने पोंची
के जेतून परबत पे बेतफगे गांम
आड़ी आया, तो ईसु ने दो चेला के
गांम माय मोकल्या, **२**अने उणकासे क्यो,
"अपणा सामे का गांम माय जाव। वां
जाताज तमारे एक गदड़ी का सांते उको
बचड़ो बन्द्यो मिळेगा। उणके खोली के
म्हारा कने ल्याव। **३**अगर तमार से कई
को कंई के, तो किजो के, 'परभु[d] के इकी
जरुवत हे' अने उ झट उणके मोकली
देगा।"

---

[d] **२१.३** परभु स्वामी; या उका मलिख।

[†] **२०.२५–२६:** लूका २२.२५–२६ [†] **२०.२६–२७:** मत्ती २३.११; मरकुस ९.३५; लूका २२.२६

४यो इकासरु होयो के जो बचन
नबिहुंण से केवाड़्यो थो उ पूरण होय:
५ † "सिय्योन की बेटी[e] से को,
'देख, थारो राजो थारा कने अई
र्‌यो हे!
उ नरम, अने गदड़ा पे,
याने गदड़ी का बच्चा पे याने
लादु का बच्चा पे बेठ्‌यो हे'।"
६चेलाहुंण ने जई के जसो ईसु ने
उणके क्यो थो, वसोज कर्‌यो। **७**उणने
गदड़ी अने उका बचड़ा के लई के उणका
पे अपणा लतरा बिछाड़्या, अने उ बचड़ा

गदड़ी पे बेठवा का बाद लोगहुंण ईसु का अगड़े अपणा लतरा अने झाड़का की डगाळ बिछावा लाग्या (MAT २१.८)

पे बेठी ग्यो। **८**भीड़ माय से नरा ने
अपणा लतरा बाट माय बिछाड़्या अने
दूसराहुंण ने झाड़काहुंण से डगाळ[f] काटिके
बाट माय बिछाड़ी। **९** † जो भीड़ उका
अगड़े जई री थी अने वी बी जो उका
पाछे चल्या अई र्‌या था हेला पाड़ी-पाड़ी
के कई र्‌या था, "दाऊद की सन्तान की
होसन्ना![g] धन्य हे उ जो परभु का नाम
से आवे हे असमान माय होसन्ना!"
१०जदे उणने यरुसलेम नगर माय पग
धर्‌यो तो आखा नगर माय हलचल मची
गी अने सगळा केवा लाग्या, "यो कुंण
हे?"
११अने भीड़ का लोग कई र्‌या था, "यो
गलील परदेस का नासरत गांम को नबी
ईसु हे।"

मन्दर का बेपारिहुंण के बायरे हेड़णो

(मरकुस ११.१५-१९; लूका १९.४५–४८; योहन २.१३–२२)

१२ईसु ने मन्दर माय जई के उना
सगळा के जो मन्दर माय लेण-देण
करी र्‌या था हेड़ी लाख्या, अने रुप्या का
बदळा माय वां की चळण का रुप्या देवा
वाळाहुंण की तिपइहुंण अने कबुतर के
बली सरु बेचवा वाळाहुंण की चोकीहुंण
पल्टी लाखी। **१३** † अने उने उणकासे क्यो,
परमेसर का धरम सासत्तर माय लिख्यो
हे, 'म्हारो घर पराथना को घर केवायगा,
पण तम उके डकेतहुंण की खो बणाव
हो।"
१४तो थोड़ाक आंदा मनखहुंण अने
पांगळा मनखहुंण उका कने मन्दर माय

---

[e] **२१.५** सिय्योन की बेटी; यरुसलेम नगरी। [f] **२१.८** झाड़काहुंण से डगाळ; इसराइल देस माय राजा को मान असो कर्‌यो जातो थो। ईसु को मान करवा सरु डगाळ बिछाड़ी। [g] **२१.९** दाऊद की सन्तान की होसन्ना; म्हेमा हो; दाऊद परभु ईसु से करीब एक हज्जार साल पेलां राज करतो थो। दाऊद से परमेसर ने यो करार कर्‌यो थो के "थारी गद्दी कदी खाली नी रेगा"। लोग दाऊद की सन्तान मसीहा की बाट जोई र्‌या था।

† **२१.५:** जकरियाह ९.९ † **२१.९:** भजन संहिता ११८.२५, २६ † **२१.१३:** यरमियाह ७.११

आया अने उने उणके नज कर्‌या। १५पण
जदे यहूदिहुंण को मुख-पुरोहित अने
सासतरिहुंण ने उना अचम्बा का काम जो
ईसु ने कर्‌या था देख्या अने बाळकहुंण
के जो मन्दर माय यो नारो लगाड़ी र्‌या
था, 'दाऊद की सन्तान के होसन्ना, तो
वी करोध माय अई ग्या, १६† अने उणने
उकासे क्यो, "कंई तू सुणे हे के ई कंई
कई र्‌या हे?"

ईसु ने उणकासे क्यो, "हां, पण कंई
तमने यो परमेसर का धरम सासत्तर माय
कदी नी बांच्यो? 'बाळकहुंण अने धाता
बाळकहुंण से तने अपणा सरु इसतुती
तय्यार करी हे' "

१७तो उ उणके छोड़ी के नगर का
बायरे बेतनिय्याह गांम ग्यो अने राते
वांज रुक्यो।

अंजीर का झाड़ से सीख

(मरकुस ११.१२–१४,२०–२४)

१८दन उगे यरुसलेम नगर आड़ी आता
बखत उके भूक लागी। १९तो उ बाट का
मेरे एक अंजीर का झाड़ के देखी के
उका कने ग्यो, पण उका पे पत्ताहुंण का
अलावा कइंनी लाद्‌यो। तो उने उकासे
क्यो, "अबे से थारा माय कदी फळ नी
लागेगा।" अंजीर को झाड़ उनीज बखत
सुकी ग्यो।

२०यो देख्यो तो चेलाहुंण के घणो
अचम्बो होयो अने वी केवा लाग्या,
"अंजीर को झाड़ झट कसे सुकी ग्यो?"

२१† ईसु ने उणकासे क्यो, "हूं तमार
से खास बात कूं के अगर तम बिसास
राखो अने सक नी करो तो नी सिरप यो
करोगा जो इना अंजीर का झाड़ का सांते
कर्‌यो, पण अगर तम इना परबत से बी
को, 'उखड़ी जा अने समन्दर माय जई
पड़,' तो यो हुई जायगा। २२अने जो कंई
तम पराथना माय परमेसर से बिसास से
मांगोगा उ तमारे मिळेगा।"

ईसु का हक पे सक

(मरकुस ११.२७–३३; लूका २०.१–८)

२३जदे उ मन्दर माय अई के परबचन
दई र्‌यो थो तो मुख-पुरोहितहुंण अने
बुड़ा-हाड़ाहुंण ने उका कने अई के क्यो,
"तू केका हक से यो काम करी र्‌यो हे,
अने केने थारे यो हक द्‌यो?"

२४पण ईसु ने उणके जुवाब द्‌यो, हूं बी
तमार से एक बात पुछुं। अगर तम म्हारे
उको जुवाब दोगा, तो हूं बी तमारे बतउंवां
के हूं केका हक से यो काम करूं। २५योहन
के बपतिसमा देवा को हक परमेसर आड़ी
से थो, के मनख आड़ी से?"

अने वी या कई के माय-माय बिचार
करवा लाग्या, "अगर हम कां, 'परमेसर
आड़ी से तो उ हमार से केगा, तो फेर
तमने उको बिसास कायसरु नी कर्‌यो?'
२६पण अगर हम कां, 'मनख आड़ी से,'
तो हमारे भीड़ को डर, क्योंके वी सगळा
योहन के भविसबाणी केवा वाळो माने
हे।" २७तो उणने ईसु के जुवाब द्‌यो,
"हम नी जाणा।

तो उने बी उणकासे क्यो, "हूं बी तमारे
यो नी बतउंवां के केका हक से यो काम
करूं।

---

† **२१.१६:** भजन संहिता ८.२ † **२१.२१:** मत्ती १७.२०; १ कुरिन्थिहुंण १३.२

दो बेटाहुंण की मिसाल

२८पण तम कंई सोंची र्‌या हो? एक मनख का दो बेटा था अने उने पेलां कने जई के क्यो, 'बेटा जा, आज अंगूर का बाग माय काम कर।' **२९**अने उने जुवाब द्‌यो, 'हूं नी जउंवां,' फेर बी उ इका पाछे पसतायो अने ग्यो। **३०**फेर बाप ने दूसरा कने जई के वसोज क्यो, पण उने जुवाब द्‌यो, हूं जउंवां।' पण उ नी ग्यो **३१**इना दोई माय से केने अपणा बाप की मरजी पूरण करी?"

उणने क्यो, "पेलां ने।"

ईसु ने उणकासे क्यो, "हूं तमार से खास बात कूं के तमार से पेलां, चुंगी लेवा वाळा अने बेस्याहुंण परमेसर का राज माय जायगा। **३२**† क्योंके योहन तमारा कने धरम-न्याव को मारग बताड़णे आयो अने तमने उको बिसास नी कर्‌यो। पण चुंगी लेवा वाळाहुंण अने बेस्याहुंण ने उको बिसास कर्‌यो, पण यो देखी के बी तमारे बाद माय पसतावो नी होयो के उको बिसास करता।

जमीनदार अने मजुर्‌याहुंण की मिसाल

(मरकुस १२.१–१२; लूका २०.९–१९)

३३† एक मिसाल हजु सुणो। एक मालेख थो जेने अंगूर को बाग लगाड़्यो अने बागर लगाड़ी के घेर्‌यो। अने उका भित्तरे रस-होद खोद्‌यो अने एक डागळो बणायो फेर उने किरसाणहुंण के बांटा पे दई जातरा पे चल्यो ग्यो। **३४**जदे अंगूर का फळहुंण को काटवा को बखत आयो तो उने अपणा सेवकहुंण के किरसाणहुंण कने फसल लेवा सरु मोकल्या। **३५**पण किरसाणहुंण ने उका सेवकहुंण के पकड़ी के एक के कुट्‌यो, दूसरा के मारी लाख्यो अने तीसरा के ढेगळा से मार्‌यो। **३६**फेर उने सेवकहुंण को एक हजु टोळो मोकल्यो जो पेलां से घणो मोटो थो, अने उणने उणका गेले बी असोज कर्‌यो। **३७**पण आखर माय उने अपणा बेटा के यो बोली के मोकल्यो वी म्हारा बेटा को मान राखेगा, **३८**पण जदे किरसाणहुंण ने मालेख का बेटा के देख्यो तो माय-माय क्यो, 'यो तो वारिस हे। आव, हम इके मारी लाखां अने इकी सगळी जायजाद छुड़ई लां।' **३९**तो उणने उके पकड़्यो अने अंगूर का बाग से बायरे हेड़ी के मारी लाख्यो।

४०इकासरु जदे अंगूर का बगीचा को मालेख आयगा तो उना किरसाणहुंण का गेले कंई करेगा?"

४१उणने उकासे क्यो, "उ उना दुस्टहुंण के बुरी तरा से नास करेगा अने अंगूर को बाग को बांटो दूसरा किरसाणहुंण के दई देगा जो सई बखत पे उके अंगूर का फळ द्‌या करेगा।"

४२† ईसु ने उणकासे क्यो तमने परमेसर का धरम सासत्तर माय नी बांच्यो के,

'जेना एरण के मिसतरिहुंण ने
नकारी द्‌यो थो,
उज कोणा को एरण बणी ग्यो।

---

† **२१.३२:** लूका ३.१२, ७.२९–३० † **२१.३३:** यसायाह ५.१–२
† **२१.४२:** भजन संहिता ११८.२२–२३

यो परमेसर ने कर्‌यो
अने हमारी नगे माय अचम्बो
हे!' "

४३इकासरु हूं तमार से कूं के परमेसर
को राज तमार से लई ल्यो जायगा अने
एक असी जात के जो उको फळ लाय,[h]
उके दई द्‌यो जायगा।
४४जो कईं को इना एरण पे पड़ेगा उ
चकणा-चूर हुई जायगा, पण जेना कइंका
पे यो एरण पड़ेगा, उके पीसी के धूळो
करी लाखेगा।"
४५जदे यहूदिहुंण का मुख-पुरोहितहुंण
अने फरीसिहुंण ने उकी या मिसाल सुणी
तो वी समजी ग्या के उ हमाराज बारामें
कई र्‌यो हे। **४६**अने जदे उणने उके
पकड़णो चायो तो वी भीड़ से डर्‌या,
क्योंके लोग उके भविसबाणी केवा वाळा
मानता था।

ब्याव-भोज की मिसाल

(लूका १४.१५–२४)

२२ ईसु ने पाछो उणकासे मिसाल
माय क्यो, **२**"सरग राज को
मिलाण एक राजा से कर्‌यो जई सके
जेने अपणा बेटा का ब्याव को भोज
कर्‌यो। **३**उने भोज माय नोत्या लोगहुंण
के बुलाड़वा सरु अपणा सेवकहुंण के
मोकल्या, पण उना लोगहुंण ने आणो
नी चायो। **४**फेर उने दूसरा सेवकहुंण
के या कई के मोकल्या: पांमणाहुंण से
को, "देखो, हूं भोज तय्यार करी चुक्यो
हूं। म्हारा अच्छा अने पाळ्या होया ढोर
काट्‌या जई चुक्या हे अने सगळो कंई
तय्यार हे। ब्याव-भोज माय आव"।'
५पण उणने कंई ध्यान नी द्‌यो अने
अपणा रस्ता पे चली पड़्या, एक अपणा
खेत आड़ी अने दूसरो अपणा बेपार आड़ी,
६अने बाकी जिणके नोत्या था उणने राजा
का सेवकहुंण के पकड़्या अने बुरो बरताव
करिके उणके मारी लाख्या। **७**तो राजा ने
करोध माय अई के सेना का सांते चड़ई
करी लाखी अने उना हत्याराहुंण के नास
करिके उणको नगर बाळी लाख्यो। **८**फेर
अपणा सेवकहुंण से क्यो, ब्याव को भोज
तो तय्यार हे, पण वी जिणके तेड़्या था
लायक नी हिट्‌या। **९**इकासरु चोपालहुंण
पे जाव अने जितरा बी तमारे मिळे,
ब्याव का भोज माय तेड़ी लाव।' **१०**वी
सेवक सेरी-गळिहुंण माय ग्या अने जो
बी अच्छा-बुरा मिळ्या, सगळा के भेळा
कर्‌या; अने ब्याव को घर पांमणाहुंण से
भरई ग्यो।
११पण जदे भोज माय भेळा होया
पांमणाहुंण के देखवा सरु राजो आयो,
तो उने वां एक मनख के देख्यो जो
ब्याव का लतरा[i] पेर्‌यो होयो नी थो,
१२अने उने उकासे क्यो, 'दोस, तू यां
ब्याव का लतरा पेर्‌या बिना कसे अई
ग्यो?' अने उ कइंनी कंई सक्यो। **१३**[†] तो
राजा ने अपणा सेवकहुंण के हुकम द्‌यो,

---

[h] **२१.४३** थोड़ाक हात का लिख्या होया माय ४४ आयत बाद माय जोड़ी दी हे: जो कईं को इना भाटा पे पड़ेगा उको चूरो-चूरो हुई जायगा, अने कइंका पे यो भाटो पड़ी जायगा तो उके पीसी लाखेगा (देखो लूका २०.१८)। [i] **२२.११** ब्याव का लतरा; राजा अपणा पांमणाहुंण के खास तरा का लतरा भोज माय आवा सरु दे हे। जेके भोज का बखत पेरी के आणो जरुरी थो।

[†] **२२.१३:** मत्ती ८.१२, २५.३०; लूका १३.२८

'उका हात अने पग बान्दी के उके बायरे इन्दारा माय लाखी दो। वां रोणो अने दांत पिसणो रेगा।'

१४क्योंके तेड़्या होया तो नरा पण छांट्या होया कमती हे।"

रोमी राजा के कर चुकाड़णो

(मरकुस १२.१३–१७; लूका २०.२०–२६)

१५तो फरीसिहुंण ने जई के माय-माय बिचार्‌यो के कसतरा ईसु के उकीज बातहुंण माय फसाड़ां। **१६**फरीसिहुंण ने अपणा चेलाहुंण के हेरोदियाहुंण[j] का झुंड का गेले यो केवा मोकल्या: हे गरु, हम जांणां के तू सांचो हे अने परमेसर को मारग सच्चई से सीखाड़े, अने कइंका का दबाव माय नी आवे; क्योंके तू कइंका की तरफदारी नी करे। **१७**इकासरु हमारे बताड़ के तू कंई सोंचे: "रोमी राजा केसर के कर चुकाड़णो ठीक हे के नी?"

१८ईसु ने उणकी चालाकी जाणी के क्यो, हे कपट्‌याहुंण, म्हारे कायसरु परखी र्‌या हो? **१९**म्हारे उ सिक्को बताड़ो जेकासे कर चुकाड़्यो जाय हे।

दिनार (MAT २२.१९)

तो वी उका कने एक चांदी को सिक्को लाया। **२०**उने उणकासे क्यो, "या छाप अने लिख्यो केको हे?"

२१उणने उकासे क्यो, "केसर राजा को।"

तो ईसु ने उणका से क्यो, "जो केसर को हे उ केसर के दो, अने जो परमेसर को हे उ परमेसर के दो।"

२२या सुणी के वी चक्कर माय पड़ी ग्या अने उके छोड़ी के चल्या ग्या।

जी उठणो अने ब्याव-सादी

(मरकुस १२.१८–२७; लूका २०.२७–४०)

२३[†] उणाज दन थोड़ा सदुकी दळ का - जिणको यो केणो हे के मर्‌या पाछे जी उठणो हेज नी - उका कने आया अने उकासे पुछवा लाग्या, **२४**[†] "गरु, मूसा ने क्यो थो, अगर कईं को आदमी बे-ओलाद मरी जाय तो उको भई उकी बइरा से ब्याव करिके उका भई सरु ओलाद पेदा करे।' **२५**अबे हमारा यां सात भई था। पेलो, ब्याव करिके मरी ग्यो अने ओलाद नी होवा की वजासे दूसरा भई ने उकी घराळी से ब्याव कर्‌यो। **२६**असतरा दूसरा अने तीसरा ने बी कर्‌यो, अने सातवां भई तक असोज होयो। **२७**अने आखर माय वा बइरा बी मरी गी। **२८**तो जी उठवा पे वा सातहुंण माय से केकी घराळी रेगा? क्योंके वा सगळा की घराळी रई चुकी थी।"

२९पण ईसु ने उणके जुवाब द्‌यो, "तम भूल माय पड़्या हो क्योंके परमेसर को

---

[j] **२२.१६** हेरोदियाहुंण; हेरोदेस सरु काम करवा वाळा राजनेतिक दळ।

[†] **२२.२३:** परेरितहुंण २३.८ [†] **२२.२४:** नेम-बिधान २५.५

पवित्तर सासत्तर अने परमेसर की सामरत
के नी जाणो। ३०क्योंके जी उठवा पे लोग
नी तो ब्याव करेगा अने नीज ब्याव
माय द्या जायगा, पण सरग माय वी
सरगदूतहुंण सरीका रेगा। ३१कंई मर्याहुंण
का जी उठवा का बारामें तमने परमेसर
का धरम सासत्तर माय यो बचन नी
बांच्यो जो परमेसर ने तमार से क्यो थो:
३२† हूं इबराइम को परमेसर अने इसाक
को परमेसर अने याकूब को परमेसर हूं?
हूं मर्याहुंण को नी, पण जीवताहुंण को
परमेसर हूं।"

३३जदे लोगहुंण ने यो सुण्यो तो वी
उका परबचन से चकित रई ग्या।

सगळा से मोटो हुकम

(मरकुस १२.२८–३४; लूका १०.२५–२८)

३४जदे फरीसिहुंण ने यो सुण्यो के उने
सदुकिहुंण की बोलती बन्द करी लाखी हे
तो वी भेळा होया। ३५† अने उणका माय
से एक ने जो यहूदिहुंण का धारमिक
नेम-बिधान को जाणकार थो, उने परखवा
सरु उकासे सवाल कर्यो। ३६"हे गरु,
यहूदिहुंण का धारमिक नेम-बिधान माय
कां को हुकम मोटो हे?"

३७† उने उकासे क्यो, "तू परभु अपणा
परमेसर से अपणा आखा हिरदा अने
अपणा आखा आतमा अने अपणी आखी
अक्कल से परेम राख। ३८योज बड़ो अने
मोटो हुकम हे। ३९† अने उकाज सरीको
दूसरो यो हे: तू अपणा पड़ोसी से अपणा
सरीको परेम राख।' ४०इज दो हुकमहुंण
आखा यहूदिहुंण का धारमिक नेम-बिधान
अने भविसबाणी केवा वाळाहुंण को अधार
हे।"

दाऊद का बेटा का बारामें सवाल

(मरकुस १२.३५–३७; लूका २०.४१–४४)

४१जदे फरीसी भेळा होया था, तो ईसु
ने उणका से एक सवाल पुछ्यो: ४२मसीह
का बारामें तम कंई बिचारो हो? उ केको
बेटो हे?"

उणने उका से क्यो, "दाऊद को।"

४३उने उणका से क्यो, तो फेर दाऊद
आतमा माय हुई के उके 'परभु' कायसरु
के, याने

४४† 'परभु ने म्हारा परभु से क्यो:
म्हारा सुदा हाताड़ी बेठ,
जदत्तक के हूं थारा बेरिहुंण के
थारा पग की चोकी नी बणई
दूं'

४५अगर दाऊद उके परभु के तो उ उको
बेटो कसे होयो?"

४६कइंका बी उके कंई जुवाब नी दई
सक्या, अने उना दन से हजु सवाल
करवा की हिम्मत कइंका की नी री।

सासतरिहुंण अने फरीसिहुंण के धिक्कारनो

(मरकुस १२.३८–३९; लूका ११.४३,४६; २०.४५-४६)

२३ तो ईसु ने भीड़ से अने अपणा
चेलाहुंण से क्यो, २"सासतरी
अने फरीसी मूसा की गादी पे बेठ्या हे।

---

† **२२.३२:** निरगमन ३.६ † **२२.३५–४०:** लूका १०.२५–२८ † **२२.३७:** नेम-बिधान ६.५
† **२२.३९:** लेव्यव्यवस्था १९.१८ † **२२.४४:** भजन संहिता ११०.१

३इकासरु जो कंई वी तमार से के उके
करजो अने मानजो, पण उणका सरीका
काम मती करजो; क्योंके वी के तो हे
पण करे हयनी। ४वी घणा बजन के बान्दी
के मनखहुंण का कांधा पे लादी दे, पण
खुद उणके अपणी अंगळी से बी टळ्ळो
नी लगाड़े ५† वी अपणो सगळो काम
मनखहुंण के बताड़वा सरु करे, वी अपणा
तावीजहुंण के चोड़ा करे[k] अने अपणा
लतराहुंण की झालरहुंण के लम्बी करे।
६अने दावतहुंण माय आदर की जगा अने
पराथनाघरहुंण माय खास आसण, ७अने
हाटहुंण माय मान-सम्मान पाणो अने
लोगहुंण से 'रब्बी' केवाड़णो उणके भावे
हे। ८पण तम 'रब्बी' मती केवाड़जो, क्योंके
तमारो एकज गरु हे अने तम सगळा भई
हो। ९धरती पे कइंका के अपणो बाप मती
किजो, क्योंके तमारो एकज बाप हे, जो
सरग माय रे। १०तम अगवो मती केवाड़्या
जावजो क्योंके तमारो एकज अगवो हे
याने हूं मसीह। ११† पण जो तमारा माय
सगळा से मोटो हे उ तमारो सेवक रेगा।
१२† जो कईं को अपणे खुद के उंचो करेगा
उ निच्चो कर्‌यो जायगा, अने जो खुद के
निच्चो करेगा उ उंचो कर्‌यो जायगा।

यहूदिहुंण का धारमिक नेताहुंण के सजा

(मरकुस १२.४०; लूका ११.३९–४२,४४,५२; २०.४७)

१३हे ढोंगी सासतरी अने फरीसिहुंण,
तमारे धिक्कार! क्योंके तम मनखहुंण
सरु सरग को राज को कमांड़ बन्द करी
लाखो हो। तम नी तो खुद जाव हो अने
नीज जावा वाळाहुंण के भित्तरे जावा दो
हो। १४(हे ढोंगी सासतरी अने फरीसिहुंण,
तमारे धिक्कार! क्योंके दिखावा सरु बड़ी-
बड़ी पराथनाहुंण करता होया बी तम
रांडिहुंण का घरहुंण के गिली जाव हो,
इकासरु तमारे घणी सजा मिळेगा।)[l]
१५हे ढोंगी सासतरी अने फरीसिहुंण
तमारे धिक्कार! तम एक मनख के
अपणा आड़ी मिळावा सरु धरती-असमान
एक करी लाखो, अने जदे उ अई जावे तो
उके अपणा से दूगणो नरक को भागीदार
बणई लाखो हो।
१६"हे आंदा अगवाहुंण, तमारे धिक्कार!
तम जो को हो, के अगर कईं को मन्दर
की सोगन खाय, तो कइंनी, पण मन्दर
का सुन्ना की सोगन खाय तो उ बन्दी
जायगा।" १७हे मूरख अने आंदाहुंण, कंई
जरुरी हे सुन्नो, के उ मन्दर जो सुन्ना के
पवित्तर करे हे? १८फेर को हो, 'अगर कईं
को बेदी का चड़ावा की सोगन खायगा
तो उ बन्दी जायगा।' १९हे आंदाहुंण, कंई
जरुरी हे चड़ावो, के वा बेदी जो चड़ावा
के पवित्तर करे हे? २०इकासरु जो सोगन
खाय, उ बेदी अने उका पे धर्‌यो चड़ावो
दोइज की सोगन खाय हे। २१जो मन्दर
की सोगन खाय, उ मन्दर अने उका माय
रेवा वाळा परमेसर की बी सोगन खाय
हे, २२† अने जो सरग की सोगन खाय, उ

---

[k] **२३.५** तावीजहुंण के चोड़ा करे; यो एक जूना तरीका हे परमेसर की भगती करवा को (देखो गिणती १५.३७–४१)। [l] **२३.१४** थोड़ाक यूनानी भासा का हात का लेखहुंण माय पद १४ बी पायो जाय हे।

† **२३.५:** मत्ती ६.१; गिणती १५.३८; नेम-बिधान ६.८

† **२३.११:** मत्ती २०.२६–२७; मरकुस ९.३५, १०.४३–४४; लूका २२.२६ † **२३.१२:** लूका १४.११, १८.१४

† **२३.२२:** यसायाह ६६.१; मत्ती ५.३४

परमेसर का सिंगासण अने उका पे बेठवा
वाळा दोई की सोगन खाय हे।
२३† "हे ढोंगी सासतरी फरीसिहुंण
तमारे धिक्कार! तम पोदिनो, सोंप अने
जीरा को दसवों हिस्सो तो दो हो, पण
नेम-बिधान की गेरी बातहुंण याने न्याव,
दया, अने बिसास के टाळो हो, पण होणो
तो यो थो के इनी बातहुंण के करता होया
दूसरी बातहुंण के बी नी टाळता। २४हे
आंदा अगवाहुंण, तम मच्छर के तो छाणी
लाखो, पण ऊंटड़ा के गिली जाव हो!
२५"हे ढोंगी सासतरी अने फरीसिहुंण
तमारे धिक्कार! तम कटोरा अने परात
के बायरे से तो मांजो हो, पण भित्तरे से
तम हरतरा की लुट अने बेकाबु से भर्‌या
रो हे। २६हे आंदा फरीसी, पेलां कटोरा
अने परात के भित्तरे से मांज जेकासे के
वी बायरे बी साफ रे।
२७† हे ढोंगी सासतरी अने फरीसिहुंण,
तमारे धिक्कार! तम चुन्ना से लिपी हुई
कबरहुंण सरीका हो जो बायरे से तो
अच्छी नगे आय, पण भित्तरे मुरदा का
हड़काहुंण अने सगळी सड़ांद से भरी रे
हे। २८असतरा तम बी बायरे से मनखहुंण
के धरमी नगे आव, पण भित्तरे ढोंग अने
अधरम से भर्‌या रो हो।

यहूदिहुंण का धारमिक नेताहुंण के सजा की भविसबाणी

(लूका ११.४७–५१)

२९"ढोंगी सासतरी अने फरीसिहुंण,
तमारे धिक्कार! तम नबिहुंण की
कबरहुंण तो बणाव अने धरमिहुंण की
रियादगारी सजाड़ो हो, ३०अने को हो,
अगर हम अपणा पूरखाहुंण का बखत
माय होता, तो नबिहुंण की हत्या माय
हिस्सो नी लेता।, ३१निचोड़ यो के तम
खुद अपणा बिरोद माय गवई दो हो, के
तम नबिहुंण का हत्याराहुंण की ओलाद
हो। ३२अबे तमने अपणा पूरखाहुंण का
पाप को गागर्‌यो भरी लाख्यो। ३३† हे
सरपहुंण, हे करेतहुंण का कणाहुंण,
तम नरक की सजा से कसे बचोगा?
३४इकासरु देखो, हूं तमारा सरु नबिहुंण
अने ज्ञानिहुंण अने सासतरिहुंण के
मोकली र्‌यो हूं। तम उणका माय से
थोड़ाक की हत्या करोगा अने थोड़ाक
के कुरुस पे चड़ावगा, फेर थोड़ाक के
अपणा पराथनाघर माय कोड़ा लगाड़ोगा
अने नगर-नगर सताड़ता फरोगा, ३५†
के जितरा धरमिहुंण को लोई धरती पे
बिवाड़्यो, उ तमारा माथे पड़े, याने धरमी
हाबिल से लई के बिरिक्याह का बेटा
जकरियाह तक, जेके तमने मन्दर अने
बेदी का अदाड़ माय मारी लाख्यो थो।
३६हूं तमार से खास बात कूं, ई सगळी
बातहुंण इनी पीड़ी का माथे पड़ेगा।

यरुसलेम सरु कळपणो

(लूका १३.३४–३५)

३७"हे यरुसलेम नगर, हे यरुसलेम
नगर! तू नबिहुंण के मारी लाखे अने
जो थारा कने मोकल्या जाय, उणके
ढेपड़ा मार्‌या जाय हे। म्हने कितरी कावा

---

† **२३.२३:** लेव्यव्यवस्था २७.३० † **२३.२७:** परेरितहुंण २३.३
† **२३.३३:** मत्ती ३.७, १२.३४; लूका ३.७ † **२३.३५:** उत्पत्ती ४.८; २ इतयास २४.२०–२१

चायो के जसे मुरगी अपणा बच्चाहुंण के
पांख तळे भेळा करे, वसोज हूं बी थारा
बाळकहुंण के भेळा करूं, पण तमने नी
चायो। ३८† देखो, तमारो घर तमारा सरु
उजाड़ छोड़्यो जाय हे। ३९† क्योंके हूं
तमार से कूं के अब से तम म्हारे तदत्तक
नी देखोगा जदत्तक यो कोगा हयनी: के
'धन्य हे उ जो परभु का नाम से आवे
हे'।"

यरुसलेम मन्दर का नास होवा की भविसबाणी

(मरकुस १३.१,२; लूका २१.५,६)

२४ जदे ईसु मन्दर से हिटी के बायरे
जई र्‌यो थो तो उका चेलाहुंण
मन्दर के दिखाड़वा सरु उका कने
आया। २तो उने उणकासे क्यो, "कंई
तम ई सगळो नी देखी र्‌या? हूं तमार
से खास बात कूं, यां एक एरण का अदरे
दूसरो एरण बी नी रेगा जो ढळडायो नी
जायगा।"

पीड़ा अने दुःख

(मरकुस १३.३–१३; लूका २१.७–१९)

३जदे उ जेतून परबत पे बेठ्‌यो थो तो
उका चेलाहुंण एखला माय उका कने अई
के केवा लाग्या, हमारे बताड़ ई बातहुंण
कदे होयगा, अने थारा आवा को अने
इना जुग के खतम होवा की कंई सेलाणी
रेगा?"

४इका पे ईसु ने जुवाब द्‌यो, "होसियार
रो, कईं को तमारे धोको नी दे, ५क्योंके
नरा लोग म्हारा नाम से यो केता आयगा,
'हूं मसीह हूं,' अने नरा के धोको देगा।
६तम लड़इहुंण का बारामें अने लड़इहुंण
की अफवा सुणोगा। देखो, डरजो मती
क्योंके इणको होणो जरुरी हे, पण उना
बखत अंत नी रेगा। ७क्योंके जात, जात
को बिरोद अने राज, राज को बिरोदी
हुई जायगा अने नरी जगाहुंण पे बिखो
पड़ेगा अने धरती हलेगा। ८पण ई सगळी
बातहुंण तो पीड़ाहुंण की सुरुआतज रेगा।

९† तो वी तमारे कळेस देवाड़णे सरु
तमारे पकड़वायगा अने मारी लाखेगा अने
म्हारा नाम की वजासे आखी जातिहुंण
तमार से घिरणा करेगा। १०उना दनहुंण
माय नरा लोग ठोकर खायगा अने एक
दूसरा से बिसासघात अने एक दूसरा से
घिरणा करेगा। ११अने नरा झुंटा नबी
उठ्‌यायगा अने नरा के भरमायगा।
१२अधरम का बड़वा की वजासे नरा
को परेम ठंडो पड़ी जायगा। १३† पण
जो आखरी तक जिरना मारेगा, उकोज
उध्दार होयगा। १४सरग-राज को यो सुब-
समिचार आखा जगत माय परचार कर्‌यो
जायगा के सगळी जातहुंण पे गवई रे,
अने फेर अंत अई जायगा।

भयानक दुःख की सुरुआत

(मरकुस १३.१४–२३; लूका २१.२०–२४)

१५† तो जदे तम उनी उजाड़वा वाळी
घिरणित चीज के, जेका बारामें दानियल
नबी ने क्यो थो, पवित्तर जगा उबी देखो
- बांचवा वाळो समजी ले - १६तो वी

---

† **२३.३८:** यरमियाह २२.५ † **२३.३९:** भजन संहिता ११८.२६ † **२४.९:** मत्ती १०.२२
† **२४.१३:** मत्ती १०.२२ † **२४.१५:** दानियल ९.२७, ११.३१, १२.११

जो यहूदिया का इलाका माय रे, परबत
पे पाटी दई दे। १७† जो घर का छज्जा
पे रे, उ घर माय कंई लेवा सरु निच्चे
नी उतरे। १८जो खेत माय होय, उ
अपणो लतरो लेवा सरु पाछे नी पलटे।
१९उणका सरु धिक्कार जो उना दनहुंण
माय गरभ से रेगा अने जो दूद धवाड़ती
रेगा! २०पराथना करो के तमारे स्याळा
माय अने सबत् का दन भागणो नी पड़े।
२१† क्योंके असो, घोर-भयंकर संकट रेगा
जसो नी तो जगत का सुरु से अबी तक
होयो अने नी कदी रेगा। २२अने अगर वी
दन घटाड़्या नी जाता तो एक बी पराणी
नी बचतो, पण छांट्या होया की वजासे
वी दन घटई द्या जायगा।

२३तो फेर अगर कईं को तमार से
के, 'देखो, मसीह यां हे' अने वां हे,'
तो बिसास मती करजो। २४क्योंके झुंटा
मसीह अने झुंटा नबी परगटेगा अने
बड़ा-बड़ा चमत्कार अने अदभुद काम
बताड़ेगा, यां तक के अगर हुई सके
तो छांट्या होया के बी बरगळई लाखे।
२५देखो, म्हने पेलांज तमारे बताड़ी द्यो।

२६† इकासरु, अगर कईं को तमार से
के, 'मांळ माय हे,' तो बायरे मती हिटी
जावजो, या 'देखो, उ कोठड़ी माय हे
तो बिसास मती करजो। २७क्योंके जसे
बिजळी उगणूं आड़ी से हिटी के आथणूं
आड़ी तक चळके, वसोज मनख का बेटा
को बी आणो रेगा।

२८† जां लास रे, वांज चील-गरदन
भेळी रेगा।

ईसु के सरग से पाछो आवा की भविसबाणी

(मरकुस १३.२४–२७; लूका २१.२५–२८)

२९† उना दनहुंण का कळेस का झट बाद
सूरज इन्दारोघुप हुई जायगा अने चन्दरमा
अपणो उजाळो नी देगा, अने असमान से
ताराहुंण पड़ेगा, अने असमान की ताकत
हलाड़ी जायगा। ३०† तो मनख का बेटा की
सेलाणी असमान माय नगे आयगा, अने
धरती की सगळी जातहुंण कळाप करेगा,
अने लोग मनख का बेटा के सामरत अने
बड़ा वेभव का गेले असमान से बादळाहुंण
पे आतो देखेगा। ३१अने उ तुरई की घणी
अवाज का गेले अपणा सरगदूतहुंण के
मोकलेगा, अने वी चारी दिसाहुंण माय
असमान का एक कनारा से दूसरा कनारा
तक, उका छांट्या होया के भेळा करेगा।

अंजीर का झाड़ से सीख

(मरकुस १३.२८–३१; लूका २१.२९–३३)

३२अंजीर का झाड़ से या मिसाल सीखो:
जदे उकी डाळ नरम हुई जाय अने उका
माय पत्ता हिटवा लागे, तो तम जाणी लो
हो के उनाळो कने हे। ३३असतरा जदे तम
इनी बातहुंण के होता देखो तो जाणी लीजो
के उ कने हे, बरण कमांड़ पेज हे।[m] ३४हूं
तमार से खास बात कूं, के जदत्तक ई

---

[m] **२४.३३** उ कने हे; या बखत कने हे, तय्यारी सुरु करी दो; या उ कने अई ग्यो, आवा सरु तय्यार।

† **२४.१७–१८:** लूका १७.३१ † **२४.२१:** दानियल १२.१; दरसन ७.१४

† **२४.२६–२७:** लूका १७.२३–२४ † **२४.२८:** लूका १७.३७

† **२४.२९:** यसायाह १३.१०, ३४.४; यहेजकेल ३२.७; योएल २.१०, ३१, ३.१५; दरसन ६.१२–१३

† **२४.३०:** दानियल ७.१३; जकरियाह १२.१०–१४; दरसन १.७

सगळी बातहुंण पूरण नी हुई जाय इनी
पीड़ी को अंत नी होयगा। ३५असमान अने
धरती टळी जायगा, पण म्हारा बचन कदी
नी टळेगा।

जागता रो

(मरकुस १३.३२–३७; लूका १७.२६–३०,३४–३६)

३६उना दन अने उनी घड़ी का बारामें
कईं को नी जाणे - नी तो सरगदूत अने
नीज बेटो,[n] पण सिरप पिता परमेसर।
३७[†] मनख का बेटा को आणो नठू
नूह का दनहुंण सरीको रेगा। ३८क्योंके
जळपरलय का पेलां का दनहुंण माय
जसतरा नूह का झाज माय आवा का दन
तक लोग खाता-पीता र्‌या, अने उणका
माय ब्याव-सादीहुंण हुइरी थी, ३९[†] अने
जदत्तक जळपरलय उणके बिवाड़ी नी लई
ग्यो वी इके समजी नी सक्या, उनी तरा
मनख का बेटा को बी आणो होयगा।
४०उना बखत दो मनख खेत माय रेगा;
एक लई ल्यो जायगा अने दूसरा के छोड़ी
लाखेगा। ४१दो बइराहुंण घट्टी पीसती
रेगा; एक लई ली जायगा अने दूसरी
छोड़ी लाखेगा।

४२इकासरु जागता रो, क्योंके तम नी
जाणो के तमारो परभु केना दन अई
जायगा। ४३[†] पण यो पक्को जाणो के
अगर घर का मालेख के मालम रे के
चोळडा रात माय कदे अई जायगा तो
उ जागतो रेतो अने अपणा घर माय
खाद लगावा नी देतो। ४४असतरा तम बी
तय्यार रो। हूं मनख को बेटो उनी घड़ी
अई जउंवां जदे तम बिचारोगा बी नी।

बिसास लायक सेवक

(लूका १२.४१–४८)

४५"असो बिसासलायक अने अकलमंद
सेवक कुंण हे जेके उको मालेख सेवकहुंण
का अदरे हाकिम बणाय, के सई बखत
पे उणके रोटा दे? ४६धन्य हे उ सेवक
जेके मालेख अई के उके असोज करतो
पावे। ४७हूं तमार से खास बात कूं के
उ उके अपणी आखी धन-सम्पत्ती पे
हाकिम बणायगा। ४८पण उ बुरो सेवक
अपणा हिरदा माय केगा, 'म्हारा मालेख
के आवा माय अबी नरी देर हे,' ४९अने
अपणा साती सेवकहुंण के मारवा-कुटवा
लागे अने दारुड़्याहुंण का गेले खावां-पिवां
मन्डी जावे, ५०तो उना सेवक को मालेख
असा दन आयगा जदे उ उका आवा की
आस नी करेगा अने असी घड़ी आयगा
जेके उ जाणेगा बी नी। ५१तो उ उके
काठी सजा देगा अने ढोंगीहुंण का गेले
उके बी लाखी देगा।[o] वां रोणो अने दांत
पिसणो रेगा।

दस कुंवारीहुंण की मिसाल

२५ [†] तो सरग का राज[p] को मिलाण
उनी दस कुंवारीहुंण से कर्‌यो
जाय जो अपणा सरावला के लई के

---

[n] **२४.३६** थोड़ाक हात का लिख्या लेखहुंण माय नी हे न तो बेटो। [o] **२४.५१** उके बी लाखी देगा उका टुकड़ा करी लाखेगा; या बायरे फेंकी लाखेगा। [p] **२५.१** सरग का राज; सबद् भण्डार माय देखो।

[†] **२४.३७:** उत्पत्ती ६.५–८ [†] **२४.३९:** उत्पत्ती ७.६–२४ [†] **२४.४३–४४:** लूका १२.३९–४०

[†] **२५.१:** लूका १२.३५

लाड़ा से मिळवा सरु चली। [२]उणका माय
पांच मूरख अने पांच अकलमंद थी।
[३]क्योंके मूरखहुंण ने जदे सरावला ल्या
तो उणने अपणा गेले तेल नी ल्यो, [४]पण
अकलमंदहुंण ने अपणा सरावलाहुंण का
गेले कुप्पिहुंण माय बी तेल ल्यो। [५]जदे
लाड़ा के आवा माय देरी हुइरी थी तो वी
सगळी उंघवा लागी अने सोई गी।

६पण आदी राते हेलो होयो: 'देखो,
लाड़ो अई र्‌यो हे! उकासे मिळवा चलो!'
[७]तो वी सगळी कुंवारीहुंण उठ्‌यई अने
अपणो-अपणो सरावलाहुंण ठीक करवा
लागी। [८]अने मूरखहुंण ने अकलमंदहुंण
से क्यो, 'हमारे बी अपणा तेल माय से
थोड़ोक दई दो, क्योंके हमारा सरावलाहुंण
बुजवा पे हे।' [९]पण अकलमंदहुंण ने
जुवाब द्‌यो, 'नी, यो हमारा सरु अने
तमारा सरु पूरो नी पड़े। भलो यो के
तम दुकानदारहुंण कने जई के अपणा
सरु मोल ल्याव।' [१०]जदे वी मोल लेवा
सरु चली गी तो लाड़ो अई ग्यो, अने जो
तय्यार थी, वी उका गेले ब्याव-भोज का
मण्डप माय भित्तरे चली गी। अने कमांड़
बन्द करी लाख्यो।

११[†] पाछे वी दूसरी कुंवारीहुंण बी अई
के केवा लागी, 'मालेख, हे मालेख, हमारा
सरु कमांड़ खोली दे!' [१२]पण लाड़ा ने
जुवाब द्‌यो, 'हूं तमार से खास बात कूं,
हूं तमारे नी जाणूं।'

१३इकासरु जागता रो, क्योंके तम नी
तो उना दन के जाणो अने नीज उनी
घड़ी के।

तोड़ाहुंण की मिसाल

(लूका १९.११–२७)

१४फेर, सरग का राज को मालेख उना
मनख सरीको हे जो जातरा पे जावा
सरु थो अने जेने अपणा सेवकहुंण
के बुलाड़ी के अपणो धन-माल उणके
समळई द्‌यो। [१५]उने एक के डेड़ सो
सेर चांदी,[१] दूसरा के साट सेर चांदी,
अने तीसरा के तीस सेर चांदी, याने
हरेक के उकी लाइकी का मुजब द्‌यो,
अने जातरा पे चल्यो ग्यो। [१६]जेके डेड़
सो सेर चांदी मिळी थी, उने झट जई
के उकासे बेपार कर्‌यो अने डेड़ सो सेर
चांदी हजु कमई। [१७]असतरा जेके साट
सेर चांदी मिळी थी, उने बी साट सेर
चांदी हजु कमई। [१८]पण उ जेके तीस
सेर चांदी मिळी थी, उने जई के जमीन
माय खाड़ो खोद्‌यो अने अपणा मालेख
का धन के गारा माय दबाड़ी लाख्यो।

१९नरा-दन पाछे उना सेवकहुंण को
मालेख आयो अने उणकासे लेखो लेवा
लाग्यो। [२०]तो उ जेके डेड़ सो सेर चांदी
मिळी थी उने डेड़ सो सेर चांदी हजु लई
के क्यो, 'मालेख, तने म्हारे डेड़ सो सेर
चांदी समळई थी। देख, म्हने इणकासे
डेड़ सो सेर चांदी हजु कमई।' [२१]उका
मालेख ने उकासे क्यो, 'सबास!' भला
अने बिसासलायक सेवक! तू थोड़ाक माय
बिसासलायक र्‌यो, हूं थारे नरी चीजहुंण
को हाकिम बणउंवां। अपणा मालेख का
आनन्द माय भेळो हुई जा!'

---

[१] **२५.१५** डेड़ सो सेर चांदी; करीब पांच तोड़ा। यूनानी भासा माय तालतोन। एक तालतोन मतलब बीस या तीस सेर चांदी।

[†] **२५.११–१२:** लूका १३.२५

२२"जेके साट सेर चांदी मिळी थी, उने
अई के क्यो, 'मालेख, तने म्हारे साट सेर
चांदी समळई थी। देखतो, म्हने साट सेर
चांदी हजु कमई।' **२३**मालेख ने उकासे
क्यो, 'सबास' भला अने बिसासलायक
सेवक! तू थोड़ाक माय बिसासलायक
र्‌यो, हूं थारे नरीज चीजहुंण को हाकिम
बणउंवां अपणा मालेख का आनन्द माय
भेळो हुई जा!'
२४"फेर उ बी जेके तीस सेर चांदी
मिळी थी अई के केवा लाग्यो, हे 'मालेख,
हूं जाणतो थो के तू निरदयी मनख हे;
जां बोय हयनी वां काटे अने जां बेरे
हयनी वां से भेळो करे। **२५**तो हूं डरी
ग्यो अने जई के थारी चांदी के म्हने
जमीन माय गाड़ी लाखी। जो थारी हे
उके लई ले।'
२६पण उका मालेख ने उके जुवाब
द्‌यो, 'हे बुरा अने आळसी सेवक, तू
यो जाणतो थो के जां हूं नी बोउं वां
से काटूं, अने जां बीज नी बेरूं वां से
भेळा करूं; **२७**जदे तो थारे चइये थो के
म्हारी चांदी सउकारहुंण कने मेली देतो,
जेकासे अई के अपणो धन ब्याज समेत
उणकासे लई लेतो। **२८**इकासरु इका से
या चांदी बी लई लो, अने जेका कने
तीन सो सेर चांदी हे उके दई दो। **२९**†
क्योंके हरेक जेका कने हे उके हजु बी
द्‌यो जायगा अने उका कने नरो हुई
जायगा। पण जेका कने हयनी, उकासे
उ बी लई ल्यो जायगा जो उका कने हे।
३०† 'इना मतकमउं सेवक के बायरे का
इन्दारा माय लाखी दो, जां रोणो अने
दांत पिसणो रेगा।'

न्याव को दन

३१† "पण जदे हूं मनख को बेटो,
अपणी म्हेमा माय अउंवां अने सगळा
सरगदूत म्हारा गेले आयगा, तो
हूं अपणा म्हेमावान सिंगासण पे
बिराजुंवां। **३२**अने सगळी जातहुंण
म्हारा सामे भेळी करी जायगा; अने
हूं उणके एक-दूसरा से इकाड़ी करुंवां,
जसे ग्वाळो गाडरहुंण के बोकड़ीहुंण
से इकाड़ी राखेगा। **३३**हूं गाडरहुंण के
अपणा जीवणा हाताड़ी, अने बोकड़ीहुंण
के डाबा हाताड़ी करुंवां। **३४**तो हूं अपणा
जीवणा हात वाळाहुंण से कुंवां, 'हे
म्हारा पिता का धन्य लोगहुंण, आव,
उना राज का हाकिम बणो जो जगत
का सुरु से तमारा सरु तय्यार कर्‌यो
हे। **३५**क्योंके हूं भूको थो अने तमने
म्हारे खावा सरु द्‌यो। हूं तिरस्यो थो
अने तमने म्हारे पाणी पिवाड़्यो। हूं
परदेसी थो तमने म्हारे अपणा घर माय
राख्यो। **३६**हूं नांगो-पुंगो थो, तमने म्हारे
लतरा पेराया; बेमार थो, तमने म्हारी
सुद्द ली; जेळ माय थो, तम म्हार से
मिळवा आया।'
३७"तो धरमिहुंण उके जुवाब देगा,
'परभु, हमने कदे भूको देख्यो अने
जिमाड़्यो, अने तिरस्यो देख्यो अने
पाणी पिवाड़्यो? **३८**अने हमने कदे
थारे परदेसी देख्यो अने अपणा घर

---

† **२५.२९:** मत्ती १३.१२; मरकुस ४.२५; लूका ८.१८
† **२५.३०:** मत्ती ८.१२, २२.१३; लूका १३.२८
† **२५.३१:** मत्ती १६.२७, १९.२८

माय राख्यो अने नांगो-पुंगो देख्यो
अने लतरा पेराया? ३९हमने कदे थारे
बेमार अने जेळखाना माय देख्यो अने
थार से मिळवा आया?' ४०इका पे हूं
उणके जुवाब दूंवां, 'हूं तमार से खास
बात कूं के जो कंई तमने म्हारा इना
नाना से नाना भई-बेनहुंण माय से
कइंका एक का गेले कर्‌यो उ म्हारा
गेले कर्‌यो।'

४१"तो हूं डाबा हाताड़ी वाळाहुंण से
कुंवां, हे सरापित लोगहुंण, म्हार से
दूरा हुई के उनी नरक की लाय माय
जई पड़ो जो सेतान अने उका दूतहुंण
सरु तय्यार करी गी हे! ४२हूं भूको
थो, तमने म्हारे खावा सरु नी दीयो;
तिरस्यो थो, तमने म्हारे पाणी नी
पिवाड़्यो; ४३परदेसी थो, तमने म्हारे
अपणा घर माय नी राख्यो; नांगो-पुंगो
थो, तमने म्हारे लतरा नी पेराया;
बेमार अने जेळखाना माय थो, तम
म्हारी सुद्द लेवा नी आया।'

४४इका पे वी म्हार से पुछेगा, 'परभु,
हमने कदे थारे भूको अने तिरस्यो,
ने परदेसी, ने नांगो-पुंगो, ने बेमार,
ने जेळखाना माय देख्यो अने थारी
सेवा नी करी?' ४५तो हूं उणके जुवाब
दूंवां, 'हूं तमार से खास बात कूं के
जो तमने इना नाना माय से कइंका
एक का गेले नी कर्‌यो, उ म्हारा गेले
बी नी कर्‌यो।' ४६† ई लोग हमेस्या
तक सजा भोगेगा, पण धरमी सदा
का जीवन माय जायगा।"

ईसु के घात करवा को मनसुबो बणायो

(मरकुस १४.१,२; लूका २२.१,२; योहन ११.४५–५३)

२६ असो होयो के जदे ईसु ई सगळी
बातहुंण करी चुक्यो, तो उने
अपणा चेलाहुंण से क्यो, २† "तम जाणो
हो के दो दन बाद फसह को तेवार[r] अई
र्‌यो हे अने हूं मनख को बेटो कुरुस पे
चड़ायो जावा सरु पकड़वायो जउंवां।"

३तो म्हापुरोहित अने लोगहुंण का बुड़ा-
हाड़ाहुंण, काइफा नाम का म्हापुरोहित
का म्हेल का आंगणा माय भेळा होया,
४अने उणने माय-माय ईसु के तरकीब
से पकड़वा अने मारी लाखणे को मनसुबो
कर्‌यो। ५पण वी केता था, "तेवार का
बखत नी, कंई असो नी होय के लोगहुंण
माय दंगो भड़की जाय।"

बेमोल अतर

(मरकुस १४.३–९; योहन १२.१–८)

६जदे ईसु बेतनिय्याह गांम माय
सिमोन कोड़्या जेको कोड़ ठीक होयो थो,
का घरे थो, ७† तो एक बइरा सगंमरमर
का बरतन माय बेमोल अतर लई के
उका कने अई, अने जदे ईसु जिमवा
बेठ्यो तो उका माथा पे रेड़ी लाख्यो।
८पण चेलाहुंण या देखी के गुस्सा माय
अई ग्या अने केवा लाग्या, "यो कायसरु
बरबाद कर्‌यो? ९इना अतर के मोंगो बेची
के गरीब-गुरबाहुंण के पइसा बांटी देता।"

१०या जाणी के ईसु ने उणकासे क्यो,
"तम इनी बइरा के कायसरु सताड़ो? कंई

---

[r] **२६.२** फसह को तेवार; सबद् भण्डार माय देखो।

† **२५.४६:** दानियल १२.२ † **२६.२:** निरगमन १२.१–२७ † **२६.७:** लूका ७.३७–३८

इकासरु के उने म्हारा गेले भलई करी?
११† गरीब-गुरबा तो तमारा गेले सदा रे,
पण हूं तमारा गेले सदा नी रुंवां। १२जदे
उने म्हारा अंग पे यो अतर रेड़्यो तो
इकासरु रेड़्यो के म्हारा गाड़्या जावा सरु
म्हारे तय्यार[s] करे हे। १३हूं तमार से खास
बात कूं के आखा जगत माय जां कंई यो
सुब-समिचार परचार कर्‌यो जायगा, वां
इनी बइरा का इना काम को बखाण बी
उकी रियाद माय कर्‌यो जायगा।"

यहूदा इस्करियोती को बिसासघात

(मरकुस १४.१०–११; लूका २२.३–६)

१४तो बारा चेलाहुंण माय से एक,
जेको नाम यहूदा इस्करियोती थो, मुख-
पुरोहितहुंण कने ग्यो, १५† अने उने क्यो,
"अगर हूं ईसु के तमारा हाते करी दूं तो
तम म्हारे कंई दोगा?" उणने उके चांदी
का तीस सिक्का तोली के दई द्‌या।
१६जदे से उ उके पकड़वाणे सरु अच्छा
मोका का तलास माय रेवा लाग्यो।

फसह-भोज

(मरकुस १४.१२-२१; लूका २२.७–१३,२१-२३; योहन.१३.२१–३०)

१७फेर चेलाहुंण अखमीरा रोटा का
तेवार[t] का पेलां दन, ईसु कने अई के
पुछवा लाग्या, "तू कां चावे के हम थारा
सरु फसह खावा की तय्यारी करां?"
१८ईसु ने क्यो, "नगर माय फलांणा
जणा कने जई के उकासे को, 'गरु के
हे, म्हारो बखत कने हे। म्हारे अपणा
चेलाहुंण का गेले थारा यां फसह को
तेवार मानाणो हे'।"
१९तो ईसु का हुकम मुजब चेलाहुंण ने
फसह की तय्यारी करी।
२०जदे सांज हुई तो उ बारा चेलाहुंण
का गेले जिमवा बेठ्‌यो। २१जदे वी जिमी
र्‌या था तो उने क्यो, "हूं तमार से खास
बात कूं के तमारा माय से एक म्हारे
धोको दई पकड़वायगा।"
२२इका पे वी घणा दुःखी हुई के एक-
एक करिके उकासे पुछवा लाग्या, "परभु,
हूं तो नी हूं, नी?"
२३† उने क्यो, "उ जेने म्हारा गेले
थाळी माय हात लाख्यो, उज म्हारे धोको
दई पकड़वायगा। २४हूं मनख का बेटा के
तो, जसो म्हारा बारामें लिख्यो हे, ठीकज
हे, पण धिक्कार उ जेकासे हूं मनख को
बेटो पकड़वायो जउंवां! उना मनख सरु
भलो होतो के उ जनमीज नी लेतो।"
२५तो उके धोको दई पकड़वाणे वाळो
याने यहूदा ने क्यो, "रब्बी, कंई उ हूं हे?"
ईसु ने क्यो, "तने खुदज कई द्‌यो।

परभु-भोज

(मरकुस १४.२२-२६; लूका २२.१४-२०; १ कुरिन्थिहुंण ११.२३-२५)

२६जदे वी जिमी र्‌या था, ईसु ने रोटो
ल्यो अने आसीस मांगी के तोड़्यो अने
चेलाहुंण के दई के क्यो, "लो खाव; या
म्हारी काया हे।"
२७फेर उने कटोरो लई के परमेसर के
धन्यबाद कर्‌यो अने उणके देता होया

---

[s] **२६.१२** गाड़्या जावा सरु म्हारे तय्यार; यहूदिहुंण माय मर्‌या मनख के गाड़्या जावा से पेलां लास के सुगन की चीज से मळे हे। [t] **२६.१७** अखमीरा रोटा को तेवार; सबद् भण्डार माय 'फसह' देखो।
† **२६.११:** नेम-बिधान १५.११ † **२६.१५:** जकरियाह ११.१२ † **२६.२३:** भजन संहिता ४१.९

क्यो, "तम सगळा इका माय से प्यो,
२८† क्योंके यो करार को म्हारो लोई[u]
हे, जो नरा लोगहुंण सरु पापहुंण की
मांफी सरु बिवाड़्यो जावा पे हे। २९पण हूं
तमार से कूं के अंगूर को यो रस अबी से
लई के उना दन तक नी पिउंवां जदत्तक
अपणा पिता का राज माय तमारा गेले
नवो नी प्यूं।"

३०अने भजन गावा का बाद वी जेतून
परबत पे चल्या ग्या।

पतरस का नटवा का बारामें

(लूका २२.३१–३४; योहन १३.३६–३८)

३१† जदे ईसु ने उणकासे क्यो, "आज
राते तम सगळा म्हारी वजासे ठोकर
खावगा अने भागी जावगा, क्योंके
परमेसर का नेम-बिधान माय लिख्यो हे,
"परमेसर के हे 'हूं ग्वाळा के मारुंवां अने
खाडु की गाडरहुंण खक्कळ-बक्कळ हुई
जायगा'।" ३२† पण जिन्दा होवा का बाद
तमार से पेलां गलील के जउंवां।"

३३इका पे पतरस ने उकासे क्यो,
"चाये सगळा का सगळा थारी वजासे
ठोकर खावे अने भागी जावे तो जावे,
पण हूं कदी नी जउंवां।"

३४ईसु ने उकासे क्यो, "हूं थार से
खास बात कूं के आजज राते, मुरगा का
बांग देवा से पेलां, तू तीन कावा म्हारे
नकारेगा।"

३५पतरस ने उकासे क्यो, "चाये म्हारे
थारा गेले मरनो बी पड़े, हूं थारो नकारो
नी करुंवां।"

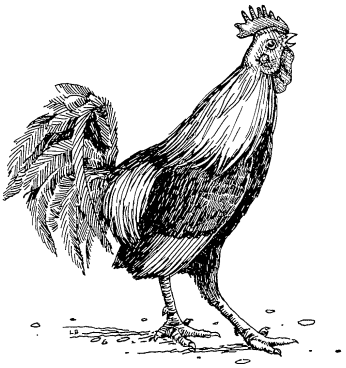

मूरगा की बांग (MAT २६.३४)

सगळा चेलाहुंण ने बी असीज बात
करी।

ईसु गतसमनी का बाग माय

(मरकुस १४.३२–४२; लूका २२.३९–४६)

३६जदे ईसु उणका गेले गतसमनी नाम
की जगा माय आयो, अने उने अपणा
चेलाहुंण से क्यो, "जदत्तक हूं भित्तरे जई
ने पराथना करूं, तम यांज बेठजो।"
३७उने अपणा गेले पतरस अने जब्दी का
बेटाहुंण के ल्या अने दुःखी अने बेचेन
होवा लाग्यो। ३८फेर उने उणका से क्यो,
"म्हारो हिरदो घणो उदास हे, यां तक के
हूं मरवा पे हूं। यांज रुको अने म्हारा गेले
जागता रो।"

३९फेर उ उणका से थोड़ोक अगड़े
बड़्यो अने सास्टांग परणाम कर्‌यो अने
या पराथना करवा लाग्यो: "हे म्हारा
परमेसर पिता, अगर हुई सके तो यो

---

[u] **२६.२८** करार को म्हारो लोई; जो परमेसर अने अपणा लोगहुंण का अदाड़ माय पक्को वायदो हे।

† **२६.२८:** निरगमन २४.८; यरमियाह ३१.३१–३४ † **२६.३१:** जकरियाह १३.७

† **२६.३२:** मत्ती २८.१६

कटोरो[v] म्हार से टळी जाय। फेर बी
म्हारी नी, पण थारी मरजी पूरण होय।"
४०तो उ चेलाहुंण कने आयो, अने
उणके सोता पई के उने पतरस से क्यो,
"कंई तम लोग म्हारा गेले एक घड़ी बी
नी जागी सक्या?" **४१**जागता रो अने
पराथना करता रो के तम अजमाइस
माय नी पड़ो। आतमा तो तय्यार हे पण
काया कमजोर हे।"

ईसु गेतसमनी बाग माय
पराथना करे (MAT २६.४२)

४२फेर उने दूसरी कावा जई के या
पराथना करी: "हे म्हारा परमेसर पिता,
अगर यो म्हारा प्या बिना नी टळी
सके, तो थारी मरजी पूरण होय।"
४३उने पाछो अई के उणके सोता पाया,
क्योंके वी अपणी आंखहुंण उगाड़ी नी
राखी सक्या।

४४उ उणके पाछो छोड़ी के चल्यो
ग्यो अने पाछी वाज बात कई के तीसरी
कावा पराथना करवा लाग्यो। **४५**फेर उने
चेलाहुंण कने अई के क्यो, "कंई तम
अबी तक अराम से सोइर्या हो? देखो,
बखत अई ग्यो हे अने हूं मनख को
बेटो पापिहुंण का हाते पकड़ायो जउं।
४६उठ्याव, चलां। देखो म्हारो पकड़वाणे
वाळो कने अई ग्यो हे।"

ईसु की गिरपतारी

(लूका २२.४७–५३; योहन १८.३–१२)

४७जदे उ यो कइज र्यो थो तो देखो,
यहूदा जो बारा चेलाहुंण माय को एक
थो अई ग्यो, अने उका गेले तरवार अने
लट्ठहुंण लई हुई एक बड़ीमेक भीड़ थी
जेके मुख-पुरोहितहुंण अने लोगहुंण का
बुड़ा-हाड़ाहुंण ने मोकली थी। **४८**पकड़वाणे
वाळा यहूदा ने उणके यो कई के इसारो
द्यो थो: जेको हूं चुम्मो लूं, उज हे। उके
पकड़ी लीजो।"
४९उ झट ईसु कने अई के बोल्यो, "हे
रब्बी,[w] परणाम! "अने उके चुम्यो।
५०ईसु ने उकासे क्यो, दोस, जेना काम
सरु तू आयो उके कर।"[x]
जदे उणने उका कने अई के ईसु के
पकड़्यो अने गिरपतार कर्यो। **५१**फेर
देखो, ईसु का सातिहुंण माय से एक
ने तरवार हेड़ी के म्हापुरोहित का सेवक
पे चलाड़ी अने उको कान काटी लाख्यो।
५२तो ईसु ने उकासे क्यो, "अपणी
तरवार म्यान माय राख, "क्योंके जो

---

[v] **२६.३९** कटोरो; भारी संकट की घड़ी। [w] **२६.४९** रब्बी; गरु। [x] **२६.५०** दोस, जेना काम सरु तू आयो उके कर; या तू कायसरु आयो म्हारा दोस ?

तरवार उठाड़े वी सगळा तरवार से नास
कर्‌या जायगा। ५३तू कंई सोंचे हे के
हूं अपणा परमेसर पिता से बिणती नी
करी सकतो? अने कंई उ झट बारा
पळटनहुंण से जादा सरगदूत के म्हारा
सरु नी मोकली सकतो? ५४"पण असोज
होणो जरुरी हे। जदे पवित्तर सासत्तर को
लेख पूरण होयगा।"

५५† फेर ईसु ने भीड़ से क्यो, "कंई
तम तरवार अने लट्‌ठहुंण लई के म्हारे
पकड़वा आया हो मानो हूं कईं को डाकू
हूं? हरदन मन्दर माय बेठिके हूं परबचन
द्‌या करतो थो जदे तमने म्हारे नी
पकड़्‌यो। ५६पण यो सगळो इकासरु होयो
के भविसबाणी करवा वाळाहुंण को लेख
पूरण होय।"

तो सगळा चेला उके छोड़ी के भागी
ग्या।

ईसु काइफा का सामे

(लूका २२.५४,५५,६३-७१;
योहन १८.१३,१४,१९-२४)

५७जिणने ईसु के पकड़्‌यो थो, वी उके
म्हापुरोहित काइफा कने लई ग्या, जां
सासतरी अने बुड़ा-हाड़ा अगवा भेळा था।
५८पतरस बी थोड़िक दूरी पे उका पछड़े-
पछड़े चली के म्हापुरोहित का आंगणा
तक पोंच्यो अने भित्तरे जई के नतीजो
देखवा सरु नेपादारहुंण का गेले बेठी ग्यो।
५९मुख-पुरोहितहुंण अने आखी म्हासबा
ईसु का बिरोद माय झुंटी गवई पावा की
कोसिस करता र्‌या, जेकासे के वी उके
मारी लाखे। ६०पण नरा झुंटा गवाहुंण का
आणे पे बी, कइंनी पायो। आखरी माय
दो गवाहुंण ने अई के क्यो, ६१† "इना
मनख ने क्यो, 'हूं परमेसर का मन्दर
के ढळडई के उके तीन दन माय पाछो
बणवई दूंवां'।"

६२तो म्हापुरोहित ने उबो हुई के ईसु से
क्यो, "कंई तू जुवाब नी दई र्‌यो? ई लोग
थारा बिरोद माय कंई गवई दई र्‌या हे?"
६३पण ईसु चुप र्‌यो। इका पे म्हापुरोहित
ने उकासे क्यो, "हूं जीवता परमेसर की
सोगन दूं, के अगर तू परमेसर को बेटो
मसीह हे तो हमार से कइदे।"

६४† ईसु ने उकासे क्यो, "तने खुदज
क्यो। फेर बी हूं थार से कूं के अब
से तम, हूं मनख का बेटा के सगळा
से सकतीमान का जीवणा हाताड़ी बेठ्‌या
होया अने सरग असमान का बादळाहुंण
पे आता होया देखोगा।"

६५† इका पे म्हापुरोहित अपणा लतरा
फाड़ी के केवा लाग्यो, इने परमेसर के
अपणा सरीको मानी के निंदा करी। अबे
हमारे गवाहुंण की कंई जरुवत? देखो,
तम या निंदा सुणी चुक्या हो। ६६अबे
तमारो कंई बिचार हे?"

उणने जुवाब द्‌यो, "उ मोत की सजा
का लायक हे!"

६७† तो उणने ईसु का मुन्डा पे थुंक्यो,
अने मुक्का मार्‌या अने कंई-कइंका
ने थापड़ मारी के क्यो, ६८"हे मसीह,
भविसबाणी करिके हमारे बताड़: केने थारे
मार्‌यो?"

---

† **२६.५५:** लूका १९.४७, २१.३७ † **२६.६१:** योहन २.१९ † **२६.६४:** दानियल ७.१३
† **२६.६५–६६:** लेव्यव्यवस्था २४.१६ † **२६.६७:** यसायाह ५०.६

पतरस ने ईसु के नकार्‌यो

(मरकुस १४.६६-७२; लूका २२.५६–६२; योहन १८.१५–१८,२५-२७)

६९पतरस आंगणा माय बायर बेठ्‌यो होयो थो के एक दासी ने उका कने अई के क्यो, "तू बी तो गलील का ईसु का गेले थो!"

७०पण उकासे नकारतो होयो उना सगळा का सामे पतरस ने क्यो, "हूं नी जाणूं के तू कंई कइरी हे।" **७१**जदे उ बायरे डेळी पे ग्यो तो एक हजु दासी ने उके देखी के, जो बेठ्‌या होया था उणकासे क्यो, "यो बी तो नासरत का ईसु का गेले थो।"

७२तो उने सोगन खई के पाछो नकार्‌यो: हूं इना मनख के नी जाणूं।"

७३थोड़िक देर का बाद उणने जो वां उब्या था पतरस कने अई के क्यो, "पक्कोज तू बी उणका माय से हे, क्योंके थारी बोली थारे परगटे हे।"

७४तो उ धिक्कारवा अने सोगन खावा लाग्यो: "हूं उना मनख के नी जाणूं।"

अने झट मुरगा ने बांग लगाड़ी दी। **७५**तो पतरस के वा बात जो ईसु ने कई थी रियाद अई गी: "मुरगा का बांग देवा से पेलां तू तीन कावा म्हारे नकारेगा।" अने उ बायरे जई के फुटी-फुटी के रोवा लाग्यो।

पिलातुस का सामे ईसु

(मरकुस १५.१; लूका २३.१,२; योहन १८.२८–३२)

२७ जदे दन उग्यो तो सगळा मुख-पुरोहितहुंण अने लोगहुंण का बुड़ा-हाड़ा नेताहुंण ने ईसु का बिरोद माय एको कर्‌यो, के उके मारी लाखां। **२**फेर सिपईहुंण ने उके बान्द्‌यो अने लइ-जई के राजपाल पिलातुस के समळई द्‌यो।

यहूदा इस्करियोती ने आतमा घात करी

(परेरितहुंण १.१८,१९)

३† जदे यहूदा, जेने उके धोको दई पकड़वायो थो, या देखी के के ईसु दोषी ठेराड़्‌यो जई र्‌यो हे, तो उ पसतायो, अने चांदी का तीस सिक्काहुंण के मुख-पुरोहितहुंण अने बुड़ा-हाड़ा नेताहुंण के फेरी के उणकासे क्यो, **४**"म्हने पाप कर्‌यो हे। म्हने बिना कसूर वाळा मनख का लोई को सोदो करिके धोको कर्‌यो हे।"

पण उणने क्यो, "इका से हमारे कंई? तूज जाण।"

यहूदा इसकारियोती ने पड़सा फेंक्या (MAT २७.५)

† **२७.३–८:** परेरितहुंण १.१८–१९

५तो यहूदा उना चांदी का सिक्काहुंण
के मन्दर माय फेंकी के चल्यो ग्यो अने
जई के फांसी लगाड़ी ली अने मरी ग्यो।
६तो मुख-पुरोहितहुंण ने उना चांदी
का सिक्काहुंण के लई के केवा लाग्या,
"इणके मन्दर का खजाना माय राखणो
अच्छो हयनी, क्योंके यो मनख का लोई
को मोल हे।" **७**उणने माय-माय सला
करी अने उना बटकाहुंण से परदेसिहुंण
के गाड़वा सरु कुमार को खेत मोल लई
ल्यो। **८**इनी वजासे आज बी उ खेत,
'लोई को खेत' केवाय हे।
९[†] तो उ बचन जो यरमियाह
भविसबाणी केवा वाळा से केवायो थो
पूरण होयो: "उणने चांदी का तीस
सिक्काहुंण[y] ल्या, याने उ मोल जेके
इसराइल की ओलादहुंण ने उका सरु
राख्यो थो। **१०**अने उणने उके कुमार का
खेत सरु दई द्या, जसो के परभु ने म्हारे
हुकम द्यो थो।"

ईसु पिलातुस का सामे

(मरकुस १५.२–५; लूका २३.३–५;
योहन १८.३३–३८)

११तो ईसु रोम का राजपाल[z] का सामे
उबो होयो अने राजपाल ने उकासे पुछ्यो,
"कंई तू यहूदिहुंण को राजो हे?"
ईसु ने क्यो, "सई हे, तू खुदज के हे।"
१२अने जदे मुख-पुरोहित अने बुड़ा-हाड़ा
नेता उका पे दोष लगाड़ी र्या था तो उने
कंई जुवाब नी द्यो।
१३तो पिलातुस राजपाल ने उकासे
क्यो, "कंई तू नी सुणे, ई थारा बिरोद
माय कितरी बातहुंण की गवई दई र्या
हे?"
१४पण उने उके एक बी बात को
जुवाब नी द्यो। इका से राजपाल के
घणो अचम्बो होयो।

पिलातुस ने ईसु के मोत की सजा को फरमान द्यो

(मरकुस १५.६–१५; लूका २३.१३–२५;
योहन १८.३९-१९.१६)

१५राजपाल की या रीति थी के फसह
का तेवार का बखत कइंका एक मुलजिम
के जेके लोग चाता था, छोड़ी लाख्या
करतो थो। **१६**अने उना बखत उकी केद
माय बरअब्बा नामको कुख्यात मुलजिम
थो। **१७**जदे वी भेळा होया तो पिलातुस
ने उणकासे क्यो, "तम किके चाव के
हूं तमारा सरु छोड़ी लाखुं, बरअब्बा के,
या ईसु के जो मसीह केवाय?" **१८**क्योंके
उ जाणतो थो के उणने उके जळण की
वजासे पकड़वायो हे।
१९जदे उ न्याव-सिंगासण पे बेठ्यो तो
उकी घराळी ने उके केवाड़ी मोकल्यो,
"इना धरमी मनख का मामला माय हात
मती लाखजे, क्योंके आज राते म्हने
सपना माय उकी वजासे घणो दुःख
भोग्यो हे।"
२०पण मुख-पुरोहित अने बुड़ा-हाड़ा
नेताहुंण ने भीड़ के भड़कई, के वी

---

[y] **२७.९** चांदी का तीस सिक्काहुंण; एक दास को मोल। [z] **२७.११** रोम का राजपाल; रोम से इसराइल देस पे सासन करवा सरु रोमी हाकिम थो, क्योंके उना जमाना माय इसराइल देस रोम की गुलामी माय थो।

[†] **२७.९–१०:** जकरियाह ११.१२–१३ यरमियाह १९.१-१३; ३२.६-९

बरअब्बा के छोड़वा अने ईसु के मारी
लाखणे की मांग करे। [२१]तो राजपाल ने
पुछ्यो, "इना दोई माय से किके चाव हो,
के हूं तमारा सरु छोड़ी लाखुं?"
उणने क्यो, "बरअब्बा के।"
२२पिलातुस ने उणकासे पुछ्यो, "फेर
हूं ईसु के, जो मसीह केवाय, कंई करूं?"
उना सगळा ने क्यो, "उ कुरुस पे
चड़ायो जाय।"
२३उने क्यो, "कायसरु? उने कंई बुरई
करी?"
पण वी हजु बी जादा चिल्लाड़ी के केवा
लाग्या, "उ कुरुस पे चड़ायो जाय!"
२४† जदे पिलातुस ने देख्यो, के म्हार
से कंई बी नी बणी र्‌यो हे अने दंगो
होवा पे हे, तो उने पाणी ल्यो अने भीड़
का सामे अपणा हात धोई के क्यो, "हूं
इना मनख का लोई से बरी हूं। तमीज
जाणो।"
२५इका पे सगळा लोगहुंण ने जुवाब
द्‌यो, "इका लोई को दोष हमार पे अने
हमारी ओलाद पे रे!"
२६तो उने बरअब्बा के तो उणका सरु
छोड़्यो, पण ईसु के कोड़ा मारी के कुरुस
पे चड़ावा सरु उणके दई द्‌यो।

सिपईहुंण को मजाक

(मरकुस १५.१६–२०; योहन १९.२,३)

२७तो पिलातुस राजपाल का सिपईहुंण
ईसु के किला माय लई ग्या, अने वां उका
चारी-मेर आखा रोमी सेना-दळ के भेळा
करी ल्या। [२८]फेर ईसु का लतरा उतारी
के उणने उके लाल रंग को चोळो पेरायो।
[२९]अने कांटा को मुगुट गुंथिके उणने उका
माथा पे धर्‌यो अने उका जीवणा हात
माय बरु द्‌यो। फेर उका अगड़े गोड़ा टेकी
के वी उकी मसकरी करिके केवा लाग्या,
"हे यहूदिहुंण का राजा, थारी जे हो!"
[३०]उणने उका पे थुंक्यो, अने बरु लई के
वी उका माथा पे मारवा लाग्या। [३१]मजाक
उड़ावा का बाद उणने उको चोळो उतार्‌यो
अने उकाज लतरा उके पेरई द्‌या, अने
कुरुस पे चड़ावा सरु लई चल्या।

कुरुस पे लटकाड़्यो जाणो

(लूका २३.२६–४३; योहन १९.१७–२७)

३२जदे वी नगर से बायरे हिटी र्‌या
था तो उणके सिमोन नामको एक कुरेनी
नगर को मनख मिळ्यो। उणने उके
बेगार माय पकड़्यो के कुरुस उठई के
लई चले। [३३]अने जदे वी उनी जगा पे
आया जो गुलगुता केवाय, याने 'खोपड़ी
की जगा'। [३४]तो उणने उके पित्त मिळ्यो
होयो अंगूर को रस जेका माय नसो रेतो
थो† पीवा सरु द्‌यो, पण उने चाखी के
पीणो नी चायो।
३५† अने जदे वी उके कुरुस पे चड़ई
चुक्या तो उणने चिट्‌ठी लाखी के उका
लतरा के माय-माय बांटी ल्या। [३६]अने
वां बेठिके वी उको नेपो करवा लाग्या।
[३७]अने उणने उका माथा अदरे उको दोष-
पत्तर लगाड़्यो जेका माय लिख्यो थो,
"यो यहूदिहुंण को राजो ईसु हे।" [३८]उना
बखत उणने उका गेले दो डाकूहुंण के बी

---

† **२७.२४:** नेम-बिधान २१.६–९ † **२७.३४:** भजन संहिता ६९.२१
† **२७.३५:** भजन संहिता २२.१८

कुरुस पे टांग्या, एक के उका जीवणा
हाताड़ी अने दूसरा के उका डाबा हाताड़ी।
३९† वां से आवा-जावा वाळा उकी निंदा
करी र्‌या था अने माथो हलाड़ी-हलाड़ी के,
४०कई र्‌या था, "हे मन्दर का ढळडावा
अने तीन दन माय बणावा वाळा,† अपणे
खुद के बचाड़! अगर तू परमेसर को बेटो
हे तो कुरुस पे से उतर्‌या।"
४१असतरा मुख-पुरोहित बी सासतरी
अने बुड़ा-हाड़ा नेताहुंण का गेले उकी
मसकरी करता होया कई र्‌या था,
४२"इने दूसरा के बचाड़्या, पण अपणे
खुद के नी बचाड़ी सकतो। यो इसराइल
को राजो हे! अगर अबे कुरुस पे से उतरे
तो हम इका पे बिसास करांगां। **४३**यो
परमेसर पे भरोसो राखे; अगर उ इके
चावे हे तो अबी छुड़ई ले,† क्योंके उने
क्यो थो, 'हूं परमेसर को बेटो हूं'।"
४४जो डाकूहुंण उका गेले कुरुस पे
लटकाड़्या था, वी बी असतरा उकी निंदा
करी र्‌या था।

ईसु ने पराण छोड़्या

*(मरकुस १५.३३-४१; लूका
२३.४४–४९; योहन १९.२८–३०)*

४५बारा बज्या दन से लई के तीन
बज्या दन तक आखा देस माय इन्दारो
छायो र्‌यो। **४६**† तीन बज्या का करीब
ईसु उंची अवाज से चिल्लाड़्यो, "एली,
एली लमा सबकतनी?" याने, "हे म्हारा
परमेसर, हे म्हारा परमेसर, तने म्हारे
कायसरु छोड़्यो?"
४७वां उब्या होया माय से थोड़ाक ने
यो सुणी के क्यो, "उ एलियाह नबी[a] के
तेड़ी र्‌यो हे।" **४८**† उणका माय से झट
एक ने दोड़ी के पाणी चुसवा की चीज के
सिरका माय डुबाड़्यो अने बरु पे धरी के
उके चुसवा सरु द्‌यो।
४९पण बाकी लोगहुंण ने क्यो, "देखां,
एलियाह उके बचाड़वा सरु आवे के
नी?"
५०तो ईसु ने पाछी उंची अवाज माय
चिल्लाड़ी के पराण छोड़ी लाख्या।
५१† अने देखो, यरुसलेम नगर माय
मन्दर को परदो[b] अदरे से निच्चे तक
फाटी के दो बटका हुई ग्यो। धरती
डोली गी, सिल्लाहुंण तड़की गी, **५२**अने
कबरहुंण खुली गी, अने नरागंज मर्‌या
होया पवित्तर लोगहुंण की लोथ जीवती
हुइगी। **५३**उका जी उठवा का बाद
कबरहुंण माय से निकळी के यहूदिहुंण
का पवित्तर नगर यरुसलेम माय ग्या अने
नरा के नगे आया।
५४तो सेना को सुबेदार अने जो लोग
उका गेले ईसु को पेरो दई र्‌या था, जदे
उणने धरती कांपणो अने इनी घटणाहुंण

---

[a] **२७.४७** एलियाह नबी; ईसु से आठ सो सत्तर साल पुराणो भविसबाणी करवा वाळो नबी।
[b] **२७.५१** परदो; म्हापवित्तर अने पवित्तर जगा का अदाड़ माय लटक्यो होयो परदो जेका माय साधारण लोग नी जई सकता था। परभु ईसु का लोई बिवाड़्या जावा का बाद अबे साधारण लोगहुंण बी मन्दर माय जई सकता हे।

† **२७.३९:** भजन संहिता २२.७, १०९.२५ † **२७.४०:** मत्ती २६.६१; योहन २.१९
† **२७.४३:** भजन संहिता २२.८ † **२७.४६:** भजन संहिता २२.१ † **२७.४८:** भजन संहिता ६९.२१
† **२७.५१:** निरगमन २६.३१–३३

के देख्यो तो घणा डरी के क्यो, "सांची
यो परमेसर को बेटो थो!"
५५† अने वां नरी गंज बइराहुंण जो
ईसु की सेवा करती हुई गलील से उका
पछड़े चल्यई थी, दूरा से यो देखी री थी।
५६उणका माय मगदला गांम की रेवा
वाळी मरियम, याकूब अने यूसफ की
मेतारी मरियम, अने जब्दी का बेटाहुंण
की मेतारी थी।

ईसु के गाड़्यो जाणो

*(मरकुस १५.४२-४७; लूका
२३.५०–५६; योहन १९.३८–४२)*

५७जदे सांज हुई तो अरमतियाह गांम
को यूसफ नामको एक धणी मनख
आयो। उ बी ईसु को चेलो थो। **५८**तो उने
पिलातुस कने जई के ईसु की लोथ मांगी
तो पिलातुस ने उके देवाड़ी दी। **५९**अने
यूसफ ने ईसु की लोथ के लइ-जई के
साफ मलमल का लतरा माय लपेटी।
६०अने उने अपणी नवी कबर माय ईसु
की लोथ धरी, जो उने सिल्ला माय कोरी
के बणई थी। फेर एक घणो बजनदार
भाटो कबर का मुन्डा पे रड़कई के चल्यो
ग्यो। **६१**मगदला की मरियम अने दूसरी
मरियम वां कबर का सामे बेठी थी।

कबर पे नेपो

६२दूसरा दन, फसह परब की तय्यारी
का दन का एक दन बाद, मुख-पुरोहितहुंण
अने फरीसिहुंण ने पिलातुस कने भेळा हुई
के क्यो, **६३**† "म्हाराज, हमारे रियाद हे के
उना धोकाबाज ने अपणा जीते जी क्यो
थो, 'तीन दन बाद हूं जीवतो हुई जउंवां।'
६४तो हुकम दे के तीसरा दन तक कबर
की चोकसी करी जाय, कंई असो नी होय
के चेलाहुंण अई के लोथ के चोरी लई
जाय अने लोगहुंण से के, 'उ मर्‌या माय
से जी उठ्‌यो हे।' जदे तो पाछल्यो धोको
अगल्या से बी बुरो रेगा।"
६५पिलातुस ने उणकासे क्यो, "नेपादार
हे। जसो बी उको बन्दोबस करी सको,
वसोज करो।"
६६तो वी नेपादारहुंण के गेले लई ग्या
अने कबर का भाटा पे मोहर लगाड़िके
नेपादार बेठाड़ी लाख्या।

कबर की नेपादारी पे सिपईहुंण
(MAT २७.६६)

ईसु मर्‌या माय से जीवतो होयो

(मरकुस १६.१–१०; लूका २४.१–१२; योहन २०.१–१०)

२८ सबद् बितवा पे, हफ्ता का पेलां
दन परोड़ाज मगदला गांम की
मरियम अने दूसरी मरियम कबर के

---

† **२७.५५–५६:** लूका ८.२–३

† **२७.६३:** मत्ती १६.२१, १७.२३, २०.१९; मरकुस ८.३१, ९.३१, १०.३३–३४; लूका ९.२२, १८.३१–३३

देखवा अई। २अने देखो, घणी जोर से
धरती धुजी, क्योंके परमेसर को एक
दूत सरग से उतरी के आयो अने
सिल्ला के कबर पे से इकाड़ी सरकई
के उका पे बेठी ग्यो। ३उको रुप बिजळी
जसो अने उका लतरा बरफ सरीका
धोळा था। ४नेपादारहुंण उका डर से
धुजवा लाग्या अने मर्‌या जसा हुई ग्या।
५सरगदूत ने बइराहुंण से क्यो, "डरो
मती, क्योंके हूं जाणूं के तम ईसु, जेके
कुरुस पे टांगी लाख्यो थो ढुंडी र्‌या हो।
६उ यां हयनी, क्योंके उ अपणा केवा का
मुजब जिन्दो हुई ग्यो। आव, उनी जगा के
देखो जां उके धर्‌यो थो। ७उका चेलाहुंण
के झट जई के बताड़ो, 'उ मर्‌या माय से
जिन्दो हुई ग्यो। अने देखो, उ तमार से
पेलां गलील जायगा; वां तम उके देखोगा।'
देखो, म्हने तमारे बताड़ी द्‌यो हे।"
८इका पे वी डरी अने घणी खुसी का
साते झट कबर से पलटी अने चेलाहुंण
के यो समिचार देवा सरु पाटी दई।
९जदे देखो, ईसु उणकासे मिळ्यो अने
क्यो, "तमारे सान्ती मिळे।" वी उका
कने अई अने उणने उका पग पकड़ी के
उके धोक द्‌यो। १०तो ईसु ने उणकासे
क्यो, "डरो मती। जाव अने म्हारा भई-
बेनहुंण[†] से को के वी गलील चल्या
जावे, अने वां वी म्हारे देखेगा।"

नेपादारहुंण की गवई

११वी रस्ता मायज थी के देखो,
नेपादारहुंण माय से थोड़ाक ने नगर माय
जई के पूरो हाल मुख-पुरोहितहुंण से कई
सुणायो। १२तो उणने बुड़ा-हाड़ा नेताहुंण
का गेले भेळा हुई के एको कर्‌यो। अने
सिपईहुंण के नरा रुप्या दई के १३क्यो,
"लोगहुंण से कोजो, 'राते जदे हम सोइर्‌या
था तो उका चेलाहुंण अई के उके चोरी
लई ग्या।' १४अने अगर राजपाल का कान
तक या बात पोंचे तो हम उके समजाड़ी
दांगा अने तमारे संकट से बचई लांगा।"
१५उणने रुप्या लई के जसो सीखाड़्यो
थो वसोज कर्‌यो। या बात यहूदिहुंण माय
दूर-दूर तक फेली गी जो आज तक चली
री हे।

ईसु ने चेलाहुंण के दरसन अने आखरी हुकम द्‌यो

(मरकुस १६.१४-१८; लूका २४.३६-४९;
योहन २०.१९-२३; परेरितहुंण १.६-८)

१६[†] फेर ग्यारा चेला गलील का उना
परबत पे ग्या जां ईसु ने जावा सरु क्यो
थो, १७अने जदे उणने उके देख्यो तो
उके धोक द्‌यो, पण कंई-कइंका के सक
होयो। १८तो ईसु ने उणका कने अई के
क्यो, "सरग अने धरती को सगळो हक
म्हारे द्‌यो हे। १९[†] इकासरु जाव, अने
सगळी जात का लोगहुंण के चेला बणाव
अने उणके परमेसर पिता, बेटो अने
पवित्तर आतमा का नाम से बपतिसमो
दो, २०अने जो जो हुकम म्हने तमारे
द्‌या उको पाळण करनों सिखाड़ो। अने
देखो, हूं जुग[c] का आखरी तक सदाज
तमारा गेले हूं।"

---

[c] **२८.२०** जुग; या जग / जगत / संसार / दुनिया (योहन १७.१८,२१,२३)।
[†] **२८.१०:** मत्ती १२.५० [†] **२८.१६:** मत्ती २६.३२; मरकुस १४.२८ [†] **२८.१९:** परेरितहुंण १.८

मरकुस
लिख्यो सुब-समिचार

लिखवा वाळो: मरकुस

लिखवा की वजा: मसीह, यहोवा को सेवक

लिखवा को बखत: करीब ५०-६८ ईस्वी सन्

मरकुस ईसु का पेलांपेल का चेलाहुंण माय से नी थो। उ तो यरुसलेम निवासी (परेरितहुंण १२.१२), सिमोन पतरस को साती (१ पतरस ५.१३), अने बरनाबास का काका जायो भई थो (कुलुस्सिहुंण ४.१०), जो बखत आवा पे पोलुस अने यरुसलेम का परेरितहुंण का गेले काम करवा वाळो बणी ग्यो। परेरितहुंण का साते काठो नातो होवा की वजासे उ ईसु मसीह का जीवन, अने सुरु का मसीही लोगहुंण का कामहुंण का बारामें जाणकारी दे हे।

ईस्वी सन् ११२ की सुरुआत की मण्डळी का अगवा पपीयास ने मरकुस की लिखी पोथी के पतरस को अनुवादक बताड्यो। परेरितहुंण १०.३६-४३ माय द्या परबचन को मिलाण मरकुस का सुब-समिचार से करवा पे परगट होय हे के पतरस को उ परबचन ईसु की जिनगी की एक रुप-रेखा हे जेके लई के मरकुस ने बड़ा रुप माय बखाण कर्‌यो हे। मरकुस ने अपणो यो सुब-समिचार खास करिके रोम नगर माय रेवा वाळा लोगहुंण सरु लिख्यो, अने ईसु के सेवक याने यहोवा का सेवक का रुप माय परगट कर्‌यो। फेर उने सुब-समिचार के याने इनी पोथी के, "परमेसर का बेटा ईसु मसीह को सुब-समिचार से सुरु कर्‌यो हे।" उने इनी सुब-समिचार की पोथी माय ईसु के एक सेवक जो हक से भर्‌यो हे उके काम करवा वाळा मनख का रुप माय परगट कर्‌यो हे। इका माय ईसु खुद के "परमेसर को बेटो" के हे। सुरु की मण्डळी को इतयास अने ईसु का जीवन को बखाण मरकुस ने रोम माय लिख्यो थो।

रुप-रेखा:-

या रुपरेखा ईसु का जीवन के उकी सेवकई माय करी गी जातराहुंण का रुप माय लिखी हे अने ईसु के एक सेवक याने परमेसर का सेवक का रुप माय, "काम माय लाग्यो रेणो" की वजासे कइंका बी मनख पे इको असर होय हे।

१. भूमिका *१.१*

२. सुरु की घटणाहुंण *१.२-१३*

३. गलील की पेली जातरा १.१४-४.३४
(अचरज का काम अने मिसाळहुंण)।
४. दिकापुलिस की जातरा ४.३५-५.४३
५. गलील की दूसरी जातरा ६.१-२९
६. ईसु एखला माय ६.३०-५२
७. गलील की तीसरी जातरा ६.५३-७.२३
८. धरउ देस की जातरा ७.२४-९.२९
दुःख-भोग का बारामें पेली कावा केणो ८.३१
९. गलील की चोथी जातरा ९.३०-५०
दूसरी कावा दुःख-भोग का बारामें केणो ९.३१
१०. पीरिया अने गलील की जातरा १०.१-५२
तीसरी कावा दुःख-भोग का बारामें केणो १०.३३,३४
११. यरुसलेम माय सेवा ११.१-१३.३७
१२. दुःख-भोगणो अने मोत माय से जिन्दो होणो १४.१-१६.२०

ईसु का दूत की तय्यारी

(मत्ती ३.१-१२; लूका ३.१-१८; योहन १.१९-२८)

१ परमेसर को बेटो[a] ईसु मसीह का
सुब-समिचार की सुरुआत। २† जसाके
यसायाह नबी ने परमेसर आड़ी से क्यो
के,

"देख हूं थारा अगड़े अपणो दूत
मोकलुं,
जो थारो रस्तो तय्यार करेगा;
३† मांळ माय हेला पाड़वा वाळा को
यो हेलो,
'परभु को रस्तो तय्यार करो,
उकी बाटहुंण सुदी करो।"

४योहन बपतिसमो देवा वाळो पापहुंण
की मांफी सरु हिरदो बदळवा का
बपतिसमा को परचार करतो मांळ माय
आयो।[b] ५अने यहूदिया का आखा इलाका
का अने यरुसलेम का सगळा रेवासी
उका कने हिट्याया, अने अपणा पापहुंण
के मानी के यरदन नद्दी माय उकासे
बपतिसमो लेवा लाग्या।

६† योहन तो ऊंट का रुंवां का लतरा
पेर्‌या करतो अने कमर माय चामड़ा को
कमरपेटो बान्द्‌या करतो अने टिडिड्हुंण
अने सेत खाया करतो थो। ७अने यो
केतो परचार कर्‌या करतो थो, "म्हारा
बाद एक आवा वाळो हे, जो म्हार से
घणो सामरती हे, अने हूं उकी पन्नी
उठाड़वा लायक बी हयनी। ८म्हने तो
तमारे पाणी से बपतिसमो[c] द्‌यो, पण उ
तमारे पवित्तर आतमा से बपतिसमो देगा।

---

[a] **१.१** थोड़ाक हात का लिख्या होया लेख माय परमेसर को बेटो नी हे। [b] **१.४** योहन बपतिसमो देवा वाळो ... मांळ माय आयो; कई लेखहुंण माय असो हे योहन बपतिसमा देवा वाळो, परचार करतो मांळ माय परगट्‌यो। [c] **१.८** बपतिसमो; सबद् भण्डार माय देखो।

† **१.२:** मलाकी ३.१ † **१.३:** यसायाह ४०.३ † **१.६:** २ राजा १.८

ईसु को बपतिसमो अने उकी अजमाइस

(मत्ती ३.१३-४.११; लूका ३.२१-२२; ४.१-१३)

९उना दनहुंण माय असो होयो के ईसु
ने गलील का नासरत इलाका से अई के
योहन से यरदन नद्दी माय बपतिसमो
ल्यो। **१०**अने जसेज उ पाणी से बायरे
हिट्यो तो उने असमान के खुलतो होयो
अने आतमा के कबुतर सरीको अपणा
अदरे उतरतो देख्यो; **११**[†] जदे सरग से
या अवाज अई: "तू म्हारो परमिलो बेटो,
हूं थार से घणो खुस हूं।"
१२अने आतमा ने झट उके मांळ माय
जावा सरु उकसाड्यो। **१३**अने चाळीस दन
तक मांळ माय उकी अजमाइस सेतान
से होती री अने उ वां मांळ जनावर का
गेले र्‌यो अने सरगदूत उकी सेवा-टेल
करता था।

पेलांपेल चेलाहुंण के तेड़णो

(मत्ती ४.१२-२२; लूका ४.१४-१५; ५.१-११)

१४योहन के बन्दी बणाया जावा का
बाद ईसु तो परमेसर का राज को सुब-
समिचार सुणातो होयो गलील आड़ी
आयो। **१५**[†] अने यो केवा लाग्यो, बखत
पूरण होयो, अने परमेसर को राज कने
हे, हिरदो बदळो अने सुब-समिचार पे
बिसास करो।"
१६जदे उ गलील का सरवर का कराड़े-
कराड़े जई र्‌यो थो, तो उने सिमोन अने
उका भई अन्द्रियास के सरवर माय जाळ
लाखता देख्या, क्योंके वी भोई था। **१७**ईसु
ने उणका से क्यो, "म्हारा पाछे चलो, हूं
तमारे मनखहुंण का भोई बणउंवां।" **१८**वी
झट जाळहुंण छोड़ी के उका पाछे चली
पड़्या।
१९थोड़ाक अगड़े बड़वा पे उने जब्दी
का बेटा याकूब अने उका भई योहन के
नाव माय जाळ सांधता देख्या। **२०**उने
झट उणके तेड़्या; अने वी अपणा दाइजी
जब्दी के मजुर्‌याहुंण का गेले छोड़ी के
उका पाछे चली पड़्या

ईसु बायरबादा के बायरे हेड़े

(लूका ४.३१-३७)

२१फेर वी कफरनहूम सेर-गांम माय
आया, अने झट सबत् का दन उ
पराथनाघर[d] माय जई के परबचन देवा
लाग्यो। **२२**[†] अने लोग उका परबचन से
चकित होया, क्योंके उ उणके सासतरिहुंण
सरीको नी, पण हक से परबचन दई र्‌यो
थो।
२३उणाज बखत उणका पराथनाघर
माय एक मनख जेके बायरबादा[e] लागी
थी। वा या कई के चिल्लाड़ी, **२४**हे ईसु
नासरी, हमारे थार से कंई काम? कंई तू
हमारे नास करवा आयो? हूं जाणूं तू कुंण
हे - परमेसर को पवित्तर जणो!"
२५ईसु ने उके डांटी के क्यो, "छानी रे,
अने उका माय से हिटी जा।"
२६तो बायरबादा उके मरोड़ी के उंची
अवाज से चिखती हुई उका माय से हिटी
गी। **२७**वी सगळा दंग रई ग्या, अने
माय-माय तरक-बितरक करता होया केवा

---

[d] **१.२१** पराथनाघर; अराधनालय। [e] **१.२३** बायरबादा; बायरे की हवा, बुरी आतमा, दुस्ट आतमा।
[†] **१.११:** उत्पत्ती २२.२; भजन संहिता २.७; यसायाह ४२.१; मत्ती ३.१७, १२.१८; मरकुस ९.७; लूका ३.२२
[†] **१.१५:** मत्ती ३.२ [†] **१.२२:** मत्ती ७.२८–२९

लाग्या, "या कंई बात हे? हक का साते
नवी सीख! उ बायरबादा के हुकम दे अने
वी उकी माने हे।"

२८तो उका बारामें यो समिचार जदेज
गलील का ऐरे-मेरे का आखा इलाका
माय फेली ग्यो।

ईसु नरा लोगहुंण के नज करे

(मत्ती ८.१४-१७; लूका ४.३८-४१)

२९वी पराथनाघर से हिटवा का बाद
झट याकूब अने योहन का गेले सिमोन
अने अन्द्रियास का घरे आया। **३०**वां
सिमोन की सासु बुखार माय पड़ी थी;
अने उणने झट उका बारामें ईसु के
बताड़्यो। **३१**ईसु ने उका कने अई के उको
हात पकड़ी के उठाड़ी। उको बुखार उतरी
ग्यो, अने वा उणकी सेवा करवा लागी।

३२सांज का बखत, दन अथणवा का
बाद लोग सगळा बेमारहुंण के अने
जिणका माय बुरी आतमाहुंण भरई थी
ईसु कने लावा लाग्या। **३३**अने आखो
नगर का फाटक पे भेळो हुई ग्यो।
३४उने नरा के नरी-तरा की बेमारिहुंण
से जो दुःख्या था, नज कर्‌या, अने नरी
बुरी आतमाहुंण के हेड़ी; अने उ बुरी
आतमाहुंण के बोलवा को हुकम नी देतो
थो। क्योंके वी जाणती थी के उ कुंण हे।

एखला माय पराथना

(लूका ४.४२-४४)

३५परोड़े जदे इन्दारोज थो उ उठ्‌यो
अने बायरे हिटी के एखला माय ग्यो अने
वां पराथना करवा लाग्यो। **३६**तो सिमोन
अने उका साती उके ढुंडवा लाग्या।
३७अने उणने उके पई के क्यो, "सगळा
लोग थारे ढुंडी र्‌या हे।"

३८उने उणकासे क्यो, "आव, हम हजु
कंई ऐरे-मेरे की बस्तिहुंण माय जावां,
के हूं वां बी परचार करी सकूं; क्योंके हूं
इकासरु आयो हूं।"

३९† तो उ आखा गलील माय अने
यहूदिहुंण का पराथनाघरहुंण माय जई
के परचार करतो अने बायरबादाहुंण के
हेड़तो र्‌यो।

कोड़्या के नज करनों

(मत्ती ८.१-४; लूका ५.१२-१६)

४०एक कोड़्यो उका कने आयो अने
उका सामे गोड़ा टेकी के उकासे बिणती
करिके केवा लाग्यो। "अगर तू चावे तो
म्हारे सुद्द करी सके[f]।"

४१ईसु ने उका पे तरस[g] खई के अपणो
हात अगड़े कर्‌यो अने उकासे चोंटई के
क्यो, "हूं चउं; तू सुद्द हुई जा।" **४२**अने
झट उको कोड़ खतम हुई ग्यो अने उ सुद्द
हुई ग्यो। **४३**फेर उने काठी चेतावणी दई के
उके झट मोकली द्‌यो, **४४**† ईसु ने उकासे
क्यो, "देख, कइंका से कइंनी केणो, पण
जई के अपणे खुद के पुरोहित के बताड़ उ
साबित करे अने सुद्द होवा का बारामें मूसा
नबी ने जो कंई हुकम द्‌यो उको चड़ावो
चड़ा जेकासे पुरोहितहुंण पे गवई रे।"

४५पण उ बायरे हिटी के इका बारामें
यां तक परचार करवा लाग्यो के ईसु

---

[f] **१.४०** म्हारे सुद्द करी सके; इनी (कोड़) व्यादी से जो मनख हे उके सासत्तर का मुताबिक असुद्द मान्यो जातो थो। [g] **१.४१** तरस; थोड़ाक मूळ माय करोध।

† **१.३९:** मत्ती ४.२३, ९.३५ † **१.४४:** लेव्यव्यवस्था १४.१–३२

पाछो खुले-आम कइंका नगर माय जई
नी सक्यो, पण मांळ माय र्‌यो; फेर बी
चारी-मेर से लोगहुंण उका कने आता
र्‌या।

लकवा का रोगी के नज करनों

(मत्ती ९.१-८; लूका ५.१७-२६)

२ नरा दन बाद जदे ईसु पाछो
कफरनहूम नगर आयो तो सुण्यो के
उ घर माय हे। २अने नरा लोगहुंण भेळा
हुई ग्या यां तक के कमांड़ का बायरे तक
बी जगा नी थी, अने उ उणके परबचन
सुणई र्‌यो थो। ३तो लोग लकवा का एक
बेमार के चार मनखहुंण से उठाड़ी के
उका कने ल्याया। ४पण जदे भीड़ की
वजासे उका कने जई नी सक्या, तो वी
घर पे फेर्‌या खापराहुंण के जां ईसु थो
हटाड़वा लाग्या; अने जदे उणने हटाड़ी
के जगा बणई ली, तो उनी खाट के जेका
पे लकवा को बेमार पड़्यो थो, निच्चे
उतारी। ५अने ईसु ने उणको बिसास देखी
के उना लकवा का बेमार से क्यो, "हे
बेटा, थारा पाप मांफ हुई ग्या।"

६वां की जागे थोड़ाक सासतरी बेठ्या
अपणा हिरदा माय तरक-बितरक करी
र्‌या था। ७"यो मनख असो कायसरु
बोले? यो तो परमेसर की बुरई करी
र्‌यो; परमेसर का अलावा हजु कुंण पाप
मांफ करी सके हे?"

८ईसु ने झट अपणा आतमा माय यो
जाणी के, के वी अपणा हिरदाहुंण माय
असतरा तरक-बितरक करी र्‌या, उणकासे
क्यो, "तम कायसरु अपणा हिरदाहुंण
माय इनी बातहुंण का बारामें तरक-
बितरक करी र्‌या हो? ९सरल कंई हे,
इना लकवा का बेमार से यो केणो के,
'थारा पाप मांफ होया' या यो के, उठ्या,
अने अपणी खाट उठाड़ी के चल'? १०पण
इकासरु के तम जाणो के हूं मनख का
बेटा[h] के इनी धरती पे पाप मांफ करवा
को हक हे, "उने लकवा का मार्‌या से
क्यो, ११"हूं थार से कूं, 'उठ्या' अपणी
खाट उठाड़ अने घरे चल्यो जा'।"

१२उ उठ्यो अने झट अपणी खाट
उठाड़ी के सगळा लोगहुंण का देखता
होया बायरे चल्यो ग्यो; अने वी सगळा
दंग रई ग्या अने परमेसर की म्हेमा
करता होया केवा लाग्या, "असो तो हमने
कदी नी देख्यो।"

लेवी के तेड़णो

(मत्ती ९.९-१३; लूका ५.२७-३२)

१३उ पाछो बायरे हिटी के सरवर कराड़े
ग्यो, अने बड़ीमेक भीड़ उका कने अइरी
थी, अने उ उणके परबचन देतो थो।
१४जाता बखत उने हलफई का बेटा लेवी
के चुंगी-चोकी माय बेठ्यो देख्यो, अने
उने उकासे क्यो, "म्हारा पाछे हुई जा।"
उ उठ्यो अने ईसु का पाछे चली पड़्यो।

१५फेर असो होयो के जदे उ लेवी का
घरे[i] जिमी र्‌यो थो तो नरा चुंगी वसुळवा
वाळा अने पापी बी, ईसु अने उका
चेलाहुंण का गेले जिमी र्‌या था; क्योंके
वी नरा था अने उका पाछे चली पड़्या

---

[h] **२.१०** मनख का बेटा; सबद् भण्डार माय देखो।

[i] **२.१५** लेवी का घरे; या उका (या ईसु की) घर माय।

था। १६जदे फरीसिहुंण[j] माय से थोड़ाक
सासतरिहुंण[k] ने देख्यो के उ पापिहुंण
अने चुंगी लेवा वाळा का गेले जिमी र्‌यो
तो उका चेलाहुंण से केवा लाग्या, "ईसु
चुंगी लेवा वाळा अने पापिहुंण का गेले
कायसरु खाय-प्ये?"

१७यो सुणी के ईसु ने उणकासे क्यो,
"अच्छा-भला के बेद की जरुवत हयनी,
पण बेमारहुंण के हे। हूं धरमिहुंण के नी,
पण पापिहुंण के तेड़वा आयो हूं।"

ईसु से बरत का बारामें सवाल

(मत्ती ९.१४-१७; लूका ५.३३-३९)

१८योहन का चेलाहुंण अने फरीसी बरत
राख्या करता था; अने वी अई के ईसु
से केवा लाग्या, योहन का चेलाहुंण अने
फरीसिहुंण का चेलाहुंण तो बरत राखे,
पण थारा चेलाहुंण कायसरु बरत नी
राखे?"

१९ईसु ने उणकासे क्यो, "जदत्तक लाड़ो
बरात्याहुंण का गेले रे, तो कंई बरात्या
बरत राखे? जदत्तक लाड़ो उणका गेले
रे वी बरत नी राखी सके। २०पण वी
दन आयगा जदे लाड़ो उणकासे इकाड़ी
कर्‌यो जायगा अने जदे वी उना दन
बरत राखेगा।

२१नवा लतरा को थेगळो जूना लतरा
पे कईं को नी लगाड़े; नी तो थेगळो उका
माय से खेंची लेगा याने नवो जूना माय
से अने उ पेलां से बी बत्ती फाटी जायगा।
२२नवा अंगूर रस के जूनी मसखहुंण
माय कईं को नी भरे, नी तो अंगूर रस
मसखहुंण फाड़ी लाखेगा अने अंगूर रस
अने मसखहुंण दोइज नास हुई जायगा;
पण नवो अंगूर रस नवी मसखहुंण माय
भर्‌यो जाय हे।"

सबत् अने मनख

(मत्ती १२.१-८; लूका ६.१-५)

२३[†] असो होयो के उ सबत् का
दन खेतहुंण माय से हुई के जई र्‌यो
थो, अने उका चेलाहुंण चलता-चलता;
उम्बी तोड़वा लाग्या। २४अने फरीसिहुंण
उकासे केवा लाग्या, देख, "ई असो काम
कायसरु करे जो सबत् का दन[l] करनों
अच्छो हयनी?"

२५[†] तो उने उणकासे क्यो, "कंई
तमने कदी असो नी बांच्यो के जदे
दाऊद राजा[m] अने उका सातिहुंण के भूक
लागी अने उके जरुवत हुई तो दाऊद ने
कंई कर्‌यो? २६[†] उने कसे अबियातार
म्हापुरोहित[n] का बखत माय, परमेसर
का मन्दर माय जई के चड़ावा का रोटा
खाया जिणके खाणो पुरोहित का अलावा
कइंका के ठीक नी थो, अने उने अपणा
सातिहुंण के बी दई द्‌या?"

२७फेर उने उणकासे क्यो, "सबत् को
दन मनख सरु बणायो, नी के मनख
सबत् सरु। २८इकासरु हूं मनख को बेटो
सबत् को बी मालेख हूं।"

---

[j] **२.१६** फरीसिहुंण; सबद् भण्डार माय देखो। [k] **२.१६** सासतरिहुंण; नेम-बिधान का सीखावा वाळा।
[l] **२.२४** सबत् का दन; यहूदिहुंण को पवित्तर छुट्‌टी को दन। इना दन माय कइंज नी करे, सिरप पराथना घर माय जई के अराधना-उपासणा करे। [m] **२.२५** दाऊद राजा; यहूदिहुंण का पुराणा बखत को राजो। [n] **२.२६** अबियातार म्हापुरोहित; दाऊद राजा का बखत को म्हापुरोहित।
[†] **२.२३:** नेम-बिधान २३.२५ [†] **२.२५–२६:** १ सेमुएल २१.१–६ [†] **२.२६:** लेव्यव्यवस्था २४.९

सरवर का कराड़े परबचन (MRK ३.९)

सुक्या हात वाळा के नज करनों

(मती १२.९-१४; लूका ६.६-११)

३ अने ईसु पाछो पराथनाघर माय ग्यो। वां एक मनख थो जेको हात सुकी ग्यो थो। २फरीसिहुंण उका पे दोष लगाड़वा सरु उकी हेर माय था के देखां, उ सबत् का दन उके नज करे के नी। ३ईसु ने सुक्या हात वाळा मनख से क्यो, "उठ्या, अदाड़ माय सगळा का सामे उबी जा।" ४उने उणकासे क्यो, "सबत् का दन भलो करनों ठीक हे के बुरो करनों, पराण बचाड़णो के घात करनों?"

पण वी छाना र्‌या। ५उने चारी आड़ी उणके गुस्सा से देख्यो अने उणका हिरदा का काठापण पे दुःखी हुई के उने उना मनख से क्यो, "अपणो हात सामे कर, "उने उके सामे कर्‌यो, अने उको हात नज हुई ग्यो ६अने फरीसी पराथनाघर से बायरे हिट्या अने झट ईसु का बिरोद माय हेरोदियाहुंण[o] का गेले मनसुबो करवा लाग्या के कसतरा ईसु के नास करां।

ईसु का पछड़े भीड़

७ईसु अपणा चेलाहुंण का गेले सरवर आड़ी चल्यो ग्यो। गलील से एक बड़ीमेक भीड़ उका पाछे चली अने यहूदिया इलाका, ८यरुसलेम नगर, इदुमिया नगर, यरदन नद्दी का पेलां पार अने सूर अने सेदा कस्बा का ऐरे-मेरे से बी बड़ी भीड़ उका सगळा काम का बारामें सुणी के उका कने अई। ९[†] उने अपणा चेलाहुंण से क्यो, "भीड़ की वजासे एक नाव उका सरु तय्यार राखी जावे जेकासे के भीड़ उके घेरी नी ले, १०क्योंके उने नरा के नज कर्‌या था, इनी वजासे वी सगळा जो रोगी था, उकासे चोंटवा सरु उका चारी-मेर धक्का-मुक्की करी र्‌या था। ११अने जदे कदी बुरी आतमाहुंण उके देखी लेती तो उका अगड़े पड़ी जाती, अने चिल्लाड़ी के केती थी, "तू परमेसर को बेटो हे।"

१२अने उ उणके घड़ी-घड़ी चेताड़्या करतो थो के उके नी परगटे।

बारा चेलाहुंण के सेवा सरु छांटणो

(मती १०.१-४; लूका ६.१२-१६)

१३फेर उ परबत पे चड़ी ग्यो अने जिणके चाया उणके अपणा कने बुलाड़्या, अने वी उका कने आया। १४तो उने उणका माय से बारा चेलाहुंण के छांट्या के वी उका गेले रे अने उ उणके परचार करवा सरु मोकले, १५अने

---

[o] **३.६** हेरोदियाहुंण; राजनेतिक पालटी जो करीब ईसु मसीह का बखत यहूदिहुंण सरु बणी थी जो हेरोदेस को समरथन करती थी क्योंके हेरोदेस रोमी राजपाल थो।

[†] **३.९–१०:** मरकुस ४.१; लूका ५.१–३

उणके बुरी आतमाहुंण के हेड़वा को
हक द्यो।
१६फेर उने इना बाराहुंण के छांट्या:
सिमोन, जेको नाम उने पतरस राख्यो,
१७अने जब्दी को बेटो याकूब, अने
याकूब को भई योहन जेको नाम उने
बुअनरगिस याने गरजन को बेटा राख्या;
१८अने अन्द्रियास, अने फिलिप्पुस,
अने बरतुलमे, अने मत्ती अने थोमा,
अने हलफई को बेटो याकूब अने तद्दई,
अने सिमोन कनानी,[p] **१९**अने यहूदा
इस्करियोती, जेने उके पकड़वई बी
लाख्यो थो।

ईसु अने बालजबूल

(मत्ती १२.२२-३२; लूका ११.१४-२३, १२.१०)

२०अने उ घरे आयो अने फेर एक असी
घणी बड़ीमेक भीड़ भेळी हुई के ईसु अने
उका चेलाहुंण रोटा बी नी खई सक्या।
२१जदे ईसु का कुटम का लोगहुंण ने यो
सुण्यो, तो उके पकड़वा सरु निकळ्या,
क्योंके उणको केणो थो के, "उको चित्त
ठिकाणे हयनी।"
२२[†] तो सासतरी जो यरुसलेम से
आया था, कई र्या था, "उका माय
बालजबूल याने सेतान भरायो हे, अने उ
बुरी आतमाहुंण का परधान की मदद से
बुरी आतमाहुंण के हेड़े हे।"
२३तो ईसु ने उणके अपणा कने
बुलाड़्या अने उणकासे मिसाल माय
केवा लाग्यो, "सेतान कसे सेतान के हेड़ी
सके? **२४**अगर कइंका राज मायज फाड़
पड़ी जाय, तो उ राज जम्यो नी रे।
२५अगर घर माय फाड़ पड़ी जाय तो उ
घर बण्यो नी रे। **२६**अने अगर सेतान
अपणोज बिरोदी हुई जाय अने उका माय
फाड़ पड़ी जाय, तो उ बण्यो नी रेगा, पण
यो उको अंत रेगा!
२७पण कईं को मनख कइंका ताकतवर
मनख का घर माय भरई के उकी धन-
सम्पत्ती नी लुटी सके, जदत्तक के उ उना
ताकतवर मनख के पेलां बान्दी नी लाखे।
इका बादज उ उको घर लुटेगा।
२८हूं तमार से खास बात कूं, मनखहुंण
की सन्तान का सगळा पाप अने निंदा[q]
जो वी करे मांफ कर्या जायगा, **२९**[†] पण
जो कईं को पवित्तर आतमा का बिरोद
माय निंदा करे उके कदीज मांफ नी
कर्यो जायगा, पण उ सदा सरु पाप
को दोषी ठेराड़्यो जाय हे।" **३०**क्योंके
वी यो कई र्या था, के "उका माय बुरी
आतमा हे।"

ईसु का चेलाज सांचा परवार

(मत्ती १२.४६-५०; लूका ८.१९-२१)

३१तो उकी मेतारी अने उका भई-
बेनहुंण वां पोंच्या, अने बायरे उबा हुई
के उके तेड़वा सरु मोकल्यो। **३२**अने
भीड़ उका चारी-मेर बेठी थी, अने उणने
उकासे क्यो, "देख, थारी मेतारी अने
थारा भई-बेनहुंण बायरे थारे ढुंडी र्या
हे। "
३३उने जुवाब द्यो, "म्हारी मेतारी अने
म्हारा भई-बेनहुंण कुंण?" **३४**अने उने

---

[p] **३.१८** सिमोन कनानी; या सिमोन जेलोतेस; उ राजनेतिक कट्टरपंथी पालटी को सदस्य थो।
[q] **३.२८** निंदा; या बुरी बातहुंण केणो; या परमेसर का बिरोद माय निंदा करनों।
[†] **३.२२:** मत्ती ९.३४, १०.२५ [†] **३.२९:** लूका १२.१०

चारी-मेर वां बेठ्या होया लोगहुंण आड़ी नगे करिके क्यो, "देखो! म्हारी मेतारी अने म्हारा भई-बेनहुंण! ३५क्योंके जो कईं को परमेसर की मरजी पे चले, उज म्हारो भई अने म्हारी बेन अने म्हारी मेतारी हे।"

बीज बोणे वाळा की मिसाल

(मत्ती १३.१-९; लूका ८.४-८)

४ † उ पाछो सरवर कराड़े परबचन देवा लाग्यो। अने उका कने घणी बड़ीमेक भीड़ भेळी हुइगी के उ सरवर माय एक नाव पे चड़िके बेठी ग्यो, अने आखी भीड़ सरवर का कराड़े जमीन पे उबी री। २ईसु मिसाल माय उणके नरी बातहुंण सीखाड़वा लाग्यो अने उ अपणा परबचन माय उणकासे कई र्‌यो थो,

बीज बोणे वाळो (MRK ४.३)

३"सुणो! देखो, एक बीज बोणे वाळो बीज बोणे हिट्‌यो। ४जदे उ बोई र्‌यो थो तो थोड़ाक बीज बाट का मेरे पड़्या अने चिरकलिहुंण ने अई के उणके चुगिल्या। ५अने थोड़ाक बीज भाटाळी जमीन पे पड़्या जां उणके जादा गारो नी मिळ्यो, अने गेरो गारो नी मिळवा की वजासे वी झट उग्याया, ६अने जदे दन उग्यो तो भुळसई ग्या अने जड़ नी पकड़वा की वजासे सुकई ग्या। ७थोड़ाक बीज कांटाळी झांडी माय पड़्या अने झांडिहुंण ने छई के उणके दाबी लाख्या, अने उणका माय फळ नी लाग्या। ८पण थोड़ाक बीज अच्छी जमीन माय पड़्या, जदे वी उगी के बद्‌या अने फळदार हुई के कइंका तीस गुणा, कइंका साट गुणा अने कइंका सो गुणा फळ लाया।"

९अने उ कई र्‌यो थो, "जिणका कने सुणवा सरु कान होय, वी सुणी ले।"

मिसालहुंण को उद्देस

(मत्ती १३.१०-१७; लूका ८.९-१०)

१०जसेज उ एखलो रई ग्यो, तो उका मानवा वाळा अने बारा चेलाहुंण उकासे मिसाल का बारामें पुछवा लाग्या। ११उने उणकासे क्यो, "तमार पे तो परमेसर का राज को भेद परगट्‌यो हे, पण बायरे वाळाहुंण सरु हरेक बात मिसाल माय करी जाय हे, १२† जेकासे के वी

देखता होया तो देखे
पण सुज नी पड़े,
अने सुणता होया तो सुणे

---

† **४.१:** लूका ५.१–३ † **४.१२:** यसायाह ६.९–१०

पण समजी नी सके,
कंई असो नी होय के
वी पलटे अने मांफी पई
जाय।"

मिसाल को अरथ

(मत्ती १३.१८-२३; लूका ८.९-१०)

१३ फेर उने उणकासे क्यो, "कंई तम
या मिसाल नी समज्या? तो फेर सगळी
मिसालहुंण के कसे समजोगा? **१४** बोणे
वाळो बचन बोय। **१५** अने ई वी हे जो
बाट का मेरे का, जां बचन बोयो जाय
अने जदे वी सुणे, तो सेतान झट अई
के बोया बचन के उठई लई जाय।
१६ असतरा ई लोग बीज बोया भाटाळी
जमीन सरीका हे। जदे वी बचन के सुणे
हे तो झट उके खुसी से मानी ले हे,
१७ वी अपणा माय गेरी जड़ नी राखे अने
थोड़ाज बखत सरु रे, पण जदे बचन
की वजासे उणका पे संकट या सताव
आय तो वी झट ठोकर खाय हे। **१८** अने
थोड़ाक वी बीज, जो कांटाळी झांडी माय
बोया उनी जमीन पे पड़्या बीज सरीका,
जो बचन के सुणे तो हे। **१९** पण संसार
की चिन्ताहुंण अने धन को धोको अने
दूसरी चीजहुंण को लोभ उणका माय
भरई के बचन के दाबी लाखे अने उ
बिना फळ को हुई जाय हे। **२०** अने ई
वी बीज हे जो अच्छी जमीन पे बोया
बीज सरीका हे अने वी बचन के सुणे
अने उके माने अने तीस गुणो, साट
गुणो अने सो गुणो फळ लाय हे।"

सरावला की मिसाल

(लूका ८.१६-१८)

२१† उ उणकासे कई र्‌यो थो, "कंई
सरावला के इकासरु लावे के उके टोपली
या खाट निच्चे धरे? कंई इकासरु नी लावे
के उके सरावला की जगा पे धरे? **२२**†
क्योंके कंई बी छिप्यो हयनी जो परगट
नी कर्‌यो जाय; नीज कंई गुपत हे जो
उजाळा माय नी आवे। **२३** अगर कइंका
कने सुणवा का कान होय तो उ सुणी
ले।"

२४† फेर ईसु ने उणकासे क्यो,
"चोकन्ना रो के कंई सुणो हो। जेना
मांप से तम मांपो हो उना मांप से
तमारा सरु मांप्यो जायगा; अने इका
से बी बत्ती तमारे द्‌यो जायगा। **२५**†
क्योंके जेका कने हे उके हजु द्‌यो
जायगा; अने जेका कने नी हे, उकासे
जो कंई उका कने हे उ बी लई ल्यो
जायगा।"

बीज की मिसाल

२६ उने क्यो, "परमेसर को राज असो हे
जसे कईं को मनख जमीन पे बीज लाखे,
२७ अने राते सोइ जाय अने दन माय
जागी जाय अने उ बीज अंकुर्‌या हुई
के बदे - उ जणो खुद नी जाणे के यो
कसे होय। **२८** जमीन अपणा आप फसल
उपजावे, पेलां अंकुर्‌या, उका बाद उम्बी,
अने फेर उम्बी माय तय्यार दाणा। **२९**†
पण जदे फसल पाकी जाय, तो उ झट

---

† **४.२१:** मत्ती ५.१५; लूका ११.३३
† **४.२२:** मत्ती १०.२६; लूका १२.२
† **४.२४:** मत्ती ७.२; लूका ६.३८
† **४.२५:** मत्ती १३.१२, २५.२९; लूका १९.२६
† **४.२९:** योएल ३.१३

दरांतो लगाय, क्योंके काटवा को बखत
अई ग्यो।"

रंई का दाणा की मिसाल

(मत्ती १३.३१-३२,३४; लूका १३.१८-१९)

३०अने ईसु ने उणकासे क्यो, परमेसर
का राज[r] को मिलाण हम किकासे करां,
या कां की मिसाल से हम इको बखाण
करां? **३१**उ रंई का बीज सरीको हे। जदे
उ जमीन माय बोयो जाय हालाके जमीन
का सगळा बीजहुंण से नानो रे, **३२**फेर बी
जदे उ बोयो जावे तो उगी के बगीचा का
सगळा झाड़हुंण से मोटो हुई जाय, अने
उका माय मोटी-मोटी डगाळहुंण हिटे,
जेकासे के असमान का पखेरु बी उका
छायळा माय बसेरो करी सके हे।"

३३ईसु उणके असी नरी मिसाल से
बचन सुणातो थो। जितरा वी समजी
सकता था। **३४**अने उ मिसाल बिना
उणकासे कइंनी बोलतो थो, पण एखला
माय अपणा चेलाहुंण के सगळो कंई
समजातो थो।

लेरहुंण अने अन्दी-दंदवाळ के थामणो

(मत्ती ८.२३-२७; लूका ८.२२-२५)

३५उणाज दन जदे सांज हुई तो उने
उणकासे क्यो, "आव, हम उना पार
चलां। **३६**अने भीड़ के छोड़ी के उणने
जसो उ थो उके अपणा गेले नाव पे चड़ई
ल्यो अने वां उणका गेले हजु बी नावहुंण
थी। **३७**तो एक घणी तेज अन्दी-दंदवाळ
अने लेरहुंण नाव से टकरांवां लागी यां
तक के नाव माय पाणी भरावा लाग्यो।
३८अने उ खुद नाव का पाछल्या हिस्सा
माय गादी पे सोइर्‌यो र्‌यो थो, अने
चेलाहुंण ने उके जगाड़्यो अने क्यो, "हे
गरु, कंई थारे फिकर हयनी के हम नास
हुई र्‌या हे?"

३९तो जागी जावा पे उने अन्दी-दंदवाळ
के डांट्यो अने सरवर से क्यो, "सांत रे,
थमी जा!" अने अन्दी-दंदवाळ थमी ग्यो
अने सगळो कंई सांत हुई ग्यो। **४०**उने
उणकासे क्यो, "तम इतरा डर्‌या होया
कायसरु हो? या कसी बात के तमारा
माय बिसास हयनी?

४१अने वी घणा डर्‌या होया अने
माय-माय केवा लाग्या, "यो हे कुंण के
अन्दी-दंदवाळ अने लेरहुंण बी उको हुकम
माने हे?"

बायरबादा के हेड़णो

(मत्ती ८.२८-३४; लूका ८.२६-३९)

५ ईसु मसीह अने उका चेलाहुंण सरवर
का पेलांपार गिरासेनियो का इलाका
माय पोंच्या। **२**अने जदे ईसु नाव पे से
उतर्‌यो तो झट एक जणो जेका माय
बायरबादाहुंण थी, कबरहुंण माय से हिटी
के उकासे मिळ्यो। **३**उ कबरहुंण माय
रेतो थो, अने कईं को बी उके सांकळहुंण
से बान्दी के नी राखी सकतो थो, **४**क्योंके
डोल्डा अने सांकळहुंण से तो उके हमेस्या
बान्द्‌यो थो, पण उ सांकळ के तोड़ी
लाखतो, अने डोल्डाहुंण के बटका-बटका
करी लाख्या करतो थो, अने कईं को
इतरो ताकतवर नी थो के उके काबु माय
करी लेतो। **५**उ लागाबन्दी से दन-रात

---

[r] **४.३०:** परमेसर का राज; सबद् भण्डार माय देखो।

कबरहुंण माय अने बळडा माय चिखतो
अने भाटाहुंण से खुद के लोई लुवांण
करतो थो।
६उ दूरा से ईसु के देखी के दोड़्यो, अने
नमिके उके परणाम करवा लाग्यो। ७अने
जोर से चिल्लाड़ी के उने क्यो, "परम
परधान परमेसर को बेटो ईसु, म्हारे थार
से कंई काम? हूं थारे परमेसर की सोगन
दूं के म्हारे सताड़े मती!" ८क्योंके ईसु
उकासे कई र्‌यो थो, "हे बुरी आतमा,
इना मनख माय से हिटी जा!"
९ईसु ने उकासे पुछ्‌यो, "थारो नाम
कंई हे?"
उने उकासे क्यो, "म्हारो नाम 'टोळो'
हे; क्योंके हम नरा हे।" १०अने उने ईसु
से गिड़गिड़ई के बिणती करी, के हमारे
इना इलाका से बायरे मती मोकल।
११वां बळडा पे सुंवल्डाहुंण को एक
मोटो टोळो चरी र्‌यो थो। १२अने उणने
उकासे बिणती करिके क्यो, "हमारे उना
सुंवल्डाहुंण माय मोकली दे के हम उणका
माय भरई जावां।" १३उने उणके हुकम
दई द्‌यो। बुरी आतमाहुंण उका माय
से हिटी के सुंवल्डाहुंण माय भरई गी।
अने सुंवल्डाहुंण को टोळो जो करीब दो
हज्जार को थो कराड़ा पे से झप्ट्‌यो, अने
सरवर माय पड़ी के डुबी मर्‌यो।
१४उणका ग्वाळाहुंण ने दोड़ी के नगर
अने गांमहुंण माय यो समिचार सुणायो,
अने जो कंई होयो थो उके लोग देखवा
सरु १५ईसु कने आया, अने उना मनख
के जेका माय बुरी आतमा थी याने उकेज
जेका माय टोळो भरायो थो, लतरा पेर्‌यो
अने सुदो बेठ्‌यो देख्यो अने वी डरी ग्या।
१६जिणने यो देख्यो थो उणने बुरी आतमा
से सताड़्या मनख अने सुंवल्डाहुंण का
बारामें सगळो कंई जो होयो थो, उणके
सुणायो।
१७लोगहुंण ईसु से अपणा इलाका माय
से चल्या जावा सरु बिणती करवा लाग्या।
१८अने जदे उ नाव माय चड़वा लाग्यो
तो उ मनख जो पेलां बुरी आतमा से
सताड़्यो होयो थो बिणती करवा लाग्यो,
के म्हारे अपणा गेले रेवा दे।
१९पण ईसु ने उके आवा नी द्‌यो अने
क्यो, "अपणा लोगहुंण कने घरे जा अने
उणके बताड़ के परभु ने थारा सरु कसा
बड़ा काम कर्‌या हे, अने उने थार पे
कसी दया करी।
२०उ चल्यो ग्यो अने दिकापुलिस जेके
दस नगरहुंण को इलाको के हे का माय
परचार करवा लाग्यो, के ईसु ने म्हारा
सरु कसा बड़ा काम कर्‌या; अने सगळा
अचरज करवा लाग्या।

मरी नानी अने बेमार बइरा

(मत्ती ९.१८-२६; लूका ८.४०-५६)

२१जदे ईसु नाव से पाछो उना पार ग्यो,
तो एक बड़ीमेक भीड़ उका चारी-मेर भेळी
हुई गी, अने उ सरवर का कराड़े रुकी
ग्यो। २२फेर पराथनाघर का हाकिमहुंण
माय याईर नामको एक जणो आयो अने
ईसु के देख्यो अने उका पगे पड़ी ग्यो,
२३अने गिड़गिड़ई के उकासे बिणती करिके
केवा लाग्यो, "म्हारी नानी छोरी मरवा पे
हे। किरपा करिके चली के उका पे हात
धर के वा नज हुई जाय अने जिन्दी रे।"
२४ईसु उका गेले चल्यो, अने बड़ीमेक
भीड़ बी उका पाछे चली पड़ी, यां तक के
लोग उका पे हिटी पड़ता था।

२५एक बइरा थी जेके बारा बरस से
लोई बीवा की बेमारी थी, **२६**अने जेने
नरा बेदहुंण का हाते दुःख उठाड़्यो थो,
अने अपणो सगळो कंई खरच करवा पे
बी उके कंई फायदो नी होयो थो पण हजु
बेमार हुई गी थी। **२७**उने ईसु का बारामें
सुणी के, भीड़ माय से उका पाछे अई
के उका चोळा के हात लगाड़ी लाख्यो।
२८क्योंके वा केती थी, "अगर हूं उका
लतरा सेज चोंटी जउंवां तो नज हुई
जउंवां।"

२९अने झट उको लोई बिणो बन्द हुई
ग्यो, अने उने अपणी काया माय म्हेसुस
कर्‌यो के हूं अपणा रोग से नज हुई गी
हूं। **३०**उनीज घड़ी ईसु ने यो म्हेसुस
कर्‌यो के म्हारा माय से सामरत हिटी हे,
उने भीड़ माय पाछे फरिके पुछ्‌यो म्हारा
लतरा से कुंण चोंट्‌यो?"

३१उका चेलाहुंण ने उकासे क्यो, "तू तो
देखीज र्‌यो के भीड़ थार पे हिटी पड़ी री
हे, अने तू के हे 'थार से कुंण चोंट्‌यो'?"

३२तो उने उनी बइरा के जेने यो कर्‌यो
थो देखवा सरु चारी-मेर नगे करी। **३३**पण
वा बइरा जो कंई उका गेले होयो थो उके
जाणी के डरती अने धुजती हुई अई अने
उका सामे हिटी पड़ी, अने उने सगळो
कंई सांची-सांची बताड़ी द्‌यो। **३४**ईसु ने
उकासे क्यो, "नानी, थारा बिसास ने थारे
नज कर्‌यो। खुसी से जा अने अपणी इनी
बेमारी से बची रे।"

३५उ या कई के जइज र्‌यो थो,
जदेज पराथनाघर का हाकिम का घरे से
लोगहुंण ने अई के क्यो, "अबे गरु के
हजु तकलीफ कायसरु दई र्‌यो - थारी
नानी तो मरी गी हे?"

३६पण ईसु ने उनी बात के सुणी ली[s]
अने पराथनाघर का हाकिम से क्यो,
"डरे मती सिरप बिसास राख।" **३७**अने
उने पतरस, अने याकूब अने याकूब का
भई योहन के छोड़ी के, दूसरा कइंका के
अपणा गेले आवा नी द्‌या। **३८**अने वी
पराथनाघर का हाकिम का घरे आया, तो
उने लोगहुंण के मजमा लगाड़ता अने
जोर से रोता अने कळाप करता देख्या।
३९तो उने भित्तरे जई के उणकासे क्यो,
"कायसरु रोव अने बेदा करो? नानी मरी
हयनी पण सोइरी हे।"

४०अने वी उकी मसकरी करवा लाग्या
पण सगळा के बायरे हेड़ी के नानी का
मां-बाप अने अपणा सातिहुंण के लई के
अने उनी उफरी पे जां नानी थी भित्तरे
ग्या। **४१**अने नानी को हात पकड़ी के ईसु
ने उकासे क्यो, "तलीथा कूमी!" जेको
अरथ, हे नानी, हूं थार से कूं, उठ्‌या!"

४२अने नानी झट उठी के चलवा-फरवा
लागी, क्योंके वा बारा बरस की थी अने
वी घणा दंग रई ग्या। **४३**उने उणके
काठो हुकम द्‌यो के इनी बात के कईं को
जाणणे नी पाय, अने उने क्यो, "नानी
के थोड़ोक खावा सरु द्‌यो जाय।"

ईसु अपणा नगर माय आयो

(मत्ती १३.५३-५८; लूका ४.१६-३०)

६ अने वां से हिटी के उ अपणा नगर
माय आयो, अने उका चेला उका
पाछे-पाछे चली पड़्या। **२**अने जदे सबत्

---

[s] **५.३६** उनी बात के सुणी ली; याने उनी बात के ध्यान नी द्‌यो; या जोर से सुणी ल्यो।

को दन आयो तो ईसु पराथनाघर माय
परबचन देवा लाग्यो, अने सगळा सुणवा
वाळा दंग हुई के केवा लाग्या, इना मनख
के ई बातहुंण कां से अइगी अने यो कसो
ज्ञान जो इके द्यो, अने इका हात से
कसा अचरज का काम परगट होय हे?
३कंई यो उज सुतार हयनी जो मरियम
को बेटो अने जो याकूब, योसेस, यहूदा,
अने सिमोन को भई कंई उकी बेनहुंण
यां हमारा माय हयनी?" अने लोगहुंण ने
उकी वजासे ठोकर खई।

४† ईसु ने उणकासे क्यो, "नबी के
अपणा नगर अने परवार, अने अपणा
घर का अलावा हजु कंई मान नी पड्यो
जाय।

५थोड़ाक बेमारहुंण पे हात धरी के
उणके नज करवा का अलावा उ वां
हजु कईं को अचरज को काम नी करी
सक्यो। ६ईसु के उणका अबिसास पे घणो
अचरज होयो, फेर उ गांम-गांम परबचन
देतो फर्‌यो।

ईसु ने अपणा चेलाहुंण के परचार सरु मोकल्या

(मत्ती १०.५-१५; लूका ९.१–६)

७बारा चेलाहुंण के तेड़ी के उने उणके
दो-दो करिके अने बुरी आतमाहुंण पे हक
दई के मोकल्या, ८† अने उणके हुकम
द्यो के अपणी जातरा सरु वी लाकड़ी
का अलावा हजु कइंनी ले; नी तो रोटा,
नी झोळी, अने नी कमरपेटा माय पइसा,
९पण चप्पल पेरनो, अने यो बी क्यो, दो
दो कमीज नी पेरनो।" १०ईसु ने उणकासे
क्यो, "जां कंई तम कइंका घर माय
जाव, तो नगर छोड़वा तक वांज रो।
११† अने जां तमारे लोग माने हयनी
या तमारी नी सुणे, तो वां से हिटता
बखत तम अपणा पग की पगथळिहुंण
को धूळो झटकी लाखो के उणका बिरोद
सरु गवई रे।"

१२अने उणने जई के परचार कर्‌यो
के हिरदो बदळो। १३† अने वी नरी बुरी
आतमाहुंण के हेड़वा अने नरा बेमारहुंण पे
तेल मळी के उणके नज कर्‌या करता था।

हेरोदेस को बिचार: ईसु योहन हे

(मत्ती १४.१-१२; लूका ९.७-९)

१४† राजा हेरोदेस[t] ने बी ईसु का बारामें
सुण्यो, क्योंके उको नाम परसिद्द हुई
चुक्यो थो; अने लोग या कई र्‌या था,
"योहन बपतिसमा देवा वाळो मर्‌या माय
से जी उठ्यो, इकासरु ई ताकतहुंण उका
माय काम करी री हे।"

१५पण थोड़ाक लोग कई र्‌या था, उ
एलियाह नबी[u] हे।"

अने दूसरा कई र्‌या था, उ नबी हे,
पुराणा बखत का नबिहुंण सरीको एक।"

१६पण जदे हेरोदेस राजा ने यो सुण्यो
तो उ केतो र्‌यो, योहन जेको माथो म्हने
कटवाड़्यो, जी उठ्यो हे।"

---

[t] **६.१४** राजा हेरोदेस; हेरोदेस अन्तिपास; गलील इलाका को राजो। [u] **६.१५** एलियाह नबी; एक असो मनख जो ईसु मसीह से नरा साल पेलां होयो थो अने उ परमेसर का बारामें लोगहुंण के बताड़तो थो।

† **६.४:** योहन ४.४४ † **६.८–११:** लूका १०.४–११ † **६.११:** परेरितहुंण १३.५१
† **६.१३:** याकूब ५.१४ † **६.१४–१५:** मत्ती १६.१४; मरकुस ८.२८; लूका ९.१९

बपतिसमा देवा वाळा योहन की हत्या

(मती १४.१-१२; लूका ९.७-९)

१७[†] हेरोदेस ने तो खुद लोगहुंण के
मोकली के योहन के पकड़वायो अने
जेळ माय लाखी द्यो थो, क्योंके हेरोदेस
ने अपणा भई फिलिप्पुस की घराळी
हेरोदियास से ब्याव कर्‌यो थो। **१८**योहन
तो हेरोदेस से क्या करतो थो, "थारे
अपणा भई की घराळी के राखणो थारा
सरु नेम-बिधान मुजब हयनी।"

१९तो हेरोदियास उकासे बेर राखती थी
अने चाती थी के उके मरवई लाखे; पण
असो नी करी सकी, **२०**क्योंके हेरोदेस या
जाणी के योहन से डरतो थो के उ एक
धरमी अने पवित्तर जणो हे, अने उकी
रक्सा करतो थो। अने जदे उ योहन की
सुणतो थो तो घणो घबरई जातो थो, फेर
बी खुसी से सुण्या करतो थो।

२१अने ठीक मोको जदे आयो
जदे हेरोदेस ने अपणा जनम दन पे
परधानहुंण, सेनापतिहुंण अने गलील का
खास मनखहुंण के भोज माय नोत्या
था। **२२**अने जदे खुद हेरोदियास की बेटी[v]
भित्तरे अई के नाची अने उने हेरोदेस
अने उका पांमणाहुंण के खुस कर्‌या, जदे
राजा ने राजकुमारी से क्यो, "तू जो चावे
म्हार से मांग, हूं थारे दूंवां।" **२३**अने उने
सोगन खई के क्यो, "तू म्हार से आदो
राज तक मांगिले, हूं थारे दूंवां।"

२४उने बायरे जई के अपणी मेतारी
हेरोदियास से पुछ्यो, "हूं कंई मांगू?"
मेतारी ने क्यो, "योहन बपतिसमा देवा
वाळा को माथो!"

२५वा झट दोड़ती हुई राजा कने भित्तरे
अई के बिणती करवा लागी, "हूं चउं के
तू योहन बपतिसमा देवा वाळा को माथो
एक परात माय धरी के अबी म्हारे दई
दे।"

२६जदके राजो घणो उदास होयो, फेर
बी अपणी सोगन अने दरबारिहुंण की
वजासे उ उकी बिणती के टाळी नी
सकतो थो। **२७**राजा ने झट एक जल्लाद
के मोकल्यो अने हुकम द्यो के उको
माथो काटी ल्याय। उने जई के जेळ माय
उको माथो काट्यो, **२८**अने उके परात
माय धर्‌यो अने लई के राजकुमारी के
द्यो अने राजकुमारी ने अपणी मेतारी
के। **२९**जदे योहन का चेलाहुंण ने यो
सुण्यो तो जई के उकी लोथ के लई ग्या
अने उके कबर माय धरी।

ईसु ने पांच हज्जार लोगहुंण के जिमाड़्या

(मती १४.१३-२१; लूका ९.१०-१७; योहन ६.१-१४)

३०परेरितहुंण ईसु कने अई के भेळा
होया अने जो कंई उणने कर्‌यो अने
सीखाड़्यो थो, सगळा को बखाण कर्‌यो।
३१ईसु ने उणकासे क्यो, "आव, अने
एखला माय चली के थोड़ोक-घणो अराम
करी लो" - क्योंके वां नरा लोग अइ-जई
र्‌या था, यां तक के उणके जिमवा को बी
मोको नी मिळतो थो। **३२**तो वी एखला
नाव पे चड़िके बियाबान माय चल्या ग्या।

---

[v] **६.२२** हेरोदियास की बेटी; कई लेखहुंण माय असो लिखो हे उकी बेटी हेरोदियास।

[†] **६.१७–१८:** लूका ३.१९–२०

३३अने लोगहुंण ने उणके जाता देख्या
अने नरा ने उणके ओळखी ल्या, अने
सगळा नगर से लोग पगेपग दोड़ी
के उणकासे पेलांज उनी जगा पे जई
पोंच्या। **३४**[†] अने नाव से उतरी के उने
बड़ीमेक भीड़ के देखी अने उणका पे
उके तरस आयो क्योंके वी बिना ग्वाळा
की गाडरहुंण सरीका था जिणको कईं
को रखवाळो नी रे; अने उ उणके नरी
बातहुंण सीखाड़वा लाग्यो। **३५**जदे दन
नरो अथणी ग्यो तो उका चेला उका
कने आया अने केवा लाग्या, "या जगा
बिराण हे अने दन नरो अथणी चुक्यो
हे; **३६**इणके जावा दे के वी ऐरे-मेरे की
बस्तिहुंण अने गांमहुंण माय जई के
अपणा सरु कंई खावा को मोल लई ले।"

३७पण उने जुवाब दई के क्यो,
"तमीज उणके कंई खावा बले दो!"

उणने उका से क्यो, "कंई हम जई के
दो सो चांदी का सिक्काहुंण[w] का रोटा
मोल लांवां अने इणके खावा सरु दां?"

३८उने उणकासे क्यो, "तमारा कने
कितरा रोटाहुंण हे? जई के देखो।

उणने मालम करिके क्यो, "पांच - अने
दो मच्छीहुंण।"

३९अने उने सगळा के हुकम द्यो के
जिमवा सरु पंगत माय लिल्ली घांस पे
बेठी जाय। **४०**अने लोग पचास-पचास
अने सो-सो की पंगतहुंण माय बेठ्या।
४१उने पांच रोटा अने दो मच्छीहुंण के
लई अने सरग आड़ी देखता होया उणका
पे आसीस मांगी अने रोटा तोड़्या अने
चेलाहुंण के द्या के वी उणके बांटे। अने
उने दो मच्छीहुंण के बी उना सगळा
मनख माय बांटी लाखी। **४२**अने उण
सगळा ने धापी के खायो **४३**अने रोटा
का कोळ्या अने मच्छी से भर्या होया
बारा टोपळाहुंण उठाड़्या। **४४**अने रोटा
खावा वाळा मनखहुंण की गिणती पांच
हज्जार थी।

ईसु पाणी पे चल्यो

(मत्ती १४.२२-३३; योहन ६.१५-२१)

४५तो उने झट चेलाहुंण के नाव पे
चड़वा अने अपणा से पेलां बेतसेदा का
दूसरा आड़ी जावा को क्यो, जदके उ खुद
भीड़ के बिदा करवा लाग्यो। **४६**अने जदे
उ उणके बिदा करी चुक्यो तो उ परबत
पे पराथना करवा सरु चल्यो ग्यो। **४७**जदे
सांज हुई तो नाव सरवर का अदाड़ माय
थी, अने ईसु कराड़ा पे एखलो थो। **४८**जदे
उने उणके घणा म्हेनत से खेता देख्यो,
क्योंके बायरो उणका सामे को थो, तो
रात का करीब चोथा पेर ईसु उणका
कने सरवर का पाणी पे चलतो होयो
आयो, अने उणका से अगड़े हिटणो
चायो[x] **४९**पण जदे उणने उके सरवर पे
चलतो देख्यो तो समज्या के भूत हे अने
चिल्लाड़ी उठ्या: **५०**क्योंके सगळा ने उके
देख्यो अने डरी ग्या था

पण उने झट उणकासे बातहुंण करी
अने क्यो, "हिम्मत राखो: हूं हे, डरो
मती।" **५१**तो उ उणका साते नाव पे
चड़ी ग्यो, अने अन्दी-दंदवाळ थमी ग्यो,

---

[w] **६.३७** चांदी का सिक्काहुंण; एक चांदी को सिक्को एक दन की मजुरी थो। (देखो मत्ती २०.२)।

[x] **६.४८** उणका से अगड़े हिटणो चायो; या उणका माय भेळो होणो।

[†] **६.३४:** गिणती २७.१७; १ राजा २२.१७; २ इतयास १८.१६; यहेजकेल ३४.५; मत्ती ९.३६

अने वी घणा दंग होया, ५२क्योंके रोटा
की घटणा से कइंनी समज्या था क्योंके
उणका हिरदा काठा हुई ग्या था।

ईसु गन्नेसरत माय बेमारहुंण के नज करे

(मत्ती १४.३४–३६)

५३तो वी पार हुई के गन्नेसरत का
कराड़ा पे पोंची के घाट पे नाव लगाड़ी
५४अने जदे वी नाव से उतर्‌या, तो
लोगहुंण ने झट उके पेचाणी ल्यो,
५५अने आखा परदेस माय चारी आड़ी
जां बी सुण्यो के उ हे, उनी-उनी जगा
पे दोड़ी-दोड़ी के बेमारहुंण के खाट पे
ल्या फर्‌या। ५६अने गांमहुंण, नगरहुंण
या बस्तिहुंण माय जां कंई उ जातो थो,
लोग बेमारहुंण के हाट-बजार माय राखी
के उकासे बिणती करता था के उ उणके
अपणा लतरा का किनोर सेज चोंटवा दे;
अने जितरा उकासे चोंटता था, वी नज
हुई जाता था।

मनख नेम से परमेसर को नेम-बिधान म्हान हे

(मत्ती १५.१-९)

७ तो फरीसी अने थोड़ाक सासतरी
जो यरुसलेम से आया था ईसु का
चारी-मेर भेळा होया। २अने उणने ईसु
का कंई-कइंका चेलाहुंण के (जसो रिवाज
थो के खावा से पेलां हात धोणो चाय)
बिना हात धोया रोटा खाता देख्या।
३(क्योंके फरीसी अने सगळा यहूदी
तदत्तक नी खाता था जदत्तक के वी
अच्छी-तरा हात धोई नी लेता था;
अने असतरा वी पूरखाहुंण की रीति पे
चलता था - ४जदे वी हाट-बजार से
आवे, तो जदत्तक खुद के पाणी से साफ
नी करी ले, जिमता नी था;[y] अने असा
नरा दूसरा रीति-रिवाज बी उणके पाळण
करवा सरु मिळ्या था, जसेके, बाटकाहुंण,
गागर्‌याहुंण, तांबा का ठामड़ाहुंण के
धोणा अने मांजणा।)
५फरीसिहुंण अने सासतरिहुंण ने
उकासे पुछ्‌यो, "असो कंई हे के थारा
चेला पूरखाहुंण की रीति मुजब नी चले
अने बिना धोया हात से रोटा खाय हे?"
६[†] उने उणकासे क्यो, "यसायाह
नबी[z] ने तमारा ढोंगीहुंण सरु ठीकज
भविसबाणी करी थी, जसो के लिख्यो हे,

'ई लोग होंटहुंण से तो म्हारो मान
राखे,
पण इणका हिरदा म्हार से दूरा
रे।
७[†] ई बेकार म्हारी उपासणा करे,
अने मनखहुंण की सीखहुंण के
धरम का सिद्दांत करिके सीखाड़े
हे।'

८परमेसर को हुकम टाळी के तम
मनखहुंण की रीति को पाळण करो
हो।"
९उने उणकासे यो बी क्यो, "तम
अपणी रीति को पाळण करवा सरु

---

[y] **७.४** खुद के पाणी से साफ नी करी ले, जिमता नी था; या जदे बी कईं हाट-बजार माय से आतो थो तो सगळा से पेलां उ पाणी से सुद्द करतो थो। [z] **७.६** यसायाह नबी; ईसु मसीह से करीब ७५० सो बरस पेलां यहूदिहुंण को जूनो नबी थो।

[†] **७.६–७:** यसायाह २९.१३ [†] **७.७:** यसायाह २९.१३

परमेसर को हुकम कितरी अच्छी तरा
टाळी दो हो! १०† क्योंके मूसा ने क्यो,
'अपणा पिता अने अपणी मेतारी को
मान राखजो'; अने जो कईं को पिता
अने मेतारी के बुरो के, उ मारी लाख्यो
जाय।' ११पण तम को हो, अगर कईं
को मनख अपणा पिता अने अपणी
मेतारी से के, 'म्हार से तमारे जो कंई
बी फायदो हुई सकतो थो उ "बलिदान"
याने परमेसर के दई द्यो हे,' १२तो तम
असा मनख के उका पिता अने मेतारी
सरु कंई बी करवा नी दो,' १३असतरा
तम परमेसर का बचन के अपणी रीति
से जो तमने ठेरई टाळो हो अने तम
नरो असोज काम करो हो।"

मनख के असुद्द बणावा वाळी चीजहुंण

(मत्ती १५.१०-२०)

१४अने भीड़ के पाछी अपणा कने
बुलाड़ी के, ईसु लोगहुंण से केवा लाग्यो,
"तम अबे म्हारी सुणो अने समजो:
१५असी कइंकी चीज हयनी जो मनख
माय बायरे से भरई के उके खराब करे;
पण जो चीजहुंण मनख माय से बायरे
हिटे हे, वीज हे जो उके खराब करे हे।
१६(अगर कइंका का सुणवा का कान होय
तो सुणी ले।)"[a]

१७अने जदे भीड़ के छोड़ी के उ घर
माय आयो, तो उका चेलाहुंण ने इनी
मिसाल का बारामें उकासे पुछ्यो। १८उने
उणकासे क्यो, "कंई तम इतरी बी समज
नी राखो? कंई तम नी देखो के जो
कंई बायरे से मनख माय जाय हे, उ
उके खराब नी करी सकतो? १९क्योंके
उ उका हिरदा माय नी पण उका पेट
माय जाय अने उ बायरे हिटी जाय"।
(असतरा उने सगळी जिमवा की चीजहुंण
के सुद्द ठेरई)

२०फेर उने क्यो, "जो मनख माय से
हिटे उज मनख के खराब करे। २१क्योंके
भित्तरे से याने मनखहुंण का हिरदा माय
से बुरा बिचार, ब्योबिचार, चोरीपणो,
घात, परई नार, २२लोभ, अने बुरा काम
अने दुस्टता, छळ-कपट, अनेती, जळण,
चुगली, गुमान, निंदा, अने मूरखता हिटे
हे। २३ई सगळी बुरइहुंण भित्तरे से हिटे हे
अने मनख के खराब करे हे।"

गेर यहूदी बइरा की मदद

(मत्ती १५.२१-२८)

२४अने वां से उठी के ईसु सूर अने
सेदा का इलाका आड़ी चल्यो ग्यो। अने
जदे उ एक घर माय ग्यो तो नी चातो थो
के कईं को यो जाणे; फेर बी उ छिपी नी
सक्यो। २५पण उका बारामें सुणी के एक
बइरा जेकी नानी बेटी माय बायरबादा
थी, झट अई के उका पग पे हिटी पड़ी।
२६या बइरा यूनानी अने सुरुफिनीकी जात
की थी। अने वा उकासे घड़ी-घड़ी बिणती
करवा लागी के म्हारी नानी माय से बुरी
आतमा हेड़ी दे। २७ईसु ने उकासे क्यो,
"पेलां बाळकहुंण के धापवा दे, क्योंके
बाळकहुंण का रोटा लई के कुतराहुंण का
अगड़े लाखणो ठीक हयनी।"

---

[a] **७.१५** थोड़ाक मूळ लेख माय १६ आयत के जोड़ी हे। (देखो ४.२३)।

† **७.१०:** निरगमन २०.१२, २१.१७; लेव्यव्यवस्था २०.९; नेम-बिधान ५.१६

२८पण उने जुवाब द्यो, "सांची परभु,
पण खावा की जगा से कुतरा बी तो
बाळकहुंण का ऐंठवाड़ा पे पळे हे।
२९ईसु ने उकासे क्यो, "इना जुवाब का
वजासे चली जा, बायरबादा थारी नानी
माय से हिटी गी हे।"
३०अने घरे अई के उने देख्यो के नानी
बिछावणा पे पड़ी हुई हे अने बुरी आतमा
उका माय से हिटी चुकी हे।

बेर्‌यो-गुंगो सुणवा बोलवा लाग्यो

३१तो ईसु फेर सूर का परदेस से
हिटी के सेदा का इलाका माय होतो
होयो गलील का सरवर पे आयो जो
दिकापुलिस नगर का इलाका माय हे।
३२अने वी उका कने एक मनख के
लाया जो बेर्‌यो थो अने मुसकिल से
बोलतो थो, बेर्‌या ने ईसु से बिणती
करी, के उका पे अपणो हात धरे।
३३उने उके भीड़ से इकाड़ी एखला
माय लइ-जई के अपणी अंगळी उका
कानहुंण माय लाखी, अने उने थुंक्यो
अने उना मनख की जीब के अंगळी
लगाड़ी; ३४अने सरग आड़ी आह भरी
के देखता होया उना मनख से क्यो,
"इप्फत्तह!" याने "खुली जा!"
३५अने उका कान खुली ग्या, अने
उकी जीब की गठाण खुली गी, अने
उ सई बोलवा लाग्यो। ३६तो उने उणके
हुकम द्यो कइंका के मती बतावजो;
पण जितरो उ मना करतो र्‌यो, इका
से बी जादा वी उको परचार करवा
लाग्या। ३७वी घणा दंग हुई के केवा
लाग्या, "इने जो कंई कर्‌यो अच्छो
कर्‌यो; उ बेर्‌याहुंण के बी सुणवा की
अने गुंगाहुंण के बोलवा की ताकत
दे हे।"

चार हज्जार के जिमाड़णो

(मती १५.३२-३९)

८ उना दनहुंण माय फेर जदे एक
बड़ीमेक भीड़ भेळी हुई अने उणका
कने खावा सरु कइंनी थो, तो ईसु ने
अपणा चेलाहुंण के तेड़ी के उणकासे
क्यो, २"म्हारे इनी भीड़ पे तरस आय
हे, क्योंके ई लोग म्हारा साते तीन दन
से हे, अने इणका कने खावा सरु कइंबी
हयनी। ३इणके भूकाज घरे मोकली दूं,
तो ई बाट मायज थकी के री जायगा,
अने इणका माय से थोड़ाक तो नरी दूरा
से आया हे।"
४उका चेलाहुंण ने जुवाब द्यो, "इणके
धपाड़वा सरु इना मांळ माय कईं को
इतरा रोटा कां से लई सके?"
५उने उणकासे पुछ्यो, "तमारा कने
कितरा रोटा हे?"
उणने क्यो, "सात"
६तो उने भीड़ के जमीन पे बेठवा की
क्यो, अने उने सात रोटाहुंण के लई
के परमेसर से आसीस मांगी अने रोटा
का बटका करिके लोगहुंण के परोसवा
सरु चेलाहुंण के देतो ग्यो अने उणने
भीड़ माय परोस्या। ७उणका कने थोड़िक
मच्छीहुंण बी थी; उने उणका पे बी
आसीस मांगी के उणके बी लोगहुंण
माय बांटवा की क्यो। ८अने वी खई
के धापी ग्या, अने उणने बच्या होया
कोळ्या से भर्‌या सात टोपला उठाड़्या।
९अने वां करीब चार हज्जार मनख था।
ईसु ने उणके बिदा कर्‌या, १०अने उ झट

अपणा चेलाहुंण का साते नाव पे चड़िके
दलमनूता परदेस आड़ी चल्यो ग्यो।

फरीसिहुंण ईसु के फंसाणो चाता था

(मत्ती १२.३८-४२; १६.१-४)

११† फेर फरीसी अई के ईसु से बिवाद
करवा लाग्या, अने उके अजमाणे सरु
उणने उकासे सरग की सेलाणी मांगी।
१२† उने अपणी आतमा माय गेरी सांस
खेंची के क्यो, "इनी पीढ़ी का लोग
सेलाणी कायसरु ढुंडे? हूं तमार से सांची
कूं, इनी पीढ़ी के कइंकी सेलाणी नी दई
जायगा।"
१३अने उ उणके छोड़ी के पाछो नाव
पे चड़्यो अने दूसरा आड़ी का कराड़ा पे
चल्यो ग्यो।

यहूदी अगवाहुंण के ईसु की चेतावणी

(मत्ती १६.५-१२)

१४अने वी रोटा लेणो भुली ग्या था,
नाव माय उणका कने सिरप एकज रोटो
थो। **१५**† ईसु ने उणके चेतावणी देता
होया क्यो, "देखो, फरीसिहुंण का खमीर[b]
अने हेरोदेस का खमीर से होसियार री
जो।"
१६अने वी रोटा नी होवा का बारामें
माय-माय बात-चित करवा लाग्या।
१७ईसु ने यो जाणी के उणकासे क्यो,
"तम इना सोंच-बिचार माय कायसरु पड़ी
ग्या के तमारा कने रोटा हयनी? कंई
तमने अबी तक नी देख्यो या समज्यो
हयनी, कंई तमारा हिरदा काठा नी हुई
ग्या? **१८**† आंखहुंण होता होया कंई तम
नी देखो? अने कान होता होया कंई तम
नी सुणो? अने कंई तम रियाद नी करो?
१९जदे म्हने पांच हज्जार सरु पांच रोटा
तोड़्या था, तो तमने कोळ्या से भरी
बड़ी-बड़ी कितरी टोपलिहुंण उठाड़ी थी?"
चेलाहुंण ने उकासे क्यो, "बारा"
२०"अने जदे म्हने चार हज्जार सरु
सात रोटा तोड़्या था जदे तमने कोळ्या
से भरी कितरी टोपलिहुंण उठाड़ी थी?"
उणने उकासे क्यो, "सात।"
२१उने उणकासे क्यो, "कंई तम अबे
बी नी समज्या?"

आंदा के आंखहुंण

२२वी बेतसेदा आड़ी आया अने लोग
एक आंदा के उका कने लाया अने उकासे
बिणती करिके क्यो आंदा के हात लगाड़।
२३ईसु आंदा को हात पकड़ी के उके गांम
से बायरे लई ग्यो अने उकी आंखहुंण पे
थुंक्यो अने उका पे अपणो हात धरी के
उकासे पुछ्यो, "कंई थारे थोड़ोक नगे
अई र्‌यो?"
२४आंदा ने अदरे देखी के क्यो, "हूं
मनखहुंण के देखी र्‌यो हूं, पण वी म्हारे
चलता-फरता झाड़का सरीका नगे आय
हे।"
२५तो उने पाछो उकी आंखहुंण पे हात
धर्‌यो अने उ कोतुक से देखवा लाग्यो,
अने उके पाछी देखवा की सकती मिळी,

---

[b] **८.१५** फरीसिहुंण का खमीर; फरीसी अने हेरोदियासहुंण की खराब सीख मनख के खराब करे जसेके खमीर से आखो आंटो खमीर हुई जाय वसेज इणकी सीख से सगळो बिगड़ी जाय।

† **८.११:** मत्ती १२.३८; लूका ११.१६ † **८.१२:** मत्ती १२.३९; लूका ११.२९ † **८.१५:** लूका १२.१

† **८.१८:** यरमियाह ५.२१; यहेजकेल १२.२; मरकुस ४.१२

अने उ सगळो कंई साफ-साफ देखवा
लाग्यो। २६ईसु ने उके यो कई के घरे
मोकल्यो, "इना गांम माय पग मती
धरजे।"

पतरस ने मान्यो के ईसु परमेसर को बेटो हे

(मती १६.१३-२०; लूका ९.१८-२१)

२७अने ईसु अपणा चेलाहुंण का गेले
केसरिया फिलिप्पी का गांम माय ग्यो।
रस्ता माय उने अपणा चेलाहुंण से यो
पुछ्यो, "लोग म्हारे कंई के हे - हूं कुंण
हूं?"
२८† उणने क्यो, "योहन बपतिसमा
देवा वाळो, अने थोड़ाक लोग एलियाह[c] के
हे अने थोड़ाक दूसरा लोगहुंण का मुजब
नबिहुंण माय को एक।"
२९† अने ईसु उणकासे सवाल करतो
र्‌यो, "पण तम कंई को हो? हूं कुंण हूं?"
पतरस ने जुवाब दई के क्यो, "तू
मसीह[d] हे।"
३०तो उने उणके चेताड़्यो के वी उका
बारामें कइंका से नी के।

ईसु ने दुःख भोगवा अने मार्‌या जावा की बात करी

(मती १६.२१–२८; लूका ८.२२–२७)

३१तो उ उणके परबचन देवा लाग्यो के
जरुरी हे के मनख को बेटो नरो दुःख
भोगे अने बुड़ा-हाड़ाहुंण, मुख-पुरोहितहुंण
अने सासतरिहुंण से मान पाड़्यो जाय
अने मारी लाख्यो जाय अने तीन दन
पाछे जिन्दो हुई जाय। ३२उ या बात
साफ रुप से कई र्‌यो थो। इका पे पतरस
उके इकाड़ी लइ-जई के झिड़कवा लाग्यो,
३३पण उने फरिके चेलाहुंण आड़ी देख्यो
अने पतरस के डांटी के क्यो, "हे सेतान
म्हारा अगड़े से इकाड़ी हुई जा। तू तो
परमेसर की बातहुंण पे नी पण मनखहुंण
की बातहुंण पे हिरदो लगाड़े हे।"
३४† उने भीड़ समेत चेलाहुंण के कने
बुलाड़्या अने लोगहुंण से क्यो, "अगर
कईं को म्हारा पाछे आणो चावे तो उ
अपणे खुद के नकारे, अने अपणो कुरुस
उठई के, म्हारा पाछे चल्यो-चले। ३५†
क्योंके जो अपणो पराण बचाड़णो चावे उ
उके खोयगा; पण जो कईं को म्हारा अने
सुब-समिचार सरु अपणो पराण खोय,
उ उके बचाड़ेगा। ३६क्योंके अगर मनख
आखा जग के पई ले अने अपणा पराण
के खोय तो उके कंई फायदो? ३७अने
मनख अपणा पराण का एवज माय
कंई देगा? ३८इकासरु जो कईं को इनी
ब्योबिचारी अने पापी पीढ़ी माय म्हार से
अने म्हारा बचन से लजाड़ेगा, हूं मनख
को बेटो बी, जदे अपणा पिता की म्हेमा
माय पवित्तर सरगदूतहुंण का गेले अउंवां
तो हूं उणकासे बी लजउंवां।"
९ ईसु ने उणकासे यो बी क्यो, "हूं
तमार से सांची कूं, यां जो उब्या हे
उणका माय से नरा मनखहुंण मोत को
सुवाद नी चाखेगा जदत्तक के परमेसर

---

[c] **८.२८** एलियाह; ईसु से करीब ८७४ साल पेलां इसराइल को नबी जेके परमेसर ने रथ समेत सरग पे तोकी ल्यो थो। [d] **८.२९** मसीह; सबद् भण्डार माय देखो।

† **८.२८:** मरकुस ६.१४–१५; लूका ९.७–८ † **८.२९:** योहन ६.६८–६९

† **८.३४:** मती १०.३८; लूका १४.२७ † **८.३५:** मती १०.३९; लूका १७.३३; योहन १२.२५

का राज के सामरत समेत आयो होयो
नी देखी लेगा।"

ईसु का गेले मूसा अने एलियाह का दरसन

(मत्ती १७.१-१३; लूका ९.२८-३६)

२† ईसु छेः दन पाछे पतरस अने
याकूब अने योहन के अपणा गेले ल्यो
अने एखला माय कइंका एक ऊंचा परबत
पे लई ग्यो; अने उणका सामे उको रुप
बदळ्यो। **३**अने उका लतरा इतरा उजळा
अने धोळा हुई ग्या जितरा के धरती को
कईं को धोबी बी धोळो नी करी सके।
४अने मूसा नबी[e] का गेले उणके एलियाह
नबी नगे आयो, अने दोई ईसु से बात-
चित करी र्‌या था। **५**पतरस ने ईसु से
क्यो, "हे रब्बी (गरु) हमारा सरु यां
रेणो अच्छो हे; हम यां तीन डेरा बणावां,
एक थारा सरु, एक मूसा सरु, अने एक
एलियाह सरु।" **६**उ समजी नी र्‌यो थो
के कंई कई र्‌यो हे, क्योंके वी घणा डरी
ग्या था।

७† तो एक बादळो उठ्‌यो जेने उणके
छई ल्यो, अने उना बादळा माय से या
अवाज अई, "यो म्हारो परमिलो बेटो
हे, इकी सुणो।" **८**जदे उणने एक दम
चारी-मेर नगे फेरी तो अपणा गेले ईसु
का अलावा दूसरा कइंका के नी देख्यो।

९जदे वी परबत पे से निच्चे उतरी र्‌या
था तो उने उणके हुकम द्‌यो के जदत्तक
हूं मनख को बेटो मर्‌या माय से जीवतो
नी हुई जउं तदत्तक जो कंई तमने देख्यो
उके कइंका से किजो मती।

१०अने वी इनी बात के लई के माय-
माय तरक-बितरक करवा लाग्या के
मर्‌या माय से जी उठवा को अरथ कंई
हुई सके। **११**† अने वी उकासे यो कई के
पुछवा लाग्या, "सासतरी कायसरु के हे,
के एलियाह नबी के पेलां आणो जरुरी
हे।"

१२उने उणकासे क्यो, "एलियाह नबी के
पेलां अई के सगळो कंई सुदारणो थो।
फेर बी हूं मनख का बेटा सरु यो कायसरु
लिख्यो के उ घणो दुःख उठाड़ेगा अने
नकार्‌यो जायगा। **१३**पण हूं तमार से
सांची कूं, के एलियाह नबी सांची माय
अई चुक्यो, अने जसो उका बारामें लिख्यो
लोगहुंण ने जो चायो उका गेले कर्‌यो।"

मिरगी का बेमार के नज करनों

(मत्ती १७.१४-२१; लूका ९.३७-४३अ)

१४अने जदे वी चेलाहुंण कने पाछा
आया तो वां देख्यो के उणका चारी-
मेर बड़ीमेक भीड़ लागी हे अने थोड़ाक
सासतरी उणका से बिवाद करी र्‌या हे।
१५पण जदे भीड़ ने ईसु के देख्यो तो
सगळा लोग दंग रई ग्या अने दोड़ी
के उणने उके नमसकार कर्‌यो। **१६**उने
पुछ्‌यो, "तम उणका गेले कंई बिवाद
करी र्‌या हो?"

१७भीड़ माय से एक ने जुवाब द्‌यो,
"हे गरु, हूं थारा कने अपणा बेटा के

---

[e] **९.४** मूसा नबी; १४०० साल पेलां परमेसर मूसा नबी से इसराइलहुंण के मिसर देस की गुलामी से आजाद कर्‌या अने उका बाद यहोसू नबी ने कनान देस माय इसराइलहुंण के बसाड़्या।

† **९.२–७:** २ पतरस १.१७–१८ † **९.७:** मत्ती ३.१७; मरकुस १.११; लूका ३.२२

† **९.११:** मलाकी ४.५; मत्ती ११.१४

लायो हूं, जेका माय असी आतमा समई
हे जो उके गुंगो बणई लाखे हे; १८अने
जदे कदी उके पकड़े तो जमीन पे पटकी
लाखे अने उ मुन्डा माय झाग भरी लाय
अने दांत पिसे अने ऐंठई जाय। म्हने
थारा चेलाहुंण से उके हेड़वा की क्यो पण
वी उके नी हेड़ी सक्या।"

१९उने जुवाब देता होया उणकासे क्यो,
"हे कमबिसासी पीढ़ी का लोगहुंण, हूं
कदत्तक तमारा गेले रुंवां? हूं कदत्तक
तमारी सउंवां? नाना के म्हारा कने
ल्याव।" २०वी नाना के उका कने
ल्याया।

अने जदे उने उके देख्यो तो झट उनी
आतमा ने उके मरोड़्यो अने उ जमीन
पे पड़ी के मुन्डा से झाग हेड़वा अने
अंई-वंई रड़कवा लाग्यो। २१तो उने उका
पिता से पुछ्यो,

"इके कद से असो हुई र्यो हे?" उने
जुवाब द्यो, "नानपण सेज। २२उने इके
नास करवा सरु कदी लाय माय तो कदी
पाणी माय पटक्यो। पण अगर तू कंई
करी सके तो हमार पे तरस खई के
हमारी मदद कर।"

२३ईसु ने उकासे क्यो, "कंई? अगर
तू करी सके!' बिसास करवा वाळा सरु
सगळो कंई सबगो हे।"

२४नाना का पिता ने झट चिल्लाड़ी के
क्यो, "हूं बिसास करूं, म्हारा कमबिसास
को इलाज कर।"

२५जदे ईसु ने देख्यो के भीड़ बड़ती
जई री तो उने बुरी आतमा के या कई
के फटकारी, "ऐ गुंगी अने बेरी आतमा,
हूं थारे हुकम दउं के इका माय से हिट्या
अने फेर कदी इका माय मती भराजे।"

२६अने वा चिल्लाड़ी के अने उके घणो
मरोड़ी के उका माय से हिटी गी; अने
नानो असो मर्यो सरीको हुई ग्यो के
उणका माय से नरा ने क्यो, "उ तो
मरी ग्यो" २७पण ईसु ने उको हात
पकड़ी के उके उठाड़्यो अने उ उबो
उठ्यायो।

२८जदे ईसु घर माय आयो, तो उका
चेला एखला माय उकासे पुछवा लाग्या,
"हम उके कायसरु हेड़ी नी सक्या?"

२९उने उणकासे क्यो, "असतरा की ई
बुरी आतमाहुंण की जात पराथना का
अलावा दूसरा कइंका उपाव से नी हिटी
सके।"

अपणी मोत का बारामें ईसु का बिचार

(मत्ती १७.२२-२३; लूका ९.४३ब-४५)

३०फेर वी वां से हिट्या अने गलील
इलाका माय से हुई के जावा लाग्या।
उ नी चातो थो के कइंका के इको पतो
चले। ३१क्योंके उ अपणा चेलाहुंण के
सीख दई र्यो थो अने उणके बताड़ी
र्यो थो, "हूं मनख को बेटो, मनखहुंण
का हाते पकड़वायो जउंवां, अने वी म्हारे
मारी लाखेगा; पण मरी जावा का तीन
दन बाद हूं जिन्दो हुई जउंवां।"

३२पण वी या बात के नी समजी
सक्या अने उकासे पुछवा से डरता था।

सगळा से मोटो कुंण

(मत्ती १८.१-५; लूका ९.४६-४८)

३३फेर वी कफरनहूम नगर माय
पोंच्या, अने जदे उ घर माय थो तो उने
उणकासे पुछ्यो, "बाट माय तम कंई
बिवाद करी र्या था?"

३४† पण वी छाना र्‌या, क्योंके बाट
माय उणने बिवाद कर्‌यो थो के हमार
माय से मोटो कुंण हे। **३५**† बेठवा का बाद
उने बारा चेलाहुंण के तेड़्या अने उणकासे
क्यो, "अगर कईं को पेलो बणणो चावे
तो सगळा से पछात्यो अने सगळा को
सेवक बणे।" **३६**जदे उने एक बाळक के
लई के उणका अदाड़ माय उबाड़्यो, अने
उके खोळा माय लई के उणकासे क्यो,
३७† "जो कईं को म्हारा नाम से असा
कइंका बाळक के माने उ म्हारे माने,
अने जो म्हारे माने उ म्हारे नी पण उके
माने जेने म्हारे मोकल्यो हे।"

जो हमारा बिरोद माय हयनी उ हमारो हे

(लूका ९.४५-५०)

३८योहन ने उकासे क्यो, "हे गरु,
हमने कइंका के थारा नाम से बुरी
आतमाहुंण हेड़ते देख्यो अने उके रोकवा
की कोसिस करी, क्योंके उ हमारो गेले
को नी थो।"

३९पण ईसु ने उकासे क्यो, "उके मती
रोको, क्योंके असो कईं को नी जो म्हारा
नाम से अचरज को काम करे अने उका
झट पाछे म्हारे बुरो कइदे। **४०**† क्योंके
जो हमारा बिरोद माय हयनी उ हमारा
गेले हे। **४१**† जो कईं को तमारे मसीह
का होवा की वजासे एक गिलास पाणी
पिवाड़े, तो हूं तमार से सांची कूं के उ
अपणो फळ कदी नी खोयगा।

पाप माय पड़वा को लोभ

(मत्ती १८.६–९; लूका १७.१–२)

४२अने जो कईं को बिसास करवा
वाळा इना नानाहुंण माय से एक के बी
ठोकर खवाड़े तो उका सरु अच्छो होतो के
उका गळा माय बजनदार घट्टी को पुड़
लटकाड़ी के उके समन्दर माय लाख्यो
जातो। **४३**† अने अगर थारो हात थार से
पाप करावे, तो उके काटिके फेंकी लाख;
थारा सरु यो भलो के तू बिना हात के
जीवन माय जावे इका बदळे के दो हात
रेता नरक माय याने उनी नी बुजवा वाळी
लाय माय लाख्यो जाय। **४४**(४४ याने
४६ पद ४८ काज सरीको हे अने खास
पाण्डुलिपि माय नी मिळे) **४५**अगर थारो
पग थारे ठोकर खवाड़े तो उके काटिके
फेंकी लाख; दो पग रेता होया नरक माय
जाणे से भलो हे के लंगड़ो हुई के सरग
माय जावे। **४६**(४४ का सरीकोज हे) **४७**†
अगर थारी आंख थार से पाप करावे, तो
उके हेड़ी फेंक। भलो यो के तू काणो हुई
के परमेसर का राज माय जावे, बजाय
इका के तू दो आंख रेता होय नरक माय
लाख्यो जाय, **४८**† जां उणको किड़ो नी
मरे अने नी लायज बुजे हे।

४९क्योंके हरेक जणो लाय से लूंणो
कर्‌यो जायगा।

५०† लूंण अच्छो हे, पण अगर लूंण
को सुवाद खतम हुई जाय तो उके पाछो
कायसे लूंणो करोगा?

---

† **९.३४:** लूका २२.२४ † **९.३५:** मत्ती २०.२६–२७, २३.११; मरकुस १०.४३–४४; लूका २२.२६
† **९.३७:** मत्ती १०.४०; लूका १०.१६; योहन १३.२० † **९.४०:** मत्ती १२.३०; लूका ११.२३
† **९.४१:** मत्ती १०.४२ † **९.४३:** मत्ती ५.३० † **९.४७:** मत्ती ५.२९ † **९.४८:** यसायाह ६६.२४
† **९.५०:** मत्ती ५.१३; लूका १४.३४–३५

"अपणा माय लूंण राखो अने माय-माय
मिळी-जुळी के रो।"

फारकती का बारामें ईसु की सीख

(मत्ती १९.१-१२; लूका १६.१८)

१० ईसु वां से उठी के यरदन नद्दी
का पार यहूदिया का इलाका माय
आयो; अने भीड़ पाछी उका कने भेळी
हुई गी, अने अपणी रीति मुजब उ उणके
पाछो परबचन देवा लाग्यो।
२तो थोड़ाक फरीसी उके अजमाणे सरु
उका कने आया अने उकासे पुछवा लाग्या
के कंई-कइंका मनख सरु अपणी घराळी
के फारकती देणो नेम से सई हे।
३उने उणकासे क्यो, "मूसा नबी ने
तमारे कंई हुकम द्यो?"
४[†] उणने क्यो, "मूसा ने मनख के
हुकम द्यो के उ फारकती लिखी के बइरा
के छोड़ी लाखे।"
५पण ईसु ने उणकासे क्यो, "मूसा ने
यो हुकम तमारा हिरदा का काठापण की
वजासे लिख्यो हे। **६**[†] पण जग का सुरु
माय परमेसर ने उणके एक नर अने
एक नारी बणाया था। **७**[†] इनी वजासे
मनख अपणा मां-बापहुंण के छोड़ी के
अने अपणी घराळी का गेले मिळ्यो
रेगा[f]। **८**अबे वी दोई एक काया रेगा;
मतलब यो के वी दो हयनी पण एक
काया हे। **९**इकासरु जिणके परमेसर ने
जोड़्या उणके कईं को मनख इकाड़ी
नी करे।"
१०जदे चेलाहुंण घर माय आया तो इका
बारामें ईसु से पाछा पुछवा लाग्या। **११**[†]
उने उणकासे क्यो, "जो कईं को अपणी
घराळी के फारकती दई के दूसरी बइरा
से ब्याव करे, उ उकी घराळी का बिरोद
माय ब्योबिचार करे। **१२**अने बइरा बी
अपणा घराळा के फारकती दई के दूसरा
आदमी से ब्याव करे तो वा ब्योबिचार
करे हे।"

बाळकहुंण के ईसु की आसीस

(मत्ती १९.१३-१५; लूका १८.१५-१७)

१३फेर लोग बाळकहुंण के उका कने
लावा लाग्या के उ उणका माथा पे
हात धरे पण चेलाहुंण ने उणके डांट्या।
१४ईसु ने जदे यो देख्यो तो गुस्सो
हुई के उणकासे बोल्यो, "बाळकहुंण
के म्हारा कने आवा दो, उणके मना
मती करो, क्योंके परमेसर को राज
असाज को हे। **१५**[†] हूं तमार से सांची
कूं, जो कईं को परमेसर का राज के
बाळक सरीको नी माने उ उका माय
कदी बी जई नी सकेगा।" **१६**तो उने
उणके खोळा माय लई के अने उणका
पे हात धरी के उणके आसीस देवा
लाग्यो।

धणी मनख को सवाल

(मत्ती १९.१६-३०; लूका १८.१८-३०)

१७जदे उ जातरा पे जावा सरु थो तो
एक मनख दोड़तो होयो उका कने आयो

---

[f] **१०.७** थोड़ाक हात का लेखहुंण माय असो हे, अने उकी घराळी का गेले जुड़्यो रेगा।
[†] **१०.४:** नेम-बिधान २४.१–४; मत्ती ५.३१ [†] **१०.६:** उत्पत्ती १.२७, ५.२
[†] **१०.७–८:** उत्पत्ती २.२४ [†] **१०.११–१२:** मत्ती ५.३२; १ कुरिन्थिहुंण ७.१०–११
[†] **१०.१५:** मत्ती १८.३

अने गोड़ा टेकी के उकासे पुछवा लाग्यो,
"हे भला गरु, सदा का जीवन को हाकिम
होवा सरु हूं कंई करूं?"
१८ईसु ने उकासे क्यो, "तू म्हारे
अच्छो कायबले के? परमेसर का
अलावा कईं को भलो हयनी। **१९**† तू
हुकमहुंण तो जाणे हे: 'घात नी करनों,
ब्योबिचार नी करनों, चोरी नी करनों,
झुंटी गवई नी देणो, छळ नी करनों,
अपणा पिता अने अपणी मेतारी को
मान राखणो,
२०उने उकासे क्यो, "हे गरु, हूं
नानपणा सेज इनी सगळी बातहुंण को
पाळण करतो अई र्‌यो हूं।"
२१उके देखी के ईसु के उका पे परेम
आयो अने उने क्यो, "थारा माय अबे
बी एक बात की कमकोती हे। जा, जो
कंई थारो हे उके बेची के गरीब-गुरबा
माय बांटी लाख अने थारे सरग माय
धन मिळेगा, अने अई के म्हारा पाछे
चल्यो-चल। **२२**यो बचन सुणी के उको
मुन्डो उतरी ग्यो अने उ दुःखी हुई
के वां से चल्यो ग्यो, क्योंके उ घणो
मालदार थो।
२३ईसु ने चारी-मेर नगे फेरी के
अपणा चेलाहुंण से क्यो, "मालदारहुंण
सरु परमेसर का राज माय जाणो
कितरो अबगो हे!"
२४चेलाहुंण उका सबदहुंण से दंग रई
ग्या।' पण ईसु ने उणकासे पाछो क्यो,
"हे बाळकहुंण परमेसर का राज माय
जाणो कितरो अबगो हे! **२५**परमेसर का
राज माय कइंका मालदार के जाणे की

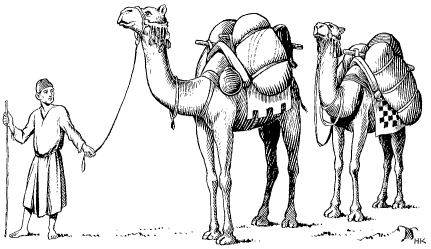

ऊंट (MRK १०.२५)

बजाय ऊंट के सुंई का नाका माय से
हिटणो जादा सबगो हे।"
२६चेलाहुंण हजु बी घणो अचम्बो
करिके पुछवा लाग्या, तो किको उध्दार
हुई सकेगा?"
२७ईसु ने उणका आड़ी देखी के क्यो,
"मनखहुंण सरु तो यो अबगो हे पण
परमेसर सरु हयनी, क्योंके परमेसर सरु
सगळो कंई सबगो हे।"
२८पतरस उकासे केवा लाग्यो, "देख,
हम तो सगळो कंई छोड़ी के थारा पाछे
हुई ग्या हे।"
२९ईसु ने क्यो, "हूं तमार से सांची-
सांची कूं, असो कईं को हयनी जेने
म्हारा अने सुब-समिचार की वजासे
घर अने, भई-बेनहुंण अने मेतारी अने
पिता अने बाळकहुंण अने खेतहुंण के
छोड़ी लाख्या हो, **३०**अने उ इना बखत
घरहुंण, अने भई-बेनहुंण, अने मेतारी
अने बाळकहुंण अने खेतहुंण को सो
गुणो जादा नी पाय, पण सताव का
गेले, अने आवा वाळा जुग माय सदा
को जीवन बी मिळेगा। **३१**† पण नरा

---

† **१०.१९:** निरगमन २०.१२-१६, नेम-बिधान ५.१६-२०
† **१०.३१:** मत्ती २०.१६; लूका १३.३०

जो पेलां हे, पाछल्या रेगा अने जो
पाछल्या हे वी पेलां रेगा।"

ईसु अपणी मोत की भविसबाणी करे

(मत्ती २०.१७-१९; लूका १८.३१-३४)

३२अने वी यरुसलेम जाता होया रस्ता
माय था। अने ईसु उणका अगड़े-अगड़े
चली र्‌यो थो। चेलाहुंण दंग था, अने जो
पाछे अई र्‌या था वी डर्‌या होया था। उ
पाछो बारा चेलाहुंण के इकाड़ी लई ग्यो
अने जो कंई उणका गेले घटवा वाळो
थो, उणके बताड़्वा लाग्यो: **३३**"देखो,
हम यरुसलेम नगर जई र्‌या हे, अने
हूं मनख को बेटो मुख-पुरोहितहुंण अने
सासतरिहुंण का हाते पकड़वायो जउंवां;
अने वी म्हारे मोत की सजा का लायक
ठेरई के गेर यहूदिहुंण का हाते दई देगा।
३४अने वी म्हारो मजाक उड़ायगा, म्हार
पे थुंकेगा, म्हारे कोड़ा मारेगा अने मारी
लाखेगा, अने हूं तीन दन पाछे जीवतो
हुई जउंवां।

याकूब अने योहन की ईसु से बिणती

(मत्ती २०.२०-२८)

३५तो जब्दी का दोई बेटा, याकूब
अने योहन उका कने अई के केवा
लाग्या, "हे गरु, हम चावां के जो
कंई हम थार से मांगा वइज हमारा
सरु करजे।"

३६अने उने क्यो, "तम कंई चाव हो के
हूं तमारा सरु करूं?"

३७उणने उकासे क्यो, "थारी म्हेमा
माय हमारा माय से एक थारा सुदा
हाताड़ी अने दूसरो थारा डाबा हाताड़ी[g]
बेठे।"

३८[†] पण ईसु ने उणकासे क्यो, "तम
नी जाणो के कंई मांगी र्‌या हो। जो
कटोरो[h] हूं पीवा पे हूं कंई तम पी सको
हो? या जो बपतिसमो हूं लेवा पे हूं, कंई
तम ली सको हो?"

३९अने उणने उकासे क्यो, "हम करी
सकां।"

अने ईसु ने उणकासे क्यो, "उ कटोरो
जो हूं पीवा पे हूं तम प्योगा, अने जो
बपतिसमो हूं लेवा पे हूं उके बी तम
लोगा। **४०**पण अपणा सुदा हाताड़ी अने
डाबा हाताड़ी बेठाणो म्हारो काम हयनी,
यो उणकाज सरु हे जिणका सरु तय्यार
कर्‌यो हे।"

४१या सुणी के दसी चेलाहुंण याकूब
अने योहन से रिसई ग्या। **४२**[†] तो ईसु
ने उणके कने तेड़ी के उणकासे क्यो,
"तम जाणो हो के जो गेर यहूदिहुंण
का हाकिम समज्या जाय वी उणका पे
राज कर्‌या करे हे; अने उणका माय
जो मोटो रे उणका पे हक जताड़े हे।
४३[†] पण तमारा माय असो नी हे, बरण
जो कईं को तमारा माय मोटो होणो
चावे, उ तमारो सेवक बणे; **४४**अने
जो तमारा माय परधान होणो चावे,
उ सगळा को सेवक बणे। **४५**क्योंके
हूं मनख को बेटो बी खुद की सेवा

---

[g] **१०.३७** सुदा हाताड़ी ... डाबा हाताड़ी; हक अने मान की जगा।
[h] **१०.३८** कटोरो; दुःख सेणो, दुःख को प्यालो।
[†] **१०.३८:** लूका १२.५० [†] **१०.४२–४३:** लूका २२.२५–२६
[†] **१०.४३–४४:** मत्ती २३.११; मरकुस ९.३५; लूका २२.२६

कराणे नी पण सेवा करवा अने नरा का बदळा का मोल माय म्हारो पराण देवा आयो।"

आंदा की आंखहुंण

(मत्ती २०.२९-३४; लूका १८.३५-४३)

४६वी यरीहो नगर पोंच्या। अने जदे उ अपणा चेलाहुंण अने घणी बड़ीमेक भीड़ का गेले यरीहो नगर से बायरे जई र्‌यो थो तो बरतिमाई नामको एक आंदो मंगतो, जो तिमाई को बेटो थो, बाट-मेरे बेठ्‌यो होयो थो। **४७**जदे उने सुण्यो के यो नासरत रेवासी ईसु जई र्‌यो हे तो हेला पाड़ी के केवा लाग्यो, "हे ईसु, दाऊद की सन्तान म्हार पे दया करजे!"

४८नरा ने डांटी के क्यो, "के उ छानो रे, पण उ हजु जोर से चिल्लाड़्वा लाग्यो, "दाऊद की सन्तान, म्हार पे दया करजे!"

४९तो ईसु ने रुकी के क्यो, "उके तेड़ी लो।"

अने लोगहुंण ने उना आंदा के यो केता होया तेड़्यो, "हिम्मत राख, उठ्‌या! उ थारे तेड़ी र्‌यो हे।"

५०अने उ अपणो चोळो इकाड़ी फेंकी के उछळी पड़्यो अने ईसु कने आयो।

५१ईसु ने जुवाब देता होया क्यो, "तू कंई चावे के हूं थारा सरु करूं?"

अने उना आंदा ने उकासे क्यो, "म्हारा गरु, हूं चउं के देखवा लागुं!"

५२ईसु ने उकासे क्यो, "चल्यो जा, थारा बिसास ने थारे नज कर्‌यो।"

उ झट देखवा लाग्यो अने बाट माय ईसु का पछड़े चलवा लाग्यो

ईसु यरुसलेम माय बिजयी राजा का रुप माय

(मत्ती २१.१-११; लूका १९.२८-४०; योहन १२.१२-१९)

११ जदे वी यरुसलेम नगर कने, जेतून परबत का कराड़े बेतफगे अने बेतनिय्याह गांम माय पोंच्या तो ईसु ने अपणा दो चेलाहुंण के मोकल्या, [२]अने उणकासे क्यो, "अपणा सामे का गांम माय जाव अने जाताज तमारे एक गदड़ी

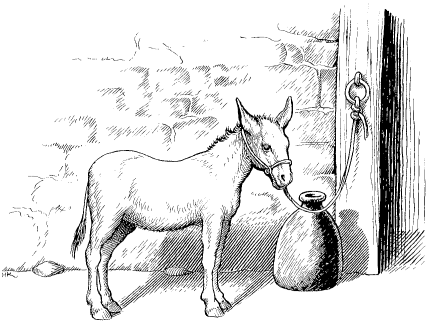

बन्दयो गदड़ो (MRK ११.२)

को बच्चो बन्द्‌यो होयो मिळेगा जेका पे अबी तक कईं को बेठ्‌यो हयनी। उके छोड़ी ल्याव। [३]अगर कईं को तमार से के, असो कायसरु करी र्‌या हो?" तो तम किजो परभु[i] के इकी जरुवत हे, 'अने उ झटज उके यां मोकलेगा।"

४वी ग्या अने उणके बायरे, सेरी माय कमांड़ कने एक गदड़ी को बच्चो बन्द्‌यो

---

[i] **११.३** परभु; या गरु; या स्वामी।

होयो मिळ्यो, वी उके छोड़वा लाग्या।
५वां उब्या थोड़ाक लोगहुंण ने उणकासे
क्यो, "यो कंई करी र्‌या हो, गदड़ी का
बच्चा के कायसरु छोड़ी र्‌या हो?"
६अने ईसु ने जसो क्यो थो चेलाहुंण
ने वसोज उणकासे कई द्‌यो; तो उणने
उके लई जावा द्‌यो। ७उणने गदड़ी का
बच्चा के लई के उका पे अपणा लतरा
लाख्या; अने ईसु उका पे बेठी ग्यो।
८अने नरा ने अपणा लतरा बाट माय
बिछाड़्या, अने दूसरा लोगहुंण ने खेतहुंण
माय से डाळहुंण काटिके बिछाड़ी लाखी।
९† वी जो उका अगड़े-अगड़े जाता अने
पछड़े-पछड़े चल्या अई र्‌या था हेला पाड़ी
के कई र्‌या था, "होसन्ना![j] धन हे उ
जो परभु का नाम से आवे! १०† हमारा
पिता दाऊद को आवा वाळो राज धन्य
हे! सगळा से उंची जगा माय होसन्ना!"
११उ यरुसलेम नगर माय अई के
मन्दर माय आयो; अने चारी-मेर देखी के
बारा चेलाहुंण का गेले बेतनिय्याह गांम
चल्यो ग्यो क्योंके सांज हुई चुकी थी।

अंजीर का झाड़ के सराप

(मत्ती २१.१८-१९)

१२अने दूसरा दन जदे वी बेतनिय्याह
से हिट्‌या तो उके भूक लागी। १३अने पत्ता
से भर्‌या एक अंजीर का झाड़ के दूरा
से देखी के, उका कने ग्यो के कदी कंई
मिळी जाय पण वां पोंची के, उके पत्ता
का अलावा हजु कइंनी लाद्‌यो, क्योंके
फळ लागवा को मोसम नी थो। १४तो
उने झाड़ से क्यो, "अबसे कईं को थारो
फळ कदी नी खाणे पाय।"
अने उका चेलाहुंण सुणी र्‌या था।

ईसु मन्दर माय

(मत्ती २१.१२-१७; लूका १९.४५-४८; योहन २.१३-२२)

१५फेर वी यरुसलेम नगर आया
अने मन्दर माय जई के वां लेण-देण
करवा वाळाहुंण के हेड़वा लाग्यो, अने
अड़तियाहुंण की तिपई अने कबुतर
बेचवा वाळाहुंण की कुड़छिहुंण के पलटी
लाखी; १६अने उने कइंका केज मन्दर
माय हुई के समान लई जावा को हुकम
नी द्‌यो। १७† अने उ उणके परबचन देवा
लाग्यो, "कंई यो नी लिख्यो हे, 'म्हारो
घर सगळी जातहुंण सरु पराथना को घर
केवायगा'? पण तमने उके डाकूहुंण की
गुफा बणई राखी हे।"
१८अने मुख-पुरोहितहुंण अने
सासतरिहुंण ने जदे यो सुण्यो तो उके
नास करवा सरु मोको ढुंडवा लाग्या,
क्योंके वी उकासे डरता था, इकासरु के
सगळा मनखहुंण उकी सीख से दंग था।
१९अने सांज होताज, वी नगर से बायरे
चल्या जाया करता था।

बिसास की ताकत

(मत्ती २१.२०-२२)

२०फेर दन उगे जदे वी वइंसे जई र्‌या
था, तो उणने उना अंजीर का झाड़ के
जड़ समेत सुक्यो होयो देख्यो। २१पतरस

---

[j] **११.९** होसन्ना; हमारे बचाड़ !

† **११.९:** भजन संहिता ११८.२५–२६ † **११.१०:** भजन संहिता ११८.२५,२६

† **११.१७:** यसायाह ५६.७; यरमियाह ७.११

ने रियाद करिके क्यो, "रब्बी[k] देख, तो!
यो अंजीर को झाड़ जेके तने सराप द्यो
थो सुकी ग्यो।"
२२ईसु ने उकासे क्यो, "परमेसर पे
बिसास राख। २३† हूं थार से सांची कूं,
जो कईं को इना परबत से केगा, 'उखड़ी
जा अने समन्दर माय जई पड़, 'अने
अपणा हिरदा माय सक नी करे, पण जो
कंई उने क्यो, बिसास करे के हुई जायगा
तो उका सरु हुई जायगा। २४इकासरु हूं
तमार से कूं, के जो कंई तम पराथना
माय मांगो हो बिसास करो के तम उके
पई चुक्या हो, अने उ तमारे मिळी
जायगा। २५† अने जदे कदी तम उबा हुई
के पराथना करो तो अगर तमारा हिरदा
माय कइंका सरु थोड़ोक बिरोद हे तो
मांफ करो, जेकासे के तमारो पिता जो
सरग माय हे तमारा बी कसूर मांफ करे।
२६(अगर तम मांफ नी करोगा तो तमारो
पिता बी जो सरग माय हे, तमारो कसूर
मांफ नी करेगा।)"[l]

ईसु का हक पे सवाल

(मत्ती २१.२३-२७; लूका २०.१-८)

२७वी पाछा यरुसलेम नगर आया।
अने जदे ईसु मन्दर माय फिरी र्यो
थो, तो मुख-पुरोहित, सासतरी अने बुड़ा-
हाड़ा उका कने आया, २८वी उकासे पुछवा
लाग्या, "तू यो काम केका हक से करी
र्यो, या इना कामहुंण को करवा को हक
थारे केने द्यो हे?"
२९अने ईसु ने उणकासे क्यो, "हूं तमार
से एक सवाल पुछुं। तम म्हारे जुवाब
दोगा, फेर हूं बी तमारे बतउंवां के यो
काम केका हक से करूं। ३०योहन को
बपतिसमो करवा को हक सरग आड़ी से
थो के मनख आड़ी से? म्हारे जुवाब दो।"
३१वी या कई के माय-माय बिवाद
करवा लाग्या, "अगर हम कां, 'सरग
से, 'तो उ केगा, तो तमने उको बिसास
कायसरु नी कर्यो?' ३२फेर हम या कां,
'मनखहुंण आड़ी से ... ' " (वी लोगहुंण
से डरता था क्योंके सगळा यो मानता
था के योहन सांची माय एक नबी थो।)
३३ईसु के जुवाब देता होया उणने क्यो,
"हम नी जाणा।"
तो ईसु ने उणकासे क्यो, "हूं बी तमारे
नी बतउंवां के यो काम केका हक से
करूं।"

परमेसर ने अपणा बेटा के मोकल्यो

(मत्ती २१.३३-४६; लूका २०.९-१९)

१२ † फेर ईसु उणके मिसालहुंण माय
केवा लाग्यो: एक मनख ने अंगूर
को बगीचो लगाड़्यो, अने बाड़ो बान्दी
के उके घेरी ल्यो, अने अंगूर की घाणी
का निच्चे एक रसकुंड खोद्यो, अने एक
डागळो बणायो, अने किरसाणहुंण के
उदड़ा पे दई के जातरा पे चल्यो ग्यो।
२फसल का मोसम माय उने एक दास
के किरसाणहुंण कने मोकल्यो के उना
किरसाणहुंण से अंगूर का बगीचा की

---

[k] **११.२१** रब्बी; गरु। [l] **११.२५** थोड़ाक हात का लिख्या होया लेख माय २६ आयत जोड़ी हे (देखो मत्ती ६.१५)।

† **११.२३:** मत्ती १७.२०; १ कुरिन्थिहुंण १३.२ † **११.२५–२६:** मत्ती ६.१४–१५

† **१२.१:** यसायाह ५.१–२

थोड़िक फसल लइ-याय। ३पण उणने
उके पकड़ी के कुट्यो अने उके रित्ता
हाते मोकली द्यो। ४उने उणका कने
फेर-पाछो एक दास मोकल्यो, अने
उणने उको माथो फोड़ी लाख्यो अने
उको मान पाड़्यो। ५फेर उने एक हजु
के मोकल्यो, उणने उके मारी लाख्यो:
अने असतरा दूसरा नरा के बी, कइंका
के कुट्या अने कइंका के मारी लाख्या।
६अबे मोकलवा सरु उका कने एक
हजु रई ग्यो याने उको परमिलो बेटो,
या सोंची के उने आखर माय उके बी
मोकली द्यो के 'वी म्हारा बेटा को
मान राखेगा।' ७पण उना किरसाणहुंण
ने माय-माय क्यो, योज तो वारिस हे;
आव, हम इके मारी लाखां, तो सगळी
जायजाद हमारी हुई जायगा।' ८अने
उणने उके पकड़ी के मारी लाख्यो
अने अंगूर का बगीचा का बायरे फेंकी
लाख्यो।

९इकासरु अंगूर का बगीचा को मालेख
कंई करेगा? उ अई के किरसाणहुंण के
नास करी लाखेगा अने अंगूर को बगीचो
दूसरा के दई देगा। १०† कंई तमने पवित्तर
सासत्तर को यो बचन नी बांच्यो:

जेना एरण के राज मिसतरिहुंण ने
नकारी द्यो थो,
उज कोणा को खास एरण
बण्यो।
११† यो परभु आड़ी से होयो
अने हमारी नगेहुंण माय अनोखो
हे!"

१२यहूदिहुंण का अगवाहुंण ईसु के
पकड़वा चाता था, फेर बी लोगहुंण
से डरता था, क्योंके वी समजी ग्या
था के उने या मिसाल हमारा बिरोद
माय कई हे। इकासरु वी उके छोड़ी
के चल्या ग्या।

ईसु के छळवा की कोसिस

(मत्ती २२.१५-२२; लूका २०.२०-२६)

१३उणने थोड़ाक फरीसिहुंण अने
हेरोदियाहुंण के उका कने मोकल्या
के उकीज बातहुंण माय उके उळजावे।
१४अने उणने अई के उकासे क्यो, "हे
गरु, हम जाणा हे के तू सांचो हे अने
तू कइंका का केणा माय नी आय।
तू तो कइंका की तरफदारी बी नी
करे, पण परमेसर की बाट सच्चई से
सीखाड़े। केसर राजा[m] के कर चुकाणो
ठीक हे के नी?"

१५हम कर चुकावा के नी चुकावा?"
पण उने उणका ढोंग के भांपी के उणका
से क्यो, "तम म्हारे कायसरु परखो हो?
एक कलदार सिक्को, म्हारा कने लाव के
हूं उके देखुं।"

१६वी कलदार सिक्को लाया, अने उने
उणकासे क्यो, "इका पे केको मुन्डो अने
केको नाम लिख्यो हे?"
उणने क्यो, "केसर राजा को।"

१७अने ईसु ने उणकासे क्यो, "जो
केसर राजा को हे उ केसर के दो, अने
जो परमेसर को हे उ परमेसर के दो।"
अने वी दंग रई ग्या।

---

[m] **१२.१४** केसर राजा; रोम का म्हाराजा की पदवी या ओड़क।

† **१२.१०–११:** भजन संहिता ११८.२२–२३ † **१२.११:** भजन संहिता ११८.२२-२३

सदुकिहुंण की चाल

(मत्ती २२.२३-३३; लूका २०.२७-४०)

१८† फेर थोड़ाक सदुकी - जो यो के हे
के पाछो जी उठणो हेज नी - उका कने
अई के पुछवा लाग्या, **१९**†हे गरु, हमारा
सरु मूसा ने एक नेम-बिधान लिख्यो
के अगर कइंका को भई बे-ओलाद मरी
जाय, अने अपणा पाछे घराळी के मेली
जाय तो उको भई उकी बइरा से ब्याव
करी ले अने अपणा भई सरु ओलाद पेदा
करे। **२०**सात भई था। पेलो भई ब्याव
करिके बे-ओलाद मरी ग्यो। **२१**तो दूसरा
भई ने उनी बइरा से ब्याव कर्‌यो अने
बे-ओलाद मरी ग्यो, अने तीसरा ने बी
असोज कर्‌यो। **२२**अने साती से कइंकी
ओलाद नी हुई। आखर माय वा बइरा
बी मरी गी। **२३**पाछा जदे वी जीवता हुई
जायगा तो वा केकी घराळी रेगा? क्योंके
वा साती भईहुंण की बइरा बणी थी।"

२४ईसु ने उणकासे क्यो, "कंई तम
इनी वजा से भूल माय नी पड़्या हो
के तम नी तो पवित्तर - सासत्तर के
समज्या हो अने नीज परमेसर की
सामरत के? **२५**क्योंके जदे लोग मर्‌या
माय से जी उठे, तो वी नितो ब्याव
करवा अने नीज ब्याव माय द्‌या जावे
बरण वी सरग माय सरगदूतहुंण सरीका
रे हे। **२६**† अने इनी बात का बारामें के
मर्‌या पाछा जी उठ्‌याय हे, कंई तमने
मूसा की पोथी माय बळती हुई झांडी की
कथा नी बांची? के परमेसर ने कसतरा
मूसा से क्यो, 'हूं इबराइम को परमेसर,
अने इसाक को परमेसर, अने याकूब को
परमेसर हूं? **२७**उ मर्‌याहुंण को नी पण
जीवताहुंण को परमेसर हे। तम घणी भूल
माय पड़्या हो।"

सगळा से बड़ो हुकम

(मत्ती २२.३४-४०; लूका १०.२५-२८)

२८† सासतरिहुंण माय से एक ने अई के
उणके बाद-बिवाद करता सुण्या, अने या
जाणी के के ईसु ने कितरा अच्छा तरीका
से उणके जुवाब द्‌यो, उकासे पुछ्‌यो,
सगळा से खास हुकम कां को हे?"

२९† ईसु ने जुवाब द्‌यो, "खास हुकम
यो हे: 'हे इसराइल सुण, परभु हमारो
परमेसर एकज परभु हे, **३०**अने तू परभु
अपणा परमेसर से अपणा आखा हिरदा,
अने अपणा आखा पराण अने अपणी
आखी बुध्दि अने अपणी आखी सकती
से परेम करजे।' **३१**अने दूसरी या, 'तू
अपणा पड़ोसी से अपणा सरीको परेम
करजे।'† इणकासे बड़ी के हजु कईं को
हुकम हयनी।"

३२† सासतरी ने उकासे क्यो, "हे गरु,
बिलकुल ठीक, तने सांचीज क्यो हे के
उ एकज हे; अने उके छोड़ी के कईं
को दूसरो हुकम हयनी; **३३**† अने उकासे
आखा हिरदा, आखा पराण, आखी बुध्दि,
अने आखी सकती से परेम करनों, अने
अपणा पड़ोसी से अपणा सरीको परेम
करनों, सगळी होमबली की सामगरिहुंण
से अने बलिदानहुंण से बड़ी के हे।"

---

† **१२.१८:** परेरितहुंण २३.८ † **१२.१९:** नेम-बिधान २५.५ † **१२.२६:** निरगमन ३.६
† **१२.२८–३४:** लूका १०.२५–२८ † **१२.२९:** नेम-बिधान ६.४-५ † **१२.३१:** लेव्यव्यवस्था १९.१८
† **१२.३२:** नेम-बिधान ४.३५ † **१२.३३:** होसे ६.६

३४जदे ईसु ने देख्यो के उने
समजदारी से जुवाब द्यो, तो उकासे
क्यो, 'तू परमेसर का राज से दूरो
हयनी,
"अने इका बाद कइंका के उकासे पुछवा
की हिम्मत नी री।

मसीह का बारामें सवाल

(मत्ती २२.४१-४६; लूका २०.४१-४४)

३५ईसु मन्दर माय परबचन दई र्‌यो
थो तो उने क्यो, "सासतरी कसा के
हे, के मसीह दाऊद को बेटो हे? **३६**[†]
क्योंके दाऊद ने खुद पवित्तर आतमा
माय हुई के क्यो हे,
'परभु ने म्हारा परभु से क्यो,
"म्हारा सुदा हाताड़ी बेठ
जदत्तक के हूं थारा बेरिहुंण के
थारा पगहुंण की चोकी नी
बणई लाखुं "।'
३७दाऊद खुद ईसु के 'परभु' के हे; तो
उ दाऊद को बेटो कसे होयो?" बड़ीमेक
भीड़ बड़ा आनन्द से उकी सुणी री थी।

नेम-बिधान का जाणकारहुंण से सावधान

(मत्ती २३.१-३६; लूका २०.४५-४७)

३८अने उ अपणा परबचन माय कई
र्‌यो थो, "सासतरिहुंण से होसियार रो,
जो लम्बा चोळा पेरिके अंई-वंई घुमवा
अने हाट-बजारहुंण माय मान **३९**अने
पराथनाघरहुंण माय खास आसण अने
भोजहुंण माय मान की जगा पाणों अच्छो
लागे। **४०**इज वी हे जो रांडिहुंण को घर
गटकी जाय,[n] अने धरम को दिखावो
करिके लम्बी-लम्बी पराथनाहुंण करे। ई
घणी भारी सजा पायगा।"

सांचो दान

(लूका २१.१-४)

४१उ मन्दर का खजाना का सामे बेठी
ग्यो अने देखवा लाग्यो के लोग कसतरे
मन्दर का खजाना माय पइसा लाखी
र्‌या था; अने नरा धणिहुंण मोटी-मोटी
रकम लाखी र्‌या था। **४२**इतरा माय एक
गरीब रांडी बइरा ने अई के तांबा की दो
नानी-नानी दमड़ी लाखी जिणको मोल
करीब एक पइसा का बरोबर रे हे। **४३**तो
ईसु ने अपणा चेलाहुंण के कने बुलाड़ी के
उणकासे क्यो, "हूं तमार से सांची-सांची
कूं, के खजाना माय लाखवा वाळाहुंण

दो छदाम (MRK १२.४४)

[n] **१२.४०** जो रांडिहुंण को घर गटकी जाय; नेम-बिधान मुजब धन-सम्पत्ती से इकाड़ी करिके उणकी दसा बिगाड़ी दे।

[†] **१२.३६:** भजन संहिता ११०.१

माय से इनी गरीब रांडी बइरा ने सगळा
से बड़ी के लाख्यो हे; ४४क्योंके दूसरा
सगळा ने अपणा नरा माय से लाख्यो
हे, पण इने अपणी गरीबी माय से जो
कंई उको थो याने अपणी आखी जीविका
लाखी दी हे।"

ईसु ने बिनास होवा की भविसबाणी करी

(मत्ती २४.१-२; लूका २१.५-६)

१३ जदे ईसु मन्दर से बायरे हिटी र्‌यो
थो तो उका चेलाहुंण माय से एक
ने उकासे क्यो, "हे गरु, देख, कसा मोटा
एरण अने कसो अलिसान भवन!"
२अने ईसु ने उणकासे क्यो, "तम इना
अलिसान भवनहुंण के देखी र्‌या हो? एक
एरण पे एरण बी नी रेगा सगळो ढळ्डायो
जायगा।"

अबदाहुंण अने सताव

(मत्ती २४.३-१४; लूका २१.७-१९)

३जदे उ मन्दर का सामे जेतून परबत
पे बेठ्‌यो थो तो पतरस, याकूब, योहन,
अने अन्द्रियास ने एखला माय उकासे
पुछ्‌यो, ४"हमारे बताड़ के ई बातहुंण कदे
होयगा अने सगळी बातहुंण जदे पूरण
होवा पे रे तो इणकी सेलाणी कंई रेगा?"
५अने ईसु उणकासे केवा लाग्यो,
"होसियार रो के कईं को तमारे धोको
नी दई दे। ६नरा म्हारा नाम से या केता
होया आयगा, हूं उज हूं!' अने वी नरा
के धोको देगा। ७जदे तम लड़इहुंण की
चरचा अने लड़इहुंण की अफवा सुणो तो
घबरावजो मती; इनी बातहुंण को होणो
जरुरी हे। फेर बी उना बखत अंत नी
होयगा। ८क्योंके एक जात का बिरोद
माय दूसरी जात अने एक राज का
बिरोद माय दूसरो राज उठ्‌यायगा। नरी
जगाहुंण पे जमीन धुजेगा अने बिखो
पड़ेगा। ई सगळी बातहुंण तो दुःख-दरद
की सुरुआतज रेगा।
९† पण तम होसियार रो। क्योंके लोग
तो तमारे कचेरीहुंण का हवाले करी देगा
अने पराथनाघरहुंण माय कोड़ा मारेगा,
अने तम म्हारी वजासे सासकहुंण अने
राजाहुंण का सामे उब्या रोगा ताके उणका
सामे गवई रे। १०अने जरुरी हे के पेलां
सुब-समिचार सगळी जातहुंण माय परचार
कर्‌यो जाय। ११वी जदे तमारे बन्दी बणई
के कचेरी माय दई दे तो पेलां से सांसो
मती करजो के हम कंई कांगा, पण उनीज
घड़ी तमारे जो कंई क्यो जाये उज करजो;
क्योंके बोलवा वाळा तम नी रो, पण
पवित्तर आतमा रे हे १२भई, भई के अने
बाप, बेटा के मोत सरु दई देगा; अने
छोरा-छोरी अपणा मां-बाप का बिरोद माय
उठ्‌यायगा अने उणके मरवई लाखेगा। १३†
अने म्हारा नाम की वजासे सगळा लोग
तमार से घिरणा करेगा, पण जो आखर
तक जिरना मारेगा उकोज उध्दार होयगा।

उजाड़वा वाळी

(मत्ती २४.१५-२८; लूका २१.२०-२४)

१४पण जदे तम उनी उजाड़वा वाळी
घिरणित चीज† के वां उबी देखो जां

---

† **१३.९–११:** मत्ती १०.१७–२०; लूका १२.११–१२ † **१३.१३:** मत्ती १०.२२
† **१३.१४:** दानियल ९.२७, ११.३१, १२.११

उके नी होणो चाय - बांचवा वाळो
समजी जाय - तो जो यहूदिया परदेस
माय रे वी परबतहुंण अदरे भागी जाय।
१५† अने उ जो घर का छज्जा अदरे
रे, निच्चे नी उतरे अने नी कंई लेवा
सरु घर का भित्तरे जाय, १६अने उ जो
खेत माय रे, अपणो चोळो लेवा सरु
पाछो नी पलटे। १७पण उनी नारीहुंण
सरु धिक्कार जो उना दनहुंण माय
गरभ से रेगा अने जो बाळकहुंण के
धवाड़ती रेगा! क्योंके वी दन घणा
भयंकर रेगा। १८पराथना करो के यो
स्याळा माय नी होय। १९† क्योंके वी
दन असा कळेस का रेगा जसा जगत
का सुरु से, जेके परमेसर ने सिरज्यो,
अबी तक नी तो होयो अने नी फेर
कदी होयगा। २०अने अगर परभु ने
उना दनहुंण के घटाड़्या नी होता,
तो कईं को बी जीव नी बचतो, पण
उना छांट्या होया की वजासे जिणके
उने छांटी ल्या हे, उने इना दनहुंण
के घटाड़्या।

२१तो अगर कईं को तमार से के,
देखो मसीह यां हे, 'या देखो उ वां हे,
'तो बिसास मती करजो; २२क्योंके झुंटा
मसीह अने झुंटा नबी उठ्यायगा, अने
सेलाणी अने अनोखा काम बताड़ेगा के
अगर हुई सके तो छांट्या होया के बी
भटकई दे। २३पण होसियार री जो; देखो,
म्हने पेलांज तमारे सगळो कंई बताड़ी
लाख्यो हे।

ईसु को पाछो आणो

(मत्ती २४.२९-३१; लूका २१.२५-२८)

२४† पण उना दनहुंण माय, उना
कळेस का बाद सूरज इन्दार्‌यो जायगा,
अने चन्दरमा अपणो उजाळो नी देगा,
२५† अने असमान से तारागण पड़ता
रेगा, अने असमान की ताकतहुंण हलाड़ी
जायगा। २६† जदे लोग म्हारे मनख का
बेटा के बड़ी सामरत अने म्हेमा का
साते बादळाहुंण माय आतो देखेगा।
२७उना बखत उ अपणा सरगदूतहुंण के
मोकली के धरती का इना छोर से लई
के असमान का उना छोर तक, चारी
दिसाहुंण से अपणा छांट्या होया के भेळा
करेगा।

अंजीर का झाड़ से सीख

(मत्ती २४.३२-३५; लूका २१.२९-३३)

२८"अंजीर का झाड़ से या मिसाल
सीखो; जदे उकी डाळ नरम हुई जाय,
अने उका माय कोंपळ हिटवा लागे, तो
तम जाणी लो हो के उनाळो कने हे।
२९असतरे तम बी जदे इनी बातहुंण के
होता देखो तो जाणी लीजो के उ कने
हे बरण बारना पेज हे।° ३०हूं तमार से
सांची कूं के जदत्तक ई बातहुंण पूरण
नी हुई जाय इनी पीढ़ी को अंत नी
होयगा। ३१असमान अने धरती टळी
जायगा, पण म्हारा बचन कदी नी
टळेगा।

° **१३.२९** उ कने हे बरण बारना पेज हे; या उ कने हे, आवा सरु तय्यार हे।

† **१३.१५–१६:** लूका १७.३१ † **१३.१९:** दानियल १२.१; दरसन ७.१४

† **१३.२४:** यसायाह १३.१०; यहेजकेल ३२.७; योएल २.१०, ३१, ३.१५; दरसन ६.१२

† **१३.२५:** यसायाह ३४.४; योएल २.१०; दरसन ६.१३ † **१३.२६:** दानियल ७.१३; दरसन १.७

उना दन अने बखत के कईं को नी जाणे

(मत्ती २४.३६-४४)

३२† पण उना दन या उनी घड़ी का बारामें कईं को नी जाणे, नी सरग का दूत, नीज हूं बेटो, पण सिरप पिता परमेसर। **३३**'सावधान हुई जाव, जागता रो अने पराथना माय लाग्या रो, क्योंके तम नी जाणो के उ ठेराड़्यो बखत कदे अई जायगा। **३४**† यो उना मनख सरीको जो अपणो घर छोड़ी के जातरा पे बायरे ग्यो। अपणा दासहुंण के हक दई के उने हरेक के उको काम बताड़्यो अने नेपादार के जागता रेवा को हुकम द्यो। **३५**इकासरु जागता रो - क्योंके तम नी जाणो के घर को मालेख कदे आयगा, सांझे, आदी राते, या मुरगा का बांग देवा बखत या दन उगे - **३६**कंई असो नी होय के उ एक दम से अई के तमारे सोतो होयो पाय। **३७**अने हूं जो तमार से कूं, उज सगळा से कूं: 'जागता री जो!' "

ईसु के मारी लाखवा की जुगत

(मत्ती २६.१-५; लूका २२.१-२; योहन ११.४५-५३)

१४ † फसह[p] अने बिना खमीर का रोटा का परब सरु दो दन बाकी रई ग्या था; अने मुख-पुरोहित अने सासतरी इनी बात का ताक माय था के उके कसे छाने से पकड़ां अने मारी लाखां; **२**पण वी कई र्या था, "परब का बखत नी, कंई असो नी होय के लोगहुंण माय दंगो हुई जाय।"

ईसु पे अतर रेड़णो

(मत्ती २६.६-१३; योहन १२.१-८)

३† जदे वी बेतनिय्याह का सिमोन कोड़्या का घरे जिमवा बेठ्या था, तो वां एक बइरा संगमरमर का बरतन माय जटामांसी को अनमोल सुद्द अतर लई के अई; अने उने उना बरतन के तोड़ी के अतर के ईसु का माथा पे कुड़ी लाख्यो। **४**पण थोड़ाक लोग खिसियई के माय-माय केवा लाग्या, "यो अतर कायसरु ढोळी लाख्यो? **५**क्योंके यो अतर तो तीन सो चांदी का सिक्काहुंण[q] से जादा दाम माय बेची के गरीब-गुरबाहुंण के द्यो जई सकतो थो।" अने वी इनी बइरा पे खिजवा लाग्या।

६पण ईसु ने क्यो, "उके छोड़ी लाखो, उके कायसरु परेसान करो हो? उने तो म्हारा गेले भलई करी हे। **७**† क्योंके गरीब-गुरबाहुंण तो सदा तमारा गेले रे हे, अने जदे तम चावो जदे उणका गेले भलई करी सकता हो, पण हूं तमारा गेले सदा नी रुंवां। **८**जितरो वा करी सकती थी, उने कर्यो, उने म्हारा गाड़्या जावा सरु पेलांज से म्हारी काया पे अतर मळ्यो हे। **९**हूं तमार से सांची कूं के आखा जगत माय जां कंई सुब-समिचार को परचार होयगा, वां इनी बइरा का इना काम को बखाण बी इकी रियाद माय कर्यो जायगा।"

---

[p] **१४.१** फसह; सबद् भण्डार माय देखो। [q] **१४.५** तीन सो चांदी का सिक्काहुंण; एक जणा की एक बरस की मजुरी चांदी का सिक्काहुंण देखो मर्क. 6.37।

† **१३.३२:** मत्ती २४.३६ † **१३.३४:** लूका १२.३६–३८ † **१४.१:** निरगमन १२.१–२७

† **१४.३:** लूका ७.३७–३८ † **१४.७:** नेम-बिधान १५.११

ईसु के पकड़वाणे सरु तय्यार

(मत्ती २६.१४-१६; लूका २२.३-६)

१०इका बाद यहूदा इस्करियोती जो बारा चेलाहुंण माय से एक चेलो थो मुख-पुरोहित कने ग्यो के उके उणका हाते पकड़वई लाखे। **११**अने जदे उणने यो सुण्यो तो वी खुस हुई ग्या, अने उके रुप्या देवा को बचन द्यो। तो उ बखत की हेर माय र्यो के उके कसतरे पकड़वई लाखे

फसह-भोज की तय्यारी

(मत्ती २६.१७-२५; लूका २२.७–१४, २१–२३; योहन १३.२१–३०)

१२बिना खमीर का रोटा का परब का पेलां दन, जदे फसह का मेमणा को बलिदान कर्यो जातो थो तो उका चेलाहुंण ने उकासे पुछ्यो, "तू कां चावे के हम जई के थारा सरु फसह खावा की तय्यारी करां?"

१३उने अपणा चेलाहुंण माय से दो के या कई के मोकल्या, "नगर माय जाव, अने एक मनख पाणी को गागर्यो उठाड़ी के लातो होयो तमारे मिळेगा; उका पाछे हुई जावजो; **१४**अने जां उ जावे, उना घर का मालेख से किजो, 'गरु के हे, "म्हारा पांमणाहुंण के रुकवा की जगा कां हे जेका माय हूं अपणा चेलाहुंण का गेले फसह खउं?" **१५**उ खुद तमारे एक बड़ी सजी-सजई अदरे की कोठड़ी दिखाड़ेगा, वां हमारा सरु तय्यारी करजो।"

१६चेला चल्या ग्या अने नगर माय जई के जसो ईसु ने क्यो थो वसोज मिळ्यो, अने उणने फसह की तय्यारी करी।

१७जदे सांझ हुई तो उ बारा चेलाहुंण का गेले आयो। **१८**† अने जदे वी बेठिके जिमी र्या था, तो ईसु ने क्यो, "हूं तमार से सांची कूं, तमारा माय से एक हे - जो म्हारा गेले जिमी र्यो हे - म्हारे पकड़वायगा।"

१९वी उदास हुई ग्या अने एक-एक करी ने उकासे पुछवा लाग्या, "कंई उ हूं हे?"

२०अने उने उणकासे क्यो, "उ बारा चेलाहुंण माय से एक हे जो म्हारा गेले एकज परात माय खाय हे। **२१**क्योंके हूं मनख को बेटो, जसो म्हारा बारामें लिख्यो हे, ठीकज हे; पण धिक्कार उना मनख पे जेका से हूं मनख को बेटो पकड़वायो जउं हे! उना मनख सरु भलो होतो अगर उको जनमीज नी होतो।"

परभु-भोज

(मत्ती २६.२६-३०; लूका २२.१४–२०; १ कुरिन्थिहुंण ११–२३-२५; योहन १३.२१–३०)

२२जदे वी जिमी र्या था, उने रोटो ल्यो अने आसीस मांगी के तोड़्यो अने चेलाहुंण के दई के क्यो, "इके लो; या म्हारी काया हे।"

२३फेर उने कटोरो ल्यो अने धन्यबाद करिके उणके द्यो अने उना सगळा ने उका माय से प्यो। **२४**† जदे उने उणकासे क्यो, "यो करार को म्हारो उ लोई जो नरा लोगहुंण सरु बिवाड़्यो जाय हे। **२५**हूं तमार से सांची कूं, हूं अंगूर को रस उना

---

† **१४.१८:** भजन संहिता ४१.९ † **१४.२४:** निरगमन २४.८; यरमियाह ३१.३१–३४

दन तक पाछो कदी नी पिउंवां, जदत्तक
परमेसर का राज माय नवो नी प्यूं।"
२६भजन गावा का बाद वी जेतून
परबत पे चल्या ग्या।

ईसु ने पतरस का इनकार की भविसबाणी करी

(मत्ती २६.३१-३५; लूका २२.३१-३४; योहन १३.३६–३८)

२७† जदे ईसु ने उणकासे क्यो, "तम
सगळा ठोकर खावगा, क्योंके यो लिख्यो
हे, 'हूं ग्वाळा के मारुंवां, अने गाडरहुंण
तित्तर-बित्तर हुई जायगा।' **२८**† पण हूं
जिन्दो होवा का बाद तमार से पेलां, हूं
गलील परदेस जउंवां।"
२९पतरस ने उकासे क्यो, "चाये
सगळा छोड़ी लाखे तो छोड़ी लाखे, हूं
नी छोड़ुंवां।"
३०जदे ईसु ने उकासे क्यो, "हूं थार
से सांची कूं: आजज राते मुरगा का दो
कावा बांग देवा से पेलां तू खुद तीन
कावा म्हारे नकारेगा।"
३१पण पतरस दावा से यइज केतो
र्‌यो, "चाय म्हारे थारा गेले मरनो बी
पड़े, फेर बी हूं थारे नी नकारुंवां!"
अने वी सगळा चेला यइज बात कई
र्‌या था।

एखला माय पराथना

(मत्ती २६.३६-४६; लूका २२.३९–४६)

३२अने वी 'गतसमनी' नामकी जगा
माय आया; अने उने अपणा चेलाहुंण
से क्यो, "तम यां बेठ्या रो, जदत्तक
हूं पराथना करूं।" **३३**अने उने अपणा
गेले पतरस, याकूब अने योहन के ल्या,
अने उ घणोज दुःखी अने ब्याकुळ होवा
लाग्यो। **३४**अने उने उणकासे क्यो,
"म्हारो हिरदो घणो उदास हे, यां तक के
हूं मरवा पे हूं। यांज रुको अने जागता
रो।"
३५फेर उ उणकासे थोड़ोक अगड़े बड़्यो
अने जमीन पे पड़ी के पराथना करवा
लाग्यो के हुई सके तो, या दुःख की घड़ी
टळी जाय। **३६**अने उ केवा लाग्यो, "हे
अब्बा! हे पिता! थारा सरु सगळो कंई
सबगो हे। यो प्यालो म्हार से इकाड़ी करी
दे। फेर बी म्हारी नी पण थारी मरजी
पूरण होय।"
३७अने उने अई के उणके सोता पाया
अने पतरस से क्यो "सिमोन, तू सोइर्‌यो
हे? कंई तू एक घड़ी बी नी जागी सक्यो?
३८जागता अने पराथना करता रो के तम
अजमाइस माय नी पड़ो। आतमा तो
तय्यार, पण काया कमजोर हे।"
३९अने उने पाछो जई के इनाज
सबद्‌हुंण माय पराथना करी। **४०**अने उने
पाछो अई के उणके सोता पाया क्योंके
उणकी आंखहुंण नीन्द से भरी थी, अने
वी नी जाणता था के उके कंई जुवाब दां।
४१फेर उने तीसरी कावा अई के
उणकासे क्यो, "कंई तम अबी तक
सोइर्‌या हो अने अराम करी र्‌या हो?
नरो हुई चुक्यो! घड़ी अइगी हे। देखो,
हूं मनख को बेटो पापिहुंण का हाते
पकड़वायो जउं हे। **४२**उठ्याव, चलां! देखो,
म्हारो पकड़वाणे वाळो कने हे!"

---

† **१४.२७:** जकरियाह १३.७ † **१४.२८:** मत्ती २८.१६

यहूदा ने चुम्मो दइके ईसु के पकड़ायो
(MRK १४.४५)

ईसु के पकड़्यो जाणो

(मत्ती २६.४७-५६; लूका २२.४७–५३; योहन १८.३–१२)

४३जदे उ या कइज र्‌यो थो तो यहूदा, जो बारा चेलाहुंण माय से एक थो, झट अई पोंच्यो, अने उका गेले तरवारहुंण अने लटठहुंण लई के एक बड़ीमेक भीड़ थी जेके मुख-पुरोहित, सासतरिहुंण अने बुड़ा-हाड़ाहुंण ने मोकल्या था। **४४**उका पकड़वाणे वाळा ने या कई के सेलाणी दई थी, के जेको हूं चुम्मो लूं उ ईसुज हे; उके पकड़ी के होसियारी से लई के जावजो।

४५वां पोंची के यहूदा ने झट ईसु कने जई के, क्यो, "रब्बी!" अने उके चुम्यो। **४६**जदेज उणने उके पकड़ी के बन्दी बणई ल्यो। **४७**इका पे कने उब्या चेलाहुंण माय से एक ने तरवार खेंची के म्हापुरोहित का दास पे चलाड़ी अने उको कान काटी लाख्यो। **४८**ईसु ने जुवाब देता होया उणकासे क्यो, "कंई तम तरवार अने लटठहुंण लई के म्हारे बन्दी बणावा आया हो? कंई हूं कईं को डाकू हूं? **४९**† हूं तो तमारा गेले हरदन मन्दर माय परबचन द्‌या करतो थो अने तमने म्हारे नी पकड़्यो, पण यो इकासरु होयो हे के पवित्तर सासत्तर को लिख्यो पूरण होय।"

५०इका पे सगळा चेलाहुंण उके एखला के छोड़ी ने भागी ग्या।

५१एक जुवान उका पाछे-पाछे चली र्‌यो थो। उ अपणी नांगी काया पे सिरप मलमल को चादर ओड़्यो होयो थो। उणने उके पकड़्यो, **५२**पण उ मलमल को चादर छोड़ी के नांगोज भागी ग्यो।

ईसु की पेसी

(मत्ती २६.५७-६८; लूका २२.५४–५५,६३-७१; योहन १८.१३–१४,१९-२४)

५३वी ईसु के म्हापुरोहित कने लई ग्या: अने सगळा मुख-पुरोहित, बुड़ा-हाड़ा अने सासतरी भेळा हुई ग्या। **५४**पतरस दूराज दूरा से म्हापुरोहित का आंगणा तक उका पछड़े-पछड़े चल्यो ग्यो थो। उ नेपादारहुंण का गेले बेठिके वां भस्ते तापवा लाग्यो। **५५**म्हापुरोहित अने सगळी म्हासबा[r] ईसु के मारी लाखवा सरु उका बिरोद माय गवा ढुंडवा की कोसिस करता र्‌या, पण उणके कईं को बी गवा नी मिळ्यो।

---

[r] **१४.५५** म्हासबा; यहूदिहुंण का ७० धरम का नेताहुंण की सबा।
† **१४.४९:** लूका १९.४७, २१.३७

५६क्योंके नरा लोगहुंण उका बिरोद माय
झुंटी गवई दई र्या था, पण उणकी गवई
एक-दूसरा से मिळी नी री थी।
५७जदे थोड़ाक लोग उबा हुई के उका
बिरोद माय या गवई देवा लाग्या, ५८†
"हमने इके यो केता सुण्यो हे, हूं हातहुंण
से बणाया इना मन्दर के ढळडई लाखुंवां
अने तीन दन माय दूसरो उबो करी दूंवां
जो हात को बणायो होयो नी रेगा'।"
५९इका पे बी उणकी गवई एक सरीकी
नी थी।
६०फेर म्हापुरोहित उठ्यो अने उने
अगड़े अई के ईसु से पुछ्यो, "जो गवई
ई लोगहुंण थारा बिरोद माय दई र्या हे
कंई तू इको जुवाब नी दे?"
६१पण उ छानो र्यो अने उने कईं को
जुवाब नी द्यो। म्हापुरोहित ने पाछो
उकासे यो केता होया पुछ्यो, "कंई तू
उना धन्य परम परधान परमेसर को
बेटो मसीह हे?"
६२† ईसु ने क्यो, हूं हे! अने तम म्हारे
मनख का बेटा के सरवसक्तिमान का
सुदा हाताड़ी बेठ्यो होयो अने सरग का
बादळाहुंण का गेले आता होया देखोगा।"
६३इका पे म्हापुरोहित ने अपणा लतरा
फाड़ी के क्यो, "अबे हमारे हजु गवाहुंण
की कंई जरुवत? ६४† तम या निंदा[s] सुणी
चुक्या हो। इका पे तमारी कंई राय हे?"
अने उण सगळा ने उके मोत की सजा
का लायक दोषी ठेराड़्यो।
६५जदे थोड़ाक उका पे थुकवा लाग्या,
अने उकी आंखहुंण पे पट्टी बान्दी
के मुक्का मारवा लाग्या अने उकासे
केवा लाग्या, "भविसबाणी कर!" अने
नेपादारहुंण ने पकड़ी के उका मुन्डा पे
थापड़ मार्या।

पतरस ने ईसु के नकार्यो

(मती २६.६९-७५; लूका २२.५६–६२;
योहन १८.१५–१८,२५-२७)

६६जदे पतरस निच्चे आंगणा माय थो,
तो म्हापुरोहित की दासिहुंण माय से एक
वां अई, ६७अने पतरस के भस्ते तापतो
देख्यो अने उका पे नगे गड़ई के केवा
लागी, "तू बी तो ईसु नासरी का गेले
थो।"
६८पण उने मना करता होया क्यो,
"हूं नी तो जाणूं अने नीज समजुं के तू
कंई कई री हे।" अने उ बायरे ओसारा
माय चल्यो ग्यो। इका बाद मुरगा ने
बांग दई[t]।
६९उके देखी के कने उब्या लोगहुंण
से वा दासी पाछी केवा लागी, "यो तो
उणका दळ माय को एक हे!" ७०पण उने
पाछो नकार्यो।
थोड़िक देर बाद जो कने उब्या था
उणने पाछो पतरस से क्यो, "पक्कोज
तू उणका माय को एक हे, क्योंके तू
गलील को हे!"
७१पण उ कोसवा अने सोगन खावा
लाग्यो, "हूं इना मनख के जेकी तम
चरचा करी र्या हो नी जाणूं!"
७२अने झट मुरगा ने दूसरी कावा बांग
दई। जदे पतरस के वा बात जो ईसु ने

[s] **१४.६४** निंदा; खुद के परमेसर का बराबरी करिके इने परमेसर की निंदा करी। [t] **१४.६८** इका बाद मुरगा ने बांग दई; थोड़ाक हात का लिख्या लेखहुंण माय असो नी हे।

† **१४.५८:** योहन २.१९ † **१४.६२:** दानियल ७.१३ † **१४.६४:** लेव्यव्यवस्था २४.१६

पतरस से कई थी, रियाद अई, "मुरगा
का दो कावा बांग देवा से पेलां तू तीन
कावा म्हारे नकारेगा।" अने पतरस रोवा
लाग्यो।

पिलातुस का सामे हाजिर

(मत्ती २७.१-२,११-१४; लूका २३.१–५; योहन १८.२८-३८)

१५ अने दन उगताज, झट मुख-
पुरोहितहुंण अने बुड़ा-हाड़ाहुंण,
सासतरिहुंण अने आखी म्हासबा का गेले
फेसलो कर्‌यो, अने ईसु के बान्दी के
लई ग्या अने उके पिलातुस का हाते दई
द्‌यो। २पिलातुस ने उकासे पुछ्‌यो, "कंई
तू यहूदिहुंण को राजो हे?"
ईसु ने जुवाब देतो होयो उकासे क्यो,
"तू खुदज कई र्‌यो हे।"
३अने मुख-पुरोहित उका पे नरी
बातहुंण को आरोप लगाड़ी र्‌या था।
४पिलातुस ने उकासे या केता होया पाछो
पुछ्‌यो, "कंई तू जुवाब नी दई र्‌यो?
देख, वी थारा बिरोद माय कितरा आरोप
लगाड़ी र्‌या हे।"
५पण ईसु ने कईं को हजु जुवाब नी
द्‌यो - इका से पिलातुस के अचरज
होयो।

पिलातुस ईसु के छोड़वा माय नाकाम

(मत्ती २७.१५-२६; लूका २३.१३–२५; योहन १८.३९-१९.१६)

६परब का बखत पिलातुस उणकी
मांग पे कइंका एक मुलजिम के छोड़्या
करतो थो। ७अने उना बिदरोहिहुंण का
गेले जिणने दंगा का बखत हत्या करी
थी बरअब्बा नाम को एक मनख बी
केद कर्‌यो थो। ८अने भीड़ अदरे जई
के पिलातुस से बिणती करवा लागी,
के जसो तू करतो आयो हे, वसोज
हमारा सरु कर। ९तो पिलातुस ने
उणके जुवाब द्‌यो, "कंई तम चाव के
हूं यहूदिहुंण का राजा के तमारा सरु
छोड़ी लाखुं?" १०क्योंके उ जाणतो थो
के मुख-पुरोहितहुंण ने उके जळण की
वजासे पकड़वायो हे।
११पण मुख-पुरोहितहुंण ने भीड़ के यो
केवा सरु उकसाड़्यो के पिलातुस ईसु
का बदळा माय बरअब्बा के छोड़ी लाखे।
१२पिलातुस ने पाछो पुछ्‌यो, "तो जेके
तम यहूदिहुंण को राजो को हो उको हूं
कंई करूं?"
१३वी पाछा चिल्लाड़्या, "उके कुरुस
पे चड़ाव!"
१४पिलातुस ने उणकासे क्यो,
"कायसरु? उने कंई बुरो कर्‌यो हे?"
पण वी हजु बी जोर से चिल्लाड़्या,
उके कुरुस पे चड़ाव।"
१५तो पिलातुस ने भीड़ के खुस करवा
की मनसा से बरअब्बा के उणका सरु
छोड़ी लाख्यो, अने ईसु के कोड़ा लगाड़िके
कुरुस पे चड़ावा सरु रोमी सिपईहुंण के
दई द्‌यो।

सिपईहुंण की मसकरी

(मत्ती २७.२७-३१; योहन १९.२–३)

१६सिपई उके किला का भित्तरे याने
राजपाल का मेळ माय लई ग्या, अने वां
उणने आखी रोमी पळटन के बुलाड़ी के
भेळी करी ली। १७उणने उके बेंगणी रंग
को लतरो पेरायो अने कांटा को मुगुट
गुंथिके उका माथा पे धर्‌यो। १८अने वी

उको मान पाड़वा लाग्या: हे यहूदिहुंण का
राजा, थारी जे होवे!" १९वी उका माथा पे
बरु मारता अने उका पे थुंकता र्‌या, अने
गोड़ा टेकी के उके मजाक माय परणाम
करी र्‌या था। २०जदे वी उको मजाक
बणई चुक्या तो बेंगणी रंग का लतरा के
उतारी के उणने उकाज लतरा उके पेरई
द्‌या। अने वी उके कुरुस पे चड़ावा सरु
बायरे लई ग्या।

सिपईहुंण को मजाक (MRK १५.२०)

ईसु के कुरुस पे चड़ायो जाणो

(मत्ती २७.३२-४४; लूका २३.२६-४३; योहन १९.१७-२७)

२१† अने उणने उके सिकन्दर अने
रुफुस को पिता सिमोन जो कुरेनी
गांम से अई र्‌यो थो, फालतु माय
पकड़्यो के ईसु का कुरुस के उठई के
लई चले। २२अने वी उके 'गुलगुता'[u]
नामकी जगा पे लाया, जेको अरथ हे
'खोपड़ी की जगा'। २३अने उणने उके
लुबान मिळ्यो होयो अंगूर रस देवा
की कोसिस करी; पण उने नी ल्यो।
२४† अने उणने उके कुरुस पे चड़ायो
अने चिट्ठिहुंण लाखी, के किके कंई
मिळे, उका लतराहुंण के माय-माय
बांटी ल्या। २५जदे उणने उके कुरुस
पे चड़ायो तो सवेरे का नो बजी चुक्या
था। २६अने उका माथा का अदरे दोष-
पत्तर पे यो लिख्यो थो, "यहूदिहुंण
को राजो " २७उणने उका गेले दो
डाकूहुंण के बी कुरुस पे लटकाड़्या,
एक के जीवणा हाताड़ी अने दूसरा के
डाबा हाताड़ी। २८† तो पवित्तर सासत्तर
को उ बचन पूरण होयो जेका माय
यो लिख्यो, "उ कसूरवारहुंण का गेले
गिण्यो ग्यो।"[v]

२९† अने वां से आवा-जावा वाळा उकी
निंदा करता होया अने माथो हलाड़ी-
हलाड़ी के केवा लाग्या, अरे! मन्दर का
ढळडाणे वाळा अने तीन दन माय बणावा
वाळा, ३०अपणे खुद के बचाड़ अने कुरुस
से उतर्‌या!"

३१असतरे म्हापुरोहित बी सासतरिहुंण
का गेले मिळी के माय-माय उको मजाक
उड़ई के यो कई र्‌या था, "इने दूसराहुंण
के बचाड़्या; पण अपणे खुद के नी बचई

---

[u] **१५.२२** गुलगुता; खोपड़ी (कपाळ) सरीको नानो टेकरो। [v] **१५.२८** थोड़ाक हात से लिख्या होया लेख माय २८ आयत जोड़ी हे। (देखो लूका २२.३७)।

† **१५.२१:** रोमिहुंण १६.१३ † **१५.२४:** भजन संहिता २२.१८ † **१५.२८:** यसायाह ५३.१२

† **१५.२९:** भजन संहिता २२.७, १०९.२५; मरकुस १४.५८; योहन २.१९

सकतो। ३२अबे यो मसीह, इसराइल को
राजो, कुरुस पे से निच्चे उतर्‌या के हम
देखी के बिसास करां!"
अने वी दोई बी जो उका गेले कुरुस पे
लटकाड़्या था, असाज उकी निंदा करी
र्‌या था।

ईसु की मोत

*(मत्ती २७.४५-५६; लूका २३.४४-
४९; योहन १९.२८-३०)*

३३जदे दफोर का बारा बजिग्या तो
आखा देस माय इन्दारो छई ग्यो अने
तीन बज्या दन तक छायो र्‌यो। ३४† अने
तीन बजवा पे ईसु ने घणा उंचा बोल
माय चिल्लाड़ी के क्यो, "इलोई, इलोई,
लमा सबकतनी?" जेको अरथ, हे म्हारा
परमेसर, हे म्हारा परमेसर, तने म्हारे
कायसरु छोड़ी लाख्यो?"
३५तो जो कने उब्या था उणका माय
से थोड़ाक या सुणी के केवा लाग्या, देखो,
उ एलियाह के तेड़ी र्‌यो हे।" ३६† अने
कइंका ने दोड़ी के पाणी चुसवा वाळी
चीज के सिरका माय डुबाड़ी, अने उके
बरु पे धरी के उके चुसाड़्यो अने केवा
लाग्या, देखां एलियाह उके निच्चे उतारवा
सरु आवे के नी।"
३७तो ईसु ने घणी उंची अवाज से
चिल्लाड़ी के पराण छोड़ी लाख्या।
३८† अने मन्दर को परदो अदरे से
निच्चे तक फाटी के दो बटका हुई
ग्यो। ३९जदे सुबेदार ने जो वां सामे
उब्यो थो उके असतरे पराण छोड़ता[w]
देख्यो तो क्यो, "बेसक यो मनख
परमेसर को बेटो थो!"
४०† थोड़िक बइराहुंण बी थी जो दूरा
से देखी री थी, उणका माय मरियम
मगदलीनी, अने छोटा याकूब अने योसेस
की मेतारी मरियम, अने सलोमी थी।
४१जदे उ गलील माय थो तो ई उका
पछड़े-पछड़े चल्या करती अने ईसु की
सेवा-चाकरी कर्‌या करती थी; अने दूसरी
नरी बइराहुंण बी थी जो ईसु का गेले
यरुसलेम अई थी

ईसु के गाड़्यो जाणो

*(मत्ती २७.५७-६१; लूका २३.५०-
५६; योहन १९.३८-४२)*

४२जदे सांज हुई, तो तय्यारी का दन
होवा की वजासे, याने सबत् से एक दन
पेलां, ४३अरमतियाह को रेवासी यूसफ
आयो, जो म्हासबा को एक इज्जतदार
मनख थो। उ खुदज परमेसर का राज की
बाट जोई र्‌यो थो। उने हिम्मत करिके
पिलातुस का सामे जई के ईसु की लोथ
मांगी। ४४पिलातुस के घणो अचरज होयो
के ईसु की मोत झट हुई गी, अने उने
सुबेदार से तेड़ी के पुछ्यो, "कंई उ मरी
चुक्यो?" ४५फेर उने सुबेदार से इकी
जांच करवई के यूसफ के लोथ दई दी।
४६तो यूसफ ने मलमल को लतरो मोल
ल्यो अने लोथ के उतारी के उका माय
लपेटी, अने एक कबर माय जो सिल्ला
माय कोरी के बणई थी धरी दी, अने
कबर का मुन्डा पे एक भाटो रड़कई के

---

[w] **१५.३९** पराण छोड़ता; मूळ माय उ जोर से चिल्लाड़्यो अने पराण छोड़ी लाख्या।
† **१५.३४:** भजन संहिता २२.१ † **१५.३६:** भजन संहिता ६९.२१ † **१५.३८:** निरगमन २६.३१–३३
† **१५.४०–४१:** लूका ८.२–३

लगाड़ी लाख्यो। ४७मरियम मगदलीनी
अने योसेस की मेतारी मरियम देखी री
थी के उके कां धर्‌यो हे।

ईसु को जी उठणो

(मत्ती २८.१-८; लूका २४.१-१२; योहन २०.१-१०)

१६ जदे सबद् बितवा पे, मरियम
मगदलीनी, याकूब की मेतारी
मरियम अने सलोमी ने काया पे मळवा
सरु मुसालो मोल ल्यो के अई के ईसु
की लोथ पे मळे। २अने हफ्ता का पेलां
दन सबेरे-सबेरे दन हिटताज वी कबर पे
अई। ३वी माय-माय कई री थी, कुंण
हमारा सरु कबर का मुन्डा से सिल्ला
सरकायगा?" ४जदे उणने नगे उठाड़ी के
देख्यो के सिल्ला नरी मोटी होवा पे
बी कबर पे से सरकी हुई हे। ५कबर
माय जावा पे उणने एक जुवान के धोळा
लतरा पेर्‌यो सुदा हाताड़ी बेठ्यो देख्यो;
अने वी दंग रई गी।

६सरगदूत ने उणका से क्यो, "चोंको
मती। तम ईसु नासरी के जो कुरुस पे
लटकाड़्यो थो, ढुंडी री हो। उ जिन्दो
हुई ग्यो हे। यां हयनी। देखो, याज वा
जगा हे जां उणने उके धर्‌यो थो। ७†
पण जाव, उका चेलाहुंण अने पतरस
के बताड़ो के उ तमार से पेलां गलील
जायगा अने तम उके वां देखोगा, जसो
के उने तमार से क्यो थो।"

८वी वां से हिटी अने कबर से पाटी
दई, क्योंके धुजणी अने अचरज उणका
पे छई ग्यो थो; अने उणने कइंका से बी
कइंनी क्यो, क्योंके वी डरी गी थी।

बड़राहुंण ने कबर माय सरगदूत के देख्यो
(MRK १६.५)

एक पुराणा परिच्छेद[x]

१६.९-२०

थोड़ाक चेलाहुंण के दरसन

(मत्ती २८.९-१०; योहन २०.११-१८)

[९जिन्दा होवा का बाद हफ्ता का
पेलां दन घणा सवेरेज, ईसु सगळा
से पेलां मरियम मगदलीनी के जेका
माय से सात बुरी आतमाहुंण हेड़ी थी
नगे आयो। १०उने जई के यो समिचार
ईसु का चेलाहुंण के सुणायो, जो दुःख
माय डुब्या होया था अने रोई र्‌या था।
११जदे उणने यो सुण्यो के उ जिन्दो
हे अने उणके नगे आयो तो उणके
बिसासज नी होयो।

दो चेलाहुंण के नगे आणो

(लूका २४.१३-३५)

१२इका बाद उ दूसरा रुप माय उणका
माय से दो के जदे वी गांम आड़ी जई

---

[x] **१६.९-२०** कई लेखनहुंण माय आयत ९ से २० तक नी हे।

[†] **१६.७:** मत्ती २६.३२; मरकुस १४.२८

र्या था, नगे आयो। [१३]उणने जई के
दूसरा के बी यो समिचार द्यो, पण उणने
बी बिसास नी कर्यो।

चेलाहुंण से बात-चित

(मत्ती २८.१६-२०; लूका २४.३६-४९;
योहन २०.१९-२३ परेरितहुंण १.६-८)

१४बाद माय ईसु उना ग्याराहुंण के बी
जदे वी जिमवा बेठ्या था, नगे आयो;
अने उणका अबिसास अने हिरदा का
काठापण पे उणके डांट्या, क्योंके उणने
उको बिसास नी कर्यो थो जिणने उके
जी उठवा का बाद देख्यो थो। [१५]† अने
उने उणका से क्यो, "तम आखा जग
माय जाव अने आखी धरती पे सुब-
समिचार परचार करो। [१६]जो बिसास करे
अने बपतिसमो ले उ उध्दार पायगा,
पण जो बिसास नी करे उ दोषी ठेराड़्यो
जायगा। [१७]अने बिसास करवा वाळाहुंण
माय या सेलाणी नगे आयगा: म्हारा
नाम से वी बायरबादाहुंण हेड़ेगा, अने
नवी-नवी भासाहुंण बोलेगा; [१८]वी
सरपहुंण के उठाड़ी लेगा अने अगर वी
पराण नासक जेर बी पी जावे तो इका
से उणको नुकस्यान नी होयगा; वी
बेमारहुंण पे हात धरेगा अने वी नज
हुई जायगा।"

ईसु के सरग पे उठाड़ी ल्यो जाणो

(लूका २४.५०-५३; परेरितहुंण १.९-११)

१९† तो जदे परभु ईसु उणकासे बातहुंण
करी चुक्यो, तो उके सरग माय उठई
ल्यो, अने परमेसर का सुदा हाताड़ी बेठी
ग्यो। [२०]अने चेलाहुंण ने जई के सगळी
जगा परचार कर्यो। अने परभु उणका
गेले काम करतो र्यो, अने बचन के उना
अचरज का कामहुंण का गेलेज-गेल जो
होता जई र्या था सच्चई कायम करतो
र्यो।]

एक दूसरा परिच्छेद (९-२०)ɣ

[[९]अने झट बइराहुंण ने पतरस अने
उका सातिहुंण के यो सगळो निरदेस
सुणई द्यो। [१०]अने उका बाद ईसु ने
खुद अनन्त उध्दार का पवित्तर अने कदी
खतम नी होवा वाळा सुब-समिचार के
चेलाहुंण से उगणूं से आथणूं तक परचार
करायो।]

ɣ **१६.२०** एक दूसरा परिच्छेद माय मरकुस का सुब-समिचार को अंत असो कर्यो हे (९-२०)।
† **१६.१५:** परेरितहुंण १.८ † **१६.१९:** परेरितहुंण १.९–११

लूका
लिख्यो सुब-समिचार

लिखवा वाळो: लूका

लिखवा की वजा: ईसु मनख को बेटो

लिखवा को बखत: करीब ६० ईस्वी सन्।

यो सुब-समिचार लूका का मुजब दो बातहुंण के परगटे। एक तो या के ईसु परमेसर की परतिज्ञा का मुजब इसराइलहुंण को उध्दार करवा वाळो अने दूसरी या के ईसु मसीह आखा जग का लोगहुंण को उध्दार करवा वाळो हे। लूका ने लिख्यो के परमेसर का आतमा ने "गरीब-गुरबाहुंण के सुब-समिचार को परचार करवा सरु ईसु के जग माय मोकल्यो थो" यो सुब-समिचार लोगहुंण की हर तरा की जरुवत के पूरण करी सके हे। म्हान आनन्द का बारामें लूका, खास करिके पेलां पाठ माय ईसु का आवा की घोसणा करिके आखी बारता को सार दे हे, खास करिके ईसु का सरग जावा का बारामें पक्का परमाण दई के अने घणो खुली के बात लिखे हे, ताके मसीह लोगहुंण को बिसास बड़े के ईसु सरग पे उठई ल्यो हे। याज बात उने परेरितहुंण का काम माय बी लिखी हे।

रुप-रेखा:-

१. भूमिका *१.१-४*
२. ईसु को जनम, नानपणो, अने योहन बपतिसमा देवा वाळो *१.५-२.५२*
३. योहन बपतिसमा देवा वाळा की सेवकई *३.१-२०*
४. ईसु को बपतिसमो अने अजमाइस *३.२१-४.१३*
५. गलील से ईसु की सेवकई *४.१४-९.५०*
६. गलील से यरुसलेम *९.५१-१९.२७*
७. ईसु को यरुसलेम का ऐरे-मेरे को एक हफ्तो *१९.२८-२३.५६*
८. जीवतो होणो, नगे आणो, अने परमेसर कने जाणो *२४.१-५३*

लूका ने यो सुब-समिचार थियुफिलुस के लिख्यो

आदरणी थियुफिलुस,

१ नरा लोगहुंण ने उण बातहुंण का बारामें लिखवा को काम अपणा हात माय ल्यो जो हमारा माय घटी। २ठीक वीज बातहुंण जो हमारे उण लोगहुंण से मिळी, जिणने इनी बातहुंण के सुरु सेज देखी थी अने जो परमेसर का बचन का सेवक था। ३इकासरु सुरु सेज इनी सगळी बातहुंण के होसियारी से अने सई-सई परखवा का बाद, तमारा सरु लिखणों म्हारे सई लाग्यो। ४जेकासे के तू उण बातहुंण की सच्चई के जाणी ले जिणकी थारे सीख दइगी हे।

योहन का जनम की भविसबाणी

५यहूदिया का राजा हेरोदेस का राजकाल माय जकरियाह नामको एक पुरोहित† थो जो पुरोहित अबियाह का दळ को थो। अने उकी बइरा को नाम इलीसिबा थो जो हारुन[a] का कुळ की थी। ६वी दोइज परमेसर की नगे माय धरमी था अने उणका चरित्तर परभु का सगळा हुकम अने नेम-बिधान का मुजब निरदोस था। ७वी बे-ओलाद था, क्योंके इलीसिबा बांझ थी अने दोइज डोकरा-डोकरी हुई ग्या था।

८असो होयो के जदे जकरियाह अपणा दळ की सारी आवा पे परमेसर का सामे पुरोहित को काम करी र्‌यो थो ९तो पुरोहितहुंण की रीति मुजब चिट्ठी लाखी के उके छांटी ल्यो के परभु का मन्दर माय जई के धूप-बत्ती जळाय। १०अने धूप-बत्ती जळावा का बखत सगळा मनखहुंण बायरे पराथना करी र्‌या था। ११अने उके धुप-देवा की बेदी का सुदा हाताड़ी परभु को एक सरगदूत उबो नगे आयो। १२अने उके देखी के जकरियोह घबरायो अने डर का मारे उबो को उबोज र्‌यो। १३पण सरगदूत ने उकासे क्यो, "हे जकरियाह डरे मती, क्योंके परमेसर ने थारी पराथना सुणी ली हे; थारी बइरा इलीसिबा से थारा सरु एक बेटो पेदा होयगा अने तू उको नाम योहन राखजे।" १४थारे आनन्द अने खुसी रेगा, अने उका जनम से नरा लोग आनन्द मनायेगा। १५† क्योंके परभु की नगे माय उ म्हान रेगा। उ दाखरस अने दारु नी प्येगा, उ अपणी मेतारी की कोख सेज पवित्तर आतमा से भर्‌यो होयो रेगा। १६उ इसराइल जात का कुळ माय से नरा के उणका परभु परमेसर आड़ी फेरी लायगा। १७† अने उ परभु का अगड़े-अगड़े एलियाह नबी की आतमा अने सामरत माय हुई के चलेगा, के पूरखाहुंण का हिरदा बाळ-बच्चाहुंण आड़ी फेरी दे अने हुकम नी मानवा वाळाहुंण के असी समज देगा के धरमिहुंण का जसा बिचार राखे जेकासे के उ परभु सरु एक लायक परजा तय्यार करे।"

---

[a] **१.५** हारुन; मूसा नबी को भई अने पेलो पुरोहित।

† **१.५:** १ इतयास २४.७-२४ † **१.१५:** गिणती ६.३ † **१.१७:** मलाकी ४.५–६

१८जकरियाह ने सरगदूत से पुछ्यो,
"हूं इके पक्की तरा से कसे जाणी सकूं?
क्योंके हूं तो डोकरो हुई ग्यो हूं अने
म्हारी घराळी बी डोकरी हुई गी।"
१९[†] सरगदूत ने जुवाब द्यो, हूं
जिबराइल हूं जो परमेसर का सामे उबो
रूं हूं। म्हारे इकासरु मोकल्यो के थार
से बातहुंण करूं, अने थारे यो सुब-
समिचार सुणउं। **२०**देख, जेना दन तक
ई बातहुंण पूरण नी हुई जाय तू गुंगो
रेगा अने बोली नी सकेगा, क्योंके तने
म्हारी बातहुंण पे जो ठीक बखत पे पूरण
होयगा बिसास नी कर्‌यो।"
२१उना बखत लोग जकरियाह
पुरोहित की बाट देखी र्‌या था, अने
उणके अचरज हुई र्‌यो थो के उके
मन्दर माय इतरी देर कायसरु लागी
री हे? **२२**पण जदे उ बायरे आयो तो
उणका से बोली नी सक्यो, अने वी
जाणी ग्या के उके मन्दर माय कईं
को दरसन मिळ्यो हे, क्योंके उ इसारो
करतो र्‌यो अने गुंगो बण्यो र्‌यो।
२३अने असो होयो के जदे उका
पुरोहितपणा की सेवा का दन पूरण
होया तो उ अपणा घरे अई ग्यो। **२४**इना
दनहुंण का बाद उकी घराळी इलीसिबा
भारीपग से हुई अने उने या कई के
खुद के पांच मइना तक छिपाड़ी राखी।
२५उने क्यो, "इना दनहुंण माय परभु
ने म्हार पे किरपा भरी नगे करिके,
मनखहुंण माय म्हारो लांछण मिटावा
सरुज, उने म्हारी बिणती सुणी।"

ईसु का जनम की भविसबाणी

२६इलीसिबा का छटवां मइना माय
परमेसर आड़ी से जिबराइल सरगदूत
गलील का नासरत नगर माय **२७**[†] एक
कुंवारी कने मोकल्यो, जेकी सगई यूसफ
नामका एक मनख से हुई थी जो दाऊद
का बंस को थो, अने उनी कुंवारी को
नाम मरियम थो। **२८**अने भित्तरे अई
के सरगदूत ने मरियम से क्यो, "हे
परभु की किरपा-पावा वाळी, परणाम!
परभु थारा गेले हे।" **२९**या बात सुणी
के मरियम घणी डरी गी अने वा सोंच-
बिचार माय पड़ी गी के यो कसतरा को
परणाम हे। **३०**पण सरगदूत ने उकासे
क्यो, "हे मरियम, डरे मती! क्योंके थार
पे परमेसर की किरपा हुई हे। **३१**[†] देख,
तू गरभ धारेगा अने एक बेटो जणेगा,
अने तू उको नाम ईसु राखजे **३२**[†] उ
म्हान रेगा, अने परमपरधान को बेटो
केवायगा। परभु परमेसर उका पुरखा
दाऊद को राज ईसु के देगा। **३३**अने उ
याकूब का घराणा पे हमेस्या तक राज
करेगा, अने उको राज कदी नी मिटेगा।"
३४मरियम ने सरगदूत से क्यो, "यो
कसे हुई सके, क्योंके हूं तो कुंवारीज[b]
हूं?"
३५सरगदूत ने उकासे क्यो, "पवित्तर
आतमा थार पे उतरेगा अने परमपरधान
की सामरत को छायळो थार पे रेगा।
इकासरु उ पवित्तर बाळक जो जनमेगा,
परमेसर को बेटो केवायगा। **३६**देख, थारी

---

[b] **१.३४** कुंवारीज; बिना ब्याव करी, कइंका मनख के नी जाणूं।
[†] **१.१९:** दानियल ८.१६, ९.२१ [†] **१.२७:** मत्ती १.१८ [†] **१.३१:** मत्ती १.२१
[†] **१.३२–३३:** २ सेमुएल ७.१२, १३, १६; यसायाह ९.७

नातेदारनी इलीसिबा के बी इना बुड़ापा
माय एक बेटो होवा वाळो हे अने जो
बांझ केवाड़ी जाती थी यो उको छटवों
मइनो हे। ३७† क्योंके परमेसर सरु कइंज
अबगो हयनी।"
३८मरियम ने क्यो "देख, हूं तो परभु
की दासी हूं। थारा बचन मुजबीज म्हारा
गेले होय।" अने सरगदूत उका कने से
चल्यो ग्यो।

मरियम अपणी नातेदारनी इलीसिबा कने

३९तो उणाज दनहुंण माय मरियम
उठी ने झट बळडा आळा परदेस माय
यहूदा का एक नगर आड़ी गी, ४०अने
जकरियाह का घरे जई ने उने इलीसिबा
के परणाम कर्‌यो। ४१असो होयो के
जसोज इलीसिबा ने मरियम को परणाम
सुण्यो असोज बाळक उकी कोख माय
जोर से उछळी पड़्यो अने इलीसिबा
पवित्तर आतमा से पूरण हुई। ४२अने
उने उंची अवाज से हेला पाड़ी ने
क्यो, "तू सगळी नारीहुंण माय धन्य
हे, अने थारी कोख को फळ बी धन्य
हे! ४३म्हार पे या किरपा कसे हुई के
म्हारा परभु की मेतारी म्हारा कने अई?
४४देख, जसाज थारा परणाम का सबद्
म्हारा कान माय पड़्या, बाळक म्हारी
कोख माय खुसी से उछळी पड़्यो।
४५धन्य हे वा नारी जेने बिसास कर्‌यो
के जो कंई परभु ने उकासे क्यो, उ
पूरण होयगा।"

मरियम ने परमेसर की म्हेमा को गीत गायो

४६† तो मरियम ने क्यो,
"म्हारो हिरदो परभु की बड़ई करे,
४७ अने म्हारो आतमा म्हारा उध्दार
करवा वाळा परमेसर माय खुस
हूं,
४८ † क्योंके उने अपणी दासी की
दीन-हीन दसा पे किरपा करी
हे।
इकासरु देखो, अबी से लई के
सगळा जुग की पीड़िहुंण म्हारे
धन्य केगा।
४९ क्योंके सगळा से सामरतवान ने
म्हारा सरु म्हान काम कर्‌या
हे,
अने उको नाम पवित्तर हे।
५० अने उकी दया पीड़ी दर पीड़ी
तक
उणका पे बणी रे हे जो उका से
डरे हे।
५१उने अपणी भुजाबळ से सामरत का
काम कर्‌या हे
अने उणके खक्कळ-बक्कळ
करी लाख्या जो अपणा
हिरदा की भावनाहुंण माय
घमण्डी था।
५२ † उने राजाहुंण के सिंगासण से
पटकी लाख्या
अने गरीब-गुरबाहुंण के म्हान
करी लाख्या।

---

† **१.३७:** उत्पत्ती १८.१४ † **१.४६–५५:** १ सेमुएल २.१–१० † **१.४८:** १ सेमुएल १.११
† **१.५२:** अय्यूब ५.११, १२.१९

५३ भूकाहुंण के तो उने अच्छी-भली
चीजहुंण से तिरप करी लाख्या
अने धणिहुंण के रित्ता हात हेड़ी
लाख्या।
५४ जसा के उने हमारा पूरखाहुंण से
वायदो कर्‌यो
अने अई के अपणा सेवक
इसराइल की मदद करी।
५५ †असोज उने रियाद करी ने अपणी
दया इबराइम
अने उका बंस से हमेस्या तक
करे हे!"

५६ गीत खतम करवा का बाद, मरियम इलीसिबा का गेले तीन मइना तक रई के अपणा घरे नासरत पाछी अई।

जकरियाह बड़ई को गीत गावा लाग्यो

५७ जदे इलीसिबा के बाळक जणवा का दन पूरण होया तो उने एक बाळक जण्यो। ५८ उका पड़ोसी अने नातेदारहुंण ने जदे यो सुण्यो के परभु ने उका पे घणी किरपा करी हे तो उणने उका गेले खुसी मनई।

५९ † असो होयो के वी मनख आठवां दन बाळक को खतणो करावा आया अने उका पिता का नाम पेज उको नाम जकरियाह राखवा लाग्या। ६० पण उकी मेतारी ने क्यो, "नी! उको नाम योहन राख्यो जायगा।"

६१ तो उणने उकासे क्यो, "तमारा नातेदारहुंण माय से कइंका कोज यो नाम हयनी!" ६२ उणने उका पिताजी से इसारो करी ने पुछ्‌यो के "तू उको कंई नाम राखणो चावे?"

६३ जकरियाह ने लिखवा की पट्‌टी मंगाड़ी अने उका पे लिख्यो, "उको नाम योहन हे।" अने सगळा के अचरज होयो। ६४ झट उकी जीब की गठाण खुली गी अने जीब से परमेसर की इसतुती, करतो होयो बोलवा लाग्यो। ६५ इका पे अड़ोसी-पड़ोसिहुंण डरवा लाग्या अने यहूदिया का आखा बळडा परदेस माय इनी सगळी बातहुंण की चरचा होवा लागी। ६६ जिणने इनी सगळी बातहुंण के सुणी उण सगळा ने अपणा-अपणा मन माय बिचारी ने क्यो "यो बाळक कसो रेगा?" क्योंके जरुरीज परभु को हात उका पे थो।

जकरियाह की भविसबाणी

६७ अने उको पिताजी जकरियाह पवित्तर आतमा से भर्‌यो होयो, यो कई के भविसबाणी करवा लाग्यो;

६८ इसराइल को परभु परमेसर धन्य
होय!
उने हमारी सुद्द लई अने अपणा
लोगहुंण के छुड़ावा को काम
पूरण कर्‌यो हे।
६९ अने हमारा सरु अपणा दास दाऊद
राजा[c] का कुळ माय
उध्दार को एक सींग हेड़्यो हे,
७० पुराणा काल से अपणो वायदो
पवित्तर नबिहुंण का मुन्डा से
केवाड़्यो थो।

---

[c] **१.६९** दाऊद राजा; इसराइलहुंण को पूराणो राजो अने ईसु को पुरखो।

† **१.५५:** उत्पत्ती १७.७ † **१.५९:** लेव्यव्यवस्था १२.३

७१ हमारा दुसमनहुंण से
अने हमार से बेर राखवा वाळाहुंण
से उने हमारो छुटकारो कर्‌यो
हे।
७२ हमारा पूरखाहुंण पे दया करे
अने अपणा पवित्तर करार के
रियाद करे,
७३ याने उ वायदो जो उने हमारा पिता
इबराइम से कर्‌यो थो, ७४के
हमारे यो केवा दे के,
हम अपणा दुसमनहुंण का
हातहुंण से छुटी के डर्‌या
बिना,
७५ अपणा जीवन भर पवित्तरता
अने धरम से उकी सेवा करां।

७६ † "अने तू हे बाळक परमपरधान
को नबी केवायगा क्योंके
तू परभु का अगड़े-अगड़े चली के,
उको मारग तय्यार करे हे।
७७ अने उका लोगहुंण के
उणका पापहुंण की मांफी की
वजासे उध्दार को ज्ञान देगा।
७८ हमारा परमेसर की घणी दया से
हमारा अदरे से सूरज,
याने मसीह को उजाळो चळकेगा,
७९ † याने उणका पे जो इन्दारा अने
मोत का छायळा माय बेठ्‌या हे,
के हमारा पगहुंण की अगवाणी
सान्ती का रस्ता पे करे।"
८० अने उ बाळक बड़तो अने आतमा
माय बळवन्त होतो अने इसराइल पे
परगटवा का दन तक सुनसान जगा पे
र्‌यो।

ईसु को जनम

(मत्ती १.१८-२५)

२ उणाज दनहुंण माय असो होयो
के औगुस्तुस केसर रोम का राजा
आड़ी से यो हुकम आयो के आखा जगत
का लोगहुंण के गिण्या जाय। २या पेली
जणगणना जदे हुई जदे क्विरिनियुस
सीरिया देस को राजपाल थो। ३सगळा
लोगहुंण नाम लिखाड़ने सरु अपणा-
अपणा नगर के जावा लाग्या।

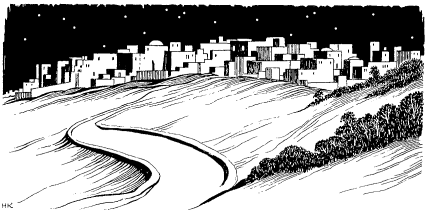

बेतलहम गांम (LUK २.४)

४तो यूसफ बी इकासरु के उ दाऊद
का घराणा को थो, गलील का नासरत
नगर से यहूदिया माय दाऊद का नगर
बेतलहम ग्यो, ५के अपणी होवा वाळी
घराळी मरियम का गेले जो भारीपग से
थी नाम लिखाड़े। ६उणके बेतलहम रेता
होया मरियम के बाळक जणवा का दन
पूरण होया। ७अने उने अपणो पेलाखोळ
को बेटो जन्म्यो, उने उके लतरा माय
लपेटिने टोपला[d] माय धर्‌यो क्योंके

---

[d] **२.७** टोपला; जेका माय घांस या बेलहुंण के सरु खावा की चीजहुंण राखे हे।
† **१.७६:** मलाकी ३.१ † **१.७९:** यसायाह ९.२

उणका सरु धरम साळा माय जगा नी थी।

ग्वाळाहुंण तापिर्‌या (LUK २.८)

ग्वाळाहुंण के सरगदूतहुंण को सुब-समिचार

८अने उना देस माय कितरा ग्वाळा
था जो रात का बखत मांळ माय
रई के अपणी गाडरहुंण का खाडु को
नेपो करी र्‌या था। ९अने असमान से
परभु को एक सरगदूत उणका सामे
अई उबो, परभु को उजाळो उणका
ऐरे-मेरे चमक्यो अने वी घणा डरी
ग्या। १०तो सरगदूत ने उणकासे क्यो,
"घबराव मती, क्योंके देखो, हूं तमारे
बड़ो आनन्द को सुब-समिचार सुणउं
हूं जो सगळा मनखहुंण सरु रेगा।"
११क्योंके आज राजा दाऊद का नगर
माय तमारा सरु एक उध्दार करवा
वाळो जन्म्यो हे। अने योज मसीह[e]
परभु हे। १२अने तमारा सरु उकी या
सेलाणी हे, के तमारे एक बाळक लतरा
माय लपेट्यो अने टोपला माय लेट्यो
मिळेगा।"
१३तो एक दम से उना सरगदूत का
गेले सरगदूतहुंण को दळ परमेसर की
इसतुती करता होया अने यो केता
नगे आया।
१४के "असमान माय परमेसर की
म्हेमा अने
धरती पे मनखहुंण माय सान्ती रे
जिणकासे उ खुस हे।"
१५अने असो होयो के जदे सरगदूत
उणका कने से सरग चल्या ग्या तो
ग्वाळाहुंण माय-माय केवा लाग्या, "आव
चलां! हम सुदा बेतलहम जई ने इनी
बात के जो हुई अने जेके परभु ने हमारे
बतई, चली के देखां।"
१६वी झट जई ने मरियम अने
यूसफ कने पोंच्या अने उणने टोपला
माय उना बाळक के लेट्यो होयो
देख्यो। १७यो देखी के ग्वाळाहुंण ने
वा बात बतई, जो उना बाळक का
बारामें उणकासे सरगदूत ने कई थी।
१८अने सगळा मनख वी बात सुणी
के जो ग्वाळाहुंण ने उणकासे कई,
अचरज कर्‌यो। १९पण मरियम इनी
सगळी बातहुंण के अपणा हिरदा माय
राखी ने उणका पे बिचार करती री।
२०ग्वाळाहुंण, जसो उणकासे क्यो थो
सगळो कंई वसोज सुण्यो अने देखी
के परमेसर की म्हेमा करता होया
पाछा चल्या ग्या।

---

[e] **२.११** मसीह; परमेसर आड़ी से अभिसेक कर्‌यो होयो, इसराइल जात अने सगळी मनख जात को उध्दार करवा वाळो।

ईसु को नाम राखणो

२१[†] आठ दन पूरण होवा पे जदे बाळक को खतणा को बखत आयो तो उको नाम ईसु राख्यो, याने उ नाम जो उकी कोख माय आवा से पेलां सरगदूत ने क्यो थो।

ईसु के मन्दर माय अरपण कर्‌यो जाणो

२२[†] मूसा का नेम-बिधान[f] मुजब जदे उणका सुद्द होवा का दन पूरण होया तो वी बाळक के यरुसलेम नगर ल्याया के ईसु के परभु परमेसर के सामे अरपण करे। **२३**[†] जसा के परमेसर से द्‌या ग्या नेम-बिधान माय लिख्यो: "हरेक पेलांपेल को बेटो परभु सरु पवित्तर केवायगा।" **२४**अने परमेसर से द्‌या ग्या नेम-बिधान का मुजब, "एक जोड़ो पंडुक या कबुतर का दो बच्चा लई के बली चड़ाय।"

२५अने देखो, यरुसलेम माय सिमियोन नामको एक मनख थो जो धरमी अने भगत थो। उ इसराइल का सुक-चेन की बाट जोई र्‌यो थो अने पवित्तर आतमा उका पे थो। **२६**अने पवित्तर आतमा ने उका पे यो परगट्‌यो थो के जदत्तक तू परभु का मसीह के देखी नी लेगा तदत्तक मरेगा हयनी। **२७**उ पवित्तर आतमा का केणा से मन्दर माय आयो, अने जदे ईसु का मां-बाप परमेसर से द्‌यो नेम-बिधान पूरण करवा सरु बाळक ईसु के मन्दर माय लाया, **२८**तो सिमियोन ने बाळक के खोळा माय लई ने परमेसर की इसतुती करतो होयो केवा लाग्यो,

२९ "हे मालेख, अबे तू अपणा बचन
का मुजब
अपणा सेवक के सान्ती से बिदा
होवा दे,
३० क्योंके म्हारी आंखहुंण ने थारो
उध्दार देखी ल्यो हे।
३१ जेके तने सगळी जातहुंण का
लोगहुंण का सामे तय्यार
कर्‌यो हे;
३२ [†]के उ गेर यहूदिहुंण सरु परकास
देवा वाळो उजाळो
अने थारी नीजी परजा इसराइल
सरु म्हेमा होय।"

३३ईसु का बारामें की जावा वाळी बातहुंण से उका मां-बाप के अचरज होयो। **३४**सिमियोन ने उणके आसीस दई के ईसु की मेतारी मरियम से क्यो, "देख, तो यो बाळक इसराइल माय नरा के गिरवा अने जी उठवा को कारण बणेगा, अने असी सेलाणी होवा सरु ठेराड़्यो हे, जेको बिरोद कर्‌यो जायगा - **३५**जेकासे के नरा का हिरदा का बिचार परगट हुई जाय। अने तरवार थाराज पराण के बेदेगा।"

३६हन्ना नाम की एक भविसबाणी करवा वाळी नबिया थी जो असेर-गोत, फनूएल की बेटी थी। वा घणी डोकरी हुई गी थी। अने ब्याव करवा का बाद सात बरस तक अपणा धणी का गेले

---

[f] **२.२२** मूसा का नेम-बिधान; नरा बखत पेलां मूसा नबी आड़ी से परमेसर ने अपणे नेम माय पेलांपेल का बाळक का बारामें बताड़ी द्‌यो थो।

[†] **२.२१:** लेव्यव्यवस्था १२.३; लूका १.३१ [†] **२.२२–२४:** लेव्यव्यवस्था १२.६–८

[†] **२.२३:** लेव्यव्यवस्था १२.६-८; निरगमन १३.२ [†] **२.३२:** यसायाह ४२.६, ४९.६, ५२.१०

री थी, ३७तो वा चोरासी बरस की उमर
तक रांडी री।[g]अने वा मन्दर के कदी
नी छोड़ती थी, पण रात दन बरत अने
बिणती करिके सेवा माय लागी रेती थी।
३८उनीज घड़ी वा वां अई के परमेसर के
धन्यबाद देवा लागी, अने उना सगळा
से बाळक का बारामें बात करवा लागी
जो यरुसलेम का छुटकारा की बाट जोई
र्‌या था।

पाछो नासरत आणो

३९[†] जदे वी परमेसर से द्‌यो नेम-
बिधान का मुजब सगळो कंई पूरण
करी चुक्या, तो अपणा नगर गलील
का नासरत गांम माय पाछा अई ग्या।
४०अने बाळक बड़तो, बळवन्त होतो अने
ज्ञान से पूरण होतो अने परमेसर की
किरपा उका पे थी।

बाळक ईसु मन्दर माय

४१[†] ईसु का मां-बाप हर बरस फसह
का परब[h] पे यरुसलेम नगर जाया करता
था। ४२जदे ईसु बारा बरस को होयो
तो वी परब की परथा मुजब यरुसलेम
ग्या। ४३उना दनहुंण के पूरण करिके
जदे वी पाछा अई र्‌या था। तो बाळक
ईसु यरुसलेम मेंज रई ग्यो अने मां-
बाप इनी बात से अण्जाण्या था। ४४वी
या समजी के के उ जातरिहुंण का दळ
का गेले होयगा एक दन का पड़ाव तक
निकळी ग्या अने उके अपणा नातेदारहुंण
अने मिळवा वाळाहुंण माय ढुंडवा लाग्या।
४५अने उके नी पई के वी ढुंडता होया
यरुसलेम पाछा आया, ४६अने असो होयो
के तीन दन पाछे उणने उके मन्दर माय
ज्ञानिहुंण का माय बेठ्‌यो, उणकी बातहुंण
सुणतो अने उणकासे सवाल करतो पायो।
४७अने सगळा मनख जो उकी सुणी र्‌या
था उकी समज अने उका जुवाबहुंण सुणी
के दंग रई ग्या। ४८अने जदे उणने उके
वां देख्यो तो चकित होया अने उकी
मेतारी ने उकासे क्यो, "बेटा, तने हमारा
साते असो बरताव कायसरु कर्‌यो? देख,
थारा पिताजी अने हूं बेचेन हुई के थारे
ढुंडता र्‌या था।

४९ईसु ने उणकासे क्यो, "तम म्हारे
कायसरु ढुंडी र्‌या था? कंई तम नी
जाणता था के म्हारे म्हारा परमेसर पिता
का घर माय[i] होणो जरुरी हे?" ५०पण
उने जो बात उणकासे कई वी उके समजी
नी सक्या।

५१जदे उ उणका गेले नासरत गांम
चल्यो आयो अने उणका बस माय र्‌यो
पण उकी मेतारी ने ई सगळी बातहुंण
अपणा मन माय राखी। ५२[†] ईसु बुध्दि
डील-डोल अने परमेसर अने मनखहुंण
की किरपा माय बड़तो ग्यो।

योहन बपतिसमा देवा वाळा को संदेसो

(मत्ती ३.१-१२; मरकुस १.१-८; योहन १.१९-२८)

३ रोम का तिबिरियुस केसर राजा का
राजकाल का पन्दरवां बरस माय,

---

[g] **२.३६–३७** वा चोरासी बरस की उमर तक रांडी री; या वा ८४ से रांडी हुई चुकी थी।
[h] **२.४१** फसह का परब; सबद् भण्डार माय देखो। [i] **२.४९** घर माय; या बातहुंण माय।
[†] **२.३९:** मत्ती २.२३ [†] **२.४१:** निरगमन १२.१–२७; नेम-बिधान १६.१–८
[†] **२.५२:** १ सेमुएल २.२६; नीतिबचन ३.४

जदे पुन्तियुस पिलातुस यहूदिया इलाका
को राजपाल थो। अने देस का चार
हिस्सा का सासकहुंण माय से हेरोदेस
गलील को सासक थो, अने उको भई
फिलिप्पुस इतूरेया अने त्रखोनीतिस को
सासक थो, अने लिसानियास अबिलेने
देस को सासक थो। २अने जदे यरुसलेम
माय हन्ना अने काइफा म्हापुरोहित का
पद पे था, तो परमेसर को बचन मांळ
माय जकरियाह पुरोहित का बेटा योहन
कने पोंच्यो। ३योहन यरदन नद्दी का ऐरे-
मेरे का सगळा इलाकाहुंण माय जई के
पापहुंण की मांफी सरु मन बदळवा का
बपतिसमा को परचार करवा लाग्यो।

४† वसोज परचार कर्‌यो जसा की
यसायाह नबी का बचनहुंण की
पोथी माय पेलांसेज लिख्यो हे:
"मांळ माय एक हेला पाड़वा वाळा
की बाणी के हे,
'परभु को मारग तय्यार करो,
अने उकी सड़कहुंण सुदी करो।
५हरेक घाटी पाटी जायगी,
अने हर बळडा अने बळडी बराबर
कर्‌या जायगा,
अने बांका-चुका रस्ता सुदा
अने उब्बट-खाबड़ बराबर कर्‌या
जायगा।
६† जदे सगळा जीव परमेसर का
उध्दार के देखेगा।' "

७† इकासरु उनी भीड़ से जो उका
कने बपतिसमो लेवा चली अइरी थी,
केवा लाग्यो, "हे सरप का कणाहुंण!
परमेसर आड़ी से आवा वाळा परकोप
से भागवा सरु, केने तमारे चेताड़्यो?
८† मन बदळवा सरीका फळ लाव। अने
अपणा मन माय यो मती बिचारो के,
'क्योंके इबराइम हमारो पिता हे!' पण हूं
तमार से कूं के परमेसर इना भाटाहुंण
से इबराइम सरु ओलाद पेदा करी सके
हे। ९† तम असा हो जसा के कुराड़ो
झाड़काहुंण की जड़ पे धर्‌यो होयो हे,
इकासरु हरेक झाड़ जो अच्छो फळ नी
लावे, काट्‌यो अने लाय माय झोंक्यो
जाय हे।

१०जदे भीड़ ने उकासे पुछ्‌यो, "तो हम
कंई करां?"

११योहन ने उणके जुवाब द्‌यो, "जेका
कने दो कमीज रे, उ उणका गेले बांटी
ले जिणका कने कइंज हयनी, अने जेका
कने जिमवा को रे उ बी असोज करे।"

१२† थोड़ाक रोमी राज का कर वसुळवा
वाळा बी बपतिसमो लेवा आया, अने
उणने उकासे पुछ्‌यो, "हे गरु, हम कंई
करां?"

१३अने उने उणकासे क्यो, "जितरो
लेवा को हुकम तमारे द्‌यो हे उकासे बत्ती
मती लीजो।"

१४अने थोड़ाक सिपईहुंण ने उकासे
सवाल कर्‌यो, "अने हमारो कंई, हम
कंई करां?"

उने उणकासे क्यो, "कइंका के डरई-
धमकई ने पइसा मती लो अने नीज
कइंका पे झुंटो दोष लगाव, पण अपणी
पगार मायज पूरो पाड़ो।"

---

† **३.४–६:** यसायाह ४०.३–५ † **३.६:** यसायाह ४०.३-५ † **३.७:** मत्ती १२.३४, २३.३३
† **३.८:** योहन ८.३३ † **३.९:** मत्ती ७.१९ † **३.१२:** लूका ७.२९

१५जदके लोग आस लगाड़्या होया था,
अने वी योहन का बारामें अपणा-अपणा
मन माय तरक-बितरक करी र्या था के
कंई यो तो मसीह हयनी, **१६**तो योहन ने
उना सगळा से क्यो, "हूं तो तमारे पाणी
से बपतिसमो दउं, पण उ जो म्हार से
घणो सामरती हे, अई र्यो हे। अने हूं तो
इका लायक बी नी के उकी पन्नी उठई
सकूं। उज तमारे पवित्तर आतमा अने
लाय से बपतिसमो करेगा। **१७**अने तम
असा हो जसा गंउ अने सुक्लो क्योंके
उको सुपड़ो उका हात माय हे के उ
अपणा खळा के सोरे अने गंउ के अपणा
कोठा माय भेळा करे, पण उ सुक्ला के
नी बुजवा वाळी लाय माय बाळेगा।"

१८अने नरी दूसरी बातहुंण के समजावा
का मिसे उ उणके सुब-समिचार सुणातो
र्यो। **१९**† पण जदे उने देस का चोथा
हिस्सा का सासक हेरोदेस के उका भई
फिलिप्पुस की बइरा हेरोदियास अने उना
सगळा कुकरम का बारामें जो उने कर्या
था फटकार्यो, **२०**तो उने उना सगळा
कुकरम का गेले यो कुकरम बी जोड़ी
ल्यो के योहन के जेळखाना माय लाखी
द्यो।

ईसु को बपतिसमो

(मत्ती ३.१३-१७; मरकुस १.९-११)

२१असो होयो के जदे सगळा मनखहुंण
ने बपतिसमो ल्यो तो ईसु ने बी
बपतिसमो ल्यो। जदे ईसु पराथना करी
र्यो थो तो असमान खुल्यो। **२२**† तो
पवित्तर आतमा कबुतर की कायारुप माय
उका पे उतर्यो अने या अकासबाणी हुई,
"तू म्हारो परमिलो बेटो हे, हूं थार से
घणो खुस हूं।"

ईसु की बंसाबली

(मत्ती १.१-१७)

२३जदे ईसु ने अपणी सेवा सुरु करी
तो उ करीब तीस बरस को थो अने असो
समज्यो जातो थो उ यूसफ को बेटो
थो, जो एली को, **२४**जो मत्तात को, जो
लेवी को, जो मलकी को, जो यन्ना को,
जो यूसफ को **२५**जो मत्तित्याह को, जो
आमोस को, जो नहूम को, जो असल्याह
को, जो नोगह को **२६**जो मात को, जो
मत्तित्याह को जो सिमी को, जो योसेख
को, जो योदाह को **२७**जो योअनन को,
जो रेसा को, जो जरुब्बाबिल को, जो
सालतिएल को जो नेरी को **२८**जो मलकी
को, जो अद्दी को, जो कोसाम को, जो
इलमोदाम को, जो एर को, **२९**जो येसु
को जो एलीयाजर को, जो योरीम को,
जो मत्तात को, जो लेवी को, **३०**जो समोन
को, जो यहूदा को, जो यूसफ को, जो
योनान को, जो एलियाकीम को, **३१**जो
मलेआह को, जो मिन्नाह को, जो मत्तात
को, जो नातान को, जो दाऊद को, **३२**जो
यिसे को, जो ओबेद को, जो बोअज को,
जो सलमोन को जो नहसोन को, **३३**जो
अम्मीनादाब को, जो अदमीन को, जो
अरनी को, हिस्रोन को, जो फिरिस को,
जो यहूदा को **३४**जो याकूब जो इसाक

---

† **३.१९–२०:** मत्ती १४.३–४; मरकुस ६.१७–१८

† **३.२२:** उत्पत्ती २२.२; भजन संहिता २.७; यसायाह ४२.१; मत्ती ३.१७; मरकुस १.११; लूका ९.३५

को, जो इबराइम को, जो तिरह को, जो
नाहोर को, ३५जो सरूग को, जो रऊ को,
जो फिलिग को, जो एबिर को, जो सेलाह
को ३६जो केनान को, जो अरफक्षद को,
जो सेम को, जो नूह को, जो लिमिक को
३७जो मथूसिलह को, जो हनोक को, जो
यिरिद को, जो महललेल को, जो केनान
को, ३८जो एनोस को, जो सेत को, जो
आदम को अने जो परमेसर को बेटो थो।

ईसु की अजमाइस

(मत्ती ४.१-११; मरकुस १.१२-१३)

४ ईसु पवित्तर आतमा से भर्‌यो होयो
यरदन नद्दी से आयो अने आतमा
उके मांळ माय अंई-वंई लई जातो
र्‌यो। २वां चाळीस दन तक सेतान उके
अजमातो र्‌यो, उना दनहुंण माय उने
कइंज नी खायो जदे ई दन बित्या तो
उके भूक लागी।
३तो सेतान ने उकासे क्यो, "अगर तू
परमेसर को बेटो हे तो इना भाटा से
कइदे के रोटो बणी जाय।"
४† ईसु ने उके जुवाब द्‌यो, "परमेसर
का नेम-बिधान माय यो लिख्यो हे,
'मनख सिरप रोटा सेज नी जिन्दो रेगा।'
"
५तो सेतान ने उके अदरे लइ-जई
के पलक झपके इतराक मेंज जग को
सगळो राज अने उकी म्हानता दिखाड़ी।
६अने ईसु से क्यो, "यो सगळो हक अने
इको वेभव हूं थारे दई दूंवां, क्योंके यो
म्हारे द्‌यो हे, अने हूं जेके चउं उके दउं।"
७इकासरु अगर तू म्हारे सास्टांग परणाम
करे तो यो सगळो थारो हुई जायगा।"
८† ईसु ने उके जुवाब द्‌यो, "परमेसर
का बचन माय लिख्यो हे, 'तू परभु
अपणा परमेसर के सास्टांग परणाम कर
अने सिरप उकीज उपासणा करजे।' "
९जदे उने ईसु के यरुसलेम नगर लइ-
जई के उके मन्दर की सगळा से उंची
जगा पे उबो कर्‌यो अने उकासे क्यो,
"अगर तू परमेसर को बेटो हे तो खुदज
यां से कुदी जा, १०† क्योंके परमेसर
का बचन माय लिख्यो हे, 'परमेसर
सरगदूतहुंण के थारा बारामें यो हुकम
देगा के वी थारी रक्सा करे,' ११† अने,
'वी थारे झट अपणा हातहुंण माय झेली
लेगा, असो नी होय के थारा पग माय
भाटा से ठेस लागे।' "
१२† ईसु ने उकासे क्यो, "परमेसर
का बचन माय क्यो हे 'तू परभु अपणा
परमेसर के अजमाजे मती।' "
१३जदे सेतान उकी सगळी अजमाइस
करी चुक्यो तो थोड़ाक बखत सरु उका
कने से चल्यो ग्यो।

ईसु ने गलील से काम सुरु कर्‌यो

(मत्ती ४.१२-१७; मरकुस १.१४-१५)

१४तो ईसु आतमा की सामरत से भर्‌यो
होयो गलील इलाका माय पाछो आयो तो
आस-पड़ोस का इलाका माय उकी चरचा
फेली गी। १५उ उणका पराथनाघर माय
जई के परबचन देवा लाग्यो, अने सगळा
मनख उकी बड़ई करता था।

---

† **४.४:** नेम-बिधान ८.३ † **४.८:** नेम-बिधान ६.१३ † **४.१०:** भजन संहिता ९१.११
† **४.११:** भजन संहिता ९१.१२ † **४.१२:** नेम-बिधान ६.१६

ईसु के नासरत का लोगहुंण ने नकार्‌यो

(मत्ती १३.५३-५८; मरकुस ६-१-६)

१६फेर उ नासरत आयो जां उके
पाळ्यो पोंस्यो थो अने अपणी रीति
मुजब सबत् का दन[j] पराथनाघर
माय जई के पोथी बांचवा सरु उबो
होयो। **१७**अने उके जूना नबी यसायाह
भविसबाणी करवा वाळा की पोथी दई
गी। उने पोथी खोली के वा जगा हेड़ी
जां लिख्यो थो,

१८ † "परभु को आतमो म्हार पे हे,
क्योंके उने गरीबहुंण के सुब-
समिचार सुणावा सरु म्हारे
छांट्यो हे।
उने म्हारे मोकल्यो के हूं बन्दिहुंण
के छुड़ावा की
अने आंदाहुंण के आंख पावा को
समिचार दउं
अने दब्या होया के उठउं,
१९ † अने परभु की किरपा का बखत
की डुण्डी पिटूं,
जदे के परभु अपणा लोगहुंण के
बचाड़ेगा।"

२०जदे उने पोथी बन्द करी ने सेवक
का हात माय दई दी अने बेठी ग्यो।[k]
पराथनाघर का सगळा मनखहुंण की नगे
उका पे टिकी थी **२१**तो उ उणकासे केवा
लाग्यो, "आज यो लिख्यो तमारा सुणता
होया पूरण होयो।"

२२सगळा मनखहुंण ने उकी बड़ई करी
अने उका मुन्डा से किरपा का जो बचन
हिटी र्‌या था उणका पे अचरज कर्‌यो
अने केवा लाग्या, "कंई यो यूसफ को
बेटो हयनी?"

२३उने उणकासे क्यो, "बेसक तम
म्हारा बारामें यो केवाड़ो कोगा: 'हे बेद,
खुद केज नज कर! जो कंई हमने सुण्यो
के कफरनहूम नगर माय कर्‌यो, उ यां
अपणा नगर मायज कर।' " **२४**† उने
क्यो, "हूं तमारे सांची कूं के कइंकोज
भविसबाणी करवा वाळो अपणा नगर
माय मान नी पाय।

२५† "पण हूं तमार से खास बात कूं
के जूना नबी एलियाह का दनहुंण माय
जदे साड़ा तीन बरस सुको पड़्यो अने
आखा देस माय घोर बिखो पड़्यो तो
इसराइल देस माय नरी रांडिहुंण थी। **२६**†
पण सेदा देस का सारपत नगर की रांडी
बइरा का अलावा एलियाह के कइंका हजु
कने परमेसर ने नी मोकल्यो। **२७**† अने
एलीसा नबी का दनहुंण माय इसराइल
माय नरा कोड़्या था पण सीरिया
देसवासी नामान का अलावा कईं को हजु
सुद्द नी कर्‌यो थो।"

२८जदे पराथनाघर का मनखहुंण ने
ई बातहुंण सुणी तो वी रीस माय अई
ग्या, **२९**अने उणने उठी के उके नगर
का बायरे हेड़ी लाख्यो। जेनी बळडी पे
उणको नगर बस्यो थो, उकी चोंटी पे

---

[j] **४.१६** सबत् का दन; यहूदिहुंण को पवित्तर छुट्टी को दन सुक्करवार से थावर की सांज तक। इना दन माय कइंज नी करे सिरप पराथना घर माय जई के अराधना-उपासणा करे। [k] **४.२०** बेठी ग्यो; लोग उबा हुई के धरम सासत्तर माय से बांचे हे पण लोगहुंण के सीखाड़वा सरु ईसु बेठी ग्यो।

† **४.१८–१९:** यसायाह ६१.१–२ † **४.१९:** यसायाह ६१.१-२ † **४.२४:** योहन ४.४४

† **४.२५:** १ राजा १७.१ † **४.२६:** १ राजा १७.८-१६ † **४.२७:** २ राजा ५.१-१४

लई ग्या के वां से उके निच्चे धक्को दई दे। ३०पण उ उणका माय से निकळी के चल्यो ग्यो।

बायरबादा के हेड़णो

(मरकुस १.२१-२८)

३१अने उ गलील का निच्चे का एक कफरनहूम सेर-गांम माय आयो अने सबत् का दनहुंण माय लोगहुंण के परबचन देतो थो। ३२[†] लोग उकी सीख से अचरज करता था क्योंके उ हक से परबचन देतो थो। ३३पराथनाघर माय एक मनख थो जेका माय बायरबादा[l] समई थी। उ घणी जोर से चिल्लाड़्यो, ३४"हे नासरत का ईसु! हमारे थार से कंई काम? कंई तू हमारे नास करवा आयो? हूं जाणूं के तू कुंण हे - परमेसर आड़ी से आवा वाळो पवित्तर जणो!"

३५ईसु ने या कई के उके डांट्यो, "छानो रे! उका माय से हिटी जा!" तो बायरबादा से भर्‌या मनख के अदाड़ माय पटकी ने बिना नुकस्यान के बायरबादा उका माय से हिटी गी।

३६इका पे सगळा मनख चकित होया अने माय-माय बातहुंण करी ने केवा लाग्या, "यो कसो बचन हे? क्योंके उ हक अने सामरत से बायरबादाहुंण के हुकम दे हे, अने वी हिटी जाय हे।" ३७अने आस-पड़ोस का इलाका माय हर जगा पे उकी चरचा फेलती गी।

ईसु ने नरा लोगहुंण के नज कर्‌या

(मत्ती ८.१४-१७; मरकुस १.२९-३४)

३८फेर उ उठ्यो अने पराथनाघर से हिटी के सिमोन का घरे ग्यो, वां सिमोन की सासु घणा बुखार माय पड़ी थी अने चेलाहुंण ने सासु सरु ईसु से बिणती करी। ३९ईसु ने उका कने उबो हुई ने बुखार के डांट्यो अने बुखार उतरी ग्यो अने वा उनीज घड़ी उठी के सेवा-चाकरी माय लागी गी।

४०जदे दन अथणवा लाग्यो[m] तो वी सगळा जिणका यां नरी-तरा का रोग से रोगिहुंण बेमार था, उणके उका कने लाया अने उने हरेक पे हात धरी के नज करी लाख्या। ४१बायरबादाहुंण बी नरा मनखहुंण माय से चिल्लाड़ी अने या केती हिटी गी, "तू परमेसर को बेटो हे!"

पण उ उणके डांटतो अने बोलवा नी देतो थो, क्योंके वी जाणती थी के उ मसीह हे।

ईसु पराथनाघरहुंण माय

(मरकुस १.३५-३९)

४२जदे दन हिट्यो तो उ निकळी के सुणी जगा माय चल्यो ग्यो। पण मनख को झुंड उके ढुंडतो होयो उका कने पोंच्यो उणने यो चायो के उ उणका कने से नी जाय। ४३पण उने उणकासे क्यो, "म्हारे दूसरा नगरहुंण

---

[l] **४.३३** बायरबादा; बुरी आतमा। [m] **४.४०** जदे दन अथणवा लाग्यो; सबत् का दन को आखरी बखत।

[†] **४.३२:** मत्ती ७.२८–२९

माय बी परमेसर का राज[n] को सुब-
समिचार सुणाणो जरुरी हे, क्योंके हूं
इनाज काम सरु परमेसर आड़ी से
मोकल्यो हूं।"
४४अने उ यहूदिहुंण का इलाका का
पराथनाघरहुंण माय परचार करतो र्‌यो।

पेलांपेल चेलाहुंण के तेड़्यो जाणो

(मत्ती ४.१८-२२; मरकुस १.१६-२०)

५ [†] एक बखत, जदके भीड़ ईसु के
चारी-मेर से घेरी के परमेसर को
बचन सुणी री थी, उ गन्नेसरत का
सरवर कराड़ा पे उब्यो होयो थो। [२]उके
सरवर कराड़े लागी हुई दो नावहुंण नगे
अई, पण भोईहुंण उणका माय से उतरी
के अपणा-अपणा जाळ धोई र्‌या था। [३]उ
उणका माय की एक नाव पे चड़ी ग्यो
जो सिमोन की थी अने उने उकासे क्यो,
"नाव के कराड़ा से रजिक दूरो सरकई
ले।" अने उ नाव पे बेठिके भीड़ के
परबचन देवा लाग्यो।
४ईसु ने परबचन खतम करवा का बाद
सिमोन से क्यो, "नाव के उन्डा पाणी
माय लई चल अने मच्छी पकड़वा सरु
अपणो जाळ लाखो।"
५ [†] सिमोन ने उके जुवाब द्‌यो, "हे
मालेख हमने आखी रात घणी म्हेनत
करी, पण कइंज हात नी लाग्यो। फेर
बी थारा केणा पे हूं जाळ लाखुंवां।"
[६] [†] जदे उने असो कर्‌यो तो नरी
मच्छीहुंण घेरी लाया अने उणका जाळ
फाटवा लाग्या। [७]इका पे उणने अपणा
सातिहुंण के जो दूसरी नाव पे था
इसारो कर्‌यो के अई के हमारी मदद
करो। अने उणने अई के दोइज नावहुंण
के यां तक भरी लाखी के वी डुबवा
लागी। [८]पण जदे सिमोन पतरस ने
यो देख्यो तो ईसु का पगहुंण पे यो
केतो होयो पड़ी ग्यो, "हे परभु, म्हारा
कने से चल्यो जा क्योंके म्हने थारी
बात पे बिसास नी कर्‌यो इकासरु हूं
पापी मनख हूं।"
९क्योंके इतरी मच्छीहुंण घेरी लाणे
से उके अने उका सातिहुंण के अचरज

मच्छीहुंण से भरी जाळ (LUK ५.७)

---

[n] **४.४३** परमेसर का राज; ईसु की सीख की खास बात या थी के परमेसर एक राजा को जसो आखा जगत पे राज करे हे। जो उका नेम-बिधान के माने वी आसीस पाय। ईसु ने खुद अपणा जीवन से एक अच्छी मिसाल दई परमेसर का राज का नेम-बिधान को हुकम मानी के, जेने परमेसर से म्हेमा बी पई।

[†] **५.१–३:** मत्ती १३.१–२; मरकुस ३.९–१०, ४.१ [†] **५.५:** योहन २१.३ [†] **५.६:** योहन २१.६

होयो। [१०]असोज जब्दी का बेटा याकूब
अने योहन बी जो सिमोन का बांटेदार
था अचरज होयो।
पण ईसु ने सिमोन से क्यो, "मती
डर! अबे से तू मनखहुंण के परमेसर
कने लायगा।" [११]जदे वी अपणी नावहुंण
के कराड़ा पे लाया तो सगळो कंई वांज
छोड़ी के उका पाछे चली पड़्या।

कोड़्या के सुद्द कर्‌यो जाणो

(मती ८.१-४; मरकुस १.४०-४५)

१२असो होयो के जदे उ कइंका नगर
माय थो तो देखो, वां एक कोड़्यो मनख
थो। जदे उने ईसु के देख्यो तो सास्टांग
परणाम करिके बिणती करवा लाग्यो, "हे
परभु, अगर तू चावे तो म्हारे सुद्द करी
सके[o]।"
१३ईसु ने अपणो हात अगड़े कर्‌यो
अने उकासे चोंटई के क्यो, "हूं चउं;
जा, तू सुद्द हुई जा।" अने झट उ
कोड़्यो सुद्द हुई ग्यो। [१४][†] उने उके
हुकम द्‌यो, "कइंका से मती किजे,
पण जई के अपणे खुद के पुरोहित
के दिखाड़। अने अपणा सुद्द होवा
का बारामें जसो मूसा ने हुकम द्‌यो
हे, चड़ावो चड़ा इका से पुरोहित अने
लोगहुंण पे गवई रेगा।"
१५पण उकी चरचा दूर-दूर तक
फेलती जई री थी, अने बड़ीमेक भीड़
उकी सुणवा अने अपणी बेमारिहुंण से
नज होवा सरु भेळी हुइरी थी। [१६]पण
उ खुद अकसर सुनी जगा माय छाने-
छाने जई के पराथना कर्‌या करतो थो।

'मनख का बेटा के' पाप मांफ अने नज करवा को हक

(मती ९.१-८; मरकुस २.१-१२)

१७एक दन की बात हे के उ परबचन
दई र्‌यो थो, अने थोड़ाक फरीसी अने
नेम-बिधान का गरु[p] वां बेठ्‌या था जो
गलील अने यहूदिया का हरेक गांम अने
यरुसलेम नगर से आया था। अने नज
करवा सरु परभु परमेसर की सामरत
उका गेले थी। [१८]अने देखो, लकवा का
मार्‌या एक मनख के खाट पे थोड़ाक
मनख उठई के लई र्‌या था। वी उके
भित्तरे लई के ईसु का सामे राखवा को
जतन करी र्‌या था। [१९]भीड़ की वजासे
उके भित्तरे लावा को जदे कईं को उपाव
नी सुज्यो तो उणने घर अदरे चड़िने
खापराहुंण हेड़ी के खाट सुदा उके बीच
माय ईसु का नठू सामे उतारी द्‌यो।
[२०]उणको बिसास देखी ने उने क्यो,
"दोस,[q] म्हने थारा पाप मांफ कर्‌या।"
२१जदे सासतरी अने फरीसी तरक-
बितरक करिके केवा लाग्या, "यो मनख
कुंण हे जो परमेसर की बुरई करे?
परमेसर के छोड़ी के हजु कुंण पापहुंण
के मांफ करी सके?"
२२पण ईसु ने उणका तरक-बितरक
भांपी के जुवाब द्‌यो, "तम अपणा
हिरदाहुंण माय कंई तरक-बितरक करी

---

[o] **५.१२** म्हारे सुद्द करी सके; इनी (कोड़) व्यादी से जो मनख हे उके सासत्तर का मुताबिक असुद्द मान्यो जातो थो। [p] **५.१७** नेम-बिधान का गरु; या सास्त्रीहुंण। [q] **५.२०** दोस; यूनानी माय, मनख।

[†] **५.१४:** नेम-बिधान १४.१-३२

र्‌या हो? २३कंई सबगो हे? यो केणो के
'थारा पाप मांफ होया' या यो के 'उठ्‌या
अने चल्यो-फर'? २४पण इकासरु के तम
जाणी जाव के हूं मनख का बेटा[r] के
धरती पे पाप मांफ करवा को हक हे।"
उने लकवा का मार्‌या से क्यो, "हूं थार
से कूं, उठ्‌या, अने अपणी खाट उठई ने
घरे चल्यो जा।"
२५उ उनीज बखत उणका सामे उबो
होयो, अने जेनी खाट पे उ पड़्यो होयो
थो उके उठई के परमेसर की बड़ई करतो
होयो घरे चल्यो ग्यो। २६वी सगळा का
सगळा अचरज माय पड़ी के परमेसर
की बड़ई करवा अने घणा डरी के केवा
लाग्या, "आज हमने अनोखी बातहुंण
देखी हे!"

लेवी के तेड़्यो जाणो

(मत्ती ९.९–१३; मरकुस २.१३–१७)

२७इका बाद उ बायरे ग्यो अने लेवी
नामको एक नाको वसुळवा वाळा के उने
नाका पे बेठ्‌यो देख्यो अने उने उकासे
क्यो, "म्हारा पाछे हुई जा।" २८इका पे उ
सगळो कंई छोड़ी के उठ्‌यो अने ईसु का
पाछे चली पड़्यो।
२९तो लेवी ने अपणा घरे उणका सरु
एक बड़ो भोज कर्‌यो अने वां नाका
वसुळवा वाळा अने दूसरा लोगहुंण के जो
उका गेले जिमवा बेठ्‌या था, एक बड़ीमेक
भीड़ थी। ३०[†] इका पे फरीसी अने उणका
सासतरी ईसु का चेलाहुंण से यो कई के
कुड़वा लाग्या, "तम कर वसुळवा वाळा
अने पापिहुंण का गेले कायसरु खाव-प्यो
हो?"
३१ईसु ने जुवाब द्‌यो, "अच्छा-
माठाहुंण के बेद की जरुवत हयनी पण
बेमारहुंण के हे।" ३२हूं धरमिहुंण के नी
पण पापिहुंण के मन बदळवा सरु तेड़वा
आयो हूं।"

ईसु की बरत का बारामें सीख

(मत्ती ९.१४-१७; मरकुस २.१८-२२)

३३लोगहुंण ने उकासे क्यो, "योहन का
चेला अकसर बरत राखे अने पराथना
कर्‌या करे, अने फरीसिहुंण का चेला बी
असोज करे, पण थारा चेलाहुंण तो सदा
खावे-पीवे हे।"
३४ईसु ने उणकासे क्यो, "जदत्तक लाड़ो
उणका गेले हे, कंई तम उका बरात्याहुंण
से बरत करवई सको हो? ३५पण वी
दन आयगा जदे लाड़ो उणकासे इकाड़ी
कर्‌यो जायगा। तो उना दनहुंण वी बरत
राखेगा।"
३६उने उणका से मिसाल माय क्यो:
"कइंको मनख नवा लतरा माय से बटको
फाड़ी ने जूना लतरा माय थेगळो नी
लगावे, नी तो नवो तो फाटेगाज पण जूना
लतरा पे नवो बटको जंचेगाज नी। ३७अने
कईं को नवो दाखरस जूनी मसख माय
नी भरे, नी तो नवो दाखरस मसखहुंण
फाड़ी के बइ जायगा अने मसखहुंण
खतम हुई जायगा। ३८पण नवो दाखरख

---

[r] **५.२४** हूं मनख का बेटा; इना कथन के ईसु ने खुद अपणा सरु काम माय ल्यो। इका तीन अरथ हिटे हे - १. ईसु अपणा खुद का बारामें कई र्‌यो हे। २. उ सांचा मनख का बारामें कई र्‌यो हे। ३. उ पिता परमेसर से सामरत अने हक के पई के हमेस्या-हमेस्या को सासन करेगा (दानियल ७.१४)।

[†] **५.३०:** लूका १५.१–२

नवी मसकहुंण मेंज भरणो चावे। ३९जूनो
दाखरस पीके कई को नवा की चायना नी
करे, क्योंके उके जूनोज अच्छो लागे हे।"

ईसु सबत् को बी परभु हे

(मत्ती १२.१-८; मरकुस २.२३-२८)

६ [†] कइंका सबत् का दन असो होयो के
ईसु खेत माय से हिटी र्‌यो थो अने
उका चेलाहुंण गंउ की उम्बी तोड़ी-तोड़ी
के अने हतेळी से मसळी ने फूंकी के
फांकी र्‌या था। २तो थोड़ाक फरीसिहुंण
ने क्यो, "तम असो काम कायसरु करो
हो जो सबत् का दन करनों यहूदी नेम
का मुजब ठीक हयनी?"
३ [†] ईसु ने जुवाब द्‌यो, "कंई तमने
यो बी ने बांच्यो के जदे दाऊद अने
उका सातिहुंण के भूक लागी तो उने
कंई कर्‌यो? ४[†] उ परमेसर का मन्दर
माय ग्यो अने चड़ावा का रोटा लई के
खुद खाया जिणके नेम-बिधान का मुजब
सिरप पुरोहितज खई सकता था कइंका
दूसरा नी। पण उने अपणा सातिहुंण के
बी खवाड़्या।"
५अने उने यो बी क्यो, "क्योंके हूं
मनख को बेटो सबत् को बी परभु हूं।"

सबत् का दन सुक्या हात वाळा के नज करनों

(मत्ती १२.९-१४; मरकुस ३.१-६)

६कइंका दूसरा सबत् का दन असो
होयो के उ पराथनाघर माय जई ने
परबचन देवा लाग्यो। अने वां एक मनख
थो, जेको जीवणो हात सुक्यो होयो थो।
७सासतरी अने फरीसी इनी फिराक माय
था के देखां उ सबत् का दन नज करे के
नी, जेकासे के उणके उका पे दोष लगावा
सरु मोको मिळी सके। ८पण उ उणका
बिचारहुंण के जाणतो थो उने सुक्या हात
वाळा से क्यो, "उठी के सामे अई जा।"
उ उठ्‌यो। ९फेर ईसु ने उणकासे क्यो,
"हूं तमार से पुछुं! कंई सबत् का दन
भलो करनों ठीक हे के बुरो करनों, जीव
बचाणो के मारनो?" १०फेर उने सगळा
आड़ी देखी ने उकासे क्यो,[s] "अपणो हात
अगड़े कर!" उने जसोज कर्‌यो, उको हात
पूरण रुप से नज हुई ग्यो।
११इका पे फरीसी अने सासतरी आपा
से बायरे हुई ग्या, माय-माय तरक-
बितरक करिके केवा लाग्या के हम ईसु
का गेले कंई करां?

बारा परेरितहुंण

(मत्ती १०.१-४; मरकुस ३.१३-१९)

१२उणाज दनहुंण माय उ परबत पे
पराथना करवा हिट्‌यो अने आखी रात
परमेसर से पराथना करवा माय बिताड़ी
दी। १३जदे दन उग्यो तो उने अपणा
चेलाहुंण के अपणा कने तेड़्या अने
उणका माय से बारा चेला छांटी के उणका
'परेरित'[t] नाम राख्या, याने १४सिमोन
जेको नाम उने पतरस बी राख्यो अने
उको भई अन्द्रियास, याकूब अने योहन,

---

[s] **६.१०** क्यो; थोड़ाक मूळ माय करोध से क्यो। [t] **६.१३** परेरित; खास काम सरु मोकल्यो जाणो, ईसु की सीख सरु मोकल्यो जाणो। ईसु की सीख को परचार करवा वाळा अने ईसु का हक से बायरबादा हेड़वा वाळा (मरकुस ३.१४-१५)।

[†] **६.१:** नेम-बिधान २३.२५ [†] **६.३–४:** १ सेमुएल २१.१–६ [†] **६.४:** लेव्यव्यवस्था २४.९

फिलिप्पुस, बरतुलमे, १५मत्ती, थोमा,
हलफई को बेटो याकूब अने सिमोन
जो जेलोतेस[u] केवाय, १६अने याकूब को
बेटो यहूदा, अने यहूदा इस्करियोती जो
दगाबाज हिट्यो जेने ईसु के पकड़ायो।

ईसु ने भीड़ माय से नरा के नज कर्‌या

(मत्ती ४.२३-२५)

१७उका बाद उ चेलाहुंण का गेले
निच्चे उतरी के बराबर जगा पे उबो
होयो, अने उका चेलाहुंण की बड़ी भीड़
का गेले आखा यहूदिया, यरुसलेम अने
सूर अने सेदा का समन्दर कराड़ा से
घणा मनखहुंण वां हाजिर था। १८वी उको
परबचन सुणवा अने बेमारी से नज होणे
सरु आया था। अने वी जो बायरबादाहुंण
का सताड़्या होया था नज कर्‌या जई
र्‌या था। १९सगळा मनख उकासे चोंटवा
की कोसिस करी र्‌या था, क्योंके उका
माय से सामरत हिटती अने उण सगळा
के नज करी री थी।

आसीस अने सराप

(मत्ती ५.१-१२)

२०तो उ अपणा चेलाहुंण आड़ी देखी के
केवा लाग्यो,
"धन्य हो तम जो दीन हो,
क्योंके परमेसर को राज तमारो हे।
२१ "धन्य हो तम जो अबी भूका हो
क्योंके तिरप कर्‌या जावगा।
"धन्य हो तम जो अबी रोव हो,
क्योंके तम हंसोगा।
२२[†] "धन्य हो तम जदे हूं मनख का
बेटा की वजासे लोग तमार से घिरणा
करे, तमारे छोड़ी लाखे, तमारी घणी बुरई
करे अने बुरो समजी के तमारो नाम
काटी लाखे। २३[†] उना दन तम खुस हुई
ने उच्छळजो, कूद जो, क्योंके सरग माय
तमारा सरु बड़ो फळ हे। हूं तमार से कूं
क्योंके उणका पूरखाहुंण बी भविसबाणी
करवा वाळाहुंण का साते असोज कर्‌या
करता था।
२४ "पण तमार पे हाय जो अबे धणी हो,
क्योंके तम अपणा सुक को पूरो
फळ पई र्‌या हो।
२५ "हाय तमार पे जो अबे तिरप हो,
क्योंके तम भूका रोगा।
"हाय तमार पे जो अबे हंसी र्‌या हो,
क्योंके तम दुःख मनावगा अने
रोवगा।
२६"हाय तमार पे जदे सगळा मनख
तमारी बड़ई करे, क्योंके उणका पूरखाहुंण
ने बी झुंटा नबिहुंण[v] का गेले असोज
बरताव कर्‌यो थो।

बेरिहुंण से परेम

(मत्ती ५.३८-४८; ७.१२अ)

२७"पण हूं तम सुणवा वाळाहुंण से
कूं, अपणा बेरिहुंण से परेम राखो; जो
तमार से घिरणा करे, उणका गेले भलो

---

[u] **६.१५** जेलोतेस; यहूदी राष्टवादी पालटी को सदस्य।

[v] **६.२६** झुंटा नबिहुंण; लोगहुंण ने झुंटा भविसबाणी करवा वाळाहुंण की बड़ई करी थी क्योंके जो बात लोगहुंण के भाती थी वीज केता था पण परमेसर ने उणके सजा दई। असोज लोगहुंण ने सांचा भविसबाणी करवा वाळाहुंण के सताड़्यो थो, क्योंके उणकी सीख नी भाती थी पण परमेसर ने इणके इनाम द्‌यो थो।

[†] **६.२२:** १ पतरस ४.१४

[†] **६.२३:** २ इतयास ३६.१६; परेरितहुंण ७.५२

करो। २८जो तमारे कोसे उणके आसीस
दो, जो तमारा गेले बुरो बरताव करे
उणका सरु पराथना करो। २९जो कईं
को तमारा एक गाल पे झापट मारे उका
आड़ी दूसरो बी करी लाखो। जो तमारो
कोट तमार से छुड़ई ले उके कुड़तो
लेवा से बी मती रोको। ३०जो कईं को
तमार से मांगे उके दो, अने जो कईं
को तमारी चीज छुड़ई ले उकासे पाछो
मती मांगो। ३१† जसा के तम चाव के
मनख तमारा गेले करे, तम बी उणका
गेले वसोज करो।

३२"अगर तम अपणा परेम करवा
वाळाहुंण सेज परेम राखो तो इका
माय तमारी कंई बड़ई? क्योंके पापी
बी तो अपणा परेम करवा वाळाहुंण से
परेम करे हे। ३३अगर तम अपणा गेले
भलई करवा वाळा का गेलेज भलई
करो तो इका माय तमारी कंई बड़ई?
क्योंके पापी बी असोज करे हे। ३४अगर
तम उणकेज उदार दो जिणकासे लेवा
की आस हे तो इका माय तमारी कंई
बड़ई? क्योंके पापी, पापिहुंण के उदार
दे हे के उतरोज पाछो लई ले। ३५पण
अपणा बेरिहुंण से परेम राखो अने
भलई करो, उदार दई के लेवा की आस
मती राखो। तो तमारा सरु बड़ो फळ
रेगा अने तम परमपरधान की ओलाद
केवावगा, क्योंके उ खुदज नासुकरा,
अने बुराहुंण पे किरपालु हे। ३६जसो
तमारो पिता दयालु हे वसाज तम बी
दयालु बणो।

कइंका पे बी दोष नी लगाड़नो

(मत्ती ७.१-५)

३७"कइंका को न्याव मती करो तो
तमारो बी न्याव नी कर्‌यो जायगा।
कइंका के दोषी मती ठेराव तो तम
बी दोषी नी ठेराड़या जावगा। मांफ
करो तो तम बी मांफ कर्‌या जावगा।
३८दूसरा लोगहुंण के दो, तो तमारे बी
द्‌यो जायगा। वी तमारा खोळा माय
पूरो-पूरो मांपी के दबई-दबई के हलई-
हलई ने उबरातो होयो लाखेगा। क्योंके
जेना मांप से तम दूसरा सरु मांपो हो,
उणाज मांप से तमारा सरु बी मांप्यो
जायगा।

३९† उने उणके मिसाल माय क्यो:
"कंई एक आंदो दूसरा आंदा के बाट
दिखाड़ी सके? कंई वी दोइज खाड़ा माय
नी पड़ेगा? ४०† चेलो, गरु से मोटो नी
रे पण पूरण ज्ञान होवा पे हर चेलो गरु
सरीको हुई जाय हे।

४१"तू अपणा भई की आंख का
तरकला के कायसरु देखे, कंई थारे
थारी आंख मायको भारो नी सुजे?
४२जदे तू थारी आंख मायका भारा के
नी देखी सके, तो अपणा भई से कसे
कई सके, 'हे भई, म्हारे थारी आंख
को तरकलो हेड़ लेवा दे'? हे ढोंगी,
पेलां तू अपणी आंख मायको भारो तो
हेड़ी ले! फेर तू अपणा भई की आंख
का तरकला के हेड़वा सरु सई-सई
देखी सकेगा।

---

† **६.३१:** मत्ती ७.१२ † **६.३९:** मत्ती १५.१४ † **६.४०:** मत्ती १०.२४–२५; योहन १३.१६, १५.२०

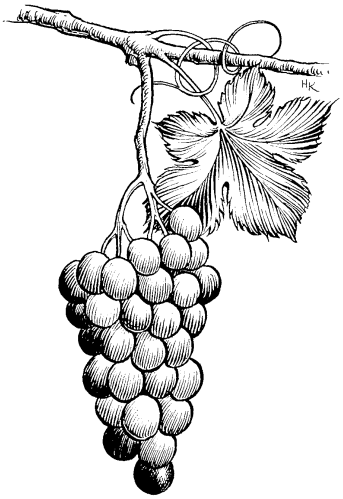

अंगुर (LUK ६.४४)

जसो झाड़ वसो फळ

(मत्ती ७.१६-२०; १२.३३-३५)

४३ "कइंकोज अच्छो झाड़ हयनी जेका
पे खराब फळ लागता हो। अने नी कईं
को बुरो झाड़ हे जेका पे अच्छो फळ
लागे। **४४**† हर झाड़ अपणा फळहुंण
सेज पेचाण्या जाय हे। लोग कांटाळी
झांडिहुंण से अंजीर भेळा नी करे अने
नी बोरजाळी से अंगूर। **४५**† वसोज भलो
मनख अपणा हिरदा का भला खजाना
से भली बातहुंणज हेड़े पण खोटो मनख
अपणा हिरदा का बुरा खजाना से खोटी
बातहुंण हेड़े हे, क्योंके जेनी बातहुंण से
उको हिरदो भर्‌यो होय, उनीज बातहुंण
के उ मुन्डा पे लाय हे।

दो घर की नीम

(मत्ती ७.२४-२७)

४६ "जो हूं कूं जदे तम उके नी मानो
तो म्हारे, 'हे परभु, हे परभु' कायसरु को
हो? **४७**जो कईं को म्हारा कने आवे अने
म्हारी बातहुंण के सुणी के उणके माने,
हूं बतंउं के उ किका सरीको हे: **४८**उ उना
मनख सरीको हे जेने घर बणावा सरु
उन्डो खोदी के सिल्ला पे नीम राखी,
अने जदे पूर अई पाणी की धारहुंण उना
घर से टकरई तो उके हलई नी सकी
क्योंके उ घर पक्को बण्यो थो। **४९**पण
उ जेने सुण्यो तो जरुर पण उका सरीको
नी चल्यो, उना मनख सरीको जेने बिना
नीम खोदी जमीन पेज घर बणायो! जदे
पूर अई तो पाणी की धारहुंण उकासे
टकरई तो उ घर जदेज पड़ी ग्यो अने
पूरो खतम हुई ग्यो।"

रोमी हाकिम का सेवक के नज करनों

(मत्ती ८.५-१३)

७ जदे उ लोगहुंण के पूरो परबचन
सुणई चुक्यो तो कफरनहूम माय
आयो। **२**अने कइंका रोमी सुबेदार को
खास सेवक थो जो बेमारी से मरवा पे
थो। **३**जदे उने ईसु का बारामें सुण्यो तो
थोड़ाक बुड़ा-हाड़ा यहूदिहुंण के उका कने
या बिणती करवा मोकल्या के अई के
म्हारा सेवक के बचइले। **४**जदे वी ईसु
कने पोंच्या तो उणने उकासे यो केता
होय बिणती करी के, "उ इतरो लायक हे
के तू उका पे दया कर, **५**क्योंके उ हमारी

---

† **६.४४:** मत्ती १२.३३ † **६.४५:** मत्ती १२.३४

जात से परेम राखे हे अने उनेज हमारा
इना पराथनाघर के बणायो हे।"
६ईसु उणका गेले-गेल चल्यो अने जदे
घर से जादा दूर नी थो तो सुबेदार ने
अपणा दोस के यो केवा मोकल्यो, "हे
परभु, तू जादा परेसान मती हो, क्योंके हूं
इका लायक हयनी के तू म्हारा घरे आय।
७इनीज वजासे म्हने खुद के इका लायक
नी समज्यो के थारा कने अउं। सिरप
बचन बोली दे तो म्हारो सेवक नज हुई
जायगा। ८हूं बी दरसल सासन का बस
माय हूं, अने सिपईहुंण म्हारा बस माय
रे। हूं एक से कूं 'जा' तो उ जावे हे, अने
दूसरा से कूं 'आ' तो उ आवे हे, अने हूं
अपणा सेवक से कूं 'यो कर' तो उ उके
करे हे।"
९जदे ईसु ने यो सुण्यो तो उके अचरज
होयो अने उने भीड़ आड़ी फरिके जो उका
पछड़े चली अइरी थी क्यो: "हूं तमार से
कूं के इसराइल जात माय बी म्हारे असो
बड़ो बिसास नी मिळ्यो।"
१०अने जो लोग सुबेदार ने मोकल्या
था उणने घरे आवा पे उना सेवक के
भलो-चंगो पायो।

रांडी बइरा का जुवान छोरा के मर्‌या माय से जिवाड़े

११इका झट बाद[w] उ नाईन नाम का
नगर आड़ी ग्यो। उका चेलाहुंण बी उका
गेले चली र्‌या था, अने उणका गेले घणी
बड़ीमेक भीड़ बी चली री थी। १२जदे उ
नगर का फाटक पे पोंच्यो तो, लोग एक
मुरदा के बायरे लइ-जई र्‌या था। उ उकी
मेतारी को जो रांडी बइरा थी एखलोज
बेटो थो, अने नगर का नरा लोग उका
गेले था। १३रांडी बइरा के देखी के परभु
के उका पे घणी दया अई अने उने
क्यो, "रोवे मती।" १४फेर उने कने अई
के अरथी के हात लगाड़्यो अने कन्दो
देवा वाळा थमी ग्या। तो उने क्यो, "हे
जुवान, हूं थार से कूं, उठ्या।" १५मुरदो
उठी बेठ्यो अने बोलवा लाग्यो, ईसु ने
उके उकी मेतारी के दई द्‌यो।
१६सगळा लोग डरी ग्या अने वी यो
केता होया परमेसर की बड़ई करवा
लाग्या: "हमारा अदाड़ माय एक बड़ो
नबी परगट्‌यो हे।" अने "परमेसर ने
अपणा लोगहुंण पे किरपा करी हे।"
१७उका बारामें यो समिचार आखा
यहूदिया देस माय अने ऐरे-मेरे का आखा
इलाका माय फेली ग्यो।

योहन का चेलाहुंण के ईसु को ज्वाब

(मत्ती ११.२-१९)

१८योहन का चेलाहुंण ने इनी सगळी
बातहुंण को समिचार योहन के द्‌यो।
१९तो योहन ने अपणा चेला माय से दो
के बुलाड़ी के उणके परभु कने यो पुछवा
मोकल्या, "कंई उ आवा वाळो तूज हे के,
हम फेर कइंका दूसरा की बाट जोंवा?"
२०जदे वी लोग उका कने आया तो
उणने क्यो, "योहन बपतिसमा देवा
वाळा ने हमारे थारा कने यो पुछवा
मोकल्या हे, 'कंई आवा वाळो तूज
हे के, फेर हम कइंका दूसरा की बाट
जोंवा?' "

---

[w] **७.११** इका झट बाद; थोड़ाक माय असो हे दूसरा दन।

२१उनीज घड़ी ईसु ने नरा लोगहुंण के
बेमारिहुंण, दुःखहुंण अने बायरबादाहुंण से
छुड़ई के नज कर्‌या अने नरा लोगहुंण
जो आंदा था, देखवा लाग्या। **२२**† तो उने
उणकासे क्यो, "जो कंई तमने देख्यो
अने सुण्यो, जई के योहन के बताड़ो!
आंदा देखे हे, पांगळा चले हे, कोड़्या
सुद्द कर्‌या[x] जई र्‌या हे, बेर्‌याहुंण सुणे
हे, मुरदा जिवाड़्या जाय हे, अने गरीब-
गुरबाहुंण के सुब-समिचार सुणायो जाय
हे। **२३**अने धन्य वी हे जो म्हारा बारामें
सक नी करे।

२४जदे योहन का चेलाहुंण चल्या ग्या
तो ईसु भीड़ से योहन का बारामें बात
करवा लाग्यो, "तम मांळ माय कंई देखवा
ग्या था? बायरा से हलता होया बरु के?
नी! **२५**तो फेर कंई देखवा ग्या था? असा
मनख के जो नरम लतरा पेर्‌यो होयो थो?
नी! देखो, वी जो चळकण्यां लतरा पेरे
अने भोग-बिलास माय रे हे, राजम्हेल
मेंज मिळे हे! **२६**पण तम कंई देखवा ग्या
था? कंई नबी के? हां, हूं तमार से कूं के
नबी से बी मोटा के। **२७**† यो उज हे, जेका
बारामें लिख्यो हे, 'देख हूं अपणा दूत के
थारा अगड़े मोकलुं। उ थारा अगड़े थारो
मारग तय्यार करेगा।' **२८**हूं तमार से कूं
के नारीहुंण से जो जन्म्या हे उणका माय
से कइंकोज योहन से मोटो हयनी। फेर
बी उ जो परमेसर का राज माय नानो से
नानो हे उ उकासे बड़ी के हे।

२९† पण आम-जनता अने कर वसुळवा
वाळाहुंण ने बी योहन की सगळी बात
सुणी तो योहन से बपतिसमो लई के
परमेसर की योजणा के मानी ली। **३०**पण
फरीसी अने परमेसर का नेम-बिधान
का जाणकारहुंण ने योहन से बपतिसमो
नी लई के अपणा बारामें परमेसर की
योजणा के नी मानी।

३१"तो हूं इनी पीड़ी का लोगहुंण को
मिलाण किकासे करूं? ई किका सरीका
हे? **३२**ई उना बाळकहुंण सरीका, जो हाट
माय बेठ्‌या रे अने एक दूसरा से हेला
पाड़ी के के, 'हमने तमारा सरु बंसी बजई
पण तम नाच्या हयनी; हमने रुदन
कर्‌यो पण तम नी रोया।' **३३**क्योंके
योहन बपतिसमा देवा वाळो नी तो रोटो
खातो आयो अने नी दाखरस पीतो आयो,
पण तम को हो 'उका माय बायरबादा
हे!' **३४**हूं मनख को बेटो खातो-पितो
आयो, अने तम को हो, 'देखो, पेटु अने
दारुकुट्‌टो मनख, कर वसुळवा वाळा अने
पापिहुंण को दोस!' **३५**परमेसर की बुध्दि
से भरी हुई बातहुंण के जो कईं को
बी मानेगा, अने लोग उणका काम अने
चरित्तर के देखेगा तो केगा, परमेसर की
बुध्दि सांची हे।

ईसु पापण बइरा का पाप मांफ करे

३६फेर कइंका एक फरीसी ने उकासे
बिणती करी के उ उका गेले जिमें तो उ
उना फरीसी का घरे जई के जिमवा सरु
सायरे से बेठी ग्यो। **३७**†अने देखो, उना
नगर माय एक बइरा, जो पापण थी, अने
जदे उके मालम पड़्यो के ईसु फरीसी का

---

[x] **७.२२** सुद्द कर्‌या; देखो ५.१२।

† **७.२२:** यसायाह ३५.५–६, ६१.१ † **७.२७:** मलाकी ३.३ † **७.२९–३०:** मत्ती २१.३२; लूका ३.१२
† **७.३७–३८:** मत्ती २६.७; मरकुस १४.३; योहन १२.३

घरे जिमवा बेठ्यो हे तो संगमरमर का
बरतन माय अतर लइ-यई। ३८अने उका
पगाड़ी कने पछड़े उबी हुई के रोई-रोई
के आंसुहुंण से उका पगहुंण भिंजाळ्वा
लागी। अने अपणा माथा का बालहुंण से
उका पगहुंण पोंछवा अने चुमी के उणका
पे अतर मळवा लागी। ३९तो उना फरीसी
ने जेने ईसु के नोत्यो थो यो सगळो
देखी के अपणा मन माय क्यो, "अगर
यो मनख नबी होतो तो ताड़ी जातो के
वा बइरा जो उके हात लगाड़ी री, कुंण हे,
अने कसी हे। याने के वा तो पापण हे।"
४०ईसु ने उकासे क्यो, "हे सिमोन,
म्हारे थार से कंई केणो हे।"
उने जुवाब द्यो, "हे गरु, के।"
४१"कइंका बाण्या का दो करजदार था।
एक पे पांच सो चांदी का सिक्का[y] को
करजो थो अने दूसरा पे पचास। ४२जदे
वी करजो चुकावा का लायक नी र्या तो
उने दोई पे किरपा करिके उणके मांफ
करी लाख्या। तो उना दोई माय से कुंण
उके जादा परेम करेगा?"
४३सिमोन ने जुवाब द्यो, "म्हारी
समज माय उ जेको जादा मांफ कर्यो।"
उने उकासे क्यो, "तने ठीकज सोंची
के फेसलो कर्यो।" ४४फेर उनी बइरा
आड़ी फरिके उने सिमोन से क्यो,
"कंई तू इनी नारी के देखी र्यो? हूं
थारा घरे आयो पण तने म्हारा पगहुंण
पखाळवा सरु पाणी तक नी द्यो,
पण इने अपणा आंसुहुंण से म्हारा
पगहुंण भिंजाळ्या अने अपणा बालहुंण
से पोंछ्या हे। ४५तने म्हारे चुम्यो
हयनी, पण जदसे हूं आयो, इने म्हारा
पगहुंण के चुमणो नी छोड़्यो। ४६तने
म्हारा माथा माय तेल नी मळ्यो, पण
इने म्हारा पगहुंण पे अतर मळ्यो हे।
४७इकासरु हूं थार से कूं इने घणो
जादा परेम कर्यो क्योंके इका पाप,
जो नरा था, मांफ कर्या ग्या। पण
उ जेका जरासा पाप मांफ कर्या उके
थोड़ोक परेम रे हे।"
४८अने उने नारी से क्यो, "थारा पाप
मांफ कर्या ग्या हे।"
४९तो वी मनख जो उका गेले जिमवा
बेठ्या था अपणा अपणा मन माय केवा
लाग्या, "यो मनख कुंण हे जो पापहुंण
के बी मांफ करे हे?"
५०पण ईसु ने उनी नारी से क्यो,
"थारा बिसास ने थारो उध्दार कर्यो।
कुसल से जा।"

ईसु की सेवा करवा वाळी नारीहुंण

८ इका झट बाद असो होयो के उ
परमेसर का राज का बारामें सुब-
समिचार सुणातो होयो नगर-नगर अने
गांम-गांम जावा लाग्यो अने वी बारा
चेला बी उका गेले र्या। २[†] अने
थोड़िक नारीहुंण बी जो बायरबादाहुंण
अने बेमारी से नज हुई गी ईसु का
गेले थी, जिणका माय मरियम जो
मगदलीनी केवाती थी अने जेका माय
से सात बायरबादाहुंण हेड़ी थी। ३अने
हेरोदेस सासक का मुनीम खुजा की

---

[y] **७.४१** एक चांदी का सिक्का - एक दन की मजुरी।

[†] **८.२–३:** मत्ती २७.५५–५६; मरकुस १५.४०–४१; लूका २३.४९

घराळी योअन्ना, अने सूसन्नाह अने
नरी दूसरी नारीहुंण थी। ई अपणा
खुद का धन से ईसु की सेवा कर्‌या
करती थी।

बीज की मिसाल

(मत्ती १३.१-९; मरकुस ४.१-९)

४जदे बड़ीमेक भीड़ भेळी हुई री थी,
अने नरा नगरहुंण से लोग उका कने
चल्या अई र्‌या था तो ईसु ने उणकासे
मिसाल दई ने क्यो:
५"एक बोणे वाळो बीज बोवा हिट्‌यो।
बोता बखत थोड़ाक बाट का मेरे पड़्या
अने पगहुंण से रौंदई ग्या अने असमान
का पखेरुहुंण ने अई के चुगिल्या।
६थोड़ाक सिल्ला पे पड़्या जेका पे थोड़ोक
गारो थो, वी उगताज सुकी ग्या क्योंके
उका माय सीत नी थी। **७**थोड़ा कांटाळी
झांडी माय पड़्या अने झांडिहुंण ने
गेले-गेल बड़ी के उणके दबाड़ी लाख्या।
८दूसरा बीज अच्छी जमीन पे पड़्या अने
उगी के सो गुणा फळ्या।"
यो कई उने उंची अवाज माय क्यो,
"जेका सुणवा का कान होय उ सुणी
ले।"

मिसाल को मकसद

(मत्ती १३.१०-१७; मरकुस ४.१०-१२)

९उका चेलाहुंण उकासे सवाल करवा
लाग्या के इनी मिसाल को अरथ कंई हुई
सके? **१०**† उने क्यो: "परमेसर ने तमारे
या समज दई के तम उका राज का भेद
के जाणो, पण दूसरा के मिसाल मायज
बताड़्यो जावे के वी देखता होया नी देखे
अने सुणता होया नी सुणे।

मिसाल को अरथ

(मत्ती १३.१८-२३; मरकुस ४.१३-२०)

११"मिसाल को अरथ यो, बीज परमेसर
को बचन। **१२**बाट का मेरे वाळा वी
जिणने बचन तो सुण्यो पण सेतान
अई के उणका हिरदाहुंण माय से बचन
उठई लई जावे, के वी बिसास नी करे
अने उणको उध्दार नी होय। **१३**सिल्ला
पे का वी जो बचन सुणवा पे उके बड़ा
आनन्द से माने तो हे पण जड़ उन्डी
नी होवा से घड़ी भर तो बिसास करे,
पण जदे अजमाया जावा को बखत
आय तो भेकी जावे हे। **१४**जो बीज
कांटाळी झांडिहुंण माय पड़्या वी हे,
जिणने बचन सुण्यो अने जसे वी अगड़े
बड़्या वी चिन्ताहुंण, धन, अने जीवन
का सुख-बिलास माय फंसी जाय, अने
उणको फळ कदी नी पाके। **१५**अच्छी
जमीन का बीज वी जो बचन सुणी के
अपणा साफ अने अच्छा हिरदा माय
उके अटोपी राखे अने वी बड़ा जिरना
से फळ लाय।

बचन ध्यान दई सुणणो

(मर ४.२१-२५)

१६† "दीयो बाळी के कड़ंकोज उके
ठामड़ा से नी ढांके नीज खाट का निच्चे
धरे, पण उके अदरे पेवला पे धरे जेकासे
भित्तरे आवा-जावा वाळाहुंण के उजाळो
मिळे।

---

† **८.१०:** यसायाह ६.९-१० † **८.१६:** मत्ती ५.१५; लूका ११.३३

१७[†] "क्योंके जो कंई छिप्यो हे उ
परगट होयगा। अने जो कइंकी गुपत
बात हे वा जाणी जायगा अने परगट
होयगा।
१८[†] "इकासरु होसियार रो के तम
कसतरा सुणो हो, क्योंके जेका कने हे
उके हजु बी द्यो जायगा, अने जेका कने
नी हे उकासे उ बी जेके उ अपणो जाणे
लई ल्यो जायगा।"

ईसु की मेतारी अने भई-बेनहुंण

(मत्ती १२.४६-५०; मरकुस ३.३१-३५)

१९ईसु की मेतारी अने उका भई बी
उका कने आया, पण भीड़ की वजासे
उकासे मिळी नी सक्या। **२०**अने कइंका
ने उके बताड़्यो, "थारी मेतारी अने
भई-बेनहुंण बायरे उब्या हे। वी थार से
मिळनों चावे।"
२१पण उने जुवाब द्यो, "म्हारी मेतारी
अने म्हारा भई तो ई हे जो परमेसर को
बचन सुणी के उको पाळण करे।"

अन्दी-दंदवाळ के थामणो

(मत्ती ८.२३-२७; मरकुस ४.३५-४१)

२२तो एक दन असो होयो के उ अने
उका चेलाहुंण एक नाव पे चड़ी ग्या अने
उने उणकासे क्यो, "आव, सरवर का पेलां
पार[z] चलां।" अने चेलाहुंण एक नाव पे
चड़ी ग्या अने उणने नाव छोड़ी लाखी।
२३जदे वी खेता होया अगड़े बड़ता जई
र्या था तो उ सोई ग्यो। अने सरवर
माय घणो भयंकर अन्दी-दंदवाळ चल्यो,
नाव माय पाणी भरावा लाग्यो अने
उणकी जान खतरा माय पड़ी गी। **२४**तो
चेलाहुंण ने कने अई के उके जगाड़्यो
अने क्यो, "मालेख, हे मालेख! हम डुबी
र्या हे!"
उने उठी के अन्दी-दंदवाळ अने उठी
हुई पाणी की लेरहुंण के डांट्यो अने वी
थमी गी अने सान्ती हुई गी। **२५**उने
उणकासे क्यो, "तमारो बिसास कंय्यांड़ी
हे?"
वी डरी ग्या अने अचरज माय हुई
ने एक दूसरा से केवा लाग्या, "तो
फेर यो कुंण हे जो अन्दी-दंदवाळ अने
पाणी के बी हुकम दे अने वी उकी
मानी ले?"

ईसु बायरबादा के बस माय करवा वाळो

(मत्ती ८.२८-३४; मरकुस ५.१-२०)

२६तो वी गिरासेनियो[a] का इलाका
माय पोंच्या जो गलील का सामेंज हे।
२७जदे उ गलील का कराड़ा पे उतर्यो
तो उके उना नगर को एक मनख
मिळ्यो जेका माय बायरबादाहुंण थी।
उ नरा दन से नी तो लतरा पेरतो
थो ने नी घर माय रेतो थो। पण
कबरहुंण मायज रेतो थो। **२८-२९**ईसु
तो बायरबादाहुंण के हुकम दई र्यो
थो के उना मनख माय से हिटी जाये,
क्योंके नरी कावा उणने उना मनख
के पकड़्यो थो, लोग उके सांकळ
अने बेड़िहुंण से बान्दी के नेपा माय
राखता था, फेर बी उ इना बन्दणहुंण

---

[z] **८.२२** सरवर का पेलां पार; जो यहूदिहुंण को इलाको नी थो।
[a] **८.२६** गरासेनियो; थोड़ाक मूळ माय असो हे गदारा (देखो मत्ती ८.२८); दूसरा माय गरसिया।
[†] **८.१७:** मत्ती १०.२६; लूका १२.२
[†] **८.१८:** मत्ती २५.२९; लूका १९.२६

के तोड़ी लाखतो थो अने बायरबादाहुंण
उके मांळ माय भगाड़ती-फरती थी।
तो ईसु के देखी के उ चिल्लाड़ी उठ्यो
अने उका सामे पड़ी के उंची अवाज
माय उने क्यो, "हे सगळा से म्हान
परमेसर का बेटा ईसु, म्हारे थार से
कंई काम? हूं थार से बिणती करूं के
म्हारे सजा मती देजे।"
३०ईसु ने उकासे पुछ्यो "थारो कंई
नाम हे?"
उने क्यो, "पळटन" क्योंके उका माय
नरी बायरबादाहुंण भरई हुई थी। **३१**वी
उकासे बिणती करिके कई री थी, "हमारे
उन्डा कुण्ड[b] माय जावा को हुकम मती
दे।"
३२वां सुंवल्डाहुंण को घणो बड़ो
टोळो बळडा पे चरी र्‌यो थो। तो
बायरबादाहुंण ने उकासे घणी बिणती
करी के उणके उना सुंवल्डाहुंण माय
जावा दे। ईसु ने उणके जावा द्‌या।
३३बायरबादाहुंण उना मनख माय से
हिटी ने सुंवल्डाहुंण माय भरई गी अने
आखो टोळो उंचा कराड़ा पे से निच्चे
लपकी के सरवर माय कुद्‌यो अने डुबी
के मरी ग्यो।
३४जदे चरावा वाळाहुंण ने जो
कंई होयो देख्यो, तो भागी के नगर
माय अने गांमहुंण माय जई के बतई
द्‌यो। **३५**तो लोग, जो कंई होयो उके
देखवा हिट्‌या अने ईसु कने आया।
वां उणने उना मनख के जेका माय
से बायरबादाहुंण हेड़ी थी, ईसु का
पगहुंण कने बेठ्‌यो होयो देख्यो, उ
लतरा पेर्‌यो होयो सांत सुभाव माय
थो, इका पे वी डरी ग्या। **३६**देखवा
वाळाहुंण ने उणके बताड़्यो के उ मनख
जेका माय बायरबादा भराणी थी कसे
नज होयो। **३७**तो गिरासेनियो अने ऐरे-
मेरे का इलाका का सगळा लोगहुंण
ने ईसु से बिणती करी के उ उणका
कने से चल्यो जाय, क्योंके वी घणा
डरी ग्या था। अने उ नाव पे चड़िने
पाछो चल्यो ग्यो। **३८**उ मनख जेका
माय से बायरबादाहुंण हेड़ी थी उकासे
बिणती करवा लाग्यो, "म्हारे बी थारा
गेले चलवा दे।"
पण ईसु ने उके यो कई के फेरी द्‌यो:
३९"अपणा घरे पाछो चल्यो जा अने
लोगहुंण के बताड़ के परमेसर ने थारा
सरु कसा काम कर्‌या हे।"
उ पाछो नगर माय अई के आखा नगर
माय यो परचार करतो फर्‌यो, के ईसु ने
म्हारा सरु कसा बड़ा म्हान काम कर्‌या
हे।

एक मरी हुई नानी अने एक बेमार बइरा

(मत्ती ९.१८-२६; मरकुस ५.२१-४३)

४०ज्योंज ईसु पाछो जां से ग्यो थो
आयो, तो भीड़ ने उको सुवागत कर्‌यो
क्योंके वी सगळा उकी बाट जोई र्‌या
था। **४१**अने देखो, याईर नामको एक
मनख आयो जो पराथनाघर को हाकिम
थो। उ ईसु का पगहुंण पे अई के ने

---

[b] **८.३१** उन्डा कुण्ड; या गेरो कुन्ड: असो बिचार थो के बायरबादाहुंण के बन्दी बणई के उन्डा कुण्ड माय लाखी दी हे के जदतक उणके आखरी सजा नी मिळी जाय वी वांज रेगा।

पड़ी ग्यो उने उके अपणा घरे चलवा सरु
मनाड़्वा लाग्यो। ४२क्योंके उकी एखली
बेटी, जो बारा बरस का ऐरे-मेरे की थी
अने जो मरवा पे थी।

जदे उ जावा सरु होयो तो भीड़
ईसु पे लदालद पड़ी री थी। ४३जदे
एक बइरा जेके बारा बरस से लोई
बिवा की बेमारी थी अने बेदहुंण कने
जई के अपणो आखो धन खतम करी
लाख्यो थो[c], जेके कइंकाज बेद नज
नी करी सक्या था। ४४पछड़े से अई
के ईसु का चोळा का किनोर से चोंटी
गी, तो झट उको लोई बिणो बन्द
हुई ग्यो। ४५ईसु ने क्यो, "कुंण म्हार
से चोंट्यो?"

जदे वी सगळा नटी र्या था तो पतरस
ने क्यो, "हे मालेख, भीड़ भेळी हुई ने
थार पे लदई री हे।"

४६पण ईसु ने क्यो, "कइंको म्हार से
चोंट्यो। म्हारे मालम हुई ग्यो के म्हारा
माय से सामरत हिटी हे।" ४७जदे उनी
बइरा ने देख्यो के हूं छिपी नी सकती, तो
डर का मारे धुजती हुई अई के ने उका
पगे पड़ी गी। उने सगळा मनखहुंण का
सामे क्यो के वा कायसरु उकासे चोंटी
अने कसे वा झट नज हुई गी। ४८उने
उकासे क्यो, "बेटी, थारा बिसास ने थारे
नज कर्‌यो। जा, चेन से चली जा।"

४९जदे उ यो कइज र्‌यो थो तो कइंका
ने पराथनाघर का हाकिम का घर से अई
के क्यो, "थारी नानी मरी गी। अबे गरु
के परेसान मती कर।"

५०पण जदे ईसु ने सुण्यो तो उकासे
क्यो, "नठू मती डर! सिरप बिसास राख
तो वा बची जायगा।"

५१जदे उ उना घर माय पोंच्यो तो उने
पतरस, योहन, याकूब अने उनी नानी
का मां-बाप का अलावा दूसरा कइंका के
अपणा गेले भित्तरे नी आवा द्‌या। ५२वी
सगळा मनख उका सरु रुदन करिके रोई
र्‌या था, पण उने क्यो "रोणो-धोणो,
बन्द करो, क्योंके वा मरी हयनी, पण
सोइर्‌यो री हे।"

५३इका पे लोग हंसवा लाग्या क्योंके
वी जाणता था के वा मरी गी हे।
५४पण उने उको हात पकड़ी के यो
कई के हेला पाड़्यो, "हे नानी, उठ्‌या।"
५५तो उकी आतमा उका माय अइगी
अने वा झट उबी हुई गी, अने ईसु ने
हुकम द्‌यो इके थोड़ोक-कंई खावा सरु
द्‌यो जाय। ५६उका मां-बाप के घणो
अचरज होयो, पण उने उणके हुकम
द्‌यो के जो कंई होयो उके कइंका से
किजो मती।

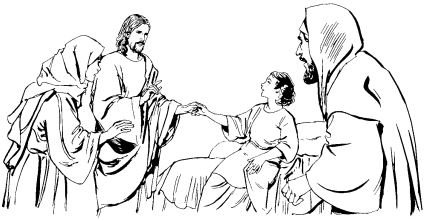

ईसु ने जाईर की बेटी के जिवाड़ी (LUK ८.५४)

---

[c] **८.४३** बेदहुंण कने जई के अपणो आखो धन खतम करी लाख्यो थो; थोड़ाक मूळ माय असो नी हे।

ईसु बारा परेरितहुंण के मोकले

(मत्ती १०.५–१५; मरकुस ६.७–१३)

९ तो ईसु ने बारा परेरितहुंण के एक साते बुलाड्या अने उणके सगळी बुरी आतमाहुंण पे अने बेमारिहुंण के नज करवा सरु सामरत अने हक द्यो। २उने उणके मोकल्या के वी परमेसर का राज को परचार करे अने बेमारहुंण के नज करे। ३† उने उणकासे क्यो, "अपणी जातरा सरु कंई मती लो, नी तो लाकड़ी, नी झोळो, नी रोटा अने नी रुप्या-पइसा, यां तक के दो दो कुड़ता बी मती लई जाव। ४जेना कइंका घर माय जाव, वइंज रो अने वइंसेज बिदा होव। ५अने जो तमारी आव-भगत नी करे, तो जदे तम उना नगर माय से हिटो तो अपणा पगहुंण को धूळो झटकारी दो जेकासे उणका सरु गवई रे के उणको न्याव होय।"

६तो वी निकळी के गांम गांम सुब-समिचार सुणाता होया अने हर जगा लोगहुंण के नज करता फर्‌या।

सासक हेरोदेस जो ईसु के नी जाणतो थो

(मत्ती १४.१–१२; मरकुस ६.१४–२९)

७† देस का चोथा हिस्सा का सासक हेरोदेस ने जदे इनी घटणाहुंण का बारामें सुण्यो तो उ समजी नी सक्यो, क्योंके नरा लोगहुंण कई र्‌या था के योहन मर्‌या माय से जिन्दो हुई ग्यो हे, ८कइंका कई र्‌या था के नबी एलियाह पाछो परगट्यो हे। दूसरा लोगहुंण का मुजब जूना नबिहुंण माय से कईं को एक जीवतो हुई ग्यो हे। ९हेरोदेस ने क्यो, "म्हने खुदज तो योहन को माथो कटवाड्यो थो, पण यो मनख कुंण हे जेका बारामें हूं असी बातहुंण सुणी र्‌यो हूं?" अने उ उके देखवा की कोसिस करतो र्‌यो।

ईसु पांच रोटा अने दो मच्छी से पांच हज्जार के खवाड़े

(मत्ती १४.१३–२१; मरकुस ६.३०–४४; योहन ६.१–१४)

१०जदके परेरित जिणके मोकल्या था पाछा अई ग्या। तो जो कंई उणने कर्‌यो थो सगळो उके बताड्यो। तो उ उणके गुप-चुप अपणा गेले लई के बेतसेदा नाम नगर आड़ी ग्यो। ११पण भीड़ का लोगहुंण के पतो चली ग्यो तो वी उका पाछे चली पड्या। उणकी आव-भगत करिके उ उणकासे परमेसर का राज की बातहुंण करवा लाग्यो, अने जिणके नज होवा की जरुवत थी उने उणके नज कर्‌या।

१२जदे दन अथणवा लाग्यो तो बारा चेलाहुंण ने उका कने अई के ने क्यो, "भीड़ के बिदा कर के वी ऐरे-मेरे का गांम अने बस्तिहुंण माय जई के अपणा सरु रेवा की जगा अने खावा सरु कंई ढुंडी सके, क्योंके हम तो यां बिराण जगा माय हे।"

१३पण उने उणकासे क्यो, "तमीज इणके कंई खावा सरु दो।"

---

† **९.३–५:** लूका १०.४–११; परेरितहुंण १३.५१ † **९.७–८:** मत्ती १६.१४; मरकुस ८.२८; लूका ९.१९

उणने क्यो, "हमारा कने पांच रोटा
अने दो मच्छी का अलावा कंई हयनी। तू
यो तो नी चाय के हम जावां अने इना
सगळा सरु भोजन मोल लई आंवां।"
१४क्योंके वां करीब-करीब पांच हज्जार
मनख था।
ईसु ने अपणा चेलाहुंण से क्यो, "पचास
पचास की पंगतहुंण माय इणके बेठई दो।"
१५उणने वसेज उना सगळा के बेठई
द्या। १६फेर उने पांच रोटा अने दो
मच्छीहुंण लई अने सरग आड़ी देखी
के उणका सरु धन्यबाद कर्‌यो। अने
उणके तोड़ी-तोड़ी के चेलाहुंण के देतो
ग्यो के वी लोगहुंण के परोसता जाय।
१७जदे सगळा मनख खई के धापी ग्या
तो उणने बाकी बच्या कोळ्या से भर्‌या
होया बारा टोपलाहुंण उठाड़्या।

पतरस ने जदे ईसु के मसीह मान्यो

(मत्ती १६.१३–१९; मरकुस ८.२७–२९)

१८फेर जदे उ एखलो पराथना करी र्‌यो
थो अने चेलाहुंण उका गेले था तो उने
उणकासे पुछ्‌यो, "हूं कुंण हूं, इना बारामें
लोग कंई के हे?"
१९† उणने जुवाब द्‌यो, "योहन
बपतिसमा देवा वाळो, पण कइंका के हे
एलियाह, अने दूसरा लोगहुंण का मुजब,
जूना नबिहुंण माय से कईं को एक जी
उठ्‌यो हे।"
२०† उने उणकासे क्यो, "पण तम
म्हारे कंई को हो?"
पतरस ने जुवाब द्‌यो, "परमेसर को
मसीह।"

ईसु ने क्यो, उ दुःख भोगेगा अने मार्‌यो जायगा

(मत्ती १६.२०–२८; मरकुस ८.३०–९.१)

२१पण उने उणके चेतई ने हुकम द्‌यो
के या बात कइंका से मती किजो। २२फेर
क्यो, "यो जरुरी हे के हूं मनख को
बेटो घणो दुःख झेलुं, अने ठाम्या मनख,
मुख-पुरोहितहुंण अने सासतरिहुंण से हूं
नकार्‌यो जई के मारी लाख्यो जउं अने
तीसरा दन जी उठ्‌यउं।"
२३† तो उने सगळा मनखहुंण से
क्यो, "अगर कईं को म्हारा पाछे आणो
चावे तो उ खुदी के नकारे, अने हर
दन अपणो कुरुस उठाय[d] अने म्हारा
सरीको करे। २४† क्योंके जो कईं को
अपणी काया को जीव बचाड़णो चावे
उ अपणा सरग का जीव के खोयगा,
पण जो कईं को अपणी काया को जीव
म्हारा सरु खोय उ अपणा सरग का
जीव के बचाड़ेगा। २५अगर कईं को
मनख आखा जग के पई ले अने अपणो
सरग को जीव खोई लाखे या उकासे
अलग हुई जाय तो उके कंई फायदो
रेगा? २६जो म्हार से अने म्हारा बचन
से लजायगा उकासे हूं मनख को बेटो
बी उना बखत लजउंवां जदे हूं अपणी,
अने अपणा पिता की, अने पवित्तर
सरगदूतहुंण की म्हेमा माय अउंवां।

---

[d] **९.२३** अपणो कुरुस उठाय; लक्कड़ का पाट्‌या के एक-दूसरा का अदरे आड़ो धरी के बणाणो जेका पे मुलजिमहुंण के सजा दे हे।

† **९.१९:** मत्ती १४.१–२; मरकुस ६.१४–१५; लूका ९.७–८ † **९.२०:** योहन ६.६८–६९

† **९.२३:** मत्ती १०.३८; लूका १४.२७ † **९.२४:** मत्ती १०.३९; लूका १७.३३; योहन १२.२५

२७पण हूं तमार से खास बात कूं के
यां थोड़ा असा उब्या हे जो जदत्तक
परमेसर को राज नी देखी ले तदत्तक
मोत को सुवाद नी चाखेगा।"

ईसु म्हेमा माय

(मत्ती १७.१–८; मरकुस ९.२–८)

२८† इनी बातहुंण का करीब-करीब
आठ दन पाछे असो होयो के ईसु,
पतरस, योहन अने याकूब के गेले
लई के पराथना करवा सरु बळडा पे
चड़ी ग्यो। २९जदे उ पराथना करी
र्‌यो थो तो उका मुन्डा को रुप बदळी
ग्यो अने उका लतरा धोळा हुई के
चळकवा लाग्या। ३०देखो, दो मनख
उकासे बातहुंण करी र्‌या था। वी मूसा
अने एलियाह था। ३१ई म्हेमा माय
परगट हुई के उका मरवा का बारामें
बातहुंण करी र्‌या था, जेके उ यरुसलेम
माय पूरो करवा पे थो। ३२पतरस अने

ईसु को रुप बदळनो (LUK ९.३२)

उका सातिहुंण नीन्द माय उजगर्‌या
था। पण जदे वी पूरण रुप से जागी
ग्या तो उणने उकी म्हेमा के, अने
उका गेले उण दोई मनखहुंण के उब्या
देख्या। ३३जदे वी दो उकासे बिदा होवा
लाग्या तो पतरस ने ईसु से क्यो, "हे
मालेख, यां रेणो हमारा सरु अच्छो हे,
तो हम तीन डेरा बणावां, एक थारा
सरु, एक मूसा सरु अने एक एलियाह
सरु।" उ नी जाणतो थो के कंई कई
र्‌यो हे!

३४उ यो कइज र्‌यो थो के एक बदळो
उठ्‌यो जो उणका पे छावा लाग्यो, अने
जदे वी बादळा से घेरावा लाग्या तो
डरी ग्या। ३५† तो बादळा माय से यो
सबद् सुणई द्‌यो, "यो म्हारो बेटो, म्हारो
छांट्‌यो होयो। इकी सुणो।"

३६जदे बाणी हुई चुकी तो ईसु एखलो
रई ग्यो। चेलाहुंण छाना र्‌या अने
जो कंई देख्यो थो उका बारामें उणने
उना दनहुंण माय कइंका केज कंई नी
बताड़्‌यो।

बायरबादा से भर्‌या मनख के नज करनों

(मत्ती १७.१४–१८; मरकुस ९.१४–२७)

३७दूसरा दन असो होयो के जदे
वी उना परबत से निच्चे उतर्‌या तो
एक घणी बड़ीमेक भीड़ उकासे मिळी।
३८अने देखो, भीड़ माय से एक मनख
ने चिल्लाड़ी ने क्यो, "हे गरु, हूं थार
से बिणती करूं के तू म्हारा बेटा पे

---

† **९.२८–३५:** २ पतरस १.१७–१८

† **९.३५:** यसायाह ४२.१; मत्ती ३.१७, १२.१८; मरकुस १.११; लूका ३.२२

किरपा-भरी नगे-राख, क्योंके उ म्हारो
एखलोज बेटो हे। ३९अने देख, एक
बायरबादा उका माय समई गी हे अने
उ एकदम से चिल्लाड़ी उठ्यो। वा उके
असो मरोड़े के उका मुन्डा से झाग
हिटवा लागे। वा उके झकझोड़ी के बड़ी
मुसकिल से छोड़े हे। ४०म्हने थारा
चेलाहुंण से बिणती करी के उके हेड़े
पण वी नी हेड़ी सक्या।"

४१ईसु ने जुवाब द्यो, "हे अबिसासी
अने भटक्या होया लोगहुंण! हूं तमारा
गेले कदत्तक रुंवा अने तमारी सेतो
रुंवा?" ईसु ने नाना का पिता से क्यो,
"अपणा बेटा के यां ल्या।"

४२उ अइज र्‌यो थो के बायरबादा ने
उके जमीन पे पटकी के बुरी तरा से
मरोड़्यो। पण ईसु ने उनी बायरबादा के
डांट्यो अने नाना के नज करिके उका
पिताजी के दई द्यो। ४३तो परमेसर की
म्हानता से सगळा मनख दंग रई ग्या।

ईसु अपणी मोत का बारामें पाछो बोल्यो

(मत्ती १७.२२–२३; मरकुस ९.३०–३२)

उ जो कंई करी र्‌यो थो उके देखी के
सगळा मनख अचरज करी र्‌या था, तो
उने अपणा चेलाहुंण से क्यो, ४४"इनी
बातहुंण पे कान धरो, क्योंके कइंका
एक मनख से हूं मनख को बेटो बिरोदी
लोगहुंण का हाते पकड़वायो जावा वाळो
हूं।" ४५पण वी इनी बात के नी समज्या,
अने या बात उणकासे गुपत री के वी
उके नी जाणे, अने वी इका बारामें ईसु
से पुछवा से डरता था।

मोटो कुंण?

(मत्ती १८.१–५; मरकुस ९.३३–३७)

४६† तो चेलाहुंण का माय इनी बात
पे बिवाद होवा लाग्यो के हमारा माय
कुंण सगळा से मोटो हे। ४७तो ईसु ने
या जाणी के के वी अपणा मन माय
कंई सोंची र्‌या हे, एक बाळक के लई के
अपणा कने उबाड़्यो। ४८† अने उणकासे
क्यो, "जो कइंका इना बाळक के म्हारा
नाम से माने उ म्हारे माने। अने जो
म्हारे माने उ परमेसर के माने जेने म्हारे
मोकल्यो, क्योंके जो तमारा माय सगळा
से छोटो उज सगळा से मोटो हे।"

जो हमारा बिरोद माय हयनी उ हमारा आड़ी हे

(मरकुस ९.३८–४०)

४९तो योहन ने क्यो, "हे मालेख, हमने
एक मनख के थारा नाम से बायरबादाहुंण
के हेड़ता देख्यो अने उके रोकवा की
कोसिस करी, क्योंके उ हमारा गेले रई
के थारा पाछे नी चले।"

५०पण ईसु ने उणकासे क्यो, "उके
रोको मती, क्योंके जो तमारा बिरोद माय
हयनी उ तमारा आड़ी हे।"

सामरिहुंण ने ईसु के नकार्‌यो

५१फेर असो होयो के जदे ईसु का
सरग जावा का दन कने आवा लाग्या
तो उने यरुसलेम जावा को पक्को-इरादो
कर्‌यो। ५२अने उने अपणा दूत मोकल्या।
के वी सामरिहुंण का एक गांम भित्तरे

---

† **९.४६:** लूका २२.२४ † **९.४८:** मत्ती १०.४०; लूका १०.१६; योहन १३.२०

जई के उका सरु तय्यारी करे। ५३पण
सामरिहुंण ने उकी मान-मनावर नी करी
क्योंके उ यरुसलेम आड़ीज चल्यो जई
र्‌यो थो। ५४† जदे उका चेला माय से
याकूब अने योहन ने यो देख्यो तो क्यो,
"हे परभु, कंई तू चावे के हम यो हुकम
दां के असमान से भस्ते पड़े अने उणके
भसम करी लाखे?"[e]
५५पण ईसु ने मुड़ी के उणके डांट्‌यो।
[अने क्यो, "कंई तम नी जाणो के तम
कसी आतमा का हो?" ५६हूं मनख को
बेटो मनखहुंण की आतमाहुंण के नास
करवा नी बल्के उणको उध्दार करवा
आयो हूं।"] अने वी दूसरा नगर आड़ी
चल्या ग्या।

ईसु का पाछे चलवा को मोल

(मत्ती ८.१९-२२)

५७जदे वी बाट माय चल्या जई र्‌या
था तो कइंका ने उकासे क्यो, "तू जां जां
जाय हूं थारा पछड़े चलुंवां।"
५८ईसु ने उकासे क्यो, "व्यागसळी
की मांद अने असमान का पखेरुहुंण का
घोंसळा रे हे, पण हूं मनख का बेटा सरु
माथो धरवा सरु बी कइंकी जगा हयनी।"
५९उने कइंका दूसरा से क्यो, "म्हारा
पाछे चल।"
पण उने क्यो, "म्हारे पेलां जावा दे के
हूं म्हारा पिताजी का गेले जदत्तक उ मरे
हयनी रूं।"
६०पण उने उकासे क्यो, "मुरदाहुंण के
मुरदा गाड़वा दे![f] अने तू अई के परमेसर
का राज को सगळी जगा परचार कर।"
६१† फेर कइंका दूसरा ने बी क्यो,
"हे परभु, हूं थारा पाछे चलुंवां, पण
पेलां जावा दे के घर आळा से बिदई
लइ-यउं।"
६२पण ईसु ने उकासे क्यो, "कइंको बी
मनख जो अपणो हात हळ पे धरवा का
बाद पाछे फरिके देखे, परमेसर का राज
का लायक हयनी।"

ईसु ने सत्तर चेलाहुंण के मोकल्या

१० इका बाद परभु ने दूसरा बहत्तर[g]
मनख के तेड़्या अने उने अपणा
अगड़े-अगड़े दो-दो करिके हर नगर
अने जगा आड़ी मोकल्या जां उ खुदी
जावा वाळो थो। २† उने उणकासे क्यो,
"फसल तो नरी उबी, पण मजुर्‌याहुंण
की कमकोती हे। तो खेत का मालेख
से बिणती करो के उ अपणा खेत माय
मजुर्‌याहुंण मोकले। ३† जाव! देखो हूं
तमारे मेमणाहुंण जसा बरगड़ाहुंण का
माय मोकली र्‌यो हूं। ४† अपणा गेले नी
तो बटवो, नी झोळो अने नी पन्निहुंण
राखो, अने रस्ता माय कइंका के परणाम
बी मती करो। ५जेना घर भित्तरे जाव,
पेलां कई दो, 'इना घर माय सान्ती बणी
रे।' ६अगर वां कईं को सान्ती का लायक
होय तो तमारी सान्ती उका पे बणी रेगा,

---

[e] **९.५४** थोड़ाक मूळ माय इके जोड़्यो हे असो एलियाह ने कर्‌यो थो ।
[f] **९.६०** मुरदाहुंण के मुरदा गाड़वा दे !; या "पिताजी का गेले रेवा से अच्छो हे के तू म्हारा गेले-गेल चल्यो-चल"।
[g] **१०.१** 72; बहत्तर ; थोड़ाक मूळ माय असो हे ७०।
† **९.५४:** २ राजा १.९-१६ † **९.६१:** १ राजा १९.२० † **१०.२:** मत्ती ९.३७–३८
† **१०.३:** मत्ती १०.१६ † **१०.४–११:** मत्ती १०.७–१४; मरकुस ६.८–११; लूका ९.३–५

नी तो तमारा कने वा सान्ती पाछी अई
जायगा। ७† उणाज घरे रो, अने जो कंई
वी तमारे दे उकेज खाव अने प्यो, क्योंके
मजुर्‌या के मजुरी जरुर मिळनी चावे।
घरे-घर मती फर्‌या करो, ८जेना नगर
माय बी जाव, जदे वी तमारी आव-भगत
करे तो जो कंई तमारा सामे धर्‌यो-जाय
उज खाव। ९वां जो बेमार रे उणके नज
करो, अने उणकासे को, के परमेसर को
राज तमारा कने अई ग्यो। १०† पण जेना
नगर माय तम जाव अने लोग तमारी
आव-भगत नी करे तो उणकी सेरी-
गळिहुंण माय जई के को, ११'तमारा बिरोद
माय हम नगर का उना धूळा के जो
हमारा पग माय चोंटी ग्यो हे, झटकारी
र्‌या हे। फेर बी यो पक्को जाणी लो के
परमेसर को राज कने अई ग्यो हे।' १२†
हूं तमार से कूं के उना दन जदे परमेसर
न्याव करेगा सदोम नगर की दसा उना
नगर से कइंज बड़ी के सेणे लायक रेगा।"

तीन नगर माय का लोगहुंण ने पसतावो नी कर्‌यो

(मत्ती ११.२०-२४)

१३† "हे खुराजीन नगर, हे बेतसेदा
नगर तमार पे हाय। जो अचरज भर्‌या
काम तमारा माय कर्‌या ग्या सूर अने
सेदा नगर माय कर्‌या जाता तो - टाट
ओड़ी के अने राखोड़ा पे बेठिके[h] कदका
मन बदळी लेता। १४पण न्याव का दन
सूर अने सेदा नगर की दसा तमार से
कइंज जादा सेणे लायक रेगा। १५† हे
कफरनहूम नगर, तू कंई सरग तक
अदरे उठाड़्यो जायगा? तू तो नरक
तक निच्चो कर्‌यो जायगा!

१६† तो उने चेलाहुंण से क्यो, "उ
जो तमारी सुणे, उ म्हारी सुणे। अने
जो तमारे ओछो जाणे उ म्हारे ओछो
जाणे। अने जो म्हारे ओछो जाणे उ
परमेसर के ओछो जाणे जेने म्हारे
मोकल्यो।"

बहत्तर चेलाहुंण आनन्द करता होया पाछा आया

१७वी बहत्तर[i] हंसी-खुसी माय पाछा
आया अने केवा लाग्या, "हे परभु यां
तक के बायरबादाहुंण बी थारा नाम से
हमारा बस माय हे।"

१८तो ईसु ने उणकासे क्यो, "हूं
सेतान के गाज सरीको असमान से
धरती पे पड़तो देखी र्‌यो थो। १९† देखो,
म्हने तमारे सरपहुंण अने बिच्छुहुंण के
डोंचवा अने सेतान जसा दुसमन की
सगळी सामरत पे हक द्‌यो हे। तो
कईं को तमारे नुकस्यान नी पोंचायगा।
२०फेर बी इनी बात से खुस मती होव

---

[h] **१०.१३** टाट ओड़ी के अने राखोड़ा पे बेठिके ; दुःख परगट करवा को एक तरीको ।
[i] **१०.१७** बहत्तर ; मूळ माय ७० (१ आयत देखो)।
† **१०.७:** १ कुरिन्थिहुंण ९.१४; १ तीमुथियुस ५.१८ † **१०.१०–११:** परेरितहुंण १३.५१
† **१०.१२:** उत्पत्ती १८.१६-१९.१-२१
† **१०.१३:** यसायाह २३.१–१८; यहेजकेल २६.१—२८.२६; योएल ३.४–८; आमोस १.९–१०; जकरियाह ९.२–४
† **१०.१५:** यसायाह १४.१३–१५ † **१०.१६:** मत्ती १०.४०; मरकुस ९.३७; लूका ९.४८; योहन १३.२०
† **१०.१९:** भजन संहिता ९१.१३

के बायरबादाहुंण तमारा बस माय हे,
पण इनी बात से खुस रो के तमारा
नाम परमेसर ने सरग माय लिख्या
हे।"

ईसु को आनन्द

(मत्ती ११.२५-२७; १३.१६-१७)

२१उनीज घड़ी उ पवित्तर आतमा माय[j]
घणो खुस होयो, अने उने क्यो, "हे
पिता, सरग अने धरती का परभु, हूं थारी
इसतुती करूं के तने अकलमंदहुंण अने
ज्ञानवानहुंण से इनी बातहुंण के छिपाड़ी
राखी पण बाळकहुंण पे परगटी हे। हां, हे
पिता, योज थारे भायो।"

२२[†] तो ईसु लोगहुंण से केवा लाग्यो,
"म्हारा पिता ने म्हारे सगळो-कंई दई
द्यो हे। सिरप पिता का अलावा कईं
को नी जाणे के हूं बेटो कुंण हूं, अने
सिरप हूं बेटा का अलावा कईं को नी
जाणे के पिता कुंण हे। अने सिरप
उज जाणे जेका पे हूं खुद परगट
करनों चउं।"

२३तो चेलाहुंण आड़ी फरिके उने
उणकासे छाने से क्यो, "धन्य हे वी
आंखहुंण जो इनी बातहुंण के देखे,
जिणके तम देखो हो, **२४**क्योंके हूं
तमार से कूं के तम जेनी बातहुंण
के देखो हो उणके नरा नबिहुंण अने
राजाहुंण ने देखणो चायो पण नी
देख्यो, अने उनी बातहुंण के सुणनो
चायो जिणके तम सुणो हो पण नी
सुण्यो।

म्हारो पड़ोसी कुंण?

२५[†] देखो, मूसा का नेम-बिधान को
एक जाणकार उठ्यो अने यो कई के ईसु
के परखवा लाग्यो, "हे गरु, हमेस्या का
जीवन को हक पावा सरु हूं कंई करूं?"

२६ईसु ने उकासे क्यो, "मूसा का नेम-
बिधान माय कंई लिख्यो हे? तू कसे
बांची के समजे?"

२७[†] उने जुवाब द्यो, "तू परभु अपणा
परमेसर से अपणा सगळा हिरदा, सगळा
पराण, सगळी सामरत, अने सगळी बुध्दि
से परेम राख अने अपणा पड़ोसी से
अपणा सरीको परेम राख।"

२८[†] तो उने उकासे क्यो, "तने अच्छो
जुवाब द्यो। योज कर तो तू जीवतो
रेगा।"

२९पण उने खुद के सई ठेरावा सरु ईसु
से पुछ्यो, "म्हारो पड़ोसी कुंण?"

३०ईसु ने जुवाब द्यो, "एक मनख
यरुसलेम से यरीहो नगर आड़ी जई र्यो
थो, के उके डकेतहुंण ने घेरिल्यो। उणने
उके नांगो-पुंगो करी लाख्यो, मार्यो
कुट्यो अने अधमर्यो करिके चल्या ग्या।
३१संजोक से एक पुरोहित उनी बाट जई
र्यो थो अने जदे उने उके देख्यो तो
कतरई के चल्यो ग्यो। **३२**असीज तरा
एक लेवी[k] पंडित बी वय्यांड़ी से हिट्यो

---

[j] **१०.२१** पवित्तर आतमा माय ; मूळ माय असो आतमा माय; दूसरी जगा उकी आतमा माय ।

[k] **१०.३२** लेवी ; याकूब का बारा बेटाहुंण माय से एक, यो परवार मन्दर माय पुरोहित की मदद करवा वाळो ।

[†] **१०.२२:** योहन ३.३५, १०.१५ [†] **१०.२५–२८:** मत्ती २२.३५–४०; मरकुस १२.२८–३४

[†] **१०.२७:** नेम-बिधान ६.५ लेव्यव्यवस्था १९.१८ [†] **१०.२८:** लेव्यव्यवस्था १८.५

अने मुन्डो फेरी के चल्यो ग्यो। ३३† पण
एक सामरी[1] बी जो जातरा करी र्‌यो थो
वां अई ग्यो। जदे उने उके देख्यो तो
दया से भरी ग्यो। ३४उने कने जई के
उका घावहुंण पे तेल अने दाखरस रेड़ी
के उणका पे पाटा बान्द्‌या। अने उके
अपणी सवारी पे चड़ई के सराय माय
लइ-यायो जां उने उकी सेवा-चाकरी करी।
३५दूसरा दन उने दो चांदी का सिक्का
हेड़ी के सराय वाळा के दई ने क्यो,
'इकी सेवा-चाकरी करजो। इका से बत्ती
जो खरचो आय, हूं पाछो आवा पे चुकई
दूंवां।' "

३६तो ईसु ने नेम-बिधान का जाणकार
से क्यो, "थारा बिचार से इना तीनीज
माय से उना मनख को पड़ोसी कुंण
परमाणित होयो जो डकेतहुंण का हत्ते
चड़ी ग्यो थो?"

३७उने क्यो, "उज जेने उका पे दया
करी।"

ईसु ने उकासे क्यो, "जा, तू बी असोज
कर।"

ईसु, मारथा अने मरियम का घरे

३८† जदे ईसु अने उका चेलाहुंण चल्या
जई र्‌या था तो उ एक गांम माय दाखल
होयो, अने मारथा नामकी एक बइरा ने
उके अपणा घरे ठेराड़्यो। ३९उकी एक
बेन थी जेको नाम मरियम थो जो परभु
का पग कने बेठिके उको बचन सुणी
री थी। ४०पण मारथा सेवा करी-करिके
चिड़ी उठी अने उने उणका कने अई के

मरियम अने मारथा (LUK १०.३९)

क्यो, "हे परभु, कंई थारे फिकर हयनी
के म्हारी बेन ने सेवा-चाकरी सरु म्हारे
एखली छोड़ी राखी हे? उकासे कइदे के
वा म्हारी मदद करे?"

४१पण परभु ने जुवाब द्‌यो, "मारथा,
अरे मारथा! तू नरी बातहुंण सरु फिकर
करे अने घबरई री हे। ४२पण सांची माय
एकज बात जरुरी हे, अने मरियम ने
उना खास हिस्सा के छांटी ल्यो, जो
उकासे छुड़ायो नी जायगा।"

परभु की पराथना

(मत्ती ६.९-१३; मरकुस ७.७-११)

११ फेर असो होयो के ईसु कइंकी जगा
पे पराथना करी र्‌यो थो। जदे उ
पराथना करी चुक्यो तो उका चेलाहुंण
माय से कइंका एक ने उकासे क्यो, "हे
परभु, जसे योहन ने अपणा चेलाहुंण के
पराथना सीखाड़ी, तू बी हमारे सीखाड़।"

---

[1] **१०.३३** सामरी ; यहूदी इणकासे नफरत करता था क्योंके सामरी लोगहुंण निच्ची जात का था ।
† **१०.३३–३४:** २ इतयास २८.१५ † **१०.३८–३९:** योहन ११.१

२उने उणकासे क्यो, "जदे तम पराथना
करो तो को:
'हे पिता,
थारो नाम पवित्तर मान्यो जावे,
थारो राज आय।
३ हमारे दन-भर का रोटा[m] हर दन
द्या कर
४ हमारा पापहुंण के मांफ कर,
क्योंके हम बी अपणा हर
कसुरवार के मांफ करां हे।
अने हमारे अजमाइस माय मती
लाख।' "
५ईसु ने उणकासे क्यो, "मानी लो
तमारा माय से कइंका एक को दोस रे,
अने उ आदी रात माय अई ने के, 'हे
दोस, म्हारे तीन रोटाहुंण दई दे; **६**क्योंके
म्हारो एक दोस जातरा करतो होयो म्हारा
कने आयो हे, अने उके खवाड़वा सरु
म्हारा कने कइंज हयनी।' **७**पण दोस
भीत्तर से जुवाब दई के, के 'म्हारे मती
सताड़; कमांड़ लागी चुक्यो अने म्हारा
बाळकहुंण म्हारा गेले बिछावणा पे हे। हूं
उठी के थारे कइंज नी दई सकूं।' **८**हूं थार
से कूं, हालाके दोस होवा की वजासे उ नी
उठे अने उके कइंज नी दे, फेर बी उकी
घणी याचना करवा पे उ उठी के जितरी
उके जरुवत हे दई देगा।
९"हूं तमार से कूं, मांगो तो तमारे
मिळेगा; ढुंडो तो तमारे लादेगा;
खटखटाड़ोगा तो तमारा सरु खोल्यो
जायगा। **१०**क्योंके जो कईं को मांगे,
उके मिळे; अने जो ढुंडे, उ पाय; अने
जो खटखटाड़े उका सरु खोल्यो जायगा।
११तमारा माय से कुंण असो बाप रेगा के
जदे उको बेटो मच्छी मांगे तो मच्छी
का बदळा माय सरप दे? **१२**या इण्डो
मांगे तो उके बिच्छु दे? **१३**तो जदे तम
बुरा हुई के अपणा बाळकहुंण के भली
चीजहुंण देणो जाणो, तो तमारो सरग
पिता उणके जो उकासे मांगे हजु पवित्तर
आतमा कायसरु नी देगा?"

बायरबादा के हेड़वा वाळो ईसु

(मत्ती १२.२२-३०; मरकुस ३.२०-२७)

१४फेर ईसु एक बायरबादा के हेड़वा
लाग्यो जो गुंगी थी। अने असो होयो के
जदे बायरबादा हिटी गी तो गुंगो बोलवा
लाग्यो। अने भीड़ के घणो अचरज होयो।[n]
१५[†] पण उणका माय से थोड़ाक ने क्यो,
"उ तो बायरबादाहुंण के बालजबूल याने
बायरबादाहुंण का परधान की मदद से
हेड़े हे।"
१६[†] दूसरा थोड़ाक लोगहुंण ने उके
अजमाणे सरु उकासे असमान की
एक निसाणी मांगी। **१७**पण उ उणका
बिचारहुंण के जाणतो थो! तो उणकासे
क्यो, "जेना राज माय एको नी रे उ
उजड़ी जाय, अने जेना घरे एको हयनी
उ नास हुई जाय। **१८**अगर सेतानीज
खुद अपणो बिरोदी हुई जाय तो उको

---

[m] **११.३** दन-भर का रोटा; या हमारी जरुवत का मुजब भोजन या दूसरा दन सरु भोजन।

[n] **११.१४** घणो अचरज होयो; क्योंके लोगहुंण मानता था के जो अचरज का काम करे उके बायरबादाहुंण को नाम जाणे हे। पण यो गुंगो थो तो ईसु बायरबादा को नाम नी पुछी सकतो थो। फेर बी ईसु ने उना मनख माय से बायरबादा हेड़ी लाखी।

[†] **११.१५:** मत्ती ९.३४, १०.२५ [†] **११.१६:** मत्ती १२.३८, १६.१; मरकुस ८.११

राज कसे ठेरी सके? क्योंके तम गलत
को हो के हूं बालजबूल की मदद से
बायरबादाहुंण के हेड़ुं हूं। १९तो अगर हूं
बालजबूल की मदद से बायरबादाहुंण के
हेड़ुं तो तमारा चेलाहुंण केकी मदद से
हेड़े हे? इकासरु वीज तमारा न्यावी रेगा
के तम सई हो के गलत। २०पण हूं
परमेसर की मदद से बायरबादाहुंण हेड़ुं,
तो परमेसर को राज तमारा कने अई
ग्यो हे।

२१"जदे एक ताकतवर मनख सगळा
हतियार बान्दी के अपणा घर को नेपो
करे तो उकी सम्पत्ती बची रे। २२पण जदे
उकासेज ताकत वाळो कईं को मनख
उका पे चड़ई करिके उके हरई के, अने
उका सगळा हतियार जिणका पे उके
भरोसो थो छुड़ई ले, अने धन-सम्पत्ती
लुटी के बांटी लाखे हे।

२३† "उ जो म्हारा गेले हयनी म्हारो
बिरोदी हे, अने उ जो म्हारा गेले परमेसर
सरु लोगहुंण के भेळा नी करे, उ परमेसर
से दूरो करे हे।

बायरबादा को पाछो आणो

(मत्ती १२.४३-४५)

२४"जदे बायरबादा मनख माय से हिटे
हे तो अराम की तलास सरु सुनसान
जगा से हुई ने निकळे। जदे उके कइंकी
जगा नी मिळे तो के हे, 'हूं जेना घर से
हेड़ी गी थी उका मायज पाछी जउंवां।'
२५जदे वा वां पोंची तो उके झाड़यो-
बुखार्‌यो अने सज्यो पायो। २६तो वा
अपणा सेज बुरी सात हजु बायरबादाहुंण
के अपणा गेले लइ-याय हे अने उका
माय भरई के बसी जावे। अने उना मनख
की पाछली दसा पेलां से बी बुरी हुई
जावे!"

उ जो सांची माय खुस हे

२७असो होयो के जदे उ या बात
कइंज र्‌यो थो तो भीड़ माय से एक
बइरा ने जोर से हेलापाड़िने उकासे
क्यो, "धन्य हे थारी वा मेतारी जेका
गरभ माय तू र्‌यो अने जेको दूद तने
धायो।"

२८पण उने क्यो, "इका बदळे धन्य हे
वी जो परमेसर का बचन सुणे अने उके
पाळे हे।"

लोगहुंण के अचरज की सेलाणी की चायना

(मत्ती १२.३८-४२)

२९† जसी-जसी भीड़ बड़्या जई री थी
उ केवा लाग्यो, "या बुरी पीड़ी हे क्योंके
या अचरज की सेलाणी की हेर माय रे,
फेर बी इके योना नबी का अलावा कइंकी
दूसरी सेलाणी नी दई जायगा। ३०† जसो
योना नीनवे म्हानगर का लोगहुंण सरु
सेलाणी बण्यो° असोज हूं मनख को बेटो
बी इनी पीड़ी का लोगहुंण सरु बणुंवां।

° **११.३०** योना नीनवे म्हानगर का लोगहुंण सरु सेलाणी बण्यो; योना तीन दन तक मच्छी का पेट माय र्‌यो, अने उका बाद योना ने नीनवे जो म्हानगर थो परचार कर्‌यो (योना ३.४,५)। उकाज सरीको तीन दन तक कबर माय रई के ईसु जीवतो हुई जायगा; यो साबित करवा सरु के परमेसर की सामरत ईसु का साते हे जेने परचार कर्‌यो।

† **११.२३:** मरकुस ९.४० † **११.२९:** मत्ती १६.४; मरकुस ८.१२ † **११.३०:** योना ३.४

३१† दक्खणव दिसा की राणी न्याव का
दन इनी पीड़ी का लोगहुंण का गेले
उबी हुई के उणका पे आरोप लगाड़ेगा,
क्योंके वा धरती का छोर से सुलेमान
को ज्ञान सुणवा अई, पण देखो, यां उ
हे जो सुलेमान से बी मोटो हे। **३२**†
न्याव का दन नीनवे का लोग इनी पीड़ी
का लोगहुंण का गेले उबी के उणका पे
आरोप लगाड़ेगा, क्योंके उणने योना को
परचार सुणी के मन बदळ्यो, अने देखो,
यां उ हे जो योना से बी मोटो हे।

काया को उजाळो

(मत्ती ५.१५; ६.२२-२३)

३३† "कइंको दीयो बाळी के तळघर
माय नी धरे, नी टोपली का निच्चे राखे,
पण उके दीवट पे राखे के आवा वाळा के
उजाळो मिळे।[p] **३४**थारी काया को दीयो
थारी आंख हे। जदे थारी आंख सुद्द हे तो
थारी काया बी पूरण तरा उजळी रे, पण
जदे वा बुरी हे तो थारी काया बी पूरण
तरा इन्दारी हुई जावे हे। **३५**तो होसियार
रो के उजाळो इन्दारो नी बणी जाये।
३६इकासरु अगर थारी पूरण काया उजाळा
से उजळी रे अने कइंकाज हिस्सा माय
इन्दारो नी रे तो उ पूरो वसोज उजळो
रेगा, जसतरा दीयो, जसो दीयो अपणा
उजाळा से थारे उजाळो दे हे।[q]

ईसु ने छेः; कारण बताड़्या यहूदिहुंण का धारमिक नेताहुंण के सजा देवा का

(मत्ती २३.१-३६; मरकुस १२.३८-४०)

३७जदे ईसु ने बोलनो खतम कर्‌यो तो
एक फरीसी ने उके अपणा गेले जिमवा
सरु नोत्यो। उ भित्तरे जई के जिमवा
सरु बेठ्‌यो। **३८**ईसु रीति मुजब जिमवा से
पेलां सांपड़्यो हयनी इकासरु फरीसी ने
यो देख्यो तो उके अचरज होयो। **३९**पण
परभु ने उकासे क्यो, "हे फरीसिहुंण, तम
कटोरा अने परात के बायरे से तो मांजो
हो, पण तमारा भित्तरे डाकूपणो अने बुरई
भरी हे। **४०**हे मूरखहुंण, जेने बायरे को
हिस्सो बणायो, तो कंई उने भित्तरे को
हिस्सो नी बणायो? **४१**पण जो भित्तरे
को हे उके दान करी दो तो तमारा सरु
सगळो कंई सुद्द हुई जायगा।[r]

४२† "पण हे फरीसिहुंण, तमार पे हाय!
क्योंके तम पोदिनो अने सुदाब अने नरी-
तरा का साग-पातहुंण को दसवों हिस्सो
तो दो पण न्याव अने परमेसर का परेम
के टाळी लाखो हो। होणो तो यो थो के
इणके बी करता रेता अने उणके बी नी
टाळता।

४३ "हे फरीसिहुंण, धिक्कार हे तमार
पे! क्योंके तमारे पराथनाघरहुंण माय
सामे की जगा माय बेठणो अने हाट-

---

[p] **११.३३** उजाळो मिळे; यूनानी माय सच्चई मिळे। [q] **११.३४-३६** उजाळा; ईसु को इना उजाळा का मिसाल से यो अरथ हे के, अगर मनख को बिसास ईसु का परबचन पे हे तो उकी आखी जिनगी माय उजाळो अने सच्चई रे हे। [r] **११.४१** सगळो कंई सुद्द हुई जायगा; तमारा हिरदा माय गरीब-गुरबा सरु परेम से मदद करवा को भाव रे तो तमारी आखी काया साफ रेगा, अने परमेसर बी मानेगा।

† **११.३१:** १ राजा १०.१–१०; २ इतयास ९.१–१२ † **११.३२:** योना ३.५

† **११.३३:** मत्ती ५.१५; मरकुस ४.२१; लूका ८.१६ † **११.४२:** लेव्यव्यवस्था २७.३०

बजार माय मान भर्‌यो परणाम भलो
लागे हे। ४४धिक्कार तमार पे! क्योंके
तम उण नगे नी आवा वाळी कबर[s]
सरीका हो, जिणका पे मनख अण्जाण्या
माय चल्या-फिरे।"

४५तो नेम-बिधान का जाणकारहुंण
माय से एक ने जुवाब द्‌यो, "हे गरु,
असो कई के तू हमारोज मान पाड़े हे।"

४६पण उने क्यो, "धिक्कार हे तम
नेम-बिधान का जाणकारहुंण पे! क्योंके
तम मनखहुंण के असा बजन से दबाव,
जेके उठाड़णो अबगो हे हालाके तम खुद
उना बजणहुंण के अंगळी लगाणो नी
चावो। ४७धिक्कार तमार पे! क्योंके तम
उण नबिहुंण की कबर बणाव जिणके
तमाराज पूरखाहुंण ने मारी लाख्या था।[t]
४८इकासरु तमीज गवा हो अने अपणा
पूरखाहुंण का काम से तम राजी हो।
क्योंके उणने तो उणके मारी लाख्या
था अने तमने उणकी कबरहुंण बणई।
४९इनी वजासे परमेसर की बुध्दि ने क्यो,
'हूं उणका कने नबिहुंण अने परेरितहुंण
के मोकलुंवां, उणका माय से थोड़ाक के
मारी लाखेगा अने थोड़ाक के सताड़ेगा।'
५०जेकासे के जगत का सुरु सेज जितरा
नबिहुंण को लोई बिवाड्‌यो उको लेखो
परमेसर इनी पीड़ी का मनखहुंण से
लेगा। ५१याने हाबिल का लोई[†] से लई
के तो जकरियाह का लोई तक को लेखो,
जेकी हत्या परमेसर का भवन अने बेदी
का बीच माय करी गी थी। हां, हूं कूं के,
इनी पीड़ी का मनखहुंण से लेखो ल्यो
जायगा।

५२"धिक्कार हे तम नेम-बिधान का
जाणकारहुंण पे! क्योंके तमने परमेसर
का ज्ञान की कुन्ची छुड़ई ली। तम खुद
तो भित्तरे नी ग्या अने जो जावा की करी
र्‌या था उणके बी रोक्या।"

५३जदे उ वां से चल्यो ग्यो तो फरीसी
अने सासतरी काठा बिरोद करता होया
नरी बातहुंण का बारामें उकासे बारीकी
से सवाल करवा लाग्या, ५४अने उका सरु
कुचक्कर रचवा लाग्या के उकाज मुन्डा
की बात से उके फांसे।

ढोंगी मती बणो

(मती १०.२६-२७)

१२ [†] असा हाल माय जदे हज्जारों
लोगहुंण की बड़ीमेक भीड़ भेळी
हुई गी थी, यां तक के वी एक दूसरा का
अदरे पड़ी र्‌या था तो सगळा से पेलां
उने अपणा चेलाहुंण से केणो सुरु कर्‌यो,
"फरीसिहुंण का खमीर याने उणका कपट
से होसियार री जो। २[†] जो कइंज ढांक्यो
होयो हे उ खोल्यो जायगा। अने जो कंई
छिप्यो हे उ जाण्यो जायगा। ३इकासरु
जो कंई तमने इन्दारा माय क्यो, उ
उजाळा माय सुण्यो जायगा, अने जो कंई

---

[s] **११.४४** नगे नी आवा वाळी कबर; अदरे से बरोबर, याने मनख बायरे से तो भलो पण भित्तरे खराब जसे के कबर। [t] **११.४७** तमाराज पूरखाहुंण ने मारी लाख्या था; यहूदिहुंण नबिहुंण की कबर तो अच्छी बणाव अने उणको मान बी राखो, पण सांची माय उणका हुकम के जो परमेसर को हुकम हे, नी माने हे। तो यहूदिहुंण बी अपणा पूरखाहुंण का गेले नबिहुंण के घात करवा माय सेमत हे।

[†] **११.५१:** उत्पत्ती ४.८-२ इतयास २४.२०-२१ [†] **१२.१:** मत्ती १६.६; मरकुस ८.१५

[†] **१२.२:** मरकुस ४.२२; लूका ८.१७

तमने भित्तरे घर माय फुसफुसई के क्यो,
उ छत अदरे से परचार कर्‌यो जायगा!

सिरप परमेसर से डरो

(मत्ती १०.२८-३१)

४"म्हारा दोस सुणो, हूं तमार से कूं,
उणकासे मती डरो जो तमारी काया के
नास करे पण इका पाछे हजु कइंनी करी
सके। **५**हूं तमारे चेतउं के किकासे डरणो
चाय: उकासे डरो जेके यो हक हे के
मारवा का बाद नरक माय लाखे। हां हूं
तमार से कूं के उकासेज डरो!
६"कंई दो पइसा माय पांच चिरकलिहुंण
नी बिके? फेर बी परमेसर उणका माय
से कइंकी केज नी बिसारे। **७**पण सांची
माय तमारा माथा का सगळा बाल बी
गिण्या होया हे। घबराव मती! तम नरी
चिरकलिहुंण से बड़ा मोलका हो।

ईसु की वजासे लजाओ मती

(मत्ती १०.१९-२०, ३२-३३; १२.३२)

८"हूं तमार से कूं जो मनखहुंण का
सामे म्हारे मानी लेगा, हूं मनख को बेटो
बी उके परमेसर का सरगदूतहुंण का सामे
मानी लुंवां। **९**पण जो मनखहुंण का सामे
म्हारे नी माने, उके हूं बी परमेसर का
सरगदूतहुंण का सामे नी जाणूंवां।
१०[†] "हूं मनख का बेटा का बिरोद माय
जो एक बी सबद् बोले, उको कसूर मांफ
कर्‌यो जायगा। पण जो पवित्तर आतमा
की निंदा करे हे, उको कसूर मांफ नी
कर्‌यो जायगा।
११[†] "जदे वी तमारे पराथनाघर,
सासकहुंण अने हाकिमहुंण का सामे लई
जाय तो इनी बात की फिकर मती करजो
के अपणे बचने सरु तमारे कसो अने कंई
जुवाब देणो चइये, या कंई केणो चइये,
१२क्योंके पवित्तर आतमा तमारे उनीज
बखत सीखाड़ेगा के कंई केणो चाव हो।"

धणी मूरख

१३भीड़ माय से कइंका ने ईसु से क्यो,
"हे गरु, म्हारा भई से के, के म्हारा
पिताजी का धन के म्हारा गेले बांटी ले।"
१४पण उने उकासे क्यो, "हे भई, केने
म्हारे तमारो न्यावी अने बांटो करावा
वाळो बणायो?" **१५**तो फेर ईसु ने भीड़
से क्यो, "होसियार! हरतरा का लोभ से
होसियार रो। क्योंके धन की बड़ती होवा
पे बी कइंका को जीवन उका धन का
भरोसे आनन्द से नी चले।
१६तो उने उणके एक मिसाल दई के
क्यो, "धणी मनख की जमीन माय
अच्छी पादरी[u] अई। **१७**उ अपणा मन
माय यो बिचार करवा लाग्यो, 'हूं कंई
करूं? म्हारा कने गल्लो राखवा सरु तो
जगा हयनी।' **१८**उने क्यो, 'हूं असो करुंवां
के अपणा भण्डार्‌याहुंण तोड़ी के मोटा
भण्डार्‌याहुंण बणउंवां अने उका मायज
अपणो सगळो गल्लो अने धन धरुंवां।
१९जदे हूं अपणा जीव से कुंवां, 'हे म्हारा
जीव, थारा कने नरा बरसहुंण सरु गंज
धन भर्‌यो हे। चेन कर, खा पी अने
खुसी मना।' **२०**पण परमेसर ने उकासे

---

[u] **१२.१६** पादरी; फसल आणो।

[†] **१२.१०:** मत्ती १२.३२; मरकुस ३.२९ [†] **१२.११–१२:** मत्ती १०.१९–२०; मरकुस १३.११; लूका २१.१४–१५

क्यो, 'हे मूरख, आजज रात थारो जीव
थार से लई ल्यो जाय, तो जो कंई तने
भेळो कर्‌यो ठ केको रेगा?' "
२१ईसु बोल्यो, "असोज ठ मनख बी हे
जो अपणा बले धन तो भेळो करे पण
परमेसर की नगे माय धणी हयनी।"

परमेसर पे बिसास करो, सांसो मती करो

(मत्ती ६.२५-३४)

२२फेर ठने अपणा चेलाहुंण से क्यो,
"इनी वजासे हूं तमार से कूं, अपणा जीव
सरु यो कई के सांसो मती करो के हम
कंई खावांगां; नी काया सरु करो के कंई
पेरांगां। **२३**क्योंके जीव भोजन से, अने
काया लतरा से बड़ी के हे। **२४**कागलाहुंण
पे ध्यान धरो, क्योंके वी नी तो बोय,
नी काटे, अने नी ठणका कने भण्डारा
अने नी गुदाम हे। फेर बी परमेसर ठणके
खवाड़े हे। तम तो पखेरुहुंण से नरा मोल
का हो! **२५**तमारा माय असो कुंण हे जो
चिंता करिके अपणा जीव के एक घड़ी बी
बड़ई सके[v] हे? **२६**तो अगर तम नानो से
नानो काम बी नी करी सको तो दूसरी
बातहुंण को सांसो कायसरु करो हो? **२७**[†]
सोसन का रोपाहुंण पे ध्यान धरो के वी
कसे बदे। वी नी तो म्हेनत करे, नी
काटे। पण हूं तमार से कूं के सुलेमान
राजो बी अपणा आखा वेभव माय इणका
माय से कइंका एक का जसा लतरा नी
पेर्‌यो थो। **२८**तो अगर परमेसर चोगान
का चारा के जो आज हे अने काल भाड़
माय झोंक्यो जायगा असो पेराय, तो हे
कमबिसासिहुंण, ठ तमारे हजु कायसरु
नी पेरायगा।
२९"इनी बात की फिराक माय मती रो,
के हम कंई खावांगां अने कंई पियांगा,
इणका सांसा मेंज मती लाग्या रो।
३०क्योंके आखा जगत का अबिसासिहुंण
जो परमेसर के नी जाणे घणा जतन से
इनी सगळी चीजहुंण की तलास माय
लाग्या रे। पण तमारो पिता जाणे के
तमारे इनी चीजहुंण की जरुवत हे। **३१**तो
पेलां ठका राज के ढुंडो, तो ई सगळी
चीजहुंण बी तमारे दई दी जायगा।

सरग माय धन

(मत्ती ६.१९-२१)

३२"ऐ नाना झुंड, डरे मती! क्योंके
तमारा पिता ने खुस हुई के तमारे राज
देणो चायो। **३३**अपणी धन-सम्पत्ती बेची
के दान करी लाखो। अपणा सरु असा
बटवा बणाव जो जूना नी होय, याने
खतम नी होवा वाळो धन सरग माय
भेळो करो, जां नी तो चोळडो कने आय
अने नी ठके किड़ो लागे। **३४**क्योंके जां
तमारी धन-सम्पत्ती वांज तमारो हिरदो
बी लाग्यो रेगा।

जागता रो मालेख आवा वाळो हे

३५[†] "तमारी कमर कसी रे, अने तमारो
दीयो बळतो रे। **३६**[†] ठना दासहुंण सरीका
बणो जो अपणा मालेख के, जदे ठ ब्याव
माय जिमवा जई ने पाछो आवे तो

---

[v] **१२.२५** जीव के एक घड़ी बी बड़ई सके; या जीवन के लम्बो करी सके।
[†] **१२.२७:** १ राजा १०.४–७; २ इतयास ९.३–६ [†] **१२.३५:** मत्ती २५.१–१३
[†] **१२.३६:** मरकुस १३.३४–३६

बाट देखता रे के जदे अई के ने कमांड़
खटखटाड़े तो झट खोली दे। ३७धन्य हे
वी दास जिणके मालेख अई के सावधान
पाय; हूं तमार से खास बात कूं के उ
अपणी कमर कसी के उणकी सेवा करेगा
अने उणके जिमवा बेठाड़ेगा अने खुद अई
के परोसेगा। ३८चाय उ आदी राते आय
या परोड़े आवा पे उणके चोकन्ना पाय
तो वी दास धन्य हे। ३९† "यो पक्को
जाणो के अगर घर-मालेख जाणी जाय
के चोळडो कां का बखत आयगा तो उ
अपणा घरे खाद नी लगावा देतो। ४०तम
बी तय्यार रो, क्योंके हूं मनख को बेटो
उनी घड़ी अई र्‌यो हूं जेका बारामें तम
सोंचीज नी सको।"

बिसासी अने अबिसासी दास

(मत्ती २४.४५-५१)

४१तो पतरस ने क्यो, "हे परभु, कंई
तू या मिसाल सिरप हमार सेज कई र्‌यो
हे या सगळा मनखहुंण से?"
४२परभु बोल्यो, "असो बिसासी अने
समज वाळो भण्डारी कुंण? उ जेके उको
मालेख अपणा दासहुंण पे हाकिम ठेराय
के, उ उणके ठीक बखत पे सीदो दे।
४३धन्य हे उ मुनीम जेके उको मालेख
जदे उ आय तो असोज करतो पाय। ४४हूं
तमार से खास बात कूं के उ अपणी
सगळी धन-सम्पत्ती पे उके हाकिम
ठेरायगा। ४५पण अगर उ मुनीम अपणा
हिरदा माय यो के हे, 'म्हारो मालेख घणी
देर से आयगा,' अने दासहुंण के मारवा-
कुटवा लागे अने खई-पीके नसा माय चूर
पड़्यो रे, ४६तो उना मुनीम को मालेख
उना दन जदे उ बाट बी नी जोय, अने
उनी घड़ी जेके उ नी जाणे, अई जायगा।
अने काठी सजा दई के[w] उके हुकम नी
मानवा वाळा कमबिसासिहुंण का गेले
राखेगा[x]

४७"उ मुनीम, जो अपणा मालेख की
मरजी जाणतो थो, पण जेने तय्यार हुई
के उकी मरजी का मुजब काम नी कर्‌यो
घणी चाबुक खायगा। ४८पण जो सेवक
अपणा मालेख की मरजी नी जाणतो
थो, पण गलती तो करी, तो उके चनिक
मार पड़ेगा। जेके घणो द्‌यो उकासे घणो
मांग्यो जायगा। अने जेके नरो समळायो,
उकासे नरो ल्यो जायगा।

ईसु की वजासे लोगहुंण माय बिरोद

(मत्ती १०.३४-३६)

४९"हूं धरती पे बिरोद की भस्ती
लगावा आयो हूं अने म्हारी घणी मरजी
हे के वा अबी से लागी जाय। ५०† पण
म्हारे एक बपतिसमो लेणो हे याने दुःख
उठाड़णो हे। जदत्तक उ पूरण नी हुई जाय
हूं कसी भेम माय पड़्यो हूं! ५१तम कंई
सोंची र्‌या, के हूं धरती पे मेळ-मिळाप
करावा आयो हूं? पण हूं तमार से कूं
मेळ-मिळाप नी, पण मुण्डामुण्ड करवा
आयो हूं। ५२क्योंके अब से जेना घर
माय पांच जणा रेगा उणका माय आपसी
बिरोद रेगा, तीन, दो का अने दो तीन
को बिरोद करेगा। ५३† वी एक दूसरा का

---

[w] **१२.४६** काठी सजा दई के; या बायरे फेंकी लाखेगा। [x] **१२.४६** कमबिसासिहुंण का गेले राखेगा; या कमबिसासिहुंण के सजा मिळेगा।

† **१२.३९–४०:** मत्ती २४.४३–४४ † **१२.५०:** मरकुस १०.३८ † **१२.५३:** मीका ७.६

बिरोदी रेगा। बाप बेटा को अने बेटो बाप
को, मेतारी बेटी की अने बेटी मेतारी की,
सासु बउ की अने बउ सासु की बिरोदी
रेगा।"

बखत के अनमोल जाणो

(मत्ती १६.२-३)

५४उने भीड़ से बी क्यो, "जदे तम
आथणूं आड़ी बादळा उठता देखो हो तो
झट को हो 'बरसात होयगा' अने असोज
होय हे। **५५**जदे तम दक्खणवी बायरो
चलतो देखो तो को हो 'घणो तपेगा' अने
असोज होय। **५६**हे ढोंगीहुंण! तम धरती
अने असमान का रुप माय भेद पाड़ी
सको, पण जो काम म्हने कर्‌या उणका
बारामें कायसरु भेद करनों नी जाणो?

बेरी से मिळाप

(मत्ती ५.२५-२६)

५७"अबे तम अच्छो फेसलो कायसरु
नी करो हो? **५८**जदे तू अपणा बेरी
का गेले न्यावलय तक जाय, तो बाट
मायज उका गेले समजोतो करवा की
कोसिस कर। असो नी होय के उ थारे
न्यावधीस का सामे घसीटी के लई जाय
अने न्यावधीस थारे सिपई का हात माय
दई दे अने सिपई थारे जेळ माय लाखी
दे। **५९**हूं थार से कूं के समजोतो करी ले
नितो जदत्तक तू पई-पई नी चुकई देगा,
वां से छुटी नी सकेगा।"

अपणा पाप से फरो नी तो मरोगा

१३ उनीज बखत वां थोड़ासा लोगहुंण
अई ग्या था, जिणने उके उना
गलीलिहुंण का बारामें बताड़्यो जिणको
लोई पिलातुस ने उणकी बलिहुंण का
गेलेज मिळई द्‌यो थो। **२**ईसु ने जुवाब
देतो होयो क्यो, "कंई तम समज्या हो
के ई गलीली दूसरा सगळा गलीलिहुंण
से जादा पापी था के उणको यो हाल
होयो? **३**हूं तमार से कूं असो नी हे!
पण जदत्तक तम हिरदो नी बदळो तम
सगळाज असाज खतम हुई जावगा। **४**या,
तम समजो हो के वी अठ्ठारा जणा
जिणका पे सीलोह को गुमंच रड़क्यो अने
कुचई के मरी ग्या, कंई वी यरुसलेम
माय रेवा वाळाहुंण से जादा कसुरवार
था? **५**हूं कूं असो नी, पण जदत्तक तम
हिरदो नी बदळो तम सगळाज असाज
खतम हुई जावगा।"

अंजीर का झाड़ की मिसाल।

६ईसु या मिसाल देवा लाग्यो: "कइंका
मनख ने अंगूर का बगीचा माय एक
अंजीर को झाड़ बी लगाड़ी राख्यो थो।
उ उका माय फळ ढुंडवा आयो पण उके
कइंनी मिळ्यो। **७**तो उने मांळी से क्यो,
'देख तो, हूं तीन बरस से इना अंजीर का
झाड़ माय फळ ढुंडवा अउं हूं, पण कइंनी
लाद्‌यो। इके काटी लाख! यो यूंज जमीन
के घेरी र्‌यो हे।' **८**पण मांळी ने उके
जुवाब द्‌यो, 'मालेख, इना बरस बी इके
रेवा दे। हूं इका चारी-मेर खोदी के खाद
लाखुंवां। **९**अगल्या बरस अगर यो फळ
दे तो ठीक, नितो इके काटी लाखजे।' "

कुबड़ी बइरा के सुदी करनों

१०ईसु सबत् का दन एक पराथनाघर
माय परबचन दई र्‌यो थो। **११**देखो, वां
एक बइरा जेके अठ्ठारा बरस से एक

बायरबादा ने बेमार करी राखी थी; उकी
कमर नमी गी थी। अने वा कसी तरा
बी सुदी नी हुई सकती थी। १२जदे ईसु
ने उके देख्यो तो अपणा कने बुलाड़ी के
उकासे क्यो, "हे नारी, तू अपणी बेमारी
से नज हुई गी।" १३जदे उने उका पे
हात धर्‌यो; वा जदेज सुदी हुई गी अने
परमेसर की बड़ई करवा लागी।

१४† तो अराधनालय को हाकिम इनी
बात से रीस माय अई के, के ईसु ने
सबत् का दन बेमार के नज कर्‌यो, भीड़
से केवा लाग्यो, "छेः दन हे जिणका माय
काम करनों चइये, तो उणाज दनहुंण
माय नज होणे आव, पण सबत् का दन
मती आव।"

१५पण परभु ने जुवाब द्‌यो, "हे
ढोंगीहुंण, कंई तमारा माय से हर मनख
सबत् का दन अपणा बेल अने गदड़ा
के खुंटा से छोड़ी के पाणी पिवाड़वा नी
लई जाय? १६या नारी तो इबराइम की
बेटी, जेके सेतान ने अठ्ठारा बरस का
लम्बा बखत से बान्दी राखी थी। इके
इना बन्दण से छुड़ाणो कंई सबत् का
दन जरुरी हयनी?" १७जदे उने यो क्यो
तो उका सगळा बिरोदी सरमिन्दा होया,
अने आखी भीड़ अचरज का म्हान काम
जो उकासे होता जई र्‌या था, खुस होया।

रंई का दाणा की मिसाल

(मती १३.३१-३२; मरकुस ४.३०-३२)

१८तो उने क्यो, "परेमसर को राज
केका सरीको हे? अने हूं उको मिलाण
किकासे करूं? १९उ रई का बीज सरीको,
जेके एक मनख ने अपणा बगीचा माय
बोयो। उ बड़ी के झाड़ बणी ग्यो। अने
असमान का पखेरुहुंण ने उकी डगाळ पे
बसेरो कर्‌यो।"

खमीर की मिसाल

(मती १३.३३)

२०फेर उने क्यो, "हूं परमेसर का राज
को मिलाण किकासे करूं? २१उ उना
खमीर सरीको हे जेके एक बइरा ने लई
के तीन पसेरी आंटा माय मिळई लाख्यो,
अने आखो आंटोज खमीर हुई ग्यो।

सांकड़ा रस्ता से परमेसर का राज माय जाणो

(मती ७.१३-१४,२१-२३)

२२उ नगर-नगर अने गांम-गांम हुई
के परबचन देतो होयो यरुसलेम जई र्‌यो
थो। २३तो कइंका ने उकासे क्यो, "हे
परभु, कंई उध्दार पावा वाळा थोड़ाज
हे?"

ईसु ने उणकासे क्यो, २४"सांकड़ा
कमाड़ से भित्तरे जावा की कोसिस करो,
क्योंके हूं तमार से कूं के नरा हे जो
जावा की कोसिस तो करेगा पण सफल
नी रेगा। २५एक कावा जदे घर मालेख
उठी के बारनों बन्द करी लाखे। अने
तम बायरे उबा हुई बारनों खटखटाड़ी के
को, 'हे मालेख, हमारा सरु खोली दे।'
तो उ तमार से केगा, 'हूं नी जाणूं के
तम कां से आया हो।' २६जदे तम केवा
लागोगा 'हमने थारा सामे खायो-प्यो
अने तने हमारी सेरीहुंण माय परबचन

---

† **१३.१४:** निरगमन २०.९–१०; नेम-बिधान ५.१३–१४

द्यो।' **२७**† तो उ केगा, 'हूं कूं के हूं नी
जाणूं के तम कंय्यांड़ी से अई र्‌या हो।
हे सगळा बुरा करम करवा वाळाहुंण,
म्हार से परे हुई जाव।' **२८**†† जदे तम
इबराइम, इसाक, याकूब अने सगळा
नबिहुंण के तो परमेसर का राज माय
बेठ्‌या होया, पण अपणे खुद के बायरे
निकाळ्या होया देखोगा, जां रोणो अने
दांत पिसणो रेगा। **२९**उगणूं अने आथणूं,
धरउ, दक्खणव से परमेसर का राज का
भोज माय बिसासी लोग भेळा होयगा।
३०† अने देखो, अबे जितरा पछात्‌या
हे वी अगात्‌या रेगा, अने अबे जितरा
अगात्‌या हे वी पछात्‌या रेगा।"

ईसु अने सासक हेरोदेस

(मत्ती २३.३७-३९)

३१ठीक उणाज बखत थोड़ाक फरीसिहुंण
अई के उकासे केवा लाग्या, "यां से हिटी
जा, क्योंके हेरोदेस थारे मारी लाखणो
चावे।"

३२ईसु ने उणकासे क्यो, "उना
व्यागसळी सरीका चालाक अने निरदयी
मनख से जई के को के हूं आज अने
काल बायरबादाहुंण के हेड़ुं अने बेमारहुंण
के नज करूं, अने तीसरा दन म्हारो काम
पूरण हुई जायगा। **३३**फेर बी म्हारे आज,
काल अने परसु जातरा करनों जरुरी हे।
क्योंके यो हुई नी सके के कईं को नबी
यरुसलेम का बायरे मार्‌यो जाय!

३४"हे यरुसलेम, हे यरुसलेम, वा नगरी
जो नबिहुंण के मारी लाखे, अने जिणके

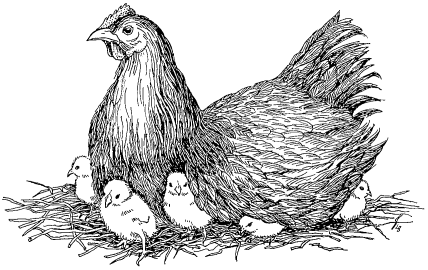

मुरगी का पांख माय चुजाहुंण (LUK १३.३४)

परमेसर ने थारा कने मोकल्या था उणके
भाटा मार्‌या करे! कितरी कावा म्हने
चायो के जसे मुरगी अपणा बच्चाहुंण
के अपणा पांखड़ा तळे भेळा करे, असाज
थारा बाळकहुंण के भेळा करूं, पण तने
यो चायो हयनी! **३५**† देखो, तमारा मन्दर
अने तमारा नगर उजाड़्या जाय! अने हूं
तमार से कूं जदत्तक तम कोगा हयनी के
'धन्य हे उ जो परभु परमेसर का नाम
से आय हे!' तदत्तक तम म्हारे फेर कदी
नी देखोगा!"

ईसु एक मनख के सबत्‌ का दन माय नज करे

१४ फेर असो होयो के सबत्‌ का दन,
जदे ईसु फरीसिहुंण का कइंका
हाकिम का घरे जिमवा ग्यो, तो वी उकी
फिराक माय था। **२**वइंज उका सामे एक
मनख थो जो जळोदर का रोग से परेसान
थो। **३**ईसु ने नेम-बिधान का जाणकारहुंण
अने फरीसिहुंण से क्यो, "सबत्‌ को दन
बेमारी से नज करनों ठीक हे के नी?"

---

† **१३.२७:** भजन संहिता ६.८ † **१३.२८:** मत्ती २२.१३, २५.३० † **१३.२८–२९:** मत्ती ८.११–१२
† **१३.३०:** मत्ती १९.३०, २०.१६; मरकुस १०.३१ † **१३.३५:** भजन संहिता ११८.२६; यरमियाह २२.५

४पण वी छाना र्‌या। तो ईसु ने उको
हात पकड़ी के नज कर्‌यो अने जावा
द्‌यो। **५**† उने क्यो, "तमारो बेटो या बेल
कुंवां माय पड़ी जाय तो तमारा माय
असो कुंण हे के उके सबत् का दन झट
बायरे नी हेड़ी ले?"
६वी इना सवाल को कंई जुवाब नी
दई सक्या।

जो नरम हे परमेसर उको मान करे

७जदे उने देख्यो के पांमणाहुंण कसतरा
अपणा सरु खास खास जगा छांटी र्‌या
हे, तो उ उणके मिसाल दई केवा लाग्यो:
८† "जदे कईं को थारे ब्याव का भोज
माय जिमवा सरु तेड़े तो खास जगा पे
मती बेठजे, कदी असो नी होय के उने
थार से जादा मान-सम्मान वाळा पांमणा
के नोत्यो होय, **९**अने उ जेने तमारे दोई
के नोत्यो, अई के थार से के, 'उके
बेठवा दीजे।' तो थारो मान घटी जायगा,
अने थारे सगळा का पछड़े बेठणो पड़ेगा।
१०पण जदे थारे नोत्यो जाय तो जई के
निच्ची जगा पे बेठजे जेकासे जेने थारे
नोत्यो हे, अई के थार से के, 'दोस,
अगड़े अई के बेठ।' तो सगळा की नगे
माय जो थारा गेले बेठ्‌या थारो मान
बड़ेगा। **११**† क्योंके हरेक जो अपणे खुद
के उंचो करे हे, उ निच्चो कर्‌यो जायगा,
अने उ जो अपणे खुद के नरम करे उको
मान राख्यो जायगा।"
१२तो जेने ईसु के नोत्यो थो, उकासे
क्यो, "जदे तू कइंका के दन या रात
माय भोज माय जिमवा सरु बुलाड़े तो
अपणा दोस या भई-बन्द, नातेदार या
धणी पड़ोसिहुंण के मती बुलाड़जे। कंई
असो नी होय के वी बी थारे सारी-सारी
से बुलाड़े, अने थारो बदळो चुकी जाय।
१३पण जदे तू भोज करे तो गरीब-गुरबा,
टुन्डाहुंण, पांगळाहुंण अने आंदा के नोत्या
कर। **१४**तो थारे आसीस मिळेगा, उणका
कने कईं को असो साधन हयनी के थारी
सारी फेरी दे, पण धरमिहुंण का जी
उठवा पे थारे इको फळ मिळेगा।"

महा-भोज की मिसाल

(मती २२.१-१०)

१५तो उका गेले जिमवा वाळा माय से
एक ने यो सुणी के उकासे क्यो, "धन्य
हे उ जो परमेसर का राज माय रोटा
खायगा।"
१६पण उने उकासे क्यो, "कइंका मनख
ने एक बड़ो भोज कर्‌यो अने उने नरा
लोगहुंण के नोत्या। **१७**भोज तय्यार होवा
पे उने अपणा सेवक के उना लोगहुंण
कने तेड़वा मोकल्या, जिणके नोत्या
था, 'आव, सगळो कंई तय्यार हुई ग्यो
हे।' **१८**पण वी सगळा का सगळा मांफी
मांगवा लाग्या। पेलां ने उकासे क्यो,
'म्हने एक खेत मोल ल्यो, तो जई के
उके देखणो जरुरी हे। तो किरपा करिके
म्हारे तो मांफ करी दे।' **१९**दूसरा ने क्यो,
'म्हने पांच जोड़ी बेल मोल ल्या हे। म्हारे
उणके परखवा जाणो हे। किरपा करिके
म्हारे मांफ करी दे।' **२०**फेर एक हजु ने
क्यो, 'म्हने ब्याव कर्‌यो तो हूं नी जई
सकतो।'

---

† **१४.५:** मती १२.११ † **१४.८–१०:** नीतिबचन २५.६–७ † **१४.११:** मती २३.१२; लूका १८.१४

२१"सेवक ने अई के अपणा मालेख
के ई बातहुंण बतई। तो घर मालेख
ने रीस माय अई के ने दास से क्यो,
'नगर की सेरी-गळिहुंण माय जई के
झट गरीब-गुरबा, टुन्डाहुंण आंदा अने
पांगळाहुंण के यां ल्याव।' **२२**तो सेवक
ने फेर-पाछो क्यो, 'मालेख, थारा हुकम
मुजब कर्‌यो, पण जगा अबी बी बाकी
हे।' **२३**तो मालेख ने क्यो, 'राज मारगहुंण
अने बाड़ा आड़ी जई के लोगहुंण के आवा
सरु बेबस करी लाखो के म्हारो घर भरई
जाय। **२४**क्योंके हूं तमार से कूं के जो
नोत्या ग्या था उणका माय से कइंका
म्हारा भोज के नी चाखेगा!' "

चेला बणवा को मोल

(मत्ती १०.३७-३८)

२५जदके बड़ीमेक भीड़ उका गेले जई
री थी उने पाछे फरिके लोगहुंण से क्यो,
२६† "अगर कईं को म्हारा कने आय अने
अपणा मां-बाप, घराळी, बाळकहुंण अने
भई-बेनहुंण के यां तक के अपणा पराण
से बी बत्ती म्हार से परेम करे। तोज उ
म्हारो चेलो हुई सकतो। **२७**† जो म्हारो
चेलो हुई जावे, उ अपणो कुरुस उठई के
म्हारा पाछे चले[y] हे।

२८"तमारा माय से कुंण असो जो गढ़
बणाणो चावे पण पेलां बेठिके हिसाब नी
लगाड़ी ले के म्हारा कने पूरण करवा सरु
पूरो पड़ेगा के नी?' **२९**नी तो जदे उ नीम
लाखी ले अने उके पूरण नी करी सके
तो वी जो उके देखी र्‌या हे उकी मजाक
उड़ायगा। **३०**अने केगा, 'उना मनख ने
बणाणो तो सुरु कर्‌यो पण पूरो नी करी
सक्यो!'

३१"या कुंण असो राजो होयगा जो
दूसरा राजा से लड़वा जाय, पण पेलां
बेठिके सला नी ले, के 'बीस हज्जार
सेनिकहुंण के लई के जो राजो म्हार पे
चड़ई करवा अई र्‌यो हे, उको सामो हूं
दस हज्जार सेनिकहुंण से करी सकूं के
नी?' **३२**नितो उकासे दूर रीकेज उ दूतहुंण
के मोकली के समजोता की सरतहुंण का
बारामें पुछेगा। **३३**असतरा तमारा माय
से कईं को म्हारो चेलो नी हुई सकतो,
जदत्तक के उ अपणी सगळी धन-सम्पत्ती
के त्यागे हयनी।

चेला अने लूंण

(मत्ती ५.१३; मरकुस ९.५०)

३४"लूंण तो ठीक हे, पण अगर लूंण
को सुवाद अळुणो हुई जाय तो उ कां
की चीज से सुवाद्‌यो कर्‌यो जायगा?
३५नी तो उ जमीन अने नी खाद का
काम आवे, पण लोग उके बायरे फेंकी
लाखे। जिणका सुणवा का कान होय वी
सुणी ले।"

खोई गाडर की मिसाल

(मत्ती १८.१२-१४)

१५ † सगळा कर-वसुळवा वाळा अने
पापी ईसु कने अई र्‌या था के

---

[y] **१४.२७** अपणो कुरुस उठई के म्हारा पाछे चले; ईसु को चेलो बणवा सरु मनख अपणो हिरदो बदळे अने अपणी काया के परमेसर का काम सरु मरवा तक तय्यार राखे।

† **१४.२६:** मत्ती १०.३७ † **१४.२७:** मत्ती १०.३८, १६.२४; मरकुस ८.३४; लूका ९.२३

† **१५.१–२:** लूका ५.२९–३०

उकी सुणे। [२]तो फरीसी अने सासतरी
बड़बडई के केवा लाग्या, "यो मनख
पापिहुंण का गेले मिळे-जुळे अने उणका
गेलेज खावे बी हे।" [३]तो ईसु ने उणकासे
या मिसाल दई क्यो:

खोई हुई गाडर (LUK १५.४)

४"तमारा माय से असो कुंण मनख
जेका कने सो गाडर होय अने उणका माय
से एक खोवई जाय, तो निन्याणु के खुली
चरणोई माय छोड़ी के, उनी खोवई हुई के
तदत्तक ढुंडतो नी रे जदत्तक वा मिळी नी
जाय? [५]जदे वा उके पई जाय तो घणी
खुसी से कांधा पे उठाड़ी ले। [६]घरे पोंचवा
पे उ अपणा दोसहुंण अने पड़ोसिहुंण के
भेळा करिके, के हे 'म्हारा गेले मिळी के
खुसी मनाव, क्योंके म्हारे म्हारी खोवई
हुई गाडर मिळी गी।' [७]हूं तमार से कूं
के असतरा निन्याणु धरमिहुंण, जिणके
मन बदळवा की जरुवत हयनी उणका
बजाय सरग माय जादा खुसी एक पापी
का बारामें रेगा जो मन बदळे हे।

खोयो सिक्को

८"या कुंण असी बइरा रेगा जेका कने
चांदी का दस सिक्का रे अने एक खोवई
जाय, तो वा दीयो बाळी के अने घर
के संजवारो-बारो काड़ी के तदत्तक ध्यान
से ढुंडती नी रे जदत्तक के उ मिळी नी
जाय? [९]जदे उ लादी जाय तो अपणी
सखिहुंण अने पड़ोसिहुंण के भेळा करी ने
के, 'म्हारा गेले खुसी मनाव, क्योंके म्हने
उना खोया होया सिक्का के पई ल्यो हे!'
[१०]"हूं तमार से कूं के असोज एक मन
बदळवा वाळा पापी सरु बी परमेसर का
सरगदूत का गेले खुसी मनई जाय हे।"

खोयो बेटो अने पिताजी को तरस

[११]फेर उने क्यो, "कइंका मनख का दो
बेटा था। [१२]उणका माय जो नानो थो, उने
पिताजी से क्यो, 'पिताजी, धन-सम्पत्ती
को उ हिस्सो जो म्हारा बांटा माय आवे
म्हारे अबे दई दो। अने पिता ने अपणी
धन-सम्पत्ती उणका माय बांटी लाखी।
[१३]नरा दन नी बित्या था के नानो सगळो
कंई भेळो करिके दूर देस चली पड़्यो, जां
उने अपणो धन बुरा करम माय उजाड़ी
लाख्यो। [१४]जदे उ सगळो धन उजाड़ी
चुक्यो तो उना देस माय बिखो पड़्यो
अने उ कंगाळ हुई ग्यो। [१५]अने उ जई
के उना देस का एक जणा का यां काम
पे लागी ग्यो। उने उके खेत माय सुंवर
चरावा मोकल्यो। [१६]अने उ चातो थो के
उण फळीहुंण से जेके सुंवर खाय उकासे
अपणो पेट भरे; अने उके कई को कइंनी
देतो थो। [१७]जदे उको होंस ठिकाणे लाग्यो
तो उने क्यो, 'म्हारा पिताजी का कितराज
मजुर्‌याहुंण के पेट भरिके रोटा-पाणी मिळे
पण हूं यां भूके मारी र्‌यो हूं! [१८]हूं उठी के
अपणा पिताजी कने जउंवां अने उकासे
कुंवां, पिताजी, म्हने सरग का बिरोद अने

उजाड़्यो बेटो (LUK १५.१७)

थारी नगे माय पाप कर्‌यो। १९हूं अबे थारो बेटो केवाणे लायक नी र्‌यो; म्हारे अपणो एक मजुर्‌यो समजी के राखी ले।' २०तो उ उठी के अपणा पिता आड़ी चली पड़्यो।

"पण जदे अबी उ दूरोज थो उका पिताजी ने उके देख्यो अने उका पे तरस खायो। उने दोड़ी के उके बाद माय भरी ल्यो अने चुम्यो। २१बेटा ने उकासे क्यो, 'पिताजी, म्हने सरग का बिरोद अने थारी नगे माय पाप कर्‌यो हे। हूं थारो बेटो केवाणे लायक नी र्‌यो।' २२पण बाप ने अपणा दासहुंण से क्यो, 'बड़्या से बड़्या लतरा झट हेड़ी ल्याव अने उके पेराव! अने उकी अंगळी माय बिंटी अने पग माय पन्नी पेराव! २३अने एक जाड़्यो बचड़ो लई के काटो के हम खावां, अने खुसी मानावां। २४क्योंके म्हारो यो बेटो मरी ग्यो थो, अबे जिन्दो हुई ग्यो हे; यो खोवई ग्यो थो अबे लादी ग्यो!' अने वी खुसी मनाड़्वा लाग्या।

२५"उको मोटो बेटो जो खेत पे थो, जदे घर का कने आयो तो उने गाणे-बजाणे की अने नाचवा की अवाज सुणी। २६उने एक दास के हेला पाड़ी के पुछ्यो के यो सगळो कंई हुई र्‌यो हे? २७उने उकासे क्यो, 'थारो भई आयो हे, अने इकासरु के थारा पिताजी ने उके भलो-चंगो पायो हे तय्यार-जाड़्यो बचड़ो काट्‌यो।'

२८"पण उके रीस अई अने भित्तरे नी जाणो चातो थो। इका पे उको पिताजी बायरे आयो अने उके मनाड़्वा लाग्यो। २९पण उने अपणा पिताजी के जुवाब द्‌यो, 'देख, हूं तमारी इतरा बरसहुंण से सेवा करी र्‌यो अने म्हने कदीज तमारो एक हुकम नी टाळ्यो, पण तमने म्हारे कदीज एक बोकड़ी को बचड़ो तक नी द्‌यो, के हूं अपणा दोसहुंण का गेले खुसी मनउं। ३०पण जदे तमारो यो बेटो आयो जेने तमारो आखो धन बेस्याहुंण माय उड़ई लाख्यो, तमने उका सरु तय्यार-जाड़्यो बचड़ो कटवाड़्यो!' ३१अने पिताजी ने उकासे क्यो, 'म्हारा बेटा, तू सदा म्हारा गेले रे, अने जो कंई म्हारो हे, उ सगळो थारोज हे। ३२पण अबे हमारे खुस अने मगन होणो चइये, क्योंके थारो यो भई मरी ग्यो थो, अबे जीवी ग्यो; अने खोवई ग्यो थो, अबे लादी ग्यो हे।

बइमान मुनीम

१६ फेर ईसु चेलाहुंण से बी कई र्‌यो थो, "कइंका धणी मनख को एक मुनीम थो। उना मुनीम का बारामें धणी मनख के बताड़्यो थो के उ थारी सगळी धन-सम्पत्ती उजाड़ी र्‌यो हे। २उने मुनीम के बुलाड़ी के क्यो, 'या कसी बात हे, जो हूं थारा बारामें सुणी र्‌यो हूं? अपणा

मुनीम पणा को हिसाब दे, क्योंके अबे तू
मुनीम नी री सकतो।' ३तो उना मुनीम
ने मन माय बिचार्‌यो, 'म्हारो मालेख तो
अबे म्हार से मुनीम पणो छुड़ई र्‌यो हे,
तो अबे हूं कंई करूं? अने म्हारा माय
इतरी ताकत हयनी के खाड़ा खोदी सकूं
अने भीक मांगवा माय बी सरम आवे।'
४तो 'हूं समजी ग्यो के हूं कंई करुंवां
जेकासे के जदे मुनीम पणा से हेड़्यो जउं
तो बाद माय लोगहुंण अपणा घरहुंण
माय म्हारो आदर-मान राखे।'

५"तो उने अपणा मालेख का हर
देणदार के तेड़ी के अने पेलां से पुछ्‌यो,
'थार पे म्हारा मालेख को कितरो करजो
हे?' ६उने क्यो, 'सो माणी तेल।'[z] मुनीम
ने उकासे क्यो, 'यो ले अपणो बंई-खातो
अने बेठिके झट पचास मण लिखी दे।'
७फेर उने दूसरा से क्यो, 'तू कितरा को
करजदार हे?' उने क्यो, 'सो माणी गंउ
को।' मुनीम ने उकासे क्यो, 'अपणो बंई-
खातो ले, अने झट अस्सी लिखी दे।'

८"तो उका मालेख ने उना अधरमी
मुनीम की तारीफ करी क्योंके उने
चालाकी से काम कर्‌यो। इना जग का
मनख अपणा सरीका मनखहुंण से बेवार
करवा माय अध्यात्मिक मनखहुंण से
घणा चातर्‌या हे।

९हूं तमार से कूं के जगत का धन से
लोगहुंण की मदद करिके अपणा सरु
दोस बणई लो के जदे जगत को धन
खतम हुई जाय तो परमेसर अने उका
लोगहुंण, तमारो हमेस्या का निवास माय
आव-भगत करेगा। १०जो घणी रजिक
बात माय बिसासी हे, उ नरा माय बी
बिसासी हे, अने जो रजिक बात माय
अधरमी होय उ नरी बात माय अधरमी
रे! ११तो अगर तम जगत का धन माय
बिसासी नी र्‌या तो सरग को सांचो धन
तमारे कुंण समळायगा? १२अगर तम
परायो धन काम माय लावा सरु बिसासी
नी र्‌या तो जो तमारो अपणो हे उके
तमारे कुंण देगा?

१३[†] "कइंकोज दास दो मालेखहुंण की
सेवा-चाकरी नी करी सकतो। उ एक से
घिरणा अने दूसरा से परेम राखेगा नितो
फेर एक से मिळ्यो रेगा अने दूसरा को
काम नी करेगा। तम परमेसर अने धन
दोई की सेवा-चाकरी नी करी सकता।"

परमेसर को नेम-बिधान माननो धन से जादा जरुरी

(मत्ती ११.१२-१३; ५.३१-३२; मरकुस १०.११-१२)

१४फरीसिहुंण जो धन का लोभी था,
उकी ई सगळी बातहुंण सुणी र्‌या था
अने वी ईसु के ताणा मारी र्‌या था।
१५उने उणकासे क्यो, "तम असा मनख
हो जो लोगहुंण का सामे अपणे खुद के
धरमी जताड़ो हो, पण परमेसर तमारा
हिरदा के जाणे हे। उ जो मनखहुंण माय
घणो आदर-मान को हे, परमेसर की नगे
माय मानको हयनी।

१६[†] "योहन बपतिसमा देवा वाळा का
बखत तक मूसा का नेम-बिधान, अने
जूना नबिहुंण को परचार होतो र्‌यो। इका

---

[z] **१६.६** सो माणी तेल; ३९५ लीटर।

[†] **१६.१३:** मत्ती ६.२४ [†] **१६.१६:** मत्ती ११.१२–१३

बाद परमेसर का राज को सुब-समिचार
परचार कर्‌यो अने हर कईं को घणी
तेजी से इका आड़ी खिंच्यो चल्यो अई
र्‌यो हे। १७† पण मूसा का नेम-बिधान
की एक टिपकी मिटवा का बजाय सरग
अने धरती को टळणो सबगो हे!
१८† तो ईसु ने मूसा का नेम-बिधान
माय से क्यो, "हर उ मनख जो अपणी
घराळी के फारकती दई के दूसरी से
ब्याव रचाय, ब्योबिचार करे। अने जो
घराळा से छोड़ी हुई से ब्याव रचाय, तो
उ बी ब्योबिचार करे हे।

धणी मनख अने लाजर

१९तो ईसु ने एक बारता कई, "एक
धणी मनख थो जो हमेस्या बेंगणी लतरा
अने मलमल पेर्‌या करतो थो अने हर
दन बड़ा धूमधाम अने सुक-बिलास से
रेतो थो २०वइंज लाजर नामको एक
गरीब मनख जेकी काया घावहुंण से भरी
हुई थी। लोग उके धणी मनख का बारना
पे छोड़ी जाता था, २१उना धणी मनख की
थाळी से जो चूरो बेरातो थो, उणकासे बी
पेट भरवा सरु तरसतो थो। इका अलावा
कुतरा बी अई ने उका घावहुंण चाट्‌या
करता था।
२२"असो होयो के उ गरीब मनख मरी
ग्यो अने सरगदूतहुंण ने अई के उके
इबराइम का खोळा माय पोंचई द्‌यो। उ
धणी मनख बी मर्‌यो अने उके लइ-जई
के गाड़ी लाख्यो। २३जदे नरक[a] माय घणी
पीड़ा माय तड़फतो होयो उने नगे उठई
अने दूरा से इबराइम के देख्यो जेका
खोळा माय लाजर थो! २४तो उने हेला
पाड़ी के क्यो, 'हे पिता इबराइम, म्हार
पे द्‌या करिके लाजर के मोकली दे के
उ अपणी अंगळी को नुक्को पाणी माय
भिंजाळी के म्हारी जिबान के ठंडो करी
दे, क्योंके हूं इनी लाय माय पड़्‌यो तड़फी
र्‌यो हूं।'
२५पण इबराइम ने क्यो, 'हे बेटा,
रियाद कर के तू अपणा जीवन माय
सगळी अच्छी चीजहुंण पई चुक्यो, अने
असोज लाजर खराब चीजहुंण; पण अबे
उ यां सान्ती पई र्‌यो हे अने तू पीड़ा
माय तड़फी र्‌यो हे। २६इका अलावा
हमारा अने थारा अदाड़ माय एक उन्डी
खंची पड़ी हे के यां से अगर कईं को
उना पार जाणो बी चावे तो जई नी सके,
अने वां से कईं को इना पार हमारा कने
आणो चावे तो अई नी सके।' २७तो उने
क्यो, 'हे पिता, जदे तो हूं थार से कूं के
तू उके म्हारा पिताजी का घरे मोकली
दे, २८क्योंके म्हारा पांच भई हे के, उ
उणके चेतावणी दई दे। कंई असो नी
होय के वी बी इनी पीड़ा लायक जगा
माय आय।'
२९"पण इबराइम बोल्यो, 'उणका
कने मूसा अने नबिहुंण की पोथी हे;
वी उणकीज सुणे।' ३०पण उने क्यो,
'हे पिता इबराइम, असो नी! अगर
मर्‌या माय से कईं को उणका कने
चल्यो जाय तो वी हिरदो बदळेगा।'
३१पण इबराइम ने उकासे क्यो, 'अगर

---

[a] **१६.२३** नरक; या अधोलोक; मर्‌याहुंण की जगा या मर्‌या लोगहुंण को लोक।
† **१६.१७:** मत्ती ५.१८ † **१६.१८:** मत्ती ५.३२; १ कुरिन्थिहुंण ७.१०–११

वी मूसा अने नबिहुंण की नी सुणे
तो वी उकी बी जो मर्‌या माय से
जिन्दो हुई के उणका कने जाय, नी
सुणेगा!' "

पाप की मांफी

(मत्ती १८.६-७,२१-२२; मरकुस ९.४२)

१७ फेर ईसु ने अपणा चेलाहुंण से
क्यो, "जिणकासे लोग भटक्या
करे वी बातहुंण तो होयगाज। पण
धिक्कार उना मनख के, जेकी वजासे वी
होय हे! [२]उका सरु यो भलो होतो के उका
गळा माय घट्टी को पाटो लटकाड़्यो
जातो अने उ समन्दर माय लाख्यो जातो,

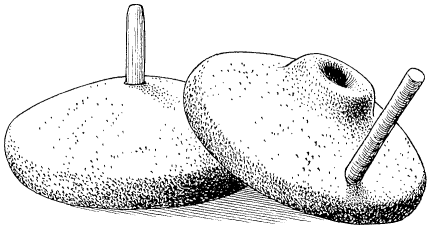

घट्टी (LUK १७.२)

बजाय इका के उ उना नाना माय से
कइंका एक के पाप करवा सरु उकसाड़े।
[३]† होसियार!
"अगर थारो भई पाप करे तो उके डांट,
अने अगर उ मन बदळे तो उके मांफ
कर। [४]अगर उ हर दन सात कावा थारा
बिरोद माय पाप करे अने साती कावा
अई के थार से के, 'हूं पसतावो करूं हूं,'
तो उके मांफ करजे।"

बिसास

५तो परेरितहुंण ने परभु से क्यो,
"हमारो बिसास बड़ई दे।"
६परभु ने क्यो, "अगर तमारा माय
रंई का दाणा बरोबर बिसास रे तो तम
इना सेतूत का झाड़ से केता, 'उखड़ी के
समन्दर माय लागी जा,' तो उ तमारी
बात मानी लेतो।

दास को काम

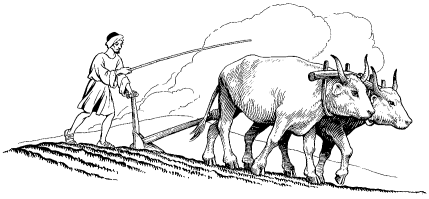

खेत में हल चलाणो (LUK १७.७)

७"तमारा माय से कुंण असो जेको
हळी हळ घेरे अने गाडरहुंण के चरातो
रे, के जदे हळी खेत से आवे तो उ हळी
से केवा लागे, 'भित्तरे अई के जिमवा
बेठिजा'? [८]कंई उ उकासे यो नी केगा,
'म्हारा खावा सरु कंई बणा अने उजळा
लतरा पेर अने जदत्तक हूं खई-पी नी
लूं म्हारी सेवा करजे; बाद माय तू
बी खई-पी लीजे'? [९]हुकम मानवा सरु
कंई उ अपणा हळी के धन्यबाद देगा?
[१०]असीज तरा तम बी जदे उण सगळा
हुकम के पाळो जो तमारे द्‌या ग्या हे,
तो को, 'हम निकम्मा दास हे; हमने

---

† **१७.३:** मत्ती १८.१५

तो सिरप उज कर्‌यो जो हमारे करनों
चइये थो'।"

परमेसर के धन्यबाद देणो

११असो होयो के जदे ईसु यरुसलेम
आड़ी जई र्‌यो थो तो सामरिया इलाका
अने गलील का अदाड़ माय से हुई के
हिट्‌यो। **१२**ज्योंज उ कइंका गांम माय
ग्यो तो दूर उब्या दस कोड़्या उकासे
मिळ्या। **१३**उणने उंची अवाज से हेला
पाड़ी के क्यो, "हे ईसु स्वामी परभु,
हमार पे दया करजे!"

१४† जदे उने उणके देख्या तो क्यो,
"जई के अपणे खुद के पुरोहितहुंण के
दिखाड़ो।"[b]

अने असो होयो के जाताज जाता वी
सुद्द हुई ग्या। **१५**तो उणका माय से
एक ने जदे देख्यो के नज हुई ग्यो हूं,
तो उंची अवाज से परमेसर की बड़ई
करतो होयो पाछो आयो, **१६**अने ईसु के
धन्यबाद देतो होयो सास्टांग परणाम
कर्‌यो अने पग पे पड़ी ग्यो। उ सामरी
जात को थो। **१७**जदे ईसु ने क्यो, "कंई
दस का दसज सुद्द नी होया था, तो
फेर वी नो कंय्यांड़ी हे? **१८**कंई इना
परदेसी का सिवाय उणका माय से हजु
कइंकोज नी र्‌यो जो पलटी के परमेसर
की इसतुती करतो?" **१९**तो ईसु ने उकासे
क्यो, "उठी के चल्यो जा; क्योंके तने
म्हार पे बिसास कर्‌यो तो थारा बिसास
ने थारे नज कर्‌यो हे।"

ईसु को आवा वाळो राज

(मत्ती २४.२३-२८,३७-४१)

२०जदे फरीसिहुंण ने ईसु से पुछ्‌यो,
"परमेसर को राज कदे आयगा?" तो
उने उणके जुवाब द्‌यो, "परमेसर को
राज परगट रुप माय नी आवे। **२१**अने
लोग या नी केगा, 'देखो, उ यां हे!' या
'वां हे!' क्योंके देखो, हूं तमारा गेले हूं तो
परमेसर को राज तमारा अदाड़ मायज
हे।"[c]

२२उने चेलाहुंण से क्यो, "वी दन
आयगा जदे हूं मनख का बेटा का दन
माय से एक दन के देखवा की मन्सा
करोगा, पण तम म्हारे देखी नी सकोगा।
२३वी तमार से केगा, 'वां देखो!' 'यां
देखो!' तम चल्या मती जाजो अने नी
उणका पाछे भागजो। **२४**क्योंके बिजळी
जसे चळकी के असमान का इकाड़ी से
दूसरा आड़ी तक चळके, असोज हूं मनख
को बेटो बी अपणा दन माय परगटुंवां
के, आखो जग म्हारे देखेगा। **२५**पण पेलां
यो जरुरी हे के हूं घणो दुःख झेलुं अने
इनी पीड़ी का लोगहुंण से नकार्‌यो जउं।
२६† "जसा के जूना नबी नूह[d] का दनहुंण
माय होयो थो, असोज हूं मनख का बेटा
का दनहुंण मायज होयगा। **२७**† जदत्तक

---

[b] **१७.१४** पुरोहितहुंण के दिखाड़ो; लेव्य १३.९-४६; पुरोहित जांचतो थो अने घोसणा करतो थो के अबे इना मनख माय कोड़ को रोग हयनी। समाज माय री सकतो थो। [c] **१७.२१** तमारा अदाड़ मायज; या तमारा माय; या तमारा माय परगटेगा। [d] **१७.२६** नबी नूह; जेका बखत माय आखी धरती के मनख का पाप की वजासे परमेसर ने पाणी से नास करी लाखी थी; सिरप नूह अने उका बेटा-बउ अने जो झाज माय पखेरु अने जनावर बची ग्या था (उत्पत्ती ६.९-८.२२)।

† **१७.१४:** लेव्यव्यवस्था १४.१–३२ † **१७.२६:** उत्पत्ती ६.५–८ † **१७.२७:** उत्पत्ती ६.९-७.२४

नूह झाज माय नी चल्यो ग्यो लोगहुंण
खाता-पीता अने ब्याव-सादी करता र्‌या।
तो जळ परळय होयो अने सगळा खतम
हुई ग्या। २८† "लूत का दनहुंण माय बी
असो होयो थो। वी खाणो-पीणो, लेणो-
देणो करता, झाड़-पोदा लगाड़ता अने घर
बणाता था, २९† पण जदे लूत सदोम से
हिट्‌यो, उना दन असमान से भस्ते अने
तेजाब बरस्यो अने वी सगळा खतम
हुई ग्या। ३०जेना दन हूं मनख को बेटो
परगटुंवां, उ दन बी नठू असोज रेगा।

३१† "उना दन जो घर का अदरे रे अने
समान निच्चे घर माय रे उ उके लेवा
सरु नी उतरे; अने असोज उ जो खेत
माय रे, पाछो नी पल्टे। ३२† लूत की
घराळी[e] के रियाद करो! ३३† जो अपणो
पराण बचाड़वा की कोसिस करेगा, उ
हमेस्या का जीवन के खोयगा; अने जो
म्हारो चेलो हुई के अपणो पराण खोयगा,
उ उके सरग माय पाछो पायगा! ३४हूं
तमार से कूं के उनी राते दो मनख खाट
पे सोता रेगा; एक लई ल्यो जायगा अने
दूसरो छेकी लाख्यो जायगा। ३५दो बइरा
एकज जगा पे घट्‌टी पीसती रेगा, एक
लई ली जायगा अने दूसरी छेकी लाखी
जायगा।" ३६दो मनख खेत माय रेगा;
एक लई ल्यो जायगा अने दूसरो छेक्यो
जायगा।"[f]

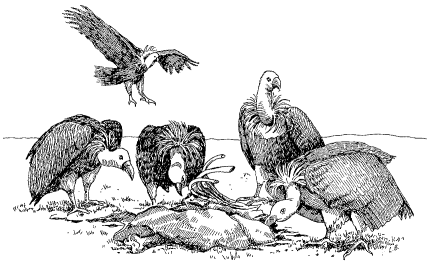

चील-गरदन (LUK १७.३७)

३७तो उणने उकासे पुछ्‌यो, "हे परभु,
यो कां होयगा?"

उने उणकासे केवाड़ा माय क्यो, "जां
लास पड़ी रेगा वां चील-गरदन बी भेळी
होयगा।"

पराथना करो परमेसर जुवाब देगा

१८ ईसु ने उणके यो बताड़णे सरु के
निरास होया बिना उणके सदा
पराथना करनों चइये या मिसाल दई:
२"कइंका नगर माय एक न्यावधीस रेतो
थो जो नितो परमेसर से डरतो थो अने
नी कइंका मनख की परवा करतो थो।
३इनाज नगर माय एक रांडी बइरा रेती
थी, जो उका कने घड़ी-घड़ी अई के केती
थी के, 'म्हारो न्याव करिके म्हारे बेरी से
बचाड़।' ४घणा बखत तक तो उने उकी
नी सुणी। पण आखर माय उने बिचार्‌यो,

---

[e] **१७.३२** लूत की घराळी; सदोम माय रेवा वाळा का अदरे जदे तेजाब अने भस्ते बरसी तो या देखवा सरु जसेज लूत की बइरा ने मुन्डो फेर्‌यो। परमेसर ने उके लूंण को खम्बो बणई लाख्यो, जदके परमेसर ने हुकम द्‌यो थो के पाछे पलटी के मती देखजो (उत्पत्ती १९.२६)। [f] **१७.३६** थोड़िक यूनानी परतिहुंण माय यो पद (३६) जोड़्‌यो हे। (देखो मत्ती २४.४०)।

† **१७.२८–२९:** उत्पत्ती १८.२०—१९.२५ † **१७.२९:** उत्पत्ती १८.२०-१९.२५

† **१७.३१:** मत्ती २४.१७–१८; मरकुस १३.१५–१६ † **१७.३२:** उत्पत्ती १९.२६

† **१७.३३:** मत्ती १०.३९, १६.२५; मरकुस ८.३५; लूका ९.२४; योहन १२.२५

'जदके हूं परमेसर से नी डरुं अने नी
कसाज मनख की परवा करूं, ५फेर बी
इकासरु के या म्हारे तंग करी री हे, हूं
इको न्याव करुंवां। कंई असो नी होय के
वा घड़ी-घड़ी अई के म्हारी नाक मेंज दम
करी लाखे।' "

६अने परभु ने क्यो, "सुणो इना
अधरमी न्यावधीस ने कंई बोल्यो। ७तो
कंई परमेसर अपणा छांट्या होया को
न्याव नी करेगा जो दन-रात उके हेला
पाड़े हे? कंई उ उणकी मदद करवा माय
देर करेगा? ८हूं तमार से कूं उणको न्याव
झट करेगा! फेर बी हूं मनख को बेटो
जदे राजो हुई के अउंवां तो कंई हूं धरती
पे पराथना अने बिसास के पउंवां?"

सई तरा की पराथना करनों

९ईसु ने उना लोगहुंण से जो इनी बात
सरु अपणा अदरे भरोसो राखता था के
हम धरमी हे, अने जो दूसरा के ओछा
समजता था, या मिसाल दई क्यो, १०"दो
जणा मन्दर माय पराथना करवा ग्या।
उणका माय से एक फरीसी जो धरम का
नेम-बिधान के सकती से पाळण करवा
वाळो थो अने दूसरो कर वसुळवा वाळो।[g]
११फरीसी उबो हुई के खुद असी
पराथना करवा लाग्यो,[h] 'हे परमेसर, हूं
थारे धन्यबाद दउं के हूं दूसरा लोगहुंण
सरीको ठग, अन्यावी अने ब्योबिचारी
हयनी अने हूं इना कर वसुळवा वाळा
सरीको बी हयनी। १२हूं हफ्ता माय दो
कावा बरत राखुं अने जो कंई म्हारे मिळे
उको दसवों हिस्सो थारे दउं।'

१३"पण कर वसुळवा वाळो थोड़ी दूर
पे उबो थो, उ परमेसर आड़ी अपणी
नगे उठावा की हिम्मत बी नी करी
सक्यो, पण छाती कूटतो होयो बोल्यो,
'हे परमेसर, हूं पापी मनख हूं, म्हार पे
दया करजे!' १४[†] अने ईसु ने क्यो, "हूं
थार से कूं के यो मनख धरमी ठेराड़्यो
जई के अपणा घरे ग्यो, नी के उ फरीसी।
क्योंके हरेक उ जो खुद के मोटो बणावे,
नानो कर्‌यो जावेगा; अने जो खुद के
नानो बणावे, मोटो कर्‌यो जायगा।"

ईसु नाना बाळकहुंण के आसीस दे

(मत्ती १९.१३-१५; मरकुस १०.१३-१६)

१५लोग अपणा बाळकहुंण के बी
उका कने लई र्‌या था के उ उणका पे
आसीस सरु हात धरे, पण जदे चेलाहुंण
ने देख्यो तो डाटंवा लाग्या! १६पण ईसु
ने बाळकहुंण के कने बुलाड़ी के क्यो,
"बाळकहुंण के म्हारा कने आवा दो!
उणके मना मती करो, क्योंके परमेसर
को राज असाज को हे[i]। १७हूं तमार से
सांची कूं के जो कईं को परमेसर का राज

---

[g] **१८.१०** कर वसुळवा वाळो; या नाकेदार उना बखत, रोमी सरकार यहूदिहुंण पे राज करी र्‌या था, अने नाकेदारहुंण रोमी सरकार का सेवक था। यहूदिहुंण नाकेदारहुंण से घिरणा करता था क्योंके वी मानता था के कर वसुळणो बुरई को काम हे जेके छोटा अने नीच लोग करे हे। [h] **१८.११** उबो हुई के खुद असी पराथना करवा लाग्यो; थोड़ाक मूळ माय असो हे उबो हुई के खुद सरु पराथना करवा लाग्यो।
[i] **१८.१६** परमेसर को राज असाज को हे; नरम लोगहुंण जो परमेसर पे बिसास राखे वी बाळकहुंण सरीका जो अपणा मां-बाप पे बिसास राखे हे, परमेसर राजो हे जो उणके समाळे हे।
[†] **१८.१४:** मत्ती २३.१२; लूका १४.११

के बाळक सरीको नी माने, उ कदीज
उका माय जई नी सकेगा।"

जो धन पे भरोसो करे वी परमेसर का राज माय जई नी सके

(मत्ती १९.१६-३०; मरकुस १०.१७-३१)

१८फेर कइंका एक यहूदी हाकिम ने
उकासे सवाल कर्‌यो, "हे भला गरु,
हमेस्या को अजर-अमर जीवन पावा सरु
हूं कंई करूं?"
१९ईसु ने उकासे क्यो, "तू म्हारे
भलो कायसरु के? परमेसर के छोड़ी के
हजु कईं को भलो हयनी? **२०**† पण तू
परमेसर का हुकमहुंण के तो जाणेज हे,
"ब्योबिचार नी करनों, हत्या नी करनों,
चोरी नी करनों, झुंटी गवई नी देणो,
अपणा मां-बाप को मान राखणो।"
२१उने क्यो, "इणके हूं नानपणा से
मानी र्‌यो हूं।"
२२जदे ईसु ने यो सुण्यो तो क्यो,
"थारा माय अबी एक बात की कमकोती
हे; अपणो सगळो धन-सम्पत्ती बेची के
गरीब-गुरबाहुंण के बांटी लाख तो थारे
सरग माय धन मिळेगा। अने अई के
म्हारा पाछे चल्यो-चल।" **२३**पण यो
सगळो सुणी के हाकिम घणो उदास
होयो, क्योंके उ घणो धणी थो।
२४ईसु ने उका आड़ी देखी के क्यो,
"धणिहुंण सरु परमेसर का राज माय
जाणो कितरो अबगो हे! **२५**क्योंके ऊंट
के सुंई का बेज माय से हिटणो, कइंका
धणी मनख के परमेसर का राज माय
जावा से सबगो हे!।"
२६इका पे सुणवा वाळाहुंण के अचरज
होयो उणने क्यो, "तो किको उध्दार हुई
सके?"
२७पण उने क्यो, "जो बातहुंण मनख
सरु अबगी, वी परमेसर सरु सबगी हे।"
२८इका पे पतरस ने क्यो, "देख हम
तो अपणो घर-बार छोड़ी के थारा पाछे
चली पड़्या।"
२९उने उणकासे क्यो, "हूं तमार से
सांची कूं, असो कईं को हयनी जेने
अपणो घर, घराळी, भई-बेनहुंण, मां-बाप
या बाळकहुंण के परमेसर का राज सरु
छोड़्या हे, **३०**उ इना बखत नरा गुणा
जादा अने आवा वाळा जुग माय अजर-
अमर जीवन पायगा।"

ईसु तीसरी बखत अपणी मोत का बारा माय केवा लाग्यो

(मत्ती २०.१७-१९; मरकुस १०.३२-३४)

३१तो ईसु ने बारा चेलाहुंण के इकाड़ी
लइ-जई के उणकासे क्यो, "देखो, हम
यरुसलेम आड़ी जई र्‌या, अने हूं मनख
का बेटा का बारामें नबिहुंण का मिसे जो
कंई लिख्यो, उ सगळो पूरण होयगा।
३२क्योंके हूं दूसरा गेर यहूदिहुंण का हात
माय द्‌यो जउंवां। अने म्हारी मसकरी
करेगा, म्हारा गेले बुरो बरताव कर्‌यो
जायगा, म्हार पे थुंक्यो जायगा। **३३**अने
कोड़ा लगावा का बाद वी म्हारे मारी
लाखेगा, अने हूं तीसरा दन पाछो जीवतो
हुई जउंवां।"
३४पण इणका माय से कइंकीज बात
चेलाहुंण की समज माय नी अई। तो

---

† **१८.२०:** निरगमन २०.१२–१६; नेम-बिधान ५.१६–२०

वा बात उणकासे गुपत री, अने जो बात ईसु ने करी थी वी उके समजी नी सक्या।

आंदो मंगतो देखवा लाग्यो

(मती २०.२९-३४; मरकुस १०.४६-५२)

३५असो होयो के जदे ईसु यरीहो पोंचवा पे थो तो एक आंदो मंगतो बाट का मेरे बेठ्यो, भीक मांगी र्‌यो थो। **३६**भीड़ का पगहुंण की चाप सुणी के, उ पुछवा लाग्यो के "यो सगळो कंई हुई र्‌यो हे?"

३७उणने उके बताड़्यो के "ईसु नासरी जई र्‌यो हे।"

३८उने हेला पाड़ी के क्यो, "हे ईसु, दाऊद की सन्तान! म्हार पे दया करजे।"

३९लोगहुंण जो बाट माय ईसु का अगड़े-अगड़े चली र्‌या था उके डांटी के "चुप रेवा" की कई र्‌या था। पण उ हजु जोर से हेला पाड़तो र्‌यो, "दाऊद की सन्तान, म्हार पे दया करजे।"

४०तो ईसु ने रुकी के दूसरा मनखहुंण के क्यो "उके म्हारा कने ल्याव।" जदे ल्याया तो पुछ्यो, **४१**"हूं थारा सरु कंई करूं?"

उने क्यो, 'हे परभु, यो के हूं देखवा लागुं।"

४२ईसु ने उकासे क्यो, "देखवा लाग। जा थारा बिसास ने जो म्हार पे हे थारे नज कर्‌यो हे।"

४३उ उनीज घड़ी देखवा लाग्यो अने परमेसर की बड़ई करतो होयो ईसु का पाछे चली पड़्यो। जदे सगळा मनखहुंण ने यो देख्यो तो उणने परमेसर की बड़ई करी।

ईसु अने जक्कई

१९ ईसु यरीहो नगर माय से हुई के जई र्‌यो थो। **२**तो देखो वां एक मनख थो जेको नाम जक्कई थो। उ कर लेवा वाळाहुंण को मुख्यो अने धणी मनख थो। **३**उ ईसु के देखवा की कोसिस करी र्‌यो थो, पण भीड़ की वजासे देखी नी सकतो थो, क्योंके उ बावन्यो थो। **४**तो ईसु के देखवा सरु उ अगड़े दोड़ी के गुल्लर का झाड़का पे चड़ी ग्यो, क्योंके ईसु उनीज बाट से हुई के जावा वाळो थो। **५**जदे ईसु उनी जगा पे पोंच्यो तो उने अदरे देखी के उकासे क्यो, "जक्कई, झट निच्चे उतर्‌या, क्योंके आज म्हारे थारा घरे रेणो हे।"

६जक्कई उनीज बखत निच्चे उतर्‌यो अने खुस हुई के ईसु को सुवागत कर्‌यो। **७**जदे लोगहुंण ने यो देख्यो तो वी सगळा यो कई के बड़बड़ावा लाग्या: "उ तो एक पापी मनख को पांमणो बणवा ग्यो हे।"

८तो जक्कई ने घर माय उबो हुई ने परभु से क्यो, "परभु देखतो, हूं अपणी आदी धन-सम्पत्ती गरीब-गुरबाहुंण के दई दूंवां, अने अगर म्हने कइंका से अन्याव करिके जो कइंज ल्यो हे तो उके चोगणों फेरी लाखुंवां।"

९[†] ईसु ने उका बारामें क्यो, "आज इना घरे उध्दार आयो हे, क्योंके

[†] **१९.९:** उत्पत्ती १५.६

इबराइम सरीको यो बी बिसासी हे।
१०[†] हूं मनख को बेटो खोयाहुंण के
ढुंडवा अने उणको उध्दार करवा आयो
हे।"

दस मीना की मिसाल

(मत्ती २५.१४-३०)

११जदे लोग इनी बातहुंण के सुणी
र्‌या था, तो उ मिसाल दई केवा लाग्यो,
क्योंके उ यरुसलेम कने थो अने वी
सोंची र्‌या था के परमेसर को राज झट
परगटवा पे हे। १२इकासरु उने क्यो,
"एक धणी मनख उंचा घराणा को,
दूर देस ग्यो के अपणा सरु राज-पाट
पई के पाछो आय। १३इकासरु उने
अपणा दसी दासहुंण के तेड़्या अने
उणके दस मीना[j] द्‌या अने उणकासे
क्यो, 'म्हारा आवा तक इणकासे धन्दो
करजो।' १४पण उका नगर वासी उकासे
बेर राखता था, तो उका पाछे-पाछे
अपणा खास लोगहुंण के यो केवा सरु
मोकल्या: 'हम नी चावां के यो मनख
हमार पे राज करे।'
१५"असो होयो के जदे उ राज पई ने
पाछो आयो तो उने हुकम द्‌यो के 'वी
दास जिणके म्हने धन द्‌यो थो तेड़्या
जावे, जेकासे म्हारे मालम हुई जाय के
उणने कसो धन्दो कर्‌यो।' १६पेलां ने
अई के क्यो, 'हे मालेख, थारा मीना
ने दस मीना हजु कमाया।' १७उने
उकासे क्यो, 'हे भला अने बिसासी
दास, सबास! तू घणी नानी बात माय
बिसासी हिट्‌यो, तू दस नगरहुंण को
हाकिम बणिजा।' १८"फेर दूसरा ने
अई के क्यो, 'हे मालेख, थारा मीना
ने पांच मीना हजु कमाया।' १९उने
उकासे क्यो, 'तू पांच नगरहुंण को
हाकिम बणिजा।'
२०"फेर एक हजु अई के केवा
लाग्यो, 'हे मालेख, देख थारो मीनो!
इके म्हने दस्ती माय बान्दी के राख्यो।
२१क्योंके हूं थार से डरतो थो, इकासरु
के तू घणो कड़क मनख हे, जेके तू
नी राखे उके तू लई ले, अने जेके तू
नी बोय उके तू काटे हे।' २२तो राजा
ने उकासे क्यो, 'हे मतकमेरा दास!
थाराज सबद्‌हुंण से हूं थारे कसुरवार
साबित करुंवां। जदे तू जाणतो थो के
हूं कड़क मनख हूं। जेके म्हने नी धर्‌यो
उके उठई लूं अने जेके नी बोयो उके
काटूं। २३तो तने म्हारो धन ब्याजणो
कायसरु नी दई द्‌यो, के जदे हूं आतो
तो उके ब्याज समेत लई लेतो?'
२४"तो उने उणकासे जो कने उब्या
था क्यो, 'मीनो इका से लई लो अने
जेका कने दस हे उके दई दो' २५"पण
उणने उकासे क्यो, 'मालेख, उका कने
तो पेलांसेज दस हे।' २६[†] "तो राजा ने
क्यो, 'हूं तमार से कूं हरेक जेका कने
जादा जुम्मेदारी हे, उके जादा दई द्‌यो
जायगा, पण जेका कने कंई जुम्मेदारी
हयनी, उकासे वा जुम्मेदारी बी जो उका
कने हे लई ली जायगा। २७पण म्हारा
उना बेरिहुंण के जो नी चावे के हूं उणका

---

[j] **१९.१३** मीना; १ मीना बराबर सो दन की मजुरी हे।

[†] **१९.१०:** मत्ती १८.११ [†] **१९.२६:** मत्ती १३.१२; मरकुस ४.२५; लूका ८.१८

पे राज करूं यां ल्याव अने म्हारा सामे
मारी लाखो!' "

एक राजा जसो ईसु यरुसलेम माय आयो

(मत्ती २१.१-११; मरकुस ११.१-११; योहन १२.१२-१९)

२८इनी बातहुंण के केवा का बाद
उ अगड़े-अगड़े यरुसलेम आड़ी चड़तो
ग्यो। **२९**असो होयो के जदे उ बेतफगे
अने बेतनिय्याह गांम माय उनी डूंगरी
कने जो जेतून केवाय हे, पोंच्या तो
उने चेलाहुंण माय से दोई के यो कई
के मोकल्या, **३०**"अपणा सामे का गांम
माय चल्या जाव। वां जाताज तमारे
एक गदड़ी को बच्चो जेका पे कईं
को कदी नी बेठ्यो बन्द्यो मिळेगा।
उके छोड़ी के यां ल्याव। **३१**अगर कईं
को तमार से पुछे 'कायसरु छोड़ी र्या
हो?' तो कोजो, 'परभु[k] के इकी जरुवत
हे।' "

३२जो चेलाहुंण मोकल्या ग्या था उणने
जई के, जसो उने उणकासे क्यो थो
वसोज मिळ्यो। **३३**ज्योंज वी गदड़ी का
बच्चा के छोड़वा लाग्या उका मालेख ने
क्यो, "तम इके कायसरु छोड़ी र्या हो?"

३४उणने क्यो, "परभु के इकी जरुवत
हे।" **३५**तो वी गदड़ी का बच्चा के ईसु
कने ल्याया, अने चेलाहुंण ने अपणा
लतरा गदड़ी का बच्चा पे लाखी के ईसु
के उका पे बेठाड़्यो। **३६**जदे उ चलवा
लाग्यो तो लोगहुंण अपणा लतरा बाट
माय बिछाड़वा लाग्या।

३७अबे जदे उ जेतून डूंगरी की कराई
माय यरुसलेम कने पोंच्यो तो चेलाहुंण
की सगळी भीड़ उना सगळा सामरत का
कामहुंण सरु जो उणने देख्या था बड़ी
खुसी का साते उंची अवाज से परमेसर
की बड़ई करवा लाग्या: **३८**[†] "धन्य हे
उ राजो जो परभु परमेसर का नाम
से आवे हे! परमेसर अने लोगहुंण का
माय सान्ती अने उंची से उंची जगा
पे म्हेमा होय!"

३९भीड़ माय उब्या थोड़ाक फरीसिहुंण
ने उकासे क्यो, "हे गरु, अपणा चेलाहुंण
के डांट!"

४०उने उणके जुवाब द्यो, "हूं तमार
से कूं अगर ई छाना रेगा तो भाटाहुंण
चिल्लई पड़ेगा।"

ईसु यरुसलेम नगर अने इसराइल देस सरु रोयो

४१जदे उ यरुसलेम नगर कने पोंच्यो
तो यरुसलेम नगरी के देखी के उका
सरु रोयो। **४२**अने क्यो, "अगर आज
का दन तू हां तूज उनी बातहुंण के
जाणतो जो सान्ती की हे! पण अबे
वी थारी आंखहुंण से छिपी गी हे।
४३क्योंके थार पे वी दन आयगा के
थारा बेरी थारा सामे मोरचो बान्देगा
अने थारे चारी आड़ी से घेरी के कुच्ची
लाखेगा। **४४**अने बेरिहुंण थारे अने थारा
बाळकहुंण के धूळा माय मिळई के
बराबर करी लाखेगा, अने थार पे एरण
पे एरण बी नी राखेगा, क्योंके उना

---

[k] **१९.३१** परभु; या स्वामी या मालेख।

[†] **१९.३८:** भजन संहिता ११८.२६

बखत के जेका माय परमेसर का बेटा ने
थार पे किरपा करी तने नी पेचाण्यो।"

मन्दर की सफई

*(मत्ती २१.१२-१७; मरकुस ११.१५-
१९; योहन २.१३-२२)*

४५अने उ मन्दर माय ग्यो अने
बेपारीहुंण के यो कई के बायरे हेड़वा
लाग्यो: **४६**† "धरम सासत्तर माय लिख्यो
हे, 'म्हारो घर पराथना को घर केवायगा,'
पण तमने उके डाकूहुंण को अड्डो बणई
लाख्यो हे।"

४७† उ हरदन मन्दर माय परबचन
द्या करतो थो पण मुख-पुरोहित, अने
सासतरी अने लोगहुंण का परधान
उके नास करवा की कोसिस करवा
लाग्या था। **४८**पण उणके असो करवा
को मोको नी मिळ्यो, क्योंके सगळा
लोग उकी बातहुंण के बड़ा ध्यान दई
सुणता था।

ईसु का हक पे यहूदिहुंण को सवाल

(मत्ती २१.२३-२७; मरकुस ११.२७-३३)

२० असो होयो के एक दन जदे उ
मन्दर माय लोगहुंण के परबचन
दई र्यो थो अने सुब-समिचार परचारी
र्यो थो तो मुख-पुरोहितहुंण अने
सासतरिहुंण अने थोड़ाक सियाणाहुंण का
गेले अई के उको सामो कर्यो, **२**अने
उकासे क्यो, "हमारे बताड़ के तू यो काम
किका हक से करे हे। या उ कुंण हे जेने
थारे यो हक द्यो?"

३उने उणके जुवाब द्यो, "हूं बी तमार
से एक सवाल पुछुं। तम म्हारे बताड़ो,
४योहन के बपतिसमो देवा को हक कंई
सरग आड़ी से मिळ्यो थो के मनख
आड़ी से?"

५तो वी माय-माय केवा लाग्या, "अगर
हम कां परमेसर आड़ी से, तो उ केगा,
'तो तमने उका पे बिसास कायसरु नी
कर्यो?' **६**पण अगर हम कां, 'मनख
आड़ी से' तो सगळा मनख भाटा मारी के
हमारे मारी लाखेगा, क्योंके उणके भरोसो
हे के योहन एक नबी थो।" **७**इका पे
उणने जुवाब द्यो के "हमारे नी मालम
के उके बपतिसमा देवा को हक कंय्यांड़ी
से थो।

८ईसु ने उणकासे क्यो, "हूं बी तमारे
नी बतउंवां के केका हक से हूं यो काम
करूं।"

दाख का बगीचा का बुरा किरसाण

(मत्ती २१.३३-४६; मरकुस १२.१-१२)

९† तो उ लोगहुंण के इनी मिसाल
माय केवा लाग्यो, "कइंका मनख
ने अंगूर को बगीचो लगाड़िके उके
किरसाणहुंण के बांटा पे दई के खुद
घणो दूरो जातरा पे चल्यो ग्यो।
१०फसल पादरी[1] आवा का बखत उने
किरसाणहुंण कने एक दास के मोकल्यो
के वी उके बगीचा की फसल माय से
कंई दे, पण उणने उके मार्यो-कुट्यो
रीतो हात भगाड़ी द्यो। **११**इका पे उने
दूसरा दास के मोकल्यो, पण उणने उके

---

[1] **२०.१०** पादरी; फसल पाकणो।

† **१९.४६:** यसायाह ५६.७; यरमियाह ७.११ † **१९.४७:** लूका २१.३७ † **२०.९:** यसायाह ५.१

बी मार्‌यो-कुट्‌यो अने माजनो उतारी
के रित्ता हात मोकल्यो। १२असोज उने
तीसरा के मोकल्यो पण उणने उके
बी घायळ करिके भगाड़ी लाख्यो।
१३तो बगीचा का मालेख ने क्यो, 'हूं
कंई करूं? हूं अपणा परमिला बेटा के
मोकलुंवां। कंई जाणे वी उको मान
राखे!' १४पण जदे किरसाणहुंण ने उके
देख्यो तो माय-माय यो कई के एको
कर्‌यो, 'यो तो वारिस हे'। आव, हम
इके मारी लाखां के जायजाद हमारी
हुई जाय।' १५तो उणने उके अंगूर का
बगीचा से हेड़ी ने मारी लाख्यो।

"तो बगीचा को मालेख उणका
साते कंई करेगा? १६उ अई के उना
किरसाणहुंण के सजा दई के नास करेगा
अने अंगूर को बगीचो दूसरा लोगहुंण के
दई देगा!"

यो सुणी के उणने क्यो, "असो कदी
नी होय!"

१७[†] पण ईसु ने उणका आड़ी देखी के
क्यो, "तो सासत्तर माय यो कंई लिख्यो
के,

'जेना एरण के राज कारीगरहुंण ने
खारिज करी द्‌यो थो
उज कोणा को एरण बणी ग्यो।'

१८हरेक जो उकासे भाती पड़े चूरो-चूरो हुई
जायगा पण जेका पे उ पड़ेगा उके धूळा
सरीको पीसी लाखेगा।"

यहूदिहुंण ईसु के कर का बारामें फंसावा की कोसिस माय

(मत्ती २२.१५-२२; मरकुस १२.१३-१७)

१९उनीज घड़ी सासतरिहुंण अने मुख-
पुरोहितहुंण ने उके पकड़वा की कोसिस
करी, क्योंके वी जाणी ग्या था के "उने
या मिसाल हमाराज बारामें कई हे!"
पण वी लोगहुंण से डरी ग्या। २०वी ईसु
की थाग माय र्‌या, अने असा भेदुहुंण
मोकल्या जो धरमी होवा को ढोंग करिके
उकीज कइंकी बात से उके पकड़ी के उके
राजपाल का हाते अने रोमी हाकिमहुंण
का हक माय दई दे। २१तो भेदुहुंण ने या
कई के उकासे सवाल कर्‌या, "हे गरु, हम
जांणां के तू ठीक बोले हे अने सई-सई
सीखाड़े बी हे, अने तू कइंका की बी पीछ
नी ले पण परमेसर को मारग सच्चई से
सीखावे। २२तो हमारे बताड़, "रोमी राजा
केसर, के कर चुकाणो ठीक हे के नी?"

२३पण उने उणकी चालाकी[m] के जाणी
के उणका से क्यो, २४"म्हारे एक रोमी
कलदार सिक्को[n] दिखाड़ो।" तो ईसु ने
पुछ्‌यो, "इका पे छाप अने लिख्यो केको
हे'?"

उणने क्यो "केसर राजा को।"

२५उने उणकासे क्यो, "तो जो केसर
को हे, उ केसर के दो; अने जो परमेसर
को हे, उ परमेसर के दो।"

---

[m] **२०.२३** उने उणकी चालाकी; उणको बिचार थो के, अगर ईसु केतो के केसर के कर देणो ठीक हे तो यहूदिहुंण ईसु का बिरोदी हुई जाता, अने नी सुणता अने उका पाछे नी चलता। अगर उ केतो के केसर के कर देणो ठीक नी हे तो रोमी सिपई ईसु के पकड़ी लेता अने जेळ माय लाखी देता।

[n] **२०.२४** कलदार सिक्को; करीब एक दन की मजुरी। ई लोगहुंण तो दिखावटी धारमिक था, पण सांचा धारमिक यहूदिहुंण तो रोमी सिक्का के हात बी नी लगाड़ता था।

[†] **२०.१७:** भजन संहिता ११८.२२

२६तो वी लोगहुंण का सामे उके कइंकी
बात माय नी पकड़ी सक्या, पण उका
जुवाब सुणी के अचम्बो करिके छाना
रई ग्या।

सवाल मोत का बाद जीवन को

(मत्ती २२.२३-३३; मरकुस १२.१८-२७)

२७† फेर थोड़ाक सदुकी जिणको
केणो हे के, जी उठणो हेज नी ईसु
कने आया। **२८**† उणने उकासे सवाल
कर्‌यो, "हे गरु, मूसा ने सासत्तर माय
लिख्यो हे, 'अगर कईं को मनख जेकी
घराळी रे, अने उ बे-ओलाद मरी जाय,
तो उको भई उकी बइरा से ब्याव
करिके अपणा भई सरु ओलाद पेदा
करे।' **२९**अने असो होयो के सात भई
था। पेलां भई ने ब्याव कर्‌यो पण
उ बे-ओलाद मरी ग्यो। **३०**अने दूसरा
ने बी, उनी बइरा से ब्याव कर्‌यो,
३१अने तीसरा ने बी उनी बइरा के
अपणी घराळी बणई, पण बे-ओलाद
मरी ग्यो। असतरा सातीज बे-ओलाद
मरी ग्या। **३२**आखर माय वा बइरा
बी मरी गी **३३**इकासरु जदे जी उठणो
होयगा तो वा केकी घराळी रेगा जदके
सातीज ने उके अपणी-अपणी घराळी
बणई ली थी?"

३४ईसु ने उणकासे क्यो, "इना जुग
का लोगहुंण ब्याव-सादी करे अने
करवावे हे, **३५**पण वी जो उना जुग
माय जावे अने मर्‌या माय से जी
उठवा का लायक होय, वी नी तो
ब्याव-सादी करेगा अने नी करायगा।
३६नी तो वी फेर कदी मरेगा, क्योंके
वी धरमी जिणके परमेसर ने मोत
से जीवाड़ी के सरगदूतहुंण सरीका
बणाया, परमेसर की ओलाद रेगा।
३७† पण मर्‌या होया तो जिवाड़्या
जावे हे। इनी बात के मूसा बी बळती
हुई झांडी का बखाण माय परगटे हे:
यां उ 'परभु के इबराइम को परमेसर,
इसाक को परमेसर अने याकूब को
परमेसर' के हे। **३८**उ मर्‌या होया को
नी पण जीवताहुंण को परमेसर हे।
क्योंके सगळा उका लोग उका सरु
जीवता रे हे।"

३९थोड़ाक सासतरिहुंण ने जुवाब द्‌यो,
"हे गरु, तने ठीक क्यो।" **४०**इका बाद
कइंका के ईसु के बात माय फंसावा की
हिम्मत नी हुई।

दाऊद का बेटा का बारामें सवाल

(मत्ती २२.४१-४६; मरकुस १२.३५-३७)

४१तो ईसु ने उणकासे क्यो, "या
कसी बात हे के वी के हे, के मसीह
तो दाऊद को बेटो हे?" **४२**† क्योंके
राजा दाऊद खुद भजन संहिता की
पोथी माय के हे,

'परभु परमेसर ने म्हारा परभु से
क्यो;
म्हारा सुदा हाताड़ी बेठ।
४३ † जदत्तक के हूं थारा बेरिहुंण के
थारा पगहुंण की चोकी नी
बणई दूं।'

---

† **२०.२७:** परेरितहुंण २३.८ † **२०.२८:** नेम-बिधान २५.५ † **२०.३७:** निरगमन ३.६
† **२०.४२–४३:** भजन संहिता ११०.१ † **२०.४३:** भजन संहिता ११०.१

४४असतरा दाऊद तो मसीह के 'म्हारा
परभु' के हे। तो मसीह उको बेटो कसे
हुई सके?"

धोका देवा वाळा यहूदी धारमिक नेताहुंण के ईसु की चेतावणी

(मत्ती २३.१-३६; मरकुस १२.३८-४०)

४५जदे सगळा मनख सुणी र्‌या था तो
उने चेलाहुंण से क्यो, ४६"सासतरिहुंण
से सावधान रो, जिणके लम्बा-लम्बा
चोगा पेरिके अंई-वंई फरनो, हाट-
बजारहुंण माय मान का गेले-गेल
परणाम पाणो, पराथनाघरहुंण माय
खास जगा पे बेठणो अने जिमवा का
बखत आदर-मान की जगा पाणो अच्छो
लागे। ४७अने वी जो रांडी बइराहुंण
का घरहुंण धोका से हड़पी जाय अने
खुद के धरमी दिखाड़वा सरु बड़ी-बड़ी
पराथनाहुंण करे। उणके नरी सजा
मिळेगा।"

रांडी बइरा की दो छदाम

(मर १२.४१-४४)

२१ ईसु ने नगे अदरे उठाड़ी ने
देख्यो के धणी लोग अपणी
अपणी भेंट मन्दर का खजाना माय
लाखी र्‌या था। २उने एक गरीब रांडी
बइरा के बी तांबा की दो नानी-नानी
छदाम लाखता देख्या। ३तो उने क्यो,
"हूं तमार से खास बात कूं के इनी
गरीब रांडी बइरा ने सगळा से बड़ी
के भेंट मन्दर का खजाना माय लाखी
हे। ४क्योंके उण सगळा ने अपणी
अपणी बचत माय से भेंट करी, पण
इने अपणी घटी माय से अपणा जीवन
को जो सगळो कंई थो, सगळो लाखी
द्‌यो।"

ईसु ने क्यो इना जुग माय यो मन्दर खतम हुई जायगा

(मत्ती २४.१-२; मरकुस १३.१-२)

५जदे थोड़ा मनख मन्दर का बारामें
बात करी र्‌या था के उ सुन्दर एरणहुंण
अने 'मानता' की भेंटहुंण से कसे बणायो
हे, तो उने क्यो, ६"इनी चीजहुंण का
बारामें जिणके तम देखी र्‌या हो, असा
दन आयगा, जदके एक एरण का अदरे
दूसरो एरण, बी नी रेगा, जो ढळ्डायो नी
जायगा।"

अबदा अने सताव

(मत्ती २४.३-१४; मरकुस १३.३-१३)

७तो उणने या कई के उकासे
सवाल कर्‌यो: "हे गरु, ई बातहुंण
कदे होयगा? अने जदे ई बातहुंण जो
होवा वाळी हे, तो इकी सेलाणी कंई
रेगा?"

८उने क्यो, "होसियार रो, के तम
भरमाया नी जाव, क्योंके नरा लोग
म्हारा नाम से अई के केगा, 'हूं मसीहज
हूं,' अने 'जुग का अंत को बखत कने
अई पोंच्यो हे!' पण तम उणका पाछे
चल्या मती जावजो। ९जदे तम लड़इहुंण
अने बलवाहुंण का बारामें सुणो तो डरजो
मती, इनी बातहुंण के पेलां होणो जरुरी
हे पण उना बखत एक दम से अंत नी
होयगा।"

१०तो उ उणकासे केवा लाग्यो, "जात
का बिरोद माय जात अने राज का
बिरोद माय राज उठेगा। ११जगा-जगा

धरती को कांपणो होयगा, म्हामरी
अने बिखो पड़ेगा। असमान माय
भयानक घटणाहुंण अने मोटी-मोटी
सेलाणी नगे आयगा। १२"पण इण
सगळी बातहुंण का होवा से पेलां म्हारा
नाम की वजासे लोग तमारे पकड़ेगा,
तमारे सताड़ेगा, यहूदी पराथनाघरहुंण
माय ल्या जायगा अने जेळखाना माय
लाखेगा अने राजाहुंण अने हाकिमहुंण
कने ल्या जायगा। १३इका से तमारे
गवई देवा को मोको मिळेगा। १४†
तो अपणा मन माय खुद के बचाणे
सरु पेलां से तय्यारी मती करजो।
१५क्योंके हूं तमारे असी बोली अने
असो ज्ञान दूंवां के दुसमनहुंण माय से
कइंकोज तमारो नी तो सामो अने नीज
खण्डण करी सकेगा। १६पण तमारा
मां-बाप, भई-बन्द अने दोसज धोको
दई के तमारे पकड़वायगा अने तमारा
माय से कितरा के मरवई लाखेगा।
१७म्हारा नाम की वजासे सगळा तमार
से घिरणा करेगा। १८पण तमारा माथा
को एक बाल बी बांको नी होयगा
क्योंके तम म्हारा गेले हमेस्या तक
रोगा। १९अपणी सबुरी से तम अपणा
पराण के बचाड़ोगा।

दूसरा देसहुंण से यरुसलेम को नास

(मत्ती २४.१५-२१; मरकुस १३.१४-१९)

२०"पण जदे तम यरुसलेम के सेनाहुंण
से घिर्‌यो होयो देखो, तो जाणी जावजो
के उको उजाड़ कने हे। २१तो वी जो
यहूदा नगर माय हे, बळडीहुंण पे भागी
जावे: जो यरुसलेम नगर माय रे, वी
बायरे हिटी जाय: अने वी जो गांम माय
होवे नगर आड़ी नी पलटे, २२† क्योंके
ई बादळा लेवा का असा दन रेगा, के
वी सगळी बातहुंण जो लिखी पूरण हुई
जायगा। २३उना दनहुंण माय जो भारीपग
से, अने दूद धवाड़ती रे, उणका सरु
हाय! क्योंके देस माय बड़ो कळेस रेगा,
अने इनी जात पे संकट रेगा। २४दुसमन
का सिपईहुंण यहूदिहुंण के तरवार से
काटी लाखेगा, अने जो बच्या रेगा उना
सगळा के दूसरा देसहुंण माय बन्दी बणई
के मोकलेगा। जदत्तक गेर यहूदिहुंण को
बखत जो परमेसर ने द्‌यो पूरण नी हुई
जाय तदत्तक यरुसलेम गेर यहूदिहुंण का
पग निच्चे कुच्यो जायगा।

हूं मनख का बेटो जदे पाछो अउं, उकी सेलाणी

(मत्ती २४.२९-३१; मरकुस १३.२४-२७)

२५† "सूरज चन्दरमा अने ताराहुंण
माय सेलाणी नगे आयगा, अने धरती
पे की सगळी जातहुंण माय संकट रेगा।
अने समन्दर की गरजन अने लेरहुंण
का बेदा से उणका माय घबराट रेगा।
२६डर अने जगत पे घटवा वाळी बातहुंण
की बाट जोता-जोता मनखहुंण का हात-
पग ढीळा पड़ी जायगा, क्योंके असमान
की ताकतहुंण हलाड़ी जायगा। २७† जदे
लोगहुंण हूं मनख का बेटा के सामरत
का गेले बादळाहुंण पे घणी म्हेमा का

† **२१.१४–१५:** लूका १२.११–१२ † **२१.२२:** होसे ९.७
† **२१.२५:** यसायाह १३.१०; यहेजकेल ३२.७; योएल २.३१; दरसन ६.१२–१३
† **२१.२७:** दानियल ७.१३; दरसन १.७

गेले आता होया देखेगा। २८पण जदे ई
घटणाहुंण घटवा लागे तो सुदो हुई के
अपणो माथो अदरे उठाजो, क्योंके तमारो
उध्दार कनेज हे।"

अंजीर का झाड़ से सीख

(मत्ती २४.३२-३५; मरकुस १३.२८-३१)

२९तो उने उणके मिसाल दई क्यो,
"अंजीर का झाड़ अने दूसरा सगळा
झाड़का के देखो। ३०ज्योंज उणका माय
कोंपळाहुंण फुटे तो तम देखी के खुद
जाणी जाव हो के अबे उनाळो कने अई
ग्यो। ३१असतरा तम बी, जदे यो सगळो
होतो देखो, तो जाणी लीजो के परमेसर
को राज कने हे।

३२"हूं तमार से खास बात कूं के
जदत्तक सगळी बातहुंण घटी नी जाय,
इनी पीड़ी को अंत नी होयगा। ३३असमान
अने धरती टळी जायगा, पण म्हारो
बचन कदी नी टळेगा।

होसियार रेवा की जरुवत

३४"होसियार रो। कंई असो नी होय
के तमारो हिरदो दूराचारी, दारुड्यो
अने जीवन की चिन्ताहुंण का बजन
से दबी जावे अने म्हारा आवा को दन
एकदम से तमार पे फरफुंदा की तरा
अई जाय। ३५क्योंके आखी धरती पे रेवा
वाळा सगळा मनखहुंण पे असतरा अई
जायगा। ३६पण तम हर बखत होसियार
हुई के पराथना माय लाग्या रो जेकासे
के इनी सगळी बातहुंण से बची-हिटो
अने हूं मनख का बेटा का सामे बिसास
का साते उबा होवा सरु तमारा माय
सामरत रे।"

३७† हरदन तो उ मन्दर माय जई के
परबचन देतो थो, पण सांज का बखत
यरुसलेम से बायरे हिटी के आखी रात
उना बळ्डा पे जो जेतून केवाय, बिताड़तो
थो। ३८सगळा लोग सवेरे झट उठी के
उका कने मन्दर माय उकी सुणवा सरु
अई जाता था।

ईसु के पकड़वाणे सरु कुचक्कर

(मत्ती २६.१-५; मरकुस १४.१-२; योहन ११.४५-५३)

२२ † अने बिना खमीरा रोटा को
तेवार, जो फसह° केवाय, अई
र्‌यो थो। २अने मुख-पुरोहित अने
सासतरिहुंण इनी फिराक माय लाग्या
होया था, के ईसु के कसे छाने से
मारी लाखां, क्योंके वी लोगहुंण से
डरता था।

यहूदा इस्करियोती ईसु के पकड़वाणे सरु तय्यार

(मत्ती २६.१४-१६; मरकुस १४.१०-११)

३तो सेतान उना यहूदा माय भरायो
जो इस्करियोती केवातो थो अने जो
बारा चेला माय को एक थो। ४उने
जई के मुख-पुरोहितहुंण अने हाकिमहुंण
का गेले बात-चित करी के ईसु के
कसतरे उणका हात माय पकड़वई दे।
५इका पे वी घणा खुस होया अने

° **२२.१** फसह; सबद् भण्डार माय देखो।

† **२१.३७:** लूका १९.४७ † **२२.१:** निरगमन १२.१–२७

रुप्या देवा सरु राजी हुई ग्या। ६यहूदा
इस्करियोती ने या बात मानी ली अने
उ एक खास मोका की फिराक माय
रेवा लाग्यो के भीड़ से छेटी ईसु के
धोका से पकड़वई लाखे!

ईसु के फसह का भोज खावा सरु तय्यारी करनों

(मत्ती २६.१७-२५; मरकुस १४.१२-२१; योहन १३.२१-३०)

७तो बिना खमीरा रोटा का तेवार
को पेलो दन आयो। जेना दन फसह
को मेमणो बली करनों पड़तो थो।
८ईसु ने पतरस अने योहन के यो
कई के मोकल्या, "जई के हमारा सरु
फसह को भोज तय्यार करो के हम
उके खावां।"

९तो उणने उकासे पुछ्यो, "तू कां चावे
के हम उके तय्यार करां?"

१०उने उणकासे क्यो, "नगर माय
जाताज, तमारे एक मनख मिळेगा, जो
पाणी को चकल्यो ल्यो होयो रेगा। तम
बी उका पाछे पाछे उना घर माय चल्या
जावजो जेका माय उ जाय। ११तम उना
घर मालेख से किजो, 'गरु थार से के
हे, के पांमणा रुकाड़वा की जगा कां हे
जां हूं अपणा चेलाहुंण का गेले फसह को
भोज खउं?' १२तो उ तमारे सजी-सजई
बड़ी अटारी दिखाड़ेगा। वइंज तय्यारी
करजो।"

१३उणने जई के सगळो कंई वेसोज
देख्यो जसो उने बताड़्यो थो अने उणने
वां फसह तय्यार कर्‌यो।

परभु भोज

(मत्ती २६.२६-३०; मरकुस १४.२२-२६; १ कुरिन्थिहुंण ११.२३-२५)

१४जदे बखत होयो तो ईसु जिमवा
बेठ्‌यो अने परेरितहुंण बी उका गेले
बेठ्‌या। १५उने उणकासे क्यो, "म्हारी
घणी मन्सा थी के हूं दुःख भोगवा से
पेलां तमारा गेले फसह खउं। १६क्योंके
हूं तमार से कूं के जदत्तक यो परमेसर
का राज माय पूरण नी हुई जाय, हूं इके
पाछो कदी नी खउंवां।"

१७प्यालो लई के जदे उने धन्यबाद दई
के क्यो, "इके लई लो अने माय-माय
बांटी लो। १८क्योंके हूं तमार से कूं के
जदत्तक परमेसर को राज नी अई जाय हूं
दाखरस[P] कदी नी पिउंवां।"

चेलाहुंण का गेले आखरी परभु-भोज (LUK २२.१८)

१९फेर रोटो लई के अने धन्यबाद दई
के तोड़्यो अने चेलाहुंण के देता होयो
क्यो: "या म्हारी काया हे जो तमारा

[P] **२२.१८** दाखरस; अंगूर रस।

सरु दई जाय: म्हारी रियाद माय असोज
करजो।" २०† जदे वी खई चुक्या तो
वेसोज उने प्यालो लई के क्यो, "यो
प्यालो जो तमारा सरु रेड़्यो, म्हारा लोई
माय एक नवो करार हे।[q]
२१† "पण देखो, जो म्हारे धोको दई
के पकड़वाणे वाळो हे उको हात म्हारा
साते मेंज पे हे। २२क्योंके हूं मनख को
बेटो तो मार्‌यो जउंवां जसो के म्हारा
सरु ठेराड़्यो हे, पण उना मनख पे
धिक्कार हे के उ म्हारे धोको दई के
पकड़वाय हे।"
२३तो वी माय-माय पुछवा लाग्या के
"हमारा माय से कुंण यो काम करेगा?"

मोटो कुंण

२४† उणका माय एक यो बिवाद उठ्यो
के हमारा माय से मोटो कुंण समज्यो
जाय। २५† ईसु ने उणकासे क्यो, "गेर
यहूदिहुंण का राजा उणका पे राज करे
अने जिणको उणका पे हक रे, वी
'लोगहुंण की मदद करवा वाळा' केवाय
हे। २६† पण तमारा माय असो नी होय।
उ जो तमारा माय सगळा से मोटो हे उ
सगळा से नानो बणे। अने जो मुख्यो हे
उ सेवक सरीको बणे। २७† क्योंके मोटो
कुंण, जो जिमवा बेठ्यो, या उ जो सीदो
परोसे हे? कंई उ नी जो जिमवा बेठ्यो?
पण हूं तमारा बीच माय परोसवा वाळा
सरीको हूं।
२८तम वी हो जो म्हारी अजमाइसहुंण
माय म्हारा गेले र्‌या। २९जसे म्हारा पिता
ने म्हारे एक राज द्‌यो, वेसोज हूं बी
तमारे दउं हूं, ३०† के तम म्हारा राज
माय म्हारा गेले खाव-प्यो अने न्याव-
आसण पे बेठिके इसराइल का बारा
गोतहुंण को न्याव करो।

पतरस को नटणो

(मत्ती २६.३१-३५; मरकुस १४.२७-
३१; योहन १३.३६-३८)

३१"सिमोन, हे सिमोन, देख! सेतान
ने तम लोगहुंण के गंठ सरीको उफणवा[r]
सरु हक मांगी ल्यो हे, ३२पण म्हने थारा
सरु पराथना करी हे के थारो बिसास
डगी नी जाय। अने जदे तू म्हार पे
पक्को बिसास करिके पाछो पल्टे तो
अपणा भई-बेनहुंण को बिसास मजबूत
करजे।"
३३पण पतरस ने उकासे क्यो,
"परभुजी, हूं थारा गेले जेळ जावा अने
मरवा सरु बी तय्यार हूं।"
३४फेर उने क्यो, "पतरस, हूं थार से
कूं के जदत्तक तू इनी बात से के म्हारे

---

[q] **२२.२०** थोड़ाक हात का लिख्या होया लेखहुंण माय ईसु का बचन १९ आयत माय या म्हारी काया हे के बाद नी आयो हे, अने २० आयत बी नी हे। [r] **२२.३१** उफणवा; जदे गंठ पाकी जाय तो काटिके भेळा करे अने फेर उणके कुटे या दामण दई के तेज बायरा माय उफणे ताके गंठ निच्चे पड़े अने सुक्लो बायरा का गेले उड़ी जाय।

† **२२.२०:** यरमियाह ३१.३१–३४ † **२२.२१:** भजन संहिता ४१.९

† **२२.२४:** मत्ती १८.१; मरकुस ९.३४; लूका ९.४६

† **२२.२५–२६:** मत्ती २०.२५–२७; मरकुस १०.४२–४४ † **२२.२६:** मत्ती २३.११; मरकुस ९.३५

† **२२.२७:** योहन १३.१२–१५ † **२२.३०:** मत्ती १९.२८

नी जाणे, आज तीन कावा तू नटी नी
जाय, मुरगो बांग नी देगा।"

बटवो, झोळो अने तरवार

३५[†] उने उकासे क्यो, "जदे म्हने
तमारे बटवा बिना, झोळा बिना अने
चप्पलहुंण बिना मोकल्या था तो कंई
तमारे कसी चीज की कमती पड़ी थी?"
उणने क्यो, "नी, कसी चीज की नी।"
३६उने उणकासे क्यो, "पण अबे
जेका कने बटवो होय, गेले लई के
जाय। असतरा झोळो बी लई जाय,
अने जिणका कने तरवार हयनी, अपणा
लतरा बेची के एक मोल लई ले। **३७**[†]
क्योंके हूं तमारे बतंउं के या बात जो
सासत्तर माय लिखी गी, वा म्हार से
हर हाल माय पूरण होयगा, याने 'उ
मुलजिमहुंण का गेले गिण्यो ग्यो, 'क्योंके
जो बातहुंण म्हारा बारामें करी गी पूरण
होवा पे हे।"
३८उणने क्यो, "परभुजी, देखतो, यां
दो तरवार हे।"
उने उणकासे क्यो, "बस, बस!"[s]

ईसु जेतून परबत पे जई पराथना करे

(मत्ती २६.३६-४६; मरकुस १४.३२-४२)

३९तो ईसु नगर से बायरे हिटी के
अपणी रीति मुजब जेतून का बळडा
आड़ी नगर का बायरे चल्यो, अने
चेलाहुंण बी उका पाछे चली पड़्या।
४०जदे उ वां पोंच्यो तो उने क्यो,
"पराथना करो के तम अजमाइस माय
नी पड़ो।"
४१उ उणकासे करीब ढेला फेंके इतरी
छेटी ग्यो अने गोड़ा टेकी के पराथना
करवा लाग्यो **४२**"हे परमेसर पिताजी,
अगर तू चावे तो इना कटोरा के म्हारा
कने से सरकई दे; फेर बी म्हारी नी
पण थारी मरजी पूरण होय।" **४३**तो
सरग से एक दूत उके नगे आयो जो
उके सामरत देतो थो। **४४**ईसु बेचेन हुई
के पराथना करी र्‌यो थो, अने उको
पसीनो लोई का टपका सरीको जमीन
पे पड़ी र्‌यो थो।[t]
४५जदे उ पराथना करिके उठ्‌यो अने
चेलाहुंण कने आयो तो उने देख्यो के
वी दुःखी हुई के सोइर्‌या था। **४६**उने
उणकासे क्यो, "तम कायसरु सोइर्‌या
हो? उठ्‌याव, पराथना करो के तम
अजमाइस माय नी पड़ो।"

ईसु के यहूदी नेताहुंण अने मन्दर का नेपादारहुंण ने पकड़्यो

(मत्ती २६.४७-५६; मरकुस १४.४३-५०; योहन १८.३-११)

४७जदे ईसु बात करीज र्‌यो थो, तो
देखो, एक भीड़ अइगी अने बाराहुंण
माय से एक चेलो जो यहूदा केवातो थो,
उणका अगड़े अगड़े चल्यो अई र्‌यो थो।
उ ईसु कने आयो के उको चुम्मो ले।

---

[s] **२२.३८** बस, बस; ईसु की बात से चेलाहुंण डरी ग्या था, चेलाहुंण नी चाता था के तरवार के काम माय ले। वी नी समजी सक्या के उ असी भासा माय असा बखत माय जदके बखत कठण हे कायसरु बात करे हे (आयत ३६)। ईसु नी चातो थो के वी तरवार के काम माय ले जदे उ गिरपतार होयो थो (आयत ४९-५१)। [t] **२२.४४** थोड़ाक हात का लेखहुंण माय ४३-४४ आयतहुंण नी मिळे हे।

[†] **२२.३५:** मत्ती १०.९–१०; मरकुस ६.८–९; लूका ९.३, १०.४ [†] **२२.३७:** यसायाह ५३.१२

४८पण ईसु ने उकासे क्यो, "यहूदा कंई
तू हूं मनख का बेटा के चुमी के धोको
दई के पकड़वाय हे?"

४९जो उका ऐरे-मेरे उब्या था जदे
उणने देख्यो के कंई होणे जई र्‌यो हे।
तो क्यो, "परभु जी, कंई हम तरवार
चलांवां?" ५०उणका माय से कइंका ने
म्हापुरोहित का सेवक पे तरवार चलाड़ी
के उको सुदो कान काटी लाख्यो।

५१पण ईसु ने क्यो, "थमो, असो मती
करो!" उने उको कान हात लगाड़ी के
पाछो नज करी लाख्यो।

५२ईसु ने मुख-पुरोहितहुंण अने मन्दर
का हाकिमहुंण अने सियाणाहुंण से जो
उके पकड़वा आया था क्यो, "कंई तरवार
अने लट्‌ठ लई ने म्हारे पकड़वा आया
हो? जसोके हूं कईं को डकेत हूं? ५३[†] जदे
हूं हरदन मन्दर माय तमारा गेले र्‌यो तो
तमने म्हार पे हात नी लाख्यो! पण यो
बखत अने इन्दारा को हक तमारो हे।"

पतरस को नटणो के हूं ईसु के नी जाणूं

*(मती २६.५७-५८,६९-७५; मरकुस १४.५३-
५४,६६-७२; योहन १८.१२-१८,२५-२७)*

५४फेर वी उके बन्दी बणई के
म्हापुरोहित का घरे लई चल्या। पतरस
थोड़ोक छेटी से हुई के पाछे-पाछे चली
र्‌यो थो। ५५जदे वी आंगणा माय ताप
लगाड़ी के बेठी चुक्या तो पतरस बी
उणका गेले बेठी ग्यो थो। ५६तो एक
दासी ने ताप का उजाळा माय उके बेठ्‌यो
देखी के उका आड़ी ध्यान से देखता होय
क्यो, "यो बी तो उका गेलेज थो।"

पतरस को नकार्‌यो जाणों (LUK २२.५८)

५७पण उने यो कई के इका से नटी
ग्यो: "ऐ बई, हूं उके नी जाणूं।"

५८थोड़िक देर बाद कइंका दूसरा ने
उके देख्यो अने क्यो, "तू बी उणका माय
से एक हे।"

पण पतरस ने क्यो, "अरे नी भई, हूं
हयनी!"

५९करीब एक घंटो बितवा का बाद
एक हजु मनख जोर दई के केवा लाग्यो,
"पक्कोज यो मनख बी उका गेले थो,
क्योंके यो बी गलील को हे।"

६०पण पतरस ने क्यो, "अरे भई, हूं
नी जाणूं तू कंई के!"

जदे उ बात करीज र्‌यो थो झट मुरगा
ने बांग लगाड़ी दी। ६१तो परभु ने मुड़ी
के पतरस के देख्यो अने पतरस के
परभु की बात रियाद अई गी, के उने
यो क्यो थो: "आज मुरगो बांग दे उका

[†] **२२.५३:** लूका १९.४७, २१.३७

पेलां तू तीन बखत नटेगा के हूं नी
जाणूं।" ६२अने उ बायरे जई के फुटी-
फुटी के रोयो।

नेपादारहुंण ने ईसु का गेले मसकरी करी अने मार्‌यो

(मत्ती २६.६७-६८; मरकुस १४.६५)

६३वी सिपईहुंण जो ईसु के पकड़्या
होया था, उकी मसकरी करिके कुटी
र्‌या था। ६४उणने उकी आंख ढांकी
अने यो कई के उकासे पुछवा लाग्या,
"भविसबाणी कर! केने थारे मार्‌यो?"
६५वी उकी निंदा करिके उका बिरोद माय
हजु नरी बातहुंण करी र्‌या था।

म्हासबा माय ईसु की पेसी

(मत्ती २६.५९-६६; मरकुस १४.५५-६४; योहन १८.१९-२४)

६६जदे दन उग्यो तो लोगहुंण का
सियाणाहुंण की म्हासबा[u] बुलाड़ी, जेका
माय मुख-पुरोहित अने सासतरी बी था।
अने सिपईहुंण ईसु के म्हासबा माय या
केता होया लई ग्या: ६७"अगर तू मसीह
हे तो हमारे बताड़।"
पण उने उणकासे क्यो, "अगर हूं कुंवां
फेर बी तम बिसास नी करोगा, ६८अने
अगर हूं सवाल पुछुं तो तम जुवाब नी
दोगा। ६९पण अबे से हूं मनख को बेटो,
सरवसक्तिमान परमेसर की सगळी
सामरत का सुदा हाताड़ी बेठाड़्यो जउंवां।"
७०तो सगळा ने पुछ्यो, "तो तू कंई
परमेसर को बेटो हे?"
"उने क्यो, 'हां हूं'।"
७१उणने क्यो, "अबे हमारे अगड़े गवई
की कंई जरुवत? क्योंके हमने खुदी उका
मुन्डा से सुणी ल्यो।"

पिलातुस राजपाल का सामे ईसु

(मत्ती २७.१-२,११-१४; मरकुस १५.१-५; योहन १८.२८-३८)

२३ तो आखी म्हासबा उठी के ईसु
के पिलातुस राजपाल कने लई
गी। २वी यो कई के उका पे आरोप
लगाड़वा लाग्या: "हमने इना मनख
के देसवासिहुंण के भड़कातो अने रोम
का राजा केसर के तोजी देवा सरु मना
करतो अने यो केतो सुण्यो के हूं खुद
मसीह, याने राजो हूं।"
३पिलातुस ने उकासे पुछ्यो, "कंई तू
यहूदिहुंण को राजो हे?"
उने उके जुवाब द्‌यो, "ठीक, तू खुदज
कई र्‌यो हे।"
४पिलातुस ने मुख-पुरोहितहुंण अने
भीड़ से क्यो, "हूं इना मनख माय कईं
को कसूर नी पउं।"
५पण वी या कई के दबाव लाखता
र्‌या के, "उ गलील से लई के तो आखा
यहूदिया माय सीख दइ-दई के लोगहुंण
के भड़कावे हे, यां तक के इनी जगा
माय बी।"

हेरोदेस का सामे ईसु

६जदे पिलातुस ने यो सुण्यो तो पुछ्यो,
"कंई यो मनख गलील को हे?" ७जदे

---

[u] **२२.६६** म्हासबा; यहूदी परजा का सियाणाहुंण की सबा, इबराणी भासा माय जेके सनहेन्द्रयोन के हे।

उने जाण्यो के उ हेरोदेस का राज को
रेवा वाळो हे, तो उने उके हेरोदेस राजा
कने मोकल्यो। हेरोदेस सासक खुद बी
उना बखत यरुसलेम नगर माय थो ८जदे
हेरोदेस सासक ने ईसु के देख्यो तो घणो
खुस होयो क्योंके घणा लम्बा बखत से
उके देखणो चातो थो। उ उका बारामें
सुण्या करतो थो अने उकासे कइंका
चमत्कार देखवा की आस करी र्‌यो थो।
९उने ईसु से नरा सवाल पुछ्‌या पण ईसु
ने कइंका को जुवाब नी द्‌यो। १०मुख-
पुरोहित अने सासतरी वां उबा हुई के
घणा जोर दई के आरोप लगाड़ी र्‌या था।
११तो हेरोदेस सासक ने सिपईहुंण समेत
ईसु की मजाक उड़ई अने उका साते बुरो
बरताव करवा का बाद उके चटकदार
लतरो पेरायो अने पाछो पिलातुस
राजपाल कने मोकली द्‌यो। १२उणाज
दन से हेरोदेस अने पिलातुस माय-माय
दोस बणी ग्या। इका से पेलां उणका माय
दुसमनी थी।

ईसु सरु फेसलो

(मत्ती २७.१५-२६; मरकुस १५.६-
१५; योहन १८.३९-१९.१६)

१३पिलातुस ने मुख-पुरोहितहुंण
सासकहुंण अने लोगहुंण के तेड़्या,
१४अने उने क्यो, "तम म्हारा कने
इना मनख के बलवो करवा वाळो
अने भड़काणे वाळा की कई के लाया
हो। देखो तमारा सामे इना मनख
के जांचवा पे म्हने इका माय उनी
बातहुंण को कईं को कसूर नी पायो
जेको तम दोष लगाड़ी र्‌या हो। १५अने
नी हेरोदेस ने, क्योंके उने इके हमारा
कने पाछो मोकल्यो हे। अबे देखो, इने
मोत की सजा सरीको कंई काम नी
कर्‌यो। १६तो हूं इके पिटवई के छोड़ी
लाखुंवां।" १७(तेवार का दन पिलातुस
के उणका सरु एक मुलजिम छोड़णो
जरुरी थो।)[v]

१८पण वी एक साते चिल्लाड़ी उठ्‌या,
"इना मनख के मारी लाख अने हमारा
सरु बरअब्बा के छोड़ी दे।" १९यो बरअब्बा
उज थो जो नगर माय बलवो करावा
अने हत्या का कसूर सरु जेळखाना माय
लाख्यो थो।

२०पिलातुस ने ईसु के छोड़वा की
मन्सा से लोगहुंण के फेर समजायो,
२१पण वी यो केता होया चिल्लाता र्‌या:
"उके कुरुस पे चड़ाव, कुरुस पे।"

२२तो उने तीसरी कावा उणकासे क्यो,
"कायसरु? इना मनख ने कंई बुरई करी?
म्हने इका माय मोत की सजा लायक
कंई कसूर नी पायो। तो हूं उके कोड़ा
लगवई के छोड़ी लाखुंवां।"

२३पण वी उंची अवाज से चिल्लाड़ी-
चिल्लाड़ी के के पाछे पड़ी ग्या के उ
कुरुस पे लटकाड़्यो जाय अने उणका
चिल्लाड़्वा को असर बड़वा लाग्यो। २४तो
पिलातुस ने फेसलो कर्‌यो के उणकी
मरजी पूरण करी जाय। २५तो उने उना
मनख के जो दंगा अने हत्या का कसूर
की वजासे बन्दी बणायो थो उणकी मांग
मुजब छोड़ी लाख्यो: पण ईसु के उणकी
मरजी पे छोड़ी लाख्यो।

---

[v] **२३.१६** थोड़ाक हात का लेखहुंण माय १७ आयत मिळे हे (देखो मरकुस १५.६)।

कुरुस पे लटकाड़्यो जाणो

(मत्ती २७.३२-४४; मरकुस १५.२१-३२; योहन १९.१७-२७)

२६जदे वी ईसु के लइ-जई र्‌या था तो उणने गांम आड़ी से आता होया सिमोन नामका एक कुरेनी नगर का रेवा वाळा के पकड़्यो अने कुरुस उका कांधा पे धरी के, के उ कुरुस के ईसु का पाछे-पाछे लई चले।

२७उका पाछे लोगहुंण की बड़ीमेक भीड़ चली अइरी थी अने उणका माय बइराहुंण बी थी जो ईसु सरु रोई अने कळिपरी थी। **२८**पण ईसु ने उणका आड़ी फरिके क्यो, "यरुसलेम की बेटिहुंण, म्हारा सरु मती रोव, पण अपणा अने अपणा बाळकहुंण सरु रोव। **२९**क्योंके देखो असा दन अई र्‌या जदके लोग केगा 'धन्य वी बांझ अने वी कोख जिणने जन्म्यो हयनी अने वी स्तन जिणने कदी दूद नी पिवाड़्यो' **३०**† तो

'वी परबतहुंण से केवा लागेगा,
"हमार पे हिटी पड़ो," अने
बळ्डीहुंण से केगा, "हमारे
ढांकी लो।" '

३१क्योंके अगर वी लिल्ला झाड़ का गेले असो करे हे, तो सुक्या का गेले कजा कंई नी होयगा?"

३२सिपईहुंण ने दूसरा दोई डाकूहुंण के बी जो कसुरवार था, उका गेले मोत की सजा देवा सरु लइ-जई र्‌या था।

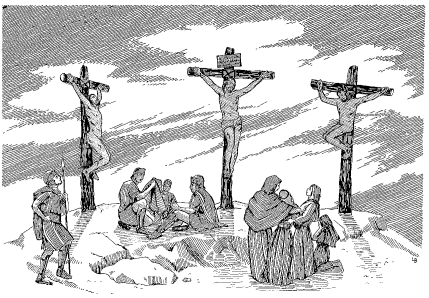

ईसु का अगल-बगल दो डाकू कुरुस पे (LUK २३.३२)

३३जदे वी उनी जगा पे जो कपाळ की जगा केवाय पोंच्या तो वां उणने ईसु के अने उका गेले दो डाकूहुंण के बी कुरुस पे टांग्या एक के सुदा हाताड़ी अने दूसरा के डाबा हाताड़ी। **३४**† पण ईसु ने क्यो, "हे परमेसर पिता, इणके मांफ कर, क्योंके ई नी जाणे के कंई करी र्‌या हे।" अने उणने चिट्ठिहुंण लाखी के उका लतरा माय-माय बांटी ल्या।

३५† लोग कने उबी के देखी र्‌या था: यां तक के हाकिमहुंण बी या कई के उके ताणा दई र्‌या था, "इने दूसरा लोगहुंण के बचाड़्या। अगर यो परमेसर को मसीह याने उको छांट्यो होयो हे तो अपणे खुद के बचाड़े!"

३६† सिपईहुंण बी उका कने अई के मजाक उड़ावा, अने सिरको पिवाड़ी के **३७**केवा लाग्या, "अगर तू यहूदिहुंण को राजो हे तो अपणे खुद के बचाड़।"

---

† **२३.३०:** होसे १०.८; दरसन ६.१६ † **२३.३४:** भजन संहिता २२.१८
† **२३.३५:** भजन संहिता २२.७ † **२३.३६:** भजन संहिता ६९.२१

३८अने उका अदरे यो आरोप-पत्तर बी
लगाड्यो थो, "यो यहूदिहुंण को राजो
हे।"
३९जो वां लटकाड्या ग्या था उणका
माय से एक कुकरमी यो कई के कोसी
र्‌यो थो: "कंई तू मसीह हयनी? तो फेर
अपणे खुद के अने हमारे बचाड़"
४०पण दूसरा ने उके डांटी के क्यो,
"कंई तू परमेसर से बी नी डरे? तू बी
तो इना फेसला का मुजब सजा पई र्‌यो।
४१हमारा गेले तो सांची माय न्याव होयो
अने हम अपणी करनी को ठीक फळ
भुगती र्‌या हे। पण इना मनख ने कंई
कसूर नी कर्‌यो।" **४२**तो उने ईसु से क्यो,
"हे परभु ईसु, जदे तू अपणा राज माय
आवे तो म्हारे रियाद करजे।"
४३ईसु ने उकासे क्यो, "हूं थार से
सांची कूं के आजज तू म्हारा गेले सरग-
लोक माय रेगा।"

ईसु ने कुरुस पे पराण छोड्या

*(मत्ती २७.४५-५६; मरकुस १५.३३-
४१; योहन १९.२८-३०)*

४४† अबे यो दफोर्‌या का करीब बारा
बजे को बखत थो अने तीन बज्या दन
तक आखा देस माय इन्दारो छायो र्‌यो।
४५क्योंके सूरज को उजाळो जातो र्‌यो।
अने यरुसलेम मन्दर माय को परदो
अदाड़ से फाटी ग्यो। **४६**† ईसु ने उंची
अवाज से हेला पाड़ी के क्यो, "हे परमेसर
पिता, हूं अपणी आतमा थारा हात माय
दई र्‌यो हूं।" या कई के उने पराण छोड़ी
लाख्यो।
४७जदे सुबेदार ने यो सगळो देख्यो तो
उ या कई के परमेसर की बड़ई करवा
लाग्यो: "सांची माय यो मनख निरदोस
थो।"
४८तो आखो हुजुम जो तीन मनखहुंण
की मोत देखवा सरु भेळो होयो थो जो
कंई होयो उके जदे देखी ल्यो, तो अपणी
छाती कूटता होया पाछा जावा लाग्या।
४९† उका सगळा जाण-पेचाण वाळा अने
वी बइराहुंण जो गलील से उका गेले अई
थी, थोड़िक दूरी पे उबी हुई के यो सगळो
देखी री थी।

ईसु की लोथ के गाड्यो जाणो

*(मत्ती २७.५७-६१; मरकुस १५.४२-
४७; योहन १९.३८-४२)*

५०-५१अने, यूसफ नामको एक मनख
जो यहूदिया का नगर अरमतियाह को
रेवा वाळो थो सुदो अने धरमी मनख थो
अने परमेसर का राज की बाट जोई र्‌यो
थो। उ म्हासबा को एक सदस्य, पण
उणकी योजणा अने काम सरु राजी नी
थो। **५२**यूसफ ने पिलातुस कने जई के
ईसु की लोथ मांगी ली। **५३**तो उने ईसु
की लोथ के उतारी के मलमल का लतरा
माय लपेटी अने एक कबर माय धरी जो
सिल्ला माय कोरी के बणई थी, जेका
माय कदी कइंका की लोथ नी धरी थी।
५४उ यहूदिहुंण को तय्यारी को दन थो
अने सबत् को दन सुरु होवा वाळो थो।
५५उनी बइराहुंण ने, जो गलील से ईसु
का गेले अई थी, पाछे पाछे जई के उनी
कबर के देखी अने यो बी देख्यो के उकी

---

† **२३.४५:** निरगमन २६.३१–३३ † **२३.४६:** भजन संहिता ३१.५ † **२३.४९:** लूका ८.२–३

लोथ कसे धरी हे। ५६† तो वी पाछी वइंज
अई के जां रुकी थी सुगन वाळा मुसाला
अने अतर तय्यार कर्‌या।
फेर सबद् का दन हुकम का मुजब
उणने अराम कर्‌यो।

ईसु मर्‌या माय से जी उठ्‌यायो

(मत्ती २८.१-१०; मरकुस १६.१-८; योहन २०.१-१०)

२४ सबद् बितवा पे दितवारे हफ्ता
का पेलां दन पो फाटतांज वी
बइराहुंण उना सुगन वाळा मुसालाहुंण के
जो उणने तय्यार कर्‌या था लई के कबर
पे अई। २उणके बड़ी सिल्ला, कबर पे से
सरकी नगे अई। ३पण जदे वी भित्तरे ग्यी
तो उणके परभु ईसु की लोथ नी लादी।
४असो होयो के जदे वी अचरज करीज
री थी तो देखो, दो मनख चळकण्यां
लतरा पेर्‌या उणका कने अई उब्या। ५तो
बइराहुंण डरी हुई अने जमीन आड़ी मुन्डो
नमाड़ी के उबी थी तो उना मनखहुंण ने
उणकासे क्यो, "तम जीवता के मर्‌या
माय कायसरु ढुंडो हो? ६† उ यां नी हे
पण जीवतो हुई ग्यो। रियाद करो के जदे
उ गलील मायज थो तो उने तमार से यो
क्यो थो: ७"हूं मनख को बेटो जरुरीज
पापी मनखहुंण का हात माय करी द्‌यो
जउंवां, कुरुस पे लटकाड़्यो जउंवां अने
तीसरा दन जीवतो हुई जउंवां।"
८तो उणने उकी बातहुंण रियाद करी,
९अने कबर से पाछी अई के सगळी बात
ग्यारा चेलाहुंण के अने सगळा के सुणई।
१०जिणने ई बातहुंण, परेरितहुंण के बतई,
वी मरियम मगदलीनी, योअन्ना अने
याकूब की मेतारी मरियम अने उणका
गेले दूसरी बइराहुंण बी थी। ११पण ई
बातहुंण परेरितहुंण के गप सरीकी लागी।
अने उणने बइराहुंण को बिसास नी
कर्‌यो। १२पण पतरस उठ्‌यो अने दोड़्यो
दोड़्यो कबर पे ग्यो जदे उने नमिके
भित्तरे देख्यो तो उके सिरप मलमल को
लतरो नगे आयो, अने इनी घटणा पे
अचरज करतो होयो उ अपणा घरे चल्यो
ग्यो।[w]

पतरस ईसु की कबर पे (LUK २४.१२)

इम्माउस की बाट पे दो चेलाहुंण के ईसु को दरसन

(मर १६.१२-१३)

१३अने देखो, उणाज दन उणका माय
से दो जणा इम्माउस नाम का गांम
आड़ी जई र्‌या था जो यरुसलेम से करीब
छः कोस[x] छेटी थो। १४वी इनी सगळी
घटणाहुंण का बारामें माय-माय बात

---

[w] **२४.१२** थोड़ाक हात का लिख्या होया लेखहुंण माय १२ वीं आयत नी मिळे हे । [x] **२४.१३** छः कोस; या ११ किलो मीटर ।

† **२३.५६:** निरगमन २०.१०; नेम-बिधान ५.१४

† **२४.६–७:** मत्ती १६.२१, १७.२२–२३, २०.१८–१९; मरकुस ८.३१, ९.३१, १०.३३–३४; लूका ९.२२, १८.३१–३३

करता जई र्‌या था। १५पण असो होयो
के जदे वी माय-माय बात करी र्‌या था
तो ईसु खुद वां अई के उणका गेले-गेल
चलवा लाग्यो, १६पण उणकी आंखहुंण
असी बन्द करी लाखी थी के ईसु के
ओळखी नी सक्या। १७उने उणकासे
क्यो, "तम चलता चलता माय-माय कंई
बातहुंण करी र्‌या हो?"

इम्माउस का रस्ता पे ईसु अने दो मनख (LUK २४.२७)

अने वी उदास हुई के उबा रई ग्या।
१८उणका माय से एक ने, जेको नाम
क्लियोपास थो, उके जुवाब द्‌यो, "कंई
तूज एखलो असो मनख यरुसलेम माय
आयो होयो हे के इनी सगळी बातहुंण
से जो इना दनहुंण माय घटी अण्जाण्यो
हे?"

१९उने उणकासे क्यो, "कां की
बातहुंण?"

उणने उकासे क्यो, "ईसु नासरी
का बारामें, जो परमेसर अने सगळा
मनखहुंण की नगे माय काम अने बचन
माय सामरती नबी थो। २०पण हमारा
मुख-पुरोहितहुंण अने हाकिमहुंण ने उके
पकड़वई के मोत की सजा का लायक
ठेराड्‌यो अने उके कुरुस पे टांग्यो।
२१पण हम तो या आसा करी र्‌या था
के उज मनख इसराइल के छुटकारो देवा
वाळो हे। इनी बातहुंण का अलावा इनी
घटणाहुंण के घट्‌या आज तीसरो दन हुई
चुक्यो हे। २२पण हमारा गेले की थोड़िक
बइराहुंण ने बी हमारे अचरज माय लाखी
द्‌यो। जदे वी सवेरे माय कबर पे ग्यी,
२३अने उकी लोथ नी लादी, तो यो केता
हुई अई के 'हमने सरगदूतहुंण को बी
दरसन कर्‌यो जिणने क्यो के उ जीवतो
हे।' २४जो हमारा गेले का चेला था उणका
माय से थोड़ाक कबर पे ग्या अने जेनी
बात के बइराहुंण ने जसी कई थी वसीज
मिळी। पण, उणने ईसु के नी देख्यो।"

२५तो ईसु ने उणकासे क्यो, "अरे
कमअकल्याहुंण, जो बात नबिहुंण ने कई
उनी सगळी बातहुंण पे बिसास करवा
माय मतिबन्द लोगहुंण। २६मसीह सरु
कंई यो जरुरी नी थो के यो सगळो दुःख
भोगे अने परमेसर की म्हेमा माय जई
पोंचे?" २७तो उने मूसा से सुरु करिके
सगळा नबिहुंण अने आखा धरम सासत्तर
माय से अपणा बारामें कई गी बातहुंण
को अरथ उणके समजई द्‌यो।

२८जदे वी उना गांम कने पोंच्या जां
जई र्‌या था, तो उने असो कर्‌यो जसेके
उ अगड़े जाणो चई र्‌यो। २९पण उणने
जोर दई के क्यो, "हमारा गेले रुकी जा,
क्योंके सांज हुई चली हे अने दन करीब-
करीब अथणी चुक्यो हे।" तो उ उणका
गेले रुकवा सरु भित्तरे ग्यो। ३०तो असो
होयो के जदे ईसु उणका गेले जिमवा
बेठ्‌यो तो उने रोटा लई के धन्यबाद

द्यो, अने तोड़ी के उणके देवा लाग्यो।
३१तो उणकी आंखहुंण खुली गी अने
उणने उके ओळखी ल्यो, पण उ उणकी
नगे से लोप हुई ग्यो। ३२वी एक दूसरा
से केवा लाग्या, "जदे उ बाट माय हमार
से बातहुंण करी र्‌यो अने हमारे पवित्तर
सासत्तर को मतलब समजई र्‌यो थो, तो
कंई हमारा हिरदा उतेजणा से नी भरई
ग्या था?

३३उणाज बखत वी उठी के यरुसलेम
पाछा ग्या अने ग्याराहुंण अने उणका
सातिहुंण के भेळा पई के ३४उणने क्यो,
"परभु सांचीज जी उठ्‌यो, अने सिमोन
के नगे आयो।"

३५अने दोई चेला इम्माउस बाट की
म्हायथी के अने या के रोटा तोड़ता बखत
वी ईसु के कसे ओळखी ग्या था बताड़्वा
लाग्या।

बन्द कोठड़ी माय चेलाहुंण के ईसु ने दरसन द्‌यो

(मत्ती २८.१६-२०; मरकुस १६.१४-१८;
योहन २०.१९-२३ परेरितहुंण १.६-८)

३६जदे वी ई बातहुंण कर्‌या जई र्‌या
था, ईसु उणका अदाड़ माय अई के उबो
हुई ग्यो, अने उणकासे क्यो, "तमारे
सान्ती मिळे।"

३७पण वी चोंकी ग्या अने डरी ग्या।
उणने बिचार्‌यो के हम कइंका भूत के
देखी र्‌या हे। ३८ईसु ने उणकासे क्यो,
"तम कायसरु घबराव? तमारा हिरदाहुंण
माय सक कायसरु उठे हे? ३९म्हारा हात
अने म्हारा पगहुंण के देखो के हूं खुदज
हूं। म्हारी काया के हात लगाड़ी ने देखो,
क्योंके आतमा के हाड़-मांस नी होय,
जसाके तम म्हारा माय देखो हो!"

४०जदे उ यो कई चुक्यो तो उने
अपणा हात अने पग उणके दिखाड़्या।[y]
४१जदे वी खुसी का मारे अबे बी बिसास
नी करी सक्या अने चेलाहुंण के अचरज
हुई र्‌यो थो। तो ईसु ने उणकासे क्यो,
"कंई तमारा कने यां थोड़ो खावा सरु
हे?" ४२तो उणने उके सेंकी हुई मच्छी
को एक गांगडो द्‌यो। ४३अने उने उके
लई के उणका सामे खायो।

४४तो उने उणकासे क्यो, "ई म्हारी वी
बातहुंण हे, जिणके म्हने तमारा गेले रई
के करी, के उनी सगळी बातहुंण के जो
मूसा का नेम-बिधान माय, नबिहुंण, अने
भजनहुंण की पोथी माय, म्हारा बारामें
लिखी गी थी पूरण होणो जरुरी हे।"

४५उने उणके अक्कल दई के वी
पवित्तर सासत्तर के समजे। ४६अने उने
क्यो, "यो लिख्यो के मसीह दुःख भोगेगा
अने तीसरा दन मर्‌या माय से जीवतो
हुई जायगा। ४७अने यरुसलेम से सुरु
करिके सगळी जातहुंण माय उका नाम
से पापहुंण की मांफी सरु मन बदळवा
को परचार कर्‌यो जायगा। ४८तम इनी
सगळी बातहुंण का गवा हो। ४९[†] देखो,
जो करार म्हारा पिता ने कर्‌यो हे, हूं उके
तमार पे उतारुंवां पण जदत्तक तम सरग
की सामरत से भर्‌या-पुर्‌या नी हुई जाव,
इना नगर माय रुक्या री जो।"

---

[y] **२४.४०** थोड़ाक हात का लिख्या होया लेख माय ४० आयत नी मिळे हे ।

[†] **२४.४९:** परेरितहुंण १.४

ईसु असमान पे चड़िग्यो
(LUK २४.५०)

ईसु सरग पे चेलाहुंण का देखता-देखता चल्यो ग्यो

(मर १६.१९-२०; परेरितहुंण १.९-११)

५०† जदे उ उणके बेतनिय्याह तक बायरे लई ग्यो अने उने अपणा हात अदरे उठई के उणके आसीस दई। **५१**जदके उ आसीस दई र्‌यो थो तो उणकासे इकाड़ी होयो अने उके सरग पे उठई ल्यो। **५२**तो उणने ईसु के सास्टांग परणाम कर्‌यो अने वी घणी खुसी का साते यरुसलेम नगर पाछा अई ग्या **५३**अने रोज-रोज मन्दर माय जई के परमेसर की बड़ई करता र्‌या।

† **२४.५०–५१:** परेरितहुंण १.९–११

योहन
लिख्यो सुब-समिचार

लिखवा वाळो: योहन

लिखवा की वजा: ईसु पे बिसास करो

लिखवा को बखत: करीब ८५-९५ ईस्वी सन्

दूसरी सदी का सुरु सेज चली अइरी परमपराहुंण का मुजब चोथा सुब-समिचार को लिखवा वाळो जब्दी को बेटो, याकूब को भई योहन परेरितज मान्यो जाय हे। उ बारा चेलाहुंण माय से एक थो।

योहन तीन खास सबद्हुंण (याने सेलाणिहुंण, बिसास, अने जीवन) पे खास जोर देता होया (२०:३०,३१), इना सुब-समिचार के लिखवा को खास कारण दिखाड़े हे।

(क) सेलाणिहुंण: "सेलाणिहुंण" सबद् के परभु ईसु का अचरज का कामहुंण सरु काम माय लायो जाय हे। परभु ईसु को सरुप दिखाड़्वा सरु योहन ने परभु ईसु ने जो सात अचरज का कामहुंण के छांट्या। हरेक माय एक खास सन्देसो हे।

१. पाणी के दाखरस माय बदळणो - सरुप पे हक
२. राज-करमचारी का बेटा के नज करनों - दूरी पे हक
३. अड़तीस बरस का बेमार के नज करनों - बखत पे हक
४. पांच हज्जार के जिमाड़णो - मातरा पे हक
५. पाणी पे चलनो - परकती पे हक।
६. आंदा के आंखहुंण देणो - कमजोरी पे हक।
७. लाजर के जिवाड़्यो जाणो - मोत पे हक।

(ख) बिसास: पोथी माय "बिसास" सबद् करीब अठ्याणु कावा आयो हे इना सबद् के लोगहुंण कसे समजे इकासरु इके घड़ी-घड़ी काम माय ल्यो हे अने ईसु पे बिसास करवा वाळा उका चेलाहुंण बणी ग्या, पण बिसास नी करवा वाळा ईसु का दुसमन बणी ग्या। ईसु से मिळी के लोगहुंण बिचारवा पे मजबुर हुई जाता था।

(ग) जीवन: यो सबद् ईसु पे बिसास का फळ के बताड़े हे। जीवन पाणे को मतलब ईसु मसीह को हुई जाणो, याने नवा जनम से उका आतमिक परवार माय जनम लेणो हे। यो ईसवरीय सुभाव हे जो एक बिसास करवा वाळा के द्यो जाय हे। परभु ईसु ने नीकुदेमुस फरीसी से क्यो, "जदत्तक कईं को नवा सिरा से जनम नी लई ले, उ परमेसर को राज नी देखी सके।" (३:३) इना जीवन के अजर-अमर जीवन क्यो हे (३:१५) या आतमिक मोत की बिपरित दसा हे।

रुप-रेखा:-

१. परमेसर का बेटा के परगट करनों १:१-१८
२. परमेसर का बेटा की समाज माय सेवा १:१-१२:५०
३. परमेसर का बेटा की आतमिक सेवा १३:१-१७:२६
४. परमेसर का बेटा की दुःख भोगवा की आखरी सेवा .. १८:१-२०:३१
५. परमेसर का बेटा को आखरी संदेसो २१:१-२५

बचन जो काया माय आयो

१ आदी माय बचन[a] थो, अने बचन
परमेसर का गेले थो अने बचनीज
परमेसर थो। २योज आदी माय परमेसर
का गेले थो। ३सगळो कंई उकासेज बण्यो
अने जो कंई बण्यो, उका माय से कंई बी
असो हयनी जो उकासे नी बण्यो। ४उका
माय जीवन थो अने उ जीवनीज मनख
को उजाळो थो। ५अने उजाळो इन्दारा
माय चळके पण इन्दारा ने उके मान्यो
हयनी।

६[†] परमेसर आड़ी से मोकल्यो होयो
एक मनख आयो जेको नाम योहन थो।
७उ इकासरु आयो के उना उजाळा को
गवा बणे के सगळा उकी वजासे उजाळा
माय बिसास करे। ८योहन खुद तो उ
उजाळो नी थो पण इकासरु आयो थो
के लोगहुंण के उना उजाळा की गवई
दे। ९उ सांचो उजाळो जो हरेक मनख के
ज्ञान-जोत दे जग माय आणे वाळो थो
१०उ जग माय थो अने जग उकी
वजासे बण्यो अने जग ने उके पेचाण्यो
हयनी। ११उ अपणा घरे आयो अने उका
अपणा लोगहुंण ने उके नी मान्यो। १२पण
जितरा ने उके मान्यो, उने परमेसर का
बेटा होवा को हक उणके द्यो, जो उका
नाम पे बिसास राखे। १३वी नी तो लोई
से, नी काया की मरजी से, अने नी
मनख की मरजी से, पण परमेसर से
जन्म्या हे।

१४अने बचन जो किरपा अने सच्चई
से भर्यो थो काया धारी हुई ने हमारा
अदाड़ माय र्यो अने हमने उकी असी
म्हेमा देखी जसी पिता का एखला बेटा
की म्हेमा।

१५योहन ने उका बारामें गवई दई अने
चिल्लाड़ी-चिल्लाड़ी के बोल्यो यो उज हे
जेका बारामें म्हने क्यो थो उ जो म्हारा
पाछे आणे वाळो हे म्हार से अगड़े हे
क्योंके उ म्हार से पेलां थो

१६क्योंके उकी पुरणता माय से सगळा
ने पई याने किरपा पे किरपा। १७क्योंके
नेम-बिधान मूसा से मिळ्यो पण किरपा
अने सच्चई तो ईसु मसीह से मिळी।
१८परमेसर के कइंका ने कदी नी देख्यो

[a] **१.१** बचन; यूनानी भासा माय 'लोगोस' जेको अरथ समिचार। इको सुब-समिचार बी अनुवाद कर्यो जई सकतो हे। यां इको अरथ हे - ईसु। ईसु एक मारग हे जेका से खुद परमेसर पिता ने लोगहुंण के अपणा बारामें बताड़्यो।

[†] **१.६:** मत्ती ३.१; मरकुस १.४; लूका ३.१–२

परमेसर एखलो, जो पिता का खोळा माय
हे उनेज उके परगट्यो।

योहन की गवई

(मत्ती ३:१-१२; मरकुस १:१-८; लूका ३:१-१८)

१९योहन की गवई या हे के जदे
यहूदिहुंण ने उका कने यरुसलेम नगर
से परमेसर का लेवी सेवकहुंण अने
पुरोहितहुंण के पुछणे मोकल्या के "तू
कुंण हे"
२०तो योहन ने मानी ल्यो के हूं मसीह[b]
हयनी।
२१[†] जदे उणने उकासे पुछ्यो के, तू
कंई एलियाह नबी हे?
योहन ने क्यो, "हूं हयनी।"
उणने क्यो "कंई फेर तू उ नबी[c] हे?"
उने जुवाब द्यो "हयनी"।
२२जदे उणने उकासे पुछ्यो तो फेर तू
हे कुंण, के हम उके कंई जुवाब दां जेने
हमारे मोकल्या?
२३[†] उने क्यो, जसा के यसायाह नबी
ने क्यो थो :

"हूं मांळ माय एक हेला पाड़वा
वाळा को हेलो हूं,
'परभु सरु मारग सुदो बणाव!"

२४ई लोगहुंण तो फरीसिहुंण आड़ी से
मोकल्या ग्या था। **२५**तो उणने उकासे
पुछ्यो जदे तू मसीह हयनी, एलियाह
हयनी अने उ नबी हयनी फेर तू
बपतिसमो[d] कायसरु दई र्‌यो हे।
२६योहन ने उणके जुवाब द्यो "हूं तो
पाणी से बपतिसमो दूं हे पण तमारा
अदाड़ माय एक जणो उब्यो हे जेके
तम नी जाणो हो। **२७**उ उज मसीह हे
जो म्हारा पाछे आणे वाळो हे अने जेकी
पन्नी उठाड़वा लायक हूं हयनी।
२८ई बात यरदन का वय्यांड़ी
बेतनिय्याह गांम माय हुई जां योहन
बपतिसमो देतो थो।

परमेसर को मेमणो

२९दूसरा दन उने ईसु के अपणा आड़ी
आता देखी के बोल्यो, "देखो परमेसर
को मेमणो, जो जग को सगळो पाप
उठई लई जाय हे। **३०**यो उज मसीह हे
जेका बारामें म्हने क्यो थो के म्हारा
पाछे एक जणो अई र्‌यो हे, जो म्हार
से अगड़े हुई ग्यो, क्योंके उ म्हार से
पेलां थो। **३१**अने हूं - उके नी जाणतो
थो पण हूं इकासरु पाणी से बपतिसमो
देतो आयो, के उ इसराइल जात पे
परगट हुई जाय।
३२अने योहन ने यूं केता होया
गवई दई, "म्हने असमान के खुलतो
होयो अने आतमा के कबुतर सरीको
उतरतो देख्यो हे अने उ ईसु का
अदरे अई बेठ्यो। **३३**अने हूं तो उके
नी जाणतो थो पण जेने म्हारे पाणी
से बपतिसमो देणे मोकल्यो उनेज
म्हारे क्यो, 'जे पे तू पवित्तर आतमा

---

[b] **१.२०** मसीह; सबद् भण्डार माय देखो। [c] **१.२१** उ नबी; यहूदिहुंण को बिसास थो के ईसु से पेलां एलियाह नबी को आणो जरुरी हे (मीका ४:५)। [d] **१.२५** बपतिसमो; सबद् भण्डार माय देखो।
[†] **१.२१:** नेम-बिधान १८.१५, १८; मलाकी ४.५ [†] **१.२३:** यसायाह ४०.३

के उतरतो अने ठेरतो देखे पवित्तर
आतमा से बपतिसमो देणे वाळो योज
हे'। ३४म्हने देख्यो अने गवई दई हे
के योज परमेसर को बेटो हे।"

चेलाहुंण के छांट्यो जाणो

३५पाछो दूसरा दन योहन अपणा
चेलाहुंण माय से दो का गेले उबो थो।
३६अने उने ईसु के जातो होयो देखी के
बोल्यो, "देखो परमेसर को मेमणो।"

३७जदे दोई चेला योहन की बात
सुणी के ईसु का पाछे हुई ग्या। ३८ईसु
ने पलटी के उणके अपणा पाछे आता
देख्या तो उ बोल्यो, "तम के के ढुंडी
र्‌या?"

वी बोल्या, "हे रब्बी (याने हे गरु) तू
कां रे हे?"

३९उ उणकासे बोल्यो, "चल्या चलो तो
देखी लोगा।" तो उणने जई के देख्यो के
उ कां रई र्‌यो हे अने उना दन वी उका
गेले र्‌या, क्योंके सांज का करीब चार
बजी चुक्या था।

४०[उना दोई माय से जिणने योहन
की बात सुणी अने ईसु का पाछे होया
था एक तो सिमोन पतरस को भई
अन्द्रियास थो।] ४१उने पेलां अपणा
सगा भई सिमोन से मिळी के उकासे
बोल्यो, "हमारे मसीह याने ख्रीष्ट मिळी
ग्यो हे।" ४२अने उ उके ईसु कने
ल्यायो।

ईसु ने उका आड़ी देखी ने बोल्यो, "तू
योहन को बेटो सिमोन हे। तू केफा याने
पतरस[e] केवायगा।"

फिलिप्पुस अने नतनएल

४३दूसरा दन ईसु ने गलील जावा को
मंसूबो कर्‌यो अने फिलिप्पुस के पई के
उकासे बोल्यो, "म्हारा पाछे चल्यो चल।"
४४फिलिप्पुस तो अन्द्रियास अने पतरस
का नगर बेतसेदा को थो। ४५फिलिप्पुस
ने नतनएल से मिळी के उकासे बोल्यो,
"जेका बारामें मूसा अने, नेम अने,
नबिहुंण ने बी लिख्यो हे उ हमारे मिळी
ग्यो, याने यूसफ को बेटो, नासरत नगर
को ईसु।"

४६अने नतनएल ने उकासे क्यो,
"अरे! नासरत से बी कइंकी अच्छी चीज
निकळी सके?"

फिलिप्पुस उकासे बोल्यो, "अई के देखी
ले।"

४७ईसु ने नतनएल के अपणा आड़ी
आतो देखी के उका बारामें बोल्यो, "देखो
सांची माय एक इसराइली जेका माय कई
को खोट हयनी।"

४८नतनएल उकासे बोल्यो, "तू म्हारे
कसे जाणे हे?"

ईसु ने उके जुवाब देतो होयो क्यो,
"इका पेलां के फिलिप्पुस ने थारे तेड़्यो,
जदे तू अंजीर का झाड़ का निच्चे थो।
म्हने थारे देख्यो थो।"

४९नतनएल ने उके जुवाब द्‌यो, "गरु,
तू परमेसर को बेटो हे, तू इसराइल को
राजो हे।"

५०ईसु उकासे बोल्यो, "म्हने थार
से क्यो के म्हने थारे अंजीर का झाड़
निच्चे देख्यो, कंई तू इकासरु तो बिसास

---

[e] **१.४२** पतरस; इका अरथ हे चट्टाण।

नी करी र्‌यो हे? तू इणकासे बी बड़ा-
बड़ा काम देखेगा।" ५१† उ पाछो बोल्यो,
हूं थार से सांची सांची कूं के तम सरग
के खुल्यो अने परमेसर का सरगदूतहुंण
का गेले हूं मनख का बेटा के निच्चे
उतरता अने अदरे चड़ता देखोगा।

गलील का काना नगर माय ब्याव

२ तीसरा दन गलील का काना नगर
माय एक ब्याव थो, अने ईसु की
मेतारी बी वां थी। २ईसु अने उका
चेलाहुंण बी उना ब्याव माय नोत्या ग्या
था। ३जदे दाखरस घटी ग्यो तो ईसु
की मेतारी ने उकासे क्यो, "उणका कने
दाखरस हयनी।"

४तो ईसु बोल्यो, "हे नारी तम म्हार
से कायसरु कई र्‌या हो? म्हारो बखत
अबी नी आयो।"

५उकी मेतारी ने सेवकहुंण से क्यो,
"जो कंई उ तमार से के उज करजो।"

६वां यहूदिहुंण के सुद्द करवा की रीति
मुजब तरास्या भाटा का छेः भोमळ्या
धर्‌या था, एक-एक माय बीस से तीस
मण[f] समातो थो। ७ईसु ने उणकासे क्यो,
"भोमळ्याहुंण के पाणी से उबराता भरी
लाखो उणने उणके उबराता भरी लाख्या।
८ईसु ने उणकासे क्यो, "अबे थोड़ोक
हेड़ी के रसोइया का परधान कने लई
जाव।" अने वी लई ग्या। ९जदे रसोइया
का परधान ने उना पाणी के चाख्यो जो
दाखरस बणी ग्यो थो उ नी जाणतो
थो के यो कसे आयो पण जेना सेवक

छे भोमळ्याहुंण के भरनों (JHN २.६)

चाकरहुंण ने पाणी हेड़्यो थो वी जाणता
था। तो रसोइया का परधान ने लाड़ा
के तेड़्यो। १०अने उकासे बोल्यो "हर
मनख पेलां अच्छो दाखरस दे अने जदे
मनखहुंण पीके छाकी जाय तो घट्‌यो
पिवाड़े पण तने तो अच्छो दाखरस अबी
तक बचई राख्यो।"

११असतरा गलील का काना माय
ईसु ने अपणो पेलो अदभुद चमत्कार
के सुरु करिके अपणी म्हेमा परगटी,
अने उका चेलाहुंण ने उका पे बिसास
कर्‌यो।

१२† इका बाद ईसु, उकी मेतारी, उका
भई-बेनहुंण अने चेलाहुंण कफरनहूम सेर-
गांम ग्या अने वां थोड़ाक दन र्‌या।

मन्दर के सुद्द करनों

(मत्ती २१:१२-१३; मरकुस ११:१५-१७;
लूका १९:४५-४६)

१३† यहूदिहुंण को फसह[g] को तेवार
कने थो अने ईसु यरुसलेम नगर

---

[f] **२.६** बीस से तीस मण यूनानी माय; हरेक भोमळ्या माय करीब ७५ से ११५ लीटर पाणी समातो।
[g] **२.१३** फसह; सबद् भण्डार माय देखो।
† **१.५१:** उत्पत्ती २८.१२ † **२.१२:** मत्ती ४.१३ † **२.१३:** निरगमन १२.१–२७

ग्यो। १४अने मन्दर माय उने बेल,
गाडर अने कबुतर बेचवा वाळाहुंण
के अने दलालहुंण के बेठ्या देख्या।
१५अने रासहुंण को एक कोड़ो बणायो
अने उना सगळा के गाडरहुंण अने
बेलहुंण का गेले मन्दर से बायरे हेड़ी
लाख्या। अने दलालहुंण का सिक्काहुंण
के बखेरी लाख्या अने तखतहुंण के
उलटी लाख्या। १६अने कबुतर बेचवा
वाळा से बोल्यो, "इणके यां से बायरे
लई जाव। म्हारा पिता परमेसर का
घर के बेपार को घर मती बणाव।"
१७† झट उका चेलाहुंण के रियाद आयो
के लिख्यो हे, "थारा घर को लगाव
म्हारे खई जायगा।"

१८इकासरु यहूदिहुंण ने ईसु के जुवाब
द्यो, "तू जो करे तो हमारे कां की
सेलाणी बताड़े हे? अने यो केका हक
से करे?

१९† ईसु ने जुवाब देतो होयो उणकासे
क्यो, "इना मन्दर के ढळडई लाखो अने
हूं इके तीन दन माय पाछो उबो करी
दूंवां।"

२०इका पे यहूदिहुंण ने क्यो, "इना
मन्दर के बणावा माय छयाळीस बरस
लाग्या हे। कंई तू इके तीन दन माय
उबो करी लाखेगा?"

२१पण उ तो अपणी काया का मन्दर
का बारामें कई र्‌यो थो। २२इकासरु
जदे उ मर्‌या माय से जी उठ्यो तो
उका चेलाहुंण के रियाद अई के उने
क्यो थो, अने उणने पवित्तर सासत्तर
का अने उना बचन के जो ईसु ने
क्यो थो बिसास कर्‌यो।

ईसु मनख का सुभाव के जाणे

२३जदे उ फसह का तेवार का बखत
यरुसलेम नगर माय थो तो घणा
लोगहुंण ने उनी सेलाणी के जिणके उ
दिखाड़तो थो देखी के उका पे बिसास
कर्‌यो। २४पण जां तक ईसु को नातो
थो उने अपणा खुद के उणका भरोसे
नी छोड़्यो, क्योंके उ सगळा के जाणतो
थो। २५तो उके इनी बात की जरुवत
नी थी के कईं को मनख कइंका
मनख का बारामें गवई दे। क्योंके उ
खुद जाणतो थो के मनख का हिरदा
माय कंई हे।

ईसु अने नीकुदेमुस

३ फरीसिहुंण माय से नीकुदेमुस नाम
को एक मनख थो जो यहूदिहुंण को
बड़ो हाकिम थो। २उने रात माय ईसु कने
अई के क्यो, "हे गरु हम जाणा के तू
परमेसर आड़ी से गरु हुई के आयो क्योंके
इना अचरजहुंण के जो तू दिखाड़े कईं को
बी दिखई नी सके जदत्तक के परमेसर
उका गेले नी रे।"

३ईसु ने उके जुवाब द्यो हूं थार से
सांची-सांची कूं के "जदत्तक कईं को नवा
सिरा से जनम[h]नी लई ले, उ परमेसर को
राज नी देखी सके।

४नीकुदेमुस ने उकासे क्यो, "डोकरो
मनख कसे जनम लई सके? कंई अपणी

---

[h] **३.३** नवा सिरा से जनम; या उंचो से जनम।

† **२.१७:** भजन संहिता ६९.९ † **२.१९:** मत्ती २६.६१, २७.४०; मरकुस १४.५८, १५.२९

मेतारी की कोख माय दूसरी कावा जई
के जनम लई सकतो हे?"
५ईसु ने जुवाब द्यो, "हूं थार से सांची-
सांची कूं के जदत्तक कईं को मनख पाणी
अने आतमा से नी जनमे उ परमेसर
का राज माय जई नी सके।" ६जो काया
से जन्म्यो उ काया अने जो आतमा से
जन्म्यो उ आतमा हे। ७चकराय मती के
म्हने थार से क्यो, "जरुरी हे के तू नवो
जनम लई ले। ८बायरो जइय्यांड़ी चावे
वय्यांड़ी चले हे अने तू उकी सरसराहाट
सुणे पण या नी जाणे के कंय्यांड़ी आवे
अने कंय्यांड़ी जावे। जो मनख आतमा से
जन्म्यो हे उ असोज हे।
९नीकुदेमुस ने उकासे क्यो, "यो सगळो
कसे हुई सके?"
१०ईसु ने नीकुदेमुस से क्यो, "कंई
तू इसराइलहुंण को गरु हयनी, फेर बी
इनी बातहुंण के नी समजी सके? ११हूं
थार से सांची-सांची कूं के हम जो जाणा
उज बोलां हे अने जेके हमने देख्यो उकी
गवई दां हे। अने तम हमारी गवई मानो
हयनी। १२जदे म्हने तमार से धरती की
बातहुंण करी तो तम भरोसो नी करो, तो
अगर हूं तमार से सरग की बातहुंण करूं
तो कसे भरोसो करोगा? १३अने कईं को
सरग पे नी चड़्यो सिरप उज जो सरग
से उतर्‌यो, याने हूं मनख को बेटो।"
१४† अने जसा मूसा ने मांळ माय
सांप के अदरे लटकाड़्यो असोज जरुरी
हे के मनख को बेटो बी अदरे लटकाड़्यो
जाय। १५के जो बी ईसु पे बिसास राखे
उ उका माय अजर-अमर जीवन पाय।
१६क्योंके परमेसर ने जग से असो
परेम राख्यो की उने अपणो एखलो
बेटो दई द्यो के जो कईं को मनख
उका पे बिसास राखे उ मिटे हयनी पण
अजर-अमर जीवन पाय। १७परमेसर ने
अपणा बेटा के जग माय इकासरु नी
मोकल्यो के जग पे आरोप लगाड़े पण
इकासरु के जग के उकासे उध्दार मिळे।
१८जो उका पे बिसास करे उ कसुरवार
नी रेगा जो बिसास नी करे उ कसुरवार
हुई ग्यो, क्योंके उने परमेसर का एखला
बेटा का नाम पे बिसास नी कर्‌यो।
१९अने दोष यो के उजाळो जग माय
आ चुक्यो पण मनखहुंण ने उजाळा
का बदळा माय इन्दारा से ज्यादा
परेम राख्यो इकासरु के उणका काम
बुरा था। २०क्योंके हरेक जो बुरई करे,
उजाळा से बेर राखे अने उजाळा कने
नी आवे के कंई उणका काम नगे
नी अई जाय। २१पण वी जो सत पे
चले, उजाळा कने आय हे। जेकासे यो
परगटे के उणका काम परमेसर आड़ी
से कर्‌या ग्या हे।

योहन ने ईसु के बपतिसमो द्यो

२२इका बाद ईसु अने उका चेलाहुंण,
यहूदिया परदेस माय आया अने ईसु वां
उणका गेले रई के बपतिसमो देतो थो।
२३योहन बी सालेम गांम कने ऐनोन माय
बपतिसमो देतो थो। क्योंके वां पाणी
गंज थो, अने मनखहुंण बपतिसमा लेता
था। २४† क्योंके योहन उना बखत तक
जेळखाना माय नी लाख्यो थो।

---

† **३.१४:** गिणती २१.९ † **३.२४:** मत्ती १४.३; मरकुस ६.१७; लूका ३.१९–२०

२५इकासरु योहन का चेलाहुंण को
कइंका यहूदी[i] का गेले सुद्द करवा की
रीति का बारामें बिवाद हुई ग्यो। **२६**अने
उणने योहन कने अई के उकासे क्यो,
हे "गरु उ जो यरदन का उना पार थारा
गेले थो अने जेकी तने गवई दई, देख
उ बपतिसमो दई र्‌यो अने सगळा मनख
उका कने अई र्‌या हे।
२७योहन ने जुवाब द्‌यो "जदत्तक
कइंका मनख के सरग से नी द्‌यो जाय,
तदत्तक उ कइंबी नी पई सके। **२८**[†] तम
खुदी म्हारी गवई दो हो, के म्हने क्यो
थो, "हूं मसीह हयनी, पण उका पेलां
मोकल्यो हूं। **२९**लाड़ो उज हे जेकी लाड़ी
हे, पण लाड़ा का साती जो उब्या हे वी
उकी सुणे, लाड़ा की बात सुणी के खुसी
से भरी उठे असतरा म्हारी या खुसी पूरण
हुई। **३०**जरुरी हे की उ बड़े अने हूं घटूं।

उ जो सरग से उतर्‌यो

३१जो अदरे से आय उ सगळा से बड़ी
के, जो धरती से, उ धरती को हे अने
धरती की बात करे, उ जो सरग से आवे
सगळा से बड़ी के हे। **३२**जो कंई उने
देख्यो अने सुण्यो उ उकी गवई दे हे
फेर बी कइंका मनखहुंण उकी गवई नी
माने। **३३**जेने उकी गवई मानी ली उने
इनी बात पे छाप लगाड़ी दी के परमेसर
सांचो हे। **३४**जेके परमेसर ने मोकल्यो
उ परमेसर की बात करे क्योंके बिना
कइंका नाप के परमेसर ने उके पवित्तर
आतमा को अनन्त दान द्‌यो हे। **३५**[†]
पिता बेटा से परेम राखे अने उने उका
हात माय सगळो कंई दई द्‌यो हे। **३६**जो
बेटा पे बिसास करे अजर-अमर जीवन
उको हे पण उ जो बेटा के नी माने
जीवन के नी देखेगा पण परमेसर की
रीस उका पे बणी रे हे।

ईसु अने सामरी बइरा

४ जदे परभु के मालम पड़ी के
फरीसिहुंण ने सुण्यो हे के ईसु
योहन से जादा चेला बणाय अने उणके
बपतिसमो दे हे। **२**जदके ईसु खुद नी
पण उका चेलाहुंण बपतिसमो दई र्‌या
था। **३**ईसु यहूदिया इलाका के छेकी के
पाछो गलील परदेस चल्यो ग्यो। **४**अने
उके सामरिया परदेस माय से हिटी के
जाणो पड़्यो।
५[†] तो उ सामरिया का सुखार नाम
का एक नगर माय आयो। जो उनी जगा
कने हे जेके याकूब ने अपणा बेटा यूसफ
के दई थी। **६**अने याकूब को कुओ वांज
थो। तो जातरा से थकी के कुआ कने ईसु
सुसतावा लाग्यो। उना बखत दफोर्‌यो[j] हुई
र्‌यो थो।
७इतरा माय सामरिया की एक बइरा
पाणी भरवा अई। ईसु ने उकासे क्यो,
"म्हारे पाणी पिवाड़" **८**क्योंके उका चेलाहुंण
जिमण मोल लेवा सरु नगर माय ग्या था।
९[†] वा सामरिया की बइरा उकासे बोली
"या कसी बात हे की तू यहूदी हुई के

---

[i] **३.२५** यहूदी; कई लेखहुंण माय यहूदिहुंण। [j] **४.६** दफोर्‌यो; दन को छटवों घंटो या जदे सूरज माथा पे रे हे।

[†] **३.२८:** योहन १.२० [†] **३.३५:** मत्ती ११.२७; लूका १०.२२ [†] **४.५:** उत्पत्ती ३३.१९; यहोसू २४.३२
[†] **४.९:** एजरा ४.१–५; नेहेम्या ४.१–२

म्हार से पाणी मांगे? हूं सामरी[k] बइरा
हूं। यहूदी तो सामरिहुंण से कसीज तरा
को रिस्तो नी राखता था।
१०ईसु ने जुवाब द्यो, "अगर तू
परमेसर का बरदान के जाणती अने यो
के उ कुंण हे जो थारे के 'म्हारे पाणी
पिवाड़' तो तू उकासे मांगती अने उ थारे
जीवन को पाणी देतो।"
११बइरा उकासे बोली, म्हाराज,[l] थारा
कने पाणी भरवा को कंई साधन हयनी
अने कुओ उन्डो हे तो जीवन को पाणी
थारा कने कां से आयो। **१२**कंई तू हमारा
पिता याकूब से बी मोटो हे जेने हमारे
यो कुओ द्यो जेका माय से उने खुद
अने उका बंस अने उका ढोरहुंण ने बी
प्यो?
१३ईसु ने उके जुवाब द्यो, "कइंको बी
जो इना पाणी के पीवे उ पाछो तिरस्यो
होय, **१४**पण जो कईं को उना पाणी माय
से पीवे जो हूं उके दूंवां सनातन काल
तक तिरस्यो नी रेगा। पण उ पाणी जो
हूं उके दूंवां उका माय अजर-अमर जीवन
सरु उफणतो होयो पाणी को झिरण बणी
जायगा।"
१५बइरा उकासे बोली, "म्हाराज, यो
पाणी म्हारे बी दई दे! जेकासे के म्हारे
तिरस नी लागे, अने नीज पाणी भरवा
यां तक आणो पड़े।"
१६ईसु ने उकासे क्यो, "जई के अपणा
घराळा के तेड़ी ला।"
१७बइरा ने उके जुवाब द्यो, "म्हारो
कईं को घराळो हयनी।"
ईसु उकासे बोल्यो, "तने सांची कई,
'म्हारो कईं को घराळो हयनी।' **१८**क्योंके
थारा पांच घराळा हुई चुक्या हे अने अबी
जो थारा कने रे उ बी थारो घराळो हयनी
यो तने सांची क्यो।"
१९उनी बइरा ने उकासे क्यो म्हाराज
म्हारे लागे के तू नबी हे। **२०**हमारा
पूरखाहुंण ने इना परबत पे उपासणा
करी अने तम को हो की यरुसलेमइज वा
जगा जां मनखहुंण के उपासणा करनी हे।
२१ईसु उकासे बोल्यो - हे नारी म्हारो
बिसास कर के उ बखत अई र्‌यो हे
जदे तम नी तो इना परबत पे अने
नी यरुसलेम मायज पिता की उपासणा
करोगा। **२२**तम उकी उपासणा करो हो
जेके नी जाणो हम उकी उपासणा करां,
जेके हम जांणां क्योंके उध्दार यहूदिहुंण
माय सेज हे। **२३**पण उ बखत अई र्‌यो
हे याने अई ग्यो जदे सांचा उपासक
पिता की उपासणा आतमा अने सच्चई
से करेगा क्योंके परमेसर पिता असाज
उपासक के चावे हे। **२४**परमेसर आतमा
हे अने जरुरी हे के उका उपासक आतमा
अने सच्चई से उकी उपासणा करे।
२५बइरा उकासे बोली हूं जाणूं के
मसीह जो ख्रीष्ट केवायगा आणे वाळो
हे। जदे उ आयगा तो हमारे सगळो कंई
बताड़ी देगा।
२६ईसु उकासे बोल्यो, "हूं जो थार से
बोली र्‌यो हूं उज हूं।"
२७इतरा माय उका चेलाहुंण अई ग्या
अने उके एक बइरा से बात करता देखी

---

[k] **४.९** सामरी; यो नाम सामरिया का रेवा वाळाहुंण सरु काम माय ले जो यहूदिहुंण से छोटी जात का हे, यां तक के सामरिहुंण का हात से पाणी बी नी पे, इणकी रीति-रिवाज, अराधना-उपासणा सरु इणको बिचार यहूदिहुंण से मेळ नी खाय हे। [l] **४.११** म्हाराज; परभु।

के अचरज माय पड़ी ग्या। फेर बी कइंका
ने यो नी पुछ्यो तू कंई चावे या इनी
बइरा से कायबले बात करी र्‌यो हे।
२८उनी बइरा ने अपणा गागर्‌या के
वांज धर्‌यो अने नगर माय जई के
लोगहुंण से बोली, २९"आव रे, म्हने एक
मनख देख्यो जेने उ सगळो जो म्हने
कर्‌यो बतई द्‌यो। कंई योज तो मसीह
हयनी। ३०वी नगर से हिटी के उका कने
जावा लाग्या।
३१उना बखत उका चेलाहुंण ने उकासे
अरज करी हे गरु थोड़ोक खई ले
३२पण ईसु उणकासे बोल्यो, "म्हारा
कने खावा सरु असो भोजन हे जेका
बारामें तम नी जाणो हो।"
३३चेलाहुंण माय-माय केवा लाग्या,
"कंई कईं को उका सरु जिमवा को तो
नी ल्यायो?
३४ईसु उणकासे बोल्यो, "म्हारो
जिमणो यो हे के अपणा मोकलवा वाळा
की मरजी पूरण करूं अने उको काम
पूरण करूं। ३५कंई तम यूं नी बोलो अबे
फसल काटवा का चार मइना बाकी हे?
देखो हूं तमार से कूं अपणी आंख उठई
ने खेतहुंण पे नगे लाखो की वी काटवा
बले पाकी चुक्या हे। ३६काटवा वाळा के
अबे दाढ़की मिळी री हे अने उ अजर-
अमर जीवन बले फळ भेळा करी र्‌यो
हे के बोवा वाळा अने काटवा वाळा दोई
मिळी के खुसी मनई सके। ३७क्योंके यां
यो केवाड़ो सांचो होय के एक मनख बोय
अने दूसरो काटे। ३८म्हने तमारे उनी
फसल के काटवा मोकल्या जेका माय
तमने म्हेनत नी करी दूसरा ने म्हेनत
करी हे अने तम उणकी म्हेनत का फळ
माय सामिल होया हो।
३९उना नगर का नरा सामरिहुंण ने
ईसु पे बिसास कर्‌यो, क्योंके उनी बइरा
ने यूं बोली के गवई दई, म्हने जो कर्‌यो
उ सगळो उने म्हारे बतई द्‌यो। ४०जदे
सामरिहुंण ने अई के उकासे अरज करी
के उ उणका गेले रे तो उ दो दन उणका
गेले र्‌यो।
४१अने उका बचन का असर से हजु
नरा दूसरा लोगहुंण ने बी उका पे बिसास
कर्‌यो। ४२जदे वी उनी बइरा से केवा
लाग्या अबे हम थारा केणा पेज बिसास
नी करां पण इकासरु के हमने खुदज
सुणी ल्यो हे अबे हम जाणी ग्या हे के
योज सांचो जग को तारणहार हे।"

राज करमचारी का बेटा के नज करनों

४३उना दो दन का बाद उ वां से हिटी
के गलील परदेस चल्यो ग्यो। ४४† ईसु
ने खुद गवई दई के नबी अपणाज देस
माय मान नी पाय। ४५† जदे उ गलील
पोंच्यो तो गलीलिहुंण ने उकी आव-भगत
करी। वी तो उना सगळा काम के देखी
चुक्या था जो उने परब का दन यरुसलेम
माय कर्‌या था, क्योंके वी खुद वां परब
माय ग्या था।
४६† जदे उ पाछो गलील का काना
नगर माय आयो जां उने पाणी के
दाखरस बणई लाख्यो थो। वां एक

† **४.४४:** मत्ती १३.५७; मरकुस ६.४; लूका ४.२४
† **४.४५:** योहन २.२३
† **४.४६:** योहन २.१–११

राजदरबारी थो जेको बेटो कफरनहूम
माय बेमार पड़्यो थो। ४७जदे उने सुण्यो
की ईसु यहूदिया से गलील माय आयो
होयो हे। तो उ उका कने ग्यो, अने
उकासे अरज करवा लाग्यो के चली के
म्हारा बेटा के नज करी दे - इकासरु
के उ मरवा पे थो। ४८ईसु ने इका पे
उकासे क्यो, "जदत्तक तम सेलाणी अने
चमत्कार माय अणहोणी नी देखोगा
तदत्तक बिसास नी करोगा।"

४९राजदरबारी उकासे बोल्यो, "म्हाराज
म्हारा बेटा का मरवा से पेलां चल।"

५०ईसु उकासे बोल्यो, "जा; थारो बेटो
जिन्दो हे।"

उना मनख ने ईसु का बचन पे बिसास
कर्‌यो अने चल्यो ग्यो। ५१जदे उ बाट
मेंज थो तो उको सेवक उकासे मिळ्यो
अने केवा लाग्यो "थारो बेटो जिन्दो हे।"

५२उने उकासे पुछ्‌यो, "उ कां का
बखत से नज होवा लाग्यो थो?" उणने
बताड़्यो, "काल दन का एक बज्या उको
ताव उतरी ग्यो।" ५३तो बाप समजी ग्यो
के यो उणाज बखत होयो जदे ईसु बोल्यो
थो, "थारो बेटो जिन्दो हे।" अने खुद उने
अने उका आखा परवार ने बिसास कर्‌यो।

५४यो दूसरो चमत्कार थो जेके ईसु
ने यहूदिया से अई के ने गलील माय
दिखाड़्यो थो।

अड़तीस बरस का बेमार के नज करनों

५ इनी बातहुंण का बाद ईसु यहूदिहुंण
का एक तेवार माय यरुसलेम नगर
ग्यो। २यरुसलेम नगर माय गाडर नाम
का फाटक कने एक कुण्ड हे। जेके
इबराणी भासा माय बेतसेदा[m] केवे जेका
पांच ओसारा हे। ३इणका माय असा
घणा लोगहुंण पड़्या था जो बेमार,
आंदा, पांगळा, अने सुक्या अंग वाळा
था। ४ई पाणी के हलवा की ताक माय
था इकासरु के परभु को एक सरगदूत
एक खास बखत माय कुण्ड माय उतरी
के पाणी के हलाड़तो थो। पाणी का
हलताज जो बी पेलां उका माय उतरी
जातो थो, उ कसोज रोगी क्यो नी रे,
नज हुई जातो थो। ५वां एक मनख
थो जो अड़तीस बरस से बेमार थो।
६जदे ईसु ने उके वां पड़्यो देख्यो अने
जाण्यो के उ वां उनी दसा माय घणा
दन से पड़्यो हे तो उने उकासे पुछ्‌यो
"कंई तू नज होणो चावे?

७बेमार ने उके जुवाब द्‌यो, "म्हाराज
म्हारा कने कईं को मनख हयनी जो
म्हारे पाणी के हलताज कुण्ड माय उतारे।
जदे हूं उतरवा लागुं तो म्हार से पेलां
दूसरो उतरी जावे हे।

८ईसु उकासे बोल्यो उठ्‌या! अपणो
बिछावणो उठाड़ ने चल्यो-फर।" ९उ
मनख झट नज हुई ग्यो अने अपणो
बिछावणो उठाड़ी के चलवा लाग्यो। अने
उ सबत् को दन थो।

१०[†] यहूदिहुंण ने उके जो नज हुई
ग्यो थो बोल्या "आज सबत् हे तो
बिछावणो उठाड़णो थारा बले ठीक
हयनी।"

---

[m] **५.२** बेतसेदा; कई लेखनहुंण माय बेतेस्दा।

[†] **५.१०:** नेहेम्या १३.१९; यरमियाह १७.२१

११पण उने उणके जुवाब द्यो, "जेने
म्हारे नज कर्यो उनेज म्हार से क्यो,
'अपणो बिछावणो उठई ने चल्यो-फर।'
१२उणने उकासे पुछ्यो, "उ कुंण मनख
हे जो थार से बोल्यो, 'अपणो बिछावणो
उठई ने चल्यो-फर?'
१३पण जो नज हुई ग्यो थो नी जाणतो
थो की ईसु कुंण हे क्योंके वां भीड़ होवा
की वजासे ईसु उनी जगा से गुप-चुप
चल्यो ग्यो थो।
१४इका बाद ईसु ने उके मन्दर माय
देखी के उकासे बोल्यो, "देख तू नज
हुई ग्यो हे। पाछो कदी पाप मती करजे
असो नी होय के इका से बी बड़ी कइंकी
आफत थार पे अई पड़े।"
१५उना जणा ने अई के यहूदिहुंण के
बताड़्यो के उ ईसु थो जेने म्हारे नज
कर्यो थो। **१६**इकासरु यहूदिहुंण ईसु के
सताड़वा लाग्या। क्योंके उ इना कामहुंण
के सबत् का दन करतो थो। **१७**पण उने
उणके जुवाब द्या, "म्हारो पिता अबी तक
काम कर हे। अने हूं खुद बी काम करूं।"
१८इनी बात पे यहूदी उके मारी लाखवा
की हजु बी ज्यादा फिराक माय रेवा
लाग्या। क्योंके उ नी सिरप सबत् का
दन को नेम तोड़ी र्यो थो, पण परमेसर
के अपणो पिता कई के अपणे आप के
परमेसर का बराबरी को ठेरई र्यो थो।

ईसु को हक

१९इनी वजासे ईसु जुवाब देतो होयो
उणकासे बोल्यो, "हूं तमार से सांची-सांची
कूं के बेटो खुद कइंनी करी सके। सिरप
उज जो पिता के करतो देखे क्योंके जो
कंई पिता करे उणाज काम के बेटो बी
ठीक वसीज रीति से करे **२०**क्योंके पिता
बेटा से परेम करे, अने उना सगळा काम
के उके दिखाड़े जिणके उ खुद करे, अने
उ इणका से बी नरा मोटा कामहुंण उकासे
दिखाड़ेगा, जेकासे की तम अचरज करो।
२१क्योंके जसे पिता मुरदाहुंण के जिवाड़े
अने उणके जीवन दे, असोज बेटो बी
जेके चावे जीवन दे हे, **२२**क्योंके पिता बी
कइंका को न्याव नी करे पण उने न्याव
करवा को सगळो काम बेटा का हात माय
करी लाख्यो हे। **२३**के सगळा मनख, बेटा
को वेसोज मान करे जसा पिता को मान
करे, जो बेटा को मान नी करे उ पिता को
बी मान नी करे जेने उके मोकल्यो।
२४हूं तमार से सांची-सांची कूं जो म्हारा
बचन सुणी के म्हारा मोकलने वाळा पे
बिसास करे अजर-अमर जीवन उको हे।
अने उका पे दण्ड को हुकम हयनी पण
मोत से पार हुई के उ जीवन माय जई
चुक्यो हे। **२५**हूं तमार से सांची-सांची कूं
उ बखत अई र्यो हे अने अबी हे जदे
की मर्या मनख परमेसर का बेटा की
बाणी सुणेगा अने जो सुणेगा उ जिवेगा।
२६क्योंके जसे पिता खुद माय जीवन राखे
वेसोज उने बेटा के बी खुद माय जीवन
राखवा को हक द्यो हे। **२७**अने उने उके
न्याव करवा को हक बी द्यो हे क्योंके
उ - मनख को बेटो हे।" **२८**इका पे अचरज
मती करो क्योंके बखत अई र्यो हे की वी
सगळा जो कबर माय हे उकी अवाज सुणी
के हिट्यायगा **२९**[†]जिणने भला करम कर्या

[†] **५.२९:** दानियल १२.२

पाछा जिवता हुई जायगा अने जिणने बुरा
करम कर्‌या पाछा जिवता होवा पे सजा
पायगा।

ईसु का बारामें छेः गवई

३०"हूं खुद अपणा हक आड़ी से कइंनी
करी सकूं जसो सुणुं असो न्याव करूं अने
म्हारो न्याव सांचो हे क्योंके हूं अपणी
मरजी से नी पण अपणा मोकलवा वाळा
की मरजी से करूं।
३१"अगर हूं सिरप अपणी गवई दउं तो
म्हारी गवई सांची हयनी। **३२**पण म्हारा
बारामें गवई देवा वाळो एक हजु हे अने
हूं जाणूं के जो गवई म्हारा बारामें उ
दे, वा सांची हे। **३३**[†] तमने योहन से
पुछवाड़्यो उने सच्चई की गवई दई।
३४पण हूं खुद का बारामें मनखहुंण
की गवई नी चउं पण ई बातहुंण हूं
इकासरु कूं के तमारो उध्दार होय। **३५**उ
तो जळतो अने चळकतो दीयो थो अने
तमारे उका उजाळा माय थोड़ाक बखत
तक खुसी माननो अच्छो लाग्यो **३६**पण
जो गवई म्हारी हे, वा योहन की गवई से
बड़ी के हे। क्योंके पिता ने जेना काम के
पूरो करवा बले म्हारे द्‌यो याने वी काम
जो हूं करूं वीज, म्हारा बारामें गवई दे
हे, के पिता ने म्हारे मोकल्यो हे। **३७**[†]
अने पिता जेने म्हारे मोकल्यो, उने म्हारा
बारामें गवई दई, तमने नी तो कदी उको
सबद् सुण्यो अने नी उको रुप देख्यो।
३८अने उका बचन तमार माय बण्या नी
र्‌या। क्योंके जेके उने मोकल्यो, तम
उको बिसास नी करो। **३९**तम पवित्तर
धरम सासत्तर[n] माय ढुंडी र्‌या हो क्योंके
तम बिचार करो के उका माय अजर-
अमर जीवन मिळे हे अने ई वीज हे जो
म्हारा बारामें गवई दे हे। **४०**अने फेर बी
तम जीवन पावा सरु म्हारा कने आणो
नी चाव।
४१"हूं मनखहुंण से बड़ई नी चउं।
४२पण हूं तमारे जाणूं के तमार माय
परमेसर को परेम हयनी। **४३**हूं अपणा
पिता का नाम से आयो हूं अने तम
म्हारी मानी नी र्‌या हो पण कईं को
हजु अपणाज नाम से आय तो तम उके
मानी लोगा। **४४**तम कसे बिसास करी
सकता, जदके तम खुदज एक दूसरा
से मान चावो। अने जो मान अदवेत
परमेसर आड़ी से हे पाणोज नी चावो।
४५यो मती बिचारो के पिता परमेसर
का सामे तमारे कसुरवार ठेरउं। तमारे
कसुरवार ठेराड़णे वाळो तो मूसा,[o] जेका पे
तमने बिसास कर्‌यो, **४६**क्योंके अगर तम
मूसा पे बिसास करता तो म्हार पे बी
बिसास करता इकासरु के मूसा ने म्हारा
बारामें लिख्यो हे। **४७**पण अगर तम उका
लिख्या होया पे बिसास नी करो तो म्हारा
बचन पे कसे बिसास करोगा?"

पांच हज्जार के जिमाड़णो

(मती १४:१३-२१; मरकुस ६:३०-४४; लूका ९:१०-१७)

६ इनी बातहुंण का बाद ईसु, गलील का
सरवर यानी तिबिरियास सरवर का

---

[n] **५.३९** पवित्तर धरम सासत्तर; यहूदिहुंण को पुराणो नेम। [o] **५.४५** मूसा; इसराइल जात को पुराणो नबी।

[†] **५.३३:** योहन १.१९–२७, ३.२७–३० [†] **५.३७:** मत्ती ३.१७; मरकुस १.११; लूका ३.२२

उना पार चल्यो ग्यो २अने एक बड़ीमेक
भीड़ उका पछड़े चली री थी, क्योंके
लोगहुंण उका अचरज भर्या काम के
देखता था जो उ बेमारहुंण पे करतो थो
३ईसु परबत पे चड़िके अपणा चेलाहुंण
का साते बेठी ग्यो। ४यहूदिहुंण को फसह
को तेवार कने थो ५जदे ईसु ने नगे
उठाड़ी तो बड़ीमेक भीड़ के अपणा आड़ी
आता देखी, तो फिलिप्पुस से पुछ्यो,
"इणके जिमवा सरु रोटा कां से मोल
लांवां? ६ईसु उके परखवा सरु कई र्यो
थो। क्योंके उ खुद जाणतो थो के उके
कंई करनों हे।

७फिलिप्पुस ने उके जुवाब द्यो दो सो
दिनार[p] का रोटा से बी पूरो नी पड़ेगा के
सगळा के थोड़ोक-थोड़ो दई दां।

८उका चेलाहुंण माय से एक याने के
सिमोन पतरस को भई अन्द्रियास ने
उके बताड़्यो, ९यां एक छोरो हे जेका
कने जऊ का पांच रोटा अने दो मच्छी
हे पण इतरा लोगहुंण माय इतरा से कंई
होयगा?"

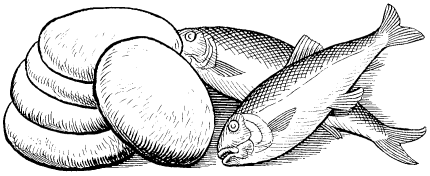

पांच रोटा अने दो मच्छी[q] (JHN ६.९)

१०ईसु बोल्यो मनखहुंण के बेठाड़ी दो,
"उनी जगा पे गंज घांस थी। इकासरु
मनखहुंण जो गिणती माय करीब पांच
हज्जार था, बेठी ग्या। ११जदे ईसु ने
रोटा लई अने धन्यबाद करी ने उणके
जो बेठ्या था बांटी लाख्या, असोज उने
मच्छीहुंण के बी जिणके जितरी चावे
बांटी लाखी। १२जदे लोगहुंण धापी ग्या
तो ईसु अपणा चेलाहुंण से बोल्यो,
"बच्या होया कोळ्याहुंण के भेळा करी
लो के कंई बी खराब नी होय। १३तो
उणने उणके भेळा कर्या अने जऊ का
पांच रोटा का कोळ्याहुंण से, जो जिमवा
वाळाहुंण से बच्या था बारा टोपलाहुंण
भर्या उठाड़्या।

१४जदे मनखहुंण ने उना अचरज के
जेके ईसु ने कर्यो थो देख्यो तो केवा
लाग्या, "सांची यो उज नबी[q] हे जो जग
माय आवा वाळो थो। १५तो ईसु यो जाणी
के के वी म्हारे जबरजस्ती राजो बणाणे
सरु लई जाणो चाव हे, पाछो एखलो
टेकरा पे चल्यो ग्यो।

पाणी का अदरे चलनो

(मत्ती १४:२२-३३; मरकुस ६:४५-५२)

१६जदे सांज पड़ी तो उका चेलाहुंण
सरवर का कराड़े ग्या। १७अने नाव पे
चड़वा का बाद वी कफरनहूम नगर जावा
सरु सरवर पार करवा लाग्या। इन्दारो
हुई ग्यो थो अने ईसु अबी तक उणका
कने नी आयो थो। १८जोर से अन्दी-
दंदवाळ चलवा से सरवर माय लेरहुंण
पछाड़ा खावा लागी। १९जदे चेलाहुंण दो
तीन कोस[r] तक खेता-खेता चल्या ग्या

---

[p] **६.७** दिनार; कई लेखनहुंण माय, चांदी को सिक्को; यूनानी माय; एक दिनार। चांदी को एक सिक्को एक दन की मजुरी थी (देखो मत्ती २०:२)। [q] **६.१४** नबी; देखो १:२१। [r] **६.१९** तीन कोस; या ५ या ६ किलो मीटर।

नाव सरवर की लेर माय (JHN ६.१८)

तो उणने ईसु के सरवर का पाणी पे चलतो अने नाव का कने आतो देख्यो अने वी डरी ग्या। २०पण उ उणकासे बोल्यो, "डरजो मती हूं हे। २१वी ईसु के नाव पे लेवा सरु तय्यार होया ने नाव झट उनी जगा ग्यी, जां वी जई र्‌या था।

लोगहुंण के ईसु की जरुवत

२२दूसरा दन भीड़ के जो सरवर का उना पार रइगी थी यो पतो चल्यो के सिरप एक छोटी सी नाव वां थी अने यो बी के ईसु चेलाहुंण का गेले नाव पे नी चड़्यो थो, पण सिरप चेलाहुंणज उना पार चल्या ग्या। २३तो तिबिरियास से उनी जगा का कने दूसरी नानी नावहुंण अई, जां उणने परभु के धन्यबाद देवा का बाद रोटा जिम्या था। २४जदे भीड़ ने देख्यो के नी तो वां ईसु हे नीज उका चेलाहुंण तो वी खुदी नानी-नानी नांवहुंण पे चड़िके ईसु के ढुंडता होया कफरनहूम नगर पोंच्या।

ईसु जीवन को रोटो हे

२५उणने जदे उके सरवर का पेलां पार पायो तो उकासे बोल्या, "गरु तू यां कदे आयो?"

२६जुवाब माय ईसु उणकासे बोल्यो, "हूं तमार से सांची कूं तम म्हारे इकासरु नी ढुंडी र्‌या के तमने चमत्कार देख्या। पण इकासरु के तमने रोटा जिम्या अने धाप्या हो।" २७उना भोजन सरु मती म्हेनत करो जो नास हुई जावे पण उना भोजन सरु जो अजर-अमर जीवन तक बण्यो रे, जेके, "हूं मनख को बेटो तमारे दूंवां क्योंके पिता याने की परमेसर ने म्हारपेज अपणी छाप लगाड़ी हे।

२८इकासरु उणने उकासे पुछ्यो, "परमेसर को काम करवा सरु हम कंई करां?"

२९ईसु ने उणके जुवाब द्‌यो परमेसर को काम यो हे के जेके उने मोकल्यो हे तम उका पे बिसास राखो।

३०तो उणने उकासे पुछ्यो, "पाछो तू कां को चमत्कार बताड़े के हम देखां अने थार पे बिसास करां?" तू कां को काम करे ३१† हमारा बाप-दादाहुंण ने मांळ माय सरग का रोटा खाया (मन्नो) जसो लिख्यो "उने उणके जिमवा सरु सरग से रोटा बरसाया।"

३२तो उ उणकासे बोल्यो, "हूं तमार से सांची कूं, मूसा ने तमारे उ रोटो सरग से नी द्‌यो, पण म्हारो पिताज हे जो सरग से तमारे सांचो रोटो दे हे। ३३क्योंके

---

† **६.३१:** नेहेम्या ९.१५, निरगमन १६.४,१५, भजन संहिता ७८.२४; १०५.४०

परमेसर को रोटो उ जो सरग से उतर्‌यो
अने जग के जीवन दे हे।"
३४तो वी उकासे बोल्या, "परभु यो
रोटो हमारे हमेस्याज द्‌याकर।"
३५ईसु उणकासे बोल्यो, "हूंज जीवन
को रोटो हूं जो म्हारा कने आवे उ कदी
भूको नी रेगा अने उ जो म्हार पे बिसास
करे उ कदी तिरस्यो नी रेगा। **३६**पण हूं
तमार से पेलांज बोल्यो थो के तमने
म्हारे देखी बी ल्यो पण फेर बी म्हार
पे बिसास नी राखोगा। **३७**उ सगळो जो
पिता म्हारे दे म्हारा कने आयगा, अने
जो म्हारा कने आयगा हूं उके कदी जावा
नी दूंवां। **३८**क्योंके हूं अपणी मरजी से
नी, पण अपणा मोकलवा वाळा की मरजी
पूरण करवा सरु सरग से उतर्‌यो हूं।
३९जेने म्हारे मोकल्यो उकी मरजी या की
सगळो कंई जो उने म्हारे द्‌यो उका माय
से थोड़ोक बी नी खोउं पण अंत का दन
माय उके जिवाडुंवां। **४०**क्योंके म्हारा पिता
की मरजी या हे के हरेक जो म्हारे याने
बेटा के देखे अने म्हार पे बिसास करे उ
अजर-अमर जीवन पाय, अने हूं खुद अंत
का दन माय उके जीवाड़ी दूंवां।"
४१तो यहूदिहुंण उका पे बड़बड़ावा
लाग्या, "जदे उ बोल्यो की उ रोटो जो
सरग से उतर्‌यो हूंज हूं।" **४२**अने वी
केवा लाग्या, "कंई यो यूसफ को बेटो
ईसु हयनी, जेका मां-बाप के हम जाणा?
अने उ कसे बोली र्‌यो, की हूं सरग से
उतर्‌यो हूं?"
४३ईसु ने उणके जुवाब द्‌यो "माय-
माय मती बड़बड़ाव। **४४**म्हारा कने कईं
को नी अई सके जदत्तक पिता जेने म्हारे
मोकल्यो उके अपणा कने लई नी ले अने
हूं उके अंत का दन माय जिवाडुंवां। **४५**[†]
नबिहुंण का लेखहुंण माय यो लिख्यो
हे, 'अने वी सगळा परमेसर आड़ी से
सिखाया होया रेगा।' हरेक जेने पिता से
सुण्यो अने सीख्यो उ म्हारा कने आय
हे। **४६**यो हयनी के कइंका ने पिता के
देख्यो, 'पण जो परमेसर आड़ी से हे
सिरप उनेज पिता के देख्यो। **४७**हूं तमार
से सांची कूं जो बिसास राखे अजर-अमर
जीवन उकोज हे। **४८**हूंज जीवन को रोटो
हूं। **४९**तमारा बाप-दादाहुंण ने मांळ माय
सरग को रोटो (मन्नो) खायो, अने वी
तो मरी ग्या। **५०**हूंज उ रोटो हूं जो सरग
से उतर्‌यो हूं जो बी उका माय से खाय
उ अजर-अमर हुई जायगा। **५१**जीवतो
रोटो जो सरग से आयो, हूंज हूं। जो
बी इना रोटा माय से खाय उ हमेस्या
जिवेगा, अने जो रोटो हूं जग का जीवन
सरु दूंवां वा म्हारी काया हे।"
५२इका पे यहूदिहुंण माय-माय या
बोली के बिवाद माय पड़ी ग्या, "यो
मनख हमारे अपणी काया खावा सरु
कसे दई सके?"
५३ईसु उणकासे बोल्यो, "हूं तमार से
सांची कूं, जदत्तक तम हूं मनख का बेटा
को मांस नी खाव अने म्हारो लोई नी
प्यो तमार माय जीवन हयनी। **५४**जो
म्हारो मांस खाय अने म्हारो लोई पीवे
अजर-अमर जीवन उकोज हे अने अंत
का दन माय हूं उके जीवाड़ी लाखुंवां।
५५म्हारो मांस तो सांचो भोजन अने

[†] **६.४५:** यसायाह ५४.१३

म्हारो लोई सांची पीवा की चीज हे।
५६जो म्हारो मांस खावे अने म्हारो लोई
पीवे उ म्हारा माय बण्यो रे अने हूं उका
माय। ५७जसो जीवता पिता ने म्हारे
मोकल्यो, अने हूं पिता से जीवी र्‌यो
हूं असोज वी जो म्हारे खावे म्हारा सरु
जीवता रेगा। ५८योज उ रोटो जो सरग
से आयो, वसो हयनी जेके बाप-दादाहुंण
ने खायो अने मरी ग्या। इना रोटा के
जो खाय उ हमेस्या तक मरेगा हयनी।"
५९उने ई बातहुंण पराथनाघर माय
उना बखत करी जदे उ कफरनहूम नगर
माय परबचन कई र्‌यो थो।

हमेस्या का जीवन सरु बचन

६०तो उका चेलाहुंण माय से नरा
ने जदे यो सुण्यो तो बोल्या, "या तो
मुसकिल बात हे इके कुंण सुणी सके।"
६१पण ईसु ने यो जाणी के की उका
चेलाहुंण इनी बात पे बड़बडई र्‌या था
उणकासे बोल्यो, "कंई तमारे इनी बात
से ठोकर लागे? ६२अगर तम हूं मनख
का बेटा के सरग जाता देखो जां हूं पेलां
थो, तो कंई करोगा?" ६३आतमाज हे जो
जीवन दे हे काया से कंई नफो हयनी,
जो बात म्हने तमारे बतई वी आतमा
अने जीवन हे। ६४पण तमारा माय
थोड़ाक हे जो बिसास नी राखे।" क्योंके
ईसु तो पेलांसेज जाणे हे के बिसास नी
करवा वाळा कुंण हे, अने उ कुंण हे जो
उके पकड़ायगा, ६५अने उ बोल्यो, "म्हने
तमारे इकासरु बताड़्यो के कईं को म्हारा
कने नी अई सके, जदत्तक के पिता उके
म्हारा कने आवा की इजाजत नी दे।"
६६इकासरु उका चेलाहुंण माय से नरा
पाछा चल्या ग्या अने फेर उका कने नी
आया ६७जदे ईसु उना बाराहुंण से बोल्यो,
"कंई तम बी चल्या जाणो चाव?"
६८† सिमोन पतरस उकासे बोल्यो,
"परभु, हम केका कने जावां? अजर-
अमर जीवन की बातहुंण तो थारा कने
हे। ६९हमने बिसास कर्‌यो अने जाणी
ग्या के परमेसर को पवित्तर मनख तूज
हे।"
७०ईसु ने उणके जुवाब द्‌यो, "कंई
म्हने खुदज तम बारा चेलाहुंण के नी
छांट्या? पण फेर बी तमारा माय एक
सेतान हे।" ७१उको मतलब सिमोन
इस्करियोती का बेटा यहूदा से थो, क्योंके
उना बाराहुंण माय से उज एक थो जो
उके पकड़वाणे वाळो थो।

झोपड़िहुंण को तेवार माय ईसु

७ इनी बातहुंण का बाद ईसु गलील
इलाका माय धुमतो-फरतो र्‌यो। उ
यहूदिया इलाका माय नी जाणो चातो
थो क्योंके यहूदिहुंण का अगवाहुंण उके
मारवा की ताक माय था। २† यहूदिहुंण
को तेवार याने के झोपड़िहुंण को परब
कने थो। ३तो उका भईहुंण उकासे बोल्या,
"यां से हिटी के यहूदिया का इलाका
माय चल्यो जा, के थारा चेलाहुंण बी
उना काम के देखी सके जिणके तू करे।
४क्योंके असो कईं को हयनी जो नामी

† **६.६८–६९:** मत्ती १६.१६; मरकुस ८.२९; लूका ९.२०
† **७.२:** लेव्यव्यवस्था २३.३४; नेम-बिधान १६.१३

होणो चावे अने छिपी के काम करे। तू
इना कामहुंण के करी र्‌यो हे, इकासरु
अपणे खुद के जग पे परगट।" ५क्योंके
उका भईहुंणिज उका पे बिसास नी
राखता था।
६तो ईसु उणकासे बोल्यो, "म्हारो
बखत अबी तक आयो हयनी पण तमारा
सरु बखत अच्छो हे। ७जग[s] तमार से
घिरणा नी करी सके पण म्हार से करे,
क्योंके हूं इनी बात की गवई दउं के
उणका काम बुरा हे। ८तम खुदज परब
माय जाव। हूं इना परब माय अबी नी
जउं, क्योंके म्हारो बखत अबी तक पूरण
तरा से नी आयो।"[t] ९उणकासे ई बात
करवा का बाद उ गलील का इलाका माय
रुकी ग्यो।

ईसु परब माय

१०पण जदे उका भईहुंण परब माय
चल्या ग्या तो उ खुद बी ग्यो, सगळा
का सामे नी पण गुप-चुप ग्यो, ११क्योंके
यहूदी हाकिमहुंण उके परब माय ढुंडी र्‌या
था अने कई र्‌या था, "उ कां हे?"
१२अने भीड़ उका बारामें बड़बड़ावा
लागी। कंई-कइंका कई र्‌या था, "उ भलो
मनख हे।" दूसरा कई र्‌या था, "नी, उ
लोगहुंण के भरमावे हे।" १३फेर बी यहूदी
हाकिमहुंण का डर का मारे कइंका उका
बारामें खुली के नी बोली र्‌या था।
१४पण जदे आदो परब बिती ग्यो तो
ईसु मन्दर माय अई ग्यो अने परबचन
देवा लाग्यो। १५इकासरु यहूदिहुंण चकरई
ने केवा लाग्या, "यो मनख बिना भण्यो
लिख्यो हुई के कसे ज्ञान की बाणी बोले
हे?"
१६तो ईसु ने उणके जुवाब द्‌यो, "यो
परबचन म्हारो हयनी पण परमेसर को
हे जेने म्हारे मोकल्यो। १७अगर कईं
को मनख उकी मरजी पूरण करवा सरु
तय्यार हे तो उ इनी सीख का बारामें
जाणी जायगा के या परमेसर आड़ी से हे
के हूं अपणा आड़ी से कूं। १८जो अपणा
आड़ी से के, उ अपणी बड़ई चावे, पण
जो अपणा मोकलवा वाळा की बड़ई चावे
उज सांचो हे अने उका माय अधरम
हयनी। १९कंई मूसा ने तमारे नेम-बिधान
नी द्‌यो? अने फेर बी तम कइंका नेम
को पाळण नी करो। तम कायसरु म्हारे
मारवा की ताक माय रो हो?"
२०भीड़ ने जुवाब द्‌यो, "थारा माय बुरी
आतमा रे हे। कुंण थारे मारवा की ताक
माय रे?"
२१ईसु जुवाब देतो होयो बोल्यो, "म्हने
सबत् का दन माय एक काम कर्‌यो
अने तम सगळा चकरई र्‌या हो। २२[†]
पण इकाज सरु मूसा ने तमारे खतणा
को नेम-बिधान द्‌यो। (इकासरु नी के उ
मूसा को हे पण बाप-दादाहुंण का अंई
से।) अने तम सबत् का दन मनख को
खतणो करो हो। २३[†] अगर सबत् का दन
मनख को खतणो कर्‌यो जाय जदे मूसा
को नेम-बिधान को उलांगो नी होय। तम

---

[s] **७.७** जग; या जगत, संसार, दुनिया जो इना जग माय रे हे अने बुरी आतमाहुंण की ताकत लोगहुंण का जीवन के अपणा बस माय करी लाखे हे (योहन १२:३१)। [t] **७.८** म्हारो बखत ... नी आयो; ईसु मसीह परमेसर पिता का हुकम की बाट जोई र्‌या, नी के उका भईहुंण की सला की।
[†] **७.२२:** उत्पत्ती १७.१०; लेव्यव्यवस्था १२.३ [†] **७.२३:** योहन ५.९

फेर बी म्हार से रीस राखो के सबत् का
दन म्हने एक मनख के नज करी लाख्यो
थो। २४मुन्डो देख्यो न्याव मती करो पण
धरम से न्याव करो।"

कंई ईसुज मसीह[u] हे?

२५तो यरुसलेम का थोड़ाक लोगहुंण
केवा लाग्या, "कंई यो उज तो हयनी
जेके यहूदी हाकिमहुंण मारी लाखणे की
कोसिस करी र्या हे? २६पण देखो, उ तो
खुला-आम बात करी र्यो अने वी ईसु
का बिरोद माय कइंनी कई र्या हे। कंई
हाकिमहुंण के तो पतो नी चली ग्यो के
योज मसीह हे? २७फेर बी हम जाणा हे
के यो मनख कां को हे,[v] पण जदे मसीह
आयगा तो कईं को बी नी जाणी सकेगा
के उ कां को हे।"

२८तो ईसु मन्दर माय परबचन देता
बखत उंची अवाज माय बोल्यो, "तम
सोंची र्या हो के म्हारे जाणो हो अने यो
बी जाणो हो के हूं कां से आयो। हूं खुद
अपणा आड़ी से नी आयो पण जेने म्हारे
मोकल्यो उ सांचो हे। जेके तम नी जाणो,
२९पण हूं उके जाणूं, क्योंके हूं उका आड़ी
से हूं अने उने म्हारे मोकल्यो।"

३०तो वी उके पकड़वा की कोसिस
करवा लाग्या फेर बी कइंका ने उके हात
नी लगाड़्यो क्योंके उकी मोत को बखत
अबी नी आयो थो। ३१पण भीड़ माय से
घणा मनखहुंण ने उका पे बिसास कर्यो
अने केवा लाग्या, "जदे मसीह आयगा
तो कंई उ इना मनख से जादा चमत्कार
दिखाड़ेगा?"[w]

ईसु के पकड़वा सरु सिपईहुंण के मोकल्या

३२फरीसिहुंण ने भीड़ के उका
बारामें काना फूसी करता सुण्या, अने
म्हापुरोहितहुंण अने फरीसिहुंण ने उके
पकड़वा सरु सिपईहुंण के मोकल्या। ३३तो
ईसु बोल्यो, "हूं जरा देर तक तमारा
गेले हजु हूं। तो हूं उका कने जउं जेने
म्हारे मोकल्यो। ३४तम म्हारे ढुंडोगा पण
पावगा हयनी अने जां हूं हे, वां तम अई
नी सको।"

३५तो यहूदी हाकिमहुंण माय-माय केवा
लाग्या, "यो मनख कां जाणो चावे के
हम उके नी पावांगा? कंई उ उणका कने
जाणो चावे जो यहूदी लोग यूनानिहुंण
माय तित्तर-बित्तर हुई ने रई र्या हे। अने
कंई यूनानिहुंण के बी ज्ञान सीखाड़ेगा?
३६या कसी बात हे जो उने करी, 'तम
म्हारे ढुंडोगा अने नी पावगा,' अने 'जां हूं
हे, वां नी अई सको'?"

पवित्तर आतमा का बारामें

३७[†] परब का आखरी दन जो खास
दन थो, ईसु उबो होयो अने उंची अवाज

---

[u] **७.२५-३१** मसीह; इबराणी भासा माय मसीह या मसायाह। परमेसर ने मनख जात पे ईसु के परभु अने उध्दार करवा वाळो बणायो। [v] **७.२७** हम जाणा हे के यो मनख कां को हे; वी जाणता था के ईसु नासरत को थो तो उणको केणो थो के यो मसीह हयनी। [w] **७.३१** चमत्कार दिखाड़ेगा; लोगहुंण को बिसास थो की मसीह चमत्कार दिखाड़ेगा। ईसु मसीह ने चमत्कार दिखाड़्या, तो योज मसीह हे।
[†] **७.३७:** लेव्यव्यवस्था २३.३६

माय बोल्यो, "अगर कईं को जीवन का
पाणी को तिरस्यो होय तो म्हारा कने
आवे अने पीवे। ३८† जो म्हार पे बिसास
राखे, जसो के पवित्तर सासत्तर माय
लिख्यो हे, 'उणका हिरदा माय से जीवन
जळ की नद्दिहुंण बइ हिटेगा।' ३९ईसु ने
यो पवित्तर आतमा का बारामें क्यो थो
जो उका पे बिसास करे वी पाणे वाळा
था। इकासरु के पवित्तर आतमा अबी तक
नी द्यो थो, क्योंके ईसु अबी तक म्हेमा
माय नी आयो थो।[x]

भीड़ माय फूट

४०† जदे भीड़ माय से कइंका ने इना
बचनहुंण के सुण्या तो बोल्यो, "निस्चित
उ नबी[y] हे जो मसीह से पेलां आयगा।"
४१थोड़ाक मनखहुंण केवा लाग्या,
"योज मसीह हे।"
फेर दूसरा मनखहुंण बी केवा लाग्या,
"मसीह गलील इलाका से नी अई सकेगा!
४२† क्योंके कंई पवित्तर सासत्तर माय
योज नी लिख्यो, के मसीह दाऊद का बंस
अने बेतलहम गांम से आयगा जां दाऊद
रेतो थो?" ४३इकासरु भीड़ माय ईसु का
बारामें फूट पड़ी गी। ४४उणका माय से
थोड़ाक जणा उके पकड़णो चई र्या था
पण कइंका ने उके हात नी लगाड़्यो।

यहूदी हाकिमहुंण ने बिसास नी कर्‌यो

४५जदे सिपई पाछा म्हापुरोहितहुंण
अने फरीसिहुंण कने आया, उणने
उणकासे पुछ्यो "तम उके क्यो नी
लाया?"
४६सिपईहुंण बोल्या, "आज दन तक
असी बातहुंण कइंका ने कदी नी कई
जसी उ के हे।"
४७फरीसिहुंण ने जुवाब द्यो, "कंई
तम बी तो नी भरमई ग्या हो? ४८कंई
हाकिमहुंण या फरीसिहुंण माय से उका
पे कइंका ने बिसास कर्‌यो हे? ४९पण
या भीड़ जो नेम-बिधान नी जाणे, सापित
हे। "
५०नीकुदेमुस ने जो पेलां ईसु कने
आयो† थो उणका माय को एक थो उ
बोल्यो, ५१"कंई हमारा नेम-बिधान कइंका
मनख के जदत्तक उकी सुणी नी लां अने
या जाणी नी लां की उ कंई करे हे दोषी
ठेरांवां हे?"
५२उणने उके जुवाब द्यो, "कंई तू बी
गलील को हे? सासत्तर माय ढुंड अने
देखी ले गलील से कईं को नबी नी
परगटणे वाळो।"
[५३[z] अने सगळा अपणा घरे चल्या
ग्या,

---

[x] **७.३९** ईसु अबी तक म्हेमा माय नी आयो थो; योहन का सुब-समिचार का मुजब ईसु ने म्हेमा को नातो कुरुस पे दुःख उठाड़णो अने मोत झेळणा के मान अने म्हानता के हे, जदेज सरग का नेम-बिधान से परमेसर ने ईसु के मर्‌या माय से जिवाड़्यो थो। [y] **७.४०** नबी; देखो १:२१।

[z] **७.५३** जूना लेखहुंण की परतिहुंण माय योहन ७:५३-८:११ नी हे। कईं लेखहुंण माय यो योहन २१:२४ का बाद आयो हे, अने कईं माय यो लूका २१:३८ का बाद हे। एक लेखहुंण माय यो योहन ७:३६ का बाद आयो हे।

† **७.३८:** यहेजकेल ४७.१; जकरियाह १४.८ † **७.४०:** नेम-बिधान १८.१५,१८

† **७.४२:** २ सेमुएल ७.१२; मीका ५.२ † **७.५०:** योहन ३.१

ब्योबिचार माय पकड़ई गी बइरा

८ पण ईसु जेतून परबत पे चल्यो ग्यो।
२सवेर माय से पाछो मन्दर माय
आयो। सगळा मनख उका कने आवा
लाग्या अने उ बेठिके उणके परबचन देवा
लाग्यो। ३तो फरीसी अने सासतरिहुंण
एक बइरा के ल्याया जो ब्योबिचार करता
होया पकड़ई गी थी अने उके अदाड़ माय
उबाड़ी के। ४उणने ईसु से क्यो, "हे गरु,
या बइरा ब्योबिचार करता होया पकड़ई
गी हे। ५† नेम-बिधान माय मूसा ने
हमारे असी बइरा सरु भाटा मारवा को
नेम राख्यो हे।[a] इका बारामें थारो कंई
केणो पड़े?" ६वी उके जांचवा सरु असो
कई र्‌या था के उका पे दोष लगावा को
मोको[b] मिळी सके।

पण ईसु नमिके अपणी अंगळी से
जमीन पे लिखवा लाग्यो। ७पण जदे वी
घड़ी-घड़ी पुछ्वा लाग्या तो ईसु सुदो उबी
ने उण से बोल्यो, "तमार माय जो पापी
हयनी उज सगळा से पेलां इके भाटो
मारे। ८उ पाछो नमी ग्यो ने अंगळी से
जमीन पे लिखवा लाग्यो। ९जदे उणने
यो सुण्यो तो पेलां बुड़ाहुंण, अने पाछा
सगळा एक-एक करिके जावा लाग्या,
अने उ एखलो रई ग्यो, अने वा बइरा
वांज उबी रइगी। १०जदे ईसु सुदो उबो हुई
ने उकासे बोल्यो, "हे नारी वी कां ग्या?
कइंका ने थारे सजा को हुकम नी द्‌यो?
११वा बोली, "कइंका ने नी, परभुजी।"
तो ईसु ने क्यो, "हूं बी थारे सजा नी
दउं। जा चली जा, अने अबे पाछी पाप
मती करजे।"][c]

ईसु जगत को उजाळो

१२† ईसु पाछो लोगहुंण से केवा लाग्यो
"जग को उजाळो हूंज हूं। जो म्हारा पाछे
हुई जावे उ इन्दारा माय नी भटके, पण
जीवन जोत पायगा।"

१३† तो फरीसिहुंण ने उकासे क्यो, "तू
अपणी गवई खुदज दई र्‌यो। थारी गवई
सांची हयनी।"

१४ईसु ने जुवाब दई के क्यो, "हालाके
अपणी गवई हूं खुदज दउं पण फेर बी
म्हारी गवई सांची हे, क्योंके हूं जाणूं के
हूं कां से आयो अने कां जई र्‌यो हूं। पण
तम नी जाणो के हूं कां से आयो अने कां
जई र्‌यो हूं। १५तम लोगहुंण काया का
मुजब न्याव करो। हूं कइंका को न्याव नी
करूं। १६अगर हूं न्याव बी करूं तो म्हारो
न्याव सांचो, क्योंके हूं एखलो हयनी,
पण म्हारा गेले म्हारो पिता परमेसर,
जेने म्हारे मोकल्यो हे। १७† तमारा नेम-

---

[a] **८.५** भाटा मारवा को नेम राख्यो हे।; लेव्यव्यवस्था २०:१०; नेम-बिधान २२:२२-२४ माय लिख्यो हे के अगर कइंका ब्योबिचार करता पकड़्या जाय तो उणके भाटामार करी के मारी लाखणो चइये, पण फरीसी अने सदुकी सिरप बइरा केज लाया। [b] **८.६** दोष लगावा को मोको; अगर मसीह भाटा मारवा को हुकम नी दे तो मूसा का नेम-बिधान का खिलाप बात हुई जाय, अने भाटा मारवा को हुकम दे तो रोमी सरकार आड़े अई जाय क्योंके मोत की सजा देवा को हक सिरप रोमी सरकार को थो।
[c] **८.११** सुरु का अनुवादकहुंण कने यो हिस्सो नी थो (देखो ७:५३)।
† **८.५:** लेव्यव्यवस्था २०.१०; नेम-बिधान २२.२२–२४ † **८.१२:** मत्ती ५.१४; योहन ९.५
† **८.१३:** योहन ५.३१ † **८.१७:** नेम-बिधान १९.१५

बिधान मेंज लिख्यो के कइंकी बात पे
दो मनख की गवई मिळी के सांची रे हे।
१८एक हूं जो म्हारी गवई दउं, अने दूसरो
म्हारो पिता हे जेने म्हारे मोकल्यो अने
उ म्हारा बारामें गवई दे हे।"
१९तो वी उकासे केवा लाग्या, "थारो
पिता कां रे?"
ईसु ने जुवाब द्यो, "तम नी तो म्हारे
जाणो नी म्हारा पिता के। अगर तम
म्हारे जाणता तो म्हारा पिता के बी
जाणता।"
२०ई बचन उने उणकासे मन्दर का
खजाना कने परबचन देता बखत बोल्या,
अने कइंका ने उके नी पकड़्यो क्योंके
उको बखत अबी तक नी आयो थो।

तम वां नी जई सकता जां हूं जउं

२१उ पाछो उणकासे बोल्यो, "हूं जउं,
अने तम म्हारे ढुंडोगा पण अपणा पाप
माय मांफी बिना मरोगा।[d] जां हूं जई र्‌यो
हूं, वां तम नी अई सकोगा।"
२२इका पे यहूदी हाकिमहुंण बोलवा
लाग्या, "कंई उ अपणे खुद के तो मारी
नी लाखेगा? उ के हे, जां हूं जई र्‌यो
तम नी अई सकता।"
२३उने उणकासे क्यो, "तम निच्चे
का अने हूं अदरे को हूं। तम इना जग
का हो अने हूं इना जग को हयनी।
२४इकासरु म्हने तमार से क्यो के तम
अपणा पाप माय मरोगा क्योंके जदत्तक
तम बिसास नी करो के हूं उज हूं,[e] तम
अपणा पापहुंण मेंज मरोगा।"
२५वी उकासे केवा लाग्या, "तू कुंण
हे?"
ईसु ने उणकासे क्यो, "हूंज हूं, जो
तमारे सुरु सेज केतो अई र्‌यो हूं।
२६म्हारे तमारा बारामें घणी बातहुंण
केणी हे अने न्याव करनों हे। पण जेने
म्हारे मोकल्यो उ सांचो हे अने वी
बातहुंण जो म्हने उकासे सुणी वीज हूं
जग से कई र्‌यो हूं।
२७वी या नी जाणी र्‌या था के उ
उणकासे परमेसर पिता का बारामें कई
र्‌यो थो। २८तो ईसु ने क्यो, "जदे तम
हूं मनख का बेटा के अदरे चड़ावगा जदे
तम जाणोगा के हूं हूंज हूं, अने अपणे
आप कइंनी करूं, पण जसे पिता ने म्हारे
सीखई दी, हूं याज बात कूं। २९जेने म्हारे
मोकल्यो उ म्हारा गेले रे हे उने म्हारे
एखलो नी छोड़्यो, क्योंके हूं सदा सेज
उज काम करूं जेकासे उ खुस रे।"
३०जदे उने इनी बातहुंण के करी तो
घणा मनखहुंण ने उका पे बिसास कर्‌यो।

आजादी को सांचो मारग

३१ईसु उना यहूदिहुंण के जिणने उका
पे बिसास कर्‌यो थो केवा लाग्यो, "अगर
तम म्हारा बचन माय बण्या रोगा,

---

[d] **८.२१** तम म्हारे ढुंडोगा पण अपणा पाप माय मांफी बिना मरोगा; ईसु ने यहूदिहुंण का अगवाहुंण से क्यो, लगातार उका पे नगे राखोगा मसीह आयगा अने उणके बचाड़ेगा, पण वी उके पायगा हयनी। वी बिना परमेसर से पाप मांफ होया मरेगा। इकासरु के उणने ईसु के जो मसीह अने बचाड़वा वाळो हे ठुकरई लाख्यो। [e] **८.२४** हूं उज हूं; यहूदिहुंण परमेसर का पवित्तर नाम "याहवे" जेको अरथ "हूं हे"। योहन का सुब-समिचार माय "हूं हे" के कंई-कंई ईसु मसीह सरु काम माय ल्यो हे, अने या बताड़वा की कोसिस करी के ईसु परमेसर हे।

तो सांचीमेंज म्हारा चेलाहुंण केवाड़्या
जावगा। ३२अने तम सच्चई के जाणोगा
अने सच्चईज तमारे आजादी देवाड़ेगा।
३३[†] उणने उके जुवाब द्यो, "हम
इबराइम का बंस का हे। अबी तक
कोइंका का गुलाम नी होया। तो फेर
तू कसे बोले, के तमारो छुटकारो हुई
जायगा?"
३४ईसु ने उणके जुवाब द्यो, "हूं
तमार से खास बात कूं, हरेक जो पाप
करे उ पाप को गुलाम हे। ३५गुलाम
हमेस्या घर माय नी रे, पण बेटो हमेस्या
रे। ३६अगर हूं परमेसर को बेटो तमारे
आजादी दउं तो तम सांचीमेंज आजाद
हुई जावगा। ३७हूं जाणूं के तम इबराइम
का बंस का हो। फेर बी म्हारे मारी
लाखणो चावो, इकासरु के म्हारा बचन
तमारा हिरदा माय जगा नी पई र्या
हे। ३८हूं वीज बातहुंण कूं जे के अपणा
पिता का यां देखी। असोज तम बी वीज
काम करो हो जिणके तमने अपणा पिता
से सुण्यो हे।"
३९उणने जुवाब द्यो, "हमारो पिता तो
इबराइम हे।"
ईसु ने उणकासे क्यो, "अगर तम
इबराइम का बंस का हो तो इबराइम
सरीका काम करो। ४०पण अबे म्हारा
जसा मनख के मारी लाखणो चावो
जेने तमारे वा सच्चई बतई जो म्हने
परमेसर से सुणी। असो तो इबराइम
ने नी कर्यो। ४१तम अपणा पिता को
काम करी र्या हो।"
पण उणने उकासे क्यो, "हम ब्योविचार
से नी जन्म्या।[f] हमारो एकज पिता हे
याने के परमेसर।"
४२ईसु ने उणकासे क्यो, "अगर
परमेसर तमारो पिता होतो, तो तम
म्हार से परेम राखता, क्योंके हूं
परमेसर से हिट्यो हूं। अपणी मरजी
से नी आयो पण म्हारे उनेज मोकल्यो।
४३जो हूं कई र्यो हूं उके तम समजो
क्यों नी? यो इकासरु हे के तम
म्हारा बचन सुणी नी सको। ४४तम
तो अपणा पिता सेतान का हो अने
अपणा पिता की मरजिहुंण के पूरण
करनों चाव हो। उ तो सुरु से हत्यारो
हे अने सच्चई पे नी ठेर्यो रे, क्योंके
सच्चई उका माय हेज हयनी। जदे बी
उ झुंटो बोले तो अपणा सोभाव सेज
बोले, क्योंके उ झुंटो अने झुंटाहुंण को
पिता हे। ४५हूं सांचो बोलुं, इकासरु
तम म्हारो बिसास नी करो। ४६तमार
माय से कुंण म्हारे पापी ठेराय हे।
अगर हूं सांची बोलुं तो तम म्हारो
बिसास कायसरु नी करो हो? ४७जो
परमेसर को हे उ परमेसर की बातहुंण
सुणे। तम इकासरु नी सुणो क्योंके
तम परमेसर का होज नी।"

---

[f] **८.४१** हम ब्योविचार से नी जन्म्या; लोगहुंण ने क्यो के "हम इबराइम का बंस अने परमेसर की सांची सन्तान हे। परमेसर ने क्यो हे इसराइल म्हारो पेलो जन्म्यो बेटो हे (निरगमन ४:२२)।" पण ईसु ने क्यो, के वी इबराइम का बंस का हयनी क्योंके उणने इबराइम का सरीका करम नी कर्या (आयत ४०), इका से उणको आतमिक पिता दूसरो हे। उणका बिचार माय ईसु के हे के उणकी मां ने, दूसरा मनख का गेले ब्योविचार से बेटा के जन्म्यो हे - अने इनी बात के उणने नकार्यो हे।

[†] **८.३३:** मत्ती ३.९; लूका ३.८

ईसु इबराइम से पेलां को हे

४८यहूदिहुंण ने उकासे क्यो, "कंई हम
सांची नी कई र्या के तू सामरी मनख हे,
अने थारा माय बुरी आतमा हे?"
४९ईसु ने जुवाब द्यो, "म्हार माय बुरी
आतमा हयनी। हूं अपणा पिता को मान
करूं, पण तम म्हारो मान पाड़ो हे। **५०**हूं
अपणी मान मरियादा नी चउं, एक हे जो
चावे अने धरम से न्याव करे हे। **५१**हूं
तमार से खास बात कूं के अगर कईं को
म्हारा बचन के पाळे तो उ कदी मरेगा
हयनी।"
५२यहूदिहुंण ने उकासे क्यो, "अबे हम
जाणी ग्या के थारा माय बुरी आतमा
हे। इबराइम मरी ग्यो अने नबिहुंण बी,
पण तू के हे के अगर कईं को म्हारा
बचन के पाळे तो उ कदी मोत का बस
माय नी रेगा। **५३**निस्चित तू हमारा पिता
इबराइम से बड़ो हयनी जो मरी ग्यो।
नबिहुंण बी मरी ग्या। तू अपणे खुद के
कंई समजे?"
५४ईसु ने जुवाब द्यो, "अगर हूं खुदी
अपणो मान दउं तो म्हारो आदर मान
कइंबी हयनी। म्हारे मान मरियादा देणे
वाळो म्हारो पिता हे, जेका बारामें तम
को हो उ हमारो परमेसर हे। **५५**तमने तो
उके नी जाण्यो पण हूं उके जाणूं। अगर
हूं कूं के हूं उके नी जाणूं, तो हूं तमारा
सरीको झुंटो रुंवां, पण हूं उके जाणूं अने
उका बचन को पाळण करूं। **५६**तमारा
पिता इबराइम म्हारो दन देखवा की आस
से खुस होयो। उने देख्यो बी अने मगन
हुई ग्यो।"
५७इका पे यहूदिहुंण ने उकासे क्यो,
"तू अबी पचास बरस को बी हयनी। कंई
तने इबराइम के देख्यो?"[g]
५८ईसु ने उणकासे क्यो, "हूं तमार
से खास बात कूं, इका पेलां के इबराइम
जन्म्यो, हूं हे[h]।"
५९तो उणने ईसु के मारवा सरु भाटा
उठाड़्या, पण उ छिपी के मन्दर से बायरे
चल्यो ग्यो।

जनम का आंदा के नगे आणो

९ फेर ईसु ने जाता-जाता एक मनख
के देख्यो जो जनम को आंदो थो।
२अने उका चेलाहुंण ने उकासे पुछ्यो, "हे
गरु, केने पाप कर्यो? इना मनख ने के
इका मां-बाप ने कर्यो के यो आंदोज
जनम्यो?
३ईसु ने जुवाब द्यो, "नी तो इना
मनख ने पाप कर्यो नीज इका मां-
बाप ने पाप कर्यो, पण यो जनम से
आंदो इकासरु होयो के परमेसर का काम
उका माय परगटे। **४**जरुरी हे जे ने म्हारे
मोकल्यो उको काम हम दनज दन माय[i]
करां। वा रात आवा वाळी हे, जेका माय
कईं को मनख काम नी करी सकेगा। **५**[†]
जदतक हूं हे, हूं जग को उजाळो हूं।"
६जदे ईसु या कई चुक्यो, तो उने
जमीन पे थुंक्यो अने थुंक से गारा

---

[g] **८.५७** तने इबराइम के देख्यो ?; थोड़ाक लेखहुंण माय इबराइम ने थारे देख्यो ? [h] **८.५८** हूं हे; योहन ८:२४ माय नोट देखो। [i] **९.४** दनज दन माय; जदे ईसु गेले हे तो चेलाहुंण दन माय उब्या हे। रात तो मोत के बताड़े हे।

[†] **९.५:** मत्ती ५.१४; योहन ८.१२

के गीलो करिके आंदा की आंखहुंण पे
लगाड्यो। ७अने क्यो, "जई के सीलोह
नगर का कुण्ड माय धोई ले।"[j] तो उने
जई के धोयो अने देखतो होयो आयो।

८जदे पड़ोसिहुंण अने जिणने पेलां उके
भीक मांगतो देख्यो थो केवा लाग्या,
"कंई यो उज नी जो बेठिके भीक मांग्या
करता थो?"

९दूसरा केवा लाग्या, "यो उज हे।"
अंई-वइंका जणाहुंण ने क्यो, "नी, पण
उका सरीको हे।"

उ केतो र्‌यो "हूंज हूं।"

१०इकासरु वी उकासे पुछवा लाग्या,
"तो थारी आंखहुंण कसे खुली गी?"

११उने जुवाब द्‌यो, "ईसु नाम का
मनख ने गारो गीलो कर्‌यो अने म्हारी
आंखहुंण पे लगाड्यो अने म्हार से
बोल्यो, 'सीलोह का कुण्ड माय जई ने
धोई ले।' तो म्हने जई के धोयो अने
देखवा लाग्यो।"

१२अने उणने उकासे पुछ्‌यो "उ कां
हे?"

उ बोल्यो, "हूं नी जाणूं।"

नज होवा का बारामें पूछ-ताछ

१३वी उके पेलां जो आंदो थो फरीसिहुंण
कने लाया। १४जेना दन ईसु ने गारो
सान्यो अने उकी आंखहुंण पे लगाड्यो थो
उ सबत् को दन थो। १५पाछा फरीसिहुंण
ने बी उकासे पुछ्‌यो के कसे देखवा
लाग्यो? उने उणकासे क्यो, "उने म्हारी
आंखहुंण पे गारो लगाड्यो अने म्हने
धोयो। अबे हूं देखी र्‌यो हूं।"

१६इकासरु फरीसिहुंण माय से थोड़ाक
केवा लाग्या, "यो मनख परमेसर आड़ी
से हयनी क्योंके उ सबत् का दन के नी
माने।"

पण दूसरा फरीसिहुंण केवा लाग्या,
"एक पापी मनख असो चमत्कार कसे
दिखई सके।" अने उणका माय फूट पड़ी
गी।

१७तो उणने उना मनख से जो पेलां
आंदो थो पाछो पुछ्‌यो, "उने थारी
आंखहुंण कसे खोली। तू उका बारामें कंई
के?"

उने क्यो, "उ नबी हे।"

१८तो यहूदी अगवाहुंण ने उकी इनी
बात को भरोसो नी कर्‌यो के उ आंदो थो
अने अबे देखवा लाग्यो, जदत्तक उणने
उना मनख का मां-बाप के बुलाड़ी के,
१९यो पुछी नी ल्यो, "कंई यो तमारो बेटो
हे? जेके तम को के यो आंदो जन्म्यो
थो? तो अबे उ कसे देखी र्‌यो हे?"

२०उका मां-बाप बोल्या, "हम जाणा
हे के यो हमारो बेटो हे अने उ आंदो
जन्म्यो थो। २१पण अबे उ कसे देखवा
लाग्यो हम नी जाणा या केने इकी
आंखहुंण खोली हमारे नी मालम।
उकासेज पुछी लो उ सयाणो हे, अपणा
बारामें खुदी बताड़ी देगा।" २२उका मां-
बाप ने असो इकासरु कर्‌यो क्योंके वी
यहूदी अगवाहुंण से डरता था, क्योंके
यहूदी हाकिमहुंण माय पेलांसेज एको हुई
ग्यो थो के अगर कईं को के, के ईसु
मसीह हे, तो उके पराथनाघर से अने
जात बायरे हेड़ी लाखांगां। २३इकासरु उका

---

[j] **९.७** सीलोह; मतलब मोकल्यो होयो।

मां-बाप बोल्या, "उ सयाणो हे, उकासे
पुछी लो।"
२४उणने उना मनख के पाछो बुलाड्यो
जो आंदो थो अने उकासे बोल्या,
"परमेसर की म्हेमा कर।[k] हम जाणा हे
के यो मनख पापी हे।"
२५तो उने जुवाब द्यो, "हूं नी जाणूं के
उ पापी हे या नी। हूं तो एक बात जाणूं
के हूं आंदो थो अने अबे देखी र्यो हूं।"
२६अने इकासरु उणने उकासे पाछो
पुछ्यो, "उने थारा गेले कंई कर्यो? थारी
आंखहुंण कसे खोली लाखी?"
२७उने उणके जुवाब द्यो, "हूं तो
तमार से पेलांज बोली चुक्यो अने तमने
नी सुण्यो। अबे दूसरी कावा कायसरु
सुणवा चाव? कंई तम बी उका चेला
बणणो चाव हो?"
२८अने वी उके बुरो भलो केता होया
बोल्या, "तूज उको चेलो रे। पण हम तो
मूसा का चेलाहुंण हे। २९हम जाणा की
परमेसर ने मूसा से बात करी, पण इना
मनख का बारामें हम नी जाणा के यो
कां को हे।"
३०उना मनख ने जुवाब देतो होयो
उणकासे क्यो, "अरे, या तो घणी
अनोखी बात, के तम नी जाणो के उ
कां को हे फेर बी उने म्हारी आंखहुंण
खोली लाखी। ३१हम जाणा की परमेसर
पापिहुंण की पराथना नी सुणे, पण अगर
कईं को उका डर माय चले अने उकी
मरजी पूरण करतो रे तो उ उकी सुणे।
३२सनातन से यो कंई सुणवा माय नी
आयो के कइंका ने जनम का आंदा
मनख की आंखहुंण खोली होय। ३३अगर
यो मनख परमेसर आड़ी से नी होतो,
तो उ कइंबी नी करी सकतो।"
३४वी जुवाब माय बोल्या, "तू तो पाप
मेंज जन्म्यो हे, तू कंई हमारे सीखाड़वा
आयो?" अने उणने उके जात बायरे हेड़ी
लाख्यो।

आतमा को आंदोपणो

३५ईसु ने सुण्यो की उणने उके जात
बायरे करी लाख्यो हे तो उकासे मिळ्यो
अने बोल्यो, "कंई तू मनख का बेटा पे
बिसास करे?"
३६उने पुछ्यो, "उ कुंण हे, परभु, के हूं
उका पे बिसास करूं?"
३७ईसु ने उकासे क्यो, "तने उके
देख्योज हे, अने उज हे जो अबी थार से
बोली र्यो हे।"
३८अने उने क्यो, "परभु, हूं बिसास
करूं हे।" अने उने ईसु के धोक दइने
परणाम कर्यो।
३९जदे ईसु ने क्यो, "हूं इना जग
माय न्याव सरु आयो के जो नी देखे
वी देखी सके, अने जो देखे हे वी आंदा
हुई जाय।"
४०फरीसिहुंण माय से जो उका गेले था
ई बातहुंण सुणी के उणने उकासे क्यो,
"अरे! कंई हम बी आंदा हे?"
४१ईसु ने उणकासे क्यो, "अगर तम
आंदा होता तो तमार माय कईं को
पाप नी रेतो। अबे तम कई र्या हो,
के हम देखां हे इकासरु तमारो पाप
बण्यो रेगा।

---

[k] **९.२४** परमेसर की म्हेमा कर; परमेसर का सामे सांची बोल।

गाडरहुंण अने उको ग्वाळो

१० "हूं तमार से खास बात कूं के उ
जो फाटक से गाडर का खाड़ु माय
नी आवे पण दूसरा आड़ी से भराय हे, उ
चोळ्डो अने डाकू हे। [२]पण जो फाटक से
आय उ अपणी गाडरहुंण को ग्वाळो हे।
[३]फाटक पे रेवा वाळो गाडर वाळा सरु
फाटक हेड़े अने गाडरहुंण उकी अवाज
जाणे। उ अपणी गाडरहुंण को नाम लइ-
लइने बुलाड़े अने उणके बायरे लई जाय।
[४]जदे उ अपणी सगळी गाडरहुंण के बायरे

गाडरहुंण का अगड़े ग्वाळो (JHN १०.४)

हेड़ी ले तो उणका अगड़े-अगड़े चले अने
गाडरहुंण उका पछड़े हुई जाय, क्योंके वी
उकी अवाज जाणे हे। [५]अने वी कइंका
दूसरा का पाछे कदी नी जायगा पण
उकासे बिचकेगा क्योंके वी दूसरा की
अवाज नी जाणे।"

६ईसु ने उणके या मिसाल दई पण वी
नी समजी सक्या के ई कंई बातहुंण हे
जो उ हमार से कई र्‌यो थो।

ईसु अच्छो ग्वाळो

७इकासरु ईसु ने उणकासे पाछो क्यो,
"हूं तमार से खास बात कूं, गाडर को
फाटक जसो हूंज हे। [८-९]बारना सरीको
हूंज हे। अगर कईं को म्हारा भित्तरे से
आवे तो उ उध्दार पायेगा, बायरे-भित्तरे
आणो-जाणो करेगा, अने चारो-पाणी
पायेगा। जितरा म्हार से पेलां आया वी
सगळा चोळ्डा अने डाकू हे पण गाडरहुंण
ने उणकी नी सुणी। [१०]पण चोळ्डा सिरप
चोरी करवा, मारी लाखणे, अने मिटाणे
आय हे। अने हूं इकासरु आयो के
लोगहुंण जीवन पाय अने घणो जीवन
पावे।

११"अच्छो ग्वाळो हूंज हे, अच्छो ग्वाळो
अपणी गाडरहुंण सरु अपणी जान दई
दे हे। [१२]उ जो मजुर्‌यो हे ग्वाळो हयनी
अने नीज गाडर धणी हे। पण बरगड़ा
के आतो देखी के गाडरहुंण के छोड़ी के
भागी जाय, अने बरगड़ो झापटो मारी के
उणके खक्कळ-बक्कळ करी लाखे हे। [१३]उ
इकासरु भागी जाये क्योंके उ मजुर्‌यो
हे अने उके गाडरहुंण की परवा हयनी।
[१४-१५]† अच्छो ग्वाळो हूंज हे। जसो पिता
म्हारे जाणे अने पिता के वसोज हूं जाणूं,
हूं अपणी गाडरहुंण के बी वसेज जाणूं
हूं अने म्हारी गाडरहुंण म्हारे जाणे हे।
अने हूं गाडरहुंण सरु अपणी जान दउं।
[१६]म्हारी हजु बी गाडरहुंण हे जो इना खाड़ु
की हयनी। म्हारे उणके बी लाणो जरुरी
हे। अने वी म्हारी अवाज सुणेगा जदे
उणको एकज खाड़ु ने एकज ग्वाळो रेगा।

---

† **१०.१५:** मत्ती ११.२७; लूका १०.२२

१७"पिता इकासरु म्हार से परेम राखे
के हूं अपणो पराण दउं के पाछो उके
लई लूं। **१८**कईं को पराण के म्हार से
छुड़ाय हयनी, पण हूं उके अपणी मरजी
से दउं। म्हारे उके देवा को बी हक हे।
अने पाछो लई लेवा को बी हक हे। यो
हुकम म्हारे म्हारा पिता परमेसर से
मिळ्यो हे।"

१९इनी बातहुंण से यहूदिहुंण माय फाट
पड़ी गी। **२०**अने उणका माय से घणा
लोगहुंण केवा लाग्या, "इका माय बुरी
आतमा हे अने उ बावळो हे। तम उकी
कायसरु सुणो?"

२१पण दूसरा लोगहुंण कई र्‌या था,
"ई बातहुंण उकी हयनी जेका माय बुरी
आतमा रे हे। कंई बुरी आतमा आंदा की
आंखहुंण खोली सके?"

यरुसलेम का लोगहुंण ने ईसु के नकार्‌यो

२२उना बखत स्याळा का दन था अने
ईसु यरुसलेम माय समरपण तेवार[1] [†]
मनाड़्वा ग्यो। **२३**ईसु मन्दर माय
सुलेमान का ओसारा माय टेली र्‌यो थो।
२४तो यहूदिहुंण ने ईसु के चारी-मेर भेळा
हुई के घेरी ल्यो अने बोल्या, "तू हमारे
कदत्तक दुब्धा माय राखेगा? अगर तू
परमेसर आड़ी को मसीह हे तो साफ-
साफ कइदे।"

२५ईसु ने उणके जुवाब द्‌यो, "म्हने
तमार से कई द्‌यो पण तम बिसास
नी करो। जो काम हूं अपणा पिता
का हक से करूं वीज म्हारा बारामें
गवई दे हे। **२६**पण तम बिसास नी
करो क्योंके तम म्हारी गाडरहुंण माय
से हयनी। **२७**म्हारी गाडरहुंण म्हारी
अवाज सुणे। हूं उणके जाणूं अने वी
म्हारा पछड़े-पछड़े चल्या चले। **२८**हूं
उणके अजर-अमर जीवन दउं। वी कदी
मिटेगा हयनी अने उणके म्हारा हात
से कईं को छुड़ई नी सके। **२९**म्हारो
पिता जेने उणके म्हारे द्‌या सगळा से
उ म्हान हे अने कईं को बी उणके
पिता का हात से छुड़ई नी सके। **३०**हूं
अने पिता एकज हे।"

३१यहूदिहुंण ने उके भाटा से मारवा सरु
पाछा भाटा उठाड़्या। **३२**पण ईसु बोल्यो,
"म्हने पिता आड़ी से नरा अच्छा काम
कर्‌या। उका माय से केका सरु म्हारे
भाटा मारी र्‌या हो?"

३३[†] अने यहूदिहुंण ने उके जुवाब
द्‌यो, "हम कइंका अच्छा काम सरु
भाटा नी मारी र्‌या पण परमेसर की
निंदा करवा सरु। अने इकासरु के तू
मनख हुई के अपणे खुद के परमेसर
बताड़े हे।"

३४[†] ईसु ने उणके जुवाब द्‌यो, "कंई
तमारा नेम-बिधान माय नी लिख्यो,
'म्हने क्यो, तम ईसवरहुंण हो?' **३५**अने
धरम सासत्तर बदळ्यो नी जई सकतो।
परमेसर ने उणके ईसवरहुंण क्यो
जिणका कने उको बचन पोंच्यो। **३६**तो
जेके पिता ने पवित्तर करिके जग माय
मोकल्यो, कंई तम उका बारामें इकासरु

---

[1] **१०.२२** समरपण तेवार; या समरपण परब यहूदिहुंण को एक तेवार।

[†] **१०.२२:** भजन संहिता ८२.६ [†] **१०.३३:** लेव्यव्यवस्था २४.१६ [†] **१०.३४:** भजन संहिता ८२.६

कई र्‌या हो 'तू निंदा करे हे' क्योंके म्हने
क्यो 'हूं परमेसर को बेटो हूं'? ३७अगर
हूं अपणा पिता को काम नी करूं तो
म्हारो बिसास मती करो। ३८अगर हूं
उका काम के करूं तो चाव तम म्हारो
बिसास मती करो पण उना कामहुंण से
तो बिसास करो। तो तम जाणो अने
समजी जावगा के पिता म्हार माय अने
हूं पिता माय हूं।"
३९तो उणने उके पकड़वा की पाछी
कोसिस करी पण उ उणका हात से बची
के निकळी ग्यो,
४०† अने उ पाछो यरदन पेलां पार
उनी जगा पे चल्यो ग्यो जां योहन पेलां
बपतिसमो देतो थो, अने वइंज रेवा
लाग्यो। ४१घणा मनख उका कने अई
के ने या केता था, "योहन ने तो कईं
को चमत्कार नी बताड़्यो। फेर बी उने
जो कंई इना मनख का बारामें बताड़्यो,
उ सगळो सांचो थो।" ४२अने वां घणा
मनखहुंण ने ईसु पे बिसास कर्‌यो।

लाजर की मोत

११ † मरियम अने उकी बेन मारथा
का गांम बेतनिय्याह को लाजर
नामको एक मनख बेमार थो। २†
मरियम वाज थी जेने बाद माय परभु
ईसु का पगहुंण पे अतर लाखी के
अपणा बालहुंण से पोंछ्या था। इकोज
भई लाजर बेमार थो। ३इकासरु बेनहुंण
ने ईसु के संदेसो मोकल्यो, "परभु, देख
जेकासे तू घणो परेम राखतो थो, उ
बेमार हे।"
४पण जदे उने यो सुण्यो तो क्यो,
"यो रोग मोत को हयनी पण परमेसर
की म्हेमा सरु हे के इका से परमेसर का
बेटा की म्हेमा होय।"
५ईसु तो मारथा अने उकी बेन अने
लाजर से परेम राखतो थो। ६फेर बी जदे
उने सुण्यो के लाजर बेमार हे तो उ जेनी
जगा पे थो, वां दो दन हजु रुकी ग्यो।
७इका बाद उने चेलाहुंण से क्यो, "चलो,
हम पाछा यहूदिया परदेस आड़ी चलां।"
८चेलाहुंण ने उकासे क्यो, "हे गरु, अबी
तो यहूदिहुंण थारे भाटा मारनो चाता था,
अने कंई तू पाछो वइंज जाय हे?"
९ईसु ने जुवाब द्‌यो, "कंई दन का
बारा घंटा नी होय? अगर कईं को दने
चले तो ठोकर नी खाय, क्योंके उ इना
जग को उजाळो देखे। १०पण अगर राते
चले तो ठोकर खाय, क्योंके उका माय
उजाळो हयनी।" ११असो केवा का बाद
उने उणकासे क्यो, "हमारो दोस लाजर
सोई ग्यो, पण हूं जउं के उके नीन्द से
जगाडुं।"
१२इकासरु चेलाहुंण ने उकासे क्यो,
"परभु, अगर उ सोई ग्यो तो बची
जायगा।"
१३ईसु ने तो लाजर की मोत का बारामें
क्यो थो, पण चेलाहुंण ने बिचार्‌यो के
उ नीन्द से सोइ जावा का बारामें कई
र्‌यो हे। १४इका पे ईसु ने उणकासे साफ
कई द्‌यो, "लाजर मरी ग्यो हे। १५अने हूं
तमार से खुस हूं के हूं वां नी थो, जेकासे
की तम बिसास करो। अई जाव, अबे हम
लाजर कने चलां।"

---

† **१०.४०:** योहन १.२८ † **११.१:** लूका १०.३८–३९ † **११.२:** योहन १२.३

१६तो थोमा जो जुड़मा केवाय अपणा
सातका चेलाहुंण से बोल्यो, "चलो, हम
बी उका गेले मरवा चलां।"

ईसु बेतनिय्याह गांम माय आयो

१७जदे ईसु बेतनिय्याह गांम आयो तो
उके मालम पड़्यो के लाजर के कबर
माय राख्या के चार दन हुई चुक्या हे।
१८बेतनिय्याह गांम तो यरुसलेम का कने
एक कोस[m] का फासला पे थो, **१९**अने
घणा यहूदिहुंण मारथा अने मरियम कने
उणका भई का बारामें दिलासो देवा आया
था।

२०जदे मारथा ने सुण्यो के ईसु अई
र्‌यो तो वा उकासे मिळवा सरु चली, पण
मरियम घर मेंज बेठी री। **२१**मारथा ने
ईसु से क्यो, "परभु, अगर तू यां होतो
तो म्हारो भई नी मरतो। **२२**अबे बी हूं
जाणूं के तू परमेसर से जो कंई मांगेगा
परमेसर थारे देगा।"

२३ईसु ने उकासे क्यो, "थारो भई पाछो
जीवतो हुई जायगा।"

२४मारथा ने उकासे क्यो, "हूं जाणूं
के जग का अंत का दन माय पाछा
जी उठवा का बखत उ जीवतो हुई
जायगा।

२५ईसु ने उकासे क्यो, "जीवता करवा
वाळो अने जीवन हूंज हे। जो म्हार पे
बिसास करे अगर मरी बी जाय तो उ
पाछो जी उठ्यायगा। **२६**अने हरेक जो
जीवता अने म्हार पे बिसास करे कदी
नी मरेगा। कंई तू इनी बात पे बिसास
करे हे?"

२७उने उकासे क्यो, "हां परभु, म्हने
बिसास कर्‌यो के तूज परमेसर को बेटो
मसीह हे। याने तू उज जो जग माय
आणे वाळो थो।"

ईसु रोयो

२८या किके वा चली गी, अने अपणी
बेन मरियम के बुलाड़ी के छाने से
बोली, "गरु यांज हे। अने थारे बुलावे
हे।" **२९**जदे मरियम ने यो सुण्यो तो
वा झट उठी के उकासे मिळवा सरु
चली पड़ी। **३०**ईसु अबी तक गांम माय
नी पोंच्यो थो पण उनीज जगा पे थो
जां उकासे मारथा मिळी थी। **३१**तो जो
यहूदिहुंण मरियम का गेले घर माय उके
दिलासो दई र्‌या था जदे उणने मरियम
के झट उठी के बायरे जाता देखी तो
या समजी के के वा कबर पे रोवा सरु
जई री हे। वी उका पछड़े चली पड़्या।

३२जदे मरियम वां पोंची जां ईसु थो
उके देखताज वा पग के धोक देवा अने
केवा लागी, "हे परभु, अगर तू यां होतो
थो म्हारो भई नी मरतो।"

३३जदे ईसु ने उके अने उका गेले
आया यहूदिहुंण के बी रोता देख्या, तो उ
आतमा माय घणो छटपटायो अने दुःखी
होयो। **३४**अने बोल्यो, "तमने उके कां
धर्‌यो हे?"

उणने उकासे क्यो, "परभु, चली के
देखी ले।"

३५ईसु रोई द्‌यो। **३६**तो यहूदिहुंण केवा
लाग्या, "देखो तो उ उकासे कितरो परेम
राखतो थो।"

---

[m] **११.१८** एक कोस; या करीब दो या तीन किलो मीटर।

३७पण उका माय से कितरा ने क्यो,
"कंई यो जेने आंदा की आंखहुंण खोली
लाजर के मरवा से नी रोकी सकतो थो?"

लाजर के जिवाड़्यो जाणो

३८पाछो ईसु हिरदा माय घणो दुःखी हुई
के कबर पे आयो। वा एक गुफा थी अने
एक बड़ी सिल्ला उका पे धरी हुई थी।
३९ईसु ने क्यो, "सिल्ला के हटई लाखो।"
अने मुरदा लाजर की बेन मारथा उकासे
बोली, "परभु, अबे तो उका माय बास
अड़री होयगा क्योंके यो चोथो दन हे।"
४०ईसु ने उकासे क्यो, "कंई म्हने थार
से नी क्यो के अगर तू बिसास राखेगा तो
परमेसर की म्हेमा देखेगा?" **४१**तो उणने
सिल्ला के हटाड़ी। अने ईसु ने अपणी
आंखहुंण अदरे उठई ने क्यो, "हे पिता,
हूं थारो धन्यबाद करूं के तने म्हारी सुणी
ली। **४२**अने हूं जाणूं के तू सदाज म्हारी
सुणे हे, पण चारी आड़ी उब्या मनख
सरु हूं असो कई र्‌यो हूं के वी थार पे
बिसास करे के तनेज म्हारे मोकल्यो हे।"
४३अने जदे उ ई बातहुंण कई चुक्यो तो
उने घणी जोर से हेला पाड़्यो, "हे लाजर,
हिट्‌या।" **४४**जो मरी ग्यो थो उ कफन से
हात-पग बान्द्‌यो होयो आयो, अने उको
मुन्डो लतरा से लपेट्‌यो होयो थो। ईसु ने
उणकासे क्यो, "उका बन्दण खोली लाखो
अने उके जावा दो।"

कबर माय से लाजर को आणो (JHN ११.४४)

ईसु के मारी लाखवा की जुगत

(मती २६:१-५; मरकुस १४:१-२; लूका २२:१-२)

४५तो उना यहूदिहुंण माय से जो
मरियम का कने अई के ईसु को यो
काम देख्यो थो, नरा ने उका पे बिसास
कर्‌यो। **४६**पण उणका माय से थोड़ाक
जणा फरीसिहुंण कने ग्या अने उणके
बताड़्यो के ईसु कंई-कंई करी र्‌यो हे।
४७तो म्हापुरोहित अने फरीसिहुंण ने
म्हापंचायत के बुलाड़ी ने केवा लाग्या,
"हम कंई करी र्‌या हे? यो मनख तो
घणा चमत्कार दिखाड़े हे। **४८**अगर हम
उके यूंज छोड़ी दां तो सगळा लोग उका
पे बिसास करेगा। अने रोमिहुंण अई के
हमारी जमीन अने जात दोई के हमारा
हक से अपणा हक माय करी लाखेगा।"
४९तो उणका माय से एक ने, याने
कायफा ने जो उना बरस को म्हापुरोहित
थो उणकासे क्यो, "तम कंई बी नी जाणो,
५०नी इनी बात के समजो, यो अच्छो हे
के हमारा लोगहुंण सरु एक जणो मरे,[n] नी

[n] **११.५०** हमारा लोगहुंण सरु एक जणो मरे; काइफा को बिचार थो के ईसु को मरनो जरुरी हे, नी के रोमिहुंण का हाते आखी यहूदी जात को नास हो। इका सरु उने भविसबाणी करी के ईसु के परमेसर का लोगहुंण सरु मरनो जरुरी हे। (वी लोग हे जो ईसु पे बिसास राखे।) परमेसर ने उके उणका पापहुंण सरु नास नी कर्‌यो, बाद माय मसीही लोगहुंण ने इके अपणा खुद सरु जोड़ी ल्यो (१ पतरस २:९)।

के आखी जात खतम हुई जाय।" ५१पण
या उने अपणा मन से नी पण उना बरस
को म्हापुरोहित हुई ने भविसबाणी करी के
ईसु अपणी जात सरु मरेगा। ५२नी सिरप
यहूदी जात सरु पण इकासरु के परमेसर
का बंस जो तित्तर बित्तर हे उणके एक
करी लाखवा सरु।

५३तो उना दन से ईसु के मारी लाखवा
को कुचक्कर रचवा लाग्या। ५४इकासरु
उना दन से ईसु यहूदिहुंण माय परगट
रुप से नी चल्यो-फर्‌यो, पण यरुसलेम
से इफराईम नामका नगर आड़ी ग्यो जो
मांळ इलाका कने थो, अने चेलाहुंण का
गेले वांज र्‌यो।

५५यहूदिहुंण को फसह को परब कने
थो अने गांम का घणा मनख फसह
का परब से पेलां यरुसलेम नगर चल्या
ग्या के अपणो खुद को सुद्दिकरण
करे। ५६वी ईसु के ढुंडी र्‌या था, अने
मन्दर माय उब्या हुई ने माय-माय
कई र्‌या था, "तम कंई सोंची र्‌या
हो? कंई उ सांची माय फसह का
तेवार माय आयगाज नी?" ५७क्योंके
मुख-पुरोहितहुंण अने फरीसिहुंण ने
यो हुकम द्‌यो थो के अगर कइका के
मालम पड़े की ईसु कां हे तो उकी
जाणकारी दई जाय के उके पकड़ी
ल्यो जाय।

ईसु का पगहुंण पे अतर रेड़नों

(मत्ती २६:६-१३; मरकुस १४:३-९)

१२ फेर फसह का तेवार का छः दन
पेलां ईसु बेतनिय्याह गांम माय
आयो जां लाजर रेतो थो जेके मर्‌या
माय से जिवाड़्यो थो। २तो उणने वां
ईसु सरु भोजन बणायो अने मारथा सेवा
करी री थी। ईसु का गेले जिमवा सरु
जो लोगहुंण बेठ्या था उका माय से एक
लाजर थो। ३[†] मरियम ने जटामांसी को
आदो सेर[o] घणो किमती अने असली
अतर लई के ईसु का पगहुंण पे रेड़ी
के मळी द्‌यो अने अपणा बालहुंण से
उका पग पोंछ्या। अने अतर की सुगन
से घर मेंहकी ग्यो। ४पण उका चेलाहुंण
माय से यहूदा इस्करियोती जो उके
धोका से पकड़वाणो चातो थो, बोल्यो,
५"इना अतर के तीन सो चांदी का
सिक्काहुंण[p] माय बेची के गरीब-गुरबा
के क्यों नी दई द्‌यो?" ६उने यो इकासरु
नी क्यो थो, के उके गरीब-गुरबा की
फिकर थी पण इकासरु के उ चोळडो
अने उका कने रुप्या की झोळी रेती थी,
अने जो कंई उका माय मेल्यो जातो उ
उकी चोरी करतो थो।

७तो ईसु ने क्यो, "उके रेवा दो। के
वा इके म्हारा गाड़्या जावा का दन सरु[q]

---

[o] **१२.३** आदो सेर; यूनानी भासा माय यो ३२५ गिराम हे। युनानी माय, तीन सो दिनार; तीन सो दन की मजुरी।

[p] **१२.५** तीन सो चांदी का सिक्काहुंण; यूनानी माय, तीन सो दिनार; तीन सो दन की मजुरी।

[q] **१२.७** म्हारा गाड़्या जावा का दन सरु; यहूदी रीति मुजब जदे कईं को मरी जातो थो तो उकी आखी काया पे सुगन वाळा मुसाला मळता था। मरियम नी जाणती थी के ईसु मरवा वाळो हे। मरियम ने तो अपणो परेम बताड़वा सरु अने ईसु को मान अने धन्यबाद सरु अतर मळ्यो थो, क्योंके अबी हाल माय उका भई लाजर के मर्‌या माय से ईसु ने जिवाड़्यो थो (योहन ११:३८-४४; १२:२)।

[†] **१२.३:** लूका ७.३७–३८

राखी सके। ८† क्योंके गरीब-गुरबा तो
सदा तमारा गेले रे हे पण हूं तमारा गेले
सदा नी रुंवां।"

लाजर के मारवा को कुचक्कर

९जदे यहूदिहुंण की बड़ीमेक भीड़ ने
जाण्यो के ईसु वां हे, तो वी ईसु का
सरुज नी पण इकासरु बेतनिय्याह गांम
आया के लाजर के देखां जेके उने मर्‌या
माय से जिवाड़्यो थो। १०तो म्हापुरोहित
ने लाजर के बी मारी लाखवा को
कुचक्कर रच्यो, ११क्योंके उकी वजासे
घणा यहूदिहुंण अलग हुई के ईसु पे
बिसास करवा लाग्या था।

ईसु यरुसलेम माय जे जेकार का गेले

(मती २१:१-११; मरकुस ११:१-
११; लूका १९:२८-४०)

१२दूसरा दन परब माय बड़ीमेक भीड़ ने
जदे यो सुण्यो के ईसु यरुसलेम माय अई
र्‌यो हे, १३तो मनखहुंण खजूर का खोड़्या
लई ने उकासे मिळवा सरु आया अने
हेला पाड़वा लाग्या, "होसन्ना![r] परमेसर
की जे हो। धन्य हे उ जो परभु का नाम
से आय हे!† धन्य हे इसराइल को राजो!"
१४अने गदड़ी का बचड़ा पे ईसु बेठी
ग्यो जसो लिख्यो,
१५† "हे इसराइल का लोगहुंण,[s] मती
डरो!
देख, तमारो राजो गदड़ी का बचड़ा
पे बेठ्यो होयो
तमारा कने चल्यो अई र्‌यो हे।"
१६उका चेलाहुंण पेलां तो ई बातहुंण
नी समज्या, पण ईसु के जीवता होवा
का बाद उणके रियाद आयो के ई
बातहुंण उका बारामेंज लिखी गी थी अने
मनखहुंण ने उका गेले असोज कर्‌यो थो।
१७लाजर के कबर से बायरे बुलाड़वा
अने मुरदा माय से जीवाड़ने का बखत
जो भीड़ ईसु का गेले थी वा इको बखाण
करी री थी। १८भीड़ इकासरु उकासे
मिळवा सरु हिट्‌यई क्योंके लोगहुंण ने
सुण्यो थो की उने चमत्कार दिखाड़्या।
१९तो फरीसिहुंण ने एक दूसरा से क्यो,
"बिचारो तो सई के तमार से कइंनी बणी
र्‌यो? देखो तो संसार उका पाछे चली
पड़्यो हे।"

यूनानिहुंण ने ईसु से मिळनो चायो

२०थोड़ाक यूनानी जो परब का तेवार
मनाड़्वा यरुसलेम माय अराधना करवा
आया था। २१ई फिलिप्पुस का कने,
जो गलील का बेतसेदा को थो, अई के
उकासे पुछवा लाग्या, "महोदय, हम ईसु
से मिळनो चावां हे।"
२२फिलिप्पुस अन्द्रियास से बोल्यो, अने
अन्द्रियास अने फिलिप्पुस ने जई के ईसु
के बताड़्यो। २३ईसु ने जुवाब दई उणकासे
क्यो, "बखत अई ग्यो के हूं मनख को
बेटो म्हेमा से भर्‌यो जउं।[t] २४हूं तमार
से खास बात कूं, जदत्तक गंउ को दाणो
जमीन माय पड़ी के मरी नी जावे, उ

---

[r] **१२.१३** होसन्ना; याने परमेसर की जे हो। 'होसन्ना' मतलब "हमारे बचाड़"। [s] **१२.१५** हे इसराइल का लोगहुंण; यूनानी माय "हे सिय्योन की बेटी"। [t] **१२.२३** मनख को बेटो म्हेमा से भर्‌यो जउं; योहन ७:३९ माय नोट देखो।

† **१२.८:** नेम-बिधान १५.११ † **१२.१३:** भजन संहिता ११८.२५,२६ † **१२.१५:** जकरियाह ९.९

दिया से इन्दारो दूर (JHN १२.३५)

सिरप एकज रेगा। पण अगर मरी जावे
तो नरा नवा दाणा फळेगा। २५† अने जो
मनख अपणा पराण की फिकर करे उ
उके खोयगा, अने जेना मनख के अपणा
पराण से इना जग माय परेम हयनी,
उ उके अजर-अमर जीवन सरु बचई
राखेगा। २६अगर कईं को म्हारी चाकरी
करवा चावे तो उ म्हारा पाछे चल्यो चले,
अने जां हूं रूं, वां म्हारा चाकर बी रेगा।
अगर कईं को म्हारी चाकरी करे तो म्हारो
पिता उको मान बड़ायगा।

ईसु अपणा मरवा का बारामें बोल्यो

२७"अबे म्हारो जीव बेचेन हुई उठ्यो।
कंई हूं या कूं, 'पिता, म्हारे इनी आवा
वाळी घड़ी से बचाड़'? पण हूं दुःख
उठाड़वा सरुज इनी घड़ी तक पोंच्यो हूं।
२८हे पिता थारी खुद की म्हेमा बताड़।"
जदे सरग से या अकासबाणी सुणई,
"म्हने उकी म्हेमा करी हे, अने फेर बी
करुंवां।"
२९तो भीड़ का लोगहुंण जो वां उबी
के सुणी र्‌या था केवा लाग्या के बादळो
गरज्यो। अने दूसरा ने क्यो के, "सरगदूत
ने उकासे बात करी।"
३०ईसु ने जुवाब दइने क्यो, "या
अकासबाणी म्हारा सरु हयनी पण तमारा
सरु हे। ३१अबे इना जग को न्याव होय
हे। अबे इना जग को सासक, सेतान हेड़ी
लाख्यो जायगा। ३२अने हूं अगर जमीन पे
से उंचो कुरुस पे चड़ायो जउंवां, तो सगळा
लोगहुंण के अपणा कने खेचुंवां।" ३३असो
कई के ईसु यो परगटी र्‌यो थो के आवा
वाळा बखत माय उ कसी मोत मरेगा।
३४इकासरु भीड़ ने उके जुवाब द्‌यो,
"हमने नेम-बिधान माय सुण्यो की मसीह
सदा बण्यो रेगा,† फेर तू कसे कई सके,
के हूं मनख का बेटा के अदरे चड़ायो
जाणो जरुरी हे? यो मनख को बेटो हे
कुंण?"
३५तो ईसु उणकासे अपणा बारामें
बोल्यो, "तमारा बीच माय उजाळो हजु
थोड़िक देर सरु हे। जदत्तक उजाळो
तमारा गेले हे तदत्तक चल्या चलो जेकासे
की इन्दारो तमारे नी घेरी ले। जो इन्दारा
माय चले उ नी जाणे के उ कंय्यांड़ी जई
र्‌यो हे। ३६जदत्तक उजाळो तमारा गेले हे,
उजाळा पे बिसास राखो जेकासे के तम
उजाळा की सन्तान बणी सको।"

यहूदिहुंण को अबिसास

इण बातहुंण के करिके ईसु वां से चल्यो
ग्यो अने उणकासे छिप्यो र्‌यो। ३७हालाके

---

† **१२.२५:** मत्ती १०.३९, १६.२५; मरकुस ८.३५; लूका ९.२४, १७.३३

† **१२.३४:** भजन संहिता ११०.४; यसायाह ९.७ यहेजकेल ३७.२५; दानियल ७.१४

उने उणका सामे इतरा चमत्कार दिखाड़्या
फेर बी वी उका पे बिसास नी करी र्‌या
था। ३८† जेकासे की यसायाह नबी को उ
बचन पूरण होयो जो उने क्यो थो,
"परभु, केने हमारा समिचार पे
बिसास कर्‌यो?
अने परभु की सामरत किका पे
परगटी हे?"
३९इकासरु वी बिसास नी करी सक्या
क्योंके यसायाह दूसरी जगा पाछो के हे,
४०† "परमेसर ने उणकी आंखहुंण
आंदी करी लाखी
अने उणका हिरदा काठा करी
लाख्या
कंई असो नी होय के वी आंखहुंण
से देखी ले
अने हिरदा से समजी जाय
अने मन बदळी ले
अने हूं परमेसर उणके नज करूं।"
४१यसायाह नबी ने ई बातहुंण इकासरु
की क्योंके उने ईसु की म्हेमा देखी ली,
अने उने उका बारामें बातहुंण बी करी थी।
४२फेर बी हाकिमहुंण माय से नरा ने
ईसु पे बिसास कर्‌यो। पण फरीसिहुंण से
डरी के उके मानी नी र्‌या था कंई असो
नी होय के उणके अराधनालय से या जात
बायरे करी लाखे। ४३उणके तो परमेसर की
बड़ई से मनखहुंण की बड़ई भली लागे।

ईसु जग के बचाड़्वा सरु आयो

४४पाछो ईसु जोर से अवाज करी ने
बोल्यो, "जो म्हार पे बिसास करे उ सिरप
म्हार पेज नी पण म्हारा मोकलवा वाळा
पे बी बिसास करे। ४५अने जो म्हारे देखे
उ उके देखे जेने म्हारे मोकल्यो। ४६हूं
उजाळो हूं अने जग माय आयो हूं के जो
म्हार पे बिसास करे उ इन्दारा माय नी
रे। ४७"अगर कईं को म्हारी बातहुंण सुणी
के उको पाळण नी करे तो हूं उके दोषी
नी ठेरउं क्योंके हूं जग के दोषी ठेरावा
नी पण जग के पाप से बचाणे आयो हूं।
४८जो म्हारे धिक्कारे अने म्हारा बचन
ले हयनी, उके दोषी ठेरावा वाळो तो एक
हे। म्हने जो बचन क्यो उज अंत का
दन माय उके दोषी ठेरायगा। ४९म्हने
अपणे आप कइंनी क्यो, पण पिता जेने
म्हारे मोकल्यो उनेज हुकम द्‌यो, के हूं
कंई-कंई बोलुं अने कंई-कंई कूं। ५०अने हूं
जाणूं उको हुकम अजर-अमर को जीवन
दे हे। इकासरु हूं जो कंई बोलुं जसो
म्हारा पिता ने म्हार से क्यो वसोज
बोलुं।"

ईसु ने चेलाहुंण का पग पखाळ्या

१३ अबे फसह का परब से पेलां ईसु ने
यो जाणी के के म्हारी घड़ी अइगी
हे के हूं जग के छोड़ी के पिता कने जउं।
तो अपणाहुंण से जो जग माय था जसो
परेम करतो अई र्‌यो थो उणकासे अपणा
जीवन का अंत तक वसोज पूरण परेम[u]
राख्यो।
२अने जिमवा का बखत जदे सेतान
पेलांसेज सिमोन का बेटा यहूदा
इस्करियोती का हिरदा माय यो लाखी

---

[u] **१३.१** वसोज पूरण परेम; चरम सीमा तक परेम कर्‌यो।

† **१२.३८:** यसायाह ५३.१ † **१२.४०:** यसायाह ६.१०

चुक्यो थो के उ ईसु के धोको दइने
पकड़वई देगा।[v] ३तो ईसु यो जाणतो
होयो के, "पिता ने सगळो कंई म्हारा
हात माय करी लाख्यो, अने यो के हूं
परमेसर कने से आयो अने परमेसर
कने पाछो जई र्‍यो हूं।" ४तो जिमता
बखत उठी के ईसु ने अपणो चोळो
हेड़्यो अने बगले धरी लाख्यो अने
सांपी लई के अपणी कमर कसी ली।
५तो उने एक बड़ा बरतन माय पाणी
भर्‍यो अने चेलाहुंण का पग पखाळ्या
अने जेनी सांपी के अपणी कमर माय
खोंसी थी उकासे इणका पग पोंछवा
लाग्यो। ६अने जदे उ सिमोन पतरस
कने आयो, पतरस ने उकासे क्यो, "हे
परभु, कंई तू म्हारा पग धोई र्‍यो हे?"
७ईसु ने जुवाब माय क्यो, "हूं जो करूं
तू उके अबी नी जाणी सके, पण तू इका
बाद समजी जायगा।"
८पतरस ने उकासे क्यो, "हूं कदी थारे
अपणा पग पखाळवा नी दूंवां।"
ईसु ने उके जुवाब द्‍यो, "अगर हूं
थारे नी धोउं तो म्हारा गेले थारो कइंज
हिस्सो हयनी।"[w]
९सिमोन पतरस ने उकासे क्यो, "परभु,
खाली पगीज नी पण म्हारा हात अने
माथो बी धोई दे।"
१०ईसु ने उकासे क्यो, "जेने सांपड़ी
ल्यो उके तो खाली पगीज धोवा[x] की
जरुवत हे। क्योंके उ पूरो साफ-सुतर्‍यो
हे। अने तम साफ हो पण तम सगळा
का सगळा हयनी।" ११उ तो उके जाणतो
थो जो धोको दई के पकड़वाणे वाळो
थो। इकासरु उने क्यो, "तम सगळा का
सगळा सुद्द हयनी।"
१२[†] अने जदे उ उणका पग पखाळी
चुक्यो अने अपणो चोळो पेरिके जिमणे
बेठी ग्यो, तो उने उणकासे क्यो, "कंई
तम समज्या की म्हने तमारा गेले
असो कायसरु कर्‍यो? सुणो, हूं तमार
से खास बात कूं। १३तम म्हारे गरु
अने परभु को हो। तम ठीकज को,
क्योंके हूं उज हूं। १४अगर म्हने परभु
अने गरु हुई के तमारा पग धोया तो
तमारे बी एक दूसरा का पगहुंण धोणो
चइये।[y] १५क्योंके म्हने तमारे नमुनो
द्‍यो हे, की तम बी असोज कर्‍या
करो, जसो म्हने तमारा गेले कर्‍यो।
१६[†] हूं तमारे खास बात कूं, 'चाकर
अपणा मालेख से मोटो हयनी अने
नीज मोकल्यो होयो अपणा मोकलवा
वाळा से मोटो रे। १७तम इनी बातहुंण
के जाणो हो - अगर उणका पे चलो
तो तम धन्य हो।

---

[v] **१३.२** सेतान ... पकड़वई देगा; या सेतान ने पेलां सेज यहूदा के जो सिमोन इस्करियोती को बेटो थो, छांटी ल्यो थो के ईसु के पकड़वाय। [w] **१३.८** अगर हूं थारे ... हिस्सो हयनी; यां ईसु को केवा को अरथ यो हे के आतमा के सुद्द करनों (१ योहन १:९), नीके काया के। ईसु उका चेलाहुंण का पग पखाळवा का जरिये म्हान आतमिक सुद्दता करे हे, अने पाप मांफ करनों। बिना पाप मांफी के ईसु का गेले कंई आसीस हयनी। [x] **१३.१०** खाली पगीज धोवा; थोड़ाक हात का लेखहुंण माय यो नी हे। [y] **१३.१४** एक दूसरा ... धोणो चइये; नी सिरप पग धोवा का बारामें, पण ईसु ने मिसाल दई के उका चेलाहुंण के नरमता से एक-दूसरा की सेवा करनी चइये।

[†] **१३.१२–१५:** लूका २२.२७ [†] **१३.१६:** मत्ती १०.२४; लूका ६.४०; योहन १५.२०

१८† "हूं तमारा सगळा का बारामें नी
कूं। हूं उणके जाणूं जिणके म्हने छांटी
ल्या, पण उका सरु के पवित्तर सासत्तर
को बचन पूरण होय, 'जो म्हारा रोटा
खाय उज म्हारो बिरोद करे'।[z] **१९**इका
होवा से पेलां हूं तमारे अबी बतई र्‌यो,
जेकासे की जदे यो पूरण हुई जाय, तो
तम बिसास करो के हूं हूंज हूं। **२०**† हूं
तमार से खास बात कूं जेके हूं मोकलुं
उके जो माने, उ म्हारे माने, अने जो
म्हारे माने, उ म्हारा मोकलवा वाळा के
माने।"

पकड़वाणे वाळा का बारामें भविसबाणी

(मत्ती २६:२०–२५; मरकुस १४:१७–२१;
लूका २२:२१–२३)

२१जदे ईसु यो कई चुक्यो तो आतमा
माय बेचेन हुई ने गवई दई के क्यो, "हूं
तमार से खास बात कूं के तमारा माय
से म्हारे एक जणो पकड़वायेगा।
२२इकासरु चेलाहुंण एक दूसरा
आड़ी ताकणे लाग्या क्योंके समजी नी
सक्या के उ केका बारामें कई र्‌यो हे।
२३चेलाहुंण माय से हूं, जेकासे ईसु परेम
राखतो थो,[a] ईसु आड़ी नमिने बेठ्‌यो थो।
२४तो सिमोन पतरस ने म्हारा आड़ी
इसारो करिके म्हार से क्यो, "पुछी ले, 'उ
कुंण हे जेका बारामें ईसु कई र्‌यो हे?' "
२५तो ईसु की छाती आड़ी हूं नमिके
उकासे बोल्यो, "परभु, उ कुंण हे?"
२६तो ईसु ने जुवाब द्‌यो, "जेके हूं रोटा
को कोळ्यो डुबाड़ी के दूंवां, उज हे।" तो
उने रोटा को कोळ्यो डुबाड़ी के सिमोन
इस्करियोती का बेटा यहूदा के दई द्‌यो।
२७अने कोळ्यो लेताज सेतान उका माय
समई ग्यो। ईसु ने उकासे क्यो, "जो
तू करे झट कर।" **२८**पण जो उका गेले
जिमणे बेठ्‌या था उणका माय से कई
को नी जाणी पायो के उने कायसरु असो
क्यो थो। **२९**यहूदा कने रुप्या की थेली
रेती थी वी सोंची र्‌या था की ईसु उकासे
कई र्‌यो होगा, के परब सरु जरुरी समान
मोल ल्याय के गरीब-गुरबा के थोड़ोक
दई दां।
३०तो मुन्डा माय कोळ्यो लेवा का बाद
यहूदा झट बायरे चल्यो ग्यो, अने यो
रात को बखत थो।

एक नवो हुकम

३१जदे यहूदा बायरे चल्यो ग्यो तो ईसु
ने क्यो, "अबे हूं मनख का बेटा की
म्हेमा हुई[b] अने परमेसर की म्हेमा उका
माय होय। **३२**अगर म्हारा माय परमेसर
की म्हेमा होय तो परमेसर बी अपणा
माय म्हारी म्हेमा करेगा। अने झट
करेगा। **३३**† "बाळकहुंण, हूं हजु जरासी
देर तमारा गेले हूं। तम म्हारे ढुंडोगा
अने जसो म्हने यहूदिहुंण से क्यो तमार
से कूं, की जां हूं जावां वाळो हूं वां तम
नी अई सकता। **३४**† हूं तमारे एक नवो

---

[z] **१३.१८** उज म्हारो बिरोद करे; यूनानी माय, उनेज म्हारा बिरोद माय लात उठाड़ी। [a] **१३.२३** हूं, जेकासे ईसु परेम राखतो थो; अरथ योहन;। यूनानी माय, उ चेलो जेकासे ईसु घणो परेम राखतो थो।
[b] **१३.३१** हूं मनख ... म्हेमा हुई; योहन ७:३९ माय नोट देखो।
† **१३.१८:** भजन संहिता ४१.९ † **१३.२०:** मत्ती १०.४०; मरकुस ९.३७; लूका ९.४८, १०.१६
† **१३.३३:** योहन ७.३४ † **१३.३४:** योहन १५.१२, १७; १ योहन ३.२३; २ योहन ५

हुकम दूं के तम एक दूसरा से परेम
राखो। जसे म्हने तमारा से परेम राख्यो
असोज तम बी एक दूसरा से परेम राखो।
३५अगर तम माय-माय परेम राखोगा, तो
इका से सगळा जाणी जायगा की तम
म्हारा चेलाहुंण हो।"

पतरस का बारामें भविसबाणी के हूं ईसु के नी जाणूं

(मत्ती २६:३१-३५; मरकुस १४:२७-३१;
लूका २२:३१-३४)

३६सिमोन पतरस ने उकासे क्यो,
"परभु, तू कां जावे?"
ईसु ने जुवाब द्यो, "जां हूं जउं, तू
अबी म्हारा पाछे नी अई सकतो पण
इका बाद तू आयगा।"
३७पतरस ने उकासे क्यो, "परभु, हूं
थारा पाछे कायसरु अई नी सकतो? हूं
तो थारा सरु अपणी जान दई दूंवां।"
३८ईसु ने जुवाब द्यो, "कंई तू म्हारा
सरु थारी जान देगा? हूं थार से खास
बात कूं के जदत्तक तू तीन कावा म्हारे
नकारी नी लाखेगा, मुरगो बांग नी
देगा।"

पिता कने जावा को एकज रस्तो, 'ईसु'

१४ तमारो हिरदो दुःखी नी रे। जसो
तम परमेसर पे बिसास राखो, असो
तम म्हार पे बी बिसास राखो। २म्हारा
पिता का घर माय रेवा की नरी जगा हे।
अगर नी होती तो हूं तमार से कई देतो,
क्योंके हूं तमारा सरु जगा तय्यार करवा
जउं। ३अने हूं जई के तमारा सरु जगा
तय्यार करी लाखुं तो पाछो अई के तमारे
अपणा यां लई जउंवां के जां हूं रूं वां तम
बी रो। ४अने जां हूं जई र्यो हूं तम वां
को मारग जाणो हो।"
५थोमा ने उकासे क्यो, "हे परभु, हम
नी जाणा के तू कां जई र्यो, तो मारग
कसे जांणां?"
६ईसु ने उकासे क्यो, "मारग, सच्चई,
अने जीवन हूंज हे। म्हारा बिना कई को
पिता कने नी जई सकतो। ७अगर तमने
म्हारे जाण्यो होतो तो म्हारा पिता के बी
जाणता। अबे उके जाणो हो अने उके
देख्यो बी हे।"
८फिलिप्पुस ने उकासे क्यो, "हे परभु,
हमारे पिता को दरसन करई दे। हमारा
सरु योज घणो हे।"
९ईसु ने उकासे क्यो, "फिलिप्पुस, हूं
इतरा बखत से तमारा गेले र्यो फेर बी
तू म्हारे नी जाणे? जेने म्हारे देख्यो
उने पिता के देख्यो। तू कसे कई र्यो
'हमारे पिता को दरसन करई दे'? १०कंई
तू बिसास नी करे के हूं पिता माय अने
पिता म्हारा माय? जो बचन हूं तमार से
कूं उ अपणा आड़ी से नी कूं, पण पिता
जो म्हारा माय रे, उज अपणो काम
म्हार से कराय हे। ११म्हारा बचन पे
बिसास करो के हूं पिता माय अने पिता
म्हार माय। नितो म्हारा कामीज देखी के
बिसास करो। १२"हूं तमार से खास बात
कूं के जो म्हार पे बिसास करे, वी काम
जो हूं करूं उ बी करेगा। अने इणकासे बी
बड़ा-बड़ा काम करेगा क्योंके हूं पिता कने
जई र्यो हूं, १३अने जो कंई तम म्हारा
नाम से मांगी लोगा, उज करुंवां के बेटा
माय पिता की म्हेमा होय। १४अगर तम
म्हार से म्हारा नाम माय कंई बी मांगो
तो हूं उके करुंवां।

पवित्तर आतमा को करार

१५"अगर तम म्हार से परेम राखो तो
म्हारा हुकमहुंण के मानोगा, **१६**अने हूं
पिता से अरज करुंवां, अने पिता तमारी
मदद करवा सरु एक हजु साती देगा
के उ तमारा गेले सदा रे। **१७**याने के
पवित्तर आतमा जो तमारे सगळी सच्चई
बताड़ेगा। जेके जगत मानी नी सके
क्योंके उ उके नी देखे हे अने नी जाणे।
पण तम उके जाणो, क्योंके उ तमारा
गेले रे अने तमारा माय रेगा।

१८"हूं तमारे अनाथ नी छोडुंवां। हूं
तमारा कने अउंवां। **१९**जरा देर बाद जग
का लोग म्हारे देखी नी सकेगा, पण तम
म्हारे देखी सकोगा। हूं जिन्दो हूं, इकासरु
तम बी जिन्दा रोगा। **२०**उना दन तम
जाणी जावगा के हूं अपणा पिता माय,
अने तम म्हारा माय, अने हूं तमारा
माय।

२१जेका कने म्हारा हुकमहुंण हे अने
उ उणके माने, उज म्हार से परेम करे
हे। अने जो म्हार से परेम करे उकासे
म्हारो पिता परेम करेगा, अने हूं उकासे
परेम करुंवां अने अपणे खुद के उका पे
परगटुंवां।

२२यहूदा ने जो इस्करियोती नी थो
उकासे क्यो, "परभु, असो कंई होयो के
तू खुद के हमार पे परगटे पण जग पे
नी?"

२३ईसु ने जुवाब दइने क्यो, "अगर
कईं को म्हार से परेम राखे तो उ म्हारा
बचन के मानेगा। अने म्हारो पिता उकासे
परेम राखेगा अने हम उका कने आवांगां
अने उका गेले रांगा। **२४**जो म्हार से परेम
नी करे, उ म्हारा बचन के नी माने। जो
तम बचन सुणो उ म्हारो नी पण पिता
को जेने म्हारे मोकल्यो।

२५"ई बातहुंण तमारा गेले री के
तमार से करी। **२६**पण साती याने पवित्तर
आतमा जेके परमेसर पिता म्हारा नाम
से मोकलेगा, उ तमारे सगळी बातहुंण
सीखई देगा, अने सगळो कंई जो म्हने
तमार से कई, तमारे रियाद करायगा।

२७"हूं तमारे सान्ती दई जउं। खुद की
सान्ती तमारे दउं असो नी दउं जसो जग
तमारे दे। तो तमारो हिरदो बेचेन नी होय
अने नी डरे। **२८**तमने सुण्यो के म्हने
तमार से क्यो, हूं जई र्‌यो अने पाछो
तमारा कने अउंवां। अगर तम म्हार से
परेम राखता तो खुस हुई जाता क्योंके हूं
पिता कने जई र्‌यो, क्योंके पिता म्हार
से बड़ी के हे। **२९**अने असो होवा से पेलां
म्हने तमारे सगळो बताड़ी लाख्यो थो,
जेकासे के जदे यो हुई जाय तो तम
म्हार पे बिसास करो। **३०**हूं तमार से
अबे हजु नी कुंवां क्योंके इना जग को
सासक सेतान अई र्‌यो हे। उको म्हार पे
कंई हक हयनी, **३१**पण इकासरु के जग
जाणी ले के हूं पिता से परेम करूं हे अने
जसे पिता म्हारे हुकम दे[c] वसोज उको
पाळण करूं।

"तो चलो, उठ्‌याव, इनी जगा से
चलां।"

---

[c] **१४.३१** जसे ... हुकम दे; पिता की योजणा थी के ईसु जग का सासक का हाते मरे। हुकम थो के ईसु मोत पे बिजय हुई के, एक नवा राज सरु जी उठ्‌यायगा।

ईसु सांची अंगूर बेल

१५ "सांची अंगूर बेल हूंज हे, अने
म्हारो पिता किरसाण। [२]हर डगाळ
जो म्हारा माय हे अने नी फळे उके
काटी लाखे, अने जो डगाळ फळे उकी
उ छटणी करी लाखे के हजु फळे। [३]तम
उना बचन से जो म्हने तमार से क्यो,
फळ लावा सरु सुद्दिकरण हुई ग्यो। [४]तम
म्हार माय बण्या रो[d] उने हूं तमार माय।
जसे डाळ अगर अंगूर बेल माय नी लागी
रे तो एखली नी फळी सके वसेज तम
बी म्हारा माय बण्या बिना एखला नी
फळी सको।

अंगुर (JHN १५.५)

५"हूं अंगूर बेल, तम डगाळहुंण। जो
म्हारा माय बण्यो रे अने हूं उका माय
उ घणो फळे क्योंके म्हार से इकाड़ी
हुई ने तम कइंनी करी सको। [६]अगर
कईं को म्हारा माय बण्यो नी रे तो उ
डगाळ सरीको फेंक्यो जाय अने सुकी
जाय। उने मनखहुंण उणके भेळा करिके
भस्ती माय लाखी दे अने वी बळी जाय।
[७]अगर तम म्हारा माय बण्या रो, अने
म्हारा बचन तमारा माय बण्या रे तो जो
चाव मांगिलो उ तमारा सरु हुई जायगा।
[८]म्हारा पिता की म्हेमा इका सेज होय
के तम घणो फळ लाव, जदेज तो तम
म्हारा चेला हो। [९]"जसे पिता ने म्हार
से परेम कर्‌यो, म्हने बी तमार से परेम
कर्‌यो। म्हारा परेम मायज बण्या री जो।
[१०]अगर तम म्हारा हुकमहुंण के पाळोगा
तो म्हारा परेम माय बण्या रोगा। वसोज
जसो म्हने अपणा पिता का हुकमहुंण
को पाळण कर्‌यो अने उका परेम माय
बण्यो र्‌यो हूं।
११ई बातहुंण म्हने तमार से इकासरु
करी, के म्हारो आनन्द तमारा माय बण्यो
रे अने तमारो आनन्द पूरण हुई जावे।
[१२][†] "म्हारो हुकम यो के जसो म्हने
तमार से परेम राख्यो असोज तम बी
एक दूसरा से परेम राखो। [१३]इका से बड़ो
परेम हजु कईं को हयनी के अपणा दोस
सरु अपणी जान दई दे। [१४]जो हुकम हूं
तमारे दउं अगर उके मानोगा तो तम
म्हारा दोसहुंण हो। [१५]अबे से हूं तमारे
गुलाम नी कूं, क्योंके गुलाम नी जाणे के

---

[d] **१५.४** तम ... बण्या रो; जसेके ईसु बिना परमेसर के कईं को काम नी करतो थो (योहन ५:१९)। सिरप उ रस्तो जेका माय ईसु का साते मिळी के सामरत का साते परमेसर की सेवा करी जई सकती हे; अने अगर ईसु माय बण्या होया हो तो इको जुवाब १० आयत माय द्‌यो हे - अगर तम म्हारा हुकमहुंण के मानो तो म्हारा परेम माय बण्या रोगा।

[†] **१५.१२:** योहन १३.३४, १५.१७; १ योहन ३.२३; २ योहन ५

उको मालेख कंई करे। पण म्हने तमारे
दोस क्यो, क्योंके वी सगळी बातहुंण जो
म्हने अपणा पिता से सुणी, तमारे बतई
दी। १६तमने म्हारे नी छांट्यो पण म्हने
तमारे छांट्या अने तमारे तमारो काम
दई द्यो के तम जाव अने सफल रो
अने तमारी सफलता बणी रे। तो तम
म्हारा नाम से जो कंई परमेसर पिता
से मांगोगा उ तमारे देगा। १७हूं तमारे ई
हुकमहुंण इकासरु दउं की तम एक दूसरा
से परेम राखो।

जग ईसु का चेलाहुंण को बेरी

१८"अगर जग का लोग तमार से मुन्डो
फेरिले तो तम जाणो के उणने तमार से
पेलां म्हार से मुन्डो फेर्यो हे। १९तम
जग का होता तो जग अपणा जसा परेम
राखतो, पण इकासरु के तम जग का
हयनी क्योंके म्हने तमारे जग माय से
छांटी ल्या। इकासरु जग तमार से मुन्डो
फेरे हे। २०† उ बचन जो म्हने तमार से
क्यो रियाद राखो, गुलाम अपणा मालेख
से मोटो हयनी। अगर जग का लोगहुंण
ने म्हारे सताड़्यो तो वी तमारे बी
सताड़ेगा। अगर वी म्हारी बात माने तो
तमारी बात बी मानेगा। २१पण जग का
लोगहुंण तमारा गेले असो करेगा क्योंके
तम म्हारे मानो हो, क्योंके वी उके नी
जाणे जेने म्हारे मोकल्यो। २२अगर हूं नी
आतो अने उणकासे बातहुंण नी करतो तो
वी पापी नी रेता। पण अबे अपणा पाप
सरु उणका कने कईं को भायनो हयनी।
२३जो म्हार से मुन्डो फेरे उ म्हारा पिता
से बी मुन्डो फेरे। २४अगर हूं उणका
माय वी काम नी करतो जिणके कइंका
दूसरा ने नी कर्या, तो वी पापी नी
रेता। हालाके अबे उणने म्हारा अचरज
का काम देख्या अने म्हारा पिता के बी
देख्या, अने उणने म्हार से अने म्हारा
पिता दोई सेज मुन्डो फेर्यो। २५† पण
उणने असो इकासरु कर्यो के उ बचन
पूरण होय जो उणका नेम-बिधान माय
लिख्यो, 'उणने बिना वजा म्हार से मुन्डो
फेरिल्यो।'

२६"जदे उ मदद करवा वाळो आयगा,
जेके हूं पिता आड़ी से तमारा कने
मोकलुंवां याने सच्चई को आतमो जो पिता
से हिटे हे, उ म्हारा बारामें गवई देगा।
२७अने तम बी म्हारा बारामें बताड़ोगा
क्योंके तम सुरु सेज म्हारा गेले र्या हो।"

१६ "ई बातहुंण तमार से इकासरु
करी के तम ठोकर खावा से बच्या
रो। २लोग तमारे अराधनालयहुंण माय
से बायरे हेड़ी लाखेगा, अने उ बखत
अई र्यो हे के जो कईं को तमारे मारी
लाखेगा, उ समजेगा के हूं परमेसर की
सेवा-चाकरी करी र्यो हूं। ३अने वी असो
इकासरु करेगा क्योंके उणने नी तो
पिता के अने नी म्हारे जाण्यो। ४अने
ई बातहुंण म्हने इकासरु करी के जदे
बखत आय तो तम रियाद राखो के म्हने
इणका बारामें बताड़ी द्यो थो।

पवित्तर आतमा का काम

"ई बातहुंण म्हने तमार से इकासरु
सुरु माय नी करी क्योंके हूं तमारा गेले

† **१५.२०:** मत्ती १०.२४; लूका ६.४०; योहन १३.१६

† **१५.२५:** भजन संहिता ३५.१९; ६९.४

थो,[e] ५पण अबे हूं अपणा मोकलवा वाळा
कने जई र्‌यो हूं, अने तमारा माय से कईं
को म्हार से नी पुछे, 'तू कां जई र्‌यो?'
६पण इकासरु के म्हने ई बातहुंण तमार
से कई, तमारो हिरदो दुःख से भरई
ग्यो। ७पण हूं तमार से खास बात कूं
के म्हारो जाणो तमारा सरु फायदाबन्द
हे, क्योंके अगर हूं नी जउं तो उ मदद
करवा वाळो तमारा कने नी अई सकेगा।
पण अगर हूं जउं जदे उके तमारा कने
मोकलुंवां। ८अने जदे उ आयगा तो जग
का पाप अने धारमिकता अने न्याव का
बारामें दोषी ठेरई के चुप करी लाखेगा।
९लोगहुंण का पाप का बारामें इकासरु
के वी म्हार पे बिसास नी राखे, १०उने
लोगहुंण की निरदोसिता का बारामें,
इकासरु के हूं पिता कने जउं,[f] अने तम
म्हारे पाछो नी देखोगा, ११अने लोगहुंण
का न्याव का बारामें इकासरु के जग को
सासक दोषी ठेराड्‌यो हे।[g]

१२"म्हारे तमार से हजु बी घणी
बातहुंण करनी हे, पण तम अबी उणके
सेन नी करी सकोगा। १३पण जदे उ
आयगा याने पवित्तर आतमा जो परमेसर
का बारामें सच्चई सिखायगा, उ तमारे
सगळो सच्चई को मारग बतई देगा,
क्योंके उ अपणा आड़ी से कइंनी केगा
पण जो कंई सुणेगा, वाज बात केगा,
अने आवा वाळी बातहुंण के तमार पे
परगटेगा। १४उ म्हारी म्हेमा करेगा,
क्योंके उ म्हारी बातहुंण के लई ने
तमार पे परगटेगा। १५जो कंई पिता को,
उ सगळो म्हारो। इकासरु म्हने क्यो,
उ म्हारी बातहुंण के लई ने तमार पे
परगटेगा।

तम जो दुःख्या हो खुसी मनावगा

१६"जरा देर माय तम म्हारे नी देखी
सकता अने जरा देर माय तम म्हारे देखी
सकोगा।"

१७तो उका चेलाहुंण माय से कईं को
बोल्यो, "या कंई बात, जो उ हमार से
कई र्‌यो, 'जरा देर माय तम म्हारे नी
देखोगा, अने पाछा जरा देर माय तम
म्हारे देखोगा'? अने दूसरी बात या
'क्योंके हूं पिता कने जउं' हे। १८यो कंई
जो उ के, 'जरा देर माय'? हम नी जाणा
की उ कंई कई र्‌यो हे।"

१९ईसु ने यो जाणी के के वी म्हार से
सवाल करनों चावे, उणकासे क्यो, "कंई
तम इनी बात का बारामें माय-माय सोंची
बिचारी र्‌या जो म्हने करी 'जरा देर माय

---

[e] **१६.४** क्योंके हूं तमारा गेले थो; जदे ईसु चेलाहुंण का गेले थो, लोग ईसु के सताड़ता था नीके उका चेलाहुंण के। पण ईसु का जावा का बाद, लोगहुंण ने उका चेलाहुंण के सताड़्या। (इकासरु के ईसु ने पेलांज कई द्‌यो थो मरकुस २:२०।)। [f] **१६.१०** इकासरु ... कने जउं; ईसु मसीह लम्बा बखत सरु धरती पे नी र्‌यो थो, तो जग का लोगहुंण के ईसु की धारमिकता नगे नी अई। पण पवित्तर आतमा ने चेलाहुंण का गेले मिळी के ईसु मसीह की धारमिकता के दिखई के, जग की धारमिकता गलत हे उणका बिचार सई हे। [g] **१६.११** जग को ... ठेराड्‌यो; जग का सासक, याने सेतान, के मानवा वाळा। इका से के वी ईसु का बारामें गलत न्याव करे (योहन ८:४२-४७)। जदे परभु ईसु कुरुस पे मरी के सरग माय राज करवा सरु जी उठ्‌यो तो सेतान को न्याव ईसु का बारामें गलत हुई ग्यो अने सेतान का मानवा वाळाहुंण को न्याव बी।

म्हारे नी देखोगा अने पाछा जरा देर माय
म्हारे देखोगा'? २०हूं तमार से खास बात
कूं के तम रोवगा उने कळपोगा, पण जग
खुसी मनायेगा। तम दुःख माय रोगा पण
तमारो दुःख खुसी माय बदळी जायगा।[h]
२१"जदे कइंकी बइरा के जापा को दरद
होय तो उके घणी पीड़ा होय, क्योंके उको
बखत अई ग्यो हे, पण जदे वा बाळक के
जणी दे, तो उना दरद के इना आनन्द
से के जग माय एक मनख पेदा हुई
ग्यो भुली जाय। २२इकासरु तमारे अबी
तो दुःख हे, पण हूं तमारे पाछो मिळुंवां
जदे तमारा हिरदा आनन्द से भर्‌या रेगा,
उने तमारी खुसी के कईं को बी तमार से
छुड़ई नी सके।

२३उना दन तम म्हार से कईं को
सवाल नी पुछोगा। हूं तमारे सांची-सांची
कूं अगर तम परमेसर पिता से कंई बी
म्हारा नाम से मांगोगा तो उ तमारे दई
देगा। २४अबी तक तमने म्हारा नाम से
कइंनी मांग्यो। मांगो अने तमारे मिळेगा
जेकासे तमारी खुसी पूरण हुई जाय।

जग पे जे जेकार

२५"ई बातहुंण म्हने तमार से मिसाल
माय करी, पण उ बखत अई र्‌यो जदे
हूं पाछो तमार से मिसाल माय नी कुंवां,
पण तमारे पिता का बारामें साफ कई
दूंवां। २६उना दन तम म्हारा नाम माय
मांगोगा, अने हूं तमार से या नी कुंवां
के तमारा सरु पिता से अरज करुंवां।
२७क्योंके पिता खुदज तमार से परेम
राखे, इकासरु की तमने म्हार से परेम
राख्यो अने यो बिसास कर्‌यो के हूं
परमेसर पिता आड़ी से आयो हूं। २८हूं
पिता परमेसर आड़ी से परगट्‌यो अने
जग माय आयो हूं, हूं पाछो जग के छोड़ी
के पिता कने जई र्‌यो हूं।"

२९उका चेलाहुंण ने क्यो, "अबे तू साफ
कई र्‌यो हे, अने मिसाल दई के नी कई
र्‌यो। ३०अबे हम जाणा की तू सगळो
कंई जाणे हे अने इकी जरुवत हयनी
के कईं को थार से सवाल करे[i]। इका
से हम बिसास करां के तू परमेसर से
हिट्‌यो हे।"

३१ईसु ने जुवाब द्‌यो, "कंई तम अबे
बिसास करो हो? ३२देखो वा घड़ी अइरी
बल्के अइगी के तम खक्कळ-बक्कळ हुई
के अपणा-अपणा घरे चल्या जावगा, अने
म्हारे एखलो छोड़ी लाखोगा। फेर बी हूं
एखलो हयनी क्योंके परमेसर पिता म्हारा
गेले हे। ३३"ई बातहुंण म्हने तमार से
करी के तम म्हारमेंज सान्ती पावजो।
जग माय तमारे दुःख होय, पण हिम्मत
राखो, म्हने जग के जीती ल्यो हे।"

म्हापुरोहितीय पराथना

१७ ईसु ने ई बातहुंण कई के अपणी
आंखहुंण सरग आड़ी उठाड़ी के
क्यो, "हे पिता, वा घड़ी अइगी। अपणा
बेटा की म्हेमा कर, के बेटो बी थारी
म्हेमा करे। २तने तो म्हारे आखी

---

[h] **१६.२०** तमारो दुःख ... बदळी जायगा; ईसु अपणी मोत अने अपणा जी उठवा की भविसबाणी करी र्‌यो हे (आयत २०-२२)। [i] **१६.३०** तू सगळो कंई ... सवाल करे; (१९ आयत) तो उकासे सवाल पुछवा की जरुवत हयनी सिरप परमेसर मनखहुंण का बिचारहुंण के जाणे हे। वी मानी ग्या के ईसु परमेसर आड़ी से आयो हे।

मनखजात पे हक द्यो हे के हूं सगळा
के जिणके तने म्हारे द्या हे अजर-अमर
जीवन दउं। ३अने अजर-अमर जीवन यो
के वी थारे जो एकज सांचो परेमसर हे
जाणे, अने म्हारे बी याने ईसु मसीह के
जाणे जेके तने मोकल्यो हे। ४जो काम
तने म्हारे करवा सरु द्या उणके पूरण
करिके म्हने धरती पे थारी म्हेमा करी।
५हे पिता, अबे तू अपणा गेले म्हारी
म्हेमा, उनी म्हेमा से कर जो जग का
पेलां से थारा गेले म्हारी थी।

६"म्हने थारो नाम उना मनखहुंण पे
परगट्यो, जिणके तने जग माय से म्हारे
द्या। वी थारा था अने तने उणके म्हारे
द्या, अने उणने थारा बचन के मानी
ल्यो। ७अबे वी जाणी ग्या के जो कंई
तने म्हारे द्यो, उ सगळो थारा अंई से
हे। ८क्योंके वी बचन जो तने म्हारे द्या,
वी म्हने उणका तक पोंचई लाख्या।
उणने उना बचनहुंण के मानी ल्या अने
सांची माय जाणी ल्यो के हूं थार से
हिट्यो हूं अने उणने बिसास कर्यो के
तनेज म्हारे मोकल्यो हे।

९"हूं उणका सरु अरज करूं। जग सरु
अरज नी करूं, पण उणका सरु जिणके
तने म्हारे द्या, क्योंके वी थारा हे।
१०अने सगळो कंई लोग जो म्हारा हे वी
थारा हे, अने जो थारा हे वी म्हारा हे।
अने इणका माय म्हारी म्हेमा परगटी हे।
११अबे हूं जग माय नी रुंवां। हूं थारा कने
अउं हे, पण ई जग माय रेगा। पवित्तर
परमेसर पिता, अपणी सामरत से[j] जो
तने म्हारे दई, इणकी चोकसी कर, के
जसा हम एक हे वी बी एक रे। १२[†] जदे
हूं उणका गेले थो, म्हने थारी सामरत से
जो तने म्हारे दई उणकी मदद करी। अने
दुस्ट का बेटा का अलावा उणका माय
से कईं को नास नी होयो, इकासरु के
धरम सासत्तर की बात पूरण हो। १३"पण
अबे हूं थारा कने अउं, अने या बात जग
माय कूं के म्हारा चेलाहुंण माय म्हारो
आनन्द पूरण होय। १४म्हने उणके थारा
बचन दई द्या, अने जग ने उणकासे
मुन्डो फेर्यो, क्योंके जसो हूं जग को
हयनी वसाज वी बी जग का हयनी। १५हूं
थार से यां अरज नी करूं, के तू उणके
जग से उठई ले, पण या की तू उणके
उनी बुरई[k] से बचाड़ी राख। १६वी जग का
हयनी जसो की हूं बी जग को हयनी।
१७सच्चई आड़ी से उणके पवित्तर करी दे
- थारा बचन सांचा हे। १८जसो तने म्हारे
जग माय मोकल्यो, म्हने बी उणके जग
माय मोकल्या हे। १९अने हूं उणका सरु
खुदी के पवित्तर करूं के वी बी सच्चई से
थारा सरु पवित्तर कर्या जावे।

२०"हूं सिरप इना चेलाहुंण सरु अरज
नी करूं पण उणका सरु जो इणका
बचन से म्हार पे बिसास करेगा, २१के वी

---

[j] **१७.११** अपणी सामरत से; यूनानी माय, अपणा नाम माय। परमेसर को नाम उका सुभाव, सामरत, अने ताकत के परगटे हे। जो ईसु मसीह का नाम का बारामें बी एक सरीकी हे। ईसु, पिता परमेसर से कई र्यो के "म्हने थारो नाम उना मनखहुंण पे परगट्यो, जिणके तने जग माय से म्हारे द्या। वी थारा था अने तने उणके म्हारे द्या, अने उणने थारा बचन के मानी ल्यो" (योहन १७:६)।

[k] **१७.१५** बुरई; दुस्टता, सेतान।

[†] **१७.१२:** भजन संहिता ४१.९; योहन १३.१८

सगळा एक रे। जसे, हे पिता, तू म्हारा
माय अने हूं थारा माय हूं वसाज वी बी
हमार माय एक रे जेकासे के जग बिसास
करे के तनेज म्हारे मोकल्यो। २२अने वा
म्हेमा जो तने म्हारे दई, म्हने उणके दई
हे, के वसाज एक रे जसा हम एक हे।
२३हूं उणका माय अने तू म्हार माय के
वी सिद्द हुई के एक हुई जाय। जेकासे
जग जाणे के तने म्हारे मोकल्यो अने
जसो तने म्हार से परेम राख्यो वसोज
उणकासे बी परेम राख्यो।

२४"हे पिता, हूं चउं के वी जिणके तने
म्हारे द्या, जां हूं रूं वांज वी बी म्हारा
गेले रे, के वी म्हारी म्हेमा के देखी सके
जो तने म्हारे दई, क्योंके तने जगत के
बणावां से पेलां म्हार से परेम राख्यो।
२५हे धरम पिता परमेसर, हालाके जग
ने थारे नी जाण्यो फेर बी म्हने जाण्यो
हे अने इना चेलाहुंण ने बी जाण्यो के
तनेज म्हारे मोकल्यो हे। २६अने म्हने
थारो नाम इणके बताड़्यो अने बताड़तो
रुंवां, के उ परेम जो तने म्हार से कर्‌यो
उ परेम उणका माय बण्यो रे, अने हूं बी
उणका माय रूं।"

ईसु के गिरपतार करनों

(मत्ती २६:४७-५६; मरकुस १४:४३-५०;
लूका २२:४७-५३)

१८ जदे ईसु ई बातहुंण करी चुक्यो,
तो उ अपणा चेलाहुंण का गेले
किद्रोण का नाळा का पार ग्यो जो एक
बाग थो जेका माय उ खुद अने उका
चेलाहुंण अई ग्या। २यहूदा बी जो उके
पकड़वाणे पे थो, उनी जगा के जाणतो
थो, क्योंके ईसु ज्यादा करिके अपणा
चेलाहुंण का गेले वांज जाया करतो थो।
३तो यहूदा, रोमी सेना को दळ के, अने
मुख-पुरोहितहुंण अने फरीसिहुंण आड़ी से
यहूदी सिपईहुंण के लई के वां लालटेन,
मसाळहुंण अने हतियार धारण करिके
अई ग्यो। ४इकासरु ईसु उनी सगळी
बातहुंण के जो उका पे आणे वाळी थी
जाणी के, अगड़े बड़्यो अने उणकासे
बोल्यो, "तम किके ढुंडी र्‌या हो?"

५उणने जुवाब द्यो, "ईसु नासरी के।"
उने उणकासे क्यो, "हूंज हूं।"

अने यहूदा बी जो उके पकड़वाणे वाळो
थो, उणका गेले उब्यो थो। ६जदे उने
उणकासे यो क्यो "हूंज हूं" तो वी पाछे
सरक्या अने जमीन पे हिटी पड़्या। ७तो
उने पाछो पुछ्यो, "तम के के ढुंडी र्‌या
हो?"

वी बोल्या, "ईसु नासरी के।"

८ईसु ने जुवाब द्यो, "हूं तमार से
कई चुक्यो के 'हूं उज हूं'। तो अगर
तम म्हारे ढुंडी र्‌या हो तो इणके जावा
दो।" ९† जेकासे के उ बचन पूरण होयो
जो उने क्यो थो, "पिता, जिणके तने
म्हारे द्या उका माय से म्हने एक बी
नी खोयो।"

१०इका पे सिमोन पतरस ने जेका
कने तरवार थी, खेंची के म्हापुरोहित
का गुलाम पे चलाड़ी अने उको सुदो
कान काटी लाख्यो। उना गुलाम को नाम
मलखुस थो। ११† जदे ईसु ने पतरस से
क्यो, "तरवार म्यान माय राख। जो दुःख

---

† **१८.९:** योहन १७.१२ † **१८.११:** मत्ती २६.३९; मरकुस १४.३६; लूका २२.४२

को प्यालो पीवा सरु म्हारा पिता ने द्यो,
कंई हूं उके नी प्यूं?"

पेलां हन्ना का यां लई ग्या

१२तो रोमी सेना को दळ अने सेना
को हाकिम[l] अने यहूदी सिपई ने ईसु
के गिरपतार करिके बान्दी ल्यो, **१३**अने
पेलां उके हन्ना कने लई ग्या। क्योंके उ
उना बरस को म्हापुरोहित काइफा को
सुसरो थो। **१४**[†] काइफाज थो, जेने यहूदी
अगवाहुंण के राय दई थी के "हमारा
लोगहुंण सरु एक मनख को मरनो अच्छो
हे।"

पतरस ने जदे नकार्‌यो

(मत्ती २६:६९-७०; मरकुस १४:६६-६८;
लूका २२:५५-५७)

१५सिमोन पतरस अने हूं[m] ईसु का
पाछे-पाछे चली पड़्यो। अने हूं ईसु का
गेले म्हापुरोहित का आंगणा माय अई
ग्यो, **१६**पण पतरस बायरे कमांड़ कने उबो
र्‌यो। तो हूं बायरे हिट्‌यो अने नेपादारनी
से कई के पतरस के भित्तरे लई ग्यो।
१७तो दासी जो घर की नेपादारनी थी
पतरस से क्यो, "कंई तूज तो इना मनख
का चेलाहुंण माय से नी हे?"

उने क्यो, "हूं नी हूं।"

१८वां सेवक अने सिपई कोयला बाळी
के उबा हुई के तापी र्‌या था क्योंके ठण्ड
थी अने पतरस बी उणका गेले उबो हुई
के तापी र्‌यो थो।

ईसु म्हायाजक का सामें (JHN १८.१९)

ईसु से म्हापुरोहित का सवाल

(मत्ती २६:५९-६६; मरकुस १४:५५-६४;
लूका २२:६६-७१)

१९तो म्हापुरोहित ने ईसु से उका
चेलाहुंण अने उकी सीखहुंण का बारामें
सवाल कर्‌या। **२०**ईसु ने उके जुवाब
द्यो, "म्हने जग माय खुली के बात
करी। म्हने हमेस्या अराधनालयहुंण
अने मन्दर माय जां सगळा यहूदी
भेळा होया करे सीख दई अने म्हने
गुपत माय कइंनी क्यो। **२१**तू म्हार से
कायबले पुछी र्‌यो? सुणवा वाळा से
पुछी ले के म्हने उणका से कंई-कंई
क्यो। वी पक्को जाणे हे के म्हने कंई
क्यो।"

२२अने जदे उने यो क्यो, तो कने उबा
सिपईहुंण माय से एक ने यो कई के उके
मुक्को मार्‌यो, "कंई तू म्हापुरोहित के
असो जुवाब दे?"

---

[l] **१८.१२** सेना को हाकिम; यूनानी भासा माय, खिलिअखांस याने १००० सिपईहुंण को हाकिम।

[m] **१८.१५** हूं; यूनानी माय दूसरो चेलो जो म्हापुरोहित की जाण-पेचाण को थो। उ योहन थो (योहन १३:२३)।

[†] **१८.१४:** योहन ११.४९,५०

२३ईसु ने उके जुवाब द्यो, "अगर म्हने बुरो क्यो, तो उके साबित कर, पण अगर अच्छो क्यो, तो तू म्हारे मारे कायसरु?"

२४तो हन्ना ने उके काइफा म्हापुरोहित[n] कने बान्द्यो होयो मोकल्यो।

पतरस ने पाछो नकार्‌यो

(मत्ती २६:७१-७५; मरकुस १४:६९-७२; लूका २२:५८-६२)

२५सिमोन पतरस उबो हुई ने तापी र्‌यो थो। तो उणने उकासे क्यो, "कंई तूज तो उका चेलाहुंण माय से हयनी?"

उ नी मान्यो, पण उने क्यो, "नी हूं हयनी।"

२६म्हापुरोहित का सेवकहुंण माय से जो उना मनख को परवार को थो जेको कान पतरस ने काटी लाख्यो थो क्यो, "कंई म्हने थारे उका गेले बगीचा माय नी देख्यो थो?"

२७तो पतरस पाछो नटी ग्यो, अने मुरगा ने झट बाग दई दी।

पिलातुस का सामे ईसु

(मत्ती २७:१-२,११-१४; मरकुस १५:१-५; लूका २३:१-५)

२८अने यहूदी अगवाहुंण ईसु के काइफा कने से रोमी राजपाल का म्हेल माय लई ग्या अने भुनसारा को बखत थो। उणने खुद राजम्हेल माय पग नी धर्‌या के कंई असुद्द नी हुई जावां पण फसह खई सके। **२९**तो पिलातुस बायरे हिटी के उणका कने आयो अने बोल्यो, "तम इना मनख पे कंई दोष लगाड़ो हो?"

३०उणने उके जुवाब माय क्यो, "अगर यो मनख कुकरमी नी होतो तो हम इके थारा हात माय कायसरु देता?"

३१तो पिलातुस ने उणकासे क्यो, "तम इके लइ-जई के अपणा नेम-बिधान का नेम मुजब न्याव करो।"

उणने उकासे क्यो, "हमारे कइंका के मोत की सजा देवा को हक हयनी।" **३२**[†] यो इकासरु होयो के ईसु का वी बचन पूरण होय जो उने अगम बतई द्या था के उकी मोत कसे होयगा।

३३तो पिलातुस पाछो राजम्हेल माय ग्यो अने ईसु के बुलाड़ी के उकासे क्यो, "कंई तू यहूदिहुंण को राजो हे?"

३४ईसु ने उके जुवाब द्यो, "कंई या बात तू अपणा आड़ी से बोली र्‌यो हे के कइंका ने थार से म्हारा बारामें कई?"

३५पिलातुस ने जुवाब द्यो, "कंई हूं यहूदी हूं? थाराज जात का, अने मुख-पुरोहितहुंण नेज थारे म्हारा हात माय द्यो। तने कंई कर्‌यो?"

३६ईसु ने जुवाब द्यो, "म्हारो राज इना जग को हयनी। अगर म्हारो राज इना जग को होतो तो म्हारा राज दरबारी लड़ई छेड़ी देता, के हूं यहूदी अगवाहुंण का हात माय नी पड़तो। बात याज हे के म्हारो राज इना जग को हयनी।"

---

[n] **१८.२४** काइफा म्हापुरोहित; रोमी राजपाल की नियुक्ती से काइफा उना बरस को म्हापुरोहित हुई ग्यो थो (योहन ११:५१; १८:१३), पण उका सुसरा हन्ना पेलां म्हापुरोहित थो अने अबे तक नरो ताकतवर थो। नरा यहूदिहुंण ने सई बिचार कर्‌यो के हन्ना खास म्हापुरोहित हे। इका से लोगहुंण ईसु के पेलां हन्ना कने लई ग्या, अने हन्ना ने उकासे सवाल कर्‌या। (योहन १८:१३,१९)।

[†] **१८.३२:** योहन ३.१४, १२.३२

३७तो पिलातुस ने उकासे क्यो, "तो
कंई तू राजो हे?"
ईसु ने जुवाब द्यो, "तू ठीकज के
हूं राजो हूं। म्हने इकासरु जनम ल्यो
अने इकासरु इना जग माय आयो हूं
के सच्चई के सिखाडुं। वी जो सच्चई
सिखणो चाय म्हारी बाणी सुणे हे।"
३८पिलातुस उकासे बोल्यो, "सच्चई
कंई हे?" अने जदे उ कई चुक्यो तो
पिलातुस राजपाल पाछो यहूदिहुंण कने
बायरे आयो अने उणकासे क्यो, "हूं उका
माय कंई दोष नी पउं।

बरअब्बा के छोड़्यो जाणो अने ईसु के मोत की सजा

(मत्ती २७:१५-३१; मरकुस १५:६-२०;
लूका २३:१३-२५)

३९पण तमारी रीति मुजब, फसह का
परब का दन हूं तमारा सरु एक मनख
के छोड़ी लाखुं। कंई तम चाव के हूं
तमारा सरु यहूदिहुंण का राजा के छोड़ी
लाखुं?"
४०तो उणने पाछा चिल्लाड़ी के क्यो,
"इना मनख के नी पण बरअब्बा के
हमारा बले छोड़ी लाख।" अने बरअब्बा
लड़ई-दंगो करवा वाळो डकेत थो।

१९ तो पिलातुस ने ईसु के कोड़ा
लगवाड़्या। **२**अने सिपईहुंण ने
कांटा को मुगुट गुंथिके उका माथा पे
धरी लाख्यो, अने उके बेंगणी पेरावो
पेरायो। **३**अने वी उका कने अइ-अई
के केवा लाग्या, "हे यहूदिहुंण का
राजा परणाम!" अने उके थापड़ मारवा
लाग्या।

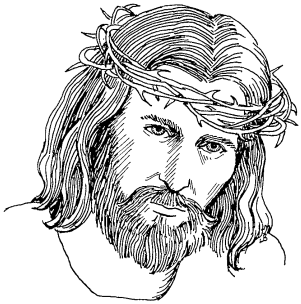

ईसु का माथा पे कांटा को मोड़ (मुगुट) (JHN १९.२)

४अने पिलातुस राजपाल ने पाछो
बायरे हिटी के यहूदिहुंण से क्यो,
"देखो, उके बायरे तमारे कने लई
र्‌यो हूं, जेकासे के तम जाणी लो की
हूं उका माय कंई दोष नी पई र्‌यो।"
५जदे ईसु कांटा को मुगुट अने बेंगणी
पेरावो पेर्‌यो होयो बायरे आयो तो
पिलातुस ने उणकासे क्यो, "देखो,
यो मनख।"[o]
६जदे मुख-पुरोहितहुंण अने सिपईहुंण
ने उके देख्यो तो चिल्लाड़ी पड़्या, "कुरुस
पेज चड़ई दे! कुरुस पे!"[p]

---

[o] **१९.५** "देखो, यो मनख।"; पिलातुस को यो अनुमान थो के ईसु के असी हालत माय देखी के लोगहुंण को हिरदो पसतावो करेगा। के उ कईं को दुःख देवा वाळो मनख नी हे अने नीज रोमी सरकार सरु खतरो हे अने उने अबी तक जो सजा उके दई वा नरी हे। देखो, यो मनख।" याने मनख को बेटो या मसीह। [p] **१९.६** कुरुस पेज चड़ई दे ! कुरुस पे !"; रोमी सासन गंभीर कसूर सरु असी सजा देता था के मुलजिम के लक्कड़ का कुरुस पे उका हात अने पगहुंण माय बड़ा-बड़ा खिल्ला ठोकी लाखता अने उके जदतक टांग्या राखता जदतक के उ मरी नी जातो थो।

पिलातुस ने उणकासे क्यो, "तमीज
उके लइ-जई के कुरुस पे चड़ई दो। हूं
उका माय कंई दोष नी पई र्‌यो।"
७यहूदी अगवाहुंण ने उके जुवाब द्‌यो,
"हमाराज नेम अने उना कायदा से इके
मोत की सजा मिळनी चइये, क्योंके उने
अपणे खुद के परमेसर को बेटो बखाण्यो
हे।
८जदे पिलातुस ने या बात सुणी तो
घणो डरी ग्यो, ९तो उने पाछो राजम्हेल
माय जई के ईसु से क्यो, "तू कां को
हे?" पण ईसु ने उके कंई जुवाब नी द्‌यो।
१०तो पिलातुस ने उकासे क्यो, "कंई
तू म्हारे नी बताड़ेगा? कंई जाणे नी
के म्हारे थारे छोड़वा अने थारे कुरुस
पे चड़ावा को हक हे?"
११ईसु ने जुवाब द्‌यो, "अगर थारे अदरे
से नी द्‌यो होतो तो म्हार पे थारो कईं
को हक नी रेतो। इकासरु के जिणने
म्हारे थारा हात माय सोंप्यो उणको पाप
घणो हे।"
१२या सुणी के पिलातुस ने उके छोड़वा
की कोसिस करी, पण यहूदिहुंण ने
चिल्लइ-चिल्लई के क्यो, "अगर तू इना
मनख के छोड़े, तो तू केसर म्हाराजा को
राज-भगत हयनी। जो कईं को अपणे खुद
के राजो बणाय उ केसर म्हाराजा को
बिरोद करे।"
१३पिलातुस ई बातहुंण सुणी के ईसु
के बायरे लइ-यायो, अने न्याव-सिंगासण
पे बेठ्‌यो याने उनी जगा पे जो चबूतरो
केवातो थो। (इबराणी भासा माय गब्बता
केवातो थो।) १४यो फसह की तय्यारी
को दन थो उना बखत करीब बारा
बज्या[q] था। तो उने यहूदी हाकिमहुंण
से क्यो, "देखो, तमारो राजो।"
१५इका पे वी चिल्लाड़ी के बोल्या,
"लई जा! लई जा! इके कुरुस पे चड़ई
दे!"
पिलातुस ने उणकासे क्यो, "कंई हूं
तमारा राजा के कुरुस पे चड़उं?"
म्हापुरोहितहुंण ने जुवाब द्‌यो,
"केसर का अलावा हमारो कईं को
राजो हयनी।"[r]
१६तो उने कुरुस पे चड़ावा सरु ईसु के
उणका हात माय दई द्‌यो।

ईसु ने कुरुस उठाइयो (JHN १९.१७)

---

[q] **१९.१४** बारा बज्या; यूनानी माय, दन को छटवों घंटो थो। [r] **१९.१५** केसर का अलावा हमारो कईं को राजो हयनी; यहूदिहुंण को बिसास थो के परमेसर का लोगहुंण को परमेसरज राजो हे (न्याविहुंण ८:२३; १ सेमुएल ८:७, १२:१२)। यां वी के हे के केसर उणको राजो थो, यहूदी अगवाहुंण ने परमेसर के ठुकरई लाख्यो अने मसीह के जेके उध्दार करवा मोकल्यो थो ! (लूका १०:१६; योहन:१३:२०, १५,२३)।

ईसु के कुरुस पे लटकाड़्यो जाणो

(मत्ती २७:३२-४४; मरकुस १५:२१-३२; लूका २३:२६-४३)

१७तो रोमी सिपईहुंण ईसु के लई ग्या, अने उ अपणो कुरुस उठाड़तो होयो उनी जगा तक बायरे ग्यो, जेके खोपड़ी की जगा के हे, जेके इबराणी माय "गुलगुता" के हे। **१८**वां उणने उके अने उका गेले दो मनखहुंण के कुरुस पे चड़ई लाख्या, एक के इना आड़ी दूसरा के उना आड़ी अने बीच माय ईसु के। **१९**अने पिलातुस ने दोष-पत्तर कुरुस पे लगाड़ी द्यो जे पे यो लिख्यो थो, "ईसु नासरी यहूदिहुंण को राजो।" **२०**तो इना दोष-पत्तर के घणा यहूदिहुंण ने बांच्यो, क्योंके जेनी जगा पे ईसु के कुरुस पे चड़ई द्यो, वा जगा नगर का कने थी, अने यो पत्तर इबराणी, लतीणी, अने यूनानी भासा माय लिख्यो थो। **२१**तो यहूदिहुंण का मुख-पुरोहित पिलातुस से केवा लाग्या, "'यहूदिहुंण को राजो' मती लिखे, पण यो के 'इने क्यो, हूं यहूदिहुंण को राजो हूं।' "

२२पिलातुस ने जुवाब द्यो, "जेके म्हने लिख्यो तो लिखी द्यो।"

२३जदे सिपईहुंण ने ईसु के कुरुस पे चड़ई द्यो तो उणने उका सगळा पेरवा का लतरा हेड़्या अने उका चार हिस्सा कर्‌या, हरेक सिपई सरु एक-एक हिस्सो। असोज चोळो बी हेड़ी ल्यो जो बिना सिल्यो अदरे से निच्चे तक बुण्यो होयो थो। **२४**[†] तो उणने माय-माय क्यो, "हम इके नी फाड़ा, पण इकासरु चिट लाखां के यो के को होयगा।" जेकासे के पवित्तर सासत्तर की बात पूरण होय,

"उणने म्हारा सगळा लतरा माय-
माय बांटी ल्या,
अने म्हारा चोळा पे चिट
लाखी।"

२५इकासरु सिपईहुंण ने असो कर्‌यो। ईसु का कुरुस कने उकी मेतारी अने उकी मेतारी की बेन, क्लोपास की घराळी मरियम, अने मरियम मगदलीनी उबी थी। **२६**जदे ईसु ने अपणी मेतारी, अने म्हारे[s] जेकासे उ परेम राखतो थो। कने उबा होया देख्या तो अपणी मेतारी से बोल्यो, "हे नारी, देख यो थारो बेटो।"

२७अने म्हार से क्यो, "देख, या थारी मेतारी।" अने उना बखत से हूं मरियम के अपणा घरे लई ग्यो।

ईसु की मोत

(मत्ती २७:४५-५६; मरकुस १५:३३-४१; लूका २३:४४-४९)

२८[†] इका बाद ईसु ने या जाणी के के सगळो कंई पूरण हुई चुक्यो। इकासरु के पवित्तर सासत्तर की बात पूरण होय, उने क्यो "हूं तिरस्यो हूं।"

२९वां सिरका से भर्‌यो एक बरतन धर्‌यो थो, तो उणने पाणी के चुसवा वाळी चीज के सिरका माय लाखी के

---

[s] **१९.२६** म्हारे; यूनानी, उना चेला के जेकासे उ परेम राखतो थो।

[†] **१९.२४:** भजन संहिता २२.१८ [†] **१९.२८:** भजन संहिता ६९.२१, २२.१५

उके बरु की नुक्की पे धर्‌यो अने ईसु
का मुन्डा से लगाड़्यो। ३०जदे ईसु ने उ
सिरको ल्यो, तो क्यो, "पूरण होयो"।
अने उने माथो लटकई लाख्यो अने
जान हिटी गी।

पांसळी माय भालो मारनो

३१इकासरु के उ तय्यारी को दन
थो, यहूदी अगवाहुंण ने पिलातुस से
अरज करी के उणका पग तोड़्या
अने उणके उतार्‌या जाये जेकासे की
सबत् का दन उणकी लोथ कुरुस पे
नी टंगी रे। ३२तो सिपईहुंण ने अई
के पेलां डाकू की, अने दूसरा डाकू
की जो उका गेले कुरुस पे चड़ाया था
टांग तोड़ी लाखी, ३३पण जदे उणने
ईसु कने अई के देख्यो की मरी ग्यो,
तो उकी टांग नी तोड़ी। ३४पण सिपई
माय से एक ने उकी पांसळी के भेदी
लाखी अने झट उका माय से लोई अने
पाणी बइ हिट्‌यो। ३५म्हने यो देख्यो
अने उकी गवई दई, अने म्हारी गवई
सांची हे। हूं खुद जाणूं अने सांची कूं,
जेकासे की तम बी बिसास[t] करो। ३६[†]
ई बात इकासरु हुई की पवित्तर धरम
सासत्तर को बचन पूरण होय, "उका
एक बी हड़का नी तोड़्या जायगा।"
३७[†] पाछा पवित्तर धरम सासत्तर का
दूसरा हिस्सा माय लिख्यो हे, "जेके
उणने बेद्‌या, वी उके देखेगा।"

ईसु के गाड़्यो जाणो

(मती २७:५७-६१; मरकुस १५:४२-४७;
लूका २३:५०-५६)

३८इनी बातहुंण का बाद अरमतियाह
को यूसफ आयो। उ यहूदिहुंण का डर
से गुप-चुप रुप माय ईसु को चेलो थो।
पिलातुस से उने अरज करी के उके ईसु
की लोथ लई जावा को हुकम दई दे
अने पिलातुस ने हुकम दई द्‌यो। तो उ
अई के ईसु की लोथ लई ग्यो। ३९[†] अने
नीकुदेमुस बी जो पेलां ईसु कने रात
माय आयो थो यूसफ का गेले आयो।
उने करीब पचास सेर मिळ्यो होयो गुगळ
अने एलवा[u] लइ-यायो। ४०तो उणने ईसु
की लोथ के लई अने यहूदिहुंण की रीति
मुजब उके सुगन से भर्‌या पदारथ का
गेले कफन माय लपेट्‌यो। ४१उनी जगा
पे जां उके कुरुस पे चड़ायो एक बाग
थो अने उना बाग माय एक नवी कबर
थी जेका माय अबी तक कइंका के नी
धर्‌यो थो। ४२तो यहूदिहुंण की तय्यारी
का दन की वजासे अने इकासरु के वा
कबर कनेज थी उणने ईसु की लोथ के
उका माय मेली दी।

ईसु की रीति कबर

(मती २८:१-८; मरकुस १६:१-८; लूका २४:१-१२)

२० सबद् बितवा पे हफ्ता का पेलां
दन, मरियम मगदलीनी, घणा

---

[t] **१९.३५** बिसास; थोड़ाक हात का लिख्या होया लेख माय असो हे लगातार बिसास करता रो।
[u] **१९.३९** पचास सेर मिळ्यो होयो गुगळ अने एलवा; ३२ किलो ७०० गिराम (एलवा - सुगन वाळा झाड़ को रस जेके मर्‌या मनख पे लगाड़े)।
[†] **१९.३६:** निरगमन १२.४६; गिणती ९.१२; भजन संहिता ३४.२०
[†] **१९.३७:** जकरियाह १२.१०; दरसन १.७ [†] **१९.३९:** योहन ३.१–२

भुनसारे जदके अबी इन्दारोज थो कबर
पे अई। तो उने सिल्ला के कबर पे से
सरकी देखी। २तो वा पाटी दई के सिमोन
पतरस अने म्हारा कने[v] जेकासे उ परेम
राखतो थो। अई अने केवा लागी, "वी
परभु के कबर माय से उठाड़ी लई ग्या,
अने हमारे नी मालम की उणने उके कां
छिपाड़ी राख्यो हे।"

३तो पतरस अने हूं हिटी के कबर
आड़ी चली पड़्या। ४हम दोई गेले-गेल
भागी र्या था, पण हूं पतरस से घणो
तेज दोड़ी के कबर पे पेलां पोंच्यो।
५म्हने नमिने भित्तरे झांक्यो अने कफन
इकाड़ी पड़्यो देख्यो, पण हूं भित्तरे नी
ग्यो। ६तो सिमोन पतरस बी म्हारा
पछड़े-पछड़े वां अई ग्यो अने कबर का
भित्तरे जई ने उने लतरा पड़्या देख्या।
७अने उना लतरा के जेका माय ईसु
को माथो लपेट्यो थो, दूसरा लतराहुंण
का गेले नी थो पण दूरा पे एक जगा
लपेट्यो पड़्यो देख्यो। ८तो म्हने बी जो
कबर पे पेलां अई ग्यो थो भित्तरे जई
ने देख्यो अने देखी के बिसास कर्‌यो।
९अबी तक हम पवित्तर धरम सासत्तर
की वा बात नी समज्या था के मर्‌या
माय से ईसु के जीवतो होणो जरुरी
थो। १०तो हम चेलाहुंण अपणा-अपणा
घरे चल्या ग्या,

मरियम मगदलीनी के ईसु नगे आयो

(मत्ती २८:९-१०; मरकुस १६:९-११)

११पण मरियम रुदन करती हुई कबर
का बायरे उबी री। अने रोती हुई उने
नमिके कबर माय झांक्यो। १२जां ईसु की
लोथ धरी हुई थी वां उने दो सरगदूतहुंण
के उजळा लतरा पेर्‌या होया, एक के
सिरआंणे अने दूसरा के पग आड़ी बेठ्या
देख्या। १३अने उणने उकासे क्यो, "हे
नारी, तू कायसरु रोई री हे?"

उने सरगदूत से क्यो, "इकासरु के वी
म्हारा परभु के उठाड़ी लई ग्या, अने हूं
नी जाणूं के उणने उके कां छिपाड़्यो?"

१४या कई के जदे वा पलटी तो ईसु
के वां उब्यो देख्यो अने नी ओळख्यो
के यो ईसु हे। १५ईसु ने उकासे क्यो,
"हे नारी, तू कायसरु रोई री? तू के के
ढुंडी री?"

उने उके मांळी जाणी के उकासे क्यो,
"परभु, अगर तू उके कंई उठाड़ी लई ग्यो
तो म्हारे बतई दे तने उके कां धर्‌यो हे
अने हूं उके लई जउंवां।"

मरियम ईसु के धोक देवा लागी (JHN २०.१७)

---

[v] **२०.२** म्हारा कने; यूनानी माय, दूसरो चेलो जेकासे ईसु परेम करतो थो।

१६ईसु ने उकासे क्यो "मरियम।"
वा पल्टी अने इबराणी माय बोली
"रब्बूणी।" (रब्बूणी को अरथ हे,
"गरु।")
१७ईसु ने उकासे क्यो, "म्हार से मती
चोंट। क्योंके हूं अबी तक पिता कने अदरे
नी ग्यो। पण म्हारा भई-बेनहुंण कने जा,
अने उणकासे बोल, "हूं अपणा पिता अने
तमारा पिता, अने अपणा परमेसर अने
तमारा परमेसर कने, अदरे जउं।"
१८तो मरियम मगदलीनी जई के हम
चेलाहुंण के बताड़्वा लागी, "म्हने परभु
के देख्यो हे, अने याके उने म्हार से ई
बातहुंण करी थी।"

ईसु चेलाहुंण पे परगट्यो

(मत्ती २८:१६-२०; मरकुस १६:१४-१८;
लूका २४:३६-४९)

१९उणाज दन जो हफ्ता को पेलो
दन थो, सांज का बखत वां का कमांड़
जां हम चेलाहुंण था, यहूदिहुंण का डर
का मारे बन्द थो। तो ईसु अई के ने
हमारा माय उबो हुई ग्यो अने हमार से
क्यो, "तमारे सान्ती मिळे। **२०**जदे उ यो
कई चुक्यो तो उने अपणी हतेळी अने
पांसळी दोई दिखाड़ी। तो हम चेलाहुंण
परभु के देखी के घणा खुस हुई ग्या।
२१ईसु ने पाछो हमार से क्यो, "तमारे
सान्ती मिळे। जसे पिता ने म्हारे
मोकल्यो, असोज हूं बी तमारे मोकलुं।"
२२जदे उ यो कई चुक्यो तो उने हमार
पे फूंक्यो अने हमार से क्यो, "पवित्तर
आतमा लो। **२३**† अगर तम कइंका का

ईसु चेलाहुंण के नगे आयो। (JHN २०.२०)

पाप मांफ करोगा, तो वी उणका सरु
मांफ हुई ग्या। अगर तम कइंका का
पाप राखो तो वी राख्या ग्या।"

ईसु, थोमा के नगे आणो

२४पण हम बारा चेलाहुंण माय से एक
याने थोमा जो जुडमा केवाड़्यो जावे,
जदे ईसु आयो तो उ हमारा गेले नी थो।
२५जदे हम दूसरा चेलाहुंण उकासे केवा
लाग्या, "हमने परभु के देख्यो"
तो उने हमार से क्यो, "जदत्तक हूं
उका हातहुंण माय खीलहुंण की जगा नी
देखी लूं अने हतेळिहुंण का छेद माय
अंगळी नी लाखुं अने उकी पांसळी माय
अपणो हात नी लाखुं तदत्तक हूं बिसास
नी करुंवां।"
२६आठ दन का पाछे हम पाछा एक
घर माय था, अने थोमा हमारा गेले थो।
जदे कमांड़ बन्द था, तो ईसु आयो अने
हमारा अदाड़ माय उबो हुई के क्यो,

---

† **२०.२३:** मत्ती १६.१९, १८.१८

"तमारे सान्ती मिळे।" २७तो उने थोमा
से क्यो, "अपणी अंगळी यां ला, अने
म्हारा हातहुंण के देखी ले। अने अपणो
हात बड़ई के म्हारी पांसळी माय लाख।
अने बे-बिसासी नी पण बिसासी हुई जा।"
२८थोमा ने जुवाब देता होया उकासे
क्यो, "हे म्हारा परभु, हे म्हारा परमेसर!"
२९ईसु ने उकासे क्यो, "तने म्हारे देखी
ल्यो कंई इकासरु बिसास कर्‌यो? धन्य
हे वी जिणने म्हारे नी देख्यो फेर बी
बिसास कर्‌यो।"

योहन ने यो कायसरु लिख्यो

३०ईसु ने हजु नरा चमत्कार हम
चेलाहुंण का सामे दिखाड़्या जो इनी
पोथी माय नी लिख्या हे, ३१पण जो
लिख्या हे, इकासरु लिख्या के तम
बिसास करो[w] के ईसुज परमेसर को बेटो
मसीह हे, अने बिसास करिके उका नाम
से जीवन पाव।

ईसु म्हारे अने सात चेलाहुंण के नगे आयो

२१ इनी बातहुंण का बाद ईसु गलील[x]
का सरवर कराड़े हम चेलाहुंण पे
असो पाछो परगट होयो। २सिमोन पतरस
अने थोमा, जो जुड़मा केवाड़्यो जावे, अने
गलील का काना को नतनएल, अने जब्दी
को बेटो अने ईसु का चेलाहुंण माय से
दूसरा दो हजु वां था। ३[†] सिमोन पतरस
ने उणकासे क्यो, "हूं मच्छी पकड़वा जई
र्‌यो।"
उणने उकासे क्यो, "हम बी थारा
गेले चलांगां।" हम जई के नाव पे चड़ी
ग्या, पण उनी राते हमने कइंज नी
पकड़्यो। ४जदे दन उगवा लाग्यो तो
ईसु कराड़ा पे अई के ने उबो हुई ग्यो,
पण हम चेलाहुंण ने उके नी ओळख्यो
के उ ईसु हे। ५इका पे ईसु ने हमार
से क्यो, "बाळकहुंण, तमारे कने कंई
मच्छी हे?"
हमने जुवाब द्‌यो "नी।"

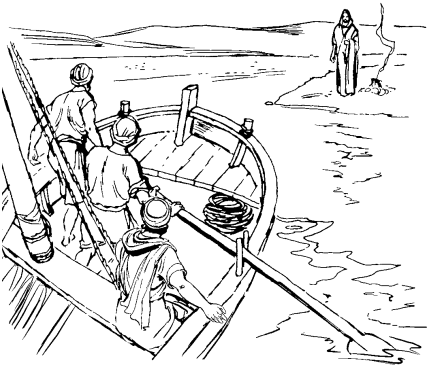

ईसु सरवर कराड़ा पे (JHN २१.५)

६[†] अने उने हमार से क्यो, "नाव के
डाबा हाताड़ी लई के जाळ लाखो तो
पावगा।" तो हमने जाळ लाख्यो तो
मच्छी नरी होवा से हम जाळ खेंची नी
सक्या।
७हूं, जेकासे ईसु परेम राखतो थो,
पतरस से बोल्यो, "अरे! यो तो परभु
हे!" अने जदे सिमोन पतरस ने सुण्यो

---

[w] **२०.३१** बिसास ; थोड़ाक हात का लिख्या होया लेख माय असो हे लगातार बिसास करता रो ।
[x] **२१.१** गलील ; यूनानी माय, तिबिरियास, जो गलील का सरवर को दूसरो नाम हे ।
[†] **२१.३:** लूका ५.५ [†] **२१.६:** लूका ५.६

के यो परभु हे तो उने अपणो अंगरखो
पेरिल्यो, क्योंके काम की वजासे कइंबी
नी पेर्‌यो थो, अने उ सरवर माय कुदी
पड़्यो। ८क्योंके हम चेलाहुंण नानी
नाव पे मच्छीहुंण से भर्‌यो होयो
जाळ खेंचता होया आया। क्योंके हम
कराड़ा से नरा दूर नी पण करीब दो
सो हात[y] की दूरी पे था। ९तो जदे हम
कराड़ा पे उतर्‌या तो हमने कोयला का
अंगाराहुंण पे पेलां से मच्छी धरी हुई
अने रोटा देख्या। १०ईसु ने हमार से
क्यो, "जो मच्छीहुंण तमने अबी पकड़ी
उका माय से थोड़िक यां ल्याव।"

११सिमोन पतरस ग्यो अने एक सो
तिरपन बड़ी मच्छीहुंण से भर्‌या होया
जाळ के कराड़ा पे खेंची ल्यायो। हलाके
मच्छीहुंण इतरी जादा थी फेर बी जाळ
नी फाट्‌यो। १२ईसु ने उणकासे क्यो,
"अई जावो सिरावणी करी लो।" हम
चेलाहुंण माय से कइंका के या पुछवा
की हिम्मत नी हुई के, "तू कुंण हे?"
क्योंके हम जाणता था के यो परभुज
हे। १३ईसु ने अई के रोटा ल्या अने
उणके द्‌या। असीज उने मच्छी के
बी दई।

१४यो तीसरी बखत हे जदे ईसु मर्‌या
माय से जीवता होवा का बाद चेलाहुंण
पे परगट्‌यो।

पतरस से आखरी बात-चित

१५जदे वी सिरावणी करी चुक्या,
तो ईसु सिमोन पतरस से बोल्यो, "हे
सिमोन, योहन का बेटा, कंई तू इणका
परेम से बत्ती म्हार से परेम राखे हे?"

तो उने उकासे क्यो, "हां परभु, तू तो
जाणे हे के हूं थार से परेम राखुं।"

ईसु ने उकासे क्यो, "म्हारा मेमणाहुंण
के चरा।"[z] १६ईसु ने पाछो दूसरी कावा
क्यो, "सिमोन, योहन का बेटा, कंई तू
म्हार से परेम राखे हे?"

उने उकासे क्यो, "हां परभु तू जाणे हे
के हूं थार से परेम करूं हूं।"

उने उकासे क्यो, "म्हारी गाडरहुंण की
नेपादारी कर।" १७उने उकासे तीसरी
कावा क्यो, "सिमोन, योहन का बेटा,
कंई तू म्हार से परेम राखे हे?"

जदे पतरस का मुन्डो लटकी ग्यो,
क्योंके ईसु ने उकासे तीसरी कावा असो
क्यो, "कंई तू म्हार से परेम राखे?" अने
उने ईसु से क्यो, "हे परभु, तू तो सगळो
कइंज जाणे। तू यो बी जाणे हे के हूं थार
से परम राखुं।"

ईसु ने उकासे क्यो, "तू म्हारी
गाडरहुंण के चरा। १८हूं थार से सांची-
सांची कूं, जदे तू जुवान थो तो अपणी
कमर कसी के जां चातो थो वा चल्यो-
फरतो थो। पण जदे तू डोकरो हुई
जायगा तो तू अपणो हात फेलायगा,
अने कईं को दूसरो थारी कमर बान्दी
के अने जां तू नी चावे वां थारे लई
जायगा।" १९उने असो कई के बतई
द्‌यो पतरस कसतरा अपणी मोत से
परमेसर की म्हेमा करेगा। तो ईसु ने
उकासे क्यो, "म्हारा पाछे चल्यो-चल।"

---

[y] **२१.८** दो सो हात ; या १०० गज । [z] **२१.१५** म्हारा मेमणाहुंण के चरा ; म्हार पे नवा-नवा बिसास करवा वाळाहुंण के म्हारा बचन सीखाड़ ।

ईसु अने योहन

२०[†] पतरस ने पाछे पलटी के म्हारे[a]
पछड़े आतो देख्यो, **२१**अने पतरस ने ईसु
से क्यो, "हे परभु, इना मनख को कंई
होयगा?"
२२ईसु ने उकासे क्यो, "अगर हूं चउं
के उ म्हारा आणे तक रुक्यो रे, तो
थारे इका से कंई? तू तो म्हारा पाछे
हुई जा।"
२३इकासरु भई-बेनहुंण माय या बात
फेली गी के हूं नी मरुंवां। पण ईसु ने यो
क्यो हयनी के हूं नी मरुंवां, पण सिरप
योज क्यो, "अगर हूं चउं के म्हारा आवा
तक रुक्यो रे, तो थारे इका से कंई?"
२४हूं[b] उज चेलो, जो इनी बातहुंण की
गवई दउं हे अने जेने इनी बातहुंण के
लिखी हे। अने हूं[c] जाणूं के म्हारी गवई
सांची हे।

निचोड़

२५नरा दूसरा काम बी ईसु ने कर्‌या।
अगर उणके एक-एक करी ने लिख्या
जाता, तो म्हारो यो सोंचणो हे के जो
पोथीहुंण लिखी जाती वी जग मेंज नी
समाती।

---

[a] **२१.२०** म्हारे ; यूनानी माय, उना चेला के जेकासे ईसु परेम राखतो थो । [b] **२१.२३** हूं ; यूनानी माय यो । [c] **२१.२३** हूं ; यूनानी माय हम ।

[†] **२१.२०:** योहन १३.२५

परेरितहुंण
को काम

लिखवा वाळो: लूका

लिखवा की वजा: सुरु की मण्डळी को इतयास

लिखवा को बखत: करीब ६२ ईस्वी सन्

मसीही इतयास का बारामें लेखक लूका ने या दूसरी पोथी लिखी। पेली पोथी "लूका लिख्यो सुब-समिचार" थो। अगर या पोथी नी लिखी जाती तो मसीही जुग का सुरु का बारामें नी जाणी सकता था। इनी पोथी माय लूका की चार बातहुंण हे।

(क) इतयास का बारामें: उ चातो थो के अपणा इतयास का बारामें ठीक तरीका से लिखी ले (लूका १.१-४; परेरितहुंण १.१-५) "लूका लिख्यो सुब-समिचार" माय लूका ने उनी सगळी बातहुंण के लिखी थी जिणके ईसु ने सुरु से करी अने सीखाड़ी थी (परेरितहुंण १.१)। अने ईसु ने अपणा छांट्या होया परेरितहुंण के, (परेरितहुंण १.२) के वी इनी सेवा का काम के लगातार कसे करता रे, इनी बातहुंण का बारामें परेरितहुंण को काम लूका ने लिख्यो हे।

(ख) धरम का सिद्दांत का बारामें: इनी पोथी माय लूका ने नरी बखत पवित्तर आतमा के होवा को अने उका काम पे जोर द्यो हे।

(ग) यहूदिहुंण का बारामें: उने इनी पोथी माय या बताड्वा की कोसिस करी के सुरु की मण्डळी के यहूदिहुंण नेज जादा सताड़ी थी रोमी सासन ने नी सताड़ी थी।

(घ) चेलाहुंण का जीवन का बारामें लिख्यो हे: के वी ऐरे-मेरे का नरा देसहुंण माय फेली ग्या अने उणने परभु ईसु को परचार कसे कर्‌यो इना काम का बारामें इनी पोथी माय लिख्यो हे। पेलो हे पतरस (अध्याय १-१२), दूसरो पोलुस (अध्याय १३-२८), स्तिफनुस, फिलिप्पुस बरनाबास अने नरा मान्या होया मनखहुंण का नाम बी इका माय मिळी जायगा हे।

रुप-रेखा:-

१. परेरितहुंण के जुम्मेदारी देणो *१:१-११*

२. यरुसलेम माय सुब-समिचार की सुरुआत *१:१२-८:३*

३. सामरिया अने यहूदिया इलाका माय बी *८:४-११:१८*

(क) फिलिप्पुस की सेवा ८:४-४०
(ख) पोलुस की सेवा की सुरुआत ९:१-३१
(ग) पतरस की सेवा को अंत ९:३२-११:१८
४. दूर-दूर का इलाका माय परचार ११:१९-२१:१४
(क) बरनाबास की सेवा ११:१९-१२:२५
(ख) पोलुस परेरित की सेवा १३:१-२१:१४
५. केसरिया अने रोम माय परचार; जेळखानो २१:१५-२८:२९
६. परेरितहुंण को काम पूरण होणो २८:३०,३१

---

† हे आदरणी थियुफिलुस,
१ म्हने पेली पोथी माय उनी सगळी
बातहुंण के लिखी जिणके ईसु ने सुरु
से उना दन तक करी अने सीखाड़ी
२जदत्तक के पवित्तर आतमा से अपणा
छांट्या होया परेरितहुंण[a] के हुकम देवा
का बाद परमेसर ने ईसु के सरग माय
नी उठई ल्यो। ३अपणा दुःख उठावा
का बाद उने नरा पक्का सबूतहुंण
से उणका पे अपणे खुद के जिन्दो
परगट्यो, अने चाळीस दन तक नगे
आतो र्‌यो, अने परमेसर का राज[b] का
बारामें उणका से बातहुंण करतो र्‌यो।
४† उने उणके भेळा करिके यो हुकम
द्‌यो, "यरुसलेम के मती छोड़जो, पण
पिता का उना करार के पूरण होवा
की बाट देखजो, जेके तमने म्हार से
सुण्यो हे। ५† क्योंके योहन ने तो
तमारे पाणी से बपतिसमो द्‌यो, पण
अबे थोड़ा दनहुंण बाद तम पवित्तर
आतमा से बपतिसमो पावगा।"[c]

ईसु के सरग पे उठाड़्यो जाणो

(मत्ती १६.१९-२०; लूका २४.५०-५३)

६तो जदे वी भेळा होया, तो उकासे
पुछवा लाग्या, "परभु, कंई तू इनी घड़ी
इसराइल के राज पाछो फेरी देगा?"
७उने उणकासे क्यो, "उनी घड़िहुंण
अने कालहुंण के जाणणो जिणके
पिता परमेसर ने अपणा हक माय

---

[a] **१.२** परेरितहुंण ; खास काम सरु मोकल्यो जाणो; ईसु की सीख सरु मोकल्यो जाणो; ईसु की सीख को परचार करवा वाळा अने ईसु का हक से बायरबादा हेड़वा वाळा (मरकुस ३.१४-१५)।

[b] **१.३** परमेसर का राज ; ईसु की सीख की खास बात या थी के परमेसर एक राजा को जसो आखा जगत पे राज करे हे । जो उका नेम-बिधान के माने वी आसीस पाय । ईसु ने खुद अपणा जीवन से एक अच्छी मिसाल दई परमेसर का राज का नेम-बिधान को हुकम मानी के, जेने परमेसर से म्हेमा बी पई ।

[c] **१.५** पवित्तर आतमा से बपतिसमो पावगा ; योहन ने पाणी के लोगहुंण सरु बपतिसमा को कारण बणायो तो परमेसर ने चेलाहुंण के पवित्तर आतमा सरु कारण बणायो । लोगहुंण जदे पाणी से बपतिसमो लेता था तो वी पाप से पसतावो करिके नवो जीवन परमेसर सरु जीता था; पण पवित्तर आतमा से बपतिसमो परमेसर की ताकत की एक नवी माईथी थी जेका माय चेलाहुंण ने नरी भासाहुंण माय परमेसर को बचन सुणायो थो (परेरितहुंण २.१-४)।

† **१.१:** लूका १.१–४ † **१.४:** लूका २४.४९

† **१.५:** मत्ती ३.११; मरकुस १.८; लूका ३.१६; योहन १.३३

परबत पे ईसु ग्यारा चेलाहुंण का गेले (ACT १.८)

राख्यो हे, तमारो काम हयनी। ८† पण जदे पवित्तर आतमा तमार पे आयगा जदे तम सामरत पावगा, अने यरुसलेम नगर, आखा यहूदिया अने सामरिया इलाका माय, यां तक के धरती का छोर तक तम म्हारा बारामें बताड़ोगा।" ९† इतरा केवा का बाद उके उणका देखता-देखता सरग माय अदरे उठई ल्यो, अने बादळा ने उके उणकी आंखहुंण का सामे से लोप करी लाख्यो।

१०जदके उ जई र्‌यो थो तो वी उके असमान आड़ी एकटक देखी र्‌या था, अने देखो, दो मनख धोळा लतरा पेर्‌या होया उणका कने अई उब्या, ११अने केवा लाग्या, "गलीली मनखहुंण, तम उबा-उबा असमान आड़ी कायसरु देखी र्‌या हो? योज ईसु जो तमारा कने से सरग पे उठाड़ी ल्यो हे, वसोज पाछो आयगा जसो तमने उके सरग माय जाता देख्यो हे।"

ईसु चेलाहुंण के देखता-देखता असमान पे चड़िग्यो (ACT १.१०)

चेलाहुंण ने यहूदा की जगा पे मत्तियाह को चुनाव कर्‌यो

(मत्ती २७.३-१०)

१२तो वी जेतून नामका परबत से, जो यरुसलेम का कने, एक सबद् का दन की दूरी[d] पे हे, यरुसलेम आया। १३† वां पोंची के वी उना अदरे उफरी कोठड़ी माय ग्या, जां वी सगळा चेलाहुंण रुक्या होया था। याने पतरस, योहन, याकूब, अन्द्रियास, फिलिप्पुस, थोमा, बरतुलमे, मत्ती, हलफई को बेटो याकूब, जेलोतेस दळ को सिमोन

---

[d] **१.१२** एक सबद् का दन की दूरी याने; एक किलोमीटर।

† **१.८:** मत्ती २८.१९; मरकुस १६.१५; लूका २४.४७–४८ † **१.९:** मरकुस १६.१९; लूका २४.५०–५१

† **१.१३:** मत्ती १०.२–४; मरकुस ३.१६–१९; लूका ६.१४–१६

अने याकूब को बेटो यहूदा। [१४]ई सगळा
भेळा हुई के थोड़िक बइराहुंण[e] अने ईसु
की मेतारी मरियम अने ईसु का भई-
बेनहुंण समेत लागाबन्दी से पराथना
माय लाग्या होया था।

१५उनाज दनहुंण माय पतरस ने
करीब एक सो बीस भई-बेनहुंण का
अदाड़ माय, उबो हुई ने क्यो, [१६]"हे भई-
बेनहुंण, पवित्तर सासत्तर को लिख्यो पूरण
होणो जरुरी थो जेके दाऊद का मुन्डा से
पवित्तर आतमा ने यहूदा का बारामें पेलां
से क्यो थो, जो ईसु के पकड़वाणे वाळा
को अगवो बण्यो। [१७]क्योंके हमारा गेले
उ गिण्यो ग्यो अने उ इनी सेवा माय बी
भेळो होयो।"

१८[†] (इना मनख ने अधरम की कमई
से एक खेत मोल ल्यो, अने माथा का
बळ पड़्यो अने उको पेट फाटी ग्यो अने
उकी सगळी आंतड़ीहुंण बायरे हिटी पड़ी।
[१९]अने यरुसलेम माय रेवा वाळा सगळा
इनी बात के जाणी ग्या। इनी वजासे
उणकी अपणी भासा माय उना खेत
को नाम 'हकलदमा' याने लोई को खेत
केवायो।)

२०तो पतरस पाछो यहूदा का बारामें
बोल्यो, "क्योंके भजन संहिता माय यो
लिख्यो हे:

'उको घर उजाड़ हुई जाय,
उका माय कईं को मनख नी बसे,'[†]
यो बी लिख्यो हे:
अने 'उको पद कईं को दूसरो लई
ले।'[†]

२१-२२[†] इकासरु यो जरुरी हे के परभु
ईसु के हमारा माय आवा-जावा का
दनहुंण माय - याने, योहन से उका
बपतिसमा से लई के अदरे उठई ल्या
जावा तक - जो लोग हमेस्या हमारा गेले
र्‌या, उणका माय से कईं को एक हमारा
गेले ईसु का जी उठवा को गवा बणे।
[२३]तो उणने दो जणा के उबा कर्‌या, एक
यूसफ के जो बरसब्बा याने यूसतुस बी
केवातो थो, दूसरो मत्तियाह के। [२४]तो
उणने या पराथना करी, "हे परभु, तू जो
सगळा मनखहुंण का हिरदा के जाणे हे,
यो परगट कर के तने इना दोई माय
से किके छांट्‌यो हे, [२५]के उ इनी सेवा
अने परेरितई को पद लई ले, जेके यहूदा
छोड़ी के अपणी जगा चल्यो ग्यो जां उके
जाणो थो।" [२६]तो उणने उणका नाम पे
परचीहुंण लाखी। परची मत्तियाह का नाम
से हिटी अने उ ग्यारा परेरितहुंण का गेले
गिण्यो ग्यो।

बिसासिहुंण पे पवित्तर आतमा को आणो

२ जदे पिन्तेकोस्त को दन[f] आयो, तो
वी सगळा एक जगा पे भेळा था।

---

[e] **१.१४** थोड़िक बइराहुंण; यो बइराहुंण को असो झुंड थो जो परभु ईसु अने उका चेलाहुंण, जदे वी परचार करता था, यो उकी सेवा करती थी (लूका ८.१-३)। [f] **२.१** पिन्तेकोस्त को दन; फसल पाकवा को तेवार हे, इको अरथ उणपचास, पचासवां दन फसह को तेवार मनाय हे। दसवां दन ईसु सरग पे ग्यो अने उने पवित्तर आतमा के मोकल्यो। नरा यहूदिहुंण इना दन यरुसलेम माय तेवार मनाड़्वा आता था।

[†] **१.१८–१९:** मत्ती २७.३–८ [†] **१.२०:** भजन संहिता ६९.२५ [†] **:** भजन संहिता १०९.८

[†] **१.२२:** मत्ती ३.१६; मरकुस १.९, १६.१९; लूका ३.२१, २४.५१

२एक दम असमान से घणो तेज अन्दी-
दंदवाळ सरीको सनसनाट को सबद् होयो,
अने उकासे आखो घर जां वी बेठ्या
होया था गुंजी ग्यो। ३अने उणके लाय
का सरीकी जीबहुंण फाटती हुई नगे अई,
अने उणका माय हरेक पे अई रुकी। ४वी
सगळा पवित्तर आतमा का बस माय हुई
ग्या, अने जसा आतमा ने उणके बोलवा
की सामरत दई वी तरा-तरा की भासाहुंण
बोलवा लाग्या।

पवित्तर आतमा लाय की जीब
का रुप माय (ACT २.४)

५यरुसलेम माय यहूदी र्या करता
था, याने वी भगत जो असमान का
तळे बण्या हर देस से आया था। ६जदे
यो सबद् होयो तो भीड़ लागी गी अने
लोग चोंकी ग्या, क्योंके हरेक ने उणके
अपणीज भासा माय बोलता सुण्या। ७वी
अचरज अने दंग हुई के केवा लाग्या,
"ई सगळा जो बोली र्या हे कंई गलील
इलाका का हयनी? ८तो या कसी बात
के हमारा माय से हरेक अपणीज भासा
माय उणके बोलता सुणा हे? ९हम नरा
देसहुंण से आया हां याने पारथी, मेदी,
एलामी, अने मेसोपोटामिया, यहूदिया,
अने कप्पदूकिया अने पुन्तुस अने
एसिया, १०फ्रूगिया, पंफूलिया, मिसर अने
लिबिया को परदेस जो कुरेने का ऐरे-मेरे
हे। अने रोमी परवासी याने यहूदी अने
यहूदी धरम माय आवा वाळा, ११अने
किरेते अने अरब का रेवा वाळाहुंण।
हम तो अपणी-अपणी भासा माय इणका
परमेसर की सामरत का कामहुंण की
चरचा सुणी र्या हे। १२वी चकित होता
र्या अने घबरई के एक दूसरा से पुछवा
लाग्या, "यो कंई हुई र्यो हे?"
१३पण थोड़ाक लोग ठट्टो करता होया
केवा लाग्या, "वी तो नवी दारु का नसा
माय चूर हे।"

पतरस को परबचन

१४पण पतरस उना ग्यारा परेरितहुंण
का गेले उबो होयो अने उंची अवाज
से परबचन देवा लाग्यो: "हे यहूदिहुंण,
अने यरुसलेम का सगळा रेवा वाळाहुंण,
तम यो जाणी लो अने म्हारी बातहुंण
के ध्यान धरिने सुणी लो। १५जसाके
तम समजी र्या हो, ई लोग नसा माय
हयनी, क्योंके अबी तो सिरप दन का
नोज बज्या हे। १६पण या वा बात
हे, जो योएल नबी ने सासत्तर माय
लिखी थी:

१७ † 'परमेसर के हे, अंत का दनहुंण
माय असो होयगा के,

† **२.१७–२१:** योएल २.२८–३२

हूं अपणा आतमा से सगळा
मनखहुंण के भरुंवां।
अने तमारा बेटा अने तमारी
बेटिहुंण भविसबाणी करेगा।
अने तमारा जुवानहुंण दरसन
देखेगा
अने तमारा बुड़ा-हाड़ाहुंण सपनो
देखेगा।
१८ हूं अपणा दास-दासिहुंण के बी
उना दनहुंण माय अपणा आतमा
से भरी दूंवां
अने वी बी भविसबाणी करेगा।
१९ हूं अदरे असमान माय अचरज का
काम
अने निच्चे धरती पे सेलाणी,
याने लोई अने लाय अने धुंवांड़ा का
बादळा दिखाडुंवां।
२० परभु का म्हान अने म्हेमावान
दन[g] का आवा से पेलां
सूरज इन्दारा माय
अने चन्दरमा लोई माय बदळी
जायगा।
२१ अने असो होयगा के जो कई को
परभु को नाम लेगा उज मुक्ती
पायगा।'

२२ "हे इसराइलहुंण, इनी बातहुंण के सुणो: ईसु नासरी एक असो मनख थो, जेके परमेसर ने सामरत का काम, अचरज का काम अने सेलाणिहुंण से, जो उने उकासे तमारा सामे कराया हे। तमार पे परगट्या, जसाके तम खुद जाणो हो। २३ [†] इना मनख ईसु के, जो परमेसर की पेलां की सिद्द योजणा अने पेलां का ज्ञान का मुजब पकड़ायो थो, तो तमने गेर यहूदी अधरमिहुंण का हाते कुरुस पे खीलहुंण ठोकई के मारी लाख्यो। २४ [†]पण परमेसर ने मोत का दरद के मिटाड़ी के उके पाछो जिन्दो करी लाख्यो, क्योंके मोत का बस माय रेणो उका सरु अबगो थो। २५ क्योंके दाऊद ईसु मसीह का बारामें के हे:[†]

'हूं हमेस्या परभु परमेसर आड़ी
देखतो र्‌यो,
क्योंके उ म्हारा सुदा हाताड़ी हे
जेकासे के हूं डोली नी जउं।
२६ इकासरु म्हारो हिरदो खुस होयो
अने म्हारी जीब हरसित हुई;
अने म्हारी काया बी
आसा माय बणी रेगा;
२७ क्योंके तू म्हारा पराण के अधोलोक
माय नी रेवा देगा,
अने म्हारे, जो पवित्तर हूं के
सड़वा नी देगा।
२८ तने म्हारे मर्‌या का बाद जीवन को
मारग बताड़्यो हे;
तू अपणा दरसन से म्हारे खुसी
से भरी लाखेगा।'

२९ "हे म्हारा भई-बेनहुंण, हूं तमार से कुळपति दाऊद का बारामें बिसास से कई सकतो हूं के उ मरी ग्यो अने गाड़्यो ग्यो, अने आज दन तक उकी कबर हमारा यां हे। इकासरु या बात अपणा

---

[g] **२.२०** परभु का म्हान अने म्हेमावान दन; धरती को आखरी दन, जदे परभु आयगा अने लोगहुंण को न्याव करेगा।

[†] **२.२३:** मत्ती २७.३५; मरकुस १५.२४; लूका २३.३३; योहन १९.१८

[†] **२.२४:** मत्ती २८.५–६; मरकुस १६.६; लूका २४.५ [†] **२.२५-२८:** भजन संहिता १६.८-११

बारामें दाऊद नी कई र्‌यो पण ईसु
मसीह का बारामें कई र्‌यो हे। ३०क्योंके
दाऊद एक नबी थो जो जाणतो थो के
परमेसर ने उकासे सोगन खई थी के
उ उका बंस माय से कइंका एक मनख
के उका सिंगासण पे बेठाड़ेगा। ३१इकासरु
उने होवा वाळी बातहुंण पेलां से देखी के
मसीह का जी उठवा का बारामें क्यो,

उ नी तो अधोलोक माय छोड़्यो
अने नीज उकी काया सड़ी।

३२"इना ईसु के परमेसर ने जिन्दो कर्‌यो
जेका हम सगळा गवा हे। ३३इकासरु ईसु
परमेसर का सुदा हाताड़ी सगळा से उंचो
पद पई के, अने परमेसर पिता से पवित्तर
आतमा की परतिज्ञा पई के उने पवित्तर
आतमा के कुड़ी द्‌यो जेके तम देखो अने
सुणो बी हो। ३४[†]क्योंके दाऊद तो खुद
सरग पे नी चड़्यो, पण उ खुदज के हे:

'परभु परमेसर ने म्हारा परभु
मसीह से क्यो,
"म्हारा सुदा हाताड़ी बेठ,
३५जदत्तक के हूं थारा बेरिहुंण के थारा
पगहुंण की चोकी नी बणई दूं
"।'

३६"इकासरु इसराइल को आखो घराणो
पक्को जाणी ले के परमेसर ने इना ईसु
के परभु अने 'मसीह' दोइज ठेराड़्यो -
जेके तमने कुरुस पे चड़ायो।"

३७उणने जदे यो सुण्यो तो उणका
हिरदा माय घणी पीड़ा उठी अने वी
पतरस अने दूसरा परेरितहुंण से केवा
लाग्या, "अबे भईहुंण, हम कंई करां?"

३८पतरस ने उणकासे क्यो, "मन
बदळो अने ईसु मसीह का चेला हुई के
तमारा माय से हरेक बपतिसमो लई ले
के तमारा पापहुंण की मांफी होय, अने
तम पवित्तर आतमा को बरदान पावगा।
३९क्योंके वा परतिज्ञा तमारा अने तमारी
सन्तान सरु अने उना सगळा सरु जो
दूरा हे, याने वी सगळा जिणके परभु
हमारा परमेसर अपणा कने बुलाड़ेगा।"

४०अने नरी दूसरी बातहुंण से गवई
दइ-दई के उ उणकासे बिणती करतो
र्‌यो के जिणके अदरे सजा आवा वाळी
हे असा इना बुरा लोगहुंण से बच्या
रो। ४१तो जेना लोगहुंण ने उको बचन
मान्यो उणने बपतिसमो ल्यो; अने उना
दन बिसासिहुंण का माय करीब तीन
हज्जार जणा सामिल हुई ग्या। ४२अने
वी परेरितहुंण से लागाबन्दी से सीख
पावा, सत-संग करवा, रोटा तोड़वा[h], अने
पराथना करवा माय लीन र्‌या।

बिसासिहुंण को सत-संग

४३हरेक जणा पे डर छायो र्‌यो,
क्योंके नरा अचरज का काम अने
सेलाणी परेरितहुंण से परगट हुइरी थी।
४४[†]सगळा बिसासी मिळी-जुळी के रेता
था अने उणकी सगळी चीजहुंण भेळा
की थी। ४५वी अपणी धन-सम्पत्ती अने
समान बेची के जसी जेके जरुवत होती
थी सगळा के बांटी लाख्या करता था।
४६वी एक मन हुई के हरदन मन्दर माय
जाता अने घरे-घर जई के रोटा तोड़ता

---

[h] **२.४२:** रोटा तोड़वा; बिसासिहुंण के बेठिके जिमणो अने जेका बाद परभु-भोज की रसम करता था।
[†] **२.३४–३५:** भजन संहिता ११०.१ [†] **२.४४:** परेरितहुंण ४.३२–३५

पांगळो परमेसर की बड़ई करवा लाग्यो (ACT ३.१०)

होया आनन्द अने मन का सुदापण से एक गेले जिमता था। ४७वी परमेसर की इसतुती कर्‌या करता था। सगळा लोग उणकासे खुस था अने जो उध्दार पाता था, उणके परभु हरदन उणका माय मिळई द्‌या करतो थो।

पतरस अने योहन ने पांगळा के नज कर्‌यो

३ दफोर्‌या का तीन बजे पराथना का बखत पतरस अने योहन मन्दर माय जई र्‌या था। २अने लोग एक मनख के जो जनम से पांगळो थो लई र्‌या था, जेके वी हरदन मन्दर का उना फाटक पे जो 'सुन्दर' केवाय, बेठाड़ी द्‌या करता था के मन्दर माय जावा वाळाहुंण से भीक मांगे। ३जदे उने देख्यो के पतरस अने योहन मन्दर माय जई र्‌या हे तो उ उणका से भीक मांगवा लाग्यो। ४तो पतरस अने योहन ने गेले-गेल उके टकटकी लगाड़ी के देख्यो अने पतरस ने क्यो, "हमारा आड़ी देख!" ५उ कंई पावा की आस से उणका आड़ी ध्यान दई देखवा लाग्यो। ६तो पतरस ने क्यो, "म्हारा कने चांदी अने सुन्नो तो हे हयनी, पण जो म्हारा कने हे उ थारे दूं - ईसु मसीह नासरी का नाम से चल्यो-फर!" ७फेर उने उको जीवणो हात पकड़ी के उके उठाड़्यो, अने झट उका पगहुंण अने गोड़ाहुंण माय जोर अई ग्यो। ८उ उछळी के उबो हुई ग्यो अने चलवा-फरवा लाग्यो। अने उ चलतो-उछळतो अने परमेसर की इसतुती करतो होयो उणका गेले मन्दर माय ग्यो। ९जदे सगळा लोगहुंण ने उके चलतो-फरतो अने परमेसर की इसतुती करता होया देखी के, १०उके पेचाणी ल्यो के यो उज हे जो मन्दर का सुन्दर फाटक पे बेठिके भीक मांग्या करतो थो। अने जो कंई उका गेले होयो उके देखी के वी चकित अने दंग रई ग्या।

भीड़ माय पतरस को परबचन

११जदे उना मनख ने पतरस अने योहन को हात पकड़्यो होयो थो तो सगळा लोग घणा चकित हुई के उना ओसारा माय जो सुलेमान को केवातो थो उणका कने दोड़्या आया। १२पण जदे पतरस ने यो देख्यो तो उने लोगहुंण से क्यो, "हे इसराइलहुंण, तम इना मनख पे कायसरु अचरज करी र्‌या हो? अने

हमारा आड़ी कायसरु असा देखी र्‌या
हो मानो हमने अपणीज सामरत अने
भगती से इना मनख के चलवा लायक
करी लाख्यो? १३† पण इबराइम, इसाक
अने याकूब को परमेसर, हमारा पूरखाहुंण
को परमेसर ने अपणा सेवक ईसु के
म्हेमावान कर्‌यो। ईसु के तमने पकड़वई
लाख्यो, अने जदे पिलातुस ने उके छोड़ी
देवा को मनसुबो कर्‌यो तो तमने उका
सामे उके नी मान्यो। १४† तमने उना
पवित्तर अने धरमी के नी मान्यो, अने
उना बरअब्बा हत्यारा सरु बिणती करी
के उ तमारा सरु छोड़ी लाख्यो जाय।
१५पण तमने जीवन का हाकिम के मारी
लाख्यो, जेके परमेसर ने मर्‌या माय से
जिवाड़्यो, जेका हम गवा हे। १६उकाज
नाम माय - याने उना बिसास से जो
ईसु मसीह का नाम पे हे - इना मनख
के जेके तम जाणता अने देखता बी हो,
बळ मिळ्यो हे। उना बिसास ने जो ईसु
पे हे, इके तमारा सगळा का सामे पूरण
नज कर्‌यो हे।

१७अबे हे भई-बेनहुंण, हूं जाणूं के
तमने यो काम नासमजी माय कर्‌यो
अने वसोज तमारा हाकिमहुंण ने बी ईसु
का गेले कर्‌यो। १८पण जेनी बातहुंण के
परमेसर ने सगळा नबिहुंण का मुन्डा
से पेलांज बताड़ी लाखी थी, के उको
मसीह दुःख उठाड़ेगा, उने इनी रीति से
पूरण कर्‌यो। १९इकासरु अपणा पापहुंण
से पसतावो करो अने परमेसर आड़ी
पलटी आव, के तमारा पाप मिटाड़्या
जाय, जेकासे के परभु की हाजरी से
सुख-चेन का दन आय, २०अने उ ईसु
के मोकले जो तमारा सरु पेलां सेज
मसीह ठेराड़्यो हे। २१अने ईसु के सरग
माय उना बखत तक रेणो हे जदत्तक
के सगळी चीजहुंण पेलां जसी नी हुई
जाय। जिणकी चरचा जूना काल से
परमेसर ने अपणा पवित्तर नबिहुंण का
मुन्डा से करी थी। २२† मूसा ने क्यो,
'परभु परमेसर तमारा भई-बेनहुंण माय
से तमारा सरु म्हारा सरीको एक नबी
उठायगा, जो कंई उ तमार से के उका
पे ध्यान धरजो। २३† अने असो होयगा
के हरेक मनख जो उना नबी की बातहुंण
पे ध्यान नी धरेगा, परमेसर का लोगहुंण
माय से पूरण रुप से नास करी लाख्यो
जायगा।' २४अने असेज सेमुएल नबी अने
उका बाद आवा वाळा जितरा नबिहुंण ने
भविसबाणी करी, उना सगळा ने इना
दनहुंण की घोसणा करी। २५† तमीज
तो नबिहुंण की सन्तान अने उना करार
का बांटेदार[i] हो जेके परमेसर ने तमारा
पूरखाहुंण से बान्द्‌यो थो। परमेसर ने
इबराइम से यो केता होया के, 'थाराज
बंस से जगत का आखा कुळ आसीस
पायगा।' २६परमेसर ने तमारा सरु अपणा
छांट्‌या होया सेवक के जीवाड़ी के उके
पेलां तम यहूदिहुंण कने मोकल्यो के

---

[i] **३.२५** करार का बांटेदार; तम उना करार की देण हो जो परमेसर ने नबिहुंण से करी थी, जिणका से तम आसीस बी पाव हो।

† **३.१३:** निरगमन ३.१५

† **३.१४:** मत्ती २७.१५–२३; मरकुस १५.६–१४; लूका २३.१३–२३; योहन १९.१२–१५

† **३.२२:** नेम-बिधान १८.१५, १८ † **३.२३:** नेम-बिधान १८.१९ † **३.२५:** उत्पत्ती २२.१८

तमारा माय से हरेक के बुरइहुंण से
फेरी के आसीस दे।"

पतरस अने योहन की गिरपतारी

४ जदे पतरस अने योहन लोगहुंण से
बात करी र्‌या था तो पुरोहितहुंण,[j]
मन्दर का सिपईहुंण को कपतान अने
सदुकिहुंण[k] उणका कने आया, २अने इनी
बात से घणा गुस्सा था के वी लोगहुंण
के परबचन दई र्‌या हे अने ईसु की
मिसाल दई के मर्‌याहुंण का पाछा जी
उठवा को परचार करी र्‌या हे। ३उणने
पतरस अने योहन के पकड़्या अने
अगल्या दन तक हवालात माय राख्या,
क्योंके सांज हुई चुकी थी। ४फेर बी बचन
का सुणवा वाळाहुंण माय से नरा लोगहुंण
ने बिसास कर्‌यो अने उणकी गिणती
करीब पांच हज्जार मनखहुंण की हुई गी।
५दूसरा दन असो होयो के उणका
हाकिमहुंण,[l] सियाणाहुंण अने सासतरिहुंण
यरुसलेम माय भेळा होया। ६म्हापुरोहित
हन्ना, काइफा, योहन, सिकन्दर अने
म्हापुरोहित का घराणा का सगळा
लोगहुंण बी वां था। ७फेर वी पतरस
अने योहन के अदाड़ माय उबा करिके
पुछवा लाग्या, "तम लोगहुंण ने यो काम
केकी सामरत से या केका नाम का हक
से कर्‌यो?"
८तो पतरस ने पवित्तर आतमा से पूरण
हुई के उणकासे क्यो, "हे इसराइल परजा
का हाकिम अने सियाणाहुंण, ९अगर एक
कमजोर मनख का गेले करी भलई का
बारामें आज हमार से पुछ-ताछ करी
जाय, के इना मनख के कसे नज कर्‌यो,
१०तो तम सगळा के अने आखा इसराइल
का सगळा लोगहुंण के मालम हुई जाय
के ईसु मसीह नासरी का नाम से - जेके
तमनेज कुरुस पे टांगी लाख्यो अने जेके
परमेसर ने मर्‌या माय से जिवाड़्यो -
उणाज नाम से यो मनख तमारा सामे
भलो-चंगो उब्यो हे। ११[†] ईसु उज भाटो हे,
सासत्तर माय असो लिख्यो हे:

जेना भाटा के तम राज मिसतरिहुंण
ने नकारी द्‌यो थो,
पण योज कोणा को एरण
बण्यो।

१२कइंका दूसरा से मुक्ती हयनी, क्योंके
सरग का निच्चे मनखहुंण माय सिरप
परभु ईसु के अलावा कई को दूसरो नाम
नी द्‌यो हे जिकासे हम उध्दार पावां।"
१३जदे उणने पतरस अने योहन की
हिम्मत देखी अने यो जाण्यो के वी
पड़्या-लिख्या हयनी अने सादा मनख
हे तो चकित होया अने जाणी ग्या के ई
ईसु का गेले रई चुक्या हे। १४पण उना
मनख के जो नज होयो थो उणका गेले
उब्यो देख्यो तो उणके कंई जुवाब नी
सुज्यो, १५तो उणके म्हासबा से बायरे
जावा को हुकम दई के माय-माय बिचार
करवा लाग्या, १६अने केवा लाग्या, "हम
इना मनखहुंण का गेले कंई करां? क्योंके
इणकासे एक बड़ो अचरज को काम होयो

---

[j] **४.१** पुरोहितहुंण; मूळ माय मुख्य - या खास पुरोहितहुंण। [k] **४.१** सदुकिहुंण; यहूदिहुंण माय की एक पालटी जो मनख का मर्‌या माय से जी उठणा पे बिसास नी करे। ई बी जोस से भर्‌या फरीसी की पालटी सरीका हे। [l] **४.५** हाकिमहुंण; मुख-पुरोहितहुंण, जो म्हासबा का हाकिम था।
[†] **४.११:** भजन संहिता ११८.२२

हे जो यरुसलेम का सगळा रेवा वाळाहुंण
पे परगट हे अने हमारे उके माननोज
पड़ेगा। १७पण हम इणके धमकावां के
कइंका मनख से इना नाम के लई के
फेर चरचा नी करे जेकासे के या बात
लोगहुंण माय जादा नी फेले।"
१८तो उणने उणके तेड़ी के हुकम
द्यो के ईसु को नाम लई के नी तो
कंई चरचा करो अने नीज कंई सीख
दो। १९पण पतरस अने योहन ने उणके
जुवाब द्यो, "तमीज न्याव करो: कंई
परमेसर की नगे माय यो ठीक हे के
हम परमेसर का हुकम से बड़ी के तमारो
हुकम माना? २०क्योंके यो तो हमार से
हुई नी सके के जो देखां अने सुणा हे
उके नी कां।" २१जदे उणने उणके धमकई
के अने सजा देवा की कइंकी वजा नी
पई के लोगहुंण का डर की वजासे छोड़ी
लाख्या, क्योंके इनी घटणा की वजासे
लोग परमेसर की बड़ई करी र्या था।
२२जेना मनख के नज करवा को यो
अचरज होयो थो, उकी उमर चाळीस
बरस से बत्ती थी।

बिसासिहुंण की पराथना

२३जदे उणके वां से छोड़ी लाख्या तो
वी अपणा सातिहुंण कने ग्या अने जो
कंई मुख-पुरोहितहुंण अने सियाणाहुंण
ने उणकासे क्यो थो, उणके सुणई
द्यो। २४† जदे उणने यो सुण्यो तो
एक मन्सा माय हुई के उंचा सबद् से
परमेसर के तेड़्यो, "हे परभु, तनेज
असमान, धरती अने समन्दर बणाया
अने सगळो कंई जो उणका माय रे हे
बणायो। २५† तनेज पवित्तर आतमा से
अपणा सेवक हमारा पिता दाऊद का
मुन्डा से केवाड़्यो,

'गेर जातहुंण ने रोस कायसरु
कर्‌यो,
अने देस-देस का लोग फालतु
बातहुंण कायसरु करे हे?
२६ परभु का बिरोद माय अने उका
अभिसेक का बिरोद माय,
धरती का राजाहुंण उठ्याया,
अने सासकहुंण एक गेले भेळा
हुई ग्या।'†

२७† "क्योंके सांची थारा पवित्तर सेवक
ईसु का बिरोद माय जेको अभिसेक तने
कर्‌यो, हेरोदेस अने पुन्तियुस पिलातुस
बी गेर यहूदिहुंण अने इसराइलहुंण का
गेले इना नगर माय भेळा होया; २८के
उज करे जो कंई थारी सामरत अने
योजणा माय पेलां से ते कर्‌यो थो।
२९अबे हे परभु, उणकी धमकिहुंण के
देख अने हम सगळा के जो थारा दासहुंण
हे यो बरदान दई दे के थारा बचन के
बिना डरी के काठा हुई के सुणावा। ३०तू
नज करवा सरु अपणो सामरती हात
अगड़े कर अने अचरज का काम अने
सेलाणी थारा पवित्तर सेवक ईसु का नाम
से कर्‌या जाय।"
३१जदे वी पराथना करी चुक्या तो वा
जगा जां वी भेळा था हली गी अने वी
सगळा पवित्तर आतमा से पूरण हुई ग्या,

† **४.२४:** निरगमन २०.११; नेहेम्या ९.६; भजन संहिता १४६.६
† **४.२५–२६:** भजन संहिता २.१–२
† **४.२६:** भजन संहिता २.१-२
† **४.२७:** मत्ती २७.१–२; मरकुस १५.१; लूका २३.१, ७–११; योहन १८.२८–२९

अने परमेसर को बचन बिना डर के सुणावा लाग्या।

बिसासिहुंण को गेले-गेल रेवा को जीवन

३२[†] बिसासिहुंण को टोळो एक हिरदा अने एक आतमा को थो। उणका माय कईं को बी अपणी सम्पत्ती के अपणी नी केतो थो, पण उणको सगळो कंई भेळा को थो। **३३**अने परेरितहुंण बड़ी सामरत का गेले परभु ईसु का जी उठवा की गवई दई र्‌या था, अने उना सगळा पे घणी किरपा हुई। **३४**उणका माय कईं को गरीब-गुरबो नी थो। क्योंके वी सगळा लोग जिणका कने जमीन या घरहुंण था, उणके बेची-बेची के उकी किमत लाता, **३५**अने उणके परेरितहुंण का पगहुंण कने धरी देता था। तो जसी जिणके जरुवत रेती थी, उका मुजब उके बांटी लाखता था।

३६साइपरस इलाका को एक यूसफ नामको लेवी थो जेको नाम परेरितहुंण ने बरनाबास राख्यो थो - याने जो सान्ती को बेटो बी - केवातो थो। **३७**उका कने अपणी खुद की जमीन थी, जेके उने बेची अने रुप्या लई के परेरितहुंण का पगहुंण कने धरी द्‌या।

परमेसर को न्याव हनन्याह अने सफीरा सरु

५ पण हनन्याह नामका एक मनख ने अने उकी बइरा सफीरा ने थोड़िक जमीन बेची के, **२**उनी सिलक माय से अपणा सरु थोड़ोक बचई ल्यो - उकी बइरा या जाणती थी - अने उको थोड़ोक हिस्सो हनन्याह ने परेरितहुंण का पग कने लई के धरी द्‌यो। **३**पण पतरस ने क्यो, "हनन्याह, सेतान ने थारा हिरदा के अपणा बस माय करी लाख्यो हे। तू पवित्तर आतमा से झुंटो बोल्यो अने जमीन की सिलक माय से तने थोड़ोक अपणा सरु क्यों राख्यो? **४**जदके वा बिकी नी थी तो कंई थारी नी थी? अने बिकी जावा का बाद बी कंई वा थाराज हक माय नी थी? तने अपणा हिरदा माय असो करवा को बिचार कायसरु कर्‌यो? तने मनखहुंण से नी पण परमेसर से झुंटो बोल्यो हे।" **५**इना सबद्‌हुंण के सुणतोज हनन्याह हिटी पड़्यो अने उको दम हिटी ग्यो अने सगळा सुणवा वाळाहुंण के घणो डर भरई ग्यो। **६**तो जुवानहुंण ने उठी के उकी लोथ के लतरा माय लपेटी अने बायरे लइ-जई के गाड़ी लाखी।

७करीब तीन घंटा बिती जावा का बाद, उकी घराळी इनी घटणा का बारामें कइंनी जाणती हुई भित्तरे अई। **८**तो पतरस ने उकासे क्यो, "म्हारे बताड़ के कंई तमने जमीन इतराज माय बेची थी?"

उने क्यो, "हां, इतरा मेंज।"

९तो पतरस ने उकासे क्यो, "या कंई बात हे के तम दोई ने गेले मिळी के परभु का आतमा के अजमाणे की ठाणी? देख, थारा धणी के गाड़वा वाळाहुंण का पगहुंण की चाप कमांड़ तक अई पोंची। वी थारे बी बायरे लई जायगा। **१०**वा झट उका पग कने हिटी पड़ी अने उने बी दम

[†] **४.३२:** परेरितहुंण २.४४–४५

तोड़ी लाख्यो। जुवानहुंण ने भित्तरे अई के
उके बी मरी पई, अने बायरे लइ-जई के
उका धणी का कने गाड़ी लाखी। ११इका
से आखी मण्डळी अने सगळा सुणवा
वाळाहुंण माय घणो डर भरई ग्यो।

परेरितहुंण ने नरा बेमारहुंण के नज कर्‌या

१२परेरितहुंण से लोगहुंण का माय
घणी सेलाणी अने अचम्बा का काम
हुई र्‌या था; अने सगळा बिसासिहुंण
एक मन्सा से सुलेमान का ओसारा
माय भेळा होया करता था। १३पण
दूसरा माय से कइंका के उणका माय
भेळा होवा की हिम्मत नी हुई; फेर
बी लोग उणकी घणी बड़ई करता था।
१४पण परभु पे बिसास करवा वाळा
आदमिहुंण अने बइराहुंण को हुजुम
को हुजुम उणका माय लगातार मिळतो
जई र्‌यो थो। १५परेरितहुंण का काम की
वजासे लोग बेमारहुंण के बी मारगहुंण पे
लइ-लई के खाटळाहुंण अने बिछावणाहुंण
पे लेटाड़ी द्‌या करता था के पतरस
वय्यांड़ी से हिटे तो कम से कम उको
छायळोज उणका माय से कइंका पे
पड़ी जाय। १६यरुसलेम का ऐरे-मेरे का
नगरहुंण से बी नरा लोग बेमारहुंण ने
बुरी आतमाहुंण से सताड़्या लोगहुंण के
लाया करता था अने वी सगळा नज
हुई जाता था।

यहूदी अगवाहुंण परेरितहुंण के सताड़्वा लाग्या

१७पण म्हापुरोहित अने उका सगळा
हिमायती जो सदुकिहुंण का पंथ का
लोग था, इरसा से भरिके उबा उठ्‌याया।
१८उणने परेरितहुंण के पकड़्या अने उणके
जेळखाना माय लाखी द्‌या। १९पण रात
माय परभु का एक सरगदूत ने जेळखाना
को कमांड़ खोली द्‌यो अने उणके बायरे
लई के क्यो, २०"जाव, मन्दर माय उबा
हुई के लोगहुंण के इना नवा जीवन को
सगळो संदेस सुणाव।" २१या सुणी के वी
दन उगताज मन्दर माय जई के परबचन
देवा लाग्या।

पण म्हापुरोहित अने उका हिमायतिहुंण
वां अई के उणने म्हासबा के अने
इसराइल का सगळा सियाणाहुंण के भेळा
कर्‌या, अने परेरितहुंण के जेळखाना से
लइ-यावा को हुकम द्‌यो। २२पण जो
हाकिम वां ग्या, जेळखाना माय उणके वी
लाद्‌या हयनी अने अई के समिचार द्‌यो,
२३"हमने जेळखाना के घणा इन्तजाम
से बन्द कर्‌यो अने सिपईहुंण के फाटक
पे उबाड़्या था। पण जदे हमने फाटक
खोली के देख्यो तो भित्तरे कइंका नी
मिळ्या।" २४जदे मन्दर का सिपईहुंण
का परधान अने मुख-पुरोहितहुंण ने ई
बातहुंण सुणी तो वी घणा सांसा माय पड़ी
ग्या के अबे कंई होयगा। २५पण कइंका
ने अई के उणके समिचार द्‌यो, "देखो,
जेना लोगहुंण के तमने जेळखाना माय
लाख्या था, वी मन्दर माय उबा हुई के
लोगहुंण के परबचन दई र्‌या हे!" २६तो
सिपईहुंण का गेले मुख्यो ग्यो अने सिदई
से चुप-चाप परेरितहुंण के लइ-याया,
क्योंके उणके लोगहुंण से यो डर थो के
कंई वी हमारे भाटा नी मारे।

२७जदे ई लइ-याया तो म्हासबा का
सामे उबा करी द्‌या। तो म्हापुरोहित
ने उणका अदरे दोष लगाड़ी के पुछ्‌यो,

पतरस को परचार (ACT ५.२८)

२८†"हमने तमारे काठो हुकम द्यो थो
के तम ईसु का नाम से परबचन मती
करजो। फेर बी देखो, तमने आखा
यरुसलेम के अपणा परबचन से भरी
लाख्यो हे अने तम इना मनख ईसु
की मोत को लोई हमारा माथे पटकणो
चाव हो।"

२९पण पतरस अने दूसरा परेरितहुंण
ने जुवाब द्यो, "हमारा सरु मनखहुंण
की बजाय परमेसर को हुकम पाळणो
जरुरी हे। ३०ईसु के तमने कुरुस पे
लटकाड़ी के मारी लाख्यो थो पण
हमारा पूरखाहुंण का परमेसर ने उके
जिवाड़्यो ३१अने अपणा जीवणा हात
आड़ी घणो म्हान करिके परभु अने
मुक्ती दातो ठेराड़्यो के इसराइल का
लोगहुंण के पसताप की ताकत अने
पापहुंण की मांफी दई दे। ३२हम इनी
सगळी बातहुंण का गवा हां अने वसोज
पवित्तर आतमा बी, जेके परमेसर ने
अपणा हुकम पाळवा वाळाहुंण के द्यो
हे।"

३३पण जदे उणने सुण्यो तो वी खीजी
उठ्या अने उणके मारी लाखणो चायो।
३४पण गमलियल नामको एक फरीसी
जो नेम-बिधान को सिक्छक थो। अने
सगळा लोगहुंण माय मान्यो होयो थो।
म्हासबा माय उबो हुई के हुकम द्यो के
इना मनखहुंण के जरासी देर सरु बायरे
हेड़ी लाखो। ३५अने उने उणका से क्यो,
"हे इसराइलहुंण, तम इना लोगहुंण से
जो कंई करनो चाव हो उके सोंची समजी
के करजो। ३६क्योंके थोड़ा बखत पेलां
थियुदास यो दावो करतो होयो उठ्यो
थो के हूं बी कंई हूं; अने करीब चार
सो मनखहुंण उका पछड़े चली पड़्या।
पण उके मारी लाख्यो अने उका सगळा
मानवा वाळा अंई-वंई हुई ग्या अने
उणकासे कइंनी होयो। ३७उना मनख का
बाद जणगणना का दनहुंण माय गलील
को रेवासी यहूदो उठ्यो अने उने थोड़ाक
लोगहुंण के अपणा आड़ी करी ल्या। उ बी
मिटी ग्यो अने उका सगळा मानवा वाळा
अंई-वंई हुई ग्या। ३८तो इना मामला
माय बी तमार से कूं के इना मनखहुंण
से दूरा री जो अने इणका से कंई मतलब
मती राखो; क्योंके अगर या योजणा अने
यो काम मनख आड़ी से हे तो मिटी
जायगा; ३९पण अगर यो परमेसर आड़ी
से हे तो तम उणके मिटाड़ी नी सकोगा।
कंई असो नी होय के तम परमेसर से
लड़वा वाळा रो!"

४०उणने उकी सला मानी ली अने
परेरितहुंण के भित्तरे बुलाड़ी के उणके
कोड़ा मार्‌या। तो यो हुकम दई के

---

† **५.२८:** मत्ती २७.२५

उणके छोड़ी लाख्या के ईसु का नाम से नठू बात मती करजो। ४१तो परेरितहुंण म्हासबा का सामे से खुसी मनाड़ता होया चल द्या के ईसु का नाम सरु वी बेइज्जती सेणे का लायक तो र्या। ४२वी हरदन मन्दर माय अने घरे-घर सीख देणे अने यो सुब-समिचार देवा माय लाग्या र्या, के ईसुज मसीह हे।

सात सेवा करवा वाळा

६ उना दनहुंण माय जदे चेलाहुंण की गिणती माय बड़ोतरी हुइरी थी तो यूनानी भासा बोलवा वाळा यहूदिहुंण को इबराणी भासा बोलवा वाळा यहूदिहुंण से यो बिवाद होवा लाग्यो के हरदन भोजन बांटवा माय हमारी रांडी बइराहुंण के छेकी लाखे हे। २तो बारा परेरितहुंण ने चेलाहुंण की मण्डळी के बुलाड़ी के क्यो, "हमारा सरु यो अच्छो हयनी के हम परमेसर को बचन छोड़ी के खवाड़वा-पिवाड़वा की सेवा करां। ३इकासरु, हे भई-बेनहुंण, अपणा माय से सात सांचा चाल-चळण वाळा मनखहुंण के छांटी लो जो पवित्तर आतमा अने बुध्दि से भर्या रे, के हम इना काम को जुम्मो उणका हात माय थमई दां। ४पण हम तो पराथना अने बचन की सेवा माय लाग्या रांगा।"

५या बात आखी मण्डळी के ठीक लागी; अने उणने स्तिफनुस नामका एक मनख के छांटी ल्यो, जो बिसास अने पवित्तर आतमा से भर्यो होयो थो। अने फिलिप्पुस, परखुरुस, नीकानोर, तिमोन, परमिनास अने अंताकिया का निकुलाऊस के छांटी ल्या। निकुलाऊस तो यहूदी पंथ माय अई ग्यो थो। ६इणके मण्डळी परेरितहुंण का सामे लइ-यइ अने इना काम सरु उणने पराथना करिके उणका पे हात धर्या।

७परमेसर को बचन फेलतो ग्यो अने यरुसलेम माय चेलाहुंण की गिणती घणी बड़ती गी अने नरा पुरोहितहुंण ने बी ईसु मसीह के बिसास का साते मानी ल्यो।

यहूदिहुंण ने स्तिफनुस को बिरोद कर्यो

८स्तिफनुस परमेसर की किरपा अने सामरत से भर्यो होयो लोगहुंण का माय बड़ा-बड़ा अचम्बा का काम अने सेलाणी दिखाड़्या करतो थो। ९तो उ अराधनालय जो आजाद[m] कर्या होया दासहुंण को केवाड़्यो जातो थो, उका माय थोड़ाक जो कुरेनी, सिकन्दरिया, किलिकिया देस अने एसिया से आया था उठी के स्तिफनुस से बाद-बिवाद करवा लाग्या। १०फेर बी उ असी बुध्दि अने पवित्तर आतमा से बोलतो थो के उका पे उणको बस नी चल्यो। ११तो उणने थोड़ाक मनखहुंण के रुप्या दई के यो केवा सरु भेकायो, "हमने इके मूसा अने परमेसर का बिरोद माय निंदा की बात केता सुण्यो हे।" १२तो उणने लोगहुंण के अने सियाणाहुंण अने सासतरिहुंण के भड़कई के स्तिफनुस के पकड़्यो अने घसीटी के म्हासबा माय लई ग्या। १३वी झुंटा गवाहुंण के सामे

---

[m] ६.९ आजाद; ई वी यहूदिहुंण था जिणके गुलाम बणई राख्या था पण बाद माय छोड़ी लाख्या था या जो गुलामी से आजाद हुई चुक्या था।

ल्याया जिणने क्यो, "यो मनख इना
पवित्तर मन्दर अने नेम-बिधान का बिरोद
माय बिना रुक्यो बोलतो जई र्‌यो हे।
१४हमने इके यो केता सुण्यो हे के योज
ईसु नासरी इनी जगा के ढळडई लाखेगा
अने उनी रीतहुंण के बदळी लाखेगा जो
मूसा ने हमारे दई हे।" १५जदे म्हासबा
माय बेठ्‌या होया सगळा लोगहुंण ने उके
ध्यान से देख्यो तो उको मुन्डो सरगदूत
सरीको नगे अई र्‌यो थो।

स्तिफनुस को परबचन

७ म्हापुरोहित ने क्यो, "कंई ई बातहुंण
असीज हे?"

२† तो स्तिफनुस केवा लाग्यो, "भई-
बेनहुंण अने म्हारा पिता सरीका सियाणा
मनखहुंण, सुणो! हमारो कुळ पिता
इबराइम हारान नगर माय रेवा से पेलां
जदे मेसोपोटामिया देस माय थो तो
म्हेमावान परमेसर ने उके दरसन द्‌यो,
३अने उकासे क्यो, 'तू अपणा देस अने
अपणा परवार से इकाड़ी हुई के उना देस
चल्यो जा जो हूं थारे बतउंवां।' ४† तो
उ कसदिहुंण का देस से हिटी के हारान
नगर माय जई बस्यो। वां से उका पिता
की मोत का बाद परमेसर उके इना देस
माय लइ-यायो जां अबे तम रो हो। ५†
परमेसर ने वां उके कंई जमीन-जायजाद
नी दई यां तक के पग धरवा सरु बी
जगा नी दई। जदके उना बखत उको
कईं को बेटो नी थो। फेर बी परमेसर
ने करार कर्‌यो के 'यो देस हूं थारे अने
थारा बाद थारा बंस का हक माय दूंवां'।
६† पण परमेसर ने यो बी क्यो के 'थारा
बंसज पराया देस माय परदेसी हुई के
चार सो बरस तक गुलाम बणी के रेगा।
उणका गेले बुरो बरताव बरत्यो जायगा।'
७† अने परमेसर ने क्यो, 'जेनी जात
का वी गुलाम रेगा उके हूं खुद सजा
दूंवां। इका बाद वी छुटी के इनी जगा पे
म्हारी सेवा करेगा।' ८† अने परमेसर ने
इबराइम से खतणा को करार कर्‌यो। तो
इबराइम से इसाक पेदा होयो अने आठवां
दन उको खतणो होयो। बाद माय इसाक
से याकूब अने याकूब से बारा बेटा याने
हम यहूदिहुंण का बारा कुळपतिहुंण पेदा
होया।

९† "अने कुळपतिहुंण अपणा नाना
भई यूसफ से जळण राखवा लाग्या अने
मिसर देस जावा वाळाहुंण का हाते बेची
लाख्यो। फेर बी परमेसर यूसफ का गेले
थो। १०† परमेसर ने उके सगळा संकटहुंण
से छुड़ई के मिसर का राजा फिरोन की
नगे माय किरपा अने बुध्दि दई। जदे
राजा ने उके मिसर अने अपणा आखा
घराणा पे हाकिम ठेराड़्‌यो। ११† फेर आखा
मिसर देस अने कनान देस माय बिखो
पड़्‌यो अने संकट आयो। हमारा पूरखाहुंण
के कनान माय अन्न नी मिळ्यो। १२पण
जदे याकूब ने सुण्यो के मिसर देस माय
अन्न हे, तो उने हमारा पूरखाहुंण के
याने यूसफ का भईहुंण के पेली कावा

---

† **७.२–३:** उत्पत्ती १२.१ † **७.४:** उत्पत्ती ११.३१, १२.४
† **७.५:** उत्पत्ती १२.७; १३.१५, १५.१८, १७.८ † **७.६–७:** उत्पत्ती १५.१३–१४
† **७.७:** निरगमन ३.१२ † **७.८:** उत्पत्ती १७.१०–१४, २१.२–४, २५.२६, २९.३१—३५.१८
† **७.९:** उत्पत्ती ३७.११, २८, ३९.२, २१ † **७.१०:** उत्पत्ती ४१.३९–४१ † **७.११:** उत्पत्ती ४२.१–२

मिसर देस माय मोकल्या। १३† दूसरी
कावा जावा पे यूसफ ने अपणे खुद के
अपणा भईहुंण पे परगट्यो, अने फिरोन
के बी यूसफ का परवार का बारामें
मालम पड़ी ग्यो। १४† तो यूसफ ने संदेसो
मोकली के अपणा पिता याकूब के अने
आखा परवार के, जो सगळा मिळी के
पछत्तर जणा था, यूसफ ने अपणा कने
बुलाड़ी ल्या। १५† तो याकूब मिसर देस
ग्यो, उ अने हमारा बुड़ा-हाड़ा वइंज मरी
ग्या। १६† वां से उणकी लोथ इना देस का
सेकेम नगर लइ-जई के उनी कबर माय
धरी दी जेके इबराइम ने दाम दई हमोर
का बेटाहुंण से सेकेम माय मोल लई थी।

१७ † "जो परतिज्ञा परमेसर ने
इबराइम से करी थी जदे उको पूरण
होवा को बखत कने आयो तो मिसर
माय हमारा उना मनखहुंण की गिणती
नरी गुणा बड़ी गी थी। १८तो वां मिसर
माय एक दूसरो राजो होयो जो यूसफ
का बारामें कइंज नी जाणतो थो। १९†
उने कपटिपणा से हमारी जात का गेले
चालाकी भर्‌यो बरताव कर्‌यो अने हमारा
पूरखाहुंण के असा बेबस कर्‌या के उणने
अपणा बाळकहुंण के नद्दी माय फेंकी
लाख्या जेकासे के वी जिन्दा नी रे। २०†
"उना बखत मूसा को जनम होयो अने
उ परमेसर की नगे माय घणो सुन्दर
थो, अने तीन मइना तक उका पिता
का घर माय छाने-छाने उको पाळण-
पोसण होतो र्‌यो। २१† जदे उकी मेतारी
छिपाड़ी नी सकी तो उके बायरे छोड़ी
लाख्यो तो फिरोन की बेटी उके उठाड़ी
के लई गी अने अपणा बेटा सरीको उको
पाळण-पोसण करवा लागी। २२मूसा के
मिसरिहुंण की आखी ज्ञान-बिद्‌या की
सीख दइगी थी अने उ बातहुंण अने
कामहुंण दोई मायज सामरती थो।

२३ † "पण जदे मूसा चाळीस बरस
को होवा वाळो थो तो उका हिरदा माय
अपणा इसराइली भई-बेनहुंण से मिळवा
को बिचार आयो। २४जदे उने एक इबरी
का गेले बुरो बरताव होतो देख्यो तो
उको बचाव कर्‌यो अने मिसरी के मारी
के इबरी भई को बदळो ल्यो। २५मूसा
ने बिचार्‌यो के उका भई-बेनहुंण समजी
जायगा के परमेसर उका जरिये मिसर देस
की गुलामी से उणके छुटकारो देवाड़ेगा,
पण उणने नी समज्यो। २६दूसरा दन जदे
इसराइली माय-माय लड़ी र्‌या था तो मूसा
ने उणका कने अई के यो केता होया मेळ
करावा की कोसिस करी, 'हे भईहुंण, तम
तो भई-भई हो! कायसरु एक दूसरा के
मारो हो?' २७"पण जो अपणा पड़ोसी के
मारी र्‌यो थो उने मूसा के इकाड़ी धकेली
के क्यो, 'केने हमार पे थारे हाकिम अने
न्याव करवा वाळो बणायो? २८कंई जसे
तने काल उना मिसरी के मारी लाख्यो थो,
वसोज म्हारे बी मारी लाखणो चावे?' २९†
या सुणी के मूसा डरी ग्यो अने भागी ग्यो
अने मिद्यान देस माय परदेसी हुई के रेवा
लाग्यो, जां उके दो बेटा होया।

---

† **७.१३:** उत्पत्ती ४५.१, १६ † **७.१४:** उत्पत्ती ४५.९–१०, १७–१८, ४६.२७
† **७.१५:** उत्पत्ती ४६.१–७, ४९.३३ † **७.१६:** उत्पत्ती २३.३–१६, ३३.१९, ५०.७–१३; यहोसू २४.३२
† **७.१७–१८:** निरगमन १.७–८ † **७.१९:** निरगमन १.१०–११, २२ † **७.२०:** निरगमन २.२
† **७.२१:** निरगमन २.३–१० † **७.२३–२९:** निरगमन २.११–१५ † **७.२९:** निरगमन १८.३–४

३०† "जदे चाळीस बरस बित्या तो
सिनाय परबत का मांळ माय बळती हुई
झांडी की लपटहुंण माय एक सरगदूत
उके नगे आयो। **३१**मूसा ने जदे उके
देख्यो तो चकरई ग्यो। जदे उ उके ध्यान
से देखवा सरु कने ग्यो तो परभु परमेसर
की या बाणी सुणई दई: **३२**'हूं थारा
पूरखाहुंण को परमेसर, याने इबराइम,
इसाक अने याकूब को परमेसर हूं।' मूसा
धुजवा लाग्यो अने देखवा की हिम्मत
नी करी सक्यो। **३३**तो परभु परमेसर ने
उकासे क्यो, 'अपणा पग माय से पन्नी
हेड़ी दे, क्योंके जेनी जगा पे तू उब्यो
वा पवित्तर जगा हे। **३४**पक्कीज बात
के म्हने मिसर देस माय अपणी परजा
की बुरी हालत देखी हे; अने उणको
करांजणो सुण्यो अने हूं उणके छुड़ावा
सरु उतर्यायो हूं। अबे आ, हूं थारे मिसर
देस मोकलुंवां।'

३५† "जेना मूसा के उणने या कई
के नी मान्यो थो,[n] 'थारे केने हाकिम
अने न्याव करवा वाळो बणायो?' उकेज
परमेसर ने सरगदूत का जरिये हाकिम
अने छुड़ावा वाळो बणई के मोकल्यो जेने
उके झांडी माय दरसन द्यो थो।' **३६**†
योज मनख मिसर, लाल समन्दर अने
मांळ माय चाळीस बरस तक अचरज को
काम अने सेलाणी बताड़तो होयो उणके
हेड़ी लायो। **३७**† योज उ मूसा हे, जेने
इसराइलहुंण से क्यो, 'परमेसर तमारा
सरु तमारा भईहुंण माय से म्हारा सरीको
एक नबी मोकलेगा।' **३८**† यो मूसा हे जो
मांळ माय सबा का अदाड़ माय थो। उज
उना सरगदूत का गेले थो जेने सिनाय
परबत पे उकासे बातहुंण करी अने हमारा
पूरखाहुंण का गेले थो।[o] अने मूसा के
परमेसर का जीवता बचन मिळ्या के
हमारा तक पोंचाय।

३९"पण हमारा पूरखाहुंण उकी नी
मानता था, तो उणने उके छोड़ी के
अपणा हिरदाहुंण के मिसर आड़ी फेर्या,
४०† अने हारुन से क्यो, 'हमारा सरु
असो देवता बणा जो हमारा अगड़े-अगड़े
चले, क्योंके हम नी जाणा के उना मूसा
को कंई होयो जो हमारे मिसर देस से
हेड़ी ल्यायो थो।' **४१**† तो उणने एक केड़ो

---

[n] **७.३५** मूसा के उणने या कई के नी मान्यो थो ; ईसु सरीका, मूसा के बी उका लोगहुंण ने नी मान्यो जदके उने मिसर की गुलामी से उणके छुड़ाया था । ईसु सरीका मूसा ने बी नरी सेलाणी अने अचम्बा बताड़्या था । परमेसर ने करार कर्यो थो के मूसा सरीको छुड़ावा वाळो मोकलुंवां । (नेम-बिधान १८.१८) स्तिफनुस ने पुछ्यो "कसे नबी मूसा सरीका हुई सकता हे ? उने जुवाब द्यो उणकाज लोगहुंण ने नकार्यो । मूसा की खुद की पीड़ी ने उकासे घिरणा करी तो ईसु का बखत का लोगहुंण ने अगर ईसु से घिरणा करी तो कंई अचरज की बात हयनी क्योंके लोग तो उणकाज बंस का हे ।

[o] **७.३८** उज उना सरगदूत का गेले ... अने हमारा पूरखाहुंण का गेले थो ; परमेसर से मूसा के जीवता बचन मिळ्या जदे वी रेगसतान से हिटी र्या था, आवा वाळा लोगहुंण सरु बिलकुल याज बात हे के ईसु परमेसर अने सगळा मनखहुंण का अदाड़ माय बिचोळ्यो हे ।

† **७.३०–३४:** निरगमन ३.१–१० † **७.३५:** निरगमन २.१४

† **७.३६:** निरगमन ७.५, १४.२१; गिणती १४.३३ † **७.३७:** नेम-बिधान १८.१५, १८

† **७.३८:** निरगमन १९.१—२०.१७; नेम-बिधान ५.१–३३ † **७.४०:** निरगमन ३२.१

† **७.४१:** निरगमन ३२.२–६

बणायो अने उकी मूरत पे बली चड़ई
अने अपणा हात का कामहुंण की वजासे
घणी खुसी मनाड़्वा लाग्या। ४२† तो
परमेसर ने उणकासे मुन्डो फेरिल्यो अने
उणके असमान का चन्दरमा, सूरज अने
ताराहुंण के पुजवा सरु छोड़ी लाख्या,
जसा के नबिहुंण की पोथी माय परमेसर
ने क्यो,

'हे इसराइल का घराणा,
कंई तम मांळ माय चाळीस बरस
तक ढोर-बली
अने अन्न-बली म्हारेज चड़ई र्‌या
था? नी!
४३ तम अपणा गेले मोलेक देवता का
तम्बू
अने रिफान देवता का तारा के बी
लाया था,
याने उनी मुरतहुंण के जिणके
तमने पुजवा सरु बणवई थी।
तो हूं बी तमारे बाबुल से पेलांड़ी
लइ-जई के बसउंवां।'

४४† "बिराण परदेस माय तो हमारा
पूरखाहुंण सरु गवई को असो तम्बू[p] थो,
जसा के मूसा से बातहुंण करवा वाळा ने
हुकम द्‌यो थो के उ उना नमुना मुजब
बणाय जेके उने देख्यो थो। ४५† चाळीस
बरस बाद उना तम्बू के विरासत माय
पई के हमारा बुड़ा-हाड़ा यहोसू का गेले
उना बखत इना देस माय लइ-याया।
जदे उणने उनी जातहुंण पे कब्जो कर्‌यो
जिणके परमेसर ने हमारा पूरखाहुंण का
सामे खदेड़ी के हेड़ी लाख्या। अने असोज
दाऊद राजा का बखत तक र्‌यो। ४६†
दाऊद पे परमेसर की किरपा हुई, तो उने
बिणती करी के याकूब का[q] परमेसर की
अराधना करवा की जगा बणवई सकूं।
४७† पण दाऊद राजा का बेटा सुलेमान
नेज इना भवन के परमेसर की अराधना
सरु बणायो।

४८"पण परमपरधान तो हात का
बणाया भवन माय नी रे। जसा के
यसायाह नबी से परमेसर के हे:

४९† 'सरग म्हारो सिंगासण,
अने धरती म्हारा पगहुंण की
चोकी।
तम म्हारा सरु कसतरा को घर
बणावगा?
कंई म्हारा अराम सरु कइंकी
जगा हुई सके?
५० कंई म्हारा हातहुंण नेज इना सगळा
के नी बणाया?'

५१† "हे ढीट लोगहुंण, तम हुकम नी
मानवा वाळा काठा हिरदा का हुई के[r]
हमेस्या पवित्तर आतमा को बिरोद करता
आया हो। असतरा तम बी वसोज करी
र्‌या हो जसा तमारा पूरखाहुंण कर्‌या

---

[p] **७.४४** गवई को असो तम्बू ; मूसा के द्‌या ग्या दस हुकमहुंण के राखवा की जगा जे के मूसा ने परमेसर की मरजी मुजबज बणायो थो, के इसराइलहुंण के परमेसर को करार रियाद रे ।
[q] **७.४६** याकूब का ; थोड़ाक मूळ माय इसराइलहुंण का । [r] **७.५१** हुकम नी मानवा वाळा काठा हिरदा का हुई के ; यूनानी भासा माय, हिरदा अने कान बिना खतणा का हे !
† **७.४२–४३:** आमोस ५.२५–२७ † **७.४४:** निरगमन २५.९, ४० † **७.४५:** यहोसू ३.१४–१७
† **७.४६:** २ सेमुएल ७.१–१६; १ इतयास १७.१–१४ † **७.४७:** १ राजा ६.१–३८; २ इतयास ३.१–१७
† **७.४९–५०:** यसायाह ६६.१–२ † **७.५१:** यसायाह ६३.१०

करता था! ५२तमारा पूरखाहुंण ने नबिहुंण
माय से किके नी सताड़्या? उणने उणके
बी मारी लाख्या जिणने उना धरमी मनख
याने मसीह का आवा से पेलांज समिचार
द्यो थो। जेके पकड़वाणे वाळा अने घात
करवा वाळा अबे तम बणी ग्या हो।
५३अने तमीज हो जिणने सरगदूतहुंण से
ठेराड़्या नेम-बिधान तो पाया, पण उका
हुकम को पाळण नी कर्‌यो।"

स्तिफनुस की मोत

५४जदे उणने यो सुण्यो तो वी
तिळमिळई ग्या अने स्तिफनुस पे दांत
पिसवा लाग्या। ५५पण उने पवित्तर
आतमा से भर्‌यो हुई के सरग आड़ी
एकटक देख्यो अने परमेसर की म्हेमा
देखी अने ईसु के परमेसर का जीवणा
हाताड़ी उब्यो देख्यो। ५६तो उने क्यो,
"देखो, हूं सरग के खुल्यो होयो अने
ईसु याने मनख का बेटा के परमेसर का
जीवणा हाताड़ी उब्यो देखुं हूं।"
५७पण उणने उका सबद् सुणणा नी
चाया अने उणने जोर से चिल्लाड़ी के
अपणा कान बन्द करी लाख्या, अने एको
करिके उका पे लपक्या। ५८वी उके खदेड़ी
के नगर से बायरे लई ग्या अने उके
भाटा मारवा लाग्या। उना झुंटा गवाहुंण
ने अपणा चोगा हेड़ी के साऊल नामका
जुवान कने धरी द्‌या। ५९जदे वी भाटा
मारी र्‌या था तो स्तिफनुस ने पराथना
करी, "हे परभु ईसु, म्हारी आतमा के लई
ले!" ६०अने अपणा गोड़ाहुंण का सायरे
पड़ी के जोर से चिल्लाड़्यो, "परभु, यो
पाप उणका पे मती लगाड़जे!" यो कई
के उ सोई ग्यो।

८ असतरा उके मारी लाखवा माय
साऊल बी राजी थो।

मण्डळी के सताड़वा वाळो साऊल

उनाज दन यरुसलेम की मण्डळी पे
घणो जुलम सुरु होयो, अने परेरितहुंण
का अलावा बिसासिहुंण आखा यहूदिया
अने सामरिया का आखा परदेसहुंण
माय तित्तर-बित्तर हुई ग्या। २फेर थोड़ाक
भगतहुंण ने स्तिफनुस के गाड़्यो अने
उका सरु घणो दुःख मनाड़्यो।
३† पण साऊल घरे-घर जई के मण्डळी
के उजाड़वा अने आदमी-बइरा के घसीटी-
घसीटी के जेळखाना माय लाखवा लाग्यो।

फिलिप्पुस ने सामरिया परदेस माय परचार कर्‌यो

४तो जो तित्तर-बित्तर हुई ग्या था,
गांम-गांम फरता होया बचन को
परचार करवा लाग्या, ५अने फिलिप्पुस
सामरिया इलाका का एक नगर माय जई
के लोगहुंण माय ईसुज मसीह हे को
परचार करवा लाग्यो। ६जदे लोगहुंण ने
फिलिप्पुस की बातहुंण सुणी अने उना
चमत्कारहुंण के देख्या जिणके उ दिखई
र्‌यो थो, तो उणने एक मन्सा हुई के
उकी बातहुंण पे ध्यान धर्‌यो हे। ७क्योंके
नरा लोगहुंण माय से बुरी आतमाहुंण
उंचा सबद् से चिखती हुई हिटी री थी,
अने नरा जो लकवा का मार्‌या अने
पांगळा था, नज होता जई र्‌या। ८अने

† **८.३:** परेरितहुंण २२.४–५, २६.९–११

उना नगर का सगळा मनखहुंण माय
घणो आनन्द छई ग्यो।
९वां सिमोन नामको एक मनख थो
जो नरा बखत पेलां से उना नगर माय
जादू-टोणो कर्‌या करतो अने एक म्हान
मनख होवा को दावो करिके सामरिया
इलाका का लोगहुंण के अचरज माय
लाखी देतो थो। **१०**वी सगळा, नाना से
लई के तो मोटा तक, उका पे ध्यान धरी
के यो केता के, "यो मनख परमेसर की
वा सकती हे जो म्हान सकती केवाय।"
११वी उका पे इकासरु ध्यान धरता था,
के उने अपणा जादू-टोणा का कामहुंण
से उना सगळा के लम्बा बखत से
अचरज माय लाखी राख्या था। **१२**पण
जदे उणने फिलिप्पुस को बिसास कर्‌यो
जो परमेसर का राज को सुब-समिचार
अने ईसुज मसीह हे को परचार करतो
थो तो कंई आदमी अने कंई बइरा -
सगळा बपतिसमा लेवा लाग्या। **१३**अने
खुद सिमोन ने बी बिसास कर्‌यो अने
बपतिसमो लई के फिलिप्पुस का गेले
रेवा लाग्यो। उ सेलाणी अने बड़ा-बड़ा
अचरज का कामहुंण देखी के चकरई
ग्यो थो।
१४जदे यरुसलेम माय परेरितहुंण
ने सुण्यो के सामरिहुंण ने परमेसर
को बचन मानी ल्यो हे, तो उणने
उणका कने पतरस अने योहन के
मोकल्या। **१५**उणने वां पोंची के उणका
सरु पराथना करी के वी पवित्तर आतमा
पाय, **१६**क्योंके उ अबी तक उणका
माय से कइंका पे नी उतर्‌यो थो;
उणने सिरप परभु ईसु मसीह का नाम
से बपतिसमो ल्यो थो। **१७**जदे उणने
उणका पे हात धर्‌यो तो उणके पवित्तर
आतमा मिळ्यो।
१८जदे सिमोन ने यो देख्यो के
परेरितहुंण का हात धरवा से पवित्तर
आतमा मिळे तो उणका कने रुप्या लई
के बोल्यो, **१९**"यो हक म्हारे बी दई दो के
जेना कइंका पे हूं हात धरुं उके पवित्तर
आतमा मिळे।"
२०पण पतरस ने उकासे क्यो, "थारा
रुप्या थारा गेले नास होय, क्योंके तने
परमेसर को बरदान रुप्याहुंण से पावा को
बिचार कर्‌यो! **२१**इनी बात माय नी थारो
कंई बांटो अने नी हिस्सो, क्योंके थारो
हिरदो परमेसर का सामे सुदो हयनी।
२२इकासरु अपणी इनी बुरई से पसतावो
कर अने परभु से पराथना कर। हुई सके
के थारा हिरदा का बिचार मांफ कर्‌या
जाय। **२३**क्योंके हूं देखी र्‌यो हूं के तू
पित्त सरीकी कड़वाट अने अधरम का
बन्दण माय हे।"
२४तो सिमोन ने जुवाब द्‌यो, "तम
म्हारा सरु परभु से पराथना करो
के जो बातहुंण तमने कई हे उणका
माय से कइंकी बी बात म्हारा पे नी
अई पड़े!"
२५तो जदे पतरस अने योहन मजबूती
से परभु को बचन सुणई चुक्या तो
सामरिहुंण का नरा गांम माय सुब-
समिचार परचार करता होया यरुसलेम
पाछा अई ग्या।

फिलिप्पुस अने कन्दाके राणी को खजांची

२६पण परभु का एक सरगदूत ने
फिलिप्पुस से क्यो, "उठ्‌या, अने

दक्खणव आड़ी उना रस्ता पे[s] जा जो
यरुसलेम से गाजा इलाका का बिराण
आड़ी जाय हे।" २७तो उ उठी के ग्यो,
अने देखो, इथियोपिया देस को एक
हाकिम खोजा थो, जो उना देस की
राणी कन्दाके को मन्त्री अने खजांची
थो। उ परमेसर की अराधना करवा
सरु यरुसलेम आयो थो। २८उ अपणा
रथ माय बेठिके यसायाह नबी की
पोथी जोर से बांचतो होयो यरुसलेम
से पाछो अई र्‍यो थो। २९तो पवित्तर
आतमा ने फिलिप्पुस से क्यो, "जा, तू
इना रथ का गेले चल्यो चल।" ३०जदे
फिलिप्पुस दोड़ी के वां पोंच्यो तो उने
उके यसायाह नबी की पोथी बांचता
सुण्यो अने क्यो, "जो तू बांची र्‍यो
कंई उके समजे बी हे?"

३१उने क्यो, "जदतक कईं को म्हारे नी
समजाड़े, हूं कसे समजी सकूं?" अने उने
फिलिप्पुस से बिणती करी के उ अदरे अई
के उका कने बेठे। ३२[†] पवित्तर सासत्तर को
जो पाठ उ बांची र्‍यो थो, यो थो:

"उ घात होवा वाळी गाडर सरीको
लई जायो ग्यो,
अने जसो मेमणो ऊन कतरवा
वाळाहुंण का सामे छानो रे,
वसोज उने बी अपणो मुन्डो नी
खोल्यो।
३३ दीनता की दसा माय उको न्याव
नी होणे पायो।
उकी पीड़ी का लोगहुंण को बखाण
कईं को नी करेगा।
क्योंके धरती पे से उको जीवन
उठई ल्यो जाय हे।"

३४खजांची ने फिलिप्पुस से क्यो,
"किरपा करिके म्हारे बताड़ के नबी यो
किका बारामें के हे? अपणा या दूसरा
का बारामें?" ३५तो फिलिप्पुस ने इना
सासत्तर से सुरु करिके उके ईसु का
बारामें सुब-समिचार सुणायो। ३६रस्ता पे
चलता-चलता वी पाणी की कइंकी जगा
पे पोंच्या। तो खजांची ने क्यो, "देखतो!
यां पाणी हे। अबी हाल बपतिसमो लेवा
माय म्हारा सरु कंई रोक?"

*फिलिप्पुस अने खोजो रथ पे
बेठ्या (ACT ८.३७)*

३७फिलिप्पुस ने क्यो, "अगर तू
आखा हिरदा से बिसास राखे तो जरुर
ली सके।" उने जुवाब द्‌यो, "हूं बिसास
करूं के ईसुज मसीह हे, जो परमेसर को
बेटो हे।" ३८तो उने रथ रोकवा को हुकम
द्‌यो, अने फिलिप्पुस अने खजांची दोई
पाणी माय उतर्‍या अने उने खजांची के
बपतिसमो द्‌यो। ३९जदे वी पाणी से बायरे

---

[s] **८.२६** उना रस्ता पे ; यो एक रेगिस्तानी इलाको हे ।

[†] **८.३२–३३:** यसायाह ५३.७–८

हिट्या, तो परभु को आतमो फिलिप्पुस
के उठाड़ी लई ग्यो अने खजांची ने उके
पाछो नी देख्यो। पण आनन्द मनाड़तो
होयो अपणा रस्ता पे चल्यो ग्यो। ४०पण
फिलिप्पुस ने अपणे खुद के असदोद
नगर माय पायो अने केसरिया पोंचवा
तक उ नगर-नगर सुब-समिचार सुणातो
र्‌यो।

साऊल के ईसु को दरसन अने हिरदो बदळनो

(परेरितहुंण २२.६-१६, २६.१२-१८)

९ फेर साऊल जो अबी बी परभु ईसु का
चेलाहुंण के धमकी देवा अने उणके
घात करवा की धुन माय थो, म्हापुरोहित
कने ग्यो, २अने उकासे दमिसक नगर का
पराथनाघरहुंण सरु इनी बात की चिट्ठी
लिखई के अगर उके ईसु मसीह का पंथ
का मानवा वाळा लादे, वी चाये बइरा हो
या आदमी, तो उणके बान्दी के यरुसलेम
लइ-याय।

३अने असो होयो के जातरा करता
होया जदे उ दमिसक नगर कने पोंच्यो
तो, असमान से एक दम से एक जोत
उका चारी-मेर चळकी, ४अने उ जमीन पे
हिटी पड़्यो अने उने एक अवाज या केता
सुणी, "साऊल, साऊल! तू म्हारे कायसरु
सताड़े हे?"

५उने पुछ्‌यो, "परभु, तू कुंण हे?"

तो उने क्यो, "हूं ईसु हूं जेके तू सताड़े
हे। ६तो अबे उठ्‌या अने नगर माय जा,
अने जो थारे करनों हे उ थारे बताड़ी द्‌यो
जायगा।"

७जो मनख उका गेले जातरा करी र्‌या
था वी भोचक्का उबा रई ग्या, क्योंके
अवाज तो सुणता था पण कइंका के
देखी नी र्‌या था। ८तो साऊल जमीन पे
से उठ्‌यो अने जदके उकी आंखहुंण खुली
थी, फेर बी उके कंई नगे नी अई र्‌यो
थो। अने वी उको हात पकड़ी के उके
दमिसक नगर लइ-याया। ९उ तीन दन
तक नी देखी सक्यो, अने उने नी खायो
अने नी कंई प्यो।

१०दमिसक नगर माय, हनन्याह
नामको एक चेलो थो, जेकासे परभु ने
दरसन माय क्यो, "हनन्याह!"

उने जुवाब द्‌यो, "परभु जी देखो, हूं
यां हूं।"

११परभु ने उका से क्यो, "उठी के उनी
गळी माय चल्यो जा जो सीधी केवाय हे,
अने यहूदा का घरे जई के साऊल नामको
एक तरसुस रेवासी का बारामें पुछी ले।
देखतो, उ पराथना करी र्‌यो हे, १२अने
उने दरसन माय हनन्याह नामका एक
मनख के भित्तरे आतो अने अपणा अदरे
हात धरतो देख्यो जेकासे के उ पाछो
देखवा लागी जाय।"

१३पण हनन्याह ने जुवाब द्‌यो, "परभु
जी, म्हने नरा से इना मनख का बारामें
सुण्यो, के इने यरुसलेम माय थारा
पवित्तर लोगहुंण को कितरो नास कर्‌यो,
१४अने यां बी इके मुख-पुरोहितहुंण आड़ी
से हक मिळ्यो के जितरा थारो नाम ले
उना सगळा के बन्दी बणई ले।"

१५पण परभु ने उकासे क्यो, "चल्यो
जा, क्योंके उ तो गेर जातहुंण, राजाहुंण
अने इसराइल का सामे म्हारो नाम
परगटणे सरु म्हारो छांट्‌यो होयो बासण
हे। १६अने हूंज उके बताडुंवां के म्हारा
नाम सरु उके कितरो दुःख सेणो पड़ेगा।"

१७तो हनन्याह यहूदा का घर का
भित्तरे ग्यो अने उका पे अपणो हात
धरी के क्यो, "भई साऊल, परभु ईसु
जेने थारे उना रस्ता पे जेका पे तू
अई र्‌यो थो, दरसन द्‌यो, उनेज म्हारे
थारा कने मोकल्यो के तू पाछो देखवा

पोलुस को परचार अराधनालय माय (ACT ९.२०)

लागे अने पवित्तर आतमा से पूरण हुई
जाय।" **१८**तो झट साऊल की आंखहुंण से
फोंतरा सरीका पड़्या अने उ पाछो देखवा
लाग्यो। फेर उठी के उने बपतिसमो ल्यो।
१९जदे भोजन करिके उने बळ पायो।

दमिसक नगर माय साऊल

फेर साऊल थोड़ाक दन तक उना
चेलाहुंण का गेले र्‌यो जो दमिसक
नगर माय रेता था। **२०**अने उ झट
पराथनाघरहुंण माय या कई के ईसु को
परचार करवा लाग्यो, "योज परमेसर को
बेटो हे।"

२१सगळा सुणवा वाळा अचम्बो करिके
केवा लाग्या, "कंई यो उज हयनी जो
यरुसलेम माय ईसु का नाम लेवा
वाळाहुंण के नास करी र्‌यो थो? अने यां
इनी मन्सा से आयो थो के उणके बान्दी
के मुख-पुरोहितहुंण कने यरुसलेम माय
लई जाय?"

२२पण साऊल हजु बी सामरती होतो
र्‌यो अने परमाण दइ-दई के के मसीह
योज हे दमिसक नगर माय रेवा वाळा
यहूदिहुंण को मुन्डो बन्द करतो र्‌यो।

२३[†] जदे नरा दन[t] हुई ग्या तो
यहूदिहुंण ने मिळी के उके मारी लाखवा
को मंसूबो कर्‌यो। **२४**पण साऊल के
उणको मंसूबो मालम पड़ी ग्यो। वी उके
मारी लाखवा सरु दन-रात नगर का
फाटकहुंण पे ताक लगाड़्या रेता था।
२५पण उका चेलाहुंण ने रात माय उके
टोपला माय बेठाड़ी के परकोटा से निच्चे
उतारी लाख्यो।

यरुसलेम माय साऊल

२६यरुसलेम माय अई के साऊल
चेलाहुंण से मिळवा की कोसिस करवा
लाग्यो, पण वी सगळा उकासे डरता था,
अने उणके बिसास नी होतो थो के उ
बी एक चेलो हे। **२७**पण बरनाबास ने
उके अपणा गेले परेरितहुंण कने लई
जई के उणके बताड़्यो के उने कसतरा
रस्ता माय परभु ईसु के देख्यो अने
परभु ने उकासे बातहुंण करी, अने यो
बी के दमिसक नगर माय साऊल ने
कसे हिम्मत से ईसु का नाम को परचार
कर्‌यो। **२८**तो उ उणका गेले यरुसलेम

---

[t] **९.२३** नरा दन: याने तीन बरस (गलातिहुंण १.१७-१८)।

[†] **९.२३–२५:** २ कुरिन्थिहुंण ११.३२–३३

आतो-जातो अने बिना डरे ईसु का नाम
से परचार करतो र्‌यो। २९अने यूनानी
भासा जाणवा वाळा यहूदिहुंण से बात-
चित अने भेस करतो र्‌यो, पण वी उके
घात करवा की कोसिस माय लाग्या।
३०पण जदे भई-बेनहुंण के यो मालम
पड़्यो तो वी उके केसरिया नगर लई
ग्या, फेर उणने उके उका तरसुस नगर
मोकली द्‌यो।[u]

३१तो आखा यहूदिया, गलील अने
सामरिया की मण्डळी के चेन मिळ्यो,
अने उकी तरक्की होती गी। अने वा
परभु का डर माय चलती अने पवित्तर
आतमा की सान्ती अने सायता माय
बड़ती गी।

पतरस ने एनियास के नज कर्‌यो

३२फेर असो होयो के पतरस उना
आखा इलाका माय जातरा करतो होयो
लुद्दा का पवित्तर लोगहुंण कने बी पोंच्यो।
३३वां उके लकवा से अपंग होयो एनियास
नामको एक मनख मिळ्यो जो आठ
बरस से बिछावणा पे पड़्यो होयो थो।
३४पतरस ने उका से क्यो, "एनियास,
ईसु मसीह थारे नज करे हे। उठ्‌या,
अपणो बिछावणो उठई ले।" उ झट उबो
उठ्‌यायो। ३५जदे लुद्दा अने सारोन का
सगळा रेवासी उके देखी के परभु आड़ी
फर्‌या।

३६याफा माय तबीता याने दोरकास
नामकी एक चेली रेती थी। (यूनानी माय
उको नाम डोरकस अने जेको अरथ हरण
हे।) या चेली हमेस्या भला-भला काम
अने दान द्‌या करती थी। ३७उना दनहुंण
माय असो होयो के वा बेमार हुई के मरी
गी, अने उणने उकी लोथ के न्हवाड़ी के
उफरी पे धरी दी। ३८इकासरु के लुद्दा नगर,
याफा नगर का कने थो, चेलाहुंण ने यो
सुणी के के पतरस वां याफा माय हे, दो
मनखहुंण के उणका कने या बिणती करवा
मोकल्या, "हमारा कने आवा माय देर मती
करजे।" ३९पतरस उठी के उणका गेले चली
पड़्यो। जदे वां पोंच्यो तो वी उके उफरी पे
लई ग्या। सगळी रांडिहुंण रोती हुई उका
कने अई उबी अने जो कुड़ता अने लतरा
दोरकास उणका गेले रेता बणाया करती
थी, उके दिखाड़वा लागी। ४०तो पतरस
ने सगळा के बायरे हेड़ी द्‌या अने गोड़ा
टेकी के पराथना करी, अने लोथ आड़ी
मुडी के क्यो, "तबीता उठ्‌या!" उने अपणी
आंखहुंण उगाड़ी लाखी, अने पतरस के
देखी के वा उठ्‌यई। ४१पतरस ने अपणो
हात दई उके उठाड़ी अने पवित्तर लोगहुंण
अने रांडिहुंण के बुलाड़ी के उके जिवती
समळई दी। ४२या बात आखा याफा माय
फेली गी, अने नरा ने परभु पे बिसास
कर्‌यो। ४३अने पतरस, याफा माय चामड़ा
को धन्दो करवा वाळा सिमोन नामका एक
जणा का गेले नरा दन तक र्‌यो।

कुरनेलियुस ने पतरस के अपणा घरे तेड़्यो

१० केसरिया माय कुरनेलियुस नामको
एक मनख थो। उ उना सेनिक

[u] **९.३०** वी उके केसरिया नगर ... उका नगर तरसुस मोकली द्‌यो: यरुसलेम से केसरिया साऊल के पगेपग जाणो थो। केसरिया समन्दर का कराड़े बस्यो होयो थो, जां से साऊल के झाज से अपणा नगर तरसुस जाणो थो।

दळ को सुबेदार थो जो "इतालवी दळ"
केवातो थो। २उ भगत थो अने उ अपणा
आखा घराणा समेत परमेसर को डर
मानतो थो, अने यहूदिहुंण के घणो दान
द्या करतो थो। अने हमेस्या परमेसर
से पराथना कर्या करतो थो। ३दन का
तीसरा पेर का करीब उने दरसन माय
साफ रुप से देख्यो के एक सरगदूत
उका कने भित्तरे अई के उकासे बोल्यो,
"कुरनेलियुस!"
४उने उका आड़ी ध्यान धरी देख्यो अने
डरी के क्यो, "हे परभु, कंई हे?"
उने उकासे क्यो, "थारी पराथना अने
थारा दान रियादगारी का रुप माय
परमेसर का सामे पोंच्या हे। ५अबे
थोड़ाक मनख के याफा नगर मोकली के
सिमोन नामका एक मनख के जो पतरस
केवाय हे, बुलवई ले। ६उ चामड़ा का
धन्दा करवा वाळा सिमोन नामका मनख
का यां पांमणो हे, जेको घर समन्दर का
कराड़े हे।" ७जदे सरगदूत जेने उकासे
बातहुंण करी थी चल्यो ग्यो, तो उने
अपणा दो सेवकहुंण अने हमेस्या उका
सामे रेवा वाळाहुंण माय से एक भगत
सेनिक के बुलाड़्यो। ८अने उणके सगळी
बात समजाड़ी के याफा नगर मोकल्या।
९दूसरा दन जदे वी चलता-चलता याफा
नगर कने पोंचवा पे था, पतरस दफोर
का बखत पराथना करवा सरु घर का
अदरे चड़्यो। १०उके भूक लागी अने कंई
खावा को मन होयो। जदे वी तय्यारी
करीज र्या था तो उ बेसुद हुई ग्यो।
११उने देख्यो के असमान खुल्यो हे अने
बड़ो चादरो सरीकी कइंकी चीज चारी
कोणा से लटकती हुई जमीन पे उतरी री
हे, १२जेका माय सगळा तरा का चोपाया
जनावरहुंण, सरकवा वाळा अने असमान
का पखेरुहुंण था। १३उके एक अवाज
सुणई दई, "पतरस, उठ्या! मार अने
खा!"
१४पण पतरस ने क्यो, "नी परभु, कदी
नी, क्योंके म्हने कदी कंई अपवित्तर अने
असुद्द चीज[v] नी खई हे।"
१५पण दूसरा बखत उके वा अवाज
पाछी सुणई दई, "जेके परमेसर ने सुद्द
ठेराड़्यो, उके तू असुद्द मती के।" १६तीन
कावा असोज होयो, जदे वा चीज झट
असमान माय उठई ली।
१७पतरस जदे दुब्धा मायज थो के
"जो दरसन म्हने देख्यो उ कंई हुई सके,
"तो देखो, कुरनेलियुस से मोकल्या ग्या
लोग सिमोन का घर को पतो लगाड़ी के
घर का कमांड़ पे अई उब्या। १८वी तेड़ी
के पुछवा लाग्या, "सिमोन जो पतरस
केवाय, कंई यइंज रुक्यो होयो हे?"
१९पतरस उना दरसन पे सोंच-बिचार
करीज र्यो थो के पवित्तर आतमा ने
उकासे क्यो, "देख, तीन[w] मनख थारे ढुंडी
र्या हे। २०अबे उठ्या, निच्चे जा अने
बिना हिचके उणका गेले चल्यो जा, क्योंके
खुद म्हनेज उणके मोकल्या हे।" २१तो
पतरस ने निच्चे जई के उना लोगहुंण से

---

[v] **१०.१४** अपवित्तर अने असुद्द चीज: पतरस ने जो चादर दरसन माय देखी उका माय नरा जनावर असा था जिणके खाणो यहूदिहुंण सरु मूसा का नेम-बिधान माय मना कर्या ग्या था।

[w] **१०.१९** तीन: थोड़ाक हात का लिख्या होया माय असो लिख्यो हे थोड़ाक; एक हात का लिख्या माय दो।

क्यो, "देखो, जेके तम ढुंडी र्‌या हो उ हूंज हे। तम कायसरु आया हो?"

२२उणने क्यो, "कुरनेलियुस सुबेदार जो धरमी अने परमेसर को डर मानवा वाळो अने आखी यहूदी जात माय आदर-मान वाळो हे। उने एक पवित्तर सरगदूत से यो हुकम पायो के, थारे अपणा घरे बुलाड़ी के थार से बचन सुणे। **२३**जदे उने उणके भीत्तर बुलाड़ी के घर माय रुकायो।

दूसरा दन उ उठ्‌यो अने उणका गेले ग्यो, अने याफा नगर का रेवा वाळा भईहुंण माय से थोड़ाक उका गेले ग्या। **२४**दूसरा दन उ केसरिया नगर पोंच्यो। अने कुरनेलियुस अपणा रिस्तेदारहुंण अने खास दोसहुंण का गेले उकी बाट देखी र्‌यो थो। **२५**जसेज पतरस भित्तरे आयो तो करनेलियुस उकासे मिळ्यो, अने उका पगहुंण के धोक दई के उके परणाम कर्‌यो। **२६**पण पतरस ने उके उठाड़ता होया क्यो, "उठ्‌या, हूं बी तो मनख हूं।" **२७**उका गेले बात-चित करता होया जदे वी भित्तरे ग्या तो उने नरा मनखहुंण के वां भेळा देख्या। **२८**उने उणकासे क्यो, "तम खुदी जाणो हो के हम यहूदी सरु कइंका परदेसी से सम्बन्द राखणो या उणका यां जाणो अधरम हे। पण परमेसर ने म्हार पे परगट्‌यो के हूं कइंका मनख के अपवित्तर या असुद्द नी कूं। **२९**इकासरु जदे बुलाड़्यो तो बिना कंई बोले चल्यो आयो: तो अबे हूं पुछुं के तमने म्हारे कसा काम से तेड़्यो?"

३०कुरनेलियुस ने जुवाब द्‌यो, "चार दन होया ठीक इना बखत जदे हूं करीब तीन बज्या अपणा घरे पराथना[x] करी र्‌यो थो, तो देखो, एक मनख चळकण्यां लतरा पेर्‌यो म्हारा कने अई उब्यो। **३१**अने उने क्यो, 'कुरनेलियुस, परमेसर ने थारी पराथना सुणी ली अने थारा दान उका सामे रियाद कर्‌या ग्या हे। **३२**तो कइंका के याफा मोकली के सिमोन के, जो पतरस बी केवाय हे, अपणा कने तेड़ी ले। उ समन्दर का कराड़े चामड़ा को धन्दा करवा वाळा सिमोन का यां रुक्यो होयो हे।' **३३**तो म्हने झट थारे तेड़वा मोकल्यो अने तने घणी किरपा करी, के अई ग्यो। अबे हम सगळा यां परमेसर का सामे हाजिर हे के जो कंई थार से परमेसर ने क्यो उके सुणा।"

कुरनेलियुस का घरे पतरस को परबचन

३४[†] तो पतरस ने मुन्डो खोल्यो अने बोल्यो, "अबे हूं सांची समजी ग्यो के परमेसर कइंका की तरफदारी नी करे, **३५**पण हरेक जात माय जो उको डर माने अने धरम का काम करे उज उके भाणे वाळो हे। **३६**तम खुदज उना बचन के जाणो हो, जो परमेसर ने इसराइलहुंण कने मोकल्या, जदेकि परमेसर ने 'ईसु मसीह से सान्ती,'[y] को सुब-समिचार सुणवायो अने ईसुज सगळा को परभु हे। **३७**अने तम खुदज जाणो हो के, ईसु ने योहन का बपतिसमा लेवा का बाद गलील से लई के आखा यहूदिया इलाका माय सान्ती को परचार कर्‌यो। **३८**अने तम ईसु नासरी के जाणो हो के परमेसर

---

[x] **१०.३०** पराथना: थोड़ाक मूळ माय पराथना अने उपास।

[y] **१०.३६** 'ईसु मसीह से सान्ती: या ईसु मसीह की वजा से परमेसर से सान्ति हे अने ईसु सगळा को परभु हे।

[†] **१०.३४:** नेम-बिधान १०.१७

ने उके पवित्तर आतमा अने सामरत से
अभिसेक कर्‌यो, अने उ भलई करतो
अने उना सगळा के जो बुरी आतमा का
सताड़्या होया था नज करतो फर्‌यो,
क्योंके परमेसर उका गेले थो। ३९हम
उनी सगळी बातहुंण का गवा हे जो उने
यहूदिया देस अने यरुसलेम नगर माय
करी। अने उणने कुरुस पे लटकाड़ी के
उके मारी लाख्यो। ४०पण परमेसर ने
उके तीसरा दन जिन्दो उठई के परगट
बी होवा द्‌यो, ४१सगळा लोगहुंण पे नी,
पण उना गवाहुंण पे जिणके परमेसर ने
पेलां से छांटी ल्या था; याने हमार पे,
जो ईसु का मर्‌या माय से जी उठवा
का बाद उका गेले खायो-प्यो। ४२उने
हमारे हुकम द्‌यो के लोगहुंण का माय
परचार करां अने मजबूती से गवई दां के
'यो उज हे जेके परमेसर ने जीवताहुंण
अने मर्‌याहुंण को न्यावी ठेराड़्यो हे।'
४३सगळा नबी सासत्तर माय उकी गवई दे
हे के हरेक जो उका पे बिसास करे, उका
नाम से पापहुंण की मांफी मिळे हे।"

गेर यहूदिहुंण पे पवित्तर आतमा को उतारनो

४४जदे पतरस यो बचन कइज र्‌यो थो,
उनीज बखत बचन का सुणवा वाळाहुंण
पे पवित्तर आतमा उतर्‌यायो। ४५अने
जितरा खतणा कर्‌या होया बिसासी
पतरस का गेले आया था, सगळा के
अचरज होयो के पवित्तर आतमा को दान
गेर यहूदिहुंण पे बी कुड़्यो हे। ४६क्योंके
वी उणके तरा-तरा की बोलिहुंण बोलता
अने परमेसर की बड़ई करता होया सुणी
र्‌या था। तो पतरस ने क्यो, ४७"कंई
कईं को पाणी की रोक करी सके हे, के
ई लोगहुंण जिणने हमारा सरीको पवित्तर
आतमा पायो हे, बपतिसमो नी ले?"
४८अने उने हुकम द्‌यो के उणके ईसु
मसीह का नाम माय बपतिसमो द्‌यो
जाय। तो उणने उकासे थोड़ाक दन हजु
रुकवा सरु बिणती करी।

पतरस पाछो यरुसलेम आयो

११ फेर परेरितहुंण अने भई-बेनहुंण ने
जो आखा यहूदिया इलाका माय था
सुण्यो के गेर यहूदिहुंण ने बी परमेसर
को बचन मानी ल्यो हे। २जदे पतरस
यरुसलेम आयो तो जो केता था खतणा
जरुरी हे वी वां आया अने उकासे यो
बाद-बिवाद करवा लाग्या, ३"तने तो
बिना खतणा का लोगहुंण का यां जई
के उणका गेले जिम्यो।" ४तो पतरस
ने उणके एक का बाद एक सुणाणो
समजाणो सुरु कर्‌यो,

पतरस बिसासिहुंण के समजाड़े (ACT ११.४)

५"हूं याफा नगर माय पराथना करी
र्‌यो थो। म्हने बेहोंसी माय एक दरसन
देख्यो के एक बड़ा चादरा सरीकी कइंकी

चीज चारी कोणा से लटकी हुई असमान
से उतरी री हे वा नठू म्हारा कने अइगी।
६जदे म्हने ध्यान-दई देख्यो तो उका
माय धरती का ढोरहुंण, मांळ-जनावरहुंण
अने सरकवा वाळा जनावरहुंण, अने
असमान का पखेरुहुंण के देख्या। ७जदे
म्हारे या बाणी सुणई दई, 'पतरस,
उठ्या! मार, अने खा।' ८पण म्हने क्यो,
"हे परभु, कदी नी! क्योंके म्हने म्हारा
मुन्डा माय कसीज अपवित्तर या असुद्द
चीज कदी नी धरी।' ९पण दूसरी कावा
असमान से वा बाणी पाछी अई, 'जेके
परमेसर ने सुद्द ठेराड्यो उके असुद्द मती
के।' १०तीन कावा असोज होयो, जदे
सगळो कंई पाछो असमान माय उठई
ल्यो। ११"अने देखो, ठीक उणाज पल
तीन मनख जो केसरिया नगर से म्हारा
कने मोकल्या ग्या उना घर का सामे अई
उब्या जां हूं रुक्यो थो।[z] १२पवित्तर आतमा
ने म्हार से क्यो के हूं बिना संकोच के
उणका गेले जउं। ई छेः यहूदी भई बी
म्हारा गेले चल्या अने हम उना मनख
का घरे ग्या। १३उने हमारे बताड्यो के
कसतरा उने एक सरगदूत के अपणा
घर भित्तरे देख्यो अने यो केता सुण्यो,
'कइंका के याफा मोकली के सिमोन के
जो पतरस केवाय, यां बुलाड़ी ले। १४उ
थारे असी बात बताड़ेगा जेकासे तू अने
थारो घराणो उध्दार पायगा।' १५"ज्योंज
म्हने बोलनो सुरु कर्‍यो त्योंज पवित्तर
आतमा उणका पे बी वसेज उतर्‍यो
जसतरा सुरु माय हमार पे उतर्‍यो थो।
१६तो परभु को बचन म्हारे रियाद आयो
जो उ बोल्या करतो थो, 'योहन ने तो
तमारे पाणी से बपतिसमो द्‌यो, पण तम
पवित्तर आतमा से बपतिसमो पावगा।'[†]
१७तो अगर परमेसर ने उणके बी उज
बरदान द्‌यो जो हमारे परभु ईसु मसीह
पे बिसास करवा से मिळ्यो थो, तो हूं
कुंण थो जो परमेसर के रोकी सकूं?"
१८उणने या सुणी के सवाल करनों
बन्द करी द्‌यो अने परमेसर की म्हेमा
करिके केवा लाग्या, "जदे तो परमेसर ने
गेर यहूदिहुंण के बी जीवन सरु हिरदो
बदळवा को बरदान द्‌यो।"

अंताकिया नगर माय सुब-समिचार को आणो

१९[†]तो लोग उना संकट की वजासे जो
स्तिफनुस का बारामें सुरु होयो थो तित्तर-
बित्तर हुई ग्या। वी चलता-चलता फीनिके,
साइपरस इलाकाहुंण अने अंताकिया नगर
पोंच्या। वी सिरप यहूदिहुंण के बचन
सुणाता था। २०पण उणका माय से
थोड़ाक साइपरस का अने कुरेनी इलाका
का रेवासी था जो अंताकिया नगर पोंची
के यूनानिहुंण[a] के बी परभु ईसु को सुब-
समिचार सुणावा लाग्या। २१परभु को हात
उणका पे थो, अने घणी संख्या माय
लोग बिसास करिके परभु आड़ी फर्‍या।
२२जदे उणकी चरचा यरुसलेम की
मण्डळी तक पोंची तो उणने बरनाबास
के अंताकिया नगर मोकली द्‌यो। २३जदे
उने वां पोंची के परमेसर की किरपा का

[z] **११.११** हूं रुक्यो थोः थोड़ाक लेखहुंण माय हम रुक्या था।
[a] **११.२०** गेर यहूदिहुंणः थोड़ाक लेखहुंण माय यूनानी भासी या यूनानी भासी लोगहुंण।
[†] **११.१६:** परेरितहुंण १.५ [†] **११.१९:** परेरितहुंण ८.१–४

फळ के देख्यो तो उ खुस होयो अने उना सगळा के हिम्मत बन्दावां लाग्यो के वी आखा हिरदा से परभु सरु बिसास लायक बण्यारे, २४क्योंके बरनाबास भलो मनख थो[b] अने पवित्तर आतमा अने बिसास से भर्‌यो थो। अने नरा लोगहुंण परभु से जुड़ी ग्या।

२५तो बरनाबास साऊल के ढुंडवा सरु तरसुस नगर ग्यो। २६जदे उ उके मिळी ग्यो तो अंताकिया नगर लइ-यायो। तो वी पूरा एक बरस तक मण्डळी का गेले मिळता होया अने नरा लोगहुंण के सीख देता र्‌या। अने चेला पेलांपेल अंताकिया मायज मसीह केवाड़्या ग्या था।

२७उना दनहुंण माय थोड़ाक नबिहुंण यरुसलेम नगर से अंताकिया आया। २८[†]उणका माय से अगबुस नामका एक मनख ने उबो हुई के पवित्तर आतमा की अगवई से बताड़्यो के सई मेंज आखा जग माय भयानक बिखो पड़ेगा। अने रोम देस का राजा क्लोदियुस का सासन-काल माय असो होयो। २९तो अंताकिया माय चेलाहुंण ने फेसलो कर्‌यो के हरेक अपणी-अपणी लाइकी का मुजब यहूदिया इलाका माय रेवा वाळा भई-बेनहुंण की मदद सरु थोड़ो-घणो मोकलां। ३०उणने असोज कर्‌यो अने बरनाबास अने साऊल का हाते यरुसलेम की मण्डळी का पराचीन-सेवकहुंण के दान मोकली द्‌यो।

हेरोदेस, मण्डळी के सताड़वा वाळो

१२ करीब उणाज बखत हेरोदेस राजा[c] ने मण्डळी का थोड़ाक जणा के सताड़णो सुरु कर्‌यो। २उने योहन का भई याकूब के तरवार से मरवई लाख्यो। ३जदे उने देख्यो के यहूदी इनी बात से खुस होय हे, तो उने पतरस के बी बन्दी बणावा को मनसुबो कर्‌यो। ई अखमीरा रोटा का तेवार का दनहुंण था। ४[†] अने उने उके पकड़ी के जेळखाना माय लाखी

पतरस जेळखाना माय सोयो होयो (ACT १२.६)

---

[b] **११.२४** बरनाबास भलो मनख थो: यरुसलेम का अगवाहुंण ने बरनाबास के इकासरु मोकल्यो के गेर यहूदिहुंण माय जां सुब-समिचार परचार होयो, उका बारामें म्हायथी दे। बरनाबास पवित्तर आतमा से भर्‌यो होयो, अने अंताकिया माय काम देखी चुक्यो अने आनन्द से मदद करी र्‌यो थो। पण बाद माय जदे उने काठो हुई के यहूदिहुंण की रीति के थोड़ाक गेर यहूदी बिसासिहुंण का साते मिळई, तो लोगहुंण ने यरुसलेम जई के यहूदी चेलाहुंण के बताड़्या के पतरस अने बरनाबास ने कंई कर्‌यो हे। तो पतरस अने बरनाबास ने गेर यहूदी बिसासिहुंण का साते खाणो-पीणो बन्द करी लाख्यो। तो पोलुस ने उणके फटकार्‌या अने क्यो के यो गलत हे (गलातिहुंण २.११-१४)। [c] **१२.१** हेरोदेस राजा: यां हे हेरोदेस अग्रिप्पा परथम, याने हेरोदेस परथम (मत्ती २.१-१२) को पोतो।

[†] **११.२८:** परेरितहुंण २१.१० [†] **१२.४:** निरगमन १२.१–२७

द्यो, अने चार-चार सिपईहुंण का चार टोळा के असा मनसुबा से राख्या के फसह का बाद उके बायरे लोगहुंण का सामे लायो जावे। ५असतरा पतरस के जेळखाना माय राख्यो, पण मण्डळी उका सरु परमेसर से लो लगाड़ी ने पराथना करती री।

जेळखाना से पतरस के छुड़ायो जाणो

६जेनी राते हेरोदेस उके बायरे लावा वाळो थो, पतरस दो सांकळहुंण से खंग्यो होयो दो सिपईहुंण का अदाड़ माय सोइर्‌यो थो। पेरो देवा वाळा जेळखाना का फाटक पे नेपो करी र्‌या था। ७अने देखो तो परभु को एक सरगदूत एक दम से परगट्‌यो अने उनी खोली माय उजाळो चमक्यो। उने पतरस की पांसळी पे हात मारी के उके जगाड़्यो ने क्यो, "झट उठ्‌या!" अने उका हातहुंण से सांकळ हिटी पड़ी। ८सरगदूत ने उकासे क्यो, "कमर बान्द, अने अपणी पन्नी पेरिले।" पतरस ने वसोज कर्‌यो। फेर सरगदूत ने उकासे क्यो, "अपणा लतरा पेरिके म्हारा पाछे अइजा।" ९तो पतरस बायरे हिट्‌यो अने सरगदूत का पछड़े-पछड़े चलतो र्‌यो, पण उकी समज माय यो नी अई र्‌यो थो के जो कंई सरगदूत करी र्‌यो हे उ सांची मेंज हे। पण उने यो बिचार्‌यो के "हूं कईं को दरसन देखी र्‌यो हूं।" १०वी पेलां अने दूसरा नेपा से हिटी के लुव्वा का उना फाटक कने आया जो नगर आड़ी जाय हे, तो उ उणका सरु आपे-आप खुल्यो। वी बायरे हिटी के एक गळी माय हुई के चल्या, अने झट सरगदूत उके मेली के चल्यो ग्यो।

११जदे पतरस चेत्यो तो उने क्यो, "अबे हूं नठू जाणी ग्यो के परभु ने अपणा सरगदूत मोकली के म्हारे हेरोदेस का हात से छुड़ई ल्यो अने यहूदिहुंण की सगळी आसाहुंण पे पाणी फेरी लाख्यो।

१२जदे उके यो मालम पड़्यो तो उना योहन मरकुस की मेतारी मरियम का घरे ग्यो जां नरा लोगहुंण भेळा हुई के पराथना करी र्‌या था। १३जदे पतरस ने फाटक का बारना के खटखटाड़्यो, तो रुदे नामकी दासी जुवाब देवा अई। १४जदे उने पतरस की अवाज पेचाणी, तो खुसी का मारे बारनों खोल्या बिनाज दोड़ी के भित्तरे ग्यी अने बताड़्यो के "पतरस फाटक पे उब्यो हे!" १५उणने क्यो, "तू बेन्ड़ी हे!" पण वा काठी हुई के बोली के "यो सांची हे!" तो उणने क्यो, "पतरस को सरगदूत होयगा!"

१६पण पतरस खटखटाड़तो र्‌यो। जदे घणी-बखत बाद उणने बारनों हेड़्यो तो वी उके देखी के दंग रई ग्या! १७पण उने उणके छाना रेवा सरु हात से इसारो करिके क्यो के परभु ने कसतरा से म्हारे जेळखाना माय से बायरे हेड़्यो, फेर उने क्यो, "याकूब अने भई-बेनहुंण के यो समिचार दई दो।" तो उ वां से हिटी के कइंकी दूसरी जगा आड़ी चल्यो ग्यो।

१८दन उगताज सिपईहुंण माय सांसो पड़ी ग्यो के पतरस को कंई होयो। १९हेरोदेस ने जदे पतरस के घणो ढुंड़्यो पण उके नी लाद्‌यो तो उने नेपा पे रेवा वाळाहुंण की जांच-परख करी

अने हुकम द्‌यो के उणके लइ-जई के मारी लाखे।

हेरोदेस की मोत

तो हेरोदेस यहूदिया से केसरिया नगर
माय जई के रेवा लाग्यो। २०हेरोदेस सूर
अने सेदा नगर का लोगहुंण से घणो रीस
माय थो। वी एको करिके हेरोदेस का
राजम्हेल का मुनीम बलास्तुस के मनई
के हेरोदेस राजा का कने आया। उणने
मेळ-मिळाप करनों चायो, क्योंके राजा
का देस से उणका देस को पाळण-पोसण
होतो थो।
२१ठेराड़या होया दन हेरोदेस रजवाड़ी
लतरा पेरिके सिंगासण पे बेठ्यो अने
उणके भासण देवा लाग्यो। २२तो लोग
चिल्लाता र्‌या, "या तो मनख की बाणी
हयनी, पण एक देवता की बाणी हे!"
२३उनीज घड़ी परभु परमेसर का दूत ने
उके मार्‌यो, क्योंके उने परमेसर के म्हेमा
नी दई। उकी काया माय कीड़ा पड़ी ग्या,
जो उके खावा लाग्या अने उने दम तोड़ी
लाख्यो।
२४पण परमेसर को बचन बड़तो अने
फेलतो ग्यो अने नरा लोगहुंण ने बिसास
कर्‌यो।
२५जदे बरनाबास अने साऊल अपणा
सेवा को काम पूरण करी चुक्या तो
यरुसलेम से[d] अंताकिया पाछा आया अने
अपणा गेले योहन मरकुस के लइ-याया।

बरनाबास अने साऊल के छांट्यो जाणो

१३ अंताकिया की मण्डळी माय थोड़ाक
नबी अने बरनाबास, सिमोन जो
(नीगर) काळा केवाता था, लूकियुस
कुरेनी, मनाहेम जेको पाळण-पोसण देस
का चोथा हिस्सा का राजा हेरोदेस[e] का
गेले होयो थो, अने साऊल जसा थोड़ाक
सिक्छक था। २जदे वी उपास अने परभु
की उपासणा करी र्‌या था तो पवित्तर
आतमा ने क्यो, "म्हारा सरु बरनाबास
अने साऊल के उना काम सरु इकाड़ी
करो जेका सरु म्हने उणके तेड़्यो हे।"
३जदे वी उपास अने पराथना करी
चुक्या तो उणका पे हात धरी के उणके
मोकली द्‌या।

बरनाबास अने साऊल की साइपरस टापू जातरा

४अने ई जो पवित्तर आतमा आड़ी से
मोकल्या था, वी सिलूकिया नगर ग्या
अने वां झाज से साइपरस इलाका ग्या।
५सलमीस नगर पोंची के उणने यहूदिहुंण
का अराधनालयहुंण माय परमेसर का
बचन को परचार करनों सुरु करी द्‌यो।
योहन मरकुस उणका गेले हुई के उणको
सेवक थो।
६जदे वी उना आखा टापू माय से
होता होया पाफुस नगर पोंच्या तो उणके
बार-ईसु नामको एक जादूगर मिळ्यो
जो यहूदी अने झुंटो नबी थो। ७उ
राजपाल सिरगियुस पोलुस का गेले थो
जो अकलमंद मनख थो। इना मनख ने
बरनाबास अने साऊल के तेड़ी के परमेसर
को बचन सुणनो चायो। ८पण बार-ईसु
जादूगर ने उणको बिरोद करिके राजपाल

---

[d] **१२.२५** यरुसलेम से: थोड़ाक लेखहुंण माय असो हे यरुसलेम पाछा आया। [e] **१३.१** हेरोदेस: हेरोदेस अन्तिपास, बी.सी ४ से ए.डी. ३९ तक गलील इलाका को राजो (देखो लूका ३.१) थो।

के बिसास करवा से भेकावा की कोसिस
करी। (उका नाम को अरथ यूनानी माय
इलीमास हे।) ९पण साऊल ने जो पोलुस
बी केवातो थो, पवित्तर आतमा से भर्‌यो
होयो उका आड़ी नगे गड़ई के क्यो,
१०"हे सेतान की सन्तान! तू तो आखी
धारमिकता को बेरी हे! सगळा छळ अने
पाखण्ड से भर्‌या होया! कंई तू परभु
का सुदा मारग के बांको करनों छोड़ेगा
हयनी? ११अबे ध्यान दे, परभु को हात
थार पे पड़्यो हे! तो तू आंदो हुई जायगा
अने थोड़ाक बखत तक तू सूरज के नी
देखी सकेगा।"

तो झटज उका पे धुंधळो पणो अने
इन्दारो छई ग्यो, अने उ अंई-वंई टटोळवा
लाग्यो के कईं को उको हात पकड़ी के
उके मारग बताड़े। १२तो राजपाल ने इनी
घटणा के देखी के अने परभु का बारामें
परबचन सुणी के दंग हुई के बिसास
कर्‌यो।

पोलुस पिसिदिया इलाका का अंताकिया नगर माय

१३पोलुस अने उका सातिहुंण पाणी-
मारग से हुई के पाफुस से पंफूलिया
इलाका का पिरगा नगर माय आया। पण
योहन मरकुस उणके मेली के यरुसलेम
पाछो अई ग्यो। १४तो पोलुस अने
बरनाबास पिरगा से चली के पिसिदिया
इलाका का अंताकिया नगर पोंच्या अने
सबद् का दन यहूदिहुंण का पराथनाघर
माय जई के बेठी ग्या। १५सासत्तर से
नेम-बिधान अने नबिहुंण की पोथी माय
से बचन बांचवा का बाद पराथनाघर
का हाकिमहुंण ने पोलुस अने बरनाबास
का कने केवाड़ी मोकल्यो, "भई-बेनहुंण,
अगर तमारा कने लोगहुंण के सीख देवा
सरु हिरदा माय कईं को परबचन होय,
तो कइदो।" १६तो पोलुस उबो उठ्यो अने
हात से इसारो करिके केवा लाग्यो:

"हे इसराइल भई-बेनहुंण, अने परमेसर
को डर मानवा वाळा गेर यहूदिहुंण,
सुणो: १७† इनी परजा इसराइल का
परमेसर ने हमारा पूरखाहुंण के छांटी
ल्या। उने मिसर देस माय परदेसी हुई
के र्‌या उणके म्हान कर्‌या। अने अपणी
बळसाळी भुजा बड़ई के उणके वां से हेड़ी
ल्यायो। १८† अने करीब चाळीस बरस
तक मांळ माय उणकी सेतो र्‌यो। १९†
उकासे कनान देस की सात जातहुंण को
नास करिके उणकी जमीन के अपणा
इसराइली लोगहुंण के मिरास माय बांटी
लाखी। २०† इना सगळा के होवा माय
करीब साड़ा चार सो[f] बरस लाग्या।

"इनी बातहुंण का बाद परमेसर ने
उणके सेमुएल नबी का बखत तक
न्याव करवा वाळा द्‌या। २१† तो उणने
राजा की चायना करी अने परमेसर
ने बिन्यामीन का गोत माय से एक
मनख कीस का बेटा साऊल के चाळीस
बरस सरु उणके दई द्‌यो। २२† फेर उके
हटाड़वा का बाद परमेसर ने दाऊद के

---

[f] **१३.२०** साड़ा चार सो: या चार सो पचास।

† **१३.१७:** निरगमन १.७, १२.५१ † **१३.१८:** गिणती १४.३४; नेम-बिधान १.३१

† **१३.१९:** नेम-बिधान ७.१; यहोसू १४.१ † **१३.२०:** न्याविहुंण २.१६; १ सेमुएल ३.२०

† **१३.२१:** १ सेमुएल ८.५, १०.२१ † **१३.२२:** १ सेमुएल १३.१४, १६.१२; भजन संहिता ८९.२०

उणको राजो बणायो, जेका बारामें उने
गवई दई के, 'म्हारे एक मनख याने
यिसे को बेटो दाऊद मिळ्यो हे जो म्हारा
हिरदा मुजब हे, अने जो म्हारी सगळी
मरजी पूरण करेगा।' २३"इना दाऊद
का बंस से परमेसर ने करार मुजब
इसराइल कने एक मुक्तिदातो याने ईसु
के मोकल्यो। २४† ईसु का परचार सेवा
करवा से पेलां योहन ने आखा इसराइल
का सगळा लोगहुंण माय हिरदो बदळवा
का बपतिसमा को परचार कर्‌यो थो। २५†
जदे योहन अपणो बखत पूरण करवा पे
थो उ बोल्या करतो थो, 'तम म्हारे कंई
समजो? हूं उ मसीह हयनी! पण ध्यान
धरो के म्हारा पाछे एक आवा वाळो हे
जो म्हार से घणो म्हान हे। हूं उकी
पन्नी हेड़वा लायक बी हयनी।'

२६"हे भई-बेनहुंण, इबराइम की
सन्तानहुंण अने तम गेर यहूदिहुंण
जो परमेसर का उपासक हो, ईसु
माय तमारा सरु यो उध्दार को बचन
मोकल्यो हे। २७यरुसलेम का रेवा
वाळाहुंण अने उणका हाकिमहुंण ने
इना जणा ईसु के नी पेचाण्यो के
उ मुक्तिदातो हे। अने नबिहुंण की
बातहुंण के जिणके हरेक सबत् का
दन बांची जाय हे समजे हयनी। तो
उणने ईसु के बी कसुरवार ठेरई के
इनीज बातहुंण के पूरण करी हे। २८†
जदके उणका कने उके मारी लाखवा
सरु कईं को कारण नी थो, फेर बी
उणने पिलातुस से मांग करी के उ
मारी लाख्यो जाय। २९† जदे उणने
उका बारामें सासत्तर माय लिखी हुई
सगळी बातहुंण पूरण करी ली, तो उका
चेलाहुंण ने उके कुरुस पे से उतारी के
कबर माय धरी द्‌यो। ३०पण परमेसर ने
उके मर्‌या माय से जीवाड़ी लाख्यो ३१†
अने जो उका गेले गलील से यरुसलेम
आया था, उणका पे उ नरा दन तक
परगटतो र्‌यो। ई वीज चेलाहुंण हे जो
अबे इसराइली लोगहुंण का सामे ईसु
मसीह का गवा हे। ३२† "अबे हम
तमारेज यो सुब-समिचार सुणांवां हे:
जो करार परमेसर ने हमारा पूरखाहुंण
से कर्‌यो थो, ३३उज करार परमेसर ने
ईसु के जीवाड़ी के हमारा सरु पूरण
कर्‌यो जो उणकी सन्तानहुंण हे जसाके
दूसरा भजन माय बी लिख्यो,

'तू म्हारो बेटो,
आजज म्हने थारे जन्म्यो हे[g]।'

३४† "परमेसर ने उके मर्‌याहुंण माय से
जिवाड़्यो के उ कदी नी सड़े। इका बारामें
परमेसर ने असो क्यो हे,

'हूं पवित्तर अने नी टळवा वाळी
आसीस दूंवां,
जेके देवा को बचन म्हने दाऊद
के द्‌यो थो।'

३५† "इकासरु उ एक हजु भजन माय
बी के हे,

---

† **१३.२४:** मरकुस १.४; लूका ३.३ † **१३.२५:** मत्ती ३.११; मरकुस १.७; लूका ३.१६; योहन १.२०, २७
† **१३.२८:** मत्ती २७.२२–२३; मरकुस १५.१३–१४; लूका २३.२१–२३; योहन १९.१५
† **१३.२९:** मत्ती २७.५७–६१; मरकुस १५.४२–४७; लूका २३.५०–५६; योहन १९.३८–४२
† **१३.३१:** परेरितहुंण १.३ † **१३.३३:** भजन संहिता २.७ g **१३.३३:** भजन संहिता २.७
† **१३.३४:** यसायाह ५५.३ † **१३.३५:** भजन संहिता १६.१०

'तू अपणा पवित्तर जणा के कबर
माय सड़वा नी देगा।'
३६"तो राजा दाऊद ने ई बातहुंण लिखी,
पण अपणा बारामें नी लिखी, क्योंके
दाऊद परमेसर का मरजी का मुजब
अपणा जुग का लोगहुंण की सेवा पूरण
करिके अपणा पूरखाहुंण का अदाड़ माय
गाड़्यो, अने सड़ी ग्यो। ३७पण ईसु
का बारामें लिख्यो, जेके परमेसर ने
जिवाड़्यो, अने उ सड़ी नी सक्यो।
३८इकासरु हे भई-बेनहुंण, तम यो जाणी
लो के इकाज से पापहुंण की मांफी को
सुब-समिचार तमारे सुणायो जई र्‌यो
हे, ३९अने उकासेज हरेक बिसास करवा
वाळा उनी सगळी बातहुंण से छुटी जाय
हे जदके वी मूसा का नेम-बिधान से
छुटी नी सकता था। ४०इकासरु होसियार
रो के उ नुकस्यान जो नबिहुंण ने
सासत्तर माय लिख्यो हे तमार पे[h] नी
घटी जाय:
४१[†] 'हे परमेसर की बात की निंदा
करवा वाळाहुंण, देखो अने
अचरज करो, अने मिटी
जाव,
क्योंके हूं तमारा दनहुंण माय एक
काम करी र्‌यो हूं,
असो काम जेकी अगर कईं को
तमार से चरचा बी करे
तो तम कदी उको भरोसो नी
करोगा'।"
४२जदे पोलुस अने बरनाबास बायरे
जावा लाग्या तो लोगहुंण ने उणकासे
याचना करी के आवा वाळा सबत् का
दन उणके ई बातहुंण हजु पाछी सुणई
जावे। ४३जदे पराथना खतम हुई गी तो
यहूदिहुंण अने यहूदी धरम माय आया
होया भगतहुंण माय से नरा लोगहुंण
पोलुस से अने बरनबास से बात-चित
करता होया पाछे हुई ल्या। परेरितहुंण
ने समजायो के परमेसर की किरपा
माय बण्या रो।
४४अगल्या सबत् का दन माय करीब
आखो नगर परमेसर का बचन सुणवा
सरु उमड़ी पड़्यो। ४५पण जदे यहूदिहुंण
ने भीड़ के देखी तो वी जळण से भरी
उठ्या अने निंदा करता होया पोलुस ने
जो कंई बात बोली थी उकी बातहुंण को
खण्डण करवा लाग्या। ४६तो पोलुस अने
बरनाबास ने काठो हुई के क्यो, "यो
जरुरी थो के हम परमेसर को बचन पेलां
तम यहूदिहुंण के सुणाता। पण इकासरु
के तम उके टाळो हो अने अपणा खुद
के सदा का जीवन का लायक नी ठेराव
हो, तो देखो, हम गेर यहूदिहुंण आड़ी
फरां हे। ४७[†] क्योंके परभु ने हमारे यो
हुकम द्‌यो,
'म्हने थारे गेर यहूदिहुंण सरु
उजाळो ठेराड़्यो के,
तू धरती का छोर तक सगळी
जात सरु उध्दार को कारण
बण्यो रे।'
४८जदे गेर यहूदिहुंण ने यो सुण्यो
तो वी खुस होवा अने परभु का बचन
की बड़ई करवा लाग्या, अने जितरा

---

[h] **१३.४०** थोड़ाक हात का लिख्या होया लेखहुंण माय तमार पे नी हे।
[†] **१३.४१:** हबक्कूक १.५ [†] **१३.४७:** यसायाह ४२.६, ४९.६

के परमेसर ने हमेस्या का जीवन सरु
ठेराड़्या था, उणने बिसास कर्‌यो।
४९अने परभु को बचन आखा
इलाका माय फेलतो चल्यो ग्यो।
५०पण यहूदिहुंण ने खास-खास भगत
बड़्राहुंण अने नगर का खास मनखहुंण
के भड़काया, के पोलुस अने बरनाबास
का बिरोद माय बलवो मचई के उणके
अपणा नगर की हद का बायरे हेड़ी
लाखो। ५१[†] तो वी यहूदिहुंण का बिरोद
माय अपणा पग को धूळो झटकारी
के[i] इकुनियुम नगर आड़ी चल्या ग्या।
५२पण अंताकिया माय चेलाहुंण आनन्द
अने पवित्तर आतमा से लगातार भर्‌या-
पुर्‌या होता ग्या।

इकुनियुम नगर माय बरनाबास अने पोलुस

१४ फेर इकुनियुम नगर माय असो
होयो जसोके अंताकिया नगर
माय होयो थो। बरनाबास अने पोलुस
यहूदिहुंण का पराथनाघर माय ग्या,
अने उणने असा तरीका से बातहुंण करी
के यहूदिहुंण अने यूनानिहुंण माय से
नरा लोगहुंण ने परभु ईसु पे बिसास
कर्‌यो। २पण जेना यहूदिहुंण ने उका
पे बिसास नी कर्‌यो थो, उणने गेर
यहूदिहुंण का हिरदाहुंण के उकसाड़्या
अने भई-बेनहुंण का बिरोद माय कड़वाट
से भरी लाखी। ३इकासरु परेरितहुंण वां
नरा दन तक र्‌या अने परभु ईसु का
बारामें बेधड़क हुई के परचार करता
र्‌या, अने परभु उणका हातहुंण से नरी
सेलाणी अने अचरज का काम करई
के अपणी किरपा का बचन की गवई
देतो र्‌यो। ४पण नगर का लोगहुंण
माय फाट पड़ी गी जेकासे थोड़ाक तो
यहूदिहुंण आड़ी अने थोड़ाक परेरितहुंण
आड़ी हुई ग्या।
५पण जदे गेर यहूदिहुंण अने यहूदिहुंण
ने अपणा हाकिमहुंण का साते मिळी
के उणका गेले बुरो बरताव करवा अने
भाटा-मार करवा की योजणा बणई। ६तो
परेरितहुंण इके जाणी के लुकाउनिया
इलाका का लुसतरा अने दिरबे नगरहुंण
माय अने ऐरे-मेरे का इलाकाहुंण माय
भागी ग्या। ७अने वां सुब-समिचार
सुणाता र्‌या।

लुसतरा अने दिरबे नगर माय पोलुस

८लुसतरा नगर माय एक मनख बेठ्‌यो
होयो थो, जेका पगहुंण माय जोर नी
थो। उ मेतारी की कोख सेज पांगळो
थो अने कदी नी चल्यो थो। ९उ मनख
पोलुस की बातहुंण सुणी र्‌यो थो।
पोलुस ने उका आड़ी ध्यान द्‌यो अने
यो देख्यो के उके नज हुई जावा को
बिसास हे। १०तो पोलुस घणो जोर से
बोल्यो, "अपणा पगहुंण पे सुदो उबी
जा!" अने उ कुदिके उबो हुई ग्यो

---

[i] **१३.५१** बिरोद माय अपणा पग को धूळो झटकारी के: ईसु ने अपणा चेलाहुंण के क्यो थो के अपणा पग को धूळो बी झटकारी लाखजो, क्योंके उणने उध्दार का सुब-समिचार के नी मान्या हे। या चेतावणी हे के जदे परमेसर को न्याव परगटेगा तो यो धूळो गवई देगा के तमने परमेसर का बचन को बिरोद कर्‌यो थो। (मत्ती १०.१४; मरकुस ६.११; लूका ९.५; १०.११)।

[†] **१३.५१:** मत्ती १०.१४; मरकुस ६.११; लूका ९.५, १०.११

पोलुस अने पांगळो (ACT १४.१०)

अने चलवा-फरवा लाग्यो। ११पोलुस का इना काम के देखी के लुकाउनिया की भासा माय लोगहुंण चिल्लाड़ी के केवा लाग्या, "देवताहुंण मनखहुंण को रुप धरी के हमारा माय उतर्याया हे।" १२वी बरनाबास के ज्यूस[j] केवा लाग्या अने पोलुस के हिरमेस,[k] क्योंके उ बात करवा माय खास थो। १३ज्यूस को मन्दर नगर का सामेंज थो उको पुजारी बेलहुंण अने मांळाहुंण के फाटक पे लइ-यायो अने उणने भीड़ का साते मिळी के बली चड़ाणो चायो।

१४पण जदे परेरितहुंण याने बरनाबास अने पोलुस ने यो सुण्यो तो उणने दुःख माय अपणा लतरा फाड़्या, अने भीड़ आड़ी यो चिल्लाता होया लपक्या, १५[†] "अरे भई-बेनहुंण, यो सगळो कंई करी र्या हो? हम बी तो तमारा सरीका मनखज हे; अने तमारे इकाज बले सुब-समिचार सुणांवां हे के तम इनी बेकार की चीजहुंण के तजिके जीवता परमेसर आड़ी फरो जेने सरग, धरती अने समन्दर अने जो कंई उका माय हे, सगळा के बणायो। १६उने बित्या जुगहुंण माय सगळी जातहुंण के अपणा-अपणा मारगहुंण पे चलवा द्या। १७फेर बी परमेसर ने अपणा खुद का बारामें गवई दई हे, याने उ भलई करतो र्यो अने तमारे बरसात अने फळ वाळा मोसमहुंण दई के तमारे भोजन अने तमारा हिरदा के खुसी से भर्यो-पुर्यो करतो र्यो। १८यो केणा पे बी उणने भीड़ के बड़ी मुसकिल से थामी, के उणका सरु चड़ावो नी चड़ाय।

१९पण अंताकिया अने इकुनियुम नगरहुंण से यहूदिहुंण आया, अने उणने भीड़ के अपणा आड़ी करिके पोलुस के भाटा-मार कर्यो अने मर्यो जाणी के उके नगर का बायरे घसीटी लई ग्या। २०पण चेला जदे उका चारी-मेर अई उब्या तो पोलुस उठ्यो अने नगर माय पाछो ग्यो। दूसरा दन उ बरनाबास का गेले दिरबे नगर चल्यो ग्यो।

सीरिया देस माय अंताकिया नगर से पाछो आणो

२१पोलुस अने बरनाबास दिरबे नगर माय सुब-समिचार सुणाया अने नरा चेलाहुंण बणाया। इका बाद वी लुसतरा, इकुनियुम अने अंताकिया पाछा अई

---

[j] **१४.१२** ज्यूसः यूनानी बहुदेव वादी हे। ज्यूस एक खास यूनानी देव थो।

[k] **१४.१२** हिरमेसः एक हजु यूनानी देव। इणका बिसास मुजब यो देव देवहुंण को दूत थो।

[†] **१४.१५:** निरगमन २०.११; भजन संहिता १४६.६

ग्या, २२अने चेला का हिरदाहुंण के
भटकवा नी द्या अने बिसास माय
बण्या रे इकासरु या कई के हिम्मत
बन्दाता र्या, "हमारे घणो संकट उठाड़ी
के परमेसर का राज माय जाणो हे।"
२३फेर उणने हरेक मण्डळी माय
पराचीन-सेवक ठेरई के उपास समेत
पराथना करी, अने उणके परभु का
हात माय दई द्या जेका पे उणने
बिसास कर्यो थो।

२४तो वी पिसिदिया का इलाका से होता
होय पंफूलिया का इलाका माय पोंच्या।
२५फेर पिरगा नगर माय परभु को बचन
सुणई के वी अत्तलीया नगर चल्या ग्या
जो समन्दर का कराड़े अने पिरगा कने
हे। २६वां से वी झाज से सीरिया देस का
अंताकिया ग्या, जां जेना काम के उणने
अबी पूरण कर्यो थो उना काम सरु वी
परमेसर की किरपा का बस माय हुई
ग्या।

२७वां पोंची के उणने मण्डळी के
भेळी करी अने जो कंई परमेसर ने
उणका से करायो थो, उको बखाण
कर्यो अने यो बी के कसतरा परमेसर
ने गेर यहूदिहुंण सरु बिसास को कमांड़
हेड़्यो। २८तो वी चेलाहुंण का गेले नरा
दन तक र्या।

यरुसलेम माय एक म्हापंचायत

१५ † थोड़ाक लोग यहूदिया से
अंताकिया नगर माय अई के भई-
बेनहुंण के सीखाड़वा लाग्या, "जदत्तक
मूसा की रीति का मुजब तमारो खतणो
नी होय, तम उध्दार नी पई सकता।"
२जदे पोलुस अने बरनाबास को उणका
गेले मतभेद अने बाद-बिवाद होयो, तो
भई-बेनहुंण ने यो मनसुबो कर्यो के
पोलुस, बरनाबास अने उणका माय से
थोड़ाक दूसरा लोग इनी दिक्कत का
बारामें परेरितहुंण अने पराचीन-सेवकहुंण
कने यरुसलेम जाय।

३तो मण्डळी से बिदई पई के वी
फीनीके अने सामरिया इलाकाहुंण
होता होया सगळा भई-बेनहुंण के गेर
यहूदिहुंण का हिरदा बदळवा को पूरण
समिचार सुणई-सुणई के घणी खुसी
पोंचई र्या था। ४जदे वी यरुसलेम
पोंच्या तो उणकी आव-भगत मण्डळी,
परेरितहुंण अने पराचीन-सेवकहुंण ने
करी। तो उणने उ सगळो कंई सुणायो
जो परमेसर ने उणकासे करायो थो।
५पण फरीसिहुंण दळ का थोड़ाक
बिसासिहुंण ने उबा हुई के क्यो, "उणको
खतणो कराणो अने उणके मूसा का
नेम-बिधान को पाळण करावा को हुकम
जरुरी हे।"

६परेरित अने पराचीन-सेवक इना
बारामें बिचारवा सरु भेळा होया। ७†
जदे नरो सोंच-बिचार हुई चुक्यो, तो
पतरस ने उबो हुई के क्यो, "भई-
बेनहुंण, तम जाणो हो के नरा दन
पेलां परमेसर ने तमारा माय से म्हारे
छांट्यो के गेर यहूदी म्हार से सुब-
समिचार का बचन सुणे अने बिसास
करे। ८† अने परमेसर ने जो हरेक
का हिरदा के जाणे हे, हमारीज तरा

---

† **१५.१:** लेव्यव्यवस्था १२.३ † **१५.७:** परेरितहुंण १०.१–४३ † **१५.८:** परेरितहुंण २.४, १०.४४

उणके बी पवित्तर आतमा दई के उणका
आड़ी से गवई दई। ९असतरा बिसास
से उणका हिरदा के सुद्द करिके उने
हमारा माय अने उणका माय कंई
फरक नी राख्यो। १०इकासरु चेलाहुंण
का गळा पे असो जुड़ो, याने मूसा
का नेम-बिधान, जेके नी तो हमारा
पुरखा अने नीज हम पाळी सकां हे,
अबे कायसरु परमेसर के अजमाव हो?
११कदी नी! हमारे भरोसो हे के परभु
ईसु की किरपा से हमारी मुक्ती वसीज
हुई हे जसी उणकी।"

१२तो आखी भीड़ सांत हुई के
बरनाबास अने पोलुस से सुब-समिचार
सुणवा लागी के परमेसर ने उणका से
गेर यहूदिहुंण माय कसा-कसा अनोखा
चमत्कार कराया अने अचरज का
काम दिखाड़्या। १३जदे वी कई चुक्या
तो याकूब ने जुवाब द्यो, "हे भई-
बेनहुंण, म्हारी सुणो! १४सिमोन पतरस
ने बताड़्यो के परमेसर ने अपणा सरु
नरा दन पेलां गेर यहूदिहुंण माय से
एक परजा के कसे छांटी ली। १५इनी
बात से नबिहुंण का बचन बी मेळखाय
जसोके सासत्तर माय लिख्यो हे,

१६ † 'इनी बातहुंण का पाछे हूं पाछो
अउंवां,
अने हूं दाऊद को खतम होयो
राज[1] पाछो उबो करुंवां,
अने उका खण्डेरहुंण के पाछो काठो
बणउंवां,
अने उणके उबो करुंवां,
१७जेकासे के बाकी सगळी जातहुंण बी
परभु के ढुंडे,
याने सगळा गेर यहूदी बी जो
म्हारा नाम का केवाय हे।
१८ यो उज परभु के हे जो सनातन
काल से इनी बातहुंण के परगट
करतो अई र्‌यो हे।'†

१९"तो हूं इना नतीजा पे आयो के हम
उणके दुःखी नी करां जो गेर यहूदिहुंण
माय से परमेसर आड़ी पलटे हे। २०† पण
उणके लिखी मोकलां के वी मुरतहुंण
पे चड़ई असुद्द चीजहुंण से, बुरा बिचार
से, घतळ्डा घोंट्या ढोरहुंण का गोस से,
अने लोई खावा से दूरा रे। २१क्योंके
सनातन काल से नगर-नगर माय मूसा
का नेम-बिधान को परचार करवा वाळा
रेता अई र्‌या हे, अने हरेक सबत् का
दन पराथनाघरहुंण माय उज नेम-बिधान
बांच्यो जाय हे।"

गेर यहूदी बिसासिहुंण का नामे चिट्ठी

२२जदे आखी मण्डळी समेत
परेरितहुंण अने पराचीन-सेवकहुंण के
यो ठीक लाग्यो के अपणा अदाड़ माय
से थोड़ाक मनख के छांटी के जो भई-
बेनहुंण माय खास था। बरसब्बा केवाणे
वाळो यहूदा अने सीलास था। उणके
पोलुस अने बरनाबास का गेले अंताकिया
नगर माय मोकलां। २३उणने उणका हाते
या चिट्ठी मोकली:

"यरुसलेम से परेरितहुंण अने उना
पराचीन-सेवक आड़ी से जो भई-बेनहुंण

---

[1] **१५.१६** खतम होयो राज: यूनानी माय, पड़्या होया डेरा।

† **१५.१६–१८:** आमोस ९.११–१२ † **१५.१८:** आमोस ९.११-१२ † **१५.२०:** निरगमन ३४.१५–१७; लेव्यव्यवस्था १७.१०–१६, १८.६–२३

हे, अंताकिया नगर, अने सीरिया अने
किलिकिया इलाका का भई-बेनहुंण
के जो गेर यहूदिहुंण माय से हे,
तमारे नमसकार। २४"हमने सुण्यो के
हमारा माय से थोड़ाक जणा ने अपणी
बातहुंण से तमारे घबरई लाख्या था
अने तमारा हिरदा माय हलचल मचई
लाखी थी। पण हमने उणके हुकम
नी द्यो थो! २५तो एक मन्सा से
हमारे यो अच्छो लाग्यो के अपणा
परमिला बरनाबास अने पोलुस का गेले
थोड़ाक जणा के छांटी के तमारा कने
मोकलां। २६ई असा जणा हे जिणने
हमारा परभु ईसु मसीह का नाम सरु
अपणा पराण खतरा माय लाख्या हे।
२७इकासरु हमने यहूदा अने सीलास
के मोकल्या, जो खुद बी अपणा मुन्डा
से इनी सगळी बातहुंण को समिचार
देगा। २८क्योंके पवित्तर आतमा अने
हमारे यो ठीक लाग्यो, के इनी जरुरी
बातहुंण के छोड़ी के तमार पे हजु
कईं को बोजो नी लाखां: २९के तम
मुरतहुंण पे बलिदान करिके चड़ई गी
चीजहुंण से, लोई से, घतळडा घोंट्या
होया का गोस से, अने बुरा बिचार
से दूरा रो। इणका से बच्या रो. तो
तमारो भलो होयगा। अच्छा, अबे
बिदा लां।"

३०वी सगळा बिदा हुई के अंताकिया
ग्या अने वां भई-बेनहुंण की सबा तेड़ी
के उणके वा चिट्ठी दई। ३१जदे सगळा
बिसासी चिट्ठी बांची चुक्या तो उकासे
हिम्मत मिळी अने घणा खुस होया।
३२यहूदा अने सीलास ने बी खुद परमेसर
आड़ी से बोलवा वाळा होवा का नाते भई-
बेनहुंण के लम्बो परबचन दई के हिम्मत
बन्दाड़ी अने मजबूत कर्‌या। ३३थोड़ाक
दन वां रेवा का बाद भई-बेनहुंण ने
सान्ती से यरुसलेम आड़ी पाछा उणका
मोकलवा वाळाहुंण कने उणके बिदा करी
द्या। ३४[पण सीलास के वां रेणो अच्छो
लाग्यो।][m]

३५पोलुस अने बरनाबास बी
अंताकिया माय री ग्या, अने दूसरा
लोगहुंण का गेले वी बी परभु का
बचन की सीख देता अने उको परचार
करता र्‌या।

पोलुस अने बरनाबास के इकाड़ी होणो

३६थोड़ाक दन बाद पोलुस ने
बरनाबास से क्यो, "जेना-जेना नगरहुंण
माय हमने परभु को बचन सुणायो
थो, आव, वां चली के भई-बेनहुंण के
देखां के वी कसा हे।" ३७बरनाबास की
मरजी अपणा गेले योहन मरकुस के बी
लई जावा की थी, ३८[†] पण पोलुस इनी
बात पे अड़्यो र्‌यो के, "हम उना जणा
के जेने पंफूलिया इलाका से हमारो
सात छोड़ी लाख्यो थो अने हमारा गेले
काम पे नी ग्यो थो अपणा गेले नी
लई जांवां।" ३९इका पे उणका माय
असो झगड़ो होयो के वी एक दूसरा
से इकाड़ी हुई ग्या, अने बरनाबास
योहन मरकुस के लई के पाणी-मारग

---

[m] **१५.३४** थोड़ाक जूना लेखहुंण माय इके ३४ पद का रुप माय जोड़्यो हे।
[†] **१५.३८:** परेरितहुंण १३.१३

से साइपरस इलाका माय चल्यो ग्यो।
४०पण पोलुस ने सीलास के छांटी ल्यो
अने भई-बेनहुंण से परमेसर की किरपा
माय सोंप्यो जई के उ वां से चल्यो
ग्यो। ४१अने सीरिया अने किलिकिया
इलाका माय फरतो होयो मण्डळिहुंण
के ठावी करतो र्‌यो।

पोलुस अने सीलास का गेले तीमुथियुस

१६ तो पोलुस दिरबे अने लुसतरा
नगर आड़ी बीतो ग्यो। अने देखो
तो, लुसतरा नगर माय तीमुथियुस
नामको एक चेलो थो, जो कइंकी
बिसासी यहूदी बइरा को बेटो थो, पण
उको बाप यूनानी थो। २उको लुसतरा
अने इकुनियुम का भई-बेनहुंण माय
घणो नाम थो। ३पोलुस इना मनख के
अपणा गेले लई जाणो चातो थो। तो
उके लई के उनी जगा माय रेवा वाळा
यहूदिहुंण की वजासे उने उको खतणो[n]
कर्‌यो, क्योंके वी सगळा जाणता था
के उको बाप यूनानी थो। ४जदे वी
बिसासिहुंण नगर-नगर हुई के जई र्‌या
था तो ईसु माय बिसास करवा का उना
हुकमहुंण के पोंचाता ग्या जिणको इरादो
यरुसलेम का परेरितहुंण अने पराचीन-
सेवकहुंण ने कर्‌यो थो के लोग उणके
पाळे। ५असतरा मण्डळिहुंण बिसास माय
मजबूत होती री अने गिणती माय
दने-दन बड़ती री।

पोलुस के एसिया से बायरे बुलाड़्यो जाणो

६वी फ्रूगिया अने गलातिहुंण का
इलाकाहुंण से हुई के हिट्‌या, क्योंके
पवित्तर आतमा ने उणके एसिया माय
बचन सुणावा सरु मना कर्‌यो थो। ७अने
जदे वी मूसिया इलाका माय पोंच्या
तो उणने बितूनिया इलाका जावा की
कोसिस करी, पण ईसु का आतमा ने
उणके जावा नी द्‌या। ८तो वी मूसिया
इलाका से हुई के त्रोआस नगर पोंच्या।
९उनी रात माय पोलुस के एक दरसन
नगे आयो, के मकिदुनिया इलाका को
एक मनख उबो होयो उकासे बिणती
करी र्‌यो हे, "मकिदुनिया इलाका माय
अई के हमारी मदद कर।" १०जदे उने
यो दरसन देख्यो तो हम यो समजता
होया के परमेसर ने उना लोगहुंण माय
सुब-समिचार सुणावा सरु हमारे तेड़्या
हे। तो हमने झटज मकिदुनिया जावा
की तय्यारी करी।

लुदिया को मन बदळणो

११तो त्रोआस छोड़ी के हम झाज से
पाणी-मारग होता होया सुदा समोत्राके
तक अने दूसरा दन नियापुलिस आड़ी
आया। १२फेर वां से फिलिप्पी पोंच्या जो
मकिदुनिया इलाका को एक खास नगर[o]
अने रोमिहुंण की बस्ती हे, अने हम

---

[n] **१६.३** उको (तीमुथियुस) खतणो: पोलुस ने तीमुथियुस को खतणो इकासरु कर्‌यो थो के उको बाप यूनानी थो अने मां यहूदिणी थी। पोलुस उके यहूदी सम्परदाय माय लाणो चातो थो ताके उ यहूदी पराथनाधर माय सुब-समिचार को परचार करे। [o] **१६.१२** मकिदुनिया; इलाका को एक खास नगर: थोड़ाक हात का लेखहुंण माय असो हे मकिदुनिया जिला की अगवई करवा वाळो नगर; या मकिदुनिया माय एक खास नगर।

उना नगर माय थोड़ाक दन तक र्‌या।
१३सबत् का दन हम नगर का फाटक का
बायरे नद्दी कराड़े या सोंची के ग्या के वां
पराथना करवा की कइंकी जगा होयगा।
हम बेठिके उनी बइराहुंण से बात करवा
लाग्या जो वां भेळी थी। १४अने लुदिया
नामकी थुआथीरा नगर की एक बइरा
सुणी री थी। वा बेंगणी लतरा बेचवा
वाळी अने परमेसर की भगतण थी। परभु
ने उका हिरदा के खोल्यो के वा पोलुस
की बातहुंण पे ध्यान-धरे। १५जदे उने
अने उका आखा कुटम ने बपतिसमो ल्यो
तो हमार से या केता होया याचना करी,
"अगर तम म्हारे परभु की बिसासिणी
मानो तो अई के म्हारा घरे रुको।" अने
उने हमारे अपणा घरे लई जावा सरु
मनई ल्यो।

पोलुस अने सीलास के बन्दी बणायो जाणो

१६तो असो होयो के एक दन जदे हम
पराथना की जगा आड़ी जई र्‌या था
तो हमारे एक दासी मिळी जेका माय
अगम बात बताड़्वा वाळी बायरबादा[p]
थी। वा अगम बात बिचारी के अपणा
मालेखहुंण सरु घणा रुप्या कमाती थी।
१७वा पोलुस अने हमारा पछड़े अई के
घड़ी-घड़ी चिल्लाड़्वा लागी, "ई मनख
परम परधान परमेसर का सेवक हे जो
तमारे उध्दार का मारग को समिचार
सुणावे हे।" १८वा नरा दन तक असोज
केती री। पण पोलुस घणो करोध माय
आयो अने उने पलटी के उनी बायरबादा
से क्यो, "हूं थारे ईसु मसीह का नाम से
हुकम दउं के उका माय से हिटी जा!"
अने वा बायरबादा उनीज घड़ी उका माय
से हिटी गी।

१९जदे उका मालेखहुंण ने देख्यो के
हमारी कमई की आस खतम हुई गी तो
उणने पोलुस अने सीलास के पकड़्यो
अने घसीटी के चोक माय हाकिमहुंण
का सामे लई ग्या। २०उणने पोलुस अने
सीलास के मुख-न्यावधीसहुंण का सामे
लई के क्यो, "ई यहूदी हमारा नगर माय
घणी गड़बड़ी मचई र्‌या हे, २१अने असी
रीतहुंण को परचार करी र्‌या हे जिणके
माननो हम रोमिहुंण सरु ठीक हयनी।"
२२भीड़ ने भेळी हुई के उणको बिरोद
कर्‌यो,

अने न्यावधीसहुंण ने पोलुस अने
सीलास का लतरा फाड़ी के उतरवई

पोलुस अने सीलास जेलखाना माय (ACT १६.२४)

---

[p] **१६.१६** अगम बात बताड़्वा वाळी बायरबादा: या आतमा सेतान की एक बायरबादा थी जेने इनी नानी के एक खास ज्ञान दई राख्यो थो।

लाख्या अने हुकम द्यो के इणके कामड़ी
से मार्‌या जाय। २३अने कामड़ी से घणो
मारी के उणके जेळखाना माय लाखी
द्या, अने जेळ का दरोगा के हुकम
द्यो के उणकी काठी निगराणी राखे।
२४दरोगा ने यो हुकम पई के उणके
जेळखाना का मायका हिस्सा माय लाखी
द्या अने उणका पग लक्कड़ माय
कसी लाख्या।

२५करीब आदी-राते पोलुस अने सीलास
पराथना करी र्‌या था अने परमेसर की
जे-जेकार का गीत गई र्‌या था, अने
दूसरा मुलजिमहुंण उणकी सुणी र्‌या था।
२६जदेज एक दम से जमीन धुजी जेकासे
जेळखाना की नीम हली गी अने झट
सगळा कमांड़ हिटी ग्या अने सगळा की
बेड़िहुंण खुली गी। २७जेलर जदे नीन्द से
जाग्यो अने उके जेळखाना का कमांड़हुंण
खुल्या नगे आया तो उने अपणी तरवार
खेंची अने यो बिचारी के, के मुलजिमहुंण
भागी ग्या हे, अपणे खुद के मारवा पेज
थो, २८जदेज पोलुस ने जोर से हेला
पाड़ी के क्यो, "अपणे खुद के कईं को
नुकस्यान मती पोंचाड़, क्योंके हम सगळा
यांज हे।"

२९जेलर ने झट दीयो मंगाड़्यो अने
भित्तरे ग्यो। तो पोलुस अने सीलास का
सामे डर से धुजतो होयो उणका पग पे
हिटी पड़ी ग्यो। ३०अने जेलर ने उणके
बायरे लई के उणका से क्यो, "भला
मनखहुंण, उध्दार पावा सरु हूं कंई
करूं?"

३१उणने क्यो, "परभु ईसु पे बिसास
राख तो तू अने थारो घराणो उध्दार
पायगा।" ३२तो उणने उके अने उका
घर का सगळा लोगहुंण के परभु को
बचन सुणायो। ३३अने उनीज घड़ी राते
उणके लइ-जई के उने उणका घाव
धोया, अने झट उने अने उका घराणा
ने बपतिसमो ल्यो। ३४अने उणके अपणा
घरे लई के जेलर ने रोटा खवाड़्या अने
आखा कुटम समेत परमेसर पे बिसास
करिके घणी खुसी मनई।

३५जदे दन हिट्यो तो मुख-
न्यावधीसहुंण ने या कई के सिपईहुंण
के मोकल्या, उना मनखहुंण के छोड़ी
लाखो।

३६तो जेळ का जेलर ने ई बातहुंण
पोलुस से कई, के "मुख-न्यावधीसहुंण ने
तमारे छोड़ी लाखवा सरु केवाड़ी मोकल्यो
हे। तो अबे हिटी के अच्छा-भला चल्या
जाव।"

३७पण पोलुस ने जेलर के क्यो,
"उणने हमारे जो रोमी नागरिक हे
बिना कसूर सगळा का सामे पिट्या
अने जेळ माय लाख्या। अने हमारे
अबे कंई वी छाने से बायरे हेड़ी र्‌या
हे? यो हुई नी सके! वी खुद अई के
हमारे हेड़े।"

३८सिपईहुंण ने जई के ई बातहुंण
मुख-न्यावधीसहुंण के बताड़ी। जदे उणने
सुण्यो के पोलुस अने सीलास रोमी हे
तो वी डरी ग्या, ३९अने अई के उणने
मनाड़्या अने उणके बायरे लइ-जई के
उणका से घड़ी-घड़ी याचना करी के नगर
से बायरे चल्या जाव। ४०पोलुस अने
सीलास जेळ से हिटी के लुदिया का घरे
ग्या अने वां भई-बेनहुंण से मिळी के
उणके हिम्मत बन्दाड़ी अने उणका कने
से बिदा होया।

पोलुस अने सीलास थिस्सलुनीके माय

१७ फेर जदे वी अम्फिपुलिस अने
अपुल्लोनिया नगरहुंण से हुई के
हिट्या तो थिस्सलुनीके नगर पोंच्या,
जां यहूदिहुंण को एक पराथनाघर थो।
२पोलुस अपणी रीति मुजब उणका कने
ग्यो अने तीन सबत् तक पवित्तर सासत्तर
से उणका गेले बाद-बिवाद करतो र्यो,
३अने इनी बात को अरथ साफ करिके
यो सिद्द करतो र्यो के मसीह के दुःख
भोगणो अने मर्या माय से जी उठणो
जरुरी थो। अने उ केतो थो, "योज ईसु
जेको हूं तमारा सामे परचार करूं, मसीह
हे।" ४उना यहूदिहुंण माय से थोड़ाक
लोगहुंण ने बिसास कर्यो अने पोलुस
अने सीलास का गेले मिळी ग्या। अने
यूनानी भगतहुंण को बड़ो टोळो अने नरी
खास बइराहुंण बी उणका गेले मिळी गी।
५पण थोड़ाक यहूदिहुंण जळण से
बळी उठ्या अने उणने जई के थोड़ाक
गुण्डाहुंण के अपणा गेले मिळई ल्या
अने भीड़ भेळी करिके नगर माय
चिल्ला-चोंट करवा लाग्या। यहूदिहुंण
अने उणका गुण्डाहुंण ने यासोन का घरे
धावो बोली के पोलुस अने सीलास के
लोगहुंण का सामे लाणो चायो। ६पण
जदे वां उणके वी नी लाद्या तो वी
यासोन अने थोड़ाक भई-बेनहुंण के नगर
का हाकिमहुंण कने घसीटी लाया अने
चिल्लाड़ी के केवा लाग्या, "ई लोग
जिणने जगत माय उलटो-पुलटो करी
लाख्यो ई यां बी अई ग्या हे। ७यासोन
ने उणके अपणा यां ठेराड़या हे। वी
सगळा का सगळा केसर का हुकम के
यो कई के बिरोद करी र्या के ईसु
नामको कई को दूसरो राजो हे।" ८अने
उणने भीड़ के अने नगर का हाकिमहुंण
के जिणने यो सगळो सुण्यो थो, उणके
भड़कई लाख्या। ९इका पे उणने यासोन
अने दूसरा लोगहुंण से जमानत लई के
उणके जावा द्या।

पोलुस अने सीलास बिरीया माय

१०भई-बेनहुंण ने झट रात मेंज पोलुस
अने सीलास के बिरीया नगर मोकली
द्या। वां पोंचवा पे वी यहूदिहुंण का
पराथनाघर माय ग्या। ११ई मनख
थिस्सलुनीके का यहूदिहुंण से घणा
भला था, क्योंके इणने घणो जाणवा
की मन्सा से बचन के मान्यो अने
हरदन पवित्तर सासत्तरहुंण माय से
ढुंडता र्या के देखां ई बात असीज
हे के नी। १२तो उणका माय से नरा
ने बिसास कर्यो। उणका गेले नरा
आदमिहुंण अने यूनानी इज्जतदार
बइराहुंण ने बी बिसास कर्यो। १३पण
जदे थिस्सलुनीके का यहूदिहुंण के
मालम पड़्यो के बिरीया माय बी
पोलुस ने परमेसर को बचन सुणायो,
तो वी वां बी अई के भीड़ के उकसाड़वा
लाग्या अने हो-हल्लो करवा लाग्या।
१४तो भई-बेनहुंण ने पोलुस के झट
समन्दर कराड़े जावा सरु बिदा कर्यो,
पण सीलास अने तीमुथियुस वइंज
रई ग्या। १५पोलुस के पोंचावा वाळा
एथेंस नगर तक उके लई ग्या, अने
उकासे यो हुकम पई के के "सीलास
अने तीमुथियुस झट से झट म्हारा
कने अई जाय", वी वां से बिदा होया।

पोलुस एथेंस माय

१६जदे पोलुस एथेंस नगर माय
उणको रस्तो देखी र्‌यो थो, तो नगर
के मुरतहुंण से भर्‌यो होयो देखी के उ
अपणी आतमा माय तिळमिळई ग्यो।
१७तो उने पराथनाघर माय यहूदिहुंण से
अने गेर यहूदी भगतहुंण से बात करी,
अने हरदन हाट-बजार माय बी उणका
से जो वां मिळता था बाद-बिवाद कर्‌या
करतो थो। **१८**अने थोड़ाक इपीकुरी अने
स्तोइकी ज्ञानमारगिहुंण[q] ने बी उणका
से तरक-बितरक कर्‌यो। थोड़ाक कई
र्‌या था, "यो बक-बक करवा वाळो
केणो कंई चई र्‌यो हे?" दूसराहुंण ने
क्यो, "यो तो बिदेसी देवताहुंण को
परचारक लागे हे" - क्योंके उ ईसु
अने पाछा जी उठवा को परचार करी
र्‌यो थो।

१९तो वी पोलुस के अपणा गेले
अरियुपगुस[r] (याने अरेस को बळडो) की
सबा माय ल्याया अने पुछवा लाग्या,
"कंई हम जाणी सकां के या नवी सीख
जेको तू परचार करे हे, कंई हे? **२०**क्योंके
तू हमारे थोड़िक मुसकिल अने अनोखी
बातहुंण सुणई र्‌यो हे। इकासरु हम
जाणणो चावां के इनी बातहुंण को कंई
अरथ होय हे।" **२१**(क्योंके सगळा एथेंस
का रेवासी अने परदेसी जो वां आया
करता था, नवी-नवी बातहुंण केणो अने
नवी-नवी बातहुंण सुणवा का अलावा हजु
कसी बी बात माय अपणो बखत नी
बिताता था।)

२२तो पोलुस ने अरियुपगुस का सामे
अदाड़ माय उबो हुई के क्यो, "हे एथेंस
का लोगहुंण, असो लागे के तम, सगळी
बातहुंण माय घणा धारमिक हो। **२३**क्योंके
जदे हूं फरतो होयो तमारा पुजवा की
चीजहुंण के देखी र्‌यो थो, तो म्हने
एक बेदी पई जेका पे यो लिख्यो थो,
'अण्जाण्या परमेसर सरु।' इकासरु के तम
अण्जाण्या माय उके पुजी र्‌या हो, उकोज
संदेस हूं तमारे सुणउं। **२४**[t] परमेसर जेने
जगत अने उका माय की सगळी चीजहुंण
बणई, उज सरग अने धरती को परभु
हे। उ हात का बणाया होया मन्दरहुंण
माय रे हयनी। **२५**अने नीज मनखहुंण
का हात से उकी सेवा-चाकरी होय। यो

---

[q] **१७.१८** इपीकुरी अने स्तोइकी ज्ञानमारगिहुंण: पोलुस का बखत माय इपीकुरी अने स्तोइकी ज्ञान खास यूनानी पालटी का था। इना ज्ञानी लोगहुंण को बिसास थो के देवताहुंण लोगहुंण से कंई मतलब नी राखता था। इपीकुरी को खास उद्देस यो थो के जीवन आनन्द माय हे। इकासरु वी उनी सगळी चीजहुंण के पाय जो उणके काया अने दिमागी खुसी दे हे, अने उणके जिणकासे दरद होय अने डर लागे छोड़ी लाखता था। पण स्तोइकीहुंण का बिचार ई हे के मनख परकती का साते मिळी के रे हे। खुद के काबु माय करिके वजाहुंण जाणवा सरु अपणे खुद के उंचो उठाय, अपणा खुद पे निरभर रेवा की कोसिस अने खुसी के पावा को रस्तो यो हे के जसो चली र्‌यो हे चलवा दो। इना दोई ज्ञानमारगिहुंण को पोलुस खण्डण करे हे। पोलुस का बिचार माय यो हे के परमेसर को हरेक का जीवन से नातो हे। जीवन को उद्देस यो हे के परमेसर की मरजी के माने। खुसी पावा को रस्तो परेम अने ईसवर की सेवा हे। [r] **१७.१९** अरियुपगुस: एथेंस नगर का खास लोगहुंण की पालटी। ई लोगहुंण न्यावधीस सरीका होता था।

[t] **१७.२४–२५:** १ राजा ८.२७; यसायाह ४२.५; परेरितहुंण ७.४८

मानी लो के उके कइंकी बात की जरुवत
हयनी, क्योंके उ खुद सगळा के जीवन,
सांस अने सगळो कंई दे हे। २६परमेसर
ने एकज मूळ से मनख की हर जात के
बणई के आखी धरती पे बसी जाय। उने
उणके खास बखत अने उणके रेवा की
सीमाहुंण ठेरई। २७के वी परमेसर के ढुंडे,
हुई सके वी उके टटोळी के पई जाय,
जदके उ हमार माय से कइंका से दूरो
हयनी। २८क्योंके असो के हे

'उका मायज हम जीवता रां हे,
चलवा-फरवा को एसास राखां,'

जसा के तमारा अपणा कविहुंण ने[s] बी
क्यो,

'हम बी तो उकीज सन्तान हे।'

२९"असतरा परमेसर की सन्तान हुई
के हमारे यो कदी नी समजणो चइये
के परमेसर सुन्नो, चांदी या भाटा की
कइंकी कारीगरी सरीको हे, जो मनख
की कला अने सोंच-बिचार से घढ़्या
होय। ३०इकासरु नासमजी का बखतहुंण
के छोड़ी के परमेसर अबे हर जगा का
मनखहुंण के हुकम दई र्यो के पसतावो
करे। ३१क्योंके उने एक दन पक्को कर्यो
हे, जेका माय, एक मनख से जेके उने
ठेराड़्यो हे, उ बिना भेद-भाव अने सच्चई
से जगत को न्याव करेगा। अने उके
परमेसर ने मर्या माय से जीवाड़ी के इनी
बात के सगळा मनखहुंण पे सिद्द करी
लाख्यो हे।"

३२जदे उणने मर्या माय से जी उठवा
की बात सुणी तो थोड़ाक लोग मजाक
उड़ावा लाग्या, पण दूसरा ने क्यो, "हम
इना बारामें थार से फेर कदी सुणांगा।"
३३इका पे पोलुस उणका अदाड़ माय से
चल्यो ग्यो। ३४पण थोड़ाक लोग उका
गेले हुई चल्या अने उणने बिसास कर्यो,
जिणका माय अरियुपगुस का सदस
दियुनुसियुस अने दमरिस नामकी एक
बइरा अने उणका गेले हजु बी थोड़ाक
मनख था।

पोलुस कुरिन्थियुस माय

१८ इनी बातहुंण का बाद पोलुस एथेंस
नगर छोड़िके कुरिन्थियुस नगर
चल्यो ग्यो। २अने कुरिन्थियुस माय
उके अक्विला नामको पुन्तुस इलाका को
रेवा वाळो एक यहूदी मिळ्यो। उ अबी
हालीज अपणी घराळी पिरिसकिल्ला का
गेले अत्तलीया देस से आयो थो, क्योंके
म्हाराजा क्लोदियुस ने सगळा यहूदिहुंण
के रोम नगर से हिटी जावा को राजहुकम
द्यो थो। पोलुस उणका यां ग्यो, ३अने
इकासरु के उको बी उज धन्दो थो, तो
उ उणका गेले र्यो अने वी काम करवा
लाग्या, क्योंके धन्दा से वी तम्बू बणावा
वाळा था। ४अने उ हरेक सबत् का दन
यहूदिहुंण का पराथनाघर माय तरक-
बितरक करिके यहूदिहुंण अने यूनानिहुंण
के समजावा की कोसिस करतो थो।

५पण जदे सीलास अने तीमुथियुस
मकिदुनिया इलाका से आया तो पोलुस
बचन सुणावा की लगन माय लागी के
यहूदिहुंण का सामे गवई देवा लाग्यो

---

[s] **१७.२८** तमारा अपणा कविहुंण ने: पोलुस यां दो यूनानी कविहुंण की कविताहुंण का बारामें जिणने यां इना एथेंस नगर माय पेलांसेज सांचा परमेसर का बारामें उणके सीखाड़्यो हे।

के ईसुज मसीह हे। ६पण जदे उणने
बिरोद कर्‌यो अने निंदा करी तो पोलुस
ने बिरोद माय अपणा लतरा झटकारता
होया उणका से क्यो, "तमारो लोई तमारा
माथा पे रे! हूं दोषी हयनी! अबसे हूं
गेर यहूदिहुंण कने जउंवां।" ७पोलुस
यहूदिहुंण का पराथनाघर से चली के
तीतुस यूसतुस नामका एक जणा का
घरे ग्यो, जो परमेसर को भगत थो अने
जेको घर पराथनाघर से सट्‌यो होयो थो।
८अने पराथनाघर का परधान क्रिसपुस
ने अपणा आखा कुटम समेत परभु पे
बिसास कर्‌यो। नरा से कुरिन्थिहुंण ने
जदे यो सुण्यो तो बिसास कर्‌यो अने
बपतिसमो ल्यो।

९राते परभु ने दरसन दई पोलुस से
क्यो, "मती डरे। परचार करतो चल्यो-
चल अने छानो मती रे, १०क्योंके हूं थारा
गेले हूं अने कईं को मनख नुकस्यान
पोंचावा सरु थार पे धावो नी बोलेगा;
क्योंके इना नगर माय म्हारा नरा लोग
हे।" ११तो उ उणका माय परमेसर को
बचन सिखाड़तो होयो डेड़ बरस तक र्‌यो।

१२जदे गल्लियो अखाया देस को
राजपाल थो, तो यहूदिहुंण एको करिके
पोलुस का बिरोद माय हुई ग्या अने
कचेरी माय लई के केवा लाग्या, १३"यो
मनख नेम-बिधान के पलटिके[t] परमेसर
की उपासणा करवा सरु लोगहुंण के
भेकावे।"

१४जदे पोलुस बोलवापेज थो, तो
गल्लियो ने यहूदिहुंण से क्यो, "हे
यहूदिहुंण, अगर या कइंकी अन्याव या
घोर कसूर की बात रेती तो तमारो यो
आरोप सुणणो म्हारा सरु न्याव सरीको
रेतो; १५पण यो बिवाद सबदहुंण अने
नामहुंण अने तमाराज नेम-बिधान का
बारामें हे; तो तमीज जाणो। हूं इनी
बातहुंण को न्यावी नी बणाणो चउं!"
१६अने उने उणके कचेरी से भगाड़ी द्‌या।
१७तो सगळा लोगहुंण ने पराथनाघर का
परधान सोस्थिनेस के पकड़्यो अने उके
कचेरी का सामे पिटवा लाग्या। पण
गल्लियो ने इनी बातहुंण की कंई फिकर
नी करी।

सीरिया देस माय अंताकिया नगर आड़ी पोलुस की वापसी

१८[†] तो पोलुस ने कुरिन्थियुस नगर
माय हजु जादा दन तक रई के भई-
बेनहुंण से बिदा लई अने पिरिसकिल्ला
अने अक्विला समेत पाणी-मारग से
सीरिया देस आड़ी पधारी ग्या। किंख्रिया
गांम माय उने माथो घोट-मोट करायो,
क्योंके उकी मान पूरण हुई[u] गी थी।
१९-२०फेर वी इफिसुस नगर माय पोंच्या
जां उ पराथनाघर माय जई के यहूदिहुंण
से तरक-बितरक करवा लाग्यो। जदे
लोगहुंण ने उकासे थोड़ाक दन हजु
रेवा की कई तो उ मान्यो हयनी। पण

---

[t] **१८.१३** नेम-बिधान के पलटिके: रोमन राज को बिधान यहूदी धरम की रक्सा करे क्योंके यो एक अधिकारिक धरम हे। पण यहूदिहुंण ने दोष लगाड़्यो के पोलुस इना धरम की सीख नी दई र्‌यो। पण गल्लियो सेमत नी थो (पद १५)। [u] **१८.१८** मान पूरण हुई: यां यहूदिहुंण की या रीत थी के अगर कईं को मान राखे तो उके अपणो माथो घोट-मोट कराणो जरुरी रे हे।

[†] **१८.१८:** गिणती ६.१८

उने पिरिसकिल्ला अने अक्विला के
वां छोड़िके २१बिदा लेता बखत उने यो
क्यो, "अगर परमेसर की मरजी हुई तो
तमारा कने पाछो अउंवां।" यो कई के
उ इफिसुस से झाज माय बेठिके रवाना
होयो।

२२जदे उ केसरिया माय उतर्‌यो, तो
अदरे चड़िके[v] मण्डळी से मिळ्यो अने
पाछो उतरी के अंताकिया नगर आड़ी
चल्यो ग्यो। २३अने वां थोड़ोक बखत
हजु बिताड़िके उणका से बिदा लई, अने
गलातिया अने फ्रूगिया इलाकाहुंण की
जातरा करता होया उ सगळा चेलाहुंण के
बिसास माय कायम करतो र्‌यो।

इफिसुस अने कुरिन्थियुस माय अपुल्लोस

२४फेर अपुल्लोस नामको एक यहूदी
जेको जनम सिकन्दरिया माय होयो
थो, जो अच्छो बोलवा वाळो अने
पवित्तर सासत्तर को जाणकार थो,
इफिसुस माय आयो। २५इना मनख
के परभु का उध्दार का मारग की
सीख दई गी थी। उ घणा पवित्तर
आतमा का आनन्द से भर्‌यो ईसु का
बारामें सई-सई सुणातो अने सिखाड़तो
थो, पण उ सिरप योहन का मन
बदळवा का बपतिसमा का बारामें
जाणतो थो। २६उ पराथनाघर माय
बिना डर के बोलवा लाग्यो। पण जदे
पिरिसकिल्ला अने अक्विला ने उकी
सुणी तो उणने उके घरे लइ-जई के
परमेसर का मारग का बारामें सई-सई
समजाड़्यो। २७जदे अपुल्लोस ने उनी
पांकती अखाया देस आड़ी जाणो चायो
तो मण्डळी का भई-बेनहुंण ने उकी
हिम्मत बड़ई, अने अखाया देस का
चेलाहुंण के लिख्यो के उको सुवागत
करे। जदे उ वां पोंच्यो तो उने उना
लोगहुंण की घणी मदद करी जिणने
परमेसर की किरपा पे बिसास कर्‌यो
थो। २८क्योंके उने पवित्तर सासत्तर से
परमाण दइ-दई के के ईसुज मसीह
हे, दावा का साते यहूदिहुंण को मुन्डो
बन्द करी लाख्यो थो।

पोलुस इफिसुस माय

१९ असो होयो के जदे अपुल्लोस
कुरिन्थियुस माय थो, तो पोलुस
बळ्डा का अदरे का इलाका से होतो होयो
इफिसुस माय पोंच्यो अने वां उके थोड़ाक
चेला मिळ्या। २उने उणका से क्यो, "कंई
तमारे ईसु पे बिसास करता बखत पवित्तर
आतमा मिळ्यो?"

उणने क्यो, "नी, हमने तो सुण्यो बी
नी के पवित्तर आतमा हे।"

३तो उने क्यो, "फेर तमने केको
बपतिसमो ल्यो?"

उणने क्यो, "योहन को बपतिसमो।"

४[†] इका पे पोलुस ने क्यो, "योहन ने
यो कई के लोगहुंण के मन बदळवा को
बपतिसमो द्‌यो के जो म्हारा पाछे आवा
वाळो हे उका पे याने ईसु पे बिसास
राखजो।"

---

[v] **१८.२२** अदरे चड़िके: याने टेकरा पे यरुसलेम की मण्डळी री होयगा।

[†] **१९.४:** मत्ती ३.११; मरकुस १.४, ७–८; लूका ३.४, १६; योहन १.२६–२७

५या सुणी के उणने परभु ईसु का नाम
माय बपतिसमो ल्यो। ६जदे पोलुस ने
उणका पे अपणो हात धर्‌यो तो पवित्तर
आतमा उणका पे उतर्‌यो, अने वी तरा-
तरा की बोली बोलवा अने परमेसर आड़ी
से संदेस देवा लाग्या। ७वी सगळा करीब
बारा मनख था।

८फेर पोलुस यहूदिहुंण का पराथनाघर
माय जई के तीन मइना तक बिना डरी
के बोलतो र्‌यो, अने परमेसर का राज का
बारामें तरक-बितरक करतो अने उणके
समजाड़तो र्‌यो। ९पण थोड़ाक लोगहुंण
ने जो हटिला था उकी नी मानी अने
भीड़ का सामे ईसु मसीह का उध्दार
का मारग के बुरो-भलो केवा लाग्या।
तो पोलुस अपणा चेलाहुंण के लई के
उणका से इकाड़ी हुई ग्यो अने तरन्नुस
की पाठसाळा माय हरदन[w] तरक-बितरक
करतो र्‌यो। १०दो बरस तक असो होतो
र्‌यो, जेकासे के वी जो एसिया माय रेता
था - यहूदी अने यूनानी - सगळा ने
परभु को बचन सुणी ल्यो।

इस्किवा का बेटाहुंण

११अने पोलुस का हाते परमेसर अनोखी
सामरत को काम करी र्‌यो थो, १२यां तक
उकी काया से चोंट्या होया रुमाल अने
अंगोछाहुंण बेमारहुंण पे लाख्या जाता था
तो वी बेमारिहुंण से नज हुई जाता था,
अने बायरबादाहुंण उणका माय से हिटी
जाया करती थी। १३पण तंतर-मंतर करवा
वाळा थोड़ाक यहूदी जो अंई-वंई डोलता
रेता था अने बायरबादाहुंण माय पड़्या
लोगहुंण पे परभु ईसु को नाम काम माय
लेवा की कोसिस या कई के करवा लाग्या,
"हूं तमारे ईसु मसीह का नाम की सोगन
देवाडुं जेको परचार पोलुस करे हे।" १४अने
इस्किवा नामका एक यहूदी मुख-पुरोहित
का सात बेटा असोज करी र्‌या था।

१५पण एक दन बायरबादा ने उणके
जुवाब द्‌यो, "ईसु के हूं जाणूं, अने पोलुस
के बी पेचाणूं, पण तम कुंण हो?"

१६अने उ मनख जेका माय बायरबादा
थी उणका पे झपटी अने उणके बस माय
करिके उणका पे असी भारी पड़ी के वी
नांगा-पुंगा अने अदघायला हुई के उना
घर से हिटी भाग्या। १७या बात इफिसुस
नगर का रेवासी - कंई यहूदी अने कंई
यूनानी - सगळा लोगहुंण के मालम पड़ी
गी। वी सगळा डरी ग्या, अने परभु ईसु
का नाम की बड़ई होवा लागी। १८जिणने
बिसास कर्‌यो उणका माय से नरा ने
अई के अपणा बुरा कामहुंण के मानी
ल्या अने उणके परगट्‌या। १९जो जादू-
टोणा[x] कर्‌या करता था उणका माय से
नरा लोगहुंण ने अपणी-अपणी पोथीहुंण
लई के भेळी करी अने सगळा का सामे
बाळी लाखी। जदे उणने उको मोल
आंक्यो तो करीब पचास हज्जार चांदी का
सिक्काहुंण[y] का बराबर हिट्‌यो। २०असतरा
परभु को बचन सामरत का साते फेलतो[z]
अने जोर पकड़तो ग्यो।

---

[w] **१९.९** हरदन ; थोड़ाक लेखहुंण माय दन का ११ बजे से सांज का ४ बज्या तक ।
[x] **१९.१९** जादू-टोणा ; परमेसर अपणा लोगहुंण से चातो थो के वी जादू-टोणो नी करे (नेम-बिधान १८.१०,११)।
[y] **१९.१९** चांदी का सिक्काहुंण ; एक सिक्को एक दन की मजुरी (मत्ती २०.२) थो ।
[z] **१९.२०** असतरा परभु को बचन ... फेलतो ; या परभु की सामरत से बचन फेलतो ग्यो ।

पोलुस की जातरा की रुप-रेखा

२१जदे ई बातहुंण हुई चुकी तो पोलुस ने अपणी आतमा माय यो इरादो कर्‌यो[a] के मकिदुनिया अने अखाया देस से होता होय यरुसलेम जउं, अने उने क्यो, "वां पोंचवा का बाद म्हारे रोम नगर की बी जातरा करनी जरुरी हे।" **२२**तो जो उकी सेवा करी र्‌या था उणका माय से दोई के याने तीमुथियुस अने इरासतुस के मकिदुनिया माय मोकली के उ खुद थोड़ाक बखत सरु एसिया इलाका माय र्‌यो।

२३इना दनहुंण माय ईसु मसीह का उध्दार का मारग का बारामें घणो उधम मच्यो। **२४**क्योंके देमेत्रियुस नामको एक सुनार थो जो देवी अरतिमिस को चांदी को छोटो मन्दर घड़ी के कारीगरहुंण के घणो काम-धन्दो देवाड़तो थो। **२५**उने उणके अने असतरा का धन्दा करवा वाळा कारीगरहुंण के भेळा करिके क्यो, "हे भई-बेनहुंण, तम जाणो के हमारो धणी पणो इनाज धन्दा पे टिक्यो हे। **२६**अने तम देखी र्‌या अने सुणी र्‌या हो के नी सिरप इना इफिसुस नगर माय बल्के आखा एसिया इलाका माय इना पोलुस ने नरा लोगहुंण के समजाड़ी-बुजाड़ी के बरगळाया हे, के वी जो हात का बणाया होया हे, वी ईसवर हयनी! **२७**इका से नी सिरप योज डर के हमारा धन्दा की साख चली जायगा, पण यो बी के म्हान देवी अरतिमिस को मन्दर ओछो जाण्यो जायगा अने जेनी देवी की पुजा एसिया अने जगत का सगळा मनख करे वा अपणी म्हानता से घटी जायगा।"

२८जदे उणने यो सुण्यो तो करोध से भरी उठ्या अने चिल्लाड़ी-चिल्लाड़ी के केवा लाग्या, "इफिसियोहुंण की देवी अरतिमिस म्हान हे!" **२९**नगर माय उधम मची ग्यो, अने लोगहुंण ने मकिदुनिया इलाका का गयुस अने अरिस्तर्खुस नामका पोलुस का सातिहुंण के घसिट्या अने वी सगळा दोड़ी के उणके नाटकघर माय लई ग्या। **३०**जदे पोलुस ने भीड़ माय जाणो चायो तो चेलाहुंण ने उके जाणे नी द्‌यो। **३१**तो एसिया इलाका का थोड़ाक हाकिमहुंण ने जो उका दोस था उके केवाड़ी मोकल्यो अने घड़ी-घड़ी याचना करी के उ नाटकघर माय जावा को जोखम नी उठाड़े। **३२**तो कई को कंई चिल्लाड़ी र्‌यो थो अने कई को कंई, क्योंके सबा माय गड़बड़ी मची री थी। नरा लोग तो यो बी नी जाणता था के हम कायसरु भेळा होया था। **३३**अने यहूदिहुंण ने सिकन्दर के अगड़े उबो कर्‌यो थो। तो भीड़ माय से थोड़ाक लोगहुंण ने उके जोर से हुकम द्‌यो पण उने हात को इसारो करिके बचाव माय सबा के कंई समजाणो चायो। **३४**पण जदे लोगहुंण ने पेचाण्यो के उ यहूदी हे तो करीब दो घंटा तक सगळा का सगळा एक अवाज माय चिल्लाता र्‌या, "इफिसिहुंण की अरतिमिस देवी म्हान हे!"

---

[a] **१९.२१** पोलुस ने अपणी आतमा माय यो इरादो कर्‌यो ; या पोलुस के फेसला लेवा माय पवित्तर आतमा ने अगवई करी ।

३५तो इफिसुस नगर का मन्दर का
मन्त्री ने भीड़ के चुप करिके क्यो, "हे
इफिसुस का लोगहुंण, असो कुंण मनख
हे जो नी जाणे के इफिसुस को यो नगर
म्हान देवी अरतिमिस को मन्दर अने
असमान से पड़ी हुई सिल्ला को समाळवा
वाळो हे? **३६**इकासरु जदके इनी बातहुंण
को खण्डण नी हुई सके तो यो ठीक हे के
तम छाना रो अने उतावळापणा माय कंई
मती करो। **३७**क्योंके तम इना मनखहुंण
के पकड़ी ल्याया जो नी तो हमारा
मन्दरहुंण का लुटवा वाळा अने नीज
हमारी देवी के बुरा केवा वाळा हे। **३८**फेर
बी, अगर देमेत्रियुस अने उका कारीगरहुंण
के जो उका गेले रे हे, कइंका मनख
से कइंकी सिकायत हे तो कचेरी खुली
अने राजपाल बी हे; वां वी एक-दूसरा
पे आरोप लगाड़े। **३९**पण अगर तम इका
अलावा हजु कंई चावो हो, तो इको फेसलो
न्याव-सबा माय कर्‌यो जायगा। **४०**क्योंके
हमारे सांची माय इनी बात को डर हे के
आज का दंगा को आरोप कंई हमारा माथे
नी मड़्यो जावे, क्योंके इना दंगा होवा
की कंई वजा हयनी। तो हम इनी हुल्लड़
भरी भीड़ के भेळा होवा को जुवाब रोमी
हाकिमहुंण के नी दई सकांगा।" **४१**या कई
के उने सबा बरखास करी लाखी।

पोलुस मकिदुनिया अने यूनान इलाका माय

२० हुल्लड़ रुकी जावा पे पोलुस ने
चेलाहुंण के तेड़वा मोकल्या।
उणके समजावा का बाद उणका से बिदा
हुई के उ मकिदुनिया इलाका आड़ी चली
पड़्यो। **२**उ उना सगळा इलाकाहुंण से
हुई के लोगहुंण के घड़ी-घड़ी हिम्मत
देवाड़तो होयो, यूनान देस पोंच्यो। **३**वां
उने तीन मइना बिताड़्या। अने जदे उ
झाज से सीरिया इलाका जावा वाळो थो
तो यहूदिहुंण ने उके मारवा की साजिस
रची, इकासरु उने इरादो कर्‌यो के
मकिदुनिया इलाका हुई के पाछो जाय।
४पोलुस का गेले जातरा करवा वाळा
का नाम बिरीया निवासी पुरुस को बेटो
सोपत्रुस; थिस्सलुनीकिया का निवासिहुंण
अरिस्तर्खुस अने सिकुन्दुस; दिरबे को
गयुस; तीमुथियुस; अने एसिया इलाका
का तुखिकुस अने त्रुफिमुस। **५**पण ई
लोग हमार से अगड़े चल्या ग्या था अने
त्रोआस कस्बा माय हमारी बाट जोई र्‌या
था। **६**अखमीरा रोटा का तेवार[b] का बाद
हम फिलिप्पी नगर से झाज से हिट्‌या
अने पांच दन माय उणका कने त्रोआस
पोंच्या अने वां सात दन तक र्‌या।

त्रोआस माय पोलुस की आखरी जातरा

७हफ्ता का पेलां दन जदे हम रोटा
तोड़वा[c] सरु भेळा होया, तो पोलुस
उणकासे बात करवा लाग्यो। उ दूसरा
दन जावा पे थो, इकासरु आदी रात तक
परबचन देतो र्‌यो। **८**जेनी उफरी पे हम
भेळा होया था, वां नरा सरावला बळी
र्‌या था। **९**यूतुखुस नामको एक जुवान
थो जो बारनी पे बेठ्‌यो होयो नीन्द माय

---

[b] **२०.६** अखमीरा रोटा का तेवार: सबद् भण्डार माय "फसह को तेवार" के देखो। [c] **२०.७** रोटा तोड़वा: सबद् भण्डार माय "परभु-भोज" माय देखो।

उजगर्‌यो थो। जदे पोलुस देर तक बोलतो
र्‌यो तो उके नीन्द अइगी अने उ उफरी
का तीसरा हिस्सा से निच्चे हिटी पड़्यो
अने मर्‌यो होयो उठाड़्यो। १०पण पोलुस
निच्चे उतर्‌यो अने उका पे नमी ग्यो।
फेर उने उके गळा से लगाड़ी के क्यो,
"सांसो मती करो, क्योंके उको पराण
उकाज माय हे।" ११फेर अदरे जई के रोटा
तोड़्या अने खई के इतरी देर तक बात
करतो र्‌यो के परोड़ो हुई ग्यो, फेर पोलुस
चल्यो ग्यो। १२वी उना जुवान के जिन्दो
लइ-याया अने उणके नरो चेन मिळ्यो।

त्रोआस से मिलेतुस आड़ी की जातरा

१३पोलुस की अस्सुस नगर आड़ी पगे-
पग जावा की मरजी थी, जां उने हमार
से मिळवा को इन्तजाम कर्‌यो थो। तो
हम पेलां जई के झाज से अस्सुस आड़ी
इना बिसास से अगड़े बड़ी ग्या के वां
से पोलुस के चड़ई लां। १४जदे उ हमारे
अस्सुस माय मिळ्यो तो हमने उके झाज
पे चड़ई ल्यो अने हम मितुलेने माय
पोंच्या। १५वां से चली के हम दूसरा दन
खियुस टापू का सामे पोंच्या। अगल्या
दन हम समन्दर का पेलां पार सामोस
टापू आड़ी पोंच्या अने फेर दूसरा दन
मिलेतुस माय आया। १६पोलुस ने यो
इरादो कर्‌यो के इफिसुस नगर माय
रुक्या बिना अगड़े बड़्यो जाय के उके
एसिया इलाका माय बखत नी बिताणो
पड़े, क्योंके उ उतावळा माय थो के
अगर हुई सके तो पिन्तेकोस्त का दनज
यरुसलेम पोंच्यो जाय।

पोलुस की बात-चित मण्डळी का पराचीन-सेवकहुंण से

१७उने मिलेतुस से इफिसुस माय
समिचार मोकल्यो के मण्डळी पराचीन-
सेवकहुंण के अपणा कने तेड़े। १८अने जदे
वी उका कने आया तो उने उणका से
क्यो, "तम खुद जाणो हो के पेलां दन
सेज जदे म्हने एसिया माय पग धर्‌यो
कसतरा हूं तमारा गेले आखा बखत
र्‌यो हूं, १९याने कसतरा घणी दीनता का
गेले, आंसु बिवाड़ि-बिवाड़िके अने उनी
अजमाइसहुंण माय बी, जो यहूदिहुंण
के नास करवा की साजिस की वजासे
म्हार पे अई गी थी, परभु की सेवा
करतो र्‌यो। २०या तम खुद जाणो हो
के हूं कसतरा तमारा फायदा सरु कंई
बी बात बताड़्वा सरु नी झिजक्यो, अने
सगळा का सामे अने घरे-घर जई के
तमारे परबचन सुणातो र्‌यो। २१हूं यहूदी
अने यूनानी दोई केज मजबूती से गवई
देतो र्‌यो के परमेसर आड़ी मन बदळो
अने परभु ईसु मसीह पे बिसास राखो।
२२"अबे ध्यान दो, हूं पवित्तर आतमा
का हुकम माय बान्द्‌यो होयो यरुसलेम
आड़ी जउं, अने हूं नी जाणूं के वां म्हार
पे कंई-कंई घटेगा, २३सिरप यो जाणूं के
पवित्तर आतमा हरेक नगर माय म्हार से
गेरई से गवई दई के के हे बन्दण अने
संकट थारा रस्ता माय हे। २४† पण हूं
अपणा पराण के कसी बी तरा अपणा
सरु परेमी नी समजी र्‌यो, अगर समजुं
तो सिरप इकासरु के अपणी दोड़-धुप

---

† **२०.२४:** २ तीमुथियुस ४.७

अने उनी सेवा के जो म्हारे परभु ईसु
से मिळी पूरण होय, याने हूं परमेसर
की किरपा का सुब-समिचार की गेरई से
गवई दउं।
२५"अबे ध्यान दो, हूं जाणूं के तम
सगळा जिणका अदाड़ माय परमेसर को
सुब-समिचार सुणातो फर्‍यो, म्हारो मुन्डो
पाछो कदी नी देखी सकोगा। २६इकासरु
आज का दन हूं तमारा सामे गवई दई के
कउं, के हूं सगळा लोगहुंण का लोई से बे-
कसुर हूं। २७क्योंके हूं परमेसर की सगळी
मरजी तमारे बताड़्वा से झिजक्यो हयनी।
२८इकासरु अपणी अने अपणा आखा टोळा
को नेपो करो जिणका माय पवित्तर आतमा
ने तमारे परधान[d] बणायो हे। के तम
परमेसर की उनी मण्डळी को नेपो करो
जेके उने अपणा लोई से मोल लई ली हे।
२९हूं जाणूं के म्हारा जावा का बाद फाड़वा
वाळा बरगड़ा तमारा माय आयगा, अने
भोळा-भाळा टोळा के छोड़ेगा हयनी। ३०अने
तमाराज माय से असा लोग उठ्यायगा
जो चेलाहुंण के अपणा पछड़े खेंचवा सरु
उलटी-सुदी बात केगा। ३१इकासरु जागता
रो, अने रियाद राखो के म्हने तीन बरस
तक दन-रात आंसु बिवाड़ि-बिवाड़िके एक-
एक के समजाणो नी छोड़्यो।
३२"अने अबे हूं तमारे परमेसर का हाते
दई र्‍यो हूं। अने उकी किरपा का बचन
रियाद राखो। उ बचन तमारी आतमाहुंण
की उन्नती करी सके अने सगळा पवित्तर
कर्‍या होया परमेसर का लोगहुंण का गेले
हिस्सो दई सके। ३३म्हने कइका सुन्ना,
चांदी या लतराहुंण को लोभ नी कर्‍यो।
३४तम खुद जाणो हो के इना म्हारा
हातहुंण ने म्हारी अने म्हारा सातिहुंण
की जरुवत पूरण करी हे। ३५म्हने तमारे
हरेक बात से यो बताड़्यो के तम बी
असतरा काठी म्हेनत करिके कमजोरहुंण
के समाळो, अने परभु ईसु का ई बचन
रियाद राखो जो उने खुद बोल्या हे: 'लेणे
से देणो धन्य हे'।"
३६यो कई के उने गोड़ा टेक्या अने
सगळा का गेले पराथना करी। ३७तो वी
सगळा फुटी-फुटी के रोवा लाग्या अने
पोलुस का गळे मिळी के उके घड़ी-घड़ी
चुमवा लाग्या। ३८वी खास करिके उनी
बात से जो उने कई थी दुःखी था के
"तम म्हारो मुन्डो फिर कदी नी देखोगा,"
अने उणने पोलुस के झाज तक पोंचाड़्यो।

पोलुस यरुसलेम माय

२१ जदे हम उणका से हमेस्या सरु
बिदा हुई के झाज से रवाना होया
तो सुदा चली के कोस टापू जई पोंच्या।
दूसरा दन रुदुस टापू, अने वां से पतरा
कस्बा पोंच्या। २वां फीनिके इलाका जावा
वाळो एक झाज उबो थो, हम उका पे
चड़्या अने चली पड़्या। ३जदे हमारे
साइपरस टापू नगे आयो तो उके डाबा
हाताड़ी छेकी के सीरिया देस आड़ी मुड़ी
ग्या अने सूर माय जई उतर्‍या, क्योंके
वां झाज को मांळ उतारनो थो। ४अने
चेलाहुंण से मिळी के हम वां सात दन
तक र्‍या। वी आतमा की अगवई से
पोलुस से केता र्‍या के यरुसलेम नगर
माय पग नी धरे। ५पण वां हमारा रुकवा

---

[d] **२०.२८** परधान: बिसप याने परधान धरमगरु।

का दन पूरण होया तो हम बिदा हुई के
अपणी जातरा पे निकळी पड़्या, अने
सगळा लोग, बइरा अने बाळकहुंण समेत
हमारे नगर का बायरे तक बिदा करवा
आया। अने समन्दर कराड़े गोड़ा टेकी के
पराथना करवा का बाद ६हमने एक-दूसरा
से बिदा लई। अने हम तो झाज पे चड़्या
अने वी अपणा घरे पाछा चल्या ग्या।

७जदे हम सूर से पाणी-मारग से
चल्या, तो पतुलिमयिस कस्बा पोंच्या अने
भई-बेनहुंण के नमसकार करिके हम एक
दन उणका गेले र्‌या। ८† दूसरा दन वां
उणके छोड़ी के हम केसरिया नगर पोंच्या,
अने फिलिप्पुस सुब-समिचार परचारक का
घरे जई के उका यां रुक्या। फिलिप्पुस
सात सुनामी मनखहुंण मायको एक थो,
जिणके यरुसलेम मण्डळी की मदद सरु
छांट्या था। ९उकी चार कुंवारी बेटिहुंण
थी जो परमेसर को संदेसो लोगहुंण के
सुणाती थी। १०† जदे हमारे वां रेता होया
थोड़ाक दन होया, तो यहूदिया से अगबुस
नामको एक नबी वां आयो। ११हमारा कने
अई के उने पोलुस को कमरपेटो ल्यो अने
अपणा हात अने पग बान्दी के बोल्यो,
"पवित्तर आतमा यो के हे: जेना मनख
को यो कमर पेटो हे, उके यरुसलेम माय
यहूदिहुंण असतरा बान्देगा अने उ गेर
यहूदिहुंण का हाते दई द्‌यो जायगा।"

१२जदे हमने यो सुण्यो तो हम अने वां
का रेवासी लोग पोलुस से यरुसलेम नी
जावा सरु याचना करवा लाग्या। १३जदे
पोलुस ने जुवाब द्‌यो, "तम यो कंई करी
र्‌या हो, के रोई-रोई ने म्हारो हिरदो तोड़ी
र्‌या हो? हूं तो परभु ईसु का नाम सरु
यरुसलेम माय नी सिरप बान्द्‌या जावा,
पण मरवा सरु बी तय्यार हूं।"

१४जदे उ नी मान्यो तो हम या कई
के छाना रई ग्या, "परभु की मरजी पूरण
होय।"

१५इना दनहुंण का बाद हमने तय्यारी
करी, अने यरुसलेम आड़ी चली पड़्या।
१६केसरिया से बी थोड़ाक चेलाहुंण हमारा
गेले हुई ल्या अने हमारे साइपरस का
बिसासी मनासोन नामका एक जूना चेला
कने लई ग्या जेका गेले हमारे रुकणो
थो।

पोलुस, याकूब अने पराचीन-सेवकहुंण से मिळ्यो

१७जदे हम यरुसलेम पोंच्या तो भई-
बेनहुंण ने खुसी से हमारी आव-भगत
करी। १८दूसरा दन पोलुस हमारे लई के
याकूब कने ग्यो, जां सगळा पराचीन-
सेवकहुंण हाजिर था। १९पोलुस ने
नमसकार कर्‌यो अने एक-एक करिके
वी काम बताड़्या जो परमेसर ने उकी
सेवकई से गेर यहूदिहुंण माय कर्‌या था।
२०या सुणी के उणने परमेसर की म्हेमा
करी। अने उकासे क्यो, "भई, थारा तो
नगे माय हे के यहूदिहुंण माय हज्जारों
लोगहुंण हे जिणने परभु ईसु पे बिसास
कर्‌यो हे, अने वी सगळा मूसा का नेम-
बिधान के मजबूती से मानी र्‌या हे।
२१अने उणके थारा बारामें बताड़्यो के
तू गेर यहूदिहुंण का माय रेवा वाळा
यहूदिहुंण के यो सीखाड़े हे के मूसा की

† **२१.८:** परेरितहुंण ६.५, ८.५ † **२१.१०:** परेरितहुंण ११.२८

सीख के छोड़ी लाखो अने के हे के,
अपणा बाळकहुंण को खतणो मती कराव
अने नी यहूदिहुंण की रीतहुंण मुजब
चलो। २२तो फेर कंई कर्‌यो जाय? वी
जरुर या सुणेगा के तू आयो हे। २३[†]
तो जो हम थार से कां ऊ कर। हमारा
यां चार जणा हे जिणने मान राखी हे।
२४ऊणके लई जा अने ऊणका गेले अपणे
आप के सुद्द कर अने ऊणके खरचो दे
के वी अपणा बाल घोट-मोट कराय[e]। तो
सगळा जाणी लेगा के जो बातहुंण थारा
बारामें ऊणके बताड़ी वी सांची हयनी, पण
या के तू खुद बी मूसा का नेम-बिधान के
पाळतो होयो ऊका मुजब चले हे। २५[†] जां
तक बिसासी गेर यहूदिहुंण का बारामें हे
हमने ऊणके यो फेसलो लिखी मोकल्यो
के वी मुरतहुंण का अगड़े बली कर्‌या
होया गोस से अने लोई से अने गळा
घोंट्‌या होया का गोस से अने रळ्यापणा
से खुद के बचाड़े।"

२६तो पोलुस ऊना मनखहुंण के ल्यायो
अने दूसरा दन ऊणका गेले अपणे खुद
के बी सुद्द करिके मन्दर माय ग्यो। वां
ऊने खबर करी के सुद्द होवा का दन
कदे पूरण होयगा, याने ऊना मनखहुंण
माय से हरेक सरु बलिदान कदे चड़ायो
जायगा।

पोलुस के मन्दर माय से पकड़्यो

२७जदे वी सात दन पूरण होवा पे
था तो एसिया इलाका का यहूदिहुंण ने
पोलुस के मन्दर माय देखी के आखी
भीड़ के भेकई लाखी अने पोलुस के
पकड़ी ल्यो। २८अने चिल्लाड़ी के क्यो,
"हे इसराइलहुंण, हमारी मदद करो! यो
ऊ मनख हे जो हर जगा सगळा लोगहुंण
माय हमारी जनता का, नेम-बिधान का
अने इनी जगा का बिरोद माय परचार
करे हे, यां तक के ऊने यूनानिहुंण के बी
मन्दर माय लई के इनी पवित्तर जगा के
अपवित्तर करी लाखी हे।" २९[†] (क्योंके
इका से पेलां ऊणने त्रुफिमुस नामका
इफिसी नगर का रेवा वाळा के पोलुस
का गेले यरुसलेम नगर माय देख्यो थो,
अने यो समज्या के पोलुस ऊके मन्दर
माय ल्यायो हे।)

३०आखो नगर भड़की ऊठ्‌यो अने
सगळा लोग भेळा हुई ग्या। वी पोलुस
के पकड़ी के मन्दर से बायरे घसीटी
लाया अने झट कमांड़ बन्द करी लाख्या।
३१जदे वी पोलुस के मारी लाखवा पे
था तो रोमी पळटन का सेनापति के
यो समिचार मिळ्यो के आखा यरुसलेम
माय हुल्लड़ मच्यो होयो हे। ३२ऊ झट
सिपईहुंण अने सुबेदारहुंण के लई के
भीड़ आड़ी दोड़ी पड़्यो। जदे लोगहुंण
के सिपईहुंण अने सुबेदारहुंण नगे आया
तो पोलुस के कूटणो बन्द करी लाख्यो।
३३तो सेनापति ने कने अई के पोलुस के
पकड़ी ल्यो, अने ऊके दो सांकळहुंण से
बान्दवा को हुकम द्‌यो अने पुछवा लाग्यो
के "ऊ कुंण हे, अने ऊने कंई कर्‌यो हे?"
३४पण भीड़ माय से कईं को कंई अने
कईं को कंई चिल्लातो र्‌यो। ऊना हुल्लड़

---

[e] **२१.२४** बाल घोट-मोट कराय ; देखो १८.१८।

[†] **२१.२३–२४:** गिणती ६.१३–२१ [†] **२१.२५:** परेरितहुंण १५.२९ [†] **२१.२९:** परेरितहुंण २०.४

का बारामें जदे उ सई बात नी जाणी सक्यो तो पोलुस के छावणी माय लई जावा को हुकम द्यो। ३५जदे उ पेड़िहुंण कने पोंच्यो तो असो होयो के उपद्रवी भीड़ की वजासे सिपईहुंण के पोलुस के उठई के लई जाणो पड़्यो। ३६क्योंके भीड़ उका पाछे पड़ी गी थी अने वी चिल्लाड़ी र्‌या था, "इके मारी लाखो!"

पोलुस ने अपणो बचाव कर्‌यो

३७जदे सिपईहुंण पोलुस के छावणी का माय लई जाणे पे था, तो उने सेनापति से क्यो, "कंई हूं थार से कंई बात करी सकूं?"

उने पुछ्यो, "कंई तू यूनानी भासा बोले हे? ३८कंई तू उ मिसरी तो हयनी, जेने थोड़ाक दन पेलां दंगो करवायो अने जो चार हज्जार कटारधारी लोगहुंण के मांळ माय लई ग्यो थो?"

३९पण पोलुस ने क्यो, "हूं यहूदी हूं अने परसिद्द नगर, किलिकिया इलाका का तरसुस को एक नागरिक हूं। हूं थार से बिणती करूं के म्हारे लोगहुंण से बोलवा को हुकम दई दे।"

४०जदे सेनापति ने हुकम दई द्यो तो पोलुस ने पेड़िहुंण पे उबो हुई के अपणा हात से लोगहुंण आड़ी इसारो कर्‌यो। अने जदे वां सन्नाटो हुई ग्यो तो उने लोगहुंण से उणकी अपणी इबराणी बोली माय क्यो:

२२ "हे म्हारा भई-बेनहुंण अने जम्या मनखहुंण, म्हारो इका बारामें

पोलुस गमलियल को चेलो (ACT २२.३)

जुवाब सुणो, जेके अबे हूं तमारा सामे अपणा बचाव माय कंई केणो चउं हूं।" २जदे उना लोगहुंण ने सुण्यो के "यो हमार से इबराणी भासा माय बोली र्‌यो हे!" तो वी हजु बी छाना हुई ग्या।

अने उने क्यो, ३† "हूं यहूदी हूं, जो किलिकिया इलाका का तरसुस नगर माय जन्म्यो, पण इना यरुसलेम नगर माय म्हारो पाळण-पोसण होयो, अने गमलियल[f] गरु का पगहुंण कने बेठिके हमारा पूरखाहुंण का नेम-बिधान मुजब कट्टरपणा से सीखाड़्यो, अने परमेसर सरु जोस से भर्‌यो होयो थो जसा के आज तम सगळा हो। ४† म्हने ईसु मसीह का उध्दार का रस्ता पे चलवा वाळाहुंण के यां तक सताड़्या के उणका पराण तक हिटी ग्या अने आदमिहुंण अने बइराहुंण के बान्दी-बान्दी के जेळखाना माय

---

[f] **२२.३** गमलियल: यहूदिहुंण का एक धारमिक हिस्सा फरीसिहुंण को एक खास धरमगरु (परेरितहुंण ५.३४-३९)।

† **२२.३:** परेरितहुंण ५.३४–३९ † **२२.४–५:** परेरितहुंण ८.३, २६.९–११

लाखी द्या। ५इनी बात की गवई खुद
म्हापुरोहित अने सियाणाहुंण की सबा
दई सके हे। म्हने इणका से हमारा यहूदी
भई-बेनहुंण का नामे चिट्ठिहुंण लई अने
इनी मन्सा से दमिसक आड़ी चल्यो के
वां का इना लोगहुंण के बी बन्दी बणई
के सजा देवाड़णे सरु यरुसलेम लइ-यउं।

पोलुस को मन कसे बदळ्यो

(परेरितहुंण ९.१-१९; २६.१२-१८)

६"पण असो होयो के जदे हूं दफोर्या
का बखत दमिसक का कने अबी बाट
मेंज थो के असमान से एक दम एक बड़ो
उजाळो म्हारा चारी-मेर चळक्यो। ७अने
हूं जमीन पे हिटी पड़्यो, अने एक बाणी
म्हारे सुणई दई, 'साऊल, साऊल!, तू
म्हारे कायसरु सताड़े रे?' ८"म्हने जुवाब
द्यो, 'परभु तू कुंण हे?' "उने म्हार से
क्यो, 'हूं ईसु नासरी हूं जेके तू सताड़े हे।
९जो लोग म्हार गेले था उणने उजाळो
जरुर देख्यो, पण जो म्हार से बोली र्यो
थो उकी बाणी समज्या हयनी। १०"तो
म्हने क्यो, 'हे परभु, हूं कंई करूं?' "परभु
ने क्यो, 'उठी के दमिसक आड़ी चल्यो
जा, अने वां थारे उ सगळो जो थारे
करनों हे बतई द्यो जायगा।' ११इकासरु
के उना उजाळा का चकाचोंद से म्हारे
कंई नगे नी अई र्यो थो, म्हारा सातिहुंण
ने म्हारो हात पकड़ी के म्हारे दमिसक
छोड़्यो।

१२"तो हनन्याह[g] नामका एक मनख ने
जो नेम-बिधान को पाळण करवा वाळो
भगत थो। अने वां रेवा वाळा सगळा
यहूदिहुंण माय मान्यो होयो थो। १३उ
म्हारा कने अई के उबो होयो अने म्हार
से क्यो, 'भई, साऊल, अबे देखवा लाग।'
उनीज घड़ी म्हने उके देख्यो। १४अने
उने क्यो, 'हमारा पूरखाहुंण का परमेसर
ने थारे इकासरु छांटी ल्यो के तू उकी
मरजी के जाणे, उना एक धरमी ईसु के
देखे अने उका मुन्डा से बातहुंण सुणे।
१५क्योंके तू उका सरु सगळा मनखहुंण
का सामे उनी बातहुंण को गवा रेगा जो
तने देखी अने सुणी हे। १६अबे कायसरु
देरी करे? उठ्या, बपतिसमो ले, अने
परभु ईसु से पराथना करिके अपणा
पापहुंण धोई लाख।'

भीड़ माय पोलुस को भासण

१७"फेर असो होयो के जदे हूं यरुसलेम
पाछो अई के मन्दर माय पराथना करी
र्यो थो तो हूं बेसुद हुई ग्यो। १८अने
म्हने परभु ईसु के यो केतो होयो देख्यो,
'झट कर अने यरुसलेम से झट बायरे
चल्यो जा, क्योंके वी म्हारा बारामें थारी
गवई नी मानेगा।' १९"म्हने क्यो, 'परभु,
वी तो खुद जाणे के हूं एक पराथनाघर
से दूसरा पराथनाघर माय उणके जो थार
पे बिसास करता था, बन्दी बणातो अने
कूटतो थो। २०[†] जदे थारा गवा स्तिफनुस
को लोई बिवाड़्यो जई र्यो थो तो हूं
खुद बी वां उबो थो अने उकी हत्या माय
म्हारी रजामंदी थी, अने हूं हत्या करवा
वाळाहुंण का लतराहुंण को नेपो करी र्यो

---

[g] **२२.१२** हनन्याहः परेरितहुंण का काम माय हनन्याह नामका तीन मनख हे देखो ५.१, २२.१२ अने २३.२।

[†] **२२.२०:** परेरितहुंण ७.५८

थो।' [२१]"अने उने म्हार से क्यो, 'जा! क्योंके हूं थारे दूरा-दूरा तक गेर यहूदिहुंण कने मोकलुंवां।' "

२२वी लोगहुंण उका इना बयान याने "गेर यहूदिहुंण कने मोकलुंवां" तक तो सुणता र्‌या, फेर उंची अवाज से चिल्लाड़ी के केवा लाग्या, "असा मनख के चुप करो, अने धरती पे से मिटाड़ी लाखो, क्योंके उको जिन्दो रेणो ठीक हयनी!" [२३]जदे वी चिल्लाड़ी-चिल्लाड़ी के अपणा लतरा उछाळवा अने असमान माय धूळो उड़ावा लाग्या, [२४]तो सेनापति ने हुकम द्‌यो के, "पोलुस के किला माय लई जाव" अने क्यो "उके कोड़ा लगाड़िके जांच्यो-परख्यो जाय जेकासे के उका बिरोद माय लोगहुंण के चिल्लावा की वजा म्हारे मालम पड़े।" [२५]पण उणने उके चामड़ा का बन्द से उके बान्द्‌यो, तो पोलुस ने सुबेदार से जो कने उब्यो थो क्यो, "कंई यो ठीक हे के एक रोमी नागरिक के कोड़ा मारो अने उ बी बिना कसूर के?"

२६जदे सुबेदार ने यो सुण्यो तो उने सेनापति कने जई के क्यो, "तू कंई करी र्‌यो? यो तो रोमी नागरिक हे।"

२७सेनापति ने अई के उका से पुछ्‌यो, "म्हारे बताड़, कंई तू रोमी नागरिक हे?"

उने जुवाब द्‌यो, "हां।"

२८तो सेनापति ने क्यो, "म्हने तो रोमी नागरिकता घणा रुप्या दई के पई हे।"

पोलुस ने जुवाब द्‌यो, "पण हूं तो जनम सेज रोमी हूं।"

२९तो जो लोग उकी जांच-परख करवा वाळा था झट छोड़ी के दूरा हुई ग्या, अने सेनापति बी यो जाणी के, के पोलुस एक रोमी नागरिक हे डरी ग्यो, क्योंके उने उके बन्दी बणायो थो।

यहूदी अगवाहुंण का सामे पोलुस को परबचन

३०पण दूसरा दन, यो जाणवा सरु के यहूदिहुंण ने इका पे कायसरु आरोप लगाड़्यो, उने उका बन्दण खोली लाख्या अने मुख-पुरोहितहुंण अने म्हासबा के भेळी होवा को हुकम द्‌यो, अने पोलुस के लइ-जई के उणका सामे उबाड़ी लाख्यो।

२३ पोलुस ने म्हासबा आड़ी गेरी नगे लाखी अने बोल्यो, "भई-बेनहुंण, म्हने आज तक परमेसर का सामे पूरण खरी समज से जीवन बिताड़्यो हे।" [२]तो हनन्याह म्हापुरोहित ने कने उब्या लोगहुंण के उका मुन्डा पे थापड़ मारवा को हुकम द्‌यो। [३][†] पोलुस ने उकासे क्यो, "हे चुन्ना लिपी हुई भींत,[h] थारे परमेसर मारेगा। कंई तू नेम-बिधान का मुजब म्हारो न्याव करवा बेठ्‌यो हे अने फेर नेम का बिपरित म्हारे मारवा को हुकम दई र्‌यो हे?"

४पण पोलुस कने उब्या लोगहुंण ने क्यो, "कंई तू परमेसर का म्हापुरोहित के भलो-बुरो के हे?"

---

[h] **२३.३** चुन्ना लिपी हुई भींत ; अदरे से तो भला लागे पण भित्तरे से बुरा रे हे ।

[†] **२३.३:** मत्ती २३.२७–२८

५† इका पे पोलुस ने क्यो, "भई-बेनहुंण, म्हारे मालम नी थी के यो म्हापुरोहित हे। क्योंके सांची हे के सासत्तर माय लिख्यो हे, 'तू अपणा लोगहुंण का सासक के बुरो मती के जे।' "

यरुसलेम की म्हासबा माय पोलुस (ACT २३.६)

६† जदे पोलुस के यो नगे आयो के एक पालटी सदुकिहुंण अने दूसरी पालटी फरीसिहुंण की तो उ म्हासबा माय चिल्लाड़ी के केवा लाग्यो, "भई-बेनहुंण, हूं फरीसी हूं, अने फरीसिहुंण का बंस को हूं। मर्‌याहुंण का बाद पाछा जी उठवा की म्हारी मानता की वजासे म्हारो न्याव हुई र्‌यो हे।"

७उका या केताज फरीसिहुंण अने सदुकिहुंण माय मन मोटाव हुई ग्यो अने फाड़ पड़ी गी। **८**† क्योंके सदुकिहुंण को यो केणो हे के पाछो जी उठणो नी हे, नी सरगदूत अने नीज कइंकी आतमा हे, पण फरीसी यो सगळो माने हे। **९**तो घणो हा-हुल्लो मच्यो अने फरीसी पालटी का थोड़ाक सासतरी उठ्या अने जोरदार भेस करवा लाग्या, "हम इना मनख माय कंई कसूर नी पांवां। अगर कइंकी आतमा या सरगदूत ने इका से बातहुंण करी तो कंई हे?"

१०जदे मन मोटाव घणो बड़ी ग्यो तो सेनापति डरी ग्यो के कंई वी पोलुस का बटका-बटका नी करी लाखे। इकासरु उने सिपईहुंण के हुकम द्‌यो के "निच्चे उतरी के उणका अदाड़ माय से उके जबरजस्ती हेड़ी के किला माय ल्याव।"

११पण उनीज राते परभु ने पोलुस कने उबी के क्यो, "हिम्मत राख, क्योंके जसतरा तने यरुसलेम माय मजबूती से म्हारी गवई दई असतरा थारे रोम नगर माय बी गवई देणी पड़ेगा।"

पोलुस के मारवा की साजिस

१२जदे दन उग्यो तो थोड़ाक यहूदिहुंण ने साजिस रची अने उणने या सोगन खई: "जदत्तक पोलुस के मारी नी लाखांगां तदत्तक नी तो खावांगां अने नी पिवांगा।" **१३**साजिस रचवा वाळा चाळीस से जादा मनख था। **१४**तो वी मुख-पुरोहितहुंण अने सियाणाहुंण कने जई के केवा लाग्या, "हमने काठी सोगन खई अने यो ठाण्यो हे के जदत्तक पोलुस के मारी नी लाखां तदत्तक कइंनी चाखांगां। **१५**इकासरु अबे तम अने म्हासबा मिळी के सेनापति के समजाड़ो के पोलुस के अपणा कने

---

† **२३.५:** निरगमन २२.२८ † **२३.६:** परेरितहुंण २६.५; फिलिप्पिहुंण ३.५
† **२३.८:** मत्ती २२.२३; मरकुस १२.१८; लूका २०.२७

भायना से तेड़े असो के तम उका बारामें
हजु जादा जांचणो परखणो चावो हो।
तो हम उके यां पोंचवा से पेलांज मारी
लाखवा सरु तय्यार रांगा।"
१६जदे पोलुस का भाणेज ने उके मारी
लाखवा की बात सुणी तो उ किला माय
पोंच्यो अने भित्तरे जई के पोलुस के
सगळी बात बताड़ी। १७तो पोलुस ने
सुबेदारहुंण माय से एक के अपणा कने
तेड़ी के क्यो, "इना जुवान के सेनापति
कने लई जाव, क्योंके उ कंई बताड़णो
चावे।" १८तो सुबेदार ने उके सेनापति
कने लइ-जई के क्यो, "बन्दी पोलुस ने
म्हारे अपणा कने बुलाड़ी के याचना करी
के हूं इना जुवान के थारा कने पोंचउं,
क्योंके यो थारे कंई बताड़णो चई र्‌यो
हे।"
१९तो सेनापति उको हात पकड़ी के
बगले लई ग्यो अने छाने-छाने पुछवा
लाग्यो, "तू म्हारे कंई बताड़णो चावे?"
२०उने क्यो, "यहूदी ने थार से या
मांग करवा सरु एको कर्‌यो हे के तू
पोलुस के काल म्हासबा का सामे लावे,
जसेके वी उके हजु बी जादा जांचणो
चावे हे। २१इकासरु तू उणकी बात मती
सुणजे, क्योंके उणका माय का चाळीस
से बत्ती मनख उके घात करवा की ताक
माय लाग्या होया हे जिणने सोगन खई
हे के जदत्तक पोलुस के नी मारी लाखां
तदत्तक नी खावांगां अने नी पिवांगा। वी
अबीज तय्यार हे अने थारा हुकम की
बाट जोई र्‌या हे।"
२२तो सेनापति ने उना जुवान के यो
कई के जावा द्‌यो, "कइंका से नी केणो
के तने म्हारे या बात बताड़ी।"

पोलुस के केसरिया मोकलनों

२३तो उने दो सुबेदारहुंण के अपणा
कने तेड़ी के क्यो, "केसरिया नगर जावा
सरु राते नो बजे तक दो सो सिपई, सत्तर
घोड़ा-सवार अने दो सो भाला चलावा
वाळा तय्यार राखो।" २४उणके राजपाल
फेलिक्स कने पोलुस के हिपाजत से लई
जावा सरु घोड़ाहुंण की सवारी को बी
इन्तजाम करनों थो। २५तो सेनापति ने
एक असी चिट्‌ठी लिखी:

२६"हे म्हामहिम राजपाल फेलिक्स
के, क्लोदियुस लुसियास को नमसकार
मिळे। २७जदे यहूदिहुंण ने इना मनख
के पकड़ी के मारी लाखणो चायो थो,
तो म्हने या जाणी के के यो रोमी
नागरिक हे, सिपईहुंण का गेले जई के
इके बचई ल्यो। २८तो यो पतो लगावा
सरु के वी कां की वजासे उका पे दोष
लगाड़ी र्‌या हे, हूं उके उणकी म्हासबा
माय लई ग्यो। २९फेर म्हारे मालम
पड़्यो के उणने अपणा नेम-बिधान का
नरा सवाल लई के उका पे आरोप
लगाड़्या हे, पण असो कईं को आरोप
हयनी जो मोत की सजा देवा या बन्दी
बणाया जावा का लायक हो। ३०जदे
म्हारे यो बताड़्यो के उना मनख सरु
साजिस रची जई री हे तो म्हने उके
झट थारा कने मोकली द्‌यो, अने इका
पे दोष लगावा वाळाहुंण के बी हुकम
द्‌यो के वी थारा सामे इका बिरोद माय
आरोप लगाड़े।"
३१तो सिपईहुंण ने जसो उणके हुकम
द्‌यो थो, पोलुस के रातमरात अन्तिपत्रिस
नगर पोंचाड़्यो। ३२पण दूसरा दन घोड़ा-

सवारहुंण के उका गेले अगड़े जावा सरु
छोड़ी के सिपईहुंण पाछा किला माय अई
ग्या। ३३जदे घोड़ा-सवार केसरिया पोंच्या
तो उणने राजपाल के चिट्ठी दई अने
पोलुस के बी उका सामे हाजिर कर्‌यो।
३४चिट्ठी बांचवा का बाद राजपाल ने
पुछ्‌यो के "तू कां का इलाका को हे?"
अने यो जाणी के के यो किलिकिया नगर
को रेवासी हे, ३५उने क्यो, "जदे थार पे
दोष लगाड़ ने वाळा बी अई जायगा तो
हूं थारी सुणुंवां अने थारो न्याव करुंवां।"
उने हुकम द्‌यो के पोलुस के नेपा माय
हेरोदेस का बणाया होया राजम्हेल माय
राख्यो जाय।

यहूदिहुंण को पोलुस पे आरोप

२४ पांच दन का बाद म्हापुरोहित
हनन्याह थोड़ाक सियाणाहुंण
अने तिरतुल्लुस नामका वकील के गेले
लई के आयो। उणने राजपाल का सामे
पोलुस का बिरोद माय आरोप लगाड़्या।
२जदे पोलुस के तेड़्यो तो तिरतुल्लुस
उका पे आरोप लगाड़तो होयो राजपाल
से केवा लाग्यो:

"हे म्हामहिम फेलिक्स राजपाल, तमारी
वजासे हमारा देस माय घणी सान्ती हे,
अने तमारी लायकी की वजासे देस माय
नरा सुदार कर्‌या जई र्‌या हे। ३हम या
बात हरतरा से अने हर जगा धन्यबाद
का साते माना हे। ४अबे हूं थारो हजु
जादा बखत खराब नी करिके थार से
याचना करूं के किरपा करिके हमारी
थोड़िक सी सुणवई करी ले। ५"बात या
हे के यो मनख सइमें दंगो भड़कावा
वाळो हे, अने आखा जगत का यहूदिहुंण
माय फूट लाखे अने नासरिहुंण का पंथ
को नेता हे। ६इने यरुसलेम का मन्दर के
बी अपवित्तर करवा की कोसिस करी, अने
हमने इके बन्दी बणई ल्यो। (हम इको
न्याव अपणा नेम-बिधान मुजब करनों
चाता था। ७पण सेनापति लुसियास ने
अई के उके जबरजस्ती हमारा हात से
छुड़ई ल्यो, ८अने इका पे दोष लगावा
वाळाहुंण के थारा सामे आवा को हुकम
द्‌यो।)[i] जेनी बातहुंण का बारामें हम उका
पे दोष लगाड़ता था, अगर तू खुद उकासे
पुछे तो थारे इनी सगळी बात को भरोसो
हुई जायगा।" ९यहूदिहुंण ने बी इना
आरोप माय उको सात द्‌यो अने दावो
कर्‌यो के ई बातहुंण सांची हे।

पोलुस ने खुद को बचाव कर्‌यो

१०जदे राजपाल ने पोलुस के बोलवा को
इसारो कर्‌यो, तो उने जुवाब द्‌यो:

"यो जाणी के के तू घणा बरस से इना
यहूदी देस को न्यावधीस हे, हूं खुसी से
खुद के बचाड़ने सरु बोलुंवां। ११तू खुद
इनी सच्चई को पतो लगाड़ी सके के
म्हारे अराधना सरु यरुसलेम ग्या सिरप
बाराज दन होया हे। १२यहूदिहुंण ने म्हारे
नी तो मन्दर माय, अने नी पराथनाघर
माय अने नीज नगर माय कइंका से
कसोज बिवाद करतो पायो, १३अने नीज
ई उना आरोपहुंण के जो म्हार पे लगाड़े

---

[i] २४.८ (हम इको ... सामे आवा को हुकम द्‌यो); थोड़ाक हात का लिख्या होया माय आयत ६ ब - ८ अ मिळे हे।

हे, थारा सामे सिद्द करी सके। १४पण हूं
थारा सामे यो मानी लूं, के हूं परभु का
उध्दार का मारग मुजब अराधना करूं
जेके ई बुरो पंथ के हे। पण हूं अपणा
पूरखाहुंण का परमेसरज की सेवा करूं हे,
अने जो बात नेम-बिधान का हक माय हे
अने जो कंई नबिहुंण की पोथीहुंण माय
लिख्यो हे उनी सगळी पे बिसास करूं हे।
१५हूं परमेसर माय या आसा राखुं, जसा
ई खुद बी राखे हे के सांची माय धरमी
अने अधरमी दोइज पाछा जी उठ्यायगा।
१६इकासरु हूं बी परमेसर अने मनखहुंण
का सामे अपणा मन के न्याव करवा की
समज से सुद्द बणई राखवा की हमेस्या
कोसिस करूं।

१७† "अबे नरा बरस का बाद हूं अपणी
जात का गरीब-गुरबा सरु दान लई के
यरुसलेम माय चड़ावो चड़ावा आयो थो।
१८जदे इणने म्हारे मन्दर माय देख्यो
तो हूं नेम-बिधान से सुद्द हुई के बिना
भीड़ के या बिना हुल्लड़ मचाये अपणा
काम माय लाग्यो होयो थो। १९पण वां
एसिया देस का नरा यहूदी था - अगर
उणका कने म्हारा बिरोद माय कंई आरोप
लगावा सरु हे, तो उणके चइये थो के वी
थारा सामे हाजिर हुई के आरोप लगाड़ता।
२०नी तो ई लोग खुदज बताड़े के जदे
हूं म्हासबा का सामे उब्यो थो तो इणके
म्हारा माय कां को कसूर मिळ्यो। २१†
सिरप इनी बात के मानी के जेके म्हने
उणका अदाड़ माय उबी के जोर से कई
थी: 'मर्‌या होया का जी उठवा का बारामें
तमारा सामे म्हारो न्याव हुई र्‌यो हे।' "

२२पण फेलिक्स ने, जो ईसु का उध्दार
का मारग की सई-सई म्हायथी राखतो
थो, सुणवई रोकता होया क्यो, "जदे
सेनापति लुसियास अई जायगा तो हूं
तमारा इना मुकदमा पे फेसलो दूंवां।"
२३तो उने सुबेदार के हुकम द्‌यो के पोलुस
के थोड़िक ढील दई के नेपा माय राखे
अने उका सातिहुंण माय से कइंका के बी
उकी सेवा करवा से नी रोक्या जाय।

पोलुस की फेलिक्स अने उकी घराळी से बात-चित

२४थोड़ाक दन का बाद फेलिक्स अपणी
घराळी द्रुसिल्ला के, जो यहूदिणी थी, गेले
लई के वां आयो, अने पोलुस के तेड़ी
के उका बिसास का बारामें जो मसीह
ईसु माय हे, सुण्यो। २५पण जदे पोलुस
निरदोसिता अने खुद के बस माय करवा
की बात अने आवा वाळा न्याव की चरचा
करी र्‌यो थो तो फेलिक्स ने डरी के क्यो,
"इना बखत तो तू चल्यो जा। बखत
मिळवा पे हूं थारे पाछो तेडुंवां।" २६उणाज
बखत उ पोलुस से रुप्या लेवा की आस बी
करी र्‌यो थो। इकासरु उ उके घड़ी-घड़ी
तेड़ी के उकासे बात-चित कर्‌या करतो थो।

२७दो बरस बितवा पे फेलिक्स की
गद्दी पे पुरखियुस फेस्तुस बेठ्यो। अने
फेलिक्स ने यहूदिहुंण के खुस करवा की
मरजी से पोलुस के जेळ मायज राख्यो।

पोलुस ने केसर म्हाराजा से न्याव चायो

२५ फेस्तुस रोम का उप-इलाका
यहूदिया देस माय पोंचवा का

---

† **२४.१७–१८:** परेरितहुंण २१.१७–२८ † **२४.२१:** परेरितहुंण २३.६

तीन दन बाद केसरिया नगर से यरुसलेम
ग्यो। २तो मुख-पुरोहितहुंण अने यहूदिहुंण
का खास जणाहुंण ने पोलुस पे आरोप
लगाड़िके उकासे बिणती करी, ३अने
या मांग करी के "पोलुस के यरुसलेम
मोकली दे", क्योंके वी उके बाट मेंज
मारी लाखवा की फिराक माय था। ४तो
फेस्तुस ने जुवाब द्यो, "पोलुस केसरिया
राज की केद माय हे, अने हूं खुद बी झट
वां जावा वाळो हूं। ५तमारा माय से जो
खास मनखहुंण हे वी म्हारा गेले चल्या-
चले। अने अगर इना मनख ने कईं को
खराब काम कर्‍यो तो वी वां उका पे
आरोप लगाड़े।"

६उ उणका गेले आठ-दस दन तक
रई के केसरिया चल्यो ग्यो। दूसरा दन
उने कचेरी माय न्याव आसण पे बेठिके
हुकम द्यो के पोलुस के लायो जावे।
७पोलुस के वां पोंचवा पे यरुसलेम से
आया होया यहूदिहुंण उका चारी-मेर उबा
हुई ग्या अने उका पे असा गंभीर आरोप
लगाड़वा लाग्या जेको उणका कने कईं
को सबूत नी थो। ८तो पोलुस ने अपणे
बचावा सरु क्यो, "म्हने नी तो यहूदिहुंण
का नेम-बिधान, नी मन्दर अने नीज
केसर का बिरोद माय कईं को पाप
कर्‍यो हे।"

९पण फेस्तुस ने यहूदिहुंण के खुस
करवा की मन्सा से पोलुस के जुवाब
द्यो, "कंई तू चावे के हूं इना आरोपहुंण
को न्याव यरुसलेम माय करूं?"

१०पण पोलुस ने जुवाब द्यो, "हूं केसर
की कचेरी का सामे उबो हूं, अने म्हारो
न्याव यांज होणो चइये। क्योंके तू बी
अच्छी तरा जाणे के म्हने यहूदिहुंण को
कइंज बुरो नी कर्‍यो। ११अगर हूं कसुरवार
हूं अने म्हने मोत की सजा पावा लायक
कंई कर्‍यो हे, तो हूं मरवा से मना नी
करूं। पण अगर उणका आड़ी से लगाड़्या
ग्या आरोपहुंण माय से एक बी सांचो नी
हिट्यो, तो कईं को बी म्हारे इणका हाते
नी दई सकतो। म्हारी याज याचना रोम
का केसर म्हाराज से हे।"

१२तो फेस्तुस ने अपणी सबा से राय
लई के जुवाब द्यो, "तने केसर से
याचना करी हे, तो तू केसरज का सामे
उबो रेगा।"

पोलुस की पेसी अग्रिप्पा राजा का सामे

१३जदे नरा दन बिती ग्या तो राजा
अग्रिप्पा अने उकी बेन बिरनीके ने
केसरिया अई के फेस्तुस के नमसकार
कर्‍यो। १४जदके उणके वां नरा दन
बिताणा था तो फेस्तुस ने पोलुस को
मुकदमो राजा का सामे पेस करिके
क्यो, "यां एक मनख हे जेके फेलिक्स
जेळखाना माय छोड़ी ग्यो हे। १५जदे हूं
यरुसलेम माय थो, तो मुख-पुरोहित अने
यहूदिहुंण का सियाणाहुंण ने उका बिरोद
माय आरोप लगाड़्या अने बिणती करी
के उके सजा दई जाय। १६तो म्हने उणके
जुवाब द्यो के रोमिहुंण की या परथा
हयनी के कइंका मुलजिम के, जदत्तक के
आरोप लगाड़वा वाळाहुंण के सामे उबो
हुई के अपणा बचाव माय जुवाब देवा
को मोको नी मिळे, उके सजा सरु नी
द्यो जावे। १७तो जदे वी भेळा होया तो
म्हने देर कर्‍या बिना दूसराज दन न्याव-
आसण पे बेठिके उना मनख के लावा
को हुकम द्यो। १८जदे आरोप लगाड़वा

वाळा उबा होया तो उणने कइंका असा
कसूर को आरोप नी लगाड्यो जसो के
म्हारो अनुमान थो १९पण उणको झगड़ो
उका गेले सिरप अपणा धरम की थोड़िक
बातहुंण अने ईसु नामका एक मनख का
बारामें थो, जो मरी ग्यो थो पण पोलुस
उके जिन्दो होवा को दावो करी र्‌यो थो।
२०म्हारी समज माय नी अई र्‌यो के
इनी बातहुंण की खोज-खबर कसे करी
जाय तो म्हने उकासे पुछ्‌यो के कंई तू
यरुसलेम जावा सरु तय्यार हे के वां
इनी बातहुंण का बारामें थारो न्याव होय।
२१पण पोलुस ने याचना करी के जदत्तक
म्हाराजा सेज म्हारो फेसलो नी करायो

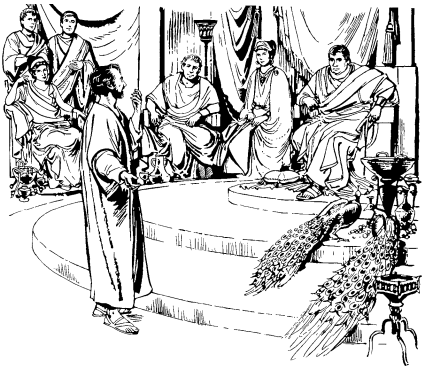

पोलुस अग्रिप्पा राजा का सामे (ACT २५.२३)

जाय तदत्तक हूं यांज जेळ माय रुंवां। तो
म्हने हुकम द्‌यो के जदत्तक हूं इके केसर
म्हाराजा कने नी मोकली दूं, उ यांज जेळ
मायज रेगा।"

२२तो अग्रिप्पा राजा ने फेस्तुस से
क्यो, "हूं खुद बी इना मनख के सुणनो
चउं।"

फेस्तुस ने क्यो, "तू काल सुणी लेजे।"

२३तो दूसरा दन जदे राजा अग्रिप्पा
अने बिरनीके घणा गाजा-बाजा से, अने
सेनापतिहुंण अने नगर का गण-मान्य
लोगहुंण का गेले कचेरी माय आया, तो
फेस्तुस का हुकम से पोलुस के लाया।
२४फेस्तुस ने क्यो, "हे म्हाराजा अग्रिप्पा
अने हमारा गेले हाजिर होया सगळा
सज्जनहुंण, इना मनख पोलुस आड़ी नगे
करो, जेका बारामें आखा यहूदी समाज
अने यरुसलेम अने यां बी चिल्लाड़ी-
चिल्लाड़ी के म्हार से बिणती करी हे
के इको अबे जिन्दो रेणो ठीक हयनी।
२५पण म्हने जाणी ल्यो थो के इने मोत
की सजा पावा लायक कइंनी कर्‌यो
थो। इकासरु के इने खुदज म्हाराजा से
याचना करी हे, म्हने इके मोकली देवा
को फेसलो कर्‌यो। २६फेर बी म्हारा कने
इका बारामें अपणा म्हाराजा के लिखवा
सरु कइंकी ठोस बात हयनी। इकासरु
हूं उके तमारा सगळा का सामे, खास
करिके, हे राजा अग्रिप्पा, थारा सामे
लायो हूं जेकासे के जांच खतम होवा
पे म्हारे थोड़िक लिखवा सरु जाणकारी
मिळी जाय। २७क्योंके म्हारे यो बेकार
लागे के बिना कारण कइंका मुलजिम
के उका आरोप-पत्तर तय्यार कर्‌या बिना
मोकलुं।"

पोलुस को बयान राजा अग्रिप्पा का सामे

२६ तो राजा अग्रिप्पा ने पोलुस से
क्यो, "थारे अपणा आड़ी से
बोलवा की इजाजत हे।"

इका पे पोलुस ने अपणो हात उठाड़्यो
अने अपणा बचाव माय बोलवा लाग्यो:

२"हे राजा अग्रिप्पा, यहूदिहुंण ने म्हार
पे नरा आरोप लगाड्या। हूं अपणे खुद
के धन्य मानी र्‌यो हूं के आज थारा
सामे अपणा बचाव सरु सगळा को जुवाब
दई र्‌यो हूं, ३खास करिके इकासरु के
तू यहूदिहुंण की सगळी परथाहुंण अने
बिवादहुंण के जाणे हे। तो हूं बिणती करूं
के जिरना धरिने म्हारी बात सुणी ले।
४"म्हारो चाल-चळण जुवानी से लई
के तो अबी तक जसो र्‌यो, याने म्हने
इके सुरु से अपणी जात का अदाड़ माय
अने यरुसलेम माय कसतरा बिताड्यो,
इके सगळा यहूदी जाणे हे। ५[†] क्योंके
वी म्हारा बारामें घणा पेलांसेज जाणे
के म्हने अपणा धरम का सगळा से
कट्टरपणा मुजब फरीसी हुई के जीवन
बिताड्यो। अगर वी चावे तो इनी बात
की गवई बी दई सके। ६पण अबे उनी
आसा की वजासे जेको करार परमेसर ने
हमारा पूरखाहुंण से कर्‌यो, म्हारो न्याव
कर्‌यो जई र्‌यो हे। ७हमारा बारा गोत
इना करार को फळ पावा की आसा माय
घणी खुसी से दन-रात परमेसर की सेवा
करे। अने हे राजा, इनी आसा का बारामें
यहूदी म्हार पे आरोप लगाड़े हे। ८या बात
तम यहूदिहुंण के अबिसासी कायसरु लागे
के परमेसर मर्‌या माय से जीवतो करे?
९[†] "म्हने बी पेलां योज बिचार्‌यो थो
के नासरत का ईसु का बिरोद माय म्हारे
नरो कंई करनों हे। १०तो म्हने यरुसलेम
माय योज कर्‌यो। मुख-पुरोहितहुंण से
हक पई के म्हने परमेसर का घणा
लोगहुंण के जेळखाना माय लाख्या।
अने जदे वी मोत का घाट उतार्‌या जई
र्‌या था तो म्हने उणका बिरोद माय
अपणो मत बी द्‌यो। ११हूं अकसर सगळा
पराथनाघरहुंण माय जई के उणके सजा
देतो थो अने ईसु की निंदा करवा सरु
उणके मजबुर करवा की कोसिस कर्‌या
करतो थो। अने उणका सरु म्हारो करोध
इतरो जादा थो के बायरे का देस का
नगरहुंण तक बी हूं उणके सताड़वा ग्यो।

पोलुस ईसु का दरसन का बारामें बताड़े

(परेरितहुंण ९.१-१९, २२.६-१६)

१२"जदे हूं मुख-पुरोहितहुंण की इजाजत
अने हक पई के असाज जोस से दमिसक
नगर आड़ी जई र्‌यो थो। १३तो हे राजा,
म्हने दफोर्‌या का बखत बाट माय सूरज
से बी जादा एक तेज उजाळो असमान
से आतो होयो देख्यो, जो म्हारा अने
म्हारा गेले जातरा करवा वाळाहुंण का
चारी-मेर चळकी र्‌यो थो। १४जदे हम
सगळा जमीन पे हिटी पड़्या तो म्हारे
इबराणी बोली माय या बाणी सुणई दई:
'साऊल, साऊल, तू म्हारे कायसरु सताड़े?
नोंक पे लात मारनो थारा सरु अबगो हे।'
१५"म्हने क्यो, 'परभु, तू कुंण हे?' "परभु
ने क्यो, 'हूं ईसु हूं जेके तू सताड़ी र्‌यो हे।
१६पण अबे तू उठ्या अने अपणा पगहुंण
पे उबो हुई जा। म्हने इकासरु थारे दरसन
द्‌यो के थारे म्हारो सेवक बणउं। अने नी
सिरप इनी बातहुंण सरु जो थारे म्हारा
माय[j] आज नगे अई के गवो बणउं, पण

---

[j] **२६.१६** म्हारा माय ; थोड़ाक हात का लिख्या होया लेखहुंण माय 'म्हारा माय' नी हे ।

[†] **२६.५:** परेरितहुंण २३.६; फिलिप्पिहुंण ३.५ [†] **२६.९–११:** परेरितहुंण ८.३, २२.४–५

उनी बातहुंण के बी जेका सरु हूं थारे
दरसन दूंवां। १७हूं थारे थारा लोगहुंण से
अने गेर यहूदिहुंण से बी, जिणका कने
थारे मोकली र्‌यो हूं, बचातो रुंवां। १८तू
उणकी आंखहुंण के खोले जेकासे के वी
इन्दारा से उजाळा आड़ी अने सेतान का
राज से परमेसर आड़ी पलटे, जेकासे के
वी पापहुंण की मांफी अने उना लोगहुंण
का गेले अपणी जगा पई ले जो म्हार पे
बिसास करवा से पवित्तर होया हे।'

पोलुस का काम

१९"तो हे राजा अग्रिप्पा, म्हने उना
सरग का दरसन को कदी बी उलांगो नी
कर्‌यो। २०† पण पेलां दमिसक के, फेर
यरुसलेम के, अने उका बाद यहूदिया
का आखा इलाका का रेवा वाळाहुंण के
परचार करतो र्‌यो। अने बाद माय हूं गेर
यहूदिहुंण के बी योज परचार करतो र्‌यो
के वी पसतावो करिके परमेसर आड़ी पलटे
अने हिरदो बदळवा लायक काम करे।
२१इनी वजासे थोड़ाक यहूदिहुंण ने म्हारे
मन्दर माय पकड़्यो अने मारी लाखवा की
कोसिस करी। २२पण परमेसर आड़ी से
मदद पई के हूं आज तक बण्यो होयो हूं
अने छोटा-मोटा सगळा का सामे गवई दई
र्‌यो हूं। अने जो बात नबिहुंण अने मूसा
ने कई थी वी होवा वाळी हे उणके छोड़ी
के कंई नी कउं। २३† याने यो के मसीह
के दुःख भोगणो होयगा, अने उज मर्‌या
माय से जी उठवा वाळाहुंण माय पेलो हुई
के यहूदी परजा अने गेर यहूदिहुंण दोई के
उजाळा को समिचार सुणायगा।"

२४जदे पोलुस अपणा बचाव माय
असतरा कई र्‌यो थो, तो फेस्तुस ने उंची
अवाज से क्यो, "पोलुस तू बेन्डो हे! जादा
भणणो थारे बेन्डो बणई र्‌यो हे।"

२५पण पोलुस ने क्यो, "हे परमगुणी
फेस्तुस, हूं बेन्डो हयनी हूं पण सांची अने
भेद-भरी बातहुंण कउं। २६इनी बातहुंण के
म्हाराज खुद जाणे हे जिणका सामे हूं
काठो हुई के बोली र्‌यो हूं। म्हारे भरोसो
हे के इका माय से कइंकी बात हयनी जो
उके नी मालम, क्योंके ईसु मसीह की
या घटणा कइंका कोणा माय नी घटी।
२७हे राजा अग्रिप्पा, कंई तू नबिहुंण को
बिसास करे हे? हां, हूं जाणूं के तू बिसास
करे हे।"

२८तो अग्रिप्पा राजा ने पोलुस के
जुवाब द्‌यो, "कंई तू यो सोंचे के म्हारे
थोड़ाज बखत माय मसीही बणावा सरु
भेकई लेगा?"

२९पोलुस ने क्यो, "परमेसर करे की
चाय थोड़ाक या जादा बखत माय, नी
सिरप तू पण ई सगळा बी जो आज
म्हारी सुणी र्‌या हे म्हारा सरीका हुई
जायगा, फरक सिरप बेड़िहुंण को रेगा।"

३०तो राजो उठ्‌यो, अने उका गेले
उकी बेन बिरनीके, राजपाल फेस्तुस, अने
बेठ्‌या होया लोग बी उबा उठ्‌याया। ३१अने
बगले जई के एक दूसरा से बातहुंण
करिके यो केवा लाग्या, "यो मनख तो
असो कंई बी नी करी र्‌यो हे जो मोत
की सजा या जेळखाना माय लाखवा
का लायक होय।" ३२राजा अग्रिप्पा ने
फेस्तुस से क्यो, "अगर यो मनख केसर

---

† **२६.२०:** परेरितहुंण ९.२०, २८–२९ † **२६.२३:** यसायाह ४२.६, ४९.६; १ कुरिन्थिहुंण १५.२०

म्हाराज से याचना नी करतो तो इके छोड़ी लाखतो।"

पोलुस के रोम मोकलनों

२७ जदे यो पक्को होयो के हम झाज से अत्तलीया देस जांवां तो उणने पोलुस अने दूसरा बन्दिहुंण के म्हाराजा का सेना दळ का यूलियुस नामका एक सुबेदार के समळई द्या। २तो अद्रमुत्तियुम को एक झाज एसिया इलाका का मेरे का इलाकाहुंण से हुई के जावा पे थो। हम उका पे चड़िके समन्दर की जातरा बले चली पड़्या। अरिस्तर्खुस नामका थिस्सलुनीके नगर को एक मकिदुनी मनख बी हमारे गेले थो। ३दूसरा दन हम सेदा नगर माय उतर्या अने यूलियुस ने किरपा करिके पोलुस के अपणा दोसहुंण का यां जावा द्यो के वी उकी जातरा सरु जरुरी चीजहुंण की बेवस्था करी सके। ४वां से हम झाज से साइपरस टापू का आड़ माय हुई के चल्या क्योंके बायरो सामे की थी। ५अने जदे हम किलिकिया अने पंफूलिया इलाकाहुंण का समन्दर कराड़ा से हुई के हिट्या तो लुकिया इलाका का मूरा बस्ती माय उतर्या। ६वां सुबेदार के अत्तलीया देस जावा वाळो सिकन्दरिया को झाज मिळ्यो, अने उने हमारे उका पे चड़ई लाख्या।

७जदे हम लोग नरा-दन तक धीरे-धीरे खेता होया मुसकिल से कनिदुस नगर का सामे पोंच्या तो इकासरु के बायरो हमारे अबे अगड़े नी बड़वा दई र्यो थो, हम सलमोने टापू[k] का सामे से हुई के किरेते टापू का आड़ माय झाज खेवा लाग्या। ८अने उका कराड़ा-कराड़ा घणा अबगा से खेता होया हम एक जगा पोंच्या जो "अच्छा अराम की जगा" केवाती थी, जां से लसया नगर कने थो।

९नरो बखत बिती ग्यो थो अने जळ-जातरा बी जोखम से भरी हुई थी, यां तक के उपास का दन[l] बी बिती चुक्या था। तो पोलुस उणके या कई के चेतावा लाग्यो, १०"हे भई-बेनहुंण म्हारे असो लागी र्यो हे के इना जळ-जातरा माय समान अने झाज कीज नी पण अपणा पराण को बी नुकस्यान झेलनो पड़ेगा।" ११पण सुबेदार ने पोलुस का केणा के नी मान्यो, पण झाज के चलावा वाळा अने झाज का मालेख की बातहुंण आड़ी जादा ध्यान लगाड़्यो। १२इकासरु उ बन्दरगाह जां पाणी को झाज रुके स्याळो बिताड़्वा सरु अच्छो नी थो, जादा लोगहुंण को यो मनसुबो होयो के वां से अगड़े बड़ी के कसी तरा फीनिक्स नगर पोंची के स्याळो बिताड़ां। यो किरेते टापू को एक बन्दरगाह हे, जेको मुन्डो दक्खणव-आथणूं अने धरउ-आथणूं आड़ी हे।

समन्दर माय तोफान

१३जदे दक्खणव दिसा आड़ी से बायरो धीरे-धीरे चलवा लाग्यो तो या सोंची के के हमारो उद्देस पूरण हुई ग्यो, लोगहुंण

---

[k] **२७.७** टापू: समन्दर माय सुकी जगा जेका चारी-मेर पाणी भर्यो रे उके टापू के हे।

[l] **२७.९** उपास का दन: अग्गण मइना माय मनाड़्या जाय हे अने उना बखत खराब मोसम रे हे।

ने लंगर खेंच्यो अने किरेते टापू का धड़े-
धड़ हुई के जावा लाग्या। १४पण थोड़ाज
देर बाद जमीन आड़ी से एक खतरनाक
तोफान उठ्यो जो "धरउ-उगणूं" केवाय
हे। १५जदे झाज उका माय घेरायो अने
तोफान को सामो नी करी सक्यो तो
हमने झाज के बायरा का सायरे छोड़ी
लाख्यो, अने हम बी झाज का गेले-
गेल बीवा लाग्या। १६तो कोदा[m] नामका
छोटा टापू का आड़ माय बीता-बीता हम
मुसकिल से झाज का लोगहुंण के बचावा
वाळी डोंगिहुंण के पई सक्या। १७फेर
केवटहुंण ने डोंगी के उठाड़वा का बाद
झाज के डोल्डा से लपेटी के बान्द्यो।
अने सुरतिस को रेतीलो कराड़ो जां गड़ी
जावा का डर से पाल अने माल उतारी के
बिता होया चल्या ग्या। १८दूसरा दन जदे
हम तोफान से घणा डोळा खई र्या था,
तो दूसरा दन वी झाज को समान फेंकवा
लाग्या। १९तीसरा दन उणने अपणाज
हात से झाज का डोल्डा अने पाळ बी
फेंकी लाख्या। २०जदे नरा दन तक नी
तो सूरज नगे आयो, नी ताराहुंण, अने
घणो तोफान चली र्यो थो। तो धीरे-धीरे
हमारा बचवा की आस बी नी री।

२१जदे हम सगळा बिना रोटा के
नरा दन बिताड़ी चुक्या तो पोलुस
ने उणका अदाड़ माय उबो हुई के
क्यो, "हे भई-बेनहुंण, ठीक यो थो के
तम म्हारी राय मानता अने किरेते
टापू से रवाना नी होता, तो नी तो
इनी मुसीबत माय पड़ता अने नी यो
नुकस्यान सेणो पड़तो। २२अबे बी हूं
तमार से बिणती करूं हिम्मत राखो,
क्योंके तमारा माय से कइंका का
पराण को नुकस्यान नी होयगा पण
सिरप झाज को नुकस्यान होयगा।
२३क्योंके परमेसर जेको हूं हे, अने
जेकी सेवा हूं करूं, उको एक सरगदूत
आज राते म्हारा कने अई के उबो
होयो। २४अने उने क्यो, 'पोलुस डरे
मती! थारे म्हाराजा केसर का सामे
उबो होणो जरुरी हे। देखी ले, इना
सगळा के जो थारा गेले जातरा करी
र्या हे, परमेसर ने थारे दई द्या
हे।' २५इकासरु हे भई-बेनहुंण, हिम्मत
राखो, क्योंके हूं परमेसर पे बिसास
राखुं के जसो म्हार से क्यो हे वसोज
होयगा। २६पण कइंका कम पाणी का
टापू पे हमारो झाज जरुर फंसेगा।"

२७पण जदे चवदी रात अई अने हम
अद्रिया समन्दर माय भटकी र्या था
तो आदी रात का करीब केवटहुंण ने
म्हेसुस कर्यो के हम कइंका कराड़ा
कने पोंची र्या हे। २८थाग लेवा पे उणने
अस्सी हात[n] उन्डो पायो, थोड़ाक अगड़े
बड़ी के पाछी थाग लई तो साट हात[o]
उन्डो पायो। २९तो इना डर से के कंई
सिल्लाहुंण से नी टकरांवां वी झाज का
पाछल्या हिस्सा से चार लंगर लाखी
के परोड़ो होवा की बिणती करता र्या।
३०अंय्यांड़ी केवटहुंण झाज से भागवा
की कोसिस करी र्या था अने अगल्या
हिस्सा से लंगर लाखवा का भायना से

---

[m] **२७.१६** कोदा: कई लेखहुंण मय 'क्लोदा'।
[n] **२७.२८** अस्सी हात: या ४० गज।
[o] **२७.२८** साट हात: या करीब ३० गज।

डोंगी के समन्दर माय उतारी चुक्या था।
३१तो पोलुस ने सुबेदार अने सिपईहुंण से
क्यो, "अगर ई झाज पे नी र्‌या तो तम
बी नी बची सकोगा।" ३२तो सिपईहुंण ने
डोल्डा काटिके डोंगी पाणी माय पटकी
लाखी।

३३जदे परोड़ो होवा पे थो तो पोलुस
ने या कई के सगळा के जिमवा सरु
समजाड़्या, "आज चवदा दन हुई ग्या
के तम एक सरीको सांसो करवा की
वजासे भूका र्‌या अने तमने कंई नी
खायो। ३४तो हूं तमारे समजउं के
अपणा पराण की रक्सा सरु थोड़ोक खई
लो, क्योंके तमारा माय से कइंका का
माथा को बाल बी बांको नी होयगा।"
३५यो कई के उने रोटा ल्या अने
सगळा का सामे उका सरु परमेसर
को धन्यबाद द्‌यो अने कोळ्या करिके
खावा लाग्यो। ३६इका से उना सगळा
के हिम्मत मिळी अने उणने बी जिमी
ल्यो। ३७झाज पे हम सगळा मिळी
के दो सो छियोत्तर[p] जणा था। ३८अने
जदे वी खई के धापी ग्या तो गंठ के
समन्दर माय फेंकी के झाज के फोरो
करवा लाग्या।

झाज को टुटणो

३९जदे दन हिट्‌यो तो वी उनी जगा
के नी पेचाणी सक्या, पण उणके खाड़ी[q]
नगे अई जेको कराड़ो बराबर थो। उणने
इरादो कर्‌यो के अगर हुई सके तो झाज
के उणाज कराड़ा पे पोंचई द्‌यो जाय।
४०उणने लंगर काटिके समन्दर माय छोड़ी
लाख्या अने उनीज बखत पतवारहुंण का
बन्द ढीळा करी लाख्या। अने बायरा का
हिसाब से नाना पाल खोली के कराड़ा
आड़ी चली पड़्या। ४१पण दो पाणी की
धाराहुंण माय पड़ी के झाज बाळू रेत
माय फंसी ग्यो अने उको अगल्या हिस्सो
असो गड़ी ग्यो के हली नी सक्यो, अने
पाछल्यो हिस्सो लेरहुंण का झपाटा से
टूटवा लाग्यो।

४२सिपईहुंण को बिचार थो के
केदीहुंण के मारी लाखां जेकासे के
उणका माय से कईं को बी तिरी के
भागी नी सके। ४३पण सुबेदार ने
पोलुस के बचई के लई जावा की मन्सा
से उणके असो करवा से रोक्यो अने
हुकम द्‌यो के जो तिरी सके वी पेलां
कुदिके जमीन का कराड़ा आड़ी चल्या
जाय। ४४अने बाकी लोग पाट्‌याहुंण
अने झाज का दूसरा बटकाहुंण का
सायरे हिटी जाय। असतरा हम सगळा
लोग जमीन पे बिना जोखम के पोंची
ग्या।

माल्टा टापू पे पोलुस

२८ जदे हम बची ग्या तो हमारे मालम
पड़्यो के यो टापू माल्टा केवाय
हे। २यां का बनबासिहुंण ने हमार पे खास
किरपा करी बरसात होवा की वजासे ठंडो
लागवा लाग्यो थो, इकासरु उणने भस्ते
चेतई अने हमारा सगळा को सुवागत
कर्‌यो। ३जदे पोलुस ने लक्कड़ को भारो

---

[p] **२७.३७** दो सो छियोत्तर: थोड़ाक लेखहुंण माय २७५;।
[q] **२७.३९** खाड़ी: जां नद्दिहुंण को पाणी समन्दर माय मिळे।

पोलुस का हात पे लपट्यो
सांप (ACT २८.४)

भेळो करिके भस्ते पे धर्‌यो तो धप पई के एक सरप हिट्यो अने उका हात से लपटई ग्यो। ४जदे बनबासिहुंण ने इना जनावर के जो उका हात से लपेट्यो होयो थो। उका पे नगे पड़ी तो वी माय-माय केवा लाग्या, "सांची माय यो मनख हत्यारो हे, जदके यो समन्दर से बची निकळ्यो फेर बी न्याव की देवी ने इके सजा दई के जीवा नी द्‌यो हे।" ५तो पोलुस ने जनावर के, भस्ते पे झटकी लाख्यो अने उके कंई नुकस्यान नी होयो। ६वी तो या बाट देखी र्‌या था के उ सुजी जायगा या एक दम हिटी पड़ी के मरी जायगा। पण जदे नरा बखत तक बाट देखी अने देख्यो के उको कंई नी बिगड़्यो तो अपणो बिचार बदळी के केवा लाग्या "यो तो कईं को देवता हे।"

७उनी जगा का ऐरे-मेरे उना टापू का पुबलियुस नाम का परधान की जमीन थी। उने परेम भाव से हमारी आव-भगत करी अने तीन दन तक हमारी पंमणई करी। ८फेर असो होयो के पुबलियुस को दाइजी बुखार अने आंव से बेमार पड़्यो होयो थो। पोलुस उके देखवा भित्तरे ग्यो अने पराथना करिके उका पे अपणो हात धर्‌यो अने उके नज करी लाख्यो। ९इनी घटणा का बाद टापू का बाकी बेमारहुंण बी अई के नज होवा लाग्या। १०अने उणने हमारो नरी-तरा से मान-सम्मान कर्‌यो। जदे हम उनी जगा से हिटवा वाळा था तो उणने हमारी जरुवत की सगळी चीजहुंण झाज पे चड़ई दी।

पोलुस के रोम माय जाणो

११तीन मइना का बाद हम सिकन्दरिया का एक झाज से रवाना होया जो इना टापू पे स्याळो काटी चुक्यो थो अने जेकी सेलाणी "जुडमा देवता" था। १२फेर सुरकूसा नगर माय लंगर लाखी के हम तीन दन तक रुक्या र्‌या। १३वां से मुड़ी के रेगियुम नगर पोंच्या। एक दन का बाद दक्खणवी बायरो चल्यो तो हम दूसरा दन पुतीयुली नगर माय आया। १४वां हमारे थोड़ाक भई-बेनहुंण मिळ्या जिणने हमार से बिणती करी के हम उणका यां सात दन तक रुकां। असतरा हम रोम नगर पोंचवा पे था। १५जदे रोम से भई-बेनहुंण ने हमारा बारामें सुण्यो तो अप्पियुस का हाट अने तीन-सराय तक[r] वी हमार से

[r] **२८.१५** अप्पियुस का हाट अने तीन-सराय तक ; अप्पियुस का हाट रोम से तीन दन की जातरा की दूरी पे हे, अने तीन-सराय रोम से दो दन की जातरा की दूरी पे हे ।

रस्ता माय मिळवा आया। उणके देखी के
पोलुस की हिम्मत बड़ी अने परमेसर के
धन्यबाद द्यो।

पोलुस रोम माय

१६जदे हम रोम माय पोंच्या तो पोलुस
के एक सिपई का गेले जो उकी चोकसी
करतो थो इकाड़ी रेवा की इजाजत दई।
१७फेर असो होयो के तीन दन का
बाद पोलुस ने यहूदिहुंण का खास
लोगहुंण के तेड़्या। जदे वी भेळा होया
तो उने उणकासे क्यो, "भई-बेनहुंण,
जदके म्हने अपणी जात या अपणा
पूरखाहुंण की रीति-रिवाज का बिरोद
माय कइंनी कर्‌यो, फेर बी हूं यरुसलेम
माय बन्दी बणई के रोमिहुंण का हाते
दई द्यो हूं। **१८**उणने पुछी-ताछी के म्हारे
छोड़ी देणो चायो, क्योंके म्हारे मोत
की सजा देवा को कईं को कारण नी
थो। **१९**† पण जदे यहूदिहुंण ने बिरोद
कर्‌यो तो म्हारे केसर म्हाराजा से
याचना करनी पड़ी - पण यो हयनी के
अपणी जात पे कईं को आरोप लगाणो
थो। **२०**इना कारण से म्हने बिणती
करी के तमार से मिळुं अने बात-चित
करूं, क्योंके मसीहीज इसराइल को उ
भरोसो हे जेकी वजासे हूं सांकळ से
खंग्यो होयो हूं।"
२१उणने जुवाब द्यो, "नी तो हमारे
यहूदिया से थारा बारामें कइंकी चिट्ठी-
पत्तरी मिळी अने नीज भई-बेनहुंण माय
से कइंका ने यां अई के थारा बारामें कईं
को समिचार द्यो अने नी कइंकी खराब
बात बताड़ी। **२२**पण हम थारा बिचार
सुणवा की मन्सा राखां हे, क्योंके हमारे
इना पंथ का बारामें यो मालम हे, के
सगळी जगा लोग इका बिरोद माय बात
बणाय हे।"
२३तो इकासरु एक दन ठेरई के
वी बड़ी संख्या माय पोलुस की रेवा
की जगा पे आया। उने परमेसर का
राज का बारामें गेरई से गवई दई
के उणके समजायो। अने दन उगे
से सांज तक मूसा का नेम-बिधान
अने नबिहुंण की पोथीहुंण से ईसु का
बारामें उणके समजावा की कोसिस
करतो र्‌यो। **२४**थोड़ाक लोगहुंण ने
तो इनी बातहुंण के मानी ली, पण
थोड़ाक ने बिसास नी कर्‌यो। **२५**जदे
वी एक दूसरा से राजी नी होया, तो
पोलुस का इना आखरी का सबद्हुंण
केवा का बाद वी वां से जावा लाग्या,
"पवित्तर आतमा ने यसायाह नबी से
तमारा पूरखाहुंण के ठीकज क्यो, **२६**†
उने क्यो,

'जई के इना लोगहुंण से कइदे,
तम सुणता तो रोगा पण नी
समजोगा;
अने देखता तो रोगा पण सुजेगा
हयनी;
२७ क्योंके इना लोगहुंण का हिरदा
मूरखता से भर्‌या होया हे,
वी अपणा कानहुंण से उंचा
सुणवा लाग्या हे,
अने उणने अपणी आंख मिची
लाखी हे;

---

† **२८.१९:** परेरितहुंण २५.११ † **२८.२६–२७:** यसायाह ६.९–१०

कंई असो नी होय के उणके आंख
से नगे आवे
अने अपणा कानहुंण से सुणे,
अने अपणा हिरदा से समजे
अने पलटी जावे,
अने हूं नज करूं।' "[†]

२८तो पोलुस ने उणकासे क्यो, "तम जाणी लो के परमेसर को यो उध्दार गेर यहूदिहुंण कने मोकल्यो हे, अने वी तो सुणेगा।" **२९**(अने जदे पोलुस ई बातहुंण करी चुक्यो तो यहूदी माय-माय नरो बिवाद करता होया वां से चल्या ग्या।)[s] **३०**पोलुस अपणा किराया का घर माय आखा दो बरस तक र्‌यो, अने जो उका कने आता था उना सगळा को मान राखतो थो। **३१**अने उ बिना कइंकी बाधा के बेधड़क हुई के परमेसर का राज को परचार करतो अने परभु ईसु मसीह का बारामें सीख द्‌या करतो थो।

---

[s] **२८.२९** यो पद सिरप थोड़ाक हात का लिख्याहुंण माय मिळे हे।

[†] **२८.२७:** यसायाह ६.९-१०

पोलुस की चिट्ठी

रोमिहुंण
का नामे

लिखवा वाळो: पोलुस **लिखवा की वजा:** छुटकारो **लिखवा को बखत:** करीब ५५-५६ ईस्वी सन्

सुब-समिचार को खास बिन्दु "उध्दार करवा वाळो।" बेतलहम का ग्वाळाहुंण के योज एक, "बड़ा आनन्द को सुब-समिचार सुणायो थो।" उ अपणा लोगहुंण के उणका पापहुंण से छुटकारो करवा वाळो थो। रोमिहुंण के लिखी इनी चिट्ठी माय पोलुस ने छुटकारा का बारामें खुलासो कर्‌यो अने बड़ायो हे। या चिट्ठी "नवा-नेम" माय उध्दार का काम के बड़ा तरीका से सिलसिलावार बखाण करे हे।

नरा-दन से पोलुस की या घणी मरजी थी के उ रोम माय मसीही भई-बेनहुंण कने जई के (१५.२३) उणके बिसास माय पक्को करे (१.११)। हालाके यहूदिहुंण ने उका रस्ता माय नरा रोड़ा अटकावा की कोसिस करी। फेर बी उ रोम का लोगहुंण के सुब-समिचार सुणावा सरु घणो खुस थो (१.१३-१५) पण जदे उ वां जई नी सक्यो तो उने अपणी तीसरी कावा परचार करवा वाळी जातरा का माय, कुरिन्थियुस नगर छोड़वा का थोड़ाक बखत पेलां (परेरितहुंण २०.१-३)। उणके या चिट्ठी लिखी, अने असो लागे हे के उने या चिट्ठी किंख्रिया नगर की फीबे नामकी एक बइरा का हाते मोकली थी (१६.१,२)। इकाज थोड़ाक दन पाछे पोलुस यरुसलेम माय गिरपतार हुई ग्यो (परेरितहुंण २१.२२)। असतरा उ रोम माय तो आयो; आजाद मनख सरीको नी, पण केदी का रुप माय आयो (परेरितहुंण २८.१६)।

रुप-रेखा:-

इनी चिट्ठी को मूळ बिसय हे "छुटकारो" (३.२४) इना बिसय के पोलुस ने पांच हिस्सा माय घणी होसियारी से लिख्या हे।

१. परणाम, अभिबादन *१.१-१७*

२. पाप से छुटकारा की जरुवत हे *१.१८-३.२०*

(क) गेर यहूदिहुंण का पाप *१.१८-२.१६*

(ख) यहूदिहुंण का पाप २.१७-३.८
(ग) आखो जगत पापी ३.९-२०
३. पापी के धरमी ठेराड़्यो जाणो, छुटकारा को उपाव.....३.२१-५.२१
४. पवित्तर होणोः छुटकारा को असर ६.१-८.३९
(क) मसीह का साते एक हुई जाणो ६.१-२३
(ख) सुभाव की लड़ई ७.१-२५
(ग) पवित्तर आतमा की वजासे जीत ८.१-३९
५. छुटकारो यहूदिहुंण अने गेर यहूदिहुंण को ९.१-११.३६
(क) इसराइलहुंण का जूना पापः अने परमेसर को दण्ड ... ९.१-३३
(ख) इसराइलहुंण को आज को बखतः "नवा-नेम" माय
उको परमेसर उध्दार करे १०.१-२१
(ग) उको आवा वाळो बखतः अने परमेसर को करार ११.१-३६
६. सेवाः छुटकारा को फळ १२.१-१५.१३
७. अंत माय आखरी परणाम अने आसीस १५.१४-१६.२७

---

१ पोलुस आड़ी से जो ईसु मसीह को सेवक हे। म्हारे परमेसर ने परेरित[a] होवा सरु तेड़्यो, अने परमेसर का उना सुब-समिचार को परचार करवा सरु छांट्यो हे।

२उना सुब-समिचार की घोसणा उने पेलांसेज अपणा नबिहुंण से पवित्तर-सासत्तर माय, ३अपणा बेटा ईसु मसीह हमारा परभु का बारामें करी। उ काया का मुजब दाऊद का बंस से पेदा होयो, ४अने पवित्तर आतमा का मुजब मर्‌या माय से जी उठवा की वजासे सामरत का गेले परमेसर को बेटो होयो। ५ईसु की किरपा से म्हारे परेरितई मिळी, ताके ईसु का नाम सरु सगळा गेर यहूदिहुंण माय बिसास से हुकम माननो सीखाड़्यो जई सके, ६उणका माय परमेसर की वजासे तम बी ईसु मसीह का होवा सरु तेड़्या ग्या हो।

७उना सगळा के जो रोम माय परमेसर का परमिला हे अने पवित्तर मनख होवा सरु तेड़्या हे या चिट्ठी लिखी र्‌यो हूं।

हमारा पिता परमेसर, अने परभु ईसु मसीह आड़ी से तमारे उकी किरपा अने सान्ती मिळे।

रोम जावा की मरजी

८पेलां तो हूं तमारा सगळा सरु मसीह ईसु की वजासे अपणा परमेसर को धन्यबाद करूं, क्योंके तमारा बिसास की चरचा आखा जग माय हुई री हे। ९क्योंके परमेसर, जेकी सेवा हूं अपणी आतमा से उका बेटा का बारा माय सुब-समिचार परचार करूं, म्हारी गवई हे के हूं तमारे कसतरा सदा अपणी पराथनाहुंण माय लगातार रियाद करूं। १०अने बिणती करूं के कम से कम अबे हूं परमेसर की मरजी से तमारा कने आवा बले

---

[a] **१.१** परेरित; सबद् भण्डार माय देखो।

कामयाब हुई जउं। ११क्योंके हूं तमार से
मिळवा की मरजी राखुं, जेकासे तमारे
थोड़ोक आतमिक बरदान दई सकूं के तम
मजबूत हुई जाव; १२याने जदे हूं तमारा
अदाड़ माय रूं तो हम माय-माय बिसास
से हिम्मत बन्दावां।

१३† भई-बेनहुंण, हूं चउं के तमारे इनी
बात को पतो होय के म्हने घड़ी-घड़ी
तमारा कने आवा की जुगती करी पण
अबी तक रोक्यो होयो हूं। जेकासे के हूं
तमारा माय बी परचार करिके थोड़ाक
लोगहुंण के बिसास करई सकूं, जसाके
बाकी गेर यहूदिहुंण का माय करायो हे।
१४क्योंके हूं यूनानिहुंण अने गेर यूनानिहुंण
अकलमंदहुंण अने बे-अकल्याहुंण सगळा
को करजदार हूं। १५इकासरु हूं तमारे बी
जो रोम माय रो हो, सुब-समिचार परचार
करवा सरु जोस माय हूं।

सुब-समिचार की सामरत

१६† हूं सुब-समिचार से नी लजउं,
क्योंके उका माय पेलां यहूदी अने फेर
गेर यहूदी - जो बी उका माय बिसास
राखे, उणका उध्दार सरु परमेसर की
सामरत हे। १७† क्योंके सुब-समिचार माय
यो बताड़्यो हे, परमेसर मनख के अपणा
सरु निरदोस कसे बणाय हे। यो सुरु से
आखरी तक बिसास पे टिक्यो हे जसो के
पवित्तर सासत्तर माय लिख्यो हे, "पण जो
बिसास की वजासे निरदोस[b] हे उ मनख
जीवतो रेगा।"

बुरई सरु परमेसर को करोध

१८उना लोगहुंण के - जो सच्चई के
अधरम से दाबे हे, बुरा करमहुंण अने
हरेक बुरई पे सरग से परमेसर को करोध
परगटेगा। १९अने असो हुई र्‌यो हे क्योंके
परमेसर का बारामें वी पूरण रीति से
जाणे हे क्योंके परमेसर ने उणका पे
परगट्‌यो हे। २०क्योंके जग की रचणा
सेज परमेसर का छिप्या होया गुण, याने
सदा की सामरत, अने परमेसर आड़ी से
उकी रचणा समजी जई के साफ नगे
आय हे। इकासरु उणका कने कईं को
भायनो हयनी। २१† जदके वी परमेसर
के जाणता था, फेर बी उणने उके नी
तो परमेसर का जसो मान,[c] अने नीज
धन्यबाद द्‌यो। बरण वी बेकार की
कळपणा करवा लाग्या, अने उणको बे-
अकल्यो हिरदो इन्दारी ग्यो। २२अकलमंद
होवा को दावो करिके वी मूरख बणी
ग्या। २३† उणने कदी नी मिटवा वाळा
परमेसर के म्हेमा नी दी। पण नास होवा
वाळा मनख, पखेरुहुंण, चोपाया, सरकवा
वाळा जनावरहुंण की मूरत सरीको बदळी
लाख्यो।

२४इकासरु परमेसर ने उणका हिरदा
की बुरी वासनाहुंण की असुद्दता सरु छेकी
लाख्या, के दूराचार माय पड़ी के एक-
दूसरा की काया को माय-माय मान पाड़े।
२५क्योंके उणने परमेसर की सच्चई का
बदळे झुंट के मान्यो, अने उका जगत

---

[b] **१.१७** बिसास की वजासे निरदोस; या बिसास की वजासे परमेसर का साते सई रे हे।
[c] **१.२१** मान; या म्हेमा देणो।
† **१.१३:** परेरितहुंण १९.२१ † **१.१६:** मरकुस ८.३८ † **१.१७:** हबक्कूक २.४
† **१.२१:** इफिसिहुंण ४.१७–१८ † **१.२३:** नेम-बिधान ४.१६–१८

की अराधना अने सेवा करी नीके उना
जगत का सिरजनहार परमेसर की जो
हमेस्या धन्य हे। आमीन।

२६इनी वजासे परमेसर ने उणके नीच
मरजिहुंण का बस माय करी लाख्या; यां
तक के उणकी बइराहुंण सोभाविक योन
सम्बन्दहुंण का बजाय असोभाविक[d] योन
सम्बन्द राखवा लागी। **२७**अने असतरा
आदमी बी बइराहुंण का गेले सोभाविक
किरिया के छेकी के माय-माय रळ्या
हुई के रळ्यापणा माय बळवा लाग्या।
आदमी ने आदमिहुंण का गेले रळ्या
काम[e] करिके अपणा मेंज भरस्ट आचरण
की सई सजा पई हे।

२८जदे उणके परमेसर के माननो[f] जादा
अच्छो नी लाग्यो, तो परमेसर ने बी
उणके उणका भरस्ट हिरदा का बस माय
छोड़ी लाख्या, के वी खराब काम करे।
२९तो वी सगळा तरा की अधरम, दुस्टता,
लोभ, दिवेस से अने सगळी इरसा,
हत्या, झगड़ा, छळ-कपट अने जळण से
भरी ग्या हे। वी दूसरा को बुरो चिते
अने बकवासी हे। **३०**बुरई करवा वाळा,
परमेसर से घिरणा करवा वाळा, ढीट,[g]
जिद्दी, गप मारवा वाळा, बुरा बिचारवा
वाळा, मां-बाप को हुकम नी मानवा
वाळा, **३१**बिना समज का, बिसासघाती,
बिना परेम का, अने बिना दया का हुई
ग्या। **३२**जदके वी परमेसर को नेम जाणे
हे के जो असतरा को आचरण राखे हे वी
मोत का लायक हे, फेर बी वी नी सिरप
खुदज यो काम करे, पण असा आचरण
करवा वाळाहुंण का हिरदा से गेले बी हुई
जाय हे।

परमेसर को सांचो न्याव

२ [†] तो, हे न्याव करवा वाळा, तू
कईं को क्यों नी होय थारा कने
भायनो हयनी, क्योंके जेनी बात पे तू
कइंका दूसरा के कसुरवार माने, उकासे
तू अपणे खुद के बी कसुरवार सिद्द
करे हे। क्योंके तू जेना करमहुंण को
न्याव करे खुद बी वसोज करम करे।
२अने हम जाणा के असा करम करवा
वाळाहुंण पे परमेसर की सजा को हुकम
सइज रे हे। **३**पण तू जो दूसरा पे असा
करम करवा को आरोप लगाड़े हे अने
खुदज वी करम करे, कंई यो समजे हे
के तू परमेसर की सजा का हुकम से
बची जायगा? **४**या तू उकी किरपा, सेन
करवा की ताकत अने जिरना का धन
के कइंनी जाणे? अने थारे नी मालम के
परमेसर की किरपा थारो हिरदो बदळवा
आड़ी लइ-याय? **५**पण अपणा काठा अने
नी बदळवा वाळा हिरदा की वजासे तू
परमेसर का करोध का दन सरु अने
उका सांचा न्याव का परगट होवा तक,
अपणा सरु करोध भेळो करी र्‌यो हे।
६[†] परमेसर हरेक मनख के उका करम
का मुजब फळ देगा। **७**जो भला करम
की लगन माय रई के म्हेमा, मान अने
जो अजर-अमरता का ढुंडवा वाळा हे,
उणके उ सदा को जीवन देगा; **८**पण
जो सुवारत की मरजी का बस माय रे

---

[d] **१.२६** असोभाविक; अपराकरतिक। [e] **१.२७** रळ्या काम; बिना लाज सरम का काम।
[f] **१.२८** परमेसर के माननो; परमेसर के ध्यान माय राखणो। [g] **१.३०** ढीट; या ढीटई।
[†] **२.१:** मत्ती ७.१; लूका ६.३७ [†] **२.६:** भजन संहिता ६२.१२; नीतिबचन २४.१२

अने सच्चई के नी माने, पण अधरम
के माने, उणका पे बिपदा अने करोध
अई पड़ेगा। ९हरेक मनख पे जो बुरो
करे हे कळेस अने संकट आयगा, पेलां
यहूदी पे पाछे गेर यहूदी पे, १०पण हरेक
मनख के जो भलो करे, म्हेमा, मान
अने सान्ती मिळेगा, पेलां यहूदी के अने
पाछे गेर यहूदी के। ११† क्योंके परेमसर
कइंका की तरफदारी नी करे।

१२गेरयहूदिहुंण जिणने बिना नेम-
बिधान पाप कर्‌या, वी बिना नेम-बिधान
के नास बी होयगा। अने यहूदी जिणने
मूसा का नेम-बिधान पई के पाप कर्‌या,
उणको न्याव नेम-बिधान का मुजब
होयगा। १३क्योंके परमेसर का सामे
नेम-बिधान का सुणवा वाळा नी, पण
नेम-बिधान का पाळण करवा वाळा
निरदोस बणाया जायगा। १४फेर जदे
गेर यहूदी जिणका कने मूसा का नेम-
बिधान हयनी, सुभावज से नेम-बिधान
की बातहुंण को पाळण करे, तो मूसा
का नेम-बिधान उणका कने नी होणे पे
बी उना दन वी अपणा सरु खुदज नेम-
बिधान हे। १५असतरा वी नेम-बिधान का
करम अपणा-अपणा हिरदा माय लिख्यो
होयो बताड़े हे, अने उणकी समज बी
गवई दे हे अने उणका बिचार कदी उणके
कसुरवार या कदी बिना कसुरवार ठेरावे
हे। १६इका से उना दन होयगा जदे म्हारा
सुब-समिचार का मुजब, ईसु मसीह की
वजासे परमेसर मनखहुंण की गुपत
बातहुंण को न्याव करेगा।

यहूदी अने परमेसर को नेम-बिधान

१७पण अगर तू यहूदी केवाय हे, अने
नेम-बिधान पे भरोसो राखे अने परमेसर
पे गुमान करे हे। १८अने उकी मरजी
के जाणे अने नेम-बिधान को जाणकार
हुई के उनी बातहुंण के छांटे जो जरुरी
हे। १९अने अपणा खुद पे इनी बात को
भरोसो राखे के तू खुद आंदाहुंण के मारग
दिखाणे वाळो, इन्दारा माय रेवा वाळाहुंण
सरु उजाळो, २०मूरखहुंण के सिखाड़णे
समजाड़ने वाळो, बाळकहुंण को गरु हे,
क्योंके थारे नेम-बिधान माय ज्ञान अने
सच्चई ठोस रुप से मिळ्यो हे। २१तू जो
दूसरा के सीख दे, कंई खुद नी सीखे? तू
जो चोरी नी करवा को परबचन दे, कंई
खुद चोरी नी करे? २२तू जो के हे के
ब्योबिचार नी करनों चइये, कंई खुदज
ब्योबिचार नी करे? तू जो मुरतहुंण से
घिरणा करे कंई खुदज मन्दरहुंण के नी
लुटे? २३तू जो नेम-बिधान पे गुमान करे
कंई तू नेम-बिधान को उलांगो करिके
परमेसर को मान नी पाड़े? २४† जसो
पवित्तर सासत्तर माय लिख्यो बी हे,
"तमारी वजासे परमेसर का नाम की
निंदा गेरयहूदिहुंण माय करी जाय हे।"

२५क्योंके अगर तम नेम-बिधान को
पाळण करो हो, तो जरुरीज खतणा[h] से
फायदो हे, पण अगर तम नेम-बिधान
को उलांगो करवा वाळा हो, तो तमारो
खतणो बगेर खतणा वाळा सरीको हुई
ग्यो। २६इकासरु अगर बगेर खतणा

---

[h] **२.२५** खतणा; सबद् भण्डार माय देखो।

† **२.११:** नेम-बिधान १०.१७ † **२.२४:** यसायाह ५२.५

को मनख नेम-बिधान का नेमहुंण को
पाळण करे तो कंई उका बगेर खतणा को
होणो खतणा सरीको नी मान्यो जायगा?
२७अने उ मनख जेको काया रुप माय
खतणो नी होयो हे, अने जो नेम-बिधान
को पाळण करे, थारे कसुरवार ठेरायगा
क्योंके थारा कने लिख्यो नेम-बिधान हे
अने थारो खतणो बी होयो हे पण नेम-
बिधान को पाळण नी करे। २८क्योंके जो
सिरप परगट माय यहूदी हे, उ पक्को
यहूदी हयनी, नीज उ खतणो, खतणो हे,
जो बायरे या काया माय होयो। २९† पण
सांचो यहूदी उज जो हिरदा से हे; अने
पक्को खतणो लिख्या नेम-बिधान से नी
पण हिरदा को खतणो पवित्तर आतमा की
वजासे। अने उकी बड़ई मनखहुंण आड़ी
से नी, बल्के परमेसर आड़ी से होय हे।

३ तो यहूदी के कंई फायदो? या खतणा
को कंई मोल? २हरेक तरा से नरो
कंई! पेलो फायदो तो यो के परमेसर का
बचन उणकेज द्या ग्या। ३अगर थोड़ाक
यहूदिहुंण ने बिसास नी बी कर्यो तो कंई
होयो? कंई उणको अबिसास परमेसर की
बिसासलायकी के बेकार करी लाखेगा? ४†
असो कदी नी होय! बरण परमेसरज सांचो
रे हे, चाय हरेक मनख झुंटो मिळे, जसो
के परमेसर का बारा माय पवित्तर सासत्तर
माय लिख्यो हे,

"के तू अपणी बातहुंण माय खरो,
अने अपणा न्याव माय सांचो रे
हे।"

५पण अगर हमारी अधारमिकता से
परमेसर की धारमिकता सिद्द करे, तो
हम कंई कां? कंई यो के परमेसर जो
अपणो करोध हमार पे परगटे, अन्यावी
हे? (या तो हूं एक मनख का बिचार
मुजब कई र्यो हूं।) ६असो कदी नी होय!
नी तो उ जगत को न्याव कसे करेगा?

७पण तम कई सकता हो "अगर म्हारा
झुंट से परमेसर की सच्चई हजु बी जादा
उजागर होय, तो इका से उकी म्हेमाज
होय हे, फेर कायसरु हूं अबे बी पापी
सरीको सजा लायक ठेराड्यो जई र्यो
हूं?" ८अने फेर कायसरु नी कां (जसो के
हमार पे झुंटो आरोप लगाड्यो बी जाय
हे, अने थोड़ाक लोग तो पक्की तरा से
के हे के हमारो केणो हे) "आव, हम
बुरई करां जेकासे भलई हिटे"? उणके
कसुरवार ठेराड्यो जाणो ठीक हे।

कईं को धरमी हयनी

९तो फेर कंई होयो? कंई हम यहूदिहुंण,
गेरयहूदिहुंण से भला हे? कदी नी;[i]
क्योंके हम यहूदिहुंण अने गेरयहूदिहुंण
दोई के कसुरवार दरसई चुक्या हे के
वी सगळा का सगळा पाप का बस माय
हे। १०† जसो के पवित्तर सासत्तर माय
लिख्यो हे,

"कइंको धरमी हयनी, एक बी हयनी।
११ कईं को समजदार हयनी।
कईं को बी हयनी जो परमेसर के
ढुंडे हे।

---

[i] **३.९** कंई हम यहूदिहुंण, गेरयहूदिहुंण से भला हे? कदी नी; या गेरयहूदिहुंण से बुरी दसा हे? नी सायद।

† **२.२९:** नेम-बिधान ३०.६ † **३.४:** भजन संहिता ५१.४

† **३.१०–१२:** भजन संहिता १४.१–३, ५३.१–३

१२ सगळा परमेसर से भटकी ग्या,
वी सगळाज भरस्ट बणी ग्या;
कईं को भलई नी करे, एक बी
हयनी।†
१३ † उणकी बातहुंण बुरी रे जसे खुली
कबर बासे हे,
वी अपणी जबान से धोको दई
र्‌या हे,
उणका होंटहुंण का सगळा सबद
नांगहुंण का जेर सरीका रे हे;
१४ † उणका मुन्डा की बातहुंण सांप
की फूंफकार सरीकी रे हे;
१५ † उणका पग लोई बिवाड़वा सरु
तय्यार रे,
१६ उणका मारगहुंण माय नास अने
अबदा हे,
१७ † अने उणके सान्ती को जीवन
मालमज हयनी।
१८ † उणकी नगे माय परमेसर को
डर हेज हयनी।"

१९अबे हम जाणा के नेम-बिधान माय जो कंई लिख्यो ग्यो हे, उणकाज से के हे जो नेम-बिधान के माने, इकासरु के हरेक मुन्डो बन्द कर्‌यो जाय अने आखो जग परमेसर की सजा का लायक रे हे। २० † क्योंके परमेसर की नगे माय कईं को पराणी नेम-बिधान, का काम से निरदोस सिद्द नी हुई सके; क्योंके नेम-बिधान से सिरप पाप को पतो चले हे

बिसास से निरदोस

२१पण अबे सांची माय मनख सरु यो दिखाड़्यो ग्यो हे के परमेसर नेम-बिधान का बिनाज उके अपणा से सई कसे बणाय नेम-बिधान अने नबिहुंण[j] ने इकी पक्की गवई दई हे, २२ † याने परमेसर से वा धारमिकता जो ईसु मसीह माय बिसास से सगळा बिसास करवा वाळाहुंण सरु हे। यहूदिहुंण अने गेरयहूदिहुंण माय कईं को फरक नी हे; २३क्योंके सगळाज ने पाप कर्‌यो अने परमेसर की म्हेमा तक कदी नी पोंच्या हे,[k] २४पण वी उकी किरपा सेज उना उध्दार की वजासे जो परभु ईसु माय हे असा का असाज धरमी ठेराड़्या जावे हे। २५ईसु मसीह केज परमेसर ने उका लोई की वजासे[l] सगळा का सामे बलिदान करिके दिखाड़ी द्‌यो यो उकी निरदोसिता दिखाड़वा सरु होयो जो बिसास से काम करे हे, क्योंके पेलां परमेसर ने अपणी जिरना से उणके पापहुंण की सजा द्‌या बिना छोड़ी लाख्या था; २६पण आज का बखत माय उकी निरदोसिता नगे आय, के उ खुद बी निरदोस रे अने उणके बी निरदोस ठेरावा वाळो रे जो ईसु पे बिसास करे

---

[j] **३.२१** नेम-बिधान अने नबिहुंण; जूना नेम अने जूना नबिहुंण। [k] **३.२३** परमेसर की म्हेमा तक कदी नी पोंच्या हे; यूनानी माय, परमेसर की म्हेमा का बिना हे। [l] **३.२५–२६** उका लोई की वजासे; या उकी बलिदानी मोत की वजासे।

† **३.१२:** भजन संहिता १४.१-३,५३, १-४ † **३.१३:** भजन संहिता ५.९, १४०.३

† **३.१४:** भजन संहिता १०.७ † **३.१५–१७:** यसायाह ५९.७–८ † **३.१७:** यसायाह ५९ ७-८

† **३.१८:** भजन संहिता ३६.१ † **३.२०:** भजन संहिता १४३.२; गलातिहुंण २.१६

† **३.२२:** गलातिहुंण २.१६

हे। २७तो हमारो गुमान करनों कां र्‌यो?
उ तो र्‌योज हयनी। कसतरा का नेम
से? करमहुंण का नेम-बिधान से हमारे
गुमान हे? नी, पण ईसु पे बिसास का
नेम से हे। २८क्योंके हम इना नतीजा
पे पोंच्या हे के मनख नेम-बिधान का
करमहुंण से नी, पण बिसास से निरदोस
ठेराड़्यो जाय हे। २९याके परमेसर सिरप
यहूदिहुंणज को परमेसर हे? कंई उ
गेरयहूदिहुंण को बी परमेसर हयनी? हां,
गेरयहूदिहुंण को बी हे! ३०† सांची माय
परेमसर एकज हे! तो उ खतणा वाळाहुंण
का बिसास से अने बगेर खतणा वाळाहुंण
का बी बिसासज से निरदोस ठेरायगा।
३१तो कंई हम बिसास से नेम-बिधान
के रद्द करां? कदी नी! बल्के हम नेम-
बिधान के हजु जादा मजबूत करां हे।

इबराइम के निरदोस ठेराड़्यो जाणो

४ तो हम इबराइम का बारामें कंई कां?
उ काया का मुजब हम यहूदिहुंण
को पुरखो हे। उके कंई मिळ्यो? २क्योंके
अगर इबराइम करमहुंण से निरदोस
ठेराड़्यो जातो, उके गुमान करवा की
कंई वजा रे हे। पण परमेसर का सामे
गुमान की कइंकी वजा हयनी। ३† पवित्तर
सासत्तर कंई के हे? "अने इबराइम ने
परमेसर पे बिसास कर्‌यो, अने यो
बिसास उका सरु धारमिकता गिणी गी।"
४काम करवा वाळा के मजुरी देणो कईं
को दान हयनी, उ तो उको हक हे।
५पण या मुक्ती जो हमारे परमेसर से
मिळी हे मजुरी हयनी, पण परमेसर को
द्‌यो होयो दान हे। अगर कईं को मनख
काम करवा का बजाय उना परमेसर पे
बिसास राखे जो पापी के छोड़ी लाखे हे;
तो उको बिसासज उका सरु निरदोसिता
बणी जाय हे। ६जसतरा दाऊद बी उना
मनख के धन्य के हे जेके परमेसर
करमहुंण का बिना निरदोस माने हे।
दाऊद जदे के हे,

७† "धन्य हे वी जिणका कसूर मांफ
होया
अने जिणका पाप ढांक्या ग्या।
८धन्य हे उ मनख जेका पाप को
लेखो परभु नी ले।"

९तो कंई या धन्य आसीस सिरप
खतणा वाळाहुंण सरुज हे? या उणका
सरु बी हे जिणको खतणो नी होयो,
क्योंके हम कां हे, "इबराइम को बिसास
उका सरु धारमिकता गिण्यो ग्यो।"† १०तो
यो कदे गिण्यो ग्यो? उको खतणो हुई
चुक्या का पेलां या खतणा का पाछे? नी!
खतणा की दसा माय नी पण खतणा की
दसा से पेलां! ११† उके खतणा की सेलाणी
मिळी जो बिसास की उनी निरदोसिता
की छाप जो बिना खतणा की दसा माय
बी थी, के उ उना सगळा को पिता
ठेरे, जो बिना खतणा की दसा माय
रेता होया बिसास करे, जेकासे के वी बी
निरदोस गिण्या जाय। १२अने उना खतणा
कर्‌याहुंण को बी पिता रे, जो नी सिरप
खतणा कर्‌याहुंण हे पण बिसास करे हे,
अने वी उना बिसास का मुजबज चले

---

† **३.३०:** नेम-बिधान ६.४; गलातिहुंण ३.२० † **४.३:** उत्पत्ती १५.६; गलातिहुंण ३.६
† **४.७–८:** भजन संहिता ३२.१–२ † **४.९:** उत्पत्ती ९.६ † **४.११:** उत्पत्ती १७.१०

हे जो हमारा पिता इबराइम का बिना
खतणा का बखत माय था।

बिसास अने परमेसर को करार

१३† इबराइम या उका बंसहुंण को यो
करार की वी जगत का बारिस रेगा, नेम-
बिधान से नी मिळ्यो थो बल्के उके उनी
निरदोसिता से मिळी थी जो बिसास से
पेदा हुई हे। **१४**† क्योंके अगर नेम-बिधान
पाळवा वाळा बारिस हे, तो बिसास बेकार
हुई ग्यो अने करार बिना करम को हुई
ग्यो। **१५**क्योंके लोगहुंण जदे नेम-बिधान
को उलांगो करे तो परमेसर को करोध
उपजे हे, पण जां नेम-बिधान हयनी, वां
उको उलांगो बी हयनी।

१६† इकी वजासे, करार किरपा का
मुजब बिसास से मिळे जेकासे के
इबराइम का सगळा बंसजहुंण सरु
परमेसर को करार पक्को हुई जाय -
नी सिरप उणका सरु जो नेम-बिधान
पाळे हे, पण उणका सरु बी जो इबराइम
सरीका बिसास राखे हे। इबराइम जो
हमारा सगळा को पिता हे, **१७**† जसो
पवित्तर सासत्तर माय लिख्यो हे, "म्हने
थारे नरा देसहुंण को पिता बणायो हे"।
परमेसर की नगे माय जेका पे हमारा
पिता इबराइम ने बिसास कर्‌यो, जो
मर्‌याहुंण के जिवाड़े। जो इबराइम का
बंस थाज नी उणको नाम असो ले
जसे के वी हे। **१८**† इबराइम ने निरासा
माय बी आसा राखी के बिसास कर्‌यो।
इकासरु उना बचन मुजब जो क्यो थो,
"तू नरा देसहुंण को पिता होय अने थारा
बंसज तारा सरीका अणगिणत्या रेगा।"
१९† उ जो एक सो बरस को थो, अपणी
मरी सरीकी काया अने उकी बइरा सारा
की कोख की मरी हुई दसा जाणतो होयो
बी बिसास माय कमजोर नी र्‌यो। **२०**फेर
बी, परमेसर का करार का बारामें बिसास
बणायो राख्यो। इतरोज नी पण बिसास
माय मजबूत र्‌यो अने परमेसर की म्हेमा
करतो र्‌यो। **२१**उके पूरो बिसास थो के
जो करार परमेसर ने उकासे कर्‌यो हे,
उके पूरण करवा माय उ पूरण रुप से
सामरत हे। **२२**इकासरु यो बिसास "उका
सरु धारमिकता गिण्यो ग्यो।"† **२३**पवित्तर
सासत्तर को यो बचन के, "बिसास उका
सरु धारमिकता गिण्यो ग्यो" नी सिरप
उका सरु लिख्यो थो, **२४**बरण हमारा
सरु बी निरदोसिता गिणी जायगा याने
हम वी हे जो परमेसर पे बिसास करां
हे - जेने ईसु हमारा परभु के मर्‌या माय
से जिवाड़्यो हे। **२५**† ईसु हमारा पापहुंण
की वजासे पकड़ायो ग्यो, मार्‌यो ग्यो अने
हमारे निरदोस बणावा सरु जिवाड़्यो बी
ग्यो।

बिसास की वजासे परमेसर से मेळ-मिळाप

५ इकासरु बिसास से निरदोस ठेराड़या
जई के परमेसर से हमारो मेळ-
मिळाप सान्ती का साते अपणा परभु
ईसु मसीह की वजासे हे। **२**उकाज जरिये
बिसास की वजासे परमेसर की उनी

† **४.१३:** उत्पत्ती १७.४–६, २२.१७–१८; गलातिहुंण ३.२९ † **४.१४:** गलातिहुंण ३.१८
† **४.१६:** गलातिहुंण ३.७ † **४.१७:** उत्पत्ती १७.५ † **४.१८:** उत्पत्ती १५.५
† **४.१९:** उत्पत्ती १७.१७ † **४.२२:** उत्पत्ती १५.६ † **४.२५:** यसायाह ५३.४–५

किरपा माय हमारी दसा हे, वां तक
हमारी पोंच हुई गी हे, अने परमेसर की
म्हेमा के देखवा की आसा माय बी खुस
रां[m] हे। ३इतरोज नी, पण हम अपणा
कळेसहुंण माय बी खुस[n] होवां हे, क्योंके
हम जाणा हे के कळेस से जिरना उपजे,
४अने जिरना से खरो चरित्तर, अने खरा
चरित्तर से आसा उपजे; ५आसा हमारे
निरास नी होवा दे, क्योंके परमेसर ने
पवित्तर आतमा के हमारे द्‌यो हे। उकासे
परमेसर ने अपणो परेम हमारा हिरदाहुंण
माय रेड़्यो हे।

६जदे हम कमजोरज था तो सई बखत
पे हम अधरमिहुंण सरु मसीह ने खुद को
बलिदान कर्‌यो। ७बिरलो हे के कइंका
निरदोस मनख सरु कईं को मरे; पण हुई
सके के कइंका भला मनख सरु कईं को
मरवा की हिम्मत बी करी लाखे। ८पण
परमेसर अपणा बड़ा परेम के हमारा सरु
असे बताड़े हे के जदे हम पापीज था
मसीह हमारा सरु मर्‌यो। ९क्योंके हम जदे
ईसु का लोई की वजासे[o] निरदोस हुई ग्या
हे तो अबे हम उकी वजासे परमेसर का
करोध से जरुरीज बची जावांगां! १०क्योंके
जदे हम उका बेरीज था, तो हमारो मेळ-
मिळाप परमेसर का गेले उका बेटा की
मोत की वजासे होयो। तो उकासे बड़ी के,
अबे मेळ-मिळाप हुई जावा पे हम उका
बेटा का जीवन की वजासे उध्दार पावांगा।
११सिरप योज नी, पण हम अपणा परभु
ईसु की वजासे परमेसर से मेळ-मिळाप
करिके उका माय खुस होवां हे।

आदम अने ईसु

१२[†] तो जसतरा एक मनख की वजासे
पाप जगत माय आयो, अने पाप की
वजासे मोत अई, असतरा मोत सगळा
मनखहुंण माय फेली गी, क्योंके सगळा
ने पाप कर्‌यो थो। १३क्योंके नेम-बिधान
के द्‌या जावा से पेलां पाप जगत माय
तो थो, पण जां नेम-बिधान हयनी वां
पाप के गिणे हयनी। १४जदके मोत ने
आदम से लई के तो मूसा तक राज
कर्‌यो। जसो आदम ने परमेसर का हुकम
को उलांगो कर्‌यो अने मरी ग्यो, वसेज
सगळा मनख ने पाप नी कर्‌यो थो, पण
फेर बी मरी ग्या।

आदम इकी सेलाणी थो जो आवा वाळो
थो, याने ईसु मसीह। १५पण वी दोई
एकज नी था क्योंके परमेसर को बरदान
आदम का कसूर सरीको नी थो। क्योंके
एक मनख का कसूर की वजासे सगळा
लोगहुंण की मोत हुई। पण परमेसर की
किरपा अने उना एक मनख ईसु मसीह
की किरपा की वजासे बरदान मिळ्यो तो
सगळा लोगहुंण की भलई सरु कितरो
जादा हे। १६यो बरदान उका सरीको हयनी
जो एक मनख का पाप करवा की वजासे
आयो थो, क्योंके सजा सरु न्याव एक
पाप का पाछे आयो थो। पण यो बरदान
जो निरदोसिता आड़ी लई जाय हे, नरा
पापहुंण का पाछे आयो थो। १७जदे एकज
मनख का पाप की वजासे मोत ने राज
कर्‌यो, इका से बड़ी के वी जो किरपा

---

[m] **५.२** खुस रां गुमान करां; या आव, हम गुमान करां। [n] **५.३** खुस रां गुमान करां; या आव, हम बी गुमान करां। [o] **५.९** ईसु का लोई की वजासे; या ईसु की बलिदानी मोत से।
[†] **५.१२:** उत्पत्ती ३.६

अने बरदान को दान घणो पाय हे, तो वी
उना एकज मनख ईसु मसीह की वजासे
जीवन माय हजु बी जादा राज करेगा।
१८तो जसतरा एकज कसूर की वजासे
सगळा मनखहुंण कसुरवार ठेराड़या ग्या,
असतरा धरम का एकज काम की वजासे
सगळा सरु नतीजा माय हमेस्या का
जीवन देवा वाळी धारमिकता मिळी।
१९जसो एक मनख का हुकम का उलांगा
से सगळा पापी ठेराड़या ग्या वसेज एक
मनख का हुकम मानवा से सगळा मनख
निरदोस बी बणई द्या जायगा।
२०नेम-बिधान इकासरु आयो के
कसूर बड़ी जाय, पण जां पाप बड़्यो वां
परमेसर की किरपा माय हजु बी जादा
बड़ोतरी हुई। २१तो जसे सगळा मनख
ने पाप कर्‌यो इका से सगळा मनख
मरी ग्या, वसेज परमेसर की किरपा बी
निरदोसिता से अजर-अमर जीवन सरु
हमारा परभु ईसु मसीह की वजासे राज
करे हे।

मसीह सरुज जिणो

६ तो हम कंई कां? कंई हम पाप
करता रां के परमेसर की किरपा
बड़ती जाय? २कदी नी! हम जो पाप
सरु मरी ग्या फेर उका माय कसे जीवन
बितावां? ३कंई तम नी जाणो के हम
सगळा जो बपतिसमा की वजासे ईसु
मसीह का गेले एक होया! बपतिसमा
की वजासे उकी मोत माय बी भागीदार
होया? ४† इकासरु हम बपतिसमा की
वजासे उकी मोत माय भागीदार हुई के
उका गेले गाड़्या ग्या हे, जेकासे के पिता
की म्हेमा की बड़ी सामरत की वजासे
जसो ईसु मसीह जी उठ्यो थो, वसाज
हम बी नवो जीवन पांवां।
५अगर हम उका गेले उकी मोत की
बराबरी माय एक हुई ग्या, तो पक्कोज
हे के उका जी उठवा की बराबरी माय बी
एक हुई जावांगां, ६यो जाणता होया के
हमारो जूनो मनखपणो उका गेले कुरुस
पे टांग्यो, के हमारी पाप से भरी काया
खतम हुई जाय, के हम अगड़े पाप का
दास नी रां; ७क्योंके जो मरी ग्यो, उ
पाप से छुटी के निरदोस हुई ग्यो। ८अबे
अगर हम मसीह का गेले मरी ग्या,
इका से हम बिसास करां के उका गेले
जिन्दा बी रांगा। ९यो जाणता होया के
मसीह मर्‌या माय से जिवाड़्यो जई के
फेर कदी मरवा को हयनी, अने नी अबे
उका पे मोत को राज हे। १०क्योंके जदे उ
मर्‌यो, तो पाप बले सदा सरु मरी ग्यो,
पण अबे जो जीवतो हे, उ परमेसर सरु
जीवतो हे। ११इकासरु तम बी अपणा खुद
का पाप सरु मरी ग्या, पण मसीह ईसु
माय परमेसर सरु जीवता जाणो।
१२इकासरु पाप के अपणी मरणहारी
काया माय राज मती करवा दो, के तम
उकी मरजिहुंण के पूरण करो, १३अने नी
खुद की काया का अंगहुंण के दोषी बणई
के पाप के दो। पण खुद के मर्‌या माय
से जीवता जाणी के खुद की काया का
हरेक अंग निरदोस बणई के परमेसर के
दई दो। १४तो पाप तमार पे राज करने
नी आयगा, क्योंके तम नेम-बिधान का

† **६.४:** कुलुस्सिहुंण २.१२

बस माय नी, पण किरपा का बस माय हो।

धारमिकता का या पाप का गुलाम

१५तो कंई होयो? कईं को केगा, "हम इकी वजासे पाप करां के हम नेम-बिधान का बस माय नी रां, पण किरपा का बस माय हे।" कदी नी! **१६**कंई तम नी जाणो के कइंका को हुकम मानवा सरु तम खुद के गुलामहुंण सरीका दई दो हो, तो जेको हुकम मानो हो तो उकाज गुलाम हुई जाव हो? चाये पाप का जेको फळ मोत हे, चाये परमेसर का हुकम मानवा से जेको फळ निरदोसिता हे। **१७**पण परमेसर को धन्यबाद होय के तम जो पाप का गुलाम था, अबे हिरदा से असतरा की सीख का हुकम मानवा वाळा हुई ग्या जेका सरु तमारो लगाव होयो थो। **१८**तम पाप से छुड़ाया जई के धारमिकता का गुलाम हुई ग्या हो। **१९**(हूं तमारी काया की कमजोरी की वजासे मनख की रीति पे बोली र्‌यो हूं।) जसतरा तमने अपणी काया का अंगहुंण के असुद्दता अने नेम-बिधान का उलांगा का गुलाम होवा सरु दई द्‌या था, नतीजो नेम-बिधान को उलांगो हजु जादा बड़ी ग्यो, उनीज तरा अबे अपणा अंगहुंण के धारमिकता का गुलाम होवा सरु लगाड़ी दो के जेको नतीजो पवित्तर रे।

२०जदे तम पाप का गुलाम था तो भला करम नी करवा आड़ी से आजाद था। **२१**जेनी बातहुंण से अबे तमारे लाज आय तो उणकासे उना बखत कंई फायदो मिळतो थो? क्योंके उको नतीजो तो मोत हे। **२२**पण अबे पाप से आजाद हुई के अने परमेसर का गुलाम बणी के तमारे यो फळ मिळ्यो जेको नतीजो पवित्तरता अने जेको अंत अजर-अमर जीवन हे। **२३**क्योंके पाप की मजुरी तो मोत हे, पण परमेसर को बरदान हमारा परभु मसीह ईसु माय अजर-अमर जीवन हे।

परन्या जीवन की मिसाल

७ हे भई-बेनहुंण, कंई तम नी जाणो - हूं नेम-बिधान का जाणकारहुंण से कई र्‌यो हूं - के जदत्तक मनख जिन्दो रे, तदत्तक उना मनख पे नेम-बिधान को हक रे हे? **२**क्योंके परनी बइरा, अपणा घराळा के जीवतो रेवापे, नेम-बिधान से बन्दी रे हे; पण अगर उका घराळा की मोत हुई जाय तो वा उका घराळा से नाता का नेम-बिधान से छुटी जाय हे। **३**इकासरु, अगर वा अपणा घराळा के जिन्दो रेता होया कइंका दूसरा की हुई जाय तो ब्योबिचारिणी केवायगा। पण अगर उका घराळा की मोत हुई जाय तो वा इना नेम-बिधान से छुटी जाय हे, यां तक के अगर वा कइंका दूसरा घराळा की बी हुई जाय, वा ब्योबिचारिणी नी केवायगा। **४**इकासरु हे म्हारा भई-बेनहुंण, तम बी मसीह की काया का गेले नेम-बिधान सरु मरी चुक्या था के तम उका अंग हुई जाव जो मर्‌याहुंण माय से जी उठ्‌यो के हम परमेसर सरु फळ लांवां। **५**क्योंके जदे हम काया माय था, तो पाप से भरी वासनाहुंण जो नेम-बिधान की वजासे भड़कई जाती थी, हमारी काया का अंगहुंण माय मोत सरु फळ पेदा करवा को काम करी री थी। **६**पण अबे जेना नेम-बिधान से हम बन्द्‌या था उका सरु

मरी के उकासे असा छुटी ग्या हे के अबे
जूना लिख्या नेम-बिधान का मुजब नी,
पण पवित्तर आतमा का नवा नेम-बिधान
से सेवा करां हे।

नेम-बिधान अने पाप

७† तो हम कंई कां? कंई नेम-बिधान
पाप हे? कदी नी! इका अलावा नेम-
बिधान का बिना हूं पाप के नी जाणी
सकतो, क्योंके अगर नेम-बिधान के
हयनी, "लोभ मती करजे," तो हूं लोभ
का बारामें नी जाणी सकतो। **८**पण पाप
ने इना हुकम से मोको पई के म्हारा
माय हर तरा को लोभ पेदो कर्‍यो,
क्योंके नेम-बिधान का बिना पाप की
सामरत नी हे। **९**हूं खुद पेलां नेम-बिधान
का बिना जिन्दो थो; पण जदे नेम-
बिधान आयो तो पाप जिन्दो हुई ग्यो,
अने हूं मरी ग्यो। **१०**अने यो नेम-बिधान
को हुकम जो जीवन सरु थो, म्हारा सरु
मोत की वजासे बणी ग्यो; **११**† क्योंके
पाप ने नेम-बिधान की वजासे मोको
पई के म्हारे भेकायो अने नेम-बिधान से
म्हारे मारी बी लाख्यो।

१२इकासरु नेम-बिधान पवित्तर अने
हुकम बी पवित्तर, खरो अने भलो हे।
१३तो कंई उ जो भलो हे म्हारा सरु मोत
की वजा बण्यो? कदी नी! पण मोत की
वजा पाप थो! जो उना भला की वजासे
म्हारा माय मोत को काम करवा वाळो
होयो, जेकासे के पाप को, पाप होणो
परगटी जाय। तो हुकम की वजासे पाप
घणोज भयानक पाप बणी जाय।

खुद से लड़णो

१४हम जांणां के परमेसर को नेम-
बिधान तो आतमिक हे। पण हूं हाड़-मांस
को मनख अने पाप की गुलामी सरु
बिक्यो होयो हूं। **१५**† इकासरु जो हूं करूं
उके समजी नी पउं; क्योंके जो हूं चउं
उ नी करूं। पण जेकासे म्हारे घिरणा हे
उज करूं। **१६**अगर हूं उज करूं जो हूं नी
करनों चउं तो हूं मानी लूवां के नेम-
बिधान भलो हे। **१७**तो असी दसा माय हूं
उ अबे हयनी जो यो सगळो करी र्‍यो हे,
उ पाप हे जो म्हारा माय बस्यो होयो हे।
१८इकासरु हूं जाणूं के म्हारा माय याने
म्हारी काया माय कंई बी भलो रे हयनी।
भली मन्सा तो म्हारा माय रे, पण म्हार
से भलो काम नी हुई सके। **१९**क्योंके
जेनी भलई की हूं चायना राखुं, वा तो नी
करी सकूं; पण जेनी बुरई की चायना नी
करूं वइज करतो र्‍यो हूं। **२०**पण अगर हूं
वइज करूं जेकी चायना करूं हयनी, तो
उको करवा वाळो अबे हूं नी र्‍यो, पण
पाप जो म्हारा माय बस्यो होयो हे।

२१जदे हूं यो नेम पउं हे के जदके हूं
भलई करनों चउं, बुरई म्हाराज माय हे।
२२क्योंके हूं अपणी भित्तरे की आतमा
माय तो खुसी से परमेसर का नेम-
बिधान से राजी रूं। **२३**पण म्हारी खुद
की काया माय एक अलग नेम को एसास
होय हे, जो म्हारा हिरदा का नेम का
बिरोद माय लड़ई करे हे, अने पाप को
नेम जो म्हारा अंगहुंण माय हे, उके
बन्दी बणई लाखे हे। **२४**हूं कसो अभागो

---

† **७.७:** निरगमन २०.१७; नेम-बिधान ५.२१ † **७.११:** उत्पत्ती ३.१३ † **७.१५:** गलातिहुंण ५.१७

मनख हूं! म्हारे इनी काया से जो खतम
होवा वाळी हे कुंण छुड़ायगा? २५हमारो
परभु ईसु मसीह हमारे छुड़ायगा! परमेसर
को धन्यबाद करूं हे!

तो अपणा हाड़-मांस की काया से हूं
पाप का नेम-बिधान को गुलाम होता
होया बी अपणी बुध्दि से परमेसर का
नेम-बिधान को सेवक हूं।

पवित्तर आतमा से जीवन

८ तो अबे उणका पे जो मसीह ईसु
माय हे, सजा को हुकम हयनी।
(क्योंके वी काया का मुजब नी बल्के
आतमा का मुजब चले हे)[p] २क्योंके
पवित्तर आतमा का नेम-बिधान ने जो
मसीह ईसु माय जीवन दे हे, तमारे[q] पाप
का नेम-बिधान से जो मोत आड़ी लई
जाय आजाद करी लाख्या हे। ३जेके मूसा
को नेम-बिधान जो मनख का भोतिक
सुभाव की वजासे कमजोर बणई लाख्यो
थो, नी करी सक्यो उके परमेसर ने
कर्‌यो हे। अपणाज बेटा के हमारा सरीकी
भोतिक काया माय मोकली के जेका माय
हम पाप करां हे उकी भोतिक काया के
पाप वाळी काया बणई के पाप के खतम
करिके पूरण कर्‌यो हे। ४जेकासे के नेम-
बिधान की मांग हमारा माय पूरण हुई
सके जो भोतिक काया का मुजब नी पण
पवित्तर आतमा मुजब चले हे। ५क्योंके
वी जो अपणी पापी भोतिक मनख काया
का मुजब जीये हे उणकी बुध्दि, मनख
सुभाव की मरजी पे टिकी रे हे। पण वी
जो पवित्तर आतमा का मुजब जीये हे
उणकी बुध्दि से जो पवित्तर आतमा चाय
उनी मरजिहुंण पे लागी रे हे। ६भोतिक
मनख-सुभाव का बस माय रेवा वाळा
हिरदा को अंत मोत हे। पण आतमा
का बस माय रेवा वाळा सरु बुध्दि को
फळ जीवन अने सान्ती हे। ७असतरा
भोतिक मनख-सुभाव परमेसर को बिरोदी
हे। क्योंके उ नी तो परमेसर का नेम-
बिधान का बस माय रे अने नी हुई सके
हे। ८अने वी जो भोतिक मनख-सुभाव
का मुजब जीये हे, वी परमेसर के खुस
नी करी सके।

९अगर सांची माय परमेसर को पवित्तर
आतमो तमारा माय रे हे तो तम भोतिक
मनख-सुभाव का हयनी, बरण पवित्तर
आतमा का हो। पण अगर कइंका माय
मसीह को आतमो हयनी तो उ मसीह
को जण हयनी। १०अगर मसीह तमारा
माय हे तो जदके भोतिक सुभाव वाळी
काया पाप की वजासे मरी हे, फेर बी
पवित्तर आतमा, परमेसर का गेले तमारे
निरदोस बणई के, खुद तमारो जीवन
बणी जाय हे।[r] ११[†] पवित्तर आतमा ने
ईसु के मर्‌याहुंण माय से जिवाड़्यो थो।
उ तमारा माय वास करे हे, तो जेने
मसीह के मर्‌याहुंण माय से जिवाड़्यो
उ परमेसर तमारी मरणहारी भोतिक
कायाहुंण के बी अपणा आतमा से जो
तमारा माय बस्यो हे जिवाड़ेगा।

---

[p] **८.१** क्योंके ... मुजब चले हे; थोड़ाक यूनानी लेखहुंण माय यो बी जोड़्यो हे। [q] **८.२** तमारे; मूळ माय म्हारे; दूसरा के हमारे। [r] **८.१०** तमारो जीवन बणी जाय हे; या पवित्तर आतमा तमारे जीवाड़े हे।

[†] **८.११:** १ कुरिन्थिहुंण ३.१६

१२इकासरु, हे भई-बेनहुंण, हमार पे
भोतिक काया को करज तो हे, पण
असो हयनी के इका मुजब जीवन जीवां।
१३क्योंके अगर तम भोतिक काया का
मुजब जीवन बिताड़ी र्‌या हो तो तमारे
मरनो जरुरी हे, पण अगर तम आतमा
से भोतिक काया का कामहुंण खतम करी
र्‌या हो, तो तम जीवता रोगा। **१४**क्योंके
वी सगळा जो परमेसर का आतमा से
चलाड़्या जाय हे, वी परमेसर की ओलाद
हे। **१५**[†] [†] तमने गुलामी को आतमो नी
पायो के फेर डरता रो, पण बेटा बणावा
को आतमो पायो जेकासे हम "हे अब्बा![s]
हे पिता" कई के हेला पाड़ां हे! **१६**पवित्तर
आतमा खुद हमारी आतमाहुंण का गेले
मिळी के गवई दे हे के हम परमेसर की
ओलाद हे। **१७**अगर हम ओलाद हे तो
वारिस बी - परमेसर का वारिस अने
मसीह का संगी-वारिस - जदके हम
सांची माय उका गेले दुःख उठाड़ां के
उका गेले म्हेमा बी पावां।

हमारे म्हेमा मिळेगा

१८क्योंके हूं यो समजुं के इना बखत
का दुःखहुंण को मिलाण करनों, आवा
वाळी म्हेमा से जो हमार पे परगटणे
वाळी हे, कंई बी हयनी। **१९**क्योंके या
जगत-रचणा घणी आसा से उना बखत
की बाट जोई री हे, जदे परमेसर अपणा
बेटाहुंण के परगट करेगा। **२०**[†] क्योंके
जगत-रचणा माय कंई सार नी थो, पण
अपणीज मरजी से नी बल्के परमेसर की
मरजी से जेने इके इनी आसा का बस
माय कर्‌यो, **२१**के जगत-रचणा खुद बी
बिनास का बन्दण से छुटी के परमेसर
की ओलादहुंण की म्हेमामय आजादी
को आनन्द लेगा। **२२**क्योंके हम जांणां
के आखी जगत-रचणा मिळी के जापा
का दुःख सरीका पीड़ा माय अबी तक
करांजी री अने तड़फिरी हे। **२३**[†] पण नी
सिरप या जगत-रचणा, पण खुद हम बी
जिणके आतमा को पेलो फळ मिळ्यो हे,
खुद माय करांजी र्‌या हे, क्योंके परमेसर
हमारे पूरण रीति से अपणा बाळक
बणाय[t] इकी बाट जोई र्‌या हे, के हमारी
काया के उध्दार मिळी जाय। **२४**हमारो
उध्दार होयो, क्योंके हमारा मन माय
आसा रे हे। पण जदे हम जेकी आसा
करां अने उके देखी लां तो वा आसा नी
री। अने जो नगे आवे; उकी आसा कुंण
करे? **२५**अगर हम उकी आसा करां जो
नगे नी आवे तो जिरना धरिने घणी
मन्सा से उकी बाट जोवां हे।

२६इनी तरा से पवित्तर आतमा बी
हमारी कमजोरी माय हमारी मदद करे।
क्योंके हम नी जाणा के हमारे पराथना
कसतरा करनी चावे, पण पवित्तर आतमा
खुद बी असी लसकरी लइ-लई के जेको
बखाण नी करी सकां हमारा सरु बिणती
करे हे। **२७**अने मन के परखवा वाळो
जाणे के पवित्तर आतमा की मरजी कंई
हे। अने पवित्तर आतमा पवित्तर लोगहुंण

---

[s] **८.१५** अब्बा; ईसु की आरामी भासा माय "हे अब्बा!" तेड़े हे। जेको अरथ हे, "हे पिता!"।
[t] **८.२३** अपणा बाळक बणाय; थोड़ाक मूळ माय यो नी हे।
[†] **८.१५:** मरकुस १४.३६; गलातिहुंण ४.६ [†] **८.१५–१७:** गलातिहुंण ४.५–७
[†] **८.२०:** उत्पत्ती ३.१७–१९ [†] **८.२३:** २ कुरिन्थिहुंण ५.२–४

सरु परमेसर की मरजी मुजब बिणती
करे हे।
२८अने हम जाणा के जो मनख
परमेसर से परेम राखे उणका गेले पवित्तर
आतमो मिळी के सगळी बातहुंण माय
भलई सरु काम करे[u], याने उणका सरु
जो परमेसर का उद्देस मुजब तेड़्या ग्या
हे। **२९**क्योंके जिणका बारामें उके पेलांसेज
मालम थो, उने उणके पेलांसेज राख्या बी
के वी उका बेटा सरीका हुई जाय, जेकासे
के मसीह नरा भई-बेनहुंण माय सगळा
से बड़ो भई बणी सके। **३०**फेर जिणके
उने पेलां से ठेराड़्या, उणके तेड़्या बी;
अने जिणके तेड़्या, उणके निरदोस बी
बणाया; अने जिणके निरदोस बणाया,
उणके म्हेमा बी दई हे।

परमेसर को परेम

३१अबे हम इनी बातहुंण का बारामें
कंई कां? अगर परमेसर हमारा आड़ी हे
तो हमारो बिरोदी कुंण हुई सके? **३२**उ
जेने अपणा बेटा के बी बचाड़ी के नी
राख्यो पण उके हमारा सगळा सरु मरवा
बले द्यो, तो उ हमारे उका गेले सगळो
कंई कायसरु नी देगा? **३३**परमेसर का
छांट्या होया पे असो कुंण हे जो दोष
लगाड़ेगा? उ परमेसरज हे जो उणके दोषी
नी ठेराय हे! **३४**उ कुंण हे जो उणका पे
दोष लगाड़ेगा? मसीह ईसु? कदी नी!
उ मर्यो, हां, बरण उ मर्या माय से
जी उठ्यो, जो परमेसर का सुदा हाताड़ी
बेठ्यो हे, अने हमारा आड़ी से बिणती बी
करे हे। **३५**कुंण हमारे मसीह का परेम
से इकाड़ी करेगा? कंई कळेस, या संकट,
या सतावड़ो, या बिखो, या नांगोपण, या
जोखम, या तरवार? **३६**[†] जसोके सासत्तर
माय लिख्यो हे,

"थारा सरु हम दन-भर घात कर्या
जावां हे;
हम घात होवा वाळी गाडरहुंण
सरीका समज्या जावां हे।"

३७पण इनी सगळी बातहुंण माय हम
उकी वजासे जेने हमार से परेम कर्यो
सानदार जीत पई र्या हे। **३८**क्योंके म्हारे
पक्को भरोसो हे के नी तो मोत, नी
जीवन, नी सरगदूत, नी परधानताहुंण,
नी आज, नी काल, नी सकतीहुंण, **३९**नी
तो असमान की उंचई, नी समन्दर
की गेरई, अने नी आखी रचणा, हमारे
परमेसर का परेम से जो हमारा परभु ईसु
मसीह माय हे, इकाड़ी करी सकेगा।

परमेसर अने उका इसराइल लोग

९ हूं मसीह माय सांची कूं, हूं झुंट
नी बोली र्यो हूं। म्हारी समज बी
पवित्तर आतमा माय इनी बात की गवई
दे हे, **२**हूं घणो दुःख्यो हूं अने म्हारो
हिरदो सदा दुःखी रे हे। **३**क्योंके हूं यां
तक चातो थो के अपणा भई-बेनहुंण सरु
जो काया मुजब म्हारा सम्बन्दी हे, हूं
खुदज मसीह को सराप अपणा अदरे
लई लेतो अने उका सराप से इकाड़ी
हुई जातो। **४**[†] वी जो इसराइली हे अने
परमेसर का गोद ल्या बेटा होवा को

---

[u] **८.२८** जो मनख परमेसर से ... माय भलई सरु काम करे; थोड़ाक मूळ माय असो हे जो लोगहुंण परमेसर परेम करे हे उणका सरु सगळी बातहुंण भलई उपजावे हे।

[†] **८.३६:** भजन संहिता ४४.२२ [†] **९.४:** निरगमन ४.२२

हक हे, अने उकी म्हेमा, करारहुंण, नेम-
बिधान, उपासणा अने उकी परतिज्ञाहुंण
उणकीज हे। ५पूरखाहुंण उणकाज हे अने
मसीह बी काया माय उणकाज माय से
होयो। परमेसर सगळा का अदरे राज करे
हमेस्या धन्य हे। आमीन।

६पण असो नी के परमेसर को बचन
बेकार हुई ग्यो हे, क्योंके वी सगळा जो
इसराइल का बंस का हे सांचा इसराइली[v]
हयनी; ७† अने नी इबराइम का बंस का
होवा की वजासे वी उकी सांची ओलाद
रेगा, पण लिख्यो हे, "इसाक सेज थारो
बंस चलेगा।" ८याने काया की ओलाद
तो परमेसर की ओलाद हयनी,[w] पण
परतिज्ञा की ओलाद याने इसाक का बंस
का मान्या जाय हे। ९† क्योंके परतिज्ञा
को बचन यो हे: "हूं इनाज बखत[x] पे
अउंवां, अने थारी बइरा सारा के एक
बाळक होयगा।"

१०अने सिरप योज नी, पण रिबका
ने बी एक मनख याने हमारा पुरखा
इसाक से जुड़मा बाळकहुंण को गरभ
धर्‌यो। ११-१२† जदके अबी तक नी तो
जुडमा जनम्या था अने नी कंई भलो-बुरो
कर्‌यो थो, परमेसर ने रिबका से क्यो थो,
"बड़ो बेटो नाना बेटा की चाकरी करेगा।"
इना बचन से परमेसर ने दिखाड़्यो थो
के छांटवा को मकसद करम की वजासे
हयनी बल्के तेड़वा वाळा की वजासे हे।
१३† जसो रिबका का दो बेटा का बारामें
पवित्तर सासत्तर माय लिख्यो हे, "याकूब
से म्हने परेम कर्‌यो, पण एसाव के
नकारी द्‌यो।"

१४तो हम कंई कां? कंई परमेसर
अन्यावी हे? कदी नी! १५† क्योंके उ मूसा
से के, "हूं जेका पे चउं उकापेज दया
करुंवां, अने हूं जेका पे चउं उकापेज तरस
खउंवां।" १६तो यो नी तो चावा वाळा पे
अने नी दोड़-धुप करवा वाळा का अदरे
रे, पण दया करवा वाळा परमेसर का
अदरे रे हे, १७† क्योंके पवित्तर सासत्तर
माय मिसर देस का राजा फिरोन से
परमेसर ने क्यो थो, "म्हने इना अरथ
से थारे राजो बणायो के थारा माय म्हारी
सामरत बताडुं, के म्हारा नाम को परचार
आखी धरती पे कर्‌यो जाय।" १८तो
परमेसर जेका पे चावे उका पे दया करे
हे, अने जेके चावे उके काठो करी दे हे।

परमेसर को करोध अने दया

१९तो तम म्हार से सायद कोगा,
"परमेसर अबे बी कायसरु दोष लगाड़े?

---

[v] **९.६** सांचा इसराइली; परमेसर ने इबराइम इसाक अने याकूब से करार कर्‌यो थो के उणका बंस याने इसराइली जात, परमेसर का आसीस का वारिस रेगा, अने उणनेज करार पायो जिणने परमेसर पे बिसास कर्‌यो, पण नरा छांट्‌या होया इसराइलहुंण ने मसीह के नकार्‌यो। पण वा परतिज्ञा जो परमेसर ने इबराइम, इसाक अने याकूब से करी थी वा परतिज्ञा बेकार नी हुई, क्योंके उणका बंस माय से थोड़ाक लोगहुंण ने परमेसर पे बिसास करिके उनी परतिज्ञा के पई। [w] **९.८** काया की ... ओलाद हयनी; इको अरथ के इबराइम से इसमाइल पेदा होयो पण उ हाजिरा से जो इबराइम की दासी थी जेकासे पेदा होयो थो जो काया का मुजब थो करार का मुजब नी थो (देखो गलातिहुंण ४.२२–२३)।
[x] **९.९** इनाज बखत; या पोर के ठीक बखत।

† **९.७:** उत्पत्ती २१.१२ † **९.९:** उत्पत्ती १८.१० † **९.१२:** उत्पत्ती २५.२३
† **९.१३:** मलाकी १.२–३ † **९.१५:** निरगमन ३३.१९ † **९.१७:** निरगमन ९.१६

क्योंके कई को बी परमेसर की मरजी को
बिरोद नी करी सके!" २०† इका अलावा,
हे मनख, तू कुंण हे जो परमेसर से
पलटी के जुवाब करे? कंई घढ़ी हुई चीज
घढ़वा वाळा से या केगा के तने म्हारे
कायसरु असो बणायो?" २१कंई कुमार के
गारा पे यो हक हयनी के उना गारा का
लोंदा से एक ठामड़ो मान का काम सरु
अने दूसरा के असाज काम सरु बणाय?
२२जसो परमेसर ने अपणा करोध
के बताड़वा सरु अने अपणी सामरत
परगटवा चातो थो। पण उकी मनसा
से नास सरु तय्यार कर्‌या ग्या करोध
का ठामड़ाहुंण की घणी जिरना सई।
तो कंई होयो? २३अने उने यो इकासरु
कर्‌यो के उ अपणी म्हेमा को धन, दया
का उना ठामड़ाहुंण पे परगटे, जिणके
उने पेलांसेज अपणी म्हेमा सरु तय्यार
कर्‌या था, २४याने हमारे बी, जिणके
उने नी सिरप यहूदिहुंण माय से पण
गेरयहूदिहुंण माय से बी तेड़्या। २५†
जसो उ होसे नबी की पोथी माय बी
के हे:

"जो म्हारी परजा नी थी
उणके हूं 'अपणी परजा कुंवां
अने जो परमिली नी थी
उके हूं 'परमिली' कुंवां।
२६† अने असो होयगा के जां उणकासे
यो क्यो थो,
'तम म्हारी परजा हयनी'
वांज वी 'जीवता परमेसर की
ओलाद' केवायगा।"
२७† अने यसायाह नबी इसराइल की
ओलादहुंण के हेला पाड़ी के, के हे,
"जदे की इसराइल की ओलादहुंण
की गिणती समन्दर का बाळू
रेत का बरोबर होय,
फेर बी थोड़ाक बचाड़्या जायगा।
२८क्योंके परभु धरती पे
अपणा न्याव के झटज पूरण तरा
से कामरुप माय बदळेगा।"†
२९† जसो यसायाह नबी ने अगमबाणी
करी थी,
"सेनाहुंण को यहोवा परमेसर
अगर हमारा सरु थोड़ाक बंसज
नी राखतो तो
हम सदोम नगर सरीका हुई ग्या
होता,
अने अमोरा नगर[y] सरीका हुई
जाता।"

इसराइल को अबिसास

३०तो हम कंई कां? के गेरयहूदिहुंण
ने, जो निरदोसिता के नी ढुंडी र्‌या
था, धारमिकता पई ली हे, याने वा
निरदोसिता[z] जो बिसास से हे, ३१पण
इसराइलहुंण, निरदोसिता का नेम-बिधान
के ढुंडता होया उनी निरदोसिता का
नेम-बिधान तक नी पोंच्या। ३२असो
कायसरु? क्योंके यहूदिहुंण ने बिसास

---

[y] **९.२९** सदोम नगर ... अमोरा नगर; सदोम अने अमोरा। ई दो नगरहुंण का लोगहुंण ने नरा बुरा करम कर्‌या तो परमेसर ने इणके नठू खतम करी लाख्या अने अबे उणको बंस हयनी (उत्पत्ती १९.२४-२५)। [z] **९.३०** निरदोसिता; मूळ माय धारमिकता।

† **९.२०:** यसायाह २९.१६, ४५.९ † **९.२५:** होसे २.२३ † **९.२६:** होसे १.१०

† **९.२७–२८:** यसायाह १०.२२–२३ † **९.२८:** यसायाह १०.२२,२३ † **९.२९:** यसायाह १.९

से नी पण करमहुंण से निरदोसिता के
ढुंड्यो थो। उणने ठोकर का भाटा[a] से
ठोकर खई, ३३† जसो पवित्तर सासत्तर
माय लिख्यो हे,

"देखो, हूं सिय्योन माय एक ठोकर
को भाटो
अने ठेस की सिल्ला राखुं,
पण जो उका पे बिसास राखेगा
उ लाजे नी मरेगा।"

१० हे भई-बेनहुंण, म्हारी घणी मरजी
अने परमेसर से उणका सरु
पराथना हे के वी मुक्ती पाय। २उणका
सरु म्हारी गवई हे के उणका माय
परमेसर सरु लगन तो हे, पण समज
का मुजब हयनी, ३क्योंके परमेसर की
धारमिकता के नी जाणता होया, बल्के
अपणीज धारमिकता कायम करवा की
कोसिस करता होया। उणने अपणा खुद
के परमेसर की धारमिकता का बस माय
नी कर्‌यो। ४क्योंके मसीह ने नेम-बिधान
को अंत कर्‌यो हे, ताके हरेक मनख
बिसास सेज परमेसर सरु धरमी हुई
जाय।

मुक्ती सगळा सरु

५† क्योंके मूसा को लेख हे के जो
मनख उनी निरदोसिता पे अमल करे
जो नेम-बिधान पे टिकी हे, तो "जो
हुकम मानेगा उ जीवतो रेगा।" ६† पण
वा निरदोसिता जो बिसास पे टिकी हे,
असो मूसा के हे, "अपणा मन माय
यो मती किजो, सरग पे कुंण चड़ेगा?"
(याने मसीह के उतारी लावा सरु)। ७"या
'पताळ-लोक माय कुंण उतरेगा?' " (याने
मसीह का मर्‌याहुंण माय से जीवाड़ी के
अदरे लावा सरु)। ८पण नेम-बिधान यो
के हे? "संदेस थारा कने हे, थारा मुन्डा
माय, थारा हिरदा माय,"† याने बिसास
को उ संदेस जेको हम परचार करां हे,
९के अगर तू अपणा मुन्डा से ईसु के
परभु जाणी के मानी ले, अने अपणा
हिरदा माय यो बिसास राखे के परमेसर
ने उके मर्‌या माय से जिवाड़्यो तो तू
मुक्ती पई जायगा। १०मनख तो हिरदा से
बिसास करे हे, जेको फळ निरदोसिता
होय हे, अने मुन्डा से मानी ले जेको फळ
मुक्ती होय हे। ११† क्योंके पवित्तर सासत्तर
के हे, "जो कईं को उका पे बिसास
राखेगा, उ नी लजायगा।" १२यहूदी अने
यूनानी माय कंई फरक हयनी, क्योंके
उज ईसु जो सगळा को परभु हे, अने
उना सगळा सरु जो उके तेड़े हे वी घणी
आसीस पायगा। १३† क्योंके, "जो कईं को
परभु को नाम लेगा उ मुक्ती पायगा।"
१४फेर वी उके कायसरु तेड़ेगा जेका
पे उणने बिसासज नी कर्‌यो? अने वी
उका पे कसे बिसास करेगा जेका बारामें
उणने सुण्योज नी? तो वी परचारक बिना
कसे सुणेगा? १५† अने वी परचार कसे
करेगा जदत्तक के मोकल्या नी जाय?
जसो पवित्तर सासत्तर माय लिख्यो हे,
"उणका पग कसा सुहावणा हे जो अच्छी

---

[a] **९.३२** ठोकर का भाटा; कुरुस पे मसीह की मोत यहूदिहुंण सरु ठोकर को भाटा जसी थी।

† **९.३३:** यसायाह २८.१६ † **१०.५:** लेव्यव्यवस्था १८.५ † **१०.६–८:** नेम-बिधान ३०.१२–१४
† **१०.८:** नेम-बिधान ३०.१२-१४ † **१०.११:** यसायाह २८.१६ † **१०.१३:** योएल २.३२
† **१०.१५:** यसायाह ५२.७

बातहुंण को सुब-समिचार लाय हे!"[b] १६[†] पण उना सगळा इसराइलहुंण ने सुब-समिचार पे ध्यान नी धर्‌यो। यसायाह नबी असतरा के हे, "हे परभु, केने हमारा संदेस पे बिसास कर्‌यो?" १७तो बिसास संदेस सुणवा से होय हे, जो संदेस मसीह का बारामें हे।

१८पण हूं कूं, कंई उणने सांची माय कदी नी सुण्यो? उणने जरुर सुण्यो हे:

"संदेस देवा वाळाहुंण की अवाज
आखी धरती पे
अने उणको परचार जगत का
कोणा-कोणा तक पोंची ग्यो
हे।"[†]

१९[†] पण हूं कूं, कंई इसराइलहुंण नी जाणता था? पक्को वी जाणता था! सगळा से पेलां मूसा नबी के हे,

"जो एक जात नी हे
उकासे हूं तमारा हिरदा माय
जळण पेदा करुंवां
अने एक मूरख जात से हूं
तमारे करोध देवाडुंवां।"

२०[†] फेर यसायाह नबी घणी हिम्मत से के हे:

"जो म्हारे ढुंडता नी था, उणने
म्हारे पई ल्यो,
अने जो म्हारा बारामें पुछता
बी नी था हूं उणका पे
परगट्यो।"

२१[†] पण इसराइल का बारामें उ के हे, "दन-भर हूं अपणा हातहुंण के हुकम नी मानवा वाळा अने जिद्दी परजा आड़ी बड़ातो र्‌यो।"

इसराइल का बच्चा होया लोग

११ [†] तो हूं कूं, कंई परमेसर ने अपणी परजा के छेकी लाखी हे? कदी नी! क्योंके हूं बी तो इसराइली हूं, इबराइम का बंस को अने बिन्यामीन का गोत को हूं। २परमेसर ने अपणी परजा के छेकी नी लाखी, जेको उके पेलां से ज्ञान थो। कंई तम नी जाणो के पवित्तर सासत्तर एलियाह नबी का बारामें कंई के हे? उ परमेसर से इसराइल का बिरोद माय कसी बिणती करे हे? ३[†] "हे, परभु, इसराइली लोगहुंण ने थारा नबिहुंण के मारी लाख्या हे। उणने थारी बेदीहुंण के ढळडई लाखी। हूंज एखलो बची ग्यो हूं, अने वी म्हारी जान का पाछे पड़्या हे।" ४[†] पण परमेसर को जुवाब कंई थो? "म्हने अपणा सरु सात हज्जार मनखहुंण के बचई राख्या हे, जिणने बाल देवता का अगड़े गोड़ा नी टेक्या हे।" ५बिलकुल असोज इना बखत माय बी परमेसर की किरपा से छांट्या होया का मुजब थोड़ाक लोग बाकी हे। ६अगर यो चुनाव किरपा से होयो, तो फेर कामहुंण की वजासे कदी नी, नितो परमेसर की किरपा, किरपाज नी री।

७तो कंई होयो? इसराइली जेकी थाग माय था, वा मुक्ती उणके नी मिळी, पण उणके मिळी जो छांट्या होया था।

---

[b] **१०.१५** लाय हे; या परचार करे।

[†] **१०.१६:** यसायाह ५३.१ [†] **१०.१८:** भजन संहिता १९.४ [†] **१०.१९:** नेम-बिधान ३२.२१
[†] **१०.२०:** यसायाह ६५.१ [†] **१०.२१:** यसायाह ६५.२ [†] **११.१:** फिलिप्पिहुंण ३.५
[†] **११.३:** १ राजा १९.१०, १४ [†] **११.४:** १ राजा १९.१८

बाकी का हिरदा काठा करी लाख्या। ८† जसो पवित्तर सासत्तर माय लिख्यो हे, "परमेसर ने उणके आज तक गेरी नीन्द की आतमा माय लाखी राख्या हे, असी आंखहुंण जिणके नगे नी आय, अने असा कानहुंण जिणके सुणई नी दे।" ९† अने दाऊद राजो के हे,

"उणको भोग-बिलास उणका सरु
जाळ अने फरफुंदो
अने ठेस अने सजा की वजा बणी
जावे।
१० उणकी आंखहुंण माय इन्दारो छई
जावे के सुजे हयनी,
अने उणकी पीठ हमेस्या सरु
नमी रे।"†

११तो हूं कूं, कंई इसराइलहुंण ने नास होवा सरु ठोकर खई? कदी नी! पण उणका कसूर की वजासे गेरयहूदिहुंण माय मुक्ती अई हे ताके इसराइलहुंण माय जळण पेदा करे। १२अबे अगर उणको कसूर संसार सरु धन अने उणको मिटणो गेरयहूदिहुंण सरु धन-सम्पत्ती ठेर्‌यो, तो इसराइलहुंण की भरपूरी से नरो कंई होयगा!

गेरयहूदिहुंण को उध्दार

१३पण हूं तो तमार से जो गेर यहूदी हो, कई र्‌यो हूं। अबे जदके हूं गेरयहूदिहुंण सरु परेरित हूं तो, हूं अपणी सेवा सरु खास ध्यान दउं, १४के हूं कसीज तरा अपणा जात भई-बेनहुंण माय होड़ पेदा करी सकूं अने उणका माय से थोड़ाक को उध्दार करई सकूं। १५क्योंके अगर इसराइलहुंण के छेकणो बाकी जगत का मेळ की वजासे बण्यो, तो कंई उणको मान्यो जाणो मर्‌याहुंण माय से जी उठवा का सरीको नी रेगा!

१६क्योंके अगर चड़ावा को पेलो लोंदो पवित्तर हे, तो आखो घुंद्‌यो होयो आंटो बी। अगर जड़ पवित्तर हे[c] तो डगाळहुंण बी। १७पण थोड़िक डगाळहुंण तोड़ी लाखे, अने तू मांळ जेतून हुई के उका माय कलम लगाड़्यो ग्यो अने उणका गेले अच्छा जेतून झाड़ की जड़ का अच्छा रस को हिस्सो बटाणे वाळो हुई ग्यो। १८तो उनी डगाळहुंण का अगड़े जो तोड़ी लाखी गुमान मती करजे। पण अगर तू गुमान करे तो रियाद राखजे के तू जड़ के नी पण जड़ थारे समाळे हे।

१९तो तू केगा, "डगाळहुंण इकासरु तोड़ी लाखी के हूं उका माय कलम लगाड़्यो जउं।" २०यो ठीक। वी अपणा अबिसास की वजासे तोड़ी लाखी अने तू सिरप अपणा बिसास की वजासे ठावो हे। गुमान मती कर, पण परमेसर को डर मान, २१क्योंके अगर परमेसर ने सांची डगाळहुंण के, याने यहूदिहुंण के, नी रेवा द्‌यो तो उ तमारे बी नी रेवा देगा। २२इकासरु परमेसर की किरपा अने काठा पणा पे ध्यान धरो: जिणको नास होयो उणका सरु काठो पणो, पण थारा सरु तो किरपा हे अगर तू उकी किरपा

---

[c] **११.१६** पवित्तर हे; इनी दो मसाळहुंण को अरथ: अगर इसराइल जात का मूळहुंण, याने इबराइम अने इसाक, खास परमेसर का पवित्तर जणा था जो पवित्तर था, तो इका से उणका बंस बी पवित्तर रेगा।

† **११.८:** नेम-बिधान २९.४; यसायाह २९.१० † **११.९–१०:** भजन संहिता ६९.२२–२३

† **११.१०:** भजन संहिता ६९.२२,२३

माय लगातार बण्यो रे तो ठीक, नितो
तू बी तोड़ी लाख्यो जायगा। २३यहूदिहुंण
बी अगर अपणा अबिसास से पलटे,
तो कलम लगाड़ी द्या जायगा; क्योंके
परमेसर उणके पाछो कलम लगाड़वा
माय सामरतवान हे। २४क्योंके तू
गेरयहूदिहुंण परकती रुप से मांळ जेतून
का झाड़ माय से काटिके अपणा सुभाव
का बिपरित एक अच्छा जेतून का झाड़
माय लगाड़्यो ग्यो। पण यहूदिहुंण जो
परकती डगाळहुंण हे, क्यों नी अपणाज
जेतून का झाड़ माय फेर पाछा आसानी
से लगाड़्या जायगा?

आखा इसराइलहुंण को उध्दार

२५हे भई-बेनहुंण, हूं नी चउं के तम
अपणे खुद के अकलमंद जाणी के इना
भेद से अण्जाण्या रो। इसराइल को एक
हिस्सो तदत्तक काठो बण्यो रेगा, जदत्तक
गेरयहूदिहुंण की गिणती पूरण नी हुई
जाय। २६† अने असतरा आखो इसराइल
मुक्ती पायगा; जसो के यसायाह नबी ने
लिख्यो हे,

"सिय्योन से मुक्तिदातो आयगा,
उ याकूब का बंस को कसूर दूरो
करेगा",
२७† अने "उणका गेले म्हारा आड़ी से
योज करार हे,
जदे हूं उणका पापहुंण के दूरो
करी लाखुंवां।"

२८सुब-समिचार का नगे से तो
यहूदिहुंण परमेसर का बेरी हे, ताके
सुब-समिचार तम गेरयहूदिहुंण तक
अई सके, पण परमेसर का चुनाव
की नगे से यहूदिहुंण, पूरखाहुंण के
द्या बचन की वजासे परमेसर का
घणा परमिला हे; २९क्योंके परमेसर
को बरदान अने उको तेड़णो अटळ हे।
३०जसतरा पेलां तम गेरयहूदिहुंण कदी
परमेसर का हुकम नी मानवा वाळा
था, पण अबे यहूदिहुंण के हुकम नी
मानवा की वजासे तमार पे दया हुई
हे, ३१असतरा अबे वी बी हुकुम नी
मानवा वाळा हुई ग्या, जेकासे के उनी
दया की वजासे जो तमार पे करी,
उणका पे बी अबे[d] दया करी जावे।
३२क्योंके परमेसर ने सगळा के हुकुम
नी मानवा का बन्दण माय बान्दी
लाख्या के सगळा पे दया करे।

परमेसर की परसंसा

३३† अरे! परमेसर का धन, बुध्दि, अने
ज्ञान कितरा गेरा हे! उका बिचार कसा
उन्डा, अने उका रस्ता कसा भेद-भर्या
हे! ३४†सासत्तर माय लिख्यो हे

"क्योंके परभु का हिरदा के केने
जाण्यो?
या उको सला देवा वाळो कुंण
होयो?"
३५† या केने पेलां उके कंई द्यो,
जो उके पाछो फेरी दे?"

३६† क्योंके परमेसर आड़ी से, उकासेज
अने उका सरु सगळो कंई हे। उकीज
म्हेमा सदा होती रे। आमीन।

---

[d] **११.३१** अबे; थोड़ाक मूळ माय 'अबे' नी हे।

† **११.२६:** यसायाह ५९.२० † **११.२७:** यरमियाह ३१.३३–३४ † **११.३३:** यसायाह ५५.८
† **११.३४:** यसायाह ४०.१३ † **११.३५:** अय्यूब ४१.११ † **११.३६:** १ कुरिन्थिहुंण ८.६

जीवता बलिदान बणो

१२ तो हे भई-बेनहुंण, हूं तमारे परमेसर की दया की रियाद देवाड़ी के तमार से बिणती करूं के तम अपणी कायाहुंण के जीवती, पवित्तर अने भावती बलिदान करिके परमेसर के दई दो। याज तमारी आतमिक सेवा हे। २इना जगत का लोगहुंण का मुजब मती बणो, पण अपणा हिरदा का नवा हुई जावा से तम बदळी जाव। तो परमेसर की भली, मानवा वाळी सिद्द मरजी के तम म्हायथी से मालम करी सको।

३क्योंके हूं उनी किरपा की वजासे जो म्हारे दई गी, तमार माय से हरेक से कूं के कईं को बी अपणे खुद के जितरो समजणो चइये उकासे बड़ी के नी समजे; पण परमेसर आड़ी से द्या ग्या बिसास का फळ मुजबज सद्बुदी से अपणे खुद के समजे। ४† जसी हमारी काया माय नरा अंग हे अने सगळा अंगहुंण को एकज काम नी हे, ५वसेज हम बी जो नरा हे, मसीह माय एकज काया हे, अने एक दूसरा का अंग हे। ६† उनी किरपा का मुजब जो हमारे दई गी, हमारे तरा-तरा का बरदान मिळ्या हे। तो जेके भविसबाणी बोलवा को दान मिळ्यो, उ बिसास का फळ का मुजब भविसबाणी बोले; ७अगर सेवा-चाकरी को, तो सेवा-चाकरी माय लाग्यो रे; जो भणावा वाळो हे, उ भणावा माय लाग्यो रे; ८जो परबचन देवा वाळो हे, उ परबचन देवा माय; दान देवा वाळो दान सिदई से दे; अगवई करवा वाळो म्हेनत से करे; दया करवा वाळो खुसी से करे।

परेम

९परेम माय कपट नी रे। बुरई से घिरणा करो, भलई माय लाग्या रो। १०भई-चारा की मनसा से एक-दूसरा से परेम राखो, माय-माय मान करवा माय एक दूसरा से बड़ी के रो। ११कोसिस करवा माय आळसी मती रो। आतमिक खुसी से भर्या रो, अने परभु की सेवा करता रो। १२आसा माय खुस रो, अबदा माय जिरना मारो, पराथना माय हमेस्या लाग्या रो। १३पवित्तर लोगहुंण[e] की कमकोती का बखत मदद करो, अपणा घरे पंमणई करवा माय लाग्या रो।

१४† अपणे सताड़वा वाळाहुंण के सराप मती दो, पण परमेसर से पराथना करिके आसीस दो। १५खुसी मनाड़वा वाळाहुंण का गेले खुसी मनाव, अने रोवा वाळाहुंण का गेले रोव। १६† माय-माय एक सरीको परेम-भाव राखो। घमण्डी मती रो, पण गरीब-गुरबा[f] से मिळी-जुळी के रो। अपणी नगे माय ज्ञानी मती बणो।

१७बुरई का मिसे कइंका से बुरई मती करो। उनी बातहुंण को मान करो जो सगळा की नगे माय भली रे। १८जां तक हुई सके तम सगळा मनखहुंण का गेले, सान्ती अने मेळ-मिळाप से रो। १९†

---

[e] **१२.१३** पवित्तर लोगहुंण; सांचा बिसासी। [f] **१२.१६** गरीब-गुरबा; या नरम का साते लोगहुंण से नातो राखो।

† **१२.४–५:** १ कुरिन्थिहुंण १२.१२ † **१२.६–८:** १ कुरिन्थिहुंण १२.४–११

† **१२.१४:** मत्ती ५.४४; लूका ६.२८ † **१२.१६:** नीतिबचन ३.७ † **१२.१९:** नेम-बिधान ३२.३५

परमिला भई-बेनहुंण, अपणो बदळो कदी
मती लीजो, पण परमेसर का करोध के
मोको दो, क्योंके पवित्तर सासत्तर माय
लिख्यो हे, "परभु के हे बदळो लेणो
म्हारो काम हे, बदळो हूंज दूंवां।" २०†
पण,

"अगर थारो बेरी भूको होय तो उके
जिमाड़
अने अगर तिरस्यो होय तो पाणी
पिवाड़;
क्योंके असो करवा से तू उका माथा
पे अंगाराहुंण को ढेर लगाड़ी
लाखेगा।"

२१बुरई से हारो मती, पण भलई से बुरई
के जीती लाखो।

हाकिमहुंण का बस माय रो

१३ हरेक मनख, राज का हाकिमहुंण
का बस माय रे, क्योंके कईं को
हाकिम असो हयनी जो परमेसर आड़ी से
नी होय, अने जो हाकिम हे वी परमेसर
आड़ी सेज बण्या होया हे। २इकासरु जो
हाकिम को सामो करे, उने परमेसर का
नेम-बिधान का हुकम को बिरोद कर्‌यो
हे, वी खुद अपणा पे सजा लायगा।
३क्योंके हाकिम अच्छा काम सरु नी
डराय पण बुरा काम करवा वाळा सरु
डरावा को कारण हे। कंई तम हाकिमहुंण
से बिना डर के रेणो चाव? तो उज करो
जो अच्छो हे, जेकासे के हाकिमहुंण से
तमारी बड़ई होय। ४क्योंके हाकिम थारी
भलई सरु परमेसर को सेवक हे। पण
अगर तू उ करे जो बुरो हे, तो डर राख,
क्योंके उ तरवार असेज नी राखे। उ
परमेसर को सेवक हे, जो परमेसर का
करोध मुजब बुरई करवा वाळा के सजा
देवा वाळो हे। ५तो सिरप करोध का
वजासेज नी पण समज की वजासे बी
बस माय रेणो जरुरी हे।

६† इनी वजासे तम तोजी चुकई र्‌या,
क्योंके हाकिम परमेसर को सेवक हे जो
इनी सेवा माय लाग्यो हे। ७इकासरु
जेके जो देणो हे, उके दई दो। जेकी
तोजी चुकाणी हे उकी तोजी चुकती करो।
जेकासे डरणो चइये उकासे डरो। जेको
मान राखणो चावे उको मान राखो।

परेम नेम-बिधान के पूरण करे

८माय-माय परेम का अलावा दूसरी
कसी बात माय कोइंका करजदार मती
बणो, क्योंके जो पड़ोसी से परेम राखे,
उने नेम-बिधान के पूरण कर्‌यो। ९† इनी
वजासे, "नी तो ब्योबिचार करनों, नी
घात करनों, नी चोरीपणो करनों, नी लोभ
करनों," अने इका अलावा अगर हजु
कईं को हुकम होय, तो उको निचोड़
इनी बात माय मिळे, "अपणा पड़ोसी से
अपणा सरीको परेम राखजे," १०जो दूसरा
से परेम करे हे, उ कदी उणकी बुरई नी
करे। इकासरु परेम करनों नेम-बिधान के
पूरण करनों हे।

११बखत को ध्यान राखता होया असोज
करो। तो तमारा सरु अबे नीन्द से जागी
जावा को बखत अई ग्यो हे, क्योंके जेना

---

† **१२.२०:** नीतिबचन २५.२१–२२ † **१३.६–७:** मत्ती २२.२१; मरकुस १२.१७; लूका २०.२५
† **१३.९:** निरगमन २०.१३–१५, १७; नेम-बिधान ५.१७–१९, २१; लेव्यव्यवस्था १९.१८

बखत हमने बिसास कर्‌यो थो, उका
बजाय अबे हमारी मुक्ती नठू कने हे।
१२रात करीब-करीब बिती चुकी हे, दन
उगवा पे हे। तो हम इन्दारा का बुरा
करमहुंण के छोड़ी के उजाळा का भला
करमहुंण करां। १३हम सुदी चाल चलां
जसा दन माय चलां हे, नी के रास रंग,
दारुपणो, भोग-बिलास, रळ्यापणो, लड़ई-
झगड़ो, जळण माय लाग्या रां। १४पण
परभु ईसु मसीह के आचरण समेत ओड़ी
लो अने काया की वासनाहुंण के पूरण
करवा पे हिरदो मती लगाड़ो।

कमजोर बिसास दूसरा को कसूर देखे हे

१४ † जो बिसास माय कमजोर हे उके
अपणा गेले करी लो, पण उका
बिचारहुंण पे बिवाद करवा सरु नी। २एक
को बिसास हे के उ सगळो कंई खई
सके, पण उ जो बिसास माय कमजोर
हे, सिरप साग-भाजीज खाय हे। ३खावा
वाळो, नी खावा वाळा के कमती नी
समजे; अने नी खावा वाळो, खावा वाळा
पे दोष नी लगाड़े; क्योंके परमेसर ने उके
मानी ल्यो हे। ४परभु का सेवक पे आरोप
लगाणे वाळो तू कुंण हे? उको मजबूत
बण्यो रेणो या पाप माय पड़ी जाणो
उका मालेख परभु पे टिक्यो हे। अने उ
मजबूत कर्‌यो जायगा क्योंके उको परभु
मजबूत करवा माय काठो हे।

५कइंका तो एक दन के दूसरा दन
से बड़ी के माने हे, अने दूसरा हरेक
दन के एक सरीको माने हे। हरेक
मनख के इका बारामें पूरण रुप से
अपणो सोंच-बिचार होणो चइये। ६उ
जो खास दन के माने, तो परभु सरु
माने। अने जो सगळो कंई खाय हे उ
परभु सरु खाय हे, क्योंके उ परमेसर
के धन्यबाद दे हे; अने जो नी खाय,
उ परभु सरु नी खाय हे, अने उ बी
परभु को धन्यबाद करे हे। ७हमारा
माय कईं को बी नी तो अपणा सरु
जीवे हे अने नी अपणा खुद का सरु
मरे हे। ८क्योंके अगर हम जीवां तो
परभु सरु जीवां या हम मरां तो परभु
सरु मरां। इकासरु चावां के हम जीवता
रां या मर्‌या हम परभु काज हे।
९इनी वजासे मसीह मर्‌यो अने पाछो
जीवतो हुई ग्यो ताके उ मर्‌याहुंण
अने जीवताहुंण दोई को परभु रे। १०†
पण तू अपणा भई पे कायसरु आरोप
लगाड़े? या तू फेर अपणा भई के
कायसरु निच्चो समजे? क्योंके न्याव
करवा वाळो परमेसर हे, अने हम
सगळा परमेसर का न्याव आसण का
सामे उब्या रांगा। ११† यसायाह नबी
ने अपणी पोथी माय असो लिख्यो हे,

"परभु के हे, 'म्हारा जीवन की
सोगन,
हरेक गोड़ा म्हारा सामे
टिकेगा,
अने हरेक जीब परमेसर की
इसतुती करेगा'[g]।"

१२इकासरु, हमारा माय से हरेक जणो
परमेसर के अपणो-अपणो लेखो देगा।

---

[g] **१४.११** इसतुती करेगा; या अंगीकार करेगा।

† **१४.१–६:** कुलुस्सिहुंण २.१६ † **१४.१०:** २ कुरिन्थिहुंण ५.१० † **१४.११:** यसायाह ४५.२३

कमजोर बिसासी के पाप सरु मती उकसाव

१३तो अबी से हम एक-दूसरा पे आरोप नी लगाड़ां। बल्के यो पक्को करी लां के कईं को अपणा भई-बेनहुंण का रस्ता माय रोड़ो या ठोकर खावा की वजा नी बणी जावे। **१४**हूं जाणूं अने परभु ईसु माय म्हारे पक्को भरोसो हे के कइंकी चीज अपणा खुद से असुद्द हयनी; पण जो उके असुद्द समजे उका सरु वा असुद्द हे। **१५**अगर थारा जिमणे से थारा भई-बेनहुंण के ठेस लागे तो तू अबे परेम की रीति मुजब नी चली र्‌यो हे। जेका सरु मसीह ने अपणो पराण द्‌यो, तू अपणा जिमणे से उणके नास मती कर। **१६**जो थारा सरु भलो होय उके निन्दा को काम मती बणवा दे। **१७**क्योंके परमेसर को राज खाणो-पीणो हयनी, पण निरदोसिता, भई-चारो, अने वा खुसी हे जो पवित्तर आतमा माय हे। **१८**जो मनख असतरा मसीह की सेवा करे उ परमेसर के भाय अने मनखहुंण माय मान पाय हे।

१९इकासरु हम उनी बातहुंण माय लाग्या रां[h] जिणका माय भई-चारो रे अने जिणका से एक दूसरा की आतमिकता माय बड़ती होय। **२०**खावा बले परमेसर की रचणा मती खराब करो। सगळी चीजहुंण सुद्द तो हे, पण उना मनख सरु खराब हे जो अपणा खावा से दूसरा के ठेस पोंचाड़े हे। **२१**भलो तो यो के तू नी तो गोस खाय अने नी दारु प्ये अने नी कईं को असो काम करे जेकासे थारा भई-बेनहुंण के ठेस लागे। **२२**थारो जो इनी बातहुंण माय बिसास हे, उके परमेसर का सामे अने अपणाज अदाड़ माय राख। धन्य हे उ जो उनी बात माय जेके उ सई समजे हे, अपणा खुद के कसुरवार नी ठेराय। **२३**पण उ जो सक करिके खाय, उ कसुरवार हुई चुक्यो, क्योंके उ बिसास से नी खाय; अने जो कंई बिसास पे नी टिक्यो उ पाप हे।

दूसरा को ख्याल राखो

१५ हम जो बिसास माय सामरत हे, हमारे चइये के जो बिसास माय कमजोर हे उणकी जिरना मांरां, नी के अपणा खुद के खुस राखे। **२**हमारा माय से हरेक दूसरा की भलई इना भाव से करे के उणकी आतमिक बड़ोतरी होय अने उणके खुस करे। **३**[†] क्योंके मसीह ने अपणा-खुद को ख्याल नी राख्यो, पण जसो के भजन का लिखवा वाळा ने लिख्यो हे, "थारी निंदा करवा वाळाहुंण की निंदा म्हारे सेणी पड़ी।" **४**जूना-काल माय जो कंई पवित्तर सासत्तर माय लिख्यो थो उ हमारीज सीख सरु लिख्यो थो, ताके जो जिरना अने बड़ावो पवित्तर सासत्तर से मिळे हम उकासे आस पावां। **५**अबे परमेसर जो जिरना अने बड़ावो दे हे, तमारे असो बरदान दे के तम मसीह ईसु का मुजब माय-माय एक मन्सा राखो, **६**तम एक चित्या अने एक सूर हुई के हमारा परभु ईसु मसीह का परमेसर पिता की इसतुती करो।

---

[h] **१४.१९** हम उनी बातहुंण माय लाग्या रां; या हमारो धेय यो होणो चइये; थोड़ाक हात का लेखहुंण माय असो हे हमारो धेय हमेस्या यो होणो चइये।

[†] **१५.३:** भजन संहिता ६९.९

गेरयहूदिहुंण माय सुब-समिचार

७इकासरु एक दूसरा के मानो जसो
के ईसु मसीह ने बी हमारे मानी ल्यो
हे। जेकासे परमेसर की म्हेमा होय।
८इकासरु हूं कूं के मसीह यहूदिहुंण सरु
सेवक बण्यो के परमेसर की बिसास
लाइकी परगटे, याने के पूरखाहुंण के
दई हुई परतिज्ञा मजबूत होय, **९**† अने
गेरयहूदिहुंण बी परमेसर की दया पई के
उकी म्हेमा करे। जसो के पवित्तर सासत्तर
माय लिख्यो हे,

"इकासरु हूं गेरयहूदिहुंण का अदाड़
माय थारी इसतुती करुंवां,
अने थारा नाम को भजन
गउंवां।"

१०† फेर यो बी के हे,

"हे गेरयहूदिहुंण, परमेसर की
छांटी हुई परजा का गेले खुसी
मनाव।"

११† अने पाछो के हे,

"हे, सगळा गेरयहूदिहुंण, परभु की
इसतुती करो;
सगळी जातहुंण उकी बड़ई करो।"

१२† फेर यसायाह नबी के हे,

"जो यिसे का मूळ से,[i] परगटेगा
उ गेरयहूदिहुंण पे राज करवा सरु
उबेगा,
अने उका पे गेरयहूदिहुंण आसा
धरेगा।"

१३अबे आसा देवा वाळो परमेसर तमारे
उका पे बिसास करवा माय सगळो
आनन्द अने सान्ती से पूरण करे, जेकासे
पवित्तर आतमा की सामरत से तमारी
आसा बड़ती जाय।

गेरयहूदिहुंण माय पोलुस की सेवा

१४हे भई-बेनहुंण, हूं पूरण रीति से
तमार पे भरोसो राखुं के तम खुद भलई
अने सगळा ज्ञान से भर्‌या रो अने
एक-दूसरा के चेतावा का लायक बी रो।
१५पण म्हने तमारे थोड़ाक मुद्दाहुंण पे
पाछो रियाद देवाड़वा सरु बड़ी हिम्मत
का गेले लिख्यो हे। यो उनी किरपा की
वजासे होयो जो परमेसर ने म्हारे दई
थी, **१६**के गेरयहूदिहुंण सरु मसीह ईसु को
सेवक बणूं। परमेसर का सुब-समिचार की
सेवा पुरोहित सरीको करूं के गेर यहूदी
को सगळो चड़ावो पवित्तर आतमा से
पवित्तर कर्‌या जई के मानी ल्यो जाय।
१७अबे म्हारे मसीह ईसु की उनी बातहुंण
का बारामें जेको परमेसर की सेवा से
नातो हे, हूं बड़ई करी सकूं हे। **१८**क्योंके
सिरप उना करम पे हूं हिम्मत राखुंवां,
जो म्हार से मसीह ईसु ने करवा सरु
क्यो थो, जिणके ईसु ने गेरयहूदिहुंण के
हुकम मानवा का मारग दिखावा को काम
म्हारा बचन अने करम से, **१९**सेलाणी
अने अचम्बा का काम की सामरत से
अने पवित्तर आतमा की सामरत से,
म्हार सेज पूरण कर्‌या। यां तक के
म्हने यरुसलेम नगर से लई के चारी-
मेर इल्लुरिकुम परदेस तक मसीह का
सुब-समिचार को पूरो-पूरो परचार कर्‌यो।

---

[i] **१५.१२** यिसे का मूळ से; याने राजा दाऊद का पिता का बंस से।

† **१५.९:** २ सेमुएल २२.५०; भजन संहिता १८.४९ † **१५.१०:** नेम-बिधान ३२.४३

† **१५.११:** भजन संहिता ११७.१ † **१५.१२:** यसायाह ११.१०

२०म्हारा हिरदा की मन्सा या री के जां
मसीह को नाम नी ल्यो जाये, वांज सुब-
समिचार सुणठं असो नी होय के दूसरा
की नीम पे घर बणठं। २१† पण पवित्तर
सासत्तर माय जसो लिख्यो हे,

"जिणके ठको सुब-समिचार नी
पोंच्यो, वीज देखेगा;
अने जिणने नी सुण्यो वीज
समजेगा।"

रोम जावा की योजणा

२२† इना काम की वजासे हूं तमारा
कने आवा से अकसर रुक्यो र्‌यो। २३अबे
तो इना इलाका माय म्हारा सरु कइंकी
जगा नी री, अने घणा बरस से, चातो थो
के हूं तमारा कने अठं। २४म्हारी मन्सा
हे के इसपेन देस जाता बखत तमारा
कने अठं। म्हारे आसा हे के हूं तमारा
यां से मिळतो होयो जठंवां के तमारा
साते रत्ति-भर खुसी मनठं अने तम म्हारे
थोड़ाक दूर अगड़े पोंचाड़ी दी जो। २५†
पण अबी तो हूं पवित्तर लोगहुंण की सेवा
करवा यरुसलेम जई र्‌यो हूं। २६क्योंके
मकिदुनिया अने अखाया[j] परदेसहुंण
का रेवासी बिसासी की मण्डळिहुंण ने
बड़ो इरादो करिके यरुसलेम का पवित्तर
लोगहुंण का माय गरीब-गुरबाहुंण का
सरु दान द्‌यो। २७† ठणके असो करनों
भलो लाग्यो, अने वी ठणका करजदार
हे। क्योंके गेरयहूदिहुंण यहूदिहुंण का
आतमिक काम माय भेळा होया हे, तो
गेरयहूदिहुंण सरु बी अच्छो हे के भोतिक
चीजहुंण से ठणकी सेवा करे। २८इकासरु
हूं यो काम पूरण करिके अने ठणके
खुद के दान दई के तमारा यां होतो
होयो इसपेन देस चल्यो जठंवां। २९अने
हूं जाणूं के जदे हूं तमारा कने अठंवां तो
हूं मसीह की आसीस से भर्‌यो-पुर्‌यो हुई
के अठंवां।

३०अबे हे भई-बेनहुंण, हमारा परभु ईसु
मसीह अने पवित्तर आतमा का परेम
आड़ी से हूं तमार से अरज करी र्‌यो हूं,
के म्हारा सरु परमेसर से पराथना करवा
माय म्हारा गेले लाग्या री जो, ३१जेकासे
हूं यहूदिया परदेस का अबिसासिहुंण से
बच्यो रूं अने म्हारी यरुसलेम नगर की
सेवा पवित्तर लोगहुंण माय मानी जाय।
३२तो हूं परमेसर की मरजी से खुसी
का गेले तमारा कने अठं अने तमारी
संगत से अराम पठं। ३३अबे सान्ती देवा
वाळो परमेसर तमारा सगळा का गेले रे।
आमीन।

नमसकार अने सुब-कामनाहुंण

१६ हूं तमार से अपणी बेन फीबे सरु
बिणती करूं जो किंख्रिया नगर की
मण्डळी की दासी हे, २के तम परभु माय
ठके असतरा मानो जसा पवित्तर लोगहुंण
के मानो हो। अगर कइंका काम माय ठके
तमारी जरुवत पड़े तो ठकी मदद करजो,
क्योंके वा बी नरा की, अने म्हारी बी
मदद करवा वाळी री हे।

३† पिरिसका अने ठका घराळा अक्विला
के जो मसीह ईसु माय म्हारा गेले काम

---

[j] **१५.२६** मकिदुनिया अने अखाया; आज का गीरिस देस।

† **१५.२१:** यसायाह ५२.१५ † **१५.२२:** रोमिहुंण १.१३ † **१५.२५–२६:** १ कुरिन्थिहुंण १६.१–४
† **१५.२७:** १ कुरिन्थिहुंण ९.११ † **१६.३:** परेरितहुंण १८.२

करवा वाळा हे, नमसकार किजो। ४उणने
म्हारी जान की रक्सा सरु खुद की
जिनगी बी मुसीबत माय लाखी दी। नी
सिरप हूं बरण गेरयहूदिहुंण की सगळी
मण्डळिहुंण बी उणको धन्यबाद करे
हे। ५उनी मण्डळी के बी नमसकार जो
उणका घर माय हे।

मसीह सरु एसिया परदेस को पेलो
फळ याने पेलो बिसासी म्हारो परमिलो
इपेनितुस के नमसकार किजो। ६मरियम
के जेने तमारा सरु घणी म्हेनत करी
हे, नमसकार किजो। ७म्हारा कुटम का
अन्द्रनीकुस अने उकी बइरा यूनिया[k]
जो म्हारा गेले जेळ माय था, जो नामी
परेरितहुंण हे अने वी म्हार से पेलां मसीह
माय बिसासी था, उणके नमसकार।

८परभु माय म्हारो परमिलो
अम्पलियातुस के नमसकार। ९हमारा
गेले मसीह सरु काम करवा वाळो
उरबानुस के अने म्हारा परमिला
इस्तखुस के नमसकार। १०अपिल्लेस के
जो मसीह माय खरो हिट्यो, नमसकार।
अरिस्तुबुलुस का घराणा के नमसकार।
११म्हारा कुटम का हेरोदियोन के
नमसकार, नरकिस्सुस का घराणा के जो
जणा परभु का बिसासिहुंण हे, उणके
नमसकार किजो।

१२परभु सरु म्हेनत करवा वाळी त्रुफेना
अने त्रुफोसा के नमसकार किजे। अने
परमिली परसिस के, जेने परभु सरु
काठी म्हेनत करी हे नमसकार किजो।
१३[†] परभु के सेवा माय खास छांट्या
होया रुफुस के अने उकी मेतारी के, जो
म्हारी बी मेतारी सरीकी री हे नमसकार
किजो। १४असुक्रितुस, फिलगोन, हिरमेस,
पत्रुबास, हिरमोस अने उणका गेले
का भई-बेनहुंण के नमसकार किजो।
१५फिलुलुगुस अने उकी बइरा यूलिया,
नेर्युस अने उकी बेन, अने उलुम्पास अने
उणका सात का सगळा बिसासिहुंण के
नमसकार किजो।

१६पवित्तर चुम्मो दई के माय-माय
नमसकार करजो। तमारे मसीह की
सगळी मण्डळिहुंण आड़ी से नमसकार
मिळे।

आखरी निरदेस

१७अबे हे भई-बेनहुंण, हूं तमार से
बिणती करूं के उनी सीख का अलावा
जो तमारे मिळी हे, उका माय जो मनख
फूट अने ठोकर खावा की वजा बणे हे
उणके ताड़ी ल्या करो। उणकासे बगले रो!
१८क्योंके ई मनख हमारा परभु ईसु मसीह
का नी, पण अपणा पेट का गुलाम हे;
अने अपणी चंट-चालाकी की बातहुंण से
सुदा-सादा हिरदा का लोगहुंण के भेकाड़ी
लाखे हे। १९परभु का हुकम मानवा को
तमारो समिचार सगळा लोगहुंण तक
पोंची ग्यो हे; इकासरु हूं तमारा बारामें
खुसी मनई र्‌यो हूं। पण हूं चउं के तम
भलई का काम करवा सरु अकलमंद
अने बुरई छेकणे सरु भोळा बण्या रो।
२०सान्ती देवा वाळो परमेसर झट सेतान
के तमारा पग निच्चे चबदी लाखेगा।

---

[k] **१६.७** यूनिया; या जूनिया; या यूनियास/जूनियास; थोड़ाक लेखहुंण माय जूलिया/यूलिया।
[†] **१६.१३:** मरकुस १५.२१

हमारो परभु ईसु मसीह की किरपा
तमारा गेले रे।[l]

२१[†] म्हारो साती काम करवा वाळो
तीमुथियुस अने म्हारो कुटम को
लूकियुस, यासोन अने सोसिपत्रुस को
तमारे नमसकार मिळे।

२२हूं तिरतियुस आड़ी से जो इनी
चिट्ठी-पत्तर का लिखवा वाळो हूं परभु
माय तमारे नमसकार मिळे।

२३[†] गयुस के जो म्हारो अने मण्डळी
की पंमणई करवा वाळो हे, तमारे
नमसकार मिळे। इरासतुस जो नगर को
खजांची हे अने भई क्वारतुस आड़ी से
तमारे नमसकार मिळे। **२४**(हमारा परभु
ईसु मसीह की किरपा तमारा गेले रे।
आमीन!)[m]

परमेसर की इसतुती

२५परमेसर की इसतुती! जो तमारा
बिसास का मुजब याने ईसु मसीह का
सन्देस के जेना सुब-समिचार को हूं
परबचन दूं तमारे मजबूत बणावा माय
सामरत हे। परमेसर को यो गुपत भेद
पेलांज से छिप्यो होयो थो, **२६**पण अबे
परगट्यो हे। अने सनातन परमेसर का
हुकम मुजब नबिहुंण का सासत्तर से
सगळी जातहुंण के बताड़्यो हे के वी
बिसास करवा अने हुकम मानवा वाळा
बणी जाय।

२७उणाज अदवेत अकलमंद परमेसर
की, ईसु मसीह से, हमेस्या म्हेमा होती
रे। आमीन।[n]

---

[l] **१६.२०** हमारो परभु ... गेले रे; थोड़ाक मूळ लेख माय यो नी मिळे हे। [m] **१६.२४** जूना हात का लिख्याहुंण माय २४ पद बी मिळ्यो हे। [n] **१६.२७** मूळ लेख माय २५–२७ हे इका बाद १४.२३; १५.३३ हे।

[†] **१६.२१:** परेरितहुंण १६.१ [†] **१६.२३:** परेरितहुंण १९.२९; १ कुरिन्थिहुंण १.१४; २ तीमुथियुस ४.२०

पोलुस की पेली चिट्ठी

कुरिन्थिहुंण
का नामे

लिखवा वाळो: पोलुस

लिखवा की वजा: उध्दार का म्हायथी मुजब जीवन

लिखवा को बखत: करीब ५५ ईस्वी सन्

पोलुस ने या चिट्ठी अपणी तीसरी कावा परचार करवा वाळी जातरा का बखत (परेरितहुंण १८.२३-२१.१४) इफिसुस नगर से लिखी थी (१ कुरिन्थिहुंण १६.७-९) अने दूसरी चिट्ठी पोलुस ने मकिदुनिया से लिखी थी (२ कुरिन्थिहुंण २.१२,१३; ७.५-७)। इनी चिट्ठी की खास बात उध्दार की हे मसीह का साते नातो राखवा वाळाहुंण का उध्दार का बारा माय उ "मसीह माय" सबद् के घड़ी-घड़ी लिखे हे। पोलुस ने कुरिन्थियुस नगर माय मण्डळी के ठावी करी थी। उका माय मसीही जीवन अने बिसास की नरी समस्याहुंण पेदा हुई गी। उनी समस्याहुंण का हल सरु इनी पेली चिट्ठी के लिखी। उना बखत कुरिन्थियुस यूनान को एक खास नगर थो जेके आखो जग जाणतो थो, अने रोमी राज का अखाया देस की राजधानी थो। यो नगर अपणा बेपार, उंचो रेण-सेण अने तरा-तरा का धरमहुंण सरु परसिद्द थो, पण उका माय आया नेतिक-गिर्यापणा से बदनाम थो। पोलुस का खास सांसा को कारण थो मण्डळी का टुकड़ा, अनेती, रळ्यापणो, ब्याव-सादी अने समज का सवाल, मण्डळी की देख-रेख, पवित्तर आतमा को दान अने पाछो जी उठणो। इका माय पोलुस ने बताड्यो के सुब-समिचार सेज सगळा सवालहुंण को हल हुई सके हे। पोलुस तेरवां अध्याय माय बताड़े हे के परेम को बरदान सगळा से उंचो रे हे।

रुप-रेखा:-

१. नमसकार *१.१-९*
२. मण्डळी माय फाड़ *१.१०-४.२१*
३. मण्डळी माय कईं को नेम हयनी *५.१-६.२०*
४. मण्डळी माय समस्याहुंण *७.१-१५.५८*
(क) ब्याव का बारामें सलाहुंण *७.१-४०*

(ख) मुरतहुंण का बारामें चड़ाया बलिदानहुंण सरु बिचार .८.१-११.१
(ग) अराधना माय बइराहुंण के माथो ढांकणो ११.२-१६
(घ) परभु-भोज का बारामें एक बिचार ११.१७-३४
(ङ) आतमिक बरदानहुंण का बारामें बिचार १२.१-१४.४०
(च) जी उठवा का सिद्दांत का बारामें बिचार १५.१-५८
५. आखरी नमसकार १६.१-२४

---

१ हूं पोलुस, जो परमेसर की मरजी से ईसु मसीह को परेरित होवा सरु तेड़्यो ग्यो हूं, अने हमारा भई सोस्थिनेस आड़ी से,

२[†] परमेसर की उनी मण्डळी का नामे जो कुरिन्थुस माय हे, याने उणका नामे जो मसीह ईसु माय पवित्तर कर्‌या, अने उना सगळा का गेले जो हरेक जगा पे हमारा परभु ईसु मसीह का नाम से पराथना करे, पवित्तर लोग होवा सरु तेड़्या हे - उ हमारो अने उणको बी परभु हे;

३हमारा पिता परमेसर अने परभु ईसु मसीह आड़ी से तमारे किरपा, अने सान्ती मिळे।

आसीस सरु पोलुस ने परमेसर को धन्यबाद कर्‌यो

४हूं तमारा बारामें अपणा परमेसर की उनी किरपा सरु जो मसीह ईसु माय तमारे दई हे, परमेसर को लगातार धन्यबाद करूं, ५के तम मसीह माय हरेक बात, याने आखा बचन अने सगळा ज्ञान माय, धणी कर्‌या ग्या, हो ६जसोके मसीह का बारा की गवई तमारा माय परमाणित बी हुई हे। ७यां तक के तमारा माय कइंका आतमिक बरदान को टोटो हयनी, अने तम हमारा परभु ईसु मसीह का परगट होवा की बाट खुसी से जोई र्‌या हो। ८हमारा परभु ईसु मसीह तमारे आखरी तक मजबूत बी करेगा के उका आवा का दन माय निरदोस रो। ९परमेसर बिसासलायक हे, जेने तमारे उका बेटा हमारा परभु ईसु मसीह की संगती माय तेड़्या हे।

मण्डळी का माय-माय फूट

१०अबे हे भई-बेनहुंण, हूं परभु ईसु का नाम माय तमार से अरज करूं के तम सगळा एकज बात कोजो, अने तमारा माय फूट नी पड़े पण तमारा हिरदा अने बिचारहुंण माय पूरण एकता रे। ११क्योंके हे भई-बेनहुंण, खलोय का घराणा से तमारा बारामें म्हारे बताड़्यो के तमारा माय आपसी झगड़ा चली र्‌या हे। १२[†] म्हारो अरथ यो हे के तमारा माय से कईं को यो के हे, "हूं पोलुस को हूं," तो कईं को के हे, "हूं अपुल्लोस को हूं," अने कईं को के हे, "हूं पतरस को हूं," अने कईं को के हे, "हूं मसीह को हूं!" १३तो कंई मसीह बंटी ग्यो?[a] कंई हूं पोलुस तमारा सरु

---

[a] **१.१३** मसीह बंटी ग्यो; थोड़ाक लेखहुंण माय असो हे मसीह बंट्यो होयो नी हे।
[†] **१.२:** परेरितहुंण १८.१ [†] **१.१२:** परेरितहुंण १८.२४

कुरुस पे चड़ायो ग्यो? या तमारे पोलुस
का नाम से बपतिसमो मिळ्यो?
१४† हूं परमेसर को धन्यबाद करूं के
म्हने क्रिसपुस अने गयुस का अलावा
तमारा माय से कइंका के बपतिसमो नी
द्यो, **१५**के कईं को मनख यो नी कई
सके के म्हारे "थारा नाम से बपतिसमो
मिळ्यो।" **१६**† अने हां, म्हने स्तिफनुस
का घराणा के बी बपतिसमो द्यो; इणका
अलावा, हूं नी जाणूं के म्हने हजु कइंका
के बपतिसमो द्यो। **१७**क्योंके मसीह
ने म्हारे बपतिसमा देवा सरु नी, पण
सुब-समिचार परचार सरु मोकल्यो हे।
हूं सबदहुंण का ज्ञान मुजब नी परचार
करी र्यो हूं, असो नी होय के मसीह को
कुरुस बेकार हुई जाय।

मसीह परमेसर की सामरत अने परमेसर को ज्ञान हे

१८क्योंके कुरुस की कथा नास होवा
वाळाहुंण सरु मूरखता, पण हम मुक्ती
पावा वाळाहुंण सरु परमेसर की सामरत
हे। **१९**† क्योंके सासत्तर माय लिख्यो हे,

"हूं ज्ञानिहुंण का ज्ञान के नास करुंवां,
अने चातर्याहुंण की चतरई के
बेकार करी लाखुंवां।"

२०† कां र्या ज्ञानी? कां र्या सासतरी?
अने कां र्या इना जुग का बिवाद्याहुंण?
परमेसर ने इना जग का ज्ञान के
मूरखता ठेराड़्यो।
२१क्योंके परमेसर का ज्ञान का मुजब
यो जग अपणा ज्ञान से परमेसर के नी
जाणी सक्यो। पण परमेसर के यो अच्छो
लाग्यो के मसीह का बारा माय इना
परचार की मूरखता से बिसास करवा
वाळाहुंण को उध्दार करे। **२२**बिसास
करवा सरु यहूदिहुंण तो सेलाणी मांगे
अने यूनानिहुंण ज्ञान की तलास माय
रे, **२३**पण हम तो कुरुस पे चड़ाया ग्या
मसीह को परचार करां, जो यहूदिहुंण
की नगे माय ठोकर की वजासे अने
गेरयहूदिहुंण सरु मूरखता हे, **२४**पण
उणका सरु जिणके परमेसर ने तेड़्या हे,
चाये वी यहूदी होय या यूनानी, उणका
कने मसीह परमेसर की सामरत अने
परमेसर को ज्ञान हे। **२५**क्योंके परमेसर
की मूरखता मनखहुंण का ज्ञान से
जादा ज्ञानी अने परमेसर की कमजोरी
मनखहुंण की ताकत से जादा बळसाळी
हे।[b]

२६हे भई-बेनहुंण, बिचार करो के जदे
परमेसर ने तमारे तेड़्या तो तमार माय
से जग की नगे माय नी तो अकलमंद
तेड़्या, नी घणा ताकत वाळा के, अने
नी घणा उंचा घराणा से तेड़्या। **२७**पण
परमेसर ने जगत का मूरखहुंण के छांटी
ल्या के अकलमंदहुंण के लाजे मारे,
अने परमेसर ने जगत का कमजोरहुंण
के छांटी ल्या के ताकत वाळाहुंण के
लाजे मारे। **२८**अने परमेसर ने जगत

---

[b] **१.२५** परमेसर की मूरखता ... परमेसर की कमजोरी; थोड़ाक लोगहुंण यो समजे हे के ईसु के कुरुस पे चड़ायो जाणो परमेसर की मूरखता या परमेसर की कमजोरी हे। पण मनखहुंण जो बुद्धिमानी से योजणाहुंण बणाय उणका से जादा परमेसर की योजणाहुंण बळसाळी रे हे।

† **१.१४:** परेरितहुंण १८.८, १९.२९; रोमिहुंण १६.२३ † **१.१६:** १ कुरिन्थिहुंण १६.१५

† **१.१९:** यसायाह २९.१४ † **१.२०:** अय्यूब १२.१७; यसायाह १९.१२, ३३.१८, ४४.२५

का गिर्‌या होया अने नीचहुंण के, बरण
उणके जो हेज नी छांटी ल्या हे के उणके
जो खुदज के बड़ो समजे हे बेकार ठेराय,
२९के कईं को पराणी परमेसर का सामे
गुमान नी करे, ३०पण उकाज वजासे
तम ईसु मसीह माय रो हो, जो हमारा
सरु परमेसर आड़ी से ज्ञान, धारमिकता,
पवित्तरता अने छुटकारो ठेर्‌यो, ३१† के
जसो सासत्तर माय लिख्यो हे, "अगर कईं
को गुमान करे तो उ परभु माय करे।"

कुरुस पे चड़ायो मसीह को सुब-समिचार

२ भई-बेनहुंण, जदे हूं तमारा कने
परमेसर का बारामें छिप्या भेद की
गवई[c] देतो होयो आयो तो सबदहुंण या
ज्ञान की अच्छई से नी आयो। २क्योंके
म्हने यो ठाणी ल्यो थो के तमारा अदाड़े
ईसु मसीह अने उना कुरुस पे उकी मोत
का अलावा हजु कइंकी बात के नी जाणूं।
३† हूं कमजोर अने डर का गेले धुजतो
होयो तमारा गेले र्‌यो। ४म्हारो संदेसो
अने म्हारो परचार मनखहुंण का ज्ञान
का लुभावा वाळा सबदहुंण से भर्‌या नी
था, पण पवित्तर आतमा की सामरत
को नतीजो थो, ५जेकासे तमारो बिसास
मनखहुंण का ज्ञान पे नी पण परमेसर
की सामरत पे बण्यो रे।

परमेसर को छिप्यो ज्ञान

६फेर बी हम समजदारहुंण माय
ज्ञानज की बात सुणांवां हे, पण यो
ज्ञान नी तो इना जुग को अने नीज
इका सासकहुंण को हे जो मिटवा
वाळा हे। ७पण हम परमेसर का उना
ज्ञान का भेद को बखाण करां याने
उना छिप्या ज्ञान को जेके परमेसर
ने जगत का सुरु सेज हमारी म्हेमा
सरु ठेराड़्यो। ८जेना ज्ञान के इना
जुग का सासकहुंण माय से कइंका
ने नी समज्यो: अगर वी समजी ग्या
होता तो म्हेमा का परभु ईसु मसीह
के कुरुस पे नी चड़ाता। ९† पण जसो
सासत्तर माय लिख्यो हे के,

"जेनी बातहुंण के आंख ने नी
देखी, अने कान ने नी सुणी,
अने मनख का हिरदा माय नी
समई,
उणकेज परमेसर ने अपणा परेम
करवा वाळाहुंण सरु तय्यार
करी हे।"

१०पण परमेसर ने हमार पेज पवित्तर
आतमा का जरिये गेरी योजणाहुंण के
परगटी, क्योंके पवित्तर आतमा सगळी
बातहुंण के ढुंडे जो छिपी हे। ११मिसाल
माय कूं, मनखहुंण माय से कुंण कइंका
मनख का बिचार के जाणे हे? सिरप उना
मनख की आतमा के जो उका माय रे।
असतरा परमेसर का आतमा का अलावा
परमेसर का बिचार कईं को नी जाणे।
१२हमने जगत की आतमा नी पण उ
आतमो पायो जो परमेसर आड़ी से हे,
जेकासे के हम उनी बातहुंण के जाणी
सकां जिणके परमेसर ने हमारे असेज
दई हे।

---

[c] **२.१** परमेसर का बारामें छिप्या भेद की गवई; थोड़ाक हात का लेखहुंण माय परमेसर का बारामें गवई।

† **१.३१:** यरमियाह ९.२४ † **२.३:** परेरितहुंण १८.९ † **२.९:** यसायाह ६४.४

१३उनी बातहुंण केज हम मनखहुंण
का ज्ञान का सीखाड़्या होया सबद्हुंण
माय नी, पण पवित्तर आतमा का जरिये
सीखाड़्या होया[d] सबद्हुंण माय आतमिक
बिचारहुंण के आतमिक सबद्हुंण
से सीखाड़ी के बोलां हे। **१४**पण बिना
पवित्तर आतमा से भर्‌यो मनख परमेसर
का आतमा की बातहुंण के नी माने
क्योंके वी उका सरु मूरखता हे अने उ
उणके समजीज नी सके, क्योंके उणकी
जांच सिरप आतमिक तरीका से होय।
१५आतमिक जणो सगळो कंई जांचे, पण
उ खुद कइंका मनख से जांच्यो नी जाय।
१६† क्योंके सासत्तर माय लिख्यो हे के,

"परभु परमेसर को हिरदो केने
जाण्यो हे,
के उके सीखाड़े?"

पण हमारा माय मसीह को हिरदो हे जो
हमारे सीखाड़े हे।

सगळा सीखावा वाळा परमेसर का सेवक हे

३ भई-बेनहुंण, जदे हूं कुरिन्थियुस
नगर माय थो तो हूं तमार से
बातहुंण नी करी सक्यो जसे आतमिक
लोगहुंण से, पण जसे बिना पवित्तर
आतमा का मनखहुंण से अने उणकासे
जो मसीह माय बाळक हे जादा ज्ञान नी
राखे हे। **२**† म्हने तमारे बाळकहुंण जाणी
के दूद धवाड़्यो - अन्न नी खवाड़्यो
क्योंके तम उके पचई नी सकता था।
सांची माय, तम अबे तक पचई नी
सकता हो, **३**क्योंके अबी तक तम बिना
पवित्तर आतमा का हो। जदके तमारा
माय दिवेस अने झगड़ा रे हे, तो कंई
तम बिना पवित्तर आतमा का हयनी?
अने कंई तमारो आचरण जगत का सादा
मनखहुंण सरीको हयनी? **४**† क्योंके जदे
एक के हे, "हूं पोलुस को हूं," अने दूसरो
के हे, "हूं अपुल्लोस को हूं" तो कंई तम
जगत का मनखज नी र्‌या?

५तो फेर अपुल्लोस कंई? अने पोलुस
कंई? सिरप सेवक, जिणकासे तमने
बिसास कर्‌यो, जसाके परमेसर ने
हरेक के काम द्‌यो हे। **६**† म्हने बोयो,
अपुल्लोस ने सिंच्यो, पण परमेसर ने
बड़ायो। **७**तो नी तो बोवा वाळो कंई
हे अने नीज सिंच्वा वाळो, पण बड़ावा
वाळो परमेसरज सगळो कंई हे। **८**बोवा
वाळो अने सिंच्वा वाळो दोई एक सरीका
हे, पण हरेक अपणीज म्हेनत का मुजब
इनाम पायगा। **९**क्योंके अपुल्लोस अने हूं
परमेसर सरु काम करवा वाळा हे; अने
तम परमेसर का खेत हो।

अने तम परमेसर का भवन बी हो।
१०परमेसर की उनी किरपा का मुजब
जो म्हारे दई गी, म्हने एक सद्‌या होया
राज-मिसतरी की तरा नीम राखी, अने
दूसरो उका पे रद्दो राखे। पण हरेक मनख
तमारा माय होसियार रे के उ उका पे
कसो रद्दो राखे हे। **११**क्योंके उनी नीम के
छोड़ी के जो म्हारा परचार से पड़ी हे -

---

[d] **२.१३** पण पवित्तर आतमा का जरिये सीखाड़्या होया; या पवित्तर आतमा का द्‌या होया सबद् से बोलां हे।

† **२.१६:** यसायाह ४०.१३ † **३.२:** इबराणिहुंण ५.१२–१३ † **३.४:** १ कुरिन्थिहुंण १.१२
† **३.६:** परेरितहुंण १८.४–११, २४–२८

अने उ ईसु मसीह हे - कईं को दूसरी
नीम नी लाखी सके।[e] १२अगर कईं को
मनख इनी नीम के सुन्नो, चांदी, मोंगा
फत्तर से बणाय, अने दूसरा लक्कड़ या
घांस-फुस से बणाय, १३तो हरेक मनख
का काम परगट हुई जायगा। उना न्याव
का दन उके बताड़ेगा, क्योंके उना दन
लाय का गेले परगट कर्‌यो जायगा, अने
वा लाय हरेक मनख का काम जांचेगा।
१४अगर कइंका मनख का काम उका
पे बण्यो होयो कायम रेगा, उ मजुरी
पायगा। १५पण अगर थारा काम बळी
जायगा तो तू नुकस्यान उठाड़ेगा, पण तू
खुदज बची जायगा, फेर बी मानो लाय
से बळते-बळते।

१६[†] कंई तम नी जाणो के तम परमेसर
का मन्दर हो अने परमेसर को आतमो
तमारा माय बिराजे? १७अगर कईं को
परमेसर का मन्दर के नास करेगा तो
परमेसर उके नास करेगा; क्योंके परमेसर
को मन्दर पवित्तर हे, अने उ मन्दर तम
हो।

१८कईं को अपणे खुद के धोको नी दे।
अगर तमारा माय कईं को अपणे खुद के
इना जुग माय अकलमंद समजी र्‌यो हे
तो तम मूरख बणो जेकासे के अकलमंद
बणी जाव। १९[†] क्योंके इना जगत को
ज्ञान परमेसर का सामे मूरखता हे, जसो
सासत्तर माय लिख्यो हे के, "उज हे जो
अकलमंदहुंण के उणकी चालाकी माय
उळजाड़ी लाखे हे," २०[†] अने यो बी,
"परभु ज्ञानिहुंण का तरक-बितरकहुंण के
समजे हे, के वी बेकार हे।" २१इकासरु
मनखहुंण का अगवाहुंण पे कईं को
गुमान नी करे, क्योंके परमेसर आड़ी
से सगळो कंई तमारो हे। २२चाये पोलुस
होय के अपुल्लोस या पतरस, चाये जगत
होय या जीवन या मोत, चाये आज की
बातहुंण होय या आवा वाळी काल की
बातहुंण - यो सगळो कंई तमारो हे,
२३अने तम मसीह का हो, अने मसीह
परमेसर को हे।

मसीह का परेरित जग सरु तमासा हे

४ मनख हमारे मसीह का सेवक अने
परमेसर का भेदहुंण भर्‌या सांचा
बचनहुंण का भण्डारी समजे। २इका से
बड़ी के, इना बारामें भण्डारी सरु जरुरी हे
के उ बिसास लायक रे। ३पण म्हारा सरु
या घणी नानी बात हे के तम, या कइंका
मनख की कचेरी माय, म्हारो न्याव करो।
सांची बात तो या हे के हूं खुद म्हारो
अपणो न्याव नी करी सकतो। ४म्हारो
मन म्हारे कंईकी बात माय कसुरवार नी
ठेराय, फेर बी इका से हूं बिना कसूर को
नी ठेरुं। पण म्हारो न्याव करवा वाळो
सिरप परभु हे। ५इकासरु ठीक बखत का
पेलां कसी बात को न्याव मती कर्‌या
करो, पण जदत्तक परभु नी आय तदत्तक
रुक्या रो, क्योंके उ उनी बातहुंण के
जो इन्दारा माय ढंकी हे उजाळा माय
लायगा अने मनखहुंण का हिरदा का

---

[e] **३.११** कईं को दूसरी नीम नी लाखी सके; पोलुस ने पेलांज कुरिन्थिहुंण के परचार कर्‌यो के मुक्ती सरु सिरप एकज नीम हे, याने ईसु मसीह पे बिसास करवा से। दूसरी नीम नी लाखी सके।

[†] **३.१६:** १ कुरिन्थिहुंण ६.१९; २ कुरिन्थिहुंण ६.१६ [†] **३.१९:** अय्यूब ५.१३

[†] **३.२०:** भजन संहिता ९४.११

भाव परगटेगा, तो हरेक मनख का काम
की वजासे बड़ई परमेसर आड़ी से रेगा।
६हे भई-बेनहुंण, म्हने इनी बातहुंण
को बखाण तमारा सरु मिसाल का मिसे
अपणा अने अपुल्लोस पे लागु कर्‌यो हे,
के तम हमार से या सीख लो के उनी
बातहुंण से जो लिखी गी हे उकासे अगड़े
मती बड़ो, जेकासे के तमारा माय से कईं
को इकाड़ी हुई के दूसरा को बिरोद करिके
गुमान नी करे। ७क्योंके कुंण थारे दूसरा
से भलो बणाय हे? अने थारा खुद का
कने असो कंई हे, जो थारे परमेसर से नी
मिळ्यो? फेर बी अगर उ थारे मिळ्यो हे
तो फेर गुमान कायसरु करे, जसेके थारे
मिळ्योज हयनी?
८तम तो पेलांसेज धापी ग्या! अने
तम तो पेलांसेज धणी हुई ग्या! तम
तो हमारा बिना राजा बणी चुक्या हो!
भलो होतो के तम सांची का राजा बणी
जाता जेकासे के हम बी तमारा गेले
राज करता! ९क्योंके म्हारे असो मालम
पड़े के परमेसर ने हम परेरितहुंण के
भीड़ का पाछे राख्या - उना मनखहुंण
सरीका, जिणका पे मोत की सजा को
हुकम हुई चुक्यो, क्योंके हम आखा
जगत अने सरगदूत अने मनखहुंण
सरु तमासो बणी चुक्या हे। १०हम
मसीह सरु मूरख, पण तम मसीह माय
अकलमंद हो! हम कमजोर हे, पण
तम बलवान हो! तम मान वाळा, पण
हमारो मानज हयनी! ११हम इनी घड़ी
तक भूका-तिरस्या अने चिथराहुंण माय
रां, हमारा गेले बुरो बरताव कर्‌यो जाय
हे अने हम मार्‌या-मार्‌या फरां हे। १२†
हम अपणा हात से कठण म्हेनत करां
हे। जदे हमारी बुरई करी जाय तो हम
आसीस दां हे। जदे हम सताड़्या जावां
तो सेन करां हे। १३जदे हम बदनाम
कर्‌या जावां तो मेळ करवा की कोसिस
करां। हम अबी तक मानो जगत को
कचरो अने सगळी चीजहुंण को दतकादो
बण्या होया हे।
१४हूं तमारे लाजे मारवा सरु नी पण
अपणा परमिला बाळक जाणता होया
ई बातहुंण लिखी के चेतावणी दउं।
१५हालाके मसीह माय तमारा दस हज्जार
सिक्छक हे, फेर बी तमारा नरा पिता
नी होय। क्योंके ईसु मसीह माय सुब-
समिचार परचार से सिरप हूं एखलो
तमारो पिता बण्यो। १६† तो हूं तमार से
बिणती करूं, के म्हारा नमुना पे चलो।
१७इनी वजासे म्हने तीमुथियुस के, जो
परभु माय म्हारो परमिलो अने बिसास
लायक बेटो हे, तमारा कने मोकल्यो
हे। उ तमारे मसीह माय म्हारा नवा
चाल-चळण के रियाद करायगा, जसेके
हूं हर जगा, हरेक मण्डळी के सीख
द्‌या करूं।
१८तमारा माय थोड़ाक लोग गुमान से
असा पोमई ग्या, जसेके तम बिचारो
के अबे हूं तमारा कने अउंवांज हयनी।
१९पण अगर परभु की मरजी हुई तो
हूं तमारा कने झट अउंवां, अने गुमान
करवा वाळाहुंण की बातहुंण को नी, पण
उणकी सामरत को पतो लगाड़ी लुंवां।
२०क्योंके परमेसर को राज बातहुंण माय

† **४.१२:** परेरितहुंण १८.३ † **४.१६:** १ कुरिन्थिहुंण ११.१; फिलिप्पिहुंण ३.१७

हयनी, पण सामरत माय हे।[f] २१तमारी
कंई मरजी हे? कंई हूं तमारा कने कामड़ी
लई के अठं, के परेम अने नरमता की
आतमा से अठं?

कुकरमी के बायरे हेड़ो

५ [†] यो सांचीज सुणवा माय आयो हे की
तमारा अदाड़ माय ब्योबिचार होय हे,
अने असो ब्योबिचार जो गेरयहूदिहुंण माय
बी नी होय, याने एक मनख अपणा बाप
की बइरा के राखे हे। २पण तम गुमान से
फुल्या नी समई र्‌या हो! अने इकासरु तम
दुःख्या नी होव? जेकासे के असा करम
करवा वाळो तमारा माय से हेड़्यो जाणो
चइये! ३जां तक म्हारो नातो हे, हालाके
हूं काया से तो नी, फेर बी आतमा का
जरिये हूं तमारा माय हाजिर रूं, अने असो
हाजिर रई के असा घिरणा का काम करवा
वाळा मनख का बिरोद माय यो फेसलो
दई चुक्यो हूं के ४जदे तम हमारा परभु
ईसु का नाम माय भेळा होव, अने आतमा
माय हूं बी तमारा गेले रूं, तो हमारा परभु
ईसु की सामरत से ५तम असा मनख के
काया का पापी सोभाव का नास सरु सेतान
के दई दो, के ऊकी आतमा परभु का दन
माय मुक्ती पाय।

६[†] तमारो गुमान करनों अच्छो हयनी।
कंई तम नी जाणो के थोड़ोक सो खमीर
आखा घुंद्‌या आंटा के खमीर करी लाखे
हे? ७[†] जूनो खमीर हेड़ी के अपणा खुद
के सुद्ध करो के असो नवो घुंद्‌या याने
बिना खमीर को आंटो बणी जाव। जसाके
तम सांची माय हो, क्योंके हमारो फसह
को मेमणो मसीह बी बलिदान होयो हे।
८[†] इकासरु नी तो हम जूनी बुरई अने
दुस्टता का खमीर से, पण बिना कपट
अने सच्चई का अखमीरा रोटा से फसह
मनावां।[g]

९म्हने अपणी इका से पेलां चिट्‌ठी-
पत्तरी माय तमारे लिख्यो हे ब्योबिचारी
लोगहुंण की संगत नी करनों। १०यानिके

पोलुस को लिखणो (१CO ५.९)

---

[f] **४.२०** परमेसर को राज बातहुंण माय हयनी, पण सामरत माय हे; अगर हम परमेसर के अपणो राजो मानता तो हम ऊकी परजा होता। हम परमेसर का बारामें सिरप बात नी करता हे, पण ऊकी सामरत से हमारा बिचार अने करमहुंण बदळ्या होता। [g] **५.८** फसह मनावां; फसह तेवार माय यहूदिहुंण घरहुंण से सगळो खमीर फेंकी लाखे। ठीक वसेज हमारा बिसास करवा से पेलां का करमहुंण के रोकणो हे। बल्के हमारा पवित्तर जीवनहुंण माय बुरो करम नी होणो चइये।

[†] **५.१:** नेम-बिधान २२.३० [†] **५.६:** गलातिहुंण ५.९ [†] **५.७:** निरगमन १२.५

[†] **५.८:** निरगमन १३.७; नेम-बिधान १६.३

तम इना जगत का ब्योबिचारिहुंण
लोभिहुंण लुटेराहुंण या मूरत पुजवा
वाळाहुंण से संगतज मती राखजो, जदे
तो तमारे जगत से हिटीज जाणो पड़ेगा।
११पण म्हने सांची माय यो लिख्यो हे के
अगर कईं को मनख बिसासी भई केवई
के ब्योबिचारी, लोभी, मूरत पुजवा वाळो,
गाळ बकवा वाळो, दारुड्यो, या लुट-पाट
करवा वाळो होय तो असा की संगत
मती करजो, बरण असा का गेले जिमजो
बी मती।

१२-१३† क्योंके म्हारे बायरे वाळाहुंण
को न्याव करवा से कंई काम? बायरे
वाळा को न्याव तो परमेसर करे हे। पण
तमारे उणको न्याव करनों जो मण्डळी
माय हे। क्योंके सासत्तर माय लिख्यो हे,
"असा कुकरमी के अपणा माय से हेड़ी
लाखजो।"

माय-माय का झगड़ा को फेसलो

६ जदे तमारा माय-माय झगड़ो होय
तो कंई तमारा माय से असो कईं
को हे जो पवित्तर लोगहुंण कने जावा
का बदळे कचेरी माय अधरमिहुंण से
न्याव करवाणे की हिम्मत राखे? २कंई
तम नी जाणो के पवित्तर लोग जगत
को न्याव करेगा? अने अगर तमार
से जगत को न्याव कर्‌यो जायगा तो
कंई तम इना नाना-नाना झगड़ाहुंण
को फेसलो करवा का लायक हयनी?
३कंई तम नी जाणो के हम सरगदूतहुंण
को बी न्याव करांगां? तो कंई हम
इना जगत की बातहुंण को न्याव
करवा का लायक हयनी? ४फेर जदे
तमारा अदाड़ माय जगत की बातहुंण
सरु कचेरी हे, तो कंई तम असा
मनखहुंण के न्यावी राखोगा जिणको
मण्डळी माय कंई असर हयनी? ५हूं
तमारे लाजे मारवा सरु यो कई र्‌यो
हूं। कंई यो सांची हे के तमारा अदाड़
माय एक बी अकलमंद हयनी जो
अपणा भई-बेनहुंण का माय-माय का
झगड़ा सुलजाड़ी सके? ६कंई भई अपणा
भई पे मुकदमो चलाड़े अने उ बी
अबिसासिहुंण का सामे?

७जदे तो तमारी पेली हार याज हे
के तमारा आपसी माय मुकदमा चले
हे। इकी बजाय तम माय-माय अन्याव
कायसरु नी सई लो? या लुटी क्यो नी
जाव? ८इका एवज माय तम खुदज
अन्याव अने छळ करो हो, अने उ बी
अपणा भई-बेनहुंण का गेले! ९कंई तम
नी जाणो के बुरा लोगहुंण परमेसर
का राज का वारिस नी रेगा? धोको
मती खाव: नी ब्योबिचारी, नी मूरत
पुजणो, नी परई बइरा से नातो, नी
रळ्योपणो, नी आदमी का गेले बुरो
नातो, १०नी चोरीपणो, नी लोभपणो,
नी दारुड्या, नी गाळहुंण बकवा वाळा,
अने नी लुट-पाट करवा वाळा परमेसर
का राज का वारिस रेगा? ११अने तमारा
माय से थोड़ाक असाज था। पण अबे
तम परभु ईसु मसीह का नाम माय
अने हमारा परमेसर का आतमा से
धोया, पवित्तर कर्‌या अने निरदोस
बणाया ग्या हो।

---

† **५.१३:** नेम-बिधान १३.५, १७.७

काया परभु की म्हेमा सरु

१२[†] तमारा माय कंई-कइंका के हे,
"म्हारे कइंबी करवा को हक हे।" पण
कइंकी चीजहुंण म्हारे दुःख दे हे। "म्हारे
कइंबी करवा को हक हे।" पण हूं कइंकी
चीज को गुलाम हयनी। **१३**तम यो बी
को हो, "भोजन पेट सरु अने पेट भोजन
सरु।" हां, पण परमेसर इना दोई को अंत
करी लाखेगा। फेर बी काया ब्योबिचार
सरु हयनी पण परभु सरु हे, अने परभु
हमारी काया की रक्सा सरु हे। **१४**अने
परमेसर ने नी सिरप परभु ईसु केज
जिवाड़्यो, पण उ हमारी काया के बी
वसोज अपणी सामरत से जिवाड़ेगा।

१५कंई तम नी जाणो के तमारी काया
मसीह का अंग हे? तो कंई हूं मसीह का
अंगहुंण लई के बेस्याहुंण को अंग बणई
लाखुं? कदी नी! **१६**[†] कंई तम यो जाणो
हयनी के जो बेस्या से नातो राखे उ
उका गेले एक काया हुई जाय हे? क्योंके
सासत्तर माय लिख्यो हे, "वी दोई एकज
काया रेगा।" **१७**पण उ जो परभु से नातो
राखे उका गेले एक आतमा हुई जाय हे।

१८ब्योबिचार से दूरा रो। दूसरा सगळा
पाप जो मनख करे काया का बायरे रे,
पण ब्योबिचारी तो अपणीज काया का
बिरोद पाप करिके दुःख दे हे। **१९**[†] कंई
तम नी जाणो के तमारा माय से हरेक
की काया पवित्तर आतमा को मन्दर
हे, जो तमारा माय हे अने जेके तमने
परमेसर से पायो हे? याने तम अपणा
नी परमेसर का हो! **२०**क्योंके उने तमारे
दाम दई के मोल ल्या हे। इकासरु अपणी
काया से परमेसर की म्हेमा करो।

ब्याव का बारामें

७ अबे उनी सगळी बातहुंण का बारामें
जो तमने लिखी के पुछ्यो:[h]
"भलो तो यो, के आदमी, कइंकीज बइरा
से ब्याव नी करे?" **२**पण ब्योबिचार से
बचवा सरु हरेक आदमी की अपणी घराळी
हो अने हरेक बइरा को अपणो घराळो
होय। **३**घराळो अपणी बइरा सरु अने बइरा
अपणा घराळा सरु फरज निभाड़े अने
दोई एक दूसरा की जरुवत के पूरण करे।
४घराळी के अपणी काया पे हक हयनी,
पण उका घराळा को हे; असतरा घराळा
के अपणी काया पे हक हयनी, पण उकी
घराळी को हे। **५**एक-दूसरा के इना हक
से इकाड़ी मती राखो, पण सिरप आपसी
रजामंदी से थोड़ाक बखत तक इकाड़ी रो,
के पराथना करवा को मोको मिळे, अने
फेर एक गेले हुई जाव कंई असो नी होय
के तमारा उतावळापणा की वजासे सेतान
तमारे परखे।

---

[h] **७.१** तमने लिखी के पुछ्यो; इनी चिट्ठी की बाकी बातहुंण माय पोलुस उणका सवाल का जुवाबहुंण के लिखी र्‌यो। उणका सवालहुंण को हमारे खास ज्ञान हयनी, पण कुरिन्थियुस की मण्डळी माय पोलुस ब्याव अने कुंवारापणा का बारामें सला दे हे पण उ यो बी के हे के ब्याव से पेलां ब्योबिचार नी होणो चइये अगर ब्याव नी करे तो ठीक हे अने करी ले तो हजु बी अच्छो हे। क्योंके यो परमेसर आड़ी से उना मनख सरु बरदान हे (७.१-४०)।

[†] **६.१२:** १ कुरिन्थिहुंण १०.२३ [†] **६.१६:** उत्पत्ती २.२४

[†] **६.१९:** १ कुरिन्थिहुंण ३.१६; २ कुरिन्थिहुंण ६.१६

६पण हूं इजाजत का रुप माय यो कूं
के थोड़ाक बखत तक इकाड़ी रो, हुकम
का रुप माय नी कूं। ७फेर बी हूं चउं के
सगळा मनख असाज रे जसो हूं खुद रूं।
पण हरेक के परमेसर आड़ी से खास
बरदान मिळ्या हे, कइंका के एक तरा
का तो कइंका के दूसरा तरा का।

८पण हूं कुंवाराहुंण अने रांडिहुंण से
कूं के उणका सरु असोज रेणो भलो हे,
जसो के हूं हे। ९पण अगर वी काबु नी
करी सके तो ब्याव करी ले, क्योंके ब्याव
करनों कामुक रेवा से भलो हे।

१०[†] पण परन्याहुंण के हूं नी, बरण
परभु ईसु हुकम दे हे, के घराळी अपणा
घराळा के नी छोड़े। ११पण अगर वा
छोड़ी बी लाखी जाय तो ब्याव नी करे
या पाछो अपणा घराळा से मेळ करी
ले। अने घराळो बी अपणी घराळी के
नी छोड़े।

१२बाकी मनखहुंण से, परभु नी, बरण
हूं कूं के अगर कइंका बिसासी भई की
घराळी बिसासी हयनी अने वा उका गेले
रेवा सरु राजी रे तो उ उके नी छोड़े।
१३अगर कइंकी बिसासी बइरा को घराळो
अबिसासी रे अने उ उका गेले रेवा सरु
राजी रे, तो वा अबिसासी घराळा के नी
छोड़े। १४क्योंके अबिसासी घराळो अपणी
बिसासी घराळी की वजासे पवित्तर ठेर्‌यो
अने अबिसासी घराळी अपणा बिसासी
घराळा की वजासे पवित्तर ठेरी, नी तो
तमारा बाळ-बच्चा असुद्द रेता, पण अबे
तो वी पवित्तर हे। १५अगर अबिसासी
इकाड़ी रे तो उके छोड़ी दो। असी हालत
माय कईं को भई या बेन बन्दण माय
हयनी। पण परमेसर ने हमारे मेळ-
मिळाप की सेवा सरु तेड़्या हे। १६क्योंके,
हे घराळी, हुई सके के तू अपणा घराळा
को उध्दार करइले।[i] या हे घराळा, हुई
सके के तू अपणी घराळी को उध्दार
करइले।[j]

जसा हो वसाज जीयो

१७परभु ने जसो जेके द्‌यो अने
परमेसर ने जसो जेके तेड़्यो, उ वसोज
चल्यो-चले। हूं सगळी मण्डळिहुंण के
योज हुकम दउं। १८मिसाल माय कूं
के, कंई-कइंको खतणा की हालत माय
तेड़्यो हे? उ बिना खतणा को नी बणे।
कंई-कइंको बिना खतणा की हालत माय
तेड़्यो हे? उ खतणो नी कराय। १९नी
तो खतणो कंई हे अने नी बिना खतणा
के रेणो, पण परमेसर का हुकमहुंण को
पाळण करणोज खास बात हे। २०जेना
जणा के जेनी हालत माय तेड़्यो उ
उनीज हालत माय रे। २१दूसरी मिसाल
माय कूं के, कंई तू गुलामी माय तेड़्यो?
उकी चिंता मती कर - पण अगर
तू आजाद हुई सके तो असोज कर।
२२क्योंके जेके दास की दसा माय परभु
ने तेड़्यो उ परभु को आजाद कर्‌यो
होयो जणो हे। असतरा जेके आजादी की
दसा माय तेड़्यो उ मसीह को दास हे।

---

[i] **७.१६** हुई सके के तू अपणा घराळा को उध्दार करइले; या हुई सके के तू अपणा घराळा को उध्दार नी करइले। [j] **७.१६** हुई सके के तू अपणी घराळी को उध्दार करइले; या हुई सके के तू अपणी घराळी को उध्दार नी करइले।

[†] **७.१०–११:** मत्ती ५.३२, १९.९; मरकुस १०.११–१२; लूका १६.१८

२३तमारे परमेसर ने दाम दई के मोल
लई ल्या, तो तम मनखहुंण का गुलाम
मती बणो। २४हे भई-बेनहुंण, हरेक मनख
जेनी हालत माय तेड़्या, वी उका मायज
परमेसर का गेले रे।

बिना परन्या अने रांडिहुंण

२५अबे कुंवारीहुंण का बारामें परभु ईसु
आड़ी से म्हारे कंई हुकम नी मिळ्यो।
पण परभु की दया से हूं अपणी सला
दउं, जेका पे तम बिसास करी सकता हो।
२६म्हारा बिचार से इना बखत की
काठी घड़ी माय मनख सरु योज भलो हे
के उ जेनी दसा माय हे उका मायज रे।
२७अगर थारा कने घराळी हे तो उकासे
छुटवा की कोसिस मती करजे। अगर
थारा कने घराळी हयनी तो तू उके ढुंडे
बी मती। २८पण अगर तू ब्याव करे तो
पाप नी करे। अने जेनी कुंवारी का बारामें
तमने लिख्यो के उनी कुंवारी के परनई
जाय, तो पाप नी करे। फेर बी असो के
इना जग का जीवन माय दुःख होयगा,
अने हूं तमारे बचाणो चउं हे।
२९पण, हे भई-बेनहुंण, हूं कूं के बखत
थोड़ोक कम कर्‌यो हे, इकासरु अबे से
जिणकी घराळी होय वी असा रे मानो
के उणकी घराळी हेज हयनी। ३०अने
रोवा वाळा मानो रोयज नी, अने खुसी
मनाड़्वा वाळा असा रे मानो खुसीज नी
मनाय। फेर बी जो मोल ले वी असा होय
मानो उणका कने कंई हेज हयनी। ३१अने
जगत को भोग करवा वाळा असा रे मानो
वी उके भोगेज नी, क्योंके इना जगत की
रीति अने बरताव बदळतो जाय हे।
३२हूं यो चउं के तम बिना चिंता का
रो। निपरन्यो मनख परभु की बातहुंण
को चिन्तण करे हे, के उ परभु के कसे
खुस राखे, ३३पण परन्यो मनख जगत
की बातहुंण की चिंता करे के अपणी
बइरा के कसे खुस राखे, ३४तो उ दो
चित्यो हे। असतरा निपरनी बइरा या
जो कुंवारी हे वा परभु की बातहुंण का
चिन्तण माय लागी रे, के वा काया अने
आतमा दोई माय पवित्तर रे; पण जो
परनी रे उके जगत की बातहुंण की जादा
चिंता रे, के वा अपणा घराळा के कसे
खुस राखे।
३५हूं ई बातहुंण तमाराज फायदा
सरु कूं - तमारे रोकवा सरु नी,[k] बरण
इकासरु जेकासे तमारी सोबा रे वइज
कर्‌यो जाय अने तमारा हिरदा परभु की
सेवा माय बिना रुक्या लाग्या रे।
३६अबे जेकासे सगई करी अने ब्याव
होणे वाळो हे पण परन्या हयनी, अगर
कईं को मनख समजे के उ उनी कुंवारी
छोरी का साते जेको कुंवारो पणो जइर्‌यो
हे भलो बरताव नी करे अने उ बी म्हेसुस
करे के उको ब्याव हुई जाणो चइये तो
जसो उ चाय वसोज करे। वी परनई द्‌या
जाय, इका माय कंई पाप हयनी। ३७पण
जो कसीज तरा का दबेल माय नी अई
के अपणा हिरदा माय पक्को रे जेके
अपणी मरजी से काम करवा को हक हे
अने उने अपणा हिरदा माय उनी कुंवारी

---

[k] **७.३५** तमारे रोकवा सरु नी; पण तम ब्याव करवा अने नी करवा सरु आजाद हो पोलुस के हे हूं तमारी आजादी माय रोड़ो नी अटकई र्‌यो हूं।

कन्या के बिना ब्याव के राखवा को इरादो करी ल्यो, उ भलो करे हे। ३८तो जो उनी कुंवारी कन्या को ब्याव करई दे उ भलो करे, पण जो ब्याव नी कराय उ हजु बी भलो करे।

३९अबे रांडिहुंण का बारामें, जदत्तक कइंकी बइरा को घराळो जीवतो रे तदत्तक वा उकासे बन्दी रे हे, पण अगर उको घराळो मरी चुक्यो तो, वा आजाद हे, के जेकासे चाये ब्याव करी ले, पण सिरप परभु माय (बिसासी मनख)। ४०पण म्हारा बिचार से जसी वा हे अगर वसीज रे तो हजु बी धन्य हे, अने हूं समजुं के म्हारा माय बी परमेसर को आतमो रे हे।

मुरतहुंण पे चड़ाया ग्या चड़ावा

८ अबे मुरतहुंण सरु बली करी हुई जिमवा की चीजहुंण का बारामें हम यो जाणा हे के "हम सगळा ज्ञानी हे।" ज्ञान मनखहुंण के घमण्डी बणाय पण परेम से मनख की तरक्की होय। २अगर कईं को घमण्ड से समजे के "हूं कंई जाणूं हे", तो जसो जाणणो चइये उने वसो अबी तक नी जाण्यो। ३पण अगर कईं को परमेसर से परेम राखे तो परमेसर उके जाणे हे।

४तो मुरतहुंण का सामे बली करी चीजहुंण का खावा का बारामें: हम जाणा हे के "मुरतहुंण को कंई सार हयनी" अने "एक का अलावा कईं को दूसरो परमेसर हयनी।" ५हालाके असमान अने धरती पे कथाहुंण माय घढ़्या नरा देवता हे, जसा के नरा देवता अने परभु हे बी, ६फेर बी हमारा सरु तो एकज परमेसर हे, याने पिता, जेका आड़ी से सगळो कंई हे अने जेका सरु हम बी जिन्दा हे। अने एकज परभु हे, याने ईसु मसीह, जेका जरिये सगळी चीजहुंण नगे माय हे।

७पण सगळा मनखहुंण के यो ज्ञान हयनी। थोड़ाक लोग मूरत की संगत माय नरा दन तक रेवा की वजासे बली की चीज खाय जसे सांची मूरत का सामे बली करी होय, अने उणकी समज कमजोर होवा की वजासे असुद्द हुई जाय हे। ८पण तम को हो के, "भोजन हमारे परमेसर का कने नी पोंचाय" अने "अगर हम नी खावां तो हमारो कंई घटे हयनी; अने अगर खावां तो हमारी कंई बड़ती नी होय।"

९होसियार रो, कंई असो नी होय के तमारा ई आजाद बिचार के, 'कईं बी खावां-पिवां,' तो यो बिचार कमजोर भई-बेनहुंण सरु ठेस की वजा बणी जाय। १०अगर कईं को कमजोर मनख थारा जसा ज्ञानी के मूरत का मन्दर माय खातो देखे, तो इका से उकी समज असी नी भटकी जाय के मूरत का सामे की बली, खावा की हिम्मत हुई जायगा। ११तो थारा ज्ञान से उ जो कमजोर हे नास हुई जायगा - याने उ भई जेका सरु मसीह मर्‌यो! १२असतरा भई-बेनहुंण का बिरोद माय पाप करवा अने उणकी कमजोर समज के नुकस्यान पोंचाड़वा की वजासे, तम मसीह का बिरोद माय पाप करी र्‌या हो। १३इकासरु अगर भोजन म्हारा भई के ठेस पोंचाड़े तो हूं कदी गोस नी खउंवां, जेकासे हूं अपणा भई सरु पाप करवा की वजा नी बणूं।

परेरित का हक

९ कंई हूं आजाद हयनी? कंई हूं बी परेरित हयनी? कंई म्हने ईसु हमारा

परभु के नी देख्यो? कंई तम परभु
माय म्हारी म्हेनत का फळ हयनी?
२चाये हूं दूसरा सरु परेरित हयनी कम
से कम तमारा सरु तो हूं, क्योंके तम
कुरिन्थिहुंण तो परभु माय म्हारा परेरितई
को नतीजो हो।

३तम जो म्हारे परखी र्‌या हो तमारा
सरु म्हारो यो जुवाब हे: ४कंई हमारे
खावां-पिवां को बी हक हयनी? ५कंई
हमारे यो बी हक हयनी के एक बिसासी
बइरा से ब्याव करी लां अने अपणा गेले
ल्या फरां जसा के बाकी परेरितहुंण, परभु
का भई-बेनहुंण अने पतरस कर्‌या करे
हे? ६कंई सिरप म्हारे अने बरनाबास
केज यो हक हयनी के अपणी जीविका
सरु कमाणो छोड़ां? हमारे हक हे! ७असो
कुंण हे जो अपणाज खरचा पे सेना माय
सेवा करे? कुंण हे जो अंगूर को बगीचो
लगाड़िके उको फळ नी खाय? या असो
कुंण हे जो गाडरहुंण की चोकसी करिके
उणको दूद नी प्ये?

८कंई हूं ई बातहुंण मनख सरीको कई
र्‌यो? कंई परमेसर का नेम-बिधान बी
योज नी के? ९† क्योंके मूसा का नेम-
बिधान माय लिख्यो हे, "दांवणी माय
चलवा वाळा बेलहुंण का मुन्डा मुच्छाहुंण
से मती बान्दजे।" कंई परमेसर सिरप
बेल कीज फिकर करे? १०या यो हुकम
हमारा सरु नी के हे? हमारा सरुज यो
लिख्यो हे, क्योंके यो सई हे के हळ
चलावा वाळो आस से खेत जोते, अने
दावणी वाळो फसल पावा की आस माय
दावणी करे। ११† जदके हमने तमारा माय
आतमिक बातहुंण बोई तो कंई या मोटी
बात हे की हम भोतिक चीजहुंण की
फसल तमार से लां? १२अगर तमार पे
दूसरा लोग हक जताड़े तो कंई हमारो
तमार पे हजु जादा हक हयनी? हां हे!

फेर बी हमने इना हक के काम माय
नी ल्यो, पण हम सगळो कंई सहां हे,
के हमार से मसीह का सुब-समिचार
माय रुकावट नी होय। १३† कंई तम नी
जाणो के जो मनख मन्दर माय सेवा करे
वी मन्दर माय से खाय, अने जो रोज
बेदी की सेवा करे उणकी बेदी पे चड़ावा
का गेले हिस्सो रे? १४† असी रीति से
परभु ईसु ने हुकम द्‌यो हे, के वी जो
सुब-समिचार परचार करे उणको जीवन
सुब-समिचार से चले।

१५पण म्हने इणका माय से कईं
को बी फायदो नी ल्यो। हूं ई बातहुंण
इकासरु नी लिखी र्‌यो हूं के यो सगळो
म्हारा सरु कर्‌यो जाय। क्योंके म्हारा
सरु इका बजाय मरी जाणो जादा भलो
हे के कईं को म्हारा घमण्ड के बेकार के।
१६क्योंके हूं अगर सुब-समिचार परचार
करूं तो या म्हारा सरु घमण्ड की बात
हयनी, क्योंके परभु ईसु ने म्हारे हुकम
द्‌यो, इकासरु तो हूं मजबुर हूं। तो अगर
हूं सुब-समिचार परचार नी करूं तो म्हार
पे धिक्कार हे! १७क्योंके अगर हूं यो
म्हारी मरजी से करूं तो हूं इका लायक
हूं के म्हारे इको फळ मिळेगा, पण अगर
म्हारी मरजी से नी करूं फेर बी सुब-

---

† **९.९:** नेम-बिधान २५.४; १ तीमुथियुस ५.१८ † **९.११:** रोमिहुंण १५.२७
† **९.१३:** नेम-बिधान १८.१ † **९.१४:** मत्ती १०.१०; लूका १०.७

समिचार परचार करनों तो म्हारे द्यो
हे। १८तो म्हारो फळ कंई? यो के जदे हूं
सुब-समिचार परचार करूं तो उके मुफत
करूं, अने सुब-समिचार माय जो म्हारो
हक हे उके पूरण तरा से काम माय नी
लूं।

१९हालाके हूं सगळा मनखहुंण से
आजाद हूं फेर बी म्हने अपणे खुद के
सगळा को गुलाम बणई ल्यो हे, के हजु
बी जादा लोगहुंण के ईसु मसीह माय
लई सकूं। २०यहूदिहुंण सरु हूं यहूदी
जसो बण्यो, के यहूदिहुंण के लई सकूं।
जो यहूदी नेम-बिधान का बस माय हे,
उणका सरु हूं खुद नेम-बिधान का बस
माय नी होवा पे बी नेम-बिधान का
बस माय र्यो, के जो नेम-बिधान का
बस माय हे उणके बी ईसु मसीह माय
लइ-यउं। २१असतरा जो गेर यहूदी बिना
नेम-बिधान का हे उणका सरु हूं - जो
परमेसर का नेम-बिधान से रीतो हयनी
पण मसीह का नेम-बिधान का बस माय
हूं - बिना यहूदी नेम-बिधान सरीको
बणी ग्यो के जो बिना नेम-बिधान का
हे उणके ईसु मसीह माय लइ-यउं।
२२हूं कमजोरहुंण सरु कमजोर बण्यो[1] के
कमजोरहुंण के ईसु मसीह माय लइ-यउं।
हूं हर कइंका मनखहुंण सरु हर कईं
को मनख बण्यो, के कइंकाज तरीका से
थोड़ाक की मुक्ती करई सकूं।

२३हूं सगळो कंई सुब-समिचार सरु
करूं के हूं उको हिस्सो बणी जउं। २४कंई
तम नी जाणो के दोड़वा माय दोड़े तो
सगळाज, पण इनाम सिरप एकज के
मिळे? तम बी असतरा दोड़ो के जीती
सको। २५खेल मुकाबला माय हिस्सो लेवा
वाळा हरेक खिलाड़ी के सगळी तरा की
साधना खुद के साधवा सरु करनी पड़े
हे। पण वी तो नास होवा वाळा इनाम
के पावा सरु यो सगळो कंई करे हे, पण
हम नास नी होवा वाळा इनाम सरु करां
हे। २६इकासरु हूं बिना ठिकाणे नी दोड़ुं,
नी बायरा माय मुक्का चलउं। २७पण हूं
अपणी काया के दुःख दई के बस माय
राखुं, कंई असो नी होय के हूं दूसरा के
परचार करिके खुद नास हुई जउं।

इसराइल का इतयास से चेतावणी :- मूरत पुजा सरु

१० † हे भई-बेनहुंण, हूं नी चउं के
तम इनी बात से अण्जाण्या रो
के हमारा सगळा पुरखा बादळा की अने
मूसा की अगवई माय चल्या अने सगळा
को सगळा समन्दर का माय से पार
होया। २उना बादळा अने समन्दर माय
मूसा का पाछे चलवा वाळाहुंण ने मूसा
को बपतिसमो ल्यो, ३† सगळा ने एकज
आतमिक भोजन कर्यो, ४† सगळा ने
एकज आतमिक पाणी प्यो, क्योंके वी
उनी आतमिक चट्टाण से पीता था,
जो उणका गेले-गेल चलती थी; अने वा
चट्टाण खुद ईसु मसीह थो। ५† पण फेर
बी उणका माय नरा से परमेसर खुस नी

---

[1] **९.२२** हूं ... कमजोर बण्यो; पोलुस ने अपणा हात से काम कर्यो, धणी नी थो, अने उकी हाजरी इतरी खास नी थी जितरा की उकी गेरहाजरी माय चिट्ठी-पत्तरी के बांचणो (२ कुरिन्थिहुंण १०.१०)।

† **१०.१:** निरगमन १३.२१–२२, १४.२२–२९ † **१०.३:** निरगमन १६.३५

† **१०.४:** निरगमन १७.६; गिणती २०.११ † **१०.५:** गिणती १४.२९–३०

र्‌यो अने वी मांळ माय मरी के खतम
हुई ग्या।
६† ई बातहुंण हमारा सरु मिसाल बणी,
के हम बी बुरी बातहुंण की मन्सा नी
करां, जसा के उणने करी थी। ७† अने
मूरत पुजवा वाळा मती बणो जसा के
उणका माय से नरा था, जसो लिख्यो
हे, "लोग खावां-पिवां सरु बेठ्‌या अने
खेलवा कूदवा सरु उठ्‌या।" ८† अने नी
हम ब्योबिचार करां, जसा के उणका माय
से नरा ने कर्‌या - अने एक दन माय
तेवीस हज्जार मरी ग्या। ९† अने नी हम
परभु ईसु के अजमावा, जसा के उणका
माय से नरा ने कर्‌यो - अने सरपहुंण से
नास होया। १०† नी तम बड़बड़ाव, जसा
के उणका माय से नरा ने कर्‌या - अने
नास करवा वाळा से नास कर्‌या ग्या।
११ई बातहुंण उणका पे मिसाल सरीकी
हुई, अने ई हमारे चेतावणी सरु लिखी
जिणका पे इना जुग को अंत अई
पोंच्यो।
१२तो जो यो समजे हे के हूं ठावो
हूं, उ होसियार रे के कंई हिटी नी
पड़े। १३पण तम असी अजमाइस माय
नी पड़्या जो मनख का सेन करवा
का बायरे हे। परमेसर तो सांचो अने
बिसासलायक हे जो तमारे सामरत से
बायरे अजमाइस माय पड़वाज नी देगा,
पण अगर अजमाइस अई तो उका गेले-
गेल बचवा को उपाव बी करेगा के तम
उके सेन करी सको।
१४तो हे म्हारा परमिलाहुंण, मूरत पुजा
से दूरा रो। १५हूं तमारे अकलमंद जाणी
के कूं: जो कंई हूं तमारे कूं उके जांचो।
१६† परभु-भोज का बखत धन्यबाद का
उना कटोरा को जेका सरु हम धन्यबाद
दां हे, कंई उ मसीह का लोई माय
हिस्सो हयनी? उ रोटो जेके हम तोड़ां,
कंई उ मसीह की काया माय हिस्सो
हयनी? १७जदके रोटो एकज हे, तो हम
बी जो नरा हे, एक काया हे, क्योंके
हम सगळा उणाज एक रोटा माय हिस्सा
होवां हे।
१८† जो काया का मुजब इसराइलहुंण
हे उणका आड़ी ध्यान लगाड़ो। कंई
बलिदानहुंण के खावा वाळा बेदी का
हिस्सादार हयनी। १९म्हारा केवा को
अरथ कंई हे? कंई मुरतहुंण का अगड़े
बली चड़ई हुई चीज कंई हे? अने के
मूरत कंई हे? २०† नी! पण हूं कूं के
इसराइलहुंण परमेसर सरु चड़ावो चड़ाय
हे पण गेर यहूदी जेनी चीजहुंण के बली
चड़ाय, उणके परमेसर सरु नी पण बुरी
आतमाहुंण सरु चड़ाय हे। हूं नी चउं के
तम बुरी आतमाहुंण का हिस्सादार बणो।
२१तम परभु ईसु का कटोरा अने बुरी
आतमाहुंण का कटोरा दोई माय से नी
पी सकता। तम परभु की मेंज अने बुरी
आतमाहुंण की मेंज दोई का हिस्सादार
नी हुई सकता। २२† कंई हम परभु को
करोध भड़कावां हे? कंई हम उकासे जादा
ताकत वाळा हे?

---

† **१०.६:** गिणती ११.४ † **१०.७:** निरगमन ३२.६ † **१०.८:** गिणती २५.१–१८
† **१०.९:** गिणती २१.५–६ † **१०.१०:** गिणती १६.४१–४९
† **१०.१६:** मत्ती २६.२६–२८; मरकुस १४.२२–२४; लूका २२.१९–२० † **१०.१८:** लेव्यव्यवस्था ७.६
† **१०.२०:** नेम-बिधान ३२.१७ † **१०.२२:** नेम-बिधान ३२.२१

२३† तम ने लिख्यो के "सगळा काम
नेम का तो हे," पण सगळा काम नफा
लायक हयनी। "सगळा काम नेम का
तो हे," पण सगळा काम से तरक्की
नी होय। **२४**कईं को अपणाज नफा की
फिकर नी करे, पण दूसरा का नफा की
बी फिकर करे।

२५जो गोस हाट-बजार माय बिके, उके
सान्ती से खाव अने समज की वजासे
सवाल मती करो, **२६**† क्योंके "धरती
अने जो कंई उका माय हे, सगळो परभु
परमेसर कोज हे।"

२७अगर कईं को अबिसासी तमारे
नोते, अने तम जाणो चावो, तो समज
की वजासे बिना सवाल कर्‌या उ सगळो
खाव जो तमारा सामे परोस्यो जाय।
२८(पण अगर कईं को तमार से के, "यो
मूरत के चड़ायो होयो परसाद हे," तो
तम उना बताड़्वा वाळा की वजासे अने
न्याव करवा की समज की वजासे मती
खावजो। **२९**म्हारो अरथ तमारी समज से
नी, पण उना दूसरा मनख की समज
से हे।)

क्योंके कंई बी खावा सरु म्हारी आजादी
दूसरा की बुध्दि से कायसरु जांची जाय?
३०अगर हूं परमेसर के धन्यबाद दई के
खउं तो जेका सरु हूं धन्यबाद दउं उका
बारामें म्हारी बुरई कायसरु करी जाये?

३१तो जो तम खावो, प्यो या कइंबी
करो, सगळो कंई परमेसर की म्हेमा
सरु करो। **३२**तम नी यहूदिहुंण, नी
यूनानिहुंण, अने नी परमेसर की मण्डळी
अने नी कइंका सरु ठेस की वजा बणो।
३३जसतरा हूं बी सगळी बातहुंण माय
सगळा मनखहुंण के खुस राखुं अने
अपणाज फायदा की नी, पण नरा का
फायदा की फिकर करूं के वी उध्दार
पाय, वसाज तम बी करो।

११ † जसो हूं मसीह का पाछे चलुं,
वसाज तम बी म्हारा पछड़े चलो।

अराधना माय माथो ढांकणो

२हूं तमारी बड़ई करूं, क्योंके तम
सगळी बातहुंण माय म्हारे रियाद
करो हे, अने उनी सीखहुंण को पाळण
मजबूती से बिलकुल वसेज करो जसी
म्हने तमारे सीखाड़ी थी। **३**पण हूं
चउं के तम यो जाणी लो के हरेक
आदमी को माथो मसीह हे, अने बइरा
को माथो आदमी हे, अने मसीह को
माथो परमेसर हे।[m] **४**जो आदमी माथो
ढांक्यो होयो पराथना या भविसबाणी
करे, अपणा माथा से मसीह को मान
नी राखे। **५**पण जो बइरा उगाड़्या
माथे पराथना या भविसबाणी करे,
आदमी जो उको माथो हे को मान
पाड़े हे; क्योंके वा असी बइरा सरीकी
हे जेको माथो सपाचट हुई ग्यो हे।
६अगर बइरा अपणो माथो उगाड़ो राखे
तो वा अपणा बाल बी कटाड़ी लाखे।

---

[m] **११.३** आदमी को माथो मसीह ... मसीह को माथो परमेसर हे; आदमी बइरा को माथो इकासरु के परमेसर ने बइरा के आदमी की पांसळी हेड़ी के बणायो थो (उत्पत्ती २.२१-२३) अने परमेसर ईसु मसीह को माथो क्योंके ईसु मसीह परमेसर का मुन्डा से हिट्यो बचन हे। (योहन ३.१७; लूका १.३५)।

† **१०.२३:** १ कुरिन्थिहुंण ६.१२ † **१०.२६:** भजन संहिता २४.१

† **११.१:** १ कुरिन्थिहुंण ४.१६; फिलिप्पिहुंण ३.१७

पण अगर बइरा सरु बाल कटाड़णो
या माथो सपाचट करवाणो सरम की
बात होय तो वा अपणो माथो ढांके।
७† क्योंके आदमी सरु अपणो माथो
ढांकणो सई हयनी, क्योंके उ परमेसर
का रुप को अने म्हेमा हे; पण बइरा
तो आदमी की म्हेमा हे। ८† क्योंके
सुरु माय आदमी, बइरा से नी पण
बइरा आदमी से बणी हे। ९अने सांची
माय आदमी, बइरा सरु हयनी; पण
बइरा तो आदमी सरु बणई गी हे।†
१०बइराहुंण सरु सई बिचार हे, के
परमेसर का हक से माथा के ढांकवा
की इनी निसाणी के अपणा माथा पे
धरे, अने सरगदूतहुंण की वजासे बी
वसो करनों चइये, ११फेर बी परभु माय
नी तो बइरा बिना आदमी के, अने नी
आदमी बिना बइरा के हे। १२जसतरा
सुरु माय बइरा तो आदमी से बणी हे,
असतरा आदमी को जनम बी बइरा
से होयो हे, अने सगळो कंई परमेसर
से बण्यो हे।

१३तम खुद फेसलो करो! बइरा के
उगाड़ा माथे पराथना करनों कंई सई
हे? १४कंई जुग को चळण खुद नी
सीखाड़े के अगर आदमी लम्बा बाल
राखे तो उका सरु लजावा की बात
हे, १५अने यो बी के बइरा का लम्बा
बाल उकी सोबा हे? क्योंके उके बाल
ओड़नी सरु द्या हे। १६पण अगर कईं
को बिवाद करनों चाय तो, नी तो
हमारी, अने नी परमेसर की मण्डळिहुंण
की कइंकी दूसरी रीति हे।

परभु-भोज का बारामें

(मत्ती २६.२६-२९; मरकुस १४.२२-२५; लूका २२.१४-२०)

१७पण अबे यो हुकम देता होया हूं
तमारी बड़ई नी करूं, क्योंके परभु-भोज
की अराधना सरु भेळो होणे से भलई
का बदळे तमारा माय बुरइज जादा
होय हे। १८पेली बात तो या हे: हूं
सुणुं के जदे तम मण्डळी माय भेळा
होव तो तमारा अदाड़ माय फाड़ पड़ी
जाय। हूं इनी बात को थोड़ोक-थोड़ोक
बिसास बी करूं, १९अने तमारा अदाड़
माय दळबन्दी बी जरुर रेगा, जेकासे के
तमारा माय जो खराखट हे, वी परगट
हुई जाय। २०तो जदे तम भेळा होव तो
यो परभु-भोज खावा सरु नी, २१क्योंके
खाता बखत हरेक दूसरा से पेलां अपणो
भोजन लपकी के खई ले हे, जेकासे
कइंका तो भूका रई जाय, अने कईं को
नसा माय हुई जाय। २२कंई तमारा कने
घर हयनी, जां तम खाव अने प्यो? या
कंई तम परमेसर की मण्डळी को मान
पाड़ो हो, अने जिणका कने कंई हयनी,
उणके लाजे मारो हे? हूं तमार से कंई
कूं? कंई हूं तमारी बड़ई करूं? इनी बात
माय हूं तमारी बड़ई नी करुंवां!

२३जो बात म्हने तमारे समळई हे वा
म्हारे परभु से मिळी थी, के परभु ईसु
ने जेनी राते उ पकड़वायो, रोटा ल्या,
२४अने उने परमेसर के धन्यबाद दई के
तोड़्या अने क्यो, "या म्हारी काया हे जो
तमारा सरु हे। म्हारी रियाद सरु असोज

---

† **११.७:** उत्पत्ती १.२६–२७ † **११.८–९:** उत्पत्ती २.१८–२३ † **११.९:** उत्पत्ती २.१८-२०

कर्‌या करजो।" २५† असतरा भोजन का
बाद उने यो केतो होयो कटोरो बी ल्यो,
"यो म्हारा लोई माय नवो करार को
कटोरो हे। जदे कदी तम इका माय से
प्यो तो म्हारी रियाद सरु योज कर्‌या
करजो।"

२६क्योंके जदे-जदे तम इना रोटा के
खाव अने इना कटोरा माय से प्यो हो
तो जदत्तक परभु ईसु नी अई जाय उकी
कुरुस की मोत को परचार करता रो।
२७इकासरु जो कईं को बुरी रीति से
परभु को रोटो खाय अने उका कटोरा
माय से प्ये, उ परभु की काया अने
लोई को दोषी रेगा। २८पेलां तम खुद के
जांचो, फिर इना रोटा के खाव अने इना
कटोरा माय से प्यो, २९क्योंके परभु की
काया को अरथ जाण्या बिना जो इना
रोटा के खाय अने इना कटोरा के प्ये हे
उ असतरा खई-पीके अपणा अदरे सजा
लाय हे। ३०इनी वजासे तमारा माय से
नरा कमजोर, अने बेमार हे, अने नरा तो
मरी बी ग्या। ३१अगर हम अपणा खुद
के सई तरीका से जांचता तो परमेसर से
सजा नी पाता। ३२पण जदे परभु सजा
दई के हमारी ताड़णा करे के हम जगत
का गेले दोषी नी ठेराड़या जावां।

३३तो हे म्हारा भई-बेनहुंण, जदे तम
जिमवा सरु भेळा होव, तो एक दूसरा
सरु रुक्या करो। ३४अगर कईं को भूको
होय तो अपणा घर मायज खई ले, असो
नी होय के तमारो भेळो होणो परमेसर
से सजा की वजा बणी जाय। हूं बाकी
बातहुंण खुद अई के सई करुंवां।

आतमिक बरदान

१२ अबे, हे भई-बेनहुंण,
हूं नी चउं के तम आतमिक
बरदानहुंण का बारामें अण्जाण्या रो।
२तमारे मालम हे के जदे तम ईसु पे
बिसास लावा से पेलां था तो तम गुंगी
मुरतहुंण का अगड़े जसा भटकाड़्या जाता
था वसाज चलता था। ३इकासरु हूं तमारे
बताड़ी दूं के परमेसर का आतमा से कईं
को बी मनख असो नी कई सके, के ईसु
सापित हे। अने नी पवित्तर आतमा का
बगेर कईं को यो कई सके के ईसुज
परभु हे।

४† बरदान तो नरा तरा का हे, पण
पवित्तर आतमो एकज हे। ५अने सेवाहुंण
बी नरी-तरा की हे पण जेना परभु की सेवा
करां हे उ एकज हे। ६असर वाळा काम बी
नरी-तरा का हे, पण परमेसर एकज हे, जो
सगळा माय सगळो कंई करे हे। ७हरेक
मनख के सगळा की भलई सरु आतमिक
बरदान द्‌या जाय हे। ८क्योंके एकज
आतमा से कइंका के बुध्दि का बचन अने
दूसरा के उनीज आतमा से ज्ञान का बचन
द्‌या जाय हे। ९कइंका के उनीज आतमा
से बिसास को अने कइंका हजु के उणाज
एकज आतमा से नज करवा को बरदान
द्‌यो जाय हे। १०फेर कइंका के सामरत
का कामहुंण की ताकत अने कइंका के
परमेसर आड़ी से अगमबाणी बोलवा,
कइंका के आतमाहुंण के परखवा को,
कइंका के अलग-अलग तरा की भासाहुंण
बोलवा, अने उनी भासाहुंण को अरथ

---

† **११.२५:** निरगमन २४.६–८; यरमियाह ३१.३१–३४ † **१२.४–११:** रोमिहुंण १२.६–८

बताड़्वा को बरदान द्यो जाय हे। ११पण
वइज एक आतमा ई सगळो काम कराय
हे अने अपणी मरजी मुजब जेके जो चइये
अलग-अलग बांटी लाखे हे।

काया एक - अंग नरा

१२† क्योंके जसतरा काया तो एक
हे अने ऊका नरा अंग हे, अने काया
का सगळा अंग हालाके नरा हे फेर बी
एकज काया हे, असतरा मसीह बी एकज
हे। १३क्योंके हम सगळा ने, चाये यहूदी
होय या यूनानी, गुलाम होय या आजाद,
एकज आतमा माय एकज काया होवा
सरु बपतिसमो ल्यो, अने हमारे एकज
आतमो पिवाड़्यो हे।
१४क्योंके काया तो एक अंग की हयनी
पण नरा अंगहुंण की हे। १५अगर पग के
हे के, "हूं हात हयनी, इकासरु हूं काया
को अंग हयनी," तो कंई ऊ इनी वजासे
काया को अंग हयनी? १६अगर कान के,
"हूं आंख हयनी इकासरु हूं काया को अंग
हयनी," तो कंई ऊ इनी वजासे काया को
हयनी? १७अगर आखी काया आंखज रेती,
तो सुणनो कां होतो? अने अगर आखी
काया से सुणनो होतो तो सुंघणो कां होतो?
१८पण परमेसर ने सगळा अंगहुंण के
अपणी मरजी मुजब एक-एक करिके काया
माय राख्या हे। १९अने अगर वी सगळा
का सगळा एकज अंग होता तो काया कां
रेती? २०पण अंग तो नरा हे, पण काया
एक हे।
२१आंख हात से नी कई सके के "म्हारे
थारी जरुवत हयनी!" नी माथो, पग से,
के "म्हारे थारी जरुवत हयनी"। २२इका
बिपरित, काया का वी अंग जो हमारे
कमजोर मालम पड़े हजु बी जादा जरुवत
हे, २३अने काया का जेना अंगहुंण के हम
कम मान का लायक जाणा हे ऊणकेज
हम बत्ती मान दां हे, अने हमारा बिना
सोबा का अंग हजु बी जादा सोबा वाळा
हुई जाय हे, २४जदके हमारा सोबा वाळा
अंगहुंण के इकी जरुवत नी होय। पण
परमेसर ने हमारी काया के असी बणई
हे के दीन-हीन अंगहुंण के बत्ती मान
मिळे, २५के काया माय कइंकी फूट नी
पड़े, पण सगळा अंग अपणा सरीका
एक-दूसरा की फिकर राखे। २६अने अगर
एक अंग दुःख पावे, तो ऊका गेले सगळा
अंग दुःख पाय हे; अने अगर एक अंग
को मान होय, तो सगळा अंग ऊका गेले
खुस होय हे।
२७असतरा तम सगळा मसीह की
काया हो अने एक-एक करिके ऊका अंग
हो, २८† अने परमेसर ने मण्डळी माय
पेलां परेरितहुंण, दूसरा परमेसर आड़ी से
बचन बोलवा वाळा, तीसरा सिक्छक,
फेर सामरत का काम करवा वाळा, नज
करवा का बरदान वाळा, दूसरा की भलई
करवा वाळा, इन्तजाम करवा वाळा, अने
दूसरी-दूसरी भासाहुंण बोलवा वाळाहुंण के
ठेराड़्या हे। २९कंई सगळा परेरित हे? कंई
सगळा परमेसर आड़ी से बचन बोलवा
वाळा हे? कंई सगळा सिक्छक हे? कंई
सगळा सामरत का काम करवा वाळा हे?
३०कंई सगळा के नज करवा को बरदान
मिळ्यो? कंई सगळा दूसरी-दूसरी बोली

---

† **१२.१२:** रोमिहुंण १२.४–५ † **१२.२८:** इफिसिहुंण ४.११

बोले हे? कंई सगळा ऊको अरथ बतावे
हे? ३१हां! तम मोटा से मोटा बरदान की
ताक माय रो।
पण हूं तमारे सगळा के खास परेम
मारग बताडुं हे।

परेम म्हान हे।

१३ अगर हूं मनखहुंण अने
सरगदूतहुंण की बोलिहुंण बोलुं
पण परेम नी राखुं, तो हूं ठणठणाती
घंटी अने झण-झण करती झांज हूं।
२† अगर म्हारे परमेसर आड़ी से बचन
बोलवा को बरदान मिळ्यो होय अने हूं
सगळा भेदहुंण अने सगळा तरा का ज्ञान
के जाणी जऊं, अने अगर म्हारे यां तक
पूरण बिसास होय के हूं परबतहुंण के
इकाड़ी करी लाखुं, पण परेम नी राखुं,
तो हूं कंई बी हयनी। ३अगर हूं आखो
धन गरीब-गुरबाहुंण के खवाड़वा सरु दान
करी लाखुं, अने अपणी काया बाळवा
सरु[n] दई दूं, पण परेम नी राखुं, तो म्हारे
कंई बी नफो हयनी
४परेम करवा वाळा जिरना राखे, परेम
करवा वाळा दयालु रे अने परेम माय
जळण नी राखे। परेम करवा वाळा डींग
नी हांके, गुमान नी करे, ५परेम बुरो
बरताव नी करे, ऊ अपणी भलई नी
चाय, झुंजलाय हयनी, बुरई को हिसाब
नी राखे, ६अधरम से खुस नी होय, पण
सच्चई से खुस रे हे। ७परेम सगळी
बातहुंण सेन करे, सगळी बातहुंण पे
बिसास राखे, सगळी बातहुंण की आस
माय रे, सगळी बातहुंण माय जिरना मारे
हे।
८परेम कदी मिटे हयनी[o]। नबुवतहुंण
होय तो खतम हुई जायगा; भासाहुंण
होय तो जाती रेगा; अने ज्ञान होय तो
लोप हुई जायगा। ९क्योंके हमारो ज्ञान
अधुरो हे अने हमारी नबुवतहुंण अधुरी
हे, १०पण जदे सगळा से सिद्द आयगा,
तो आधुरोपणो मिटी जायगा।
११जदे हूं बाळक थो तो बाळकहुंण
सरीको बोलतो, बाळकहुंण सरीको
बिचारतो अने बाळकहुंण सरीको
समजतो थो, पण जदे सियाणो हुई
ग्यो तो बाळपणा की बातहुंण छोड़ी
लाखी। १२अबे तो कांच माय धुन्दळो
नगे आवे हे, पण ऊना बखत अरु-बरु
देखांगा। इना बखत तो म्हारो ज्ञान
अधुरो हे, पण ऊना बखत पूरण तरा से
जाणूंवां, जसो परमेसर म्हारे बी पूरण
तरा से जाणे हे।
१३तो अबे बिसास, आसा अने परेम,
ई तीनी बण्या होया रे। पण इणका माय
सगळा से मोटो परेम हे।

परमेसर आड़ी से बचन बोलनो अने दूसरी-दूसरी बोली बोलनो

१४ परेम का मारग पे चल्या चलो,
अने आतमिक बरदानहुंण की धुन
माय रो, खास करिके यो के तम परमेसर
आड़ी से बचन बोल्या करो। २क्योंके

---

[n] **१३.३** बाळवा सरु; थोड़ाक मूळ माय गुमान माय हुकम। [o] **१३.८** परेम कदी मिटे हयनी; आतमिक बरदानहुंण खतम हुई जायगा मसीह जीवन माय अबी अने आखा जिनगी भर इको रेणो जरुरी हे।

† **१३.२:** मत्ती १७.२०, २१.२१; मरकुस ११.२३

अगर तू दूसरी बोली माय बोले तो तू
मनख से नी पण परमेसर से बातहुंण
करे, क्योंके उके कईं को नी समजे, पण
तू आतमा माय भेद की बात बोले हे।
३पण अगर तू परमेसर आड़ी से बचन
बोले तो तू आतमिक उन्नती, परबचन
अने दिलासो देवा सरु मनखहुंण से बोले
हे। ४जो दूसरी बोली माय बोले हे उ
अपणीज उन्नती करे हे, पण परमेसर
आड़ी से बचन बोलवा वाळा मण्डळी की
उन्नती करे हे।

५अबे हूं चउं तो हूं के तम सगळा
दूसरी-दूसरी बोलिहुंण बोलता, पण इका
से बी बड़ी के या के तम परमेसर आड़ी
से बचन बोलो, क्योंके जो परमेसर
आड़ी से बचन बोले, उ उकासे बी बड़ी
के जो दूसरी बोलिहुंण माय बोले तो
हे। पण अगर कईं को उको अरथ नी
करी सके तो मण्डळी को बिकास कसे
होय? ६हे भई-बेनहुंण, अगर हूं तमारा
कने दूसरी-दूसरी बोलिहुंण माय बोलुं
तो म्हार से तमारे कंई फायदो रेगा?
जदत्तक के हूं दरसन, ज्ञान, परमेसर
आड़ी से बचन बोलनो या सीख की
बातहुंण नी बोलुं।

७असतरा बेजान चीजहुंण बी जेकासे
अवाज हिटे हे - चाये बंसी या वीणा
- अगर इणका सूर माय फरक नी
रे तो यो कसे मालम पड़ेगा के बंसी
या वीणा पे कंई बजायो जई र्‌यो हे?
८अगर तुरई से समज नी आय असी
अवाज हिटे तो कुंण लड़ई सरु तय्यारी
करेगा? ९असतरा तम बी, अगर जीब
से सई-सई नी को तो जो बोल्यो उ
कसे समज्यो जायगा? पण तम तो
बायरा से बातहुंण करवा वाळा केवावगा।
१०इना जगत माय नी जाणा के कितरी
बोलिहुंण हे। उणका माय से कइंकी बी
बिना अरथ की हयनी। ११पण अगर हूं
कइंकी भासा को अरथ नी जाणूं तो हूं
बोलवा वाळा सरु अण्जाण्यो अने बोलवा
वाळो म्हारी नगे माय अण्जाण्यो रेगा।
१२असतरा तम बी, जदके आतमिक
बरदानहुंण की धुन माय हो, मण्डळी
की उन्नती सरु भर्‌या-पुर्‌या होवा की
कोसिस करो।

१३इकासरु जो दूसरी बोली बोलवा
वाळा होय, उ पराथना करे के उको
अरथ बी बतई सके। १४क्योंके अगर
हूं कइंकी दूसरी बोली माय पराथना
करूं तो म्हारी आतमा तो पराथना करे,
पण म्हारी बुध्दि अने हिरदो काम नी
करे। १५तो हम कंई करां? हूं आतमा से
पराथना करुंवां, अने बुध्दि अने हिरदा से
बी पराथना करुंवां। हूं आतमा से गउंवां,
अने बुध्दि अने हिरदा से बी गउंवां।
१६नितो अगर तू अपणी आतमा सेज
परमेसर को धन्यबाद करे, वां हाजिर
अण्जाण्या मनखहुंण थारा धन्यबाद पे
'आमीन' कसे केगा, क्योंके वी तो नी
जाणे के तू कंई के हे? १७तू तो अच्छी
तरा धन्यबाद करे, पण उकासे दूसरा को
फायदो नी रे।

१८हूं परमेसर को धन्यबाद करूं के
हूं तम सगळा से बड़ी के दूसरी-दूसरी
बोलिहुंण माय बोलुं। १९फेर बी मण्डळी
माय दूसरी बोलिहुंण माय दस हज्जार
सबदहुंण का बजाय अपणी समज का
पांच सबदज बोलनो भलो समजुं के
दूसरा के बी सीख दई सकूं।

२०हे भई-बेनहुंण, अपणी समज माय
बाळक मती बणो। वसे बुरई माय तो
बाळक बण्या रो, पण समज माय सियाणा
हुई जाव। **२१**† सासत्तर माय लिख्यो हे:
"हूं परदेसी बोली बोलवा
अने परदेसिहुंण का होंटहुंण से,
इनी जात से बातहुंण करुंवां,
फेर बी ई म्हारी नी सुणेगा।"
परभु असोज के हे।
२२तो दूसरी बोलिहुंण बिसासिहुंण
सरु नी पण अबिसासिहुंण सरु सेलाणी[p]
हे, पण परमेसर आड़ी से बचन बोलनो
अबिसासिहुंण सरु नी पण बिसासिहुंण
सरु सेलाणी हे। **२३**अगर आखी मण्डळी
एक जगा पे भेळी होय अने सगळा
दूसरी बोलिहुंण माय बोले अने
अण्जाण्या या अबिसासी मनख भित्तरे
अई जाय, तो कंई वी यो केगा हयनी
के तम बावळा हुई ग्या? **२४**पण अगर
मण्डळी माय सगळा परमेसर आड़ी
से बचन बोले अने कईं को अबिसासी
या अण्जाण्यो मनख भित्तरे आय तो
कंई सगळा उके पाप से कायल नी
करी लाखेगा। सगळा जो कई र्‌या हे
उका पे उको न्याव होयगा। **२५**उका
हिरदा का भेद खुली जायगा, तो उ
माथो टेकी के परमेसर की अराधना
करेगा अने मानी लेगा के "सांची मेंज
परमेसर तमारा अदाड़ माय हे!"

मण्डळी माय अराधना नेम-बिधान से

२६हे भई-बेनहुंण, फेर कंई करनों
चाय? जदे तम भेळा होव तो हरेक का
मन माय कंई-कइंको भजन या परबचन
या दरसन या दूसरी बोली की बात या
दूसरी बोली को तरजुमो होय हे। सगळो
कंई आतमिक उन्नती सरु होणो चइये।
२७अगर कईं को दूसरी बोली माय बोले
तो दो, या जादा से जादा तीन, जणा एक
का बाद एक बोले अने एक जणो समजी
के तरजुमो करे। **२८**पण अगर तरजुमो
नी होय तो उ मण्डळी माय छानो रे अने
एखला माय अपणा खुद से अने परमेसर
से बोले।
२९परमेसर आड़ी से बचन बोलवा
वाळा माय से दो या तीन बोले, अने
दूसरा लोग सासत्तर मुजब जांचे। **३०**पण
अगर बेठ्या होया का माय से कइंका
दूसरा पे ईसवरीय दरसन होय तो पेलो
छानो हुई जाय। **३१**क्योंके तम सगळा
एक-एक करिके परमेसर आड़ी से बचन
बोली सकता हो जेकासे सगळा सीखे अने
सगळा सान्ति पाय। **३२**परमेसर आड़ी से
बचन बोलवा वाळाहुंण की आतमा उणका
बस माय रे हे, **३३**क्योंके परमेसर गड़बड़ी
को नी पण सान्ती को परमेसर हे,
जसो के पवित्तर लोगहुंण की सगळी
मण्डलिहुंण माय हे।

---

[p] **१४.२२** सेलाणि; अबिसासिहुंण सरु अने बिसासिहुंण सरु - पोलुस इनी सेलाणी के (२२) परमेसर की सेमती अने असेमती का रुप माय देखी र्‌यो थो। क्योंके अबिसासिहुंण अनोखी बोली माय बोल्या सबदहुंण के नी समजी सकता था। वी पाछा फिरी जायगा (२३) इका माय उणका सरु परमेसर को न्याव देखी र्‌यो हे बिसासिहुंण से परमेसर को बचन अबिसासिहुंण के उणका पाप सरु समजाड़ी लाखेगा अने वी मानी लेगा के परमेसर मण्डळी माय रे हे।

† **१४.२१:** यसायाह २८.११–१२

३४बइराहुंण मण्डळी माय छानी रे,
क्योंके उणके बोलवा की इजाजत हयनी।
वी बस माय रे जसो के नेम-बिधान बी
के हे। **३५**अगर वी कंई सीखवा चावे तो
घर माय अपणा-अपणा घराळा से पुछे,
क्योंके बइरा सरु मण्डळी माय बोलनो
सई हयनी।[q]

३६कंई परमेसर को बचन सगळा से
पेलां तमार सेज हिट्यो? या कंई उ
सिरप तमाराज तक पोंच्यो? **३७**अगर कईं
को मनख समजे के उ परमेसर आड़ी से
बचन बोलवा वाळो या आतमिक जणो
हे, तो उ जाणी ले के जो कंई हूं तमारे
लिखी र्‌यो हूं उ परभु ईसु को हुकम हे।
३८पण अगर कईं को इके नी माने तो
उकी बी नी मानी जाय।

३९इकासरु म्हारा भई-बेनहुंण, परमेसर
आड़ी से बचन बोलवा की धुन माय रो,
पण दूसरी बोलिहुंण बोलवा वाळाहुंण के
मती रोको। **४०**फेर बी सगळी बातहुंण
सई रीति से अने एक का बाद एक करी
जाय।

मसीह को जी उठणो

१५ हे भई-बेनहुंण, अबे हूं तमारे
उणाज सुब-समिचार के रियाद
देवाडुं जेको म्हने तमारा अदाड़ माय
परचार कर्‌यो, जेके तमने मानी बी ल्यो
अने जेका माय तम ठावा बी हो। **२**उज
सुब-समिचार से जेको म्हने तमारा अदाड़
माय परचार कर्‌यो तम उध्दार बी पाव
हो। इनी सरत पे के तम उना बचन के
मजबूती से थाम्या रो - नितो तमारो
बिसास करनों बेकार होयो।

३[†] म्हने या बात जो म्हार तक पोंची
थी उके सगळा से खास जाणी के तमारा
तक बी पोंचई लाखी, के पवित्तर सासत्तर
का मुजब मसीह हमारा पापहुंण सरु
मर्‌यो। **४**[†] अने उ गाड़्यो ग्यो, अने
पवित्तर सासत्तर का मुजब तीसरा दन
जिन्दो बी हुई ग्यो, **५**[†] जदे उ पतरस के,
अने पाछो बारा चेलाहुंण के नगे आयो।
६इका बाद उ पांच सो से जादा भई-
बेनहुंण के एक गेले नगे आयो, जिणका
माय से नरा तो अबी तक जीवता हे,
पण थोड़ाक अबे नी र्‌या। **७**जदे उ याकूब
के, अने पाछो सगळा परेरितहुंण के नगे
आयो।

८[†] अने सगळा का आखर माय म्हारे
बी नगे आयो, असो लागे जसे हूं आदा
बखत माय जन्म्यो हूं,[r] **९**[†] क्योंके हूं
परेरितहुंण माय सगळा से नानो हूं, जो
परेरित केवाणे का लायक बी हयनी,
क्योंके म्हने परमेसर की मण्डळी
के सताड़ी थी। **१०**फेर बी परमेसर की
किरपा से हूं अबे जो हूं सो हूं। म्हारा
सरु परमेसर की किरपा बेकार नी री,
पण म्हने उना सगळा परेरितहुंण से
बड़ी के काम कर्‌यो, फेर बी म्हने नी,
पण परमेसर की किरपा ने म्हारा गेले

---

[q] **१४.३५** थोड़ाक जूना लेखहुंण माय इके ३४-३५ पद दूसरी जगा माय लिख्यो हे, याने पद ४० का बाद।
[r] **१५.८** आदा बखत माय जन्म्यो हूं; या बखत से पेलां जन्म्यो हूं।
[†] **१५.३:** यसायाह ५३.५–१२ [†] **१५.४:** भजन संहिता १६.८–१०; मत्ती १२.४०; परेरितहुंण २.२४–३२
[†] **१५.५:** मत्ती २८.१६–१७; मरकुस १६.१४; लूका २४.३४, ३६; योहन २०.१९
[†] **१५.८:** परेरितहुंण ९.३–६ [†] **१५.९:** परेरितहुंण ८.३

मिळी के यो काम कर्‌यो। ११तो चाये
म्हने परबचन द्‌या हे, चाये उणने, हम
योज परचार करां हे, अने इका पे तमने
बिसास कर्‌यो।

काया को पाछो जी उठणो

१२अबे अगर हमने यो परचार कर्‌यो के
मसीह मर्‌या माय से जी उठ्‌यो हे तमारा
माय से थोड़ाक यो कायसरु के, के मर्‌या
होया मनख को पाछो जी उठणो हेज नी?
१३अगर मर्‌या होया मनख को जी उठणो
हेज नी तो फेर मसीह बी नी जी उठ्‌यो।
१४अने मसीह जिवाड़्‌यो हयनी तो हमारो
परचार बेकार हे, अने तमारो बिसास बी
बेकार हे। १५इका से बड़ी के हम परमेसर
का झुंटा गवा हुई ग्या हे, क्योंके हमने
परमेसर का बारामें या गवई दई के उने
मसीह के मर्‌या माय जीवाड़ी द्‌यो। पण
अगर मर्‌या होया मनख सांची माय
जिवाड़्‌या नी जाय तो परमेसर ने मसीह
के बी नी जिवाड़्‌यो, १६क्योंके अगर मर्‌या
होया जिवाड़्‌या नी जाय तो मसीह बी
जिवाड़्‌यो नी ग्यो हे। १७अने अगर मसीह
नी जी उठ्‌यो, तो तमारो बिसास बेकार हे
अने तम अबे तक अपणा पापहुंण माय
पड़्‌या हो। १८जदे तो वी बी जो मसीह
माय मरी ग्या, नास हुई ग्या। १९अगर
हमने सिरप इना जीवन सरु मसीह
पे आसा राखी[s] तो हमारी दसा सगळा
मनखहुंण से घणा अभागा सरीकी हे।

२०पण सच्चई तो या के अबे मसीह
तो मर्‌या माय से जी उठ्‌यो, अने जो
मर्‌या माय सोया होया हे उणका माय उ
जो जी उठ्‌यायगा पेलो फळ हे। २१क्योंके
जदे एक मनख से मोत अई तो एकज
मनख से मर्‌याहुंण को पाछो जी उठणो
बी आयो; २२क्योंके जसतरा आदम माय
सगळा मरे हे, असतरा मसीह माय
सगळा जिवाड़्‌या जायगा। २३पण हरेक
अपणी बारी का मुजब जिवाड़्‌या जायगा:
पेलो फळ मसीह, जदे मसीह का सरग
से पाछा आवा पे उका लोग। २४इका
बाद अंत होयगा। उना बखत उ आखो
सासन, हक अने सामरत को अंत करिके
राज के परमेसर पिता का हात माय दई
देगा। २५[†] जदत्तक उ अपणा बेरिहुंण के
पगहुंण निच्चे नी करी लाखे, उको राज
करनों जरुरी हे। २६सगळा से आखरी
दुसमन जेको अंत कर्‌यो जायगा मोत हे।
२७[†] क्योंके सासत्तर माय लिख्‌यो हे के,
"परमेसर ने सगळो कंई उका पगहुंण
तळे करी लाख्‌यो हे।" पण जदे उ के
हे, के सगळो कंई मसीह का बस माय
करी लाख्‌यो हे तो यो साफ हे, के जेने
सगळो कंई उका बस माय करी लाख्‌यो,
परमेसर पिता खुद इकाड़ी र्‌यो। २८अने
जदे सगळो मसीह का बस माय हुई
जायगा, तो बेटो याने मसीह खुद बी
परमेसर पिता का बस माय हुई जायगा,
जेने सगळो कंई उका बस माय करी
लाख्‌यो, जेकासे के धरती-सरग पे को
सगळो राज परमेसरज को करेगा।

२९जो मर्‌या होया सरु बपतिसमो ले हे
वी कंई करेगा? अगर मर्‌या जिवाड़्‌या नी

---

[s] **१५.१९** अगर हमने मसीह माय इना जीवन माय आस राखी; या अगर हम मसीह माय इना जीवन मायज आसा राखां।

[†] **१५.२५:** भजन संहिता ११०.१ [†] **१५.२७:** भजन संहिता ८.६

जाय तो फेर उणका सरु इणके कायसरु
बपतिसमो द्यो जाय हे? ३०हम बी
कायसरु हरेक घड़ी संकट झेलता रां?
३१हे भई-बेनहुंण, उना गुमान की वजासे
हूं उ यो बचन कूं जो म्हारो गुमान
मसीह ईसु हमारा परभु माय तमारा सरु
हे, हूं सोगन खइके मजबुतई से कूं के
हूं हरदन मरी र्यो हूं। ३२† अगर हूं
यां इफिसुस नगर माय उना मनखहुंण
से, जो चीता सरीका जनावर था, लड़्यो
तो सिरप मनख का भाव से म्हारे कंई
नफो? पण अगर मर्या जिवाड़्या नी
जाता तो "आव, हम खावां अने पीवां,
क्योंके काल तो मरनोज हे।" ३३धोको
मती खाव: "बुरी संगत अच्छा चरित्तर
के खराब करी लाखे हे।" ३४धारमिकता
सरु जागी जाव अने पाप मती करो,
क्योंके थोड़ाक लोग परमेसर का बारामें
नठूनी जाणे। हूं कूं या तमारा सरु सरम
की बात हे।

हमारी काया कसी रेगा

३५पण कईं को केगा, "मर्याहुंण कसे
जिवाड़्या जाय? अने वी कसतरा की
काया माय आय हे?" ३६हे मूरख! जो
कंई तू बोय जदत्तक उ जमीन माय पड़ी
के मरी नी जाय जिवाड़्यो नी जाय।
३७अने जो कंई तू बोय हे, तू वा काया
नी बोय जो पेदा होवा वाळी हे, पण
खाली दाणो, चाये गंउ को या कइंका हजु
अनाज को। ३८पण परमेसर अपणी मरजी
मुजब उके कायारुप दे हे, अने हरेक बीज
की उकी खास काया रे हे।

३९सगळा की काया एक सरीकी
हयनी। पण मनखहुंण की काया एक
तरा की हे, ढोरहुंण की काया दूसरा तरा
की हे, पखेरुहुंण की काया दूसरी हे, तो
मच्छीहुंण की काया अलग तरा की।

४०सरग की काया अने संसार की
भोतिक काया बी हे, पण सरग की काया
की आभा दूसरी हे तो भोतिक काया की
दूसरी हे। ४१सूरज को तेज अलग हे,
चन्दरमा को तेज अलग हे अने ताराहुंण
को तेज बी अलग हे, बरण एक तारा को
तेज दूसरा तारा का तेज से फरक हे।

४२मर्याहुंण को जी उठणो बी असोज
हे। नासमान काया दफणई जाय हे अने
जो नास नी होय असी काया जीवाड़ी
जाय हे; ४३काया बेइज्जत का गेले बोई
जाय, अने म्हेमा का गेले जीवाड़ी जाय हे;
कमजोर दसा माय बोई जाय, अने सामरत
का गेले जीवाड़ी जाय; ४४सोभाविक दसा
माय काया बोई जाय अने आतमिक
दसा माय काया जीवाड़ी जाय हे। जदके
सोभाविक काया हे तो आतमिक काया
बी हे। ४५† इकासरु यो बी सासत्तर माय
लिख्यो हे के, "पेलो मनख, आदम जीवतो
सोभाविक पराणी बण्यो," अने आखरी
आदम याने ईसु मसीह जीवन देवा वाळो
आतमो। ४६तो पेलां आतमिक नी, पण
सोभाविक था; जदे इका बाद आतमिक
आयो। ४७पेलो मनख आदम धरती आड़ी
से याने भोतिक, दूसरो मनख सरग आड़ी
से आयो। ४८जसे आदम भोतिक हे, वसाज
वी बी हे जिणको नातो भोतिक जग से हे,
अने जसो मसीह सरग को हे वसाज वी

† **१५.३२:** यसायाह २२.१३ † **१५.४५:** उत्पत्ती २.७

बी हे जो सरग का हे। ४९अने जसो हमने
आदम को भोतिक रुप धर्‌यो हे,[t] वसोज
उना आवा वाळा सरग का मनख को बी
रुप धरांगां।
५०हे भई-बेनहुंण, हूं यो कूं के हमारो
भोतिक मांस अने लोई परमेसर का
राज का वारिस नी हुई सकता, अने
नी बिनास, अबिनासी का हाकिम हुई
सके। ५१-५२[†] देखो, हूं तमारे एक भेद की
बात कूं: हम सगळा मरांगा हयनी, पण
आखरी तुरई बजई जायगा उना बखत
हम सगळा का सगळा बदळी जावांगां।
यो एक पल माय पलक झपकताज
होयगा। क्योंके आखर माय तुरई बजाड़ी
जायगा मर्‌या होया मनख अमरता की
दसा माय जिवाड़्या जायगा, अने हम
सगळा बदळी जावांगां। ५३क्योंके इनी
नासमान के अविनासी, अने मरणहार के
अमरता के पेरनो जरुरी हे, ५४[†] पण जदे
यो नासमान, अविनासी के पेरी लेगा अने
यो मरणहार अमरता के पेरी लेगा तो यो
लिख्यो होयो बचन पूरण हुई जायगा:
"मोत के बिजय ने गिली ली हे।" ५५[†]
अने सासत्तर माय असो बी लिख्यो हे के,

"हे मोत, थारी बिजय कां हे?
हे मोत, थारो डंक कां?"

५६मोत को डंक तो पाप हे,[u] अने पाप की
ताकत नेम-बिधान हे। ५७पण परमेसर
को धन्यबाद होय जो हमारे परभु ईसु
मसीह से जे कराय हे!
५८इकासरु, हे म्हारा परमिला भई-
बेनहुंण, मजबूत अने अटळ रो अने परभु
का काम माय हमेस्या बड़ता रो, क्योंके
तम जाणो हो के तमारो काम परभु माय
बेकार नी हे।

यरुसलेम का पवित्तर लोगहुंण सरु दान का बारामें

१६ [†] पवित्तर लोगहुंण सरु दान भेळा
करवा का बारामें जो हुकम म्हने
गलातिहुंण देस की मण्डळिहुंण के द्‌यो
हे उके तम बी मानो। २हफ्ता का पेलां
दन तमारा माय से हरेक अपणी कमई
का मुजब अपणा कने थोड़ोक धरी राखो
के म्हारा आणे पे दान भेळो नी करनों
पड़े। ३अने जदे हूं अउंवां तो जिणके तम
चावगा उणके चिट्‌ठिहुंण दई के मोकली
दूंवां के तमारो दान यरुसलेम नगर पोंचई
दे। ४अगर म्हारो बी जाणो सई होयो तो
वी म्हारा गेले जायगा।

जातरा की योजणा

५[†] हूं मकिदुनिया इलाका हुई के तमारा
कने अउंवां, क्योंके हूं मकिदुनिया हुई के
जई र्‌यो हूं, ६अने हुई सके के हूं तमारा
गेले रूं या स्याळा माय बी तमारा गेले
बिताडुं, जेकासे के जां म्हारे जाणो हे वां
सरु तम म्हारी मदद करिके बिदा करी
सको। ७म्हारी या मरजी हयनी के हूं अबे
सिरप रस्ता माय जाता बखत तमार से

---

[t] **१५.४९** हमने आदम को भोतिक रुप धर्‌यो हे; थोड़ाक मूळ माय चलां, हम बी पेरांगा!
[u] **१५.५६** मोत को डंक तो पाप हे; हमारा पापहुंण की वजासे मोत के हमारे चोंट पोंचावा की ताकत मिळी हे अने बुरा काम पे जो आरोप लगाड़्या जाय। उकी ताकत नेम-बिधान से मिळी हे।
[†] **१५.५१–५२:** १ थिस्सलुनीकिहुंण ४.१५–१७ [†] **१५.५४:** यसायाह २५.८ [†] **१५.५५:** होसे १३.१४
[†] **१६.१:** रोमिहुंण १५.२५–२६ [†] **१६.५:** परेरितहुंण १९.२१

मिळतो जउं, पण म्हारे आसा हे के अगर
परभु चाये तो थोड़ाक लम्बा बखत तक
तमारा गेले रूं बी।

८[†] [†] पण हूं पिन्तेकोस्त का तेवार तक
यांज इफिसुस नगर माय रुंवां, [९]क्योंके
म्हारा सरु यां असरदार सेवा करवा को
एक बड़ो मोको मिळ्यो हे। पण बिरोदी
नरा हे।

१०[†] अगर तीमुथियुस अई जाय तो
ध्यान राखजो के उ तमारा गेले बिना डर
के रे, क्योंके उ बी म्हारा सरीको परभु
को काम करी र्‌यो हे। [११]इकासरु कईं को
उके ओछो नी जाणे, पण उके अच्छी
तरा से बिदा करजो के उ म्हारा कने अई
जाय, क्योंके हूं भई-बेनहुंण का गेले उका
आवा की बाट जोई र्‌यो हूं।

१२हमारा भई अपुल्लोस की बात या हे
के, म्हने उकासे घणी बिणती करी के उ
भईहुंण का गेले तमारा कने आय, पण
इना बखत उकी मरजी नठूनी थी[v] के
आय। फेर बी मोको मिळताज उ आयगा।

आखरी नमसकार

१३जागता रो, हिम्मत का गेले सुब-
समिचार का बिसास माय बण्या रो,
हिम्मत वाळा अने ताकत वाळा बणो।
[१४]तम जो कंई करो परेम से करो।

१५[†] हे भई-बेनहुंण, तम स्तिफनुस
का नातेदारहुंण के तो जाणोज हो के
वी अखाया देस का पेलां फळ हे, अने
पवित्तर लोगहुंण की सेवा सरु हमेस्या
तय्यार रे हे। [१६]म्हारी तमार से इना
सेवकहुंण सरु या याचना हे के, तम असा
लोगहुंण का बस माय रो अने असा हरेक
के बी जो इना काम माय उणका गेले
मदद करे अने म्हेनती रे हे।

१७हूं स्तिफनुस अने फूरतूनातुस अने
अखइकुस का आवा से खुस हूं, क्योंके
जो तम नी करी सक्या उके उणने पूरण
कर्‌यो हे। [१८]जसो उणने तमारे सुक द्‌यो
वसोज म्हारी आतमा के बी सुक द्‌यो
हे। तो असा मनखहुंण को मान राखजो।

१९[†] एसिया की मण्डळिहुंण आड़ी से
तमारे नमसकार। अक्विला अने पिरिसका
अने उणका घर की मण्डळी आड़ी से
तमारे परभु माय घणो नमसकार। [२०]यां
का सगळा भई-बेनहुंण आड़ी से तमारे
नमसकार।

पवित्तर चुम्मो समेत माय-माय
नमसकार करजो।

२१हूं पोलुस को अपणा हात से लिख्यो
नमसकार।

२२अगर कईं को परभु से परेम नी
राखे, तो उ सापित होय।

मारानाथा - हे हमारा परभु अइजा!

२३परभु ईसु की किरपा तमार पे होय।

२४म्हारो परेम मसीह ईसु का लोगहुंण,
याने तम सगळा का गेले रे। आमीन॥

---

[v] **१६.१२** उकी मरजी नठूनी थी; या परमेसर की मरजी नी होगा।

[†] **१६.८:** लेव्यव्यवस्था २३.१५–२१; नेम-बिधान १६.९–११ [†] **१६.८–९:** परेरितहुंण १९.८–१०

[†] **१६.१०:** १ कुरिन्थिहुंण ४.१७ [†] **१६.१५:** १ कुरिन्थिहुंण १.१६ [†] **१६.१९:** परेरितहुंण १८.२

पोलुस की दूसरी चिट्ठी

कुरिन्थिहुंण
का नामें

लिखवा वाळो: पोलुस

लिखवा की वजा: मसीही सेवकई

लिखवा को बखत: करीब ५६ ईस्वी सन्

उद्देस: इनी चिट्ठी माय पोलुस ने अपणा हिरदा की बातहुंण परगटी हे। इका जादा से जादा हिस्सा माय उ अपणी सेवकई का बारामें याने परेरितई का बारामें के हे (अध्याय १-७ अने १०-१३)। अने अध्याय ८-९ माय दान सरु अने भण्डारिपणा के पूरण करवा का बारामें लिखे हे क्योंके लोग बे-फिकर हुई ग्या था। कुरिन्थियुस नगर के पेली चिट्ठी मोकलवा का बाद उका जुवाब सरु पोलुस इफिसुस नगर माय रुक्यो र्‌यो। फेर उ तीतुस से मिळवा सरु त्रोआस नगर आयो पण निरास हुई के वां से मकिदुनिया इलाका आड़ी रवाना हुई ग्यो थो (२.१२,१३)। आखरी माय जदे तीतुस उकासे मिळ्यो अने कुरिन्थियुस की मण्डळी को खुसी से भर्‌यो संदेसो सुणी के पोलुस ने लिख्यो, तीतुस ने म्हारा सरु तमारी मरजी, तमारा दुःख, अने तमारी खुसी को समिचार द्‌यो। थोड़िक खराब बातहुंण बी सुणवा सरु मिळी। कुरिन्थियुस की मण्डळी माय एक यहूदी दळ (११.२) पोलुस परेरित का हक का बारामें सवाल करवा लाग्यो थो। ई लोग इनी बात पे सक करी र्‌या था के पोलुस ने सांची माय मसीह पे बिसास कर्‌यो अने ईसु मसीह से सेवकई पई थी के नी (१०.२)। ई खुद पोलुस के निच्चो समजता था (१०.१०)। हालाके मण्डळी का थोड़ाक लोग पसतावो करी र्‌या था। फेर बी पसतावो नी करवा वाळा पोलुस का पछड़े पड़ी ग्या था। तो पोलुस इनी चिट्ठी माय जसे अपणा हिरदा का भाव परगटे हे (२.१-११) असो उने दूसरी चिट्ठिहुंण माय नी परगट्‌यो।

खास बात: पोलुस ने नरी बातहुंण का जरिये इनी चिट्ठी माय नरा धरम सिद्दांतहुंण के बताड़्या हे। पोलुस खास करिके इनी बातहुंण के परगट करे: परमेसर को सुभाव, उको सरुप अने उकी काम करवा की रीति (१.३,४; २.१४; ४.५,६; ५.१८-२१; ६.१४-१८; ९.७-१५) नवी अने जूनी बाचा माय फरक (अध्याय ३) हमारो सरग को घर (५.१-१०) परमेसर से मेळ-मिळाप की सेवा (५.१४-२१) अने धन माय मसीही भण्डारिपणो (अध्याय ८,९)।

रुप-रेखा:-

१. परभु का नाम से किरपा अने सान्ती को नमसकार १.१-२
२. मसीही सेवकई माय समस्या १.३-७.१६
३. मसीही भण्डारिपणा माय समस्या ८.१-९.१५
४. मसीही सेवक की समस्या १०.१-१३.१०
५. आखर माय सगळा के नमसकार १३.११-१४

---

१ † पोलुस आड़ी से जो परमेसर की
मरजी मुजब मसीह ईसु को परेरित[a]
हे अने भई तीमुथियुस आड़ी से
कुरिन्थियुस माय परमेसर की मण्डळी
अने अखाया देस का पवित्तर लोगहुंण
का नामे:
२तमारे हमारा पिता परमेसर अने परभु
ईसु मसीह आड़ी से सान्ती अने किरपा
मिळे।

पोलुस ने परमेसर को धन्यबाद कर्‌यो

३धन्य हे परमेसर, हमारा परभु ईसु
मसीह का पिता, जो दयालु अने सगळी
सान्ति को परमेसर हे। ४उ हमारा सगळा
कळेसहुंण माय सान्ति दे हे, के हम
बी उणके जो कळेस माय रे हे, वसोज
अराम दई सकां जसो परमेसर ने खुद
हमारे द्‌यो हे। ५क्योंके मसीह को दुःख
हमारा सरु घणो हे, वसेज हमारी सान्ति
बी मसीह की वजासे घणी हे। ६अगर हम
कळेस उठाड़ां हे तो या तमारी सान्ति
अने मुक्ती सरु हे। अगर हमारे सान्ति
मिळी हे तो यो तमारा सान्ति सरु हे, जो
उना कळेसहुंण के जिरना से सेणे माय
मदद करे हे अने जिणके हम बी सहां
हे। ७तमारा बारामें हमारी आसा मजबूत
हे, क्योंके हम या जाणा हे जसतरा तम
हमारी पीड़ा माय हिस्सो लो हो असतरा
हमारी सान्ति माय बी रो हो!

८† क्योंके हे भई-बेनहुंण, हम या नी
चावां के तम उना कळेस से अण्जाण्या
रो जो हमारे एसिया परदेस[b] माय सेणो
पड़्यो। हम असा भारी बजन से दबी
ग्या था जो हमारे सेणे से बायरे थो।
यां तक के हम जीवा की आस बी छोड़ी
चुक्या था। ९सांची माय हमारे असो
लाग्यो जसेके हमार पे मोत की सजा
को हुकम हुई चुक्यो, जेकासे के हम
अपणा खुद पे नी पण परमेसर पे भरोसो
राखां जो मर्‌याहुंण के जिवाड़े हे। १०उनेज
हमारे मोत का इतरा बड़ा भयानक संकट
से बचाड़्यो,[c] अने भविस माय बी जरुर
बचाड़ेगा। उकापेज हमने आस धरी हे।
अने उज हमारे अगड़े बी बचाड़तो रेगा।
११तम बी इका माय अपणी पराथनाहुंण
से हमारी मदद करोगा जेकासे के हमारा[d]

---

[a] **१.१** परेरित; सबद् भण्डार माय देखो। [b] **१.८** एसिया परदेस; आज को तुरकी राज; समन्दर का कराड़ा को इलाको। [c] **१.१०** हमारे ... संकट से बचाड़्यो; थोड़ाक मूळ माय भयानक मोत।
[d] **१.११** हमारा; थोड़ाक मूळ माय तमारा।
† **१.१:** परेरितहुंण १८.१ † **१.८:** १ कुरिन्थिहुंण १५.३२

आड़ी से नरा लोगहुंण की पराथनाहुंण से उनी किरपा सरु जो हरेक पे हुई धन्यबाद द्यो जई सके।

जातरा योजणा माय बदळाव

१२अबे हमारो गुमान याने हमारी समज की गवई या हे के हमने इना जगत माय, अने खास करिके तमारा गेले हमारो नातो, जग का ज्ञान मुजब नी पण परमेसर की किरपा से पवित्तर[e] अने भगती से भर्‍या सच्चई से आचरण कर्‍यो। **१३**जो तम बांचो अने समजी सको हो उके छोड़ी के हम कइंनी लिखां, अने हूं आस राखुं के तम उनी बात के पूरण रीति से समजी सकोगा। **१४**जेके तमने थोड़ाक रुप माय हमारे समज्यो हे, के जसे हम तमारा गुमान की वजासे हे, वसेज तम बी हमारा परभु ईसु का आवा का दन माय हमारा गुमान की वजासे री जो।

१५इना बिसास का साते म्हारे पेलां तमारा यां आणो पक्को थो के तम दूसरी कावा आसीस पई सको, **१६**[†] याने यो के हूं तमारा कने से होतो होयो मकिदुनिया परदेस जउं अने मकिदुनिया से पाछो तमारा कने अउं अने तमार से यहूदिया की जातरा सरु मदद पउं। **१७**जदे म्हने असी योजणाहुंण बणई, तो हूं दो चित्यो नी थो या जदे हूं योजणाहुंण बणउं तो कंई काया मुजब बणउं के एकज बखत माय 'हां, हां' कूं अने 'नी, नी' बी। **१८**जसो के परमेसर बिसासलायक हे, वसोज तमारा सरु हमारी बोली माय 'हां' अने 'नी' दोई एक साते नी मिळे। **१९**[†] क्योंके परमेसर का बेटा ईसु मसीह माय, जेको परचार तमारा अदाड़ माय हमने याने सिलवानुस, तीमुथियुस अने म्हने कर्‍यो उका माय कदी 'हां' कदी 'नी' तो नी हे, पण सदा 'हांज 'हां' हे। **२०**क्योंके परमेसर की जितरी बी परतिज्ञा हे ईसु माय 'हांज' हां' हे। इकासरु उकासे हमारी आमीन (असोज होय) बी परमेसर की म्हेमा सरु बोल्यो जाय हे। **२१**अबे जो तमारा साते हमारे मसीह माय मजबूत करे अने जेने हमारो अभिसेक कर्‍यो उ परमेसर हे, **२२**जेने हमार पे हक की मोहर बी लगाड़ी अने अपणा पवित्तर आतमा के देवा को वायदो बयाणा माय हमारा हिरदा माय द्यो।

२३हूं परमेसर के अपणो गवो ठेराड़तो होयो कूं के हूं दूसरी कावा कुरिन्थियुस इकासरु नी आयो के तमारे दुःख से बचाड़ी राखुं। **२४**असी बात नी के हम तमारा बिसास का बारामें हक जताणो चावां, पण हम तमारा आनन्द सरु तमारा साती काम करवा वाळा हे, क्योंके तम बिसास माय ठेर्‍या रो हो।

२ म्हने अपणा सरु यो इरादो करी ल्यो थो के तमारा कने दूसरी कावा दुःख देवा नी अउं। **२**क्योंके अगर हूं तमारे दुःख पोंचउं तो म्हारे सुकी कुंण करेगा, सिवाय उका जेके म्हने दुःख पोंचाड़्यो। **३**अने याज बात म्हने तमारे लिखी के अई के उणकासे

---

[e] **१.१२** पवित्तर; या खुली के; थोड़ाक हात का लेखहुंण माय पवित्तरता।

[†] **१.१६:** परेरितहुंण १९.२१ [†] **१.१९:** परेरितहुंण १८.५

दुःख नी पउं जिणकासे म्हारे आनन्द
मिळणो चइये, अने म्हारे तम सगळा
पे यो भरोसो थो के जो म्हारो आनन्द
हे उज तम सगळा को बी होय। ४म्हने
तमारे बड़ो कळेस अने हिरदा की पीड़ा
से आंसु बिवाड़ि-बिवाड़िके लिख्यो थो,
इकासरु नी के तमारे दुःख पोंचे पण
इकासरु के तम उका परेम के जाणी
सको, जो म्हारे खास करिके तमारा
सरु हे।

कसुरवार के मांफी

५अगर कइंका ने दुःख द्यो हे तो
उने सिरप म्हारे नी, पण अगर बड़ई-
चड़ई के नी कूं तो थोड़ो-भोत तम
सगळा के बी द्यो हे। ६असा मनख
सरु जादा मत से जो सजा दई जाय
वा नरी हे। ७इका उलटा तम उके
मांफ करो अने सान्ति दो कंई असो
नी होय के उ घणो दुःख माय डुबी
जाय। ८इकासरु म्हारी तमार से याचना
हे के तम उके अपणा परेम को परमाण
दो। ९म्हने तमारे इना अरथ से लिख्यो
के तमारे परखुं के तम हर बात माय
हुकम मानवा वाळा हो के नी। १०पण
जेके तम कइंकी बात माय मांफ करो
हो, उके हूं बी मांफ करूं, क्योंके
सांची माय म्हने जो कंई मांफ कर्‌यो
हे - अगर म्हारे कंई मांफ करवा को
थो - मसीह की हाजरी माय तमारा
सरु कर्‌यो हे, ११के सेतान हमार से
कंई फायदो नी उठाड़े, क्योंके हम
उकी तरकीबहुंण से अण्जाण्या नी हे।

पोलुस की बेचेनी

१२[†] जदे हूं मसीह को सुब-समिचार
सुणावा सरु त्रोआस नगर आयो, अने
परभु ने जदे म्हारा सरु रस्तो खोल्यो,
१३तो अपणा भई तीतुस के नी पई के
म्हारी आतमा बेचेन हुई गी, तो उणकासे
बिदा हुई के हूं मकिदुनिया आड़ी बड़तो
चल्यो ग्यो।

मसीह की वजासे जीत

१४पण परमेसर को धन्यबाद होय जो
मसीह की वजासे जीत-जळसा का जुलुस
माय हमारी अगवाणी करे हे, अने हमार
से मसीह का ज्ञान की मीठ्ठी सोरम
हर जगा पसारे हे। १५क्योंके मुक्ती पावा
वाळा अने नास होवा वाळा दोई का सरु
परमेसर आड़ी से हम मसीह की सोरम
हे। १६याने इकाड़ी मरवा सरु मोत की
सोरम, अने दूसरा आड़ी जीवन सरु
जीवन की सोरम। भला इनी बातहुंण के
करवा का लायक कुंण हे? १७हम तो उना
नरा लोगहुंण सरीका हयनी, जो परमेसर
का बचन माय फेर-बदळ करे हे, पण हम
हिरदा की सच्चई से परमेसर आड़ी से
मोकल्या अने परमेसर के हाजिर जाणी
के मसीह माय बोलां हे।

मसीह का जीवता पत्तर (चिट्ठी)

३ कंई हम फेर अपणी बड़ई करवा
लागां? या दूसरा मनखहुंण का जसा
कंई हमारे बी तमार से बड़ई-पत्तर लेवा
या तमारे देवा की जरुवत हे? २हमारा

[†] **२.१२–१३:** परेरितहुंण २०.१

पत्तर तो तमीज हो, जो हमारा हिरदा पे
लिख्या ग्या हो अने जेके सगळा लोग
जाणे अने बांचे हे, ३† अने यो परगटे
के मसीह का पत्तर तम हो जेकी हमने
देख-रेख करी, अने जो सई से नी, पण
जीवता परमेसर का आतमा से फत्तर की
पट्टिहुंण[f] पे नी पण हिरदा का मांस रुपि
पट पे लिख्यो हे।

४अने मसीह की वजासे, परमेसर
पे हमारे असोज भरोसो हे। ५असो नी
के हम खुद इका लायक हे के समजां
के खुद कंई करी सकां हे, पण हमारी
लायकी तो परमेसर आड़ी से हे, ६† जेने
हमारे नवा करार का सेवक होवा का
लायक बणाया, यो कईं को लिख्यो नेम-
बिधान को करार हयनी पण पवित्तर
आतमा को, क्योंके लिख्या नेम-बिधान
तो मारे, पण पवित्तर आतमा जिवाड़े हे।

नवा करार की म्हेमा

७† पण वा वाचा जो मोत से भरी हुई
थी यानी नेम-बिधान जो फत्तर-पट्टिहुंण
पे लिख्यो थो उका माय इतरो उजाळो
थो के इसराइल लोग मूसा का चळकण्यां
मुन्डा का तेज के एकटक नी देखी
सक्या। हालाके उको उ चळकण्यो मुन्डो
बाद माय कुमळई ग्यो। ८तो फेर आतमा
को करार हजु जादा चळकण्यो क्यों नी
रेगा? ९क्योंके जदे दोषी ठेरावा वाळो
करार चळकण्यो हे, तो धरमी ठेरावा
वाळो करार हजु बी जादा चळकण्यो हे।
१०सांची माय उ जो चळकण्यो थो अबे
उना तेज का सामे जो उकासे बड़ी के
चळकण्यो हे, नी र्‌यो। ११क्योंके अगर उ
कमजोर होवा वाळो चळकण्यो थो, तो उ
जो कायम हे हजु बी जादा चळकण्यो
रेगा।

१२असी आसा होवा की वजासे हम बड़ा
हियाव से बोलां हे, १३† अने हम मूसा
सरीका नी जो अपणा मुन्डा पे परदो
लाख्यो रेतो थो के इसराइल की सन्तान
एकटक हुई के उना लोप होता होया
उजाळा का आखरी के नी देखी सके।
१४पण उणका मन काठा हुई ग्या, क्योंके
आज बी इना जूना करार के बांचता
बखत उज परदो पड़्यो रे हे, क्योंके उ
सिरप मसीह से हटाड़्यो जाय हे। १५आज
दन तक जदे कदी मूसा की पोथी बांची
जाय तो उणका हिरदा पे परदो पड़्यो रे
हे। १६† 'पण जदे कदी कईं को मनख
परभु आड़ी फिरे तो उ परदो हटाड़ी ल्यो
जाय हे।' १७अबे यो परभु तो आतमो
हे, अने जां परभु को आतमो हे वां
आजादी हे। १८अने हम सगळा खुल्या
मुन्डा से, परभु को उजाळो जसे कांच
माय देखता होया, परभु याने आतमा से
उणाज उजाळा रुप माय जरा-जरा करिके
बदळता जाय हे।

गारा का ठामड़ाहुंण माय धन

४ जदे हमार पे असी दया हुई के हमारे
या सेवा मिळी, तो हम हिम्मत

---

[f] **३.३** फत्तर की पट्टिहुंण; परमेसर ने सिनाय परबत पे मूसा के जो नेम-बिधान द्‌यो थो उ फत्तर की पट्टिहुंण पे लिख्यो थो (निरगमन २४.१२, २५.१६)।

† **३.३:** निरगमन २४.१२; यरमियाह ३१.३३; यहेजकेल ११.१९, ३६.२६ † **३.६:** यरमियाह ३१.३१

† **३.७:** निरगमन ३४.२९ † **३.१३:** निरगमन ३४.३३ † **३.१६:** निरगमन ३४.३४

नी खोंवां। २पण हमने लाज का गुपत
कामहुंण के छोड़ी लाख्या अने कपटिपणा
से नी चलां, नीज परमेसर का बचन माय
भेळ करां हे। पण सच्चई के सुदा-सरल
रुप से परगट करिके लोगहुंण की समज
माय परमेसर का सामे अपणे खुद के
परसंसा का लायक ठेरावां हे। ३अगर
हमारा सुब-समिचार पे परदो पड़्यो हे,
तो यो परदो उणका सरु पड़्यो हे जिणको
नास हुई र्‌यो हे। ४उना अबिसासिहुंण
की बुध्दि के इना जगत का ईसवर[g]
ने आंदा करी लाख्या हे के वी परमेसर
का दूसरा रुप, याने मसीह की म्हेमा
का सुब-समिचार से फुटिर्‌या उजाळा के
नी देखी सके। ५हम तो अपणा नी पण
मसीह ईसु को परचार करां हे के उ परभु
हे, अने अपणा बारामें यो के हे के, हम
ईसु की वजासे तमारा दास हे, ६[†] क्योंके
परमेसर जेने यो क्यो, "इन्दारा माय से
उजाळो चळके," उज हे जो हमारा हिरदा
माय चळक्यो हे के हमारे ईसु मसीह का
मुन्डा से परमेसर की म्हेमा का ज्ञान की
जोत दे।

७पण हम गारा का ठामड़ाहुंण सरीका,
यो धन इकासरु राख्यो के सामरत की
खतम नी होवा वाळी म्हानता हमारा
आड़ी से नी बरण परमेसर आड़ी से रे
हे। ८हम चारी आड़ी से कळेस सहां पण
मिटाड़्या नी जावां; उपाव तो हयनी पण
निरास नी होवां; ९सताड़्या तो जावां हे,
पण छेक्या नी जावां, झुकाड़्या तो जावां
पण नास नी होवां। १०हम ईसु की मोत
के हमेस्या अपणी काया माय ल्या फरां
हे के ईसु को जीवन हमारी काया माय
परगटे। ११हम जो जीवी र्‌या हे, हमेस्या
ईसु की वजासे मोत का हाते दई द्‌या
जावां के ईसु को जीवन बी हमारी मरी
जसी काया माय परगटे। १२असतरा मोत
तो हमारा माय, पण जीवन तमारा माय
काम करे हे।

१३[†] धरम सासत्तर माय लिख्यो हे:
"म्हने बिसास कर्‌यो, इकासरु हूं बोल्यो।"
इकासरु के बिसास की वाज आतमा
हमारा माय हे, हम बी बिसास करां हे
अने इकासरु बोलां हे। १४तो यो जांणां
हे के परमेसर ने परभु ईसु के मर्‌या
माय से जिवाड़्यो। अने जसो उने ईसु के
जिवाड़्यो वसोज हमारे बी जिवाड़ेगा, अने
हमारे बी तमारा साते अपणा सामे हाजिर
करेगा। १५क्योंके सगळी चीजहुंण तमारा
सरु हे के किरपा जो जादा से जादा
लोगहुंण माय फेलती जई री हे, परमेसर
की म्हेमा सरु धन्यबाद की पराथना बी
बड़ती जायगा।

बिसास से जीवन

१६इकासरु हम हिम्मत नी खोंवां,
जदके हमारो बायरे को मनखपणो गळतो
जई र्‌यो हे, फेर बी हमारा भित्तरे को
मनखपणो दने-दन नवो होतो जई र्‌यो
हे। १७क्योंके हमारो रत्ति-भर को यो फोरो
सो कळेस एक असी म्हेमा पेदा करे
जो हमेस्या बणी रे जेको पासंग हयनी।
१८हमारी आंखहुंण उनी चीजहुंण पे हयनी

---

[g] **४.४** इना जगत का ईसवर; या सेतान।

[†] **४.६:** उत्पत्ती १.३ [†] **४.१३:** भजन संहिता ११६.१०

जो नगे आवे, पण उनी चीजहुंण पे हे
जो नगे नी आवे, क्योंके नगे आवा वाळी
चीजहुंण तो थोड़ाक बखत की हे, पण
नगे नी आवा वाळी चीजहुंण हमेस्या
की हे।

हमारो सरग को घर

५ हम जाणा हे के अगर हमारो धरती
पे को डेरा सरीको घर ढळ्डायो जाय
तो परमेसर से हमारे सरग माय असो
घर मिळेगा जो हातहुंण से बण्यो होयो
नी, पण हमेस्या को हे। २इना घर माय
तो हम करांजा अने या मन्सा राखां हे के
अपणा सरग का घर माय घिर्या रांगा।
३हमारी या धारणा पक्की हे के हम उके
पावांगा अने फेर बेघर-बार का नी रांगा।
४सांचीज, जदत्तक हम इना डेरा याने
भोतिक काया माय रां तो बजन से दब्या
होया करांजा हे, क्योंके हम लतरा हेड़णो
नी, बरण पेरनो चावां हे, के जो कंई
मर्यो सरीको हे, उ हमेस्या का जीवन
माय बदळी जाय। ५अबे जेने हमारे इनी
वजासे तय्यार कर्यो, उ परमेसर हे।
उने हमारे बयाणा माय पवित्तर आतमो
द्यो हे।

६इकासरु हम हमेस्या पूरण बिसास
राखां हे अने यो जाणा हे के जदत्तक हम
काया रुपि घर माय रां, परभु से दूरा रां
- ७क्योंके हम रुप के देखी के नी, पण
हम बिसास से जीवां हे - ८तो हम पूरण
बिसास राखां हे अने काया से इकाड़ी हुई
के परभु का गेले रेणो हजु बी भलो चावां
हे। ९इकासरु हमारी मनसा या हे, चाये
काया माय रां या इकाड़ी रां हम उके
परमिला लागता रां। १०† क्योंके हमारे
सगळा के मसीह का न्याव आसण का
सामे हाजिर होणो जरुरी हे के हरेक के
अपणा भला अने बुरा कामहुंण को बदळो
मिळे जो उने अपणी काया से कर्या हे।

परमेसर से मेळ-मिळाप की सेवा

११तो हम परभु को डर मानता होया
लोगहुंण के समजावां हे, पण हमारी दसा
परमेसर का सामे खुली हुई हे अने हूं
आस करूं के हमारी या दसा तमारी
समज माय बी खुली हुई हे। १२हम पाछी
अपणी बड़ई तमारा सामे नी करी र्या
हे पण तमारे मोको दई र्या हे के तम
हमार पे गुमान करो अने उणके जुवाब
दई सको जो हिरदा पे नी पण दिखावटी
पणा पे गुमान करे हे। १३क्योंके अगर
हम बेसुद हे तो परमेसर सरु, अने अगर
सुद माय हे तो तमारा सरु हे। १४क्योंके
मसीह को परेम हमारे बेबस करे हे
जेकासे यो नतीजो हिटे हे के जदे ईसु
सगळा सरु मर्यो, तो सगळा मरी ग्या।
१५अने ईसु सगळा सरु मर्यो के वी जो
जीवता हे अगड़े अपणा सरु नी जीये पण
उका सरु जीये, जो उणका सरु मर्यो
अने पाछो जिन्दो हुई ग्यो।

१६इकासरु अबी से हम कइंका मनख
के काया का मुजब नी समजांगा।
हालाके हमने मसीह के बी काया का
मुजब जाण्यो हे, फेर बी अबे हम उके
असो नी जाणा। १७इकासरु अगर कई
को मसीह माय हे तो उ नवी रचणा

† **५.१०:** रोमिहुंण १४.१०

हे। जूनी बातहुंण बिती चुकी। देखो
तो, नवी बातहुंण अइगी हे। १८अबे ई
सगळी बातहुंण परमेसर आड़ी से हे,
जेने मसीह की वजासे हमारो मेळ-
मिळाप अपणा साते करी ल्यो, अने
हमारे मेळ-मिळाप की सेवा दई १९याने
परमेसर, लोगहुंण का पापहुंण को दोष
उणका पे नी लगाड़ता होयो, मसीह
माय[h] जग को मेळ-मिळाप अपणा
साते करी र्‌यो थो, अने उने हमारे
मेळ-मिळाप को बचन समळई द्‌यो
हे। २०इकासरु हम मसीह का राजदूत
हे, मानो के परमेसर हमारा जरिये
बिणती करी र्‌यो हे; हम मसीह आड़ी
से तमार से बिणती करां हे के परमेसर
का साते मेळ-मिळाप करी लो। २१जो
पाप से अण्जाण्यो थो, उकेज परमेसर
ने हमारा सरु पापी ठेराड़्यो के हम
ईसु का गेले मिळी के परमेसर की
धारमिकता बणी जावां।

६ परमेसर का काम के एक साते
करवा का नाते, हम बी तम
लोगहुंण से या बिणती करां के परमेसर
की किरपा जो तमारे मिळी उके बेकार
मती जावा दो। २[†] क्योंके परमेसर के हे,

"ठीक बखत पे
म्हने तमारी बिणती सुणी ली,
अने मुक्ती का दन पे
म्हने थारी मदद करी।"

हूं तमार से कूं देखो तो, अबे ठीक
बखत हे। देखो तो, अबे उ मुक्ती को
दन हे।

पोलुस की परेसानिहुंण

३हम कइंकी बात माय ठोकर की वजा
नी बणा जेकासे के हमारी सेवा पे कईं
को फरक पड़े, ४पण हरेक बात माय
परमेसर का लायक सेवकहुंण का सरीका
अपणे खुद के अगड़े करां, याने बड़ी
जिरना माय, कळेसहुंण माय, कमकोती
माय, संकटहुंण माय, ५[†] मार खावा माय,
बन्दी बणाया जावा माय, दंगा-फसादहुंण
माय, म्हेनत करवा माय, जागवा माय,
भूका-तिरस्या माय, ६पवित्तरता माय,
ज्ञान माय, जिरना माय, किरपा माय,
पवित्तर आतमा माय, सांचा परेम माय,
७सांचा बचन माय, परमेसर का सामरत
माय, धारमिकता की ढाळ के जीवणा-
डाबा हातहुंण माय लई के, ८मान अने
मान पाड़वा माय, जस अने कोजस माय,
बदनामी अने नेकनामी माय, धोका देवा
वाळाहुंण सरीका समज्या जावां हे फेर
बी सांचा हे, ९अण्जाण्या सरीका फेर
बी परसिद्द, मर्‌या होया सरीका फेर
बी देखो, हम जीवता र्‌या, सजा पावा
वाळाहुंण सरीका, फेर बी जान से मार्‌या
नी जावां, १०दुःख्या सरीका पण हमेस्या
खुसी मनावां हे, गरीब-गुरबा सरीका पण
नरा के धणी बणई दां हे, असा सरीका
समज्या जांवां हे जिणका कने कंई
हयनी, फेर बी हम सगळो कंई राखां हे।
११हे कुरिन्थियुस नगर का लोगहुंण,
हमने तमार से जी खोली के बातहुंण
करी, हमारा हिरदा खुल्या होया हे।

---

[h] **५.१९** मसीह माय; या मसीह आड़ी से।

[†] **६.२:** यसायाह ४९.८ [†] **६.५:** परेरितहुंण १६.२३

१२हमारो परेम तमारा सरु कम नी होयो,
पण तमने हमार से परेम करनों बन्द
करी लाख्यो हे। १३तमारे बाळक समजी
के अबे हूं कूं के तम बी इका बदळे
अपणो हिरदो हमारा सरु खोली दो।

बेमेळ जुड़ा माय मती जुतो

१४अबिसासिहुंण का गेले बेमेल जुड़ा
माय मती जुतो, क्योंके धारमिकता को
अधरम से कंई मेळ? या उजाळा को
इन्दारा से कंई नातो? १५अने मसीह को
बलियाल[i] से कंई लगाव? बिसासी को
अबिसासी से कंई नातो? १६† या मुरतहुंण
से परमेसर का मन्दर को कंई समजोतो?
क्योंके हम तो जीवता परमेसर का मन्दर
हे, जसा के परमेसर ने क्यो,

"हूं उणका गेले हाजिर रुंवां
अने उणका गेले चल्यो फिरुंवां
अने हूं उणका अदाड़ माय परमेसर
रुंवां
अने वी म्हारा लोग रेगा।"

१७† इकासरु परभु बी के हे,

"उणका माय से हिटो
अने इकाड़ी हुई जाव,
अने जो कंई असुद्द हे उके हात
मती लगाड़ो
तो हूं तमारे मानी लुंवां;
१८† अने हूं तमारो पिता रुंवां
अने तम म्हारा बेटा अने बेटिहुंण
रोगा;
सगळा से सकतीमान परभु
परमेसर यो के हे।

७ तो हे परमिलाहुंण, जदके हमारे
ई परतिज्ञाहुंण मिळी हे तो आव,
परमेसर का डर माय पवित्तरता के सिद्द
करता होया, हम काया अने आतमा की
सगळी असुद्दता से अपणे खुद के सुद्द
करां।

पोलुस की खुसी

२हमारे अपणा हिरदा माय जगा दो।
हमने कइंका का गेले अन्याव नी कर्‌यो,
हमने कइंका के भरस्ट नी कर्‌यो, हमने
कइंका से मोका को फायदो नी उठाड़्यो।
३हूं तमारे दोषी ठेरावा सरु तो यो नी
कूं; क्योंके हूं पेलांज कई चुक्यो हूं के
तम हमारा हिरदा माय असा बसी ग्या
हो के हम तमारा गेले मरवा अने जीवा
सरु तय्यार हे। ४म्हारे तमार पे घणो
भरोसो हे, म्हारे तमार पे घणो गुमान हे,
हूं सुक-चेन से भर्‌यो होयो हूं। जदे हमारे
सगळा तरा को सताव होय, तो हूं खुसी
से भरी जउं।

५† मकिदुनिया पोंचवा पे बी हमारी
काया के अराम नी मिळ्यो, पण
सगळा आड़ी से हमारे दुःख झेलनो
पड़्यो, मण्डळी का बायरे झगड़ो अने
भित्तरे अपणा हिरदा माय डर थो। ६पण
दुःखिहुंण के सुक देवा वाळा परमेसर ने
तीतुस चेला का आवा से हमारे सान्ति

---

[i] **६.१५** बलियाल; इबरी भासा माय बुरा या बेकार। इको अरथ सेतान बी हे।

† **६.१६:** लेव्यव्यवस्था २६.१२; यहेजकेल ३७.२७; १ कुरिन्थिहुंण ३.१६, ६.१९

† **६.१७:** यसायाह ५२.११

† **६.१८:** २ सेमुएल ७.१४; १ इतयास १७.१३; यसायाह ४३.६; यरमियाह ३१.९

† **७.५:** २ कुरिन्थिहुंण २.१३

दई; ७पण नी सिरप उका आवा से बल्के
उना सान्ति से जो उके तमारा आड़ी से
मिळ्यो थो, उने हमारे बताड़्यो के म्हार
से मिळवा सरु तम कितरा उतावळा हो।
तमारे हमारो कितरो सांसो हे। इका से हूं
हजु जादा खुस होयो।

८जदके म्हने तमारे अपणी चिट्ठी से
दुःख पोंचाड़्यो, फेर बी म्हारे इको रंज-
गम हयनी - पेलां तो जरुर रंज होयो,
पण थोड़ाज बखत सरु - ९अबे हूं खुस
हूं इकासरु नी के तम रंज करो, बरण
इकासरु के इना दुःख की वजासे तमने
पसतावो कर्‌यो। तम तो परमेसर की
मरजी का मुजब दुःखी होया के तमारे
हमार से कइंकीज बात से नुकस्यान नी
पोंचे। १०क्योंके उ दुःख जेके परमेसर दे
हे, एक असो मन बदळाव के जनम दे हे,
जेका सरु पसताणो नी पड़े अने जो मुक्ती
देवाड़े हे। पण उ दुःख जो जगत से होय
उकासे तो मोत जनम ले हे। ११देखो तो,
यो दुःख जेके परमेसर ने द्‌यो हे, उने
तमारा माय कितरो जोस भरी लाख्यो,
अपणा भोळापण को कितरो बचाव,
कितरो गुस्सो, कितरी ब्याकुळता, कितरी
मनसा, कितरो जोस, अने न्याव चुकावा
को कितरो चाव पेदा करी लाख्यो! तमने
हरेक बात माय यो दिखाड़ी द्‌यो के इना
बारामें तम कितरा निरदोस था।

१२जदके अगर म्हने तमारे लिख्यो
थो तो उना मनख की वजासे नी जो
कसुरवार थो अने नीज उकी वजासे
जेका सरु कसूर कर्‌यो थो। पण इकासरु
लिख्यो थो के परमेसर का सामे हमारा
सरु तमारी फिकर को तमारे पतो चली
जाय। १३इका से हमारे सान्ति मिळी।
हमारे इनी सान्ति का अलावा तीतुस
की खुसी से हम हजु जादा आतमा माय
खुस होया, क्योंके तम सगळा की वजासे
भित्तरे का मनख के चेन मिळ्यो हे।

१४तमारा सरु म्हने उकासे जो बड़ी-
चड़ी के बात करी थी, तो तम लाजे नी
मर्‌यो बल्के हमने जसो तमार से सांची-
सांची क्यो थो, वसोज तमारा बारामें
हमारो गुमान तीतुस का सामे सांचो सिद्द
होयो। १५उ जदे यो रियाद करे के तम
सगळा ने कसतरा उको हुकम मान्यो
अने डर से धुजता होया तमने कसे उके
मान्यो तो तमारा सरु उको परेम हजु बी
बड़ी जाय हे। १६हूं खुस हूं के हरेक बात
माय हूं तमार पे पूरो भरोसो राखी सकूं।

खुला मन से दान

८ [†] हे भई-बेनहुंण, अबे हम तमारे
परमेसर की उनी किरपा का बारामें
बताड़णो चावां हे जो मकिदुनिया की
मण्डळी पे करी हे २संकटहुंण की कठण
अजमाइस माय बी वी खुस र्‌या अने
अपणी घोर-गरीबी का रेता होया बी
उणकी घणी उदारता उमड़ी पड़ी। ३क्योंके
हूं गवई दूं के उणने अपणी सकती
का मुजब, याने अपणी हेसियत से बी
बड़ी के मन भरिके द्‌यो। ४अने संत-
जणहुंण की मदद करवा माय सात देवा
सरु हमार से घड़ी-घड़ी बिणती करी,
५अने उणने हमारी आसा से बड़ी के
पेलां अपणे खुद के परभु के द्‌यो; फेर

[†] **८.१–४:** रोमिहुंण १५.२६

परमेसर की मरजी मुजब हमारे बी दई
द्यो। ६तो हमने तीतुस से बिणती करी
के जसो उने पेलां सुरु कर्‌यो थो, वसोज
तमारा अदाड़ माय बी इनी किरपा का
दान का काम के पूरण करे। ७पण
जसा तम सगळी बातहुंण माय, याने
बिसास माय, बाणी माय, ज्ञान माय
अने हर तरा से एसान करवा माय
अने हमने तमारे[j] जेना परेम की सीख
दई हे उना परेम माय, भर्‌या-पुर्‌या रो,
असीज किरपा का इना काम माय बी
भर्‌या-पुर्‌या हुई जाव।

८हूं यो हुकम की रीत से नी कई र्‌यो
हूं पण दूसरा बिसासिहुंण का हिरदा माय
तमारा सरु जो जोस हे, उना परेम की
सच्चई के सिद्द करवा सरु असो कई
र्‌यो हूं। ९क्योंके तम हमारा परभु ईसु
मसीह की किरपा के जाणो हो, के उ
धणी होतो होयो बी उ तमारा सरु गरीब
बणी ग्यो के उका गरीब होवा से तम
धणी हुई जाव।

१०इना बारामें हूं तमारे अपणी राय
दउं, जो तमारा सरु भलो हे, तम पोर
का बरस नी सिरप दान देवा की मन्सा
मेंज अगड़े था, बल्के दान देवा माय
बी सगळा से अगड़े र्‌या। ११अबे दान
करवा की तमारी घणी मरजी के जो
कंई तमारा कने हे उके पूरण बी करो।
तम इके उतराज लगन से "पूरण करो",
जितरा लगन से तमने इके "चायो" थो।
१२क्योंके अगर दान देवा की लगन हे,
तो मनख का कने जो कंई हे, उका
मुजब उको दान मानवा लायक बणे हे,
नी के उका मुजब जो उका कने हयनी।

१३हम या नी चावां के दूसरा के सुक
मिळे अने तमारे दुःख; पण हम तो
बरोबरी चावां हे। १४पण बरोबरी का
बिचार से इना बखत तमारी बड़ती
उणकी टोटा माय काम आय, के उणकी
बड़ती बी तमारा टोटा माय काम आय
के बरोबरी हुई जाव। १५[†] जसो के पवित्तर
सासत्तर माय लिख्यो हे, "जेने जादा भेळो
कर्‌यो उको नरो नी होयो, अने जेने थोड़ो
भेळो कर्‌यो उके टोटो नी पड़्यो।"

तीतुस अने उका साती

१६परमेसर को धन्यबाद होय जेने
तीतुस का हिरदा माय तमारी मदद सरु
असो जोस भर्‌यो हे। १७क्योंके उने नी
सिरप हमारी बिणती मानी ली, पण उ
खुद की मरजी से बड़ा जोस से भरिके
तमारा कने अई र्‌यो हे। १८हम उका
गेले उना भई के बी मोकली र्‌या हे
जेकी बड़ई, सुब-समिचार का परचार का
रुप माय सगळी मण्डळिहुंण माय फेली
गी हे। १९पण यो इतरोज नी पण उ
मण्डळी को छांट्यो होयो के इना दान
का काम सरु हमारा गेले जाय हम या
सेवा इकासरु करां हे के परभु की म्हेमा
अने हमारा हिरदा की तय्यारी परगट
हुई जाय।

२०हम होसियार रेवा की कोसिस करी
र्‌या हे के इना हिरदा से कर्‌या धन सरु
जेको परबन्द करी र्‌या हे, कईं को हमारे

---

[j] **८.७** हमने तमारे; या तमने हमारे।

[†] **८.१५:** निरगमन १६.१८

दोषी नी ठेराय २१† क्योंके हमारे अपणी
अच्छी साख बणई राखवा की फिकर हे।
नी सिरप परभु का कने, पण लोगहुंण
का कने बी।
२२अने उणका गेले हम अपणा भई के
बी मोकली र्या हे, जेके हमने अकसर
जांच्यो अने नरी बातहुंण माय जोसिलो
पायो हे, पण उना बड़ा भरोसा की वजासे
जो तमार पे हे उ अबे हजु बी बत्ती जोस
माय हे। २३अने तीतुस का बारामें यो के
उ तमारा माय म्हारो साती अने गेले-गेल
काम करवा वाळो हे। हमारा भई-बेनहुंण
का बारामें यो के, वी मण्डळिहुंण का
मोकल्या होया खास लोग अने मसीह
को मान हे। २४इकासरु अपणो परेम अने
हमारो गुमान जो तमारा बारामें करां हे
मण्डळिहुंण का सामे सिद्द करिके दिखाड़
जो।

सातिहुंण की मदद करो

९ यो म्हारे तमारे लिखणों जरुरी हयनी
के संतहुंण की सेवा सरु कर्यो जावा
वाळा दान का बारामें हूं तमारे लिखुं;
२क्योंके मदद सरु हूं तमारी तय्यारी
के जाणूं, अने उका बारामें मकिदुनिया
नगर का बिसासिहुंण का सामे तमार पे
गुमान करूं, याने यो के अखाया राज[k]
का बिसासिहुंण तो पोर सेज तय्यार हे,
अने तमारा जोस ने उणका माय से काम
सरु नरा के उभार्या हे ३पण हूं भई-
बेनहुंण के तमारा कने इकासरु मोकली
र्यो हूं के तमारा सरु इना बारामें हमारो
गुमान बेकार नी जाय अने जसो हूं केतो
अई र्यो हूं, के तम तय्यार मिळो।
४असो नी होय के कईं को मकिदुनिया
रेवासी म्हारा गेले तमारा कने आय अने
तमारे तय्यार नी पाय तो उना बिसास
की वजासे जो इणके बताड़्यो हे, लाजे
मरनो पड़े। ५इकासरु म्हने भई-बेनहुंण
से यो केणो जरुरी समज्यो के वी हमार
से पेलांज तमारा कने जाय अने जेनी
भेंटहुंण के देवा को तम बचन दई चुक्या
हो उणके पेलांसेज सरल हिरदा से तय्यार
राखे, नी के कईं को दबेलदारी माय हुई
के कइंकी चीज दे।
६अबे हूं यो कूं के जो थोड़ो बोय, उ
थोड़ोज काटेगा अने जो नरो बोय, उ
नरोज काटेगा। ७हरेक मनख उतरोज दे
जितरो उने बिचार्यो, नी तो कुड़कुड़ई
के अने नी दबेलदारी से क्योंके परमेसर
खुसी से देवा वाळा सेज परेम करे हे।
८अने परमेसर तमार पे हरतरा का
बरदानहुंण की बरसात करी सके हे,
जेकासे तम अपणी जरुवत की सगळी
चीजहुंण माय हमेस्या खुस री सको हो,
हरेक भला कामहुंण सरु फेर पाछा तमारा
कने जरुवत से जादा रेगा। ९† जसो के
पवित्तर सासत्तर माय लिख्यो हे,

"उने गरीब-गुरबा के दान द्यो,[l]
उकी दयालुता हमेस्याज बणी रे
हे।"

१०† अबे परमेसर जो बोवा वाळा के बीज
अने जिमवा सरु रोटा दे हे, बोवा वाळा
सरु तमारे बीज देगा अने तमारा बीज

[k] **९.२** अखाया राज; उको राज नगर कुरिन्थियुस हे। [l] **९.९** उने गरीब-गुरबा के दान द्यो; याने, उने चारी-आड़ी बेर्यो।

† **८.२१:** नीतिबचन ३.४ † **९.९:** भजन संहिता ११२.९ † **९.१०:** यसायाह ५५.१०

के घणो करेगा अने तमारी दयालुता की
खेती के बड़ायगा। ११तम हरेक बात माय
धणी कर्‌या जावगा के तम हर बखत
दयालु रो। तमारो सरल हिरदो लोगहुंण
माय हमार से परमेसर सरु धन्यबाद पेदा
कराय हे।

१२दान की इनी पवित्तर सेवा से नी
सिरप पवित्तर लोगहुंण की सेवा पूरण
होय बल्के परमेसर सरु जादा धन्यबाद
को भाव बी उपजे हे। १३इनी सेवा के
परमाण मानी के पवित्तर संत-जण
परमेसर की इसतुती करेगा, क्योंके
मसीह का सुब-समिचार माय तमारा
बिसास की घोसणा से पेदा होयो तमारा
हुकम मानवा की वजासे अने अपणा
सरल हिरदा की वजासे उणका सरु अने
दूसरा सगळा लोगहुंण सरु तम दान दो
हो। १४तमार पे परमेसर की बेहद किरपा
की वजासे, वी बी तमारा सरु पराथना
करता होया, तमार से मिळवा की घणी
मन्सा राखेगा। १५उना बरदान सरु जेको
बखाण नी कर्‌यो जई सकतो, परमेसर
को धन्यबाद होय।

पोलुस को हक

१० अबे हूं, खुद पोलुस, तमार से
मसीह की नरमता अने सन्तोसी
हुई के अरज करूं - हूं जो तमारा अदाड़
माय रेता होयो नरम हूं, वइज हूं जदे
तमारा अदाड़ माय नी रूं तो तमारा
सरु हिम्मत वाळो हूं। २अबे म्हारी अरज
तमार से या हे, के जदे हूं तमारा अदाड़
माय रूं तो म्हारे थोड़ाक लोगहुंण सरु
जो असो बिचारे हे, के हम एक संसारी
जीवन जीवां हे, असी हिम्मत नी करनी
पड़े जसी हूं करवा को बिचार करी र्‌यो
हूं। ३जदके हम बी संसार मायज रां
हे पण हम संसारी लोगहुंण का जसा
लड़ां हयनी। ४क्योंके जेना हतियारहुंण
से हम लड़ई लड़ां हे वी संसार का हयनी,
पण उणका माय किलाहुंण के ढळडावा
सरु परमेसर की ताकत भरी हे। ५अने
उणाज हतियारहुंण से हम लोगहुंण का
तरकहुंण के अने उनी हरेक रुकावट के,
जो परमेसर का ज्ञान का बिरोद माय
हे, खारिज करां हे। अने हरेक बिचार
के बन्दी बणई के ईसु का हुकम मानवा
वाळा बणई दां हे। ६जदे बी तमारो हुकम
माननो पूरण हुई जाय तो सगळा तरा
का हुकम उलांगा के सजा देवा सरु हम
तय्यार हे।

७तम उनीज बातहुंण आड़ी नगे करो
जो तमारा आंखहुंण का सामे हे। अने
कइंका के अपणे खुद पे भरोसो हे के
उ मसीह को हे, तो उ अपणा बारामें
फेर पाछो रियाद करे के उ बी उतरोज
मसीह को हे, जितरा के हम हे। ८क्योंके
अगर हूं उना हक का बारामें थोड़ोक
हजु बी गुमान करूं जेके परभु ने तमारे
बिगाड़ने सरु नी, पण बणावा सरु हमारे
द्‌यो, तो इका बारामें हूं लाजे नी मरुंवां।
९हूं अपणा पे काबु राखुंवां के अपणी
चिट्‌ठी-पत्तरी से तमारे डरावा वाळो नी
बणूं। १०क्योंके म्हारा बिरोदी को केणो हे,
"पोलुस की चिट्‌ठी-पत्तरी तो गेरी अने
दमदार रे, पण काया से कमजोर अने
बोल-चाल माय गेरो हयनी। ११पण असो
केवा वाळा मनख के समजी लेणो चइये
के तमारा अदाड़ माय नी रेता होया जदे
हम अपणी पतरी माय थोड़ो-कंई लिखां

हे तो उका माय अने तमारा अदाड़ माय
रेता होया हम जो काम करां हे उका
माय कईं को फरक हयनी।
१२क्योंके हमारी हिम्मत हयनी के
हम अपणी गिणती या बरोबरी उणका
साते करां जो अपणी बड़ई खुद करे
हे, पण जदे वी अपणा खुद के अपणा
सेज नापे अने अपणी बरोबरी खुदज
से करे तो वी मूरख हे। १३पण हम
अपणी मरियादा से बायरे गुमान नी
करांगां, पण उनी सीमा तक गुमान
करांगां जेके परमेसर ने हमारा सरु ठेरई
हे, जेकासे तमारा तक बी पोंची सकां।
१४हम अपणी हद के पार गुमान नी करी
र्‌या हे जसो के तमार तक नी पोंचवा
की दसा माय होतो, पण हम तो मसीह
को सुब-समिचार सुणाता होया तमारा
तक पोंची चुक्या हे। १५हम अपणी
हद से बायरे याने दूसरा मनखहुंण की
म्हेनत पे गुमान नी करां, पण हमारी
आसा हे के जसे-जसे तमारो बिसास
बड़तो जायगा वसे-वसे हमारो काम
को इलाको बी तमारा अदाड़ माय हजु
बी बड़ो होतो जायगा। १६जेकासे के
तमारा इलाका से बायरे बी परचार करां
अने दूसरा की हद माय पूरण कर्‌या
काम पे गुमान नी करां। १७† जसो के
सासत्तर माय लिख्यो हे, "जो कईं को
गुमान करनों चावे तो जो कंई परभु
ने कर्‌यो हे, उ उकापेज गुमान करे।"
१८क्योंके जो अपणी बड़ई खुद करे उकी
नी, पण जेकी बड़ई परभु करे उकेज
मान्यो जाय हे।

पोलुस अने झुंटा परेरित

११ हूं चउं के तम म्हारी जरासी
मूरखता सई लेता, पण सांची
माय तम सई बी र्‌या हो। २क्योंके
म्हारे तमारा सरु धुन लागी हे, परमेसर
सरीकी धुन। क्योंके म्हने तमारी सगई
मसीह से करई दी हे, के तमारे एक
पवित्तर कुंवारी सरीको उके दई दूं। ३†
पण म्हारे डर हे के जसे सरप ने हव्वा
के अपणी चालाकी से धोको द्‌यो, वसोज
तमारो हिरदो बी मसीह का सुदापण
अने पवित्तर भगती से कंई भटकी नी
जाय। ४क्योंके अगर कईं को अई के
कइंका दूसरा ईसु को परचार करे जेको
परचार हमने नी कर्‌यो, या जो पवित्तर
आतमा तमने मानी ल्यो उकासे हटी
के कइंका हजु आतमा के तम मानो
हो जो पेलां नी थो या कईं को दूसरो
सुब-समिचार सुणायो जेके तमने नी
मान्यो थो तो तम उकी बात सुदा मन
से मानी लो हो।
५तो तम घणा खुस रो, पण हूं अपणे
खुद के तमारा उना "बड़ा परेरितहुंण" से
नठू बी नानो नी मानूं ६भलेज हूं परबचन
देणो सीख्यो हयनी, फेर बी ज्ञान माय
तो नरो हूं। सांची बात तो या के हमने
सगळी बातहुंण माय इके हरतरा से
तमार पे परगटी हे।
७फिर म्हने परमेसर को सुब-
समिचार जसो म्हारे फिरी माय मिळ्यो
थो वसोज तमारे सुणायो; अने अपणे
खुद के निच्चो कर्‌यो के तम उंचा

† **१०.१७:** यरमियाह ९.२४ † **११.३:** उत्पत्ती ३.१–५, १३

हुई जाव, इका माय म्हने कंई पाप
कर्‌यो? ८म्हने दूसरी मण्डळिहुंण से
म्हारी मजुरी लई के उणके लुट्‌यो ताके
तमारी सेवा करी सकूं। ९† अने जदे हूं
तमारा साते थो अने जरुवत पड़ी तो
म्हने कइंका के जोर नी द्‌यो, क्योंके
जदे मकिदुनिया से भई-बेनहुंण आया
तो उणने म्हारी जरुवत पूरण करी
लाखी अने म्हने खुद के हरेक से हरेक
बात माय इकाड़ी राख्यो के तमार पे
बोजो नी पड़े, अने हूं असोज करतो
रुंवां। १०अगर मसीह की सच्चई म्हारा
भित्तरे हे तो अखाया देस माय असो
गुमान करवा से म्हारे कईं को नी रोकी
सकेगा। ११कायसरु? कंई इकासरु के
हूं तमार से परेम नी करूं? परमेसर
तो जाणे हे के हूं तमार से परेम करूं!
१२पण हूं जो करी र्‌यो हूं, उके करतो
रुंवां के झुंटा परेरितहुंण के मोको नी
दउं जो असा मोका की फिराक माय
रे, के जेनी बात माय वी गुमान
करे हे उणको मान हमारा सरीकोज
रे। १३क्योंके असा लोग झुंटा परेरित
अने छळ को काम करवा वाळा हे,
अने मसीह का परेरित होवा को ढोंग
करे हे। १४इका माय कईं को अचम्बो
हयनी, क्योंके सेतान खुद उजाळा से
भर्‌यो होयो सरगदूत का रुप माय हुई
जाय हे। १५इकासरु उका सेवकहुंण बी
धारमिकता का सेवकहुंण होवा का रुप
माय हुई जाय तो इका माय अचम्बो
कसो? अने आखरी माय उणकी अपणी
करनी का मुजब फळ तो मिळेगाज।

पोलुस का संकटहुंण

१६हूं फेर पाछो कूं के कईं को म्हारे
मूरख नी समजे, पण अगर तम असो
समजी र्‌या हो तो म्हारे मूरख समजी के
मानी लो के हूं बी थोड़ोक गुमान करी
सकूं। १७हूं जो कंई कई र्‌यो हूं उ परभु
का हक मुजब नी, पण एक मूरख सरीको
गुमान से भर्‌या भरोसा से कई र्‌यो हूं।
१८जदके नरा मनख अपणा जगत का
जीवन पे गुमान करे हे, तो हूं बी गुमान
करूं। १९तम तो इतरा समजदार हुई ग्या
हो के खुसी से मूरखहुंण की सई लो
हो! २०क्योंके जदे कईं को तमारे गुलाम
बणई ले या नास करी लाखे या तमारो
फायदो उठाड़े, तमारे फंसाय, या अपणे
खुद के बड़ो बणाय या तमारा मुन्डा पे
थापड़ मारे तो तम उके सई लो हो। २१हूं
सरम का मारे यो कई र्‌यो हूं के हम एक
दूसरा का देखा-देखी कमजोर हुई ग्या हे।
पण जेनी कसी बात माय कईं को
हिम्मत राखे हे - हूं मूरखपणा से या कई
र्‌यो हूं - तो हूं बी उतरीज हिम्मत राखुं।
२२कंई वीज इबराणी जात का हे? तो हूं
बी हूं। कंई वी इसराइली गोत का हे? तो
हूं बी हूं। कंई वी इबराइम की ओलाद हे?
हूं बी हूं। २३† कंई वीज मसीह का सेवक
हे? - हूं एक सनकी का जसो कूं - हूं
उणका से बड़ी के मसीह को सेवक हूं,
काठी म्हेनत करवा माय, घड़ी-घड़ी जेळ
जावा माय, कितरीज कावा पिट्‌या जावा
माय, नरी बखत मोत को खतरो उठाड़वा
माय। २४† म्हारे पांच कावा यहूदिहुंण

---

† **११.९:** फिलिप्पिहुंण ४.१५–१८ † **११.२३:** परेरितहुंण १६.२३ † **११.२४:** नेम-बिधान २५.३

पोलुस के कोड़ा से मारनो (२co ११.२३)

से उणचाळीस-उणचाळीस कोड़ा खाया।
२५† हूं तीन-तीन कावा लट्ठ से कुट्यो,
एक कावा म्हारे भाटा मार्‌या, तीन कावा
म्हारो पाणी को झाज डुब्यो। एक दन
अने एक रात म्हने समन्दर का उन्डा
पाणी माय बिताड़ी। २६† म्हने डरावणी
नद्दिहुंण को खतरो, खतरनाक डकेतहुंण
को खतरो, अपणा लोगहुंण को खतरो,
गेर जातहुंण को खतरो, नगरहुंण को
खतरो, गामहुंण को खतरो, समन्दरहुंण
अने झुंटा भई-बेनहुंण का माय होवा
वाळा खतरा माय र्‌यो अने संकटहुंण
का माय नरी जातराहुंण करी। २७म्हने
म्हेनत अने दुःख माय, आखी-आखी रात
जागवा माय, भूका-तिरस्या रेवा माय,
अकसर म्हारे खावा सरु नी मिळ्यो, ठण्ड
माय धुजतो र्‌यो, बिना लतरा माय बी
र्‌यो। २८अने अबे हजु बत्ती कंई कूं?
म्हार पे सगळी मण्डळिहुंण की फिकर
को बोज बी हरदन बण्यो र्‌यो। २९कइंका
की कमजोरी से हूं कमजोर नी होयो?
कइंका का पाप माय फंसवा से हूं बेचेन
नी होयो?

३०अगर म्हारे गुमान करणोज हे तो
हूं उनी बातहुंण पे करुंवां जो म्हारी
कमजोरी की हे। ३१परमेसर अने परभु
ईसु को पिता जो हमेस्याज धन्य हे
जाणे हे के हूं झुंट नी बोली र्‌यो हूं।
३२† जदे हूं दमिसक नगर माय थो
तो म्हाराजा अरितास का राजपाल ने
दमिसक नगर के चारी-आड़ी से घेरी के
म्हारे केद करवा की कोसिस करी थी।
३३पण टोपला माय बेठाड़ी के नगर का
परकोटा की बारी माय से म्हारे निच्चे
उतारी लाख्यो अने असतरा हूं उका हात
से बची हिट्यो।

पोलुस पे परभु की खास किरपा

१२ अबे तो म्हारे गुमान करणोज
पड़ेगा। जदके इका से म्हारे कईं
को फायदो हयनी, फेर बी हूं तो परभु
का द्‌या होया दरसनहुंण अने सरग से
परगट होवा वाळी बातहुंण पे गुमान
करतोज रुंवां। २हूं मसीह माय एक असा
मनख के जाणूं जो चवदा बरस पेलां -
नी जाणे के काया समेत, नी जाणे के
काया बगेर, परमेसरज जाणे हे - तीसरा
सरग माय तोकी ल्यो थो। ३अने हूं
जाणूं के असतरा योज मनख - काया

---

† **११.२५:** परेरितहुंण १६.२२, १४.१९ † **११.२६:** परेरितहुंण ९.२३, १४.१५
† **११.३२–३३:** परेरितहुंण ९.२३–२५

समेत या काया बगेर म्हारे नी मालम,
परमेसर जाणे हे - ४सरग-लोक माय
तोकी ल्यो अने उने असी बातहुंण सुणी
जेको बखाण करवा को हुकम मनख
के हयनी। ५असा मनख पे हूं गुमान
करुंवां, पण अपणी कमजोरिहुंण के छोड़ी
के अपणा खुद पे गुमान नी करुंवां,।
६अगर हूं गुमान करनों चउं बी तो
मूरख नी हुई जउंवां, क्योंके हूं सांचीज
कउंवां। तो बी गुमान करवा से रुकी
जउं, के कईं को जसो म्हारे करतो देखे
या केता सुणे हे, उकासे जादा बड़ी के
नी समजे। ७सरग से परगट होवा वाळी
घणी बातहुंण की वजासे म्हारे गुमान
नी हुई जाय, इकासरु म्हारी काया माय
एक कांटो भरई ग्यो हे, याने सेतान को
एक दूत, के उ म्हारे मुक्का मारे, अने
गुमान करवा सरु रोकी राखे। ८म्हने
इका बारामें परभु से तीन कावा पराथना
करी के यो म्हार से छेटी हुई जाय।
९पण उने म्हार से क्यो, "म्हारी किरपा
थारा सरु नरी हे क्योंके कमजोरी मायज
म्हारी सकती जादा सिद्द रे हे" इकासरु
हूं अपणी कमजोरी पे बड़ी खुसी का गेले
गुमान करुंवां, के मसीह की ताकत म्हार
पे छायळो करे। १०इकी वजासे हूं मसीह
सरु कमजोरिहुंण, मान पड़वाहुंण माय,
दुःखहुंण, सतावहुंण, अने मुसकिलहुंण
माय सन्तोस करूं, क्योंके हूं कमजोर
रूं जदेज ताकतवान बणूं।

कुरिन्थिहुंण का बारामें फिकर

११हूं मूरखहुंण जसो बड़बड़ातो र्‌यो
फेर बी असो करवा सरु म्हारे बेबस
तमने कर्‌यो। तमारे तो म्हारी बड़ई
करनों चइये थी जदके वसो तो म्हारा
माय कंई हयनी फेर बी तमारा उना
म्हापरेरितहुंण माय से कइंका से हूं नानो
नी हूं। १२सांचा परेरितहुंण का लच्छण
बी तमारा माय सगळी तरा की जिरना
समेत सेलाणी अने अचरज से भर्‌या
कामहुंण अने सामरत का कामहुंण से
दिखाड़्या हे। १३तम दूसरी मण्डळिहुंण
से कां की बात माय कमती था? सिवाय
इका के हूं तमार पे कसी तरा बी कदी
बोज नी बण्यो? इना अन्याव सरु म्हारे
मांफ करजो।

१४अबे तीसरी कावा हूं तमारा कने
आवा सरु तय्यार हूं, अने हूं तमार पे
बोज नी बणुंवां, क्योंके हूं तमारी कइंकी
चीज के नी बरण तमारे चउं। क्योंके
बाळकहुंण के मां-बाप सरु धन भेळो नी
करनों चइये, पण मां-बाप बाळकहुंण सरु
भेळा करे हे। १५जां तक म्हारी बात हे,
म्हारा कने जो कंई हे, तमारा सरु खुसी
का साते खरच करी लाखुंवां यां तक के
अपणे खुद के बी तमारा सरु खरची
लाखुंवां। अगर हूं तमार से घणो परेम
करूं, तो भला तम म्हार से कमती परेम
कसे करोगा?

१६हुई सके, म्हने तमार पे कईं को
घणो मोटो बोज नी लाख्यो पण (तमारा
कइंका को असो केणो पड़े के) हूं कपटी
थो म्हने तमारे अपणी चालाकी माय
फंसई ल्यो। १७म्हने तमारा कने जिणके
मोकल्या था कंई उणने तमारे छळ्यो
थो? नी! १८म्हने तीतुस के समजाड़ी के
अने उका गेले हमारा दूसरा भई के बी
तमारा कने मोकल्या था। कंई तीतुस
ने तमारे छळ्यो? कंई हम बी उनी

निसकपट आतमा से नी चलता र्‌या?
कंई हम उणका पाछे-पाछे एक सरीका
चलता नी र्‌या?

१९इना बखत तक तम समजी र्‌या
होगा के हम तमारा सामे अपणी बात
राखी र्‌या हे। पण हम तो परमेसर का
सामे मसीह का चेला हुई के बोली र्‌या
हे। हे म्हारा परेमिहुंण! हम जो कंई
बी करी र्‌या हे, तमारी बड़ती सरुज
हे। **२०**क्योंके म्हारे डर हे के जदे हूं
तमारा कने अउं तो जसो हूं चउं तमारे
हूं वसो नी पउं अने हूं बी वसो नी
पायो जउं जसो तम चावो, अने म्हारे
डर हे के असो नी होय के तमारा
माय झगड़ो, डाह, करोध, बिरोद इरसा
चुगली, गुमान, बखेड़ो होय। **२१**म्हारे
डर हे, कंई असो नी होय के म्हारो
परमेसर जदे हूं फेर पाछो तमारा यां
अउं तो म्हारे लाजे नी मरनो पड़े अने
म्हारे उना नरा सरु दुःख मनाड़नो पड़े
जिणने पाछल्या दनहुंण माय पाप कर्‌या
अने पाप, बुरा करम, ब्योबिचार, अने
लुच्चापणा से जो उणने कर्‌या बिलाप
नी कर्‌यो।

आखरी चेतावणी

१३ [†] यो तीसरी कावा हूं तमारा कने
अई र्‌यो हूं। सासत्तर माय लिख्यो
हे, "हर बात दो या तीन गवाहुंण की
गवई से सिद्द हुई जायगा।" **२**जदे हूं
दूसरी कावा तमारा गेले थो, म्हने तमारे
चेतावणी दई दी थी अने अबे जदे हूं
तमार से दूरो हूं, तमारे चेतावणी दई
र्‌यो हूं के अगर हूं पाछो तमारा कने
अउं तो जिणने पाप कर्‌या हे अने जो
पाप करी र्‌या हे बाकी कइंका के नी
छोड़ुंवां। **३**असो हूं इकासरु कई र्‌यो हूं
के तम इनी बात को परमाण चाव हो
के म्हारा माय हुई के मसीह बोले हे। उ
तमारा सरु कमजोर हयनी पण तमारा
अदाड़ माय सामरती हे। **४**या सांची
हे, के उके उकी कमजोरी से कुरुस पे
लटकाड़्यो फेर बी अबे उ परमेसर की
सामरत सेज जी र्‌यो हे। यो बी सांची
हे के मसीह माय हम बी कमजोर हे,
फेर बी परमेसर की सामरत से तमारी
सेवा करवा सरु हम मसीह का गेले
जिवांगां।

५अपणे खुद के जांची के देखो के तम
बिसास माय जी र्‌या हो के नी। अपणे
अजमाव, कंई तम नी जाणो के उ ईसु
मसीह तमारा मायज हे? नितो तम जांच
माय खोटा हिट्‌या। **६**हूं आस करूं के तम
खुद जाणी लोगा के हम इनी जांच माय
कसी बी तरा से खोटा नी हिट्‌या हे।
७अबे हम परमेसर से पराथना करां हे
के तम कइंकी बुरई मती करो, इकासरु
नी के हम अजमाइस माय खरा नगे
आंवां, पण इकासरु के तम उज करो
जो सई हे। चाये हम अजमाइस माय
खोटाज नगे क्यों नी आंवां। **८**क्योंके
हम सच्चई का बिरोद माय कइंज नी
करी सकां। हम जो करां, सच्चई सरुज
करां हे। **९**जदे हम कमजोर हे अने तम
ताकत वाळा हो तो हम खुसी मनावां
हे अने या पराथना बी करां हे के तम

[†] **१३.१:** नेम-बिधान १७.६, १९.१५

सिद्ध हुई जाव। [१०]इकासरु तमार से दूरा
रेता होया बी हूं इनी बातहुंण के लिखी
र्‌यो, के जदे हूं तमारा कने अठं तो
म्हारे ठना हक से जो परभु ने म्हारे
इकासरु नी द्‌यो के तमारे बिगाडुं पण
बणावा सरु म्हारे द्‌यो हे काठो बरताव
करनों नी पड़े।

आखरी नमसकार

११अबे आखर माय हे भई-बेनहुंण, हूं
तमार से बिदा लूं। सिद्धता माय लाग्या
रो। वसोज करता रो जसो करवा सरु
म्हने क्यो हे। एक सरीका बिचारो,
सान्ति से रो। परेम अने सान्ती देवा
वाळो परमेसर तमारा गेले रेगा।

१२पवित्तर हात मिळई के[m] एक दूसरा
को मान करो। [१३]सगळा पवित्तर संतहुंण
को तमारे नमसकार मोकलां हे।

१४परभु ईसु मसीह की किरपा,
परमेसर को परेम अने पवित्तर आतमा
की सेभागिता तमारा सगळा का गेले
रे।

---

[m] **१३.१२** पवित्तर हात मिळई के; मूळ माय, चुम्मा।

पोलुस की चिट्ठी
गलातिहुंण
का नामे

लिखवा वाळो: पोलुस

लिखवा की वजा: बिसास की वजासे धरमी

लिखवा को बखत: करीब ४८-४९ या ५७-५८

जसे कुरिन्थिहुंण की चिट्ठी माय पोलुस ने लिख्यो थो असोज गलातिहुंण अने रोमिहुंण की चिट्ठिहुंण माय बी उध्दार का सिद्दांत का बारामें जोर द्यो हे। गलातिहुंण के लिखी या चिट्ठी खास रुप से इना सिद्दांत के परगटे हे के, "मनख नेम-बिधान का पाळण करवा की वजासे निरदोस नी हुई सके बल्के सिरप ईसु मसीह पे बिसास करवा की वजासे निरदोस बणायो जाय हे" (२.१६)। क्योंके हम ईसु की वजासे नेम-बिधान की गुलामी से छुट्या हे। पोलुस ने इनी चिट्ठी माय पक्को रीति से खुद के परेरित होवा अने अपणा संदेसाहुंण की सच्चई पे जोर द्यो हे। हुई सके या पोलुस की लिखी चिट्ठिहुंण माय से पेली चिट्ठी होय इतयास मुजब गलातिहुंण इलाका का दो मतलब हुई सके हे। पोलुस का बखत से तीन सदी पेलां "गाळ्ळी" गोत का लोग आथणूं अने धरउ याने यूनान आड़ी से चड़ई करिके एसिया माइनर माय बसी ग्या "गलातिहुंण" को नाम उणका सेज थो। रोमी राजा औगुस्तुस का दनहुंण माय दक्खणव का थोड़ाक इलाका याने लुकाओनिया, पिसिदिया अने फ्रूगिया का थोड़ाक हिस्सा बी रोमी सासन का मुजब, "गलातिहुंण" इलाका माय गिण्या ग्या। अगर "गलातिहुंण" लिखी के पोलुस को इरादो जूना याने धरउ इलाका से हे तो या चिट्ठी बाद मेंज याने ५८ ईस्वी सन् तक लिखी जई सकती थी, क्योंके पोलुस वां बाद मेंज पोंच्यो। अगर पोलुस को इरादो दक्खणव गलातिहुंण याने नवा रोमी इलाका से हे तो या चिट्ठी हुई सके उकी पेली परचार की जातरा (परेरितहुंण १३.१४-१४.२८) का झट बाद (४८-४९ ई.) अने यरुसलेम माय दूसरी जातहुंण का बारामें सलाहकारहुंण की बड़ीमेक सबा से पेलांज (५०-५१ ई.) लिखी गी।

रुप-रेखा:-

१. सान्ती अने किरपा भर्‌यो नमसकार *१.१-१०*
२. लिखवा वाळा की आप बीती, सुब-समिचार ईसवर आड़ी से *१.११-२.२१*

(क) सुब-समिचार का दरसन को सामो १.११-२४
(ख) सुब-समिचार का परेरित होवा को दावो २.१-१०
(ग) सुब-समिचार के अपणा खुद सरु काम माय लाणो .. २.११-२१
३. सेद्वान्तिक तरकः सुब-समिचार की भविसबाणी ३.१-४.३१
(क) खुद की याचना ३.१-५
(ख) इबराइम की माईथी ३.६-१४
(ग) करार अने नेम-बिधान ३.१५-२२
(घ) बेटापणो ३.२३-४.७
(ड) धरम छोड़वा को खतरो ४.८-२०
(च) एक मिसाल की सीख ४.२१-३१
४. बरताव करवा को तरकः सुब-समिचार के काम माय लेणो ५.१-६.१०
५. निचोड़ ६.११-१८

---

१ पोलुस आड़ी से जो एक परेरित हे, नी मनख आड़ी से अने नी मनख का जरिया, नियुक्त कर्‌यो पण ईसु मसीह अने परमेसर पिता ने जेने ईसु के मर्‌या माय से जिवाड़्यो। २अने सगळा भई-बेनहुंण आड़ी से जो म्हारा गेले हे,

गलातिहुंण की मण्डळिहुंण का नामेः

३हमारा परमेसर पिता अने परभु ईसु मसीह आड़ी से किरपा अने सान्ती तमारे मिळती रे। ४परभु ईसु ने हमारा पापहुंण सरु अपणे खुद के दई द्‌यो ताके इना पाप से भर्‌या जगत से, जेका माय हम रई र्‌या हे, उ हमारे बचइले। परमेसर पिता की याज मरजी हे। ५उकी म्हेमा हमेस्या हमेस्या होती रे। आमीन

कईं को दूसरो सुब-समिचार हेज नी

६म्हारे अचरज हुई र्‌यो हे! के तम लोगहुंण इतरा झट उना परमेसर से मुन्डो मोड़ी के, जेने मसीह की किरपा से[a] तमारे तेड़्या था, कइंका अलग सुब-समिचार आड़ी नमी र्‌या हो। ७पण कईं को अलग सुब-समिचार तो सांची माय हेज नी, पण थोड़ाक मनखहुंण असा हे जो तमारे भेकई र्‌या हे अने मसीह का सुब-समिचार माय अदळा-बदळी करनों चाय हे। ८पण चाये हम हो, या चाये कईं को सरगदूत, अगर तमारे हमारा जरिये सुणाया ग्या सुब-समिचार से फरक सुब-समिचार सुणाय हे तो उ सरापित हुई जाय! ९जसो के हम पेलांज कई चुक्या हे, वसोज हूं अबे पाछो कई र्‌यो हूंः जो सुब-समिचार तमने मान्यो हे अगर उका अलावा कईं को हजु सुब-समिचार तमारे सुणई र्‌यो हे तो उ सरापित हुई जाय!

१०कंई इका से तमारे असो लागे के हूं मनखहुंण की सबासी चउं? या परमेसर की सबासी? या कंई हूं मनखहुंण के खुस करवा को जतन करी र्‌यो हूं? अगर हूं मनखहुंण के खुस करवा को जतन करतो रेतो तो हूं मसीह को सेवक नी होतो।

---

[a] **१.६** मसीह की किरपा से; थोड़ाक मूळ माय उकी किरपा से।

पोलुस के सुब-समिचार परमेसर से मिळ्यो।

११हे भई-बेनहुंण, हूं तमारे जताणो चउं
के उ सुब-समिचार जेको परबचन म्हने
तमारे द्यो हे कइंका मनख से मिळ्यो
सुब-समिचार हयनी, **१२**क्योंके नी तो
म्हने इके कइंका मनख से ल्यो अने
नीज कइंका मनख ने इकी सीख म्हारे
दई हे। पण यो सुब-समिचार म्हार पे
ईसु मसीह ने परगट्यो हे।

१३† यहूदी धरम माय पेलां का चाल-
चळण माय हूं कसो बरताव करतो थो,
उके तम सुणी चुक्या हो, के म्हने
परमेसर की मण्डळी के कितरी सताड़ी थी
अने उके खतम करवा की कोसिस माय
लाग्यो थो। **१४**† यहूदी धरम के पाळण
करवा माय हूं अपणी उमर का यहूदिहुंण
से अगड़े थो अने म्हारा पूरखाहुंण से जो
परमपराहुंण म्हारे मिळी थी, उके पाळण
करवा सरु घणो जोस से भर्‍यो थो।

१५† पण परमेसर ने तो म्हारा जनम
से पेलां म्हारे छांटी ल्यो थो अने अपणी
किरपा से म्हारे तेड़ी ल्यो। **१६**परमेसर की
म्हान किरपा हुई ताके उ म्हारे अपणा
बेटा ईसु को ज्ञान करई दे जेकासे हूं
गेरयहूदिहुंण का अदाड़ माय उका सुब-
समिचार को परचार करूं। उना बखत
झट म्हने कइंका मनख से कइंकी राय
नी लई। **१७**अने नीज हूं उना लोगहुंण
कने यरुसलेम ग्यो जो म्हार से पेलां
परेरित बण्या था। बल्के हूं झट अरब
देस चल्यो ग्यो अने फेर वां से दमिसक
नगर फेर पाछो आयो।

१८† फेर तीन बरस का बाद पतरस
से मिळवा सरु हूं यरुसलेम पोंच्यो अने
उका साते पन्दरा दन तक र्‍यो। **१९**पण
वां हूं परभु का भई याकूब का अलावा
कइंका दूसरा परेरित[b] से नी मिळ्यो।
२०हूं परमेसर का सामे सोगन खई के
कूं के जो कंई हूं लिखी र्‍यो उका माय
झुंट हयनी।

२१इका बाद हूं सीरिया अने किलिकिया
का परदेसहुंण माय ग्यो। **२२**उना बखत
तक यहूदिया देस की मण्डळिहुंण ने जो
ईसु का मानवा वाळा था म्हारे देख्योज
नी थो। **२३**पण वी लोगहुंण के यो केता
होया सुणता था, "उज मनख जो पेलां
हमारे सताड़्या करतो थो, उज अबे उना
मत का बिसास माय अई के परचार करी
र्‍यो हे जेके उने कदी खतम करवा की
कोसिस करी थी।" **२४**तो म्हारी वजासे
उणने परमेसर की इसतुती करी।

चवदा बरस बाद परेरितहुंण ने पोलुस के परेरित मान्यो

२ † चवदा बरस बाद हूं पाछो यरुसलेम
ग्यो। बरनाबास म्हारा गेले थो अने
तीतुस के बी म्हने गेले लई ल्यो थो। **२**हूं
परमेसर का अदभुद दरसन की वजासे

---

[b] **१.१९** याकूब का अलावा कइंका दूसरा परेरित; या कइंका दूसरा परेरित; सिरप दूसरा मनख, म्हने याकूब के देख्यो।

† **१.१३:** परेरितहुंण ८.३, २२.४–५, २६.९–११ † **१.१४:** परेरितहुंण २२.३

† **१.१५–१६:** परेरितहुंण ९.३–६, २२.६–१०, २६.१३–१८ † **१.१८:** परेरितहुंण ९.२६–३०

† **२.१:** परेरितहुंण ११.३०, १५.२

वां ग्यो थो। हूं गेरयहूदिहुंण का माय
जेना सुब-समिचार को परबचन द्या
करूं, उणाज सुब-समिचार के म्हने
उणकी अपणी सबा माय मण्डळिहुंण का
मुख्याहुंण के सुणायो। हूं वां इकासरु
ग्यो थो ताके जो काम म्हने पेलां या
अबी का दनहुंण माय कर्या था बेकार
नी हुई जाय। ३नतीजो यो के तीतुस तक
के, जो म्हारा गेले थो, जदके उ यूनानी
हे, फेर बी उके खतणा करावा सरु बेबस
नी कर्यो। ४पण उना झुंटा बिसासी
भई-बेनहुंण की वजासे जो लुक्या-छिप्या
हमारा माय भेदुहुंण का रुप माय ईसु
मसीह माय पूराणी रीतहुंण के नी मानवा
की आजादी को पतो लगाड़वा सरु भरई
आया था के हमारे गुलाम बणई सके,
५पण हमने उणकी गुलामी पल-भर सरु
बी नी मानी ताके सुब-समिचार की
सच्चई तमारा सरु बणी रे।

६[†] पण जो, लोग जाण्या-मान्या मान
वाळा था उणने म्हारे कंई नवी सला
नी दई। (वी कसाज था, म्हारे उणकासे
कंई फरक नी पड़े। परमेसर मनख को
मुन्डो देखी के न्याव नी करे।) उणका
माय जो मान का लोगहुंण था उणकासे
म्हारे या म्हारा सुब-समिचार के कईं को
फायदो नी होयो। ७पण इना मुख्याहुंण
ने देख्यो के परमेसर ने म्हारे एक
खास काम द्यो हे। वसोज पतरस के
परमेसर ने यहूदिहुंण[ᶜ] के सुब-समिचार
सुणावा को काम द्यो जसोज परमेसर
ने म्हारे गेर यहूदी लोगहुंण के सुब-
समिचार सुणावा को काम द्यो। ८क्योंके
परमेसर ने पतरस के यहूदिहुंण सरु एक
परेरित का रुप माय काम करवा की
ताकत दई हे। उनाज परमेसर ने असोज
म्हारे गेरयहूदिहुंण सरु परेरित होवा की
ताकत दई। ९असतरा उणने म्हार से
परमेसर की उनी किरपा के समजी ल्यो।
तो मण्डळी का पक्का खम्बा समज्या
जावा वाळा याकूब, पतरस, अने योहन
ने बरनाबास अने म्हार से संगत को सुदो
हात मिळायो। अने वी राजी हुई ग्या के
हम गेरयहूदिहुंण का माय परबचन देता
रां अने वी यहूदिहुंण का माय। १०उणने
हमारे सिरप योज क्यो, के हम उणका
गरीब-गुरबाहुंण को ध्यान राखां। अने हूं
इना काम के नी सिरप करनों चउं बल्के
उका सरु घणो खुस बी थो।

पोलुस की नगे माय पतरस

११पण जदे पतरस अंताकिया नगर
माय आयो तो म्हने उका मुन्डा पे खुली
के उको बिरोद कर्यो क्योंके उ ठीक
नी थो। १२याकूब का मोकल्या थोड़ाक
लोगहुंण का पोंचवा से पेलां पतरस
गेरयहूदिहुंण का गेले खातो-पितो थो।
पण जदे वी आया तो पतरस पाछो
फरिके गेरयहूदिहुंण से इकाड़ी हुई ग्यो
क्योंके उना लोगहुंण का डर का मारे
असो कर्यो, जो चाता था के गेरयहूदिहुंण
को खतणो होणो चइये। १३दूसरा बिसासी

[ᶜ] **२.७** यहूदिहुंण; पतरस उना यहूदिहुंण का माय सुब-समिचार परचार करी र्यो थो जो पेलांसेज परमेसर का लोग केवाता था, पण पोलुस उणका माय सुब-समिचार को परचार करी र्यो थो जो परम्परा अने हुकमहुंण पे बिसास नी करता था।

[†] **२.६:** नेम-बिधान १०.१७

यहूदिहुंण बी इना कपट माय पतरस का गेले हुई ग्या। यां तक के इना कपटिपणा की वजासे बरनाबास बी भटकी ग्यो।

१४जदे म्हने देख्यो के सुब-समिचार माय बताड़्या ग्या सच्चई का मुजब वी सुदा रस्ता पे नी चली र्‌या तो सगळा का सामे पतरस से म्हने क्यो, "जदे तम यहूदी हुई के बी गेर यहूदी सरीको जीवन जीयो हो, अने यहूदिहुंण सरीको नी। तो फेर गेरयहूदिहुंण के यहूदिहुंण की रीति पे चलवा सरु बेबस कायसरु करो हो?"

यहूदी अने गेरयहूदिहुंण बिसास से बचेगा

१५हम तो जनम से यहूदी हे। 'पापी गेरयहूदिहुंण'[d] माय से हयनी। **१६**[†] फेर बी हम यो जाणा के कईं को मनख नेम-बिधान का पाळण करवा की वजासे निरदोस नी हुई सके बल्के सिरप ईसु मसीह पे बिसास करवा की वजासे निरदोस बणायो जाय हे। हमने इकासरु ईसु मसीह पे बिसास कर्‌यो ताके इना बिसास की वजासे हम निरदोस हुई जावां हे, नी के नेम-बिधान को पाळण करवा की वजासे। क्योंके नेम-बिधान को पाळण करवा से कईं को बी मनख निरदोस नी हुई सके। **१७**पण हम जो मसीह माय निरदोस बणाया जावा की कोसिस करी र्‌या हे, अगर हम खुदज पापी पाया जावां, तो इको अरथ कंई यो हयनी के मसीह पाप के बड़ावो दई र्‌यो? नठू नी। **१८**अगर हूं जेनी रीति के छोड़ी चुक्यो, उनी रीति पेज पाछो परबचन देवा लागुं, तो हूं हुकम को उलांगो करवा वाळो मुलजिम परमाणित हुई जउंवां। **१९**क्योंके नेम-बिधान की वजासे नेम-बिधान सरु तो हूं मरी चुक्यो ताके परमेसर सरु हूं जी जउं। **२०**क्योंके मसीह का गेले म्हारे कुरुस पे चड़ई लाख्यो हे। इकी वजासे अबे अगड़े हूं जीवतो नी र्‌यो पण मसीह म्हारा माय जीवतो हे। तो इनी काया माय अबे हूं जेना जीवन के जी र्‌यो हूं, उ तो परमेसर का उना बेटा माय बिसास पे टिक्यो हे जो म्हार से परेम करे, अने जेने अपणे खुद को पराण म्हारा सरु दई द्‌यो। **२१**हूं परमेसर की किरपा के नकारी नी र्‌यो हूं, क्योंके अगर निरदोसिता कइंका नेम-बिधान की वजासे परमेसर से मिळी सकती, तो मसीह को मरनो बेकार रेतो।

परमेसर का बरदान बिसास से मिळे

३ हे मूरख गलातिहुंण, तमारे केने मोइ ल्यो? म्हने तो मसीह को असो बखाण कर्‌यो थो जसेके मसीह तमारा सामे कुरुस पे चड़ायो ग्यो होय। **२**हूं तमार से सिरप इतरो जाणणो चउं। तमने पवित्तर आतमा का बरदान कसे पाया था? मूसा का नेम-बिधान का पाळण करवा से, या सुब-समिचार के सुणवा अने उका पे बिसास करवा से? **३**कंई तम इतरा मूरख हुई सकता हो? जेना जीवन के तमने आतमा से सुरु कर्‌यो, उके अबे हाड़-मांस की काया की ताकत से पूरण

---

[d] **२.१५** 'पापी गेरयहूदिहुंण'; यहूदिहुंण की नगे माय सगळी गेर यहूदी जातहुंण पापी थी।

[†] **२.१६:** भजन संहिता १४३.२; रोमिहुंण ३.२०, २२

करोगा? ४तमने इतरा दुःख कंई बेकारीज
झेल्या? आसा हे के वी बेकार नी था!
५परमेसर, तमारे पवित्तर आतमो दे अने
तमारा माय अचरज का काम करे। उ
यो इकासरु करे हे के तम नेम-बिधान
को पाळण करो हो या इकासरु के तमने
सुब-समिचार के सुण्यो हे अने उका पे
बिसास कर्‌यो हे?

६† यो वसोज हे जसोके इबराइम का
बारामें सासत्तर माय लिख्यो हे: "इबराइम
ने परमेसर पे बिसास कर्‌यो अने यो
उका सरु निरदोसिता गिणी गी।" ७†
तो फेर तम या जाणी लो, के बिसास
करवा वाळाज इबराइम का बंसज हे।
८† पवित्तर सासत्तर माय पेलांज लिखी
द्‌यो थो, के परमेसर गेरयहूदिहुंण के
बी उणका बिसास की वजासे निरदोस
बणायगा। अने इना सबदहुंण का गेले
पेलांसेज इबराइम के परमेसर ने सुब-
समिचार सुणई द्‌यो: "सगळी जातहुंण
थारी वजासे आसीस पायगा।" ९इकासरु
वी लोग जो बिसास करे हे बिसासी
इबराइम का गेले आसीस पाय हे।

१०† पण वी सगळा लोग जो नेम-
बिधान का पाळण पे टिक्या रे, वी
तो सराप का दास हे, क्योंके पवित्तर
सासत्तर माय लिख्यो हे, "असो हर मनख
सरापित हे जो नेम-बिधान की पोथी माय
लिखी हर बातहुंण को हमेस्या पाळण नी
करे!" ११† इकासरु यो साफ हुई ग्यो के
नेम-बिधान से परमेसर का सामे कईं
को बी निरदोस नी बणी सके, "निरदोस
बणायो मनख बिसास का सायरे जीवतो
रेगा।"[e] १२† पण नेम-बिधान तो बिसास
पे नी टिक्यो हे। बल्के करम करवा का
बारामें पवित्तर सासत्तर का मुजब, "जो
नेम-बिधान को पाळण करेगा उ उकाज
सायरे जीवतो रेगा।"

१३† मसीह ने हमारा सरु सराप अपणा
अदरे लई के हमारो मोल चुकाड़ी के
हमारे नेम-बिधान का सराप से छुड़ई
ल्यो। क्योंके पवित्तर सासत्तर माय
लिख्यो हे, "हर कईं को जो लक्कड़
पे लटकाड़्यो जाय हे, सरापित हे।"
१४मसीह ने हमारे इकासरु छुड़ायो, के
इबराइम के दई गी आसीस मसीह ईसु
की वजासे गेरयहूदिहुंण के बी मिळी
सके, ताके बिसास की वजासे हम उना
पवित्तर आतमा के पई सकां जेको करार
परमेसर ने कर्‌यो थो।

नेम अने करार

१५हे भई-बेनहुंण, अबे हूं तमारे एक
मिसाल देणो चउं जेका बारामें तम जाणो
हो: जसेके कइंका मनख से कईं को
करार करी लेवा पे, नी तो उके रद्द कर्‌यो
जई सकतो अने नीज उका माय कंई
घटाड़्यो-बड़ायो जई सकतो, १६† वसोज
इबराइम अने उका आवा वाळा बंसज
का गेले करी परतिज्ञा का बारामें बी हे।

---

[e] **३.११** निरदोस बणायो मनख बिसास का सायरे जीवतो रेगा; या, जो मनख बिसास का वजासे निरदोस बण्यो, उ जीवतो रेगा।

† **३.६:** उत्पत्ती १५.६; रोमिहुंण ४.३ † **३.७:** रोमिहुंण ४.१६ † **३.८:** उत्पत्ती १२.३
† **३.१०:** नेम-बिधान २७.२६ † **३.११:** हबक्कूक २.४ † **३.१२:** लेव्यव्यवस्था १८.५
† **३.१३:** नेम-बिधान २१.२३ † **३.१६:** उत्पत्ती १२.७

पवित्तर सासत्तर माय यो नी लिख्यो हे,
"अने ऊका बंसजहुंण के"। अगर असो
होतो तो नरा आड़ी इसारो होतो, पण
पवित्तर सासत्तर माय एक बचन आयो
हे, "अने थारा बंसज के" जो मसीह हे।
१७† म्हारो मतलब यो हे के, जेना करार
के परमेसर ने पेलांज पक्को करी लाख्यो
ऊके चार सो तीस बरस बाद आवा वाळो
नेम-बिधान नी बदळी सकतो, अने नीज
ऊका बचन के बेकार ठेरई सकतो हे। १८†
क्योंके अगर वारिस[f] नेम-बिधान पाळण
करवा पे टिक्यो हे तो फेर करार पे नी
टिकेगा। पण परमेसर ने इबराइम के या
वारिसी करार से दई द्यो।

१९फेर भला नेम-बिधान की कंई
जरुवत री? हुकम ऊलांगा का कसूर की
वजासे नेम-बिधान के बाद माय बचन
से जोड़ी लाख्यो थो ताके जेका सरु बचन
द्यो थो, ऊका बंसज के आवा तक ऊ रे।
नेम-बिधान को करार एक बिचवइया का
रुप माय मूसा की मदद से सरगदूत का
जरिये द्यो थो। २०बिचवई कम से कम
दो जणा का माय रे, पण परमेसर तो
एकज हे।[g]

बाळक अने गुलाम

२१कंई इको यो अरथ हे के नेम-बिधान
परमेसर का करार को बिरोदी हे? कदी
नी! क्योंके अगर असो नेम-बिधान द्यो
होतो जो लोगहुंण के जीवन देतो तो
ऊ नेम-बिधानीज परमेसर का सामे
निरदोसिता के सिद्द करवा को साधन
बणी जातो। २२पण पवित्तर सासत्तर माय
लिख्यो हे के, यो आखो जगत पाप को
गुलाम हे, जेकासे के ऊ करार जो बिसास
से ईसु मसीह माय हे, परमेसर ने सिरप
बिसास करवा वाळाहुंण सरु दई द्यो।

२३इना बिसास का आवा से पेलां, हमारे
नेम-बिधान की देख-रेख माय इना आवा
वाळा बिसास करवा का करार के परगट
होवा तक बन्दी का रुप माय राख्या था
२४असतरा नेम-बिधान, मसीह का आवा
तक लई जावा वाळो एक समाळवा वाळो
बणी ग्यो, ताके हम बिसास से निरदोस
गिण्या जावां। २५पण अबे जदे यो बिसास
परगट हुई ग्यो तो हम ऊना समाळवा
वाळा का गुलाम नी र्‌या।

२६क्योंके मसीह ईसु पे बिसास की
वजासे तम सगळा परमेसर की ओलाद
हो। २७तमारा माय से जितरा ने मसीह
को बपतिसमो ल्यो हे, वी मसीह माय
समई ग्या हे। २८तो अबे कइंका माय कईं
को फरक नी र्‌यो, नी कईं को यहूदी, नी
गेर यहूदी, नी गुलाम र्‌यो, नी आजाद,
नी आदमी र्‌यो, नी बइरा, क्योंके मसीह
ईसु माय तम सगळा एक हो। २९† अने
अगर तम मसीह का हो तो फेर तम
इबराइम का बंसज हो। अने परमेसर ने
जो करार इबराइम से कर्‌यो थो, ऊना
करार का वारिस बी हो।

---

[f] **३.१८** वारिस; परमेसर ने इबराइम से अने ऊका बंस से करार कर्‌यो थो ऊका बंसहुंण के परतिज्ञा का देस माय लायगा अने सगळी आसीस ऊकी वजासे लोगहुंण के मिळेगा क्योंके इबराइम को नातो परमेसर का साते निरदोसिता को थो। [g] **३.२०** परमेसर तो एकज हे; या परमेसर एखलोज काम करे।

† **३.१७:** निरगमन १२.४० † **३.१८:** रोमिहुंण ४.१४ † **३.२९:** रोमिहुंण ४.१३

४ हूं कूं के वारिस जदत्तक बाळक
हे तो चाये सगळी चीजहुंण को
मालेख उज हे, पण फेर बी उ गुलाम
से जादा कइंनी रे। २उ रखवाळाहुंण अने
घर का सेवकहुंण का तदत्तक बस माय
रे, जदत्तक उको बखत नी अई जाय
जो उका पिता ने ठेराड्यो हे। ३हमारी
बी असीज गत हे। हम बी जदे बाळक
सरीका था तो जगत का नेम का गुलामी
माय था। ४पण जदे ठीक बखत आयो
तो परमेसर ने अपणो बेटो मोकल्यो जो
एक बइरा से जनम्यो थो। अने मूसा
का नेम-बिधान का बस माय र्‌यो थो।
५† ताके नेम-बिधान का बस माय जो
लोगहुंण हे, उ उणके छुड़ाय जेकासे हम
परमेसर का गोद ल्या बाळक बणी सकां।
६इकासरु के तम परमेसर का बाळक
हो, उने अपणा बेटा का आतमा के हमारा
हिरदा माय मोकल्यो। उज आतमा, "हे
अब्बा, हे पिता" कई के तेड़े हे। ७इकासरु
अबे तम गुलाम हयनी बल्के परमेसर का
बेटा हुई ग्या हो! इकासरु तमारे पिता
परमेसर ने अपणा वारिस बी बणाया हे।

गलातिहुंण का बारामें फिकर

८पेलां जदे तम परमेसर के नी जाणता
था तो तम उनी चीजहुंण का गुलाम
था, जो सांची माय देवताहुंण नी था।
९पण अबे जदे तमने परमेसर के जाणी
ल्यो - या यूं कूं के परमेसर ने तमारे
जाणी ल्या - तो फेर पाछा उना जग
का बिनासार का कमजोर नेम-बिधानहुंण
का गुलाम होवा सरु कायबले जई र्‌या
हो? १०तम खास दनहुंण, मइनाहुंण अने
रितुहुंण अने बरसहुंण मानवा लाग्या हो।
११तमारा बारामें म्हारे डर हे के तमारा
सरु जो काम म्हने कर्‌या हे, वी सगळा
कंई बेकार नी हुई जाय।
१२हे, भई-बेनहुंण हूं तमार से घणी
बिणती करूं के म्हारा सरीका बणी जाव,
क्योंके हूं बी तमारा सरीको बण्यो होयो हूं
तमने म्हारो कंई बिगाड़्यो हयनी। १३तम
तो जाणोज हो के काया का मांदापणा
की वजासे म्हने पेलांपेल तमारेज सुब-
समिचार सुणायो थो। १४अने तमने बी
म्हारा मांदापणा की दसा की वजासे,
जो तमारे अजमाइस अई थी, उकासे
म्हारे नानो नी जाण्यो अने नीज म्हार
से घिरणा करी। बल्के तमने परमेसर
का सरगदूत का रुप माय, अने जसे
खुद मसीह ईसुज का रुप माय, म्हारो
सुवागत कर्‌यो। १५उना बखत तमारा
आनन्द की भावना को कंई होयो? हूं
तमारा सरु खुद इनी बात को गवा हूं
के, अगर हुई सकतो तो तम खुद अपणी
आंखहुंण हेड़ी के म्हारे दई देता। १६तो
कंई तमार से सांची बोलवा से हूं तमारो
बेरी हुई ग्यो?
१७तमारे नेम-बिधान पे चलावा वाळा
तमारा माय घणी दिलचस्पी लई र्‌या
हे। पण उणको इरादो तमारा फायदा
सरु ठीक नी हे। वी तमारे म्हार से
इकाड़ी करनों चाय हे ताके तम उणका
माय दिलचस्पी लई सको। १८पण या
बी अच्छी बात हे, के भली बात माय
हर बखत दोस बणावा की कोसिस माय

---

† **४.५–७:** रोमिहुंण ८.१५–१७

लाग्या रो, याने नी सिरप उना बखत जदे
हूं तमारा गेले रूं। १९हे म्हारा बाळकहुंण!
हूं तमारा सरु एक कावा हजु जच्चा
सरीकी पीड़ा झेली र्‌यो हूं, जदत्तक तम
मसीह सरीका नी हुई जाव। २०हूं चउं के,
अबीज तमारा कने अई पोंचुं अने तमार
से अलगज तरा से बात करूं, क्योंके हूं
समजी नी र्‌यो हूं के हूं तमारा सरु कंई
करूं।

सारा अने हाजिरा की मिसाल

२१तम जो मूसा का नेम-बिधान[h] का
बस माय रेणे वाळाहुंण, तमार से हूं
पुछणो चउं: कंई तमने नेम-बिधान को
यो केणो नी सुण्यो? २२[†] मूसा ने लिख्यो
थो के इबराइम का दो बेटा था। एक को
जनम एक दासी, याने हाजिरा से होयो
थो, अने दूसरा को एक आजाद, याने
अपणी बइरा सारा से। २३दासी से पेदा
होयो बेटो काया का मुजब जन्म्यो थो,
पण आजाद बइरा से जो बेटो पेदा होयो
थो, उ परमेसर आड़ी से कर्‌यो करार
को नतीजो थो। २४ई बातहुंण मिसाल
मुजब हे: ई दो बइराहुंण, दो करार[i] एक
करार जो परमेसर ने इसराइल लोगहुंण
से सिनाय परबत माय कर्‌यो थो, हाजिरा
सरीकी हे। हाजिरा ने उना लोगहुंण के
जन्म्यो जो गुलामी सरु था। यो करार
हाजिरा से नातो राखे हे। २५तो हाजिरा
अरब देस माय मानो सिनाय परबत
हे, अने वा इना बखत यरुसलेम नगर
सरीकी हे, क्योंके वा[j] अपणा बाळकहुंण
का गेले गुलामी भुगती री हे। २६पण
सरग की यरुसलेम नगरी आजाद बइरा
सारा सरीकी हे अने वा गुलाम नी हे।
वाज हम बिसासिहुंण की मेतारी हे। २७[†]
असो पवित्तर सासत्तर माय उका बारामें
लिख्यो हे,

"हे बांज तू जो नी जणे, परभु माय
खुसी मनाड़।
तू जो जच्चा की पीड़ा नी जणे,
हंसी से खिलखिला!
क्योंके छोड़ी हुई बइरा की सन्तान,
परनी बइरा की सन्तान से जादा
हे।"

२८तो भई-बेनहुंण, अबे तम इबराइम
का बेटा इसाक का जसा परमेसर का
करार की सन्तान हो।[†] २९[†] पण जसे
उना बखत काया का मुजब जन्म्यो होयो
बेटो याने इसमाइल पवित्तर आतमा की
ताकत से पेदा होया इसाक के सतातो
थो, असोज इना बखत बी हुई र्‌यो हे।
३०[†] पण देखो, पवित्तर सासत्तर कंई के
हे? "इनी दासी अने इका बेटा के हेड़ी के
बायरे करो क्योंके यो दासी को बेटो तो
आजाद बइरा का बेटा का गेले वारिस नी

---

[h] **४.२१** मूसा का नेम-बिधान; याने पांच पोथीहुंण : उत्पत्ती, निरगमन, लेव्यव्यवस्था, गिणती, अने नेम-बिधान। [i] **४.२४** करार; करार को मजबूत बन्दण दो मनख का अदाड़ माय रे हे वी दोई एक-दूसरा से अपणा अपणा बायदा से बन्द्‌या रे हे। अगर यो बायदो एक ने बी तोड़ी लाख्यो तो जो कंई करार कर्‌यो हे उ टूटी जाय हे, पण जदे परमेसर अपणा लोगहुंण का साते करार करे तो कुंण परतिज्ञा अने सरत राखी सके। [j] **४.२५** वा; हाजिरा या यरुसलेम।

[†] **४.२२:** उत्पत्ती १६.१५, २१.२ [†] **४.२७:** यसायाह ५४.१ [†] **४.२८:** उत्पत्ती २१.१-२

[†] **४.२९:** उत्पत्ती २१.९ [†] **४.३०:** उत्पत्ती २१.१०

रेगा। ३१इकासरु हे भई-बेनहुंण, हम उनी
दासी की सन्तान हयनी, बल्के हम तो
आजाद बइरा की सन्तान हे।

आजाद बण्या रो

५ मसीह ने हमारे आजाद कर्‌या
हे, ताके हम हमेस्या आजाद रई
सकां! इकासरु अपणा बिसास के मजबूत
बणाया राखो अने पाछा नेम-बिधान का
जुड़ा रुपि गुलामी को बजन मती उठाड़ो।
२सुणो! हूं खुद, पोलुस तमार से कई
र्‌यो हूं के, अगर खतणो करई दे के
तम पाछा नेम-बिधान आड़ी आव हो,
तो तमारा सरु मसीह को कंई अरथ नी
रेगा। ३अपणो खतणो करई लेवा वाळा
हर मनख के, हूं जताड़ी दूं के उके आखा
नेम-बिधान पे चलनो जरुरी हुई जायगा।
४तमारा माय से जितरा बी मनख नेम-
बिधान को पाळण करवा की वजासे
निरदोस होणो चाय, वी सगळा मसीह से
दूरा हुई ग्या अने परमेसर की किरपा का
दायरा से बायरे हे। ५पण हम बिसास की
वजासे परमेसर का सामे निरदोस मान्या
जावा की आस करां हे। पवित्तर आतमा
की मदद से हम इकी बाट जोई र्‌या हे।
६अने मसीह ईसु माय, नी तो खतणा को
कंई काम हे अने नी बिना खतणा को,
पण सिरप बिसास का जो परेम आड़ी से
असर करे हे।
७तम तो अच्छी तरा से एक मसीही
जीवन जी र्‌या था। अबे असो कंई हुई
ग्यो जो तमारे सच्चई पे चलवा से
रोकी र्‌यो हे? ८असी सीख जो तमारे
सच्चई से दूर करी री हे, तमारा
बुलाड़वा वाळा परमेसर आड़ी से हयनी।
९† "थोड़ोक सो खमीर घुंद्‌या होया
आखा आंटा माय खमीर उठई दे।"
१०पण परभु पे म्हारे पूरो भरोसो हे,
के तम कइंका बी दूसरा बिचार के
नी मानोगा, अने तमारे डिगावा वाळा
चाये कइंका बी क्यों नी होय, परमेसर
उणके ठीक सजा देगा।
११हे भई-बेनहुंण, अगर हूं आज बी
खतणा की जरुवत को परचार करी
र्‌यो हूं तो म्हारे अबी तक सताड़्यो
क्यों जई र्‌यो हे? अने अगर हूं अबे
बी खतणा की जरुवत को परचार
करूं तो मसीह का कुरुस की वजासे
आया म्हारा सगळा रोड़ाहुंण खतम हुई
जाणा चइये। १२हूं तो चउं, के वी जो
तमारे डिगाणो चाय हे, खतणा करावा
का गेले-गेल अपणे खुद के बदियाज
करवई ले।
१३हे भई-बेनहुंण, तमारे परमेसर ने
आजाद रेवा सरु छांट्‌या हे। पण उनी
आजादी के काया की मरजी पूरण
करवा को साधन मती बणाव, पण
परेम से एक दूसरा की सेवा करो।
१४† क्योंके आखा नेम-बिधान को
निचोड़ इनी बात मायज हे: "अपणा
पड़ोसी से असो परेम करो जसा अपणा
खुद से परेम करो हो।" १५पण अगर
तम माय-माय काट करता होया एक
दूसरा के फाड़ी खावगा तो देखो! तम
माय-मायज एक दूसरा के खतम करी
लाखोगा।

---

† **५.९:** १ कुरिन्थिहुंण ५.६ † **५.१४:** लेव्यव्यवस्था १९.१८

मनख को सुभाव अने पवित्तर आतमा

१६तो हूं कूं के, पवित्तर आतमा का
अनुसासन का मुजब सुभाव राखो अने
अपणा पाप से भरी काया की मरजी के
पूरण मती करो। **१७**† क्योंके पाप से भरी
काया तो पवित्तर आतमा का बिरोद माय
अने पवित्तर आतमा काया का बिरोद
माय लालसा करे हे। ई तो एक दूसरा
का बिरोदी हे अने जो तम करनों चावो,
उ तम करी नी सकता हो। **१८**पण अगर
तम पवित्तर आतमा का अनुसासन मुजब
चली र्‌या हो तो फेर नेम-बिधान का बस
माय नी र्‌या।

१९हमारी पाप से भरी काया को
काम तो उजागर हे, याने ब्योबिचार,
अपवित्तरता, भोग-बिलास, **२०**मूरत पुजा,
जादू-टोणा, बेर-भाव, लड़ई-झगड़ा,
जळण, करोध, सुवारती पणो, मतभेद,
फूट, **२१**इरसा, नसो, रळ्यापणो या असाज
हजु कामहुंण। अबे हूं तमारे इना कामहुंण
का बारामें वसेज चेताड़ी र्‌यो हूं, जसे के
म्हने तमारे पेलांज चेताड़ी द्‌यो थो, के
जो लोगहुंण असा कामहुंण माय लगातार
बण्या रेगा, वी परमेसर का राज का
वारिस नी हुई सकेगा।

२२बल्के पवित्तर आतमा को फळ
यो हे: परेम, खुसी, सान्ती, जिरना,
दयालुपणो, नेकी, बिसासलायकी,
२३नरमता अने खुद के साधणो आणो
चइये। असा कामहुंण का बिरोद माय कईं
को नेम-बिधान हयनी। **२४**जो मसीह ईसु
का हे, उणने अपणा पाप से भरी काया
के उकी वासनाहुंण अने मरजिहुंण समेत
कुरुस पे चड़ई लाख्या हे। **२५**क्योंके जदे
हमारो इना नवा जीवन को झरणो पवित्तर
आतमा हे तो आव, पवित्तर आतमा काज
मुजब चलां। **२६**हम गुमान करवा वाळा
नी बणा। एक दूसरा के नी चिड़ांवां। अने
नीज एक दूसरा से जळण राखां।

एक दूसरा की मदद करो

६ हे भई-बेनहुंण, तमारा माय से
अगर कईं को मनख पाप करतो
होयो पकड़वई जाय, तो तम जो आतमा
माय पक्का मनखहुंण हो तमारे चइये के
नरमता का साते उके धरम का रस्ता
पे पाछा लावा माय मदद करो। अने
खुद अपणा सरु बी होसियारी बरतो के
तम खुद बी कइंकी अजमाइस माय नी
पड़ी जाव। **२**दुःख का बखत एक दूसरा
की मदद करो। असतरा तम मसीह का
नेम-बिधान को पाळण करोगा। **३**अगर
कईं को मनख खास नी होय तो बी
अपणे खुद के खास जाणे, तो उ खुद
के छळी र्‌यो हे। **४**अपणा काम की जांच
हर कइंका के खुद करतो रेणो चइये।
असो करवा पेज उके अपणा खुद पे,
कइंका दूसरा का गेले मिलाण कर्‌या
बिना, गुमान करवा को मोको मिळेगा।
५क्योंके अपणो बोज हर कइंका के खुदज
तोकणो हे।

६जेके परमेसर को बचन सुणायो हे,
उके चइये के जो उत्तम चीजहुंण उका
कने हे, उका माय अपणा परबचन देवा
वाळा साती के हिस्सादार बणाय।

---

† **५.१७:** रोमिहुंण ७.१५–२३

७अपणे खुद के मती छळो; परमेसर
के कईं को मूरख नी बणई सकतो। जो
जसो बोयगा, वसोज काटेगा। ८जो अपणी
मनख काया का पापी सुभाव सरु बोयगा,
उ अपणी मनख काया से बिनास की
फसल काटेगा। पण जो पवित्तर आतमा
का खेत माय बीज बोयगा, उ आतमा से
अजर-अमर जीवन की फसल काटेगा।
९इकासरु आव, हम भलई करता कदी नी
थकां, क्योंके अगर हम भलई करताज
रांगा तो ठीक बखत आवा पे हमारे
उको नतीजो मिळेगा। १०तो जसेज कईं
को मोको मिळे, हमारे सगळा का गेले
भलई करनी चइये, खास करिके मसीह
पे बिसास करवा वाळा अपणा भई-बेनहुंण
का गेले।

आखरी चेतावणी

११देखो, म्हने तमारे खुद अपणा हात
से कितरा मोटा-मोटा अख्खरहुंण माय
लिख्यो हे। १२वी सिरप दूसरा यहूदिहुंण
के बायरे को दिखावो करनों चावे हे,
असाज लोगहुंण तमार पे खतणा करावा
सरु दबाव लाखे हे। ताके उणके मसीह
का कुरुस का बारामें परबचन की
वजासे सताव नी सेणो पड़े। १३वी खुद
बी जिणको खतणो हुई चुक्यो हे, मूसा
का नेम-बिधान को पाळण नी करे, पण
फेर बी वी चाय के तम खतणो कराव,
ताके वी दूसरा यहूदिहुंण के तमार से
इनी काया की परथा के मान्या जावा
पे डींग हांकी सके। १४पण जेकासे हूं
जगत सरु अने जगत म्हारा सरु मरी
ग्यो, हमारा परभु ईसु मसीह का उना
कुरुस के छोड़ी के म्हारे हजु कइंकी
बात पे गुमान हयनी। १५क्योंके नी
तो खतणो जरुरी हे अने नी बिना
खतणो। अगर जरुरी हे तो वा नवी
रचणा। १६इकासरु जो इना नेम पे
चलेगा उणका पे, अने परमेसर का
लोग इसराइलहुंण पे सान्ती अने दया
होती रेगा।

१७चिट्ठी को लिखणों खतम करतो
होयो हूं तमार से बिणती करूं के अबे
म्हारे कईं को हजु दुःख नी दे। क्योंके
हूं तो पेलांज अपणी काया माय ईसु का
घावहुंण के लई ने घुमी र्‌यो हूं।

१८हे भई-बेनहुंण, हमारा परभु ईसु
मसीह की किरपा तमारी आतमाहुंण का
गेले बणी रे। आमीन।

पोलुस की चिट्ठी
इफिसिहुंण
का नामे

लिखवा वाळो: पोलुस

लिखवा की वजा: मण्डळी, मसीह की काया

लिखवा को बखत: करीब ६० ईस्वी सन्

भूमिका: पोलुस ने या चिट्ठी इफिसुस नगर का रेवा वाळाहुंण सरु लिखी यो देस आज का तुरकीस्तान माय हे, यो पेली सदी माय घणो परसिद्द नगर थो। पेलां का जमाना माय बेपार, ज्ञान अने धरम की बातहुंण माय इकी खास जगा थी यां का लोगहुंण इनी बात पे गुमान करता था। खास करिके उणको गुमान अरतिमिस की देवी की मूरत अने मन्दर पे थो, "जेनी देवी की पुजा," उणको केणो थो, "एसिया अने जगत का सगळा लोग करे हे" (परेरितहुंण १९.२७)।

इनी चिट्ठी की खास बात: पोलुस मण्डळी के, "मसीह की काया" के हे, याने मसीह "माथो" हे अने मसीहिहुंण उका "अंग" हे, दोइज मिळी के एक मण्डळी बणे हे। तो मण्डळी सिरप संगठणज नी हे पण एक जीवती काया हे जो इना जगत माय पवित्तर आतमा आड़ी से चलाड़्या चले हे, मण्डळी के परमेसर को घराणो के हे जेका माय मसीहिहुंण को सुभाव परमेसर का मुजब होय हे अने वी परमेसर का पछड़े चले हे।

रुप-रेखा:-

१. किरपा अने सान्ती से भर्‌यो नमसकार *१.१-२*
२. मण्डळी माय परमेसर को काम *१.३-१४*
३. मण्डळी माय परमेसर की सामरत *१.१५-२.१०*
४. मण्डळी परमेसर को घराणो *२.११-२२*
५. मण्डळी परमेसर को दरसन *३.१-१३*
६. मण्डळी परमेसर की पुरणता *३.१४-२१*
७. मण्डळी सरु परमेसर की मांफी *४.१-६.९*
(क) मसीह की काया माय एको *४.१-१६*

(ख) उजाळा की सन्तान सरीको बरताव ४.१७-५.२०
(ग) खुद का आपसी नाता माय आदर-मान ५.२१-६.९
८. मण्डळी माय परमेसर को आतमिक हतियार ६.१०-२०
९. निचोड़: आसीस बचन ६.२१-२४

१ [†] इनी चिट्ठी के लिखवा वाळो हूं पोलुस आड़ी से, जो परमेसर की मरजी से मसीह ईसु को परेरित हे,

इफिसुस नगर का रेवा वाळा पवित्तर लोगहुंण अने मसीह ईसु माय बण्या होया बिसासिहुंण का नामे:

२तमारे अपणा पिता परमेसर अने परभु मसीह ईसु आड़ी से किरपा अने सान्ती मिळती रे।

परभु ईसु माय आतमिक आसिसहुंण

३अपणा परभु ईसु मसीह को पिता अने परमेसर धन्य होय। उने हमारे मसीह का सरुप माय बण्या होया सरग आड़ी से हरतरा की आसिसहुंण दई हे। ४जगत के बणावा से पेलांज परमेसर ने हमारे जो मसीह माय बण्या होया हे छांटी ल्या, के हम उकी नगे माय पवित्तर अने बिना दोष का बण्यां रां।

५परेम माय परमेसर[a] की भली मरजी अने योजणा या थी के ईसु मसीह आड़ी से उ हमारे अपणा बेटा बेटिहुंण का सरुप माय पेलांसेज मान्या जावा सरु ठेराय। ६अने उकी म्हेमा से भरी किरपा की परसंसा होय जेके उने उना घणा परमिला मसीह माय बण्या होया के मुफत माय दई दी हे। ७[†] उकी बलिदानी मोत की वजासे[b] अबे हमारे अपणा पापहुंण से छुटकारो होयो याने परमेसर की किरपा का धन का मुजब हमारे पापहुंण की मांफी मिळे ८जेके उने आखा ज्ञान अने समज से हमारे घणो द्यो हे।

९उने हमारे अपणी मरजी को भेद अपणी भली योजणा का मुजब जेके उने खुद मसीह आड़ी से ठेरई थी, बताड़ी। १०परमेसर की या योजणा थी के ठीक बखत आवा पे सरग अने धरती की सगळी रचणा के मसीह माय भेळा करे

११मसीह माय बण्या होया जो अपणी मरजी की भली मती का मुजब सगळो कंई करे हे, हमने बी उकी योजणा का मुजब, पेलां से ठेराड़या जई के वारिसी[c] पई हे। १२ताके हम जिणने पेलां से मसीह पे आसा धरी थी, परमेसर की म्हेमा की इसतुती करी सकां।

१३जदे तमने उनी सच्चई का बचन के सुण्या जो तमारा उध्दार को सुब-समिचार थो, अने जेना मसीह पे तमने बिसास कर्‌यो, जेने पवित्तर आतमा को वायदो कर्‌यो थो, उना मसीह से उका हक को ठप्पो परमेसर से तम लोगहुंण पे लगाड़्यो। १४हमारा कने परमेसर को पवित्तर आतमा हमारा वारिसपणा का हिस्सा की जमानत का रुप माय उना

[a] **१.५** परेम माय परमेसर; या परेम माय जीने को परमेसर। [b] **१.७** उकी बलिदानी मोत की वजासे; या उका लोई की वजासे। [c] **१.११** वारिसी; उतराधिकारी छांटी ल्या।
[†] **१.१:** परेरितहुंण १८.१९–२१, १९.१ [†] **१.७:** कुलुस्सिहुंण १.१४

बखत सरु तक हमारे द्यो हे, जदत्तक के
उ हमारे, जो उका अपणा हे, छुटकारो नी
दई दे। इकी वजासे हम उकी म्हेमा की
इसतुती करां।

इफिसिहुंण सरु पोलुस की पराथना

१५इकासरु जदे से म्हने परभु ईसु पे
बिसास अने पवित्तर लोगहुंण सरु तमारा
परेम का बारामें सुण्यो हे, १६हूं तमारा सरु
परमेसर के लगातार धन्यबाद दई र्यो
हूं अपणी पराथनाहुंण माय तमारे रियाद
करूं। १७के अपणा परभु ईसु मसीह को
परमेसर तमारे पवित्तर आतमा की सच्चई
का ज्ञान की असी आतमा की ताकत दे
जेकासे तम उना म्हेमावान परम पिता
परमेसर के जाणी सको। १८हूं बी पराथना
करूं के तमारा हिरदा की आंखहुंण खुली
जाय अने तम उजाळा को दरसन करी
सको के तमारे पतो चली जाय के वा
आसा कंई हे जेका सरु उने तमारे तेड्यो।
अने परमेसर पवित्तर लोगहुंण सरु वारिस
की म्हेमा को धन कसो हे। १९अने उकी
सामरत हम बिसास करवा वाळाहुंण सरु
कितरी म्हान हे। या सगळी उका उनी
म्हान ताकत का काम का मुजब हे, २०†
जेके उने मसीह माय जदे काम माय लई
थी जदे मर्या होया माय से उके जीवाड़ी
के सरग माय अपणा सामरत वान सुदा
हाताड़ी बेठाड़ी के, २१मसीह, सगळा
आतमिक सासकहुंण, हाकिमहुंण, सामरत
अने परभुताहुंण का अने हरेक नाम का
अदरे बेठाड्यो, जो नी सिरप इना जुग
माय, पण आवा वाळा जुग माय बी
सासन करेगा। २२†† परमेसर ने सगळो
कंई उका हक माय करी लाख्यो अने
परमेसर ने मसीह के सगळी चीजहुंण से
उंचो सिरोमणी बणई के मण्डळी के दई
द्यो २३मण्डळी मसीह की काया हे, अने
उकी भरपूरी हे जो सगळा माय से मसीह
खुद सगळो कंई पूरण करे हे।[d]

मोत से जीवन आड़ी

२ † नरा पेलां जदे तम लोग उना
कसूरहुंण अने पापहुंण की वजासे
आतमिक रुप से मर्या होया था। २जेना
दनहुंण माय तम इना जगत का बुरा
रस्ता पे चलता होया अने उनी आतमा
का हुकम के मानता था, जीता था जो
इनी धरती का अदरे की आतमिक ताकत
का सासक हे। वाज आतमा अबे उना
मनखहुंण माय काम करी री हे जो
परमेसर को हुकम नी माने हे। ३नरा
पेलां हम सगळा बी अपणी काया की
लालसाहुंण माय जीवन बिताड़ता था,
काया अने मन की मरजिहुंण के पूरण
करता था, अने दूसरा लोगहुंण सरीका
सुभाव सेज करोध की ओलाद था।
४पण परमेसर जो दया को धणी हे,
उना म्हान परेम की वजासे जो उने हमार
से कर्यो ५जदके हम अपणा कसूरहुंण
की वजासे मर्या होया था परमेसर ने
हमारे मसीह का गेले जीवतो कर्यो -
परमेसर की किरपा सेज तमारो उध्दार
होयो हे। ६अने हम मसीह ईसु माय बण्या

---

[d] **१.२३** उकी भरपूरी ... सगळो कंई पूरण करे हे; या उ जो परमेसर आड़ी से आखो भर्यो हे।
† **१.२०:** भजन संहिता ११०.१ † **१.२२:** भजन संहिता ८.६ † **१.२२–२३:** कुलुस्सिहुंण १.१८
† **२.१–५:** कुलुस्सिहुंण २.१३

होया हे, इकासरु परमेसर ने हमारे मसीह
का गेलेज जिवाड़्या हे अने मसीह ईसु
का गेलेज सरग पे बेठाड़्या हे। ७ताके उ
आवा वाळा हर जुग माय अपणी किरपा
का बेहिसाब धन के दिखाड़े जेके परमेसर
ने मसीह ईसु माय अपणी दया को रुप
हमारे दिखाड़्यो हे। ८इकासरु परमेसर
की किरपा से अने अपणा बिसास की
वजासे तमारो उध्दार होयो हे, जो तमारे
तमारा आड़ी से नी मिळ्यो बल्के यो
तो परमेसर को बरदान हे। ९यो हमारा
कर्‌या काम को फळ हयनी ताके हम
इको गुमान करी सकां। १०क्योंके परमेसर
हमारो बणावा वाळो हे। उने मसीह ईसु
माय हमारे इकासरु बणायो के हम नेक
काम करां जिणके परमेसर ने पेलां सेज
तय्यार कर्‌या हे, के हम उणकेज करता
होया अपणो जीवन बितावां।

मसीह माय एको

११इकासरु रियाद राखो, तम लोग जो
पेलां था, अपणी काया माय मनख का
हातहुंण से कराया खतणा की वजासे
अपणे खुद के खतणा वाळा अने तम
लोगहुंण के जो दूसरी जात माय जन्म्या
"बिना खतणा" का केता था। १२उना
बखत तम बिना मसीह की संगत का
था, तम इसराइल की बिरादरी से बायरे
का था। परमेसर ने अपणा पवित्तर
लोगहुंण से जो करार कर्‌यो थो उका
माय हिस्सादार नी था, अने इना जगत
माय सांचा परमेसर का बिना निरासा
को जीवन जीता था। १३पण अबे तमारे,
जो पेलां कदी परमेसर से नरा दूरा था,
मसीह का बलिदान का लोई[e] की वजासे
ईसु मसीह माय बण्या होया हुई के
परमेसर कने ल्याया हो। १४क्योंके उज
हमारो मेळ-मिळाप हे इकासरु यहूदी अने
गेर यहूदी माय-माय बेर-भाव की वजासे
एक दूसरा से छेटी रेता था जसेके उणका
अदाड़ माय कइंकी भींत उबी होय। पण
ईसु ने अपणी काया को बलिदान करिके
बेर-भाव की उनी भींत के ढळडई के दोई
के एक करी लाख्या, १५† उने असो जदे
कर्‌यो जदे यहूदी नेमहुंण अने उका हुकम
अने आदेसहुंण का बिधान के खतम करी
लाख्या। उको बिचार थो के अपणा माय
इना दोई केज एक करी लाखे १६† अने
कुरुस पे अपणी मोत से बेर-भाव के
नास करिके इनी एकज काया माय उना
दोई के भेळा करिके परमेसर से पाछो
मेळ-मिळाप करई दे। १७† इकासरु अई
के उने तमारे, जो परमेसर से दूरा था
अने जो कने था,[f] उणके मेळ-मिळाप को
सुब-समिचार सुणायो। १८क्योंके मसीह
की वजासे एकज पवित्तर आतमा माय
हम दोई यहूदी अने गेर यहूदी की पोंच
परमेसर पिता तक होय हे।

१९नतीजो यो के अबे नी तो तम बिदेसी
र्‌या अने नीज अण्जाण्या पण अबे तो तम
परमेसर का पवित्तर लोगहुंण का साती
अने परमेसर का परवार का साते देसवासी
हुई ग्या। २०तम एक असा घर हो जो
परेरित अने नबिहुंण की नीम पे बण्या हो।

---

[e] **२.१३** मसीह का बलिदान का लोई; (देखो इफि.१.७)। [f] **२.१७** जो परेमसर से दूरा था अने जो कने था; याने दूसरी जात अने यहूदी जात।

† **२.१५:** कुलुस्सिहुंण २.१४ † **२.१६:** कुलुस्सिहुंण १.२० † **२.१७:** यसायाह ५७.१९

अने खुद मसीह ईसु जेका कोणा को एक
खास एरण हे। २१मसीह माय आखी रचणा
एक साते मिळी के परभु माय एक पवित्तर
अराधनालय बणतो जई र्‌यो हे, २२मसीह
माय तम बी अराधनालय बणी जाव जेका
माय परमेसर अपणा पवित्तर आतमा का
जरिये निवास करे हे।

गेरयहूदिहुंण माय पोलुस को परचार को काम

३ इकासरु हूं, पोलुस जो तम
गेरयहूदिहुंण सरु मसीह ईसु को
सुब-समिचार सरु बन्दी बण्यो हूं। २अगर
तमने सांची माय परमेसर की उनी किरपा
का परबन्द की चरचा सुणी जो तमारा
बीच माय काम करवा सरु म्हारे द्‌यो,
३याने परमेसर उना भेद के जो म्हार पे
दरसन से परगट्‌यो हे, जसो के हूं तमारे
थोड़ोक लिखी चुक्यो हूं। ४[†] जेके बांची
के तम जाणी ग्या होगा के हूं मसीह का
भेद के कां तक समजी ग्यो। ५दूसरा
पीड़ी का मनखहुंण के मालम नी पड़णे
द्‌यो जसो के अबे परमेसर का पवित्तर
परेरितहुंण अने नबिहुंण पे पवित्तर आतमा
से परगट्‌यो जई र्‌यो हे। ६भेद यो के
अबे यहूदिहुंण का गेले सुब-समिचार
गेरयहूदिहुंण का साते बी एकज काया का
अंग अने साती बारिस अने ईसु मसीह
माय जो करार कर्‌यो, उका माय बराबर
का हिस्सादार हे।

७परमेसर की किरपा का उना बरदान
का मुजब जो उका सामरत की ताकत
का मुजब म्हारे द्‌यो थो, हूं उना सुब-
समिचार को सेवक बणी ग्यो। ८हालाके
सगळा पवित्तर लोगहुंण माय हूं नाना
से बी नानो हूं पण मसीह का उना
अणगिणत्या धन का सुब-समिचार के
गेरयहूदिहुंण माय परचार करवा की
किरपा म्हारे दई गी ९अने हूं सगळा
लोगहुंण सरु उना भेद से भरी योजणा
के परगट करूं जो सगळी चीजहुंण का
रचवा वाळा परमेसर माय जगत का सुरु
सेज छिपी री थी। १०ताके अबे मण्डळी
का जरिये परमेसर का नरा तरा का ज्ञान
के असमान का उना परधानहुंण अने
हाकिमहुंण पे जो सरग की जगा माय हे
परगट कर्‌या जायगा। ११यो उनी सनातन
योजणा का मुजब होयो जो उने ईसु
मसीह माय पूरण करी। १२मसीह माय
बण्या होया उका पे बिसास राखवा से,
हमारे या हिम्मत अने भरोसो होयो के
हम परमेसर कने जई सकां हे। १३इकासरु
हूं तमार से बिणती करूं के तमारा सरु
हूं जो पीड़ा झेली र्‌यो हूं, उकी वजासे
हिम्मत मती हार जो क्योंके इनी पीड़ा
मायज तो तमारी म्हेमा हे।

मसीह को परेम

१४इकासरु हूं उना पिता परमेसर का
अगड़े गोड़ा टेकूं। १५जेकासे सरग अने
धरती पे का सगळा परवार को नाम[g]
राख्यो जाय हे, १६हूं पराथना करूं के उ
अपणी म्हेमा का धन का मुजब तमारे
यो दान दे के तम उका पवित्तर आतमा

---

[g] **३.१५** परवार को नाम; पिता को घराणो।

[†] **३.४–६:** कुलुस्सिहुंण १.२६–२७

की वजासे अपणा भित्तरे का मनख के
सामरत से काठो करे, १७ताके बिसास की
वजासे तमारा हिरदाहुंण माय मसीह को
वास रे। तमारी जड़हुंण अने नीम परेम पे
टिकी रे के, १८सगळा पवित्तर लोगहुंण का
गेले अच्छी तरा समजी सको के मसीह
को परेम कितरो लम्बो, चोड़ो, उंचो अने
कितरो उन्डो हे, १९अने मसीह का उना
परेम के जाणी सको जो सगळा तरा का
ज्ञान से दूर हे, ताके तम परमेसर की
सगळी परिपूरणता से भर्‌या-पुर्‌या हुई
जाव।

२०अबे उना परमेसर सरु जो
सामरतवान हे अपणी उनी सामरत मुजब
जो हमारा माय काम करी री हे, के
हमारी बिणती अने बिचारवा से कंई-जादा
बड़ी के काम करी सकां, २१उना परमेसर
की म्हेमा उकी मण्डळी माय अने मसीह
ईसु माय पीड़ी से पीड़ी तक हमेस्या-
हमेस्या होती रे। आमीन।

हर एक काया

४ तो हूं, जो परभु की सेवा करवा की
वजासे बन्दी बण्यो हूं, तम लोगहुंण
से बिणती करूं के जेनी वजासे परमेसर
ने तमारे तेड़्या हे उका लायक तम
जीवन बिताड़ो, २† याने आखी दीनता
अने नरमता अने जिरना का गेले परेम
से एक दूसरा की सेता रो। ३वा सान्ति
जो तमारे माय-माय बान्दी राखे हे उका
से होवा वाळा आतमा का एका के बणाया
राखवा सरु हर तरां की कोसिस करता
रो। ४एकज काया हे, अने पवित्तर आतमा
बी एकज हे। असेज जदे तमारे बी तो
एकज आसा माय हिस्सादार होवा सरुज
बुलाड़्या था। ५एकज परभु हे, एकज
बिसास हे, अने एकज बपतिसमो हे।
६अने सगळा को परमेसर पिता एकज
हे, जो सगळा का अदरे अने सगळा का
अदाड़ माय अने सगळा माय हे।

७पण हमारा माय से हरेक के परमेसर
की किरपा को एक खास इनाम द्‌यो हे
जो मसीह का खुला-हिरदा का मुजबज
हे। ८† सासत्तर माय असो लिख्यो हे,

"जदे उ उंचा पे चड़्यो
तो केदीहुंण का दळ के केद माय
लई ग्यो
अने उने मनखहुंण के बरदान
द्‌यो।

९अबे देखो जदे उ के हे उ "उंचा पे
चड़्यो" कंई अरथ हे? सिरप यो के उ
अधोलोक.[h] माय बी उतर्‌यो थो। १०अने
जो निच्चे उतर्‌यो थो, उ उज हे जो उंचो
बी चड़्यो थो - इतरो उंचो के सगळा
असमानहुंण से बी अदरे, ताके उ सगळा
कंई पूरण करी दे। ११उने खुदज थोड़ाक
के परेरित, थोड़ाक के नबी, थोड़ाक के
सुब-समिचार परचारक, थोड़ाक के पादरी,
अने थोड़ाक बिसासिहुंण के सिक्छक होवा
को बरदान द्‌यो। १२उने असो कर्‌यो के
पवित्तर लोगहुंण सेवा करवा का लायक
बणे, ताके मसीह की काया जो मण्डळी
हे, उके पक्की करां। १३जदत्तक के हम
सगळा का सगळा बिसास माय अने

---

[h] **४.९** अधोलोक; या निच्चे गेरई माय या धरती माय.पताळ लोक।

† **४.२:** कुलुस्सिहुंण ३.१२–१३ † **४.८:** भजन संहिता ६८.१८

परमेसर का बेटा का पूरण ज्ञान माय[i]
एक हुई के पाक्या मनख बणवा सरु
बड़ता होया मसीह की आखी म्हेमा की
उंचई के पकड़ी नी लां। १४हम असा
बाळक नी बण्या रां जो हर कइंकी असी
नवी सीख का बायरा से उछळी जांवां,
जो हमारी बाट माय बीवे हे, लोगहुंण जो
ठगवा की बिद्या के बड़ावो दे, भरम से
भर्या बरताव से, असा ढोंगीपणा से, अने
अंई-वंई भटकई लाखे हे। १५उका बदळा
माय हम परेम का गेले सांची बोलता
होया हरतरा से मसीह सरीका उन्नती
करता होया। क्योंके मसीह मण्डळी को
माथो हे उका माय बड़ता जांवां, १६[†]
उकासे आखी काया बणी रे, या काया
उकासे जुड़ती हुई हरेक मदद करवा वाळी
रग से मिळती होय अने जदे उको हरेक
अंग जो उके काम करनों चइये, उके
पूरण करे हे तो परेम माय आखी काया
की बड़ोतरी होय अने या काया खुद
पक्की रे हे।

उजाळा की सन्तान

१७हूं इकासरु कूं अने परभु के गवा
राखी के तमारे चेतई र्यो हूं के जसतरा
गेरयहूदिहुंण हिरदा की बेकार रीति पे
चले, उना दोसिहुंण जसा मती जीवो।
१८उणकी बुध्दि इन्दारा से भरी हुई हे।
वी परमेसर से मिळवा वाळा जीवन से
दूरा हे। क्योंके उणके समजीज हयनी के
उणका हिरदा भाटा सरीका हुई ग्या हे।
१९वी सुन्न हुई के यां तक लुच्चापणा
माय लागी ग्या के हरतरा का बुरा काम
करता रेवा सरु तय्यार रे हे।

२०पण मसीह का बारामें जो कंई तमने
जाण्यो, उ असो तो नी हे। २१अगर सांची
माय तमने उका बारामें सुण्यो अने जसो
ईसु सांचो हे उका मुजब सीखाड़्या बी
ग्या हो, २२[†] तमने सीख्यो के तम पेलां
का चाल-चळण का जूना मनखपणा का
जीवन के हेड़ी लाखो जो भरमावा वाळी
मन्साहुंण का मुजब खराब हुई जाय हे।
२३अने अपणा हिरदा का आतमिक सुभाव
माय नवा बणता जाव। २४[†] अने नवा रुप
के पेरिलो जो परमेसर का मुजब सांची
माय सांचा निरदोस अने पवित्तर बणावा
सरु रच्यो हे।

२५[†] इकासरु तमारा माय से हरेक
झुंटो बोलनो छोड़ी के अपणा पड़ोसिहुंण
से सांची बोले, क्योंके हम सगळा एकज
काया का अंग हे। २६[†] तम करोध माय
अई के पाप मती करी लाखो, पण दन
अथणवा से पेलां तमारो करोध खतम
होवा दो। २७सेतान के अपणा अदरे पाप
करवा सरु मोको मती दो। २८जो चोरी
करता अई र्या हे, वी अगड़े से हजु
चोरी नी करे। पण भलई करवा सरु
अपणा हातहुंण से म्हेनत करे, ताके
जरुवत माय पड़्या होया के मदद करवा
सरु तमारा कने थोड़ो-घणो रे २९तमारा
मुन्डा से कइंका बुरा सबद् नी हिटणा
चइये, पण लोगहुंण का बिकास सरु
जेकी जरुवत हे असी अच्छी बातज
हिटणी चइये, ताके जो सुणे उणको भलो

---

[i] **४.१३** पूरण ज्ञान माय; सिद्द होणो।

[†] **४.१६:** कुलुस्सिहुंण २.१९ [†] **४.२२:** कुलुस्सिहुंण ३.९ [†] **४.२४:** उत्पत्ती १.२६; कुलुस्सिहुंण ३.१०

[†] **४.२५:** जकरियाह ८.१६ [†] **४.२६:** भजन संहिता ४.४

होय। ३०परमेसर का पवित्तर आतमा के
दुःखी मती करो, जेने तमार पे छुड़ावा
का दन सरु आतमा का गेले मालेख
पणा को ठप्पो लगाड़्यो हे। ३१सगळा
तरा को कड़वोपणो, खीज, करोध, कळो,
अने निंदापणो, सगळा तरा का बेर-भाव
से तम दूरा रो ३२† माय-माय एक दूसरा
पे दया करो अने किरपा करो, परमेसर
ने जसे तमारा पापहुंण के मसीह माय
मांफ कर्‌या वसेज तम बी एक दूसरा
का कसूरहुंण मांफ करो।

उजाळा से भर्‌यो जीवन

५ परेमी बाळकहुंण सरीका परमेसर के
मानी लो। २† परेम माय चलो। नठू
वसेज जसे मसीह ने हमार से परेम
कर्‌यो हे, अपणे खुद के सुक देवा वाळी
सुगन का भेंट का रुप माय, उने खुद के
परमेसर का सामे बलिदान करी लाख्यो।
३पण जसा के परमेसर का पवित्तर
लोगहुंण सरु यो ठीक हे, के तमारा
माय ब्योबिचार अने नी कसी तरा का
असुद्द काम, अने लोभ को नाम तक
नी ल्यो जाय, ४अने नी तो घिरणित
काम, नी मूरखता से भरी बातहुंण,
मसकरी की बातहुंण, ई तमारे सुहावे
हयनी पण परमेसर के धन्यबादज द्‌यो
जाय। ५क्योंके तम पक्को जाणो हो, के
असो कईं को बी मनख जो दूराचारी हे,
अपवित्तर हे, या लोभी याने मूरत पुजवा
वाळो हे, मसीह अने परमेसर का राज
को बारिस हुई नी सकतो।
६क्योंके कईं को तमारे फालतु की
बातहुंण से धोको नी दई दे। क्योंके
बेकार की झुंटी बातहुंण की वजासे हुकम
नी मानवा वाळा पे परमेसर को करोध
भड़केगा। ७इकासरु तम असा लोगहुंण
का साती मती बणो। ८असो हूं इकासरु
कई र्‌यो हूं, के जूना जीवन माय जदे
तम इन्दारा से भर्‌या होया था पण अबे
तम परभु का मानवा वाळा उजाळा से
भर्‌या हो। इकासरु उजाळा का बेटाहुंण
सरीको आचरण राखो। ९हरतरा की
निरदोसिता, नेकी, अने सच्चई माय
उजाळा[j] को फळ नगे आय हे। १०हर
बखत या जाणवा की कोसिस करता रो,
के परभु के कंई भावे हे। ११असा कामहुंण
जो इन्दारा से भर्‌या होया हे, उना फालतु
का कामहुंण माय बांटो मती बटाड़ो बल्के
उणको भांडो फोड़ी लाखो।[k] १२असा काम
जिणके वी छाने-छाने करे, उणका बारामें
बात-चित करवा माय बी लाज आय हे।
१३पण उजाळो जदे चळके तो सगळो कंई
नगे अई जाय हे। १४इकासरु जो कंई नगे
आय हे, उ खुद उजाळो बणी जाय हे।[l]
इनी वजासे सासत्तर माय लिख्यो हे,

"हे सोवा वाळा जाग,
अने मर्‌याहुंण माय से जी उठ्‌या,
तो मसीह को उजाळो थार पे
चळकेगा।"†

---

[j] **५.९** उजाळा; थोड़ाक लेखहुंण माय आतमा। [k] **५.११** भांडो फोड़ी लाखो; ताड़णा करो या बुरा कामहुंण के उजागर करनों। [l] **५.१४** इकासरु जो कंई नगे ... जाय हे; उजाळा को नातो सई तरीका से सगळी चीजहुंण का साते हुई जाय हे। या उणके परगटे हे।

† **४.३२:** कुलुस्सिहुंण ३.१३ † **५.२:** निरगमन २९.१८; भजन संहिता ४०.६

† **५.१४:** यसायाह ६०.१

१५इकासरु होसियारी से देखता रो
के तम कसा जीवन जी र्‌या हो मूरख
मनखहुंण सरीका नी पण ज्ञानवान
सरीका आचरण करो। **१६**† हर मोका के
अच्छा करम सरु पूरण तरा से काम
माय लो क्योंके ई दन बुरा हे। **१७**इकासरु
मूरख मती बणो पण यो जाणो के परभु
की मरजी कंई हे।

१८दारु पीके नसेड़ी मती बणो क्योंके
इका से लुच्चापणो होय हे। पण पवित्तर
आतमा से भर्‌या-पुर्‌या हुई जाव। **१९**†
अने माय-माय भजनहुंण, इसतुती
अने आतमिक गीतहुंण गाया करो अने
अपणा-अपणा हिरदा माय परभु सरु
गाता अने किरतन करता रो। **२०**हर
कइंकी बात सरु हमारा परभु ईसु मसीह
का नाम से हमारा परम पिता परमेसर
को हमेस्या धन्यबाद करता रो।

धणी अने बइराहुंण

२१मसीह को मान राखता होया एक
दूसरा का बस माय रो।

२२† हे घराळिहुंण, अपणा-अपणा
घराळाहुंण का असा बस माय रो जसे
तम परभु का बस माय रो हो। **२३**क्योंके
घराळो तो घराळी को माथो हे, जसतरा
मसीह बी मण्डळी को माथो हे जो खुद
की काया को उध्दार करवा वाळो हे।
२४जसे मण्डळी मसीह का बस माय हे,
वसेज घराळिहुंण के सगळी बातहुंण माय
अपणा-अपणा घराळाहुंण का बस माय
रेणो चइये।

२५† हे घराळाहुंण अपणी-अपणी
घराळिहुंण से परेम करो, वसेज जसे
मसीह ने मण्डळी से परेम कर्‌यो अने
अपणे खुद के उका सरु बलिदान करी
लाख्यो। **२६**उने असो कर्‌यो के मण्डळी
के अपणा बचन से, अने पाणी का
बपतिसमा से सुद्द करिके पवित्तर करे।
२७असतरा मण्डळी के एक असी चळकणी
लाड़ी का रुप माय खुद सरु हाजिर करी
सके जो बिना कलंक की रे, बिना सळ
की या जेका माय असी कइंकी कमकोती
नी रे। पण पवित्तर रे अने हमेस्या बिना
दोष की रे। **२८**घराळाहुंण के अपणी-
अपणी घराळिहुंण से इनीज तरा परेम
करनों चइये जसे वी खुद अपणी काया
से परेम करे हे, जो अपणी घराळी से
परेम करे, उ खुद अपणा से परेम करे
हे। **२९**कईं को बी अपणी काया से तो
कदी घिरणा नी करे, पण उ उके पाळे-
पोसे अने उको ख्याल राखे, वसेज जसे
मसीह अपणी मण्डळी को पाळण-पोसण
करे हे। **३०**क्योंके हम तो उकी काया का
अंगज हे। **३१**† सासत्तर माय लिख्यो हे,
"इकासरु आदमी अपणा मां-बाप के छोड़ी
के अपणी घराळी से मिळ्यो रेगा अने
दोई की एक काया हुई जाय हे।" **३२**खास
भेद से भरी सच्चई घणी जरुरी हे अने
हूं तमारे बतंउं के या मसीह अने मण्डळी
पे बी लागु रे हे। **३३**पण तमारा माय से
हरेक अपणी घराळी से अपणा सरीको
परेम करे, अने घराळी बी अपणा घराळा
को मान करे।

---

† **५.१६:** कुलुस्सिहुंण ४.५ † **५.१९–२०:** कुलुस्सिहुंण ३.१६–१७
† **५.२२:** कुलुस्सिहुंण ३.१८; १ पतरस ३.१ † **५.२५:** कुलुस्सिहुंण ३.१९; १ पतरस ३.७
† **५.३१:** उत्पत्ती २.२४

बाळकहुंण अने मां-बाप

६ † हे बाळकहुंण, परभु माय बिसास
राखता होय मां-बाप का हुकम को
पाळण करो क्योंके योज ठीक हे। २†
अपणा मां-बाप को मान करो यो पेलां
दस हुकम माय को एक हुकम हे जो
करार से बी जुड़्यो होयो हे। ३ताके थारो
सगळो कंई भलो होय अने तू धरती पे
घणा बखत तक जीवतो रे†
४† हे पिताहुंण, अपणा बाळकहुंण के
रीस मती देवाड़जो, पण परभु से मिळी
सीख अने नेम-बिधान माय उणको
पाळण-पोसण करजो।

मालेख अने दास

५† हे दासहुंण, तम जगत का अपणा
मालेखहुंण को हुकम बिना कपट का
हिरदा से, आदर अने डर का गेले असोज
मानजो जसे तम मसीह को हुकम मानो
हो। ६मनखहुंण जदे देखे तो उणके खुस
करवा वाळाहुण का जसा दिखावटी पणा
की सेवा मती करजो, पण मसीह का
दासहुंण सरीका हिरदा से परमेसर की
मरजी पूरण करजो। ७जोस का साते
एक दास का रुप माय असी सेवा करजो
जसेके तम लोगहुंण की नी पण परभु
की सेवा करी र्‌या हो। ८रियाद राखो,
तमारा माय से हरेक, चाये उ दास होय
या आजाद अगर कईं को अच्छो काम
करेगा, तो उके परभु से अच्छो नतीजो
मिळेगा।
९† हे मालेखहुंण, तम बी अपणा
दासहुंण का गेले वसोज बरताव करजो
उणके डराणो-धमकाणो छोड़ी लाखजो।
रियाद राखजो, उणको अने तमारो मालेख
सरग माय हे अने उ कइंका की तरफदारी
नी करे।

आतमिक लड़ई

१०अरथ यो के परभु अने उका सामरत
की ताकत माय बलवान बणो। ११परमेसर
का सगळा हतियार के धारण करी लो
ताके तम सेतान की जुगतहुंण का
सामे टिकी सको। १२क्योंके हमारी लड़ई
मनखहुंण से हयनी पण सासकहुंण,
हाकिमहुंण, अने इना इन्दारा से भर्‌या
असमान की ताकतहुंण अने असमान की

रोमी सिपई (EPH ६.१३)

† **६.१:** कुलुस्सिहुंण ३.२० † **६.२–३:** निरगमन २०.१२; नेम-बिधान ५.१६
† **६.३:** निरगमन २०.१२; नेम-बिधान ५.१६ † **६.४:** कुलुस्सिहुंण ३.२१
† **६.५–८:** कुलुस्सिहुंण ३.२२–२५ † **६.९:** नेम-बिधान १०.१७; कुलुस्सिहुंण ३.२५, ४.१

बुरी आतमिक ताकतहुंण का गेले हे।
१३इकासरु परमेसर का सगळा कवच के
पेरिलो जेकासे तम बुरा दन माय दुसमन
को सामो करी सको अने सगळो कंई
पूरण करिके टिक्या रो।

१४† तो तम सच्चई से अपणी कमर
कसी लो, निरदोसिता की झिलम पेरिके,
१५† अने पग माय सान्ती का सुब-
समिचार सुणावा की तय्यारी की पन्नी
पेरिके अटळ उब्यारो। १६इना सगळा से
बड़ी बात या के बिसास के ढाळ का
रुप माय लई लो। जेकासे तम उना
बळता होया तीरहुंण के बुजाड़ी सको
जो सेतान आड़ी से चले हे। **१७**† उध्दार
को टोपो पेरिलो अने परमेसर का बचन
रुपि पवित्तर आतमा की तरवार के लई
लो। १८हरेक पराथना अने बिणती समेत
पवित्तर आतमा माय हर बखत पराथना
करता रो। अने यो ध्यान राखता होया
होसियार रो, के जतन समेत सगळा
पवित्तर लोगहुंण सरु हर बखत पराथना
करो। १९अने म्हारा सरु बी पराथना करो
के, बोलता बखत म्हारे असा ताकत से
भर्‌या बचन मिळे ताके हूं हिम्मत का
साते सुब-समिचार का भेदहुंण के परगटी
सकूं। २०परचार करवा सरु हूं सांकळ से
जकड़्यो होयो राजदूत हूं। पराथना करो
के, जसो म्हारे बोलनो चइये, हिम्मत से
बोली सकूं।

आखरी नमसकार

२१†† हूं कसो हूं अने कंई करी
र्‌यो हूं, तम बी इके जाणी जाव। तो
तुखिकुस तमारे सगळो कंई बताड़ी
देगा। उ परमिलो भई हे अने परभु माय
बण्यो होयो बिसास से भर्‌यो सेवक हे।
२२इकासरु हूं उके तमारा कने मोकली
र्‌यो हूं ताके तम हमारो समिचार जाणी
सको अने इकासरु बी के उ तमारे हिरदा
के सान्ति दई सके।

२३हे भई-बेनहुंण, तम सगळा के
परमेसर पिता अने परभु ईसु मसीह आड़ी
से सान्ती, परेम, अने बिसास मिळे।
२४जो हमारा परभु ईसु मसीह से सांचो
परेम राखे हे, उण सगळा पे परमेसर की
किरपा बणी रे।

---

† **६.१४:** यसायाह ११.५, ५९.१७ † **६.१५:** यसायाह ५२.७ † **६.१७:** यसायाह ५९.१७
† **६.२१:** परेरितहुंण २०.४; २ तीमुथियुस ४.१२ † **६.२१–२२:** कुलुस्सिहुंण ४.७–८

पोलुस की चिट्ठी
फिलिप्पिहुंण
का नामे

लिखवा वाळो: पोलुस

लिखवा की वजा: मसीह, हमारी खुसी

लिखवा को बखत: करीब ६१ ईस्वी सन्

"परभु माय हमेस्या खुस रो, अने हूं पाछो कूं खुसी मनाड़ता रो" (४.४)। ई सबद्हुंण फिलिप्पिहुंण की चिट्ठी की खास वजा बताड़े हे। पोलुस ने इनी चिट्ठी के जेळखाना माय से लिखी, फेर बी उ परमेसर पे काठो बिसास राखतो थो। इनी बात के अच्छी तरा से समजवा पे के खराब दसा माय रेवा पे बी खुसी मनाड़नो सबगो हुई जाय हे।

भूमिका:- यूरोप म्हादीप माय पेलांपेल सुब-समिचार परचार फिलिप्पी नगर माय होयो। मकिदुनिया इलाका माय दरसन पावा का बाद पोलुस ने, "यो समजता होया के परमेसर ने उना लोगहुंण माय परचार करवा सरु हमारे बुलाड़्यो हे," (परेरितहुंण १६.१०)। त्रोआस नगर से हिटी के (परेरितहुंण १६.९) उ एक परसिद्द नगर माय पोंच्यो। इनी जगा पे ४२ ईस्वी सन् माय ओक्टेवियन अने एन्टोनी का जूलियस केसर का हत्याराहुंण याने ब्रूटस अने केसियस का साते परसिद्द लड़ई हुई थी। लड़ई का बाद, इना नगर के जीतवा वाळा ओक्टेवियन ने इके रोमी इलाका को दरजो दई द्यो थो। असतरा यो नगर रोम नगर का नमुना पे बणायो थो। लोगहुंण के अपणी रोमी नागरिकता पे बड़ो गुमान थो (परेरितहुंण १६.२०,२१)। "वियाइग्नातिया" नामका उगणूं अने आथणूं का खास बेपार का मारग फिलिप्पी नगर माय से हुई के जाता था।

जदे पोलुस, सीलास तीमुथियुस अने लूका यां पोंच्या तो उणने नद्दी का कराड़े पराथनाहुंण सरु भेळी बइराहुंण के परचार कर्‌यो (परेरितहुंण १६.१३) इनी बइराहुंण माय लुदिया बी थी। जो बाद माय अपणा परवार समेत इना नगर की मण्डळी माय मूळ सदस्य बणी। जदे पोलुस अने सीलास ने एक बइरा माय से बायरबादा हेड़ी (परेरितहुंण १६.१९) तो उणका पे झुंटो आरोप लगाड़िके उणके बन्दी बणई लाख्या। पण रात माय एक बड़ो जोर को जळजळो आवा पे उणकी बेड़िहुंण हिटी पड़ी फेर बी वी भाग्या हयनी इके देखी के जेळ का दरोगा ने अने उका आखा परवार ने ईसु मसीह नाम माय बपतिसमो ल्यो (परेरितहुंण १६.२२-२४,३८,४०)। नरा बरस पाछे इनी चिट्ठी के लिखवा का बखत, पोलुस के पाछो जेळखाना माय लाखी द्यो अने इना

बखत बी झुंटा दोसहुंण लगाड़िके अने ठके हतकड़ी पेरई के रोम नगर माय ल्या ग्या। असी दसा माय बी ठने या चिट्ठी लिखी जेका माय खुसी नगे आवे हे अने ईसु को सुब-समिचार घड़ी-घड़ी सुब-संदेसज केवाय हे। या चिट्ठी पोलुस की गवई के बताड़े हे: "म्हारा सरु जीवतो रेणो तो मसीह अने मरी जाणो फायदो हे" (फिलिप्पी १.२१)।

रुप-रेखा:- हमारे खुसी होय जदे,

१. मसीह हमारो होवा को अधार हे १
२. मसीह हमारो नमुनो हे २
३. मसीह हमारी आस हे ३
४. मसीह हमारी खुसी हे ४

पोलुस जेल से लिखे (PHP १.१)

१ [†] मसीह ईसु का सेवकहुंण पोलुस अने तीमुथियुस आड़ी से -

मसीह ईसु की संगत माय ठना सगळा पवित्तर लोगहुंण का नामे जो अध्यक्सहुंण अने सेवकहुंण[a] का समेत फिलिप्पी नगर माय रे हे!

२अपणा पिता परमेसर अने परभु ईसु मसीह आड़ी से तमारे किरपा अने सान्ती मिळे!

पोलुस की पराथना अने धन्यबाद

३जदे कदी हूं तमारे रियाद करूं, तो हूं अपणा परमेसर के धन्यबाद दठं, ४हूं अपणी हरेक पराथना माय खुसी का साते सदा सगळा के रियाद करूं। ५क्योंके पेलांज दन से आज तक तम सुब-समिचार का परचार को काम हमारा गेले मिळी के करी र्‌या हो। ६म्हारे इनी बात को पूरो भरोसो हे के ठ परमेसर जेने तमारा माय असो भलो काम सुरु कर्‌यो हे, ठज ठके ठना दन तक बणाया राखेगा, जेना दन मसीह पाछो अई के पूरण बी करेगा। ७तमारा सगळा का बारामें म्हारे असो सोंचणो ठीकज हे, क्योंके तम म्हारा हिरदा माय बस्या हो। अने नी सिरप अबे हूं जेळखाना माय केदी हूं, याने जदे बी हूं सुब-समिचार

---

[a] **१.१** अध्यक्सहुंण अने सेवकहुंण; या बिसपहुंण अने डीकनहुंण।
[†] **१.१:** परेरितहुंण १६.१२

की सच्चई की रक्सा करतो होयो या
उकी मान-मरियादा माय लाग्यो थो, तम
सगळा इना खास हक माय अने किरपा
माय म्हारा गेले मिळी के काम करी र्‌या
हो। ८परमेसर म्हारो गवा हे के हूं मसीह
ईसु का परगट परेम से तमारा सगळा
सरु घणो बेचेन रूं।

९म्हारी पराथना याज हे, के तमारो
आपसी परेम सांचो ज्ञान अने आखी
समज समेत लगातार बड़तो जाय,
१०ताके ई गुण पई के भला-बुरा माय
फरक करिके हमेस्या भला के मानी लो।
अने जदे मसीह पाछो आय उना दन तक
तम पूरण रुप से पवित्तर अने बे-कसुर
बण्या रो; ११निरदोसिता को उत्तम गुण[b]
जो ईसु मसीह से मिळे हे, उकासे तम
भर्‌या-पुर्‌या होता जाव, जेकासे परमेसर
को आदर-मान अने इसतुती होती रे।

केद माय रेवा से सुब-समिचार की बड़ोतरी

१२हे भई-बेनहुंण, हूं यो चई र्‌यो
के तम जाणी लो के म्हारा गेले जो
कंई बित्यो हे, उकासे सुब-समिचार की
बड़ोतरीज हुई हे, १३[†] ताके यां तक के
राजम्हेल का लोगहुंण अने दूसरा लोगहुंण
के यो पतो चली ग्यो हे के म्हारे मसीह
का सेवक होवा की वजासे बन्दी बणायो
हे। १४म्हारे बन्दी होवा की वजासे जादा
करिके भई-बेनहुंण परभु माय जोस
राखता होया परमेसर को बचन[c] हजु बी
जादा हिम्मत अने डर्‌या बिना सुणाय हे।
१५कंई-कइंका जळण अने बेर की
वजासे मसीह को परचार करे अने थोड़ाक
भली भावना से मसीह को परचार करे
हे। १६जो लोग परेम से असो करे हे
क्योंके वी जाणे हे के परमेसर ने सुब-
समिचार के सई रुप से बचावा सरु म्हारे
जेळ माय राख्यो हे। १७दूसरा लोग तो
भली मनसा से नी पण अपणी भलई की
लालसा से या सोंची के मसीह को परचार
करे के म्हारा सरु जेळखाना माय जादा
संकट बड़ाय हे।

१८पण इका से कंई फरक नी पड़े।
खास तो यो हे के एक तरीका से
या दूसरा तरीका से, चाये बुरो उद्देस
हो, चाये भलो, परचार तो मसीह का
बारामेंज होय हे अने इका से म्हारे
खुसीज मिळे अने मिळती रेगा। १९क्योंके
हूं जाणूं के तमारी पराथनाहुंण से अने
उनी मदद से जो ईसु मसीह की आतमा
से मिळे हे, नतीजा माय म्हारो जेळ
से छुटकारोज होयगा। २०म्हारा मन
की मरजी अने आसा याज हे अने हूं
कइंकी बात से लाजे नी मरुंवां, पण
पूरण हिम्मत वाळो बणूं ताके जसे म्हारी
काया से मसीह को आदर-मान हमेस्या
होतो रे हे, वसेज अगड़े बी होतो रेगा;
चाये जिउं या मरी जउं। २१क्योंके म्हारा
सरु जीवतो रेणो तो मसीह अने मरनो
फायदो हे। २२पण अगर हूं अपणी इनी
काया से जीवतो रूं तो इको अरथ यो
रेगा के हूं अपणा करम को फळ भोगुं।
तो हूं नी जाणूं के हूं कंई छांटु। २३हूं

---

[b] **१.११** निरदोसिता को उत्तम गुण; निरदोसिता को फळ।
[c] **१.१४** परमेसर को बचन; थोड़ाक लेखहुंण माय बचन।
[†] **१.१३:** परेरितहुंण २८.३०

इना दोई का अदाड़ माय फंस्यो हूं मन
तो चाय के अपणा जीवन से बिदा हुई
के मसीह कने चल्यो चउं क्योंके म्हारा
सरु योज अच्छो रेगा। २४पण इनी
काया का गेलेज म्हारे यां रेणो तमारा
सरु जादा जरुरी हे। २५हूं तो यो पक्को
जाणूं के हूं यांज रूं अने तमारा सगळा
की धारमिक बड़ोतरी अने बिसास से
पेदा हुई खुसी सरु तमारा गेलेज जिन्दो
रुंवां। २६ताके जदे हूं पाछो तमारा कने
अउं तो म्हारा रेता होया, ईसु मसीह
की संगत माय तमारी खुसी हजु बी
जादा बड़ती जाय।

२७सिरप तम इतरो करो के तमारो
चाल-चळण मसीह का सुब-समिचार
सरीको रे। जेकासे चाये हूं तमारा कने
अई के देखुं या दूरो रूं, हूं तमारा
बारामें याज सुणुं के तम एक आतमा
माय ठावा हो अने एक हिरदो हुई के,
एक साते मिळी के सुब-समिचार से
पेदा होया बिसास सरु झुजी र्‌या हो।
२८तम अपणा बिरोदिहुंण से कसीज
तरा से नी डरी र्‌या हो। या उणका
सरु तो बिनास की, पण तमारा सरु
परमेसर का उध्दार की साफ सेलाणी
हे। २९क्योंके मसीह आड़ी से तमारे नी
सिरप उका पे बिसास करवा को पण
मसीह सरु यातणाहुंण झेलवा को खास
मोको बी द्‌यो हे। ३०† तम बी वसेज
झुजी र्‌या हो, जसे तमने म्हारे जुझता
देख्यो अने जसा सुणी र्‌या हो के अबे
बी हूं वसोज लाग्यो हूं।

एको राखी के एक-दूसरा को ख्याल राखो

२ तो तमारा हिरदा माय अगर मसीह
को थोड़ोक जोस, परेम की जिरना,
आतमा की बांटेदारी,[d] परेमी को भाव
अने दुःख्याहुंण से लगाव होय। २तो तम
म्हारी खुसी पूरण करो। हूं चउं, तमारी
रजामंदी एक-दूसरा का गेले रे, एकज
परेम-भाव राखो, अने एकज नगे राखो।
३जळण अने बेकार का गुमान से कंई
मती करो पण नरम बणो अने दूसरा के
अपणा से उंचो मानो। ४तमारा माय से
हरेक के चइये के सिरप अपणोज नी,
पण दूसरा की भलई को बी ख्याल राखे।
५अपणा माय उज सुभाव राखो जसो
मसीह ईसु को थो।

६जो अपणा सरुप माय हालाके
साकसात परमेसर थो,
पण उने परमेसर का गेले बण्या
रेवा[e] के कदी अपणा हक माय
राखवा की चीज नी समज्यो।
७पण उने तो अपणो सगळो कंई
त्यागी के,
एक सेवक को रुप धर्‌यो
अने मनख सरीको बणी के।
हमारा माय परगट्‌यो।
८असतरा मनख का रुप माय
परगट हुई के, खुद के दीन
कर्‌यो
अने यां तक हुकम मान्यो के,
कुरुस पे मोत बी सई ली।

---

[d] **२.१** आतमा की बांटेदारी; या पवित्तर आतमा माय एक दूसरा का साते सत-संग करता रो।
[e] **२.६** बण्या रेवा; या होवा के।
† **१.३०:** परेरितहुंण १६.१९–४०

९इकासरु परमेसर ने बी उके उंची से
उंची जगा पे बड़ायो
अने उके उ नाम द्यो जो सगळा
नामहुंण से अदरे हे।
१० † ताके सगळा कइंका जदे ईसु
को नाम उच्चारता होया
सुणे,
तो निच्चे नमी जाय चाये वी
सरग का होय,
धरती पे का होय, अने चाये
पताळ-लोक[f] का होय।
११ अने हरेक जीब परम पिता
परमेसर की म्हेमा के मानी ले
के,
"ईसु मसीहज परभु हे"

परमेसर की मरजी मुजब बणो

१२इकासरु म्हारा परमिला दोसहुंण, जसतरा तम हमेस्या हुकम को पाळण करता अई र्या हो, नी सिरप म्हारी हाजरी माय पण अबे उकासे बी बत्ती म्हारी गेरहाजरी माय डरता अने धुजता होया अपणा उध्दार को काम पूरण करता जाव, १३क्योंके उ परमेसरज हे, जो उना कामहुंण की मरजी अने उणके पूरण करवा को काम, जो परमेसर के भावे हे, तमारा माय पेदा करे हे।

१४बिना कइंकी सिकायत या लड़ई-झगड़ा का सगळा काम करता रो। १५ † ताके जेकासे तम बिना कसूर का अने पवित्तर बण्या रो अने इनी खराब अने भरस्ट पीड़ी का लोगहुंण का माय परमेसर की बेदाग सन्तान बणी के उणका इन्दारा जगत माय तारा सरीका उजाळो बणी के चळको। १६जसे तम उणके जीवन देवा वाळो सुब-समिचार सुणाव हो। तो तम असाज करता रो, ताके मसीह के फेर पाछा आवा का दन या देखी के, के म्हारा जीवन की भाग-दोड़ बेकार नी री, ताके तमार पे गुमान करी सकूं।

१७पण परभु पे तमारो बिसास को बलिदान अने सेवा का साते म्हारो लोई दाखमधु सरीको कुड़्यो बी जाय तो हूं खुस रुंवां अने तमारा गेले खुसी मनउंवां। १८तम बी वसेज खुस रो अने म्हारा गेले खुसी मनाव।

तीमुथियुस अने इपफ्रुदीतुस

१९परभु ईसु की मदद से म्हारे आसा हे, के तीमुथियुस के तमारा कने झट मोकलुं ताके तमारा समिचार से म्हारे बी खुसी हुई सके। २०म्हारा कने उका सरीको कईं को दूसरो मनख हयनी जेकी भावनाहुंण म्हारा सरीकी होय अने जो तमारी भलई सरु सांचा हिरदा से फिकर करे। २१क्योंके सगळा अपणा-अपणा सुवारत माय लाग्या हे। अने ईसु मसीह का कामहुंण माय कईं को नी लाग्यो हे। २२पण तम तीमुथियुस का चरित्तर के जाणो हो के सुब-समिचार का परचार माय म्हारा गेले उने वसेज सेवा करी, जसो एक बेटो अपणा पिता का गेले करे हे।

---

[f] **२.१०** पताळ-लोक; यो बिचार थो के धरती का निच्चे इन्दारा की जगा हे जां मर्या पाछे लोगहुंण की आतमा जई के रे हे।

† **२.१०–११:** यसायाह ४५.२३ † **२.१५:** नेम-बिधान ३२.५

२३इकासरु हूं आस करूं के म्हारे जसेज
यो पतो चलेगा के म्हारा गेले कंई
घटवा वाळो हे। तो हूं उके तमारा कने
मोकली दूंवां २४अने परभु पे म्हारो
बिसास हे के हूं खुद बी तमारा कने
झट अई जउंवां।

२५हूं यो जरुरी समजुं के इपफ्रुदीतुस
के तमारा कने मोकलुं जो म्हारो भई
हे, गेले काम करवा वाळो, अने सात
देवा वाळो करमवीर अने जरुवत पड़वा
पे म्हारी मदद करवा सरु तमारा आड़ी
से परेरित र्‌यो हे, २६क्योंके उ तम
सगळा सरु बेचेन र्‌या करतो थो अने
इका से घणो गुस्सो थो के तमने यो
सुण्यो के उ बेमार पड़ी ग्यो थो। २७हां,
उ बेमार तो थो, अने उ बी इतरो के
जसे मरीज जायगा। पण परमेसर ने
उका पे किरपा करी अने म्हार पे बी
ताके म्हारे दुःख पे दुःख नी मिळे।
२८इकासरु हूं उके मोकलवा सरु हजु बी
खुस होयो जेकासे उके देखी के तम एक
कावा हजु खुस हुई जाव अने म्हारो
सांसो बी कम हुई जाय। २९इकासरु
परभु माय बड़ी खुसी का गेले उको
सुवागत करो अने असा लोगहुंण को
जादा से जादा आदर-मान करता रो।
३०क्योंके उज मसीह का काम सरु
जोखम उठई के मरवा सरीको हुई
ग्यो थो, ताके जो कमकोती तमारा
आड़ी से म्हारी सेवा माय रई गी थी,
उके पूरण करे।

सांची निरदोसिता

३ तो म्हारा भई-बेनहुंण, परभु माय
खुस रो। तमारे घड़ी-घड़ी उनीज
बातहुंण के लिखता रेवा से म्हारे कईं
की तकलीफ हयनी क्योंके इका माय
तमारो बचाव हे। २इना कुतराहुंण
सरीका लोगहुंण से होसियार रो उना
बुरा करम करवा वाळा से होसियार
रो। उण काट-कूट करवा वाळाहुंण
से चोकस रो। ३क्योंके सांचा खतणा
वाळा तो हमीज हे जो परमेसर का
पवित्तर आतमा माय उपासणा करां
हे, अने मसीह ईसु को आदर-मान
करां अने काया पे भरोसो नी करां
हे। ४हूं तो काया पे बी भरोसो राखी
सकतो थो। अगर कइंका के काया
पे भरोसो राखवा को बिचार होय
तो म्हारे उकासे बी घणो जादा हुई
सकतो हे। ५† हूं तो जदे आठ दन
को थो म्हारो खतणो करी लाख्यो, हूं
इसराइली हूं, हूं बिन्यामीन का कुळ
को हूं। हूं इबराणिहुंण[g] मां-बापहुंण से
पेदा होयो एक इबराणी हूं। जां तक
के मूसा का नेम-बिधान को पाळण
करवा माय एक फरीसी हूं। ६† जोस
की नगे से देखो तो हूं मण्डळी को
सताड़वा वाळो अने नेम-बिधान की
निरदोसिता का मुजब हूं बिना दोष को
थो। ७पण जो बातहुंण म्हारा नफा की
थी, उणकेज म्हने मसीह सरु नुकस्यान

---

[g] **३.५** इबराणिहुंण; पोलुस का मां-बापहुंण इबराणी भासा अने आरामी भासा बोलता था यूनानी (गीरिक) भासा नी, इबराणी का साते आरामी भासा पोलुस की मातृ भासा थी (परेरितहुंण २१.४०, २६.१४)।

† **३.५:** परेरितहुंण २३.६, २६.५; रोमिहुंण ११.१ † **३.६:** परेरितहुंण ८.३, २२.४, २६.९–११

समजी ली हे। ८इका से बी बड़ी बात
या हे के हूं अपणा परभु मसीह ईसु
का ज्ञान की उंचई की वजासे आज
तक सगळो निच्चो समजुं। उका सरु
म्हने सगळो कंई त्यागी लाख्यो अने
हूं सगळी चीजहुंण के घिरणा की
चीजहुंण समजवा लाग्यो हूं ताके मसीह
के पई सकूं। ९अने मसीह माय पायो
जई सकूं म्हारी उनी निरदोसिता की
वजासे नी जो नेम-बिधान पे टिकी
थी, बल्के उनी निरदोसिता की वजासे
जो मसीह पे बिसास से जो परमेसर
से मिळे हे, अने जेको अधार बिसास
हे १०हूं मसीह के जाणणो चउं, अने
उकी ताकत की म्हायथी करनों चउं,
जेकासे उ जी उठ्यो थो। हूं उका
दुःखहुंण माय हिस्सो लेणो चउं अने
उणाज रुप के पई लेणो चउं जो उने
उकी मोत आड़ी से पायो थो। ११इनी
आसा का गेले हूं बी मर्‌या माय से
जी उठ्यउंवां

दोड़वा को उद्देस

१२असो नी के म्हने सगळो कंई पई
ल्यो या सिद्द हुई चुक्यो हूं, पण हूं उना
उद्देस के पावा सरु लगातार कोसिस करी
र्‌यो हूं जेका सरु मसीह ईसु ने म्हारे
पकड़्यो थो। १३हे भई-बेनहुंण! हूं या
नी[h] बिचारी र्‌यो के हूं उके पई चुक्यो
हूं। पण बात या हे के हूं इकेज करी
र्‌यो: जो म्हारा सामे हे, उना उद्देस तक
पोंचवा सरु काठी म्हेनत करी र्‌यो हूं।
१४हूं उना उद्देस आड़ी लगातार कोसिस
करी र्‌यो ताके हूं अपणा उना इनाम के
जीती लूं, जेके मसीह ईसु माय पावा
सरु परमेसर ने हमारे अदरे सरग आड़ी
तेड़्यो हे।

१५उना लोगहुंण के, हमारा माय से
जितरा सिद्द मनख बणी चुक्या हे योज
बिचार राखे, अने कइंकी बात माय
तमारो मतभेद होय तो परमेसर उके बी
तमार पे साफ परगटेगा। १६जेनी सच्चई
तक हम पोंची चुक्या हे उकाज मुजब
आचरण करां हे।

१७[i] भई-बेनहुंण, तम सगळा मिळी के
जसो हूं चलुं वसाज चलो, अने उणका
आड़ी ध्यान धरो जो इनी रीति से चले
हे जेको नमुनो तम हमारा माय देखो हो;
१८क्योंके असा नरा हे जिणकी चरचा हूं
तमार से पेलां नरी कावा कई चुक्यो अने
अबे बी रोई-रोई के कूं के जो अपणा
आचरण से मसीह का कुरुस का बेरी हे।
१९उणको अंत बिनास हे, उणको ईसवर
पेट हे, अने जेनी बात पे लजाणो चइये
उका पे गुमान करे हे। अने जगत की
चीजहुंण पे मन लगाड़ता रे हे। २०पण
हमारी नागरिकता तो सरग की हे, जां
से हम उध्दार करवा वाळा परभु ईसु
मसीह के आवा की बाट खुसी से जोई
र्‌या हे, २१जो अपणी उनी ताकत से
जेकासे सगळी चीजहुंण के उ अपणा बस
माय करी ले हे, हमारी कमजोर काया
के बदळी के अपणी म्हेमामय काया का
मुजब बणई लाखेगा।

---

[h] **३.१३** नी; थोड़ाक हात का लिख्या होया माय असो हे अबी नी।

[i] **३.१७:** १ कुरिन्थिहुंण ४.१६, ११.१

पोलुस की सीख

४ हे म्हारा परेमी भई-बेनहुंण, तम जो
म्हारी खुसी अने म्हारो मान हो,
तमारे देखवा सरु म्हारो जीव तरसी र्‌यो
हे। जसो म्हने तमारे बताड़्यो परभु माय
असाज टिक्या रो।

२हूं यूओदिया अने सन्तुखे[i] दोई से
बिणती करी र्‌यो के तम परभु माय
एक सरीका बिचार बणाया राखो।
३म्हारा सांचा सातीदार थार से बी
म्हारी याचना हे के तू इनी बइराहुंण
की मदद कर जिणने म्हारा गेले अने
क्लेमेन्स अने म्हारा दूसरा सातिहुंण
समेत जो सुब-समिचार का परचार
के फेलावा का काम माय म्हारा गेले
म्हेनत करी हे। जिणका नाम जीवन
की पोथी माय दरज हे,

४परभु माय हमेस्या खुस रो, अने हूं
पाछो कूं खुसी मनाड़ता रो।

५तमारी जिरना से भरी आतमा को
ज्ञान सगळा लोगहुंण के होय। परभु
को आणो कनेज हे। ६कइंकीज बात
को सांसो मती करो, बल्के हर हाल
माय पराथना अने निवेदन से तमारी
बिणती धन्यबाद समेत परमेसर का
सामे हाजिर करी जाय। ७तो परमेसर
की सान्ती, जो समज से परे हे तमारा
हिरदा अने तमारी बुध्दि के मसीह
ईसु माय समाळी के राखेगा।

८हे भई-बेनहुंण, जो जो बातहुंण सांची
हे, जो जो बातहुंण आदर-मान की हे,
जो जो बातहुंण ठीक हे, जो जो बातहुंण
पवित्तर हे, जो जो बातहुंण सुहावणी हे,
जो जो बातहुंण मन के भावे, जो जो
सदगुण अने परसंसा की बातहुंण हे,
उणकोज ध्यान धरो। ९जो कंई तमने
म्हार से सीख्यो, मान्यो, सुण्यो अने
म्हारा माय देख्यो हे, उनी बातहुंण के
मानता रो अने सान्ती देवा वाळो परमेसर
तमारा गेले रेगा।

फिलिप्पी का मसीहिहुंण के दान सरु धन्यबाद

१०हूं परभु माय घणो खुस हूं के इतरा
दन का बाद म्हारा सरु तमारी फिकर
पाछी जागी हे इका माय कंई सक हयनी
के पेलां बी तमारे म्हारी फिकर तो थी,
पण उके दिखावा को मोको नी मिळ्यो।
११कइंकी जरुवत की वजासे यो नी कई
र्‌यो हूं। क्योंके जसी बी दसा माय हूं रूं,
म्हने जिरना मारनो सीखी ल्यो हे। १२हूं
कमकोतिहुंण माय रेवा को भेद बी जाणूं
अने यो बी जाणूं के जदे सगळो कंई होय
तो कसे र्‌यो जाय हे। कसो बी बखत
होय, अने कसी बी दसा, चाये पेट भर्‌यो
होय या भूको, चाये नरो होय, या कइंबी
नी होय, म्हने उना सगळा माय सुकी
रेवा को भेद सीखी ल्यो। १३जो म्हारे
ताकत दे हे, उकासे हूं सगळी दसा को
सामो करी सकूं।

१४फेर बी तमने म्हारा दुःखहुंण माय
हात बटाड़ी के भलोज कर्‌यो हे। १५[†]
हे फिलिप्पिहुंण, तम तो जाणोज हो,

---

[i] **४.२** यूओदिया अने सन्तुखे; यूनानी बइराहुंण को नाम हे।

[†] **४.१५–१६:** २ कुरिन्थिहुंण ११.९

सुब-समिचार का परचार का उना सुरु
का दनहुंण माय जदे म्हने मकिदुनिया
के छोड़्यो थो, तो देवा-लेवा का बारामें
सिरप तमारी मण्डळी के छोड़ी के कइंकी
हजु मण्डळी ने म्हारो हात नी बटाड़्यो
थो। १६† क्योंके हूं जदे थिस्सलुनीके
नगर माय थो, म्हारी जरुवत पूरण
करवा सरु तमने घड़ी-घड़ी म्हारे मदद
मोकली थी। १७या बात नी के हूं दान
चउं पण हूं तो चउं के तमारा खाता
माय नफो होतोज चल्यो जाय। १८†
म्हारा कने सगळो कंई हे अने नरो
हे। तमने इपफ्रुदीतुस का हाते जो दान
मोकल्यो थो उके पई के हूं निरात हुई
ग्यो। उ दान तो हिरदा के भावा वाळी
सुगन अने मानवा लायक बलिदान हे
जेकासे परमेसर खुस होय हे। १९म्हारो
परेमसर अपणा उना नरा धन का मुजब
जो म्हेमा समेत जो मसीह ईसु माय
हे तमारी हरेक जरुवत पूरण करेगा।
२०हमारा परम पिता परमेसर की
हमेस्या-हमेस्या बड़ई होती रे। आमीन!

चिट्ठी की समापती

२१हरेक पवित्तर लोगहुंण के जो मसीह
ईसु माय हे, म्हारो नमसकार। जो भई
म्हारा गेले हे, तमारे नमसकार के हे।
२२सगळा पवित्तर लोगहुंण को खास
करिके केसर समराट का राजम्हेल का
मनखहुंण को तमारे नमसकार!

२३परभु ईसु मसीह की किरपा तमारी
आतमा का गेले रे।

---

† **४.१६:** परेरितहुंण १७.१ † **४.१८:** निरगमन २९.१८

पोलुस की चिट्ठी

कुलुस्सिहुंण
का नामे

लिखवा वाळो: पोलुस

लिखवा की वजा: मसीह सगळा से उंचो

लिखवा को बखत: करीब ६०-६१ ईस्वी सन्

पोलुस के रोम नगर का जेळ माय लाख्यो जाणो उका सरु बरदान थो। जेळखाना माय रई केज उने इफिसिहुंण, कुलुस्सिहुंण, फिलिप्पिहुंण अने फिलेमोन का नामे चिट्ठिहुंण लिखी के मण्डळिहुंण के रस्तो बताड्यो। ई घणी गेरी अने मसीह की म्हेमा परगटवा वाळी चिट्ठिहुंण हे।

कुलुस्से नगर की मण्डळी पोलुस ने नी बणई थी। असो मालम पड़े हे के जदे पोलुस एक लम्बा बखत तक इफिसुस माय रुक्यो होयो थो, ठीक उणाज बखत कुलुस्से का लोगहुंण के मसीह को संदेसो उका गेले काम करवा वाळा साती ने पोंचाड्यो। इपफ्रास जो तमारा माय से एक हे अने ईसु मसीह को दास हे तमारे नमसकार के हे (४.१२)। इपफ्रास कुलुस्से नगर को एक मसीही थो अने पोलुस का गेले काम करवा वाळो साती (१.७,८)।

कुलुस्से नगर बनावट पणा माय इफिसुस नगर का सरीको खास नी थो। उ लोदीकिया अने हियरापुलिस का कने लीकुस नद्दी का कराड़े बस्यो थो। यो उगणूं अने आथणूं का बेपार सरु खास रस्ता पे बस्यो नगर थो जो नरा बिचारधाराहुंण से भर्‌यो थो। असाज बिचारहुंण का बिरोद माय पोलुस ने इनी चिट्ठी माय मसीह का भेद-भर्‌या जीवन का बारामें बखाण कर्‌यो हे (१.१४-२०)। अने उध्दार अने मसीही रेण-सेण का बारामें चली अइरी गलत धारणाहुंण के सुदारवा सरु लिखे हे (२.८-३.४)।

इना नगर माय एक खास तरा की झुंटी सीख थी। या सीख यहूदी असर अने गेरा ज्ञानवाद का मेळ से पेदा कर्‌यो 'वाद' थो। इनी भेम भरी सीख को मकसद यो थो के मसीही धरम सिरप नेम मान्यो जाय अने मसीह का जीवन अने उका काम के धुन्दळा कर्‌या जाय। पोलुस इनी चिट्ठी से कुलुस्से वासिहुंण का सामे सच्चई लई के उणकी भूल सुदारे हे खास पद: की सगळी बातहुंण माय उकेज (याने ईसु के) पेली जगा मिळे (कुलुस्सिहुंण. १.१८)।

रुप-रेखा:-

१. किरपा अने सान्ती भर्‌यो नमसकार १.१,२
२. धन्यबाद की पराथना १.३-८
३. कुलुस्से वासी सरु पराथना १.९-१४
४. मसीह सगळा से ऊंचो १.१५-२३
५. सादु-संतहुंण सरु पोलुस की मन्सा १.२४-२.७
६. सादु-संतहुंण के होसियार करनों २.८-४.६
७. कुलुस्से नगर सरु पोलुस को परतिनिधि ४.७-९
८. सुब-कामनाहुंण ४.१०-१७
९. निचोड़ ४.१८

---

१ पोलुस जो परमेसर की मरजी मुजब
ईसु मसीह को परेरित हे उकी, अने
हमारा भई तीमुथियुस आड़ी से।

२मसीह माय टिक्या होया कुलुस्से
नगर का रेवासी बिसासी भई-बेनहुंण
अने पवित्तर लोगहुंण का नामे:

हमारा परम पिता परमेसर आड़ी से
तमारे किरपा अने सान्ती मिळे।

मसीह का गेलेज जीवां अने मरां

३हम तमारा सरु हमेस्या पराथना
करता होया हमारा परभु ईसु मसीह का
परम पिता परमेसर को धन्यबाद करां
हे। ४क्योंके हमने ईसु मसीह पे तमारा
बिसास अने सगळा पवित्तर लोगहुंण सरु
परेम का बारामें सुण्यो हे। ५यो बिसास
अने परेम उनी आसा की वजासे होयो
जो तमारा सरु सरग माय धरी हे, अने
जेका बारामें तम पेलांज सांचा बचन याने
सुब-समिचार माय सुणी चुक्या हो, ६यो
सुब-समिचार आखा जगत माय सफल
हुई र्‌यो, अने फेलतो जई र्‌यो हे। यो
वसोज सफल हुई र्‌यो हे जसो तमारा
माय उना बखत सेज सफल होवा लाग्यो
थो जदे तमने परमेसर की किरपा का
बारामें सुण्यो थो। अने सांची माय उके
समज्यो थो। ७[†] उना सुब-समिचार की
सीख तमने हमारा परमिला साती सेवक
इपफ्रास से पई थी, जो हमारा[a] सरु
मसीह को बिसासी सेवक हे। ८उने बी
तमारा उना परेम का बारामें जो पवित्तर
आतमा से भर्‌यो हे हमारे बताड़्यो।

९इकासरु जेना दन से हमने इका
बारामें सुण्यो हे, हमने तमारा सरु
पराथना करनों नी छोड़्यो हे। हम बिणती
करां हे के तम आखा आतमिक ज्ञान
अने समज समेत परमेसर की मरजी की
पेचाण माय पूरण हुई जाव। १०तो तमारो
चाल-चळण परभु का लायक हुई जाय,
सगळी तरा से उके खुस करी सको अने

---

[a] **१.७** हमारा; थोड़ाक हात का लिख्या होया माय असो हे। तमारा।

[†] **१.७:** कुलुस्सिहुंण ४.१२; फिलेमोन २३

सगळा भला करमहुंण से फळदार हुई
के परमेसर का ज्ञान माय बड़ता जाव।
११अने हम बिणती करां हे के उ तमारे
अपणी म्हेमा की ताकत से पूरण करिके
मजबूत बणाय ताके मुसीबत का बखत
खुसी से जिरना पई सको। १२अने पिता
परमेसर को धन्यबाद खुसी से करता[b]
जाव जेने हमारे इका लायक बणायो हे के
सरग राज माय पवित्तर लोगहुंण का साते
जो उजाळा माय जीवे हे, तम हकदार
होवा का साती बणी सको। १३परमेसर
ने इन्दारा की सामरत से हमारो उध्दार
कर्‌यो अने अपणा परमिला बेटा का राज
माय हमारो दाखलो करायो हे। १४† उना
बेटा सेज हमारे सेतान की ताकत से
छुटकारो याने पापहुंण से मांफी मिळी।

मसीह का दरसन माय परमेसर को दरसन

१५मसीह अणदेख्या परमेसर को देख्यो
रुप हे। उ आखी जगत रचणा माय
पेलांपेल को हे। १६क्योंके जो सरग माय
हे, अने धरती पे हे उकीज सामरत से
पेदा होया हे। कंई बी, चाये नगे आय या
नगे नी आय, चाये सरग सिंगासण होय
चाये राज, चाये कईं को सासक होय या
चाये हाकिम, सगळो कंई उकासेज रच्यो
हे, अने उका सरुज रच्यो हे। १७सगळा
से पेलांपेल उकोज असतित्व थो, उकीज
ताकत से सगळी चीजहुंण उका माय
बणी रे हे। १८† इनी काया, याने मण्डळी
को माथो मसीहज हे। उज पेलो हे, अने
मर्‌या होया के पाछो जी उठवा माय
पेलांपेल को हे, अने हरेक बात माय
मोटो हाकिम बी उज हे। १९क्योंके पिता
परमेसर की खुसी इका मेंज हे की उका
माय उकी आखी पुरणता निवास करे।†
२०† मसीह सेज आखा जगत के परमेसर
ने अपणा से पाछो जोड़णो चायो - उना
सगळा के जो धरती का हे अने सरग
का हे। उका बेटा का लोई से[c] परमेसर ने
मेळ-मिळाप करायो जेके मसीह ने कुरुस
पे से बिवाड़्यो थो।

२१तम पेलां तो परमेसर से इकाड़ी था
अने तमारा मन का बिचार परमेसर का
बिरोद माय था, अने बुरा कामहुंण माय
लाग्या होया था। २२फेर बी उने अपणी
काया माय मोत की वजासे तमार से
मेळ-मिळाप करी ल्यो के तमारे अपणा
सामे पवित्तर, बेदाग, अने बिना दोष को
बणई के हाजिर करे। २३यो जदेज सबगो
हे अगर तम सांचा बिसास माय मजबूत
हुई के बण्या रो। अने सुब-समिचार की
उनी पक्की आस के जेके तमने सुणी हे,
मती छोड़जो। जेको परचार असमान की
निच्चे की आखी रचणा माय कर्‌यो हे।
अने हूं पोलुस सुब-समिचार कोज सेवक
बण्यो।

मण्डळी सरु पोलुस की म्हेनत

२४अबे हूं अपणा दुःखहुंण माय
जो तमारा सरु उठउं, खुसी मनउं हूं।

---

[b] **१.११–१२** मुसीबत का बखत ... धन्यबाद खुसी से करता; या दुःख का साते खुसी अने धन्यबाद करता रो। [c] **१.२०** उका बेटा का लोई से; या उका बेटा की बलिदानी मोत से।

† **१.१४:** इफिसिहुंण १.७ † **१.१८:** इफिसिहुंण १.२२–२३ † **१.१९:** कुलुस्सिहुंण २.९

† **१.२०:** इफिसिहुंण २.१६

मसीह सरु कळेसहुंण[d] की कमी के उकी
काया याने मण्डळी सरु अपणी काया
माय पूरण करूं। २५परमेसर का उना
परबन्द का मुजब इनी मण्डळी सरु
हूं सेवक ठेराड़्यो हूं। तमारा फायदा
सरु परमेसर ने परबन्द कर्‌यो हे के
हूं उका बचन को पूरण रुप से परचार
करूं २६याने उना भेद के जो नरा जुग
अने पीड़िहुंण से छिप्यो र्‌यो, अबे
उका सांचा बिसासिहुंण पे परगट्‌यो हे।
२७परमेसर ने उणका पे यो परगटणो
चायो, के तम गेरयहूदिहुंण माय उना
भेद की म्हेमा को धन कंई हे, याने
यो के मसीह तमाराज माय वास करे
अने याज म्हेमा की पक्की आस हे।
२८मसीह कोज परचार हम करां हे।
हरेक मनख के चेतई दां हे, अने
सगळा ज्ञान से हरेक के सिखाड़ां हे,
जेकासे के हरेक मनख के मसीह माय
परमेसर का सामे सिद्द करिके हाजिर
करी सकां। २९उणाज मकसद से हूं
मसीह की उनी सामरत का मुजब जो
म्हारा माय काम करे हे, काठी म्हेनत
करी र्‌यो हूं।

२ हूं चउं के तमारे इनी बात को पतो
चले के हूं तमारा सरु, लोदीकिया
नगर का रेवा वाळाहुंण सरु अने उना
सगळा सरु जो नीजी तोर पे म्हारे
कदी मिळ्या हयनी कितरी म्हेनत करी
र्‌यो हूं २ताके उणका हिरदा के बड़ावो
मिळे अने तम माय-माय परेम माय
बन्दी जाव। अने बिसास को उ आखो
धन जो सांचा ज्ञान से पाय, उणके
मिळी जाय, अने परमेसर का भेद की
सच्चई उणके मिळे। उ भेद से भर्‌यो
सच्चई खुद मसीह हे।[e] ३जेका माय
ज्ञान अने बुध्दि का सगळा भण्डार
छिप्या होया हे।

४असो हूं इकासरु कई र्‌यो हूं के
कईं को तमारे लोभाणे वाळी बात का
धोका माय नी लाखी दे। ५हूं काया का
भाव से तमारा कने हयनी पण आतमा
माय तमारा गेले हूं। फेर बी तमारा
जीवन का अनुसासन अने मसीह माय
तमारा बिसास की मजबूती के देखी
के खुस हूं।

मसीह माय बण्या रो

६तमने मसीह ईसु के परभु करिके
मानी ल्यो हे, वसेज तम उका माय
चलता रो। ७तमारी जड़हुंण मसीहज
माय रे, उका माय बड़ता रो। जसा
तमारे सीखाड़्या ग्या था वसाज अपणा
बिसास माय मजबूत हुई के परमेसर को
धन्यबाद करता रो।

८ध्यान राखो के तमारे उना संसारिक
बिचारहुंण अने खोखला परपंचहुंण से
कईं को भरमई नी दे जो मनखहुंण

---

[d] **१.२४** मसीह सरु कळेसहुंण; मसीह ने सीखाड़्यो के हमारे दुःख सेणो चइये (मत्ती २४.९, योहन १६.३३)। पोलुस सुब-समिचार परचार करवा की वजासे जेळ माय थो, अने ई दुःख जो पोलुस ने उठाड़्या था मसीह की मरजी मुजब उको हिस्सो थो। [e] **२.२** उ भेद से भर्‌यो सच्चई खुद मसीह हे; या परमेसर का भेद माय की सच्चई खुद मसीह हे। परमेसर का भेद; दूसरा माय परमेसर का भेद, मसीह का पिता दूसरा माय पिता अने परमेसर को भेद अने मसीह।

की परम्परा से मिळे हे, जो जगत के
अनुसासित करवा वाळी बुरी आतमाहुंण[f]
की देण हे, नी के मसीह की। ९क्योंके
परमेसर अपणी आखी परिपूरणता का
साते मसीहज माय निवास करे हे। १०अने
उका माय बण्यारिके तम पूरण बण्या हो।
उ हरेक आतमिक सासन अने हाकिम को
सिरोमणी हे।

११तमारो खतणो[g] बी उका माय होयो
हे। यो खतणो मनख का हात से नी
होयो, बल्के यो खतणो मसीह सेज
पूरण होयो हे, जदे तमारी पाप से भरी
बुरी मन्साहुंण का असर से छुटकारो
देवाड्यो। १२[†] अने बपतिसमा माय
तमारी बुरी मन्साहुंण मसीह का साते
गाड़ी गी, अने तम मसीह का साते
नवा जीवन माय जिवाड्या बी ग्या। यो
उना बिसास आड़ी से होयो जो परमेसर
का सामरत पे हे जेने मसीह के मर्‌या
होया माय से जिवाड्यो। १३[†] अपणा
पापहुंण अने अपणा बिना खतणा की
काया[h] की वजासे तम मर्‌या होया
था, पण परमेसर ने मसीह का साते
तमारे बी जिवाड्या। उने हमारा सगळा
पापहुंण के मांफ कर्‌या। १४[†] परमेसर
ने उना लिख्या होया के हमारा माय से
हटाड्यो, जेका माय उने बिधि-बिधान
को बखाण कर्‌यो थो जो हमारा बिरोद
माय थो। परमेसर ने उके खीलहुंण
से कुरुस पे जड़िके मिटाड़ी लाख्यो
हे। १५परमेसर ने कुरुस की वजासे
आतमिक परधानहुंण अने हाकिमहुंण[i]
के बिना साधन के करी लाख्या, उणके
जीती के उणको खुल्लम-खुल्ला तमासो
बणायो।

१६[†] इकासरु खावां-पिवां की चीजहुंण
या तीज-तेवारहुंण, नवा चन्दरमा का
तेवारहुंण, या सबत् का दनहुंण का
बारामें कईं को तमारो न्यावी नी बणे।
१७ई जो बात आवा वाळी हे उको
सिरप छायळोज हे, पण इना छायळा
की खास काया तो मसीहज की हे।
१८कईं को मनख अपणे खुद के दीन
करवा या सरगदूतहुंण की उपासणा का
कामहुंण माय लाग्यो होयो हे, उके तम
तमारा फळ के पावा माय रोड़ो मती
बणणे दीजो। असो मनख हमेस्याज
उना दरसनहुंण की डींग हांकतो रे
हे जिणके उने देख्यो हे अने अपणी
संसारिक सोंच-बिचार की वजासे झुंटा
गुमान से भर्‌यो रे हे। १९[†] उ अपणे
खुद के मसीह का बस माय नी राखे।
मसीह काया को माथो हे। परमेसर की
सामरत से मसीह जोड़हुंण अने रगहुंण

---

[f] **२.८** जगत के अनुसासित करवा वाळी बुरी आतमाहुंण; कुलुस्से माय नरा लोगहुंण ने बिसास कर्‌यो के आतमाहुंण अने अणदेखी ताकतहुंण मनखहुंण पे राज करे हे अने उणका आतमाहुंण चन्दरमा, सूरज, तारा अने नखेत्तर का साते नातो थो। [g] **२.११** खतणो; सबद् भण्डार माय देखो।
[h] **२.१३** बिना खतणा की काया; गेरयहूदिहुंण जो नेम-बिधान का करार से बन्द्या नी था।
[i] **२.१५** परमेसर ने ... हाकिमहुंण; या मसीह ने आतमिक परधानहुंण अने हाकिमहुंण के उणका हक से बेदखल करी लाख्या।
[†] **२.१२:** रोमिहुंण ६.४ [†] **२.१३:** इफिसिहुंण २.१–५ [†] **२.१४:** इफिसिहुंण २.१५
[†] **२.१६:** रोमिहुंण १४.१–६ [†] **२.१९:** इफिसिहुंण ४.१६

से नातो राखी के आखी काया को भलो
करे हे, अने उकासे काया माय पवित्तर
आतमा के बड़वा की म्हायथी रे हे।

मरां या जीवां ईसु का साते

२०क्योंके तम मसीह का साते मरी
चुक्या हो अने तमारे, अनुसासित करवा
वाळी बुरी आतमाहुंण से छुटकारो देवाड़्यो
जई चुक्यो हे। फेर कायसरु उणका सरीका
जो संसार माय जीवन बिताड़ी र्‌या हे,
असा नेम-बिधानहुंण से बन्द्‌या हो? जसे,
२१"इके हात माय मती लो, इके चाखो
मती, इका से चोंटो मती"? २२ई नेम-
बिधान मनखहुंण का हुकम अने सीखहुंण
का मुजब हे। ई उनी चीजहुंण का बारामें
हे जो काम माय आता-आता खराब हुई
जाय हे। २३ई बातहुंण धारमिक दिखावटी
पणो हे, क्योंके अपणा सरीर के परताड़ना
अने काया के काठो दुःख देणो जिणका
माय बेसक ज्ञान को नाम तो हे। पण
इणकासे सरीर की वासनाहुंण के रोकवा
माय कईं को फायदो नी रे।

३ † तमारे मसीह का साते मर्‌या
होया माय से जिवाड़्या हे। तो उनी
चीजहुंण सरु कोसिस करो जो सरग माय
हे जां परमेसर का सुदा हाताड़ी[j] मसीह
बिराजे हे। २सरग की चीजहुंण काज
बारामें बिचारता रो। भोतिक चीजहुंण
का बारामें मती बिचारो। ३क्योंके तम
तो मरी चुक्या हो अने तमारो नवो
जीवन मसीह का गेले-गेल परमेसर माय
छिप्यो हे। ४जदे मसीह, जो हमारा
जीवन को झरणो हे, पाछो परगटेगा
तो तम बी उका गेले उकी म्हेमा माय
परगट होवगा।

पुराणो अने नवो जीवन

५इकासरु तमारा माय जो कंई संसारी
हे, उको अंत करी लाखो - ब्योबिचार,
अपवित्तरता, वासना, बुरी मनसाहुंण अने
लोभ जो मूरत पूजा कोज एक रुप हे।
६इनी बातहुंण की वजासे परमेसर को
करोध परगट होवा वाळो हे।[k] ७एक
बखत थो जदे तम बी असा करम करता
होया असीज तरा को जीवन जीया करता
था।

८पण अबे तमारे इनी बातहुंण का
गेले-गेल करोध, झुंजलाणो, दुसमनी,
निन्दा, अने बुरी गाळहुंण बकणो छोड़ी
लाखो। ९† माय-माय झुंट मती बोलो,
क्योंके तमने अपणा जूना मनखपणा
के उका करमहुंण समेत हेड़ी फेंक्यो
हे, १०† अने नवा मनखपणा के धारी
ल्यो हे। जो अपणा रचवा वाळा का
रुप माय बण्यो रई के परमेसर का
आखा ज्ञान की वजासे लगातार नवो
होतो जई र्‌यो हे। ११नतीजा का रुप
माय वां यहूदी अने गेर यहूदी माय कईं
को फरक नी र्‌यो, नी कईं को खतणा
वाळो अने नी कईं को बिना खतणा
को, नी कईं को असभ अने बरबरता
माय, नी दास अने आजाद मनख माय

---

[j] **३.१** परमेसर का सुदा हाताड़ी; मान-सम्मान अने हक की जगा जां से मसीह राज करे हे।
[k] **३.६** परगट होवा वाळो हे; थोड़ाक हात का लेखहुंण माय असो हे। उना लोगहुंण पे जो उका पे बिसास नी राखे, परगट होवा वाळो हे।
† **३.१:** भजन संहिता ११०.१ † **३.९:** इफिसिहुंण ४.२२ † **३.१०:** उत्पत्ती १.२६; इफिसिहुंण ४.२४

कईं को फरक हे। मसीह सगळो-कंई
अने सगळा बिसासिहुंण माय ऊकोज
निवास हे।†

१२† तो तम परमेसर का छांट्याहुंण
जो पवित्तर अने परमिला जण हो,
इकासरु अपणा हिरदा माय भलई,
करुणा, दीनता, नरमता अने जिरना
धारण करी लो। **१३**† तमारे माय-माय
जदे कइंका के कइंका से दुःख होय
तो एक-दूसरा की सई लो। अने माय-
माय एक-दूसरा से ठेस लागी होय तो
मांफ करी लाखो। जसे परभु ने तमारा
कसूरहुंण मांफ कर्‌या, वसेज तम बी
मांफ करो। **१४**इना सगळा का अदरे
परेम के धारण करी लो परेमज सगळा
के बान्दे अने सिद्द करे हे। **१५**तमारा
हिरदाहुंण पे मसीह से मिळवा वाळी
सान्ती को सासन होय, इकासरु तमारे
ऊकी एक काया माय सान्ती का साते
तेड़्या। हमेस्या धन्यबाद करता रो।
१६† मसीह का बचन के अपणा हिरदा
माय घणा बसवा दो। आखा ज्ञान समेत
एक-दूसरा के सीख अने चेतावणी दो।
अपणा हिरदा माय धन्यबाद का साते
परमेसर सरु भजन अने इसतुती गीत
अने आतमिक गीत गाया करो। **१७**बचन
या काम माय जो कंई बी करो या
को, ऊ सगळो परभु ईसु का नाम पे
होय। अने ऊकासेज हर बखत परम
पिता परमेसर के धन्यबाद देता रो।

नवा जीवन का नेम

१८† हे घराळिहुंण, अपणा घराळाहुंण
का असेज बस माय रो जसे परभु का
मानवा वाळाहुंण के सोबा दे हे।

१९† हे घराळाहुंण, अपणी घराळिहुंण
से परेम करो, ऊणका साते खराब बरताव
मती करो।

२०† हे बाळकहुंण, सगळी बातहुंण माय
अपणा मां-बापहुंण का हुकम के पाळो,
क्योंके असा बरताव से परमेसर खुस रे हे।

२१† हे पिताहुंण, अपणा बाळकहुंण के
रीस मती देवाड़ो। असो नी होय की वी
जतन करणोज छोड़ी लाखे।

२२† हे सेवकहुंण, सगळी बातहुंण माय
अपणा मालेखहुंण को हुकम मानो जो
संसार माय तमारा मालेख हे। मनखहुंण
के खुस करवा वाळाहुंण सरीका सिरप
दिखावटी पणा से नी, पण परभु को
डर मानता होया, हिरदा की सच्चई से
हुकम मानो। **२३**जो कंई तम करो ऊना
काम के मनखहुंण को नी पण परभु
को समजी के तन-मन से करो, **२४**यो
जाणता होया के तम परभु से फळ याने
मिरास पावगा। तम परभु मसीहज की
सेवा करता रो। **२५**† क्योंके जो बुरो करे
ऊ अपणी बुरई को फळ पायगा, अने वां
कईं को भेद-भाव नी रेगा।

४ † हे मालेखहुंण, तम अपणा
सेवकहुंण के जो ऊणको हक बणे

---

† **३.११:** गलातिहुंण ३.२८ † **३.१२–१३:** इफिसिहुंण ४.२ † **३.१३:** इफिसिहुंण ४.३२
† **३.१६–१७:** इफिसिहुंण ५.१९–२० † **३.१८:** इफिसिहुंण ५.२२; १ पतरस ३.१
† **३.१९:** इफिसिहुंण ५.२५; १ पतरस ३.७ † **३.२०:** इफिसिहुंण ६.१ † **३.२१:** इफिसिहुंण ६.४
† **३.२२–२५:** इफिसिहुंण ६.५–८ † **३.२५:** नेम-बिधान १०.१७; इफिसिहुंण ६.९
† **४.१:** इफिसिहुंण ६.९

अने ठीक हे दई दो। रियाद राखो के
सरग माय तमारो बी एक मालेख हे।

पोलुस की राय मसीहिहुंण सरु

२पराथना माय हमेस्या लाग्या रो।
अने जागता होया हमेस्या परमेसर को
धन्यबाद करता रो। ३गेलेज-गेल हमारा
सरु बी पराथना करता रो के परमेसर
हमारे अपणा बचन सुणावा सरु असा
फाटक खोली दे के हम मसीह का उना
भेद को बखाण करी सकां जेकी वजासे
हूं बन्दी बणायो हूं। ४अने पराथना करता
रो के हूं उना बचन के असो परगटी सकूं
जसे म्हारे बताड़णो चइये।

५† बायरे का लोगहुंण सरु समजदारी
को बरताव करो। हरेक मोका को भरपूर
फायदो लो। ६तमारी बोली हमेस्या मीठ्ठी
रे अने उकासे समजदारी की बात हिटे,
ताके तम जाणी लो के कां का मनख के
कसो जुवाब देणो हे।

पोलुस को आखरी नमसकार

७†† हमारो परमिलो भई तुखिकुस जो
एक बिसासी सेवक हे अने परभु माय
बण्यो होयो म्हारा गेले को सेवक हे,
म्हारा बारामें सगळी-कंई बातहुंण बताड़ी
देगा। ८हूं उके तमारा कने इना मकसद
से मोकली र्‌यो हूं के तमारे उकासे हमारा
हाल-चाल को पतो चली जाय अने उ
तमारा हिरदाहुंण माय जोस देवाड़ेगा। ९†
उका गेले हूं भरोसा लायक अने परमिला
भई उनेसिमुस के बी मोकली र्‌यो हूं जो
तमाराज नगर माय को एक हे। यां जो
कंई घटी र्‌यो हे वी तमारे बताड़ेगा।

१०† अरिस्तर्खुस जो जेळखाना माय
म्हारा गेले र्‌यो अने मरकुस जो
बरनाबास को भई लागे तमारे नमसकार
के हे। मरकुस का बारामें तमारे सेलाणी
दई चुक्या था के जदे उ तमारा कने
आय तो तम उको मान करजो। ११अने
यूसतुस जेको दूसरो नाम ईसु बी हे
तमारे नमसकार के हे। यहूदी बिसासिहुंण
माय से सिरप इज परमेसर का राज का
म्हारा गेले काम करवा वाळा हे, अने इज
म्हारी खुसी का कारण हे।

१२† इपफ्रास, जो तमारा माय से अने
ईसु मसीह को सेवक हे तमारे नमसकार
के हे। उ हमेस्या बड़ी बेदना का साते
तमारा सरु लगन से पराथना करतो रे हे
के तम अध्यात्मिक रीति से पूरण बणवा
सरु कोसिस करता रो, अने बिसासी हुई
के परमेसर की मरजी का मुजब बण्या
रो। १३हूं इको गवा हूं के उ तमारा सरु
अने लोदीकिया अने हियरापुलिस नगर
का रेवा वाळाहुंण सरु काठी म्हेनत करतो
र्‌यो हे। १४† परमिला बेद लूका अने देमास
आड़ी से बी तमारे नमसकार मिळे।

१५लोदीकिया माय रेवा वाळा बिसासी
भई-बेनहुंण के, अने नुमफास अने
मण्डळी के जो उकी घर माय हे,[1] म्हारो

---

[1] **४.१५** नुमफास ... उका घर माय हे; कई लेख्हुंण माय असो हे नुमफास ... उका घर माय।

† **४.५:** इफिसिहुंण ५.१६ † **४.७:** परेरितहुंण २०.४; २ तीमुथियुस ४.१२

† **४.७–८:** इफिसिहुंण ६.२१–२२ † **४.९:** फिलेमोन १०–१२

† **४.१०:** परेरितहुंण १९.२९, २७.२; फिलेमोन २४; परेरितहुंण १२.१२, २५, १३.१३, १५.३७–३९

† **४.१२:** कुलुस्सिहुंण १.७; फिलेमोन २३ † **४.१४:** २ तीमुथियुस ४.१०, ११; फिलेमोन २४

नमसकार मिळे। १६अने देखो, या चिट्ठी
जदे तमारा सामे बांची ले, तो इनी बात
को पक्को इरादो करी लीजो के इके
लोदीकिया की मण्डळी माय बी बांच्यो
जाय। अने लोदीकिया से म्हारी जो
चिट्ठी लिखी तमारे मिळे उके तम बी
बांची लीजो। १७† अरखिप्पुस से किजो,
के उ इनी बात को ध्यान राखे के परभु
माय जो सेवा उके दई गी हे उके पक्का
इरादा का साते पूरण करे।
१८हूं पोलुस खुद अपणी कलम से यो
नमसकार लिखी र्‍यो हूं।
रियाद राखजो, हूं जेळखाना माय हूं।
परमेसर की किरपा तमारा गेले रे।

† **४.१७:** फिलेमोन २

पोलुस की पेली चिट्ठी

थिस्सलुनीकिहुंण
का नामे

लिखवा वाळो: पोलुस

लिखवा की वजा: ईसु के फेर-पाछो आणो

लिखवा को बखत: करीब ५०-५१ ईस्वी सन्

चिट्ठी की खास बात: थिस्सलुनीकिहुंण की चिट्ठिहुंण माय पोलुस अपणो हक नी जताड़े पण परेम अने दोस सरीको लिखे हे या इनी चिट्ठी की खास बात हे। पोलुस ने या चिट्ठी एक गेरा दोस अने अध्यात्मिक सला देवा वाळा का रुप माय लिखी हे। या नवा मसीहिहुंण के जोस देवाड़वा अने बिसासिहुंण के पक्को करवा वाळी चिट्ठी हे। थिस्सलुनीके की मण्डळी का लोगहुंण दुःख अने संकट से कस्या होया था। उणकी समज माय नी आतो थो के हमारा साते असो क्यों हुई र्‌यो हे। तो या चिट्ठी उना लोगहुंण के बिसास देवाड़े हे के उणकी असी दसा माय परमेसर उणके खास तरीका से रक्सा करे हे। उणकाज नगर माय पोलुस के घणो लाजे मरनो पड़्यो थो (२.१-२)। इकासरु उ उणके जोस देवाड़े हे। दूसरा धरमहुंण मरवा का बाद का जीवन पे बिसास नी करे, पण इनी चिट्ठी माय मरवा का बाद का जीवन का बारामें बताड़े हे के "परभु का बचन मुजब" (४.१५) मसीही बिसासी इकी आस राखे अने दूसरा के इना बचनहुंण से सान्ती दई के जोस देवाड़े हे (४.११)। परभु ईसु मसीह के फेर-पाछो आणो पक्को हे तो मसीह बिसासी को आचरण मसीह ईसु का लायक बण्यो रे। अने दूसरा के बी इकी चेतावणी देता होया जोस देवाड़ता रो।

चिट्ठी को मकसद: दूसरी जातहुंण माय से जो अबी नवा मसीही बण्या हे। वी नरा तरा की यातणाहुंण माय अने जगत का दुःखहुंण से निरास हुई जाय हे अने बिसास माय कमजोर पड़ी जाय हे। इनी चिट्ठी माय असा नवा बिसासिहुंण के बिसास माय पक्को अने अटळ रेवा सरु जोस देवाड़े हे के आखर माय उणकी, "आतमा, पराण, अने काया हमारा परभु ईसु मसीह का पाछा आवा तक पूरण रीति से बिना दोष को बणाया राखे" (५.२३)।

रुप-रेखा:-

१. किरपा अने सान्ती भर्‌यो नमसकार *१.१*

२. धन्यबाद १.२-१०
(क) बिसास करवा सरु धन्यबाद १.२-४
(ख) बिसास का कामहुंण सरु धन्यबाद १.५-१०
३. पोलुस की सुब-समिचार परचार-सेवा २.१-३.१३
(क) सुब-समिचार को मकसद २.१-१२
(ख) सुब-समिचार के मान्यो जाणो २.१३-२०
(ग) सुब-समिचार माय सान्ती ३.१-१०
(घ) पराथना ३.११-१३
४. मसीही चाल-चळण ४.१-५.२४
(क) परमेसर के भावतो चाल-चळण ४.१-१२
(ख) दूसरा के जोस देवाड़णो ४.१३-१७
(ग) खुद के जगाड़्यो जाणो ५.१-११
(घ) मण्डळी माय चाल-चळण ५.१२-२२
५. निचोड़: अने आसीस बचन ५.२३-२८

---

१ † थिस्सलुनीकिहुंण की मण्डळी जो
परम पिता परमेसर अने परभु ईसु
मसीह माय बणी हुई हे
इनी चिट्ठी के लिखवा वाळो हूं पोलुस,
सिलवानुस अने तीमुथियुस आड़ी से:
तमारे किरपा अने सान्ती मिळे।

थिस्सलुनीकिहुंण की मण्डळी को जीवन अने बिसास

२हम अपणी पराथनाहुंण माय तमारे
रियाद करता होया तमारा सगळा सरु
हमेस्या परमेसर के धन्यबाद देता रां
हे। ३हम तमारा बिसास से भर्‌या होया
काम, परेम से कर्‌या काम, अने अपणा
परभु ईसु मसीह माय तमारी आस की
मजबूती के अपणा परमेसर अने पिता
का सामे लगातार पराथना माय ध्यान
से राखां हे। ४हे भई-बेनहुंण परमेसर का
सामे परमिलाहुंण, हम तो जाणा के तम
परमेसर का छांट्‌या होया हो। ५क्योंके
हमारो सुब-समिचार तमारा कने नी
सिरप सबद्‌हुंण माय पोंच्यो, पण सामरत
माय, पवित्तर आतमा अने पूरा भरोसा का
साते बी पोंच्यो। तम जाणो हो के हम
जदे तमारा गेले था, तमारा फायदा सरु
कसो जीवन जीता था। ६† घणा कळेस
माय बी तमने बचन के, पवित्तर आतमा
की खुसी का साते मानी के हमारा अने
परभु ईसु का पाछे चलवा वाळा बी बणी
ग्या। ७इकासरु मकिदुनिया इलाका अने
अखाया देस का सगळा बिसासिहुंण सरु
तम नमुना बणी ग्या हो। ८क्योंके तमारा
यां से परभु का बचन की नी सिरप
मकिदुनिया अने अखाया देस माय धूम
मची गी, पण परमेसर माय तमारो
बिसास चारी-मेर फेली ग्यो हे, तो हमारे

---

† **१.१:** परेरितहुंण १७.१ † **१.६:** परेरितहुंण १७.५–९

कइंबी केवा की जरुवतज हयनी। ९क्योंके
वी खुदज हमारा बारामें बताड़े हे, के
तमारा माय हमारो अच्छो सुवागत कर्‌यो
के तम मुरतहुंण के छोड़ी के परमेसर
आड़ी कसे फर्‌या, के जीवता अने सांचा
परमेसर की सेवा करो, १०अने सरग से
परमेसर को बेटो याने ईसु के आवा की
बाट जोवो, जेके परमेसर ने मर्‌या माय
से जीवाड़ी द्‌यो, अने जो हमारे परमेसर
का आवा वाळा करोध से बचाड़े हे।

थिस्सलुनीके माय पोलुस का काम

२ हे भई-बेनहुंण, तम खुदज जाणो
के तमारा कने हमारो आणो बेकार
नी होयो, २† पण तम तो जाणो हो के
तमारा कने आवा से पेलां फिलिप्पी नगर
माय दुःख भोगणे अने बुरो बरताव सेणे
का बाद बी हमारे अपणा परमेसर माय
असी हिम्मत मिळी के काठा बिरोद का
होता होया बी हम तमारे परमेसर को
सुब-समिचार सुणई सक्या। ३क्योंके हम
तमारे परबचन समजावा की कोसिस करी
र्‌या, नी के भटकावा की, नी असुद्दता से
भर्‌या, अने नी छळवा को काम करां हे।
४पण परमेसर ने अपणा सुब-समिचार
देवा सरु हमारे लायक समज्या इकासरु
हम मनखहुंण के नी पण हिरदा का
जांचवा वाळा परमेसर के खुस करवा
सरु परचार करां हे। ५क्योंके तम जाणो
हो, हम नी तो कदी खुसामद करवा
सरु तमारा सामे आया अने नीज फायदा
सरु कईं को भायनो बणायो - परमेसर
हमारो गवा हे - ६हमने लोगहुंण से, नी
तमार से, अने कइंका से परसंसा बी नी
चई, हालाके मसीह का परेरित होवा की
वजासे हम तमार पे अपणो हक जतई
सकता था। ७पण तमारा माय हमने
असी कोमलता बरती जसी एक धवाड़वा
वाळी मां[a] अपणा बाळकहुंण को ध्यान
राखी ने पाळण-पोसण कोमलता से करे
हे। ८हमने तमारा सरु वसेज ध्यान राखी
के करी हे, इकासरु परमेसर से मिळ्या
सुब-समिचार केज नी, पण तमारा सरु
अपणा पराणहुंण के बी देवा सरु तय्यार
था, क्योंके तम हमारा सरु घणा परमिला
हुई ग्या हो। ९हे भई-बेनहुंण तमारे हमारी
काठी म्हेनत अने मुसकिलहुंण रियाद
हे के हमने कसा दन-रात काम-धन्दा
करिके तमारा माय कइंका पे बोज नी
बणवा की मनसा से तमारे परमेसर को
बचन सुणायो।

१०तम इनी बात का गवा हो,
अने वसेज परमेसर बी, के हमने
तम बिसासिहुंण का गेले पवित्तरता,
धारमिकता अने बिना दोष को बरताव
कर्‌यो। ११तम जाणोज हो के जसे एक
पिता अपणा बाळकहुंण का गेले बरताव
करे हे, वसेज हमने बी तमारा माय से
हरेक के परबचन देणो, दिलासो देता अने
समजाता र्‌या। १२के तमारा चाल-चळण
परमेसर का लायक रे, जो तमारे अपणा
राज अने म्हेमा सरु तेड़े हे।

१३हम परमेसर को हमेस्या धन्यबाद
बी करां हे के जदे हमार से तमारे

---

[a] **२.७** तमारा माय ... एक धवाड़वा वाळी मां; थोड़ाक हात का लिख्या होया माय असो हे तम नाना बाळक सरीका था जदे हम तमारा गेले था; जसा के हम तमारी मां।

† **२.२:** परेरितहुंण १६.१९–२४, १७.१–९

परमेसर का बचन को संदेस मिळ्यो,
तो तमने उके मनखहुंण को नी पण
परमेसर को बचन समजी के मानी ल्यो
- सांचीमेंज उ हे बी। क्योंके उ बचन
तम बिसासिहुंण माय अपणो काम बी
करे हे।[b] १४[†] हे भई-बेनहुंण, तम मसीह
ईसु माय परमेसर की उनी मण्डळिहुंण
का पछड़े चलवा वाळा बणी ग्या हो जो
यहूदिया माय हे, क्योंके तमने बी अपणा
देसवासिहुंण से असोज दुःख झेल्यो हे,
जसो उणने बी यहूदिहुंण का हाते झेल्यो
थो। १५[†] उना यहूदिहुंण ने परभु ईसु के
मारी लाख्यो अने नरा नबिहुंण के बी
मारी लाख्या अने अबे हमारे बी सताड़ी
के भगई लाख्या। वी परमेसर के खुस
नी करे वी सगळा मनखहुंण का बिरोदी
हे। १६अने वी गेरयहूदिहुंण के उध्दार
को सुब-समिचार परचार करवा माय वी
हमारा सरु रोड़ो अटकाय हे नतीजो यो
के वी हमेस्या अपणा पाप को पेमानो
भरता जई र्या हे, पण आखर माय तो
परमेसर को करोध उणका पे पूरण रीति
से अई पड़्यो हे।

पाछा मिळवा की मरजी

१७हे भई-बेनहुंण, हम तो जरासी देर
सरु तमार से इकाड़ी हुई ग्या था - हिरदा
से नी, पण सिरप काया माय - इकासरु
घणी लालसा का गेले रुबरु देखवा की
हजु जादा मन्सा करता र्या। १८क्योंके
हम तमारा कने आवा की मनसा राखता
था - खुद, हूं पोलुस, नरी कावा आणो
चातो थो - फेर बी सेतान हमारा रस्ता
माय रोड़ो अटकातो र्यो। १९भला हमारी
आस, हमारो आनन्द या हमारो उ मुगुट
जेका पे हमारे इतरो गुमान हे, कंई हे ?
कंई उ तमीज नी हो ? हमारा परभु ईसु
के दुबारा आवा पे जदे हम उका सामे
हाजिर रांगा। २०तो वां तमीज हमारो
गुमान अने हमारी खुसी रोगा।

३ [†] क्योंके जदे हम तीनी जादा बाट
नी जोई सक्या तो एथेंस नगर माय
एखला रुकी जावा को मंसूबो करी ल्यो।
२अने हमने हमारा भई अने मसीह का
सुब-समिचार अने परमेसर का काम
माय हमारा गेले परचार करवा वाळा
तीमुथियुस के तमारे पक्को बिसासी
बणावा अने जोस देवाड़वा सरु तमारा
कने मोकली द्यो, ३ताके इना कळेसहुंण
से कईं को बिचळी नी जाय। क्योंके
तम तो खुदज जाणोज हो के हमार पे
कळेसहुंण तो परमेसर की मरजी का
मुजब उकी योजणाहुंण को एक हिस्सो
हे। ४सांची माय जदे हम तमारा कने था,
तो तमारे पेलांसेज केता रेता था के हमारे
कळेस सेणो पड़ेगा अने होयो बी असोज
जसोके तम जाणोज हो। ५इनी वजासे
जदे म्हार से जादा नी सयो ग्यो तो
म्हने तमारा बिसास का बारामें जाणवा
सरु तीमुथियुस के मोकली द्यो। क्योंके

---

[b] **२.१३** उ बचन तम बिसासिहुंण माय अपणो काम बी करे हे; या, परमेसर उ तम बिसासिहुंण माय अपणो काम बी करे हे।

[†] **२.१४:** परेरितहुंण १७.५

[†] **२.१५:** परेरितहुंण ९.२३, २९, १३.४५, ५०, १४.२, ५, १९, १७.५, १३, १८.१२

[†] **३.१:** परेरितहुंण १७.१५

म्हारे डर थो के लुभावा वाळा ने कंई
तमारे लुभई के हमारी म्हेनत बेकार नी
करी लाखी हो।

६[†] पण तमारा कने से तीमुथियुस
अबी-अबी हमारा कने पाछो अई ग्यो
हे अने उने हमारे तमारा बिसास अने
तमारा परेम को अच्छो समिचार द्यो।
उने हमारे बताड्यो के तमारे हमारी
घणी रियाद आय हे अने तम हमार
से मिळवा सरु तरसो हो वसेज हम बी
तरसी र्या हे। ७इकासरु हे भई-बेनहुंण,
हमारी सगळी पीड़ाहुंण अने कळेसहुंण
माय तमारा बिसास की वजासे हमारो
जोस घणो बड्यो हे। ८क्योंके सांची माय
अबे हमारो नवो जीवन सांस लई र्यो
हे क्योंके तम परभु का गेले मजबूती
से बण्या होया हो। ९हम उनी सगळी
खुसी का बदळा माय परमेसर के कसे
धन्यबाद दां जेकासे हम तमारी वजासे
परमेसर का सामे खुस होवां हे ? १०हम
दन-रात घणी लगन से पराथना करां हे
के तमारे पाछो देखां, अने तमारा बिसास
की घटी के पूरण करां।

११अबे हमारा परम पिता परमेसर
अने हमारा परभु ईसु तमारा कने आवा
सरु हमारे रस्तो दिखाड़ेगा! १२अने परभु
करे के तम एक-दूसरा सरु अने सगळा
मनखहुंण सरु परेम माय बड़ता जाव
अने भर्या रो, जसा हम बी तमारा परेम
माय उमड़ी पड़ां हे! १३जदे हमारो परभु
ईसु अपणा सगळा पवित्तर लोगहुंण[c] का
गेले आवे तो उ तमारा हिरदाहुंण के
हमारा परमेसर अने परम पिता का सामे
पवित्तरता माय बिना दोष के बणई दे!

परमेसर के खुस करवा वाळो जीवन

४ तो हे भई-बेनहुंण, परभु ईसु का
नामे हम तमार से पराथना अने
अरज करां तमने परमेसर के खुस करवा
लायक चाल चलवा की सीख पई हे।
जसाके तम सांची माय चलो बी हो वसेज
हजु बी बड़ता जाव। २क्योंके हमने परभु
ईसु का हक से तमारे कां का हुकमहुंण
द्या हे तम उणके जाणो हो। ३परमेसर
की याज मरजी हे के तम पवित्तर बणो
याने ब्योबिचार से बच्या रो। ४तमारा
माय से हरेक जणो अपणी घराळी को
मान अने पवित्तरता का साते रेणो जाणे।[d]
५अधरमिहुंण सरीका कामुक हुई के नी
जो परमेसर के नी जाणे, ६इका बारामें
कईं को बी अपणा भई को कसुरवार
नी रे नी उके ठगे, क्योंके परभु इना
सगळा पापहुंण करवा वाळा मनख के
सजा देवा वाळो हे, जसो के हम पेलांज
बताड़ी चुक्या हे अने तमारे होसियार बी
करी चुक्या हे। ७क्योंके परमेसर ने हमारे
अपवित्तर बणवा सरु नी पण पवित्तर
जीवन बिताड़वा सरु तेड़्यो हे। ८इकासरु
जो इनी सीख के नकारे उ कइंका मनख
के नी नकारे बल्के परमेसर केज नकारे
हे। उना परमेसर के जो तमारे अपणो
पवित्तर आतमो बी दे हे।

---

[c] **३.१३** सगळा पवित्तर लोगहुंण; या सगळा सरगदूतहुंण।

[d] **४.४** हरेक जणो अपणी घराळी ... रेणो जाणे; इनी आयत के असे बी लिखे हे हरेक जणो अपणी काया के वासनाहुंण पे काबु करनों सिखाव असा ढंग से रेवा वाळा पवित्तर अने मान का हे।

[†] **३.६:** परेरितहुंण १८.५

९अबे तमारा भई-बेनहुंण का परेम का
बारामें तमारे लिखवा की जरुवत हयनी
इकासरु के परमेसर ने खुद तमारे एक
दूसरा सरु परेम करवा की सीख दई हे।
१०तम सांची माय आखा मकिदुनिया का
सगळा भई-बेनहुंण का गेले परेम करी
र्‌या हो। पण भई-बेनहुंण! हम तमार
से असोज परेम जादा से जादा करवा
की अरज करी र्‌या हे। **११**जसाके हम
तमारे बताड़ी चुक्या हे, सान्ती से जीवन
बिताड्वा की मरजी राखो, अपणा काम
पे ध्यान धरो अने खुद अपणा हात से
काम करो। **१२**इका से मण्डळी का बायरे
का लोगहुंण तमारा जीवा का तरीका को
मान करेगा अने तमारे कइंका की आस
नी करनी पड़ेगा।

ईसु पाछो अई र्‌यो हे

१३पण हे भई-बेनहुंण, हम नी चावां हे
की तम उणका बारामें अण्जाण्या रो जो
बिसासी मरी ग्या हे असो नी होय के
गेर जातहुंण सरीका, जिणका कने आस
हयनी, दुःखी होणो पड़े। **१४**हम बिसास
करां हे के ईसु मर्‌यो अने जी बी उठ्यो,
तो वसेज जो ईसु पे बिसास करता होया
मर्‌या, उणका गेले बी परमेसर वसोज
करेगा अने ईसु का गेले ल्यायगा।
१५† क्योंके परभु का बचन का मुजब
हम तमारे बताड़ां के जदे परभु को
पाछो आणो होयगा तो हम जो जीवता
हे अने अबी यांज हे उणकासे अगड़े
नी जावांगां जो मरी चुक्या हे। **१६**उंची
अवाज माय हुकम, सरगदूतहुंण का
परधान की अवाज, अने परमेसर की
तुरई बाजेगा, उका गेले परभु खुद सरग
से उतर्‌यायगा। उना बखत जो मसीह
माय बिसास करता होया मर्‌या हे, वी
पेलां जी उठ्यायगा। **१७**हम जो जीवता
अने बच्या रांगा उका गेलेज असमान
माय परभु से मिळवा सरु बादळाहुंण का
माय परभु का गेले उठई ल्या जावांगां,
असतरा से हम परभु का गेले सदा रांगा
१८इकासरु इनी बातहुंण से एक दूसरा के
जोस अने सान्ति देवाड्या करो।

परभु का सुवागत सरु तय्यार रो

५ हे भई-बेनहुंण, इनी होवा वाळी
घटणा को बखत अने तिथिहुंण
का बारामें तमारे लिखवा की जरुवत
हयनी हे। **२**† क्योंके तम खुद भली तरा
से जाणो हो के जसे चोळ्डो रात माय,
जदे हम बिचारां बी हयनी, अई जाय हे,
वसेज परभु का आवा को दन रेगा। **३**जदे
लोग कई र्‌या होयगा, "सगळो-कंई सांत
अने अटोप्यो होयो हे, उणाज बखत जसे
एक जापा वाळी बइरा के एक दम से
जापा की पीड़ा अई जाय वसेज उणका पे
बिनास अई पड़ेगा अने वी उना बिनास
से बची के भागी नी सकेगा। **४**पण हे
भई-बेनहुंण, तम उण नासमज्या जसा
हयनी जो इन्दारा माय रे हे, उ दन
तमार पे चोळ्डा सरीको अणचाया बखत
अई जायगा। **५**तम सगळा तो उजाळा
अने दन की सन्तानहुंण हो। हमारो
नातो नी तो रात से अने नी इन्दारा
से हे। **६**इकासरु हमारे दूसरा अबिसासी

---

† **४.१५–१७:** १ कुरिन्थिहुंण १५.५१–५२ † **५.२:** मत्ती २४.४३; लूका १२.३९; २ पतरस ३.१०

लोगहुंण सरीका सोता नी रेणो चइये,
बल्के होसियारी का साते हमारे अपणा
खुद पे काबु राखणो चइये। ७क्योंके जो
सोय, वी रात मायज सोय हे अने जो
नसो करे, वी बी रात मेंज नसा माय
चूर रे हे। ८† पण हमारो नातो तो दन
से हे इकासरु हमारे अपणा खुद पे काबु
राखणो चइये। आव, बिसास अने काया
के बचावा वाळी परेम की झिलम पेरिलां
अने माथा के बचावा सरु उध्दार की
आसा को टोप पेरिके होसियार हुई जावां।
९क्योंके परमेसर ने हमारे उका करोध
सरु नी, पण अपणा परभु ईसु मसीह से
उध्दार पावा सरु छांट्या हे। १०ईसु मसीह
ने हमारा सरु अपणा पराण दई द्या
ताके हम चाये जीवता रां चाये मर्या,
जदे उ पाछो आयगा उका गेले जीवता
रांगां। ११इकासरु एक दूसरा के जोस
देवाड़ो अने एक दूसरा के अध्यात्मिक
रुप से काठा बणाव, जसे के तम सांची
माय करी बी र्या हो।

आखरी सुझाव अने नमसकार

१२हे भई-बेनहुंण, हमारी तमार से
अरज हे के जो लोग तमारा माय म्हेनत
करी र्या हे, वीज लोगहुंण मसीह जीवन
माय तमारे बाट बताड़े हे तमारे सीखाड़े
हे, उणको मान करता री जो। १३उणका
काम की वजासे परेम का गेले उणको
पूरो मान करिके मानजो। माय-माय
सान्ती से री जो।

१४हे भई-बेनहुंण, हमारी अरज हे
आळसिहुंण के चेताड़ो, डरपोकहुंण के
जोस देवाड़ो, कमजोरहुंण की मदद करो,
सगळा की सेन करो। १५ध्यान राखो कई
को बुरई को बदळो बुरई से नी दे, पण
सगळा लोग एक-दूसरा का गेले अने
सगळा का गेले भलई करवा को जतन
कर्या करो।

१६हमेस्या खुस रो। १७हर बखत
पराथना करो। १८हर हाल माय परमेसर
को धन्यबाद करो। क्योंके मसीह ईसु की
संगत माय तमारो जीवन रे तमारा सरु
परमेसर की याज मरजी हे।

१९पवित्तर आतमा का काम के दबाव
मती। २०नबिहुंण की अगमबाणिहुंण के
कदी छोटी मती जाणजो। २१हर बात के
जांचो-परखो, जो अच्छो हे, उके मजबूती
से थाम्या रो। २२हर तरा की बुरई के
करवा से बच्या रो।

२३अबे सान्ती देवा वाळो परमेसर
खुदज तमारे पूरण तरा से पवित्तर करे!
अने तमारी आतमा, पराण अने काया
हमारा परभु ईसु मसीह का पाछा आवा
तक पूरण रीति से पवित्तर अने रक्सा
करे। २४उ परमेसर जेने तमारे तेड़्यो हे,
बिसास का लायक हे। उ असेज करेगा।

२५हे भई-बेनहुंण! हमारा सरु बी
पराथना करजो।

२६सगळा बिसासी भई-बेनहुंण के
पवित्तर चुम्मा से नमसकार करजो।

२७तमारे हूं परभु का हक से या अरज
करूं के इनी चिट्ठी के सगळा बिसासी
भई-बेनहुंण का सामे बांची के सुणई जाय।

२८हमारा परभु ईसु मसीह की किरपा
तमारा गेले रे।

---

† **५.८:** यसायाह ५९.१७; इफिसिहुंण ६.१३–१७

पोलुस की दूसरी चिट्ठी

थिस्सलुनीकिहुंण का नामे

लिखवा वाळो: पोलुस

लिखवा की वजा: परभु को दन

लिखवा को बखत: करीब ५१ ईस्वी सन्

इनी दो चिट्ठिहुंण का लिखवा से पेलां एक नवी समस्या अइगी थी। थोड़ाक परचारकहुंण ने मसीह का पाछा आवा माय भरम पेदा करिके बिसासिहुंण का हिरदाहुंण के झकझोड़ी लाख्यो थो। पोलुस ने इकासरु इके भरोसा का रुप माय लिखी, "तम कइंकी आतमा, परबचन या असी चिट्ठी की वजासे जो मानो हमारा अंय्यांड़ी से यो परगटे के परभु को आवा वाळो दन अई ग्यो हे, अपणा मन माय बिचलित मती होवजो, अने नी घबरावजो" (२.२)।

"परभु को आवा वाळो दन" को बिचार सायद बिसासिहुंण के इकासरु डरई र्‌यो थो, के उणका बिचार आवा वाळा सताव, अने परमेसर को न्याव, दण्ड अने बिनास आड़ी जई र्‌या था। उणको यो डर थो के कंई हम बी उना म्हाकळेस माय फंसी नी जावां। तो उनी बात को साफ होणो जरुरी थो। इकासरु पोलुस लिखे हे के,

(१) परभु का दन का आवा का पेलां थोड़िक घटणाहुंण को घटणो जरुरी हे: धरम के छोड़णो, पाप-मनख को परगटणो जरुरी हे। अने सदा का अधरम के रोकवा वाळो याने पवित्तर आतमा इकाड़ी कर्‌यो जायगा (२.६,७)।

(२) बिसासी जागता रे अने उणको बिसास पक्को रे (२.१५)

(३) परमेसर ने सगळी बातहुंण के अपणा हात माय काबु करी राखी हे (१.११,१२)

जसे पेलां थिस्सलुनीकिहुंण माय वसेज इनी चिट्ठी का आखर माय बी पोलुस मसीही अचार-बिचार का बारामें नरो साफ हुकम दे हे। उणका माय से नरा हुकम काम का बारामें हे। उनी मण्डळी माय थोड़ाक मसीही या बिचारी के, के परभु तो अबी अइज जायगा काम छोड़वा लाग्या था। अने बच्या होया भई-बेनहुंण का माथे पड़ता जई र्‌या था। उणका सरु पोलुस को सुझाव ठीक थो: "अगर कइंका को काम करवा को मन हयनी तो उके खावा मती दो" (३.१०)। सगळाज लोगहुंण मिळी के परभु का आवा की बाट देखता होया हमेस्या जागता रे अने सातेज मिळी के काम बी करता रे।

रुप-रेखा:-

१. सान्ती को अभिबादन १.१-२
२. परभु का दन की बाट देखणो १.३-१२
३. परभु का दन को बखाण २.१-१७
४. परभु का दन के ध्यान माय राखता होया पराथना अने मसीही आचरण सरु बिणती ३.१-१६
५. निचोड़ ३.१७-१८

---

१ [†] थिस्सलुनीकिहुंण की मण्डळी जो हमारा परम पिता परमेसर अने परभु ईसु मसीह माय बणी हुई हे

मसीह को बन्दी चिट्ठी लिखवा वाळो हूं पोलुस, सिलवानुस अने तीमुथियुस आड़ी से:

२तमारे परम पिता परमेसर अने परभु ईसु मसीह आड़ी से किरपा अने सान्ती मिळे।

धन्यबाद अने पराथना

३भई-बेनहुंण, तमारा सरु तो हमारे हमेस्या परमेसर को धन्यबाद करनों चइये: असो करनों ठीक बी हे, क्योंके तमारो बिसास घणो बड़ी ग्यो हे; अने तमारा माय आपसी परेम बी नरो बड़ी र्‌यो हे। ४इकासरु परमेसर की मण्डळिहुंण माय हम खुद बी तमार पे गुमान करां हे के जितरो दुःख अने संकटहुंण तम झेलो हो उना सगळा माय तमारी जिरना अने बिसास परगटे हे।

५या परमेसर का सांचा न्याव की साफ निसाणी हे के तम परमेसर का राज का लायक ठेराड़या जाव, जेका सरु तम सांची माय दुःख झेली र्‌या हो। ६क्योंके परमेसर सरु यो न्याव ठीक हे के जो तमारे दुःख दे हे, उणके बदळा माय दुःखज दे, ७अने तम दुःख झेलवा वाळाहुंण के हमारा गेले उना बखत अराम दे जदे परभु ईसु अपणा सामरती दूतहुंण का गेले, सरग से भभकती लाय माय परगटेगा, ८अने जो परमेसर के जाणणो नी चाय अने अपणा परभु ईसु का सुब-समिचार के नी माने उणके उ सजा देगा। ९[†] असा लोगहुंण उना दन परभु अने उकी म्हेमा की ताकत का सामे से इकाड़ी करी लाख्या जायगा। अने उणके हमेस्या का बिनास की सजा मिळेगा। १०जदे उ अपणा पवित्तर लोगहुंण माय आदर-मान अने उना सगळा माय जिणने बिसास कर्‌यो हे अचरज की वजासे होवा सरु आयगा अने तम बी सामिल होवगा, क्योंके तमने मसीह का सुब-समिचार पे बिसास कर्‌यो हे।

११इकासरु हम तमारा सरु हमेस्या पराथना करां बी हे, 'के हमारो परमेसर तमारे अपणी बुलाहट का लायक समजे अने भलई करवा की हरेक मरजी के अने

[†] **१.१:** परेरितहुंण १७.१ [†] **१.९:** यसायाह २.१०

बिसास का हरेक काम के सामरत समेत
पूरण करे, १२असतरा अपणा परभु ईसु
मसीह को नाम तमार से मान पायगा।
अने तम उकासे मान पावगा। यो सगळो
हमारा परमेसर का अने ईसु मसीह की[a]
किरपा से होयगा।

परभु का आवा से पेलां बुरी घटणाहुंण घटेगा

२ † हे भई-बेनहुंण, अबे हम अपणा
परभु ईसु मसीह के पाछा आवा
अने उका गेले माय-माय भेळा होवा
का बारामें असोज निवेदन करनों चउं
हे २के तम कइंकी आतमा, परबचन या
असी चिट्ठी की वजासे जो मानो हमारा
अंय्यांड़ी से यो परगटे के परभु को आवा
वाळो दन अई ग्यो हे, अपणा मन माय
बिचलित मती होवजो अने नी घबरावजो।
३कई को तमारे कसीज तरा से छळे
हयनी, क्योंके परभु को दन उना बखत
तक नी आयगा जदत्तक के पेलां धरम
को त्याग नी होय अने पाप-पुरुष याने
बिनास को बेटो परगट नी हुई जाय। ४†
उ खुद के हरेक चीजहुंण से उंचो केगा
अने उणको बिरोद करेगा, असी चीजहुंण
के जो परमेसर की हे या जो पूजणिय
हे, यां तक के उ खुद परमेसर का मन्दर
माय जई के सिंगासण पे बेठिके यो दावो
करेगा के उज परमेसर हे।
५तमारे जरुर रियाद होगा के जदे हूं
तमारा गेले थिस्सलुनीके माय थो तो
ई सगळी बातहुंण कर्‌या करतो थो।
६तम तो जाणोज हो के परमेसर से
ठेराड़या होया अपणा सई बखत माय
खुद परगट होवा सरु अबी उके क्यों
रोक्यो होयो हे। ७हूं इके इका सरु कई
र्‌यो हूं क्योंके दोषी की भेद भरी ताकत
अबी बी अपणो काम करी री हे, पण
जदत्तक परमेसर रोकवा वाळा के रस्ता
से इकाड़ी नी हटाड़ेगा तदत्तक उ उके
रोक्यो राखेगा। ८† उणाज बखत उ दोषी
परगटेगा जेके परभु ईसु अपणा मुन्डा
की फूंक से मारी लाखेगा अने अपणी
पाछा आवा की म्हेमा की हाजरी से
भसम करी लाखेगा। ९† उना दोषी को
आणो सेतान की ताकत से होयगा अने
उ नरी बड़ी ताकत, झुंटी सेलाणिहुंण
अने अचरज का कामहुंण १०अने नास
होवा वाळा सरु अधरम का सगळा तरा
को धोको हुई र्‌यो हे अने वी नास हुई
र्‌या हे, क्योंके उणने सच्चई से परेम
नी राख्यो जेकासे उणको उध्दार होतो।
११इनी वजासे परमेसर उणका पे भरमावा
वाळी सामरत के मोकलेगा के वी झुंट
पे बिसास करे, १२इका से वी सगळा
जिणने मसीह की सच्चई पे बिसास नी
कर्‌यो पण झुंट माय मगन र्‌या, वी
सजा पायगा।

मजबूत रो

१३परभु माय परमिला भई-बेनहुंण,
तमारा सरु हमारे हमेस्या परमेसर को
धन्यबाद करनों चइये क्योंके परमेसर
ने तमारे पवित्तर आतमा से पवित्तर

---

[a] **१.१२** हमारा परमेसर का अने ईसु मसीह की; या हमारो परमेसर अने परभु की।
† **२.१:** १ थिस्सलुनीकिहुंण ४.१५–१७ † **२.४:** दानियल ११.३६; यहेजकेल २८.२
† **२.८:** यसायाह ११.४ † **२.९:** मत्ती २४.२४

करिके अने सच्चई माय तमारा बिसास
की वजासे उध्दार पावा सरु तमारे
पेलांसेज[b] छांटी ल्या हे। जेना मनखहुंण
को उध्दार होणो हे, तम उनी पेली
फसल को एक हिस्सो हो। १४अने
इना उध्दार सरु जेना सुब-समिचार को
हमने तमारे परबचन द्यो हे, उकासे
परमेसर ने तमारे तेड्यो हे ताके तम
बी अपणा परभु ईसु मसीह की म्हेमा
के धारण करी सको, १५तो भई-बेनहुंण,
अटळ बण्या रो अने जो परबचन तमारे
सीखाड्या या चिट्ठिहुंण से द्या हे,
उणके मानता रो।

१६अबे हमारो परभु ईसु मसीह खुद
अने हमारो परम पिता परमेसर जेने
हमार से परेम कर्यो अने किरपा से
अनन्त सान्ती अने पक्की आसा दई हे,
१७तमारा हिरदाहुंण का भलई की हरेक
बात माय जेके तम को हो या करो हो,
तमारे मजबूत बणाय।

हमारा सरु पराथना करो

३ तो हे भई-बेनहुंण, हमारा सरु
पराथना करो के परभु को बचन
झट से फेले अने मान पाय जसाके तम
लोगहुंण माय होयो हे। २अने भरस्ट अने
बुरा लोगहुंण से हम बच्या रां, क्योंके
सगळा लोगहुंण को परभु पे बिसास
हयनी।

३पण परभु बिसास लायक हे। उ
तमारी ताकत बड़ायगा अने सेतान से
बचाड़े हे। ४परभु माय तमारी दसा का
बारामें हमारे भरोसो हे, के जो बी हुकम
हम तमारे दां, तम उको पाळण करो हो
अने करता बी रोगा।

५परभु, तमारा हिरदाहुंण के परमेसर
का परेम अने मसीह की जिरना से भर्यो
होयो मजबूती से अगड़े बड़ाय।

आळस सरु चेतावणी

६हे भई-बेनहुंण, अबे हम अपणा परभु
ईसु मसीह का नाम माय तमारे हुकम
दां हे के तम उना हर भई से दूरा रो
जेको चाल-चळण आळसी सरीको हे
अने उनी सीख मुजब हयनी जो तमने
हमार से पई हे। ७तम खुदी जाणो
हो के तमारे हमारा चाल-चळण के
अपणा माय लेणो चइये। क्योंके तमारा
माय रेता होया हम कदी आळसी नी
र्या। ८हमने बिना मोल का रोटा नी
खाया, पण दन-रात म्हेनत अने दुःख
का साते काम करता र्या के हमारा
माय से कईं को तमार पे बोज नी
बणे, ९असो हयनी के हमारे तमार से
मदद लेणे को हक नी हे बल्के हम
इकासरु काठी म्हेनत करां ताके तम
हमारा मुजब चलो। १०इकासरु जदे हम
तमारा गेले था, तो हम तमारे यो
हुकम द्या करता थाः "अगर कइंका
को काम करवा को मन हयनी तो
उके खावा मती दो।"

११क्योंके हम सुणा हे के तमारा माय
कइंका असा बी जीवन बिताय जो
आळसी हे। उणके कईं को काम करवा
को मन हयनी, दूसरा की बातहुंण माय
टांग अड़ाता होया अंई-वंई फर्या करे

---

[b] **२.१३** पेलांसेज; थोड़ाक जूना लेखहुंण माय, सुरु सेज।

हे। १२असा लोगहुंण के हम ईसु मसीह
का नाम पे समजाता होया हुकम दां
हे के वी अपणो काम सान्ती का साते
करे अने अपणी कमई का रोटा खाय।
१३पण हे भई-बेनहुंण, जां तक तमारी
बात हे, भलई करवा माय पाछे मती
हटजो। १४इनी चिट्ठी का जरिये हमारा
हुकमहुंण पे अगर कई को नी चले तो
उना मनख पे नगे राखो अने उका गेले
मती रो ताके उके लाज आय। १५फेर
बी उका गेले बेरी सरीको बरताव मती
करो, पण भई जाणी के उके चेताव।

आखरी नमसकार

१६अबे सान्ती देवा वाळो परभु ईसु
खुदज तमारे हर बखत, हर तरा से
सान्ती दे। परभु तमारा सगळा का
गेले रे।

१७हूं, पोलुस अपणा हात को लिख्यो
नमसकार तमारे मोकली र्‌यो हूं। हूं
असतरा हरेक चिट्ठी पे दसखत करूं
म्हारो लिखवा को तरीको योज हे।

१८हमारा परभु ईसु मसीह की किरपा
तमारा सगळा पे बणी रे। आमीन।[c]

[c] **३.१८** आमीन; थोड़ाक जूना लेखहुंण माय आमीन लिख्यो हे।

पोलुस की पेली चिट्ठी

तीमुथियुस
का नामे

लिखवा वाळो: पोलुस

लिखवा की वजा: मण्डळी को नेम-बिधान

लिखवा को बखत: करीब ६४-६६ ईस्वी सन्

असो लागे हे के गलातिया माय पोलुस की पेली परचार जातरा का बखत तीमुथियुस ने परभु ईसु के मानी ल्यो थो (परेरितहुंण १६.१) अने उका गेले परचार का काम माय लागी ग्यो थो। तीमुथियुस एक जुवान थो उकी मेतारी यहूदिणी अने उको बाप यूनानी थो। इनी चिट्ठी से असो लागे हे के तीमुथियुस एक असो बिसासलायक अने म्हेनत करवा वाळो जुवान थो जेके पोलुस मन से चातो थो (फिलिप्पिहुंण २.१९,२०)। इकासरु उके एक खास मण्डळी दे हे पण बखत-बखत पे पोलुस उके बड़ावो बी देतो जातो थो (२ तीमुथियुस १.६,७; १ तीमुथियुस ४.१२-१६)।

कारण: इनी चिट्ठी माय दो तरा की सीख हे एक तो तीमुथियुस सरु के परभु को सेवक होवा की वजासे उके अच्छो जीवन जिणो चइये (१.३-७,१८-२०; ४.६-१६; ५.१; ६.११-२१)। दूसरी तरा की सीख तीमुथियुस सरु मण्डळी का अगवा होवा का नाते या हे के उ मण्डळी माय सई सीख दे अने उके एक करे अने उकी बेवस्था अच्छी करे (अध्याय २,३,५ अने ६.१-१०)। एक नमुनादार मण्डळी का बारामें पोलुस बताड़े हे के

(१) मण्डळी माय पराथना को सई आचरण रे, अगवाहुंण अने उणका सातिहुंण को आचरण अच्छो रे अने झुंटी सीख से बच्या रो, जो यहूदिहुंण अने दूसरी जात की सीख का मेळ से बणी थी।

(२) मण्डळी माय एकता बणी रे।

(३) अच्छी बेवस्था रे (५.१-६.१०)।

अने आखर माय उके के हे के, उ ईसु को अच्छो सेवक कसे बणी सके अने दूसरा लोगहुंण सरु कंई जवाबदारी रेणी चइये।

रुप-रेखा:-

१. पोलुस को नमसकार *१.१-२*
२. सई सीख सरु बिणती *१.३-२०*
३. अराधना सरु सई हुकम: पराथना अने उपासणा *२.१-१५*
४. सई अगवाहुंण सरु नेम: अध्यक्स अने धरम-सेवक *३.१-१३*
५. दूसरी बातहुंण *३.१४-१६*
६. सई नेम-बिधान सरु नमुनो *४.१-६.२१अ*
७. निचोड़ ..... *६.२१ ब*

---

१ [†] पोलुस आड़ी से २तीमुथियुस के,
जो बिसास माय म्हारो सांचो बेटो[a] हूं
हमारा उध्दार करवा वाळा परमेसर अने
हमारी पक्की आस देवा वाळा मसीह ईसु
का हुकम से हूं उको परेरित बण्यो। हूं
थारे नमसकार कूं हे :

परम पिता परमेसर अने हमारा परभु
मसीह ईसु आड़ी से किरपा, दया अने
सान्ती मिळे।

झुंटा परबचनहुंण का बिरोद माय चेतावणी

३मकिदुनिया देस जाता बखत म्हने
थार से जो इफिसुस नगर माय रुक्या
रेवा को क्यो थो, हूं अबे बी उना निवेदन
के दोहरई र्‌यो हूं के वांज रे जे। ताके तू
वां थोड़ाक लोगहुंण के हुकम दई के रोकी
दे के वी दूसरी तरा की सीख नी दई
सके। ४मन-गड़न्त बारताहुंण अने अनन्त
बंसावलिहुंण बेकार का लड़ई-झगड़ा केज
बड़ावो दे हे अने परमेसर की वा योजणा
जो बिसास पे टिकी हे, उके पूरण नी
होवा दे हे। इकासरु उणके हुकम दई
के रोकी दे के वी असतरा की सीख नी
दे। ५पण इना हुकम की योजणा या हे
के पवित्तर हिरदो अने साफ समज अने
निसकपट बिसास से परेम पेदा होय हे।
६झुंटा परबचन देवा वाळाहुंण तो इनी
बातहुंण से भटकी के बेकार का बाद-
बिवाद माय उळजी ग्या हे। ७वी मूसा
का नेम-बिधान का सिक्छक बणाणो तो
चाय, पण जो कंई वी के हे, नी तो
उके अने नी उनी बातहुंण के समजे हे
जिणका पे वी जोर दे हे।

८हम अबे यो जाणा हे के अगर कई
को नेम-बिधान के ठीक से पाळे तो
नेम-बिधान भलो हे। ९इनी बात पे
ध्यान धरो के नेम-बिधान धरमिहुंण सरु
हयनी, बल्के उदण्डहुंण, बिदरोदिहुंण, जो
भगती नी करे उणका सरु, पापिहुंण,
अपवित्तरहुंण, अधरमिहुंण, अने मां-बाप
की हत्या करवा वाळाहुंण, हत्याराहुंण,
१०ब्योबिचारिहुंण, समलिंगी कामुकहुंण,
अगवा करवा वाळाहुंण, झुंट बोलवा

---

[a] **१.२** बिसास माय म्हारो सांचो बेटो; तीमुथियुस का ईसु पे बिसास की वजासे नवो जीवन थो, जदके उको पिताजी यूनानी थो (परेरितहुंण १६.१)।

[†] **१.२:** परेरितहुंण १६.१

वाळाहुंण, झुंटी सोगन खावा वाळाहुंण,
अने सगळी दूसरी बातहुंण सरु बणायो
हे। उनी खरी सीख का बिरोद माय हे,
११जो परम धन्य परमेसर की म्हेमा से
भर्‌या सुब-समिचार का मुजब हे, जो
म्हारे सोंप्यो ग्यो हे।

पोलुस पे परभु की किरपा

१२हूं हमारा परभु ईसु मसीह को
धन्यबाद करूं। म्हारे उनेज ताकत दई
हे, क्योंके उने म्हारे बिसास लायक जाणी
के या सेवा दई हे। १३† हालाके पेलां हूं
उको मान पाड़वा वाळो, सताड़वा वाळो
अने घणो अंधेर करवा वाळो मनख थो,
फेर बी म्हार पे दया करी गी क्योंके यो
सगळो म्हने एक अबिसासी की हालत
माय नासमजी से कर्‌यो थो। १४अने
परभु की किरपा म्हारे घणी मिळी,
अने सातेज उ बिसास अने परेम बी जो
मसीह ईसु माय हे। १५या बात बिसास
लायक अने हरतरा से मानवा लायक हे
के मसीह ईसु जगत माय पापिहुंण को
उध्दार करवा आयो जिणका माय सगळा
से बड़ो पापी हूं हे। १६फेर बी म्हार पे
इनी वजासे दया हुई के मसीह ईसु ने
एक बड़ा पापी का रुप माय म्हारे काम
माय लेता होया अगड़े चली के जो लोग
ईसु पे बिसास करेगा उणका सरु हमेस्या
को जीवन पावा सरु एक मिसाल का रुप
माय म्हारे कायम करिके अपणी पूरण
जिरना परगट करी सके। १७अबे जुग-जुग
का राजा - याने अजर-अमर, अणदेख्या
अने एकीज परमेसर - को मान अने
म्हेमा हमेस्या-हमेस्या होती रे। आमीन,
असोज होय।

१८हे म्हारा बेटा तीमुथियुस, नबिहुंण
का बचनहुंण का मुजब नरा पेलांसेज
थारा बारामें जो नबुवतहुंण करी दी थी, हूं
थारे यो हुकम दई र्‌यो हूं ताके तू उणका
मुजब १९बिसास अने अच्छी समज से
लेस हुई के नेकी सरु लड़ई लड़ी सके।
थोड़ाक असा हे जिणने अच्छी समज
के छोड़ी लाखी अने बिसास खतम हुई
ग्यो हे। २०इणका माय से हुमिनयुस अने
सिकन्दर असाज हे। म्हने उणके सेतान
के दई द्‌या हे, ताके उणके परमेसर का
बिरोद माय परमेसर की निंदा करवा से
रोकवा को पाठ भणायो जाय।

मण्डळी अने घराणा माय सान्ती

२ इकासरु म्हारो पेलो निवेदन खास
रुप से यो हे के बिणतिहुंण,
पराथनाहुंण, निवेदन अने धन्यबाद
परमेसर के सगळा मनखहुंण आड़ी से
द्‌या जाय। २खास करिके सासकहुंण
अने सगळा हाकिमहुंण सरु ताके हम
चेन अने सान्ती समेत पूरण भगती
अने गम्भीरता का साते जीवन बिताड़ी
सकां। ३या पराथना हमारा उध्दार करवा
वाळा परमेसर की नगे माय भली अने
मानवा लायक हे, ४परमेसर जो यो चाय
के सगळा मनखहुंण उध्दार पाय अने
सच्चई के जाणे। ५क्योंके परमेसर एकज
हे अने परमेसर अने मनखहुंण का अदाड़
माय एकज बिचोळ्यो बी हे, याने ईसु
मसीह, जो मनख हे। ६जेने अपणे खुद

† **१.१३:** परेरितहुंण ८.३, ९.४–५

के सगळा का एवज माय फिरोती का
मोल दई द्यो। ठीक बखत पे इकी गवई
परमेसर ने हमारे दई अने अबे हमारे
दूसरा लोगहुंण के परचार करनों हे। ७†
हूं सांची कूं, झुंट नी कूं, इनी गवई को
परचार करवा सरु म्हारे परचारक अने
परेरित ठेराड़्यो। म्हारे गेरयहूदिहुंण सरु
बिसास अने सच्चई का परबचन देवा
वाळो ठेराड़्यो हे।

८इकासरु हूं चउं के हर जगापे
उ मनख जो परमेसर को हे, बिना
करोध अने बिना बिवाद के पवित्तरता
से हात उठाड़ी के पराथना कर्‌या करे।
९† असतरा बइराहुंण से बी हूं चउं के
वी सुदी-सादी भेस-भूसा माय अपणे
खुद के संवारे अने काबु माय राखे। वी
बाल गुंथवा अने सुन्ना या मोतीहुंण
या मोलका लतराहुंण से नी, १०पण
अपणा भला कामहुंण से संवारे जसाके
उनी बइराहुंण के सोबा दे हे जो खुद के
भगतण के हे। ११हरेक घराळी सान्ती से
अने आखा समरपण का साते सीखे। १२हूं
या इजाजत नी दउं के कइंकी घराळी
अपणा घराळा के सीखाड़े या उका पे राज
करे, पण वा छानी रे। १३† क्योंके आदम
के पेलां बणायो अने उकी घराळी हव्वा
के पाछे बणई थी। १४† आदम भेकावा
माय नी आयो, पण उकी घराळी भेकावा
माय अई के पाप माय पड़ी गी। १५पण
बइराहुंण अगर अपणे काबु माय राखी के
बिसास, परेम अने पवित्तरता से बणी रेगा
तो[b], ओलाद जणवा की वजासे[c] उध्दार
पायगा।†

मण्डळी को अगवो

३ यो केवाड़ो सांची हे के अगर कईं
को मण्डळी माय अगवो बणवा की
मरजी राखे तो उ भलो काम करवा की
बी मरजी राखे हे। २† तो जरुरी हे के
अगवो बिना दोष को, एकज घराळी को
धणी,[d] जिरना मारवा वाळो, अपणे खुद
के काबु माय राखवा वाळो, समजदार,
मान-सम्मान वाळो, पांमणाहुंण की
आव-भगत करवा वाळो, अने सीखाड़वा
माय कुसल होणो चइये। ३दारुड़्यो या
झगड़ा करवा वाळो नी होणो चइये, पण
उके तो भलो अने सान्ती से रेवा वाळो
होणो चइये, अने उके रुप्या-पइसा को
लोभी नी होणो चइये। ४अपणा परवार को
अच्छो परबन्द करवा वाळो, अने अपणा
बाळकहुंण के काबु माय राखवा वाळो के
वी उको पूरो मान राखे। ५क्योंके अगर
कईं को अपणा परवार को परबन्द करनों
नी जाणे तो उ परमेसर की मण्डळी को
परबन्द कसे करेगा? ६उ नवो सीखवा
वाळो चेलो नी होणो चइये, कंई असो
नी होय के घमण्ड माय फुली के सेतान
सरीकी सजा पाणी पड़े। ७इका अलावा
अबिसासी लोगहुंण माय अच्छो नाम रे,
कंई असो नी होय के कइंका दोष माय

---

[b] **२.१५** बणी रेगा तो; या अगर वी पक्की रे तो। [c] **२.१५** ओलाद जणवा की वजासे; या ओलाद की वजासे या एक बाळक (ईसु मसीह) की वजासे बची रेगा। [d] **३.२** एकज घराळी को धणी; या एकज से ब्याव होणो चइये।

† **२.७:** २ तीमुथियुस १.११ † **२.९:** १ पतरस ३.३ † **२.१३:** उत्पत्ती २.७, २१–२२
† **२.१४:** उत्पत्ती ३.१–६ † **२.१५:** उत्पत्ती ३.१५ † **३.२–७:** तीतुस १.६–९

पड़ी के उ सेतान का फंदा माय फांसी जाय हे।

मण्डळी का धरम-सेवकहुंण

८असाज मण्डळी का धरम-सेवकहुंण के बी आदर-मान होणो चइये, जिणकी बातहुंण पे भरोसो कर्‌यो जाय, दारु नी प्ये, अने बुरा रस्ता से धन कमावा की मन्सा नी राखे। ९इणके तो परमेसर से परगट हुई बिसास की सच्चई के पवित्तर हिरदा से पकड़ी राखणो चइये। १०इणके बी पेलां अगवाहुंण सरीको परखणो चइये। अगर कंई दोष नी मिळे तो इणके धरम-सेवकहुंण सरीकी सेवा करवा दो। ११असतरा बइराहुंण[e] के बी मान-सम्मान का लायक होणो चइये, बुरी बात करवा वाळी नी पण जिरना मारवा वाळी अने सगळी बातहुंण माय बिसास लायक रे। १२मण्डळी को धरम-सेवक एकज बइरा को घराळो रे[f] अने अपणा बाळ-बच्चाहुंण अने परवार को अच्छो परबन्द करवा वाळो रे। १३जिणने धरम-सेवकहुंण को काम अच्छी तरा से पूरो कर्‌यो हे, तो वी अपणा सरु मान-सम्मान की जगा पायगा, अने उना बिसास पे जो ईसु मसीह माय हे, पक्की मजबूती पायगा।

हमारा जीवन को भेद

१४हूं यो आसा करता होया के तमारा कने पाछो अउंवां तमारे ई बात लिखी र्‌यो हूं। १५पण अगर म्हारे आवा माय देर हुई जाय तो थारे मालम रे के परमेसर का परवार माय जो जीवता परमेसर की मण्डळी अने सच्चई को खम्बो हमारो अने नीम हे अने थारो बरताव कसो रेणो चइये। १६हमारा धरम की सच्चई को भेद बेसक म्हान हे।

मसीह जो काया माय हुई के
परगट्‌यो,
पवित्तर आतमा से धरमी सिद्द
होयो,[g]
सरगदूत के नगे आयो,
गेरयहूदिहुंण माय उको परचार होयो,
जगत ने उका पे बिसास कर्‌यो
अने म्हेमा माय अदरे उठाड़्यो
हे।

झुंटा परबचन देवा वाळाहुंण से होसियार री जो

४ पण पवित्तर आतमा साफ के हे के अंत का बखत थोड़ाक लोग भटकावा वाळा झुंटा नबिहुंण का परबचनहुंण अने बायरबादाहुंण की सीख पे ध्यान देवा लागेगा अने बिसास से भटकी जायगा। २उना झुंटा पाखण्डी लोगहुंण की बातहुंण की वजासे असो होयगा जिणकी समज मानो बळता होया लुव्वा से दागी गी होय। ३जो ब्याव नी करवा अने जिमवा की थोड़िक चीजहुंण से परे रेवा की सीख देगा। पण परमेसर ने इकासरु बणायो हे के बिसासी अने सच्चई के जाणवा वाळा धन्यबाद दई के खाय। ४क्योंके परमेसर की बणई हर चीज भली हे, अने कइंकी बी चीज त्यागवा लायक हयनी अगर

---

[e] **३.११** बइराहुंण; सेवकहुंण की घराळी या धरम-सेविकाहुंण। [f] **३.१२** एकज बइरा को घराळो; या एकज से ब्याव होणो चइये। [g] **३.१६** पवित्तर आतमा से धरमी सिद्द होयो; या पवित्तरता माय सई नगे आयो थो।

उके धन्यबाद दई के खई जाय। ५क्योंके
वा परमेसर का बचन अने पराथना से
पवित्तर हुई जाय हे।

मसीह का भला सेवक बणो

६अगर तू बिसासी भई-बेनहुंण के
इनी बातहुंण को ध्यान देवाड़तो रेगा
तो मसीह ईसु को असो भलो सेवक
रेगा, अने बिसास की बातहुंण अने उनी
खरी सीख जेके तू मानतो आयो हे थारो
आतमिक पाळण-पोसण होतो रेगा। ७पण
बिना परमेसर की मन-गड़न्त बारताहुंण
से दूरो रे जो बुड़ी डोकरिहुंण बोल्या करे
हे। अने परमेसर की सेवा सरु अपणा
खुद के साधतो रे। ८क्योंके काया की
साधना से थोड़ोसोज फायदो रे हे, जदके
परमेसर की भगती हरतरा से मोलकी
हे, क्योंके उका माय आज का बखत
अने आवा वाळा जीवन सरु बी परतिज्ञा
समई हुई हे। ९या बात बिसास लायक
अने हरतरा से मानवा लायक हे। १०अने
हम इकासरु काठी म्हेनत[h] अने कोसिस
करी र्‌या हे क्योंके हमारी आसा जीवता
परमेसर पे टिकी हे, जो सगळा मनखहुंण
को, खास करिके बिसासिहुंण को उध्दार
करवा वाळो हे।

११इनीज बातहुंण को हुकम अने
सीख द्‌याकर। १२कईं को थारी जुवानी
के ओछी नी समजे, पण तू बचन,
बरताव, परेम, बिसास अने पवित्तरता
माय बिसासिहुंण सरु मिसाल बणी जा।
१३म्हारा आवा तक पवित्तर-सासत्तर बांची
के सुणाणे, परबचन देणे अने सीखावा
माय लाग्यो रेजे। १४थारे जो बरदान
मिळ्यो हे, तू उके काम माय ले।
यो थारे नबिहुंण की भविसबाणी की
वजासे अने थार पे बुड़ा-हाड़ाहुंण को हात
राखी के द्‌यो हे। १५इणका पे कोसिस
करतो रे अने इणका पे अपणो पूरो
ध्यान लगाड़, ताके थारी उन्नती सगळा
लोगहुंण का सामे अई जाय। १६अपणा
जीवन पे अने अपणी सीख पे खास
ध्यान लगाड़। उनीज बात पे टिक्यो रे
क्योंके असा आचरण करता रेवा से तू
खुद अपणा अने अपणा सुणवा वाळाहुंण
को उध्दार करेगा।

बिसासिहुंण की जवाबदारी

५ कइंका बुड़ा मनख के काठो मती
डांट, बल्के उके पिता का रुप माय
जाणी के उका गेले नरमता से, अने
अपणा से नाना का गेले भई-बेनहुंण
सरीको बरताव कर। २अने बुड़ी बइराहुंण
के मेतारी अने जुवान बइराहुंण के बेन
जाणी के पूरण पवित्तरता से बरताव कर।
३वी रांडिहुंण जो सांचीमेंज बिना
परवार की हे उणको खास ध्यान
राखजे। ४पण अगर कइंकी रांडी का
बेटा-बेटिहुंण या नात्या-पोत्याहुंण होय
तो उणके चइये के पेलां अपणा परवार
सरु भकती को बरताव करे, अने अपणा
मां-बाप के उणका उपकार को बदळो
चुकाड़ी लाख, क्योंके इका से परमेसर
खुस रे हे। ५अने जो सांची माय रांडी
अने एखली रे हे, सिरप परमेसर पे
आसा राखे हे अने दन-रात बिणती

---

[h] **४.१०** काठी म्हेनत; या फजीता माय।

अने पराथना माय लागी रे हे, ६पण
जो भोग-बिलास माय पड़ी गी हे वा
जीते जी मरी गी हे। ७इकासरु बिसासी
लोगहुंण के इनी बातहुंण को हुकम
द्याकर ताके कईं को उणका पे लांछण
नी लगाड़ी सके। ८पण अगर कईं को
अपणा लोगहुंण की, अने खास करिके
अपणा परवार की देख-रेख नी करे तो
उ अपणा बिसास से फिरी ग्यो हे अने
कइंका अबिसासी से बी घणो बुरो हे।

९उनी रांडी को नाम सुची माय ल्यो
जाय जो सात बरस से कम की नी रे,
अने एकज धणी की बइरा[i] री होय,
१०भलई को काम करवा माय नाम कर्‌यो
होय, अने जेने बाळकहुंण को पाळण-
पोसण कर्‌यो होय, पंमणई माय लागी
री होय, परमेसर का पवित्तर लोगहुंण
का पग पखाळ्या होय, गरीब-गुरबाहुंण
की मदद करी होय, अने अपणे खुद
के हरेक भला काम माय लगाड़ी राख्यो
होय।

११पण जुवान रांडिहुंण के सुची माय
मती लीजे क्योंके जदे वी काया की
मरजी के मसीह से बड़ी के माने हे
अने वी पाछो ब्याव करनों चाय हे।
१२असतरा वी दोषी ठेरे हे, क्योंके उणने
अपणा पेलां की बिसासभरी-परतिज्ञा के
तोड़ी लाखी हे। १३इका अलावा उणके
आळसपणा की आदत पड़ी जाय। वी
घरे-घर डोलती फिरे अने नी सिरप
आळसी हुई जाय पण बक-बक करिके
लोगहुंण का काम माय टांगड़ी अड़ावा
लागे हे। असी बातहुंण बोले जो केवा
लायक हयनी। १४इकासरु हूं कूं के जुवान
रांडिहुंण ब्याव करिके सन्तान पेदा करे,
घर की देख-रेख करे, अने बेरिहुंण के
निंदा करवा को मोको नी दे, १५क्योंके
थोड़िक तो पेलांसेज बिटळी के सेतान
का पाछे चलवा लागी हे। १६अगर कइंकी
बिसासी बइरा का घरे रांडिहुंण हे, तो
वा उणकी मदद करे अने मण्डळी पे
कईं को बोज नी पड़े, जेकासे मण्डळी
उणकी मदद करी सके जो सांचीमेंज
रांडिहुंण हे।

१७जो अगवाहुंण मण्डळी को अच्छो
परबन्द करे, वी दो-गुणा आदर-मान का
लायक मान्या जाय, खास करिके वी जो
परचार अने सीख देवा का काम माय

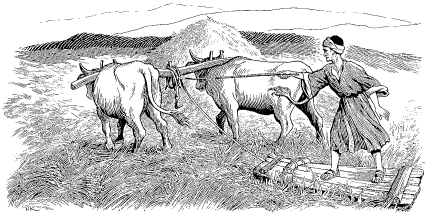

बेलहुंण से दावणी (१TI ५.१८)

काठी म्हेनत करी र्‌या हे। १८[†] क्योंके
पवित्तर सासत्तर माय लिख्यो हे, "बेल
जदे खळा माय रे तो उका मुन्डा पे
मुच्छो मती बान्दजे" अने "मजुर्‌या के
अपणी मजुरी पाणे को हक हे"। १९[†]
कइंका अगवा पे लगाड्यो उना लांछण
के तदत्तक मती मान जदत्तक दो या

---

[i] **५.९** एकज धणी की बइरा; या घराळा की बिसासी बइरा रे।

[†] **५.१८:** नेम-बिधान २५.४; मत्ती १०.१०; लूका १०.७ [†] **५.१९:** नेम-बिधान १७.६, १९.१५

तीन गवाहुंण की गवई नी हुई जाय।
२०जो हमेस्या पाप करवा माय लाग्या
रे उणके सगळा का सामे पाप से डरां
ताके बाकी का लोगहुंण बी पाप करवा
से डरे।
२१हूं पोलुस थारे परमेसर, मसीह ईसु
अने उका छांट्या होया सरगदूतहुंण की
हाजरी माय थारे काठी चेतावणी दउं
के इनी बातहुंण को पाळण बिना भेद-
भाव के सांची आतमा माय हुई के कर।
२२बिना बिचारे कइंका के मण्डळी को
अगवो बणावा सरु उका पे झट हात
मती राखजे, ताके तू कइंका का पापहुंण
माय बांटेदार नी बणे अने अपणे खुद के
पवित्तर बणायो राखजे।
२३सिरप पाणीज मती पीतो रे, बल्के
अपणा हाजमा माय घड़ी-घड़ी बेमार
पड़वा से बचवा सरु थोड़ोक दाखरस बी
लई ल्या कर।
२४थोड़ाक लोगहुंण का पाप साफ रुप
माय नगे अई जाय हे, अने न्याव सरु
हाजर कर्या जाय हे, पण दूसरा लोगहुंण
का पाप सिरप बाद माय परगट होय हे।
२५असा भला काम बी साफ रुप माय
नगे अई जाय पण जो नगे नी आय वी
छिप्या नी री सकता।

६ जो लोग जुड़ा का निच्चे याने
गुलाम हे, वी अपणा मालेखहुंण
के पूरा आदर-मान का लायक जाणे,
ताके परमेसर को नाम अने हमारा
परबचनहुंण की निंदा नी करी जाय।
२अने असा गुलामहुंण के बी जिणका
मालेख बिसासी हे, बस इकासरु के "वी
उणका धरम भई हे" अपणा मालेख को
मान मती पाड़जे। पण मालेख की हजु
बत्ती सेवा करजे, क्योंके जो इको फायदो
ले वी बिसासी अने परमिला मनख हे।

झुंटा परबचन अने सांचो धन

इनी बातहुंण के सिखाड़तो रेजे अने
इणको परचार करतो रेजे। ३अगर कईं
को दूसरी तरा की सीख दे अने हमारा
परभु ईसु मसीह का बारामें उना सांचा
बचनहुंण के नी माने अने भगती से भरी
सीख माय राजी हयनी, ४तो उ घमण्ड
से फूल्यो हे अने कइंबी नी जाणे हे। उके
तो लड़वा अने सबदहुंण पे तरक करवा
को रोग हे। इनी बातहुंण से जळण,
बेर-भाव, निंदा-भाव, अने गाळी-गळोच,
बुरा-बुरा सक, ५अने उना मनखहुंण का
माय लगातार लड़ई-झगड़ा पेदा होय हे,
जिणकी मती भरस्ट हुई गी, जो सच्चई
से दूरा हुई ग्या हे अने जो भगती के
फायदा को जरियो माने हे।
६पण सन्तोस समेत भगती सांची माय
बड़ी कमई हे। ७क्योंके नी तो हम जगत
माय कंई लाया अने नी यां से कंई लई
जावांगां। ८इकासरु अगर हमारा कने
रोटा अने लतरा हे तो इणका सेज हम
जिरना मारांगा। ९पण जो धणी बणणो
चाय लोभ माय पड़ी के फंदा माय फंसी
जाय हे, अने उणके असी नरी मूरखता
से भरी नास करवा वाळी मन्साहुंण
घेरी ले हे जो लोगहुंण के पड़वा अने
बिनास का खाड़ा माय धक्को दई दे
हे। १०क्योंके धन को लोभ सगळी तरा
की बुरइहुंण को मूळ हे। थोड़ाक लोग
लोभ की वजासे बिसास से भटकी के
अपणा खुद का हिरदा के नरा दुःखहुंण
से छळणी बणई लाखे हे।

रियाद राखवा लायक बातहुंण

११पण हे परमेसर का मनख, तू इनी
बातहुंण से दूरो रेजे, अने धारमिकता,
भगती भरी सेवा माय, बिसास, परेम,
जिरना अने भलई माय नरमता से रेजे।
१२बिसास का सुब-समिचार सरु अच्छी
कुसती लड़। हमेस्या का जीवन के
थाम्यो राख जेकासरु तू तेड़्यो थो अने
जेकी अच्छी गवई तने नरा गवाहुंण का
सामे दई थी। **१३**† परमेसर जो सगळा के
जीवन दे हे, अने ईसु मसीह गवा करिके
जेने पेन्तियुस पिलातुस का सामे गवई
दई हे, हूं उणकी हाजरी माय थारे यो
काठो हुकम दउं **१४**के हमारा परभु ईसु
मसीह का परगटवा तक थारे जो हुकम
द्यो हे तू उका पे बिना कंई कमी छोड़े
बिना दोष के चलतो जा। **१५**ईसु के ठीक
बखत पे सरग से परगटेगा - उ जो परम
धन्य हे अने एखलो समराट, राजाहुंण को
राजो अने परभुहुंण को परभु, **१६**परमेसर
अजर-अमरता को एकज हाकिम हे जो
घणा चळकदार उजाळा माय रे हे। जेके
नी तो कइंका मनख ने देख्यो हे, अने
नी कईं को देखी सके हे। उकोज मान
अने उकी हमेस्या की सामरत को फेलाव
होतो रे। असोज होय।

१७इना जगत का धणिहुंण के हुकम
दे के वी घमण्डी नी बणे अने चंचल
धन पे नी, पण परमेसर पे आसा राखे
जो हमारा सुक सरु सगळो कंई घणो दे
हे। **१८**उणके हुकम दे के वी भलई को
काम करे, भला कामहुंण माय धणी बणे,
दानदाता अने बड़ो मन राखे, **१९**के वी
अपणा सरु असो धन भेळो करे जो आवा
वाळा बखत सरु अच्छी नीम बणी जाय,
जेकासे वी उके पकड़ी ले जो सांची माय
जीवन हे।

२०हे तीमुथियुस, थारे जो धरोवर
परमेसर ने दई हे, उकी रक्सा कर।
जेनी सीख के ज्ञान केणोज भूल हे,
उणकी असुद्द बक-बक अने बिरोद की
बातहुंण से दूरो रे। **२१**उके मानी के
थोड़ाक लोगहुंण बिसास से भटकी ग्या
हे।

परमेसर की किरपा तमार पे होती रे।

---

† **६.१३:** योहन १८.३७

पोलुस की दूसरी चिट्ठी

तीमुथियुस
का नामे

लिखवा वाळो: पोलुस

लिखवा की वजा: सेवक सरु सला

लिखवा को बखत: करीब ६३ ईस्वी सन्

इनी चिट्ठी के लिखता बखत पोलुस जेळखाना माय थो अने मोत की बाट जोई र्‌यो थो (४.६)। परम्परा मुजब असो समज्यो जाय हे के पोलुस रोम नगर का मामेरतीन काल कोठड़ी माय बन्दी थो। छुटवा की मरजी जो एक बखत उका मन माय थी (फिलिप्पिहुंण १.१९; फिलेमोन २.२) पण अबे बिसास नी र्‌यो थो।

इनी चिट्ठी माय लिख्या ई पोलुस का आखरी का सबद् हे बेद लूका का अलावा उका गेले हजु कईं को नी थो (४.११)। फेर बी इना बखत उकी फिकर तीमुथियुस की भलई अने इफिसुस माय अपणा काम की कामयाबी सरु हे। या चिट्ठी व्यक्तिगत सुझावहुंण सरु पूरण हे।

खास जगा: दूसरा अध्याय माय सात सुन्दर नाटकहुंण आड़ी से अच्छा बिसासिहुंण का गुण दिखाड़्या हे।

(क) बेटो: होवा का नाते ताकत वाळो अने काम करवा वाळो (पद १,२)।
(ख) योध्दा: होवा का नाते, दुःख सेणे अने हाकिमहुंण के खुस करवा वाळो (पद ३,४)।
(ग) खेलवा वाळो: होवा का नाते नेम का मुजब खेलवा वाळो (पद ५)।
(घ) किरसाण: होवा का नाते म्हेनत करवा वाळो अने फळ माय बांटादार (पद ६)।
(ङ) कारीगर: होवा का नाते, मजबूत अने परमेसर का बचन के काम माय लेवा वाळा (पद १५)।
(च) बरतन: होवा का नाते, सुद्द अने अपणा मालेख सरु बड़ो काम को (पद २१)।
(छ) दास: होवा का नाते, नरम अने झट मदद करवा वाळो (पद २४,२५)।

३.१४-१७ बाइबल का बारामें एक खास बात या हे के पवित्तर बाइबल या परमेसर को बचन, "परमेसर की मरजी से लिख्यो हे।" असतरा हालाके यो मनखहुंण आड़ी से लिख्यो हे, फेर बी आखा पवित्तर बचन माय परमेसर की बात-चित हमारा कने सांची हे, साफ अने बिसासलायकी

का रुप माय हमारा कने आया यो उध्दार पावा सरु बुध्दि (पद १५) अने परमेसर का भगत के सगळा साधन (पद १७) दई सकता हे।

अपणी जिनगी भर पोलुस काम करवा वाळो अने जागतो र्‌यो जदेज तो उ कई सकतो थो, "हूं अच्छी कुसती लड़ी चुक्यो हूं, म्हने अपणी दोड़ दोड़ी के पूरण करी ली हे म्हने बिसास की रक्सा करी हे। आवा वाळा बखत माय म्हारा सरु जीत को मुगुट जो सरग माय धर्‌यो होयो हे, जेके परभु जो धारमिकता से न्याव करवा वाळो हे उना दन म्हारे देगा" (४.७,८)।

रुप-रेखा:-

१. मसीह माय नमसकार १.१-२
२. तीमुथियुस सरु धन्यबाद १.३-१८
३. तीमुथियुस सरु सला २.१-२६
४. तीमुथियुस सरु चेतावणिहुंण ३.१-१७
५. तीमुथियुस के आखरी काम द्‌यो जाणो ४.१-८
६. तीमुथियुस सरु नीजी हुकम ४.९-२१
७. निचोड़ ४.२२

---

१ हूं पोलुस अपणा आड़ी से जो परमेसर
की मरजी से ईसु मसीह को परेरित
हे अने जेके ईसु मसीह माय जीवन
पावा की परतिज्ञा को परचार करवा सरु
मोकल्यो हे:

२† म्हारा परभु माय परमिला बेटा
सरीका तीमुथियुस का नामे:

परम पिता परमेसर अने हमारा परभु
ईसु मसीह आड़ी से तमारे किरपा, दया
अने सान्ती मिळे।

धन्यबाद अने बड़ावो

३दन-रात अपणी पराथनाहुंण माय
लगातार थारी रियाद करतो होयो, हूं उना
परमेसर को धन्यबाद करूं, अने उकी
सेवा अपणा पूरखाहुंण की रीति मुजब
सुद्ध अने सांचा हिरदा का आतमा से
करूं। **४**म्हारा सरु तने जो आंसु बिछड़वा
का बखत बिवाड़्या था, उणके रियाद
करी-करी के म्हारी घणी मन्सा होय के
थार से अई के मिळुं अने खुसी से भरी
जउं। **५**† हूं थारा सांचा बिसास के बी
रियाद करूं, जो पेलां थारी नानी मां
लोइस अने थारी मेतारी यूनीके माय थो।
म्हारे भरोसो हे के उज बिसास थारा माय
बी हे। **६-७**क्योंके परमेसर ने जो आतमो
हमारे द्‌यो हे,[a] उ कायर नी बणाय बल्के
हमारे परेम, जिरना, अने ताकत से भरी
लाखे हे। इकासरु हूं थारे रियाद देवाड़ी
र्‌यो हूं के परमेसर का बरदान के पूरो
काम माय ले जो थारे जदे मिळ्यो थो
जदे म्हने थार पे हात धर्‌यो थो।

---

[a] **१.६-७** क्योंके परमेसर ने जो आतमो हमारे द्‌यो हे; परमेसर ने हमारे डरवा को सुभाव नी द्‌यो हे।
† **१.२:** परेरितहुंण १६.१ † **१.५:** परेरितहुंण १६.१

८इकासरु तू हमारा परभु की गवई देवा
से या म्हार से जो ईसु की सेवा करवा
की वजासे हूं जेळ माय बन्दी हूं, लजा
मती। बल्के परमेसर ने जो ताकत दई
हे उका मुजब सुब-समिचार सरु म्हारा
गेले दुःख उठाड़। ९जेने हमारो उध्दार
कर्‌यो, अने पवित्तर जीवन जीवा सरु
हमारे तेड़्या हे, - हमारा कामहुंण का
मुजब नी, पण उका अपणाज उद्देस अने
किरपा का मुजब जो परमेसर ने परभु
ईसु मसीह माय जगत का रचवा का
पेलांसेज हमेस्या से हमारे दई द्‌यो हे।
१०पण अबे हमारा उध्दार करवा वाळा
ईसु मसीह का परगटवा से दरसन होयो
हे, जेने मोत को अंत करी लाख्यो अने
सुब-समिचार की वजासे जीवन अने
अजर-अमरता को दरसन करायो।

११[†] इना ईसु मसीह का सुब-समिचार
के फेलावा सरु म्हारे एक परचारक,
परेरित, अने सिक्छक का रुप माय
नियुक्त कर्‌यो हे। १२याज वजा हे के
हूं यो जेळ को सगळो दुःख बी उठई
र्‌यो हूं। अने फेर बी हूं लाजे नी मरुं
क्योंके मसीह पे म्हने बिसास कर्‌यो हे,
हूं उके जाणूं अने हूं यो मानूं के उने
म्हारे जो द्‌यो हे, उकी रक्सा करवा माय
सामरत हे जदत्तक उ दन[b] नी आय।
१३जो खरा बचन तने म्हार से सुण्या
हे, उणके उना बिसास अने परेम माय,
जो मसीह ईसु माय हे, अपणो आदरस
बणई राख। १४हमारा भित्तरे रेवा वाळा
पवित्तर आतमा से तू उना खास सांचा
सुब-समिचार जो परमेसर ने द्‌या उको
नेपो कर।

१५जसो के तू जाणेज हे के वी सगळा
बिसासी जो एसिया इलाका माय रे
हे, म्हारे छोड़ी ग्या हे। फुगिलुस अने
हिरमुगिनेस उणका माय सेज हे।
१६उनेसिफुरुस का परवार पे परभु किरपा
करे, क्योंके उने नरी बखत म्हारे सुक
पोंचाड़्यो हे। अने उ म्हारे जेळखाना
माय रेवा से बी लाजे नी मर्‌यो। १७बल्के
जदे उ रोम नगर आयो थो, तो कोसिस
करिके जदत्तक म्हारे ढुंडतो र्‌यो जदत्तक
म्हार से मिळ्यो हयनी। १८परभु करे के
उके न्याव का दन परभु आड़ी से दया
मिळे। जसे उने इफिसुस माय म्हारी
तरा-तरा से सेवा करी हे तू उके घणो
अच्छी तरा से जाणे हे।

ईसु मसीह को सांचो सेनिक

२ इकासरु, हे म्हारा बेटा सरीका
तीमुथियुस, ईसु मसीह माय मिळवा
वाळी किरपा से मजबूत हुई जा। २अने
मसीह का बारामें जो बातहुंण तने नरा
गवाहुंण का सामे म्हार से सुणी हे, उके
उना बिसास करवा लायक लोगहुंण के
सीखई दे जो दूसरा के बी सिखाड़्वा का
लायक रे।

३मसीह ईसु को अच्छो सेनिक सरीको
म्हारा साते दुःख उठाड़। ४कईं को बी
सेनिक जो लड़ई पे जाय हे अपणे खुद के
हरदन का जंजाळ माय इकासरु नी फंसाय
क्योंके उ अपणा कपतान के खुस करे हे।

---

[b] **१.१२** उ दन; उ दन जदे सगळा लोगहुंण को न्याव करवा सरु ईसु मसीह आयगा अने बिसासिहुंण के अपणा गेले रेवा सरु लई जायगा।

[†] **१.११:** १ तीमुथियुस २.७

५फेर अखाड़ा माय लड़वा वाळो पेलवान
अगर नेम मुजब नी लड़े तो इनाम नी
पाय। ६म्हेनती किरसाण केज सगळा से
पेलां उपज को हिस्सो मिळणो चइये। ७जो
हूं कूं उका पे ध्यान धर, क्योंके परभु थारे
सगळी बातहुंण की समज देगा।

८ईसु मसीह के रियाद कर जो दाऊद
राजा का कुळ को हे अने मर्‌या माय से
जी उठ्‌यो हे। योज उना सुब-समिचार को
सार हे जेको हूं परबचन दउं। ९इना सुब-
समिचार सरु हूं दुःख उठाडुं यां तक के
एक मुलजिम सरीको म्हारे सांकळ माय
जकड़ी लाख्यो। पण परमेसर को बचन
कइंका का बन्दण माय हयनी। १०इनी
वजासे हूं हरेक दुःख उठाड़तो र्‌यो हूं,
ताके परमेसर का छांट्‌या होया लोगहुंण
मसीह ईसु माय उध्दार का गेले हमेस्या
की म्हेमा के पई सके। ११यो केवाड़ो
बिसास लायक हे :

"अगर हम मसीह का गेले मरी
चुक्या हे
तो उका गेले जिवांगां बी।
१२ † अगर हम मसीह सरु जिरना से
दुःख सई लां
तो उका गेले राज बी करांगां।
अगर हम उके नकारांगा
तो उ बी हमारे नकारेगा।
१३ हम चाये बिसासघात करवा वाळाज
क्यों नी रां,
फेर बी उ बिसास लायक बण्यो
र्‌यो हे,
क्योंके उ खुद अपणो नकारो नी
करी सकतो।

अच्छा कारीगर

१४लोगहुंण के इनी बात पे रियाद
देवाड़तो रेजे अने परमेसर का सामे उणके
चेतावणी देतो रे के सबद्‌हुंण के लई के
लड़ई-झगड़ो नी कर्‌या करे जेकासे कंई
फायदो हयनी। बल्के इणके जो सुणे हे,
वी बी नास होय हे। १५काठी म्हेनत कर
के परमेसर थारे माने अने असा सेवक
का रुप माय हाजिर होवा की कोसिस
करतो रे जेकासे कइंकी बात सरु लाजे
नी मरनो पड़े। अने जो परमेसर का
सांचा बचन के ठीक ढंग से काम माय
लाय हे। १६अने संसार की बेकार की
बकवास से दूरो रे, क्योंके ई बातहुंणज
लोगहुंण के परमेसर से दूरो करे हे।
१७असा लोगहुंण की सीख नासूर की
तरा नुकस्यान करेगा। हुमिनयुस अने
फिलेतुस असाज हे। १८जो सच्चई से
भटकी चुक्या हे, उणको यो केणो हे के
जो मरी ग्या था वी मर्‌या माय से जी
उठ्‌या हे यो अबी तक हुई बी चुक्यो हे।
ई थोड़ाक लोगहुंण का बिसास के खतम
करी र्‌या हे। १९ † फेर बी परमेसर की
मजबूत नीम अटळ हे। जेका पे या छाप
लागी हे, "परमेसर अपणा भगतहुंण के
जाणे हे।" अने "उ हरेक जो के हे के उ
परभु को नाम ले हे, उके बुरई से बचणो
चइये।"

२०मोटा घर माय सिरप सुन्ना-चांदी
काज ठामड़ा तो नी रे, उका माय लक्कड़
अने गारा का बी ठामड़ा-ठिकरा रे हे।
कईं को खास काम सरु अने कइंका

---

† **२.१२:** मत्ती १०.३३; लूका १२.९ † **२.१९:** गिणती १६.५

साधारण काम सरु रे। [२१]इकासरु अगर मनख अपणे खुद के बुरइहुंण से सुद्ध करी ले तो उ खास काम को बणेगा। फेर पवित्तर बणी के अपणा मालेख सरु काम को अने हरेक भला काम सरु तय्यार रेगा।

२२जुवानी की बुरी मन्साहुंण से दूरो रे उना सगळा का गेले जो साफ हिरदा से परभु के तेड़े हे। उणका गेले धरम को जीवन, बिसास, परेम अने सान्ती को पाछो कर। [२३]पण मूरखता से भर्‌या, बेकार का तरक-बितरकहुंण से हमेस्या बचतो रे। क्योंके तू जाणेज हे के इणकासे लड़ई-झगड़ो होय हे। [२४]अने परभु का सेवक के तो झगड़णोज नी चइये। उके तो सगळा पे दया करनों चइये। उके सीख देवा की लायकी होणी चइये अने उके जिरना मारनो चइये। [२५]अने उके अपणा बिरोदिहुंण के इनी आसा से नरमता का साते समजाणो चइये के परमेसर उणके बी हिरदो बदळवा की ताकत देगा, ताके उणके बी सच्चई को ज्ञान हुई जाय। [२६]अने चेती के सेतान का फंदा से बची हिटे, जेने उणके अपणी मरजी के पूरण करवा सरु बन्दी बणई राख्या हे।

अंत का दनहुंण माय

३ ध्यान राखो के संसार का अंत का दनहुंण माय बुरो बखत आयगा। [२]क्योंके मनख सुवारती, लोभी, गुमानी, बदमासी करवा वाळो, परमेसर की निंदा करवा वाळो, मां-बाप को हुकम नी मानवा वाळो, नुगरो, अपवित्तर, [३]बिना परेम को, मांफ नी करवा वाळो, चुगली करवा वाळो, बिना जिरना को, घणो बुरो, भलई से घिरणा करवा वाळो, [४]बिसासघात करवा वाळो, ढीट, गुमानी अने परमेसर से परेम करवा की बजाय सुख-बिलास से परेम करवा वाळो रेगा। [५]वी धरम का दिखावटी रुप को पाळण तो करेगा पण उकी भित्तरे की ताकत के नकारी देगा। उणकासे दूराज री जो। [६]क्योंके इणका माय से थोड़ाक असा हे जो घरहुंण माय दब्या पग भरई के अने उनी कमजोर चरित्तर की बइराहुंण के बस माय करी ले जो पाप माय पड़ी रे, अने नरी-तरा की बुरी कामनाहुंण माय फंसी रे हे। [७]ई हमेस्या सिखती तो रे पण सच्चई का ज्ञान तक वी कदी नी जई सके। [८]† यन्नेस अने यम्ब्रेस ने जसे परमेसर का सेवक मूसा को सामो कर्‌यो थो, वसेज ई लोगहुंण सच्चई का बिरोदी हे। इना लोगहुंण की समज भरस्ट हे अने बिसास करवा का बारामें बिना काम का हुई ग्या। [९]पण ई हजु जादा अगड़े नी बड़ी सकेगा। क्योंके जसे यन्नेस अने यम्ब्रेस की मूरखता उजागर हुई थी, वसेज इणकी बी होयगा।

आखरी हुकम

१०कइंबी होय, तने म्हारी सीख के, चाल-चळण के, उद्देस के, बिसास के, सेणे की ताकत के, परेम के, जिरना के, [११]† म्हारी उनी यातणाहुंण अने दुःखहुंण माय तने म्हारो सात द्‌यो। तम तो

---

† **३.८:** निरगमन ७.११ † **३.११:** परेरितहुंण १३.१४–५२, १४.१–७, ८–२०

जाणोज हो के अंताकिया, इकुनियुम अने
लुसतरा माय म्हने कसा-कसा भयानक
सताव झेल्या! पण परभु ने म्हारे उना
सगळा से बचाड़्या हे। १२सांची माय
ईसु मसीह की सेवा माय जो नेकी का
साते जिणो चाय हे, सताड़्याज जायगा।
१३पण पापी अने ठग दूसरा के छळता
होया खुद छळ्या जायगा, अने बुरा से
बुरा होता चल्या जायगा। १४पण तू उनी
बातहुंण पे जो तने सीखी अने बिसास
कर्‌यो हे उणके करतो जा। तू जाणेज हे
के उनी बातहुंण के तने किकासे सीखी
हे। १५अने नानपण सेज पवित्तर धरम
सासत्तर थारो जाण्यो होयो हे। उ थारे
उनी समज के दई सके हे जेकासे ईसु
मसीह माय बिसास की वजासे छुटकारो
मिळी सके। १६आखो पवित्तर धरम
सासत्तर परमेसर की परेरणा से रच्यो
हे।[c] उ लोगहुंण के सच्चई की सीख
देणे, उणके सुदारणे, उणके उणकी बुरई
बताड़वा अने धारमिकता का सीख सरु
काम की हे। १७जेकासे परमेसर का हरेक
सेवक सासत्तर के काम माय लेता होय
हरतरा का भला काम करवा सरु सामरत
अने साधन से तय्यार हुई जायगा।

४ परमेसर अने ईसु मसीह के अपणो
गवा बणई ले जो जीवता अने जो
मरी चुक्या हे उणको न्याव करवा वाळा
हे क्योंके ईसु को पाछो आणो अने उको
राज कने हे, हूं थारे सोगन दई के हुकम
दई र्‌यो हूं: २के सुब-समिचार को परचार
कर चाये बखत होय या बे-बखत अपणो
काम करवा सरु तय्यार रे, बड़ी जिरना
का साते सीख देता होय ताड़णा दे,
उणके बड़ावो दई के समजाड़। ३क्योंके
बखत आयगा जदे लोगहुंण खरा परबचन
के सुणणो तक नी चायगा, वी अपणी
मरजिहुंण का मुजब सुणवा सरु नरा गरु
भेळा करी लेगा। ४वी सच्चई आड़ी से
अपणा कान फेरी लेगा अने मन-गड़न्त
बारताहुंण पे ध्यान धरेगा। ५पण तू हर
हाल माय अपणे खुद के काबु माय राख
दुःख उठाड़ अने सुब-समिचार को परचार
कर। अने जो सेवा थारे दई गी हे, उके
पूरण कर।

६क्योंके म्हने आखो जीवन अरद[d]
सरीको बलिदान करी लाख्यो अने म्हारा
जीवन को आखरी बखत अई ग्यो हे। ७हूं
मसीह का काम की अच्छी कुसती लड़ी
चुक्यो हूं, म्हने अपणी दोड़ पूरण करी
ली हे म्हने बिसास की रक्सा करी हे।[e]
८आवा वाळा बखत माय म्हारा सरु जीत
को मुगुट जो सरग माय धर्‌यो होयो
हे, जेके परभु जो धारमिकता से न्याव
करवा वाळो हे उना दन म्हारे देगा अने
नी सिरप म्हारे पण उना सगळा के बी
जो परेम का साते उका परगटवा की बाट
जोई र्‌या हे।

नीजी समिचार

९म्हारा कने झट आवा की कोसिस
करजे। १०[f] क्योंके इना जगत का मोह

---

[c] **३.१६** आखो ... रच्यो हे; या हरेक पवित्तर धरम सासत्तर परमेसर की परेरणा से रच्या हे।
[d] **४.६** अरद; पीवा वाळो पवित्तर चड़ावो। [e] **४.७** बिसास की रक्सा करी हे; या सच्चई से वायदो करी चुक्यो हूं।
[f] **४.१०:** कुलुस्सिहुंण ४.१४; फिलेमोन २४; २ कुरिन्थिहुंण ८.२३; गलातिहुंण २.३; तीतुस १.४

माय पड़ी के देमास ने म्हारे छोड़ी लाख्यो
हे अने उ थिस्सलुनीके नगर चल्यो ग्यो
हे। क्रेसकेन्स तो गलातिहुंण नगर अने
तीतुस, दलमतिया नगर आड़ी चल्या ग्या
हे। ११† सिरप लूकोज म्हारा गेले हे।
मरकुस के गेले लेतो आजे, क्योंके सेवा
का काम माय उ घणो कामको हे। १२†
तुखिकुस के म्हने इफिसुस मोकल्यो हे।
१३† जदे तू आय तो म्हारो चोगो अने
पोथीहुंण, खास करिके चामड़ा पे लिखी
चिट्ठिहुंण, लइ-याजे जिणके हूं त्रोआस
माय करपुस का यां छोड़ियायो थो।

१४† सिकन्दर ठठेरा[f] ने म्हारे घणो
नुकस्यान पोंचाड़्यो। परभु उका काम
का मुजब उके पलटो देगा। १५तू बी
उकासे होसियार रीजे क्योंके उने हमारा
परबचनहुंण को घणो बिरोद कर्‌यो।

१६पेली कावा म्हारी तरफदारी रोम
का केसर म्हाराज का सामे कइंका
ने नी करी, पण सगळा ने म्हारे
एखलो छोड़ी लाख्यो थो। परमेसर
करे इणके इको लेखो नी देणो पड़े।
१७म्हारी तरफदारी माय तो म्हारा
परभु ने उबो हुई के म्हारे ताकत दई
हे, के सुब-समिचार को म्हार से पूरण
रीति से परचार होय जेकासे सगळी
दूसरी जातहुंण सुणे। हूं तो न्हार का
मुन्डा से छुड़ायो होयो हूं। १८सगळा
पाप से भर्‌या हमला से परभु म्हारे
बचाड़ेगा अने अपणा सरग का राज
माय सइसलामत पोंचाड़ेगा। उकी म्हेमा
हमेस्या-हमेस्या होती रे। आमीन।

चिट्ठी का आखर माय।

१९† पिरिसकिल्ला, अक्विला अने
उनेसिफुरुस का परवार के नमसकार
किजे। २०† इरासतुस कुरिन्थियुस नगर
माय रुकी ग्यो हे। म्हने त्रुफिमुस के उकी
बेमारी की वजासे मिलेतुस नगर माय
छोड़ी लाख्यो हे। २१स्याळा से पेलां आवा
की कोसिस करजे।

यूबुलुस, पूदेन्स, लिनुस क्लोदिया
अने सगळा भई-बेनहुंण थारे नमसकार
के हे।

२२परभु थारी आतमा का गेले रे।
तम सगळा पे परभु की किरपा रे।

---

[f] **४.१४** ठठेरा; तांबा पीतळ का ठामड़ा बणावा वाळो।

† **४.११:** कुलुस्सिहुंण ४.१४; फिलेमोन २४; परेरितहुंण १२.१२, २५, १३.१३, १५.३७–३९; कुलुस्सिहुंण ४.१०

† **४.१२:** परेरितहुंण २०.४; इफिसिहुंण ६.२१–२२; कुलुस्सिहुंण ४.७–८

† **४.१३:** परेरितहुंण २०.६

† **४.१४:** १ तीमुथियुस १.२०; भजन संहिता ६२.१२; रोमिहुंण २.६

† **४.१९:** परेरितहुंण १८.२; २ तीमुथियुस १.१६–१७

† **४.२०:** परेरितहुंण १९.२२; रोमिहुंण १६.२३; परेरितहुंण २०.४, २१.२९

पोलुस की चिट्ठी

तीतुस
का नामे

लिखवा वाळो: पोलुस **लिखवा की वजा:** खरी सीख **लिखवा को बखत:** करीब ६५ ईस्वी सन्

तीमुथियुस सरीको, तीतुस ने बी पोलुस परेरित आड़ी से ईसु मसीह के मानी ल्यो थो जो एक जुवान मनख थो (१.४)। कुरिन्थिहुंण की चिट्ठी से हमारे तीतुस का बारामें हजु थोड़िक बात मालम पड़े हे। उ पोलुस आड़ी से नरी मण्डळिहुंण माय समस्याहुंण के हल करवा मोकल्यो जातो थो (२ कुरिन्थिहुंण ७.६-१०,१३-१६)। इनी चिट्ठी माय यो मालम पड़े के पोलुस ने तीतुस के किरेते टापू माय इकासरु राख्यो थो के उ, "बची बातहुंण के सुदारे अने म्हारा बताड़्या मुजब हर नगर माय जम्या लोगहुंण के राखे" (१.५)।

इनी चिट्ठी की खास बात, "खरी सीख हे" (१.९; २.१; २.७,८)। सत के समजवा को फळ भला कामहुंण माय दिखणो चइये (१.१६; १.७,१४; ३.१,८,१४)। पण भला काम तो उध्दार की वजासे नी (३.५) सिरप उध्दार को नतीजो हे।

असो मालम पड़े हे के किरेते टापू माय तीतुस का सामे जो समस्या थी वा, "खतणा वाळा" याने यहूदी मत वाळा झुंटा सिक्छकहुंण आड़ी से थी (१.१०)। इका गेले-गेल किरेते टापू का रेवा वाळाहुंण थोड़िक नेतिक बातहुंण माय कमजोर था (१.१२,१३)। अने वां की मण्डळी माय से थोड़ाक लोगहुंण को आचरण बे-फिकर हुइग्यो थो (२.२,३,१०; ३.२)। असी बातहुंण को बिरोद करवा सरु तीतुस के पोलुस समजाड़े हे के खरी सीख घणी जरुरी हे। उ इनी बात पे जोर दे हे के मसीह आचरण की नीम तो परमेसर को बचनज हे (१.३; २.५,१०)। जदे असी सीख अच्छी तरा से समजी अने मानी जाय तो इको फळ हमारा जीवनहुंण से भला काम याने आचरण दिखणो चइये।

इनी चिट्ठी माय मण्डळी का हाकिमहुंण का बारामें द्या हुकम तीमुथियुस की चिट्ठी का हुकमहुंण से कम हे। उणका माय असी बातहुंण पे जोर द्यो हे के मण्डळी का अगवाहुंण को जीवन आतमिक अने नेतिक नगे माय जरुर उंचो रे। उणका चरित्तर माय दूसरा सरु नमुनो अने काम करवा माय लायकी होणी चइये (२.७,१०)।

रुप-रेखा:-

१. किरपा, सान्ती का साते नमसकार १.१-४
२. तीतुस के पोलुस को हुकम १.५-३.११
(क) मण्डळी का बारामें १.५-१६
(ख) लोगहुंण का बारामें २.१-१५
(ग) जगत का बारामें ३.१-८
(घ) बेकार की सीख का बारामें ३.९-११
३. आपसी माय समजाणो ३.१२-१४
४. निचोड़ ३.१५

---

१ पोलुस आड़ी से, जो परमेसर का छांट्या होया को बिसास अने सच्चई का उना ज्ञान सरु जो भकती मुजब हे
परमेसर को सेवक अने ईसु मसीह को परेरित हे। २हमेस्या का जीवन की उनी आसा माय जेको वायदो परमेसर ने जो झुंटो नी बोली सकतो, सनातनकाळ से कर्‌यो। ३पण अबे ठीक बखत आवा पे उने अपणाज बचन के उना परचार से परगट्‌यो, जो हमारा उध्दार करवा वाळा परमेसर का हुकम से म्हारे द्‌यो थो।
४† तीतुस के, जो हमारा सरीका बिसास माय म्हारो सांचो बेटो हे,
पिता परमेसर अने हमारा उध्दार करवा वाळा मसीह ईसु आड़ी से किरपा अने सान्ती मिळे।

किरेते नगर माय तीतुस को काम

५हूं किरेते टापू माय थारे इकासरु छेकी आयो के री बातहुंण के ठीक करे अने म्हारा हुकम का मुजब हर नगर माय पराचीनहुंण के ठेराय। ६† पराचीन बिना दोष को एकीज घराळी को धणी[a] अने उका छोरा-छोरी बिसासी होय, दूराचारी अने बे-लगाम नी रे ७क्योंके पराचीन, परमेसर को खजांची होवा सरु बिना दोष को होणो जरुरीज हे। उ नी तो खुद की मरजी पे, अने नी रीस वाळो होय, अने नी दारुड़्यो, नी मार-कूट करवा वाळो अने नीज नीच कमई को लोभी रे। ८पण पवणई करवा वाळो, भलई से परेम की चायना वाळो, होसियार, न्यावी, भगत अने खुद के काबु माय करवा वाळो रे। ९उ उना बिसासलायक बचन पे जो धरम परबचन का मुजब हे बण्यो रे। जेकासे के उ खरी सीख को परबचन देवा अने बिरोद करवा वाळाहुंण को मुन्डो बन्द करवा माय बी लायकी राखे।
१०क्योंके असा नरा हे जो बिना लगाम का, बकवास करवा वाळा अने धोकाबाज, खास करिके वी जो खतणा वाळा हे। ११इणको मुन्डो जरुर बन्द करनों चइये

---

[a] **१.६** एकीज घराळी को धणी; या एकज से ब्याव करे।
† **१.४:** २ कुरिन्थिहुंण ८.२३; गलातिहुंण २.३; २ तीमुथियुस ४.१०
† **१.६–९:** १ तीमुथियुस ३.२–७

क्योंके ई नीच कमई सरु खराब बातहुंण,
सीखाड़ी के घर का घर बिगाड़ी र्‌या
हे। १२उणका माय से एक ने याने
उणकाज एक नबी ने क्यो, के किरेते
का रेवासी हमेस्या झुंटा, फाड़ खाण्या
जनावर, अने आळसी पेटु रे हे। १३या
गवई सांची हे। इनी वजासे उणके काठी
सजा द्‌याकर के वी बिसास माय मजबूत
बणी जाय। १४अने यहूदिहुंण की मन-
गड़न्त कथाहुंण अने उना मनखहुंण का
हुकम पे ध्यान मती दे जो सच्चई से
भटकी जाय हे। १५सांचा मनखहुंण सरु
सगळी चीजहुंण सुद्द हे पण असुद्द अने
अबिसासी मनखहुंण सरु कइंज सुद्द अने
साफ हयनी, पण उणका मन अने समज
दोइज असुद्द हे। १६वी परमेसर के जाणवा
को दावो तो करे पण अपणा करमहुंण से
उके नकारे, वी घिरणित अने हुकुम नी
मानवा वाळा हे अने कसाज अच्छा काम
का लायक हयनी।

गेरी सीख

२ पण तू असी बातहुंण बोल्या कर जो
खरी सीख सरीकी हे। २बुड़ा मनख
समजदार, मान वाळा, अने होसियार रे,
अने वी बिसास, परेम अने जिरना माय
काठा रे। ३इनीज तरा बुड़ी बइराहुंण
को चाल-चळण बी पवित्तर रे, वी नी
तो कइंका की बुरई करवा वाळी होय,
नी पीवा वाळी पण अच्छी बातहुंण
सीखाड़वा वाळीज रे। ४जेकासे के वी
जुवान बइराहुंण के अगड़े बड़ावा माय
मदद करे, के वी अपणा-अपणा घराळा
अने बाळकहुंण से परेम राखे, ५अने वी
होसियार, पवित्तर, अच्छो घर समाळवा
वाळी दयामयी, घराळा की बात मानवा
वाळी, जेकासे के परमेसर का बचन को
अनादर नी होय।

६असतरा जुवानहुंण के समजाड़ के वी
जिरना मारे ७अच्छो काम करिके सगळी
बातहुंण माय तू खुदज मिसाल बणी जा।
थारा परबचन साफ, गेरा, खरा, अने
बिना दोष का रे, ८जेकासे के बिरोदिहुंण
के हमारा बारामें कइंज बुरो केवा को
बखत नी मिळे अने वी लाजे मरे

९दासहुंण के समजई दे के सगळी
बातहुंण माय अपणा अपणा मालेखहुंण
का बस माय रे उणके खुस राखे अने
मुजोरी नी करे, १०चोरी चकारी नी करे
पण पूरण तरा से बिसासी बण्यो रे के वी
हर तरा से हमारा उद्धारक परमेसर का
परबचन, को मान बड़ाय।

११क्योंके परमेसर की किरपा तो सगळा
मनखहुंण का उध्दार सरु परगटी हे। १२उ
हमारे यो सिखावे के हम अभगती अने
जगत की मन्साहुंण के नकारी के इना
जुग माय सयंम, धारमिकता अने भगती
से जीवन गुजारां १३अने उनी धन्य आसा
याने अपणा म्हान परमेसर अने उध्दार
करवा वाळो ईसु मसीह[b] उद्धारक की
म्हेमा परगट होवा की बाट जोई र्‌या हे,
१४[†] उने अपणे खुद के हमारा सरु दई
द्‌यो के हमारे हरतरा का अधरम से छुड़ई
ले अने हमारे सुद्द करिके अपणा सरु एक

[b] **२.१३** अपणा म्हान परमेसर अने उध्दार करवा वाळो ईसु मसीह; या अपणा म्हान परमेसर अने हमारो उध्दार करवा वाळो ईसु मसीह।

[†] **२.१४:** भजन संहिता १३०.८; निरगमन १९.५; नेम-बिधान ४.२०, ७.६, १४.२; १ पतरस २.९

असी खुद की परजा बणई ले जो भला
काम करवा सरु तय्यार रे।
१५इनी बातहुंण के बड़ा हक से के,
समजाड़ अने सिखातो रे कोइंज थारो
मान नी पाड़ने पाय।

मसीह जीवन माय बण्या रो

३ लोगहुंण के रियाद देवाड़ के
सासकहुंण अने हाकिमहुंण का बस
माय रे। हुकम मानवा वाळा बणे, हरेक
भला कामसरु तय्यार रे, [२]कोइंकीज
बदनामी नी करे, झगड़ो नी करे, नरम
बणे अने सगळा मनखहुंण का साते
अच्छो बरताव राखे। [३]क्योंके हम सगळाज
पेलां बे-अकल्या हुकुम नी मानवा वाळा,
भरम माय पड़्या होया, अने नरी-तरा की
वासनाहुंण अने मन्साहुंण का बस माय
था, अने अपणो जीवन कड़वो अने जळण
माय बिताड़्या करता था। हम घिरणित
था, अने एक दूसरा से दुसमनी राखता
था। [४]पण जदे हमारो उद्धारक, परमेसर
की दया, अने मनखहुंण सरु उको परेम
परगट्यो। [५]तो उने हमारे तारी द्यो,
यो हमारा करम-धरम का काम से नी,
पण उने अपणी दया से कर्‌यो, याने
पवित्तर आतमा से नवा जनम का न्हाण
से कर्‌यो। [६]इना पवित्तर आतमा के उने
हमारा उद्धारक ईसु मसीह से हमार पे
घणो कुड़ी लाख्यो। [७]के उकी किरपा से
हम धरमी ठेराड़्या जई के सदा का जीवन
की आसा का वारिस बणा। [८]यो बिसास
लायक हे अने हूं चउं के,
तू इनी बातहुंण का बारामें काठो हुई
ने बोले, के जिणने परमेसर पे बिसास
राख्यो वी अच्छा काम माय लागी जावा
को ध्यान धरे। ई बात लोगहुंण सरु
अच्छी अने फायदा की हे। [९]पण बे-
अकली का बिवादहुंण, कुळहुंण की बंस
परम्परा अने नेम-बिधान से सम्बन्दी
का झगड़ाहुंण, अने बखेड़ाहुंण से बच्यो
रे क्योंके वी फायदा का हयनी हे अने
फालतु हे। [१०]अधरमी मनख के पेली अने
दूसरी चेतावणी दई के उकासे इकाड़ी हुई
जा [११]अने यो जाणी ले के असो मनख
नठू बिगड़ी के उ अपणे खुद के दोषी
ठेरई के पाप करतो जाय हे।

आखरी निरदेस

१२† जदे हूं अरतिमास या तुखिकुस
के थारा कने मोकलुं, तो म्हारा कने
निकोपुलिस आवा की जरुर कोसिस
करजे, क्योंके म्हने स्याळो वइंज काटवा
को फेसलो कर्‌यो हे। [१३]† जेनास वकील
अने अपुल्लोस की जातरा माय तू जतन
से उणकी मदद करजे, के उणके कसी
बात की कमकोती नी रे। [१४]हमारा लोग
बी अच्छो काम धन्दा माय लगणो सीखे
के उणके पूरो पड़े, जेकासे के वी भर्‌या-
पुर्‌या रे।
१५वी सगळा जो म्हारा साते रई र्‌या,
तमारे नमसकार के हे, बिसास की वजासे
जो मनख हमार से परेम राखे उणके बी
नमसकार के जे।
तम सगळा पे किरपा रे।

---

† **३.१२:** परेरितहुंण २०.४; इफिसिहुंण ६.२१–२२; कुलुस्सिहुंण ४.७–८; २ तीमुथियुस ४.१२
† **३.१३:** परेरितहुंण १८.२४; १ कुरिन्थिहुंण १६.१२

पोलुस की चिट्ठी

फिलेमोन

का नामे

लिखवा वाळो: पोलुस

लिखवा की वजा: मसीह माय भई-चारो अने मांफी

लिखवा को बखत: करीब ६०-६१ ईस्वी सन्

भूमिका: "नवा नेम" को हिस्सो होवा का गेले-गेल या छोटी सी चिट्ठी पोलुस का लिखवा को एक खास नमुनो हे। एक मसीही ने दूसरा मसीह के लिख्यो बिणती-पत्तर हे। मसीह माय उणको गेरो नातो होवा की वजासे पोलुस अपणा दोस फिलेमोन से एक खास उपकार की मांग करे हे। नरम बखत माय चतरई अने होसियारी से समाधान हेड़वा की एक खास मिसाल हे। कुलुस्सिहुंण का नामे चिट्ठी का साते या चिट्ठी फिलेमोन के मोकली थी क्योंके उका घर माय कुलुस्से की मसीही मण्डळी अराधना कर्‌या करती थी।

लिखवा की खास बात: मसीही सिद्दांतहुंण माय से पोलुस इनी चिट्ठी माय एक खास सिद्दांत की मिसाल दे हे। उ यो हे: कइंका दोषी मनख की सजा के उका बदळे अपणा अदरे लेणो न्याव-संगत हे। इना अधार पे उना दोषी मनख के मांफ कर्‌यो जई सकतो हे अने उ पाछो ठेराड़्यो याने जों को त्यों हुई सकतो हे। पोलुस की बिणती हे के दास उनेसिमुस के जो सांची माय सजा लायक हे, उका मालेख फिलेमोन से मांफ कर्‌यो जाय तो उ दास का रुप माय नी पण दास से बत्ती, "परमिला भई" का रुप माय मान्यो जाय (१६)। अगर उनेसिमुस आड़ी करजो होय तो पोलुस उके चुकतो करवा की बात करे हे (१८,१९)। असतरा इना सिद्दांत से एक मनख का भला गुण दूसरा पे लाख्या जई सकता हे।

रुप-रेखा

१. पोलुस अने तीमुथियुस आड़ी से नमसकार *१-३*
२. फिलेमोन से सेवा सरु पराथना *४-७*
३. उनेसिमुस के पाछो लेवा सरु बिणती *८-२१*
४. पोलुस के आवा की मनसा *२२*
५. निचोड़ *२३-२५*

१मसीह ईसु को बन्दी चिट्ठी लिखवा
वाळो हूं पोलुस अने भई तीमुथियुस आड़ी
से,
परमिला भई अने गेले काम करवा
वाळो फिलेमोन, २[†] अने मसीह माय
अपणी बेन अफफिया, हमारो साती-बीर
योद्धो अरखिप्पुस अने तमारा घर माय
भेळी होवा वाळी मण्डळी के,
३हमारा पिता परमेसर अने परभु ईसु
मसीह आड़ी से तमारे दया अने सान्ती
मिळती रे।

फिलेमोन को परेम अने बिसास

४हूं तमारे अपणी बिणतिहुंण माय
रियाद करिके अपणा परमेसर को
हमेस्या, धन्यबाद करूं। ५क्योंके हूं
पवित्तर लोगहुंण सरु थारा उना परेम
अने ईसु मसीह माय थारा बिसास का
बारामें सुणुं, ६म्हारी बिणती हे के तमारा
बिसास से उपजी उदार संगती लोगहुंण
के रस्तो दिखाड़े। जेकासे उणके उनी
सगळी चीजहुंण को ज्ञान हुई जाय जो
मसीह का उद्देस के अगड़े बड़ावा सरु
हमारा अदाड़ माय घटी री हे। ७हे भई
म्हारे थारा परेम से घणोज सुक अने चेन
मिळ्यो क्योंके थार से पवित्तर लोगहुंण
का हिरदा हरा-भरा हुई ग्या।

उनेसिमुस सरु निवेदन

८इकासरु जो ठीक हे, उके करवा की,
अने तमारे हुकम देवा की, मसीह माय
म्हारे घणी हिम्मत तो हे। ९फेर बी
उना परेम की वजासे हूं बुड़ा-डोकरा[a]
पोलुस सरु जो अबे मसीह ईसु को
बन्दी बी हे - योज ठीक रेगा के तमार
से याचना करूं। १०[†] हूं थार से अपणा
बाळक उनेसिमुस[b] सरु याचना करूं जो
जेळ माय जन्म्यो मसीह माय म्हारो
धरम को बेटो हे; ११जो इका से पेलां
थो थारा सरु कंई खास काम को नी
थो, पण अबे थारा अने म्हारा दोइज
सरु घणो काम को हे।
१२म्हने उकेज, याने जो म्हारा हिरदा
को कोर हे खुदज तमारा कने पाछो
मोकली र्‌यो हूं। १३हूं चातो थो के उके
म्हारा कने रेवा दूं के म्हारे जेळ माय
सुब-समिचार फेलावा सरु, थारा आड़ी से
म्हारी सेवा करी सके। १४पण बिना थारी
मरजी के म्हने कइंज करनों ठीक नी
समज्यो, के थारी या भलई जबरजस्ती
से नी पण मरजी से होय।
१५क्योंके हुई सके के उ थार से थोड़ाक
दन इकासरु इकाड़ी होयो के उ सदा थारा
कनेज रे। १६पाछो उके दास सरीको नी
पण सेवक से बी बड़ी के खास करिके
म्हारा सरु उ एक परमिलो भई जसो हे,
पण थारा सरु तो काया माय सेवक अने
परभु माय भई से बी बत्ती बड़ी के हे।
१७तो अगर तू म्हारे अपणो दंइदार
समजे हे, तो उके बी असोज मानजे
जसो म्हारे माने हे। १८अने अगर उने
थारो कसोज नुकस्यान कर्‌यो या कसीज
चीज सरु उ थारो करजदार हे तो उके
म्हारा खाता माय लिखी लेजे; १९हूं पोलुस

---

[a] **१.९** बुड़ा-डोकरा; या मसीह को राजदूत। [b] **१.१०** उनेसिमुस; यूनानी नाम उनेसिमुस जेको अरथ "काम को"।

[†] **१.२:** कुलुस्सिहुंण ४.१७ [†] **१.१०:** कुलुस्सिहुंण ४.९

अपणा हात से यो लिखी र्‌यो हूं, के हूं
इके तो भरी दूंवां (पण कदी म्हारो असो
केणो नी पड़ी जाय के थारो सगळोज
जीवनीज म्हारो करजो हे।) २०हे भई,
म्हारे परभु माय अबे, थार से यो फायदो
होय के मसीह माय म्हारो हिरदो चेन
से रे।

२१हूं थार पे भरोसो करिके लिखी
र्‌यो के तू हुकम माने, अने हूं यो
बी जाणूं, के जो कंई हूं कई र्‌यो हूं
उकासे कंई जादा बड़ी के तू करेगा।
२२सातेज म्हारा रेवा को इन्तजाम
बी करजे क्योंके म्हारे आसा हे - के
तमारी परभु से करी गी पराथनाहुंण
से हूं तमारा कने पोंचायो जऊंवां।

आखरी नमसकार

२३[†] इपफ्रास, जो मसीह ईसु की वजासे
म्हारा गेले जेळ माय हे थारे नमसकार
के हे, २४[†] जो म्हारा साती मरकुस,
अरिस्तर्खुस, देमास, अने लूका जो म्हारा
गेले परभु को परचार करे, थारे नमसकार
के हे।

२५परभु ईसु मसीह की किरपा तमारा
सगळा की आतमाहुंण का गेले रे।
आमीन[c]

---

[c] **१.२५** आमीन; आमीन कंई-कइंका लेखहुंण माय हयनी।

[†] **१.२३:** कुलुस्सिहुंण १.७, ४.१२ [†] **१.२४:**
परेरितहुंण १२.१२, २५, १३.१३, १५.३७–३९, १९.२९, २७.२; कुलुस्सिहुंण ४.१०, १४; २ तीमुथियुस ४.१०, ११

इबराणिहुंण
का नामे चिट्ठी

लिखवा वाळो: नी मालम

लिखवा की वजा: मसीह म्हापुरोहित

लिखवा को बखत: करीब ६८ ईस्वी सन्

इनी चिट्ठी के केने लिखी ऊको नाम नी द्यो हे, पण थोड़ाक बाइबल का जाणकारहुंण का मुजब इकी भासा अने बोली की वजासे यो अनुमान लगाड़े हे के हुई सके या चिट्ठी पोलुस नेज लिखी होय।

कइंबी होय इका माय मसीह की म्हेमा को बखाण कर्‌यो हे अने मसीह के उध्दार करवा वाळो, म्हापुरोहित अने कदी नी बदळवा वाळो परभु क्यो हे (१.३; २.१७; ४.१४-१६; ७.२५; १०.११-१३; १३.८)। इका माय मसीह की म्हानता अने बिसास का जीवन पे बिचार कर्‌यो हे।

रुप-रेखा

१. मसीह सगळा से ऊंचो *१.१-१०.१८*
(क) नबिहुंण से ऊंचो *१.१-३*
(ख) सरगदूतहुंण से ऊंचो *१.४-१४*
पेली चेतावणी, नी माननो *२.१-४*
(ग) मूसा से ऊंचो *३.१-६*
दूसरी चेतावणी; अबिसास *३.७-१९*
(घ) यहोसू से ऊंचो *४.२-१०*
तीसरी चेतावणी: अबिसास *४.१,११-१३*
(ड) हारुन से ऊंचो *४.१४; ५.१०*
चोथी चेतावणी: नादानी *५.११-६.२०*
(च) लेवी पुरोहितहुंण से ऊंचो *७.१-२८*
(छ) जूना करार से ऊंचो *८.१-१३*
(ज) बलिदान अने नेम-बिधान से ऊंचो *९.१-१०.१८*
२. बिसास की ऊंचई *१०.१९-१३.२१*
(क) परमेसर तक पोंचवा को मारग *१०.१९*

पांचवी चेतावणी: मरजी को पाप १०.२६-३१
(ख) जग माय जीवन को मारग १०.३२-११.४०
(ग) परमेसर की सन्तान सरु परख १२.१-१३
छटवीं चेतावणी: धरम के त्यागणो..... १२.१४-१७
(घ) सरग को खास हक पावा को मारग १२.१८-२४
सातवीं चेतावणी: नी माननो १२.२५-२९
(ड) मनखहुंण माय फरज निभावा को मारग १३.१-२१
३. निचोड़ अने नमसकार १३.२२-२५

अदरे दई सगळी चेतावणिहुंण को यो सार हे: "होसियार रो अने उना बोलवा वाळा के नकारो मती" (१२.२५)। इनी चिट्ठी माय बिसासिहुंण के जोस देवाड़्यो हे के वी अपणा बिसास माय अगड़े बड़े अने आतमिक माईथी माय पछड़े नी सरके (४.१,११,१४,१६; ६.१; १०.२२,२३,२४; १२.१,२८; १३.१३,१५)।

परमेसर ने हमार से अपणा बेटा का मिसे पक्की बात-चित करी

१ जूना बखत माय परमेसर ने नबिहुंण का मिसे नरी-तरा से नरा बखतहुंण पे घड़ी-घड़ी हमारा पूरखाहुंण से बात-चित करी। २पण इना आखरी का दनहुंण माय हमार से अपणा बेटा का मिसे बात-चित करी, जेके उने सगळी चीजहुंण पे हक द्यो अने जेका मिसे उने आखा जगत के बी रच्यो। ३उ बेटो परमेसर की म्हेमा को तेज-मण्डळ हे अने उका खुद का रुप को साकसात परतिनिधि। बेटो अपणी सामरत का बचन से सगळी चीजहुंण के समाळे हे। उने पापहुंण के धोया अने उ उंचा पे म्हामहिम याने परमेसर का सुदा हाताड़ी मान अने सामरत का साते बेठी ग्यो।

ईसु सरगदूतहुंण से म्हान हे

४असतरा उ बेटो सरगदूतहुंण से उतरोज उत्तम बणी ग्यो जितरो के उणका नामहुंण से उ नाम उत्तम हे जो उके वारिस हुई के मिळ्यो। ५† क्योंके परमेसर ने सरगदूतहुंण माय से कदे कइंका से यो क्यो के,

"तू म्हारो बेटो हे,
आज म्हने थारे पेदा कर्‌यो

अने फेर यो बी नी क्यो के,

"हूं उको बाप रुंवां,
अने उ म्हारो बेटो रेगा।"

६† पण जदे पेली अने खास ओलाद के जग माय मोकले तो के हे:

"परमेसर का सगळा सरगदूत उका
अगड़े नमे।"

७† तो सरगदूत का बारामें परमेसर के हे,

---

† **१.५:** भजन संहिता २.७; २ सेमुएल ७.१४; १ इतयास १७.१३
† **१.६:** नेम-बिधान ३२.४३
† **१.७:** भजन संहिता १०४.४

"उ अपणा सरगदूत के बायरो
बणाय
अने अपणा सेवकहुंण के लाय की
लपट बणाय।"
८† पण अपणा बेटा का बारामें परमेसर
के हे:
"हे परमेसर! थारो राज[a] सदा-सदा
को हे!
थारा राज को राजदण्ड न्याव को
राजदण्ड हे।
९तने धारमिकता से परेम अने
पापहुंण से घिरणा करी।
इनी वजासे परमेसर, थारा परमेसर
ने छांट्यो,
थारा सातिहुंण का बजाय आनन्द
का तेल से
थारो जादा अभिसेक कर्‌यो हे।"†
१०† अने सासत्तर माय लिख्यो हे,
"हे परभु, जदे जगत को जनम हुई
र्‌यो थो तने धरती की नीम
राखी,
अने ई सगळा सरग थारा हात
का बण्या हे।
११वी खतम हुई जायगा, पण तू
हमेस्या बण्यो रेगा।
वी सगळा लतरा सरीका जूना हुई
जायगा।
१२तू उणके चादरा सरीको लपेटी लेगा
अने वी लतरा सरीका बदळी बी
जायगा।
पण तू एक सरीको बण्यो रे हे,
अने थारा बरसहुंण को अंत कदी
नी होयगा।"†
१३† पण परमेसर ने सरगदूतहुंण माय से
कदी नी क्यो के,
"जदत्तक हूं थारा बेरिहुंण के
थारा पग तळे की चोकी बणई नी
लाखुं
तू म्हारा गेले राज कर।"[b]
१४तो सगळा सरगदूत मुक्ती पावा
वाळाहुंण की सेवा सरु मोकल्या ग्या
मदद करवा वाळी आतमाहुंण हे।

मुक्ती का बारामें चेतावणी

२ इनी वजासे, हमारे यो चइये के
जो कंई हमने परमेसर का बेटा
का बारामें सुण्यो हे, उका पे हजु जादा
गेरई से ध्यान दां, असो नी होय के
हम उकासे भटकी जावां। २परमेसर का
नेम-बिधान जो सरगदूतहुंण ने परबचन
माय द्‌या असरदार था, अने हरेक कसूर
करवा वाळा अने हुकम नी मानवा वाळा
के सई-सई नतीजो मिळ्यो। ३तो अगर
हम उकासे असी म्हान मुक्ती के ठुकरई
दां, तो हम कसे बची सकांगा? इनी मुक्ती
को बखाण पेलांपेल परभु ईसु ने कर्‌यो
थो, अने फेर जेना चेलाहुंण ने इके सुण्यो
थो उणने हमारा सरु इको बखाण कर्‌यो।
४परमेसर ने बी सेलाणिहुंण, अचरजहुंण,
अने तरा-तरा का अचम्बा से भर्‌या होया

---

[a] **१.८** परमेसर! थारो राज; या परमेसर! तमारो राज। [b] **१.१३** जदत्तक ... राज कर; पण बेटा से क्यो हे।

† **१.८–९:** भजन संहिता ४५.६–७ † **१.९:** भजन संहिता ४५.६-७

† **१.१०–१२:** भजन संहिता १०२.२५–२७ † **१.१२:** भजन संहिता १०२.२५-२७

† **१.१३:** भजन संहिता ११०.१

कामहुंण अने पवित्तर आतमा का उनी
भेंटहुंण से जो उकी मरजी का मुजब
बांट्या था, इकी गवई दे हे।

मुक्तीदाता मसीह के मनख की काया के धारण करनों

५उना आवा वाळा जगत के, जेकी
चरचा हम करी र्या हे, परमेसर ने
सरगदूतहुंण का जुम्मे नी कर्या ६† बल्के
सासत्तर माय कइंकी जगा पे कइंका ने
या गवई दई हे:

"मनख कंई हे के तू उकी सुद्द ले
हे?
या मनख को बेटो कंई हे, जेका
सरु तू फिकर करे?
७तने थोड़ाज बखत सरु मनख के
सरगदूत से नानो कर्यो।
तने उका पे म्हेमा अने मान को
मोड़ राख्यो, अने अपणा हातहुंण
का कामहुंण पे उके हक द्यो हे।
८ तने सगळो कंई उका पगहुंण तळे
करी लाख्यो

इकासरु जदेकि उने[c] सगळो कंई उका
बस माय करी लाख्यो, तो उने कंई बी
अपणा कने नी राख्यो जो उका बस माय
रे: पण हम अब तक उका बस माय नी
देखां। ९पण हम उके याने ईसु के देखां हे,
जेका बस माय सगळो कंई हे। ईसु थोड़ाक
बखत सरु सरगदूतहुंण से नानो कर्यो
थो, अने परमेसर की किरपा से उ हरेक
सरु मोत को सुवाद चाखे। मोत को दुःख
झेलवा की वजासे अबे म्हेमा अने मान को
मोड़ पेरता होया देखां हे। १०क्योंके परमेसर
जेकासरु सगळो कंई हे अने जेकासे सगळो
कंई बण्यो हे, तो उका सरु यो ठीक थो के
नरा बेटाहुंण के अपणी म्हेमा माय लावा
सरु उणकी मुक्ती करवा वाळा याने ईसु के
दुःख झेलवा से सिद्द करे।

११तो पवित्तर करवा वाळो ईसु अने
जिणके पवित्तर करे सगळा एकज कुटम
से हे, इनी वजासे, ईसु उणके भई-बेनहुंण
केवा माय नी लजाय। १२† ईसु परमेसर
से के हे,

"हूं अपणा भई-बेनहुंण माय थारा
नाम को परचार करुंवां;
उणकी सबा का अदाड़ माय थारी
परसंसा को भजन गउंवां।"

१३† अने पाछो के, "हूं उको भरोसो
करुंवां।"[d] अने फेर यो बी के हे, "हूं यां
हूं अने ई बाळकहुंण बी जो परमेसर ने
म्हारे द्या हे।"

१४तो जसतरा बाळकहुंण मांस अने लोई
माय मिळ्या रे, तो ईसु खुद बी मनख-रुप
बणी ग्यो के अपणी मोत से उ सेतान के
खतम करी लाखे जेका कने मारी लाखवा
की ताकत हे। १५असतरा उना मनखहुंण
की मुक्ती करी दे जो मोत का डर से आखी
जिनगी गुलामी माय पड़्या था। १६† क्योंके
यो पक्को, के उ सरगदूतहुंण के नी पण
इबराइम का बंस[e] के समाळे हे। १७इनी

---

[d] **२.१३** हूं उको भरोसो करुंवां; दुःख अने मोत मायज ईसु ने क्यो के, "हूं परमेसर को भरोसो करुंवां।" इका से उना बिसासिहुंण सरु नमुनो हुई ग्यो जो दुःख उठई र्या हे। [e] **२.१६** इबराइम का बंस; याने हम जो इबराइम सरीका परमेसर पे बिसास करां।

† **२.६–८:** भजन संहिता ८.४–६ [c] **२.८:** भजन संहिता ८.४-६ † **२.१२:** भजन संहिता २२.२२
† **२.१३:** यसायाह ८.१७, १८ † **२.१६:** यसायाह ४१.८–९

वजासे उका सरु यो जरुरी होयो के सगळी बातहुंण माय अपणा भई-बेनहुंण सरीको बणे, जेकासे के उ परमेसर की सेवा माय दयालु अने बिसास करवा लायक म्हापुरोहित बणी सके ताके लोगहुंण का पापहुंण की मांफी देवाड़वा सरु बली दई सके। १८ईसु ने खुद, उना बखत जदे उ अजमायो जई र्‌यो थो दुःख भोग्यो हे। तो उ उणकी बी मदद करी सकवा माय सामरती हे जो अजमाया जई र्‌या हे।

ईसु यहूदिहुंण का जूना नबी मूसा से बी मोटो

३ इकासरु, हे पवित्तर भई-बेनहुंण, तमारी जो सरग आड़ी का बुलाड़वा माय हिस्सादारी हे, ईसु पे ध्यान धरो जेके हमारा बिसास मुजब परमेसर को मोकल्यो होयो अने म्हापुरोहित मान्यो हे। २† जसतरा परमेसर का आखा घराणा माय मूसा बिसास लायक बण्यो र्‌यो, वसेज ईसु बी जेने उके नियुक्त कर्‌यो थो उना परमेसर सरु बिसास लायक बण्यो र्‌यो। ३जसे घर के बणावा वाळो घर की बजाय जादा मान को रे, वसेज ईसु बी मूसा की बजाय घणो मान अने म्हेमा लायक समज्यो जाय हे। ४क्योंके हरेक घर को बणावा वाळो कईं को ने कईं को रे हे, पण हरेक चीज को रचवा वाळो परमेसर ही हे। ५परमेसर का आखा घराणा माय मूसा तो एक दास सरीको बिसास लायक र्‌यो। उ उनी बातहुंण को गवा थो जिणको बखाण आवा वाळा बखत माय मसीह करवा वाळो थो। ६पण मसीह तो बेटा सरीको परमेसर का घराणा को हाकिम हे। अने अगर हम अपणी हिम्मत अने मसीह पे आसा माय बिसास बणई राखां तो हमीज उका घराणा हे।

परमेसर का लोगहुंण सरु अराम की जगा

७† तो जसो पवित्तर आतमा, सासत्तर माय के हेः

"अगर आज तम परमेसर की बाणी सुणो,
८ तो अपणा हिरदा के असो काठो मती करजो
जसो के तमारा पूरखाहुंण ने बगावत करी थी,
जदे रेगसतान माय उणने परमेसर के अजमायो थो।
९म्हारे तमारा पूरखाहुंण ने परख्यो थो, उणने म्हारी जिरना के अजमई थी
अने म्हारा काम देख्या, जिणके हूं चाळीस बरस से करतो र्‌यो!
१०तो म्हने इनी पीड़ी से करोध करिके के क्यो,
'तमारा हिरदा हमेस्या भटक्या रे हे,
अने तमने म्हारा मारगहुंण के नी जाण्या हे।'
११तो म्हने अपणा करोध माय सोगन खई के,
'तम म्हारी अराम की जगा माय कदी नी जई सकोगा!' "†

† **३.२:** गिणती १२.७ † **३.७–११:** भजन संहिता ९५.७–११ † **३.११:** भजन संहिता ९५.७-११

१२हे भई-बेनहुंण होसियार री जो, कंई
असो नी होय के तमारा माय से कइंका
को हिरदो दुस्ट अने अबिसासी हुई जाय
अने तम जीवता परमेसर से दूरा हुई
जाव। **१३**बल्के जदत्तक यो 'आज' को
दन केवाय हे, तम हरदन एक दूसरा के
दिलासो दो कंई असो नी होय के तमारा
माय से कईं को पाप का छळावा माय
पड़ी के काठो बणी जाय। **१४**अगर हम
आखरी तक मजबूती का साते अपणा
सुरु का बिसास के थाम्या राखां तो हम
मसीह का हिस्सादार बणी जावां हे।

१५† जदके पवित्तर सासत्तर माय यो
बी क्यो हे:

"अगर आज तम परमेसर की बाणी
सुणो,
तो अपणा हिरदा के असो काठो
मती करो
जसाके तमारा पूरखाहुंण ने उना
बखत बगावत करी थी।"

१६† भला वी कुंण था जिणने सुण्यो
अने बगावत करी? कंई वी वीज नी
था जिणके मूसा ने मिसर देस से बचई
हेड़्या था? **१७**परमेसर कां का लोगहुंण
पे चाळीस बरस तक करोध करतो र्‌यो?
कंई उणका पे नी जिणने पाप कर्‌या
अने जिणकी लास बियाबान मांळ माय
पड़ी री?† **१८**उने किणका से सोगन खई
के "तम म्हारी अराम की जगा माय
जई नी सकोगा?" कंई उणका से नी
जिणने हुकम नी मान्यो? **१९**तो हम
देखां हे, के अबिसास की वजासेज वी
अराम की जगा पे जावा माय सफल
नी होया।

४ इकासरु जदके उनी अराम की
जगा माय जावा की परमेसर की
परतिज्ञा अबी तक बणी हुई हे तो हमारे
होसियार रेणो चइये, कंई असो नी होय
के तमारा माय से कईं को अराम की
जगा माय नी जई सके। **२**क्योंके हमारे
बी पूरखाहुंण सरीको सुब-समिचार को
परबचन सुणायो, पण उना सुण्या होया
परबचन से उणके कंई फायदो नी होयो,
क्योंके सुणवा वाळाहुंण ने उके बिसास
का साते नी मान्यो। **३**† तो सिरप हमने
जिणने बिसास कर्‌यो हे, अराम की जगा
माय जाणे पावां हे। जसो परमेसर ने
अबिसासी का बारामें क्यो बी हे:

"जसो के म्हने अपणा करोध माय
सोगन खई,
के वी कदी म्हारी अराम की जगा
माय जई नी सकेगा।"

हालाके जगत की रचणा का बखत से
परमेसर की अराम की जगा पूरण बणी
चुकी थी। **४**† क्योंके उने सातवां दन का
बारामें सासत्तर माय कइंकी जगा असतरा
क्यो हे, "परमेसर ने सातवां दन अपणा
सगळा काम करिके अराम कर्‌यो," **५**†
पण पाछो यो बी क्यो: "वी म्हारी अराम
की जगा माय जई नी सकेगा।" **६**अने
जिणने पेलां उको सुब-समिचार सुण्यो
थो, वी हुकम नी मानवा की वजासे
अराम की जगा माय जई नी सके, जदके
दूसरा थोड़ाज लोगहुंण के उनी जगा का

---

† **३.१५:** भजन संहिता ९५.७–८ † **३.१६–१८:** गिणती १४.१–३५ † **३.१७:** गिणती १४.२९-३२
† **४.३:** भजन संहिता ९५.११ † **४.४:** उत्पत्ती २.२ † **४.५:** भजन संहिता ९५.११

भित्तरे जाणोज हे। ७† इकासरु परमेसर
ने पाछो एक खास दन पक्को कर्‌यो अने
उके नाम द्‌यो, "आज को दन"। नरा
बरसहुंण का बाद दाऊद राजो परमेसर
आड़ी से सासत्तर माय बताड़े, जेको
बखाण हमने अबीहाल कर्‌यो,

"अगर आज तम उकी बाणी
सुणो,
तो अपणा हिरदा के काठो मती
करजो।"

८† अगर मूसा का चेला यहोसू ने
इसराइलहुंण के अराम द्‌यो होतो, तो
परमेसर इका बाद आवा वाळा दन की
चरचा नी करतो। ९इकासरु परमेसर का
लोगहुंण सरु सबद् को अराम बाकी हे।†
१०† क्योंके जो परमेसर की अराम की
जगा माय जई चुक्या, वी बी अपणा
कामहुंण से अराम करी चुक्या हे, जसे
परमेसर ने कर्‌यो थो। ११इकासरु हम
बी अराम की जगा माय जावा सरु
कोसिस करता रां, कंई असो नी होय
के इसराइलहुंण सरीका हुकम नी मानवा
की वजासे हमारा माय कइंका मनख को
नास हुई जाय।

१२क्योंके परमेसर को बचन जीवतो,
ताकतवर, अने दोई आड़ी धार वाळी
तरवार से तीखो हे। उ पराण अने
आतमा, जोड़-जोड़, अने मांस-मांस, दोई
के आर-पार छेदी लाखे अने हिरदा का
बिचारहुंण अने भाव के जांचे हे। १३जेको
हमारे लेखो-जोखो देणो पड़ेगा, उकी नगे
माय कईं को पराणी छिपी नी सके।
परमेसर की नगे का सामे सगळो कंई
खुल्यो अने उघड़्यो हे।

मोटो म्हापुरोहित

१४हमारो असो मोटो म्हापुरोहित हे,
याने परमेसर को बेटो ईसु, जो सरगहुंण
माय से हुई के परमेसर का सामे से ग्यो।
तो हम अपणा मान्या अने घोसणा कर्‌या
होया बिसास के मजबूती से थाम्या रां।
१५क्योंके हमारो असो म्हापुरोहित हयनी
जो हमारी कमजोरिहुंण माय हमारा दुःख
के देखी के दुःख्यो नी होय। उ तो सगळी
बातहुंण माय हमाराज सरीको जांच्यो,
फेर बी हमेस्या पाप से रीतो र्‌यो। १६तो
फेर आव, हम भरोसा का साते किरपा
पाणे परमेसर का सिंगासण कने आंवां के
हमार पे दया होय अने किरपा पावां के
जरुवत का बखत हमारी मदद हुई सके।

५ हरेक म्हापुरोहित मनखहुंण माय
से छांट्‌यो जाय हे। अने मनखहुंण
आड़ी से परमेसर से नाता का कामहुंण
सरु राख्यो जाय हे, के पापहुंण सरु
चड़ावो अने बलिदान दोइज चड़ाया करे।
२उ नासमज्या अने भुल्या-भटक्या सरु
कोमलता से बरताव करी सके, क्योंके उ
खुद बी कमजोरिहुंण माय घिर्‌यो रे हे।
३† इनी वजासे उके नी सिरप लोगहुंण
सरु पण अपणा पापहुंण सरु बी बलिदान
चड़ाणो पड़े। ४† यो मान कईं को खुदज
नी ले, पण परमेसर आड़ी से तेड़्या जावा
पे उके मिळे हे, जसे के मूसा का मोटा
भई हारुन के बी तेड़्यो थो।

---

† **४.७:** भजन संहिता ९५.७–८ † **४.८:** नेम-बिधान ३१.७; यहोसू २२.४ † **४.९:** मत्ती ११.२८;
† **४.१०:** उत्पत्ती २.२ † **५.३:** लेव्यव्यवस्था ९.७ † **५.४:** निरगमन २८.१

५† असतरा मसीह ने बी म्हापुरोहित
बणवा को मान खुदज नी ल्यो, पण
परमेसर नेज जेने उकासे क्यो,
"तू म्हारो बेटो हे,
आज हूं थारो पिता होयो हूं।"
६† असतरा परमेसर एक दूसरी जगा पे
के हे,
"तू मलिकिसिदक[f] की रीति पे
हमेस्या को पुरोहित हे।"
७† ईसु ने इनी धरती पे काया का
जीवन काल माय परमेसर से जो उके
मोत से बचई सकतो थो, उंची अवाज
माय हेला पाड़ता होया अने रोता होया
पराथनाहुंण अने बिणतिहुंण करी, अने
उका समरपण की वजासे परमेसर ने उके
सुणी थी। ८जदके उ परमेसर को बेटो
थो फेर बी दुःख झेलता होया उने हुकम
माननो सीख्यो। ९अने एक कावा सिद्ध
बणी जावा पे उना सगळा सरु जो उका
हुकम के माने हे, उ हमेस्या की मुक्ती
को झरणो बणी ग्यो, १०अने परमेसर
आड़ी से मलिकिसिदक[g] की रीति माय उ
म्हापुरोहित बणी ग्यो।

सच्चई का रस्ता से नी भटकवा सरु चेतावणी

११इका बारामें हमारे नरो कंई केणो हे,
जेके तमारे समजाणो अबगो हे, क्योंके
तम धीरे-धीरे समजो हो। १२† तमारे तो
अबे तक सिक्छक हुई जाणो चइये थो -
फेर बी यो जरुरी हुई ग्यो हे के कई को
तमारे परमेसर का बचन के नवा सिरा से
सुरु से भणावे। तो तमारे बस अबी दूदज
चइये ठोस खाणो नी खई सको। १३जो
अबी धावण्या बाळकीज हे, वी धरम का
बचन की समज माय हयनी, क्योंके वी
अबी बाळक हे। १४पण ठोस खाणो तो
बड़ा मनखहुंण सरुज हे, जिणने अपणी
माईथी से अच्छा-बुरा माय पेचाण करनों
सीखी ल्यो हे।

६ इकासरु हम मसीह का बारामें
सुरु की सीख के छोड़ी के, सिद्धता
आड़ी बड़ता जावां। याने जो हमारे मोत
आड़ी लई जाय असा कामहुंण से मन
बदळवा, परमेसर पे बिसास करवा,
२बपतिसमाहुंण[h] अने आसिरबाद सरु
हात राखणो, अने मर्‌याहुंण के जी उठवा
अने सदा का न्याव की सीख की नीम
पाछी नी पाड़ां। ३अगर परमेसर चाय तो
हम असेज सिद्धता आड़ी बड़ता जावांगां।
४क्योंके जो लोगहुंण एक कावा
उजाळो पई चुक्या अने सरग का
बरदानहुंण को सुवाद चाखी चुक्या
अने पवित्तर आतमा का हिस्सादार
हुई ग्या हे, ५अने परमेसर का अच्छा
बचन की अने आवा वाळा जुग की
ताकत की माईथी पई चुक्या हे। ६तो
अगर वी भटकी जाय तो उणके हिरदो-
बदळवा सरु पाछो नवो बणाणो अबगो
हे, क्योंके वी अपणा नुकस्यान सरु

---

[f] **५.६** मलिकिसिदक; मलिकिसिदक नामको हारुन से पेलां को एक पुरोहित अने राजो थो। जेकी मोत अने बंस का बारामें कंई नी लिख्यो हे (इबराणी ७.३, उत्पत्ती १४.१७-२०)।

[g] **५.१०, ५.६** मलिकिसिदक; (देखो ५.६)। [h] **६.२** बपतिसमाहुंण; या पवित्तर करवा की रीति।

† **५.५:** भजन संहिता २.७ † **५.६:** भजन संहिता ११०.४

† **५.७:** मत्ती २६.३६–४६; मरकुस १४.३२–४२; लूका २२.३९–४६ † **५.१२–१३:** १ कुरिन्थिहुंण ३.२

परमेसर का बेटा के पाछो कुरुस पे
लटकाय हे अने सगळा का सामे उको
मान-पाड़े हे।
७जो जमीन घड़ी-घड़ी होवा वाळी
बरसात का पाणी के प्ये अने जोतवा-
बोवा वाळाहुंण सरु फायदा वाळी
साग-भाजी पेदा करे हे, वा परमेसर
से आसीस पाय हे। ८† पण अगर वा
कांटा अने आदासीसी उगाड़े, तो वा
बेकार की जमीन हे अने सापित पड़त
होवा को डर हे। अने आखर माय उके
बाळी लाखे।
९पण परमिला दोसहुंण, जदके हम
असतरा कां हे, तो तमारा बारामें हमारे
इका से बी अच्छी बातहुंण को बिसास
हे, याने वी बात जिणको मुक्ती से नातो
हे। १०क्योंके परमेसर अन्यावी हयनी के
तमारा काम अने उना परेम के बिसरई
दे जो तमने उका नाम सरु परभु का
पवित्तर लोगहुंण की सेवा करिके बताड्यो
- अने अबे बी करी र्‌या हो। ११हम चावां
के तमारा माय से हरेक जिनगी भर
असीज कठण म्हेनत करतो रे। अगर
असाज करी र्‌या हो तो तम पक्कोज
उके पई जावगा जेकी आसा करी र्‌या
हो। १२हम या नी चावां के तम आळसी
हुई जाव। बल्के तम उणका पाछे चलो
जो बिसास अने जिरना का साते उनी
चीजहुंण के पई र्‌या हे जिणको बचन
परमेसर ने द्‌यो थो।

परमेसर की पक्की परतिज्ञा

१३जदे परमेसर ने इबराइम से परतिज्ञा
करी थी, तो क्योंके उकासे मोटो कई को
थोज नी, जेकी सोगन खातो, इकासरु खुद
की सोगन खई के, उ १४† केवा लाग्यो,
"पक्को हे के हूं थारे आसिरबाद दूंवां अने
हूं थारे नरा कुळहुंण दूंवां।" १५अने असतरा
जिरना का साते बाट-जोई के इबराइम ने
उ पायो जेकी उकासे परमेसर ने परतिज्ञा
करी थी। १६मनख तो अपणा से मोटा
की सोगन खाय हे, अने उनी बातहुंण के
पक्को करवा वाळी या सोगन उणका हरेक
बिवाद के खतम करे। १७जेके देवा की
परमेसर ने परतिज्ञा करी थी, अने जेना
लोगहुंण के पाणो थो, उणका सरु परमेसर
अपणा उद्देस के पूरण तरा से साफ करनों
चातो थो। याने उ अपणा उद्देस के कदी नी
बदळेगा। इकासरु अपणा बचन का साते
उने खुद की सोगन जोड़ी लाखी। १८यां दो
अटळ बातहुंण हे - परमेसर की परतिज्ञा
अने उकी सोगन - जो कदी नी बदळी सके
अने जिणका बारामें परमेसर कदी झुंट नी
कंई सके। इकासरु हम जो परमेसर कने
बचवा सरु आया हे अने जो आसा उने
हमारे दई, उके पकड़्या होया घणा खुस हे।
१९† या आसा जसे के हमारी आतमा सरु
लंगर सरीकी हे - आसा जो पक्की अने
मजबूत हे, अने जो परदा का भित्तरे[i] तक
जाय हे, २०† जां ईसु हमारा आड़ी से हमार

---

[i] **६.१९** परदा का भित्तरे; पवित्तर जगा से म्हापवित्तर जगा जेका माय सिरप म्हापुरोहित बरस माय एकज कावा गाडरा को लोई लई के जाय हे जो परदा का बायरे उबो रे हे। पण ईसु मसीह म्हापुरोहित हुई के बड़ी उम्मेद का साते जो सरग माय खास म्हापवित्तर जगा थी जां परमेसर रेतो थो जई पोंच्यो।

† **६.८:** उत्पत्ती ३.१७–१८ † **६.१४:** उत्पत्ती २२.१६–१७ † **६.१९:** लेव्यव्यवस्था १६.२

† **६.२०:** भजन संहिता ११०.४

से पेलां ग्यो। उ मलिकिसिदक[j] पुरोहित की रीति माय हमेस्या सरु म्हापुरोहित बणी ग्यो।

पुरोहित मलिकिसिदक

७ [†] यो मलिकिसिदक सालेम को राजो, अने परमेसर को सगळा से मोटो पुरोहित बी थो। जदे इबराइम राजाहुंण के मारी के पाछो अई र्‌यो थो तो मलिकिसिदक उकासे मिळ्यो अने उके आसिरबाद द्‌यो। २अने इबराइम ने उके उना सगळा माय से जो उने लड़ई माय लुट्‌यो थो उको दसवों हिस्सो द्‌यो। मलिकिसिदक अपणा नाम का अरथ का मुजब पेलां तो 'धारमिकता को राजो,' अने इका बाद सालेम को राजो याने सान्ती को राजो हे। ३इको नी तो कईं को बाप, नी मां, अने नी उका पूरखाहुंण को कंई पतो चले। उका जनम अने उकी मोत को बी कंई-कोई बखाण हयनी। परमेसर का बेटा सरीकोज हमेस्या-हमेस्या सरु पुरोहित बण्यो रे हे।

४थोड़ोक ध्यान-धरो के यो मनख कसो म्हान थो जो हमारा कुळ का मूळ इबराइम तक ने लुट्‌या होया माय से दसवों हिस्सो द्‌यो। ५अबे देखो, मूसा का नेम-बिधान मुजब लेवी का कुळ से जो पुरोहित[k] बणे हे, लोगहुंण से याने अपणाज भई-बन्दहुंण से दसवों हिस्सो ले हे, जदके उणका वी भई-बन्दहुंण इबराइम का कुळ का हे।[†] ६पण इने जो उणका कुळ को नी थो, याने मलिकिसिदक ने, इबराइम से दसवों हिस्सो ल्यो अने उके आसीस दई जेका कने परमेसर की परतिज्ञाहुंण थी। ७इका माय सक हयनी के जो आसिरबाद दे हे, उ आसिरबाद लेवा वाळा से मोटो रे हे। ८जां तक इबराइम का कुळ का पुरोहितहुंण को सवाल हे, उणका माय दसवों हिस्सो उना मनखहुंण आड़ी से भेळो कर्‌यो जाय हे जो मरवा वाळा हे। पण मलिकिसिदक को जां तक सवाल हे दसवों हिस्सो भेळो कर्‌यो जाय हे जो धरम सासत्तर मुजब अबी जीवतो हे। ९तो फेर कईं को यां तक कई सकतो हे, के उ लेवी जो दसवों हिस्सो भेळो करे उने इबराइम से दसवों हिस्सो मलिकिसिदक के देवाड़्‌यो। १०क्योंके उना बखत उ अपणा पिता इबराइम की काया मायज थो जदे मलिकिसिदक इबराइम से मिळ्यो थो।

११अगर लेवीय का नाते पुरोहित-पद आड़ी से सिद्दता मिळे - क्योंके इका मिसे तो उनी परजा के नेम-बिधान मिळ्यो - तो फेर असा पुरोहित के उबा रेवा की कंई जरुवत थी जो मलिकिसिदक[l] की रीति का मुजब तो रे, पण हारुन की रीति मुजब नी केवाय? १२अबे पुरोहित-पद बदळे हे तो जरुवत की वजासे नेम-बिधान माय बी बदळाव होय हे। १३तो

---

[j] **६.२०, ७.११, ७.१७** मलिकिसिदक; (देखो ५.६)। [k] **७.५** लेवी का कुळ से जो पुरोहित; लेवी याकूब को बेटो अने इबराइम को पोतो थो। मूसा का नेम-बिधान के पाळण करवा सरु लेवी के बारा कुळ माय से छांटी ल्यो थो के उ बाचा का तम्बू अने मन्दर की सेवा करे।

[l] **७.११, ७.१७, ६.२०** मलिकिसिदक; (देखो ५.६)।

[†] **७.१–२:** उत्पत्ती १४.१७–२० [†] **७.५:** गिणती १८.२१

जेना मनख का बारामें ई बातहुंण कई गी
हे, याने हमारा परभु ईसु, उ कइंका दूसरा
असा कुळ को जो यहूदा केवाय हे, जेका
माय से कईं को बी पुरोहित का रुप माय
बेदी को सेवक नी बण्यो। १४क्योंके यो
तो साफ हे के हमारो परभु ईसु यहूदा का
कुळ को थो, अने मूसा ने उना कुळ सरु
पुरोहितहुंण का बारामें कइंनी क्यो थो।

ईसु मलिकिसिदक सरीको हे

१५या बात जदे हजु बी साफ हुई जाय
हे जदे मलिकिसिदक सरीको कईं को
दूसरो पुरोहित परगटतो। १६ईसु अपणी
बंसावली का नेम का अधार पे नी, बल्के
एक अजर-अमर जीवन की सामरत
पे पुरोहित बण्यो हे। १७† क्योंके उका
बारामें सासत्तर माय या गवई दई थी,
"तू मलिकिसिदक[m] की रीति मुजब
हमेस्या को पुरोहित हे।" १८तो पेलो नेम
इकासरु परमेसर ने रद्द करी द्यो क्योंके
उ कमजोर अने बेकार थो, १९क्योंके मूसा
का नेम-बिधान ने कइंका के पूरण रीति
से सिद्द नी कर्‌यो। पण दूसरा आड़ी एक
असी उत्तम आसा मसीह माय राखी हे,
जेकासे हम परमेसर कने आंवां हे।

२०या बात बी खास हे के परमेसर ने
ईसु का करार आड़ी से पुरोहित बणायो
थो। जदके लेविहुंण के बिना सोगन केज
पुरोहित बणाया था, २१† क्योंके वी लोग
बिना करार के पुरोहित बण्या था, पण
मसीह तो एक करार से पुरोहित बण्यो
थो, जदे परमेसर ने उकासे क्यो थो,

"परभु ने करार कर्‌यो हे
अने उ अपणो मत कदी नी
बदळेगा,
'तू हमेस्या को पुरोहित हे

२२इना करार की वजासे ईसु मूसा से
एक हजु अच्छा करार की जमानत बणी
ग्यो हे।

२३अबे देखो, पेलां तो असा घणा
पुरोहित होया करता था जिणके मोत
ने अपणा पदहुंण पे नी रेवा द्‌या।
२४पण ईसु अजर-अमर हे, इकासरु उको
पुरोहितपणो बी हमेस्या-हमेस्या बण्यो
रेवा वाळो हे। २५तो जो उका आड़ी से
परमेसर तक पोंचे हे, उ उणकी हमेस्या
सरु मुक्ती करवा की सकती राखे हे,
क्योंके उ उणका सरु बिणती करवा सरु
हमेस्या जीवतो हे।

२६यो ठीकज थो के हमारा कने असो
म्हापुरोहित रे जो पवित्तर, बिना दोष

याजक को बलिदान (HEB ७.२७)

---

[m] **७.१७, ६.२०, ७.११** मलिकिसिदक; (देखो ५.६)।

† **७.१७:** भजन संहिता ११०.४ † **७.२१:** भजन संहिता ११०.४

को, अने सुद्द, पापिहुंण से इकाड़ी, अने
सरगहुंण से बी उंचो कर्‌यो हे, २७† जेके
दूसरा म्हापुरोहितहुंण की तरा यो जरुरी
हयनी के हरदन पेलां अपणा पापहुंण
सरु अने पाछे अपणी परजा का पापहुंण
सरु बलिदान चड़ावे, क्योंके ईसु ने
यो काम अपणे खुद के एकज कावा
बलिदान चड़ई के हमेस्या सरु पूरण
करी लाख्यो। २८मूसा का नेम-बिधान तो
कमजोर मनखहुंण सरु म्हापुरोहित ठेराय,
पण परमेसर का करार जो नेम-बिधान
का बाद मिळ्या, उना बेटा के जो हमेस्या
सरु सिद्द कर्‌यो हे म्हापुरोहित ठेराय हे।

मसीह नवो करार को म्हापुरोहित

८ † अबे जो बातहुंण हम कई चुक्या
हे, उणका माय खास बात या हे के
हमारो असो म्हापुरोहित हे, जो सरगहुंण
माय म्हामहिम परमेसर की म्हेमा का
सिंगासण का सुदा हाताड़ी बिराजमान हे।
२उ उनी परम पवित्तर जगा अने सांचा
डेरा को सेवक बण्यो जेके मनख ने नी
पण, परभु परमेसर ने उबो कर्‌यो हे।
३हरेक म्हापुरोहित चड़ावो अने बलिदान
दोई केज चड़ावा सरु ठेराड़्यो जाय, तो
यो जरुरी हे के इना म्हापुरोहित याने
मसीह कने बी चड़ावा सरु कंई रे। ४अगर
उ धरती पे होतो तो कदी पुरोहित नी
रेतो, क्योंके वां पेलांसेज असा मनख हे
जो मूसा का नेम-बिधान मुजब चड़ावो
चड़ावे हे। ५† वी सिरप सरग की चीजहुंण
को रुप अने छायळा की सेवा असतरा
कर्‌या करे, जसतरा मूसा के, जदे उ
डेरो उबो करवा पे थो, परमेसर आड़ी से
चेतावणी मिळी थी, "देख, जो नमुनो
थारे परबत पे दिखाड़्यो थो उकाज मुजब
सगळो कंई बणाजे।" ६पण अबे ईसु के
उना पुरोहितहुंण का सेवाकाल से हजु बी
उंची सेवा मिळी हे, क्योंके उ उनी उत्तम
करार को बिचवई बण्यो जो हजु बी उत्तम
परतिज्ञाहुंण का सायरे बान्दी हे।
७अगर पेलो करार बिना खोट को
होतो, तो दूसरा करार की जरुवतज नी
रेती। ८† पण परमेसर के उना लोगहुंण
माय खोट मिळी तो

परभु ने क्यो, "उ बखत अई र्‌यो हे
जदे हूं इसराइल का घराणा अने
यहूदा[n] का घराणा का साते
नवो करार करुंवां।
९यो उना करार सरीको नी रेगा, जो
म्हने उणका पूरखाहुंण का साते
उना बखत बान्द्‌यो थो,
जदे उणके मिसर देस से हेड़ी
लावा सरु उणको हात पकड़्यो
थो।
इकासरु वी म्हारा करार माय
बिसासी नी हिट्‌या
म्हने उणकासे मुन्डो फेरिल्यो।
१०फेर परभु के हे, उना दनहुंण का
बाद
इसराइल का लोगहुंण का साते हूं
जो करार करुंवां, उ यो हे:

---

[n] ८.८ यहूदा; याकूब याने इसराइल का बारा बेटाहुंण माय से एक बेटा को नाम, उका बंसज यहूदिहुंण केवाया।

† **७.२७:** लेव्यव्यवस्था ९.७ † **८.१:** भजन संहिता ११०.१ † **८.५:** निरगमन २५.४०

† **८.८–१२:** यरमियाह ३१.३१–३४

हूं अपणा नेम-बिधान के उणका
मन माय लाखुंवां,
अने उके उणका हिरदा पे
लिखुंवां।
हूं उणको परमेसर रुंवां
अने वी म्हारा लोगहुंण रेगा।
११ उणका माय से कईं को जणो
अपणा पड़ोसिहुंण के असो नी
सीखाड़ेगा
अने नी अपणा भई-बन्द से केगा,
'परभु के पेचाणो,'
क्योंके नाना से लई के तो मोटा से
मोटा तक
सगळा का सगळा म्हारे
पेचाणेगा।
१२ क्योंके हूं उणका अधरम का बारामें
दयावान रुंवां,
अने उणका पापहुंण के कदी
रियाद नी करुंवां।"†
१३ जदे परमेसर ने क्यो, 'एक नवो करार,'
तो उने पेलां करार के जूनो करी द्यो,
क्योंके जो जूनो अने जरजर हुई र्यो हे,
उ खतम होवा पे हे।

डेरा माय उपासणा का जूना नेम

९ देखो, पेलां का करार माय बी
उपासणा का नेम था। अने एक
मनख का हात से बण्यो पवित्तर डेरो
बी थो। २† एक डेरो बणायो थो, जेका
पेलां का हिस्सा माय सरावला धरवा की
जगा, मेंज अने चड़ावा का रोटाहुंण था।
यो हिस्सो 'पवित्तर जगा' केवाय हे। ३†
दूसरा परदा का पाछे एक हजु कोठड़ी थी
जेके 'परम पवित्तर जगा' के हे। ४† उका
माय सुगन की चीजहुंण जळावा सरु
सुन्ना की एक धूप-बेदी थी। अने करार
को सन्दूक थो जो चारी आड़ी से सुन्ना
से मड़्यो थो। उना सन्दूक माय मन्ना[o]
से भर्यो होयो एक सुन्ना को बासण,
अने हारुन की वा लाकड़ी जेका पे कोंपळ
फुट्यई थी, अने करार की पट्टिहुंण थी।
५ बाचा का सन्दूक का अदरे परमेसर
की म्हेमा से भर्यो हाजरी का रुप माय
चळकण्यां करुब[p] बण्या था जो मांफी की
जगा पे छायळो करी र्या था।† पण इना
बखत हम इनी बातहुंण को पूरण रीति
से खुलासो नी करी सकता।
६† जदे ई चीजहुंण असतरा से तय्यार
हुई चुकवा का बाद पुरोहितहुंण बायरे
का डेरा माय हरदन जई के सेवा को
काम पूरण कर्या करता था, ७† पण
भित्तरे का दूसरा हिस्सा माय याने 'परम
पवित्तर जगा' माय सिरप म्हापुरोहित
जाया करतो थो अने उ बी एक बरस
माय एकज कावा, अने लोई ल्या बिना
नी जातो, जेके उ खुद का अने अपणा

---

[o] **९.४** मन्ना; एक तरा को भोजन सरग से धरती पे पड़्यो थो जदे इसराइलहुंण मिसर से हिट्या था तो परमेसर ने उणके खावा सरु असमान से मन्नो बरसायो थो। [p] **९.५** चळकण्यां करुब; एक तरा की सरगदूतहुंण, जो परमेसर का सामे सदा हाजिर हे।

† **८.१२:** यरमियाह ३१.३१-३४ † **९.२:** निरगमन २६.१–३०, २५.३१–४०, २३–३०

† **९.३:** निरगमन २६.३१–३३

† **९.४:** निरगमन ३०.१–६, २५.१०–१६, १६.३३; गिणती १७.८–१०; निरगमन २५.१६; नेम-बिधान १०.३–५

† **९.५:** निरगमन २५.१८-२२ † **९.६:** गिणती १८.२–६ † **९.७:** लेव्यव्यवस्था १६.२–३४

लोगहुंण का अण्जाण्या माय कर्‌या पापहुंण सरु चड़ावो चड़ातो थो। ८इका से पवित्तर आतमा यो दरसाणो चाय के जदत्तक बायरे को पेलो डेरो अबी उब्यो हे, तदत्तक 'परम पवित्तर जगा' को मारग सगळा लोगहुंण पे नी परगट होयो। ९यो डेरो तो आज का बखत सरु सेलाणी हे, जेका मुजब असो चड़ावो अने बलिदान चड़ायो जाय हे, जो उपासणा करवा वाळा की समज के साफ नी करी सके। १०ई तो सिरप खाणे-पीणे अने खुद के पाणी से साफ करनों सरीका जसा नरा बायरे का जूना नेम-बिधान हे, अने नवा नेम-बिधान का बखत तकिज लागु रे हे।

मसीह का लोई

११पण जदे मसीह आवा वाळी भली बातहुंण को म्हापुरोहित हुई के परगट होयो,[q] तो उ हजु बी सरग का बड़ा अने सिद्द डेरा माय हुई के ग्यो जो हात का बणाया होया याने इना जगत का नी हे। १२अने बोकड़ाहुंण अने बचड़ाहुंण का लोई से नी बरण खुद अपणा लोई से हमेस्या सरु एकज कावा परम पवित्तर जगा माय ग्यो थो। असतरा उने हमारा सरु पापहुंण से छुटकारो हमेस्या सरु पक्को करी लाख्यो। १३मूसा का नेम-बिधान मुजब बोकड़ाहुंण अने सांडहुंण को लोई[†] अने केड़िहुंण की भभुत के[†] असुद्द लोगहुंण पे छिड़क्यो जाणो काया की सुद्दता सरु पवित्तर करे हे। १४जदे यो सांची हे तो मसीह को लोई हजु कितरो ताकतवर रेगा। उने अजर-अमर आतमा आड़ी से अपणे खुद के एक पूरण सिद्द बली का रुप माय परमेसर के दई द्‌यो। तो उको लोई हमारी समज का बिचारहुंण से मर्‌या होया कामहुंण से सुद्द कर्‌या जो मोत आड़ी लई जाय हे, ताके हम जीवता परमेसर की सेवा करां।

१५अने इनी वजासे मसीह नवा करार को बिचोळ्यो बण्यो ताके जिणके तेड़्या हे, वी वारिस होवा सरु हमेस्या को हक पई सके जेकी परतिज्ञा परमेसर ने करी थी। अबे देखो, इना पेलां का करार का जुम्मे कर्‌या पापहुंण से उणके आजाद करावा सरु बदळा माय ईसु अपणो पराण दई चुक्यो हे।

१६जां तक वारिस नाम[r] को सवाल हे, तो इकासरु जेने उके लिख्यो, उकी मोत के सिद्द कर्‌यो जाणो जरुरी हे। १७सिरप मनख की मोत का बादज वारिस नामो पक्को रे हे। क्योंके जदत्तक कईं को जीवतो रे हे तदत्तक वारिस नामो काम माय नी लई सकता। १८तो पेलो करार[s] बी बिना मोत अने लोई के नी बान्द्‌यो हे। १९[†] जदे मूसा लोगहुंण के नेम-बिधान का हरेक नेमहुंण को हुकम सुणई चुक्यो तो उने पाणी का साते बोकड़ाहुंण अने बचड़ाहुंण को लोई लाल ऊन, अने जुफा[t] की डाळहुंण से नेम-बिधान लिख्या चामड़ा का पत्तरहुंण पे अने लोगहुंण पे छिंटी लाख्या था। २०उने क्यो थो, "यो

---

[q] **९.११** परगट होयो; या अई र्‌यो हे। [r] **९.१६** वारिस नाम; यूनानी माय 'करार' अने 'वारिस नाम' एकज हे। [s] **९.१८** करार; यूनानी भासा माय 'करार' अने 'बाचा' के सब्द एकज हे।

[t] **९.१९** जुफा; हिस्सप याने एक तरा को झाड़को।

[†] **९.१३:** लेव्यव्यवस्था १६.१५-१६ [†] **९.१३:** गिणती १९.९,१७-१९ [†] **९.१९–२०:** निरगमन २४.६–८

उना करार को लोई हे, जेके परमेसर
ने पाळण करवा को हुकम तमारे द्यो
हे।" २१† उने असतरा पवित्तर डेरा अने
उपासणा माय काम आवा वाळी हरेक
चीज पे लोई छांट्यो थो। २२† सांची माय
नेम-बिधान चाय के अकसर हरेक चीज
के लोई से सुद्द करी जाय। मोत अने
लोई बिवाड़्या बिना मांफी हेज नी।

मसीह को बलिदान पापहुंण के धोई लाखे

२३तो फेर यो जरुरी थो के ई चीजहुंण
जो सरग की चीजहुंण का नमुना सरीकी
हे। जिणके ढोरहुंण का बलिदान से सुद्द
कर्या जाय पण सरग की चीजहुंण
तो इणकासे बी उत्तम बलिदानहुंण से
सुद्द कर्या जाणे की चायना करे हे।
२४इकासरु मसीह, हातहुंण से बण्या
परम-पवित्तर जगा माय नी ग्यो, जो
सिरप सांचा परम-पवित्तर जगा का नमुना
सरीको थो। उ तो खुद सरग मायज ग्यो
ताके अबे उ हमारा आड़ी से परमेसर
की हाजरी माय परगट होय। २५यहूदी
म्हापुरोहित उना ढोरहुंण का लोई का
साते परम-पवित्तर जगा माय हर बरस
जाय हे। पण मसीह अपणो घड़ी-घड़ी
बलिदान चड़ावा सरु सरग माय नी ग्यो।
२६नी तो फेर जगत की रचणा का बखत
सेज उके घड़ी-घड़ी दुःख भोगणो पड़तो।
पण अबे जुग का आखर माय उ एकज
कावा परगट्यो के अपणाज बलिदान से
पापहुंण के हमेस्या-हमेस्या सरु मिटाड़ी
लाखे। २७जसे एक कावा मरनो अने उका
बाद न्याव को सामो करनों मनखहुंण
सरु ठेराड़्यो हे, २८† वसेज मसीह बी,
एकज कावा नरा लोगहुंण का पापहुंण
के खतम करवा सरु बलिदान कर्यो थो।
अने उ पापहुंण सरु नी, पण उणकी मुक्ती
सरु जो खुसी से मसीह की बाट जोई
र्या हे, फेर-पाछो दूसरी कावा परगटेगा।

सगळा सरु आखरी बलिदान

१० मूसा का नेम-बिधान का नेम
तो आवा वाळी भली बातहुंण
को सिरप छायळो हे, सांचो रुप हयनी।
क्योंके उकी बलिहुंण हमेस्या से हर बरस
चड़ई जई री हे। इकासरु उपासणा सरु
कने आवा वाळाहुंण के हमेस्या-हमेस्या
सरु पूरण सिद्द नी कर्यो जई सकतो।
२अगर असो हुई जातो तो कंई उणको
चड़ायो जाणो बन्द नी हुई जातो? क्योंके
फेर तो उपासणा करवा वाळा तो एकज
कावा माय हमेस्या-हमेस्या सरु सुद्द हुई
जाता, अने अपणा पापहुंण सरु खुद के
कदी कसुरवार नी समजता। ३पण वी
बलिहुंण तो पापहुंण सरु एक बरस की
सिरप रियाद हे। ४क्योंके यो हुइज नी
सके के सांडहुंण अने बोकड़ाहुंण को लोई
पापहुंण के दूर करी दे।
५† इकासरु जदे मसीह इना जगत
माय आयो थो तो उने खुद का बलिदान
का बारामें परमेसर के क्यो थो,
"तने बलिदान अने कईं को चड़ावो
नी चायो,

---

† **९.२१:** लेव्यव्यवस्था ८.१५ † **९.२२:** लेव्यव्यवस्था १७.११ † **९.२८:** यसायाह ५३.१२
† **१०.५–७:** भजन संहिता ४०.६–८

पण म्हारा सरु एक काया तय्यार
करी।
६ तू कसी बी होम बलिहुंण से अने
पाप बलिहुंण से
खुस नी होयो।
७ तो म्हने क्यो, 'हे परमेसर, हूं यां
हूं। देखतो, हूं थारी मरजी पूरण
करवा अई र्‌यो हूं।
सासत्तर माय म्हारा बारामें योज
लिख्यो हे।' "†
८ मसीह ने पेलां क्यो थो, "तने बलिदान
अने चड़ावो, होम बलिहुंण अने पाप
बलिहुंण के नी चायो अने नी उणका से
खुस होयो।" (पण मूसा का नेम-बिधान
को नेम यो चावे के वी चड़ई जाय।)
९ तो उने क्यो, "देख, हूं अई ग्यो हूं के
थारी मरजी पूरण करूं।" तो ईसु अपणा
बलिदान याने दूसरा बलिदान के लागु
करवा सरु, मूसा का नेम-बिधान का पेलां
बलिदान के रद्द करी दे हे। १० तो परमेसर
की मरजी से ईसु मसीह की काया एकज
कावा हमेस्या सरु बलिदान चड़ाया जावा
से हम पवित्तर कर्‌या ग्या।

११ † हरेक यहूदी पुरोहित हरदन उबो
हुई के अपणा धारमिक कामहुंण के
पूरण करे। उ एकज सरीको बलिदान जो
पापहुंण के कदी दूरो नी करी सके घड़ी-
घड़ी चड़ाय हे। १२ † पण मसीह हमारो
म्हापुरोहित हुई के पापहुंण का एवज
माय हमेस्या सरु एकज बलिदान चड़ई
के परमेसर का सुदा हाताड़ी जई बेठ्‌यो,
१३ अने उणाज बखत से उ बाट जोई र्‌यो
हे, के उका बिरोदिहुंण उका पग निच्चे
की चोकी बणी जाय।† १४ क्योंके उने खुद
का एकज बलिदान से उणके जो पवित्तर
कर्‌या जई र्‌या हे, हमेस्या सरु पूरण
सिद्द करी लाख्या।

१५ पवित्तर आतमा बी हमारे गवई दे हे,
क्योंके पेलां उ बताय हे:
१६ † "परभु यो के हे के हूं उना दनहुंण
बाद
जो करार हूं उणकासे करुंवां, वा
या हे के;
हूं अपणा नेमहुंण उणका हिरदा माय
अने उणका मनहुंण पे लिखुंवां
ताके वी उणको पाळण करे।"
१७ † तो पवित्तर आतमा अगड़े के,
"हूं उणका पापहुंण अने उणका
अधरम का कामहुंण के
पाछो रियाद नी करुंवां।"
१८ अने जदे पाप मांफ करी लाख्या तो
पापहुंण सरु कसीज बली की कंई जरुवत
नी रई जाय हे।

परमेसर का कने आव

१९ इकासरु हे भई-बेनहुंण, हमारे ईसु
का लोई से एक नवो जीवता मारग
से परम पवित्तर जगा माय जावा की
हिम्मत हुई हे। २० उने अपणी काया का
बलिदान की वजासे उना परदा से हुई के[u]

[u] **१०.२०** उना परदा से हुई के; जदे ईसु कुरुस पे मरी ग्यो थो तो यरुसलेम का मन्दर माय का म्हापवित्तर जगा को परदो अदाड़ माय अदरे से लई के तो निच्चे तक फाटी ग्यो थो; याने जगत का सगळा मनख सरु म्हापवित्तर जगा जां परमेसर रे हे खुली गी थी।

† **१०.७:** भजन संहिता ४०.६-८ † **१०.११:** निरगमन २९.३८ † **१०.१२–१३:** भजन संहिता ११०.१
† **१०.१३:** भजन संहिता ११०.१ † **१०.१६:** यरमियाह ३१.३३ † **१०.१७:** यरमियाह ३१.३४

नवा मारग के हमारा सरु खोली द्यो हे।
२१हमारा सरु ईसु एक असो म्हापुरोहित
हे जो परमेसर का घर को हाकिम हे।
२२† तो फेर आव, हम सांचा हिरदा, अने
पक्का बिसास का गेले हमारी समज
का कसूरहुंण के सुद्द करवा सरु अपणा
हिरदा के लोई से छांट्या होया अने
अपणी कायाहुंण के सुद्द पाणी से धोया
होया परमेसर कने पोंचा हे। २३तो आव,
जेनी आसा के हम माना हे, हम बिना
डिग्या मजबूती से उका पे डट्या रां,
क्योंके जेने परतिज्ञा करी हे उ परमेसर
बिसास लायक हे। २४तो हम ध्यान राखां
के परेम अने भला कामहुंण माय एक
दूसरा के कसे बड़ावो दई सकां। २५हमारी
सबाहुंण माय आणो मती छोड़जो।
जसा के थोड़ाकहुंण के तो नी आवा की
आदतज पड़ी गी हे। बल्के हमारे तो एक
दूसरा को जोस देवाड़णो चइये। अने जसो
के तमारे नगे अई र्यो हे - के उ दन
जदे मसीह परगटेगा कने अई र्यो - तो
तमारे तो यो हजु जादा करनों चइये।

२६क्योंके सच्चई को ज्ञान पई लेवा का
बाद बी अगर हम जाणी-बुजी के पाप
करताज रां, फेर तो पाप मिटावा सरु
कईं को बलिदान बच्योज हयनी। २७†
बल्के फेर तो न्याव की भयानक बाट
अने अगनी-ज्वाळा बाकी रई जाय हे
जो परमेसर का बिरोदिहुंण के चट करी
लाखेगा। २८† जो कईं को मूसा का नेम-
बिधान को उलांगो करे, उ दो या तीन
लोगहुंण की गवई पे बिना दया के मारी
लाख्यो जाय हे। २९† तो तमीज बिचारो
के उ मनख कितरी जादा काठी सजा
को भागी बणेगा, जेने परमेसर का बेटा
के अपणा पग-तळे रोंदी लाख्यो; अने
उने करार का लोई के, जेके उने पवित्तर
कर्यो थो, उके पवित्तर नी मान्यो;
अने उनेज किरपा करवा वाळो पवित्तर
आतमा को मान पाड़्यो हे। ३०क्योंके हम
परमेसर के जाणा जेने क्यो थो, "बदळो
लेणो म्हारो काम हे, बदळो हूंज लुंवां।"†
अने पाछो यो, "परभु अपणा लोगहुंण को
न्याव करेगा।" ३१कइंका पापी के जीवता
परमेसर का हातहुंण माय पड़णो भयानक
बात हे! (वी हमेस्या सजा मायज रेगा।)

३२सुरु का दनहुंण के रियाद राखो
जदे तमारे उजाळो मिळवा का बाद
तमने दुःखहुंण को सामो करता होया
काठी लड़ई माय मजबूती से डट्या
र्या था। ३३कदी-कदी तो तमारो मान
घटवा से अने संकट माय लोगहुंण का
सामे तमासा बण्या अने कदी जिणका
साते असो बरताव कर्यो जई र्यो थो,
तमने उणको सात द्यो। ३४क्योंके
तमने जो जेळखाना माय पड़्या था,
उणकासे भलमानसी करी; फेर अपणा
जग का धन के जपती कर्यो जाणो
खुसी से मानी ल्यो क्योंके तम यो
जाणता था के खुद तमारा अपणा
कने उणकासे अच्छो अने नी टळवा
वाळो आतमिक धन हे। ३५इकासरु
अपणो भरोसो मती छोड़जो क्योंके इको
पूरो-पूरो फळ द्यो जायगा। ३६क्योंके

---

† **१०.२२:** लेव्यव्यवस्था ८.३०; यहेजकेल ३६.२५ † **१०.२७:** यसायाह २६.११
† **१०.२८:** नेम-बिधान १७.६, १९.१५ † **१०.२९:** निरगमन २४.८ † **१०.३०:** नेम-बिधान ३२.३५

तमारे जिरना की जरुवत हे के तम
परमेसर की मरजी पूरण करिके जेनी
बात की परतिज्ञा करी गी थी उके
पई सको। ३७† क्योंके धरम सासत्तर
माय असो लिख्यो,
"अबे थोड़ीज देर माय,
आवा वाळो आयगा
अने देरी नी करेगा।
३८ म्हारो धरमी जणो बिसास से
जीवतो रेगा,
पण अगर उ पाछे हटेगा
तो म्हारा हिरदा के खुसी नी
होयगा।"†

३९पण हम उणका माय से हयनी जो
नास होवा सरु पाछे जाय हे। बल्के हम
उणका माय से हे जो पराणहुंण की रक्सा
सरु बिसास राखे हे।

बिसास की जीत

११ बिसास को मतलब हे, जेकी हम
आसा करां उका सरु पक्को होणो
हे। इको अरथ यो बी के कइंकी चीज
नगे नी आवे पण उको होवा को पक्को
परमाण बिसास से हे। २इनी वजासे
सनातन काल का लोगहुंण के परमेसर
आड़ी से मान मिळ्यो होयो थो।

३† बिसास सेज हम या जाणा के
परमेसर का हुकम से आखा जगत की
रचणा हुई थी। इकासरु जो नगे आवे
हे, उ नगे नी आवा वाळी चीजहुंण
से बणायो हे।

४† आदम का बेटा हाबिल ने बिसास
की वजासे परमेसर सरु उका भई केन से
अच्छो चड़ावो चड़ायो, जेकी वजासे उके
"धरमी मनख होवा" को मान मिळ्यो
थो जदे परमेसर ने उका चड़ावाहुंण का
बारामें बड़ई करी थी। अने बिसास की
वजासे उ आज तक बोले हे, जदके उ
मरी चुक्यो हे।

५† बिसास की वजासे हनोक नी
मर्‌यो। उके इना जीवन से परमेसर ने
अदरे उठाड़ी ल्यो थो, इकासरु उ लाद्‌यो
हयनी। क्योंके उका उठाड़्या जावा से
पेलां परमेसर के खुस करवा का रुप माय
उके मान मिळी चुक्यो थो। ६अने बिना
बिसास के तो परमेसर के खुस करनों
अबगो हे। क्योंके जो कईं को परमेसर
कने आवे हे उका सरु यो जरुरी हे के उ
इनी बात को बिसास करे के परमेसर हे
अने वी जो सच्चई से उके ढुंडे परमेसर
उणके उणको फळ दे हे।

७† बिसास की वजासेज नूह के परमेसर
से जदे उनी बातहुंण की चेतावणी मिळी
जेके उने कदी नी देखी थी, तो उने डर
का मारे अपणा परवार के बचाड़वा सरु
झाज बणायो थो। अपणा बिसास सेज
उने इना जगत के कसुरवार मान्यो अने
उका बिसास की वजासे परमेसर ने उके
धारमिक मनख ठेरई लाख्यो।

८† बिसास सेज जदे इबराइम के असी
जगा पे जाणे सरु तेड़्यो थो, जेके बाद
माय उके वारिस का रुप माय पाणो थो।
हालाके उ यो जाणतो तक नी थो के उ

† **१०.३७–३८:** हबक्कूक २.३–४ † **१०.३८:** हबक्कूक २.३-४
† **११.३:** उत्पत्ती १.१; भजन संहिता ३३.६, ९; योहन १.३ † **११.४:** उत्पत्ती ४.३–१०
† **११.५:** उत्पत्ती ५.२१–२४ † **११.७:** उत्पत्ती ६.१३–२२ † **११.८:** उत्पत्ती १२.१–५

कां जई र्‌यो हे, फेर बी उने परमेसर
को हुकम मान्यो अने चल्यो ग्यो। ९†
बिसास का वजासेज जेनी जगा के देवा
की परमेसर ने परतिज्ञा करी थी, उका
पे एक अण्जाण्या परदेसी सरीको र्‌यो।
उ डेराहुंण माय वसोज र्‌यो जसे उका
बेटा इसाक अने पोतो याकूब रई र्‌या था
जो उका गेले परमेसर की परतिज्ञा का
वारिस था। १०इबराइम पक्की नीम वाळी
उनी नगरी की बाट जोई र्‌यो थो जेको
कारीगर अने बणावा वाळो परमेसर थो।

११† बिसास की वजासेज, जदे उ डोकरो
हुई चुक्यो थो अने उकी बइरा सारा बांझ
थी,[v] फेर बी इबराइम बाप बणी सक्यो।
क्योंके परतिज्ञा देवा वाळा परमेसर पे
इबराइम ने बिसास कर्‌यो। १२† असतरा
इना एकज मनख से जो मर्‌या सरीको
थो, असमान का अणगिणत्या ताराहुंण
अने समन्दर की रेत का कणका सरीकी
अणगिणत सन्तानहुंण पेदा हुई।

१३† बिसास के अपणा हिरदा माय लई
के ई सगळा मनखहुंण मरी ग्या। जेनी
चीज की परतिज्ञा परमेसर ने करी थी
उणके वी नी मिळी। उणने तो बस दूरा
सेज देख्यो अने खुस हुई ग्या, उणने यो
मानी ल्यो के वी इनी धरती पे परदेसी
अने अण्जाण्या हे। १४वी लोग जो असी
बातहुंण करे हे वी यो बताड़े के वी एक
असा देस के ढुंडी र्‌या हे जो उणको
खुद को हे। १५वी उना देस का बारामें
नी बिचारे जेके वी छोड़ी चुक्या; असो
नी के उणके पाछो आवा को मोको थो।
१६पण वी एक अच्छा याने सरग देस
की मन्सा राखे हे। इकासरु परमेसर के
उणका परमेसर केवाया जावा माय लाज
हयनी, क्योंके उने तो उणका सरु एक
नगर तय्यार करी मेल्यो हे।

१७† बिसास सेज जदे परमेसर इबराइम
के अजमई र्‌यो थो तो उ अपणा
एखलाज बेटा[w] इसाक की बली चड़ावा
सरु लई ग्यो। इबराइम जेके परतिज्ञा
मिळी थी, जदे उ बली देवा वाळो थो, १८†
तो परमेसर ने उकासे क्यो थो, "इसाक
सेज थारो बंस चलेगा।" १९पण इबराइम
ने बिचार्‌यो के परमेसर मर्‌या होया के
बी जीवाड़ी सके हे, अने अगर मिसाल
का रुप माय कां तो उने इसाक के मोत
से पाछो पई ल्यो।

२०† बिसास की वजासेज इसाक ने
अपणा बेटा याकूब अने एसाव के उणका
आवा वाळा बखत सरु आसिरबाद द्‌यो।

२१† बिसास की वजासेज याकूब ने
अपणी मोत का बखत अपणा बेटा यूसफ
का हरेक बेटा के आसिरबाद द्‌यो अने

---

[v] **११.११** बिसास की वजासेज ... सारा बांझ थी; थोड़ाक हात का लेखहुंण माय उका बिसास की वजासे सारा खुद बिचार करवा का लायक हुई, जदके वा घणी बुड़ी-डोकरी हुई गी थी। [w] **११.१७** अपणा एखलाज बेटा; दासी का बेटा का बारामें नी, पण परतिज्ञा का बेटा इसाक का बारामें बात करी र्‌यो हे।

† **११.९:** उत्पत्ती ३५.२७ † **११.११:** उत्पत्ती १८.११–१४, २१.२

† **११.१२:** उत्पत्ती १५.५, २२.१७, ३२.१२

† **११.१३:** उत्पत्ती २३.४; १ इतयास २९.१५; भजन संहिता ३९.१२ † **११.१७:** उत्पत्ती २२.१–१४

† **११.१८:** उत्पत्ती २१.१२ † **११.२०:** उत्पत्ती २७.२७–२९, ३९–४०

† **११.२१:** उत्पत्ती ४७.३१, ४८.१–२०

अपणी लाकड़ी का सिरा को सायरो लई
के परमेसर की उपासणा करी।
२२† बिसास की वजासेज यूसफ ने जदे
उको मोत को बखत कने थो इसराइल
की सन्तानहुंण से मिसर देस से हिटवा
का बारामें चरचा करी, अने अपणा
हड़काहुंण का बारामें हुकम द्यो।
२३† बिसास की वजासेज मूसा का
मां-बाप ने मूसा का जनम का बाद उके
तीन मइना तक छिपाड़ी राख्यो, क्योंके
उणने जाणी ल्यो थो के यो बाळक खास
हे अने वी राजा का हुकम[x] से नी डर्‌या।
२४† बिसास की वजासेज, मूसा ने जदे
उ मोटो होयो तो उने मिसर देस का
राजा फिरोन की बेटी को बेटो केवाड़ने
से मना करी लाख्यो। **२५**उने पाप को
थोड़ोक सुक भोगवा का बजाय, परमेसर
की परजा का गेले दुःख भोगणो अच्छो
समज्यो। **२६**उने मसीह सरु मान पाड़्यो
जाणो मिसर देस का धन का भण्डारहुंण
का बजाय जादा मोल को मान्यो, क्योंके
उ अपणो फळ पावा की आस माय बाट
जोई र्‌यो थो।
२७बिसास की वजासेज उने राजा का
गुस्सा की परवा नी करता होया मिसर
देस के छोड़ी लाख्यो; उ डट्‌यो र्‌यो,
जसे के लोप परमेसर नगे अई र्‌यो हे।
२८† बिसास की वजासेज उने फसह[y] का
तेवार अने लोई छांट्‌या जावा को पाळण
कर्‌यो, ताके पेली सन्तानहुंण के नास
करवा वाळो सरगदूत इसराइल की पेली
सन्तान के नास नी करे।
२९† बिसास की वजासेज इसराइल
लाल समन्दर से असा पार होया जसे के
फरकी जमीन पे चली के ग्या हो, अने
जदे मिसरिहुंण ने वसोज करनों चायो तो
वी डुबी मर्‌या। **३०**† बिसास की वजासेज
यरीहो नगर को परकोटो लोगहुंण का
सात दन तक उका चारी-मेर चक्कर लेवा
का बाद ढळडी ग्यो। **३१**† बिसास की
वजासेज, राहाब नाम की बेस्या परमेसर
का हुकम नी मानवा वाळाहुंण का गेले
नास नी हुई, क्योंके उने इसराइल का
भेदुहुंण के अच्छी तरा राख्या था।
३२† अबे हूं हजु बत्ती कंई कूं?
गिदोन, बाराक, सेमसन, यिफतह,
दाऊद, सेमुएल, अने जूना बखत का
नबिहुंण को बखाण करवा को बखत
म्हारा कने हयनी। **३३**† जिणने बिसास
की वजासे राजहुंण जीत्या, धारमिकता
का काम कर्‌या अने परमेसर ने जो
चीजहुंण देवा की परतिज्ञा दई थी उणके
मिळी, जेने न्हारहुंण का मुन्डा बन्द
करी लाख्या, **३४**† लपलपाती लाय की
लपटहुंण का गुस्सा के सांत कर्‌यो;
अने तरवार की धार से बची हिट्‌या;

---

[x] **११.२३** राजा का हुकम; राजा का हुकम था की इसराइली बाळकहुंण के मारी लाख्या जाय।
[y] **११.२८** फसह; सबद् भण्डार माय देखो।
† **११.२२:** उत्पत्ती ५०.२४–२५; निरगमन १३.१९ † **११.२३:** निरगमन २.२, १.२२
† **११.२४:** निरगमन २.१०–१२ † **११.२८:** निरगमन १२.२१–३० † **११.२९:** निरगमन १४.२१–३१
† **११.३०:** यहोसू ६.१२–२१ † **११.३१:** यहोसू २.१–२१, ६.२२–२५ † **११.३२:** न्याविहुंण ६.११—८.३२, ४.६—५.३१, १३.२—१६.३१, ११.१—१२.७; १ सेमुएल १६.१; १ राजा २.११; १ सेमुएल १.१—२५.१
† **११.३३:** दानियल ६.१–२७ † **११.३४:** दानियल ३.१–३०

जिणकी कमजोरी सकती माय बदळी
गी, अने लड़ई माय सकतीसाळी बण्या
अने बिदेसी सेनाहुंण के मारी भगाड़ी।
३५† बइराहुंण के अपणा मर्याहुंण पाछा
जीवता लाद्या।

पण नरा के सताड़्या ग्या, पण उणने
छुटणो नी चायो जेकासे के वी एक
अच्छा जीवन माय पाछा जी उठ्याय।
३६† थोड़ाक के मसकरी अने कोड़ाहुंण
को सामो करनों पड़्यो जदके थोड़ाक
के सांकळहुंण से खांगी के जेळखाना
माय लाखी द्या। ३७† थोड़ाक के भाटा
मार्या। उणके करवत से चिरी के दो
फाड़ करी लाख्या, उणके तरवार से
मोत का घाट उतार्या। वी गरीब था,
उणके सताड़्यो अने उणका साते बुरो
बरताव कर्यो। वी गाडर अने बोकड़ीहुंण
का चामड़ा ओड़ी के अंई-वंई भटकता-
फिर्या। ३८यो जगत उणका लायक नी
थो, वी बियाबानहुंण अने बळडाहुंण माय
डोलता-फर्या अने गुफाहुंण अने धरती
माय बण्या खाड़ाहुंण माय छिपता - अने
छिपाता फर्या।

३९अपणा बिसास की वजासेज, इना
सगळा के परमेसर ने सरायो, फेर बी
इणने परतिज्ञा करी चीजहुंण के नी
पई, ४०क्योंके परमेसर ने हमारा सरु
पेलांसेज एक अच्छी योजणा बणई थी
के हमारा बिना उणके पूरण सिद्धता
नी मिळे।

परमेसर अपणा बेटाहुंण के सादे

१२ हम गवाहुंण की इतरी मोटी भीड़
से घिर्या होया हे, जो हमारे
इकी गवई दे हे के बिसास को अरथ
कंई हे! तो इकासरु आव, के हरेक
रोक करवा वाळी चीज के अने उना
पाप के जो सेजमेंज उळजई लाखे हे
झटकी फेंका। उनी दोड़ जेका माय
हमारे दोड़णो हे, जिरना का साते दोड़ां।
२हमारा बिसास का परधान अने पूरण
रीति से सिद्ध करवा वाळा ईसु आड़ी
हम नगे लगाड़ी राखां, जेने उनी खुसी
सरु जो उका सामे राखी थी, लाज
की कंई फिकर नी करिके कुरुस को
दुःख सेन कर्यो। अने अबे परमेसर
का सिंगासण का जीवणा हाताड़ी[z] जई
बेठ्यो।

३इकासरु उका पे ध्यान धरो जेने
पापिहुंण को असो बिरोद इकासरु सेन
कर्यो, के थकी के तमारो हिरदो हार नी
मानी ले। ४अब तक तमारे पाप से लड़ता
होया तमारो अपणो लोई नी बिवाड़णो
पड़्यो हे, ५† अने तम उना परबचन के
जो तमारे बेटा मानी के द्यो हे बिसरई
लाख्यो:

"हे म्हारा बेटा, परभु की ताड़णा के
टाळे मती,
उकी डांट को कदी बुरो मती
मान।

---

[z] **१२.२** परमेसर का सिंगासण का जीवणा हाताड़ी; परभु ईसु परमेसर का जीवणा हाताड़ी बेठणे को अरथ आदर-मान की जगा (भजन संहिता ११०.१)।

† **११.३५:** १ राजा १७.१७–२४; २ राजा ४.२५–३७

† **११.३६:** १ राजा २२.२६–२७; २ इतयास १८.२५–२६; यरमियाह २०.२, ३७.१५, ३८.६

† **११.३७:** २ इतयास २४.२१ † **१२.५–६:** अय्यूब ५.१७; नीतिबचन ३.११–१२

६क्योंके परभु उके डांटे हे जेकासे
परेम करे हे।
वसेज जसे पिता उना बेटा के सजा
दे जो उको घणो परमिलो हे।"†
७इकासरु तम दुःख के ताड़णा समजी
के सई लो, क्योंके परमेसर तमारे बेटो
जाणी के तमारा साते बरताव करे हे।
उ कां को असो बेटो हे जेकी ताड़णा
उको पिता नी करे। ८अगर तमारे वसोज
नी सदायो जसो सगळा के सदायो हे,
तो तम अपणा पिता से पेदा होया बेटा
हयनी अने सांची सन्तान नी हो। ९अने
फेर यो बी के इना सगळा के वी पिता
बी जिणने हमारी काया के जनम द्यो,
हमारे सादे हे अने हम उणको मान राखां
हे। तो फेर हमारी अपणी आतमाहुंण का
पिता का हजु बी बस माय रेता होया
कायसरु जीवता नी रां? १०क्योंके हमारा
जनमदाता पिताहुंण ने थोड़ाक बखत
सरु जसो उणके अच्छो लाग्यो, हमारे
साद्यो, पण परम पिता परमेसर हमारी
भलई सरु सादे हे, जेकासे हम उकी
पवित्तरता माय भेळा हुई जावां। ११जेनी
बखत सदायो जाणो हुई र्यो, उना बखत
अच्छो नी लागे, पण दुःखदई मालम
पड़े। फेर बी जो इका से सदाया जई
चुक्या हे उणका सरु अगड़े चली के नेकी
अने सान्ती को अच्छो फळ मिळे हे।

होसियार रोः परमेसर के नकारो मती

१२† इकासरु अपणी कमजोर भुजाहुंण
अने कमजोर गोड़ाहुंण के ताकत वाळा
बणाव। १३† अपणा पगहुंण सरु सुदा
मारग बणाव, जेकासे के उ अंग जो
लंगड़ो हे उ अपंग नी रे, पण नज हुई
जाय।
१४सगळा का गेले सान्ती का साते रेणो
अने पवित्तर होवा सरु हर तरा से कोसिस
करता रो। कइंका बी अपवित्तर लोगहुंण
परभु के नी देखी सकेगा। १५† इनी बात
पे ध्यान धरो के कईं को परमेसर की
किरपा से रीतो नी रई जाय, अने तमारे
दुःख पोंचाणे अने नरा के असुद्ध करवा
सरु कइंकी झगड़ा की जड़ सरीको नी
फुटी पड़े। १६† असो नी होय के कईं
को बी मनख ब्योबिचारी या उना एसाव
सरीको अधरमी रे, जेने एक कावा का
रोटा खावा मेंज अपणो पेलांपेल को या
मोटो बेटो होवा को पद बेची लाख्यो।
१७† जसा के तम जाणोज हो के बाद
माय जदे उने इनी आसीस के लेणो चायो
पण लायक नी होवा की वजासे पई नी
सक्यो। हालाके उने रोई-रोई के पसताणो
चायो[a] पण मोको हात से हिटी ग्यो थो।
१८† तम सिनाय परबत सरीका[b] परबत
कने नी आया जेकासे चोंट्यो जई सके।

---

[a] **१२.१७** रोई-रोई के पसताणो चायो; या उ आसीस पावा की कोसिस करतो र्यो। [b] **१२.१८** सिनाय परबत सरीका; मूसा नबी का बखत परमेसर ने इसराइल लोगहुंण से सिनाय परबत पे से अवाज माय हुई के बात करी थी।

† **१२.६:** नीतिबचन ३.११-१२; अय्यूब ५.१७ † **१२.१२:** यसायाह ३५.३

† **१२.१३:** नीतिबचन ४.२६ † **१२.१५:** नेम-बिधान २९.१८ † **१२.१६:** उत्पत्ती २५.२९–३४

† **१२.१७:** उत्पत्ती २७.३०–४०

† **१२.१८–१९:** निरगमन १९.१६–२२, २०.१८–२१; नेम-बिधान ४.११–१२, ५.२२–२७

अने नी बळती लाय, अने नी इन्दारो,
अने नी काळा बादळा, अने नी अन्दी-
दंदवाळ कने आया हो। १९अने नी तुरई
की तेज अवाज या असी कइंकी अवाज
कने आया जो बचनहुंण के बोली र्‌यो
थो, जेकासे के जिणने उकासे सुण्यो,
पराथना करी के उणका सरु कइंका हजु
बचन के नी उच्चार्‌यो जाय, २०† क्योंके
वी उना हुकम के नी सई सक्या: "अगर
कईं को ढोर बी परबत से चोंटे तो उके
भाटा से मार्‌यो जाय।" २१† वा दसा
इतरी भयानक नगे अइरी थी के मूसा
ने क्यो, "हूं घणो डर्‌यो होयो अने धुजी
र्‌यो हूं।"

२२बल्के तम तो सिय्योन परबत, याने
जीवता परमेसर की नगरी, सरग का
यरुसलेम कने अई पोंच्या हो। तम तो
उना हज्जारों-हज्जार सरगदूतहुंण की
खुसी की सबा कने, २३अने परमेसर की
पेली सन्तानहुंण, जिणका नाम सरग
माय लिख्या हे, उणकी सबा कने पोंची
चुक्या हो। अने तम सगळा का न्याव
करवा वाळा परमेसर अने उना सिद्द
कर्‌या होया धरमिहुंण की आतमाहुंण
की हाजरी माय, २४† अने नवा करार
को बिचवइयो ईसु, अने छिंट्या होया
ईसु का लोई से कने अई चुक्या हो, जो
हाबिल का लोई की बजाय अच्छो बचन
बोले हे।[c]

२५† ध्यान धरो अने उना बोलवा वाळा
के नकारो मती, क्योंके जदे वी लोग
सिनाय परबत माय धरती पे चेतावणी
देवा वाळा की नी सुणी के बची नी
सक्या। तो सरग से चेतावणी देवा वाळा
की नी सुणे तो नठू नी बची सकेगा। २६†
परमेसर की बाणी ने उना बखत धरती
हलाड़ी लाखी, पण अबे उने या कई के
परतिज्ञा करी, "एक कावा पाछो हूं नी
सिरप इनी धरती के पण असमान के बी
हलई लाखुंवां।" २७"एक कावा पाछो" ई
बचन उनी हरेक चीज आड़ी इसारो करे
जो बणी हुई होवा की वजासे हलाड़ी
अने खतम हुई सके हे, जेकासे के जो
चीजहुंण हलाड़ी नी सके, वी बणी रे।

२८तो जदे हमारे असो राज मिळवा
पे हे जो कदी नी टळे तो आव, हम
धन्यबादी बण्या रां। अने आदर समेत
डर का साते परमेसर की उपासणा करां,
२९† क्योंके हमारो परमेसर भसम करवा
वाळी लाय हे।

परमेसर के खुस करवा लायक सेवा

१३ माय-माय भई-बेनहुंण सरीको
परेम करता रो। २† पामणाहुंण को
मान करनों मती भुलजो, क्योंके असा
करता होया नरा लोगहुंण ने अण्जाण्या
मायज सरगदूतहुंण को सुवागत-सतकार
कर्‌यो हे। ३बन्दिहुंण के असा रुप माय

---

[c] **१२.२४** हाबिल का लोई की बजाय अच्छो बचन बोले हे; आदम हव्वा का दो बेटा था केन अने हाबिल। केन ने हाबिल के मारी लाख्यो, तो हाबिल को लोई बदळो लेवा सरु चिल्लाड़्यो (उत्पत्ती ४.१०)। पण मसीह को लोई भली बात सरु, याने हमारा पाप के मांफ सरु हेला पाड़े हे।

† **१२.२०:** निरगमन १९.१२–१३ † **१२.२१:** नेम-बिधान ९.१९ † **१२.२४:** उत्पत्ती ४.१०
† **१२.२५:** निरगमन २०.२२ † **१२.२६:** हग्गई २.६ † **१२.२९:** नेम-बिधान ४.२४
† **१३.२:** उत्पत्ती १८.१–८, १९.१–३

रियाद करो जसे तम बी उणका साते बन्दी र्‌या हो। जिणका साते बुरो बरताव होयो उणके असे समाळो जसेके तमारी खुद की काया पीड़ा माय पड़ी होय।

४ब्याव सगळा माय आदर-मान की बात मानी जाय। ब्याव को बिछावणो पवित्तर राखो अने साती का गेले इमानदार रो, क्योंके परमेसर ब्योबिचारिहुंण अने दूराचारीहुंण के सजा देगा।

५† अपणा जीवन के धन का लोभ से दूरा राखो। जो कंई तमारा कने हे, उका मायज खुस रो क्योंके परमेसर ने क्यो हेः "हूं तमारे कदी नी छोड़ुंवां, अने नी कदी त्यागुंवां।" **६**† इकासरु हम हिम्मत से कां,

"परभु हमारी मदद करवा वाळो हे,
अने हूं कदी नी डरुंवां।
कईं को मनख म्हारो कंई करी सके?"

७अपणा अगवाहुंण के रियाद करो, जिणने तमारे परमेसर को बचन सुणायो। अने ध्यान से उणका चाल-चळण को नतीजो बिचारी के उणका बिसास का मुजब बिसास करो। **८**ईसु मसीह काल, आज अने हमेस्या तक एक सरीको हे। **९**इकासरु ईसु की सीख छोड़ी के नरी-तरा की अजीब-अजीब सीखहुंण से भरमई मती जावजो। तमारा हिरदा सरु यो भलो हे के तम परमेसर की किरपा से मजबूत बण्या रो, नी के खावा पीवा का बारामें नेमहुंण का मानवा से, जेकासे उणको कदी कईं को भलो नी होयो, जिणने उणके मान्यो।

१०पण नवा करार माय हमारा कने एक असी बेदी हे, जेका पे से खावा को हक उणके हयनी जो यहूदी करार का डेरा माय सेवा करे। **११**† यहूदी म्हापुरोहित परम पवित्तर जगा पे पाप-बली का रुप माय ढोरहुंण को लोई तो लई जाय, पण उणकी काया कईं को नी खाय, पण डेरा का बायरे बाळी लाखे। **१२**इकासरु ईसु ने बी खुद अपणा लोई से लोगहुंण के पवित्तर करवा सरु कुरुस पे नगर का फाटक का बायरे दुःख झेल्यो। **१३**इकासरु आव, हम बी उनी निंदा के झेलवा सरु जेके उने झेली थी, डेरा का बायरे उका कने हिटी चलां। **१४**क्योंके यां धरती पे हमारो कईं को हमेस्या को नगर हयनी, पण हम उना नगर की बाट जोवां जो आवा वाळो हे। **१५**तो हम ईसु का मिसे परमेसर की इसतुती का रुप माय बली चड़ांवां जो उना होंटहुंण को नतीजो हे जिणने उका नाम के मान्यो हे। **१६**नेकी करनों अने अपणी चीजहुंण के दूसरा का साते बांटणो मती भुलजो, क्योंके परमेसर असीज बलिहुंण से खुस रे हे।

१७अपणा अगवाहुंण को हुकम मानो अने उणका आसरे रो, क्योंके वी तमारा पराणहुंण को यो जाणी के नेपो करे जसेके परमेसर के उणको लेखो-जोखो देणो हे। उणके मानो ताके यो काम खुसी का गेले करे, नी के दुःख मनाड़ता होया,

---

† **१३.५:** नेम-बिधान ३१.६, ८; यहोसू १.५ † **१३.६:** भजन संहिता ११८.६
† **१३.११:** लेव्यव्यवस्था १६.२७

क्योंके इका से तमारे कई को फायदो नी रेगा।

१८हमारा सरु पराथना करता रो। हमारो पक्को बिचार हे के हमारी समज सुद्द हे: हम सगळी बातहुंण माय अच्छा चाल-चळण की मरजी राखां हे। **१९**हूं खास रुप से बिणती करूं के तम पराथना कर्‌या करो के झट हूं तमारा कने अई सकूं।

आखरी पराथना

२०अबे सान्ती देवा वाळो परमेसर, जो गाडरहुंण को म्हान रखवाळो हे, जेने हमारा परभु ईसु के जो हमेस्या की बाचा का लोई से मर्‌या होया माय से जीवतो कर्‌यो। **२१**जेका लोई से,[d] तो परमेसर तमारे सगळा अच्छा गुणहुंण से भर्‌या-पुर्‌या राखे जेकासे तम उकी मरजी पूरण करी सको। अने जो कंई उकी नगे माय खास हे, उ ईसु मसीह से हमारा भित्तरे पूरण करे। उकीज म्हेमा हमेस्या-हमेस्या होती रे। आमीन।

२२हे भई-बेनहुंण, हूं तमार से बिणती करूं के तम इना परबचन का बचन के जिरना दई सुणी लो, क्योंके म्हने तमारे थोड़ाक माय लिखी द्‌यो। **२३**हूं चउं के तमारे यो मालम पड़े के हमारो भई तीमुथियुस जेळ से बायरे करी लाख्यो हे। अगर उ झटज अई ग्यो तो हूं उकाज साते तमार से मिळवा अउंवां।

२४अपणा सगळा अगवा अने सगळा बिसासिहुंण के हमारो नमसकार किजो। अत्तलीया देस का रेवासी बिसासिहुंण तमारे नमसकार के हे।

२५परमेसर की किरपा तमारा सगळा का साते रे!

---

[d] **१३.२१** जेका लोई से; या उकी बलिदानी मोत।

याकूब
की चिट्ठी

लिखवा वाळो: याकूब

लिखवा की वजा: मसीही बरताव कसो होणो

लिखवा को बखत: करीब ४५-५० ईस्वी सन्

इनी चिट्ठी के लिखवा वाळो खुद अपणो बखाण करे के उ परभु ईसु को दास हे (१.१) उने या चिट्ठी सांची माय इसराइल का बारा गोतहुंण के लिखी थी, जो नरा देसहुंण माय खक्कळ-बक्कळ हुई के रेता था। 'नवा नेम' माय याकूब नाम का नरा लोगहुंण हे, पण गलातिहुंण १.१९ से असो लागे हे के यो याकूब जेने इनी चिट्ठी के लिखी, उ हमारा परभु ईसु को भई थो जेका बारामें मत्ती १३.५५ माय बखाण कर्‌यो हे। बिसास कंई हे? इनी चिट्ठी माय याकूब इना सवाल को जुवाब देवा की कोसिस करी र्‌यो हे।

लिखवा को मकसद: या बात ध्यान देवा लायक हे के जेनी चिट्ठी माय दुःख, संकट, अने परख्या जावा की बात होय उकी सुरुआत, "बड़ा आनन्द की बात" से होय हे (१.२)। याकूब यां यो बताड़णो चाय हे के सांचो बिसास फळे हे। उ कदी असेज नी जावे। इनी चिट्ठी माय याकूब बिसास अने करमहुंण का बारामें जोर लाखता होया लिखे हे, के "हे म्हारा भई-बेनहुंण, अगर कईं को मनख के हे के उ बिसासी हे, पण करम नी करे, तो उको कंई फायदो? कंई असो बिसास उको उध्दार करी सके हे?" (२.१४)। याकूब इका से यो नतीजो हेड़े के हमारे बिसास का मुजब करम बी करनों चइये जेकासे के लोगहुंण हमारा करमहुंण के देखी के हमारा बिसास के पेचाणी सके। याकूब हरदन का जीवन माय बिसास की जरुवत के दिखाड़े हे। उ बातहुंण, अने बेपार, तरफदारी, मसीही भई-बेनहुंण को लड़ई-झगड़ो, अने काम करवा अने करावा वाळाहुंण का बारामें बिसास की जगा बताड़े हे। याकूब यो बताड़णो चावे के परमेसर पे हमारो बिसास कसे-कसे परख्यो जाय हे। अने सातेज उ हरदन का मनख-जिनगी के काम माय कसे लाय हे।

रुप-रेखा

१. बारा गोतहुंण के नमसकार *१.१*
२. बिसास की परख *१.२-२७*
३. बिसास को रुप *२.१-३.१२*

४. बिसास का करम ३.१३-४.१७
५. बिसास माय बेवार ५.१-५.२०

१ याकूब आड़ी से[†] जो परमेसर को अने
परभु ईसु मसीह को सेवक हे,
परमेसर का छांट्या होया इसराइल का
बारा कुळहुंण के म्हारो नमसकार पोंचे
जो आखा जग माय फेल्या होया हे।[a]

बिसास अने समज

२हे म्हारा भई-बेनहुंण, जदे कदी परभु
सरु तम तरा-तरा की अजमाइस माय
पड़ो तो इके बड़ी खुसी की बात जाण
जो। ३क्योंके तम जाणो हो के तमारो
बिसास जदे अजमाइस माय सफल होय
तो उकासे जिरना से भरी सेणे की ताकत
बी पेदा होय हे। ४अने उनी सेणे की
ताकत के अपणो पूरण काम करवा दो
के तम पूरण अने सिद्द हुई जाव, जेकासे
के तमारा माय कसी बात की कमी नी
रे। ५अगर तमारा माय कइंका के समज
की कमी होय तो उ परमेसर से मांगिले।
उ सगळा के खुसी-खुसी उदारता का
साते दे हे। ६बस बिसास का साते मांग्यो
जाय। थोड़ोक सो बी सक नी होणो चइये,
क्योंके जेके सक होय, उ समन्दर की
उनी लेर सरीको हे जो बायरा से उठे अने
उछळे हे। ७असा मनख के यो सोंचणो
नी चइये के उके परभु से कंई बी मिळी
जायगा, ८क्योंके असा मनख को मन तो
दो चित्यो हे। उ अपणा सगळा करमहुंण
माय टिक्यो नी रे हे।

गरीब अने धणी

९गरीब भई-बेनहुंण के खुस होणो चइये
के परमेसर ने उणके आतमा को धन
द्यो हे, (याने उणके उंचा उठाड़्या।)
१०[†] अने धणी भई-बेनहुंण के खुस होणो
चइये के परमेसर ने उणके नरमता दई
हे, क्योंके उणके तो मांळ माय खिळवा
वाळा फूल सरीको झड़ी जाणो हे। ११दन
उगताज काठो तड़को पड़े अने चारो
सुखई दे: अने उको फूल झड़ी जाय अने
उकी सुन्दरता खतम हुई जाय।[†] असतरा
धणी बी धन सरु काम करतो होयो धूळा
माय मिळी जाय हे।

परमेसर अजमाइस नी करे

१२धन्य हे उ मनख जो अजमाइस
माय अटळ रे। क्योंके अजमाइस माय
खरा उतरवा का बाद उ जीवन का उना
इनाम रुपि मुगुट के पायगा जेके परमेसर
ने अपणा परमिलाहुंण के देवा को करार
कर्‌यो हे। १३अजमाइस का बखत कइंका
के यो केणो नी चइये के, "परमेसर म्हारे
अजमई र्‌यो हे।" क्योंके बुरी बातहुंण
से नी तो परमेसर के अजमायो जई

[a] **१.१** आखा जग माय फेल्या होया हे; परमेसर का छांट्या होया इसराइल का बारा कुळहुंण का बारामें जो आखा जगत माय अंई-वंई रई र्‌या हे, खास करिके उना बिसासिहुंण के जो यरुसलेम मण्डळी का बायरे जो साऊल अने दूसरा लोगहुंण की वजासे सताड़्या ग्या था रे हे (परेरितहुंण ८.१)।

[†] **१.१:** मत्ती १३.५५; मरकुस ६.३; परेरितहुंण ५.१३; गलातिहुंण १.१९.

[†] **१.१०–११:** यसायाह ४०.६–७ [†] **१.११:** यसायाह ४०.६-८

सकतो हे, अने नी उ खुद कइंका के
अजमाय हे। १४पण हर कईं को अपणीज
बुरी मन्साहुंण का भेम माय फंसी के
अजमाइस माय पड़े हे। १५फेर जदे वा
मन्सा गरभ धरे, तो पाप के जनमे हे,
अने जदे पाप पूरो बड़ी जाय तो उ मोत
के जनमे हे।

१६हे म्हारा परमिला भई-बेनहुंण,
धोको मती खाव। १७हरेक अच्छी चीज
अने भली भेंट तो अदरे सेज मिळे हे,
अने सरग का उजाळाहुंण का परमेसर
पिता आड़ी से जो कदी छायळा सरीको
बदळे हयनी। १८उने अपणीज मरजी से
सांचा बचन की वजासे हमारे जन्म्यो
हे। जेकासे हम परमेसर की बणई हुई
सगळी चीजहुंण माय खास पेलां फळ[b] हे।

सुणनो अने वसो करनों

१९हे म्हारा परमिला भई-बेनहुंण, रियाद
राखो, हर कइंका के झट सुणनो चइये,
अने बोलवा माय उतावळा नी बणणो
चइये, अने करोध करवा माय धीमो
होणो चइये। २०क्योंके मनख का करोध
से परमेसर की धारमिकता नी उपजे।
२१इकासरु हरेक का घिरणा से भर्‌या
आचरण अने चारी-मेर फेली दुस्टता से
दूरा रो। अने नरमता का साते तमारा
हिरदा माय परमेसर ने जो बचन रोप्या
उणके मानो, जो तमारी आतमाहुंण के
उध्दार देवाड़ी सके हे।

२२परमेसर की सीख पे चलवा वाळा
बणो, नी के सिरप सुणवा वाळा। अगर
तम सिरप सुणोज हो तो अपणे खुद
के छळी र्‌या हो। २३क्योंके अगर कईं
को परमेसर की सीख के सुणे तो हे
अने उका पे चले हयनी, तो उ उना
मनख सरीकोज जो अपणो असली मुन्डो
कांच माय देखे। २४उ खुद के अच्छी तरा
देखे, पण जदे उ वां से चल्यो जाय तो
झट भुली जाय के कसो नगे अई र्‌यो
थो। २५पण जो परमेसर का उना सई
नेम-बिधान के कने से देखे जेकासे उके
आजादी मिळे अने उका पे आचरण बी
करतो रे हे, अने सुणी के उके बिना
भुल्या अपणा आचरण माय लातो रे हे,
उज अपणा करमहुंण सरु धन्य रेगा।

२६अगर कईं को बिचारे के उ भगत
हे अने अपणी जीब पे कसी के लगाम
नी लगाड़े पण अपणा हिरदा के धोको
दे, तो उकी भगती बेकार हे। २७परम
पिता परमेसर का सामे सांची अने सुद्द
भगती वाज हे जेका माय अनाथहुंण अने
रांडिहुंण का दुःख दरद माय सुद्द लई
जाय अने खुद के कसोज जग को कलंक
नी लगवा दे।

सगळा से परेम करो

२ हे म्हारा भई-बेनहुंण, हमारा
म्हेमावान परभु ईसु मसीह पे तमारो
बिसास एक दूसरा सरु तरफदारी की
मनसा से नी होय। २मानी लो के तमारी
सबा माय कईं को मनख सुन्ना की बिंटी
अने अच्छा लतरा पेरिके आय हे, अने
उनीज बखत मेळा-कुचेळा लतरा पेर्‌यो

---

[b] **१.१८** पेलां फळ; मूसा का नेम-बिधान मुजब पेलांपेल का नर-पसु अने फसल को पेलो फळ परमेसर के चड़ाय हे।

एक मनख बी आय हे। ३अने जेने अच्छा
लतरा पेर्‌या तम उको खास ध्यान देता
होया कोगा, के "यां इनी खास जगा पे
पधारो" जदके उना गरीब मनख से को
हो, "यां उबो रे" या "म्हारा पग कने
बेठिजा," ४कंई असा करता होया तमने
अपणा माय कईं को भेद-भाव नी कर्‌यो
अने बुरो बिचारता होया न्यावी नी बणी
ग्या?

५हे म्हारा परमिला भई-बेनहुंण, सुणो!
कंई परमेसर ने इना जगत का गरीबहुंण
के बिसास माय धणी अने उना राज माय
वारिस का रुप माय नी छांट्‌या, जेको
देवा को वायदो उने जो उकासे परेम राखे
हे, कर्‌यो हे? ६असतरा तमने उना गरीब
को माजनो-पाड्‌यो हे। कंई ई धणिज
मनख वी हयनी जो तमार पे जुलम ढाय
अने तमारे कचेरी माय घसीटी लई जाय
हे? ७कंई ई वी हयनी हे, जो मसीह का
उना उत्तम नाम की निंदा करे हे, जो
नाम तमारे द्‌यो हे?

८अगर तम पवित्तर सासत्तर माय पाया
जावा वाळा उना राजकीय नेम-बिधान को
पाळण करो हो, "अपणा पड़ोसी से वसोज
परेम करो, जसो तम अपणा खुद से करो
हो।"† तो तम अच्छोज करो हो। ९पण
अगर तम तरफदारी करी र्‌या तो पाप
करी र्‌या हो। अने नेम-बिधान तमारे
कसुरवार ठेराय हे। १०क्योंके कइंकोज
अगर आखा नेम-बिधान को पाळण
करे अने एक बात माय चुकी जाय तो
उ आखा नेम-बिधान का उलांगा को
कसुरवार हुई जाय हे। ११† क्योंके जेने यो
क्यो थो, "ब्योबिचार मती करजो" उनेज
यो बी क्यो थो, "हत्या मती करजो।" तो
अगर तम ब्योबिचार नी करो अने हत्या
करो हो तो तम नेम-बिधान का तोड़वा
वाळा हुई ग्या। १२तम उणाज लोगहुंण
सरीका बोलो अने काम करो हो जिणको
न्याव आजादी का नेम-बिधान का मुजब
होणे जई र्‌यो हे। १३जो दयालु हयनी,
उका सरु परमेसर को न्याव बी बिना
दया कोज रेगा। पण दया न्याव पे जीत
हे।

बिसास अने सत् करम

१४हे म्हारा भई-बेनहुंण, अगर कईं
को मनख के हे के उ बिसासी हे, पण
करम नी करे, तो उको कंई फायदो? कंई
असो बिसास उको उध्दार करी सके हे?
१५अगर कइंका भई-बेनहुंण के लतराहुंण
की जरुवत रे, उणका कने हरदन खावा
तक को नी रे, १६अने तमारा माय सेज
कईं को उणकासे के, "सान्ती से जाव,
परमेसर तमारो कल्याण करे, खुद के
गरम राखो, अने धाप्या रो।" अने तम
उकी काया की जरुवत की चीजहुंण
उणके नी दो, तो फेर इको कंई फायदो
हे? १७असतरा अगर बिसास का साते
करम हयनी, तो बिसास अपणा खुद माय
मर्‌यो होयो रे हे।

१८पण कईं को कई सकतो हे, "तम
बिसास करो हो, अने हूं करम करूं।"
म्हारो जुवाब हे के "अबे तम बिना
करम के अपणो बिसास दिखाड़ो, अने हूं
तमारे अपणो बिसास अपणा करमहुंण से

---

† **२.८:** लेव्यव्यवस्था १९.१८ † **२.११:** निरगमन २०.१३, १४; नेम-बिधान ५.१७, १८

दिखाडुंवां।" १९कंई तम बिसास करो के
परमेसर एकज हे? तो तम ठीक करो हो।
पण बायरबादाहुंण[c] बी बिसास करे, अने
धुजे हे। २०अरे मूरख! कंई थारे परमाण
चइये के करम बिना बिसास बेकार[d] हे?
२१[†] कंई हमारो पिता इबराइम अपणा
करमहुंण की वजा सेज उना बखत धरमी
नी ठेराड्यो थो जदे उने अपणा बेटा
इसाक के बेदी पे अरपण करी लाख्यो?
२२तो तमने देख्यो के उको बिसास उका
करमहुंण से परगट हुई र्‌यो थो। अने
करम की वजासे उको बिसास सिद्द
होयो थो। २३असतरा सासत्तर माय को
लिख्यो पूरण होयो, "इबराइम ने परमेसर
पे बिसास कर्‌यो अने बिसास की वजा
सेज उ धरमी ठेर्‌यो।"[†] अने इकासेज उ
"परमेसर को दोस"[†] केवाड्यो। २४तम
देखो के सिरप बिसास से नी बल्के अपणा
करमहुंण सेज मनख धरमी बणे हे।

२५[†] असतरा राहाब नाम की बेस्या बी,
कंई उना बखत अपणा करम से धरमी
नी ठेरई थी, जदे उने भेदुहुंण के अपणा
घर माय जगा दई अने फेर कइंका दूसरा
रस्ता से बिदा कर्‌या?

२६तो जसे काया आतमा बिना मरी
हुई रे वसेज करम बिना बिसास मर्‌यो
होयो रे हे।

बाणी पे लगाम

३ हे म्हारा भई-बेनहुंण, तमारा माय से
नरा के सिक्छक बणवा की मन्सा
नी राखणो चइये। तम जाणोज हो के हम
सिक्छकहुंण को जादा कड़कपणा से न्याव
कर्‌यो जायगा। २क्योंके हम सगळा नरी
भुल-चुक करां हे। अगर कईं को बोलवा
माय कइंकीज भुल-चुक नी करे तो उ
सिद्द मनख हे अने उ पूरण रुप से अपणी
काया के काबु करी सके हे। ३हम घोड़ाहुंण
का मुन्डा पे लगाम इकासरु लगावां हे के
वी हमारा काबु माय रे। असतरा उणकी
आखी काया के बस माय करी सकां हे।
४या झाज की बी मिसाल कई सकता हे।
देखो, चाय उ कितरोज मोटो होय अने
ताकतवर बायरा से चलाड्यो जाय हे, पण
एक नानी सी पतवार से केवट उके जां
कंई लई जाणो चाय, उका पे काबु पई के
लई जाय हे। ५असतरा जीब, जो काया को

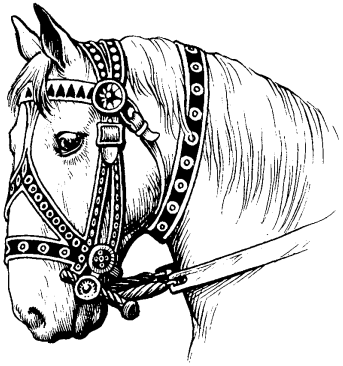

घोड़ो (JAS 3.3)

एक नानो सो अंग हे, बड़ी-बड़ी बातहुंण
करी लाखवा की डींग हांके हे।

अबे थोड़ोक बिचारो, एक रजिक सी
लपट आखा मांळ के बाळी लाखे हे।

---

[c] **२.१९** बायरबादाहुंण; बुरी आतमा या बुरी हवा। [d] **२.२०** बेकार; या मोत।
[†] **२.२१:** उत्पत्ती २२.१-१४ [†] **२.२३:** उत्पत्ती १५.६ [†] **:** २ इतयास २०.७ यसायाह ४१.८
[†] **२.२५:** यहोसू २.१–२१

६हां, जीब एक लपट हे या बुरई को
एक आखो जगत हे। या जीब हमारा
अंगहुंण माय को एक असो अंग हे, जो
आखी काया के भरस्ट करी लाखे हे अने
हमारा आखा जीवन चक्कर मेंज लाय
लगाड़ी लाखे हे। या जीब नरक की लाय
माय धदक्या करे हे। ७हरतरा का मांळ
जनावर, पखेरुहुंण, सरकवा वाळा जीव-
जन्तु, अने पाणी माय रेवा वाळा जीव,
मनख का बस माय कर्‌या जई सकता
हे अने कर्‌या बी ग्या हे। ८पण जीब
के कईं को मनख काबु माय नी करी
सकतो। या घातक जेर से भरी एक असी
बुरई हे जो कदी चेन से नी रे। ९[†] हम
इकासेज अपणा परभु परमेसर के भजां
अने इकासेज लोगहुंण के जो परमेसर
का रुप माय पेदा कर्‌या हे, कोसां बी हे।
१०एकज मुन्डा से आसिरबाद अने सराप
दोइज हेड़ां हे। हे म्हारा भई-बेनहुंण, असो
तो नी होणो चइये। ११कंई झिरणा का
एकज मुन्डा से खारो अने मीठ्ठो दोई
तरा को पाणी हिटी सके हे? १२हे म्हारा
भई-बेनहुंण, कंई अंजीर का झाड़का पे
से जेतून या अंगूर की बेल पे कदी
अंजीर लागे हे? नठू नी। अने नीज खारा
झिरणा से कदी मीठ्ठो पाणी हिटी सके
हे।

सरग को ज्ञान

१३भला तमारा माय, ज्ञानी अने
समजदार कुंण हे? जो हे, उके अपणा
अच्छा बरताव से यो दिखाणो चइये के
उका करम नरमता समेत अच्छा चाल-
चळण का साते कर्‌या, जो उका ज्ञान
से जुड़्या होया हे। १४पण अगर तमारा
हिरदाहुंण माय भयंकर इरसा अने सुवारत
भर्‌यो होयो हे तो अपणा ज्ञान को ढोळ
मती पीटो। असो करिके तम खुद सत पे
परदो लाखता होया असत बोली र्‌या हो।
१५असो ज्ञान तो अदरे याने सरग से नी
मिळे बल्के उ तो संसारिक हे, आतमिक
हयनी। सेतान को हे। १६क्योंके जां इरसा
अने सुवारत से भरी मन्साहुंण रे हे, वां
गड़बड़ी रे अने हरतरा की बुरी बातहुंण
रे हे। १७पण सरग से आवा वाळो ज्ञान
सगळा से पेलां तो पवित्तर सुद्द रे हे, फेर
सान्ती से भर्‌यो, सेन करवा वाळो, नरम
अने दया से भर्‌यो रे हे। अने उकासे
खास करमहुंण की फसल उपजे हे। उ
बिना तरफदारी करवा वाळो अने सांचो
बी रे हे। १८सान्ती सरु काम करवा वाळा
लोगहुंण केज धारमिक जीवन को ठीक
फळ मिळे हे अगर उके सान्ती से भर्‌या
माहोल माय बोयो हे।

जगत से दोसती

४ तमारा माय लड़ई-झगड़ा कायसरु
होय? कंई उणकी वजा तमारा
अपणा भितरेज हयनी? क्योंके तमारी
वी भोग-बिलास से भरी मन्साहुंणज जो
तमारा भित्तरे लगातार लड़ई करती रे हे,
कंई उणकासे ई लड़ई-झगड़ा नी उपजे?
२तम चाव तो हो पण पाव हयनी, तो
तम दूसरा के घात करो हो। तमारा माय
इरसा हे अने फेर बी जो चाव हो, पई
नी सको तो लड़ो-झगड़ो हो। अपणी

[†] **३.९:** उत्पत्ती १.२६

मन-मरजी की चीजहुंण के पई नी सको
क्योंके तम उणके परमेसर से नी मांगो
हो। ३अने जदे तम मांगो हो तो पाव
हयनी, क्योंके बुरी मनसा से मांगो हो,
के अपणा भोग-बिलास माय उड़ई लाखो।
४अरे, अबिसासिहुंण! कंई तम नी जाणो
के संसार से परेम करनों परमेसर से
घिरणा करवा सरीकोज हे? जो कईं को
इना संसार से परेम राखणो चावे हे, उ
अपणे खुद के परमेसर को बेरी बणाय
हे। ५या कंई तम बिचारो हो के पवित्तर
सासत्तर बेकारज यो के हे: "परमेसर ने
हमारे भित्तरे जो आतमा दई हे, वा इरसा
से पूरण मन्साहुंण से भरी रे हे?" ६[†]
पण परमेसर हजु बी जादा किरपा करे
हे। इकासरु के हे, "परमेसर घमण्डिहुंण
को बिरोदी पण दीन-हीन लोगहुंण पे
किरपा करे हे।"

७इकासरु परमेसर का बस माय हुई
जाव! सेतान को सामो करो, तो उ तमारा
सामे से भागी जायगा। ८परमेसर का कने
आव, तो उ बी तमारा कने आयगा। हे
पापिहुंण, अपणा हात सुद्द करो! सक
करवा वाळा, अपणा हिरदा के पवित्तर
करो! ९जो काम तमने कर्‌यो हे, उ देखी
के दुःखी होव, कळपो अने रोव। हुई सके
के तमारी हंसी रंज माय बदळी जाय अने
तमारो आनन्द उदासी माय बदळी जाय।
१०परभु का सामे खुद के नमाव अने उ
तमारे उंचो उठाड़ेगा।

न्याव करवा वाळा तम हयनी

११हे भई-बेनहुंण, एक-दूसरा का बिरोद
माय बोलनो बन्द करो। जो अपणा
भई-बेनहुंण का बिरोद माय बोले या
उका पे दोष लगाड़े हे, उ नेम-बिधान
काज बिरोद माय बोले अने उके दोषी
ठेराय हे।[e] अगर तम नेम-बिधान पे
दोष लगाड़ो तो तम नेम-बिधान को
पाळण करवा वाळा नी र्‌या पण तम
तो न्याव करवा वाळा बणी ग्या हो।
१२नेम-बिधान को देवा वाळो अने न्यावी
तो एकज परमेसर हे जो बचाणे अने
नास करवा की सामरत राखे हे। पण
तम कुंण हो जो अपणा पड़ोसी पे दोष
लगाड़ो हो?

अपणो जीवन परमेसर के चलावा दो

१३[†] सुणो, जो तम यो को हो, "आज
या काल हम फलांणा नगर माय जई के
सालेक-भर वां बेपार माय धन लगाड़िके
नरा रुप्या बणई लांगा।" १४पण तम
तो इतरो बी नी जाणो के काल तमारा
जीवन को कंई होयगा! तम तो भाप
सरीका हो जो थोड़िक देर नगे आवे फेर
लोप हुई जाय हे। १५पण इकी जगा तो
तमारे यो केणो चइये के, "अगर परमेसर
की मरजी होय तो हम जीवता रांगा अने
यो या उ काम करांगां।" १६पण हालत तो
या हे के तम तो अपणा दिखावटी-पणा

---

[e] **४.११** उ नेम-बिधान ... दोषी ठेराय हे।; अरथ, जो अपणा भई-बेनहुंण का बिरोद माय बोले उ परेम नी करे। इकासरु उ के हे के हमारे परमेसर का नेम-बिधान को हुकुम नी माननो चइये, क्योंके परमेसर ने हुकुम दई द्‌यो के भई-बेनहुंण के परेम करजो। उकासेज उना मनख के परमेसर का नेम-बिधान को न्याव करवा को हक हे।

[†] **४.६:** नीतिबचन ३.३४ [†] **४.१३–१४:** नीतिबचन २७.१

सरु खुद पे घमण्ड करो हो। असा सगळा
घमण्ड बुरा हे।
१७इकासरु जो कईं को सई काम करनों
जाणे हे अने नी करे, उका सरु यो पाप
हे।

सुवारती घणी सजा का भागी

५ धणिहुंण सुणो, जो संकट तमार पे
आवा वाळो हे, उका सरु रोव अने
उंची अवाज माय कळपो। **२**† तमारो धन
सड़ी चुक्यो हे पोसाकहुंण के किड़ाहुंण ने
खई ली हे। **३**तमारो सुन्नो-चांदी कीट
लगवा से बिगड़ी ग्यो हे। उणका पे
लागी कीट तम लोभिहुंण का बिरोद माय
गवई देगा अने तमारा मांस के अगनी
सरीको खई जायगा। तमने अपणा सरु
इना अंत का दनहुंण माय धन भेळो
करी ल्यो हे। **४**† देखो, तमारा खेतहुंण
माय जेना मजुर्याहुंण ने काम कर्यो,
तमने उणकी मजुरी रोकी राखी हे।
उज म्हेनताणो चीखी-पुकारी र्यो हे।
अने तमारा खेतहुंण माय काम करवा
वाळाहुंण की चीख-पुकारहुंण सगळा से
सकतीमान परभु का कानहुंण कने जई
पोंची हे। **५**धरती पे तमने सुख-बिलास
से भर्यो जीवन जीयो हे अने अपणे
खुद के भोग-बिलासहुंण माय डुबाड़ी
राख्यो हे। असतरा तमने अपणे खुद
के मारी लाखवा सरु पाळी-पोसी के
मोटो-ताजो करी ल्यो हे। **६**तमने भोळा
अने धरमिहुंण के कसुरवार ठेरई के मारी
लाख्या। उणने बिरोद नी कर्यो।[f]

जिरना मारो

७तो हे भई-बेनहुंण, परभु के पाछा
आवा तक जिरना मारो। उना किरसाण
पे ध्यान धरो जो अपणा खेत की मोलकी
पादरी सरु बाट जोय हे। इकासरु के उ
सुरु का बरसात का पाणी से लई के बाद
का पाणी तक लगातार जिरना का साते
बाट जोतो रे हे। **८**तमारे बी जिरना का
साते बाट जोणी पड़ेगा। अपणा हिरदा के
मजबूत बणायो राखजो क्योंके परभु को
दूसरी कावा आणो कनेज हे।
९हे भई-बेनहुंण, माय-माय एक-दूसरा
की चुगली मती करो ताके परमेसर तमारे
कसुरवार नी ठेराय। देखो, न्याव करवा
वाळो तो भित्तरे आवा सरु कमांड़ पेज
उब्यो हे। **१०**हे भई-बेनहुंण, उना नबिहुंण
के रियाद राखो जो परभु का नाम से
बोल्या। वी यातणाहुंण झेलवा अने
जिरना से भर्या सेन करवा की वजासे
हमारा सरु मिसाल बण्या हे। **११**† ध्यान
राखजो, हम उणके सेन करवा की वजासे
उणके धन्य माना हे। तमने अय्यूब नबी
की जिरना का बारामें अने परभु ने उके
उको जो फळ द्यो सुण्योज हे। क्योंके
उके बी तम जाणोज हे के परभु कितरो
दयालु अने करुणा से भर्यो।
१२† हे म्हारा भई-बेनहुंण, सगळा से
मोटी बात या हे के सरग की या धरती
की या कसीज तरा की सोगनहुंण खाणी
छोड़ो। सांची बात बोलो! अगर तम "हां"
केता, तो हांज होणी चइये; अने अगर

---

[f] **५.६** उणने बिरोद नी कर्यो; या लोगहुंण या परमेसर ने बिरोद नी कर्यो।
† **५.२–३:** मत्ती ६.१९ † **५.४:** नेम-बिधान २४.१४–१५
† **५.११:** अय्यूब १.२१–२२, २.१०; भजन संहिता १०३.८ † **५.१२:** मत्ती ५.३४–३७

"नी" केता, तो नीज होणी चइये - ताके
तमार पे परमेसर को दण्ड नी पड़े।

पराथना की ताकत

१३अगर तमारा माय कईं को दुःख्यो
हे, तो उके पराथना करनों चइये। अगर
कईं को खुस हे तो उके इसतुती का
गीत गाणो चइये। **१४**† अगर तमारा माय
कईं को बेमार होय, तो उके मण्डळी का
अगवाहुंण के तेड़णो चइये के वी उका
सरु पराथना करे अने उका पे परभु का
नाम से तेल मळे। **१५**क्योंके बिसास का
साते करी गी पराथना से बेमार नज
होय हे, अने परभु उके उठाड़ी के उबो
करी लाखे हे। अगर उने पाप कर्‌यो
हे तो परभु उके मांफ करी लाखेगा।
१६इकासरु अपणा पापहुंण के एक-दूसरा
का सामे मानी लो अने एक-दूसरा सरु
पराथना करो ताके तम भला-चंगा हुई
जाव। धरमी मनख की पराथना ताकत
वाळी अने असर से भरी रे हे। **१७**†
एलियाह नबी एक मनखज थो बिलकुल
हमारा सरीको। उने जोर से गिड़गिड़ई
के पराथना करी, के पाणी नी पड़े अने
साड़ा तीन बरस तक जमीन पे बरसात
नी हुई। **१८**† उने फेर पराथना करी अने
असमान माय से भारी पाणी बरस्यो अने
धरती ने फसल उपजई।

१९हे भई-बेनहुंण, तमारा माय से अगर
कईं को सत से भटकी जाय अने कईं
को उके पाछो फेरी लाय। **२०**† तो उके
यो पतो होणो चइये के जो कईं को पापी
के पाप रस्ता से फेरी ल्याय हे उ उना
पापी की आतमा[g] के हमेस्या की मोत से
बचाय हे, अने उना पापी का नरा पापहुंण
के मांफ कर्‌या जावा को कारण बणे हे।

---

[g] **५.२०** उना पापी की आतमा; या उकी खुद की आतमा।

† **५.१४:** मरकुस ६.१३ † **५.१७:** १ राजा १७.१, १८.१ † **५.१८:** १ राजा १८.४२–४५

† **५.२०:** नीतिबचन १०.१२; १ पतरस ४.८

पतरस
की पेली चिट्ठी

लिखवा वाळो: पतरस

लिखवा की वजा: दुःखहुंण माय आसा

लिखवा को बखत: करीब ६३-६५ ईस्वी सन्

भूमिका: ७२२ ईस्वी सन् अने अस्सुरिहुंण ने ५८६ ईस्वी सन् पेलां, बाबुल का लोगहुंण ने यहूदिहुंण के बन्दी बणई के पलिसतीन देस से बायरे हेड़ी लई ग्या था। बाद माय रोमी सेनापति पोम्पे बी लाक्खों यहूदिहुंण के गुलाम बणई के रोम ल्यायो थो। ई बायरे रेवा वाळा यहूदिहुंण बाद माय यूनानी भासा माय डिआस्पोरा याने "फेल्या होया" केवाता था। इणका माय यहूदी मसीहिहुंण बी आवा लाग्या, जो स्तिफनुस के भाटा मार्‌या जावा का बाद यरुसलेम से भाग्या चल्या अई र्‌या था (परेरितहुंण ८.१)। उणके खुद यहूदिहुंण मसीह ईसु का मानवा वाळा मानी के दुःख देवा लाग्या था। इना यहूदी मसीहिहुंण का साते थोड़ाक गेरयहूदिहुंण बी मसीह हुई ग्या होगा असो लागे हे। एसिया माइनर याने जो आज को तुरकीस्तान हे असाज मसीहिहुंण के पतरस नमसकार करी के या चिट्ठी लिखी र्‌यो हे "तम परदेसिहुंण का नामे जो खक्कळ-बक्कळ हुई के रई र्‌या हो" (१.१)।

ईसु का बखत माय जदे उ काया रुप माय थो तो पतरस को नरी कावा बखाण होयो हे। पतरस यरुसलेम की मण्डळी को अगवो मालम पड़े हे। उ गलील का सरवर का मेरे का गांम बेतसेदा को रेवा वाळो अने भोई थो (योहन १.४४)। यो अन्द्रियास को मोटो भई थो, पतरस के तेड़्या जावा का बखत ईसु ने क्यो थो यो सिरप मच्छीज पकड़वा वाळो नी पण मनख के म्हारा कने लावा वाळो रेगा, (मरकुस १.१६-१८; लूका ५.१-११)। ईसु ने इके अपणो चेलो बणायो थो। फेर बारा चेलाहुंण के सुब-समिचार सुणावा सरु मोकली द्‌या। याकूब अने योहन का गेले-गेल यो पतरस बी ईसु को खास चेलो थो। इकी वजासे उनी नरी घटणाहुंण को गवा थो जो ईसु मसीह ने अचरज का रुप माय करी थी (लूका ८.५४; ९.२८) गतसमनी को बाग (मत्ती २६.३७) अने ईसु के कुरुस पे चड़ाया जावा का बखत पेलां तो उ नटी ग्यो थो। बाद माय किरपा पई के उके पाछो परभु की सेवा करवा को हुकम मिळी ग्यो (१ कुरिन्थिहुंण १५.५; योहन २१.१५-१८) यरुसलेम की मण्डळी की अगवई उने डर्‌या बिना करी उ मण्डळी माय परचारक, रखवाळो अने अच्छो इन्तजाम करवा वाळो बण्यो। म्हायथी भर्‌या जीवन का आखरी माय उने घणो दुःख झेल्यो अने सताड़्या जावा वाळा बिसासिहुंण के उ जिरना से रेवा की सीख माय यो केतो र्‌यो के अपणी सगळी चिन्ता-फिकर ईसु पे लाखी दो (५.७)।

रुप-रेखा

१. अभिबादन १.१-२
२. दुःख माय सई समज १.३-१२
३. दुःख माय पवित्तर जीवन १.१३-४.६
(क) पवित्तरता की मांगः पूरण १.१३-२.३
(ख) पवित्तर लोगहुंण को मानः छांटी हुई परजा २.४-१२
(ग) पवित्तरता को नातोः बस माय होणो २.१३-३.७
(घ) पवित्तरता को फरजः भलई ३.८-१७
(ड) पवित्तरता को नमुनोः मसीह ३.१८-४.६
४. दुःख माय बी सामरत का साते सेवा ४.७-११
५. दुःख माय बी खुसी का साते गवई ४.१२-१९
६. दुःख माय बी बिसासलायक बरताव ५.१-११
७. निचोड़ ५.१२-१४

---

१ पतरस आड़ी से, जो ईसु मसीह को परेरित हेः

परमेसर का ठना छांट्या होया लोगहुंण का नामे जो पुन्तुस, गलातिया कप्पदूकिया एसिया अने बितूनिया का इलाकाहुंण माय हर कंई फेल्या होया रई र्या हो। २तम, जिणके परम पिता परमेसर का पेलां का ज्ञान मुजब, जो अपणी पवित्तर आतमा का काम से ठका हुई ग्या, जिणके ईसु मसीह को हुकम पाळण करवा अने ईसु मसीह का लोई का छांटणे से पवित्तर कर्या जावा सरु[a] छांट्या ग्या हे।

तमार पे परमेसर की किरपा अने सान्ती जादा से जादा होती रे।

जीवती आसा

३हमारा परभु ईसु का परम पिता अने परमेसर की इसतुती होय, जेने ईसु मसीह के मर्या माय से जीवाड़ी के, अपणी घणी दया का मुजब, एक जीवती आसा सरु हमारे नवो जनम द्यो हे,। ४ताके ठनी वारिसी के पई लो जो अजर-अमर अने बिना दोष की हे, जो कदी मिटवा की हयनी परमेसर ने सरग माय तमारा सरु हिपाजत से धरी राखी हे। ५तमारी रक्सा परमेसर की सामरत की वजासे तमारा बिसास से ठना ठध्दार सरु करी जाय हे। जो तमारो ठध्दार आखरी न्याव का बखत माय परगटवा वाळो हे।

६इनी बात पे तम घणा खुस रो हो। भलेज थोड़ाक बखत सरु तमारे तरा-तरा की अजमाइसहुंण से दुःख झेलनो पड़्यो होय। ७ताके तमारो परख्यो होयो बिसास, जो भस्ते माय परख्या होया नासमान सुन्ना से बी बत्ती मोलको

---

[a] **१.२** ईसु मसीह का ... पवित्तर कर्या जावा सरु; निरगमन २४.३-८ का मुजब इसराइली लोगहुंण बचड़ा का लोई को छिड़काव यो दिखाड़े के परमेसर का गेले हमारो करार हे। पण पतरस यो के हे के ईसु मसीह को लोई परमेसर अने ठका लोगहुंण का अदाड़ माय छाप लगाड़े हे (इबराणिहुंण ९.१८-२१)।

हे, तमारो बिसास परख्यो जई के ईसु
मसीह का परगटवा पे परसंसा, म्हेमा,
आदर की वजासे रेगा। ८तमने तो ईसु
मसीह के नी देख्यो जदबी तम उके
परेम करो हो। हालाके तम अबी बी
उके नी देखी र्‌या, फेर बी उका पे
बिसास करो हो अने असी खुसी से
खुस हुई र्‌या हो जेको बखाण नी हुई
सके अने म्हेमा से भर्‌यो हे, ९क्योंके
तम बिसास का नतीजा का रुप माय
अपणी आतमाहुंण को उध्दार करी
र्‌या हो।

१०इना उध्दार का बारामें उना नबिहुंण
ने बड़ी म्हेनत का साते छाणबीण करी
थी अने बड़ी होसियारी से यो पतो
लगाड्‌यो थो, जिणने उनी किरपा की
भविसबाणी करी थी जो तमार पे होवा
वाळी थी। ११वी इनी बात की छाणबीण
माय लाग्या होया था के मसीह को
आतमो, जो हमारा माय रेतो थो, अने
जेने मसीह का दुःखहुंण अने उका बाद
होवा वाळी म्हेमा की भविसबाणी करी
हे। उ कां का मनख या कां का बखत
आड़ी[b] इसारो करी र्‌यो हे १२उणका पे यो
परगट्‌यो के वी नबिहुंण इनी बातहुंण
माय अपणी नी पण तमारी सेवा करी
र्‌या था। जेनी बातहुंण को समिचार
अबे तमारे उना परचारकहुंण से मिळ्यो
जिणने सरग से मोकल्या पवित्तर आतमा
से तमारे सुब-समिचार सुणायो। सरगदूत
बी इनी बातहुंण के देखवा की घणी
मन्सा करे हे।

पवित्तर जीवन सरु तेड़्यो जाणो

१३इकासरु मानसिक रुप से चेती जाव
अने अपणा पे काबु राखो। उना बरदान
पे आखी आस राखो जो ईसु मसीह के
परगट होवा पे तमारे द्‌यो जावा वाळो हे।
१४हुकम मानवा वाळा बाळकहुंण सरीका
अपणी नासमजी का बखत की जूनी बुरी
मनसाहुंण का मुजब आचरण मती करो।
१५बल्के जसो तमारे तेड़वा वाळो परमेसर
पवित्तर हे, वसाज तम बी आखा आचरण
माय पवित्तर बणो, १६[†] क्योंके सासत्तर
माय असोज लिख्यो हे, "पवित्तर बणो,
क्योंके हूं पवित्तर हूं।"

१७जदे तम परमेसर से पराथना करो
हो तो 'हे पिता' को हो। पण उ बिना
तरफदारी के, हरेक को न्याव उणका
करमहुंण की वजासे करे हे। इकासरु तम
इनी धरती पे परदेसी का जसा रेवा वाळा
अपणो बखत डर का साते बिताड़्या बी
करो। १८क्योंके तम जाणोज हो के तमारा
उना बेकार का चाल-चळण से जो तमारे
अपणा पूरखाहुंण से मिळ्यो हे, पण
तमारो छुटकारो सुन्ना या चांदी जसी
नासमान चीजहुंण से हयनी, १९बल्के उने
तो तमारे निरदोस अने बिना कलंक का
मेमणा, याने मसीह का अनमोल लोई
से छुटकारो कर्‌यो हे। २०इना जगत की
रचणा से पेलांज परमेसर ने उके छांटी
ल्यो थो, पण तमारा सरु सिरप इना
आखर का दनहुंण माय परगट्‌यो हे।
२१तम ईसु की वजासे परमेसर पे बिसास

---

[b] **१.११** कां का मनख या कां का बखत आड़ी; या कां को मनख होयगा अने उ कां का बखत आयगा।
[†] **१.१६:** लेव्यव्यवस्था ११.४४–४५, १९.२

करो हो। परमेसर ने उके मर्‌या माय
से जिवाड़्यो अने म्हेमा दई - इकासरु
तमारो बिसास अने आसा परमेसर पे हे।
२२अबे देखो, जदे तमने सच्चई को
पाळण करता होया, अने सांचा भई-
चारा का परेम के बताड़वा सरु अपणा
आतमा के पवित्तर करी ल्या हे, तो
पवित्तर हिरदा[c] की सांची लगन का साते
माय-माय परेम राखो, **२३**तमने नासमान
बीज से नी पण अविनासी बीज से, याने
परमेसर का जीवता अने अटळ बचन से
नवो जनम पायो हे। **२४**† क्योंके सासत्तर
माय लिख्यो हे:

"सगळा मनखहुंण चारा सरीका
हे,
अने उणकी साज-सज्जा चारा का
फूल सरीकी हे।
चारो सुकी जाय अने फूल खरी
जाय हे,
२५ पण परभु को बचन हमेस्या
बण्यो रे हे।"†

अने यो बचन उ सुब-समिचार हे जेको
तमारे परबचन सुणायो थो।

जीवता एरण अने पवित्तर परजा

२ इकासरु सगळी बुरइहुंण, छळ-
परपंच, ढोंगीपणा, जळण अने
हरतरा की निंदा के दूरो राखी के,
२नवा जनम्या बाळकहुंण सरीका सुद्द
आतमिक दूद की चायना माय रो, ताके
तम उध्दार माय बड़ता जाव, **३**† क्योंके
सासत्तर माय लिख्यो हे: "तमने परभु
की किरपा को सुवाद चाखी ल्यो हे"।
४मसीह ईसु कने आव। उ जीवतो
"एरण" हे। उके संसारी लोगहुंण ने
नकारी लाख्यो थो, पण जो परमेसर की
नगे माय छांट्यो होयो अने घणो मोलको
हे। **५**तम बी जीवता एरणहुंण सरीका
एक आतमिक भवन बणता जई र्‌या
हो। तम हजु बी पुरोहितहुंण को एक
पवित्तर समाज बणी के असा आतमिक
बलिदान चड़ाव जेके ईसु मसीह की
वजासे परमेसर खुसी से ले हे।† **६**† क्योंके
सासत्तर माय लिख्यो हे:

"देखो, हूं सिय्योन नगर माय
छांट्यो होयो एरण याने कोणा
को
एक अनमोल एरण धरी र्‌यो हूं,
अने जो उका पे बिसास करे, उ
कदी लाजे नी मरेगा।"

७† इना एरण को मोल तो तम
बिसासिहुंण सरु घणो हे, पण उणका सरु
जो बिसास नी करे हे:

"उज एरण जेके राज कारीगरहुंण ने
नकार्‌यो थो,
उज कोणा को खास सिरो बणी
ग्यो।"

८† अने दूसरी जगा सासत्तर माय असो
के हे,

"उज लोगहुंण के ठोकर लगाड़वा
को एरण हे,
अने ठोकर खावा की सिल्ला,"

---

[c] **१.२२** पवित्तर हिरदा; थोड़ाक हात का लेखहुंण माय पूरण हिरदा।

† **१.२४–२५:** यसायाह ४०.६–८ † **१.२५:** यसायाह ४०.६-८ † **२.३:** भजन संहिता ३४.८
† **२.५:** रोमिहुंण १२.१ † **२.६:** यसायाह २८.१६ † **२.७:** भजन संहिता ११८.२२
† **२.८:** यसायाह ८.१४–१५

परमेसर का बचन को पाळण नी करिके
वी ठोकर खाय हे। अने इना बिनास सरु
वी लोग राख्या ग्या बी हे।
९पण तम एक छांट्यो होयो बंस† हो,
राज पुरोहितहुंण को समाज, एक पवित्तर
परजा, अने परमेसर का लोग† हो। उकासे
तम उका म्हान गुणहुंण के परगटो† जेने
तमारे इन्दारा माय से हेड़ी के अपणा
अदभुद उजाळा माय तेड़्या हे। १०† सासत्तर
माय लिख्यो हे: "एक बखत असो थो जदे
तम परमेसर की परजा नी था, पण अबे
परमेसर की परजा हो। उना बखत तमार
पे दया नी थी, पण अबे हुई हे।"

परमेसर सरु जीवता रो

११हे परमिला दोसहुंण, हूं तमार से
बिणती करूं अपणे खुद के इना जगत
माय परदेसी अने जातरी जाणी के उनी
काया का बुरा बिचारहुंण से दूरा रो जो
अपणी आतमा का बिरोद माय लड़ई
करे हे। १२दूसरी जातहुंण का अदाड़ माय
अपणो चाल-चळण अच्छो बणई राखो,
जेकासे वी जेनी बातहुंण माय तमारे बुरा
काम करवा वाळा कई के तमारी बुरई करे,
उनी बातहुंण माय तमारा भला कामहुंण
के देखी के ईसु का आवा वाळा किरपा
भर्या दन माय परमेसर की म्हेमा करे।

हाकिमहुंण को हुकम मानो

१३परभु सरु हरेक मनखहुंण का हाकिम
का बस माय रो। म्हाराजा का बस माय
रो जो सगळा से मोटो हाकिम हे। १४अने
सासकहुंण का बस माय रो। म्हाराजा
ने उणके बुरा काम करवा वाळाहुंण के
सजा देवा अने भलो काम करवा वाळाहुंण
की परसंसा सरु मोकल्या हे। १५क्योंके
परमेसर की याज मरजी हे के तम भला
काम करिके दोष लगावा वाळा मूरखहुंण
की बोलती बन्द करी लाखो। १६आजाद
मनखहुंण जसा काम करो, अने अपणी
आजादी के बुरई सरु आड़ मती बणाव।
परमेसर का दासहुंण सरीका उके काम
माय लो। १७सगळा को आदर करो, भई-
बेनहुंण से परेम राखो, परमेसर से डरो,
अने म्हाराजा को मान करो।

मसीही दुःख माय सीख देवा वाळा

१८हे सेवकहुंण, आदर का साते अपणा
मालेखहुंण का बस माय रो - सिरप
उणकाज नी जो भला अने नरम हे, पण
उणका बी जिणका माय दया हयनी।
१९क्योंके अगर कईं को परमेसर सरु
अच्छी समज की वजासे दुःख उठाड़ता
होया अन्याव के जिरना से सई र्यो हे
तो उ परमेसर की परसंसा को हकदार
हे। २०जदे तम पाप करी र्या हो अने
तमारा गेले बुरो-बरताव होय अने तम
बड़ी जिरना का गेले सई र्या हो, तो
इका माय परसंसा की कंई बात? पण
ठीक काम करिके सताड़्या जावा पे,
अगर जिरना से सई र्या हो तो इका
से परमेसर खुस रे हे। २१तम इकाज
सरु तेड़्या ग्या हो, क्योंके मसीह ने बी
हमारा सरु दुःख सयो अने असो करिके

† **२.९:** निरगमन १९.५,६; यसायाह ४३.२०, २१
† **२.९:** निरगमन १९.५; लेव्यव्यवस्था ४.२०; ७.६; १४.२ † **२.९:** यसायाह ४३.२१; ६१.६
† **२.१०:** होसे २.२३

हमारा सरु मिसाल दई हे ताके हम बी
उकाज सरीको करां। २२† "उने नी तो कईं
को पाप कर्‌यो अने नी उका मुन्डा से
छळ-कपट की कइंकी बात हिटी।" २३†
जदे उको मान-पड़्यो तो उने कइंका को
मान नी पाड़्यो। दुःख उठाड़ता होया उने
कइंका के धमकी नी दई, पण उने खुद
के परमेसर का हात माय दई द्‌यो जो
सांचो न्याव करवा वाळो हे। २४† मसीह
ने खुद अपणीज काया माय कुरुस पे
हमारा पापहुंण के उठई ल्या, जेकासे हम
पाप सरु मरी ग्या पण धरम सरु जीवन
जी र्‌या हे। उका घावहुंण से तम नज
होया हो। २५† तम तो गाडरहुंण सरीका
भटकी र्‌या था, पण अबे तम अपणा
आतमाहुंण का गड़रिया अने नेपादार कने
पाछा अई ग्या हो।

घराळा अने घराळी का बारामें

३ † असतरा हे घराळिहुंण, अपणा-
अपणा घराळा का बस माय रो ताके
उणका माय से अगर कईं को परमेसर
का बचन के नी पाळे, २तो तमारा
पवित्तर अने मान से भर्‌यो चाल-चळण
देखी के बिना बात-चितज अपणी-अपणी
घराळी का बरताव से बिसास करवा सरु
जीत्या जाय। ३† तमारो सजणो-संवरणो
दिखावटी नी होणो चइये, याने बालहुंण
के गुंथणो, सुन्ना की रकम, अने तरा-
तरा का लतरा पेरनो। ४बरण तमारो
सजणो-संवरणो तमारा हिरदा का माय
को होणो चइये, जो नरम अने सांत
आतमा को नास नी होवा वाळा सुन्दरता
से भर्‌यो रे, अने जो परमेसर की नगे
माय अनमोल रे। ५क्योंके बित्या जुग
माय पवित्तर बइराहुंण जो परमेसर माय
आस राखती थी अपणा-अपणा घराळा
का बस माय रई के खुद के असीज तरा
से सजती-संवारती थी। ६† असतरा सारा,
इबराइम के स्वामी कई के उका बस
माय रेती थी। अगर तम बी बिना डर के
भलो काम करो जो ठीक हे तो तम सारा
की बेटिहुंण रोगा।

७† असतरा हे घराळाहुंण, तमारा
माय से हरेक अपणी घराळी का गेले
समजदारी से रे, उके कमजोर जाणो,
क्योंके वा बइरा हे। जीवन का बरदान
माय उणके अपणा गेले की वारिस जाणी
के उणको मान करो, जेकासे तमारी
पराथनाहुंण माय रोड़ो नी अटके।

भलई करवा की वजासे दुःख भोगणो

८आखर माय, तम सगळा का सगळा
एक मन्सा राखो, किरपालु भई-बेनहुंण से
परेम करवा वाळा, दयालु, अने नरमइता
से रो। ९बुरई को पलटो बुरई से मती दो,
अने नी गाळ का बदळा माय गाळ दो,
पण आसीसज दो, क्योंके परमेसर ने
तमारे इना मकसद सरु तेड़्या हे के तम
आसीस की वारिसी को हक पई सको।
१०† क्योंके सासत्तर माय लिख्यो हे:
"जो कईं को जीवन की मन्सा राखे

† **२.२२:** यसायाह ५३.९ † **२.२३:** यसायाह ५३.७ † **२.२४:** यसायाह ५३.५
† **२.२५:** यसायाह ५३.६ † **३.१:** इफिसिहुंण ५.२२; कुलुस्सिहुंण ३.१८ † **३.३:** १ तीमुथियुस २.९
† **३.६:** उत्पत्ती १८.१२ † **३.७:** इफिसिहुंण ५.२५; कुलुस्सिहुंण ३.१९
† **३.१०–१२:** भजन संहिता ३४.१२–१६

अने भला दन देखणो चावे,
तो उ अपणी जीब के बुरई से
अने अपणा होंटहुंण के छळ-कपट
की बात बोलवा से रोक्यो
राखे।
११उ बुरई से फरिके भलई करे,
उ मेळ करावा का जतन माय
लाग्यो रे, अने उका पछड़े
चले।†
१२परभु की नगे धरमिहुंण पे लागी रे
हे,
अने उका कान उणकी
पराथनाहुंण आड़ी लाग्या रे हे।
पण जो बुरा करम करे हे, परभु
उणको बिरोद करे।"

१३अगर तम भलई करवा की मन्सा राखो तो तमारे नुकस्यान पोंचाड़वा वाळा कुंण हुई सके? १४† फेर बी अगर तमारे धरम सरु दुःख उठाड़णो पड़े तो परमेसर तमारे आसीस देगा। उणकी डांट-फटकार से नी तो डरो अने नी दुःख्या रो, १५पण ईसु के पवित्तर परभु जाणी के अपणा हिरदा माय राखो।† अने अपणी मसीही आसा का बारामें पुछ्या जावा पे हरेक पुछवा वाळा के नरमइता अने आदर का साते जुवाब देवा सरु हमेस्या तय्यार रो। १६अपणी न्याव करवा की समज के पवित्तर राखो, ताके ईसु मसीह माय तमारा भला आचरण की निंदा करवा वाळा लोग तमारो मान पाड़वा से लजाय। १७क्योंके अगर परमेसर की मरजी याज हे के तम दुःख झेलो तो भला करम करता होया झेलो, नीके बुरा करम करता होया। १८क्योंके मसीह ने बी हमारा पापहुंण सरु दुःख झेल्यो, याने उ जो निरदोस थो हम पापिहुंण सरु एक कावा मरी ग्यो[d] के हमारे परमेसर का कने लई जाय। काया का भाव से तो उ मरी ग्यो, पण आतमा का भाव से जी उठ्यो। १९आतमा का भाव मायज उने जई के उनी बन्दी आतमाहुंण के सुब-समिचार सुणायो, २०† जो एक बखत हुकम नी मानवा वाळा था, जदे नूह को उ झाज बणी र्‌यो थो अने परमेसर जिरना मारी के बाट जोई र्‌यो थो। उना झाज माय सिरप आठ जणाज पाणी से बच्या था। २१यो पाणी उना बपतिसमा सरीको हे जेकासे अबे तमारो उध्दार होयो हे। इका से काया को मेळ छुड़ाणो नी, पण पवित्तर समज से परमेसर का बस माय रेणो हे। अबे तो बपतिसमो तमारे ईसु मसीह का जी उठणा की वजासे बचाड़े हे। २२उ सरग माय जई के परमेसर का सुदा-हाताड़ी बिराजमान हे, अबे सगळा सरगदूतहुंण, हाकिमहुंण, अने ताकतहुंण उका बस माय करी लाखी हे।

बदळ्यो होयो जीवन

४ जदे ईसु ने काया माय दुःख झेल्यो तो तम बी उका जसा बिचार के हतियार का रुप माय धारण करी लो, क्योंके जेने काया माय दुःख उठाड़्यो, उ पाप से छुटिग्यो। २इकासरु बच्यो होयो अपणो बाकी को काया को जीवन,

---

[d] **३.१८** मरी ग्यो; थोड़ाक हात का लेखहुंण माय दुःख उठाड़्यो।

† **३.११:** भजन संहिता ३४; १४ † **३.१४–१५:** मत्ती ५.१०; यसायाह ८.१२–१३

† **३.१५:** यसायाह ८.१३ † **३.२०:** उत्पत्ती ६.१—७.२४

मनखहुंण की मरजी मुजब नी, पण
परमेसर की मरजी मुजब बिताव।
३क्योंके बित्यो होयो जो बखत तमने
भोगहुंण, वासनाहुंण, पियक्कड़पणों,
रंगरंगेळिहुंण, तेवारहुंण माय दारु पीणो
अने घिरणा से भरी हुई मुरतहुंण माय
घणो बखत गमई के दूसरी जातहुंण जो
परमेसर के नी जाणे उणकी मरजी का
मुजब काम कर्‌यो, उज नरो हे। ४इनी
सगळी बातहुंण माय उणके घणो अचरज
होय क्योंके तम असा दूराचार माय अबे
उणका गेले नी रो, तो वी तमारो मान
पाड़े हे। ५पण वी परमेसर के लेखो देगा
जो जीवताहुंण अने मर्‌याहुंण को न्याव
करवा सरु तय्यार हे। ६इकासरु मर्‌या
होया के बी मसीह ने सुब-समिचार
सुणायो हे के काया का भाव माय उणको
न्याव सगळा मनखहुंण का मुजब होय।
पण वी आतमा का भाव माय परमेसर
का मुजब जीवता रे।

परमेसर का बरदान का भला भण्डारी

७सगळी बातहुंण को अंत कने हे।
समजदार बणी के अपणा पे काबु राखो
ताके पराथना करवा माय मदद मिळे।
८† सगळा से मोटी बात या हे के, एक-
दूसरा पे परेम राखो क्योंके अगर हम
एक-दूसरा के परेम करां तो अणगिणत्या
पापहुंण को हल होय हे। ९बगेर कंई
बोल्या सुण्या, एक दूसरा की सेवा
सतकार करो। १०†जदके हरेक के एक
खास बरदान मिळ्यो हे, तो उके परमेसर
का नरा बरदानहुंण के अच्छा परबन्द
करवा वाळा की तरा एक-दूसरा की सेवा
माय लगाड़ो। ११जो कईं को परबचन
दे, उ असो दे मानो के परमेसर कोज
बचन दई र्‌यो हे। अगर कईं को दूसरा
की मदद करे तो उना बरदान का गेले
करे जेके परमेसर दे हे, जेकासे सगळी
बातहुंण माय ईसु मसीह से परमेसर की
म्हेमा होय। म्हेमा अने हक सदा-सदाज
उको हे। आमीन।

मसीही हुई के दुःख उठाड़णो

१२हे परमिला दोसहुंण, तमार माय
अगनी-परख अई हे के तमारे परखे,
पण तम असो ताजुब मती करजो जसे
तमारा गेले कइंकी अणहोणी घटी री होय।
१३बल्के खुसी मनाव के तम मसीह का
दुःखहुंण माय बांटो बंटई र्‌या हो। ताके
जदे उकी म्हेमा परगटे तो तम बी खुस
अने मगन री सको। १४अगर मसीह का
नाम की वजासे तमारी निंदा करी जाय तो
तम धन्य हो, क्योंके म्हेमा को आतमो,
जो परमेसर को आतमो हे, तमारा माय
वास करे हे। १५तो कसीज तरा से तमारा
माय कईं को हत्यारो, चोळ्डो, कुकरम
करवा वाळो, अने दूसरा का कामहुंण माय
रोड़ो अटकई के दुःख नी भोगे। १६पण
अगर कईं को मसीही होवा की वजासे
दुःख झेले, तो उके लाजे नी मरनो चइये।
उ इना नाम के धारण करिके मसीह का
नाम सरु परमेसर की म्हेमा करे हे।

१७क्योंके परमेसर के अपणा परवार
सेज न्याव सुरु करवा को बखत अई ग्यो
हे। अगर न्याव की सुरुआत हमारा सेज

---

† **४.८:** नीतिबचन १०.१२ † **४.१०-११:** रोमिहुंण १२.६-८

हे तो जिणने सुब-समिचार को पाळण
नी कर्‌यो, उणको कंई हाल होयगा? १८†
क्योंके सासत्तर माय लिख्यो हे:
"अगर धरमी मनखज मुसकिल से
उध्दार पाय,
तो बिना ईसवर का अने पापिहुंण
का गेले कंई घटेगा?"†
१९इकासरु वी जो परमेसर की मरजी
मुजब दुःख झेले, सई काम करता होया
उना बिसासलायक जगत का सिरजनहार
के अपणी-अपणी आतमाहुंण के दई देणी
चइये।

डोकरा धरम-सेवकहुंण अने जुवानहुंण के हुकम

५ तमारा माय का डोकरा धरम-
सेवकहुंण के हूं जोस देवाडुं। (हूं बी
डोकरो धरम-सेवक हूं, मसीह ने जो दुःख
उठाड़्या उणको गवा हूं, अने जदे मसीह
परगटेगा हूं आवा वाळी म्हेमा माय बांटेदार
हूं।)[e] २† बाट बताड़वा वाळा परमेसर का
लोगहुंण तमारी देख-रेख माय हे। यो
कइंका की दबेलदारी हयनी, बल्के परमेसर
की मरजी मुजब अने असो करवा की खुद
की मरजी की वजासे हे, तम अपणो काम
धन का लोभ माय नी बल्के सेवा करवा
सरु जोस माय अई के करो। ३जो लोगहुंण
तमारी देख-रेख माय द्‌या हे, उणका पे
हक मती जताड़ो, पण अपणा खाडु का
लोगहुंण सरु नमुना बणो। ४ताके जदे
परधान रखवाळो याने मसीह परगटेगा तो
तम अजर-अमर म्हेमा को मुगुट पावगा।

५† असतरा, हे जुवानहुंण, तम डोकरा
धरम-सेवकहुंण का बस माय रो। अने
तम सगळा का सगळा एक-दूसरा सरु
नरमइता धारण करो, क्योंके सासत्तर
माय लिख्यो हे: "परमेसर घमण्डिहुंण को
तो बिरोद करे हे, पण नरमइता से रेवा
वाळाहुंण पे किरपा करे हे। ६† इकासरु
परमेसर का सामरती हात का निच्चे
नरमइता से रो, ताके ठीक बखत आवा
पे उ तमारे उंचो उठाड़े। ७तम अपणो
सगळो सांसो-फिकर उकापेज लाखी दो
क्योंके उज तमारो सांसो करे हे।
८अपणे खुद के काबु माय राखो अने
होसियार रो। तमारो दुसमन सेतान

न्हार (१PE ५.८)

द्‌हाड़वा वाळा न्हार सरीको अंई-वंई
भटकतो होयो इनी ताक माय रे हे के
जो मिळे उके फाड़ी खाय। ९उको बिरोद
करो अने अपणा बिसास माय डट्‌या रो।
यो जाणी लो के तमारा भई जो संसार
माय रे हे असीज तरा को दुःख सई
र्‌या हे। १०पण आखी किरपा को सोतो

---

[e] **५.१** डोकरा धरम-सेवकहुंण; पराचीन या परेसबिटर।

† **४.१८:** नीतिबचन ११.३१ † **१.२:** परेरितहुंण १६.१ † **५.२:** योहन २१.१५–१७
† **५.५:** नीतिबचन ३.३४ † **५.६:** मत्ती २३.१२; लूका १४.११, १८.१४

परमेसर जेने तमारे मसीह माय अपणी
सदा की म्हेमा सरु तेड़्या तमारे थोड़ोक
दुःख उठाड़वा का बाद उ खुदज तमारे
सिद्ध, मजबूत, ताकत वाळा ठावो करेगा।
[११]उकोज हक सदा-सदाज रे। आमीन।

चिट्ठी की समापती

१२[†] म्हने सीलास[f] की मदद से, जेके हूं
बिसास लायक भई मानूं, इनी छोटी सी
चिट्ठी के लिखी हे। म्हने तमारे जोस
देवाड़वा सरु के परमेसर की सांची किरपा
याज हे, गवई देवा सरु लिखी हे। इका
पेज डट्या रो।

१३[†] बेबीलोन नगर[g] की मण्डळी जो
तमाराज सरीकी परमेसर ने छांटी हे,
तमारे नमसकार के हे। मसीह माय
म्हारो बेटो मरकुस बी तमारे नमसकार
के हे। [१४]मसीह का परेम से भर्या
चुम्माहुंण से एक-दूसरा को मान-सतकार
करजो।

तमारे सगळा के, जो मसीह माय हो,
सान्ती मिळे।

---

[f] **५.१२** सीलास; यूनानी माय, सिलवानुस (परेरितहुंण १५.२२,४०)। [g] **५.१३** बेबीलोन नगर; जसे दरसन की पोथी माय असे बेबीलोन सायद रोम नगर हे।

[†] **५.१२:** परेरितहुंण १५.२२, ४०

[†] **५.१३:** परेरितहुंण १२.१२, २५, १३.१३, १५.३७–३९; कुलुस्सिहुंण ४.१०; फिलेमोन २४

पतरस
की दूसरी चिट्ठी

लिखवा वाळो: पतरस

लिखवा की वजा: पवित्तरता, सांचो ज्ञान, ईसु के पाछो आणो

लिखवा को बखत: करीब ६६-६७ ईस्वी सन्

भूमिका: लिखवा वाळो खुद अपणो नाम बताड़े हे "सिमोन पतरस ... जो ईसु मसीह को दास अने परेरित हे" (१.१)। थोड़िक उकी खुद की गवई अने म्हायथी की बात बी इका माय हे।

(१) परबत पे ईसु को रुप बदळणो (१.१६-१८; मरकुस ९.२-८)।

(२) यूनानी माय भोईहुंण सरीकी भासा, "भेकई ले हे" "फंसई ले हे" (२.१४,१८)।

(३) इनी चिट्ठी के उ अपणी दूसरी चिट्ठी के हे।

इनी चिट्ठी माय ज्ञान सबद् १२ कावा आयो हे (१.२,३,५,६,८,१६,२०; २.२०,२१ ३.३,१७,१८)। सांचा ज्ञान पे इकासरु जोर दे क्योंके इनी चिट्ठी माय झुंटी सीख को काठो बिरोद कर्‌यो हे। आखी चिट्ठी माय या बात सामे अई के सांचा ज्ञान को सोतो अने मसीह जीवन की बाट बताड़णे वाळो तो परमेसर को बचनीज हे।

अपणा आड़ी से पतरस यो केणो चई र्‌यो के परमेसर ने बिसासी आतमिक जीवन सरु पूरो-पूरो परबन्द करी राख्यो (१.३), तो बिसासी को यो काम हे के उना परबन्द को सई-सई फायदो ले (१.८)। यां पतरस तीन बात के हे

१. पवित्तर आतमा आड़ी से द्‌यो बचन (१.२०,२१) परमेसर का हक से भर्‌यो बचन हे। यो ठीक हे के हम उके होसियारी से माना। (१.१९)

२. झुंटा सिक्छक "उना मालेख के बी नी माने जेने उणके मोल ल्या हे" जेना रस्ता पे वी चली र्‌या उ पक्की तोर से उणके सजा आड़ी लई जायगा (२.१)।

३. ईसु मसीह पाछो आयगा इकी वजासे परमेसर को नाम अने उको मकसद दोइज सांचा रेगा, जदके "परभु को दन" इके जगत माय मजाक उड़ावा वाळा सरु न्याव अने सजा को दन रेगा (अध्याय ३) तो पतरस चिट्ठी का बांचवा वाळाहुंण के या चुनोती दे हे के कोसिस करो (३.१४) अने बड़ता जाव (३.१८)

रुप-रेखा

१. बिसास, किरपा अने सान्ती को आसिरबाद १.१-२
२. मसीह जीवन से ज्ञान को नातो १.३-११
३. परमेसर का बचन से ज्ञान को नातो १.१२-२१
४. झुंटी सीख से ज्ञान को नातो २.१-२२
५. ईसु के फेर पाछो आवा से नातो ३.१-१३
६. निचोड़: मजबूती अने उन्नती ३.१४-१८

---

१ सिमोन पतरस आड़ी से, जो ईसु
मसीह को दास अने परेरित हे,
उना लोगहुंण का नामे जिणके परमेसर
से हमारा सरीकीज सीख अने बिसास
मिळ्यो हे। क्योंके हमारो परमेसर अने
उध्दार करवा वाळो ईसु मसीह न्यावी हे।
२परमेसर अने हमारा परभु ईसु का
बारामें पूरण ज्ञान से तमारा हिरदा माय
किरपा अने सान्ती जादा से जादा मिळे।

परमेसर का ज्ञान माय बड़णो

३अपणा जीवन अने परमेसर की सेवा
सरु जो कंई हमारे चइये थो मसीह
ने अपणी अदभुद ताकत से सगळो
कंई हमारे द्यो हे, क्योंके हम जाणा
हे, जेने अपणी[a] म्हेमा अने भलई की
वजासे हमारे तेड़्या हे। ४उने इनीज
वजासे हमार से म्हान अने अनमोल
बरदान को करार कर्‌यो हे। इना दान
की वजासे तम उना भरस्ट आचरण से
जो वासना की वजासे संसार माय हे
छुटी के, ईसवरीय सुभाव का हिस्सादार
हुई जाव। ५तो इकासरु तम कोसिस
करता रो। अपणा बिसास माय उत्तम
गुणहुंण के बड़ाता चलो, अने उत्तम
गुणहुंण माय ज्ञान के, ६ज्ञान माय
आतमा-सयंम के, आतमा-सयंम माय
जिरना के, जिरना माय परमेसर की
भगती के, ७भगती माय भई-चारा के,
अने भई-चारा माय परेम के बड़ाता
चलो। ८क्योंके अगर ई गुणहुंण तमारा
माय हे अने वी बड़ी र्‌या हे तो वी
तमारे लायक अने सफल बणई देगा
अने उणकासे तमारे हमारा परभु ईसु
मसीह को पूरण ज्ञान मिळेगा, ९पण
जिणका माय ई गुणहुंण हयनी, वी
आंदा हे, क्योंके वी दूरा की नगे नी
राखे। वी यो भुली ग्या हे के परमेसर
ने उणके पेलां का पापहुंण से धोया हे।[†]
१०इकासरु हे भई-बेनहुंण, यो दिखाड़्वा
सरु हजु जादा कोसिस करता रो, के
तम सांची माय परमेसर आड़ी से तेड़्या
अने छांट्या ग्या हो। अगर तम इनीज
बातहुंण के करो हो, तो कदी ठोकर खई
के पाप माय पड़ोगा हयनी।[b] ११अने
असतरा हमारा परभु अने उध्दार करवा

---

[a] **१.३** अपणी; या उका आड़ी से।
[b] **१.१०** पाप माय पड़ोगा हयनी; या तमारा बिसास छोडेगा नी।
[†] **१.९:** परेरितहुंण २.३८; २२.१६

वाळा ईसु मसीह का सदा का राज माय
जावा सरु तमारो बड़ो सुवागत रेगा।

सासत्तर माय भविसबाणी

१२हालाके तम उणके पेलांसेज जाणो
हो, अने जो सच्चई तमारे मिळी हे, उका
पे टिक्या बी होया हो। इनी वजासे हूं
तमारे इनी बातहुंण के हमेस्या रियाद
देवाड़तो रुंवां। **१३**यो म्हारा सरु ठीक जाणूं
के हूं जदत्तक इनी काया माय हूं, इनी
बातहुंण के रियाद देवाड़ी के तमारे जोस
देवाड़तो रूं। **१४**क्योंके हूं यो जाणूं के
म्हारे इनी काया के छोड़वा को बखत
कने हे, जसोके हमारा परभु ईसु मसीह
ने म्हारे बताड़ी द्यो हे। **१५**इकासरु हूं
आखी कोसिस बी करुंवां के म्हारा मर्या
पाछे तम कइंका बी बखत इनी बातहुंण
के हमेस्या रियाद करी सको।

देखी हुई ईसु की म्हेमा

१६जदे हमने हमारा परभु ईसु मसीह
की सामरत अने पाछा आवा को समिचार
तमारे बताड्यो थो, तो हमने चतरई से
बणई बारताहुंण को सायरो नी ल्यो थो।
क्योंके हम तो उकी म्हानता का खुदज
गवा हे। **१७**[†] जदे उने परमेसर पिता से
मान अने म्हेमा पई अने उके परतापी
म्हेमा की असी खास अकासबाणी हुई
"यो म्हारो परमिलो बेटो हे, हूं इका से
घणो खुस हूं " **१८**तो हम उका गेले
पवित्तर परबत पे था, अने खुद हमने
असमान से अई या बाणी सुणी।

१९तो नबिहुंण को जो बचन हमारा कने
हे, उ हजु बी जादा सिद्द होयो। इका पे
ध्यान दई तम अच्छो करोगा, मानो के
यो इन्दारा माय चळकतो होयो एक दीयो
हे, जो उना बखत तक चळके जदत्तक
परोड़ो नी हुई जाय, याने मसीह को दन
नी अई जाय, अने तमारा हिरदाहुंण माय
परोड़ा को तारो नी उग्याय। **२०**पण पेलां
या जाणी लो के पवित्तर सासत्तर की
कइंकी बी भविसबाणी कइंका नबी की
नीजी बिचारधारा का बारामें हयनी[ᶜ] हे,
२१क्योंके कइंकी बी भविसबाणी मनख की
मरजी से कदी नी हुई, पण लोग पवित्तर
आतमा की परेरणा से परमेसर आड़ी से
बोलता था।

झुंटा सीखावा वाळा

२ पण उना इसराइल लोगहुंण का माय
झुंटा नबिहुंण बी अई ग्या। असतरा
तमारा माय बी झुंटा परबचन देवा
वाळा छाने से खतरनाक अने अधरम
की सीख को परचार करेगा, यां तक के
मालेख के बी नकारी देगा जिणने उणके
पाप से आजादी देवाड़ी थी। असतरा से
झटज अपणा अदरे बिनास लइ-यायगा।
२नरा लोगहुंण तो उणका भोग-बिलास
का मुजब चलेगा। इणका बुरा काम की
वजासे सच्चई का रस्ता के कोसेगा। **३**वी
झुंटा सीखावा वाळा लोभ माय पड़ी के
झुंटी बातहुंण बणायगा अने तमार से
बेकार को फायदो लेगा। परमेसर आड़ी
से सजा को हुकम तो उणका पे पेलांसेज

ᶜ **१.२०** कइंका नबी की नीजी बिचारधारा का बारामें हयनी; या पवित्तर सासत्तर की कइंकी बी भविसबाणी हम खुद बताड़ी नी सकां।

† **१.१७–१८:** मत्ती १७.१–५; मरकुस ९.२–७; लूका ९.२८–३५

हुई चुक्यो हे, अने उणको बिनास सोयो
होयो नी हे।
४क्योंके परमेसर ने उना सरगदूतहुंण
के जिणने पाप कर्‌या था नी छोड़्या,
पण उणके नरक माय लाखी द्‌या अने
वी न्याव का दन सरु इन्दारा कुण्डहुंण
माय सांकळ से खांगी लाख्या[d] हे, ५†
अने उना जूना जमाना का मनखहुंण
के बी नी छोड़्या पण संसार का
परमेसर के नी मानवा वाळा पे जळ-
परळय मोकल्यो, फेर बी धारमिकता को
परचारक नूह का समेत सात मनखहुंण
के हजु बचाड़ी ल्या। ६† हालाके उने
सदोम अने अमोरा[e] का नगरहुंण के
बिनासकारी दण्ड दई के भसम करी
लाख्या के वी आवा वाळा दनहुंण माय
परमेसर के नी मानवा वाळा सरु मिसाल
रे। ७† अने परमेसर ने लूत के बचई ल्यो
जो धरमी मनख थो। उ लोगहुंण का
गिर्‌या होया चरित्तर से अने वासना से
भर्‌या आचरण से दुःखी थो। ८उ धरमी
मनख उण लोगहुंण का माय रेता होया
जो परमेसर के नी माने जो कंई देखतो
अने सुणतो थो, उणका बुरा करमहुंण की
वजासे उको हिरदो हरदन घणो दुःखी
रेतो थो। ९असतरा अपणा भगतहुंण
के अजमाइस माय से परभु बचाणे
अने अधरमिहुंण के न्याव का दन तक
सजा देणे सरु राखणो जाणे हे, १०खास
करिके उणके जो अपणी काया के भरस्ट
मन्साहुंण माय लगाड़ी राखे अने परभु
का हक से नफरत करे हे।
ई घमण्डी अने अपणी मरजी का
मुजब चले हे, ई म्हेमावान पराणिहुंण[f]
को माजनो पाड़वा से बी नी डरे।
११जदके परमेसर का सरगदूतहुंण जो
म्हेमावान पराणिहुंण से ताकत अने
सामरत माय ऊंचा होता होया बी, परभु
का सामे उणका पे भलो-बुरो कई के
दोष नी लगाड़े। १२ई झुंटा परबचन देवा
वाळा बिना जिबान का जनावरहुंण अने
नासमज जीवहुंण सरीका हे, जो पकड़्या
अने मारी लाख्या जावा सरु पेदा होया
हे। ई जेनी बातहुंण के जाणेज हयनी,
उणकी बुरई करे हे। इणको बिनास
बी जनावरहुंण सरीकोज रेगा। १३इणके
बुरई को बदळो बुरइज मिळेगा। दन
का बखत इणके भोग-बिलास करनों
अच्छो लागे। ई दाग अने धब्बा हे, ई
तमारा गेले जिमवा माय भेळा हुई के
छळ से रंगरंगेळिहुंण मनाय हे। १४इणकी
आंखहुंण ब्योबिचार से भरी रे हे, जो
पाप करवा से नी चुके। ई मन-चल्याहुंण
के पाप सरु भेकई ले हे। इणका हिरदा
लोभ करवा की आदत माय रे, उणका
पाप की वजासे परमेसर ने उणके सराप
द्‌यो। १५† ई सुदी-सादी बाट से भटकी
ग्या हे, इणने बओर का बेटा बिलाम
की बाट पे चलनो सुरु कर्‌यो, जेके बदी
की मजुरी पियारी थी। १६पण उका बदी

---

[d] **२.४** सांकळ से खांगी लाख्या; कई लेखहुंण माय असो इन्दारा की जगा। [e] **२.६** सदोम अने अमोरा; इना दोई नगरहुंण के परमेसर ने नास करी लाख्या था क्योंके इना नगरहुंण माय घणी बुरइहुंण थी। (उत्पत्ती १९.२४)। [f] **२.१०** पराणिहुंण; सायद बुरर्‌ई से भर्‌या होया सरगदूतहुंण।
† **२.५:** उत्पत्ती ६.१—७.२४ † **२.६:** उत्पत्ती १९.२४ † **२.७:** उत्पत्ती १९.१–१६
† **२.१५–१६:** गिणती २२.४–३५

का काम के रोकवा सरु क्यो। एक बिना
जिबान की गदड़ी ने मनख की बोली
माय बोली के उना नबी के बेन्डापणा
करवा से रोक्यो।
१७ई झुंटा परबचन देवा वाळा सुक्या
कुंवां हे, ई बिना पाणी का बादळा
जिणके अन्दी-दंदवाळ उड़ई लई जाय
हे। इणका सरु नरक जसी इन्दाराघुप
वाळी जगा राखी गी हे। **१८**नरा लोग
अबी-अबी बुरई से फरिके सई रस्ता
पे आया हे। पण ई झुंटा परबचन देवा
वाळा घमण्ड अने बेकार की बातहुंण
करिके काया की मरजी पूरण करवा सरु
लुच्चापणा से उना लोगहुंण के फंसई ले
हे। **१९**वी इणके आजाद करवा को वायदो
करे, जदके वी खुद बुरई का गुलाम हे,
क्योंके मनख जेकासे हरी जाय, उकोज
गुलाम बणी जाय हे। **२०**तो अगर ई
लोगहुंण हमारा परभु अने उध्दार करवा
वाळा ईसु मसीह के जाणी के जगत
का खोट से बची जावा का बाद बी
पाछा उणका मेंज फंसी के जगत की
बदी से हरी जाय हे, तो उणका सरु
या बाद की दसा, उणकी पेली दसा
से घणी बुरी रे। **२१**क्योंके उणका सरु
योज भलो थो के वी इनी धारमिकता
का मारग के जाणिज नी पाता बजाय
इका के जो पवित्तर हुकम उणके द्या
ग्या था, उणके जाणी के उकासे मुन्डो
फेरी लेता। **२२**† उणका पे यो केवाड़ो
ठीक बेठे हे, "कुतरो अपणी उछाट पाछो
चाटे हे," अने न्हवाड़ी हुई सुंवल्डी पाछी
किच्चड़ माय चली जाय हे।"

ईसु फेर पाछो आयगा

३ हे म्हारा परमिला दोसहुंण, अबे या
दूसरी चिट्ठी हे जेके तमारे लिखी
र्यो हूं। इनी दोइज चिट्ठिहुंण माय
उनी बातहुंण के रियाद देवाड़ी के म्हने
तमारा हिरदाहुंण माय सुद्द बिचारहुंण के
जगाड़वा की कोसिस करी हे। **२**ताके तम
पवित्तर नबिहुंण आड़ी से जूना बखत
माय बोल्या बचनहुंण के रियाद करो
अने हमारा परभु अने उध्दार करवा
वाळा का हुकम के बी रियाद करो जो
तमारा परेरितहुंण से तमारे मिळ्या था।
३† सगळा से पेलां तो तमारे यो जाणी
लेणो चइये के आखर का दनहुंण माय
हंसी उड़ावा वाळा आयगा। वी मन मरजी
करेगा, हंसी उड़ायगा, **४**अने यो केगा,
"के, कां ग्यो ईसु का आवा को करार?
हमारा पूरखाहुंण तो सोई ग्या, फेर बी
जगत का सुरु से अबी तक सगळो कंई
बी नी बदळ्यो, वसोज चल्यो अई र्यो
हे।" **५**† जदे वी लोगहुंण असो के हे तो
यो भुली जाय हे के परमेसर का बचन
सेज असमान जुग-जुग से बण्यो होयो
हे। अने परमेसर ने धरती के पाणी से
इकाड़ी करी अने जमीन पाणी का अदरे
नगे अई। **६**† अने पाणी सेज उना बखत
को जगत पाणी माय डुबी के खतम हुई
ग्यो। **७**पण परमेसर का बचन सेज आज
को असमान अने धरती भसम करवा सरु
राख्या ग्या हे, अने ई परमेसर के नी
मानवा वाळा को बिनास न्याव का दन
तक असोज राख्यो जायगा।

---

† **२.२२:** नीतिबचन २६.११ † **३.३:** यहूदा १८ † **३.५:** उत्पत्ती १.६–९ † **३.६:** उत्पत्ती ७.११

८[†] हे परमिलाहुंण, इनी बात के मती
भुलो, परभु का सरु एक दन हज्जार
बरस का बराबर हे, अने एक हज्जार
बरस एक दन सरीको हे। **९**परभु अपणो
करार पूरो करवा सरु देरी नी करे, जसाके
थोड़ाक लोग बिचारे हे। बल्के उ तमारा
सरु जिरना मारे हे। उ यो नी चाय के
कईं को नास होय। बल्के उ तो चाय
के सगळा लोग गलत काम छोड़ी के
पसतावो करे।

१०[†] पण परभु को आवा वाळो दन
छाने से चोळ्डा जसो आयगा। उना दन
भयानक गाजणा का साते असमान लोप
हुई जायगा, अने असमान का पिण्ड[g]
बळी के खतम हुई जायगा। अने या
धरती अने धरती की सगळी चीजहुंण
लोप हुई जायगा।[h] **११**जदके सगळी
चीजहुंण असतरा नास होवा पे हे तो
तमारे पवित्तर चाल-चळण अने भगती
माय कसो बणणो चइये! **१२**तमारे परमेसर
का दन की बाट देखणो अने झट लावा
सरु कसी कोसिस करनी चइये! उना दन
की वजासे असमान बली के खतम हुई
जायगा अने असमान का पिण्डहुंण घणा
ताप से पिघळी जायगा। **१३**[†] पण परमेसर
का करार मुजब हम एक नवो असमान
अने नवी धरती की बाट देखी र्‌या हे
जेका माय धारमिकता वास करे हे।

१४इकासरु हे परमिलाहुंण, क्योंके
तम इनी बातहुंण की बाट जोई र्‌या
हो, पूरण कोसिस करो के परमेसर
का सामे सान्ती माय बिना दोष अने
बिना कलंक के मिळो। **१५**अने हमारा
परभु की जिरना के उध्दार समजी लो,
जसाके हमारा परमिला भई पोलुस ने
अपणा उना ज्ञान का मुजब जो उके
परभु से मिळ्यो हे तमारे लिख्यो।
१६उ अपणी सगळी चिट्ठिहुंण माय
इनीज बातहुंण का बारामें असेज के
हे - जिणका माय थोड़िक बातहुंण के
समजणो मुसकिल हे। नासमज्या अने
बिना ठिया का अने मन-चल्याहुंण
इणका अरथ के तोड़ी-मरोड़ी के, जसाके
वी बाकी पवित्तर सासत्तर की बातहुंण
के बी करे हे, अपणाज सरवनास की
वजा बणे हे।

१७इकासरु हे परमिलाहुंण, पेलांसेज
ई सगळी बात जाणता होया होसियार
रो, के कंई बिना सिद्दांत का अधरमी
मनखहुंण का भरम माय पड़ी के भेकी
नी जाव जेकासे अपणा ठिया से अंई-वंई
हुई जाव। **१८**पण हमारा परभु अने उध्दार
करवा वाळा ईसु मसीह की किरपा अने
ज्ञान माय बड़ता जाव। उकी म्हेमा अबे
बी होय अने हमेस्या-हमेस्या होती रे।
आमीन।

---

[g] **३.१०** असमान का पिण्ड; सूरज, चन्दरमा, ताराहुंण।
[h] **३.१०** लोप हुई जायगा; बली जायगा।
[†] **३.८:** भजन संहिता ९०.४
[†] **३.१०:** मत्ती २४.४३; लूका १२.३९; १ थिस्सलुनीकिहुंण ५.२; दरसन १६.१५
[†] **३.१३:** यसायाह ६५.१७, ६६.२२; दरसन २१.१

योहन
की पेली चिट्ठी

लिखवा वाळो: योहन

लिखवा की वजा: आपसी भई-चारो

लिखवा को बखत: करीब ८५-९५ ईस्वी सन्

भूमिका: सुब-समिचार को लिखवा वाळो योहन इनी चिट्ठी माय गूढ ज्ञानवादिहुंण का बिरोद माय लिखे हे, जो हमारा परभु ईसु मसीह का मनखपणा अने ईसवरपणा दोई की सच्चई के नकारी र्‌या था। उकी चिट्ठिहुंण माय खास करिके इनी पेली चिट्ठी माय मान्या नी जावे असा सिद्दांतहुंण का बिरोद माय एक सामरती हतियार हे।

इनी चिट्ठी को उका सुब-समिचार से घणो कने को नातो हे (अध्याय ४ के देखो)। इना दोई माय परभु ईसु अने सदा का जीवन पे जोर लाख्यो हे। यो जीवन उणके मिळे हे जो ईसु मसीह माय बिसास करे हे (योहन २०.३०-३१; १ योहन ५.१३)। सुब-समिचार माय उध्दार पावा सरु तेड़ो हे अने इनी चिट्ठी माय उको भरोसो। दोइज मसीह सरु काम माय ल्या ग्या सुत्र "बचन" का बारामें बोले हे यो "सबद्" मसीह सरु परमेसर के परगटवा का रुप माय बताय हे। योहन ने या चिट्ठी उना लोगहुंण सरु लिखी जो ईसु मसीह का मानवा वाळा हे, इकासरु उने उना जीवन का असर के परगट कर्‌यो जो परभु ईसु पे बिसास करवा को फळ हे।

लिखवा की वजा: जेना बखत योहन ने या चिट्ठी लिखी असो लागे के उज एखलो परेरित बची ग्यो थो उ करीब पेली सदी का आखरी तक जीवतो र्‌यो। कदी-कदी योहन एक पादरी (संत) सरीको नरमता की बात करे। उ अपणी चिट्ठी बांचवा वाळाहुंण के "म्हारा परमिला बाळकहुंण" कई के तेड़े अने उणका से बिणती करे के "एक दूसरा से परेम राखो" (३.११)। पण दूसरी जगा पे उ काठी भासा माय बात करे जेकासे के साफ हुई जाय के कदी उ "गरजन को बेटो" केवाड्यो जातो थो।

योहन उनी बातहुंण के लिखे जो पेली सदी की मण्डळी के बिगाड़वा वाळी थी जसे के "भेम माय लाखवा वाळी सीख" जो परमाणित हयनी। असी सीख से योहन मसीह ईसु का जीवन को परमाण, उको चरित्तर सामे लाय हे। योहन परगटे हे के - बचन, उजाळो, सच्चई, जीवन, परेम - फेर उ उणका रुप का अन्तर का भेद के खोले हे

इनी चिट्ठी को मूळ यो जो ५.१३ माय द्‌यो हे, "म्हने तमार से जो परमेसर का बेटा पे बिसास राखो हो, ई बातहुंण इकासरु लिखी हे के तम जाणो के सदा को जीवन तमारो हे"।

इनी चिट्ठी माय "परमेसर की सन्तान" से बखाण कर्‌यो हे, इकासरु या एक परवार की चिट्ठी हे। या परमेसर अने बिसास आड़ी से उकी सन्तान से मिळवा का बारामें के हे

रुप-रेखा

१. आपसी भई-चारा को मूळ *१.१-२*
२. आपसी भई-चारा को सरुप *१.३-२.११*
३. आपसी भई-चारा का दुसमन *२.१२-२७*
४. आपसी भई-चारा की वजा अने जांच *२.२८-३.२४*
५. आपसी भई-चारा माय समज *४.१-६*
६. आपसी भई-चारा की सोबाः परेम *४.७-२१*
७. आपसी भई-चारा की नीम अने खास हक *५.१-२१*

जीवन को बचन

१ [†] उना जीवन देणे वाळा का बचन[a] का बारामें हम लिखी र्‌या हे, जो जगत रचणा का पेलां से थो। उके हमने सुण्यो, अने उके हमने अपणी आंखहुंण से देख्यो, बरण उके ध्यान धरिने देख्यो अने हमने उके हात बी लगाड़्यो। २[†] उना जीवन को ज्ञान हमारे द्‌यो ग्यो, हमने उके देख्यो। हमने उकी गवई दई अने अबे हम तमारे उना अजर-अमर जीवन देणे वाळा की घोसणा करी र्‌या हे जो पिता का गेले थो अने हमारे जेको ज्ञान करायो ग्यो। ३जेके हमने देख्यो अने सुण्यो, अबे तमारे बी उकोज परबचन दई र्‌या हे ताके तम बी हमारा गेले बांटेदार बणी जाव। हमारी या बांटेदारी परमपिता अने उका बेटा ईसु मसीह का गेले रे। ४हम इनी बातहुंण के तमारे इकासरु लिखी र्‌या हे के हमारी खुसी पूरण हुई जाय।

परमेसर हमारा पापहुंण के मांफ करे हे

५हमने ईसु मसीह से जो समिचार सुण्यो हे, उ यो हे, अने उकेज हम तमारे सुणई र्‌या हेः परमेसर उजाळो हे, अने उका माय रत्ति-भर बी इन्दारो हयनी। ६अगर हम कां के हम उका बांटेदार हे अने पाप का इन्दारा से भर्‌या जीवन के जीवां तो हम झुंटा बोली र्‌या हे अने सच्चई का पछड़े नी चली र्‌या हे। ७पण अगर हम अबे उजाळा माय अगड़े बड़ी र्‌या हे जसोके परमेसर उजाळाज माय हे - तो एक-दूसरा का बांटेदार हे। अने परमेसर का बेटा ईसु को लोई हमारे सगळा पापहुंण से सुद्द करी लाखे हे।

८पण अगर हम कां के हमारा माय कईं को पाप हयनी, तो हम खुद अपणे छळी र्‌या हे अने हमारा माय सच्चई हयनी। ९पण अगर हम अपणा पापहुंण के मानी लां तो हमारा पापहुंण के मांफ

---

[a] **१.१** जीवन देणे वाळा का बचन; याने, परभु ईसु (योहन १.१; उत्पत्ती १.१)।

[†] **१.१:** योहन १.१ [†] **१.२:** योहन १.१४

करवा अने हमारे सगळा पापहुंण से सुद्द
करवा सरु परमेसर बिसास लायक हे
क्योंके उ न्याव से भर्‍यो अने धरमी हे।
१०अगर हम कां के हमने कईं को पाप
नी कर्‍यो तो हम परमेसर के झुंटो ठेरावां
हे अने उको बचन हमारा माय हयनी।

ईसु हमारो मदद करवा वाळो

२ म्हारा परमिला नाना-नानिहुंण, ई
बातहुंण तमारे इकासरु लिखी र्‍यो
हूं के तम पाप नी करो। पण अगर
कईं को पाप करे तो परमेसर का सामे
हमारा पापहुंण से बचाव करवा वाळो एक
मददगार हे अने उ हे धरमी ईसु मसीह।
२उ खुद हमारा पापहुंण सरु बलिदान
होयो, अने हमाराज सरु नी, पण आखा
जगत का पापहुंण सरु बी।

३अगर हम परमेसर का हुकमहुंण को
पाळण करां तो हम पक्को करी सकांगा
के हमने सांची माय उके जाणी ल्यो हे।
४जो के हे, "हूं परमेसर के जाणी ग्यो
हूं," अने उका हुकमहुंण के नी माने उ
झुंटो हे, अने उका हिरदा माय सच्चई
हयनी। ५पण अगर कईं को परमेसर
का परबचनहुंण को पाळण करे तो उ
परमेसर को परेम सिद्द करे। इकासेज हम
जाणा के हम उका माय हे: ६जो यो के
हे के उ परमेसर माय बण्यो हे, उके ईसु
का जसो जीवन जिणो चइये।

नवो हुकम - भई-चारा सरु परेम

७† परमिलाहुंण, हूं तमारे कईं को नवो
हुकम नी लिखी र्‍यो हूं, बल्के यो एक
जूनो हुकम हे। यो उ सुब-समिचार हे
जो तम सुरु माय सुणी चुक्या हो। ८पण
हूं तमारे उज नवो हुकम लिखी र्‍यो हूं।
जो सच्चई मसीह का जीवन अने तमारा
जीवन से उजागर हुई हे, क्योंके इन्दारो
मिटतो जई र्‍यो हे अने सांचो उजाळो
चळकी र्‍यो हे।

९जो कईं को के हे के हूं उजाळा माय
हूं, फेर बी अपणा भई-बेनहुंण से घिरणा
करे, उ तो अबी तक इन्दाराज माय
हे। १०जो कईं को अपणा भई-बेनहुंण से
परेम करे, उ उजाळा माय बण्यो रे हे,
उका जीवन माय असी कंई गलती हयनी
जेकासे कईं को ठोकर खाय। ११पण जो
कईं को अपणा भई-बेनहुंण से घिरणा
करे, उ इन्दारा माय रे हे अने इन्दारा
माय चले अने उ नी जाणे के कां जई
र्‍यो हे, क्योंके इन्दारा ने उकी आंखहुंण
आंदी करी लाखी हे।

१२परमिला नाना-नानिहुंण, हूं तमारे
इकासरु लिखी र्‍यो हूं, क्योंके ईसु मसीह
की वजासे तमारा पाप मांफ होया हे।
१३म्हारा मसीह माय बिसासी मां-बापहुंण,
हूं तमारे इकासरु लिखी र्‍यो हूं, क्योंके
तम मसीह के जाणो हो जो हमेस्या से
हे। हे जुवानहुंण, हूं तमारे इकासरु लिखी
र्‍यो हूं, क्योंके तमने उना दुस्ट पे जीत
पई ली हे।

१४हे नाना-नानिहुंण, हूं तमारे इकासरु
लिखी र्‍यो हूं, तम पिता के जाणो हो। हे
मसीह माय बिसासी मां-बापहुंण, हूं तमारे
इकासरु लिखी र्‍यो हूं, क्योंके तम उके
जाणो हो जो हमेस्या से हे। हे जुवानहुंण,

---

† **२.७:** योहन १३.३४

हूं तमारे इकासरु लिखी र्‌यो हूं, क्योंके तम बलवान हो, अने परमेसर का बचन पे तमने हमेस्या ध्यान धर्‌यो हे अने तमने उना दुस्ट पे जीत पई ली हे।

संसार माय परेम मती राखो

१५संसार से अने उनी चीजहुंण से जो संसार माय हे परेम मती राखो। अगर कईं को संसार से परेम राखे तो उका माय पिता को परेम हयनी। **१६**क्योंके इना संसार की हरेक चीज - याने काया की मन्सा, जो चीज देखां उके पावा की मन्सा, अने इना जीवन को घमण्ड[b] - पिता आड़ी से हयनी, पण संसार आड़ी से हे। **१७**संसार अने उकी लालसाहुंण बी मिटती जई री हे, पण उ जो परमेसर की मरजी पूरण करे हे हमेस्या बण्यो रेगा।

मसीह का बिरोदी की चेतावणी

१८हे परमिला नाना-नानिहुंण, या आखरी घड़ी हे; अने जसो तमने सुण्यो थो के मसीह को बिरोदी अई र्‌यो हे। तो अबे नरा मसीह का बिरोदिहुंण परगटी ग्या हे। इकासेज हम जाणी ग्या हे के आखरी घड़ी अई पोंची हे। **१९**मसीह का बिरोदिहुंण हमाराज भित्तरे से हिटे हे, पण वी सांची माय हमारा हयनी, क्योंके अगर वी हमारा माय सइमें होता, तो हमारा गेले रेता। पण वी हमारे छोड़ी ग्या ताके वी यो दिखई सके के उणका माय कईं को बी सइमें हमारो हयनी।

२०पण तमारो तो उना परम पवित्तर मसीह ने आतमा से अभिसेक करायो हे। इकासरु तम सगळी सच्चई के जाणो हो। **२१**म्हने तमारे इकासरु नी लिख्यो के तम सच्चई के नी जाणो, बरण इकासरु के उके तम जाणो हो, अने इकासरु बी, के तम जाणो हो के सच्चई से कईं को झुंटो नी हिटे।

२२पण जो के हे के ईसु परमेसर आड़ी से अभिसेक कर्‌यो होयो संसार के बचावा नी आयो थो, उ झुंटो हे। असो मनख मसीह को बिरोदी हे। उ पिता अने बेटा दोई केज नकारे हे। **२३**उ जो बेटा के नकारे, उका कने पिता बी हयनी पण जो बेटा के माने उ पिता के बी माने हे।

२४जां तक तमारो नातो हे, तमने जो सुरु से सुण्यो, उके अपणा माय बण्यो रेवा दो। जो कंई तमने सुरु से सुण्यो, अगर उ तमारा माय बण्यो रे, तो तम बी बेटा माय अने पिता माय बण्या रोगा। **२५**उने हमारे अजर-अमर जीवन देवा को करार कर्‌यो हे।

२६हूं ई बातहुंण उना लोगहुंण का बारामें लिखी र्‌यो हूं, जो तमारे छळवा की कोसिस करी र्‌या हे। **२७**पण जां तक तमारी बात हे, मसीह ने तमारे उना पवित्तर आतमा से अभिसेक द्‌यो हे। अने तमारे इनी बात की जरुवत हयनी के कईं को तमारे सीखाड़े। बल्के तमारे तो उ आतमा जेकासे उना परम पवित्तर ने तमारो अभिसेक कर्‌यो हे उ अभिसेक तमारे सगळी बातहुंण सीखाड़े हे, अने रियाद राखो उज सांचो हे झुंट हयनी, अने जसोके उने तमारे सीखाड़्‌यो हे। वसेज तम मसीह माय बण्या री जो।

---

[b] **२.१६** इना जीवन को घमण्ड; जो चीजहुंण, मान अने जो कामहुंण उने कर्‌या उका पे घमण्ड।

परमेसर की सन्तान

२८तो हे नाना-नानिहुंण, उका माय
बण्या रो, जेकासे के जदे उ परगटे तो
हमारे हिम्मत रे अने उका आवा पे हमारे
उका सामे लाजे नी मरनो पड़े। २९अगर
तम जाणो हो के मसीह धरमी हे तो यो
बी जाणता हो के हरेक जो धारमिकता
पे आचरण करे हे, उ परमेसर कीज
सन्तान हे।

३ † बिचार करिके देखो के, परमेसर
ने हमार पे कितरो म्हान परेम
दिखाड़्यो हे के हम उकी सन्तान केवई
सकां अने सांची माय हम हे। इनी वजासे
जगत का मनख हमारे नी जाणे क्योंके
जगत ने परमेसर के बी नी जाण्यो।
२परमिला दोसहुंण, हम परमेसर की
सन्तान हे, अने अबे तक यो परगट नी
होयो के भविस माय हम कंई होवांगा।
पण यो जाणा हे के जदे ईसु परगटेगा
तो हम उका सरीका हुई जावांगां, क्योंके
हम उके नठू वसोज देखांगा जसो उ हे।
३हरेक जो मसीह से असी आस राखे, उ
खुद के वसोज पवित्तर करे हे, जसो के
मसीह पवित्तर हे।

४हरेक जो पाप करे हे, उ परमेसर
का नेम-बिधान को उलांगो करे हे;
क्योंके नेम-बिधान को उलांगोज पाप
हे। ५ † तम जाणोज हो के ईसु मसीह,
लोगहुंण का पापहुंण[c] के हरवा सरु
परगट होयो। अने उने कदी पाप नी
कर्‌यो। ६जो मसीह माय बण्यो रे हे,
उ पाप नी करे हे; जो पाप करे हे,
उने नी तो ईसु के देख्यो अने नी
जाणे हे।

७हे बाळकहुंण, कईं को तमारे भरमई
नी दे। जो धारमिकता को आचरण करे
हे, उ धरमी हे नठू वसोज जसो ईसु
धरमी हे। ८जो पाप करे हे उ सेतान
आड़ी से हे, क्योंके सेतान सुरु सेज पाप
करतो अई र्‌यो हे। परमेसर को बेटो इना
मकसद से परगट्‌यो के उ सेतान का
काम के खतम करे।

९जो परमेसर से पेदा होयो हे, उ पाप
नी करे, क्योंके परमेसर को जीवतो
सामरत उका माय बण्यो होयो हे;
अने उ पाप नी करी सकतो, क्योंके
उ परमेसर से पेदा होयो हे। १०इका से
परमेसर अने सेतान की सन्तान जाण्या
जाय हे। जो कईं को धारमिकता पे
आचरण नी करे उ परमेसर से हयनी,
अने उ बी हयनी जो अपणा भई-
बेनहुंण से परेम नी करे।

एक दूसरा से परेम

११ † क्योंके जो समिचार हमने सुरु से
सुण्यो, उ यो हे के हम एक-दूसरा से
परेम करां। १२ † केन[d] सरीका हयनी, जेको
उना सेतान से नातो थो अने उने अपणा
भई के मारी लाख्यो थो। उने केनी
वजासे उकी हत्या करी? उने इकासरु
कर्‌यो क्योंके उका करम तो दुस्टता का
था अने उका भई का करम धरम का
था।

---

[c] **३.५** लोगहुंण का पापहुंण; थोड़ाक हात का लिख्या लेखहुंण माय असो हे हमारा पापहुंण।
[d] **३.१२** केन; आदम-हव्वा को मोटो बेटो (उत्पत्ती ३.१-१६)।
† **३.१:** योहन १.१२ † **३.५:** योहन १.२९ † **३.११:** योहन १३.३४ † **३.१२:** उत्पत्ती ४.८

भई-बेन से परेम

१३हे भई-बेनहुंण, अगर जगत का
मनख हमार से घिरणा करे तो चोंकजो
मती। **१४**† हमारे मालम हे हम मोत
से परे जीवन माय अई ग्या हे, क्योंके
हम अपणा भई-बन्दहुंण से परेम राखां
हे। जो परेम नी करे उ मर्‌यो सरीको
बण्यो रे हे। **१५**हरेक मनख जो अपणा
भई-बेनहुंण से घिरणा करे, उ हत्यारो हे
अने तम जाणोज हो के कइंका हत्यारा
माय अजर-अमर जीवन वास नी करे।
१६हम परेम के इकासेज जाणा हे, के ईसु
ने हमारा सरु अपणी जान दई दी। हमारे
बी हमारा भई-बेनहुंण सरु अपणी जान
दई देणी चइये। **१७**तो जेका कने इना
जग को धन-दोलत हे, अने जो अपणा
भई-बेनहुंण की जरुवत देखी के बी दया
नी करे, तो उका माय परमेसर को परेम
कसे बण्यो रेगा? **१८**हे बाळकहुंण, हमारो
परेम सिरप सबद्‌हुंण अने बातहुंण तकिज
नी राखां पण काम अने सच्चई से बी
परेम राखां।

परमेसर का सामे हिम्मत

१९इकासेज हम जाणी लांगा के हम
सत का हे अने परमेसर का सामे अपणा
हिरदा माय तसल्ली करी सकांगा। **२०**अने
जेनी बात माय हमारो हिरदो हमारे
कसुरवार ठेराय क्योंके परमेसर हमारा
हिरदा से नरो मोटो हे अने उ सगळो कंई
जाणे हे। **२१**हे परमिला दोसहुंण, अगर
हमारो हिरदो हमारे दोषी नी ठेराय तो
परमेसर का सामे हमारे हिम्मत होय हे।
२२अने जो कंई हम मांगा हे, उकासे पांवां
हे, क्योंके हम उका हुकमहुंण के पाळां,
अने वीज काम करां जो परमेसर के भाय
हे। **२३**† उको हुकम यो के हम उका बेटा
ईसु मसीह का नाम माय बिसास करां हे,
अने हम एक दूसरा से बिलकुल वसोज
परेम राखां जसोके मसीह ने हमारे हुकम
द्‌यो हे। **२४**जो उका हुकमहुंण को पाळण
करे, उ परमेसर माय बण्यो रे अने उका
माय परमेसर को निवास रे हे। असतरा,
उना आतमा से जेके परमेसर ने हमारे
द्‌यो हे, हम यो जाणा के हमारा माय
परमेसर निवास करे हे।

झुंटा परबचन देवा वाळा से होसियार रो

४ हे परमिलाहुंण, हरेक परबचन
देवा वाळा पे बिसास मती करो,
पण उणकी आतमाहुंण के परखो के वी
परमेसर आड़ी से हे के नी हे; क्योंके
जग माय नरा झुंटा नबी अई ग्या हे।
२परमेसर का आतमा से बोलवा वाळा
नबिहुंण के तम असे पेचाणी सकता हो:
हरेक आतमा जो यो माने हे के, "ईसु
मसीह मनख का रुप माय धरती पे
आयो हे।" उ परमेसर आड़ी से हे। **३**अने
हरेक आतमा जो ईसु मसीह के नी माने
उ परमेसर आड़ी से हयनी; याज तो
मसीह-बिरोदी की आतमा हे, जेका बारामें
तम सुणी चुक्या हो के उ आवा वाळो हे
अने अबे बी जग माय हे।

४हे बाळकहुंण, तम परमेसर का हो
अने तमने मसीह का बेरिहुंण पे जे पई

---

† **३.१४:** योहन ५.२४ † **३.२३:** योहन १३.३४, १५.१२, १७

ली हे; क्योंके उ आतमा जो तमारा माय
रे हे, जग माय रेवा वाळा सेतान से
म्हान हे। ५वी मसीह बिरोदी लोगहुंण
जग का हे। इकासरु जग की बातहुंण
करे, अने जग उणकी सुणे हे। ६पण हम
परमेसर का हे; उ जो परमेसर के जाणे,
हमारी बातहुंण सुणे; अने जो परमेसर
से हयनी उ हमारी बातहुंण नी सुणे।
इकासेज हम सच्चई की आतमा अने
लोगहुंण के भेकाड़वा वाळा आतमा के
पेचाणी सकां हे।

परेम परमेसर से मिळे हे

७हे परमिलाहुंण, हम माय-माय परेम
करां, क्योंके परेम परमेसर से मिळे हे।
हरेक जो परेम करे, परमेसर से पेदा
होयो हे, अने परमेसर के जाणे हे। ८उ
जो परेम नी करे परमेसर के नी जाणे,
क्योंके परमेसर परेम हे। ९परमेसर ने
अपणो परेम हमार पे असतरा परगट्यो:
के उने अपणा एखला बेटा के इना जग
माय मोकल्यो, इकासरु के हम उका बेटा
की वजासे जीवन पई सकां। १०सांचो परेम
इका माय हयनी के, हमने परेमसर से
परेम कर्‌यो, बल्के इका माय हे के, एक
असा बलिदान का रुप माय जो हमारा
पापहुंण के धारण करी ले, परमेसर ने
अपणा बेटा के मोकल्यो के हमारा सरु
अपणो परेम दिखाड़े।

११हे परमिलाहुंण, अगर परमेसर ने
हमार से असो परेम कर्‌यो तो हमारे
बी एक-दूसरा से परेम करनों चइये। १२†
परमेसर के कदी कइंका ने नी देख्यो।
पण अगर हम एक-दूसरा से परेम करां
तो परमेसर हमारा माय बण्यो रे हे, अने
उको परेम हमारा माय पूरण सिद्द हुई
जाय हे।

१३इकासेज हम जाणा हे के हम
परमेसर माइज बण्या रां अने उ हमारा
माय रे हे, क्योंके परमेसर ने अपणी
आतमा को थोड़ोक हिस्सो हमारे द्‌यो हे।
१४इके हमने देख्यो हे अने हम इका गवा
हे के परम पिता ने जग का बचावा वाळा
का रुप माय अपणा बेटा के मोकल्यो हे।
१५अगर कईं को यो मानी ले हे के, "ईसु
परमेसर को बेटो हे," तो परमेसर उका
माय रे हे अने उ परमेसर माय रे हे।
१६जो परेम परमेसर हमार से करे उके
हम जाणी ग्या हे, अने उका पे बिसास
करां हे।

परमेसर परेम हे। इका से जो परेम
माय बण्यो रे हे उ परमेसर माय बण्यो
रे हे, अने परमेसर उका माय। १७इकासेज
हमारा माय परेम सिद्द होय हे ताके
न्याव का दन हिम्मत का साते हम
बण्यां रां। क्योंके जसो ईसु मसीह हे,
वसाज हम बी इना जग माय जी र्‌या
हे। १८परेम माय डर नी रे जदके सिद्द
परेम तो डर के भगाड़ी दे। क्योंके डर को
नातो तो सजा से हे, तो जेका माय डर
रे उको परेम सिद्द नी रे।

१९हम इकासरु परेम करां हे क्योंके
पेलां परमेसर ने हमार से परेम कर्‌यो।
२०अगर कईं को के हे के, "हूं परमेसर
से परेम करूं," अने अपणा भई-बेनहुंण
से घिरणा करे तो उ झुंटो हे। क्योंके

† **४.१२:** योहन १.१८

उने अपणा उना भई-बेनहुंण के जेके उने
देख्यो परेम नी करे तो परमेसर के जेके
उने देख्योज हयनी, उ परेम नी करी
सकेगा। [२१]हमारे ईसु से यो हुकम मिळ्यो
हे के जो परमेसर से परेम करे, उके
अपणा भई-बेनहुंण से बी परेम करनों
चइये।

परमेसर का बेटा पे बिसास

५ जो कई को यो बिसास करे के ईसुज
'मसीह' हे उ परमेसर से जन्म्यो हे;
अने जो पिता से परेम करे, उ बेटा से
बी परेम करे हे। [२]जदे हम परमेसर से
परेम करां अने उका हुकमहुंण को पाळण
करां तो हम जाणी जांवां के हम परमेसर
की सन्तानहुंण से बी परेम करां हे। [३]†
क्योंके परमेसर का हुकम मानता होया
हम यो दिखाड़ां के, हम परमेसर से परेम
करां हे। अने उको हुकम कठण नी हे।
[४]क्योंके जो कई को परमेसर की सन्तान
बणी जाय, उ जग पे जीत पई ले हे।
अने वा जीत जो जग पे पई, उ हमारा
बिसास हे। [५]जग पे जीत पावा वाळो
कुंण हे? सिरप उ, जेको बिसास हे के
ईसु परमेसर को बेटो हे।

ईसु का बारामें गवई

[६]यो ईसु मसीहज हे जो हमारा कने
बपतिसमा लेवा वाळा पाणी अने कुरुस
पे बिवा वाळा लोई का गेले परगट्यो -
सिरप पाणी का गेले नी, बल्के पाणी
अने लोई का गेले। अने या गवई हे के
परमेसर आड़ी से अभिसेक मसीह सांचो
मनख हे। अने उज आतमो हे जो उकी
गवई दे हे क्योंके आतमोज सांचो हे।
[७]गवई देवा वाळा तीन हे - [८]आतमा,
पाणी, अने लोई - अने ई तीनी गवाहुंण
माय-माय सेमत हे। [९]जदे हम मनखहुंण
की गवई मानी लां तो परमेसर की गवई
तो घणी बड़ी के हे; क्योंके परमेसर
की गवई या हे के उने अपणा बेटा
का बारामें गवई दई। [१०]जो परमेसर का
बेटा पे बिसास राखे, उ खुद माय या
गवई राखे हे; उ जो परमेसर पे बिसास
नी राखे उ उके झुंटो ठेराय हे। क्योंके
उने उनी गवई पे बिसास नी कर्‌यो जो
परमेसर ने अपणा बेटा का बारामें दई
हे। [११]† वा गवई या हे के परेमसर ने
हमारे अजर-अमर जीवन द्‌यो हे, अने
यो जीवन उका बेटा माय हे। [१२]जेका
कने बेटो हे उका कने जीवन हे; जेका
कने परमेसर को बेटो हयनी उका कने उ
जीवन बी हयनी।

अजर-अमर जीवन को सार

[१३]म्हने तमार से जो परमेसर का बेटा
पे बिसास राखो हो, ई बातहुंण इकासरु
लिखी हे के तम जाणो के अजर-अमर
जीवन तमारो हे। [१४]परमेसर माय हमारी
हिम्मत या हे के अगर हम उकी मरजी
का मुजब उकासे बिणती करां तो उ
हमारी बिणती सुणे हे। [१५]अने जदे हम
यो जाणा हे के, जो कंई उकासे मांगा
उ हमारी सुणे हे, तो यो बी जाणो हो
के जो कंई हमने उकासे मांग्यो उ हमारे
मिळी चुक्यो हे।

---

† **५.३:** योहन १४.१५ † **५.११:** योहन ३.३६

१६अगर कईं को अपणा भई-बेनहुंण
के असो पाप करता देखे जेको नतीजो
हमेस्या की मोत हयनी, तो उके अपणा
भई-बेनहुंण सरु पराथना करनी चइये,
अने परमेसर उके जीवन देगा। हूं उणका
बारामें बात करी र्‌यो हूं, जो असा पाप
करवा माय लाग्या हे जो उणके हमेस्या
की मोत तक नी पोंचाड़ेगा। असा पाप बी
होय हे जेको नतीजो मोत हे। हूं तमार
से असा पाप सरु पराथना करवा की नी
कई र्‌यो हूं। **१७**सगळा बुरा करम पाप
हे। पण असा पाप बी होय जेको नतीजो
मोत हयनी।

१८हम जाणा के जो कईं को परमेसर
की सन्तान बणी ग्यो, उ पाप नी करे;
बल्के परमेसर को बेटो उकी रक्सा करे
हे। अने उ दुस्ट उको कइंनी बिगाड़ी
सके।

१९हम जाणा के हम परमेसर का हे।
हालाके यो आखो जग उना दुस्ट का बस
माय हे।

२०पण हमारे मालम हे के परमेसर को
बेटो अई ग्यो हे, अने उने हमारे समज
दई हे के, हम उना परमेसर के जाणी लां
जो सांचो हे। क्योंके हम उका बेटा ईसु
मसीह माय बण्या होया हे। परमपिता
सांचो परमेसर हे अने उज अजर-अमर
जीवन हे।

२१हे बाळकहुंण, अपणे खुद के झुंटा
देवताहुंण से दूरा राखो।

योहन
की दूसरी चिट्ठी

लिखवा वाळो: योहन

लिखवा की वजा: मसीह का हुकम

लिखवा को बखत: करीब ८५ ईस्वी सन्

या चिट्ठी योहन को खुद को लिखवा को एक अच्छो नमुनो हे इनी चिट्ठी को खास सबद् हे सत (पद ४)। योहन झुंटी सीख का बारामें चेतावणी दई के मसीह का हुकम मानवा की मांग करे हे (पद ९-११)। सत का रुप माय नी सिरप दरसन का सत की बात करे, पण पवित्तर सासत्तर पे जोर दे हे। अने परभु ईसु मसीह के सगळा से उंचो बताड़े हे। क्योंके परमेसर को मूळ सत योज हे, जेने काया माय अई के हमारा माय डेरो कर्‌यो। योहन उनी पेली सदी की मण्डळी के लिखी र्‌यो हे: "एक दूसरा से परेम राखो," क्योंके यो मसीह को हुकम हे।

रुप-रेखा

१. नमसकार *१-३*
२. सत अने परेम को मारग *४-६*
३. भरमावा वाळा झुंटा मसीह का बिरोदी सरु सेलाणी *७-११*
४. निचोड़ *१२-१३*

१हूं योहन, बुड़ा धरम सेवक[a] आड़ी से
उनी नारी के जो परमेसर आड़ी से
छांटी हुई हे अने उका बाळकहुंण[b] का
नामे जिणके हूं सांची माय परेम करूं
हे। नी सिरप हूं, पण वी सगळा तमार
से परेम करे जो सच्चई के जाणे हे।
२यो उनी सच्चई की वजासे होयो जो
हमारा माय रे हे, अने सदा हमारा
गेले रेगा:
३परमेसर पिता अने उका बेटा ईसु
मसीह आड़ी से हमारा गेले किरपा, दया,
सान्ती, सच्चई अने परेम बण्यो रेगा।

---

[a] **१.१** बुड़ा धरम सेवक; यूनानी माय, मण्डळी को अगवो। [b] **१.१** उनी नारी ... उका बाळकहुंण; यो कई मनख या मण्डळी या झुंड, जो भेळा हुई के परमेसर की अराधना करने वाळा हुई सके (१३ वी आयत बी देखो)।

सला अने चेतावणी

४म्हारे थारा थोड़ाक बेटा-बेटिहुंण के
देखी के घणी खुसी हुई के वी उना हुकम
का मुजब जो हमारे पिता परमेसर से
मिळ्यो हे, सच्चई पे चले हे। **५**[†] अबे
हे नारी, हूं थारे कईं को नवो हुकम नी
दउं पण उज जो सुरु माय हमारे मिळ्यो
हे, के हम माय-माय परेम करां। **६**परेम
को अरथ योज हे के हम परमेसर का
हुकमहुंण पे चलां। यो उज हुकम हे जेके
तमने सुरु सेज सुण्यो हे, जेका पे तमारे
परेम से चलनो चइये।

७जग माय नरा भटकावा वाळा अई
ग्या हे। असा मनख जो यो माने हयनी
के इनी धरती पे मनख की काया माय
ईसु मसीह आयो हे, वी छळवा वाळा अने
मसीह का बिरोदी हे। **८**खुद के होसियार
राखो! ताके तम उके गमई नी लाखो
जेका सरु हमने[c] काठी म्हेनत करी, बल्के
तमारे तो तमारो पूरो फळ पाणो हे।

९जो कईं को नरो दूरो चल्यो जाय
अने मसीह का बारामें दई गी सीख
माय टिक्यो नी रे, तो उ परमेसर के
नी पई सकतो। पण जो उकी सीख
माय बण्यो रे परमेसर पिता अने बेटो
दोइज उका कने हे। **१०**अगर कईं को
तमारा कने अई के याज सीख नी दे,
उके नी तो अपणा घरे आवा दो अने नी
नमसकार करो; **११**क्योंके जो असा मनख
के नमसकार करे हे, उका कुकरमहुंण
माय भेळो रे हे।

आखरी सबद

१२म्हारे आखी नरी बातहुंण तमारे
लिखणी हे, पण कागद अने सई से
लिखणों नी चउं; पण म्हारे उम्मेद हे के,
हूं तमारा कने अई के अरु-बरु बातहुंण
करुंवां, जेकासे के हमारो आनन्द पूरण
हुई जाय।

१३थारी छांटी हुई बेन की मण्डळी का
सदस्यहुंण[d] थारे नमसकार के हे।

---

[c] **१.८** हमने; या तम। [d] **१.१३** मण्डळी का सदस्यहुंण; यूनानी माय बेन का; (पेली आयत बी देखी लो)।

[†] **१.५:** योहन १३.३४, १५.१२, १७

योहन
की तीसरी चिट्ठी

लिखवा वाळो: योहन

लिखवा की वजा: सत माय चलनो

लिखवा को बखत: करीब ८५ ईस्वी सन्

योहन ने या चिट्ठी अपणा दोस, "परमिला गयुस का नामे" (पद १) लिखी हे जो बिसास माय पक्को बण्यो र्‌यो (पद ५)। पण उ दियुत्रिफेस के फटकारे हे, जो बुरई को पाछो करवा लाग्यो थो अने मण्डळी माय अगवो बणी ग्यो थो। योहन जिनगी का आखरी बखत माय एसिया की मण्डळिहुंण माय अपणा खुद का बिचारहुंण को एसास कराय हे। या चिट्ठी आवा वाळा भई-बेनहुंण की सेवकई अने सत पे चलवा सरु जोर दे हे जेकी मिसाल गयुस हे (रोमिहुंण १६.२३; परेरितहुंण १९.२९; २०.४)। या आखी चिट्ठी पेली सदी की मण्डळी के इनी बात सरु उकसाड़े के सत की गवई देणो अने सत पे चलनो। यो कारण आज बी मण्डळी सरु बेवार को नमुनो बण्यो हे।

रुप-रेखा

१. किरपा, दया, अने सान्ती भर्‌यो नमसकार *१*
२. गयुस नज हुई जाय इका सरु पराथना *२-४*
३. गयुस ने जो आवा वाळा भई-बेनहुंण की सेवकई की उकी बड़ई *५-८*
४. दियुत्रिफेस के लताड़्यो जाणो *९-११*
५. देमेत्रियुस का चरित्तर की बड़ई *१२*
६. निचोड़ *१३*

१[†] हूं योहन, बुड़ा डोकरा धरम सेवक, आड़ी से,
परमिला गयुस का नामे, जेकासे हूं सांची माय परेम राखुं।

२हे म्हारा परेमी दोस, म्हारी पराथना हे के तू जसे धरमातमा रुप माय बड़ी र्‌यो हे, वसेज तू सगळी बातहुंण माय बड़तो अने नज रे। **३**जदे थोड़ाक भई-

---

[†] **१.१:** परेरितहुंण १९.२९; रोमिहुंण १६.२३; १ कुरिन्थिहुंण १.१४

बेनहुंण ने हमारा कने अई के थारा
परमेसर की सच्चई मानी के थारा बारामें
गवई दई तो हूं घणो खुस होयो। उणने
यो बी बताड़्यो के सच्चई का रस्ता पे
कसतरा चली र्‌यो हे। ४म्हारा सरु इका
से बड़ी के खुसी की बात हयनी हे के
म्हारा बाळक सच्चई का रस्ता पे चली
र्‌या हे।

खुसी का साते परसंसा करो

५हे परमिला, तू भई-बेनहुंण सरु जो
कंई करी सके उके बिसास का साते पूरण
करी र्‌यो हे, खास करिके उणका सरु जो
अण्जाण्या हे। ६उणने मण्डळी का सामे
थारा परेम की गवई दई हे, अने अच्छो
रेगा अगर उणके जातरा सरु असो बिदा
करे जसो परमेसर के सुवाय हे। ७क्योंके
वी मसीह की सेवा सरु जातरा पे निकळी
पड़्या हे अने अबिसासिहुंण से कइंनी ले।
८इकासरु हम बिसासिहुंण असा लोगहुंण
के समांळां, ताके हम बी सच्चई सरु
काम करवा वाळा का साती हुई जावां।

दियुत्रिफेस अने दिमेत्रियुस

९म्हने मण्डळी के लिख्यो थो पण
दियुत्रिफेस जो उणको नेता बणाणो चावे
हे, हमारी नी माने। १०इकासरु अगर हूं
अउं तो उका उना कामहुंण के जो उ
करतो अई र्‌यो हे रियाद देवाडुंवां। उ
बेकार माय हमारा सरु बुरी-बुरी कई के
दोष लगाड़े हे। इतरा सेज जीव नी भरे,
उ नी तो खुद मसीह की सेवा सरु जातरा
पे आवा वाळा भई-बेनहुंण के माने, अने
उणके जो माने हे मना करे अने मण्डळी
से हेड़ी लाखे हे।

११परमिला दोस, बुरई को नी पण
भलई को पाछो करजे। जो भलई करे हे
उ परमेसर आड़ी से हे, पण जो बुरई करे
हे उने परमेसर के नी देख्यो हे।

१२देमेत्रियुस का बारामें सगळा ने यां
तक के सत ने बी अच्छी गवई दई
हे। हमने बी उका बारामें गवई दई हे।
अने तू तो जाणेज हे के हमारी गवई
सांची हे।

आखरी नमसकार

१३हूं थारे नरो कंई लिखवा तो चातो
थो, पण सई अने कलम से नी। १४म्हारे
उम्मेद हे के हूं थार से झट मिळुंवां। जदे
हम अरु-बरु बातहुंण करी सकांगा।

१५थारे सान्ती मिळे।

मित्र-मण्डळी थारे नमसकार के हे। वां
हरेक दोस को नाम लइ-लई के नमसकार
किजे।

यहूदा
की चिट्ठी

लिखवा वाळो: यहूदा

लिखवा की वजा: बिसास सरु लड़ई

लिखवा को बखत: करीब ७५-८५ ईस्वी सन्

इनी चिट्ठी से हमारे यो पतो चले के बिसास सरु जतन की लड़ई लड़ता रो (पद ३)। यहूदा अने दूसरा पतरस माय एक खास फरक यो हे के पतरस ने यो क्यो थो, "झुंटा परबचन देवा वाळा रेगा," (२.१) तो यहूदा साफ बताड़े हे के, "मनख छाने से अई घुस्या हे," (पद ४) पतरस सरु तो या भविस की बात पण यहूदा सरु तो या उकाज बखत की बात हे।

लेखक: यहूदा तो, "याकूब को भई" केवाय हे (पद १) ईसु अने याकूब को एक भई यहूदा केवायो जातो थो (मत्ती १३.५५) अने परेरितहुंण १.१३ का मुजब बिसासी बी गिण्यो ग्यो थो। उ यां "ईसु को दास" हुई के लिखी र्‌यो हे।

बिषय: सुरु माय यहूदा लिखे हे के, "उना बिसास सरु ... जो पवित्तर लोगहुंण के एकज कावा हमेस्या सरु दई द्‌यो" परमेसर ने सुब-समिचार मण्डळी का हात माय हिपाजत से राख्यो हे। (गलातिहुंण १.६-९; १ तीमुथियुस १.१९; ६.३,२०,२१; २ तीमुथियुस १.१३,१४) फेर बी हमारे सिद्दांतहुंण के चाल-चळण से इकाड़ी नी राखणो हे। सई सीख को सई फळ तो पवित्तर जीवन हे, नी तो उके काम माय लेवा को कंई अरथ हयनी। तो उ आजाद बिचार धारा याने नेतिक अराजकता बणी जाय हे अने उना मनख का जीवन माय परभु ईसु के ठीक जगा नी मिळे। यहूदा इनी बुरी सीख को बिरोद करे हे।

यहूदा तो २ पतरस २ अध्याय का सरीको, जूना-नेम माय से जो भगत नी था नरी मिसाल दे हे। अने साफ करी लाखे हे के असा पे परमेसर को दण्ड हे। इना बारामें बिसासिहुंण को यो काम हे के

१. वी परेरितहुंण की सीख के रियाद राखे (पद१७) अने
२. परमेसर का परेम माय बण्या रे (पद २१)।

सातेज दूसरा सरु बिसासी की या जवाबदारी हे के

(१) उणका माय से थोड़ाक पे दया करे (पद २२,२३)
(२) दूसरा के लाय माय से झपटी के हेड़े (पद २३)

रुप-रेखा:-

१. सान्ती भर्‌यो अभिबादन १,२
२. बिसास को बचाव ३,४
३. बिसास से भटकणो ५-१६
४. बिसास से उन्नती जरुरी १७-२३
५. निचोड़ अने आसीस बचन २४,२५

१[†] हूं ईसु मसीह को दास अने याकूब
का भई यहूदा आड़ी से
तम लोगहुंण का नामे जो परमेसर का
तेड़्या होया परमिलाहुंण, अने ईसु मसीह
सरु बच्या होया। अने परमेसर आड़ी से
तेड़्या होया हो।
२तमारे दया, सान्ती अने परेम घणो
मिळतो रे।

झुंटा गरुहुंण

३हे परेमिहुंण, हूं उना उध्दार का
बारामें तमारे लिखवा की जां तक हुई
सके कोसिस करी र्‌यो थो, जेका माय
हम सगळा हिस्सादार हे। तो म्हने यो
लिखणों अने या बिणती करनों जरुरी
जाण्यो के तम उना बिसास सरु जतन
से जूजता रो, जो पवित्तर लोगहुंण
के एकज कावा सदा सरु सोंप्यो थो
४क्योंके कितरा असा मनख छाने से अई
भराया हे, जो नरा पेलां से सासत्तर माय
कसुरवार ठेरई चुक्या हे। वी अधरमी हे,
जो लुच्चापणा माय हमारा परमेसर की
किरपा के बदळी लाखे हे अने हमारा
अदवेत मालेख अने परभु याने ईसु
मसीह के वी नी माने हे।
५[†] अने हूं तमारे रियाद देवाड़णो
चउं, जदके तम सगळी बातहुंण के
पेलांसेज जाणो हो, के परभु ईसु[a] ने
मिसर देस से इसराइली जात के नरा
पेलां बचावा का बाद जिणने बिसास
नी कर्‌यो उणके कसतरा नास करी
लाख्या। **६**अने जेना सरगदूत ने अपणा
पद के कायम नी राखी के अपणो खुद
को निवास छोड़ी लाख्यो, परमेसर ने
उणके सदा का बन्दण माय बान्दी के
उना भयानक दन का न्याव सरु इन्दारा
माय राख्या हे। **७**[†] जसतरा सदोम अने
अमोरा नगरहुंण अने उणका ऐरे-मेरे
का नगर, जो इणकाज सरीका घणा
रळयापण, अनेती माय मगन हुई के,
परई कायाहुंण का पछड़े लागी ग्या
था, वी कदी नी बुजवा वाळी लाय की
सजा माय पड़ी के हमारा सरु मिसाल
सरीका हुई ग्या था।
८फेर बी, ई सपना देखवा वाळा
अधरमी लोगहुंण उनी तरा सरीर के

---

[a] **१.५** परभु ईसु; थोड़िक युनानी (ग्रीक) भासा माय ईसु अने दूसरा माय परभु अने कंई-कंई 'परमेसर,' पे यहूदा साफ लिखे हे परभु ईसु। मनख बणवा से पेलां की बात करे हे।

[†] **१.१:** मत्ती १३.५५; मरकुस ६.३ [†] **१.५:** निरगमन १२.५१; गिणती १४.२९–३०

[†] **१.७:** उत्पत्ती १९.१–२४

असुद्ध करे, परभु का हक के बुरो जाणे
अने म्हेमावान सरगदूतहुंण की निंदा करे
हे। ९† पण परधान सरगदूत मीकाईल
ने, जदे मूसा की लोथ का बारा माय
सेतान से बिवाद करिके, उके भलो-बुरो
कई के दोष लगाणे की हिम्मत नी
करी, पण यो क्यो, के परभु थारे घुड़के।
१०पण ई मनख जेनी बातहुंण के जाणे
हयनी, उणके भलो-बुरो के हे। बुद्धिहीन
ढाडाहुंण सरीका जेनी बातहुंण के सुभाव
सेज जाणे, उणकासे नास हुई जाय हे।
११† उण लोगहुंण के धिक्कार हे! क्योंके
उणने केन मनख मुजब नकल[b] करी।
मजुरी सरु बिना बिचारे बिलाम सरीकी
भूल करी बेठ्या। अने कोरह सरीका
बिदरोह करिके नास हुई ग्या। १२ई
मनख समन्दर तळ की छिपी सिल्ला
सरीका हे, जो तमारा परेम-भोजहुंण माय
तमारे गेले बेधड़क खाय-प्ये हे। सिरप
अपणोज ख्याल राखे हे। निपाण्या बादळा
हे जिणके बायरो उड़ई लई जाय हे।
पतझड़ का बिना फळ वाळा झाड़ हे, जो
दो बखत सुकी चुक्या अने जड़ से उखड़ी
ग्या हे। १३समन्दर की परचन्ड लेर हे जो
झाग सरीका अपणी लाज उछाळे, अने
डांमा डोळ तारा, जिणका सरु इन्दारोघुप
हमेस्या सरु राख्यो हे।

१४† आदम से सातवीं[c] पीड़ी का हनोक
ने बी इणका बारामें या भविसबाणी करी:
"देखो, परभु अपणा लाख्खों पवित्तर
जणाहुंण का गेले आयो, १५उ सगळा को
न्याव करेगा। अने उना सगळा लोगहुंण
के जिणने सगळा अधरम का काम
अधरमी हुई के कर्‌या, अने सगळी बुरी
बातहुंण का बारामें जो अधरमी पापिहुंण
ने उका बिरोद माय करी, उणके उ दोषी
ठेरायगा।"

१६ई लोग चुगल्या हे अने दोष ढुंडवा
वाळा हे, अपणी वासनाहुंण मुजब चलवा
वाळा, घमण्ड से बोलवा वाळा अने
अपणा फायदा सरु लोगहुंण की चापलुसी
करवा वाळा लोग हे।

चेतावणिहुंण

१७पण हे परमिलाहुंण, तम उनी
बातहुंण के जरुर रियाद राखो जिणके
हमारा परभु ईसु मसीह का परेरितहुंण
पेलां सेज कई चुक्या हे। १८† वी तमार
से बोल्या करता था, "आखर का दनहुंण
माय हंसी मजाक उड़ावा वाळा रेगा जो
अपणी अधरम से भरी बुरी मन्साहुंण
से चल्या करेगा।" १९ई लोग वी हे जो
माय-माय फूट लाखे हे। इना संसारिक
काया की मन्सा का बस माय रे हे, अने
बिना पवित्तर आतमा का हे। २०पण हे
परमिलाहुंण, तम एक-दूसरा के अपणा
जादा पवित्तर बिसास माय गुंथिके,
पवित्तर आतमा माय बिणती करता रो।

---

[b] **१.११** केन मनख मुजब नकल; केन ने अपणा भई हाबिल से बेर कर्‌यो अने मारी लाख्यो (उत्पत्ती ४.८)। [c] **१.१४** सातवीं; या गिणतिहुंण दोई सरु याने पेली अने आखरी इनी कतार माय सात नाम आदम से हनोक तक हे।

† **१.९:** दानियल १०.१३, २१, १२.१; दरसन १२.७; नेम-बिधान ३४.६; जकरियाह ३.२

† **१.११:** उत्पत्ती ४.३–८; गिणती २२.१–३५, १६.१–३५ † **१.१४:** उत्पत्ती ५.१८,२१-२४.

† **१.१८:** २ पतरस ३.३

२१अपणा खुद के परमेसर का परेम माय
बणाया राखो, अने सदा का जीवन सरु
हमारा परभु ईसु मसीह की दया की बाट
जोता रो।
२२जो बिसास का बारामें सक करे
उणका पे दया करो; २३दूसरा के लाय
माय से झपटी के हेड़ी लो; अने दूसरा
लोगहुंण पे दया करो पण डरता रो ताके
उणका संसारिक काया का पापहुंण से
तम बी कलंकित नी होव।[d]

इसतुती की पराथना

२४अबे जो तमारे पड़ी जावा से तमारे
बचाड़ी सके, अने अपणी म्हेमा की हाजरी
माय तमारे निरदोस अने खुसी दई के
ठावो करी सके, २५उना अदवेत परमेसर
हमारा उध्दार करवा वाळा की म्हेमा,
गोरव, पराकरम अने हक, हमारा परभु
ईसु मसीह से जसो आदी काल से हे अबे
बी होय अने सदा सदाज रेगा। आमीन।

---

[d] **१.२३** ताके उणका संसारिक ... कलंकित नी होव; यूनानी माय, यां तक के काया से कलंकित लतराहुंण से घिरणा करो।

दरसन
की पोथी

लिखवा वाळो: योहन

लिखवा की वजा: आवा वाळा बखत माय मण्डळी अने ईसु ऊको स्वामी

लिखवा को बखत: करीब ९५ ईस्वी सन्

जूना नेम: दानियल की पोथी का सरीकी, दरसन की पोथी बी यहूदिहुंण की एक खास तरीका माय लिखी हुई हे जो भेद परगट करवा वाळी केवाय हे। असा तरीका से साहित लिखवा का गुण था।

१. यो जादा करिके अबदा अने कळेस का दनहुंण माय लिख्यो जातो थो।
२. यो अपणा संदेस, दरसन, सेलाणी अने अलंकार की भासा से परगट करे हे।
३. यो इनी बात को बचन दे हे। आखर माय बुरई पे भलई की जीत रेगा। जदके नरा लोगहुंण दरसन की पोथी बांचवा से डरे हे पण "नवा नेम" माय याज पोथी असी हे जेका माय बांचवा वाळा अने सुणवा वाळाहुंण सरु खास आसीस अने करार हे (१.३)।

दरसन की पोथी बांचवा से साफ पतो चले हे के लिखवा का बखत घणो संकट अने सताड़्या जावा को दोर थो। मण्डळी भित्तरे अने बायरे दोई आड़ी काठी अबदाहुंण से भरी हुई थी। दरसन की पोथी को लिखणों करीब ९० या ९५ ईस्वी सन् माय होयो होयगा। ऊनी पेली सदी माय ओगुस्तुस से लई के डोमिटिआनुस तक रोमी राजाहुंण फेल्या होया राज पे बिराजमान र्‌या। मण्डळी का सामे यो सवाल जरुर आयो के कंई हमारे हमेस्या कळेसज कळेस झेलनो पड़ेगा? कंई सेतान अने ऊका बुरा दूत आखर माय जीती तो नी जायगा? दरसन की इनी पोथी माय इना सवालहुंण को जुवाब साफ अने पक्को हे। परमेसरज सगळा से ऊंचो बण्यो रेगा अने ऊकी मण्डळी तो लाड़ा सरु सजई गी लाड़ी सरीकी हमेस्या सरु मजबूत करी जायगा।

योहन एक खास बात के चार कावा काम माय ले हे, वा बात हे "पवित्तर आतमा का बस माय अई ग्यो," जो मूळ माय "आतमा माय" लिख्यो हे (१.१०; ४.२; १९.१०, २१.१०)। इनी बात पे ध्यान दई के इनी पोथी का चार हिस्सा परगट हे जो चार दरसन पे टिक्या हे। आखी रुप-रेखा मसीह ईसु का ऐरे-मेरे हे।

रुप-रेखा:-

१. भूमिका १.१-८
२. पेलो दरसन: मसीह अने सात मण्डळिहुंण १.९-३.२२
३. दूसरो दरसन: मसीह अने धरती को न्याव ४.१-१६.२१
(क) सरग सिंगासण अने मेमणो ४.१-५.१४
(ख) सात मोहरहुंण के खोल्यो जाणो ६.१-८.५
(ग) सात तुरईहुंण के फूंक्यो जाणो ८.६-११.१९
(घ) जनावर अने उणकी लड़ई १२.१-१४.२०
(ङ) सात कटोराहुंण के कुड़्यो जाणो १५.१-१६.२१
४. तीसरो दरसन: मसीह अने उकी जीत १७.१-२१.८
५. चोथो दरसन: मसीह अने उकी लाड़ी २१.९-२२.५
६. निचोड़: आखरी परबचन अने आसिरबाद २२.६-२१

---

१ यो ईसु मसीह को सरग को सुब-समिचार हे जो उके परमेसर से इकासरु मिळ्यो थो के जो बातहुंण झट घटवा वाळी हे, अपणा सेवकहुंण के दिखाड़ी दे। ईसु मसीह ने अपणो सरगदूत मोकली के अपणा सेवक योहन के सेलाणी से बताड़्यो। २योहन ने जो कंई देख्यो थो, उका बारामें बताड़्यो। या वा सच्चई हे जेके ईसु मसीह ने उके बताड़ी थी। यो उ समिचार हे जो परमेसर आड़ी से हे। ३वी धन्य हे जो परमेसर का इना सरग को सुब-समिचार का सबद्हुंण के बांचे अने जो सुणे हे अने जो बातहुंण इका माय लिखी हे, उणका मुजब चले हे। क्योंके इनी घटणाहुंण के घटवा की घड़ी कने हे।

मण्डळिहुंण का नामे योहन को संदेसो

४† योहन आड़ी से एसिया परदेस[a] का इलाका माय साती मण्डळिहुंण का नामे:

उना परमेसर आड़ी से जो आज हे, जो सदा-सदा से थो, अने जो आवा वाळो हे; अने उना सात आतमाहुंण आड़ी से जो परमेसर का सिंगासण का सामे हे;[b] ५† अने उना ईसु मसीह आड़ी से जो बिसास लायक गवा, अने मर्या माय से पेलो जी उठवा वाळो अने धरती का राजाहुंण को बी राजो हे, तमारे किरपा अने सान्ती मिळे।

उ जो हमार से परेम करे हे अने जेने अपणा लोई से हमारा पापहुंण से छुड़ाया हे, ६† उने हमारे एक राज अने अपणा पिता परमेसर की सेवा सरु पुरोहित होवा

---

[a] **१.४** एसिया परदेस; आज को टरकी देस। [b] **१.४** सात आतमाहुंण ... सिंगासण का सामे हे; परमेसर को पवित्तर आतमो। सात याने पूरा अंकहुंण हे।

† **१.४:** निरगमन ३.१४; दरसन ४.५ † **१.५:** यसायाह ५५.४; भजन संहिता ८९.२७

† **१.६:** निरगमन १९.६; दरसन ५.१०

सरु बणायो, ईसु मसीह की म्हेमा अने
सामरत हमेस्या-हमेस्या होती रे। आमीन!
७† देखो, ईसु मसीह बादळाहुंण का
साते अई र्‌यो हे। हरेक आंखहुंण उको
दरसन करेगा। उणका माय वी बी रेगा,
जिणने ईसु के बेद्‌यो थो। अने धरती का
सगळा कुळ उकी वजासे कळाप करेगा।
हां! हां! पक्को असोज होय आमीन!
८† परभु परमेसर उ जो हे, जो थो,
अने जो आवा वाळो हे, जो सगळा से
सकतीमान हे, यो के हे, "हूंज अलफा
अने ओमेगा हूं।"

मसीह को दरसन

९हूं योहन जो तमारो भई हूं अने
यातणाहुंण, राज अने ईसु माय जिरना
धरवा माय तमारो गेले गवा हूं। परमेसर
का बचन परचारवा अने ईसु की गवई
की वजासे म्हारे पतमुस नामका टापू[c]
माय देस निकाळो दई द्‌यो थो। **१०**परभु
का दन[d] हूं पवित्तर आतमा का बस माय
अई ग्यो अने म्हने अपणा पछड़े तुरई
सरीकी घणी जोर की अवाज सुणी। **११**वा
कई री थी, "जो कंई तू देखी र्‌यो हे,
उके एक पोथी माय लिखतो जा अने
फेर उके इफिसुस, स्मुरना, पिरगमुन,
थुआथीरा, सरदीस, फिलादेलफिया, अने
लोदीकिया नगर की साती मण्डळिहुंण के
मोकली दे।"
१२फेर या देखवा सरु के या अवाज
केकी हे जो म्हार से बोली र्‌यो थो हूं
पलट्‌यो। अने जदे हूं पलट्‌यो तो म्हने
सुन्ना का सात ज्योतकळस देख्या। **१३**†
अने उना ज्योतकळसहुंण का अदाड़ माय
म्हने एक मनख के देख्यो जो "मनख
का बेटा"[e] सरीको कईं को मनख थो।
उने अपणा पगहुंण तक लम्बो चोगो
पेरी राख्यो थो। अने उकी छाती पे एक
सुन्ना को पटको लपेट्‌यो होयो थो। **१४**†
उको माथो अने बाल धोळा ऊन सरीका
धोळा-झक था। अने उकी आंखहुंण लाय
की धदकती लपटहुंण सरीकी थी। **१५**†
उका पग भट्‌टी माय अबी-अबी तपाड़्या
ग्या असली कांसा सरीका चळकी र्‌या
था। उकी अवाज नरी जळ धाराहुंण का
गाजवा सरीकी थी। **१६**उने अपणा सुदा
हात माय सात तारा ल्या होया था। उका
मुन्डा से एक घणी तेज दोई आड़ी धार
वाळी तरवार बायरे हिटी री थी। उको
चळकणो दफोर्‌या माय धदकता होया
सूरज सरीको उजळो थो। **१७**† म्हने जदे
उके देख्यो तो हूं उका पगहुंण पे मर्‌या
सरीको हिटी पड़्यो। फेर उने म्हार पे
अपणो सुदो हात धरता होया क्यो, "डरे

---

[c] **१.९** पतमुस नामका टापू; टेकरो टापू जगा जेका चारी-मेर पाणीज पाणी रे हे। जेका माय रोमी सरकार केदीहुंण के राखता था। [d] **१.१०** परभु का दन; हफ्ता को पेलो दन दितवार जेका माय परभु ईसु जी उठ्‌यो थो अने पिन्तेकोस्त को दन पवित्तर आतमा आवा को दन। [e] **१.१३** "मनख का बेटा"; सबद् भण्डार माय देखो।

† **१.७:** दानियल ७.१३; मत्ती २४.३०; मरकुस १३.२६; लूका २१.२७; १ थिस्सलुनीकिहुंण ४.१७; जकरियाह १२.१०; योहन १९.३४, ३७ † **१.८:** दरसन २२.१३; निरगमन ३.१४

† **१.१३:** दानियल ७.१३, १०.५ † **१.१४–१५:** दानियल ७.९, १०.६ † **१.१५:** यहेजकेल १.२४, ४३.२

† **१.१७:** यसायाह ४४.६, ४८.१२; दरसन २.८, २२.१३

मती, हूंज पेलो अने हूंज आखरी बी हूं।
१८अने हूंज उ हूं, जो जीवतो हे। हूं मरी
ग्यो थो, पण अबे देख हूं हमेस्या-हमेस्या
सरु जीवतो हूं। म्हारा कने मोत अने
अधोलोक[f] की कुन्चीहुंण हे। १९तो जो
कंई तने देख्यो हे, जो कंई घटी र्‍यो हे,
अने जो आवा वाळा बखत माय घटणे
जई र्‍यो हे, उके लिखतो जा। २०ई जो
सात तारा हे जिणके तने म्हारा हात
माय देख्या अने ई जो सात ज्योतकळस
हे, इणको गुपत अरथ हे: ई सात तारा
सात मण्डळिहुंण का दूत[g] हे अने ई सात
ज्योतकळस सात मण्डळिहुंण हे।

इफिसुस की मण्डळी का नामे मसीह को संदेसो

२ इफिसुस की मण्डळी का दूत का
नामे असतरा लिख :

उ जो अपणा सुदा हात माय सात
ताराहुंण के धारण करे अने जो सात
ज्योतकळसहुंण का अदाड़ माय फिरे;
असो के हे:

२हूं थारा करमहुंण, म्हेनत, अने
जिरना के जाणूं अने हूं यो बी जाणूं के
तू बुरा लोगहुंण के सेन नी करी सके,
अने तने उणके परख्यो जो के हे, के
वी परेरित हे पण नी हे। तने उणके
झुंटा पाया हे। ३हूं जाणूं के थारा माय
जिरना हे जेका साते तने म्हारा नाम
पे घणो दुःख झेल्यो अने थक्यो हयनी।
४पण म्हारे थारा बिरोद माय यो केणो
पड़े हे: के तने उ परेम छोड़ी लाख्यो जो
सुरु माय थारा भित्तरे थो। ५तो रियाद
कर के तू कां से पड़्यो, मन बदळ अने
उना कामहुंण के कर जिणके सुरु माय
कर्‍या करतो थो, नी तो, अगर तने
मन नी बदळ्यो, तो हूं थारा कने अउंवां
अने थारा ज्योतकळस के उकी जगा
से इकाड़ी करी लाखुंवां। ६पण या बात
थारा पाळा माय हे के तू नीकुलइयहुंण[h]
का कामहुंण से घिरणा करे, जिणकासे
हूं बी घिरणा करूं।

७[i] जेका कने कान हे, वी कान धरे जो
आतमा मण्डळिहुंण से कई र्‍यो हे।

"जो जितेगा हूं उके परमेसर का सरग
का बाग माय लाग्या जीवन का झाड़ का
फळ खावा को हक दूंवां।"

स्मुरना की मण्डळी का नामे मसीह को संदेसो

८[j] स्मुरना की मण्डळी का दूत का
नामे असतरा लिख :

उ जो पेलो हे अने जो आखरी हे, जो
मरी ग्यो थो अने जो पाछो जी उठ्यायो
हे, असतरा के हे:

९हूं थारा कळेस अने थारी गरीबी का
बारामें जाणूं, जदके तू सांची माय धणी
हे। जो मनख अपणा खुद के यहूदी कई

---

[f] **१.१८** अधोलोक; वा जगा जां मरवा का बाद लोगहुंण जाय हे।
[g] **१.२०** मण्डळिहुंण का दूत; समिचार देवा वाळा, या मण्डळिहुंण के देखवा वाळा सरगदूत, या मण्डळिहुंण का बुड़ा-हाड़ा।
[h] **२.६** नीकुलइयहुंण; एसिया मायनर को एक धरम को झुंड। ई झुंटा बिसासहुंण अने धारणाहुंण का मानवा वाळा था। इको नाम कइंका नीकुलइय नामका मनख पे राख्यो होगा।
[i] **२.७:** उत्पत्ती २.९; दरसन २२.२; यहेजकेल २८.१३, ३१.८
[j] **२.८:** यसायाह ४४.६, ४८.१२; दरसन १.१७, २२.१३

र्‌या हे, उणने जो थारी निंदा करी हे, हूं
उणके बी जाणूं। जदके वी यहूदी हेज
हयनी, बल्के वी तो असा उपासणा करवा
वाळाहुंण को जमावड़ो हे जिणको नातो
सेतान से हे। १०उना कळेसहुंण से तू नठ्‌
बी मती डरजे जो थारे झेलनो हे। सुण,
सेतान तम लोगहुंण माय से थोड़ाक के
जेळखाना माय लाखी के तमारे अजमाणे
जई र्‌यो हे। अने तमारे दस दन तक
कळेस भोगणो पड़ेगा। चाये तमारे
मरनोज पड़े, पण सांचा बिसासी बण्या
री जो हूं तमारे हमेस्या का जीवन को
मुगुट दूंवां।

११† जेका कने कान हे, वी सुणी ले के
आतमा मण्डळिहुंण से कंई कई र्‌यो हे:
"जो जितेगा उके दूसरी मोत से कईं
को घाटो नी उठाड़णो पड़ेगा।"

पिरगमुन की मण्डळी का नामे मसीह को संदेसो

१२पिरगमुन की मण्डळी का दूत का
नामे असतरा लिख :
उ जो तेज दोई आड़ी धार वाळी तरवार
के धारे हे, असतरा के हे:
१३हूं जाणूं के तू कां रे हे। तू वां
रई र्‌यो हे जां सेतान को सिंगासण हे
अने हूं यो बी जाणूं के तू म्हारा नाम
के थाम्यो होयो हे अने तने म्हार पे
अपणा बिसास के कदी नी नकार्‌यो।
हालाके तमारा उना नगर माय जां
सेतान रे हे, वां म्हारा बिसासी गवा
अन्तिपास के मारी लाख्यो थो। १४†
कंई बी होय, म्हारा कने थारा बिरोद
माय थोड़िक बातहुंण हे। थारा यां
थोड़ाक असा मनख बी हे जो बिलाम
की सीख पे चले हे। उने बालाक
के सीखाड़्यो थो के उ इसराइल का
लोगहुंण के मुरतहुंण को चड़ावो खावा
अने ब्योबिचार करवा सरु उकसाड़े हे।
१५असतरा थारा यां बी थोड़ाक असा
लोग हे जो नीकुलइयहुंण की सीख पे
चले हे। १६इकासरु मन बदळ। नी तो
हूं झट थारा कने अउंवां अने उणका
बिरोद माय उनी तरवार से लड़ई लड़ुंवां
जो म्हारा मुन्डा से हिटे हे।

१७† जेका कने कान हे, वी कान धरे
जो आतमा मण्डळिहुंण से कंई कई र्‌यो
हे:
"जो जितेगा, हूं उके सरग माय
छिप्यो मन्नो[i] दूंवां। हूं उके एक धोळो
भाटो[j] बी दूंवां जेका पे एक नवो नाम
लिख्यो रेगा। जेके उका अलावा हजु
कईं को नी जाणी सकेगा सिरप उज
जेके द्‌यो हे।"

---

[i] **२.१७** छिप्यो मन्नो; एक तरा को सरग को भोजन। जदे इसराइलहुंण मिसर की गुलामी से हिट्‌या था अने लाल समन्दर के पार करिके मांळ माय आया तो उणके भूक लागी तो परमेसर ने उणके खावा सरु सरग से मन्नो बरसायो थो। थोड़ाक इसराइलहुंण ने बासण माय भेळो करी ल्यो थो के अपणा नात्या-पोत्याहुंण के बाद माय बताड़ी सके (निरगमन १६)। [j] **२.१७** एक धोळो भाटो; याने मन्ना या बिजयी धोळा भाटा सरीकी निसाणी।

† **२.११:** दरसन २०.१४, २१.८

† **२.१४:** गिणती २२.५, ७, ३१.१६; नेम-बिधान २३.४; गिणती २५.१–३

† **२.१७:** निरगमन १६.१४–१५, १६.३३–३४; योहन ६.४८–५०; यसायाह ६२.२, ६५.१५

थुआतीरा की मण्डळी का नामे मसीह को संदेसो

१८थुआतीरा की मण्डळी का दूत का नामे असतरा लिख :

"परमेसर को बेटो, जेकी आंख धदकती लाय सरीकी, अने जेका पग सुद्द कांसा जसा हे, असतरा के हे:

१९हूं थारा कामहुंण, थारा परेम, थारा बिसास, थारी सेवा अने थारी जिरना से भरी ताकत के जाणूं। हूं जाणूं के तू जितरो पेलां कर्‌या करतो थो, उकासे अबे बत्ती करी र्‌यो हे। **२०**† पण म्हारा कने थारा बिरोद माय यो केणो हे के: तू इजेबेल नाम की उनी बइरा के सई र्‌यो हे जो अपणा खुद के नबिया कई री हे। अपणी सीख से वा म्हारा सेवकहुंण के ब्योबिचार सरु अने मुरतहुंण के चड़ावो खावा सरु उकसाड़े हे। **२१**म्हने उके मन बदळवा को मोको द्‌यो हे पण वा ब्योबिचार को मन बदळणो नी चावे। **२२**इकासरु अबे हूं उके पीड़ा का बिछावणा पे लाखवाज वाळो हूं। अने उणके बी जो उका साते ब्योबिचार माय मिळ्या होया हे। ताके वी उना बखत तक गेरी पीड़ा के म्हेसुस करता रे हे जदत्तक वी उका साते कर्‌या अपणा बुरा करमहुंण सरु मन नी बदळे। **२३**† हूं म्हामारी से उकी सीख पे चलवा वाळा बाळकहुंण के मारी लाखुंवां अने सगळी मण्डळिहुंण के यो पतो चली जायगा के हूं उज हूं जो लोगहुंण का हिरदा अने उणकी बुध्दि के जाचूं। हूं तम सगळा लोगहुंण के तमारा करम मुजब फळ दूंवां।

२४अबे म्हारे थुआतीरा का उना थोड़ाक बच्या लोगहुंण से यो केणो हे जो इजेबेल की सीख पे नी चले अने जो सेतान के अने उकी गुपत गेरी बातहुंण के नी जाणे। म्हारे तमार पे कईं को हजु दबाव नी लाखणो। **२५**फेर बी जो कंई तमारा कने हे, उका पे म्हारा आवा तक चलता री जो। **२६**† जो जितेगा अने जेनी बातहुंण को म्हने हुकम द्‌यो हे, आखरी तक उणका पे टिक्यो रेगा, हूं उके जातिहुंण पे हक दूंवां। **२७**अने 'उ उणका पे लुव्वा का डण्डा से राज करेगा। उ उणके गारा का ठामड़ाहुंण जसा चूरी लाखेगा।'† **२८**यो उज हक हे जो म्हने अपणा पिता परमेसर से पायो हे। हूं बी उना मनख के परोड़ा को तारो[k] दूंवां।

२९जेका कने कान हे, वी सुणी ले के आतमा मण्डळिहुंण से कंई कई र्‌यो हे।

सरदीस की मण्डळी का नामे मसीह को संदेसो

३ सरदीस की मण्डळी का दूत का नामे असतरा लिख :

---

[k] **२.२८** परोड़ा को तारो; उ तारो जो रात का चोथा पेर पे नगे आवे, याने ईसु मसीह (२ पतरस १.१९; दरसन २२.१)।

† **२.२०:** १ राजा १६.३१; २ राजा ९.२२, ३०

† **२.२३:** भजन संहिता ७.९; यरमियाह १७.१०; भजन संहिता ६२.१२

† **२.२६–२७:** भजन संहिता २.८–९ † **२.२७:** भजन संहिता २.९

उ जेका कने परमेसर की सात
आतमाहुंण अने सात ताराहुंण हे; असो
के हे:

हूं तमारा कामहुंण के जाणूं, लोगहुंण
को केणो हे के तम जीवता हो, पण
सांची माय तम मर्‌या होया हो।
२होसियार रो। अने जो कंई बच्यो हे
इका से पेलां के उ सगळो खतम हुई
जाय, उके मजबूत कर, क्योंके अपणा
परमेसर की नगे माय म्हने थारा
करमहुंण के पूरण नी पाया। ३† तो
जेना परबचन के तने सुण्यो हे अने
पायो, उके रियाद कर। उका पे चल
अने मन बदळ। अगर तू जाग्यो नी
रेगा तो एक दम से चोळडा सरीको
हूं चल्यो अउंवां। हूं थारे कदे अचरज
माय लाखी दूंवां थारे पतो बी नी
चलेगा। ४कइंबी हो सरदीस माय थारा
कने थोड़ाक असा लोग हे, जिणने
खुद के असुद्द नी कर्‌या हे। वी धोळा
लतरा पेर्‌या होया म्हारा गेले-गेल
फिरेगा क्योंके वी इका लायक हे। ५†
जो जितेगा उ असतरा धोळा लतरा
पेरेगा। हूं जीवन की पोथी[l] माय से
उणको नाम नी मिटाडुंवां, बल्के हूं
तो उका नाम के अपणा परम पिता
परमेसर अने उका सरगदूतहुंण का
सामे मानता दूंवां।

६जेका कने कान हे, उ सुणी ले के
आतमा मण्डळिहुंण से कंई कई र्‌यो हे।

फिलादेलफिया की मण्डळी का नामे मसीह को संदेसो

७† फिलादेलफिया की मण्डळी का दूत
का नामे असतरा लिख:

उ जो पवित्तर अने सत हे अने जेका
कने दाऊद राजा की कुन्ची[m] हे, जो असो
कमांड़ खोले जेके कईं को बन्द नी करी
सके, असतरा के हे:

८हूं तमारा करमहुंण के जाणूं। देखो,
म्हने तमारा सामे एक कमांड़ खोली
द्‌यो हे, जेके कईं को बन्द नी करी
सके। हूं जाणूं के थारी ताकत जरासी
हे, पण तने म्हारा परबचनहुंण को
पाळण कर्‌यो हे अने म्हारा नाम के
नकार्‌यो हयनी। ९† सुणो, थोड़ाक असा
हे जो सेतान की मण्डळी का हे अने
जो यहूदी नी होता होया बी अपणे
खुद के यहूदी के हे, जो सिरप झुंटा
हे। हूं उणके यां आवा सरु मजबुर
करिके थारा पगहुंण तळे नमाड़ी दूंवां
अने हूं उणके मजबुर करुंवां के वी
जाणे के तम म्हारा परमिला हो।
१०तमने जिरना धरी के म्हारा हुकम
को पाळण कर्‌यो हे। इका बदळा माय
हूं बी उनी परखवा की घड़ी से तमारे
बचउंवां जो इनी धरती पे रेवा वाळाहुंण
के परखवा सरु आखा जगत पे बस
अवाज वाळी हे। ११हूं घणो झट अई
र्‌यो हूं। जो कंई तमारा कने हे, उका

---

[l] **३.५** जीवन की पोथी; जेका माय परमेसर का लोगहुंण का नाम लिख्या होया हे। [m] **३.७** दाऊद राजा की कुन्ची; याने दाऊद राजा को हक।

† **३.३:** मत्ती २४.४३–४४; लूका १२.३९–४०; दरसन १६.१५

† **३.५:** निरगमन ३२.३२–३३; भजन संहिता ६९.२८; दरसन २०.१२; मत्ती १०.३२; लूका १२.८

† **३.७:** यसायाह २२.२२; अय्यूब १२.१४ † **३.९:** यसायाह ४९.२३, ६०.१४, ४३.४

पे डट्या री जो जेकासे तमारी जीत
को मुगुट कईं को तमारा से लई नी
ले। १२† जो जितेगा उके हूं अपणा
परमेसर का मन्दर को खम्बो बणउंवां।
फेर कदी उ इना मन्दर से बायरे नी
जायगा। अने हूं अपणा परमेसर का
नाम अने अपणा परमेसर की नगरी
का, याने नवा यरुसलेम को नाम उका
पे लिखुंवां, जो म्हारा परमेसर आड़ी से
सरग से निच्चे उतरवा वाळी हे। उका
पे हूं अपणो नवो नाम बी लिखुंवां।"
१३जेका कने कान हे, उ सुणी ले के
आतमा मण्डळिहुंण से कंई कई र्‌यो हे।

लोदीकिया की मण्डळी का नामे मसीह को संदेसो

१४† लोदीकिया की मण्डळी का दूत का
नामे असतरा लिख :
उ जो आमीन[n] हे, बिसास लायक अने
सांचो गवा हे, जो परमेसर की रचणा को
सासक हे, असतरा के हे:
१५हूं थारा करमहुंण के जाणूं अने तू
यो बी के नी तो ठंडो अने नी उन्नो रे।
भलो होतो के तू ठंडो या उन्नो रेतो!
१६इकासरु के तू कुनकुनो हे, नी उन्नो
अने नीज ठंडो, हूं अपणा मुन्डा से थारे
उगाळवा पे हूं। १७तू के हे हूं धणी हुई
ग्यो हूं अने म्हारे कइंकी चीज की जरुवत
हयनी, पण थारे पतो हयनी के तू कितरो
अभागो, निच्चो, गरीबड़ो, आंदो अने
नांगो-पुंगो हे। १८हूं थारे सला दउं के तू
म्हार से भस्ते माय तपाड़्यो होयो सुन्नो
मोल लई ले के तू सांची मेंज धणी
हुई जाय। पेरवा सरु धोळा लतरा बी
मोल लई ले के थारा लाजे मारवा वाळा
नांगापण को तमासो नी बणे। अपणी
आंखहुंण माय आंजवा सरु तू अंजण
बी लई ले ताके तू देखी सके। १९† उना
सगळा के जिणकासे हूं परेम करूं, हूं डांटूं
के वी नेम से चले। तो फेर काठो जतन
करो अने पाप से मन बदळो। २०सुण, हूं
बारना कने उब्यो होयो, खटखटाड़ी र्‌यो
हूं। अगर कईं को म्हारो हेलो सुणे अने
बारनों हेड़े तो हूं उका घर माय जउंवां
अने उका गेले बेठिके जिमुंवां अने उ
म्हारा गेले जिमेगा। २१जो जितेगा हूं

ईसु किमांड़ खटखटाड़े (REV ३.२०)

---

[n] **३.१४** आमीन; अरथ हे असोज होय या उना परम सत का जसा हुई जाणो। पण यांकी जागे इके ईसु का एक नाम का रुप माय ल्यो हे।

† **३.१२:** दरसन २१.२; यसायाह ६२.२, ६५.१५ † **३.१४:** नीतिबचन ८.२२

† **३.१९:** नीतिबचन ३.१२; इबराणिहुंण १२.६

उके अपणा साते सिंगासण पे बेठाड़वा को मान दूंवां। बिलकुल वसेज जसेके हूं जीती के अपणा पिता परमेसर का साते उका सिंगासण पे बेठ्यो हूं।

२२जेका कने कान हे, उ सुणी ले के आतमा मण्डळिहुंण से कंई कई र्‌यो हे।

सरग को दरसन

४ इका बाद म्हने नगे उठई तो सरग को खुल्यो बारनों म्हारा सामे थो। अने वाज अवाज जो म्हने पेलां सुणी थी, तुरई सरीका सबद् माय म्हार से कई र्‌या था, "यांज अदरे अइजा। हूं थारे उ दिखाडुंवां जेको भविस माय होणो पक्को हे।" २† फेर हूं झटज पवित्तर आतमा का बस माय अई ग्यो। म्हने देख्यो के म्हारा सामे सरग को सिंगासण थो अने उका पे कईं को बिराज्यो थो। ३उकी चळक यसब अने गोमेत फत्तर सरीकी थी। उका सिंगासण का चारी-आड़ी एक सतरंग्यो-धनुस थो जो पन्ना फत्तर सरीको लिल्लो चळकी र्‌यो थो। ४उना सिंगासण का चारी-आड़ी चोविस सिंगासण हजु था जिणका पे चोविस सियाणाहुंण[o] बेठ्या होया था। उणने धोळा लतरा पेर्‌या होया था। उणका माथा पे सुन्ना का मुगुट था। ५† सिंगासण माय से बिजळी सरीकी चकाचोंद, घड़घड़ाट अने बादळाहुंण को गाजणो हिटी र्‌यो थो। सिंगासण का सामेंज धदकती हुई सात मसाळ बळी री थी। ई मसाळहुंण परमेसर की सात आतमाहुंण हे। ६† सिंगासण का सामे पारदरसी कांच सरीको समन्दर फेल्यो होयो थो।

सिंगासण का बिलकुल सामे अने उका दोई आड़ी चार पराणी था। उणका अगड़े अने पछड़े आंखज-आंख थी। ७†पेलो पराणी न्हार सरीको थो, दूसरो पराणी बेल सरीको थो, तीसरो पराणी को मुन्डो मनख सरीको थो अने चोथो पराणी उड़ता होया गरुड़ पक्सी सरीको थो। ८† इना

न्हार (REV ४.७)

चारीज पराणी का छेः छेः पांखड़ाहुंण था। उणका चारी-आड़ी अने भित्तरे आंखज-आंख थी। वी दन-रात लगातार कई र्‌या था:

---

[o] **४.४** चोविस सियाणाहुंण; वी बारा मनख जो परमेसर का संतहुंण का म्हान नेता था, या हुई सकता हो ई यहूदिहुंण का बारा परवार का झुंड का नेता हो। अने बाकी ईसु का बारा परेरितहुंण मालम पड़े हे।

† **४.२–३:** यहेजकेल १.२६–२८, १०.१

† **४.५:** निरगमन १९.१६; दरसन ८.५, ११.१९, १६.१८; यहेजकेल १.१३; दरसन १.४; जकरियाह ४.२

† **४.६–७:** यहेजकेल १.२२, ५–१०, १०.१४ † **४.७:** यहेजकेल १.५-१०

† **४.८:** यहेजकेल १.१८, १०.१२; यसायाह ६.२–३

"पवित्तर हे, पवित्तर हे, पवित्तर
हे, परभु परमेसर सगळा से
सकतीमान,
जो थो, जो हे, अने जो आवा
वाळो हे।"

९जदे वी जीवता पराणी उना हमेस्या
जीवता रेवा वाळा की म्हेमा, आदर अने
धन्यबाद करी र्‌या हे जो सिंगासण पे
बिराज्यो थो, तो १०वी चोविस सियाणाहुंण
उका पगे पड़ी के, उना हमेस्या जीवता
रेवा वाळा की उपासणा करे हे। वी
सिंगासण का सामे अपणा मुगुट लाखी
दे अने के हे:

११ "हे हमारा परभु अने हमारा
परमेसर!
तूज म्हेमा, आदर-मान अने
सकती पावा का लायक हे।
क्योंके तनेज सगळी चीज बणई हे।
थारीज मरजी से वी नगे आय हे
अने थारीज मरजी से उणके
बणई।"

लपेट्या होया चामड़ा का पत्तर अने मेमणो

५ † फेर म्हने देख्यो के जो सिंगासण
पे बिराज्यो थो, उका सुदा हात
माय एक लपेट्यो होयो चामड़ा को पत्तर[p]
जेका पे दोइज आड़ी लिख्यो होयो थो।
अने उके सात मोहरहुंण लगाड़िके बन्द
करी लाखी थी। २म्हने एक ताकत वाळा
सरगदूत आड़ी देख्यो जो काठा सबद् से
घोसणा करी र्‌यो थो - "इना लपेट्या
होया चामड़ा का पत्तर की मोहरहुंण के
तोड़वा अने इके खोलवा लायक कुंण हे?"
३पण सरग माय या धरती पे या पताळ-
लोक[q] माय कईं को बी असो नी थो
जो उना लपेट्या होया चामड़ा का पत्तर
के खोली देतो अने उका भित्तरे झांकतो
४उना चामड़ा का पत्तर के खोलवा की
लायकी राखवा वाळो या भित्तरे से उके
देखवा की ताकत वाळो कईं को बी नी
मिळ्यो थो, इकासरु हूं फुटी-फुटी के रोई
पड़्यो। ५† फेर उना सियाणाहुंण माय से
एक ने म्हार से क्यो, "रोणो बन्द कर!
अने सुण! यहूदा का कुळ को न्हार, जो
दाऊद का कुळ को हे, जीत्यो होयो हे। उ
इनी सात मोहरहुंण के तोड़वा अने इना
लपेट्या होया चामड़ा का पत्तर के खोलवा
माय सामरत हे।"

६† फेर म्हने देख्यो के उना सिंगासण
अने उना चार पराणिहुंण का सामे अने
उना सियाणाहुंण की हाजरी माय एक
मेमणो उब्यो हे। उ मेमणो असो देखी
र्‌यो थो, जसे के उकी बली चड़ई गी हो।
उका सात सींग था अने सात आंखहुंण
थी जो परमेसर की सात आतमाहुंण हे,
जिणके आखी धरती पे मोकल्या ग्या
था। ७फेर उ आयो अने जो सिंगासण
पे बिराज्यो थो, उका सुदा हात से उने
उ लपेट्यो होयो चामड़ा को पत्तर लई
ल्यो। ८† जदे उना चारी पराणिहुंण अने
चोविस सियाणाहुंण ने उना मेमणा के

---

[p] **५.१** पत्तर; एक लम्बो लपेट्यो होयो कागद या चामड़ो जेका पे पुराणा जमाना माय लिखता था।
[q] **५.३** पताळ-लोक; अधोलोक - वा जगा जां मरवा का बाद लोगहुंण जाय हे। (देखो १.१८)।
† **५.१:** यहेजकेल २.९–१०; यसायाह २९.११ † **५.५:** उत्पत्ती ४९.९; यसायाह ११.१, १०
† **५.६:** यसायाह ५३.७; जकरियाह ४.१० † **५.८:** भजन संहिता १४१.२

नमिके परणाम कर्‌यो। उणका माय से
हरेक कने वीणा थी अने उणने सुगन
चीजहुंण से भर्‌या सुन्ना का धुपाड़ा के
थाम्या था; जो पवित्तर लोगहुंण की
पराथनाहुंण हे।[r] ९[†] वी एक नवो गीत
गई र्‌या था:

"तू यो चामड़ा को पत्तर लेवा
अने इकी मोहर खोलवा का
लायक हे,
क्योंके थारे बली का रुप माय मारी
लाख्यो अने अपणा लोई से
तने परमेसर सरु
लोगहुंण के हर जात से, हर
भासा से, सगळा कुळहुंण से,
सगळा देसहुंण से मोल लई
ल्या।
१०[†] अने उणके एक राज दई द्‌यो,
अने हमारा परमेसर सरु उणके
पुरोहित बणाया
के वी धरती पे राज करेगा।"

११[†] जदेज म्हने देख्यो अने नरा
सरगदूतहुंण की अवाजहुंण सुणी। वी
उना सिंगासण, उना पराणिहुंण अने
सियाणाहुंण का चारी-मेर उब्या था।
सरगदूतहुंण की गिणती लाखहुंण अने
करोड़हुंण माय थी। १२वी उंची अवाज से
कई र्‌या था:

"उ बली कर्‌यो होयो मेमणो,
सामरत, धन, बुध्दि, ताकत,
मान, म्हेमा अने धन्यबाद का
लायक हे।"

१३फेर म्हने सुण्यो के सरग की, धरती पे
की, पताळ-लोक की, समन्दर की, सगळी
रचणा - हां उनी आखी रचणा का हर
पराणी कई र्‌या था:

"जो सिंगासण पे बेठ्‌यो हे उको
अने मेमणा को
धन्यबाद अने मान, म्हेमा अने राज
सदा-सदा रे।"

१४अने चारी पराणी "आमीन" केता र्‌या
अने सियाणाहुंण ने धरती पे नमिके
उपासणा करी।

मेमणो छेः मोहरहुंण के तोड़े

६ म्हने देख्यो के मेमणा ने सात
मोहरहुंण माय से एक के तोड़ी,
जदेज उना चार पराणिहुंण माय से एक
के म्हने बादळा की गाजवा जसी अवाज
माय केता सुण्यो, "अई जा!" २[†] जदे
म्हने नगे उठाड़ी तो देख्यो के म्हारा
सामे एक धोळो घोड़ो थो। घोड़ा को
सवार धनुस धारण कर्‌यो होयो थो। उके
जीत को मुगुट पेरायो, अने उ जीत पावा
सरु जीततो होयो बायरे चल्यो ग्यो।

३जदे मेमणा ने दूसरी मोहर तोड़ी तो
म्हने दूसरा पराणी के केता सुण्यो "अई
जा!" ४[†] इका पे अगनी सरीको लाल
रंग को, एक घोड़ो बायरे आयो। इका पे
बेठ्‌या सवार के धरती से सान्ती छुड़ई
लेवा अने लोगहुंण के माय-माय मारी
लाखणे सरु उकसाड़वा को हक द्‌यो।
अने उके एक लम्बी तरवार दई दी गी।

---

[r] **५.८** सुगन चीजहुंण ... पराथनाहुंण हे; कदी-कदी परमेसर का लोगहुंण की पराथनाहुंण सरीकी हे (भजन संहिता १४१.२)।

[†] **५.९:** भजन संहिता ३३.३, ९८.१; यसायाह ४२.१० [†] **५.१०:** निरगमन १९.६; दरसन १.६

[†] **५.११:** दानियल ७.१० [†] **६.२:** जकरियाह १.८, ६.३, ६ [†] **६.४:** जकरियाह १.८, ६.२

५[†] मेमणा ने जदे तीसरी मोहर तोड़ी
तो म्हने तीसरा पराणी के केता सुण्यो,
"अई जा!" जदे म्हने नगे उठाड़ी तो
वां म्हारा सामे एक काळो घोड़ो उब्यो
थो। उका पे बेठ्या होया सवार का हात
माय ताकड़ी थी। **६**जदेज म्हने उना चारी
पराणिहुंण का अदाड़ माय से एक सबद्
आतो होयो सुण्यो, जो कई र्‌यो थो,
"एक दन की मजुरी[s] का बदळा एक
दन का खावा का गंउ अने एक दन की
मजुरी का बदळा तीन दन तक खावा का
जऊ। पण जेतून का तेल अने दाखरस
के नुकस्यान मती पोंचाड़।"

७फेर मेमणा ने जदे चोथी मोहर तोड़ी
तो चोथा पराणी के म्हने यो केता सुण्यो,
"अई जा!" **८**[†] फेर जदे म्हने नगे उठाड़ी
तो म्हारा सामे मर्‌यो सो पीळो-लिल्लो
रंग को एक घोड़ो हाजिर थो। उका पे
बेठ्यो सवार को नाम थो 'मोत'[t] अने
उका पाछे अधोलोक लाग्यो होयो चली
र्‌यो थो। धरती का एक चोथा हिस्सा[u] पे
उणके यो हक द्‌यो के लड़ई, बिखाहुंण,
म्हामारीहुंण अने धरती का मांस खावा
वाळा जनावरहुंण से वी लोगहुंण के
मरवई लाखे।

९फेर उना मेमणा ने जदे पांचवी मोहर
तोड़ी तो म्हने बेदी का निच्चे उना
लोगहुंण की आतमाहुंण के देखी जिणके
परमेसर का सुब-समिचार देवा सरु अने
जेनी गवई के उणने दई थी, उकी वजासे
उणके मारी लाख्या था। **१०**उंची अवाज
माय हेलापाड़िने उणने क्यो, "हे पवित्तर
अने सांचा परभु। हमारी हत्याहुंण करवा
सरु धरती का लोगहुंण को न्याव सरु
अने उणके सजा देवा सरु तू कदत्तक
बाट देखतो रेगा?" **११**तो उणका माय से
हरेक के धोळा चोगा द्‌या अने उणकासे
क्यो के वी थोड़िक देर उना बखत तक,
हजु बाट देखे जदत्तक के उणका उना
साती सेवकहुंण अने बन्दवा भई-बेनहुंण
की गिणती पूरण नी हुई जावे जिणकी
वसेज हत्या करी जाणे वाळी हे, जसी
तमारी करी थी।

१२[†] फेर जदे मेमणा ने छटवीं मोहर
तोड़ी तो म्हने देख्यो के वां एक बड़ोमेक
भूचाळ आयो हे। अने सूरज असो काळो
पड़ी ग्यो जसे दुःख मनाड़ता होया मनख
को लतरो होय। अने आखो चन्दरमा
लोई सरीको लाल पड़ी ग्यो। **१३**[†] असमान
का ताराहुंण धरती पे असा पड़ी ग्या था
जसा के कइंका जोरदार आन्दी-दंदवाळ
का झंझोड़वा से अंजीर का झाड़ से काचा
अंजीर झड़ी पड़े हे। **१४**[†] असमान एक
चामड़ा का पत्तर सरीको समटइके लपटई
ग्यो अने फाटी पड़्यो थो। सगळा परबत
अने टापू अपणी-अपणी जगाहुंण से
सरकी ग्या था। **१५**[†] जगत का म्हाराजा,
सासक, सेनापति, धणी, ताकत वाळा
अने आजाद अने दास - सगळा लोगहुंण
अने परबतहुंण पे सिल्लाहुंण का माय

---

[s] **६.६** एक दन की मजुरी; एक चांदी को सिक्का। [t] **६.८** नरक; अधोलोक - वा जगा जां मरवा का बाद लोगहुंण जाय हे। (देखो १.१८)। [u] **६.८** चोथा हिस्सा; या पाव हिस्सा।

[†] **६.५:** जकरियाह ६.२, ६ [†] **६.८:** यहेजकेल १४.२१ [†] **६.१२:** दरसन ११.१३, १६.१८; यसायाह १३.१०; योएल २.१०, ३१, ३.१५; मत्ती २४.२९; मरकुस १३.२४–२५; लूका २१.२५

[†] **६.१३–१४:** यसायाह ३४.४ [†] **६.१४:** दरसन १६.२० [†] **६.१५:** यसायाह २.१९, २१

अने गुफाहुंण माय अपणे खुद के दबाड़ी
लाख्या था। १६† वी परबतहुंण अने
सिल्लाहुंण से कई र्‌या था, "हमारा अदरे
हिटी पड़ो! उकी नगे से हमारे बचाड़ी लो
जो सिंगासण पे बिराजमान हे, अने उना
मेमणा की रीस का सामे से हमारे दबाड़ी
लो। १७† मेम्णा की रीस को भयंकर दन
अई पोंच्यो हे। असो कुंण हे जो इके
झेली सके हे?"

इसराइल का १,४४,००० लोग

७ † इका बाद धरती का चारी
कोणाहुंण पे चार सरगदूत के म्हने
उब्या देख्या। धरती का चारी-मेर का
बायराहुंण के उणने पकड़्या होया था
ताके धरती पे, समन्दर या झाड़काहुंण
पे उणका माय कसोज बायरो चलनो नी
चाय। २फेर म्हने देख्यो के एक हजु
सरगदूत हे जो उगणूं दिसा से अई र्‌यो
हे। उने जीवता परमेसर की मोहर लई
हुई थी। अने उ उना चारी सरगदूत से
जिणके धरती अने समन्दर के खतम
करी देवा को हक द्‌यो थो, उ उंची
अवाज माय हेला पाड़ी के कई र्‌यो थो,
३† "जदत्तक हम अपणा परमेसर का
दासहुंण का माथा पे मोहर नी लगाड़ी
दां, तदत्तक तम धरती, समन्दर अने
झाड़काहुंण के नुकस्यान मती पोंचाड़
जो।" ४फेर जेना लोगहुंण पे मोहर
लगाड़ी गी थी, म्हने उणकी गिणती
सुणी। वी एक लाख चुम्माळिस हज्जार
था। जिणका पे मोहर लगाड़ी गी थी,
इसराइल का सगळा बारा कुळ माय से
था।

५ यहूदा का कुळ माय से बारा
हज्जार के,
रूबेन का कुळ माय से बारा हज्जार
के,
गाद का कुळ माय से बारा हज्जार
के,
६ आसेर का कुळ माय से बारा
हज्जार के,
नप्ताली का कुळ माय से बारा
हज्जार के,
मनस्से का कुळ माय से बारा
हज्जार के,
७ सिमोन का कुळ माय से बारा
हज्जार के,
लेवी का कुळ माय से बारा हज्जार
के,
इस्साकार का कुळ माय से बारा
हज्जार के,
८ जबूलून का कुळ माय से बारा
हज्जार के,
यूसफ का कुळ माय से बारा
हज्जार के,
बिन्यामीन का कुळ माय से बारा
हज्जार के।

बड़ीमेक भीड़

९इका बाद म्हने देख्यो के म्हारा
सामे एक बड़ीमेक भीड़ उबी थी जिणकी
गिणती कईं को नी करी सकतो थो। इनी
भीड़ माय से हर जात का, हर बंस का,

---

† **६.१६:** होसे १०.८; लूका २३.३० † **६.१७:** योएल २.११; मलाकी ३.२
† **७.१:** यरमियाह ४९.३६; दानियल ७.२; जकरियाह ६.५ † **७.३:** यहेजकेल ९.४, ६

हर कुळ का अने हर भासा का लोग था।
वी उना सिंगासण अने उना मेमणा का
अगड़े उब्या था। वी धोळा लतरा पेर्‌या
था अने उणने अपणा हातहुंण माय खजूर
का खोड़्या ल्या होया था। १०अने वी जोर
से हेला पाड़ी र्‌या थाः

"उध्दार हमारा परमेसर आड़ी से
जो सिंगासण पे बिराजमान हे,
अने मेमणा की जे होय।"

११सगळा सरगदूतहुंण सिंगासण के घेरी
के उब्या था। वी सियाणाहुंण अने चारी
पराणिहुंण ने सिंगासण का सामे परणाम
करिके परमेसर की उपासणा करी।
१२उणने क्यो,

"आमीन!
हमारा परमेसर की इसतुती, म्हेमा,
समज, धन्यबाद,
मान, सामरत, अने ताकत
सदा होतो रे।
आमीन!"[v]

१३जदेज उना सियाणाहुंण माय से
कइंका ने म्हार से सवाल कर्‌यो, "ई
धोळा लतरा धारी लोग कुंण हे, अने ई
कां से आया हे?"

१४[†] म्हने उके जुवाब द्‌यो, "हे म्हारा
म्हाराज, तू तो जाणेज हे।"

इका पे उने म्हार से क्यो, "ई वी
लोग हे जो घणा दुःख भोगी के अई र्‌या
हे। उणने अपणा लतराहुंण के मेमणा
का लोई से धोई के साफ अने उजळा
कर्‌या हे। १५इकासरु अबे ई परमेसर का
सिंगासण का सामे उब्या अने उका मन्दर
माय दन-रात उकी उपासणा करे हे। उ
जो सिंगासण पे बिराज्यो हे उणका माय
रेतो होयो उणके समाळेगा। १६[†] नी कदी
उणके भूक लागेगा अने नीज वी पाछा
कदी तिरस्या रेगा। सूरज उणको कइंनी
बिगाड़ी सके अने नीज कड़क तड़को कदी
उणके तपाड़ेगा। १७[†] क्योंके उ मेमणो जो
सिंगासण का अदाड़ माय हे उणकी देख-
रेख करेगा। उ उणके जीवन देवा वाळा
पाणी का झिरा कने लई जायगा अने
परमेसर उणकी आंखहुंण का हर आंसु के
पोंछी लाखेगा।"

सातवीं मोहर

८ फेर जदे मेमणा ने सातवीं मोहर
तोड़ी तो सरग माय आदी घड़ी
तक सन्नाटो छई ग्यो। २फेर म्हने
परमेसर का सामे उबा होवा वाळा सात
सरगदूतहुंण के देख्या। उणके सात
तुरईहुंण दई गी थी।

३[†] फेर एक हजु सरगदूत आयो अने
बेदी का सामे उबो हुई ग्यो। उका कने
सुन्ना को धुपाड़ो थो। उके पवित्तर
लोगहुंण की पराथनाहुंण का साते सुन्ना
की उनी बेदी पे जो सिंगासण का सामे
थी, चड़ावा सरु नरी गंज धूप-बत्ती दई
गी। ४फेर सरगदूत का हात से धूप-

---

[v] **७.१२** आमीन; असोज होय, जदे कईं को मनख आमीन के तो इको अरथ होय के उ पूरण तरा उका साते सेमत हे।

[†] **७.१४:** दानियल १२.१; मत्ती २४.२१; मरकुस १३.१९ [†] **७.१६:** यसायाह ४९.१०

[†] **७.१७:** भजन संहिता २३.१; यहेजकेल ३४.२३; भजन संहिता २३.२; यसायाह ४९.१०, २५.८

[†] **८.३:** आमोस ९.१; निरगमन ३०.१, ३

बत्ती को उ धुंवांड़ो पवित्तर लोगहुंण की
पराथनाहुंण का गेले-गेल परमेसर का
सामे पोंच्यो। ५† इका बाद सरगदूत
ने उना धुपाड़ा के उठाड़्यो, उके बेदी
का अंगाराहुंण से भर्‌यो अने उछाळी के
धरती पे फेंकी लाख्यो। इका पे बादळा
का गाजवा को भयानक सबद्, बिजळी
की चळक अने बड़ामेक भूचाळ से धरती
धुजवा लागी।

सात सरगदूतहुंण ने तुरईहुंण बजाड़ी

६फेर वी सात सरगदूत, जिणका कने
सात तुरईहुंण थी, उणके फूंकवा सरु
तय्यार हुई ग्या।
७† पेलां सरगदूत ने जसेज तुरई
फूंकी, वसेज लोई, गार, अने भस्ते एक
साते मिळ्या-जुळ्या नगे आवा लाग्या
अने उणके धरती पे उछाळी के फेंकी
लाख्या। जेकासे धरती को एक तिहई
हिस्सो बळी के भसम हुई ग्यो। एक
तिहई झाड़का अने आखो लिल्लो चारो
बळी ग्यो।
८दूसरा सरगदूत ने तुरई फूंकी तो
मानो भस्ते को बळतो होयो एक बड़ोमेक
परबत सरीको समन्दर माय फेंकी
लाख्यो। इका से एक तिहई समन्दर लोई
माय बदळी ग्यो। ९अने समन्दर का एक
तिहई जीव-जनावर मरी ग्या अने एक
तिहई झाजहुंण खतम हुई ग्या।
१०† तीसरा सरगदूत ने जदे तुरई फूंकी
तो असमान से मसाळ सरीको बळतो
होयो एक गंज बड़ो तारो पड़्यो। यो तारो
एक तिहई नद्दिहुंण अने झरणाहुंण का
पाणी पे जई पड़्यो। ११† इना तारा को
नाम थो 'नागदोणा'[w] जो आखा पाणी
को एक तिहई हिस्सो नागदोणा मायज
बदळी ग्यो। अने उना पाणी के पीवा से
नरा लोग मरी ग्या। क्योंके पाणी कड़वो
हुई ग्यो थो।
१२† फेर चोथा सरगदूत ने तुरई फूंकी
तो एक तिहई सूरज, अने उका गेलेज
एक तिहई चन्दरमा अने एक तिहई
ताराहुंण पे बिपदा अई पड़ी। तो उना
सगळा को एक तिहई हिस्सो घणो काळो
पड़ी ग्यो। नतीजो यो के एक तिहई दन
अने वसेज एक तिहई रात इन्दारा माय
डुबी ग्या।
१३फेर देख्यो के एक गरुड़ पक्सी
उंचा असमान माय उड़ी र्‌यो हे। म्हने
उके उंचा सबद् माय केता होया सुण्यो,
"उना बच्या होया तीन सरगदूतहुंण
की तुरईहुंण की अवाज की वजासे जो
अपणी तुरईहुंण अबी फूंकवाज वाळा
हे, धरती का रेवा वाळाहुंण पे संकट!
संकट! संकट!"

९ पांचवा सरगदूत ने जदे अपणी तुरई
फूंकी तो म्हने असमान से धरती पे
पड़तो होयो एक तारो देख्यो। इके पताळ[x]

---

[w] **८.११** नागदोणा; मूळ माय अपसिन्तोस जो यूनानी भासा को सबद् हे अने जेको अंग्रेजी नाम हे 'वोमवुड' जेको अरथ हे एक घणो कड़वो रोपो। इकासरु इके घणा दुःख की निसाणी माने हे।

[x] **९.१** पताळ; या जगा धरती का उन्डा माय हे जां बुरी आतमाहुंण के सजा देवा सरु बांदी राखी हे।

† **८.५:** लेव्यव्यवस्था १६.१२; यहेजकेल १०.२; निरगमन १९.१६; दरसन ११.१९, १६.१८

† **८.७:** निरगमन ९.२३–२५; यहेजकेल ३८.२२ † **८.१०:** यसायाह १४.१२

† **८.११:** यरमियाह ९.१५ † **८.१२:** यसायाह १३.१०; यहेजकेल ३२.७; योएल २.१०, ३१, ३.१५

की कुन्ची दई गी। २† फेर उना तारा ने
उना पताळ के खोल्यो अने उना पताळ
को धुंवांड़ो बड़ी भट्टी का धुंवांड़ा सरीको
हिट्यो। धुंवांड़ा से सूरज अने असमान
काळो पड़ी ग्यो। ३† जदेज उना धुंवांड़ा
से टिड्डी दळ धरती पे उतरी आयो।
उणके धरती का बिच्छुहुंण जसी ताकत
दई गी थी। ४† पण उणकासे कई द्यो
थो के वी नी तो धरती का चारा के अने
नीज लिल्ला रोपा या झाड़काहुंण के कईं
को नुकस्यान पोंचाड़े। उणके तो सिरप
उना लोगहुंण के नुकस्यान पोंचाणो थो
जिणका माथा पे परमेसर की मोहर लागी
हुई नी थी। ५टिड्डी दळ के हुकम दई
द्यो थो के वी लोगहुंण को जीव नी ले
बल्के पांच मइना तक उणके दुःख देता
रे। उ दुःख जो उणके द्यो जई र्यो थो,
वसोज थो जसा कइंका मनख के बिच्छु
का डंक मारवा से होय हे। ६† उना पांच
मइना का भित्तरे लोग मोत के ढुंडता
फिरेगा पण मोत उणके मिळेगा हयनी।
मरवा सरु तरसेगा पण मोत उणके
चकमा दई ने हिटी जायगा।

७† अने अबे देखो के वी टिडिड्हुंण
लड़ई सरु तय्यार कर्या होया घोड़ा
सरीकी नगे अइरी थी। उणका माथाहुंण
पे सुन्ना का मुगुट सरीका बन्द्या था।
उणका मुन्डा मनख का मुन्डा सरीका
था। ८† उणका बाल बइराहुंण का बाल
सरीका था अने उणका दांत न्हारहुंण
का दांतहुंण सरीका था। ९† उणकी छाती
असी थी जसे लुव्वा का कवच रे। उणका
पांखहुंण की अवाज लड़ई माय जाता
होया नरा घोड़ाहुंण की टापहुंण की अवाज
सरीकी थी जो रथ माय जुत्या रे हे।
१०उणकी पूंचहुंण का बाल असा था जसा
बिच्छु का डंक रे। उणकी पूंचहुंण माय
पांच मइना तक लोगहुंण के दुःख देवा
की ताकत थी। ११पताळ का हाकिम दूत
उणको अपणो राजो थो। इबराणी भासा
माय उको नाम 'अबद्दोन,' अने यूनानी
भासा माय उ 'अपुल्लयोन,' (याने 'बिनास
करवा वाळो') केवाय हे।

१२पेली म्हान अबदा तो बिती चुकी हे
पण इका बाद अबी दो बड़ी अबदा आवा
वाळी हे।

१३† फेर छटवां सरगदूत ने जसेज
अपणी तुरई फूंकी, वसेज म्हने परमेसर
का सामे एक सुन्ना की बेदी देखी, अने
उका चार सिंगहुंण माय से म्हने एक
अवाज सुणी। १४उनी अवाज ने तुरई
पकड़्या होया उना छटवां सरगदूत से
क्यो, "उना चारी सरगदूत के छोड़ी लाखो
जो फरात म्हानद्दी कने बन्द्या पड़्या हे।"
१५तो वी चारी सरगदूत छोड़ी लाख्या। वी
उनी घड़ी, उना दन उना मइना अने उना
बरस सरु तय्यार राख्या था ताके वी
एक तिहई मनख जात के मारी लाखे।
१६घुड़सवार सिपईहुंण की आखी गिणती
कितरी थी, यो म्हने सुण्यो। गिणती बीस
करोड़ थी। १७उना म्हारा अदभुद दरसन
माय वी घोड़ाहुंण अने उणका सवार म्हारे
असतरा नगे आया। उणने कवच पेरी
राख्या था जो धदकती लाय जसा लाल,

† **९.२:** उत्पत्ती १९.२८ † **९.३:** निरगमन १०.१२–१५ † **९.४:** दरसन ७.३; यहेजकेल ९.४
† **९.६:** अय्यूब ३.२१; यरमियाह ८.३ † **९.७:** योएल २.४ † **९.८:** योएल १.६
† **९.९:** योएल २.५ † **९.१३:** निरगमन ३०.१–३

गेरा नीळा अने गंदक सरीका पीळा था।
अने घोड़ाहुंण का माथाहुंण न्हाळडाहुंण
का माथाहुंण सरीका था अने उणका
मुण्डाहुंण से लाय, धुंवांड़ो अने गंदक
हिटतो थो। १८इना तीन म्हाबिनासहुंण से
याने उणका मुण्डाहुंण से हिटी री लाय,
धुंवांड़ा अने गंदक से एक तिहई मनख
जात मारी लाख्या। १९इना घोड़ाहुंण की
ताकत उणका मुन्डा अने उणकी पूंचहुंण
माय थी, क्योंके उणकी पूंचहुंण फण
धारी सांपहुंण सरीकी थी जिणको काम
मनख के नुकस्यान पोंचावा सरु थो।

२०† इका पे बी बाकी का असा
लोगहुंण ने जो इना म्हाबिनासहुंण से
बी नी मार्‌या था उणने अपणा हातहुंण
से कर्‌या काम सरु अबे बी हिरदो नी
बदळ्यो। उणने भूत-परेतहुंण की अने
सुन्ना, चांदी, कांसा, भाटा अने लक्कड़
की उनी मुरतहुंण की उपासणा करनों
बन्द नी कर्‌यो, जो नी देखी सके, अने
नी सुणी सके, अने नी चली सके हे।
२१उणने अपणा खुद से करी गी हत्याहुंण,
जादू-टोणा, ब्योबिचारहुंण या चोरी-चकारी
करवा से मन नी बदळ्यो।

सरगदूत अने नानी पोथी

१० फेर म्हने सरग से उतरता होया
एक हजु ताकतवर सरगदूत के
देख्यो। उ बादळा के ओड़्यो होयो
थो अने उका माथा का ऐरे-मेरे एक
सतरंग्यो-धनुस थो। उको मुख-मण्डळ
सूरज सरीको अने उकी टांगहुंण लाय
का खम्बाहुंण सरीकी थी। २अपणा हात
माय उने एक नानी पोथी लई हुई थी।
उने अपणो सुदो पग समन्दर पे अने
डाबो पग धरती पे धर्‌यो थो। ३फेर उ
न्हार सरीको द्‌हाड़तो होयो उंची अवाज
माय चिल्लाड़्यो। उका चिल्लाड़्वा का
गेले-गेलेज गाजवा का सबद् सुणई देवा
लाग्या। ४जदे साती गाजणा का सबद्
हुई चुक्या अने हूं लिखवा पे थो, पण
म्हारे एक सबद अकासबाणी से सुणई
द्‌यो, "जो बातहुंण गाजणा की साती
सबदहुंण ने कई हे, उणका पे छाप
लगाड़ी दे अने उणके लिखे मती।"

५† फेर उना सरगदूत ने जेके म्हने
समन्दर पे अने धरती पे उबो देख्यो थो,
असमान माय अदरे सुदो हात उठाड़्यो
६अने जो हमेस्या से जीवतो हे, जेने
असमान के अने असमान की सगळी
चीजहुंण के, धरती अने जो कंई उका
माय हे, समन्दर अने जो कंई उका
माय हे उनी सगळी की रचणा करी
हे, याने परमेसर, उकी सोगन खई के
क्यो, "अबे हजु जादा देर नी लागेगा।
७पण जदे सातवां सरगदूत के सुणवा
को बखत आयगा, याने जदे उ अपणी
तुरई बजावा पे रेगा, जदेज परमेसर
की वा गुपत योजणा पूरण हुई जायगा
जेके उने अपणा सेवक नबिहुंण के
बताड़ी थी।"

८† उनी अकासबाणी ने, जेके म्हने
सुणी थी, म्हार से पाछो क्यो, "जा अने
उना सरगदूत से जो समन्दर पे अने

† **९.२०:** भजन संहिता ११५.४–७, १३५.१५–१७; दानियल ५.२३
† **१०.५–७:** निरगमन २०.११; नेम-बिधान ३२.४०; दानियल १२.७; आमोस ३.७
† **१०.८–१०:** यहेजकेल २.८—३.३

धरती पे उबो हे, उका हात से उनी खुली
पोथी के लई ले।"
९तो हूं उना सरगदूत कने ग्यो अने
म्हने उकासे क्यो के उ उनी नानी पोथी
के म्हारे दई दे। उने म्हार से क्यो, "या
ले अने इके खई जा। इका से थारो पेट
कड़वो हुई जायगा पण थारा मुन्डा माय
या सेत सरीकी मीठ्ठो बणी जायगा।"
१०फेर उना सरगदूत का हात माय से
म्हने वा नानी पोथी लई ली अने म्हने
उके खई ली। म्हारा मुन्डा माय या सेत
सरीकी मीठ्ठी लागी पण हूं जदे उके
खई चुक्यो तो म्हारो पेट कड़वो हुई ग्यो।
११इका पे म्हार से यो क्यो थो, "थारे
नरा लोगहुंण, देसहुंण, भासाहुंण अने
राजाहुंण का बारामें पाछी भविसबाणी
करनी पड़ेगा।"

दो गवाहुंण

११ † इका बाद नापवा सरु एक किमड़ी
म्हारे दई गी अने कइंका ने क्यो,
"उठ्या अने परमेसर का मन्दर अने
बेदी के नाप अने जो लोग मन्दर का
भित्तरे उपासणा करी र्या हे, उणकी
गिणती कर। २† पण मन्दर का बायरे
का आंगणा के रेवा दे, उके मती नाप
क्योंके यो दूसरी जातहुंण के दई द्यो हे।
वी बयांलीस मइना तक पवित्तर नगर के
अपणा पगहुंण तळे घुंदेगा। ३हूं अपणा
दोई गवाहुंण के खुली छुट दई दूंवां अने
वी टाट ओड़्या होया एक हज्जार दो
सो साठ दन तक भविसबाणी करेगा।
वी असा लतरा पेर्या रेगा जिणके दुःख
मनाड़्वा सरुज पेर्या जाय हे।"
४† ई दो गवाहुंण वी दो जेतून का
झाड़ अने वी दो ज्योतकळस हे जो
धरती का परभु का सामे बण्या रे हे।
५अगर कईं को बी उणके नुकस्यान
पोंचाणो चावे तो उणका मुण्डाहुंण से
ज्वाळा फुटी पड़े हे अने उणका बेरिहुंण
के गटकी जाय हे। तो अगर कईं को
उणके नुकस्यान पोंचाणो चावे तो पक्को
हे के उणकी असतरा मोत हुई जाय हे।
६† उणके असमान के बान्दी देवा को
हक द्यो थो के जदे वी भविसबाणी करी
र्या होय तो कइंकी बरसात नी होणे
पाय। उणके झरणाहुंण का पाणी पे बी
हक द्यो थो जेकासे वी उके लोई माय
बदळी सकता था। उणका माय असो हक
बी थो के वी जितरी कावा चाता, उतरीज
कावा धरती पे हरतरा का बिनासहुंण
करी सकता था।
७† जदे वी गवई दई चुकेगा, उ जनावर
उना बड़ामेक पताळ माय से हिटेगा अने
उणका पे हमलो करेगा। उ उणके हरई
लाखेगा अने मारी लाखेगा। ८† उणकी
लासहुंण उना बड़ा नगर की सेरी-गळिहुंण
माय पड़ी रेगा, जां उणका परभु के बी
कुरुस पे चड़ई के मारी लाख्यो थो। उना
बड़ा नगर के सेलाणी का रुप माय सदोम
नगर अने मिसर देस के हे। ९साड़ा तीन
दन तक सगळी जातहुंण, कुळहुंण अने
भासाहुंण अने देसहुंण का लोग उणकी
लासहुंण के देखता रेगा अने वी उणकी

† **११.१:** यहेजकेल ४०.३; जकरियाह २.१–२ † **११.२:** लूका २१.२४
† **११.४:** जकरियाह ४.३, ११–१४ † **११.६:** १ राजा १७.१; निरगमन ७.१७–१९; १ सेमुएल ४.८
† **११.७:** दानियल ७.७, २१; दरसन १३.५–७, १७.८ † **११.८:** यसायाह १.९–१०

लासहुंण के कबरहुंण माय नी धरवा
देगा। १०धरती पे रेवा वाळा उणकी मोत
पे खुसी मनायेगा। वी जळसो करेगा अने
माय-माय इनाम मोकलेगा, क्योंके इना
दोई नबिहुंण ने धरती का लोगहुंण के
घणो दुःख द्यो थो। ११† पण साड़ा तीन
दन का बाद परमेसर आड़ी से उणका
माय जीवन को सांस भरायो अने वी
अपणा पगहुंण पे उबा हुई ग्या। जिणने
उणके देख्या, वी घणा डरी ग्या था। १२†
फेर उना दोई नबिहुंण ने उंची अवाज
माय अकासबाणी के उणकासे यो केता
होया सुण्यो, "यां अदरे अई जाव।" तो
उणका बिरोदिहुंण का देखताज देखता
वी असमान का भित्तरे बादळा का माय
चल्या ग्या। १३† ठीक उणाज बखत वां
एक बड़ो भूचाळ आयो। नगर को दसवों
हिस्सो ढळडी ग्यो अने सात हज्जार
लोगहुंण उना भूचाळ माय मार्‌या ग्या।
जो लोग बच्या था, डरी ग्या अने वी
सरग का परमेसर की म्हेमा को बखाण
करवा लाग्या।

१४असतरा अबे दूसरी अबदा बिती
चुकी हे पण होसियार रो! तीसरी अबदा
झटज आवा वाळी हे।

सातवीं तुरई

१५† सातवां सरगदूत ने जदे अपणी
तुरई फूंकी तो असमान माय जोर से
अवाज होवा लागी। वी कई री थी "अबे
जग को राज हमारा परभु को अने
उका मसीह कोज हे। अबे उ अच्छो
राज हमेस्या-हमेस्या तक करेगा।"
१६अने जदे परमेसर का सामे अपणा-
अपणा सिंगासणहुंण पे बिराज्या चोविस
सियाणाहुंण ने नमिने परणाम करिके
परमेसर की उपासणा करी। १७वी बोल्या,

"सगळा से सकतीसाळी परभु
परमेसर, जो हे, जो थो,
हम थारो धन्यबाद करां।
तनेज अपणी म्हासकती के लई
के सगळा का राज के सुरु
कर्‌यो थो।
१८† दूसरी जातहुंण रीस से भरी थी,
पण अबे थारो करोध परगट्‌यो।
उ बखत अई ग्यो के मर्‌याहुंण
को न्याव होय,
अने थारा दासहुंण, अने नबिहुंण,
अने पवित्तर लोगहुंण
अने थारा नाम को डर राखवा
वाळा, नाना-मोटा
सगळा के फळ मिळे।
अने धरती के नास करवा वाळाहुंण
को नास कर्‌यो जाय।"

१९† तो परमेसर को मन्दर जो सरग
माय हे, खोल्यो अने मन्दर माय करार
को सन्दूक नगे आयो। अने बिजळी की
चळक, बादळाहुंण का गाजवा की अवाज,
भूचाळ अने भयंकर गार की बरसात हुई।

बइरा अने बड़ोमेक अजगर

१२ इका बाद असमान माय एक बड़ी
सेलाणी परगटी। एक बइरा नगे
अई जेने सूरज के पेर्‌यो होयो थो अने

† **११.११:** यहेजकेल ३७.१० † **११.१२:** २ राजा २.११ † **११.१३:** दरसन ६.१२, १६.१८
† **११.१५:** निरगमन १५.१८; दानियल २.४४, ७.१४, २७
† **११.१८:** भजन संहिता २.५, ११०.५, ११५.१३ † **११.१९:** दरसन ८.५, १६.१८, २१

चन्दरमा उका पग तळे थो। उका माथा
पे मुगुट थो जेका माय बारा तारा जड़्या
था। २वा भारीपग से थी। जापो होवाज
वाळो थो अने वा जणवा का दरद से
करांजी री थी।

३† सरग माय एक हजु सेलाणी
परगटी। म्हारा सामेंज एक लाल रंग
को बड़ोमेक अजगर उबो थो। उका
सात माथाहुंण अने दस सींग था अने
उका माथाहुंण पे सात मुगुट था। ४†
उकी पूंच ने असमान का ताराहुंण का
एक तिहई हिस्सा के झपाटो मारी के
धरती पे निच्चे फेंकी लाख्या। वा बइरा
जो बाळक के जणवाज वाळी थी, उ
अजगर उका सामे उबो हुई ग्यो के
जसेज वा उना बाळक के जनमे, उ
उका बाळक के गिली जाय। ५† फेर
उनी बइरा ने एक बाळक के जनम्यो।
उके सगळी जातहुंण पे लुव्वा का राज
दण्ड का साते राज करनों थो। पण
उना बाळक के उठाड़ी के परमेसर अने
उका सिंगासण का सामे लाया। ६अने
वा बइरा बियाबान मांळ माय भागी गी।
एक असी जगा जो परमेसर ने उका
सरु तय्यार करी थी ताके वां उके एक
हज्जार दो सो साट दन तक जीवती
राखी जई सके।

७† फेर सरग माय एक लड़ई भड़की
उठी। मीकाईल सरगदूत अने उका
सरगदूतहुंण को उना बड़ामेक अजगर
से संगराम होयो। उना बड़ामेक अजगर
ने बी उका दूतहुंण का साते लड़ई
लड़ी। ८पण अजगर अने उका दूतहुंण
भारी नी पड़ी सक्या, अने फेर उणके
सरग माय जगा नी मिळी। ९† अने
उना बड़ामेक अजगर के निच्चे धकई
लाख्यो। यो उज जूनो म्हानाग हे जेके
दानव या सेतान के हे। यो आखा जग
के ठगतो रे हे। हां, इके अने उका
साते उका दूतहुंण के धरती पे धकेली
लाख्यो थो।

१०† फेर म्हने सरग माय उंची अवाज
से एक अकासबाणी के या केता सुणी,
"अबे हमारा परमेसर की जे की घड़ी हे!
उध्दार, सामरत, अने राज परगट होयो
हे! अने उका मसीह को हक परगट होयो
हे! क्योंके हमारा भई-बेनहुंण पे परमेसर
का सामे दन-रात लांछण लगावा वाळा
के निच्चे धरती पे पटकी लाख्यो हे।
११उणने मेमणा का बलिदान का लोई
अने उणका से दई गी गवई से उके
हरई लाख्यो। उणने अपणा पराणहुंण
के निछावर करवा तक अपणा जीवन
की परवा नी करी। १२इनी वजासे हे
सरगहुंण अने सरगहुंण का रेवा वाळाहुंण,
खुसी मनाव! पण धिक्कार, धरती अने
समन्दर, तमारा सरु कितरो बुरो रेगा!
क्योंके सेतान अबे तमार पे उतरी आयो
हे। उ रीस से लालचट हुई र्‌यो हे, क्योंके
उ जाणे हे के अबे उको नठू थोड़ो बखत
बाकी हे।"

१३जदे उना बड़ामेक अजगर ने देख्यो
के उके धरती पे निच्चे पटकी लाख्यो
हे, तो उने उनी बइरा को पाछो करनों

---

† **१२.३:** दानियल ७.७ † **१२.४:** दानियल ८.१० † **१२.५:** यसायाह ६६.७; भजन संहिता २.९
† **१२.७:** दानियल १०.१३, २१, १२.१; यहूदा ९ † **१२.९:** उत्पत्ती ३.१; लूका १०.१८
† **१२.१०:** अय्यूब १.९–११; जकरियाह ३.१

सुरु करी द्यो जेने बाळक जण्यो थो।
१४† पण उनी बइरा के एक बड़ा गरुड़
पक्सी का दो पांख द्या ग्या ताके वा
उना मांळ परदेस माय उड़ी जाय जो
उका सरु तय्यार कर्यो हे। साड़ा तीन
बरस तक वांज उना बड़ामेक अजगर से
दूर उको भरण-पोसण कर्यो जाणो थो।
१५फेर उना बड़ामेक अजगर ने बइरा
का पछड़े अपणा मुन्डा से नद्दी सरीका
पाणी की धारा बिवाड़ी ताके वा उका
माय बइ के डुबी जाय। १६पण धरती
ने अपणो मुन्डो खोली के उनी बइरा
की मदद करी। उना बड़ामेक अजगर
ने अपणा मुन्डा से जो नद्दी हेड़ी थी,
उके पी गी। १७इका बाद तो उना
बड़ामेक अजगर के उनी बइरा पे घणी
रीस अई। उका उना बच्या बंसजहुंण
का साते, लड़ई करवा सरु हिट्यो। वी
परमेसर का हुकमहुंण के पाळे हे अने
जेके ईसु ने परगट करी, उनी गवई
के वी धारण करे हे। १८अने अजगर
समन्दर का कराड़े जई उब्यो।[y]

समन्दर माय से दो जनावर

१३ † फेर म्हने समन्दर माय से एक
हजु जनावर के बायरे आता देख्यो।
उका दस सींग था अने सात माथा था।
अने अपणा सिंगहुंण पे उने दस राजसी
मुगुट पेर्या होया था। उका माथाहुंण पे
परमेसर की निंदा करवा वाळा नाम गोद्या
था। २† म्हने जो जनावर देख्यो थो, उ
चीता सरीको थो। उका पग रींछ सरीका
था अने उको मुन्डो न्हार का मुन्डा सरीको
थो। उना बड़ामेक अजगर ने उके अपणी
ताकत, अपणो सिंगासण अने अपणो पूरण
हक दई द्यो। ३म्हने देख्यो के उको एक
माथो असो नगे अई र्यो थो जसे उका पे
कईं को घातक घाव लाग्यो हे, पण उको
घातक घाव भरी चुक्यो थो। आखी धरती
का लोगहुंण अचरज माय पड़ी के उना
जनावर का पाछे चली पड़्या। ४अने वी
उना बड़ामेक अजगर के पुजवा लाग्या।
क्योंके उने अपणो पूरण हक उना जनावर
के दई द्यो थो। वी उना जनावर की बी
उपासणा करता होया केवा लाग्या, "इना
जनावर सरीको कुंण हे? असो कुंण हे जो
इका से लड़ी सके?"

५† उना जनावर के असो केवा को हक
द्यो जेकासे उ घमण्ड से भर्या अने
परमेसर की निंदा का सबद् बोले; अने
उके बयांलीस मइना तक अपणी ताकत
का काम करवा को हक द्यो। ६तो उने
परमेसर की निंदा करनों सुरु करी द्यो।
उ परमेसर का नाम अने उका मन्दर अने
जो सरग माय रे हे, उणकी निंदा बी करवा
लाग्यो। ७† परमेसर का पवित्तर लोगहुंण
का साते लड़ई करवा अने उणके हरावा की
इजाजत उके दई दी। अने हरेक बंस, हरेक
जात, हरेक परवार, हरेक कुळ, हरेक भासा
अने हरेक देस पे उके हक द्यो। ८† धरती

---

[y] **१२.१८** अजगर ... उब्यो; थोड़ाक मूळ माय असो हे अने हूं उब्यो, या आयत उना बारामें बात बताड़ी री हे।

† **१२.१४:** दानियल ७.२५, १२.७ † **१३.१:** दानियल ७.३; दरसन १७.३, ७–१२

† **१३.२:** दानियल ७.४–६ † **१३.५–६:** दानियल ७.८, २५, ११.३६ † **१३.७:** दानियल ७.२१

† **१३.८:** भजन संहिता ६९.२८

का वी सगळा रेवासी उना जनावर की
उपासणा करेगा जिणका नाम उना मेमणा
की जीवन-पोथी माय जग का सुरु सेज
नी लिख्या, जेको बलिदान कर्‌यो जाणो
पक्को हे।
९अगर कइंका का कने कान होय
तो उ सुणे! १०† वी जो जेळखाना माय
लाखवा सरु ठेराड़या ग्या, वी जेळखाना
माय लाख्या जायगा। अने जो तरवार
से मारवा सरु ठेराड़या ग्या, वी तरवार
से मार्‌या जायगा। पवित्तर लोगहुंण की
जिरना अने बिसास बी इका माय हे।

धरती माय से जनावर

११इका बाद म्हने धरती माय से
हिटता होया एक हजु जनावर के देख्यो।
उके मेमणा का सिंगहुंण सरीका दो सींग
था। अने उ एक अजगर सरीको बोलतो
थो। १२उना बड़ामेक अजगर का सामे
उना पेलां वाळा जनावर का सगळा
हकहुंण के उ दूसरा जनावर काम माय
लेतो थो। उने धरती अने धरती पे रेवा
वाळा सगळा रेवा वाळाहुंण से उना
पेलां जनावर की उपासणा करई जेका
घाव भरी चुक्या था। १३दूसरा जनावर
ने मोटा-मोटा अचरज कर्‌या। यां तक
सगळा लोगहुंण का सामे उने धरती पे
असमान से लाय बरसई लाखी। १४उ
धरती का रेवा वाळाहुंण के छळतो
र्‌यो क्योंके उका कने पेलां जनावर
की हाजरी माय अचरज दिखावा की
ताकत थी। दूसरा जनावर ने धरती का
रेवा वाळाहुंण से उना पेलां जनावर के
मान देवा सरु जेका पे तरवार को घाव
लाग्यो थो अने जो नज हुई के जीवी
ग्यो थो - उकी मूरत बणावा की क्यो।
१५दूसरा जनावर के या ताकत दई गी
के उ पेलां जनावर की मूरत माय पराण
परतिष्ठा लाखे ताके पेलां जनावर की
वा मूरत नी सिरप बोली सके बल्के
उना सगळा के मारी लाखवा को हुकम
बी दई सके जो इनी मूरत की उपासणा
नी करे। १६दूसरा जनावर ने नाना-मोटा,
धणिहुंण अने निरधनहुंण, आजादहुंण
अने दासहुंण सगळा के बेबस कर्‌यो
के वी अपणा-अपणा सुदा-हातहुंण या
माथाहुंण पे एक छाप लगाड़े। १७उना
जनावर को नाम या उका नाम का
नाता की संख्या की छाप लगाड़्या
बिना कईं को बी खरीदणो बेचणो नी
करी सके।
१८इका माय अक्कल की जरुवत
हे। जिणका माय समज होय, उ उना
जनावर का अंक को हिसाब लगाड़ी ले
क्योंके उ अंक कइंका मनख का नाम
से नातो राखे हे। उको अंक हे छेः सो
छियासट।

मेमणो अने १,४४,००० लोग

१४ † फेर म्हने देख्यो के म्हारा सामे
सिय्योन परबत पे मेमणो उबो
हे। उका गेलेज एक लाख चुम्माळिस
हज्जार वी लोग बी उब्या था जिणका
माथाहुंण पे उको अने उका पिता को
नाम गोद्‌यो थो। २फेर म्हने एक
अकासबाणी सुणी, उको महानाद एक

† **१३.१०:** यरमियाह १५.२, ४३.११ † **१४.१:** यहेजकेल ९.४; दरसन ७.३

बड़ा जळ-परपात सरीको थो या घटाटोप
बादळा का गाजणे सरीकी थी। जो
महानाद म्हने सुण्यो थो उ नरी बीणा
बजावा वाळाहुंण से पेदा होया संगीत
सरीको थो। ३वी लोग सिंगासण, चारी
पराणी अने सियाणाहुंण का सामे एक
नवो गीत गई र्‌या था। जेना एक लाख
चुम्माळिस हज्जार लोगहुंण के धरती
पे से मोल चुकाड़ी के बन्दण से छुड़ई
ल्या था उणके छोड़ी के कईं को बी
मनख उना गीत के नी सीखी सकतो
थो। ४वी असा मनख था जिणने अपणे
खुद के कइंकी बइरा का साते असुद्द
नी कर्‌या था, क्योंके वी कुंवारा था। ई
वीज हे जो मेमणा का पाछे-पाछे जां
कंई उ जाय हे चले हे। आखी मनख
जात से उणको मोल चुकइके बन्दण
से छुड़ई ल्या था। वी परमेसर अने
मेमणा सरु फसल का पेलां फळ था।
५† वी कदी झुंट नी बोल्या था। वी
बिना दोष का था।

तीन सरगदूत

६फेर म्हने असमान माय उंची उड़ाण
भरता एक हजु सरगदूत के देख्यो। उका
कने धरती का रेवा वाळाहुंण, हरेक देस,
जात, भासा, अने कुळ का लोगहुंण सरु
सुब-समिचार को नी खतम होवा वाळो
संदेसो थो। ७उंचा सबद् से उ बोल्यो,
"परमेसर से डरो अने उकी इसतुती
करो। क्योंके उको न्याव करवा को बखत
अई ग्यो हे। उकी उपासणा करो, जेने
असमान, धरती, समन्दर अने पाणी का
झरणाहुंण की रचणा करी हे।"

८† इका बाद उका पाछे एक हजु
सरगदूत आयो अने बोल्यो, "उको नास
हुई चुक्यो हे, म्हान नगरी बाबुल को
नास हुई चुक्यो हे। उने सगळी जातहुंण
के अपणा कुकरम की वासना से भरी
दारु पिवाड़ी थी।"

९उना दोई का बाद फेर एक हजु
सरगदूत आयो अने उंची अवाज माय
बोल्यो, "अगर कईं को उना जनावर अने
उकी मूरत की उपासणा करे अने अपणा
हात या माथा पे उकी छाप लगाड़े हे १०†
तो उ परमेसर का करोध की दारु प्येगा।
असी नरखी तेज दारु जो परमेसर का
करोध का कटोरा माय तय्यार करी गी हे।
उना मनख के पवित्तर सरगदूतहुंण अने
मेमणा का सामे धदकती हुई गंदक माय
पीड़ा दई जायगा। ११† हमेस्या-हमेस्या तक
उणकी पीड़ाहुंण से धुंवांड़ो उठतो रेगा।
अने जेना कइंका पे जनावर का नाम की
छाप लागी रेगा अने जो उकी अने उकी
मूरत की उपासणा करता रेगा, उणके दन-
रात कदी चेन नी पड़ेगा।"

१२इनी जगा पे परमेसर का उना
पवित्तर लोगहुंण के जिरना मारवा की
जरुवत हे जो परमेसर का हुकम अने
ईसु पे बिसास राखे हे।

१३फेर एक अकासबाणी के म्हने यो
केता सुण्यो, "लिख : अबे से अगड़े वी
लोग धन्य रेगा जो परभु माय ठाव्या हुई
के मरे हे।"

---

† **१४.५:** सपन्या ३.१३ † **१४.८:** यसायाह २१.९; यरमियाह ५१.८; दरसन १८.२
† **१४.१०:** यसायाह ५१.१७; उत्पत्ती १९.२४; यहेजकेल ३८.२२ † **१४.११:** यसायाह ३४.१०

पवित्तर आतमा के हे, "हां, योज
ठीक हे। उणके अपणी म्हेनत से अराम
मिळेगा क्योंके उणका करम को इनाम
उणका गेले हे।"

धरती की फसल की कटई

१४† फेर म्हने देख्यो के म्हारा सामे वां
एक धोळो बदळो थो। अने उना बादळा
पे एक मनख बेठ्यो थो जो मनख को
बेटो[z] सरीको नगे अई र्‌यो थो। उका
माथा पे एक सुन्ना को मुगुट धारण थो
अने उका हात माय एक धारदार दरांतो
थो। **१५**† जदे मन्दर माय से एक हजु
सरगदूत बायरे हिट्यो। जो बादळा पे
बेठ्यो थो, उके सरगदूत ने उंची अवाज
माय क्यो, "दरांतो चला अने फसल भेळी
कर, क्योंके फसल काटवा को बखत अई
ग्यो हे। धरती की फसल पाकी चुकी हे।"
१६तो जो बादळा पे बेठ्यो थो, उने धरती
पे अपणो दरांतो चलाड्यो अने धरती की
फसल काटी ली।

१७फेर सरग का मन्दर माय से एक
हजु सरगदूत बायरे हिट्यो। उका कने बी
एक धारदार दरांतो थो।

१८अने बेदी से एक हजु सरगदूत आयो।
लाय पे उके हक थो। उना सरगदूत ने
उंची अवाज माय क्यो, "अपणा धारदार
दरांताहुंण के काम माय लो अने धरती
की बेल से अंगूर का गुच्छा उतारी लो,
क्योंके इका अंगूर पाकी चुक्या हे।" **१९**तो
उना सरगदूत ने अपणो दरांतो धरती पे
चलाड्यो अने धरती का अंगूर उतारी
ल्या अने उणके परमेसर का भयानक
करोध की घाणी माय लाखी द्‌या। **२०**†
अने नगर का बायरे की घाणी माय अंगूर
के कुचिके निचई लाख्या। घाणी माय से
इतरो लोई बइ हिट्यो के लोई घोड़ा की
लगाम जितरो अदरे चड़ी ग्यो अने करीब
सो कोस[a] की दूरी तक फेली ग्यो।

आखरी बिनास का सरगदूतहुंण

१५ असमान माय म्हने एक हजु
म्हान अने अदभुद सेलाणी देखी।
म्हने देख्यो के सात सरगदूत हे जो सात
आखरी म्हाबिनास के ल्या होया हे। ई
आखरी बिनास हे क्योंके इणका गेलेज
परमेसर को करोध बी खतम हुई जाय
हे।

२फेर म्हारे कांच सरीको एक समन्दर
नगे आयो असो लाग्यो जसे उका माय
लाय मिळी हो। अने म्हने देख्यो के
उणने उना जनावर पे अने जनावर की
मूरत पे अने उका पे जेका नाम का
नाता की गिणती हे जीत पई ली हे, वी
बी उना कांच का समन्दर पे उब्या हे।
उणका कने परमेसर से दई गी बीणाहुंण
थी। **३**† वी परमेसर का सेवक मूसा अने
मेमणा को यो गीत गई र्‌या था:

"हे सगळा से सकतीमान परभु,
परमेसर
थारा काम म्हान अने अदभुद हे।
सगळी जातिहुंण का राजा,[b]

---

[z] **१४.१४** मनख को बेटो; सबद् भण्डार माय देखो। [a] **१४.२०** करीब सो कोस; या यूनानी भासा माय, १६०० स्तादिया। [b] **१५.३** जातिहुंण का राजा; कई लेखहुंण माय जुग-जुग का राजा।

† **१४.१४:** दानियल ७.१३ † **१४.१५:** योएल ३.१३

† **१४.२०:** यसायाह ६३.३; विलापगीत १.१५; दरसन १९.१५ † **१५.३:** निरगमन १५.१

थारा मारग सांचा अने धारमिकता
से भर्‌या होया हे।
४ † हे परभु, थार से कुंण नी
डरेगा;
अने थारो नाम लई के थारी
इसतुती कुंण नी करेगा
क्योंके तू एखलोज पवित्तर हे
सगळी जातहुंण थारा कने अई के
थारी उपासणा करेगा,
क्योंके थारा न्याव का काम
उजागर हुई ग्या हे।"
५ † इका बाद म्हने देख्यो के सरग का
मन्दर याने करार का डेरा के खोल्यो।
६अने वी सात सरगदूत जिणका कने
आखरी सात विबदाहुंण थी, मन्दर से
बायरे आया। उणने चळकण्यां सुद्द सण
का अच्छा रेसाहुंण का बण्या लतरा
पेर्‌या होया था। अपणी छाती पे सुन्ना
का पटका बान्द्‌या होया था। ७फेर उना
चारी पराणिहुंण माय से एक ने उना
सात दूतहुंण के सुन्ना का सात कटोरा
द्‌या जो हमेस्या-हमेस्या सरु युगानुयुग
जीवता परमेसर का करोध से भर्‌या
होया था। ८ † उ मन्दर परमेसर की
म्हेमा अने उकी सकती का धुंवांड़ा से
भर्‌यो होयो थो, ताके जदत्तक उना साती
दूतहुंण का साती विबदा पूरण नी हुई
जाय, तदत्तक मन्दर माय कईं को बी
जाणे नी पाय।

परमेसर का करोध का कटोरा

१६ फेर म्हने सुण्यो के मन्दर माय
से एक उंची अवाज उण सात
सरगदूतहुंण से कई री हे, "जाव अने
परमेसर का करोध का साती कटोराहुंण
के धरती पे कुड़ी लाखो।"
२ † तो पेलो सरगदूत ग्यो अने उने
धरती पे अपणो कटोरो कुड़ी लाख्यो।
नतीजो यो के उना लोगहुंण पे, जिणका
पे उना जनावर की छाप गुदी थी अने जो
उनी मूरत के पुजता था, भयानक पीड़ा[c]
से भर्‌या छाला फुट्‌याया।
३इका बाद दूसरा सरगदूत ने अपणो
कटोरो समन्दर पे कुड़्यो अने समन्दर
को पाणी मर्‌या होया मनख का लोई का
रुप माय बदळी ग्यो, अने समन्दर माय
रेवा वाळा सगळा जीव-जनावर मार्‌या
ग्या।
४ † फेर तीसरा सरगदूत ने नद्दिहुंण
अने पाणी का झरणाहुंण पे अपणो कटोरो
कुड़ी लाख्यो। अने वी लोई माय बदळी
ग्या।[d] ५जदेज म्हने पाणी का मालेख
सरगदूत के यो केता सुण्यो: "हे पवित्तर
परमेसर, तू जो हे अने जो थो, तू न्यावी
हे क्योंके तने इनी बातहुंण को सई न्याव
कर्‌यो हे; ६क्योंके मनखहुंण ने थारा
पवित्तर लोगहुंण अने नबिहुंण को लोई
बिवाड़्यो थो, पण तने इणके पीवा सरु

---

[c] **१६.२** भयानक पीड़ा; छटवीं अबदा, जसेके मिसरी लोगहुंण फफोलाहुंण से पीड़ा माय पड़्या था (निरगमन ९.९-१२)। [d] **१६.४** पाणी ... लोई माय बदळी ग्या; पेली अबदा मिसरिहुंण पे पाणी को लोई बणी ग्यो थो (निरगमन ७.१४-२४)।

† **१५.४:** यरमियाह १०.७; भजन संहिता ८६.९ † **१५.५:** निरगमन ३८.२१

† **१५.८:** निरगमन ४०.३४; १ राजा ८.१०–११; २ इतयास ५.१३–१४; यसायाह ६.४

† **१६.२:** निरगमन ९.१० † **१६.४:** निरगमन ७.१७–२१; भजन संहिता ७८.४४

लोई द्यो हे। वी इकाज लायक हे।" ७फेर
म्हने बेदी माय से यो सबद् सुण्यो,† "हां,
हे परभु परमेसर सगळा से ताकत वाळा,
थारो न्याव सांचो अने नेकी से हे।"
८चोथा सरगदूत ने अपणो कटोरो सूरज
पे कुड्यो अने परमेसर ने उके मनखहुंण
के लाय से झुळसावा को हक द्यो।
९अने वी भयंकर ताप से झुळसी ग्या।
तो उणने परमेसर का नाम की निंदा
करी जेके इनी अबदाहुंण पे हक हे, पण
लोगहुंण ने मन नी बदळ्यो अने नीज
परमेसर की म्हेमा करी।
१०† इका बाद पांचवा सरगदूत ने
अपणो कटोरो उना जनावर का सिंगासण
पे कुड्यो अने उको राज इन्दारा माय
डुबी ग्यो। लोगहुंण ने पीड़ा का मारे
अपणी जीब काटी लाखी। ११अपणी-अपणी
पीड़ाहुंण अने छालाहुंण की वजासे उणने
सरग का परमेसर की निंदा तो करी, पण
अपणा करमहुंण सरु मन नी बदळ्यो।
१२† फेर छटवां सरगदूत ने अपणा
कटोरा के फरात नामकी बड़ी नद्दी पे कुड़ी
लाख्यो, अने उको पाणी सुकी ग्यो। इका
से उगणूं दिसा का राजाहुंण सरु मारग
तय्यार हुई ग्यो। १३फेर म्हने देख्यो के
उना बड़ामेक अजगर का मुन्डा से, उना
जनावर का मुन्डा से अने उना कपटी
नबी का मुन्डा से तीन बायरबादाहुंण
हिटी, जो डेंडकी सरीकी नगे अइरी थी।
१४ई सेतान की बायरबादाहुंण थी अने
उणका माय चमत्कार दिखाड्वा की
ताकत थी। वी आखा जगत का राजाहुंण
के सगळा से ताकत वाळा परमेसर का
म्हान दन की लड़ई करवा सरु भेळा
करवा हिटी पड़ी।
१५† "होसियार रो! हूं दब्या पग अई
के तमारे अचरज माय लाखी दूंवां। उ
धन्य हे जो जागतो रे हे, अने अपणा
लतराहुंण के अपणा साते राखे हे ताके
उ नांगो-पुंगो नी फिरे अने लोगहुंण उके
लाजे मरतो नी देखे।"
१६† असतरा वी बायरबादाहुंण उना
राजाहुंण के भेळा करिके उनी जगा
पे लइ-यई, जो इबराणी भासा माय
हरमगिदोन जगा केवाय हे।
१७इका बाद सातवां सरगदूत ने
अपणो कटोरो बायरा माय कुड्यो, अने
मन्दर माय का सिंगासण से पेदा हुई
एक घणघोर अवाज या केता हुई हिटी,
"यो खतम हुई ग्यो।" १८† जदेज बिजळी
चळकवा लागी, घड़घड़ाट अने बादळाहुंण
को गाजणो होवा लाग्यो अने एक बड़ो
बरगोळ्यो बी आयो। मनख का इनी
धरती पे परगटवा का बाद को यो सगळा
से भयंकर बरगोळ्यो थो। १९† वा म्हान
नगरी बाबुल तीन बटकाहुंण माय बटी
गी अने सगळा देसहुंण का नगरहुंण
ढळ्ळी ग्या। परमेसर ने बेबीलोन की
म्हानगरी के सजा देवा सरु रियाद करी
थी। ताके परमेसर उके अपणा भड़क्या
करोध की दारु से भर्या कटोरा के उके
दई दे। २०† सगळा टापू गायब हुई ग्या।

---

† **१६.७:** दरसन ६.९-१० † **१६.१०:** निरगमन १०.२१ † **१६.१२:** यसायाह ११.१५
† **१६.१५:** मत्ती २४.४३–४४; लूका १२.३९–४०; दरसन ३.३
† **१६.१६:** २ राजा २३.२९; जकरियाह १२.११ † **१६.१८:** दरसन ८.५, ११.१३, १९
† **१६.१९:** यसायाह ५१.१७ † **१६.२०:** दरसन ६.१४

कइंका परबत तक को पतो नी चली र्‌यो थो। २१† चाळीस चाळीस सेर की गारहुंण, असमान से लोगहुंण पे पड़ी री थी। गारहुंण का इना बड़ा बिनास की वजासे लोगहुंण परमेसर के कोसी र्‌या था क्योंके या एक भयंकर अबदा थी।

जनावर पे बेठी बइरा

१७ † इका बाद उना सात सरगदूतहुंण माय से जेका कने सात कटोरा था, एक म्हारा कने आयो अने बोल्यो, "अई जा, हूं थारे नरी नद्दिहुंण का कराड़े बेठी उनी बड़ी बेस्या की सजा के दिखाडुंवां। २† धरती का राजाहुंण ने उका गेले ब्योबिचार कर्‌यो हे अने वी जो धरती पे रे हे वी उकी ब्योबिचार की दारु से नसा माय हुई ग्या।"

३† फेर हूं पवित्तर आतमा का बस माय अई ग्यो अने उ सरगदूत म्हारे उठई के बियाबान मांळ माय लई ग्यो जां म्हने एक बइरा के लाल रंग का एक असा जनावर पे बेठी देखी, जो परमेसर का निंदा का नामहुंण से भर्‌यो थो। जनावर का सात माथा था अने दस सींग था। ४† उनी बइरा ने बेंगणी अने लाल रंग का लतरा पेर्‌या होया था। वा सुन्ना, किमती रतनहुंण अने मोतीहुंण से सजी-संवरी हुई थी। वा अपणा हात माय सुन्ना को कटोरो लई हुई थी जो बुरी बातहुंण अने उकी ब्योबिचार की असुद्द चीजहुंण से भर्‌यो होयो थो। ५उका कपाळ पे एक नाम याने एक भेद लिख्यो थो: "म्हान बाबुल: बेस्याहुंण अने धरती की घिरणित चीजहुंण के पेदा करवा वाळी।" ६म्हने देख्यो के उनी बइरा ने परमेसर का पवित्तर लोगहुंण अने उना मनखहुंण को जिणने ईसु पे बिसास करिके गवई देता होया अपणा पराण दई द्‌या लोई पीके नसा माय हुई।

उके देखी के हूं घणो अचरज माय पड़ी ग्यो। ७जदे उना सरगदूत ने म्हार से पुछ्‌यो, "तू अचरज माय क्यों पड़्‌यो हे? हूं थारे उनी बइरा का अने जेना जनावर पे वा बेठी हे, जेका सात माथाहुंण अने दस सींग हे, उको भेद बतउंवां। ८† जेना जनावर के तने देख्यो उ थो तो सई, पण अबे हयनी। उ पताळ माय से हिटवा वाळो हे अने उको नास होवा वाळो हे। पण धरती का रेवासी जिणका नाम जगत की रचणा से जीवन की पोथी माय लिख्या होया नी हे, उना जनावर के देखी के अचरज करेगा क्योंके कदी उ जीवतो थो, पण अबे जीवतो हयनी, पण फेर बी उ आवा वाळो हे।

९"बुध्दि की बात तो या हे के वी सातीज माथा, सात परबत हे, जिणका पे वा बइरा बेठी हे। अने वी सात माथा, सात राजाहुंण के बी बताड़े हे, १०जिणका माय से पांच को नास हुई ग्यो, एक अबी बी राज करी र्‌यो हे, अने सातवो राजो अबी तक आयो नी हे। पण जदे उ आयगा तो उको राज थोड़िक घड़ीज टिकी सकेगा। ११उ जनावर जो फेर कदी जीवतो थो, पण अबे जीवतो हयनी, खुद

† **१६.२१:** निरगमन ९.२३; दरसन ११.१९ † **१७.१:** यरमियाह ५१.१३
† **१७.२:** यसायाह २३.१७; यरमियाह ५१.७ † **१७.३:** दरसन १३.१ † **१७.४:** यरमियाह ५१.७
† **१७.८:** दानियल ७.७; दरसन ११.७; भजन संहिता ६९.२८

आठवों राजो हे जो उना साती राजाहुंणज माय से एक हे। उको बी नास होवा वाळो हे।

१२† "जो तने दस सींग देख्या हे, वी दस राजा हे। उणने अबी अपणो राज सुरु नी कर्‌यो हे, पण जनावर का साते घड़ी-भर राज करवा सरु उणके हक द्‌यो जायगा। **१३**इना दसी राजाहुंण को मकसद एकज हे के वी अपणी ताकत अने अपणो हक उना जनावर के दई दे। **१४**वी मेमणा से लड़ई करेगा पण मेमणो अपणा तेड़्या होया, छांट्‌या होया अने अपणा बिसास करवा वाळाहुंण का गेले मिळी के उणके हरई लाखेगा। क्योंके मेमणो राजाहुंण को राजो अने परभुहुंण को परभु हे।"

१५उना सरगदूत ने फेर-पाछो म्हार से क्यो, "वी नद्दिहुंण जिणके तने देखी थी, जां वा बेस्या बेठी थी, नरा कुळहुंण, दळहुंण, जातहुंण अने भासाहुंण के बताड़े हे। **१६**वी दस सींग जिणके तने देख्या, अने उ जनावर उनी बेस्या से घिरणा करेगा अने उकासे सगळो छुड़ई के उके नांगी-पुंगी करी लाखेगा। वी उकी काया के खई जायगा अने उके भस्ते माय बाळी लाखेगा। **१७**अपणा काम के पूरण करावा सरु परमेसर ने उना सगळा की एक मती करिके, उणका हिरदा माय यो बेठाड़ी द्‌यो के, जदत्तक परमेसर को बचन पूरण नी हुई जाय, तदत्तक राज करवा को अपणो हक वी उना जनावर के दई दे।

१८"वा बड़रा जो तने देखी थी, वा म्हानगरी हे, जो धरती का राजाहुंण पे राज करे हे।"

बाबुल को बिनास

१८ इका बाद म्हने एक हजु सरगदूत के असमान से बड़ी ताकत का साते निच्चे उतरतो देख्यो। उकी म्हेमा से आखी धरती जगमगई गी। **२**† उने तेज अवाज से चिल्लाड़ी के क्यो, "वा मिटी गी, म्हानगरी बाबुल मिटी गी! वा दानवहुंण की रेवा की जगा अने सगळी तरा की बुरी बायरबादाहुंण को अड्‌डो अने हरेक असुद्द अने घिरणित पखेरुहुंण को अड्‌डो बणी गी। **३**† क्योंके सगळी जातहुंण ने उका ब्योबिचार की दारु पी हे, अने धरती का राजाहुंण ने उका गेले ब्योबिचार कर्‌यो हे। अने धरती का बेपारिहुंण उका भोग-बिलास का धन से धणी बणी ग्या हे।"

४† फेर म्हने असमान माय से एक हजु अवाज के या केता सुणी,

"हे म्हारा लोगहुंण, तम वां से
बायरे हिट्‌याव,
असो नी होय के तम उका
पापहुंण माय हिस्सादार बणी
जाव
अने उकी अबदा तमार पे अई
पड़े।
५† क्योंके उका पापहुंण को ढेर
असमान तक नरो उंचो पोंची
ग्यो हे।

† **१७.१२:** दानियल ७.२४ † **१८.२:** यसायाह १३.२१, २१.९; यरमियाह ५०.३९, ५१.८; दरसन १४.८
† **१८.३:** यसायाह २३.१७; यरमियाह ५१.७ † **१८.४:** यसायाह ४८.२०; यरमियाह ५०.८, ५१.६, ४५
† **१८.५:** उत्पत्ती १८.२०–२१; यरमियाह ५१.९

परमेसर ने उका बुरा करमहुंण के
रियाद कर्‌या हे।
६ † जसो उने तमारा गेले बरताव
कर्‌यो, वसो तम बी उका गेले
बरताव करो।
उका करमहुंण मुजब उके दूगणो
बदळो दो
जेना कटोरा माय उने मिळई
उका मायज उका सरु दूगणी
मिळाव।
७ † उने जेना हद तक खुद की बड़ई
करी अने भोग-बिलास कर्‌यो,
उके उना हद तक यातणाहुंण अने
पीड़ा दो,
क्योंके वा अपणा हिरदा माय के हे,
'हूं राणी हुई ने बेठी,
हूं रांडी हयनी
तो फेर दुःख कायसरु मनउं?' "
८ इनी वजासे एकज दन माय उका पे
अबदाहुंण अई पड़ेगा
याने म्हामरी, दुःख, अने बिखो।
अने वा लाय से भसम करी लाखी
जायगा,
क्योंके परभु परमेसर जो उको न्याव
करे हे सगळा से सकतीमान हे।"
९ † जदे धरती का राजा, जिणने उका
गेले ब्योबिचार कर्‌यो अने उका भोग-
बिलास माय बांटो बंटायो, उनी बाबुल
नगरी के बळवा की वजासे हिटता होया
धुंवांड़ा के देखेगा तो वी उका सरु रोयगा
अने कळाप करेगा। १०वी उकी पीड़ा से डरी
के वां से नरी दूरी पे उबा हुई के केगा:
"हाय! हाय! हे ताकत वाळी बाबुल नगरी!
थारे घड़ी-भर मायज सजा मिळी गी!"
११ † धरती का बेपारिहुंण उका सरु
रोयगा अने कळपेगा क्योंके उणकी चीज
अबे कईं को हजु मोल नी लेगा: १२ †
याने सुन्नो, चांदी, रतन, मोती, मलमल,
बेंगणी, रेसमी, अने किरमिजी लतरा,
हर तरा की सुगन वाळा लक्कड़ अने
हातीदांत से बणी चीज, अनमोल लक्कड़,
पीतळ, लुव्वो अने संगमरमर फत्तर से
बणी चीजहुंण, १३दाळचीणी, मुसाला,
सुगन वाळी धुप, अतर, लुबान, अने
दारु, जेतून को तेल, मेदो, गंउ, गाय-
बेल, गाडर बोकड़ीहुंण, घोड़ाहुंण अने रथ,
दास, हां, मनखहुंण की काया अने उणकी
आतमाहुंण तक। १४बेपारिहुंण बाबुल के
केगा के "जेनी चीजहुंण के पावा सरु
थारी घणी मन्सा थी, वी थार से छेटी
हुई गी अने थारो सगळो भोग-बिलास
वेभव बी आज हयनी। अबे वी थारे कदी
नी मिळेगा।" १५ † वी बेपारिहुंण जो बाबुल
से इनी चीजहुंण को बेपार करता था अने
उकासे धणी बणी ग्या था, वी दूराज उबा
रेगा क्योंके वी उकी पीड़ा से डरी ग्या।
वी रोता-बिलखता होया केगा: १६"हाय!
हाय! म्हानगरी जो मलमल, बेंगणी अने
किरमिजी लतरा पेरती थी, अने सुन्ना
का अनमोल रतन अने मोतीहुंण से
सजी-संवरी थी! १७ † घड़ी-भर मायज या
आखी धन-सम्पत्ती मिटी गी।"

---

† **१८.६:** भजन संहिता १३७.८; यरमियाह ५०.२९ † **१८.७–८:** यसायाह ४७.७–९
† **१८.९–१०:** यहेजकेल २६.१६–१७ † **१८.११:** यहेजकेल २७.३१, ३६
† **१८.१२–१३:** यहेजकेल २७.१२, १३, २२ † **१८.१५:** यहेजकेल २७.३१, ३६
† **१८.१७:** यसायाह २३.१४; यहेजकेल २७.२६–३०

फेर झाज को हरेक कपतान, अने हरेक
जणो जो झाज से कइंबी जई सकता
हे, अने सगळा केवट, अने वी सगळा
लोग बी जो समन्दर से अपणी जीविका
चलाय, उनी नगरी से दूराज उबा रेगा।
१८† अने जदे उणने बाबुल नगरी के
बळवा से उठता होया धुंवांड़ा के देख्यो
तो वी चिल्लाड़ी उठ्या, "इनी बड़ीमेक
नगरी का सरीकी हजु कां की नगरी
हे?" १९† फेर उणने अपणा-अपणा माथा
पे धूळो लाखता, चिल्लाता, रोता अने
कळाप करता होया क्यो, "हाय! हाय!
म्हान नगरी, जेका धन-सम्पत्ती से
सगळा झाज वाळा धणी हुई ग्या था!
अबे घड़ी-भर मायज वा उजड़ी गी!"
२०† हे सरग! हे पवित्तर लोगहुंण,
परेरितहुंण, अने नबिहुंण! उका सरु खुसी
मनाव! क्योंके परमेसर ने उके बिलकुल
वसीज सजा दई हे जसी सजा उने तमारे
दई थी।
२१† फेर एक ताकतवर सरगदूत ने
घट्टी का मोटा पुड सरीकी एक बड़ीमेक
सिल्ला उठाड़ी अने उके समन्दर माय
फेंकता होया क्यो, "असतरा म्हानगरी
बाबुल बी बड़ी जोर से पटकी लाखेगा।
अने उको पतो बी नी चलेगा। २२††
अने थारा माय वीणा बजावा वाळा,
संगीतकारहुंण, बंसी बजावा वाळाहुंण
अने तुरई फूंकवा वाळाहुंण की अवाज
फेर कदी नी सुणई देगा। अने नी कइंका
कलाकार थारा माय कदी मिळेगा, अने
नी थारा माय कदी घट्टी की अवाज
सुणई देगा। २३नी सरावला को उजाळो
फेर कदी थारा माय चळकेगा, अने नी
लाड़ा-लाड़ी की अवाज थारा माय सुणई
देगा। थारा बेपारी जगत का बड़ा म्हान
जणा था, अने थारी जादूगरी से सगळी
जातहुंण भरमई गी थी।
२४† नबिहुंण, परमेसर का पवित्तर
लोगहुंण अने धरती पे मार्‌या ग्या उना
लोगहुंण को लोई उका माय लाद्‌यो हे।"

सरग माय परमेसर की जे जेकार

१९ इनी बातहुंण का बाद म्हने सरग
माय एक बड़ीमेक भीड़ की अवाज
जो यो कई री थी: "हल्लिलुयाह![e] उध्दार,
म्हेमा अने सामरत हमारा परमेसरीज
का हे! २† क्योंके उका न्याव हमेस्या
सांचा अने नेकी का हे। उने उनी बड़ी
बेस्या को न्याव कर्‌यो जेने अपणा
ब्योबिचार से आखा जगत के भरस्ट
करी लाख्यो थो। पण परमेसर ने अपणा
सेवकहुंण की हत्या को पलटो उकासे
लई ल्यो।" ३† उणने यो दूसरी कावा
फेर क्यो: "हल्लिलुयाह! उको धुंवांड़ो
हमेस्या-हमेस्या अदरे उठतो रेगा।"
४तो चोविसीज सियाणाहुंण अने चारी
पराणिहुंण ने सिंगासण पे बिराजमान

---

[e] **१९.१** हल्लिलुयाह; इबराणी भासा माय जेको अरथ "परमेसर की जे जेकार" या "इसतुती होय"।

† **१८.१८:** यहेजकेल २७.३२ † **१८.१९:** यहेजकेल २७.३०–३४

† **१८.२०:** नेम-बिधान ३२.४३; यरमियाह ५१.४८ † **१८.२१:** यरमियाह ५१.६३–६४; यहेजकेल २६.२१

† **१८.२२:** यहेजकेल २६.१३; यसायाह २४.८ † **१८.२२–२३:** यरमियाह ७.३४, २५.१०

† **१८.२४:** यरमियाह ५१.४९ † **१९.२:** नेम-बिधान ३२.४३; २ राजा ९.७

† **१९.३:** यसायाह ३४.१०

परमेसर के नमी ने परणाम कर्‌यो अने
उकी उपासणा करता होया गावा लाग्या:
"आमीन! हल्लिलुयाह!"

मेमणा को ब्याव

५† अने सिंगासण से या अवाज
अई जो कई री थी: "हे उका सगळा
सेवकहुंण, चाये नाना होय या मोटा, जो
उकासे डरता र्‌या हो, हमारा परमेसर
की इसतुती करो।" **६**† फेर म्हने एक
बड़ीमेक भीड़ की अवाज अने समन्दर
की लेरहुंण अने बादळा का भयंकर
गाजवा की अवाज सरीकी के यो केता
सुण्यो, "हल्लिलुयाह! क्योंके हमारो परभु
परमेसर सगळा से सकती मान राज करे
हे। **७**तो आव, हम खुस हुई के आनन्द
मनावां अने उकी इसतुती करां, क्योंके
अबे मेमणा का ब्याव को बखत अई ग्यो
हे। उकी लाड़ी सजी-धजी के तय्यार हुई
गी हे। **८**उके उजळो, साफ अने बारीक
मलमल पेरवा सरु द्‌यो ग्यो।" (मलमल
तो परमेसर का पवित्तर लोगहुंण का
धारमिक करम हे।)

९† फेर उ सरगदूत म्हार से केवा
लाग्यो, "लिखी ले, 'धन्य हे वी जिणके
मेमणा का ब्याव का भोज माय तेड़्या
ग्या हे।' " उने पाछो क्यो, "ई परमेसर
का सांचा बचन हे।"

१०फेर हूं उकी उपासणा करवा सरु
उका पग पे पड़ी ग्यो, पण उ म्हार
से बोल्यो, "असो मती कर! हूं तो
तमारो साती सेवक हूं, थारो अने थारा
उना भई-बेनहुंण को, जो ईसु की गवई
देवा माय ठावा र्‌या हे। परमेसर की
उपासणा कर!

क्योंके ईसु ने जो सन्देस परगट कर्‌यो
उको यो परमाण हे के उका माय नबिहुंण
की आतमा हे।"

धोळा घोड़ा को सवार

११† फेर म्हने असमान के खुलतो
होयो देख्यो अने वां म्हारा सामे एक
धोळो घोड़ो थो। घोड़ा को सवार "बिसास
लायक अने सांचो" केवातो थो क्योंके उ
धरम से न्याव अने लड़ई लड़तो थो।
१२† उकी आंख असी जसे बळती हुई
ज्वाळा हो, उका माथा पे नरा राजमुगुट
हे। उका पे एक नाम लिख्यो थो, जेके
उका अलावा कइंका हजु नी जाणे।
१३उने असा लतरा पेर्‌या था जेके लोई
माय डुबाड़्या ग्या था। उके नाम द्‌यो
थो, "परमेसर को बचन।" **१४**सरग की
सेनाहुंण धोळा घोड़ाहुंण पे सवार हुई
के उका पछड़े-पछड़े चली री थी। उणने
सुद्ध धोळा मलमल का लतरा पेर्‌या था।
१५† अने गेर जातहुंण पे वार करवा सरु
उका मुन्डा से एक तेज-धार की तरवार
बायरे हिटी री थी। उ उणका पे लुव्वा
की बल्लम से राज करेगा अने सगळी
सकती से भर्‌या परमेसर का भयंकर
करोध की दारु की घाणी माय अंगूरहुंण
के रोंदेगा। **१६**उका लतरा अने जांग पे
यो नाम लिख्यो हे, "राजाहुंण को राजो
अने परभुहुंण को परभु।"

---

† **१९.५:** भजन संहिता ११५.१३ † **१९.६:** यहेजकेल १.२४; भजन संहिता ९३.१, ९७.१, ९९.१
† **१९.९:** मत्ती २२.२–३ † **१९.११:** यहेजकेल १.१; भजन संहिता ९६.१३; यसायाह ११.४
† **१९.१२:** दानियल १०.६ † **१९.१५:** भजन संहिता २.९; यसायाह ६३.३; योएल ३.१३; दरसन १४.२०

१७† इका बाद म्हने देख्यो के सूरज
का अदरे एक सरगदूत उबो हे। उने
उंचा असमान माय उड़वा वाळा सगळा
पखेरुहुंण से क्यो, "अई जाव! परमेसर
का महा-भोज सरु भेळा हुई जाव! **१८**ताके
तम सासकहुंण, सेनापतिहुंण, नामी
लोगहुंण, घोड़ाहुंण अने उणका सवारहुंण,
अने सगळा लोगहुंण - आजाद मनखहुंण
अने सेवकहुंण, छोटा लोगहुंण अने खास
लोगहुंण - उण सगळा की कायाहुंण के
खई सको।"

१९फेर म्हने उना जनावर के अने
धरती का राजाहुंण के उणका गेले उणकी
सेनाहुंण के देखी। वी उना घुड़सवार अने
उकी सेना से लड़वा सरु एक साते भेळा
होया था। **२०**† उना जनावर के घेरी ल्यो
थो। उका गेले उ झुंटो नबी बी थो जो
उका सामे अचरज का काम कर्‌या करतो
थो। (उ उणके छळतो थो जिणका पे उना
जनावर की छाप लागी थी अने जो उकी
मूरत की उपासणा कर्‌या करता था।)
उना जनावर अने झुंटा नबी दोइज के
बळता गंदक का भभकता दरियाव माय
लाखी द्‌या था। **२१**घोड़ा का सवार का
मुन्डा से जो तरवार हिटी री थी, बाकी
का सिपई के उने मारी लाख्या था। फेर
पखेरुहुंण ने उणकी लासहुंण को मांस पेट
भरिके खायो।

एक हज्जार बरस को सासन

२० फेर असमान माय से म्हने एक
सरगदूत के निच्चे उतरतो देख्यो।
उका हात माय पताळ की कुन्ची अने
एक बड़ी सांकळ थी। **२**† उने उना जूना
अजगर याने म्हानाग के पकड़ी ल्यो,
जो इबलीस नामक सेतान हे, फेर एक
हज्जार बरस सरु उके सांकळ से बान्दी
लाख्यो। **३**अने उना सरगदूत ने उके बिना
थाग का पताळ माय लाखी के बन्द
करी-लाख्यो अने उका पे मोहर लगाड़ी
ताके जदत्तक हज्जार बरस पूरण नी हुई
जाय उ जातहुंण के धोको नी दई सके।
हज्जार बरस पूरा होवा का बाद थोड़ाक
बखत सरु उके छोड़्यो जाणो हे।

४† फेर म्हने सिंगासण देख्या अने
लोगहुंण उणका पे बेठी ग्या अने उणके
न्याव करवा को हक द्‌यो। म्हने उना
लोगहुंण की आतमाहुंण के देख्या जिणका
माथा ईसु की गवई देवा अने परमेसर का
बचन की वजासे काटी लाख्या था। उणने
उना जनावर अने उकी मूरत की उपासणा
कदी नी करी थी, अने नी अपणा कपाळ
या अपणा हातहुंण पे उकी छाप लगाड़ी
थी। वी पाछा जीवता हुई ग्या अने उणने
ईसु का गेले एक हज्जार बरस तक राज
कर्‌यो। **५**(वी मर्‌या होया जो बाकी रई
ग्या था हज्जार बरस पूरा होवा तक
जीवता नी होया।) यो तो पेलो जीवतो
होणो हे। **६**वी धन्य हे अने पवित्तर हे
जिणके पेली खेप माय जीवता होवा को
मोको मिळ्यो हे। इणका पे दूसरी मोत
को कंई हक हयनी, पण वी परमेसर अने
ईसु मसीह का पुरोहित रेगा, अने ईसु
का गेले हज्जार बरस तक राज करेगा।

---

† **१९.१७–१८:** यहेजकेल ३९.१७–२० † **१९.२०:** दरसन १३.१–१८ † **२०.२:** उत्पत्ती ३.१
† **२०.४:** दानियल ७.९, २२

सेतान हरी ग्यो

७हज्जार बरस पूरण हुई चुकवा पे
सेतान के जेळखाना से छोड़ी लाख्यो
जायगा। ८† अने उ आखी धरती पे फेली
जातहुंण के छळवा सरु निकळेगा, याने
गोग अने मागोग[f] जातहुंण के छळेगा। उ
उणके लड़ई सरु भेळा करेगा। वी उतराज
अणगिणत्या रेगा जितरा समन्दर का
कराड़ा की रेत का कण। ९सेतान की
आखी सेना धरती पे फेली जायगा अने
वी परमेसर के पवित्तर लोगहुंण की
छावणी अने परमिली नगरी के घेरी
लेगा। पण लाय उतरेगा अने उणके
गिली जायगा। १०इका बाद उना सेतान
के जो भरमई र्‌यो थो गंदक का भभकता
दरियाव माय लाखी देगा, जां उ जनावर
अने झुंटो नबी, दोइज लाख्या ग्या था।
हमेस्या-हमेस्या सरु दन-रात पीड़ा माय
तड़फता रेगा।

आखरी न्याव

११† फेर म्हने एक बड़ामेक धोळा
सिंगासण अने उके जो उका पे
बिराजमान थो, देख्यो। उका सामे से
धरती अने असमान भागी ग्या, उणको
पतो तक नी चल्यो। १२फेर म्हने छोटा
अने बड़ा, सगळा मर्‌याहुंण के देख्या।
वी सिंगासण का अगड़े उब्या होया था।
अने पोथीहुंण खोली गी। फेर एक हजु
पोथी खोली गी, याज जीवन की पोथी
हे। उना करमहुंण का मुजब जो पोथी
माय लिख्या होया था, मर्‌या होया को
न्याव कर्‌यो जायगा। १३जो समन्दर माय
मर्‌या था, उणके समन्दर ने दई द्‌या
अने मोत अने अधोलोक ने बी अपणा-
अपणा मर्‌या होया दई द्‌या। हरेक का
न्याव उणका करम मुजब कर्‌या ग्या।
१४इका बाद मोत अने पताळ के भभकता
दरियाव माय झोंकी लाखी। यो लाय को
दरियाव दूसरी मोत हे। १५अगर कइंका
को नाम 'जीवन की पोथी' माय लिख्यो
नी मिळ्यो, तो उके बी भभकता दरियाव
माय धक्को दई द्‌यो।

नवो सरग अने नवी धरती

२१ † फेर म्हने एक नवा सरग अने
नवी धरती देखी। क्योंके पेलो
सरग अने पेली धरती लोप हुई ग्या
था अने समन्दर बी अबे नी र्‌यो थो।
२† म्हने वा पवित्तर नगरी बी याने नवा
यरुसलेम असमान से बायरे निकळी के
परमेसर आड़ी से निच्चे उतरती देखी।
उनी नगरी के असी सजी-सवांरी गी
थी जसेके कइंकी लाड़ी के उका लाड़ा
सरु सजी-सवांरी गी होय। ३† जदे म्हने
असमान माय एक उंची अवाज सुणी। वा
कई री थी, "देखो, परमेसर को घर अबे
मनखहुंण का अदाड़ माय हे! उ उणकाज
अदाड़ माय घर बणई के र्‌या करेगा, अने

---

[f] **२०.८** गोग अने मागोग; आखर माय ई दोई देस परमेसर का लोगहुंण के दुःख देवा वाळा दुसमन का रुप माय अगवई करेगा (यहेजकेल ३८.२-१६)।

† **२०.८:** यहेजकेल ७.२, ३८.२, ९, १५ † **२०.११–१२:** दानियल ७.९–१०

† **२१.१:** यसायाह ६५.१७, ६६.२२; २ पतरस ३.१३ † **२१.२:** यसायाह ५२.१, ६१.१०; दरसन ३.१२

† **२१.३:** यहेजकेल ३७.२७; लेव्यव्यवस्था २६.११, १२

वी उकी परजा रेगा। खुद परमेसर उणका
गेले रेगा अने उणको परमेसर केवायगा।
४† उणकी आंख से उ हरेक आंसु पोंछी
लाखेगा। अने वां अबे नी कदी मोत
होयगा, नी दुःख की वजासे रोणो-धोणो
अने नी कइंकी पीड़ा। क्योंके वी सगळी
जूनी बातहुंण अबे खतम हुई गी हे।"
५जदे उ सिंगासण पे जो बेठ्यो थो, उ
बोल्यो, "देखो, हूं सगळो कंई नवो करिके
दई र्‌यो हूं।" उने फेर क्यो, "इके लिखी
ले, क्योंके ई बचन बिसास करवा लायक
हे अने सांचा हे।" ६† उ म्हार से पाछो
बोल्यो, "सगळो पूरण हुई चुक्यो हे। हूंज
अलफा हूं अने हूंज ओमेगा[g] हूं। हूंज सुरु
हूं अने हूंज आखरी हूं। जो बी तिरस्यो
हे हूं उके जीवन का पाणी का झरणा से
मुफत माय पिवाडुंवां। ७† जो जितेगा उ
सगळो पावेगा। हूं उको परमेसर रुंवां अने
उ म्हारो बेटो रेगा। ८पण कायरहुंण, बे-
बिसासिहुंण, बुरा ज्ञान वाळा, हत्याराहुंण,
ब्योबिचारिहुंण, जादू-टोणा करवा वाळाहुंण
मूरत पुजवा-वाळाहुंण अने सगळा झुंट
बोलवा वाळाहुंण के गंदक का भभकता
दरियाव माय हिस्सो बंटाणो पड़ेगा। याज
दूसरी मोत हे।"

नवो यरुसलेम

९फेर उना सात सरगदूतहुंण माय से,
जेका कने सात आखरी बिनास से भर्‌या
कटोरा था, एक अगड़े आयो अने म्हार से
बोल्यो, "यां अई जा। हूं थारे उनी लाड़ी
को दरसन करई दूं जो मेमणा की घराळी
हे।" १०† अबे हूं पवित्तर आतमा का बस
माय अई ग्यो अने उ सरगदूत म्हारे एक
बड़ामेक अने उंचा परबत पे लई ग्यो।
फेर उने म्हारे यरुसलेम याने पवित्तर
नगरी को दरसन करायो। वा परमेसर
आड़ी से असमान से निच्चे उतरी री थी।
११वा नगरी परमेसर की म्हेमा से भरी
हुई थी। उकी चळक घणा मोल का फत्तर,
याने यसब,[h] रतन सरीकी चळकी री थी।
१२† नगरी का चारी-मेर बड़ोमेक उंचो
परकोटो थो जेका माय बारा फाटक था।
उना बारा फाटक पे बारा सरगदूत था।
अने बारा फाटकहुंण पे इसराइल का बारा
कुळहुंण का नाम खुद्‌या था। १३इणका
माय से तीन फाटक उगणूं दिसा आड़ी
था, तीन फाटक धरउ दिसा आड़ी था,
तीन फाटक दक्खणव दिसा आड़ी था,
अने तीन फाटक आथणूं दिसा आड़ी था।
१४नगरी को परकोटो बारा नीमहुंण पे
बणायो थो अने उणका पे मेमणा का
बारा परेरितहुंण का नाम खुद्‌या था।
१५† जो सरगदूत म्हार से बात करी र्‌यो
थो, उका कने सुन्ना से बण्यो गज थो
जेकासे उ नगर के, उका फाटकहुंण के
अने उका परकोटा के नापी सकतो थो।
१६नगरी की बसावट असी थी के उका

---

[g] **२१.६** हूंज अलफा हूं अने हूंज ओमेगा; अलफा अने ओमेगा ई यूनानी भासा का पेलां अने आखरी आखर हे इको अरथ हे के परमेसर सुरु अने आखरी दोई हे (यसायाह ४१.४; ४४.६)।

[h] **२१.११** यसब; एक लिल्लो रंग को घणा मोल को फत्तर हे।

† **२१.४:** यसायाह २५.८, ३५.१०, ६५.१९ † **२१.६:** यसायाह ५५.१

† **२१.७:** २ सेमुएल ७.१४; भजन संहिता ८९.२६–२७ † **२१.१०:** यहेजकेल ४०.२

† **२१.१२–१३:** यहेजकेल ४८.३०–३५ † **२१.१५:** यहेजकेल ४०.३

चारी कोणा बराबर रे। यो जितरो लम्बो
थो उतरोज चोड़ो थो। उना सरगदूत ने
उना गज से उनी नगरी के नापी तो
वा साड़ा सात सो कोस[i] की हिटी। उकी
लम्बई चोड़ई अने उंचई एक सरीकी
थी। १७सरगदूत ने फेर उका परकोटा के
नाप्यो। उ एक सो चुम्माळिस हात[j] थो।
उके मनख का हात की लम्बई से नाप्यो
थो जो हात सरगदूत को बी हे।[k] १८ †
नगरी को परकोटो यसब नामका रतन
को बण्यो थो। अने नगरी के कांच सरीका
चळकण्यां सुद्द सुन्ना से बणई गी थी।
१९नगरी का परकोटा की नीमहुंण हरतरा
का अनमोल रतनहुंण से सजाड़ी गी थी।
नीम को पेलो भाटो यसब नामका रतन
को बण्यो थो, दूसरो नीळमणी रतन से,
तीसरो सुलेमानी फत्तर से, चोथो पन्ना
से, २०पांचवो गोमेद से, छटवों माणिक्य
से, सातवो पीतमणी से, आठवों पेरोज से,
नोंवो पुखराज से, दसवों लहसणिया से,
ग्यारवों धूम्रकांत से, बारवों चन्दरकान्त
मणी से बण्यो थो। २१बारा फाटक बारा
मोतीहुंण से बण्या था, एक-एक फाटक
एक-एक मोती से बण्यो थो। नगरी की
सेरी-गळिहुंण कांच सरीका सुद्द सुन्ना से
बणी थी।

२२नगरी माय म्हारे कईं को मन्दर नगे
नी आयो, क्योंके सगळा से सकतीमान
परभु परमेसर अने मेमणोज उनी नगरी
को मन्दर थो। २३ † उनी नगरी के कइंका
सूरज अने चन्दरमा की जरुवत हयनी
के वी उजाळो दे, क्योंके वा नगरी तो
परमेसर का तेज से तेजोमान थी, अने
मेमणोज उनी नगरी को दीयो हे। २४ †
सगळी जातहुंण का लोग उनी नगरी का
उजाळा का सायरे चल्या-फिरेगा अने इनी
धरती का राजाहुंण अपणा वेभव के उनी
नगरी माय लायगा। २५ † दन का बखत
उका फाटक कदी बन्द नी रेगा अने वां
रात तो कदी होयगाज नी। २६जातिहुंण
को खजानो अने धन-सम्पत्ती के उनी
नगरी माय लायगा। २७ † कइंकी असुद्द
चीज तो उका माय जइज नी सकेगा
अने लाज का काम करवा वाळा अने झुंट
बोलवा वाळा उका माय जई नी सकेगा।
अने नगरी माय तो सिरप उणकेज जावा
के मिळेगा जिणका नाम मेमणा की
जीवन की पोथी माय लिख्या हे।

२२ † इका बाद उना सरगदूत ने म्हारे
जीवन देवा वाळी पाणी की एक
नद्दी दिखाड़ी। वा नद्दी बिल्लोरी कांच
की तरा चळकी री थी। वा परमेसर अने
मेमणा का सिंगासण से हिटी के २ †
नगरी की सेरी-गळिहुंण का अदाड़ माय
से बइ री थी। नद्दी का दोई कराड़ा पे
जीवन का झाड़ उग्या था। उणका पे हर

---

[i] **२१.१६** साड़ा सात सो कोस; या - यूनानी भासा माय १२ हज्जार स्तादिया इको अरथ के या नगरी घणी मोटी अने पूरण थी। [j] **२१.१७** एक सो चुम्माळिस हात; या ६० गंज उंचो; या मोटो।

[k] **२१.१७** १६ अने १७ आयत; यूनानी भासा माय असो हे १२,००० "फरलांग" अने "१४४ क्युबिट्स" जो सेलाणी का रुप माय हे।

† **२१.१८–२१:** यसायाह ५४.११–१२ † **२१.२३:** यसायाह ६०.१९–२० † **२१.२४:** यसायाह ६०.३

† **२१.२५–२६:** यसायाह ६०.११ † **२१.२७:** यसायाह ५२.१; यहेजकेल ४४.९

† **२२.१:** यहेजकेल ४७.१; जकरियाह १४.८ † **२२.२:** उत्पत्ती २.९; यहेजकेल ४७.१२

बरस बारा तरा का फळ लागता था, वी
हर मइना फळता था। अने इना झाड़का
का पत्ताहुंण हर जात का लोगहुंण के
निरोग करवा सरु थी। ३† फेर वां कईं
को सराप नी रेगा।

परमेसर अने मेमणा को सिंगासण
वां बण्यो रेगा। अने उका सेवक उकी
उपासणा करेगा। ४वी उको मुन्डो देखेगा,
अने उको नाम उणका कपाळहुंण पे
गोद्यो रेगा। ५† वां कदी रात नी रेगा,
अने नीज उणके सूरज की या दीया का
उजाळा की कंई जरुवत रेगा, क्योंके
उणका पे परभु परमेसर अपणो उजाळो
लाखेगा अने वी हमेस्या-हमेस्या सासन
करेगा।

ईसु को पाछो आणो

६फेर उना सरगदूत ने म्हार से क्यो,
"ई बचन बिसास करवा लायक अने सांचा
हे। परभु ने जो नबिहुंण की आतमाहुंण
को परमेसर हे, अपणा सेवकहुंण के, जो
कंई झट घटवा वाळो हे, उके बताड़वा
सरु अपणो सरगदूत मोकल्यो हे।"

७ईसु ने क्यो, "सुणो! हूं झट अई
र्यो हूं। इनी पोथी माय भविसबाणी का
बचनहुंण लिख्या हे। धन्य हे वी जो इना
बचनहुंण के माने हे।"

८हूं उज लिखवा वाळो योहन हूं।
म्हने ई बातहुंण सुणी अने देखी हे।
जदे म्हने ई बातहुंण देखी अने सुणी
तो उना सरगदूत का पग माय पड़ी
के म्हने उकी उपासणा करी जो म्हारे
इण बातहुंण के दिखाड़तो थो। ९पण
उने म्हार से क्यो, "होसियार, तू असो
मती कर! क्योंके हूं तो थारो, थारा भई-
बेनहुंण याने नबिहुंण को अने सगळा
को जो इनी पोथी माय लिख्या बचनहुंण
के माने हे, गेले को सेवक हूं। सिरप
परमेसरज की उपासणा कर!" १०उने
म्हार से पाछो क्यो, "इनी पोथी माय
जो नबुवतहुंण दई हे, उणके छिपाड़ी
के मती राख, क्योंके इनी बातहुंण के
घटणे को बखत कनेज हे। ११† जो बुरा
करता चल्या अई र्या हे, वी बुराज
करता रे। जो अपवित्तर बण्या होया हे,
वी अपवित्तरज बण्या रे। जो धरमी हे
वी धरमज करता रे। जो पवित्तर हे वी
पवित्तर बण्या रे।"

१२† ईसु के हे, "देखो, हूं झट अई
र्यो हूं अने अपणा गेले तमारा सरु फळ
लई र्यो हूं। जेने जसा करम कर्या हे,
हूं उणके उका मुजबीज दउंवां। १३† हूंज
अलफा हूं अने हूंज ओमेगा हूं। हूंज पेलो
हूं अने हूंज आखरी हूं। हूंज सुरु अने हूंज
आखरी हूं।"

१४† धन्य हे वी जो अपणा लतराहुंण
के धोई ले हे। उणके जीवन का झाड़
का फळ खावा को हक रेगा। अने
उण के फाटक से हुई के नगर माय
जावा को हक रेगा। १५पण कुतराहुंण,
जादू-टोटका करवा वाळा, ब्योबिचारी,
मूरत-पुजवा वाळा या हरेक वी जो झुंट
पे चले हे अने झुंट से परेम करे हे,
बायरेज पड़्या रेगा।"

---

† **२२.३:** जकरियाह १४.११ † **२२.५:** यसायाह ६०.१९; दानियल ७.१८ † **२२.११:** दानियल १२.१०
† **२२.१२:** यसायाह ४०.१०, ६२.११; भजन संहिता २८.४; यरमियाह १७.१०
† **२२.१३:** दरसन १.८, १७, २.८; यसायाह ४४.६, ४८.१२ † **२२.१४:** उत्पत्ती २.९, ३.२२

१६† ईसु के हे, "खुद म्हने तम लोगहुंण
के मण्डळिहुंण सरु, इनी बातहुंण की
गवई देवा सरु अपणो सरगदूत मोकल्यो
हे। हूं दाऊद का कुळ को हूं। हूं परोड़ा
माय को चळकतो होयो तारो हूं।"

१७† पवित्तर आतमा अने लाड़ी के हे
"अई जा!"

जो इके सुणे हे उके बी केणो चइये,
"अई जा!"

जो तिरस्यो होय उ बी अई जाय अने
जो चाये उ बी इना जीवन देवा वाळा
पाणी का इनाम के मुफत लई ले।

आखरी बात

१८† हूं सोगन खई के उना लोगहुंण
सरु घोसणा करी र्‌यो हूं जो इनी पोथी
माय लिखी नबुवतहुंण का बचनहुंण के
सुणे हे: उणका माय से अगर कईं को
बी उका माय कइंबी हजु जोड़ेगा तो इनी
पोथी माय लिख्या बिनासहुंण परमेसर
उका पे जोड़ेगा। **१९**अने अगर कईं को बी
इनी नबुवतहुंण की पोथी माय लिख्या
होया बचनहुंण माय से कईं को कंई
घटाड़ेगा, तो परमेसर इनी पोथी माय
लिख्या जीवन का झाड़ अने पवित्तर
नगरी माय से उको हिस्सो उकासे छुड़ई
लेगा।

२०ईसु जो इनी बातहुंण को गवा हे, के
हे, "हां! हूं झट अई र्‌यो हूं।"

आमीन! हे परभु ईसु, अई जा!

२१परभु ईसु की किरपा सगळा का गेले
रे! आमीन।

---

† **२२.१६:** यसायाह ११.१, १० † **२२.१७:** यसायाह ५५.१ † **२२.१८–१९:** नेम-बिधान ४.२, १२.३२

मालवी सबद् भण्डार

अखमीरा रोटा का तेवार फसह का परब को दूसरो नाम, क्योंके साल-भर माय एक हफ्ता तक यो तेवार मनायो जाय हे (निरगमन १२.१५-२०)।

अभिसेक खास काम सरु माथा पे तेल कुड़िके नियुक्त कर्‌यो जाणों। इबराणी भासा माय 'मसीह' या 'मसायाह' सबद् आया हे। परमेसर ने मनख जात पे ईसु के, परभु अने उध्दार करवा वाळो बणायो। इका सरु ईसु के मसीह या मसायाह के हे।

अराधनालय, अराधनाघर पराथना घर देखो

आमीन : असोज होय

इपीकुरी अने स्तोइकी ज्ञान मारगिहुंण पोलुस का बखत माय इपीकुरी अने स्तोइकी ज्ञान मारगिहुंण खास यूनानी पालटी का था। इना ज्ञानी लोगहुंण को बिसास थो के देवताहुंण लोगहुंण से कंई मतलब नी राखता था।

इपीकुरी को खास उद्देस यो थो के जीवन आनन्द माय हे। इकासरु वी उनी सगळी चीजहुंण के पाय जो उणके काया अने दिमागी खुसी दे हे, अने जिणसे उणके दरद होय अने डर लागे छोड़ी लाखता था।

पण स्तोइकीहुंण का बिचार ई हे के मनख परकरती का साते मिळिके रे हे। खुदके काबु माय करिके वजाहुंण जाणवा सरु अपणे खुद के उंचो उठाय, अपणा खुद पे निरभर रेवा की कोसिस अने खुसी के पावा को रस्तो यो हे के जसो चलीर्‌यो हे चलवा दो।

इना दोई ज्ञानमारगिहुंण को पोलुस खण्डण करे हे। पोलुस का बिचार माय यो हे के परमेसर को हरेक का जीवन से नातो हे। जीवन को उद्देस यो हे के परमेसर की मरजी के माने। खुसी पावा को रस्तो परेम अने ईसवर की सेवा हे।

उपास धरम सरु अन्न नी खाणो।

करार दो मनख का अदाड़ माय होवा वाळा मजबुत बन्धण या समजोता के करार, बाचा, वादा, सरत आदि के हे। उणका माय खुद एक दूसरा से वादो करे। जदे परमेसर ने अपणी परजा से बाचा बान्धी तो उने वादा कर्‌या। बाचा दो लोगहुंण का अदाड़ माय बन्धे अगर एक चुकी जाय तो बाचा रद्द हुई जाय हे जेको बड़ो भयानक नतीजो होय हे।

किरपा हलाके हम सगळा पापी हे पण परमेसर ने हमारे एक बरदान द्यो के जो परभु ईसु पे बिसास राखेगा उकापे किरपा करी जायगा। परमेसर ने ईसु के कुरुस पे हमारा पाप की वजासे बलिदान होवा सरु दइद्यो के हमारा पाप ईसु पे बिसास करवा से मांफ कर्या जाय। (रोम.३.२३-२६) परमेसर ने जदे उके मर्या माय से जिवाड्यो तो इकासे परमेसर हमारे बताड़े हे के हम बी उका हक का साते निरदोस हुई के जिवाड्या जावांगा (रोम.४.२५)

कुरुस कुरुस को अरथ सूळी, याने दो लक्कड़ का पाटहुंण के एक के उबो अने एक के आड़ो करिके ठोंकी लाखे; जिके रोमी सासन मुळजिम के मोत की सजा देवा सरु काम माय लेता था। जेके मोत की सजा दई जाती थी उके अपणो कुरुस उठई के लई जाणों पड़तो थो। तो जदे ईसु ने क्यो के "अगर कइंको म्हारा पाछे आणो चावे, तो अपणा खुद के नकारे अने अपणो कुरुस उठई के म्हारा पाछे हुई जाय" (मत्ती १६.२४) उना चेलाहुंण के परभु की सेवा करता होया अपणो पराण बी देणो पड़ेगा, ईसु असो कइर्यो हे के अपणो कुरुस उठई के परमेसर की मरजी मुजब मरे।

खतणो यहूदी नेम-बिधान का मुजब आदमी का जनांग का सामे का हिस्सा का अदरे की चामड़ी काटी लाखणो जरुरी थो। जिकासे लोगहुंण परमेसर का करार से बन्द्या रे हे। इकेज खतणो के हे

जग, जगत जग - योहन का सुब-समिचार माय कंई-कंई यो सबद् (जग, या जगत) उणका सरु काम माय ल्योग्यो हे जो जग माय रे हे, अने बुरी-आतमाहुंण उणके बस माय करिले हे (यो.१२.३१) परमेसर तो आखा जगत से परेम राखे हे, पण इनी जगा ईसु अपणा चेलाहुंण सरु जो इना जग माय रे हे, (यो.१७.१८,२१,२३; मत्ती २८.१९-२०) बात करी र्यो हे अने उणकासे भी जो उकापे बिसास राखे हे।

दया अने भलई परमेसर अपणी दयालुता अने भलई असेज (मुफ्त माय) दे हे - हम इणके अपणी लाइकी से पई नी सकां

दसवों हिस्सो धारमिक काम सरु अपणी कमई को दसवों हिस्सो मंदर माय चड़ावा का रुप माय चड़ायो जाणो।

दुनिया 'जग' देखो

दुस्ट आतमा 'बुरी आतमा' देखो

नबी भविसबाणी केवा वाळा। जो परमेसर को संदेसो लोगहुंण के सुणाय। पुराणा-नेम माय योहन बपतिसमा देवा वाळा तक नरा नबिहुंण था, पण "नवा-नेम" की मण्डळी माय पवित्तर आतमा माय अई के नरा लोगहुंण ने भविसबाणी करी।

नाजीर परमेसर का हुकम से जेका बाल बाळपण से नी काट्या जाय उके नाजीर के हे

नासरी नासरत नगर माय रेवा वाळा नासरी केवाय हे; जसे ईसु के नासरी के हे

नेम-बिधान का गरुहुंण 'नेम-बिधान का सिखावा वाळा' देखो

नेम-बिधान का सिखावा वाळा ईसु मसीह का जमाना में ई लोगहुंण पुराणा

नेम-बिधान की पेली पांच किताब माय से सिखाड्या करता था, जिणके सासत्तरी बी केता था।

नेम-बिधान पुराणा नेम-बिधान की पेली पांच किताबहुंण, "मूसा की पांच किताब" या "मूसा का नेम-बिधान" केवाय हे।

परभु को दन धरती को आखरी दन जदे परभु आयगा अने लोगहुंण को न्याव करेगा।

परभु-भोज कुरुस पे चड़ाया जावा से पेलां परभु ईसु ने अपणा चेलाहुंण का साते आखरी कावा जिम्यो थो। तो उने असो कर्‌यो के जेनी राते उ पकड़ाया जावा वाळो थो, तो उ चेलाहुंण का गेले जिमवा बेठ्‌यो। तो उने रोटो ल्यो अने अपणा चेलाहुंण के दई के क्यो, "लो, या म्हारी काया हे, जो तमारा सरु दई जाय हे।" असेज उने दाखरस को कटोरो ल्यो अने अपणा चेलाहुंण के देता होया क्यो "यो म्हारो नवो करार को लोई हे, जो सगळा सरु बिवाड्यो जाय हे। म्हारी रियाद माय असेज कर्‌या करजो।" परभु-भोज को दूसरो नाम रोटा तोड़णों हे। (मत्ती २६.२६-३०; लूका २२.१४–२०, १ कुरिन्थिहुंण ११–२३-२५ योहन १३.२१–३०)

परमेसर को राज ईसु की सीख की खास बात या थी के परमेसर एक राजा को जसो आखा जगत पे राज करे हे। जो उका नेम-बिधान के माने वी आसीस पाय। ईसु ने खुद अपणा जीवन से एक अच्छी मिसाल दई। परमेसर का राज का नेम-बिधान को हुकम मानिके, उने परमेसर से म्हेमा बी पई।

पराथना घर यहुदिहुंण हरेक सबत् का दन जेनी जगा भेळा हुइने अराधना-उपासणा करे, अने सामाजिक जीवन को आधार, अने यहुदी बाळकहुंण सरु पाठसाला।

परेरित खास मतलब "ईसु का हक से काम सरु मोकल्यो जाणों" या "ईसु की सीख सरु मोकल्यो जाणों"। ईसु की सीख को परचार करवा वाळा अने ईसु का हक से बायरबादा हेड़वा वाळा (मरकुस ३.१४-१५)। परभु ईसु से हक लई के, परेरितहुंण मण्डळी का अगुवाहुंण हुइग्या।

जिना लोगहुंण ने ईसु के जीवतो देख्यो थो, सिरप वीज परेरित केवाया था। इणका अलावा कइंको अपणे परेरित नी कई सकतो थो (परेरितहुंण १.२१-२२)। पण पोलुस ने बी दमिसक नगर का रस्ता पे परभु ईसु के जी उठवा का बाद देख्यो थो अने पोलुस ने बात करी थी। तो परभु ईसु ने उके परचार सरु मोकल्यो थो (परेरितहुंण ८.4-6, 15-16)। इकासरु उने अपणे खुदके परेरित क्यो।

ईसु का खास करिके बारह परेरितहुंण था। दूसरा बी जसे पोलुस, बरनाबास, सिलास अने कुछ परचारकहुंण बी परेरित केवाता था। इका खास अरथ जो 'ईसु का हक से मोकल्या होया मनख' हे, उणकेज परेरित के हे।

पितोकोस्ट को दन फसल पाकवा को तेवार हे, इको अरथ उगण पचास, पचासवा दन फसह को तेवार मनाय हे।

दसवां दन ईसु सरग माय जावा का बाद उने पवित्तर आतमा के मोकल्यो।

फरीसी, फरीसिहुंण यहुदिहुंण की धारमिक पालटी का लोगहुंण फरीसी केवाय हे; जो मूसा का नेम-बिधान के सखती से पाळे हे।

फसह को तेवार मिसर की गुलामी से छुड़ायो जावा की खुसी माय मनाया जावा वाळो तेवार। इना दन मिसरी जात का हरेक परवार का पेलांपेल को बेटो सरगदूत ने मारिलाख्यो थो पण इबराणी घराणा के बचइल्यो थो (निरगमन १२.२३-२७)।

बपतिसमा खास अरथ धुलणो या ठंडा माय डुबणो। जल संस्कार पाणी से, या पाणी माय, एक तरा की रीत। पापहुंण की मांफी सरु हिरदो बदळवा अने पसतावा सरु मनखहुंण ने बपतिसमो ल्यो (मरकुस १.४)। ईसु ने बपतिसमा के परख्या जावा को दुःख क्यो (मरकुस १०.३८)।

बरत 'उपास' देखो

बायर बादा 'बुरी आतमा' देखो

बालजबूल "नवा-नेम" माय इको नाम सेतान आयो हे।

बुरी आतमा बुरी आतमा जो सेतान का दास हुई के लोगहुंण माय भरई के लोगहुंण को नास करे। जसे के रोग, लड़ई-झगड़ो, बुरा बिचार, सगळा बुरा करम, दूसरा के सताड़णो खास करिके अच्छा अने भला लोगहुंण के भेकाणों, या परमेसर का मारग से दूरा करनो, ई सगला काम करवा या करवावा वाला केज बुरी आतमा, बायर बादा, दुस्ट आतमा के हे।

मंदर मंदर, याने परमेसर को निवास, जेकी योजणा मूसा के परमेसर ने दई थी, अने दाऊद राजा का बेटा सुलेमान राजा ने इना मंदर के यरुसलेम माय बणायो थो।

मनख को बेटो इना वाक्य के ईसु ने खुद सरु काम माय ल्यो। इका तीन अरथ हिटे हेः १. ईसु अपणा खुदका बारामें कइर्‌यो हे (मरकुस २.१२)। २. वह सांचो मनख थो। ३. उ पिता परमेसर से सामरत अने हक के पई के हमेसा-हमेसा को सासन करेगा (दानियल ७.१३-१४; लूका २२.६९,७०)।

मसीह माथा पे तेल कुड़िके खास काम सरु नियुक्त कर्‌यो जाणों। इबराणी भासा माय मसीह या मसायाह, यूनानी भासा माय ख्रीष्ट हे। परमेसर ने मनख जात पे ईसु के परभु अने उध्दार करवा वाळो बणायो।

मिसाल बारता माय सच्चई के बताड़वा सरु मिसाल दे हे। ईसु ने मिसाल माय सरग की सच्चई बताड़ी हे।

मूसा नरा वखत पेलां मूसा नबी का मारफत परमेसर ने इस्राइल जात के अपनो नेम देद्‌यो। "नेम-बिधान" माय देखो।

म्हापुरोहित म्हापुरोहित जो बरस माय सिरप एक बारज यरुसलेम नगर का मंदर की महा पवित्तर जगा माय इसराइल का पाप सरु बलिदान को लोई लई के जाय हे। यो यहुदिहुंण की म्हासबा को एक बरस सरु परधान रे हे।

म्हेमा मान, म्हानता। योहन का सुब-समिचार का मुजब ईसु ने म्हेमा को

नातो कुरुस पे दुःख उठाणे अने मोत झेळणा के मान अने म्हानता कई हे, जदे सरग का नेम-बिधान से परमेसर ने ईसु के मर्‌या माय से जिवाड़्यो याज तो परभु की म्हेमा हे।

रोटा तोड़णों 'परभु-भोज' देखो

लुबान अरब देस माय पाया जावा वाळा झाड़का को रस; जो सुगन देवा वाळो पदारथ हे।

लेवी १) 'याकूब' और उकी घराळी 'लिया' से पेदा होयो तीसरो बेटो जेको नाम हे, लेवी (उत्पत्ती २९.३४)। २) लेवी गोत का सदस्यहुंण। ३) उ जणों जो धारमिक सेवा सरु पुरोहित की मदद करे, लेवी केवाता था।

संसार 'जग' देखो

सगळा से ऊंची पवित्तर जगा मंदर सगळा से खास कोठरी या डेरा की वा जगा जेका माय करार की पेटी धरी जाय जेना डेरा का माय बरस माय एक कावा सिरप खासपुरोहितज जई सके जेके सगळा से ऊंची पवित्तर जगा के हे।

सदूकीहुंण यहुदिहुंण माय की एक पालटी जो मनख का मर्‌या माय से जी उठणा पे बिसास नी करे। ई बी जोस से भर्‌या फरीसी की पालटी सरीका हे।

सबत्, छुट्टी को दन यहुदिहुंण को पवित्तर छुट्टी को दन सुक्करवार से थावर की सांज तक। इना दन माय कइंज नी करे सिरप पराथना घर माय जई के अराधना-उपासना करे।

समज बुद्दी, ज्ञान, विवेक, मन की अवाज, डिमाग, समज आदि जिका माय अच्छा अने बुरा के परखवा की समज होय। अने उकापे बिचार करी सके अगर बुरो करे तो सरम आणी चइये या दोषी होवा को भान होणो चइये पण अच्छो करे तो अच्छोज अच्छो म्हेसुस होयगा। पोलुस को केणो हे, "के म्हारी समज बिलकुल सुद्द हे" इको अरथ यो के पाप से अपणे खुद के बचाड़ी के चलनो चइये।

सरग को राज मत्ती का सुब-समिचार माय 'सरग को राज' जां लिक्ख्यो हे उकी जगा पे दूसरा सुब-समिचारहुंण माय 'परमेसर को राज' आयो हे, क्योंके मत्ती का वांचवा वाळा यहुदिहुंण परमेसर को नाम नी लेता था। 'परमेसर को राज' अने 'सरग को राज' दोइको अरथ एकज सरीको हे।

सामरी यो नाम सामरिया का रेवा वाळाहुंण सरु काम माय ले। जो यहुदिहुंण से छोटी जात का हे। यां तक के सामरीहुंण का हात से पाणी बी नी पे, इणकी रीत-रिवाज, अराधना-उपासणा सरु इणको बिचार यहूदिहुंण से मेळ नी खाय हे।

सासत्तरी नेम-बिधान का सिखावा वाळा। सासत्तर का जाणकार लोगहुंण

हेरोदेस राजा की पालटी राजनेतिक पालटी जो लगभग ईसु मसीह का बखत यहुदिहुंण सरु बणी थी; जो हेरोदेस को समरथन करती थी क्योंके हरोदेस रोमी राजपाल थो।

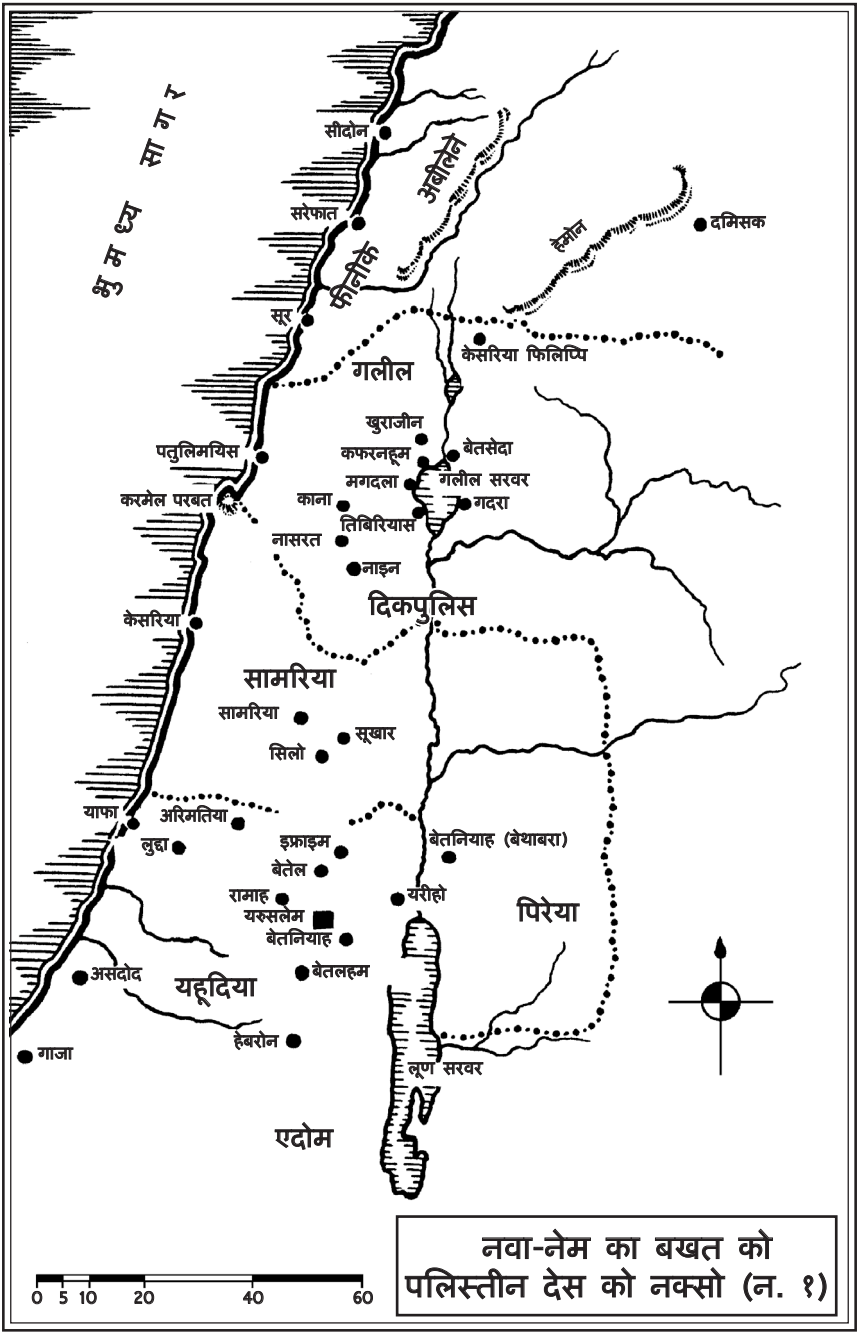

नवा-नेम का बखत को पलिस्तीन देस को नक्सो (न. १)

नवा-नेम का रोमी राज को नक्सो
(न. २)
इतालिया
इल्लुरिकुम
अदरिया सागर
मूसिया
मकिदुनिया
थरेसिया
रोम
अप्पियुस को चोक
पुतियुली
अप्पोलोनिया
अम्फिपुलिस
नियापुलिस
थिस्सलुनीके
अप्पोलोनिया
बिरीया
सुमातराके
निकोमेदिया
बिथुनिया सने पुन्तुस
गलातिया
कप्पदूकिया
त्रोआस
अस्सुस
अद्रमुत्तियुस
एजियल
पिरगमुन
मितुलेने
थुआथीरा
एसियन सागर
सरदीस
फिलादेलफिया
पिसिदिया
को अन्ताकिया
इसमुरना
आसिया
लोदीलिया
इकुनियुस
अन्तिओकुस
सिसलिया
रेगियुम
कुरिन्थियुस
एथेन
इफिसुस
कुलुस्से
लुसतरा
पम्फुलिया
सामोस
मिलेतुस
दिरबे
तरसुस
किलकिया
सूरकुसा
पतमुस
पिरगा
अतालिया
लिसिया
सिलुकिया
अन्ताकिया
कोस
कनिदुस
पतारा
मूरा
रुदुस
मिलिते
सीरिया
क्रेति
सलमीस
कुपरुस
फिनीके
पापुस
अच्छी लंगरबारी
कोदा
सीदोन
दमिसक
सूर
पतुलियमिस
भू म ध्य सा ग र
केसरिया
अन्तिपतरिस
याफा
यरुसलेम
गाजा
हेरोद अगरिप्पा
सिकन्दरिया
मिसर
0 50 100 150 200
कि मी